मत्ती रचित सुसमाचार

ईसू क बंसावली

(लूका 3:23-38)

1 इ ईसू मसीह क बंसज बृच्छ अहइ। इब्राहीम क बंसज
दाऊद क पूत ईसू मसीह अहइ।

2 इब्राहीम क बेटवा इसहाक।
इसहाक क बेटवा याकूब।
याकूब क बेटवन यहूदा
अउर ओकर भाइयन।
3 यहूदा क बेटवन फिरिस अउर जोरह।
(ओनके महतारी तामार।)
फिरिस क बेटवा हिस्रोन।
हिस्रोन क बेटवा एराम।
4 एराम क बेटवा अम्मीनादाब।
अम्मीनादाब क बेटवा नहसोन।
नहसोन क बेटवा सलमोन।
5 सलमोन क बेटवा बोअज।
(बोअज की महतारी राहब।)
बोअज क बेटवा ओबेद।
(ओबेद की महतारी रूथ।)
ओबेद क बेटवा यिसै।
6 यिसै क बेटवा दाऊद राजा।
दाऊद क बेटवा सुलैमान।
(सुलैमान की महतारी
उरिय्याह की पत्नी।)
7 सुलैमान क बेटवा रहबाम।
रहबाम क बेटवा अबिय्याह।
अबिय्याह क बेटवा आसा।
8 आसा क बेटवा यहोसाफात।
यहोसाफात क बेटवा योराम।
योराम क बेटवा उज्जियाह।
9 उज्जियाह क बेटवा योताम।
योताम क बेटवा आहाज।
आहाज क बेटवा हिजकिय्याह।
10 हिजकिय्याह क बेटवा मनस्से।
मनस्से क बेटवा आमोन।
आमोन क बेटवा योसिय्याह।
11 योसिय्याह क बेटवन यकुन्याह
अउर ओकर भाइयन।
(इस्राइल क मनइयन क कइदी बनाइ के
बेबीलोन लइ जांत क समइ उ दुइनउँ जनमेन।)
12 बेबीलोन मँ ल जाए क पाछे:
यकुन्याह क बेटवा सालतिएल।
सालतिएल क बेटवा जरुब्बाबिल।
13 जरुब्बाबिल क बेटवा अबीहूद।
अबीहूद क बेटवा इल्याकीम।
इल्याकीम क बेटवा अजोर।
14 अजोर क बेटवा सदोक।
सदोक क बेटवा अखीम
अखीम क बेटवा इलीहूद।
15 इलीहूद क बेटवा एलीआजर।
एलीआजर क बेटवा मत्तान।
मत्तान क बेटवा याकूब।
16 याकूब क बेटवा यूसुफ।
यूसुफ मरियम क पति।
ईसू क महतारी मरियम।
ईसू, मसीह कहा गवा।

17इ तरह इब्राहीम स दाऊद ताईं चउदह पीढ़ी बीत
गइन। अउर दाऊद स लइके कइदी बनाइके बेबीलोन
पठए जाइ तलक चउदह पीढ़ी। अउर कइदी बनाइ के
बेबीलोन पठए जाइ स मसीह क जनम ताईं चउदह पीढ़ी
अउर भइन।

ईसू मसीह क जनम

(लूका 2:1-7)

18ईसू मसीह क जनम इ तरह भवा: जब ओकर
महतारी मरियम क यूसुफ क साथ बरिच्छा भइ तउ
बियाहे स पहिले ही पता लगि गवा कि उ पवित्तर आतिमा
क सक्ती स ओकर गोड़ भारी होइ ग। 19मुला होइवाला
ओकर भतार यूसुफ एक ठु बढ़िया मनई रहा। उ इ बात
क खोलिके बतावइ स बदनाम नाहीं होइ चाहत रहा। तउ
उ मने मँ ठानि लिहेस कि उ वरिच्छा क चुप्पे स पक्का
न होइ दे। 20फिन जबहिं उ इ बारे मँ सोचत रहा कि उ
सपने मँ आपन समन्वा पर्भू क दूत परगट होत ओसे
कहेस, “हे यूसुफ, दाऊद क बेटवा,*मरियम क पत्नी

दाऊद क बेटवा दाऊद क परिवारे क मनई, इस्राएल क दूसर
राजा, मसीह क 1000 बरिस पहिले।

बनवइ स जिन डेरा काहेकि जउन बचवा ओकरे गरभ
मँ अहइ, उ पवित्तर आतिमा क अहइ। 21उ एक पूत क
जनमी। तू ओकर नाउँ ईसू धर्‍या काहेकि उ आपन
मनइयन क पापन स उद्धार देई।”
22इ सब कछू यह बरे भवा ह कि पर्भू नबी स जउन
कछू कहवाएस, पूरा होइ: 23“सुना, कुँआरी कन्या गोड़े
स भारी होइके एक बेटवा क जनमी। ओकर नाउँ
इम्मानुएल रक्खा जाई।”*(जेकर अरथ अहइ, “परमेस्सर
हमरे लगे बाटइ।”)
24जब यूसुफ नींदे स जागि गवा तउ उ उहइ किहेस
जउन जेका करइ क पर्भू क दूत ओका हुकुम दिहेस। उ
मरियम क बियाहीके आपन घरे लइ आइ। 25मुला उ
जब ताईं उ पूत क जनम नाहीं दिहेस तब ताईं यूसुफ
ओकरे लगे सोएस नाहीं। यूसुफ बेटवा क नाउँ ईसू
रखेस।

पूरब स बिद्वानन क आउब

2 यहूदिया क बैतलहम मँ अब ईसू क जनम भवा
तबहिं हेरोदेस राज्य करत रहा। कछू समइ बीत जाइ
क पाछे कछू बिद्वान जउन नछत्रन क बारे मँ पढ़त
रहेन, पूरब स यरूसलेम आएन। 2उ पचे पूछेन, “नवा
पइदा भवा बचवा कहाँ बाटइ जउन यहूदियन क राजा
अहइ? हम ओकरे नछत्र क अकासे मँ देखा ह। यह बरे
हम पूछत अही। हम पचे ओका आराधना करइ आइ
अही।”
3जबहिं राजा हेरोदेस इ सुनेस तउ उ बहोतइ बेचइन
भवा। ओकरे साथे यरूसलेम क सब मनइयन फिकिर
करइ लागेन। 4तउ उ यहूदी समाज सब मुख्ययाजकन
अउर धरम सास्तिरियन क एँकट्ठा कइके उ पचेन स
पूछेस कि मसीह क जनम कहाँ होइ क अहइ?
5उ पचे ओका बताएन, “यहूदिया क बैतलहम मँ।
काहेकि नबी पवित्तर सास्तरन मँ इ तरह लिखे बाटइ:

6 ‘तू बैतलहम यहूदा क धरती प टिका अहा, तू
यहूदा क अधिकारियन मँ कउनो तरह स
छोट नाहीं काहेकि तोसे एक ठु राजा परगट
होई जउन मोरे मनइयन, इस्राएल क देख भाल
करी।’”

मीका 5:2

7तब हेरोदेस चुप्पे स तारा गियान क पण्डितन क
बोलाएस अउर ओनसे पूछेस, कि उ तारा ठीक समइ प
कब देखॉइ पड़ा? 8फिन उ ओनका बैतलहम पठएस
अउर कहेस, “जा, उ बचवा क बारे मँ नीक नीक पता
लगावा अउर जबइ तू उ पचेन क मिल जाइ तउ मोका
बतावा जेह बरे मइँ भी आइके ओकर आराधना कइ
सकउँ।”
9फिन उ पचे राजा क बात सुनिके चल दिहन। उ
तारा जेका उ पचे अकासे मँ निकरा निहारेन उ ओनके
अगवा अगवा तब तलक गवा जब तलक उ लोग हुआँ
पहुँच नाहीं गएन जहाँ उ बचवा रहा। 10जब उ पचे तारा
क देखेन तउ उ सबइ आनंद स झूमि उठेन।
11उ सबइ घरवा क भीतर गएन अउर बचवा क
अउर ओकरी महतारी मरियम क संग दरसन किहन।
उ पचे सास्टांग दण्डवत करेन अउर ओकर आराधना
करेन। फिन आपन कीमती चीजन्क पिटारी स सोना,
लोहबान अउर इत्र क भेंट चढ़ाएन। 12मुला परमेस्सर
ओनका सपने मँ होसियार कइ दिहस कि उ पचे हेरोदेस
क पास लौटि क न जाइँ। तउ उ सबइ एक दुसरे राहे स
आपन देस लौटि गएन।

ईसू क लइके माता पिता क मिस्र जाब

13जब उ पचे चल दिहन तउ यूसुफ क सपने मँ पर्भू
क दूत परगट होइके कहेस, “उठा, बचवा क अउर
ओकर महतारी क चुप्पे स लइके मिस्र भागि जा। जब
ताईं मइँ तोसे न कहउँ, हुवाँ ठहर्‍या। काहेकि हेरोदेस इ
बचवा क जान स मरवावई बरे खोजी।”
14तउ यूसुफ खड़ा भवा अउर बचवा अउर ओकर
महतारी क रातोरात मिस्र क चलि पड़ा।
15फिन हुवाँ हेरोदेस क मउत तक रुकि गवा। इ यह
बरे भवा कि पर्भू जउन नबी स कहवाए रहा, उ पूरा होइ
जाइ, “मइँ आपन पूत क मिस्र स बाहेर आवइ बरे
कहेउँ।”*

बैतलहम क सब लरिकन क हेरोदेस जान स मरवाइ दिहस

16हेरोदेस जबहिं इ देखेस कि तारा गियानी ओकरे
संग इ चाल चलेन ह, तउ उ बहोत गुस्साइ गवा। जइसा
तारा गियान क पण्डितन क बताए भए क अनुसार उ
हुकुम दिहस कि बैतलहम अउर ओकरे नगिचे क पहँटा
मँ दुइ साल या एसे छोटवार लरिकन क जान स मरिवाइ
दीन्ह जाइ। 17नबी यिर्मयाह क कहा भवा बचन पूरा होइ
ग:

18“रामाह मँ दु:ख भरा सब्द रोवइ अउर विलपइ
क सुना गवा। राहेल रोवत रही आपन बचवन
बरे उ नाहीं चाहेस कि कउनो धीरा धरावइ
काहेकि ओकर सबइ बचवन मरि गवा
रहेन।”

यिर्मयाह 31:15

‘सुना ... जाई’ यसा 7:14

‘मइँ ... कहेउँ’ होसे 11:1

यूसुफ अउर मरियम क मिस्र लौटब

19फिन हेरोदेस क मउत क पाछे मिस्र मँ यूसुफ क
सपन आवा ओहमाँ पर्भू क एक ठु दूत परगट भवा।
20अउर सरगदूत ओसे कहेस, "उठि जा, बचवा अउर
ओकर महतारी क लइके इस्राएल क धरती प जा
काहेकि जउन बचवा क मार डारइ चाहत रहेन उ सबइ
मर बिलाइ गएन।"

21तब यूसुफ उठि गवा अउर बचवा अउर ओकर
महतारी क लइके इस्राएल गवा। 22मुला यूसुफ जब इ
सुनेस कि यहूदिया प आपन बाप हेरोदेस क जगह प
अरखिलाउस राज्य करत अहइ तउ उ हुवाँ जाइ स
डेराइ गवा। फिन सपने मँ परमेस्सर स हुकुम मिले क
पाछे उ गलील पहँटा बरे चल दिहस 23अउर हुवाँ नासरत
नाउँ क नगर मँ घर बनाइके रहइ लाग; यह बरे नबियन
क कहा भवा बचन पूरा होइ जाइ कि, 'उ नासरी' कहा
जाइ।

बपतिस्मा देइवाला यूहन्ना क काम

(मरकुस 1:1-8; लूका 3:1-9, 15-17; यूहन्ना 1:19-28)

3 उ दिनन बपतिस्मा देइवाला यूहन्ना यहूदिया क उसरे
मँ उपदेस देत भवा हुवाँ आइ। 2उ इ प्रचार करइ
लाग, "मन फिरावा काहेकि सरग क राज्य जल्दी आवइ
क अहइ।" 3इ उहइ यूहन्ना बाटइ जेकरे बारे मँ नबी
यसायाह बात बतावत कहेस ह:

> "उसरे मँ एक पुकारैवालन क सब्द अहइ: 'पर्भू
> बरे रस्ता तइयार करा अउर ओकरे बरे सोझ
> रस्ता बनवा।'" *यसायाह 40:3*

4यूहन्ना क ओढ़ना ऊँटे क ऊन स बना रहा अउर
करिहाउँ प चमड़ा क पेटी बाँधे रहा। ओकर खइया क
टिड्डन अउर जंगली सहद रहा। 5उ समइ यरूसलेम,
समूचा यहूदिया अउर यरदन नदी क नगिचे क मनई
ओकरे लगे ओका सुनइ एँकट्ठा भएन। 6उ पचे आपन
पापन्क कबूलेन्ह अउर यरदन नदी मँ उ बपतिस्मा*
दिहस। 7जब उ लखेस कि ढेर फरीसियन* अउर
सदूकियन* ओकरे लगे बपतिस्मा लेइ आवत अहइँ तउ
उ ओनसे कहेस, "ओ सरप क बच्चा लोग! तू पचन क
कउन चिताउनी दिहस ह कि परमेस्सर क होइवाला
क्रोध स बच जा? 8तोहका इ बात क प्रमान देइ पड़ी कि
तू पचे फुरे फुरे मनफिराया ह। 9अउर इ जिन सोचा कि
खुद अपने स कहे बिना इ बात काफी होई जाई, 'हम पचे
इब्राहीम क संतान अही।' मइँ तोसे कहत हउँ कि परमेस्सर
इब्राहीम बरे इ पथरन स बचवन क पइदा कइ सकत ह।
10बृच्छन* क जरे प कुल्हाड़ा रखा बाटइ अउर हर
एक बृच्छ जउन फर पइदा नाहीं करतेन, उ काटिके
गिराइ दीन्ह जइहीं; अउर फिन ओका आगी मँ झोंकि
दीन्ह जाई।

11"मइँ तोहका तोहरे मनफिराव बरे पानी स बपतिस्मा
देत हउँ; मुला उ जउन मोरे पाछे आवइवाला अहइ उ
मोसे जिआदा बरिआर अहइ। मइँ तउ ओकर पनही
खोलइ क जोग्ग नाहीं। उ तोहका पवित्तर आतिमा अउर
आगी स बपतिस्मा देइ। 12ओकरे हाथे मँ सूप अहइ, जेसे
उ अनाजे क भूसा स अलग करी। अपने खरिहाने स उ
साफ कीन्ह अनाजे क उठाइ क, एँकट्ठा कइके कोठिला
मँ भरि देइ अउर भूसा क अइसी आगी मँ नाइ दीन्ह जाई
कि बुझाए प बुझी।"

ईसू क यूहन्ना स बपतिस्मा लेब

(मरकुस 1:9-11; लूका 3:21-22)

13उ समइ ईसू गलील स चलिके यरदन क किनारे
यूहन्ना क नगिचे ओसे बपतिस्मा लेइ बरे आवा। 14मुला
यूहन्ना ईसू क निर्नय बदले क जतन करत कहेस,
"मोका तउ खुद तोसे बपतिस्मा लेइ क दरकार अहइ।
फिन तू काहे मोरे नगिचे आया ह!"

15ईसू जवाबे मँ ओसे कहेस, "अबहिन तउ एँका
अइसे होइ द्या। जउन परमेस्सर चाहत अहइ, हमका उ
पूरा करब नीक बाटइ।" फिन उ वइसे होइ दिहस।

16अउर तबहिं ईसू बपतिस्मा लइ लिहस। जइसे उ
पानी स बाहेर आवा, अकास खुलि गवा। उ परमेस्सर क
आतिमा क एक ठु कबूतरे क नाईं खाले उतरत अउर
ऊपर आवत देखेस। 17तबहिन अकासबाणी भइ: "इ मोर
पिआरा पूत अहइ। जेसे मइँ खूब खुस हउँ।"

ईसू क परीच्छा

(मरकुस 1:12-13; लूका 4:1-13)

4 फिन आतिमा ईसू क उसरे मँ लइ गइ, काहेकि
सइतान क जरिए ओका परखा जाइ। 2चालीस दिन
अउर चालीस रात भुखिया क पाछे जब ओका भूख
तड़पावइ लाग

3तउ ओका ललचावइ वाला ओकरे लगे आवा अउर
कहेस, "जदि तू परमेस्सर क पूत बाट्या तउ इ सबइ
पथरन स कहा कि इ सब रोटी बन जाइँ।"

बपतिस्मा एक यूनानी सब्द अहइ। जेकर अरथ अहइ पानी मँ बुड़की या गोता लगाउब।

फरीसियन एक यहूदी धार्मिक समूह, जउन मूसा क व्यवस्था अउ रीति रिवाज क कट्टर होइके मानत रहा।

सदूकियन एक यहूदी धार्मिक समूह जउन 'पुराना धर्म नियम' की केवल पहली पाँच पुस्तकन क स्वीकार करत ह अउर कउनो क मर जाने क बाद ओकर पुनरुत्थान नाहीं मानता।

बृच्छन अर्थात जउन मनई ईसू मँ बिसवास नाहीं रखतेन।

4ईसू जवाब दिहस, "पवित्तर सास्तरन मँ लिखा बाटइ:

'मनई सिरिफ रोटी स नाहीं जिअत मुला उ हर
एक सब्द स जिअत ह जउन परमेस्सर क मुँहे
स निकरत ह।'"

व्यवस्था विवरण 8:3

5फिन सइतान ओका यरूसलेम क पवित्तर सहर मँ
लइ गवा। हुआँ मंदिर क सब स ऊँचे बुर्जे प खड़ा होइके
6उ ओसे कहेस, "जदि तू परमेस्सर क पूत बाट्या, तउ
नीचे कूदि जा काहेकि पवित्तर सास्तरन मँ लिखा बाटइ:

'उ तोहरे रखवारी बरे आपन दूतन क हुकुम
देइ अउर उ पचे तोहका हाथन स उठइहीं जेह
बरे तोहरे गोड़े मँ कउनो पाथर ताईं न लागइ।'"

भजन संहिता 91:11-12

7ईसू जवाब दिहेस, "मुला पवित्तर सास्तरन इहउ
कहत ह,

'अपने पर्भू परमेस्सर क परीच्छा मँ जिन डावा।'"

व्यवस्था विवरण 6:16

8फिन सइतान ईसू क बहुतइ ऊँच पहाड़े प लइ गवा
अउर ओका इ संसार क सब राज्य अउर ओनकइ माया
वैभव देखाएस। 9सइतान तब ओसे कहेस, "इ सब चीजन्क
मइँ तोहका दइ देब जदि तू मोरे अगवा दण्डवत करा
अउर मोर आराधना करा।"

10फिन ईसू ओसे कहेस, "सइतान! दूर होइजा। पवित्तर
सास्तरन कहत ह:

'आपन पर्भू परमेस्सर क आराधना अउर सिरिफ
ओकर सेवा करा।'"

व्यवस्था विवरण 6:13

11फिन सइतान ओका छाँड़ि के चला गवा। अउर
सरगदूतन आइके ओकर सेवा करइ लागेन।

ईसू गलील मँ काम सुरू करेस

(मरकुस 1:14-15; लूका 4:14-15)

12जब ईसू सुनेस कि यूहन्ना पकड़ लीन्ह गवा ह, तउ
उ गलील लौटि आइ। 13मुला उ नासरत मँ नाहीं रुका
अउर जाइके कफरनहूम मँ रहइ लाग जउन जबूलून
अउर नप्ताली क पहटा मँ गलील झीले के नगिचे रहा।
14इ यह बरे भवा कि परमेस्सर क नबी यसायाह जउन
कहेस ह, उ पूरा होइ जा:

15"जबूलून अउर नप्ताली क देस सागर क राहे
प, यरदन नदी क पच्छिम मँ, गैर यहूदियन
क देस गलील मँ
16 जउन मनई अँधियारे मँ जिअत रहेन उ सबइ
एक भारी जोति देखेन अउर जउन मउत क
परिछाईं क देस मँ रहत रहेन, ओन प ज्योति
क भन्सारे क रोसनी फैलि गइ।"

यसायाह 9:1-2

ईसू चेलन्क चुनेस

(मरकुस 1:16-20; लूका 5:1-11)

17उ समइ स ईसू सुसमाचार क प्रचार सुरू कइ
दिहस, "मनफिराव करा काहेकि सरगे क राज्य नगिचे
बाटइ।"

18जब ईसू गलील झिलिया क नगिचे स जात रहा, उ
दुइनउँ भाइयन क निहारेस समौन (जउन पतरस कहा
गवा।) अउर ओकर भाई आन्द्रियास उ पचे झिलिया मँ
जाल डारत रहेन। उ पचे मछुआरा रहेन। 19ईसू ओनसे
कहेस, "मोरे पाछे आवा। मइँ तोहका सिखाउब कि लोगन्क
बरे मछरी पकड़इ क बजाय मनई रूप मँ मछरी कइसे
बटोरी जात हीं?" 20उ सबइ तुरतहिं आपन जाल छाँड़ि
दिहन अउर ओकरे पाछे होइ गएन।

21फिन उ हुवाँ स आगे चला गवा। उ देखेस कि
जब्दी क बेटवा याकूब अउर ओकर भाई यूहन्ना आपन
बाप क संग नाउ मँ बैठिके आपन जालन्क मरम्मत
करत रहेन। ईसू ओनका बोलाएस। 22अउर उ पचे
फउरन नाउ अउर बाप क छाँड़िके ओकरे पाछे चल
दिहन।

ईसू क मनइयन क उपदेस अउर ओनका चंगा करब

(लूका 6:17-19)

23ईसू समुच्चइ गलील पहटा मँ यहूदी आराधनालयन
मँ सरगे क राज्य क सुसमाचार क उपदेस देत अउर हर
तरह क बेरामी अउर घोर कस्टन क दूर करत घूमइ
लाग।

24समुच्चइ सीरिया देस मँ ओकरे बारे मँ खबर संचर
गई। यह बरे लोग अइसे मनइयन जउन खूब बेरामी रहेन
या जउन तरह तरह के बेरामी अउर भारी बेदनन स
पीड़ित रहेन। जेह प दुस्ट आतिमन सवार रहीं जेका
मिर्गी आवत रही अउर जउन सुखंडी रहेन, ओनका
ओकरे पास लावइ लागेन। ईसू ओनका चंगा किहेस।

25यह बरे गलील, दिकापुलिस, * यरूसलेम, यहूदिया
अउर यरदन नदी क उ पार मनइयन क भारी भीड़ पाछे
पाछे होइ लाग।

दिकापुलिस यूनानी भाखा मँ कहा जात ह, जेकर अरथ
अहइ दस सहर।

ईसू क उपदेस

(लूका 6:20-23)

5 ईसू जब भारी भीड़ देखेस उ एक पहाड़े प चला
गवा। हुवाँ उ बैठि गवा अउर ओकर चेलन ओकरे
नगिचे आएन। 2तबहिं ईसू उपदेस देत भवा कहेस:

3 “धन्य अहइँ उ पचे जउन दीन अहइँ, काहेकि
सरगे क राज्य अहइ ओनके बरे।
4 धन्य अहइँ उ सबइ जउन सोक करत हीं
काहेकि परमेस्सर ओनका धीरज बँधावत
ह।
5 धन्य अहइँ उ सबइ जउन नम्र अहइँ काहेकि
इ धरती ओनही क अहइ।
6 धन्य अहइँ जउन उहइ करब चाहत हीं जउन
परमेस्सर चाहत ह। काहेकि परमेस्सर
ओनका संतोस देइ, अउर तृप्ति देई।
7 धन्य अहइँ जउन दयालु अहइँ काहेकि ओन
पइ अकास स द्या बरसी।
8 धन्य अहइँ जउन हिरदय स सुद्ध अहइँ काहेकि
उ सबइ परमेस्सर क दरसन करिहीं।
9 धन्य अहइँ जउन सान्ति बरे काम काज करत
हीं काहेकि उ सबइ परमेस्सर क पूत कहा
जइहीं।
10 धन्य अहइँ जउन धर्म क कारण सतावा जात
हीं काहेकि सरगे क राज्य ओनही क अहइ।

11“अउर तू पचे धन्य अहा काहेकि जब लोग तोहका
बेज्जत करइँ, तोहका सतावइँ अउर मोरे बरे तोहरे खिलाफ
सब पुकार क झूठी बातन कहइँ, बस यह बरे तू सबइ
मोर मनवइया अहा, 12तब तू सबइ खुस रह्या, आनंद मँ
रह्या, काहेकि सरगे मँ तोहका एकरे बरे अच्छा होई। इ
वइसे ही बाटइ जइसे तोहरे पहिले क नबियन क मनइयन
सताएन ह।

तू नोन क नाईं अहा, तू प्रकास क नाईं अहा

(मरकुस 9:50; लूका 14:34-35)

13“तू सबइ समुच्चइ मनई बरे नमक अहा। मुला जदि
नोन नोनखार न होइ तउ ओका फिन नोन कइसे बनाइ
जाइ सकत ह। उ फिन कउनो कामे क न रही। सिरिफ
यह बरे कि ओका मनई क गोड़वा तले फेंक दीन्ह जाइ।

14“तू संसार क प्रकास अहा। एक ठु अइसा सहर
जउन पहाड़े क चोटी प बसा अहइ, उ छिपाए स छिप
नाहीं सकत। 15लोग दिया बारि के ओका बाल्टी तले
नाहीं रखतेन मुला ओका डीबट प धइ देत हीं। अउर उ
घरे क सब मनई क प्रकास देत ह। 16मनई क समन्वा
तोहार प्रकास अइसा चमकइ कि तोहरे नीक कामन्क
निहारइँ अउर सरगे मँ बइठा भवा तोहार परमपिता
महिमा बखानइ।”

ईसू अउर पवित्तर धरम सास्तर

17“इ जिन सोचा कि मइँ मूसा क व्यवस्था या नबियन
क लिखा भवा क नस्ट करइ आइ हउँ। मइँ ओन
सबन्क नस्ट करइ नाहीं आइ हउँ मुला ओनके पूरा पूरा
अरथ क समझावइ आइ अहउँ। 18मइँ तोहसे सच कहत
हउँ कि जब ताईं इ धरती अउर अकास नस्ट नाहीं होइ
जातेन, व्यवस्था क एक एक सब्द अउर एक एक
अच्छर बना रही, उ तब ताईं बना रही जब ताईं उ पूरा
नाहीं होइ जात। 19यह बरे जउन इ छोटवार स छोटवार
हुकुमन क तोड़त ह अउर लोगन्क वइसा ही करइ
सिखावत ह, उ सरगे क राज्य मँ कउनो बड़कई न पाई।
मुला जउन ओहपइ चलत ह अह दूसर मनइयन क
ओनपइ चलइ क उपदेस देत ह, उ सरगे क राज्य मँ
बड़कवा समुझा जाई। 20मइँ तोहसे सच कहत हउँ कि
जब ताईं तू पचे धरमसास्तिरियन अउर फरीसियन क
धरम मानइ स अगवा जिन जा, कि तू सरगे क राज्य मँ
घुसइ न पावा।

किरोध

21“तू पचे सुन चुक्या ह कि हमार पूर्वजन स कहा ग
रहा, ‘हत्या जिन करा* अउर जदि कउनो हत्या करत
ह तउ ओका अदालत मँ जवाब दिहे होई।’ 22मुला मइँ
तोहसे कहत हउँ कि जउन मनई आपन भाई प किरोध
करी, ओहका भी अदालत मँ एकरे बरे जवाब दिहे होई।
अउर जउन आपन भाई क बेज्जत करी ओका सबते
ऊँच अदालत मँ जवाब दिहे होई। जदि कउनो आपन
भाई स कहइ, ‘अरे जाहिल, मूर्ख’ तउ नरके क आगी
क बीच ओह पइ एका जवाब दिहे होई।

23“यह बरे जदि तू वेदी प आपन भेंट चढ़ावत ह
अउर हुवाँ तोहका याद आइ जाइ कि तोहरे मन मँ तोहरे
भाई खातिर कउनो खिलाफ बात बाटइ 24तउ तू भेंट क
वेदी के सामने छाँड़ि द्या अउर पहिले जाइके आपन
भाई स सुलह कइ ल्या अउर फिन आइके भेंट चढ़ावा।

25“जब ताईं तू मुद्दई क संग रस्ता मँ रहा, झटपट
ओसे मेल कइ ल्या। कहूँ अइसा न होइ कि उ तोहका
हाकिम क सौंप देइ अउर हाकिम तोहका सिपाही क।
फिन तू जेल मँ धाँध दीन्ह जा। 26मइँ तोहका सच सच
बतावत हउँ कि जब तक तू पाई पाई क हिसाब न कइ
देब्या तब तलक तू जेल स न छूटि पउब्या।

व्यभिचार

27“तू सुनि लिहा कि इ कहा गवा अहइ, ‘व्यभिचार
जिन करा।’ * 28मुला मइँ तोहसे कहत हउँ कि जदि
कउनो स्त्री क बुरी निगाह स देखत ह तउ उ आपन मन

‘हत्या जिन करा’ निर्ग 20:13; व्यवस्था 5:17

‘व्यभिचार जिन करा’ निर्ग 20:14; व्यवस्था 5:18

मँ पहिले ही ओकरे संग संभोग कइ चुका अहइ। 29यह
बरे जदि तोहार दाहिन आँख तोसे पाप करवावइ तउ
ओका निकारि क फेंक द्या। काहेकि तेरे बरे इ नीक
बाटइ कि तोहरे बदन क एक ठु अंग नस्ट होइ जाइ
एकरे बजाय तोहार सारा बदन नरक मँ नाइ दीन्ह जाइ।
30अउ जदि तोहार दाहिन हाथ तोहसे पाप करवावइ तउ
ओका काटिके फेंक डारा। काहेकि तोहरे बरे इ नीक
अहइ कि तोहरे बदन क एक अंग नस्ट होइ जाइ बजाए
कि तोहार समूचा बदन नरक मँ जाइ।

तलाक

(मत्तय 19:9; मरकुस 10:11-12; लूका 16:18)

31"कहा ग अहइ, 'जबहि कउनो आपन पत्नी क
तलाक देत ह तउ आपन पत्नी क लिखिके तलाक देइ
चाही।'* 32मुला मइँ तोहसे कहत हउँ कि हर मनई
जउन आपन पत्नी क तलाक देत ह, जदि उ तलाक
ओकरे व्यभिचारी करइ क कारण नाहीं दहेस तउ जब
उ पत्नी दूसरा बियाह करत ह, तउ समुझ ल्या कि उ
मनई ओसे व्यभिचार करत ह। अउर जउन कउनो उ
छोड़ी भई स्त्री स बियाह करत ह तउ भी व्यभिचार
करत ह।

सपथ

33"तू सबइ इहउँ सुन्या ह कि हमरे पूर्वजन स कहा
ग रहा, 'तू सपथ जिन तोड़ा मुला पर्भू स कीन्ह सपथें पूरा
करा।'* 34मुला मइँ तू सबन स कहत हउँ कि सपथ
जिन ल्या। सरगे क सपथ जिन खा काहेकि उ परमेस्सर
क सिंहासन अहइ।' 35धरती की सपथ जिन खा काहेकि
उ ओकरे गोड़वा क चौकी बाटइ। यरूसलेम क सपथ
जिन खा काहेकि इ महाराजाधिराजा क सहर बाटइ।
36आपन मूँड़ क सपथ जिन खा, काहेकि तू एक ठु बारे
तक क सफेद या करिया नाहीं कइ सकत्या। 37जदि तू
हाँ चाहत ह तउ सिरिफ 'हाँ' कहा अउर ना चाहत ह तउ
सिरिफ 'ना'। काहेकि जउन कछू एँसे जिआदा होता
अहइ उ दुस्ट (सइतान) स आता अहइ।

बदला लेइ क भावना जिन रखा

(लूका 6:29-30)

38"तू पचे सुन्या ह कि कहा बाटइ, 'आँखी क बदले
आँखी अउर दाँत क बदले दाँत'* 39मुला मइँ तोहसे
कहत हउँ कि कउनो बुरा मनई क विरोध जिन करा।
मुला कउनो तोहरे दाहिन गाले प थप्पड़ लगावइ तउ
दूसर गाले क ओकरे कइँती घुमाइ द्या। 40जदि कउनो
तोह प मुकदमा चलाइ के तोहार कुर्ता उतरवावइ चाहइ
तउ तू ओका आपन चोगा तलक दइ द्या। 41जदि कउनो
तोहका बेगार मँ एक मील चलावइ तउ तू ओकरे संग
दुइ मील जा। 42जदि कउनो तोसे कछू माँगइ तउ ओका
उ दइ द्या। जउन तोसे उधार लेइ चाहइ, ओका मना
जिन करा।

सबते पिरेम राखा

(लूका 6:27-28, 32-36)

43"तू पचे सुन्या ह कि कहा बाटइ, 'तू आपन पड़ोसी
स पिरेम करा*अउर दुस्मन स घिना कर।' 44मुला मइँ
कहत हउँ आपन दुस्मन स भी पिरेम करा। जउन
तोहका सतावत हीं, ओनके बरे भी पराथना करा।
45काहेकि सरगे मँ बसइया आपन परमपिता क संतान
होइ सका। उ सूरज क बुरा अउर भला सब पइ चमकावत
ह। उ पापी अउर धर्मी सब पइ बसकाला मँ पानी बरसावत
ह। 46इ मइँ यह बरे कहत हउँ कि जदि तू ओनही स
पिरेम करब्या जउन तोसे पिरेम करत हीं तउ तोहका
का मिली? का अइसा तउ चुंगी (टिक्स) क उगहिया*
नाहीं करतेन?

47जदि तू आपन मीतन क बरे नीक बाट्या तउ
दूसर मनई स नीक नाहीं बाट्या। का अइसा विधर्मी
नाहीं करतेन? 48यह बरे आपन मँ परिपूर्ण बना जइसे
तोहार सरगे क परमपिता परिपूर्ण बाटइ।

ईसू दान क उपदेस देत ह

6 "होसियार रहा! अउ परमेस्सर चाहत ह कि उ सब
काम काजन्क मनई क समन्वा दिखावा जिन करा।
नाहीं तउ तू आपन परमपिता स फल न पउब्या जउन
सरगे मँ बाटइ।

2"यह बरे जब तू कउनो दीन दुखिया क दान दच्छिना
देत ह तउ ओकर ढिंढ़ोरवा पीटा जिन। जइसा कि
आराधनालयन अउर गलियन मँ कपटी मनई औरन स
बड़कई पावइ बरे करत हीं। मइँ तोसे सच कहत हउँ कि
ओनका तउ एँकर पूर पूर फल पहिले ही दीन्ह जाइ गवा
अहइ।

3मुला जबहिं तू कउनो दीन दुखिया क देत ह तउ
तोहार बावाँ हाथ न जान पावइ कि तोहार दाहिन हाथ
का करत बाटइ? 4काहेकि तोहार दान गुपुत रहइ। तोहार
उ परमपिता जउन छिपाइ क करत ह, तोहका ओकरे
बदले मँ फल देई।

'जबहि ... चाही' व्यवस्था 24:1

'तू ... करा' लैव्य 19:12; गिनति 30:2; व्यवस्था 23:21

'आँखी ... दाँत' निर्ग 21:24; लैव्य 24:20

'तू पचे ... करा' लैव्य 19:18

चुंगी क उगहिया रोम क जरिए किराये प खरीदा भवा यहूदी
जउन चुंगी क उगाही करत रहेन। उ पचे कबहुँ कबहुँ धोखा
दिहन अउ दूसर यहूदी ओनसे घिना करत रहेन।

पराथना का महत्व

(लूका 11:2-4)

[5]“जब तू पराथना करा तउ कपटी क नाईं जिन करा। काहेकि उ पचे आराधनालयन मँ अउर गलियन क नुक्कड़ प खड़ा होइ क पराथना करा चाहत हीं जेसे मनइयन ओनका निहार सकइँ। मइँ तोसे सच सच कहत हउँ कि ओनका तउ ओकरे बदले मँ फल पहिले ही मिल चुका बाटइ। [6]मुला जब तू पराथना करा, आपन कोठरी मँ चला जा अउर फटकवा बंद कइके परमपिता स पराथना करा। फिन तोहार परमपिता जउन तोहार करम क छिपिके निहारत ह, तोहका ओनके बदले फल देई।

[7]“जब तू पराथना करत रहा, तउ विधर्मी क नाईं फिजूल बातन क यों ही बार बार जिन दोहरावा। उ सबइ इ सोचत हीं कि ओनके बहोत बोले स ओनकइ सुनि लीन्ह जाई। [8]यह बरे ओनके जइसा जिन होइ जा काहेकि तोहार परमपिता तोहरे माँगइ स पहिले जानत ह कि तोहार का जरूरत अहइ। [9]यह बरे इ प्रकार पराथना करा:

‘सरग मँ रहइ वाले हमरे परमपिता, पवित्तर
अहइ तोहार नाउँ
[10] जग मँ तोहार राज्य आवइ जउन चाहा तू
वइसे पूर होइ इ धरती प जइसे पूर होत रहता
तोहार इच्छा सदा सरग मँ।
[11] आज तू हमका दिन भर क खइया द्या
[12] हमार पापन क छमा करा जइसे हम छमा
कीन्ह आपन अपराधिनक।
[13] जिन ल्या कठिन परिच्छा भारी हमका ओसे
बचावा जउन दुस्ट (सइतान) स अहइ।’*

[14]यह बरे जदि तू लोगन्क अपराधे क छमा करब्या तउ तोहार सरगे क परमपिता भी तोहरे पाप छमा करी। [15]मुला अगर तू लोगन्क छमा न करब्या तउ तोहार सरगे क परमपिता भी तोहरे पापन्क छमा न करी।

उपवास क अरथ

[16]“जब तू उपवास राखा तउ कपटी क नाईं दुःखी मुँह बनाइके जिन रहा। काहेकि लोगन्क इ मालूम होइ जाइ कि उ सबइ उपवास करत अहइँ। मइँ तोहसे सच कहत हउँ कि ओनका तउ बदले मँ फल मिलि चुका अहइ। [17]मुला जब तू उपवास राखा तउ आपन मूँड़ प जैतून क तेल लगावा अउर आपन मुँहना धोवा [18]जेसे लोग इ न भाँप सकइँ कि तू उपवास करत अहा। मुला तोहार परमपिता जेका तू निहार नाहीं सकत्या देखइ कि तू उपवास करत अहा। तबहिं तोहार परमपिता जउन तोहरे छमा भवा कामे क देखत रहत ह, उ तोहका ओकरे बदले मँ फल देई।

परमेस्सर धने स बड़वार अहइ

(लूका 12:33-34; 11:34-36; 16:13)

[19]“आपन बरे धरती प भंडारा जिन भरा। काहेकि ओका किरवा अउर डंक नास कइ देइहीं। चोर सेंध लगइहीं अउर चोराय लइ जइहीं। [20]बजाए एँकरे सरग मँ भंडारा भरा। हुवाँ किरवा अउर डंक नास न कइ पइहीं। अउर चोर भी हुवाँ सेंधिया लगाइके नास न कइ पइहीं। [21]याद रखा जहाँ तोहार भंडार होई, हुँवई तोहार जिअरा लागी।

[22]“देह बरे प्रकास क सोत आँखी अहइ। यह बरे तोहार आँखी नीक अहइ तउ तोहार देह प्रकास करत रही। [23]मुला जदि तोहार आँखी खराब होइ जाइ तउ तोहार सब देह अँधियर होइ जाइ। यह बरे उ सिरिफ प्रकास जउन तोहरे भीतर अहइ जदि अँधियर होइ जाइ तउ उ केतना गहिर होई।

[24]“कउनो भी साथ साथ दुइ सुआमी क नउकर नाहीं होइ सकत काहेकि उ एक स तउ उ घिना करी अउर दूसर स पिरेम। या एक बरे उ न्यौछावर करी अउर दूसरे क धिक्कारी। तू धन अउर परमेस्सर दुइनउँ क सेवा नाहीं कइ पउब्या।

चिंता तजि द्या

(लूका 12:22-34)

[25]“यह बरे मइँ तोहसे सच कहत हउँ कि अपने जिअइ बरे खाइ पिअइ क चिंता तजि द्या। आपन तने क ओढ़ना क फिकिर जिन करा। सचमुच जिन्नगी खइया स अउर तने क ओढ़ना स जिआदा बड़कई क अहइ। [26]लखा! अकासे क पंच्छी न तउ बोआई करत हीं अउर न कटाई, न ही उ पचे कोठिला मँ अनाज भरि देत हीं मुला तोहार स्वर्गीय पिता ओनकइ भी पेटवा भरत ह। का तू ओनसे जिआदा बड़कवा नाहीं बाट्या? [27]तू सबन मँ का कउनो अइसा अहइ कि फिकिर कइके आपन जिन्नगी मँ एक घड़ी भी अउ बढ़ाइ सकत ह?

[28]“अउ तू आपन ओढ़ना क बारे मँ काहे सोचत ह? सोचा, जंगले क फूलन क बारे मँ कि उ सबइ कइसे खिल जात हीं? उ सबइ न कउनो काम करत हीं अउर न आपन बरे ओढ़ना बनावत हीं। [29]यह बरे मइँ तोहसे कहत हउँ कि सुलैमान भी आपन समूची धन दौलत क संग ओहमा स कउनो एक नाईं नाहीं सज सका। [30]तउ जउन जंगली पौधा जउन आज जिअत अहइँ मुला जेनका भियान भारे मँ झोंक दीन्ह जाब अहइ, परमेस्सर अइसा ओढ़ना पहिरावत ह तउ अल्प बिसवास क करवइया

पद 13 कछू यूनानी प्रतियन मँ यह भाग जोड़ी गइ अहइ: “काहेकि राज्य अउ महिमा सदा तोहरी अहइ। आमीन।”

मनइयो! का उ तोहका अउर जिआदा बढ़िया ओढ़ना न
पहिराई? 31यह बरे चिंता करत करत इ जिन कहा, 'हम
का खाबइ' या 'हम का पिअब' या 'का पहिरब?' 32मनई
जउन परमेस्सर क नाहीं जनतेन इ सब चीजन्क पाछे
दौड़त रहत हीं मुला सरग क बसइया तोहार परमपिता
जानत ह कि तोहका इ सब चीजन्क जरूरत अहइ।
33यह बरे सब ते पहिले परमेस्सर क राज्य अउर तोहसे
जउन धरम की खोज उ चाहत ह, ओकर फिकिर
करा। इ सब चीजन तउ तोहका खुद ही घेलइया मँ दइ
दीन्ह जइहीं। 34भियान क फिकिर जिन करा, काहेकि
भियान क तउ अउर आपन चिंता होइहीं। हर दिन क
आपन आपन परेसानी होत हय।

ईसू क बचन दूसर क दोखी ठहरावइ बरे

(लूका 6:37-38,41-42)

7 "दूसर प दोख न लगावा काहेकि तोहरे प दोख न
लगावा जाइ। 2काहेकि तोहार निआव उहइ फैसला
प टिका होई, जउन फैसला तू दूसर क निआव प दिहे
रहा अउर परमेस्सर तोहका उहइ नपना स नापी जउने
नपना स तू दूसर क नाप्या ह। 3तू आपन भाई बंद क
आँखी क किरकरी तक क काहे लखत ह? जब कि
तोहका आपन आँखी क लट्ठा तलक नाहीं देखाँइ पड़त?
4जबहिं तोहरे आँखी मँ लट्ठा बाटइ तब तू आपन भाई स
कइसे कहि सकत ह, "तू मोका तोहरी आँखी क किरकिरी
निकारइ द्या।" 5अरे कपटी! पहिले आपन आँखी क
लट्ठा निकार, फिन तू नीक नीक देख पउब्या अउर
आपन भाई क आँखी क किरकिरी निकार पउब्या।
6"कूकुरन क पवित्तर चीज जिन द्या अउर सुअरन
क अगवा मोती जिन बिखरावा। नाहीं तउ उ पचे आपन
गोड़ी क तले रौदिहइँ अउर कूकुरन पलटि क तोहरे
ऊपर चढ़ि बैठिहीं।

जउन तू चाहत ह परमेस्सर स पराथना करत रहा

(लूका 11:9-13)

7"परमेस्सर स माँगत रहा, तोहका दीन्ह जाइ। खोजत
रहा, तोहका मिली। खटखटावत रहा, तोहरे बरे दरवाजा
खोलि दीन्ह जाई। 8काहेकि हर कउनो जउन माँगत ह,
पावत ह। जउन ढूँढ़त ह, पावत ह। जउन खटखटावत
रहत ह ओकर बरे दरवाजा खोलि दीन्ह जाई।
9"तू सबन मँ स अइसा बाप कउन सा अहइ जेकर
बेटवा रोटी माँगइ अउर उ बेटवा क पाथर देइ? 10या
जब उ मछरी माँगइ तउ उ ओका साँप दइ देइ। बतावा
का कउनो देई? अइसा कउनो न करी। 11यह बरे चाहे
तू बुरा काहे न हवा, जानत ह कि आपन गदेलन क
नीक भेंट कइसे दीन्ह जात हीं। वइसे हीं सचमुच सरगे क
बसइया तोहार परमपिता माँगइवालन क नीक नीक
चीजन्क जरूर देइ।

नेम धरम क सबते बड़ी उपदेस

12"यह बरे जइसा बेवहार आपन बरे तू दूसर लोगन्स
चाहत ह, वइसा बेवहार तू भी ओनसे करा। यही मूसा क
व्यवस्था अउर नबियन दुआरा बतावा गवा बा।

सरग अउर नरक क राह

(लूका 13:24)

13"सँकरे राह स घुसा। इ मइँ तोहका यह बरे कहत
हउँ काहेकि चौड़ा दुआर अउर बड़की राह तउ बिनासे
कइँती लइ जात ह। बहोत स मनई उ राहे प चलत हँ।
14मुला केतँना सँकरा अहइ उ दुआर अउर केतँना
छोटकी अहइ उ राह जउन जिन्नगी कइँती लइ जात ही
अउर कठिन अहइँ उ सबइ मनइयन जउन ओका पावत
अहइँ।

करम ही बतावत हीं कि कउन कइसा अहइ

(लूका 6:43-44; 13:25-27)

15"झूठे नबियन स होसियार रहा। उ पचे तोहरे लगे
निर्छल भेड़न क भेस मँ आवत हीं मुला भीतर उ सबइ
खूँखार बड़का कूकुर होत हीं। 16तू ओनके करमन क
फल स पहिचान लेब्या। कउनो कँटेहरी झाड़ी स न तउ
अंगूर एकट्ठा कइ पावत ही अउ न गोखरु स अंजीर।
17अइसे ही बढ़िया बिरवा प नीक फल लागत हीं मुला
बेकार बिरवा प बेकार फल लागत हीं। 18एक नीक
बिरवा फल नाहीं पइदा करत अउर कउनो बेकार बिरवा
नीक फल पइदा कइ सकत ह। 19हर उ बिरवा जेह प
नीक फल नाहीं लगतेन, ओका काटि के आगी मँ झोकि
दीन्ह जात ह। 20यह बरे मइँ तू सबन क दुबारा कहत हउँ
कि उ लोगन क तू ओनके करमन क फले स पहिचान
लेब्या।
21"'पर्भू, पर्भू' कहइवाला हर मनई सरगे क राज्य मँ
घुस न पाई मुला उहइ सरग जउन सरगे मँ बसा अहइ
मोरे परमपिता क इच्छा प चलत ह उहइ ओहमा घुसि
पाई। 22उ आखिरी दिना मँ बहोत स मनई मोसे पुछिहीं,
'पर्भू! पर्भू! का हम तोहरे नाउँ स भविस्सबाणी नाहीं
कीन्ह? का तोहरे नाउँ स हम सबन दुस्ट आतिमन क
नाहीं निकारा अउर का हम पचे तोहरे नाउँ स अद्भुत
कारजन नाहीं कीन्ह?' 23तबहिं मइँ ओनसे साफ साफ
कहियउँ कि मइँ तू सबनक नाहीं जानत हउँ, 'हे कुकरमी
मनइयो! हियाँ स भागि जा।'

एक ठु बुद्धिमान अउर एक मूर्ख

(लूका 6:47-49)

24"यह बरे जउन मोर सब्दन क सुनत ह अउर उ
एंन प चलत ह ओकर तुलना उ बुद्धिमान स कीन्ह जाई
जउन आपन घर चट्टाने प बनएस। 25बरखा भइ, बाढ़
आइ, आँधी चली अउइ सबई उ घरे स टक्कराइ गएन,

मुला घर गिरा नाहीं। काहेकि ओकर नेंव चट्टाने प धरी गइ रही। 26मुला उ जउन मोरे सब्दन क सुनत ह मुला ओन प चलत नाहीं, उ मूर्ख मनई क नाईं अहइ जउन आपन घर रेते प बनाएस। 27बरखा भइ, बाढ़ आइ अउर आँधी चली अउर उ घरे स टकराइ गएन, जेहसे उ घर आवाज कइके समूचइ गिर गवा।"

28नतीजा इ भवा कि जबहिं ईसू इ बतियन क कहिके पूरी किहेस, तउ ओकरे उपदेसन प भीड़ क अचरज भवा। 29काहेकि उ धरम सास्तिरियन क नाईं नाहीं मुला एक अधिकारी क नाईं उपदेस देत रहा।

ईसू क कोढ़ी क चंगा करब

(मरकुस 1:40-45; लूका 5:12-16)

8 ईसू जबहिं पर्वते स खाली उतरा तउ बहोत बड़ी मनइयन क भीड़ ओकरे पाछे होइ चली। 2हुँवई एक कोढ़ी भी रहा। उ ईसू क लगे आइ अउर निहुरिके बोला, "पर्भू, जदि तू चाहा तउ मोका चंगा कइ सकत ह।"

3एँह प ईसू आपन हथवा बढ़ाइके कोढ़ी क छुएस अउर कहेस, "मइँ चाहत हउँ; चंगा होइ जा!" अउर फउरन कोढ़ी क कोढ़ पराइ गवा।

4फिन ईसू ओसे कहेस, "देखा एँकरे बारे मँ कउनो स कछू जिन कहया। मुला याजक क लगे जाइके ओका आपन क देखावा। फिन मूसा क हुकुम क मुताबिक भेंट चढ़ावा जैसे लोगन्क तोहरे चंगा होइ क साच्छी मिलि जाइ।"

ईसू फऊजी नायक क नउकर क चंगा किहेस

(लूका 7:1-10; यूहन्ना 4:43-54)

5फिन ईसू जब कफरनहूम गवा, तउ एक फऊजी नायक ओकरे नगिचे आवा अउर ओसे मदद बरे बिनती करत बोला, 6"पर्भू, मोर एक सेवक मोरे घरवाँ मँ बिछउना प ओलरा बाटइ। ओका लकवा मारे बाटइ। ओका बहोत दर्द होत अहइ।"

7तबहि ईसू फऊजी नायक स कहेस, "मइँ आइके ओका चंगा करिहउँ।" 8फऊजी नायक जवाब दिहेस, "पर्भू, मइँ इ जोग्ग नाहीं हउँ कि तू मोरे घर मँ आवा। यह बरे हुकुम दइ द्या। बस मोर नउकर चंगा होइ जाई। 9इ मइँ जानत हउँ कि मइँ एक बड़का अधिकारी क नीचे काम करत अही अउर मोरे नीचे दूसर सिपाही अहइँ। जबहि मइँ एक ठु सिपाही स कहत हउँ, 'जा' तउ उ चला जात ह अउर दूसर सिपाही स कहत हउँ, 'आ' तउ उ आइ जात ह। मइँ आपन सेवक स कहत हउँ, 'इ करा' तउ उ ओका करत ह।"

10जब ईसू इ सुनेस तउ उ अचरजे मँ पड़ि गवा। जउन मनइयन ओकरे पाछे पाछे आवत रहेन ईसू ओनसे कहेस, "मइँ तोहसे सच कहत हउँ मइँ एँतना गहरा बिसवास इस्राएल मँ भी कउनो मँ नाहीं पाया। 11मइँ तोहका इ अउ बतावत हउँ कि, बहोत स पूरब अउर पच्छिम स अइहीं अउर उ सबइ भोजे मँ इब्राहीम, इसहाक अउर याकूब क संग सरगे क राज्य मँ आपन आपन ठउर प बैठ जइहीं। 12मुला राज्य क आदिम प्रजा बाहेर अँधियारे मँ ढकेल दीन्ह जाई जहाँ उ पचे चिचियाइके नरियाइके दाँत पीसत रइहीं।"

13तब ईसू उ फऊजी नायक स कहेस, "जा वइसा ही तोहरे बरे होइ जइसा तोहार बिसवास अहइ।" अउर ओकर नउकर फउरन चंगा होइ गवा।

ईसू बहोतन क चंगा किहेस

(मरकुस 1:29-34; लूका 4:38-41)

14जब ईसू पतरस क घरे पहुँच गवा, उ ओकरे सास क बुखार स दुखी बिछउना प ओलरी देखेस। 15तब ईसू ओका आपन हथवा स छुएस अउर ओकर बुखार उतर गवा। फिन उ उठी अउर ईसू क सेवा करय लाग।

16जइसे साँझ होइ गइ तउ लोग ओकरे नगिचे बहोतन मनइयन क लइ आएन जेहमा दुस्ट आतिमन रहत रहीं। आपन एक ही हुकुम स उ दुस्ट आतिमन क निकारि दिहस। इ तरह स उ सबइ बेरमियन क नीक कइ दिहस। 17इ यह बरे भवा कि परमेस्सर नबी यसायाह स जउन कछू कहेस, उ पूरा होइ जाइ:

"उ हमरे बेरमियन क लइ लिहस अउर हमरे
संतापे क ओढ़ लिहस।"

यसायाह 53:4

ईसू क मनवइया बनइ क ललक

(लूका 9:57-62)

18जब ईसू आपन चारिहुँ कइँती भीड़ देखेस तउ उ आपन चेलन क हुकुम दिहेस कि उ सबइ झिलिया क ओह पार किनारे चलइँ। 19तब एक धरम सास्तरी ईसू क निअरे आवा अउर कहेस, "गुरु, जहँ तहँ तू जाब्या, मइँ तोहरे पाछे चलब।"

20एँह प ईसू ओसे कहेस, "लोखरी क बिल अउर अकास क पंच्छीयन क घोंसला होत हीं मुला मनई क पूत* क लगे मूँड़ कटावइ क कउनो ठउर नाहीं।"

21ओकरे चेलन मँ स एक ठु ईसू स कहेस, "पर्भू, मोका पहिले जाइके आपन पिता क गाड़इ क हुकुम द्या।"

22मुला ईसू ओसे कहेस, "मोरे पाछे चला आवा अउर मरा भवा मुर्दन क आपन मुर्दा खुद गाड़इ द्या।"

मनई क पूत ईसू। ईसू परमेस्सर क पूत रहा। दानि 7:13-14 मँ इ मसीह क नाउँ अहइ जेका परमेस्सर मनइयन क उद्धार करइ बरे चुने रहा।

ईसू तूफान क सांत किहेस

(मरकुस 4:35-41; लूका 8:22-25)

23तब ईसू एक नाउ प बइठि गवा। ओकर चेलन भी पाछे पाछे गएन। 24उहइ समइया झील मँ एँतना भयंकर तूफान उठि गवा कि नाउ लहरन स दबी जात रही पर ईसू सोवत रहा। 25तबहिं ओकर चेलन ओकरे लगे पहुँचेन अउर ओका जगाइके कहेन, "पर्भू, हमार रच्छा करा। हम पचे मरि जाब!"

26तबहिं ईसू ओनसे कहेस, "अरे कम बिसवास करइवालो। तू पचे काहे एँतना भयभीत अहा?" तब उ खड़ा होइके तूफान अउर झिलिया क डाटेस अउर चारिहुँ कइँती सांति छाइ गइ।

27मनइयन अचरजे मँ पड़ि गएन। उ सबइ कहेन, "इ कइसा मनई बाटइ? अंधड़ तूफान अउर झिलिया तक एँकर बतिया मानत हीं!"

दुइ मनई क दुस्ट आतिमन स छूटि जाब

(मरकुस 5:1-20; लूका 8:26-39)

28जब ईसू झील क उ पार, गदरेनियो देस पहुँच गवा, तउ ओका कब्रे स निकरि के दुइ मनई आवत भए मिलेन, जेहमाँ दुस्ट आतिमन रहिन। उ पचे एँतना खौफनाक रहेन कि उ रस्ता स कउनो निकरि तक नाहीं सकत रहा। 29उ पचे चिचियानेन, "हे परमेस्सर क पूत! तू मोसे का चाहत बाट्या? का तू हियाँ ठीक समइ स पहिले हमका दंड देइ आइ अहा?"

30हुवाँ तनिक दूरी प बहोत स सुअरन क झुंड चरत रहा। 31तउ उ दुस्ट आतिमन ओसे बिनती करत भए कहेन, "जदि तोहका हम पचन क बाहेर निकारब ही बाटइ, तउ हमका सुअरन क झुंडे मँ पठइ द्या।"

32तउ ईसू ओनसे कहेस, "चला जा!" तब उ सबइ ओन मनइयन मँ स बाहेर निकरि आइन अउर सुअरन मँ घुसि गइन। फिन समूचा झुंड ढलाने स लुढ़कत पुढ़कत पराइके ढालू किनारे स झिलिया मँ गिरि गवा अउ पानी मँ बूड़िके मर गएन। 33सुअरन क झुंड क रखवालन भागत भागत हुआँ स सहर आएन अउर सुअरन क साथ तथा दुस्ट आतिमन स ग्रस्त ओन मनइयन क साथ जउन कछू भवा, कहिके सुनाएन। 34फिन तउ सहर क सबइ मनइयन ईसू स भेंटइ बरे निकर पड़ेन। जब उ पचे ईसू क देखेन तउ ओसे बिनती किहेन कि उ ओनके हियाँ स कहुँ अउर ठउर जाइ।

लकुआ क मरीज क चंगा करब

(मरकुस 2:1-12; लूका 5:17-26)

9 फिन ईसू एक नाउ प चढ़ा अउर झिलिया क पार आपन सहर आइ गवा। 2मनइयन लकुआ क मरीजे क खटिया प ओलराइके ओकरे नगिचे लइ आएन। ईसू जबहि ओकरे बिसवास क देखेस तउ लकुआ क रोगी स कहेस, "हे बालक ढाढ़स रखा। तोहार पापन्क छमा दीन्ह गवा।"

3तबहि कछू धरम सास्तिरियन आपस मँ कहइ लागेन, "इ मनई (ईसू) परमेस्सर क बेज्जत करत ह।"

4ईसू जानत रहा कि उ पचे का सोचत विचारत अहइँ; ईसू ओनसे बोला, "तू सब आपन मन मँ काहे बुरा बिचार आवइ देत ह? 5जिआदा सहल का बाटइ? इ कहब, 'तोहार पापन्क छमा दीन्ह गवा।' या इ कहब, 'खड़ा हवा अउर चलि पड़ा?' 6काहेकि तू सब इ जान पावा कि धरती प पापन्क छमा करइ क सक्ती मनई क पूत मँ अहइ।" ईसू लकुआ क रोगी स कहेस, "खड़ा ह्वा, आपन बिछउना उठावा अउ घरे चला जा।" 7उ लकुआ क मरीज खड़ा होइके आपन घर चला गवा। 8जबहि भीड़े मँ मनइयन इ निहारेन कि तउ उ सबइ गहरी भक्ति स अचरजे मँ पड़ि गएन अउर परमेस्सर क गुन गावइ लागेन जउन मनई क अइसी सक्ती दिहेस।

ईसू क मत्ती क चुनब

(मरकुस 2:13-17; लूका 5:27-32)

9ईसू जब हुआँ स जात रहा तउ उ महसूले क चुंगी क चौकी प बइठा भवा एक मनई क देखेस। ओकर नाउँ मत्ती रहा। ईसू ओसे कहेस, "मोरे पाछे चला आवा।" एँह प मत्ती खड़ा भवा अउर ओकरे पाछे होइ गवा।

10अइसा भवा कि जब ईसू मत्ती क घर बहोत स चुंगी उगहियन अउर पापी मनइयन क संग आपन मनवइयन क साथ लइके जेंवत रहा। 11तउ ओका फरीसियन देखेन अउर ओनके चेलन स पूछइ लागेन, "तोहार गुरु चुंगी क उगहिया अउर बुरा मनइयन क संग खइया के काहे खात ह?"

12इ सुनिके ईसू ओनसे कहेस, "हिट्ठ पुट्ठ मनई क नाहीं मुला बेरमियन क एक बैदय (डाक्टर) क जरूरत होत ह। 13यह बरे तू सबइ जा अउर समझा कि सास्तरे क बचन क अरथ का अहइ? 'मइँ बलिदान नाहीं चाहत हउँ मुला द्या चाहता हउँ।'* मइँ धर्मी क नाहीं मुला पापियन क बुलावइ आइ हउँ।"

ईसू दूसर यहूदी धर्म नेता स न्यारा

(मरकुस 2:18-22; लूका 5:33-39)

14फिन बपतिस्मा क देवइया यूहन्ना क चेलन ईसू क लगे गएन अउर पूछेन, "हम सबइ अउर फरीसियन पुनि पुनि उपवास काहे करत हीं परन्तु तोहार चेलन काहे नाहीं करतेन?"

15फिन ईसू ओनका समझाएस, "का दूल्हा क साथी जब ताईं दूल्हा ओनके संग अहइ, सोक मनाइ सकत हीं? मुला उ दिनन अइहीं जब दूल्हा ओनसे छीन लीन्ह जाई

'मइँ ... हउँ' होसे 6:6

फिन उ समइया मँ उ सबइ दुखी होइहीं अउर उपवास करिहीं।

[16]"बे सिकुड़ा भवा नवा कपरा क पइबंद पुरान पोसाके प कउनो लगावत नाहीं काहेकि इ पइबंद पोसाके क अउर जिआदा फाड़ देइ अउ कपरा क खोंच अउर बाढ़ जाई। [17]नई दाखरस पुरान मसकन मँ भरी नाहीं जात। नाहीं तउ मसकन क फोरि देइ अउर दाखरस बहिके फैलि जाई। यह बरे लोग नई दाखरस नई मसकन मँ भरत हीं जइसे दाखरस अउर मसकन दुइनउँ बचा रहइँ।"

मरी लरिकि क जिन्नगी देब अउर बेरमिया स्त्री क चंगा करब

(मरकुस 5:21-43; लूका 8:40-56)

[18]ईसू ओन मनइयन क जब इ बतिया बतावत रहा, तबहि यहूदी आराधनालय क एक मुखिया ओकरे लगे आवा अउर ओकरे समन्वा निहुरिके बिनती करत भवा बोला, "अबहीं अबहीं मोर बिटिया मरी गइ अहइ। तू चलिके जदि ओह प आपन हाथ रख द्या तउ उ फिन जी जाई।"

[19]एँह प ईसू खड़ा होइके आपन चेलन क संग ओकरे साथ चल दिहेस।

[20]हुवाँ एक ठु स्त्री रही जेका बारह बरिस स खून बहत रहा। उ पाछे स ईसू क नगिचे आइ, ओकरे ओढ़ना क मुहरी छुइ लिहस। [21]उ आपन मनवा मँ सोचत रही, "जदि मइँ तनिकउ भी एकर ओढ़ना छुइ पाई, तउ नीक होब।"

[22]घूमिके निहारत भवा ईसू कहेस, "स्त्री, खुस रहा। तोहार बिसवास तोहका चंगा किहेस ह।" अउर उ स्त्री तुरंतहि उहइ छन चंगा होइ गइ।

[23]ओह कइँती ईसू जब आराधनालय क मुखिया क घरवा पहुँचा तउ उ देखेस कि सोक धुन बजावत बाँसुरी क बजवइया अउर हुवाँ एँकट्ठा भए मनइयन लरकी क मउत प सोक करत रहेन। [24]तबहि ईसू लोगन्स कहेस, "हियाँ स बाहेर जा। लरकी मरी नाहीं बा, उ तउ सोवति अहइ।" एँह प मनई ओकर हँसी ठट्ठा करह लागेन। [25]फिन जब भिरिया क मनइयन क बाहेर पठएस तउ ईसू लरकी क कोठरी मँ जाइके ओकर हथवा पकड़ेस अउर उ उठि गइ। [26]एँकर खबरिया उ समूचइ पहँटा मँ संचर गइ।

ईसू ढेर मनइयन क चंगा किहेस

[27]ईसू जब हुवाँ स जाइ लाग तउ दुइ आँधर ओकरे पाछे होइ गएन। उ दुइनउँ चिल्लात रहेन, "हे दाऊद क पूत, हम प द्या करा।"

[28]ईसू जइसे घरवा क भीतर पहुँच गवा तउ उ आँधर ओकरे लगे आएन। तबहिं ईसू ओनसे कहेस, "का तोहका बिसवास अहइ कि मइँ, तोहका फिन आँखिन दइ सकत हउँ?" उ पचे जवाब दिहेन, "हाँ पर्भू।"

[29]एँह पर ईसू ओनकइ आँखिन क छुअत कहेस, "तोहरे बरे वइसा होइ जइसा तोहार बिसवास अहइ।" [30]अउर आँधरन क जोति मिल गइ। फिन ईसू ओनका चिताउनी देत कहेस, "एँकरे बारे मँ कउनो क पता नाहीं लागइ चाही।" [31]मुला उ पचे हुवाँ स जाइके इ खबरिया क उ पहँटा मँ चारिहुँ कइँती फैलाइ दिहन।

[32]जब उ दुइनउँ हुवाँ स जात रहेन तउ कछू लोग ईसू क लगे एक ठु गूंगा क लइ आएन। गूंगा मँ दुस्ट आतिमा क सवारी रही अउर यह बरे उ कछू बोल नाहीं पावत रहा। [33]जब उ दुस्ट आतिमा क निकारि दिहस तउ उ गूंगा, जउन पहिले कछू नाहीं बोल सकत रहा, बोलइ लाग। तबहि भिरिया क लोग अचरजे मँ कहेन, "इस्राएल मँ अइसी घटना कबहुँ नाहीं देखी गइ।"

[34]मुला फरीसियन कहत रहेन, "उ दुस्ट आतिमन क सइताने क मदद स बाहेर खदेरत ह।"

ईसू क मनइयन प दुःख

[35]ईसू यहूदी आराधनालयन मँ उपदेस देत, परमेस्सर क राज्य क सुसमाचार क प्रचार करत, मनइयन क बेरामी अउर हर तरह क दारून दुःख हरत उ समूचइ पहँटा क गाउँ गाउँ अउर सहर सहर घूमत रहा। [36]ईसू जब कउनो भिरिया क देखत तउ ओनके बरे करुना स भरि जात काहेकि उ पचे सतावा भवा अउर बेसहारा रहेन, जइसें भेड़ रहिन अउ ओनकइ कउनो गड़रिया नाहीं रहा। [37]तबहिं ईसू आपन चेलन स कहेस, "तइयार खेत तउ बहोत अहइँ मुला मजदूर कम बाटेन। [38]यह बरे फसल क परमेस्सर स बिनती करा कि उ, आपन फसल काटइ बरे मजदूर पठवइ।"

सुसमाचार क प्रचार बरे प्रेरितन क पठउब

(मरकुस 3:13-19; 6:7-13; लूका 6:12-16; 9:1-6)

10 तउ ईसू आपन बारहु चेलन क लगे बोलवाइके ओनका दुस्ट आतिमन क बाहेर खदेरइ, अउर हर तरह क रोग अउर दारुन दुख क दूर करइ क सक्ती दिहेस। [2]उ सब बारहु प्रेरितन क नाउँ इ बाटइँ सबते पहिले समौन, जउन पतरस कहा गवा, अउर ओकर भाई आन्द्रियास, जब्दी क बेटवा याकूब अउर ओकर भाई यूहन्ना।

[3]फिलिप्पुस, बरतुल्मै, थोमा, चुंगी (टिक्स) क उगहिया मत्ती, हल्फै क बेटवा याकूब अउर तद्दै। [4]समौन कनानी * अउर यहूदा इस्करियोती जे ओका धोखा दइके पकड़वाए रहा।

कनानी यहूदी क एक कटटर राजनीति दल क नाउँ जेकर उ निअंबर होत रहा।

5ईसू इन बारहु प्रेरितन क बाहेर पठवत हुकुम दिहेस
कि उ सबइ, “गैर यहूदियन क पहँटा मँ न जाइँ अउर
कउनो सामरी सहर मँ न घुसइँ। 6मुला उ सबइ इस्राएल
क परिवारे क हेराइ गइ भेड़न क नगिचे जाइँ 7अउर
ओनका उपदेस देइँ, ‘सरगे क राज्य नगिचे अहइ।’ 8उ
सबइ बेरमियन क नीक करइँ, मरे भएन क जिन्नगी
देइँ, कोढ़िन क नीक करइँ अउर दुस्ट आतिमन क
खदेरइँ। तू सबइ बे कछू दिए भए पर्भू क असीस अउर
सक्ती पाए अहा, यह बरे दुसरउँ क बे कछू लिए अजादी
स बाँटा। 9आपन बटुआ मँ सोना, चाँदी अउर ताँबा जिन
रखा। 10जात्रा बरे कउनो झोला तक जिन रखा। कइसो
फालतू कुर्ता, चप्पल अउर छड़ी जिन ल्या। काहेकि
मजदूर क ओकरे खइया प हक अहइ।

11“तू पचे जब कबहुँ कउनो सहर या गाउँ मँ जा तउ
पता करा कि हुवाँ बिसवास क लायक कउन अहइ।
फिन तब ताईं हुवाँ ठहरि जा जब ताईं हुवाँ स चल न
द्या। 12जबहि तू उ कउनो क घरे मँ जा तउ उ परिवार
क मनइयन क मान सम्मान करत कहा, ‘तोहका सांति
मिलइ।’ 13जदि घरे क मनई सुपात्र होइहीं तउ तोहार
असीस ओनके संग रही अउर जदि ओकरे जोग्ग नाहीं
होइहीं तउ तोहार असीस तोहरे लगे लौटि आई। 14जदि
कउनो तोहार अगवानी न करइ या तोहार बतियन क न
सुनइ तउ उ घरवा या सहर क तजि द्या। अउर आपन
गोड़वा मँ लागी माटी क हुवँइ झाड़ि द्या। 15मइँ तोहसे
सच कहत हउँ कि जब निआव होई तब उ सहर क दसा
सदोम अउर अमोरा* सहरन क दसा कहूँ जिआदा
बढ़िया होई।

आपन प्रेरितन क ईसू क चिताउनी

(मरकुस 13:9-13; लूका 21:12-17)

16“होसियार! मइँ तोहका बिगवन मँ भेड़न क नाईं
बाहेर पठवत अही। कीरा क नाईं चालाक अउर कबूतरे
क नाईं भोला बना रहा। 17मनइयन स होसियार रह्या
काहेकि उ पचे तोहका बंदी बनाइके यहूदी पंचायत क
दइ देइहीं अउर तोहका आपन आराधनालयन मँ कोड़ा
स धुनवइहीं। 18तोहका हुकूमत क सासक अउर राजा
क समन्वा हाजिर करिहीं, काहेकि तू सबहू मोर चेला
अहा। तोहका इ औसर दीन्ह जाई कि तू ओनका अउर
गैर यहूदियन क मोरे बारे मँ साच्छी द्या। 19जब उ पचे
तोहका धरइँ तउ फिकिर जिन कर्या कि तोहका का
कहइ क बाटइ अउर कइसे कहइ क अहइ। काहेकि उ
समइ प तोहका बताइ दीन्ह जाई कि तोहका का कहइ
क अहइ। 20याद रखा कि बोलवइया तू नाहीं अहा, मुला
तोहरे परमपिता क आतिमा तोहरे भीतर बोली।

21“भाई आपन भाइयन क धरवाइ क मरवइहीं,
महतारी बाप आपन गदेलन क पकड़वइहीं अउर बचवा
आपन महतारी बाप क खिलाफ होइ जइहीं। उ पचे
ओनका मरवाइ देइहीं। 22मोरे नाउँ क कारण मनई
तोहसे घिना करिहीं। मुला आखिर तक जउन टिका रही
उहइ क उद्धार होई। 23उ सबइ अब तोहका सहर मँ
सतइहीं तउ तू दूसर सहर मँ पराइ जाया। मइँ तोहसे सच
सच कहत हउँ एसे पहिले तू इस्राएल क सबइ ही सहरन
क चक्कर लगाइ ल्या, मनई क पूत दुबारा आइ जाई।

24“चेला आपन गुरु ते बड़वार नाहीं होतेन अउर न
ही कउनो नउकर आपन मालिक ते बड़वार होत ह।
25चेला क गुरु क नाईं होइ मँ अउर नउकरे क मालिक
क नाईं होइ मँ संतोख करइ चाही। जब उ घरे क
मालिक क बालजबूल (सइतान) कहइँ तउ, ओकरे घरे
क मालिक क संग तउ अउ भी बुरा बेवहार करिहीं!”

परमेस्सर स डेराअ मनइयन स नाहीं

(लूका 12:2-7)

26“यह बरे ओनसे डेराअ जिन काहेकि जउन छुपी
अहइ, सब खुलि जाई। अउर हर चीज जउन छुपी अहइ,
परगट होइ जाई। 27मइँ अँधियारे मँ जउन कछू तोसे
कहत हउँ, मइँ चाहित ह कि तू उजियारे मँ कहा। मइँ
जउन कछू तोहरे कनवा मँ कहेउँ तू ओकरे मकाने क
छत्तियापर चढ़िके, एलान करा। 28ओनसे जिन डेराअ,
जउन तोहरे देह क नास कइ डइहीं मुला तोहरे आतिमाU
क नाहीं मारि सकतेन। बस उ परमेस्सर स डेराअ जउन
तोहार देह अउर आतिमा क नरके मँ नाइ के नास कइ
सकत ह। 29एक ठु पइसा क दुइ चिड़िया बेसहे मँ स भी
एक तोहरे परमपिता क बे जाने भए अउर ओकर बिना
इच्छा स धरती प नाहीं गिर सकत। 30अरे तोहरे मूँड़े क
एक एक बार तक गिना भवा बाटइ। 31यह बरे डेराअ
जिन, तोहार कीमत तउ वइसी बहोत स चिड़ियन ते
जिआदा बाटइ।

ईसू मँ बिसवास

(लूका 12:8-9)

32“जउन कउनो मोका सब मनइयन क समन्वा
अपनाई, मइँ भी ओका सरगे मँ बसा आपन परमपिता
क समन्वा अपनियाउब। 33मुला जउन कउनो मोका सब
मनइयन क समन्वा न अपनियाई, मइँ भी ओका आपन
परमपिता क समन्वा न अपनियाउब।

34“इ जिन सोचा कि मइँ धरती प सांति लइ आवइ
आइ हउँ। सांति नाहीं मुला एक तरवारे क लइ आइ
हउँ। 35–36मइँ तउ, बेटवा क बाप क खिलाफ:

> ‘बिटिया क महतारी क खिलाफ, दुलहिन क
> सासे क खिलाफ करइ आइ हउँ। मनई क बैरी
> ओकरे घरे क मनई ही होइहीं।’

मीका 7:6

सदोम अउ अमोरा दुइ सहरन क पर्भू ओनके बसइया क पापन क दण्ड बरे नास कइ दिहेस।

[37]“जउन आपन महतारी बाप स मोसे जिआदा पिरेम करत ह, उ मोर होइ क जोग्ग नाहीं जउन अपने बेटवा अउर बिटिया से मोसे जिआदा पिरेम करत ह, उ मोर होइके जोग्ग नाहीं। [38]उ जउन क्रूसे (यातना) उठाइके मोरे पाछे होत नाहीं, मोर होइके जोग्ग नाहीं। [39]उ जउन आपन प्राण बचावा चाहत ह, आपन प्राण खोइ देइ। मुला जउन मोरे बरे आपन प्राण दइ देइ, उ जिन्नगी पाई। [40]जउन तू पचन क अपनावत ह, उ मोका अपनावत ह अउर जउन मोका अपनावत ह, उ उहइ परमेस्सर क अपनावत ह, जउन मोका पठएस ह। [41]जउन कउनो नबी क यह बरे अपनावत ह कि उ नबी अहइ, ओका उहइ ओकरे बदले मँ फल मिली जउन कि नबी क मिलत ह। अउ जदि तू कउनो धर्मी क यह बरे अगवानी करत ह कि उ धर्मी बाटइ, ओका सच उहइ बदले मँ फल मिली जउन कउनो धर्मी क मिलत ह। [42]अउर जदि कउनो मोर इ भोला भाला चेलन मँ स कउनो एक क एक लोटा ठंडा पानी तक दइ दे कि उ मोर चेला अहइ, तउ मइँ तोसे सच कहत हउँ कि ओका एँकरे बदले मँ फल सचमुच बे मिले भए न रही।”

ईसू अउर बपतिस्मा क देवइया यूहन्ना

(लूका 7:18-35)

11 अइसा भवा कि ईसू आपन बारहु चेलन क इ तरह समझाइके हुवाँ स चला गवा अउर गलील देस क सहरन मँ उपदेस देत अउर प्रचार करत लाग।

[2]यूहन्ना जब जेल मँ मसीह क काम क बारे मँ सुनेस तउ उ आपन चेलन स संदेस पठइके पूछेस, [3]“का तू उहइ अहा, जउन आवइवाला रहया, या हम पचे कउनो अउर आवइवाला क बाट जोही?”

[4]ईसू जवाबे मँ ओनसे कहेस, “जउन कछू तू सबइ सुनत अहा, अउर देखत अहा, जाइके यूहन्ना क बतावा कि, [5]अँधरे क आँखी मिलति अहइँ, लूला लगँड़ा चल पावत अहइँ, कोढ़ी चंगा होत अहइँ, बहिर सुनत अहइँ अउ मुर्दा जिआइ जात अहइँ अउर गरीबन मँ सुसमाचार क प्रचार कीन्ह जात अहइ। [6]उ धन्य अहइ जउन मोका अपनाइ सकत ह।”

[7]जब यूहन्ना क चेलन हुवाँ स जात रहेन तउ ईसू भीड़ मँ यूहन्ना क बारे मँ कहइ लाग, “तू पचे इ उसरे मँ का निहारइ आइ अहा? का कउनो सरपत? जउन हवा स उड़ि जात बा। [8]नाहीं, तउ फिन का देखइ आइ अहा? का एक मनई? जउन बहोत बढ़िया ओढ़ना पहिरे बा? देखा जउन उत्तिम बस्तर पहिरत हीं, उ सबइ तउ राजा क महले मँ मिलत हीं। [9]तउ तू सबइ का निहारइ आइ अहा? का कउनो नबी? हाँ, मइँ तोहका बतावत हउँ कि जेका तू देख्या ह उ कउनो भी नबी स जिआदा अहइ। [10]इ उहइ अहइ जेकरे बारे मँ पवित्तर सास्तर मँ लिखा बाटइ:

> ‘देखा, मइँ तोहसे पहिले ही आपन दूत पठवत
> हउँ। उ तोहरे बरे राह बनाई।’
>
> *मलाकी 3:1*

[11]मइँ तोहसे सच कहत हउँ बपतिस्मा देवइया यूहन्ना त बड़वार कउनो मनई पइदा नाहीं भवा। फिन भी सरगे क राज्य मँ छोट त छोट मनई भी यूहन्ना स बड़कवा अहइ। [12]बपतिस्मा क देवइया यूहन्ना क समइ स आज तलक सरगे क राज्य खौफनाक हमला झेलत रहा अहइ अउ हिंसा करवइया ओका छीना चाहत हीं। [13]यूहन्ना क आवइ तलक सारे नबियन अउर मूसा क व्यवस्था इ भविस्सबाणी किहेन, [14]अउर जदि तुम व्यवस्था अउर नबियन जउन कछू कहइ, ओका स्वीकार करने क तैयार ह तउ जेकरे आने की भविस्सबाणी की गयी थी इ यूहन्ना उहइ एलिय्याह बाटइ। [15]जउन सुनि सकत होइ, उ सुनि लेइ!

[16]“ इ पीढ़ी क तुलना मइँ कउने स करउँ? उ सबइ बाजारे मँ बइठा भवा ओन गदेलन क नाईं अहइँ जउन एक दूसर क नरियाइके कहत रहेन,

> [17]‘हम तोहरे बरे बाँसुरी बजावा, मुला तू नाच्या
> नाहीं। हम पचे सोकगीत गावा मुला तू रोया
> नाहीं।’

[18]बपतिस्मा देवइया यूहन्ना आइ। जउन अउरन क नाईन खात रहा अउर न पिअत रहा। मुला लोग कहत हीं, ‘ओहमा दुस्ट आतिमा समाइ गइ अहइ।’ [19]फिन मनई क पूत आवा। जउन अउन क नाईं खात–पिअत ह, मुला मनई कहत हीं, ‘इ मनई क देखा, ई पेटू अहइ, पिअक्कड़ बाटइ। इ चुंगी (टिक्स) क उगहिया अउर पापी क मीत अहइ।’ मुला बुद्धि क चमत्कार काम स सिद्ध होइ जात ही।”

बिसवासी क न करइया ईसू क चिताउनी

(लूका 10:13-15)

[20]फिन ईसू ओन नगरन क धिक्कारेस, जेहमाँ उ ढेर अद्भुत कारजन किहेस। काहेकि हुवाँ क मनइयन आपन पाप करबाँ नाहीं छोड़ेन अउर मनफिराव नाहीं करेन। [21]ईसू कहेस, “अरे खुराजीन* अरे बैतसैदा* जउन अद्भुत कारजन तोहमा कीन्ह गएन जदि उ सबइ काम सूर अउ सैदा मँ कीन्ह जातेन तउ हुवाँ क मनई बहोत पहिले टाट क कपरा* ओढ़िके सोक बरे अउर

खुराजीन, बैतसैदा, कफरनहूम गलील झील क किनारे बसा नगर अहइँ जहाँ ईसू उपदेस दिहे रहा।

टाट क कपरा उ दिनन मँ सोक मनावई बरे मोटा कपरा पहिरत रहेन अउ देह प राख लगावत रहेन।

देह प राखि लगाइके दुख क परगट करत मनफिराव
कइ चुका होतेन। 22मुला मइँ तू सब लोगन स कहत हउँ
कि निआव क दिन सूर अउर सैदा क दसा तोहसे
जिआदा सहइ बरे जोग्ग होई। 23अउर अरे कफरनहूम*
का तू सोचत ह कि तोहका सरगे क महिमा तलक ऊँचे
उठाइ जाई? तू तउ अधोलोक मँ नरक तलक जाब्या।
काहेकि जउन अद्भुत कारजन तोहमा कीन्ह गएन,
जदि उ सबइ सदोम मँ कीन्ह जातेन तउ उ नगर आज
तलक टिका होत। 24मुला मइँ तोहका बतावत हउँ कि
निआव क दिन तोहरे मनइयन क दसा ते सदोम क दसा
कहीं नीक होई।"

ईसू क अपनियावइ बरे सुख चइन क बचन

(लूका 10:21-22)

25उ समइया प ईसू कहेस, "परमपिता, तू सरग अउर
धरती क पर्भू अहा, मइँ तोहार गुन गावत हउँ काहेकि तू
इन बातन क, ओनमाँ स जउन गियानी अउर समझदार
अहइँ, छुपाइके रखे अहा। अउ जउन भोला भाला अहइँ
ओनके बरे परगट किए अहा। 26हाँ परमपिता इ यह बरे
भवा काहे की तू ही एका अच्छे स जानत हय।

27"मोर परमपिता सब कछू मोका सौंप दिहेस अउर
असिल मँ परमपिता क बजाय कउनो भी पूत क नाहीं
जानत। अउर हर उ मनई परमपिता क जानत ह, जेकरे
बरे पूत ओका परगट करइ चाहत ह।

28"अरे, ओ थका माँदा, बोझवा स दबान मनइयन
मोरे लगे आवा। मइँ तोहका सुख चइन देब। 29मोर जुआ
ल्या अउर आपन उपर धरा। फिन मोसे सीखा काहेकि
मइँ सहल हउँ अउर मोर मनवा कोमल अहइ। तोहका
भी आपस बरे सुख-चइन मिली। 30काहेकि उ जुआ
जउन मइँ तोहका देइत ह बहोत सहल बाटइ। अउर उ
बोझवा जउन मइँ तोह पर डारत अही, हल्का बाटइ।"

कछू यहूदियन ईसू क निन्दा किहेन

(मरकुस 2:23-28; लूका 6:1-5)

12 लगभग उहइ समइया ईसू सबित क दिन अनाजे
क खेतन स होइके जात रहा। ओकरे चेलन क
भूख लाग अउ गोहूँ क बाल तोड़ि क चबाइय लागेन।
2फरीसियन अइसा होत देखिके कहेन, "देखा! तोहार
चेलन उ करत अहइँ जेकर सबित क दिन करब मूसा
क व्यवस्था क माफिक नाहीं।"

3एँह प ईसू ओनसे पूछेस, "का तू नाहीं पढ़्या कि
दाऊद अउर ओकर साथी, जब ओनका भूख लाग, का
किहे रहेन? 4उ परमेस्सर क घरे मँ घुसिके ओनके बरे
चढ़ाई गइ पवित्तर रोटिन क कइसे खाएन? तउ भी
ओका अउर ओनके साथी संगी क ओकर खाब मूसा
क व्यवस्था क खिलाफ रहा। ओका सिरिफ याजकन
ही खाइ सकत रहेन। 5मूसा क व्यवस्था मँ तू इ नाहीं
पढ़्या कि सबित क दिन मंदिर क याजक ही असिल मँ
सबित क दिन देत हीं अउर फिन ओनका कउनो कछू
नाहीं कहत। 6मुला मइँ तोसे कहत हउँ, हियाँ जउन
कउनो बाटइ उ मंदिर ते बड़वार बाटइ। 7जदि तू पवित्तर
सास्तर मँ जउन लिखा अहइ, ओका जानत ह, 'मइँ
मनइयन मँ दाया चाहत हउँ, पसुबलिदान नाहीं'* तउ तू
ओनका दोखी नाहीं ठहरउत्या जउन निर्दोख अहइँ। 8हाँ,
मनई क पूत सबित क दिन क भी पर्भू अहइ।"

ईसू सुखंडी हाथे क चंगा किहेस

(मरकुस 3:1-6; लूका 6:6-11)

9फिन उ हुवाँ स चला गवा अउर उनके आराधनालय
मँ पहुँच गवा। 10हुवाँ एक ठु मनई रहा, जेकर हाथ
सुखंडी रहा। तउ मनइयन ईसू स पूछेन, "मूसा क व्यवस्था
क माफिक सबित क दिन का कउनो क नीक करब
ठीक अहइ?" उ सबइ यह बरे ओसे पूछेन कि, उ पचे
ओह प दोख सकइँ। 11मुला उ ओनका जवाब दिहेस,
"मान ल्या, तोहमाँ स कउनो क लगे एक ही भेड़ बाटइ,
अउर उ भेड़ सबित क दिन कउनो गड़हा मँ गिरि जात
ही, तउ तू का ओका बाहेर न निकरब्या? 12सच मनई
तउ एक भेड़े स जिआदा बढ़के अहइ। यह बरे सबित क
दिन मूसा क व्यवस्था भलाई करइ बरे अनुमति देत ह।"

13तब ईसू उ सुखंडी हाथवाला मनई स कहेस, "आपन
हथवा आगे बढ़ावा।" उ पूरी तरह स चंगा होइ गवा।
ठीक उहइ तरह जइसे ओकर दूसर हाथ रहा। 14तब
फरीसियन हुवाँ स चला गएन अउर ओका मार डावइ
क तरकीब गूंथइ मथइ लागेन।

ईसू उहइ करत ह जेकरे बरे परमेस्सर ओका चुनेस

15ईसू इ जान गवा अउर हुवाँ स चला गवा। भारी
भीड़ पाछे पाछे होइ गइ। उ ओनका चंगा करत 16चिताउनी
दिहस कि ओकरे बारे मँ मनइयन क कछू न बतावइँ।
17इ यह बरे भवा कि नबी यसायाह पर्भू क बारे मँ जउन
कछू कहेस ह, उ पूरा होइ जाइ,

18"इ मोर सेवक अहइ, मइँ जेका चुनेउ हउँ। इ
मोर पिआरा अहइ, एँसे मइँ आनंद मँ हउँ
आपन आतिमा एँह प मइँ रखियउँ सब देसन
क सब मनइयन क इ निआव क एलान
करी।
19 इ कबहुँ नाहीं चिचिआई, या झगड़ी ही मनइयन
एँका गली कूचा मँ न सुनिहइँ
20 उ सरते क न उ तोड़ी नइ गवा बुझात दिया
क उ न बुझाई डटा रही तब ताईं जब ताईं
निआव क जीत न होइ जाई।

'मइँ ... नाहीं' होसे 6:6

21 तब फिन सबइ लोग बँधिही देसन आपन
आस फिन ओहमा, फिन उहइ नाउँ मँ।"
यसायाह 42:1-4

ईसू मँ परमेस्सर क सक्ती बाटइ

(मरकुस 3:20-30; लूका 11:14-23; 12:10)

22फिन मनइयन ईसू क लगे एक अँधरे क लइ
आएन जउन गूँगा भी रहा काहेकि ओहँ प दुस्ट आतिमा
क सवारी रही। ईसू ओका चंगा किहेस अउर यह बरे इ
गूँगा अउर आँधर बोलइ अउर देखइ लाग। 23एँह प सबइ
मनइयन अचरजे मँ पड़ि गएन अउर उ सबइ कहइ
लागेन, "इ का दाऊद क पूत बाटइ!"

24जबहिं फरीसियन इ सुनेन तउ उ पचे कहेन, "इ
दुस्ट आतिमन क ओनके सरदार बालजबूल क सहारा
स बाहरे निकारत ह।"

25ईसू ओनके मनवा क बात जानि गवा अउर ओनसे
कहेस, "हर राज्य जेहमाँ फूट परि जात ह, ओकर नास
होइ जात ह। वइसे ही हर सहर या परिवार जेहमाँ फूट
परि जात ह उ टिकइ नाहीं पावत। 26तउ सइतान ही खुद
आपन क बाहेर कइसे निकारी फिन तउ ओहमाँ आपन
खिलाफ फूट पड़ि जाई। तउ ओकर राज्य कइसे बना
रहि पाई। 27अगर इ सच अहइ कि मइँ बालजाबूल क
सहारा स दुस्ट आतिमन क खदेरत हउँ तउ तोहार
मनवइया कउने सहारा स ओनका बाहेर खदेरत हीं?
तउ तोहार आपन मनवइया ही सिद्ध करिहीं कि तू
गलत अहा। 28मइँ दुस्ट आतिमन क परमेस्सर क आतिमा
क सक्ती स निकारत हउँ। एँसे इ सिद्ध होत ह कि
परमेस्सर क राज्य तोहरे निअरे आइ ग अहइ।

29"फिन कउन कउनो जबरा क घरवा मँ घुसिके
ओकर माल कइसे चोरॉइ सकत ह, जब तलक उ जबरा
क पहिले बाँध न देइ। तबहिं उ ओकरे घरवा क लूटि
सकत ह।

30"जउन मोर संग नाहीं उ हमरे खिलाफ बाटइ।
अउर जउन अलगाइ भई भेड़न क बटोरइ मँ मोर मदद
नाहीं करत, उ ओनका अलगावत ह। 31यह बरे मइँ
तोहसे कहत हउँ कि सब मनइयन क किस्म किस्म क
निन्दा अउर पापन्क छमा कइ दीन्ह जाइ मुला पवित्तर
आतिमा क निन्दा क छमा कीन्ह न जाई। 32कउनउ
मनई क पूत क खिलाफ जदि कछू कहत ह तउ ओका
छमा कीन्ह जाइ सकत ह, मुला पवित्तर आतिमा क
खिलाफ कउनो कछू कहइ तउ ओका छमा न कीन्ह
जाई। न तउ इ युग मँ अउर न आवइवाला युगे मँ।

मनई आपन करम स जाना जात ह

(लूका 6:43-45)

33"बढ़िया फरे बरे तोहका बढ़िया बृच्छ रोपइ चाही।
मुला बृच्छ बुरा अहइ तउ बुरा फर देइ। काहेकि बृच्छ
आपन फरे स जाना जात ह। 34अरे हे कीरा क बचवन!
जब तू खुदह बुरा अहा तउ नीक बातन कइसे कहि
सकत ह? मनई क सब्द जउन ओकरे मनवा मँ भरा
अहइ, उहइ स निकरत ही। 35एक नीक मनई मनवा क
नीक भंडारे स नीक बातन निकारत ह अउर बुरा मनई
बुरी बातन क निकारत ह जउन मनवा क भंडारे मँ
एकट्ठा रहत हीं। 36अउ मइँ तू सब जने क बतावत हउँ
कि निआव क दिन हर मनई क लापरवाही स बोली गइ
बातन क हिसाब देइ क होई। 37तोहरे बातन क ऊपर
तोहका निर्दोख अउर दोखी ठहराइ जाई।"

ईसू स प्रमाण सरूप चीन्हा क माँग

(मरकुस 8:11-12; लूका 11:29-32)

38फिन कछू धरम सास्तिरियन अउर फरीसियन
ओसे कहेन, "गुरु, हम पचे तोसे अद्भुत चीन्हा परगट
करइ चाहित ह।"

39ईसू ओनसे जवाबे मँ कहेस, "इ जुग क बुरा अउर
दुराचारी पीढ़ी क मनई अद्भुत चीन्हा देखा चाहत हीं।
नबी योना क अद्भुत चीन्हा तजिके ओनका अउर
कउनो अद्भुत चीन्हा न दीन्ह जाई। 40अउ जइसे योना
तीन दिना अउर तीन रात उ समुद्री जीव क पेटवा मँ
रहा, वइसे ही मनई क पूत तीन दिन अउर तीन रात
धरती प रही। 41निआव क दिन निनेवा क रहइवाले
आज क पीढ़ी क मनई क संग खड़ा होइहीं अउर दोखी
ठहरइहीं। काहेकि निनेवा क मनई योना क उपदेस स
मनफिराव करे रहेन अउर हियाँ तउ योना स बड़वार
हाजिर अहइँ।

42निआव क दिन दक्खिन क रानी इ पीढ़ी क
मनइयन क संग खड़ी होई अउर ओनका दोखी ठहराई,
काहेकि उ धरती क दूसर छोर स सुलैमान क उपदेस
सुनइ बरे आइ रही अउर हियाँ तउ कउनउ सुलैमान स
भी बड़वार हाजिर अहइ।

मनइयन मँ सइतान

(लूका 11:24-26)

43"जब कउनउ दुस्ट आतिमा कउनो मनई क छोड़
देत ह तउ उ आराम खोजइ बरे झुरान धरती प ढूँढ़त
फिरत ह, मुला उ ओका नाहीं पावत। 44तब उ कहत ह,
'जउन घरे क मइँ छोड़ दिहेउँ, मइँ फिन उहइँ लौट
इहउँ।' तउ उ लौटत ह अउर ओका अब ताईं खाली
अउ साफ सूथर अउर सजा भवा पावत ह। 45फिन उ
लौटत ह अउ आपन संग सात अउ दुस्ट आतिमन क
लइ आवत ह जउन ओसे भी बुरी होत हीं। फिन उ सबइ
आइके हुवाँ रहइ लागत हीं। अउर उ मनई क हालत
पहिले स जिआदा खौफनाक होत ह। आज क इ खराब
पीढ़ी क मनइयन क दसा अइसी बाटइ।"

ईसू क मनवइयन ही ओकर परिवार

(मरकुस 3:31-35; लूका 8:19-21)

46ईसू अबहीं भिड़िया क मनइयन स बातन कर रहा
कि ओकर महतारी अउर भाइयन हुवाँ आइके बाहेर
खड़ा होइ गएन। उ पचे ईसू स बात करइ बरे इंतजार
करत रहेन।

47कउनो ईसू स कहेस, "सुना तोहार महतारी अउर
तोहार भाइयन खड़ा बाटेन अउर तोसे बात करइ चाहत
हीं।"

48जवाबे मँ ईसू बात करइवालन स कहेस, "कउन
अहइ मोर महतारी, अउ कउन अहइ मोर भाइयन?"
49फिन आपन हथवा स चेलन कइँती सनकावत कहेस,
"इ अहइँ मोर महतारी अउर मोर भाइयन। 50हाँ सरगे मँ
रहवइया मोरे परमपिता क इच्छा प जउन कउनो चलत
ह, उहइ मोर भाई, बहन अउर महतारी अहइ।"

किसान अउर बिआ क दिस्टान्त

(मरकुस 4:1-9; लूका 8:4-8)

13 उहइ दिन ईसू उ घरवा क छोड़िके झिलिया क
किनारे बइठा। 2बहोत मिला ओकरे चारिउँ कइँती
ऍकट्ठा होइ गएन। तउ एक दिन उ नाउ प चढ़िके
बइठि गवा। अउ भीड़ किनारे खड़ी रही। 3उ ओनका
दिस्टान्त क सहारा लेत भवा बहोत सी बात बताएस।

उ कहेस, "एक किसान बिआ बोअइ निकरा। 4उ
जब बोआई करत रहा तउ कछू बिआ राहे क किनारे
जाइ गिरेन। चिड़ियन आइन अउर चुन गइन। 5तनिक
बिआ चट्टान क धरती प जाइ गिरेन। हुआँ क माटी
उथली रही। बिआ फउरन उगेन, काहेकि माटी गहिर
नाहीं रही। 6यह बरे जइसे सूरज निकरा तउ उ पउधन
झुराइ गएन। अउर काहेकि उ सबइ जिआदा जर पकड़न
नाहीं यह बरे झुराइके गिर गएन। 7बिआ क एक हींसा
कँटहरी झाड़िन मँ जाइ गिरा, झाड़िन बाढ़िन, अउर उ
सबइ उ पउधन क दहबोच लिहेन। 8मुला थोड़ा बिआ
जउन बढ़िया धरती प गिरा रहेन, बढ़िया फसल देइ
लागेन। फसल, जेतॅना बोइ ग रही, ओसे कउनो तीस
गुनी, साठ गुनी या सौ गुनी स भी जिआदा भई। 9जउन
सुन सकत ह, उ सुनि लेई!'

दिस्टान्त कथा क मतलब

(मरकुस 4:10-12; लूका 8:9-10)

10फिन ईसू क चेलन ओकॅरे लगे जाइके पूछेन, "तू
ओनसे बात करत भए दिस्टान्त कथा क प्रयोग काहे
करत ह?"

11जवाबे मँ उ ओनसे कहेस, "सरगे क राज्य क भेद
क जानइ क अधिकार सिरिफ तोहका दीन्ह ग अहइ,
ओनका नाहीं। 12काहेकि जेकरे लगे थोड़ा बहोत बाटइ,
ओका अउर भी दीन्ह जाई अउर ओकरे लगे ढेर होइ
जाई। 13यह बरे मइँ ओनसे दिस्टान्त कथा क प्रयोग
करत कहत हउँ। काहेकि अगर उ सबइ निहारत हीं,
मुला असल मँ ओनका कछू देखॉई नाहीं देत, उ पचे
अगर सुनत हीं, मुला असल मँ उ सबइ न सुनत हीं, न
समझत हीं।

14इ तरह ओन प यसायाह की भविस्सबाणी खरी
उतरत ही:

'तू सुनब्या अउर सुनतइ ही रहब्या मुला तोहरे
कछू भी समुझ न आई तू लखत ह, बस देखतइ
ही रहब्या मुला तोहका तउ कछू सूझ न पाई
15 काहेकि ओनके अकिल प पाथर पड़ा इ सबइ
आपन कान मूँद लिहेन, अउर आँखी बंद कई
राखी अहइँ जेसे आपन आँखिन स उ सबइ
कछू न निहारइँ अउर उ सबइ कनवा स कछू
सुनि न पावइँ या आपन हिरदय स कबहुँ बूझइँ
अउ मुड़िकइ कबहुँ मोरी कइँती आवइँ अउर
जेसे मइँ ओनका उद्धार करउँ।'

यसायाह 6:9-10

16मुला तोहार आँखी अउर कान धन्य अहइँ काहेकि उ
सबइ देख सुन सकत हीं। 17मइँ सच कहत हउँ बहोतन
नबियन अउर धर्मी जउन बातन क देखइ चाहत हीं,
ओनका तू देखत अहा। उ पचे ओनका नाहीं देखि सकतेन।
अउ जउन बातन क उ सबइ सुनइ चाहत हीं, ओनका तू
सुनत बाट्या। उ सबइ ओनका नाहीं सुन सकेन।

बिआ बोअइ क दिस्टान्त कथा क अरथ

(मरकुस 4:13-20; लूका 8:11-15)

18"तउ बिआ बोअइ क दिस्टान्त क अरथ सुन ल्या।
19उ बिआ जउन राह क किनारे गिर गवा रहा, ओकर
अरथ अहइ कि जबहिं कउनो सरगे क राज्य क उपदेस
सुनावत ह अउर समझत नाहीं तउ दुस्ट (सइतान) आइके,
ओकरे मनवा मँ जउन उगा रहा, उखाड़ लइ जात ह।
20उ सबइ बिआ जउन पथरही धरती प छितराइ ग रहेन,
ओकर अरथ अहइ उ मनई जउन उपदेस सुनत ह,
ओका खुसी होइके फउरन अपनावत ह 21मुला आपन
भीतर ओनकइ जड़ नाहीं जमइ देत, उ तनिक देर ठहर
पावत ह, जब उपदेस स ओह प कस्ट अउर सतव आवत
हीं तउ उ फउरन डगमगाइ जात ह। 22कँटवन मँ छितराइ
गवा बिआ क मतलब अहइ, उ मनई जउन उपदेस क
तउ सुनत ह, मुला संसार क फिकिर अउर धन क
लालच उपदेस क दहबोच लेत ह अउर उ मनई सफल
नाहीं होइ पावत। 23नीक धरती प छितरान बिआ क
अरथ अहइ उ मनई जउन उपदेस क सुनत ह अउर
समझत ह। उ सफल होत ह। ओकर सफलता तीस गुनी,
साठ गुनी या सौ गुनी तक होत ह।"

गोहूँ अउर खरपतवारे क दिस्टान्त

24ईसू ओनके समन्वा एकठू अउर दिस्टान्त कथा
राखेस, "सरगे क राज्य उ मनई क नाईं अहइ जउन
आपन खेतवा मँ नीक बिआ बोएस। 25मुला जब मनइयन
सोवत रहेन, उ मनई क दुस्मन आवा अउर गोहूँ क
बीचउबीच खरपतवार बोइ गवा। 26जइसे गोहूँ अँखुवान
अउर ओह प बालन आइन तउ खरपतवार देखाइ लाग।
27तइसेन खेते क मालिक क लगे आइके ओकर नउकरन
ओसे कहेन, 'मालिक, तू तउ खेतवा मँ बढ़िया बिआ बोए
रहा, बोए रह्या न? फिन ई खरपतवार कहाँ ते आइ
गवा?' 28"तब उ ओनसे कहेस, 'इ कउनो दुस्मने क
काम अहइ।' "ओकर नउकरन ओसे पूछेन, 'का तू
चाहत ह कि हम सबइ जाइके खरपतवार उखाड़ देइ?'

29"उ बोला, 'नाहीं काहेकि जब तू खरपतवार उखड़ब्या
तउ ओनके संग तू गोहूँ भी उखाड़ देब्या। 30जब ताईं
फसल पाकइ, दुइनउँ क साथ साथ बाढ़इ द्या, फिन
कटनी क समइ फसल क कटइयान स कहब कि पहिले
खरपतवारे क गट्ठर बनाइके ओनका जराइ द्या अउर
गोहूँ बटोरिके मोरे खरिहाने मँ धइ द्या।'"

अउर दिस्टान्त कथा

(मरकुस 4:30-34; लूका 13:18-21)

31ईसू ओनके समन्वा दूसर दिस्टान्त कथन्क राखेस:
"सरग क राज्य राई क बिआ क छोटवार बिआ क नाईं
अहइ, जेका कउनो लइके खेते मँ बोई दिहे होय। 32ई
बिआ नान्ह स नान्ह होत ह मुला बड़वार होए प इ बगिया
क सबइ पउधन स बड़वार होइ जात ह। इ पेड़ बनत ह
अउर अकासे क पंछी आइके एँकर डारन प सरन लेत
हीं।"

33ईसू ओनका एक दिस्टान्त कथा अउ कहेस, "सरगे
क राज्य खमीर क नाईं अहइ, जेका कउनो स्त्री तीन
अढ़इया आटा मँ मिलाएस अउर तब ताईं ओका राखि
दिहेस जब तलक उ सबइ क सबइ खमीर नाहीं भवा।"

34ईसू लोगन्स सब कछू दिस्टान्त कथन स बताएस।
असिल मँ उ ओनसे दिस्टान्त कथा क बिना कछू नाहीं
कहत रहा। 35अइसा यह बरे भवा कि परमेस्सर नबी स
जउन कछू कहवाए रहेन पूरा होइ जाइ: परमेस्सर कहेस,

"मइँ दिस्टांत कथन स आपन मुँहना खोलिहउँ।
सृस्टि क सुरू स जउन बातन छुपी रहिन,
ओनका परगट करब।'

भजन संहिता 78:2

गोहूँ अउर खरपतवारे क दिस्टान्त क बखान

36फिन ईसू उ भीड़ क बिदा कइके घर आइ गवा।
तब्बइ ओकर चेलन आइके ओसे कहेन, "खेते क
खरपतवार क दिस्टान्त क अरथ हमका समझाइ द्या।"

37जवाबे मँ ईसू बोला, "जउन उत्तिम बिआ बोए
रहा, उ अहइ मनई क पूत। 38अउर खेत इ संसार अहइ।
नीक बिआ क अरथ अहइ, सरगे क राज्य क मनई।
खरपतवार क अरथ अहइ, दुस्ट (सइतान) क संतान।
39उ दुस्मन जउन खरपतवारे क बोएस, सइतान अहइ,
अउर कटनी क समइ अहइ, इ संसार क अंत अउर
कटइया अहइँ परमेस्सर क दूतन। 40तउ ठीक उहइ
जइसे खरपतवारे क एँकट्ठा कइके आगी मँ जराइ दीन्ह
ग, वइसे ही संसार क अंत होई। 41मनई क पूत आपन
दूतन क पठइ अउर उ सबइ ओनके राज्य स सबइ
पापिन क अउ ओनक जउन पाप बरे मनइयन क
भड़कावत हीं, 42एकट्ठा कइके धधकत भट्ठी मँ झोंक
देइहीं जहाँ बस दाँतन क पीसब अउर रोउब ही रोउब
होई। 43तब धर्मी आपन परमपिता क राज्य मँ सूरज क
नाईं चमकिहीं। जउन सुनि सकत ह, सुनि लेइ।

धने क भण्डार अउर मोती क दिस्टान्त

44"सरग क राज्य खेत मँ गड़ा भवा खजाना क नाईं
अहइ, जेका कउनो मनई पाएस अउर फिन ओका हुवँई
गाड़ दिहेस। उ एँतना खुस भवा कि ओकरे लगे जउन
कछू रहा उ ओका बेंच दिहस अउर उ खेत बेसहि
लिहस। 45सरग क राज्य एक अइसे बेवपारी क नाईं
अहइ कि जउन बढ़िया मोती क खोज मँ होइ। 46जइसेन
ओका एक अनमोल मोती मिला तउ जाइके जउन कछू
ओकरे पास रहा, उ बेंच डाएस अउर मोती बेसहि लिहस।

मछरी पकड़इ क जाल

47"सरगे क राज्य मछरी पकड़इ बरे झीले मँ फेंक
गवा जाल क नाईं भी अहइ। जेहमाँ किसिम किसिम क
मछरी पकड़ लीन्ह गइन। 48जब उ जाले मँ मछरी मुचामुच
भरि गइन तउ किनारे ओका हींच लीन्ह गवा अउर हुवाँ
बैठिके नीक मछरी छाँटिके टोकरिन मँ भरि लीन्ह गइन
मुला बेकार मछरी फेंकि दीन्ह गइन। 49सृस्टि क अंत मँ
अइसे ही होई। सरगदूतन अइहीं अउर धर्मियन मँ स दुस्ट
मनइयन क छाँटिके 50धधकत भट्ठी मँ झोकि देइहीं।
हुवाँ बस रोउब अउर दाँत पीसब होई।" 51ईसू आपन
चेलन स पूछेस, "का तू सबइ इ बातन क समझत ह?" उ
पचे जवाब दिहन, "हाँ।" 52फिन उ ओनसे कहेस, "देखा,
यह बरे हर धरम सास्तरी जउन सरग क राज्य क
जानत ह, एक अइसे ग्रिहस्त क नाईं अहइ, जउन आपन
बखरी स नई पुरानी चीजनक बाहेर निकारत ह।"

ईसू क आपन देस लौटब

(मरकुस 6:1-6; लूका 4:16-30)

53इ सबन दिस्टान्त कथा क पूरा कइके उ हुवाँ स
चला गवा। 54अउर आपन देस आइ गवा। फिन उ
आराधनालय मँ उपदेस देब सुरू करेस। एँसे हर कउनो

अचरजे मँ पड़िके कहइ लाग, "ऍका अइसी सूझबूझ
अउर अद्भुत कारजन क सक्ती कहाँ त मिल गइ?
55का इ उहई बढ़ई क बेटवा नाहीं अहइ? का ऍकर
महतारी क नाउँ मरियम नाहीं अहइ? याकूब, यूसुफ,
समौन अउर यहूदा इहई क भाई अहइँ न? 56ऍकर
सबही बहिनियन हमरे बीच मँ नाहीं अहइँ? तउ फिन
ओका इ सब कहाँ त मिली गवा?" 57तउ उ सबइ ओका
मानेन नाहीं। फिन ईसू कहेस, "कउनो नबी क आपन
गाँव अउर घरवा क छाँड़िके, सब मनइयन इज्जत करत
हीं।" 58तउ ओनके बिसवास न होइके कारण उ हुवाँ
जिआदा अद्भुत कारजन नाहीं किहेस।

हेरोदेस क ईसू क बारे मँ सुनब

(मरकुस 6:14-29; लूका 9:7-9)

14 उ समइ गलील क राजा हेरोदेस जब ईसू क बारे
मँ सुनेस 2तउ उ आपन नउकरन स कहेस, "इ
बपतिस्मा देइवाला यूहन्ना अहइ जउन मरि गएन मँ जी
गवा बाटइ। अउर इहइ बरे इ सक्तिन ओहमाँ करत
बाटिन जेसे इ इन अद्भुत कारजन क करि डावत ह।"

यूहन्ना क कतल

3इ उहइ हेरोदेस रहा जउन यूहन्ना क गिरफ्तार
कइके, जंजीरे स बाँधि, जेल मँ धाँध दिहस। इ उ हिरोदियास
क कहे प किहेस, जउन पहिले ओकरे भाई फिलिप्पुस
क पत्नी रही। 4यूहन्ना ओसे अक्सर कहत रहत रहा:
"तोहका ऍकरे साथ नाहीं रहइ चाही।" 5ऍह प हेरोदेस
ओका मार डावइ चाहत रहा, मुला उ मनइयन स डेरात
रहा काहेकि मनई यूहन्ना क नबी मानत रहेन।

6–7 मुला जब हेरोदेस क जन्म दिन आवा तउ
हिरोदियास क बिटिया हेरोदेस अउर ओकर मेहमनवन
क समन्वा नाचिके हेरोदेस क ऍतना खुस किहेस कि
सपथ खाइके ओका देइ बरे बचन दिहेस कि उ जउन
कछू चाही। 8आपन महतारी क उस्कावे मँ आइके उ
कहेस, "मोका टाठी मँ धइके बपतिस्मा देइवाला यूहन्ना
क मूँड़ द्या।" 9तउ भी राजा बहोत दुखी रहा मुला आपन
सपथ अउर आपन मेहमान क कारण उ ओकर मंसा
पूरी होइके हुकुम दिहेस। 10उ जेल मँ यूहन्ना क मूँड़
काटइ बरे मनई पठएस। 11तउ यूहन्ना क मूँड़ टाठी मँ
धइके लइ आवा गवा अउर लरकी क दइ दीन्ह गवा। उ
ओका आपन महतारी क लगे लइ गइ। 12यूहन्ना क
चेलन आएन अउर ओकरे धड़े क गाड़ दिहन अउर
फिन उ पचे आइके ईसू क बताइ दिहन।

ईसू क पँाच हजार स जिआदा मनइयन क खियाउब

(मरकुस 6:30-44; लूका 9:10-17; यूहन्ना 6:1-14)

13जब ईसू ऍकरे बारे मँ सुनेस तउ उ हुवाँ स नाउ मँ
बइठिके निर्जन जगहिया मँ अकेल्ले चला गवा। मुला जब
भीड़ क ऍकरे बारे मँ मालूम भवा तउ आपन सहरन स
पइयाँ पइयाँ ओकरे पाछे होइ गएन। 14ईसू जब नाउ स
निकरि के किनारे आवा तउ उ बड़ी भीड़ देखेस। ओका
ओन प दाया आइ अउर ओनके बेरमियन क नीक
किहेस।

15जब साँझ भई तउ ओकर चेलन ओकरे लगे
आइके कहेन, "इ निर्जण जगह अहइ अउर बहोत देर
होइ गइ अहइ, तउ भीड़ क बिदा कइ द्या, जेसे उ सबइ
गाउँ मँ जाइके आपन बरे खइया बेसहि लेइँ।"

16मुला ईसू ओनसे कहेस, "ऍनका कहूँ जाइ क
जरुरत नाहीं बा। तू एनका कछू खाइके दइ द्या।"

17उ पचे ओसे कहेन, "हमरे लगे पाँच ठु रोटी अउर
दुइ मछरिन क छोड़िके अउर कछू नाहीं अहइ।"

18ईसू कहेस, "ओका मोरे लगे लइ आवा।" 19उ
भिड़िया क मनइयन स कहेस कि उ पचे घास प बइठि
जाइँ। फिन उ पाँच ठु रोटी अउर दुइ मछरिन क लइके
सरग कइँती देखेस अउर भोजन बरे परमेस्सर क धन्यबाद
दिहेस। फिन रोटी क टुकड़न मँ तोड़ेस अउर ओनका
आपन चेलन क दिहेस। उ चेलन टुकड़न क मनइयन मँ
बाँटिन। 20सबइ जिअरा भरि के जेंएन। ओकरे बाद खियाए
स बचा भवा टुकड़न स चेलन बारह झउआ भरि दिहेन।
21स्त्रियन अउर गदेलन क तजिके हुवाँ खवइया कउनो
पाँच हजार रहेन।

झीले प ईसू क चलब

(मरकुस 6:45-52; यूहन्ना 6:15-21)

22ऍकरे तुरंतइ पाछे ईसू आपन चेलन क नाउ प
बइठाएस अउर जब ताईं। उ भिड़िया क बिदा करइ,
ओसे पहिले आपन चेलन स गलील झील क उ पार जाइ
क कहेस जइसे उ सबइ ईसू क जाइ स पहिले पहुँच जाइँ।
23उ भीड़ क बिदा कइके पराथना करइ अकेल्ले पहाड़ी
प चला गवा। साँझ होइ प उ हुवाँ अकेला रहा। 24तब
ताईं नाउ किनारे मीलन दूर तलक जाइ चुकी रही अउर
लहरन क हिलोर स नाउ डोलय लाग काहेकि आँधी
उल्टी चलत रही। 25भिन्सारे तीन अउर छ: बजे क बीच
मँ ईसू झील प चलत ओनके लगे आवा। 26ओकर चेलन
जब ओका झीले प चलत देखेन तउ घबराइके आपुस मँ
कहइ लागेन, "इ तउ कउनो भूत अहइ!" उ पचे डेराइ
के चिचियाने। 27ईसू फउरन ओनसे बात करत भवा
कहेस, "हिम्मत राखा! इ मइँ हउँ, अब अउ जिन डेराअ!"

28पतरस जवाब देत ओसे कहेस, "पर्भू, अगर तू
अहा, तउ मोका पानी प चलिके आपन लगे आवइ क
कहा।"

29ईसू कहेस, "पतरस, चला आवा।"

पतरस नाउ स निकरिके पानी प ईसू कइँती चल
पड़ा। 30जबहिं उ जोर क आँधी देखेस उ घबराइ गवा। उ
बूड़ई लाग अउर नरियान, "पर्भू, मोर रच्छा करा!"

31ईसू तुरंतहि ओकरे नगिचे पहुँचिके ओका थाम लिहेस अउर ओसे कहेस, “अरे, कम बिसवास करइया, तू संदेह काहे किहा?”

32अउर उ सबइ नाउ प चढ़ि आएन। आँधी पटाइ गइ। 33नाउ क मनइयन ईसू का आराधना किहेन अउर कहेन, “तू सच परमेस्सर क पूत अहा।”

34तउ झील पार कइके उ सबइ गन्नेसरत क किनारे उतरि आएन। 35जब हुवाँ क रहइवाला ईसू क पहिचानेन तउ उ पचे ओकरे अवाई क खबर आसपास क सबहिं ठउरन मँ पठइ दिहन। जेसे मनई जउन बेरमिया रहेन, उ सबन क हुवाँ लइ आएन। 36अउर ओसे पराथना करइ लागेन उ ओनका आपन ओढ़ना क छोर छुअइ दे। अउर जउन छुइ लिहेन, उ सबइ पूरंपूर चंगा होइ गएन।

मनई क बनवा बिधान स परमेस्सर क व्यवस्था बड़वार अहइ

(मरकुस 7:1-23)

15 फिन कछू फरीसियन अउर धरमसास्तिरियन यरूसलेम स ईसू क लगे आएन अउर ओसे पूछेन, 2“तोहार चेलन हमरे पूर्वजन क रीति रिवाज क काहे नाहीं मनतेन? उ पचे खइया खाइ स पहिले आपन हथवन क काहे नाहीं धोउतेन!”

3जवाबे मँ ईसू ओनसे पूछेस, “आपन रीति रिवाजन क कारण तू परमेस्सर क हुकुम क काहे टारत ह? 4काहेकि परमेस्सर तउ कहेस, ‘तू आपन महतारी बाप क इज्जत करा’* अउर जउन कउनो, ‘महतारी बाप क बेज्जत करइ, ओका जरूर मार डावइ चाही।’* 5मुला तू कहत ह कि अगर कउनो आपन महतारी बाप स कहइ, ‘मइँ आपन सब कछू परमेस्सर क अर्पन कइ दिहे हउँ, यह बरे तोहार मदद नाहीं कइ सकत हउँ।’ 6इ तरह ओका आपन बाप क मानइ क जरूरत नाहीं। एह तरह तू आपन रीति रिवाजे क कारण परमेस्सर क हुकुम क नाहीं मान्या।

7अरे कपटी मनइयो! तोहरे बारे मँ यसायाह ठीक ही भविस्सबाणी किहेस। उ कहे रहा:

8 ‘इ सबइ कहत हीं कि हमार मान करत हीं,
मुला रहत एँनकइ मन मोसे सदा दूर
9 अर्पन भइ आराधना मोका एँनकी बगैर कामे की काहेकि सिखउतेन इ सबइ मनइयन क कहिके आपन धरम क उपदेस बनवा नेम मनई क।’”

यसायाह 29:13

10उ भिड़िया क आपन नगिचे बोलाएस अउर ओनसे कहेस, “सुना अउर समझ ल्या कि 11मनई क मुँहे स जउन भीतर जात ह उ ओका अपवित्तर नाहीं करत, मुला ओकरे मुँहना स निकरा सब्द ओका अपवित्तर करत ह।” 12तब ईसू क चेलन ओकरे निअरे आएन अउर बोलेन, “का तोहका पता बाटइ कि तोहरे बात क फरीसियन बहोत बुरा मान गएन?”

13ईसू जवाब दिहेस, “हर पउधा जेका सरगे मँ बसा मोर परमपिता नाहीं लगाएन, ओका उजाड़ दीन्ह जाई। 14ओनका तजि द्या, उ सबइ तउ आँधरन क नेता अहइँ। जदि एक आँधर दुसरे आँधर क राह देखावत ह, तउ उ दुइनउँ गड़हा मँ गिरि जात हीं।”

15जवाबे मँ पतरस ओसे कहेस, “हम पचन क पवित्तर न होइ क बारे मँ पहिले दीन्ह मँ दिस्टान्त क समझावा।”

16ईसू कहेस, “का तू अबहूँ नाहीं समझया? 17का तू नाहीं जानत अहा कि जउन कछू कउनो क मुँहे मँ जात ह, उ ओकरे पेटे मँ पहुँचत ह अउर फिन टट्टी स निकर जात ह? 18मुला जउन मनई क मुँहे स बाहेर आवत ह, उ ओकरे मने स निकरत ह। इहइ ओका अपवित्तर करत ह। 19काहेकि बुरा बिचार, कतल, व्यभिचार, बुरी चाल, चोरी, झूठ अउर निन्दा सबइ बुराई मनवा स ही आवत हीं। 20इहइ अहइँ जेसे कउनो अपवित्तर बनत ह। बे हाथ धोए खाइ स कउनो अपवित्तर नाहीं होत।”

गैर यहूदी स्त्री क मदद

(मरकुस 7:24-30)

21फिन ईसू उ ठउर क तजिके सूर अउ सैदा कइँती चला गवा। 22हुवाँ क एक कनानी स्त्री आइ अउर चिचियाइ लाग, “हे पर्भू, दाऊद क पूत मोहे प दाया करा। मोरी बिटिया प दुस्ट आतिमा बुरी तरह स सवार अहइ।”

23ईसू ओसे एक सब्द भी नाहीं कहेस, तउ ओकर चेलन ओकरे लगे आएन अउर बिनती करइ लागेन, “इ हमरे पाछे चिचिआत भई आवति अहइ। एँका दूर हटावा।”

24ईसू जवाब दिहेस, “मोका सिरिफ इस्राएल क लोगन क भटक गई भेड़न क बजाय कउनो अउर बरे नाहीं पठवा ग अहइ।”

25तब उ स्त्री ईसू क समन्वा निहुरिके बिनती करेस, “हे पर्भू, मोर सहायता करा!”

26जवाबे मँ ईसू कहेस, “इ ठीक नाहीं कि गदेलन क खइया लइके ओका कुकुरन क अगवा नाईं दीन्ह जाइ।”

27उ बोली, “इ ठीक बाटइ पर्भू, मुला आपन मालिक क मेजे स गिरि गवा चूर चराबा मँ स थोड़ बहोत तउ घरे क कूकुर खाइ लेत हीं।”

28तब ईसू कहेस, “बिटिया, तोहार बिसवास बहोत मजबूत क अहइ। जउन तू चाहत ह, पूर होइ जाइ।” अउ फउरन ओकर बिटिया चंगा होइ गइ।

‘तू ... करा’ निर्ग 20:12; व्यवस्था 5:16

‘महतारी ... चाही’ निर्ग 21:17

ईसू क बहोतन क चंगा करब

29फिन ईसू हुवाँ स चल पड़ा अउर गलील झीले क
किनारे पहुँच गवा। उ एक पहाड़े प चढ़िके बइठ गवा।
30बहोत बड़ी भीड़ लँगड़ा, लूला, आँधर, अपाहिज,
बहिरा, गूँगा अउर अइसे दूसर बेरमिया क लइके ओकरे
लगे आवइ लागेन। भिड़िया ओकरे गोड़वा प भुइयाँ प
डाइ दिहेस अउ ईसू ओन पचेन क चंगा किहेस। 31एँसे
भीड़ क मनइयन क, इ लखिके बहिर, गूँगा बोलत
अहइँ, अपाहिज नीक होइ गएन, लँगड़ा लूला चलइ फिरइ
लागेन अउ आँधर अब देख पावत हीं, बड़ा अचरज
भवा। उ सबइ इस्राएल क परमेस्सर क सराहना करइ
लागन।

चार हजार स जिआदा मनइयन क खइया क खियाउब

(मरकुस 8:1-10)

32ईसू तब आपन चेलन क आपन नगिचे बोलाएस
अउ कहेस, "मोका इ भीड़े पर तरस आवत अहइ काहेकि
इ मनइयन तीन दिना स बराबर मोर संग अहइँ अउर
एँनके लगे कछू खइया के भी नाहीं बाटइ। मइँ एँनका
भूखा ही नाहीं पठवइ चाहत हउँ काहेकि होइ सकत ह
कि कहूँ उ पचे रस्ता मँ चक्कर खाइके गिरि जाइँ।"
33तबहि ओकर चेलन कहेन, "एँतनी बड़वार भीड़
बरे अइसी दूर क ठउर मँ एँतना ढेर खइया क कहाँ स
मिली?" 34तब ईसू ओनसे पूछेस, "तोहरे लगे केतॅनी रोटी
अहइँ?"

उ सबइ कहेन, "सात रोटी अउर कछू नान्ह नान्ह
मछरिन।"

35ईसू भिड़िया स भुइयाँ प बइठे के कहेस। 36अउर
ओन सात रोटी अउर मछरियन क लइके उ परमेस्सर
क धन्यबाद दिहेस अउ रोटिनक तोड़ेस अउर आपन
चेलन क देइ लाग। फिन ओकर चेलन लोगन क बाँटि
दिहेन। 37सब लोग तब तलक खात रहेन जब अघाइ
नाहीं गएन। फिन ओकर चेलन बचा भवा टुकड़न स
सात झउआ भरेन।

38स्त्रियन अउर बचवन क छाँड़िके हुवाँ चार हजार
पुरुसन खइया क खाएन। 39भीड़े क बिदा कइके ईसू
नाउ मँ आवा अउर मगदन क च्छेत्र मँ चला गवा।

यहूदी नेतन क छलावा

(मरकुस 8:11-13; लूका 12:54-56)

16 फिन फरीसियन अउर सदूकियन ईसू क लगे
आएन। उ पचे ओका परखा चाहत रहेन तउ उ
सबइ ओका कउनो अद्भुत कारज करइ क कहेन,
काहेकि मालूम होइ जाइ कि उ परमेस्सर क बाटइ।
2ईसू जवाब दिहेस, "सूरज बूड़इ क समइ तू पचे
कहत ह मौसम बढ़िया रही काहेकि अकास ललछउँड़
अहइ। 3अउर सूरज निकरे प तू कहत ह, 'आज अँधड़
आई काहेकि अकास धूँधुर अउ ललछउँड़ अहइ।' तू
अकासे क लच्छन पढ़इ जानत ह, मुला आपन समइ क
लच्छन क नाहीं पढ़ सक्त्या। 4अरे दुस्ट अउर पापी पीढ़ी
क मनई कउनो अद्भुत चीन्हा देखइ चाहत हीं मुला
ओनके बजाय योना क अद्भुत चीन्हा क कउनो अउ
दूसर अद्भुत चीन्हा नाहीं देखाइ जाई।" फिन उ ओनका
तजि क चला गवा।

ईसू क चिताउनी

(मरकुस 8:14-21)

5ईसू अउर ओनकइ चेलन झीले क पार चला गएन
पर उ पचे रोटिया लइ आउब बिसरि गएन। 6एँह पइ ईसू
ओनसे कहेस, "चउकन्ना रह्या अउर फरीसियन अउ
सदूकियन क खमीरे स बचि रह्या।"

7उ पचे आपुस मँ तजबीजइ लागेन अउर बोलेन, "इ
होई कि उ यह बदे कहेस कि हम पचे कउनो रोटी संग
नाहीं लइ आएन।"

8उ पचे का बिचारत रहेन, ईसू इ जानत रहा, तउ उ
बोला, "अरे कमती बिसवास क मनइयो! तू सबइ आपुस
मँ काहे सोचत बिचारत अहा कि तोहरे लगे रोटी नाहीं।
9का तू पचे अबहुँ नाहीं समुझ पाया अउर तोहका याद
नाहीं अहइ कि पाँच हजार मनइयन बरे उ पाँच रोटी
अउर फिन केतना झउआ भरिके तू सबइ उठाया ह?
10अउर का तोहका याद नाहीं चार हजार मनइयन बरे
सात रोटी अउर फिन केतॅना झउआ भरि के तू पचे
उठाए रह्या? 11काहे नाहीं समझत्या कि मइँ तोहसे
रोटियन क बारे मँ बात नाहीं कह्यो? मइँ तउ तोहका
फरीसियन अउर सदूकियन क खमीरे* स दूर रहइ बरे
कहयो ह। "

12तबहि उ पचे समुझ गएन कि रोटिया क खमीरे स
नाहीं अरथ रहा मुला फरीसियन अउर सदूकियन क
सिच्छा स चौकस रहइ क अरथ रहा।

पतरस कहत ह कि ईसू अहइ मसीह

(मरकुस 8:27-30; लूका 9:18-21)

13जबहि ईसू कैसरिया फिलिप्पी क पहँटा मँ आइ
तउ उ आपन चेलन स पूछेस, "मनइयन का कहत
बाटेन, कि मइँ मनई क पूत कउन हउँ?"

14उ पचइ कहेन, "कछू मनइयन कहत हीं तू यूहन्ना
अहा बपतिस्मा देइवाला। दूसर मनइयन कहत हीं कि तू
एलिय्याह* अहा अउ कछू मिला कहत हीं कि तू
यिर्मयाह* या नबियन मँ स कउनो एक अहा।"

खमीरे फरीसियन अउ सदूकियन क कुसंग।

एलिय्याह एक ठु नबी ईसू स 850 बरिस पहिले भवा रहा।

यिर्मयाह एक ठु नबी ईसू स 600 बरिस पहिले भवा रहा।

15ईसू आपन चेलन स कहेस, “अउर तू का कहत ह
कि मइँ कउन हउँ?”
16समौन पतरस जवाब दिहस, “तू मसीह अहा, साच्छात
जिअत परमेस्सर क पूत।”
17जवाबे मँ ईसू ओसे कहेन, “योना क पूत समौन। तू
धन्य अहा काहेकि तोहका इ बात कउनो मनई नाहीं,
मुला सरगे मँ बसा भवा मोर परमपिता देखाएस ह। 18मइँ
तोहसे कहत हउँ कि तू पतरस अहा। अउर इहइ चट्टाने
प मइँ आपन कलीसिया बनउब। मउत क सक्ती*ओह
प अपरबल नाहीं होइ। 19मइँ तोहका सरगे क राज्य क
कुंजी देत हउँ। काहेकि भुइयाँ प जउन कछू तू बँधब्या उ
परमेस्सर क जरिए सरग मँ बाँध दीन्ह जाइ अउर धरती
पर जेका तू न बंधबें, ओका सरगे मँ भी न बान्धा जाई।”
20फिन उ आपन चेलन क कर्रा हुकुम दिहेस कि उ
सबइ कउनो क इ न बतावइँ कि उ मसीह अहइ।

ईसू आपन मउत क भविस्सबाणी

(मरकुस 8:31-9:1; लूका 9:22-27)

21उ समइया ईसू आपन चेलन क बतावइ लाग कि,
ओका यरूसलेम जाइ चाही। जहाँ ओका धरम सास्तिरियन,
बुजुर्ग यहूदी नेतन अउर मुख्ययाजकन क जरिए यातनायें
दइके मरवाइ दीन्ह जाई। फिन तीसर दिन उ मरा भवा मँ
जी जाई।
22तबहि पतरस ओका अलगइ लइ गवा अउर ओकर
डांट-डपट करत ओसे कहेस, “ओ पर्भू! परमेस्सर तोह
पइ दाया करी। तेरे संग अइसा कबहुँ न होई!”
23फिन ईसू ओकरे कइँती मुड़ि गवा अउर बोला,
“पतरस मोरे समन्वा स हटि जा, सइतान! तू मोरे बरे एक
रोड़ा अहा। काहेकि तू परमेस्सर क नाईं नाहीं, मनई क
नाईं सोचत बिचारत ह।”
24फिन ईसू आपन चेलन स कहेस, “जदि कउनो
मोरे पाछे आवा चाहत ह, तउ उ आपन क बिसराइ के,
आपन क्रूस उठाइ लेइ अउर मोरे पाछे होइ जा। 25जउन
कउनो आपन जिन्नगी क बचावइ चाहत बा, उ ओका
हेराइ देइ। मुला जउन कउनो मोरे बरे आपन जिन्नगी
तजि देइ, उहइ ओकर बचाइ सकत ह। 26जदि कउनो
आपन जिन्नगी दइके समूचा संसार भी पाइ जाइ तउ
ओका ओसे कउन फायदा? आपन जिन्नगी क फिन स
पावइ बरे कउनो भला का दइ सकत ह? 27मनई क पूत
सरगदूतन क संग आपन परमपिता क महिमा क संग
आवइवाला अहइ, जउन हर कउनो क ओकर करम
क फल देई। 28मइँ तोहसे सच कहत हउँ, हियाँ कछू
अइसे लोग खड़ा अहइँ जउन तब तलक नाहीं मरिहीं जब
तलक उ पचे मनई क पूत क ओकरे राज्य मँ आवत न
निहारि लेइँ।”

तीन ठु चेलन क मूसा अउर एलिय्याह क संग ईसू क दरसन

(मरकुस 9:2-13; लूका 9:28-36)

17 छः दिना पाछे ईसू, पतरस, याकूब अउर ओकर
भाई यूहन्ना क संग लइके अकेल्ले मँ उँचके
पहाड़े प गवा। 2हुवाँ ओनके समन्वा ओकर रूप बदल
गवा। ओकर मुँहना सूरज क नाईं चमचमाइ लाग अउर
ओढ़ना अइसे दमकइ लागेन जइसे रोसनी। 3फिन एकाएक
ओनके समन्वा मूसा अउर एलिय्याह परगट गएन अउर
ईसू स बतियाइ लागेन।
4इ लखिके पतरस ईसू स बोला, “पर्भू, नीक बाटइ
कि हम हियाँ अही। अगर तू चाहा तउ मइँ हियाँ तीन
तम्बू बनाइ देई एक ठू तोहरे बरे, एक मूसा बरे अउर
एक एलिय्याह क।”
5पतरस अबहीं बात करत रहा कि चमचमात बादर
आइके ओका ढाकि लिहेस अउर बदरे स अकासबाणी
भइ, “इ मोर पिआरा पूत अहइ। जैसे मइँ खूब खुस हउँ।
एकर सुना!”
6जब चेलन इ सुनेन तउ उ सबइ एँतना ससाइ गएन
कि धरती प मुँहना उलटि के गिरि गएन। 7तबहिं ईसू
ओनके लगे गवा अउर ओनका छुअत भवा बोला, “डेराअ
जिन, खड़ा ह्वा।” 8जब उ पचे आँखी क ऊपर करेन
तउ हुआँ क हुँ। अउर का नाहीं बर्‌न ईसू क पाएन।
9जब उ सबइ पहाड़े स उतरत रहेन तउ ईसू ओनका
हुकुम दिहेस, “जउन कछू तू देख्या ह, तब ताईं कउनो
क जिन बतावा जब ताईं मनई क पूत क मरा भवा स
फिन जी न जाइ।”
10फिन ओकर चेलन ओसे पूछेन, “धरम सास्तिरियन
फिन काहे कहत हीं कि एलिय्याह क पहिले तू आउब
तय अहइ?” 11जवाब देत भवा ईसू ओनसे कहेस, “एलिय्याह
आवत अहइ, उ हर चीज क तरकीबे स ठीक कइ देइ।
12मुला मइँ तोहसे कहत हउँ कि एलिय्याह जउन अब
तलक आइ चुका अहइ। मुला मनइयन ओका पहिचानेन
नाहीं। अउर ओकरे संग जइसा चाहेन वइसा किहेन।
ओनके जरिए मनई क पूत क भी वइसे ही सतावइ
जाइवाला अहइ।” 13तबहिं ओकर चेलन समुझ पाएन
कि उ ओनसे बपतिस्मा क देवइया यूहन्ना क बारे मँ
कहे रहा।

बेरमिया लरिका क चंगा कीन्ह जाब

(मरकुस 9:14-29; लूका 9:37-43)

14जब ईसू भीड़ मँ वापस आइ गवा तउ एक मनई
ओकरे पास आवा। अउर ओका दंडवत कइके 15बोला,
“हे पर्भू, मोरे बेटवा प दाया करा। ओका मिर्गी आवत ह।
उ बहोत तड़फड़ात ह। उ आगी या पानी मँ बहोत के
गिरि पड़त ह। 16मइँ ओका तोहरे चेलन क लगे लइ
आवा, मुला उ सबइ ओका चंगा नाहीं कइ पाएन।”

मउत क सक्ती अधोलोक क दुआर।

17जवाबे मँ ईसू कहेस, “अरे भटका भवा अबिसवासी
मनइयन! मइँ केतॅना समइ तोहरे संग अउर रहब? केतॅना
समइ मइँ अइसे ही तोहार सहब जात रहब? ओका हियाँ
मोरे लगे लिआवा।” 18फिन ईसू दुस्ट आतिमा क हुकुम
दिहेस अउर उ ओहमा स बाहेर निकर आइ अउ उ
लरिका फउरन नीक होई गवा। 19फिन ओकर चेलन
अकेल्ले मँ ईसू क लगे जाइ क पूछेन, “हम इ दुस्ट
आतिमा क काहे नाहीं निकार पाए?”
20ईसू ओनका बताएस, “काहेकि तोहमाँ बिसवास
क कमी अहइ। मइँ तोहसे सच कहत हउँ, जदि तोहमाँ
सरसों क बिया जेतॅना बिसवास अहइ तउ तू इ पर्वत स
कहि सकत ह, ‘हियाँ स हटि के हुवाँ चला जा’ अउर उ
चला जाई। तोहरे बरे असंभव कछू भी नाहीं होई।” 21*

ईसू क आपन मउत क बारे मँ बताउब

(मरकुस 9:30-32; लूका 9:43-45)

22जब ईसू क चेलन आएन अउर गलील मँ ओकरे
साथ मिलेन तउ ईसू ओनसे कहेस, “मनई क पूत, मनइयन
क जरिए पकड़वाइ जाइवाला अहइ, 23अउर उ ओका
मार डइहीं। मुला तीसरे दिना उ फिन जी जाई।” एँह प
ईसू क चेलन बहोत बिआकुल होइ गएन।

चुंगी (टिक्स) क भुगतान

24जब ईसू अउर ओकर चेलन कफरनहूम मँ आएन
तउ मंदिर क दुइ दरम क चुंगी (टिक्स) उगहिया वालेन
पतरस क लगे आएन अउर बोलेन, “का तोहार गुरु दुइ
दरम क मंदिर क चुंगी नाहीं देत?” 25पतरस जवाब
दिहस, “हाँ, उ देत ह।” अउर उ घरवा मँ आवा जहाँ ईसू
रहा। पतरस क बोलइ स पहिले ईसू बोल उठा, “समौन,
तोहार का बिचार अहइ? धरती क राजा केसे चुंगी लेत
हीं? खुद अपने बचवन स, या दूसर क बचवन स?”
26पतरस जवाब दिहस, “बाहिर क मनइयन स।”
तबहिं ईसू ओसे कहेस, “यानी ओकरे आपन बचवन क
छूट मिलत ह। 27मुला हम पचे ओन मनइयन क कोहाय
न देइ। यह बरे झिलिया प जा अउर आपन कटिया फेंक
दया अउर फिन जउन मछरी धरे मँ आइ जाइ ओकर
मुँहना खोल दिहा। तोहका चारि दरम क सिक्का मिली।
ओका लइके मोरे अउ आपन बरे ओनका दइ दिहा।”

सबते बड़कवा कउन

(मरकुस 9:33-37; लूका 9:46-48)

18 तब ईसू क चेलन ओकरे लगे आइके पूछेन,
“सरगे क राज्य मँ सबते बड़कवा कउन अहइ?”
2उहइ घड़ी ईसू एक ठु गदेला क अपने लगे बोलॉएस
अउर ओका ओकरे समन्वा खड़ा कइके 3उ कहेस,
“मइँ तोहसे सच कहत हउँ जब ताईं कि तू सबइ मनवा
क फिरउब्या नाहीं अउर गदेलन क नाईं नाहीं बनि
जाब्या, सरगे क राज्य मँ घुसि न सकब्या। 4यह बरे
आपन खुद क जउन कउनो इ बचवा क नाईं आपन क
नवावत ह, सरगे क राज्य मँ उहइ सबते बड़कवा अहइ।”
5“अउर जउन कउनो अइसे गदेलन जइसे मनई क
मोरे नाउँ मँ मान लेत ह उ मोका मान लेत ह। 6मुला
जउन मोह मँ बिसवास करइया मोरे कउनों अइसे गदेला
क रस्ते क रोड़ा बनि जात ह, नीक होइ कि ओकरे
गटइया मँ एक ठु जाँत क पाट लटकाइके गहिरे समुद्दर
मँ बोर दीन्ह जाइ। 7संसार क मनइयन बरे ठोकर क
कारण मोका दुख बाटइ मुला ठोकर तउ सदा आवत
रइहीं। किंतु दुख तउ ओहँ प अहइ जोकरे जरिए ठोकर
आइ जात हीं।
8यह बरे तोहार हाथ या गोड़ तोहरे बरे मुसीबत बन
जाइ तउ ओका काटि के फेंक द्या काहेकि सरगे मँ
बगैर हाथ या बे गोड़ क अनन्त जीवन मँ घुस जाइ पाउब
तोहरे बरे जियादा नीक अहइ। ऍकरे बजाय कि दुइनउँ
हाथ अउर गोड़वन क साथे तोहका नरके मँ न बुझइवाली
आगी मँ नाइ दीन्ह जाइ। 9जदि तोहार आँखी तोहरे बरे
बियाध बन जाइ तउ तू ओका बाहेर निकारि क डाइ
द्या, काहेकि सरगे मँ काना होइके अनन्त जीवन मँ
घुसि पाउब तोहरे बरे जिआदा बढ़िया बा, बजाय ऍकर
कि दुइनउँ आँखिन क संग तोहका नरके मँ डाइ दीन्ह
जाइ।

हेराइ गइ भेड़ क दिस्टान्त कथा

(लूका 15:3-7)

10“तउ देखा, मोर ऍन गदेलन मँ स कउनो क तुच्छ
जिन समझ्या। मइँ तोहका बतावत हउँ कि सरगे मँ बसइ
मोरे परमपिता क लगे ओकर रच्छा करइवालन सरगदूतन
क पहुँच सदा रहत ह। 11*
12“बतावा तू का गूंथत मथत अहा? जदि कउनो क
लगे सौ भेड़ होइँ अउर ओहमाँ स एक भटक जाइ तउ
का उ दूसर निन्नान्बे क पहड़िया प तजिके उ एक ठू
भटक गइ भेड़ क ढूँढइ न जाई? 13अउर ओका उ मिल
जाई मइँ तोहसे सच सच कहत हउँ कि निन्नान्बे क
बजाय जउन खोई नाहीं रहिन, ओका पाइके खूब खुस
होई।
14इ तरह सरगे मँ बसा तोहार परमपिता का नाहीं
चाहत कि मोर इ गदेलन मँ स कउनो एक भी भटकि
जाइ।

पद 21 कछू यूनानी प्रतियन मँ पद 21 जोड़ी गइ अहइ: “अइसी दुस्ट आतिमा सिरिफ पराथना अउ उपवास करइ स निकरत ह।”

पद 11 कछु यूनानी प्रतियन मँ पद 11 जोड़ी गइ अहइ: “मनई क पूत भटक गवा मनइयन क उद्धार बरे आइ अहइ।”

जब कउनो तोहार बुराइ करइ

(लूका 17:3)

15“जदि तोहार भाई तोहरे संग कउनो बुरा बेवहार करइ तउ अकेल्ले मँ जाइके आपुस मँ ही ओकर दोख बताइ द्या। जदि उ तोहार सुनि लेइ तउ तू आपन भाई क फिन जीत लिहा। 16मुला जदि उ तोहार न सुनइ तउ एक दुइ क आपन संग लइ जा काहेकि हर बाते क दुइ तीन साच्छी होइ जाइ। 17जदि उ ओनकी भी न सुनइ तउ कलीसिया क बताइ द्या। अउर जदि उ कलीसिया क भी न मानइ तउ फिन तू ओसे अइसा बेवहार करा जइसे उ विधर्मी होइ जाइ या चुंगी (टिक्स) क उगहिया।

18“मइँ तोहसे सच बतावत हउँ जउन कछू तू धरती प बँधब्या सरग मँ पर्भू क जरिए बाँधि दीन्ह जाई अउर जउन कउनो क तू धरती प न बँधब्या, ओका सरगे मँ परमेस्सर क जरिए न बान्धा जाई।

19“मइँ तोहसे इ भी बतावत हउँ कि इ धरती प जदि तोह मँ स कउनो दुइ क बिचार मेल खात होइँ तउ एक होइ क सरग मँ मोरे परमपिता स कछू मंगब्या तउ उ तोहरे बरे ओका पूरा करी 20काहेकि जहाँ मोरे नाउँ प दुइ या तीन मोरे मनवइयन क रूप मँ एकटठा होत हीं, हुवाँ मइँ ओनके संग हउँ।”

छमा क न करइया नउकर क दिस्टान्त कथा

21फिन पतरस ईसू क लगे गवा अउर बोला, “पर्भू, मोका आपन भाई क केतॅनी दाईं आपन खिलाफ जुर्म करइ प छमा कइ देइ चाही? जदि उ सात दाईं जुर्म करइ तउ भी?”

22ईसू कहेस, “न सिरिफ सात दाईं, मुला मइँ तोहसे बतावत हउँ तोहका ओका सतहत्तर* दाईं तलक छमा करत जाइ चाही।”

23 “सरगे राज्य क तुलना ओ राजा स कीन्ह जाइ सकत ह जउन आपन नउकरन स हिसाब अदा करइ क बिचारे रहा। 24जब उ हिसाब लेब सुरु करेस तउ ओकरे समन्वा एक अइसे मनई क लइ आवा गवा जेहँ प दसउ लाख रूपया निकरत रहा।

25मुला ओकरे लगे चुकाइ देइ क कउनो उपाय नाहीं रहा। ओकर मालिक हुकुम दिहेस कि उ नउकर क, ओकर पत्नी , ओकर बाल बचवन अउर जउन कछू माल असबाब अहइ, सब समेट के बेचे स कर्ज अदा कइ दीन्ह जाइ।

26“एँह प ओकर नउकर ओकरे गोड़वा प गिरिके गिड़गिड़ाइ लाग, ‘धीरा धरा, मइँ सब कछू चुकाइ देइहउँ।’ 27तब जाइके मालिक क तरस आवा अउर ओकर कर्जा माफ कइ दिहस।

28“फिन जब उ नउकर हुवाँ स जात रहा तउ ओका ओकर एक साथी नउकर मिला जेका सउ दिनारी*देइ क रहा। उ ओकर ढोंढ़ा पकड़िके गटइया क दबावत कहेस, ‘जउन तोहका मोर देइ क अहइ, लउटाइ द्या!’

29“एँह प ओकर साथी नउकर गोड़वा प गिरि गवा अउर बीसउ नह जोड़ेस, ‘धीरा धरा, मइँ तोहका दइ देब।’

30“मुला उ मना कइ दिहस। एँतना ही नाहीं उ ओका तब तलक बरे, जब तलक उ ओकर कर्ज अदा न कइ देइ, जेल मँ पठएस। 31दूसर संगी नउकरन देखेन कि का भवा, उ सबइ बहोत दुखी भएन। जउन कछू भवा रहा, सब आपन मालिक क जाइके बताइ दिहन।

32“तब ओकर मालिक ओका बोलाएस अउर कहेस, ‘अरे नीच नउकर, मइँ तोहार सारा कर्ज माफ कइ दिहउँ काहेकि तइने कहेस कि दाया क भीख द्या। 33का तोहका आपन संगी नउकर प दाया नाहीं करइ चाही जइसे मइँ तोह प दाया किहउँ?’ 34तउ ओकर मालिक कोहाइ गवा अउर ओका तब ताईं सजा भुगतइ बरे सुपुर्द करेस जब ताईं समूचा कर्ज अदा न होइ जाइ।

35“तउ जब तलक तू आपन भाई बंद क आपन मनवा स छमा नाहीं कइ दिहा मोर सरगे क परमपिता भी तोहरे साथ वइसा ही बेवहार करी।”

तलाक

(मरकुस 10:1-12)

19 इ बातन बताइ के ईसू गलील स लउटिके यहूदिया क पहँटा मँ यरदन नदी क पार गवा। 2हुवाँ एक ठु भारी भीड़ ओकरे पाछे होइ गइ। उ बेरमिया मनई क चंगा किहेस।

3कछू फरीसियन ओका परखइ बरे ओकरे निअरे पहुँचेन अउर बोलेन, “का इ ठीक बाटइ कि कउनो आपन पत्नी क कउने भी कारण स तलाक दइ सकत ह?”

4जवाब देत ईसू कहेस, “का तू पवित्तर सास्तरन मँ नाहीं बाख्या कि जबहि संसार क रचइया एँका रचेस, सुरुआत मँ ‘उ एक पुरुस अउर एक स्त्री बनाएस?’* 5अउर परमेस्सर कहे रहा, ‘इहइ कारण आपन महतारी बाप क तजिके पुरुस आपन पत्नी क संग होत भवा भी एक तन होइके रही।’* 6तउ उ सबइ दुइ नाहीं रहतेन मुला एक रूप होइ जात हीं। यह बरे जेका परमेस्सर जोड़ेस ह ओका कउनो मनई क अलगावइ नाहीं चाही।”

सतहत्तर हियाँ साते क सत्तर गुना तक अरथ कीन्ह जाइ सकत ह। उत्पत्ति 4:24

दिनारी रूपया मूरे मँ एक दीनार लगभग चालीस पइसा क बराबर।

‘उ ... बनाएस’ उत्पत्ति 1:27 यसा 5:2

‘इहइ ... रही’ उत्पत्ति 2:24

[7]उ फरीसियन बोलेन, “फिन मूसा इ काहे ठहराएन ह कि कउनो पुरुस आपन पत्नी क तलाक दइ सकत ह। सर्त इ अहइ कि उ ओका तलाकनामा लिखि के दइ देइ।”

[8]ईसू ओनसे कहेस, “तोहरे मन की कठोरता क कारण मूसा पत्नी क तलाक देने की अनुमति तोहरे दी। मुला सुरुआत मँ अइसी रीति नाहीं रही। [9]तउ मइँ तोहसे कहत हउँ कि जउन व्यभिचार क तजिके आपन पत्नी क कउनो अउर कारण स तलाक देत ह अउर कउनो दूसर स्त्री क बीहत ह तउ उ व्यभिचार करत ह।”

[10]एँह प ओकर चेलन ओसे कहेन, “जदि एक स्त्री अउर एक पुरुस क बीच अइसी बात होइ तउ कउनो क बिआह नाहीं करइ क चाही।”

[11]फिन ईसू ओनसे कहेस, “हर कउनो तउ इ उपदेस क नाहीं मानत। एँका बस उहइ मान सकत ह जेका एँकर च्छमता प्रदान की गया अहइ। परमेस्सर स ताकत मिलि गइ अहइ। [12]कछू अइसेन बाटेन जउन महतारी क गर्भ स नपुंसक पइदा भएन। अउर कछू एसे अहइ जउन लोगोन द्वारा नपुंसक बना दिये अहइ। अउर आखिर मँ कछू अइसे भी बाटेन जउन सरगे क राज्य क कारण बिआह नाहीं करइ क फइसला कइ लिहन। इ उपदेस क जउन लइ सकत होइ, लइ ले।”

ईसू क आसीर्बाद-गदेलन बरे

(मरकुस 10:13-16; लूका 18:15-17)

[13]फिन मनइयन कछू गदेलन क ईसू क लगे लइ आएन कि उ ओनके मुँड़वा प हथवा धइके ओनका आसीर्बाद देइ अउ ओनके बरे पराथना करइ। मुला ओकर चेलन ओका डाटेन। [14]ओह प ईसू कहेस, “गदेलन क रहइ द्या, ओनका जिन रोका, मोरे लगे आवइ द्या काहेकि सरगे क राज्य अइसेन क अहइ।” [15]फिन उ गदेलन प आपन हाथ रखेस अउर हुवाँ स चला गवा।

एक खास प्रस्न

(मरकुस 10:17-31; लूका 18:18-30)

[16]हुवाँ एक मनई रहा। उ ईसू क लगे आवा अउर कहेस, “गुरु अनन्त जीवन पावइ बरे मोका का नीक काम करइ चाही?”

[17]ईसू ओसे कहेस, “नीक का अहइ, एँकरे बारे मँ मोसे काहे पूछत अहा? काहेकि नीक तउ सिरिफ एक ही बाटइ। फिन भी तू अगर अनन्त जिन्नगी मँ घुसइ चाहत ह, तउ तू हुकुमन क मान ल्या।”

[18]उ ईसू स पूछेस, “कउन स हुकुम?”

तब ईसू बोला, “‘कतल जिन करा। व्यभिचार जिन करा। चोरी जिन करा। झूठी साच्छी जिन द्या। [19]आपन बाप अउर आपन महतारी क इज्जत करा’* अउर ‘जइसे तू आपन खुद क पिआर करत ह, वइसे ही आपन पड़ोसी स पिआर करा।’*”

[20]नउजवान ईसू स पूछेस, “मइँ इन बातन क मान्यों ह। अब मोहमाँ कउने बात क कमी बाटइ?”

[21]ईसू ओसे कहेस, “जदि तू सिद्ध बनइ चाहत अहा तउ जा अउर जउन कछू तोहरे लगे बा, ओका बेचिके धन गरीबन क दइ द्या जेसे सरग मँ तोहका धन मिल सकइ। फिन आवा अउर मोरे पाछे होइ जा!”

[22]मुला जब उ नउजवान मनई इ सुनेस तउ उ दुखी होइके चला गवा काहेकि उ बहोत धनी रहा।

[23]ईसू आपन चेलन स कहेस, “मइँ तोहसे सच कहत हउँ कि धनी क सरगे क राज्य मँ घुसि पाउब मुस्किल बाटइ। [24]हाँ मइँ तोहसे कहत हउँ कि कउनो धनी मनई क सरग क राज्य मँ घुसि पाउब स एक ऊँटे क सुई क छेद स निकर जाब सहल बा।”

[25]जब ओकर चेलन सुनेन तउ अचरज मँ आइके पूछेन, “फिन केकर उद्धार होइ सकत ह?”

[26]ईसू ओनका देखत भवा कहेस, “मनइयन बरे इ असम्भव बाटइ मुला परमेस्सर बरे सब कछू होइ सकत ह।”

[27]जवाबे मँ पतरस ओसे कहेस, “देखा, हम पचे कछू तजिके तोहरे पाछे होई गएन ह। तउ हमका का मिली?”

[28]ईसू ओनसे कहेस, “मइँ तू सबन स सच कहत हउँ कि नवा जुग मँ जब मनई क पूत आपन प्रतापी सिंहासने प बिराजी तउ तू भी, जउन मोरे पाछे अहा, बारह सिंहासन प बइठिके इस्राएल कबारह कबीले क निआव करब्या। [29]अउर मोरे बरे जेतना भी घर–बार या भाइयन या बहिनियन या बाप या महतारी या बचवन या खेतन क तजि दिहे अहइ, उ सब सौ गुना जिआदा पाइ अउर अनन्त जीवन क हकदार होई। [30]मुला बहोत स जउन अब पहिले अहइँ, पिछला होइ जइहीं अउर जउन पिछला अहइँ उ पहिले होइ जइहीं।

मजूर क दिस्टान्त कथा

20 “सरगे क राज्य एक जमींदार क नाईं बाटइ जउन भिन्सारे आपन अंगूरे क बगीचा बरे मजदूर लइ आवइ निकरा। [2]उ चाँदी क एक रूपया प मजदूर क लगाइके ओनके आपन अंगुरे क बगिया मँ काम करइ पठएस।

[3]“नौ बजे क करीब जमींदार फिन घरवा स निकरा अउर उ देखेस कि कछू मनई बजारे मँ एँहर ओहर अइसे ही बेकार खड़ा रहेन। [4]तब उ ओनसे कहेस, ‘तू पचे भी मोरे अंगूरे क बगीचा मँ जा, मइँ तोहका जउन

‘कतल ... करा’ निर्ग 20:12-16

‘जइसे ... करा’ लैव्य 19:18

कछू ठीक अहइ, देब।' [5]तउ उ पचे भी बगीचा मँ काम करइ गएन।

"फिन करीब बारह बजे अउर दुबारा तीन बजे क करीब, उ वइसा ही किहेस। [6]करीब पाँच बजे उ फिन आपन घरवा स गवा अउर कछू मनइयन क बजारे मँ एँह कइँती ओह कइँती खड़ा देखेस। उ ओनसे पूछेस, 'तू हियाँ दिन भइ बेकार ही काहे खड़ा होइ रह्या?'

[7]"उ सबइ ओसे कहेन, 'काहेकि हम सबन क कउनो मजूरी प नाहीं राखेस।' "उ ओनसे कहेस, 'तू भी मोरे अंगूर क बगीचा मँ चला जा।'

[8]"जब साँझ भइ तउ अंगूर क बगीचा क मालिक आपन प्रधान करमचारी क कहेस, 'मजूरन क बोलाइके आखिरी मजूरे स सुरू कइके जउन पहिले लगावा ग रहेन ओन सबन क मजूरी दइ द्या।'

[9]"तउ उ पचे जउन पाँच बजे लगावा रहेन, आएन अउ ओहमाँ स हर एक क बस एक ही चाँदी क रूपया मिला। [10]फिन जउन पहिले लगावा ग रहेन, उ आएन। उ सोचेन ओनका कछू जिआदा मिली मुला ओनमा हर कउनो क एक ठु चाँदी क रूपया मिला। [11]रूपया तउ उ सबइ लइ लिहन मुला जमींदारे स सिकाइत करत [12]उ सबइ कहेन, 'जउन पाछे लगावा रहेन, उ पचे बस एक ही घंटा भइ काम किहेन अउ तू हम पचेन क ओतॅना ही दिहा जेतॅना ओनका। जब कि हम पचे दिन भइ चिलचिलात धूपे मँ मेहनत कीन्ह।'

[13]"उ जवाबे मँ ओहमाँ स कउनो एक स जमींदारे स कहेस, 'मीत, मइँ तोहरे साथ कउनो अनिआव नाहीं कर्‌यों ह। का हम पचे तय नाहीं कीन्ह कि मइँ तोहका चाँदी क एक ठु रूपया देब? [14]जउन तोहार होत ह, ल्या अउर चला जा। मइँ सबते पाछे रखा गवा इ मजदूर क ओतॅना ही मजूरी देइ चाहब जेतॅना तोहका देत अही। [15]का मोका इ अधिकार नाहीं कि जउन मइँ आपन धने क चाहूँ, कइ सकउँ? मइँ अच्छा हउँ का तू एँसे मने मँ जरत ह?'

[16]"इ तरह आखिरी पहिले होइ जइहीं अउर पहिले आखिरी होइ जइहीं।"

ईसू आपन मउत क बारे मँ बताएस

(मरकुस 10:32-34; लूका 18:31-34)

[17]जब ईसू आपन बारहु चेलन क संग यरूसलेम जात रहा तउ उ ओनका एक कइँती लइ गवा अउर चलत चलत ओनसे बोला, [18]"सुना, हम यरूसलेम पहुँचइ क अही। मनई क पूत हुवाँ मुख्ययाजकन अउर धरम सास्तिरियन क हाथे मँ दइ दीन्ह जाई। उ पचे ओका मृत्युदण्ड क काबिल ठहरइहीं। [19]फिन ओकर हँसी हँसारत करवावइ अउर कोड़न स पिटवावइ बरे ओका गैर यहूदियन क दइ देहहीं। फिन ओका क्रूस प चढ़ाइ दीन्ह जाई। मुला तिसरे दीन उ फिन जी उठी।"

एक महतारी क गदेलन बरे खास चिरौरी

(मरकुस 10:35-45)

[20]फिन जब्दी क पूतन की महतारी आपन पूतन क संग ईसू क नगिचे गई अउर उ निहुरिके पराथना करत ओसे कछू माँगेस।

[21]ईसू ओसे पूछेस, "तू का चाहति अहा?"

उ बोली, "मोका बचन द्या कि मोर इ दुइनउँ बेटवन तोहरे राज्य मँ एक तोहरे दाहिन अउर दूसर तोहरे बाईं कइँती बइठँइ।"

[22]ईसू जवाब दिहस, "तू नाहीं जानत अहा कि तू का माँगत बाट्या? का तू यातनाओं क कटोरा पिउ सकत अहा, जेहका मइँ पिअइवाला हउँ?"

उ सबइ ओसे कहेन, "हाँ पिउ सकित ह।"

[23]ईसू ओनसे बोला, "तू पचे सचमुच उ पिआला पीब्या। मुला मोर दाहिन अउर बाएँ कइँती हक क देवइया मइँ नाहीं हउँ। हियाँ बइठइ क हक तउ ओनही का बा, जेनके बरे इ मोर परमपिता क जरिए रक्खा गवा अहइ।" [24]जब बाकी दसउ चेलन इ सुनेन कि तउ उ पचे दुइनउँ भाइयन प बहोत कोहाय गएन। [25]तब्बइ ईसू ओनका आपन नगिचे बोलाइके कहेस, "तू जानत ह कि गैर यहूदियन राजा, प्रजा प आपन सक्ती देखावा चाहत हीं अउर ओनके खास नेता, मनइयन प आपन हक जमावा चाहत हीं। [26]मुला तोहरे बीच अइसा न होइ चाही। मुला तो हम स जउन बड़वार बनब चाही, तोहार नउकर बनइ। [27]अउ तोहमाँ जउन कउनो पहिला बनब चाही, ओका तोहार गुलाम जरूर बनइ क होई। [28]तोहका मनई क पूत जइसा होइ क चाही जउन आपन सेवा करावइ नाहीं, मुला सेवा करइ अउर बहोतन क छुटौती बरे आपन प्रान क फिरौती देइ आवा अहइ।"

अँधरे क आँखी

(मरकुस 10:46-52; लूका 18:35-43)

[29]जब उ सबइ यरीहो सहर स जात रहेन भारी भीड़ ईसू क पाछे होइ गइ। [30]हुवाँ सरक क किनारे दुइ आँधर बइठा रहेन। जब उ सबइ सुनेन कि ईसू हुवाँ स जात बाटइ, उ पचे नरियानेन, "पर्भू, दाऊद क पूत! हम प दाया कर!"

[31]एँह प भीड़ ओनका धमकावत चुप रहइ क कहेस। पर उ पचे अउ जिआदा चिल्लानन, "पर्भू, दाऊद क पूत। हम प दाया कर।"

[32]फिन ईसू रुकि गवा अउ ओनका बोलाएस। उ कहेस, "तू का चाहत अहा, मइँ तोहरे बरे का करउँ?"

[33]उ पचे ओसे कहेन, "पर्भू, हम चाहित ह कि फिन स निहारइ लागी।"

[34]ईसू क ओन प दाया आइ। उ ओनकइ अँखियन क छुएस, अउर तुरंतहि उ पचे फिन लखइ लागेन। उ पचे ओकरे पाछे होइ गएन।

ईसू राजा क नाईं यरूसलेम मँ घुसत ह

(मरकुस 11:1-11; लूका 19:28-38; यूहन्ना 12:12-19)

21 ईसू अउर ओकर चेलन जब यरूसलेम क लगे
जैतून पहाड़े क नगिचे बैतफगे पहुँच गएन। 2तउ
ईसू आपन दुइ चेलन क इ हुकुम दइके पठएस, "आपन
सोझइ समन्वा क गाउँ मँ जा अउर हुवाँ जात भए ही
तोहका एक गदही बाँधी मिली। ओकरे लगे ओकर बच्चा
भी मिली। ओनका बाँधिके मोरे लगे लइ आवा। 3जदि
कउनो तोहसे कछू कहइ तउ ओसे कह्या, 'पर्भू क
ऍकर जरूरत अहइ। उ फउरन ही लउटाइ देई।'"
4अइसा यह बरे भवा कि नबी अइसा काहे रहा:

5 "सिय्योन क नगरी स कहि द्या, 'देखा तोहार
राजा तोहरे लगे आवत बा। उ नमनसील
अहइ, अउर गदहे प सवार अहइ हाँ गदहे
क बच्चा प जउन एक लादइवाला पसु क
बच्चा अहइ।'"

जकर्याह 9:9

6तउ ओकर चेलन चला गएन अउ वइसा ही किहेन
जइसा ओनका ईसू बताए रहा। 7उ पचे गदही अउर
ओकरे बच्चा क लइ आएन। अउर ओन प आपन
ओढ़ना डार दिहन काहेकि ईसू बइठ गवा। 8बहोत मिला
आपन ओढ़ना राहे मँ दसाइ दिहेन अउ दूसर मनइयन
बृच्छ क टहनी काटेन अउर ओनका राहे प बिछाइ
दिहन। 9जउन मनई ओकरे आगे चलत रहेन अउर
जउन मनई पाछे चलत रहेन, सब पुकारि क कहत
रहेन:

"दाऊद क पूत क होसन्ना!* धन्य अहइ जउन
पर्भू क नाउँ प आवत बाटइ! सरगे मँ बिराजेस
परमेस्सर क होसन्ना!"

भजन संहिता 118:26

10तउ जब उ यरूसलेम मँ घुसा तब समूचा सहर मँ
हड़बड़ाइ गवा। लोग पुछइ लागेन, "इ कउन अहइ?"
11लोग ही जवाब देत रहेन, "इ गलील क नासरत क
नबी ईसू अहइ।"

ईसू मंदिर माँ

(मरकुस 11:15-19; लूका 19:45-48; यूहन्ना 2:13-22)

12फिन ईसू मंदिर क अहाते मँ आवा अउर उ मंदिर
क अहाते मँ जउन बेंचत बेसहत रहेन, ओन सबन क
बाहेर खदेरेस। उ पइसा क लेवइया देवइया क चउकी
उलटि दिहस अउ कबूतरे क दुकानदार क तखता पलटेस।
13उ ओनसे कहेस, "पवित्तर सास्तरन मँ कहत बा, 'मोर
घर पराथना घर कहा जाई।'* मुला तू सबइ ऍका 'डाकुअन
क अड्डा' बनावत अहा।"*
14मंदिर मँ कछू आँधर, लंगड़ा लूला ओकरे लगे
आएन। जेनका उ नीक किहेस। 15जब मुख्ययाजकन
अउर धरम सास्तिरियन ओकर अचरज कारजन क
लखेन जउन उ किहे रहा अउर मंदिर मँ गदेलन क
ऊँची आवाजे मँ कहत सुनेन: "दाऊद क पूत क होसन्ना।"
16तउ उ पचे कोहाइ गएन अउ ओसे पूछेन, "तू
सुनत अहा इ सबन का कहत अहइँ?"
ईसू ओनसे कहेस, "हाँ सुनत अही। का पवित्तर
सास्तर मँ तू बचन नाहीं पढ़्या, 'तू गदेलन अउर दूधमुँहन
बचवन स स्तुति कराया ह।'*"
17फिन उ ओनका हुवँइ तजिके यरूसलेम सहर स
बाहेर बैतनिय्याह चला गवा। जहाँ उ राति बिताएस।

बिसवास क सक्ती

(मरकुस 11:12-14, 20-24)

18दूसर दिन भिन्सारे जब उ सहर लउटत रहा तउ
ओका भूख लागि। 19रस्ता क किनारे अंजीर क बिरवा
क लखेस तउ उ ओकरे नगिचे गवा, मुला ओका ओह
प पातन क छोड़िके कछू नाहीं मिल सका। तब उ बिरवा
स कहेस, "तोह प आगे कछू फल न लागइ।" अउर
अंजीरे क बृच्छ फउरन झुराइ गवा।
20जइसेन चेलन इ निहारेन तउ अचरजे मँ आइके
पूछेन, "इ अंजीरे क बिरवा ऍतनी हाली कइसे झुराइ
गवा?"
21ईसू जवाब देत भवा ओन पचेन स कहेस, "मइँ
तोहसे सच कहत हउँ जदि तोहरे मँ बिसवास अहइ अउ
तू संदेह नाहीं करत बाट्या तउ तू न सिरिफ उ कइ
सकत ह जउन मइँ अंजीरे क बृच्छ कीन्ह, मुला जदि तू
इ पहाड़े स कहि द्या, 'उठा अउर आपन क सगरे मँ
बोर द्या' तउ उहइ होइ जाई। 22अउर पराथना करत तू
जउन कछू मंगब्या, जदि तोहका बिसवास बा तउ तू
पउब्या।"

यहूदी नेता लोगन्क ईसू क हक प सक

(मरकुस 11:27-33; लूका 20:1-8)

23ईसू जब जाइके मंदिर मँ उपदेस देत रहा।
मुख्ययाजकन अउर बुजुर्ग यहूदी नेतन ओसे पूछेन, "अइसी

होसन्ना इ एक इब्रानी सब्द अहइ। पहिले एकर प्रयोग परमेस्सर स मदद मांगइ बरे कीन्ह जात रहा। मुला इ स्थान पर परमेस्सर या मसीह क तारीफ करत भव आनंद परगट करइ बरे भवा अहइ।

'मोर ... जाई' यसा 56:7

'डाकुअन ... अहा' यिर्म 7:11

'तु ... कराया ह' भजन 8:3

बातन क तू कउने हक स करत ह? अउर इ हक
तोहका कउन दिहस?"
24जवाबे मँ ईसू ओनसे कहेस, "मइँ तोहसे भी एक
सवाल पूछत हउँ, जदि तू ओकर जवाब मोका दइ द्या
तउ मइँ तोहका बताइ देब कि मइँ इन बातन क कउने
हक स करत हउँ। 25बतावा यूहन्ना क बपतिस्मा कहाँ ते
मिला रहा? परमेस्सर स या मनई स?"
उ सबइ आपुस मँ सोच बिचारिके कहइ लागेन,
"जदि हम पचेन कहत अही, 'परमेस्सर स' तउ इ हमसे
पूछी, 'फिन उ ओह प बिसवास काहे नाहीं करत्या?'
26किंतु जदि हम कहित ह, 'मनई स' तउ हमका मनइयन
क डर बाटइ काहेकि उ पचे यूहन्ना क एक नबी मानत
हीं।"
27तउ जवाबे मँ उ सबइ ईसू स कहेन, "हमका पता
नाहीं।"
ऍह प ईसू ओनसे बोला, "ठीक बा तउ फिन मइँ भी
तोहका नाहीं बतावत हउँ कि इ बातन क मइँ कउने
हक स करत हउँ।

यहूदियन बरे एक दिस्टान्त कथा

28"अच्छा बतावा तू पचे ऍकरे बारे मँ का सोचत
अहा? एक मनई क दुइ बेटवा रहेन। उ बड़के क लगे
गवा अउर बोला, 'बेटवा आज मोरे अंगूर क बगिया मँ
जा अउर काम करा।'
29"मुला बेटवा जवाब दिहस, 'मोर मन नाहीं बा' मुला
पाछे ओकर मन फिरि गवा अउर उ चला गवा।
30"फिन उ बाप दुसरे बेटवा क लगे गवा अउर ओसे
भी वइसे ही कहेस। जवाबे मँ बेटवा कहेस, 'जी हाँ', मुला
उ गवा नाहीं।
31"बतावा इन दुइनउँ मँ स जउन बाप चाहत रहा,
कउन किहेस?" यहूदी नेतन कहेन, "बड़कवा।"
ईसू ओनसे कहेस, "मइँ तोहसे सच कहत हउँ। चुंगी
(टिक्स) उगहिया अउर वेस्यन परमेस्सर क राज्य मँ
तोहसे पहिले जइहीं। 32इ मइँ यह बरे कहत हउँ काहेकि
बपतिस्मा देवइया यूहन्ना तोहका जिन्नगी क सही रस्ता
देखॉवइ आइ अउर तू ओहमाँ बिसवास नाहीं किहा। मुला
चुंगी उगहिया अउर वेस्यन ओहमाँ बिसवास किहेन। तू
जब इ देख्या तउ पाछे न मनफिरावा किहा अउ न ओहे
प बिसवास।

परमेस्सर क आपन पूत क पठउब

(मरकुस 12:1-12; लूका 20:9-19)

33"एक ठु अउर दिस्टान्त कथा सुना: एक जमींदार
रहा। उ अंगूरे क बगिया लगाएस। ओकरे चारिउँ कइँती
बाड़ा लगाएस। फिन अंगूरे क रस निकारइ बरे कोल्हू
बनवइ क एक गड़हा खोदेस अउर रखवारी बरे एक
गुंबद बनवाएस। फिन ओका बटाई प दइके जात्रा प चला
गवा। 34जब अंगूरे क फसल क समइ आइ तउ बगिया
क मालिक नउकरन क लगे आपन गुलामन क पठएस
जेसे आपन हींसा क अंगूर लइ आवइँ।
35"मुला किसानन ओकरे नउकरन क धइ लिहन।
कउनो क पीटेन, कउने प पाथर उछारेन अउर कउनो
क तउ मारि डाएन।
36"एक दाईं फिन पहिले स अउ जिआदा नउकरन
क पठएस। उ किसानन ओनके संग भी वइसा ही बर्ताव
किहेन। 37पाछे उ ओनके लगे आपन बेटवा क पठएस।
उ कहेस, 'उ सबइ मोरे बेटवा क मान रखिहइँ जरूर।'
38"मुला उ किसानन जब ओकरे बेटवा क देखेन
तउ उ सबइ आपुस मँ कहइ लागेन, 'इ तउ ओकर
वारिस अहइ, आवा ऍका मारि डाई अउर ओकर वारिस
क हक हथियाइ लेई।' 39ऍह प उ पचे ओका धइके
बगिया क बाहेर ढकेलेन अउर मार डाएन।
40"तू का सोचत बाट्या हुवाँ जब अंगूरे क बगिया क
मालिक आई तउ किसानन क संग का करी?"
41उ यहूदी याजकन अउ नेतन ओसे कहेन, "काहेकि
उ सबइ निरदयी रहेन यह बरे उ ओनका निरदयी होइके
मारि डाई अउर अंगूरे क बगिया क दूसर किसानन क
बटाई प दइ देइ जउन फसल आवइ प ओका ओकर
हींसा देइहीं।" 42ईसू ओनसे कहेस, "का तू सबइ पवित्तर
सास्तरन क बचन कभी नाहीं पढ़्या:

'जउने पाथर क मकान क बनवइयन बेकार
समझेन, उहइ कोने क सबते जिआदा महिमा
क पाथर बन गवा' 'अइसा पर्भू क जरिए कीन्ह
गवा जउन हमरी निगाह मँ अजूबा बाटइ।'
भजन संहिता 118:22-23

43"यह बरे मइँ तोहसे कहत हउँ परमेस्सर क राज्य
तोहसे छीन लीन्ह जाई अउर उ ओन मनइयन क दइ
दीन्ह जाई जउन ओकरे राज्य क रीति स बर्ताव करिहइँ।
44जउन इ चट्टाने प गिरी, चूर चूर होइ जाई अउ इ
चट्टान कउनो प गिरी तउ उ ओका रउँद डाई।"
45जब मुख्ययाजकन अउर फरीसियन ईसू क दिस्टान्त
कथन क सुनेन तउ उ पचे समुझ लिहन कि उ ओनके
बारे मँ कहत रहा। 46तउ उ सबइ ओका धरइ क जतन
किहन मुला उ पचे मनइयन स डेरात रहेन काहेकि लोग
ईसू क नबी मानत रहेन।

बियाहे क भोज प लोगन्क क राजा क बोलावइ क दिस्टान्त कथा

(लूका 14:15-24)

22 एक दाईं फिन ईसू ओनसे दिस्टान्त कथन क
कहइ लाग। उ बोला, 2"सरगे क राज्य उ राजा
क नाइँ अहइ जउन आपन बेटवा क बियाहे प भोज

दिहेस। 3राजा आपन नउकरन क पठएस कि उ पचे
ओन मनइयन क बोलाइ लियावईं जेका बियाहे क भोज
प न्यौता दीन्ह गवा रहा। मुला उ पचे नाहीं आएन।
4"उ आपन नउकरन क फिन पठएस, उ कहेस
कि जउन मनइयन क बियाह क भोजे प बोलावा गवा ह,
ओनसे कहि द्या, 'देखा मोर भोज तइयार बा। मोर सॉड़
अउर मोटवार ताजा पसू क काटा जाइ चुका बाटइ। सब
कछू तइयार अहइ। बियाहे क भोज मँ आइ जा।'
5"मुला न्यौतहरी ओह प कउनो धियान नाहीं दिहेन
अउर उ सबइ चला गएन। कउनो आपन खेत मँ काम
करइ चला गवा तउ दूसर मिला आपन आपन काम
धंधा प। 6अउ कछू मिला तउ राजा क नउकरन क
धइके ओकरे साथे मार–पीट किहेन अउ ओनका मार
डाएन। 7तउ राजा कोहाइके आपन फउज पठएस। उ
सबइ ओन हत्यारन क मउत क घाटे पहुँचाइ दिहस
अउर ओनके सहर मँ आगी बार दिहस।
8"फिन राजा क नउकरन स कहेस, 'बियाह क
भोज तइयार बाटइ मुला जेकॉ बोलॉइ गवा रहा, उ सबइ
अजोग्ग माना गएन, 9यह बरे गलियन क नोक्कड़ प जा
अउर तू जेका पावा, बियाहे क भोज प बोलॉइ लिआवा।'
10फिन नउकरन गलियन मँ गएन अउ जउन भी भला
अउर बुरा मनई भेंटेन उ पचे ओनका बटोरि लियाएन।
अउ सादी क महल मेहमनवन स भरि गवा।
11"मुला जब जेवन्हार क लखइ राजा आवा तउ हुवाँ
उ एक अइसा मनई क निहारेस जउन बियाहे क ओढ़ना
नाहीं पहिरे रहा। 12राजा ओसे कहेस, 'मितउ, बियाहे क
वस्तर पहिरे बिना हियाँ भीतर कइसे आइ गया?' पर उ
मनई खमोस रहा। 13एँह प राजा आपन नउकरन स
कहेस, 'एँकर हाथ गोड़ छाँदिके बाहेर अँधियारे मँ नाइ
द्या। जहाँ मनई रोवत अउर दँतवा कटकटावत होइहीं।'
14"काहेकि बोलावा तउ बहोत गवा अहइँ मुला चुना
भवा थोड़के अहइँ।"

यहूदी नेतन लोगन्क छलावा

(मरकुस 12:13-17; लूका 20:20-26)

15तब फरीसियन जाइके एक सभा बोलॉएन जेसे उ
इ बात क फरियाइ सकइँ कि ईसू क ओकरे आपन ही
कही भई बात मँ कइसे फँसावइ। 16उ पचे अपने चेलन
क हिरोदियन क संग ओकरे लगे पठएन. उ मनइयन
ईसू स कहेन, "गुरु हम जानत अही कि तू सच्चा अहा। तू
सचमुच परमेस्सर क राहे क सिच्छा देत अहा। अउर तू,
कउनो का सोचत ह, एँकइ चिंता नाहीं करत्या काहेकि
तू कउनो मनई क हैसियत प नाहीं जात्या। 17तउ हमका
बतावा तोहार का बिचार बा कि सम्राट कैसर क चुंगी
(टिक्स) चुकाउब ठीक अहइ कि नाहीं?"
18ईसू ओनकइ बुरा बिचार क समुझ गवा, तउ उ
बोला, "अरे कपटियो! तू पचे मोका काहे परखब चाहत
बाट्या? 19मोका कउनो दीनार देखावा जेसे तू पचे चुंगी
अदा करत ह।" तउ सबइ ओकरे लगे एक दीनार लइ
आएन। 20तब उ ओनसे कहेस, "एँह प केकर मूरत
अउर लिखाई खुदी बा?"
21उ पचइ ओसे कहेन, "कैसर क।"
तब उ ओनसे कहेस, "अच्छा तउ फिन जउन कैसर
क अहइ, ओका कैसर क द्या, अउर जउन परमेस्सर
क अहइ, ओका परमेस्सर क।" 22इ सुनिके उ पचइ
अचरजे स भरि गएन अउर ओका छोड़िके चला गएन।

सदूकियन क चाल

(मरकुस 12:18-27; लूका 20:27-40)

23उहइ दिन कछू सदूकियन जउन पुनरुत्थान क
नाहीं मनतेन, ओकरे लगे आएन। 24अउ ओसे पूछेन,
"गुरु, मूसा क उपदेस क अनुसार जदि बिना बे बाल
बच्चा क कउनो मरि जाइ तउ ओकर भाई, निचके क
नातेदार होइ क नाते ओकरे विधवा स बियाह करइ
अउर आपन भाई क बंस चलावइ बरे संतान पइदा
करइ। 25अब मानल्या हम पचे सात ठु भाई अही। पहिलौठा
बेटवा का बियाह भवा अउर पाछे ओकर मउत होइ गइ।
फिन काहेकि ओकरे कउनो संतान नाहीं भइ, यह बरे
ओकर भाई आपन भउजी क आपन पत्नी बनइ लिहस।
26तब दुसरका भाई मरि गवा। उहइ घटना तिसरेक क
संग भइ। जब तलक सातह भाइयन मरि नाहीं गएन
वइसन भवा। 27अउर सब क पाछे उ स्त्री भी मर गई।
28अब हमार पूछब इ अहइ कि पुनरुत्थान मँ ओन
सातउ मँ स कउने क पत्नी होई काहेकि सातउ ओका
आपन बनाएन?"
29जवाब देत ईसू ओनसे कहेस, "तू बगद गया काहेकि
तू पचे पवित्तर सास्तरन अउर परमेस्सर क सक्ती क
नाहीं जनत्या। 30तोहका समझइ चाही कि पुनरुत्थान मँ
लोग न तउ बियाह करिहीं अउर न ही कउनो सादी मँ
दीन्ह जाई। मुला उ पचे सरगे क दूतन क नाईं होइहीं।
31इहइ सिलसिला मँ तोहरे फायदा बरे परमेस्सर मरा
भवा क पुनरुत्थान क बारे मँ जउन कहेस ह, का तू
कबहुँ नाहीं पढ्या? उ कहे रहा, 32'मइँ इब्राहीम क
परमेस्सर हउँ, इसहाक क परमेस्सर हउँ अउर याकूब
क परमेस्सर हउँ।'* उ मरा हुअन क नाहीं मुला
जिन्दा क परमेस्सर अहइ।" 33जब मनइयन इ सुनेन तउ
ओकरे उपदेस प उ सबइ बहोत अचम्भा मँ पड़ि गएन।

सबन ते बड़का हुकुम

(मरकुस 12:28-34; लूका 10:25-28)

34जब फरीसियन इ सुनेन कि ईसू आपन जवाबे स
सदूकियन क चुप कराइ दिहस तब उ सबइ एँकट्ठा

'मइँ … हउँ' निर्ग 3:6

भएन। 35ओहमाँ क एक फरीसी ईसू क परीच्छा क
बिचार स ओसे पूछेन, 36"गुरु, व्यवस्था मँ सबन ते
बड़का हुकुम कउन स बाटइ?"
37ईसू ओसे कहेस, "'तोहका आपन सारे मनवा स,
सारी आतिमा स अउर सारी बुद्धि स आपन परमेस्सर
पर्भू क पिरेम करइ चाही।'* 38इ सब ते पहिला अउर
सब ते बड़ा हुकुम अहइ। 39फिन अइसा ही दूसर हुकुम
इ अहइ: 'आपन पड़ोसी स वइसा ही पिरेम करा जइसा तू
अपने स खुद करत ह।'* 40सारे व्यवस्था अउर नबियन
क किताबन इन दुइनउँ हुकुमन प टिका बाटइ।"

ईसू क फरीसियन स एक सवाल

(मरकुस 12:35-37; लूका 20:41-44)

41जब फरीसियन अबहीं एकट्ठा ही रहेन, कि ईसू
ओनसे एक ठु प्रस्न पूछेस, 42"मसीह क बारे मँ तू का
बिचारत ह कि उ केकर बेटवा अहइ?"
उ फरीसियन ओसे कहेन, "मसीह दाऊद क पूत
ह।" 43ईसू ओसे पूछेस, "फिन आतिमा क बसे मँ होइके
दाऊद ओका 'पर्भू' कहत इ काहे कहेस:

44'पर्भू मोरे पर्भू (ईसू) स कहेस: मोरे दाहिन
बइठिके राज्य करा जब ताईं कि मइँ दुस्मनन
क तोहरे गोड़वा तले न कइ देउँ।'
भजन संहिता 110:1

45फिन जब दाऊद ओका 'पर्भू' कहेस तउ उ ओकर
बेटवा कइसे होइ सकत ह?" 46जवाबे मँ कउनो भी ओसे
कछू नाहीं कहि पावा। अउर न ही उ दिना क पाछे
कउनो क ओसे पूछइ क हिम्मत भवा।

ईसू यहूदी धरम नेतन क नुक्ताचीनी किहेस

(मरकुस 12:38-40; लूका 11:37-52; 20:45-47)

23 ईसू फिन आपन चेलन अउर भीड़ स कहेस। 2उ
कहेस, "धरम सास्तिरियन अउर फरीसियन मूसा
क व्यवस्था क अरथ बतावइ क हकदार अहइँ। 3यह
बरे जउन कछू उ सबइ कहइँ ओह प चलत रहा अउर
ओनका मानके करत रहा। मइँ इ कहत हउँ काहेकि उ
पचे बस कहत रहत हीं मुला करतेन नाहीं। 4उ पचे मनई
क काँधे प एतना बोझा लादि देत हीं कि उ सबइ ओका
उठाइके चल न सकइँ अउर लोगन्प दबाव डारत हीं कि
ओका लइके चलइँ। मुला उ सबइ खुद ओहमाँ स कउनो
प भी चलइ बरे आपन अंगुरी तलक नाहीं हिलउतेन।
5"उ सबइ नीक काम यह बरे करत हीं कि लोग
ओनका लखइँ। असिल मँ उ सबइ आपन ताबीज अउर
पोसाक क झलरे क यह बरे बड़ा स बड़कवा करत रहत
हीं कि लोग ओनका धर्मात्मा समझइँ। 6उ सबइ जेवनार
मँ सबते जिआदा खास जगह पावा चाहत हीं। आराधनालयन
मँ ओनका प्रमुख आसन चाही। 7बजारे मँ उ पचे मान
क साथ पैलगी करावा चाहत हीं। अउ चाहत हीं कि
लोग ओनका 'गुरु' कहिके पुकारइँ।
8"मुला तू पचे मनइयन स आपन क 'गुरु' जिन
कहवावा काहेकि तोहार सच्चा गुरु तउ बस एक अहइ।
अउर तू सबइ सिरिफ भाई बहिन अहा। 9धरती प मनइयन
क आपन मँ स कउनो क भी 'पिता' जिन कहइ द्या।
काहेकि तोहार 'पिता' तउ बस एक ही अहइ, अउ उ
सरगे मँ बा। 10न ही तू मनइयन क आपन बरे 'स्वामी'
कहइ द्या काहेकि तोहार स्वामी तउ बस एक ठु बाटइ
अउ उ अहइ मसीह। 11तोहमाँ सब ते बड़कवा मनई
उहइ होई जउन तोहार नउकर बनी। 12जउन आपन
खुद क उँचा उठाई ओका नंवई क होई। अउर जउन
आपन खुद क नवाई ओका ऊँचा उठाइ जाइ।
13"हे कपटी धरम सास्तिरियो अउर फरीसियो! तोहका
धिक्कार अहइ। तू सबइ सरगे क राज्य क दुआर
ढाँकि दिहा ह। न तउ तू पचे ओहमाँ घुसि पउब्या अउर
न ही ओनका जाइ देब्या जउन घुसइ बरे जतन करत
हीं। 14*
15"अरे कपटी धरम सास्तिरियो अउर फरीसियो!
तोहका धिक्कार अहइ। तू कउनो क आपन मत मँ लइ
आवइ बरे धरती अउर समुद्दर पार कइ जात ह। अउ उ
तोहरे नेम धरम मँ आइ जात ह तउ तू ओका आपन स
भी दुइ गुना नरक क काबिल बनाइ देत ह।
16"अरे कपटी धरम सास्तिरियो अउर फरीसियो!
तोहका धिक्कार अहइ। तोहका धिक्कार अहइ जउन
कहत ह, 'जदि कउनो मंदिर क सपथ खात ह तउ
ओका सपथ क खाब जरूरी नाहीं मुला अगर कउनो
मंदिरे क सोने सपथ खात ह तउ ओका सपथ क मानब
जरूरी अहइ।' 17अरे आँधर मूर्ख लोगो! बड़का कउन
अहइ? मंदिर क सोना या उ मंदिर जउन उ सोना क
पवित्तर बनएस। 18तू सबइ इ भी कहत ह, 'जदि कउनो
वेदी क सपथ खात ह तउ कछू नाहीं, मुला जदि कउनो
वेदी प धरा चढ़ावा क सपथ खात ह तउ आपन सपथ स
बँधा भवा अहइ।' 19अरे आँधर लोगो! कउन बड़कवा
अहइ? वेदी प धरा चढ़ावा या उ वेदी जेसे उ चढ़ावा
पवित्तर बनत ह? 20यह बरे जदि कउनो वेदी क सपथ
लेत ह तउ उ वेदी क साथे वेदी प जउन धरा बाटइ, उ
सबन क सपथ खात ह। 21उ जउन मंदिर अहइ, ओकर

'तोहका ... चाही' व्यवस्था 6:5

'आपन ... ह' लैव्य 19:18

पद 14 कछू यूनानी प्रतियन मँ पद 14 जोड़ी गइ अहइ: "अरे कपटा धरम सास्तिरियन अउ फरीसियन तू पचे विधवा क धन दौलत हड़पत ह। देखाँवा बरे बड़ी बड़ी पराथना करत ह। एकरे बरे तोहका करी सजा मिली।"

भी सपथ लेत ह उ मंदिर क संग जउन मंदिर क भितरे बा, ओकर भी सपथ खात ह। 22अउर उ जउन सरगे क सपथ खात ह, उ परमेस्सर क सिंहासने क संग जउन उ सिंहासने प बिराजत बा ओकर भी सपथ खात ह।

23“अरे कपटी धरम सास्तिरियो अउर फरीसियो! तोहका धिक्कार अहइ। तोहरे लगे जउन कछू अहइ, तू ओकर दसवाँ, हींसा, हीयाँ तलक कि आपन पुदीना, सौंफ अउर जीरा तक क दसवाँ हींसा परमेस्सर क देत ह। फिन भी तू व्यवस्था क खास बातन, निआव, दाया अउर बिसवास क धकियाइ दिहा। तोहका इ चाहत रहा कि ओन बातन क बगैर छोड़े भए इन बातन क करत जात्या। 24अरे आँधर अगुवा लोगो! तू आपन पिअइ क पानी स माछर तउ छान लेत ह पर ऊँटे क लील जात ह।

25“अरे कपटी धरम सास्तिरियो अउ फरीसियो! तोहका धिक्कार अहइ। तू आपन खोरा अउर टाठी बाहेर स धोइके फर्छइ करत ह पर ओकरे भितरे तू जउन चाल चपेट या आपन बरे रियायत मँ पाया ह, भरा बाटइ। 26अरे आँधर फरीसियो! पहिले आपन खोरा क भितरे स माँज ल्या जेसे भितरे क साथ साथ उ बाहेर स भी चमकइ लगाइ।

27“अरे कपटी धरम सास्तिरियो अउर फरीसियो! तोहका धिक्कार अहइ। तू लीपा पोत भवा समाधि क नाईं अहा जउन बाहेर स तउ सुन्नर देखाति अहइ मुला भितरे स मरे हुअन क हाड़ अउर हर किसिम क मलिनता स ठूँसी रहत ह। 28अइसे ही बाहेर स तउ धर्मी देखाँइ देत ह मुला भितरे स चाल चपेट अउर अनभले स बुरा अहा।

29“अरे कपटी धरमसास्तिरियो अउ फ़रीसियो! तोहका धिक्कार अहइ। तू नबियन क बरे मकबरा बनावत ह अउर धर्मीयन क कब्र क सिंगार करत ह। 30अउ कहत बाट्या, ‘जदि तू आपन पूर्वजन क समइ मँ पइदा होत्या तउ नबियन क मरवावइ मँ ओनकइ साथ न देत्या।’ 31अइसे प तू खुद ही साच्छी देत अहा, कि तू मानत बाट्या कि तू ओनकइ बाल–बच्चा अहा जउन नबियन क हत्यारन रहेन। 32तउ तू जउन तोहार पुरखन सुरु करेन, ओका पूरा कइ द्या।

33“अरे कीरा अउर नाग क संतान! तू सबइ कइसे सोच लिहा कि तू नरक भोगइ स छूट जाब्या। 34यह बरे मइँ तोहका बतावत हउँ कि मइँ तोहरे लगे नबियन, बुद्धिमानन अउर गुरुअन क पठवत हउँ। तू पचे ओनमाँ स बहोतन क मार डउब्या अउर बहोतन क क्रूसे प चढ़उब्या। कछू मनइयन क तू सबइ आपन आराधनालयन मँ कोड़न स पिटवउब्या अउर एक सहर स दूसर सहरे ताईं ओनकइ पाछा करत खदेरब्या। 35आखिर निरीह हाबिल स लइके बिरिक्याह क बटेवा जकरयाह ताईं जेका तू मंदिरे क गरभ घर अउर वेदी क बीच मारि डाए रह्या हर धर्मी मनई क कतल क सजा तोह प होई। 36मइँ तोहसे सच कहत हउँ कि इ सब कछू बरे इ पीढ़ी क मनइयन क सजा भोगे होई।

यरूसलेम क मनइयन प ईसू क दुःख

(लूका 13:34-35)

37“यरूसलेम, ओ यरूसलेम! तू उ अहइ जउन नबियन क कतल करत ह अउर परमेस्सर क पठए गए दूतन क पाथर मारत ह। मइँ केतनी दाईं चाह्यो ह कि जइसे कउनो मुर्गी आपन चूजन क आपन पंखा तरे बटोर लेत ह वइसे ही तोहरे गदेलन क बटोर लेउँ। मुला तू पचन नाहीं चाह्या। 38तोहार घर समूचइ उजड़ जाई। 39मइँ तोहका सच बतावत हउँ तू मोका तब ताईं फिन नाहीं देखब्या जब ताईं तू नाहीं कहब्या, ‘धन्य अहइ उ जउन पर्भू क नाउँ मँ आवत।’*”

ईसू मंदिरे क बिनास क भविस्सबाणी किहेस

(मरकुस 13:1-31; लूका 21:5-33)

24 मंदिर क छोड़िके ईसू जब हुवाँ स होइके जात रहा तउ ओकर चेलन ओका मंदिर क इमारत देखॉवइ ओकरे लगे आएन। 2एह प ईसू ओनसे कहेस, “तू पचे इ इमारतन क देखत अहा? मइँ तोहका सच सच कहत हउँ, हिआँ तलक एक पाथर प दूसर पाथर टिक नाहीं पाई। एक एक गिराइ दीन्ह जाई।”

3ईसू जब जैतून पहाड़ प बइठा रहा तउ अकेल्ले मँ ओकर चेलन लगे आएन अउर बोलेन, “हमका बतावा इ कब होई? जब तू लउटि अउब्या अउर इ संसारे क अंत होई तउ कइसे संकेत परगट होइहीं?”

4जवाबे मँ ईसू ओनसे कहेस, “होसियार! तू पचन क कउनो भरमाइ न पावइ। 5मइँ इ यह बरे कहत हउँ कि अइसे बहोतन अहइँ जउन मोरे नाउँ स अइहीं अउर कइहीं, ‘मइँ मसीह हउँ’ अउर उ सबइ बहोतन क भरमइहीं। 6तू सबइ नगीचे क जुद्ध क बातन यादूरि क जुद्ध क अफवाह सुनब्या पर देखा तू घबराया जिन। अइसा तउ होइ मुला अबहीं अंत नाहीं आवा अहइ। 7हर राष्ट दूसर राष्ट क खिलाफ अउर एक राज्य दूसर राज्य क खिलाफ खड़ा होई। अकाल पड़ी। हर कतहूँ भुँइडोल आई। 8मुला इ सब बातन उहइ तरह अहइ जइसे नया पइदा होय क पहले की सुरुआती पीडा।

9“उ समइ उ पचे तोहका सजा देवॉवइ बरे पकड़वइहीं अउर उ पचे तोहका मरवाइ देइहीं। काहेकि तू सबइ मोर चेलन अहा। सबहीं राष्ट्र क लोग तोहसे घिना करिहीं। 10उ समइ बहोत मनइयन क मोह टूटि जाई अउर ओहहि समइ बहुत स बिसवासियन क बिसवास डिग जाई। उ पचे एक दूसर क अधिकारियन क हाथे मँ दइ देइहीं अउ आपस मँ घिना करिहीं। 11बहोत स झूठे नबियन खड़ा

‘धन्य ... आवत’ भजन 118:26

होइ जइहीं अउर मनइयन क ठगिहीं। 12काहेकि बुराई
क बाढ़ आइ जाए स पिरेम घटि जाई। 13मुला जउन अंत
तक टिका रही ओकर उद्धार होई। 14सरगे क राज्य
क इ सुसमाचार समूचे संसार मँ प्रचार कीन्ह जाई। एँसे
सब राजन क साच्छी रही अउर तबहीं अंत होइ जाई।

15"यह बरे जबहिं तू लोग 'खौफनाक बिनास करइवाली
चीज'*क पवित्तर स्थान प खड़ा होइके देखा, जेकरे
बारे मँ दानिय्येल नबी बताएन ह, (पढ़इया खुद समुझ
जाई कि एकर अरथ का बाटइ।) 16तब जउन मनई
यहूदिया मँ होइँ ओनका पहाड़े प भाग जाइ चाही। 17जउन
आपन घरे क छत प होइँ, उ घरवा स बाहेर कछू भी लइ
जाइके तर खाले न आवइँ। 18अउ जउन बाहेर खेतन मँ
काम करत होइँ, उ पाछे मुड़िके आपन ओढ़ना तक न
लेइँ। 19उ स्त्रियन बरे जेकरे कोखे मँ गरभ होइ या
जेकर लरिकन दूध पिअत होइँ, उ दिनन कस्टे क
होइहीं। 20पराथना करा कि तोहका जाड़ क दिनन मँ या
सबित क दिन पराइ क न पड़इ। 21उ दिनन मँ अइसी
बिपत आई जइसी जबते परमेस्सर सृस्टि रचेस ह, आजु
तक कबहुँ नाहीं आइ अउ न कबहुँ आई। 22अउर जदि
परमेस्सर उ दिनन क घटावइ क पक्का इरादा न कइ
लिहे होत तउ कउनो भी न बच पावत किंतु चुना भएन
क कारण उ दिनन मँ कमती कइ देइ।

23"उ दिनन मँ जदि कउनो तू पचन स कहइ, 'देखा,
इ रहा मसीह' या 'उ रहा मसीह।' तउ ओकर बिसवास
जिन किहा। 24मइँ इ कहत हउँ काहेकि कपटी मसीह
अउप कपटी नबी खड़ा होइहीं अउर अइसे अचरज
कारजन देखइहीं अउर अद्भुत कारजन करिहइँ कि
बन पड़इ तउ चुने भएन क भी चकमा दइ देइँ। 25देखा,
मइँ तोहका पहिले ही चेतावनी दइ चुका अहइँ।

26"तउ जदि उ सबइ तोहसे कहइँ, 'देखा, मसीह
जंगल मँ बा!' फिन हुवाँ जिन जाया अउर जदि उ कहइँ,
'देखा उ कोठरी मँ छुपा बाटइ!' तउ ओनकइ बिसवास
जिन कर्या। 27मइँ इ कहत हउँ काहेकि जइसे बिजुली
पूरब मँ सुरू होइके पच्छिम क अकासे तक चमक जात
ह वइसे ही मनई क पूत भी परगट होई। 28जहँ कहूँ
ल्हास होई हुआँ गिद्ध एकट्ठा होइहीं।

29"उ दिनन जउन मुसीबत पड़ी, ओकरे क बाद:

'सूरज करिया पड़ि जाई चन्दा स चाँदनी न निकसी
अकासे स तारा टुटिहीं अउ अकास मँ आसमानी
सक्ति झकझोर दीन्ह जइहीं।'

यसायाह 13:10; 34: 4,5

30"उ समइ मनई क पूत क आवइ क चीन्हा अकास
मँ परगट होई। तबहिं भुइयाँ प सब जातिन क मनइयन
फूटि फूटि क रोइहीं अउर उ सबइ मनई क पूत क
सक्ती अउर महिमा क संग सरग क बदरन मँ परगट
होत देखिहीं। 31उ ऊँच सुर क तुरुही क संग आपन
दूतन क पठइ। फिन उ पचे सरग क एक छोर स दूसर
छोर तलक सब कहूँ स आपन चुना भवा मनइयन क
एँकट्ठा करी।

32"अंजीरे क बृच्छ स उपदेस ल्या। जइसे ही ओकर
टहनियन सुकुवार होइ जात हीं अउर कोंपर फूटइ लागत
हीं। तू लोग जान जात ह कि गर्मी आवइ क अहइ।
33वइसे ही जब तू इ सब घटत देख्या तउ समुझ लिहा कि
उ समइ नगिचे आइ ग बाटइ, मुला ठीक दुआर तलक।
34मइँ तू लोगन्स सच कहत हउँ कि इ पीढ़ी क खतम
होइ क पहिले इ सब बातन होइ जइहीं। 35धरती अउर
अकास तउ मिट सकत हीं मुला मोर बचन कबहुँ न
मिटी।"

सिरिफ परमेस्सर जानत ह कि उ समइ कब आई

(मरकुस 13:32-37; लूका 17:26-30, 34-36)

36"उ दिना या उ घड़ी क बारे मँ कउनो कछू न
जानत! न सरगे क दूतन अउर न खुद पूत। सिरिफ
परमपिता जानत ह। 37जइसे नूह क दिना मँ भवा, वइसे
ही मनई क पूत क अवाई भी होई। 38वइसे ही जइसे
मनई जन क बाढ आवइ स पहिले क दिनन ताईं खात
पिअत रहेन, बियाह सादी करावत रहेन जब तलक नूह
नाउ प नाहीं चढ़ गवा। 39ओनका तब ताईं कछू पता
नाहीं लगि सका जब ताईं प्रलय नाहीं आइ गइ अउर
ओन सबन क बहाइ के नाहीं लइ गइ। मनई क पूत क
अवाई भी अइसे ही होई। 40उ समइ खेते मँ काम करत
दुइ मनइयन मँ स एक क लइ लीन्ह जाई अउर एक क
हुवँइ छोड़ि दीन्ह जाई। 41चकरी पीसत दुइ स्त्रियन मँ एक
क धइ लीन्ह जाई अउ एक हुवँइ पाछे छोड़ि दीन्ह जाई।

42"तउ तू लोग होसियार रहा काहेकि तू नाहीं जनत्या
कि तोहार स्वामी कब आई। 43याद राखा अगर घरे क
स्वामी जानत होत कि राति क कउनो घड़ी मँ चोर आइ
जाई तउ उ जागत रहत अउर चोरे क आपन घरवा मँ
सेंध नाही लगावइ देत। 44यह बरे तू भी तइयार रहा
काहेकि जब तू पचे सोच भी नाहीं रहब होब्या, मनई क
पूत आइ जाई।

45"तब सोचा उ भरोसामंद अउ समझदार सेवक
कउन बाटइ, जेका स्वामी आपन घरवा क सेवक क
ऊपर ठीक समइ प ओनका खइया क देइ बरे लगाएस
ह। 46धन्य अहइ उ सेवक जेका ओकर स्वामी जब
आवत ह तउ ओका दियामया काज करत पावत ह।
47मइँ तोहसे सच कहत हउँ उ स्वामी ओका आपन
समूचे धन दौलत क अधिकारी बनाई देई। 48दूसर कइँती
सोचा एक ठु बुरा सेवक अहइ, जउन अपना मनवा मँ
कहत ह मोर स्वामी बहोत दिना स लुटि क नाहीं आवत

खौफनाक ... चीज दानि 9:27; 12:11

ह। 49अइसे उ आपन संगी साथी सेवकन स मारपीट
करइ लागत ह अउर सराबियन क संग खाब पिअब सुरू
कइ देत ह। 50तउ ओकर स्वामी अइसे दिन आइ जाई
जउने दिन उ ओकरे अवाई क सोचत तलक नाहीं अउ
जेकर ओका पता तलक नाहीं। 51अउर ओकर स्वामी
ओका बुरे ढंग स सजा देई अउर कपटियन क बीचउबीच
ओकर ठउर ठहराई जहाँ लोग रोवत होइहीं अउर दँतवन
क किड़किड़ावत रइहीं।

दस कुँवारियन क दिस्टान्त कथा

25 "उ दिन सरग का राज्य ओन दस कुँवारियन
क नाईं होई जउन मसाल लइके दुलहन स
भेंटइ निकरिन। 2ओनमाँ स पाँच मूरख रहीं अउ पाँट ठु
चउकस। 3पाँच उ मूरख कुँवारियन आपन मसाल तउ
थाम लिहन मुला ओनके साथे तेल नाहीं लिहन। 4ओहँर
चउकस कुँवारियन मसाले क साथ कुप्पियन मँ तेल भी
लइ लिहन। 5काहेकि दुलहन क अवाई मँ देर होत रही।
सबहीं कुँवारियन थके स ओंघाइ लागिन अउर ओलर
क सोइ गइन।
6"पर आधी राति मँ धूम मच गइ। ओ हो, 'दुलहा
आवत बा। ओसे भेंटइ बाहेर जा!'
7"उहइ छिन उ सबइ कुँवारियन उठि गइन अउर
आपन मसाल तइयार किहेन। 8मूरख कुँवारियन चउकस
कुँवारियन स कहेन, 'हमका आपन तनिक तेल दइ द्या,
हमर मसालन बुझि जात अहइँ।'
9"जवाबे मँ सबइ चउकस कुँवारियन बोलिन, 'नाहीं
हम नाहीं दइ सकित। काहेकि फिन इ हमरे बरे पूर न
होई अउर न तोहरे बरे। तउ तू पचे तेली क लगे जाइके
आपन खातिर बेसहि ल्या।'
10"जब उ पचे बेसहइ जात रहिन कि दुलहवन आइ
पहोंचेन। फिन उ कुँवारियन जउन तइयार रहिन, उ
सबइ ओनके संग भोजे मँ भीतर घुसिन अउर फिन
कउनो फाटक बंद कइ दिहस।
11"आखिर मँ उ सबइ बाकी कुँवारियन भी गइन
अउर बोलिन, 'स्वामी, हे स्वामी, दरवाजा खोलि द्या,
हमका भीतर आवइ द्या।'
12"मुला उ जवाब देत भवा कहेस, 'मइँ तोहसे सच
सच कहत हउँ: मइँ तोहका नाहीं जानत हउँ।'
13"तउ होसियार रहा। काहेकि तू न उ दिना क
जानत ह, न घड़ी क, जब मनई क पूत लउटी।

तीन सेवकन क दिस्टान्त कथा

(लूका 19:11-27)

14"सरग क राज्य उ मनई क नाईं होई जउन जात्रा
प जात भवा आपन नउकरन क बोलाइके अपने समान
क रखवारा बनाएस। 15उ एक क चाँदी स भरी पाँच ठु
थैली दिहस। दुसरे क दुइ अउ तिसरे क एक दिहस। उ
हर एक क ओकर जोग्ग होइ क मुताबिक दइके जात्रा
प निकरि गवा। 16जेका चाँदी क रूपया स भरी पाँच ठु
थैली मिलीं, उ फउरन उ पइसे क धंधा मँ लगाइ दिहस
फिन पाँच थैली अउर कमाएस। 17अइसे ही जेका दुइ
थैली मिलिन, उ भी दुइ अउर कमाइ लिहस। 18मुला
जेका एक मिली रही उ कहूँ जाइके भुइँया मँ गड़हा
खोदेस अउर स्वामी क धने क गाड़ दिहस। 19बहोत
समइ बीत जाए क पाछे ओन सेवकन क स्वामी लउटि
आवा अउर हर कउनो स लेखा जोखा लेइ लाग। 20उ
मनई जेका चाँदी क पाँच थैली मिलिन, आपन स्वामी क
लगे गवा अउर चाँदी क पाँच अउर थैली लइ जाइके
ओसे बोला, 'स्वामी, तू मोका पाँच थैली दिहे रहा। चाँद
क इ पाँच थैली अउर अहइँ जउन मइँ कमायउँ ह।'
21ओकर स्वामी ओसे कहेस, 'साबास! तू भरोसा क
बढ़िया नउकर अहा। तनिक क रकम क बारे मँ तू
बिसवास क जोग्ग रह्या मइँ तोहका अउर जिआदा हक
देब। भितरे जा अउर आपन स्वामी क खुसी मँ खुसी
मनावा।'
22"फिन जेका चाँदी क दुइ थैली मिली रहीं, आपन
स्वामी क लगे गवा अउर बोला, 'स्वामी तू मोका चाँदी
क दुइ थैली दिहे रहा, चाँदी क इ दुइ थैली अउ अहइँ
जेका मइँ कमायो ह।'
23"ओकर स्वामी ओसे कहेस, 'साबास! तू भरोसा
क लायक बढ़िया नउकर अहा। तनिक रकम क बारे
मँ तू बिसवास क जोग्ग रह्या। मइँ तोहका अउर जिआदा
हक देब। भितरे जा अउर आपन स्वामी क खुसी मँ
खुसी मनावा।'
24"फिन उ जेका चाँदी क एक थैली मिली रही,
आपन स्वामी क लगे आवा अउर बोला, 'स्वामी, मइँ
जानत हउँ तू बहोत कठोर मनई अहा। तू हुवाँ काटत ह
जहाँ तू बोया नाहीं रहा, अउर जहाँ तू कउनो बिआ नाहीं
छिटकाया तू हुवाँ स फसिल बटोरब्या। 25यह बरे मइँ
डेराइ गवा रहे। तउ मइँ जाइके चाँदी क थैलिया क
भुइँया मँ गाड़ दीन्ह। इ लइ ल्या जउन तोहार अहइ इ
बाटइ, लइ ल्या।'
26"जवाबे मँ ओकर मालिक ओसे कहेस, 'तू एक
बुरा आलसी सेवक अहा, तू जानत ह कि मइँ बिन बोए
कटनी करत हउँ, हुवाँ स फसिल बटोरत हउँ। 27तउ
तोहका मोर धन साहूकार क लगे जमा कइ देइ चाही
रहा। फिन जब मइँ आइत तउ जउन मोर रहा बियाज क
साथ लइ लेइत।'
28"यह बरे ऍसे चाँदी क एक थैली लइ ल्या अउर
जेकरे लगे चाँदी क दस थैली अहइँ, ऍका उहइ क दइ
द्या। 29काहेकि हर उ मनई क जो जउन कछू ओकरे
लगे रहा ओकर सही प्रयोग किहेस ओका अउ जिआदा
दीन्ह जाई। अउर जेतॅनी ओका जरूरत अहइ, उ ओसे
जिआदा पाई। मुला ओसे, जो जउन कछू ओकरे लगे रहा

ओकर सही प्रयोग नाहीं किहेस, सब कछू छोर लीन्ह जाई। 30तउ उ बेकार क नउकर क बाहेर अँधियरे मँ धकियाइ द्या जहाँ लोग रोइहीं अउर आपन दाँत पिसिहीं।'

मनई क पूत सबक निआव करी

31"मनई क पूत जब आपन सरगे क महिमा क संग आपन सबही दूतन क संग आपन सानदार सिंहासने प बइठी 32तउ संसार क सबहिं लोग ओकरे समन्वा एँकट्ठ होइ जइहीं अउर एक दूसर क वइसे ही अलगाइ देइ, जइसे एक गड़रिया आपन बकरियन स भेड़न क अलगाइ देत ह। 33उ भेड़न क दाहिन कइँती अउर बकरियन क बाई कइँती राखी। 34फिन उ राजा, जउन ओकरे दाहिन अहइ, ओनसे कही, 'मोरे परमपिता स असीस पाए मनइयो, आवा अउर जउन राज्य तोहरे बरे संसार क सृस्टि स पहिले तइयार कीन्ह ग अहइ, ओकर अधिकारी बनि जा। 35इ राज्य तोहार अहइ काहेकि मइँ भुखान रह्यों अउ तू मोका कछू खाइके द्या, मइँ पिआसा रह्यों अउर तू मोका कछू पिअइ क दिहा। मइँ नगिचे स जात भवा अनजान रह्यों, अउर तू मोका भितरे लइ गया। 36मइँ बेवस्तर रह्यों, तू मोका ओढ़ना पहिराया। मइँ बेरमिया रह्यों, अउर तू मोर सेवा किहा। मइँ गिरफ्तार रह्यों, अउन तू मोरे लगे आया।'

37"फिन जवाबे मँ धर्मी मनई ओसे पुछिहइँ 'पर्भू, हम पचे तोहका कब भुखान लखा ह अउर खिआवा या पिआसा लखा अउर पिअइ क दिहा? 38तोहका हम कब नगिचे स जात भवा अजनबी लखा अउर भितरे लइ गएन, या बेवस्तर के लखिके तोहका ओढ़ना पहिरावा? 39अउ हम कब तोहका बेरमिया या गिरफ्तार लखा अउर तोहरे लगे आएन?'

40"फिन राजा जवाबे मँ ओनसे कही, 'मइँ तोहसे सच कहत हउँ जब कबहुँ तू मोर भोले भाले मनइयन मँ स कउनो एक बरे भी कछू किहा तउ उ तू मोरे बरे किहा।'

41"फिन उ राजा आपन बाँई कइँती क मनइयन स कही, 'अरे अभागे लोगो! मोरे नगिचे स चला जा, अउ जउन आगी सइतान अउर ओकरे दूतन बरे तइयार कीन्ह गइ अहइ, उ अनंत आगी मँ जाइके कूद जा। 42इहइ तोहार सजा अहइ काहेकि मइँ भुखान रह्यों पर तू मोका खाइक कछू नाहीं दिहा, 43मइँ अनजान रहा पर तू मोका भितरे नाहीं लइ गया। मइँ बिन ओढ़ना क बेवस्तर रहा, पर तू मोका ओढ़ना नाहीं पहिराया। मइँ बेरमिया अउर गिरफ्तार रहा, पर तू मोरे कइँती धियान नाहीं दिहा।'

44"फिन उ सबइ भी जवाबे मँ ओसे पुछिहइँ, 'पर्भू, हम तोहका भूखा या पिआसा या अनजान या बिना ओढ़ना क बेबस्तर या बेरमिया या गिरफ्तार कब लखा अउर तोहार सेवा नाहीं कीन्ह?'

45"फिन उ जवाबे मँ ओनसे कही, 'मइँ तोहसे सच कहत हउँ जब कबहुँ तू मोर इन मनइयन मँ स कउनो एक बरे नाहीं किहा, उ मोरे बरे भी नाहीं किहा।'

46"फिन इ सबइ बुरे लोग अनन्त सजा पइही अउ धर्मी मनई अनन्त जीवन मँ चला जइहीं।"

यहूदी नेतन क ईसू क कतल करइ क चाल

(मरकुस 14:1-2; लूका 22:1-2; यूहन्ना 11:45-53)

26 इ सब बातन क कहि चुकइ क पाछे ईसू आपन चेलन स बोला, 2"तू पचे जानत ह कि दुइ दिना पाछे फसह क त्यौहार बाटइ। अउर मनई क पूत दुस्मनन क हाथन स क्रूसे प चढ़ाइ जाइ बरे पकड़वाइ जाइवाला अहइ।"

3तब मुख्ययाजकन अउर बुजुर्ग यहूदी नेतन काइफा नाउँ क महायाजक क घरे क आँगन मँ एँकट्ठा भएन। 4अउर उ पचे कउनो चाल स ईसू क धरइ अउर मार डावइ क छल करेन। 5फिन भी उ सबइ कहत रहेन, "हमका इ फसह क त्यौहार क दिनन मँ नाहीं करइ चाही। नाहीं तउ होइ सकत ह मनई दंगा फसाद कइ बइठइँ।"

ईसू प इतर क छिरकब

(मरकुस 14:3-9; यूहन्ना 12:1-8)

6ईसू जब बैतनिय्याह मँ समौन कोढ़ी क घरे रहा। 7तबही एक स्त्री चिकना, स्फटिक क सीसी मँ बहोत महँग इतर भरिके लइ आई अउर ओका ओकरे मूँड़े प उड़ेल दिहस। उ समइ उ पटरा प टेक लगाइ क बइठा रहा। 8जब ओकर चेलन इ देखेन तउ उ सबइ किरोध मँ आइके बोलेन, "इतर क अइसी बर्बादी काहे कीन्ह गइ? 9इ इतर तउ महँग दामे मँ बिक सकत रहा अउर फिन उ धने क दीन दुखियन मँ बाँटि जाइ सकत रहा।"

10ईसू जानि गवा कि उ सबइ का कहत अहइँ। तउ ओनसे बोला, "तू इ स्त्री क काहे तंग करत अहा? उ तउ मोरे बरे एक सुन्नर काम करेस ह। 11काहेकि दीन-दुखी तउ हमेसा तोहरे पास रइहीं* पर मइँ तोहरे साथ हमेसा नाहीं रहब। 12उ मोरे सरीर प इ सुगंधि छिरकिके मोरे गाड़ा जाइके तइयारी करेस ह। 13मइँ तोहसे सच कहत हउँ समूची दुनिया मँ जहँ कहूँ भी सुसमाचार क प्रचार अउर फइलाव कीन्ह जाइ, वही एँकर याद मँ जउन कछू इ किहेस ह, ओकर चर्चा होई।"

ईसू क दुस्मन यहूदा बनत ह

(मरकुस 14:10-11; लूका 22:3-6)

14तब यहूदा इस्करियोती जउन ओकर बारहु चेलन मँ एक रहा, मुख्ययाजकन क लगे गवा अउर ओसे

दीन-दुखी ... रइहीं व्यवस्था 15:11

बोला, [15]"यदि मइँ ईसू क तोहका पकरवाइ देउँ तउ तू मनई मोका का देब्या?" तब उ पचे यहूदा क चाँदी क तीस रूपया देइ बरे इच्छा परगट किहेन। [16]उहइ समइ स यहूदा ईसू क धोखा दइ के पकड़वावइ क ताक मँ रहइ लाग।

ईसू क आपन चेलन क संग फसह भोज

(मरकुस 14:21-22; लूका 22:7-14, 21-23; यूहन्ना 13:21-30)

[17]बिना खमीरे क रोटी क त्यौहार स पहिले दिन ईसू क चेलन आइके पूछेन, "तू का चाहत ह कि हम तोहरे खाइके बरे फसह भोज क तइयारी कहाँ जाइके करी?"

[18]ईसू कहेस, "गाउँ मँ उ मनई क लगे जा अउर ओसे कहा, कि गुरु कहेस ह, 'मोर तय भई घरी निगचे बाटइ, मइँ तोहरे घर आपन चेलन क संग फसह क त्यौहार मनइहउँ।'" [19]फिन चेलन वइसा ही करेन जइसा ईसू बताए रहा अउर फसह क त्यौहार क तइयारी किहेस।

[20]दिन बूड़त ईसू आपन बारहु चेलन क संग मेज पर बइठा रहा। [21]तबहीं ओनके खइया क खात उ बोला, "मइँ सच कहत हउँ, तोहमाँ स एक मोका धोखे स पकरवाई।" [22]उ सबइ बहोत दुखी भएन अउ ओनमाँ स हर कउनो आपुस मँ पूछइ लागेन, "पर्भू, उ मइँ तउ नाहीं हउँ। बतावा का मइँ अहउँ!"

[23]तब ईसू जवाब दिहस, "उहइ जउन मोरे संग खाना लेय के बरे एक टाठी मँ हाथ डाए बा मोका धोखा स पकड़वाई। [24]मनई क पूत तउ जाई ही, अइसा कि ओकरे बारे मँ पवित्तर सास्तरन मँ लिखा बाटइ। मुला उ मनई क धिक्कार बा जउन मनई क जरिए मनई क पूत पकड़वाइ जात अहइ। उ मनई बरे केतॅना नीक होत कि ओकर जन्म ही न भवा रहत।"

[25]तब ओका धोखे स पकरवावइ वाला यहूदा बोलि उठा, "हे गुरु, उ मइँ नाहीं हउँ। का मइँ हउँ?" ईसू ओसे कहेस, "हाँ अइसा ही अहइ जइसा तू कह्या ह।"

पर्भू क भोज

(मरकुस 14:22-26; लूका 22:15-20; 1 करिंथकरांस 11:23-25)

[26]जब उ पचे खइया क खात ही रहेन, ईसू रोटी लिहस, ओका असीसेस अउर फिन तोड़ेस। फिन ओका चेलन क देत भवा उ बोला, "ल्या ऍका भकोसा, इ मोर देह अहइ।"

[27]फिन उ दाखरस क खोरा उठाएस अउर धन्यबाद देइ क पाछे ओका ओन पचेन क देत भवा कहेस, "तू पचे एहमाँ पिआ। [28]काहेकि इ मोर खून अहइ जउन एक नवा करार की सुरुआत अहइ। इ बहोतन बरे बहाइ जात ह। जेसे ओनके पापन्क छमा करब संभउ होइ जाइ।
[29]मइँ तोहसे सच कहत हउँ उ दिना तक दाखरस न चीखब जब ताईं आपन परमपिता क राज्य मँ तोहरे साथ नवा दाखरस न पिउ लेउँ।"

[30]फिन उ पचे भजन गाइके जैतून पहाड़े प गएन।

ईसू क कहब: सब चेलन ओका तजि देइहीं

(मरकुस 14:27-31; लूका 22:31-34; यूहन्ना 13:36-38)

[31]फिन ईसू ओनसे कहेस, "आज राति तू पचन क मोह मँ बिसवास डुग जाई। काहेकि पवित्तर सास्तरन मँ लिखा अहइ:

'मइँ गड़रिया क मारब अउर झुंड क भेड़न
तितराइ बितराइ जइहीं।'

जकर्याह 13:7

[32]पर फिन स जी जाए प मइँ तोहसे पहिले गलील चला जाब।"

[33]पतरस जवाब दिहस, "चाहे सब मिला तोहमाँ बिसवास डुगाइ देइँ, मुला मइँ कबहूँ न खोउब।"

[34]ईसू ओसे कहेस, "मइँ तोहसे सच कहत हउँ आज इहइ राति मुर्गा क बाँग देइ स पहिले तू तीन दाईं मोसे मुकर जाब्या।"

[35]तब पतरस ओसे कहसे, "अगर मोका तोहरे संग मरि जाइ क होइ तउ भी तोसे कबहूँ न मुकरब।" बाकी सब चेलन इहइ कहेन।

ईसू क एकान्त मँ पराथना

(मरकुस 14:32-42; लूका 22:39-46)

[36]फिन ईसू ओकरे संग उ जगह प आवा जउन गतसमनी कहा जात रहा। अउर उ आपन चेलन स कहेस, "जब ताईं मइँ हुवाँ जाउँ अउर पराथना करउँ, तू सबे हियइ बइठा।" [37]फिन ईसू पतरस अउर जब्दी क दुइनउँ बेटवन क आपन संग लइ गवा। अउर दुख अउ घबराहट महसूस करइ लाग। [38]फिन उ ओनसे कहेस, "मोर मन बहोत दुखी बा, जइसे मोर प्रान निकरि जइहीं। तू मोरे संग हियँई ठहर जा अउर होसियार रहा।"

[39]फिन तनिक अगवा बढ़इ क बाद उ धरती प निहुरिके पराथना करइ लाग। उ कहेस, "हे, मोर परमपिता, जदि होइ सकइ तउ यातना क कटोरा मोसे टरि जाइ। फिन भी जइसा मइँ चाहत हउँ वइसा नाहीं मुला जइसा तू चाहत ह वइसा ही कर।" [40]ओकरे पाछे उ आपन चेलन क लगे गवा अउर ओनका सोवत पाएस। उ पतरस स कहेस, "तउ तू पचे मोर संग एक घंटा भी नाहीं जागि सक्या। [41]जागत रहा अउर पराथना करा जेसे तू परीच्छा मँ न पड़ि जा। तोहार आतिमा तउ उहइ करब चाहत ह जउन चंगा बा, मुला, तोहार सरीर दुर्बल अहइ।"

[42]एक दाईं फिन उ जाइके पराथना किहेस अउर कहेस, "हे मोर परमपिता, जदि यातना क कटोरा मोरे

बगैर पिए टर नाहीं सकत तउ तोहार इच्छा पूरी होइ
जाइ।" 43तब उ आवा अउ ओनका फिन सोवत पावा। उ
पचेन क आँखन थकी रहिन। 44तउ उ ओनका छोड़िके
फिन गवा अउर तिसरी दाई भी पहिले क नाई ओनही
सब्दन मँ पराथना करेस। 45फिन ईसू आपन चेलन क
लगे गवा अउर ओनसे पूछेस, "का तू अबहूँ आराम स
सोवत अहा? सुना, समइ आइ ग अहइ, जब मनई क पूत
पापी मनइयन क हथवन मँ दइ दीन्ह जाई। 46उठा, आवा
चली। देखा मोका धरइवाला इ बा।"

ईसू क गिरफ्तार करब

(मरकुस 14:43-50; लूका 22:47-53; यूहन्ना 18:3-12)

47ईसू जब बोलत रहा, यहूदा जउन बारहु चेलन मँ
एक रहा, आवा। ओकरे संग तरवारन अउर लाठियन स
लइस मुख्ययाजकन अउर बुजुर्ग यहूदी नेतन क पठई
एक भारी भीड़ भी रही। 48यहूदा जउन ओका पकड़वावइ
वाला रहा, ओनका एक इसारा बतावत भवा कहेस,
"जउन कउनो क मइँ चूमउँ, उहइ होई, ओका धइ
लिहा।" 49फिन उ सीधे ईसू क लगे गवा अउ बोला, "हे
गुरु!" अउर बस उ ईसू क चूम लिहेस।
50ईसू ओसे कहेस, "मीत, जउन काज बरे तू आइ
अहा, ओका करा।"

फिन भिड़िया क लोगन क लगे जाइके ईसू क
दहबोच कइ गिरफ्तार कइ लिहन। 51फिन जउन मिला
ईसू क संग रहेन, ओनमाँ स एक तरवारी हींच लिहस
अउर वार कर महायाजक क नउकर क कान काट
लिहस। 52तब ईसू ओसे कहेस, "आपन तरवार क मियान
मँ घुसेड़ द्या। जउन तरवार चलावत हीं उ पचे तरवारे स
मार डावा जइहीं। 53का तू नाहीं सोचत अहा कि मइँ
आपन परमपिता क बोलाइ सकत हउँ अउ उ फउरन
सरगे क दूतन क बारहु फउज स भी जिआदा मोरे लगे
पठइ देई? 54मुला मइँ अइसा करउँ तउ पवित्तर सास्तरन
मँ लिखी बात कइसे पूर होइ जाई कि सब कछू अइसे ही
होइ क अहइ?"

55उहइ समइ ईसू भीड़े स कहेस, "तू पचे तरवारन,
लाठियन क संग मोका धरवावइ अइसे काहे आइ अहा
जइसे कउनो डाकू क धरइ आवत हीं? मइँ हर दिन
मंदिर मँ बइठा उपदेस देत रहत हउँ अउर तू पचे मोका
नाहीं धर्‍या! 56मुला इ सब कछू घटि गवा कि नबियन
क लिखा पूर होइ।" फिन ओकर चेलन ओका तजि क
पराय गएन।

यहूदी नेतन क समन्वा ईसू क पेसी

(मरकुस 14:53-65; लूका 22:54-55, 63-71;
यूहन्ना 18:13-14, 19-24)

57ईसू क जउन धरे रहेन, उ पचे ओका काइफा
नाउँ क महायाजक क समन्वा लइ गएन। हुवाँ धरम
सास्तिरियन अउर बुजुर्ग यहूदी नेतन भी ऍकट्ठा भएन।
58पतरस ओसे दूर-दूर रहत ओकरे पाछे पाछे महायाजक
क अंगना क भितरे तलक चला गवा। अउर फिन अंत
देखइ हुवाँ पहरेदारन क संग बइठ गवा।

59मुख्ययाजकन समूची यहूदी महासभा क संग ईसू
क मउत क सजा देइ बरे ओकरे खिलाफ कउनो झूठा
जुर्म ढूँढ़इ बरे जतन करत रहेन। 60मुला ढूँढ़ नाहीं पाएन।
जदपि बहोत स झूठे गवाहन अगवा बढ़िके झूठ बोलेन।
आखिर मँ दुइ मनई अगवा आएन 61अउर बोलेन, "इ
कहे रहा, 'मइँ परमेस्सर क मंदिर क तहस नहस कइ
सकत हउँ अउर तीन दिना मँ फिन बनाइ सकत हउँ।'"

62फिन महायाजक खड़ा होइके ईसू स पूछेस, "का
जवाबे मँ तोहका कछू नाहीं कहइ क अहइ कि इ
मनइयन तोहरे खिलाफ इ का साच्छी देत अहइँ?" 63मुला
ईसू खमोस रहा।

फिन महायाजक ओसे पूछेस, "मइँ तोहका साच्छात
परमेस्सर क सपथ देत हउँ, हमका बतावा का तू परमेस्सर
क पूत मसीह अहा?"

64ईसू जवाब दिहस, "हाँ, मइँ अहउँ। मुला मइँ तोहका
बतावत हउँ कि तू पचे मनई क पूत क उ परम सक्तीवाला
क दाहिन कइँती बइठा अउर सरगे क बदरवन प आवत
हाली ही देखब्या।"

65महायाजक इ सुनिके ऍतना गुस्साइ गवा कि आपन
ओढ़ना फाड़त भवा बोला, "इ जउन बातन कहेस ह उ
सब परमेस्सर प कलंक लगाएस ह। अब हमका अउर
जिआदा साच्छी न चाही। तू पचे ऍका परमेस्सर क
खिलाफ कहत सुन्या ह। 66तू पचे का सोचत अहा?"

जवाबे मँ उ पचे बोलेन, "इ अपराधी अहइ। ऍका
मरि जाइ चाही।"

67फिन उ सबइ ओकरे मुँहना प थूकेन अउ ओका
घूँसा स मारेन। कछू थप्पड़ दिहेन 68अउर कहेन, "हे
मसीह! भविस्सबाणी करा कि उ कउन अहइ जउन
तोहका थोकरेस ह!"

पतरस क ईसू क न मानब

(मरकुस 14:66-72; लूका 22:56-62;
यूहन्ना 18:15-18, 25-27)

69पतरस अबहीं अंगना मँ बाहेर बइठा रहा कि एक
ठु नउकरानी लगे आइ अउर बोली, "तू भी तउ उहइ
गलील क ईसू क संग रह्या।"

70मुला सबइ क समन्वा पतरस मुकर गवा। उ कहेस,
"मोका पता नाहीं तू का कहति अहा।"

71फिन उ ड्यौढ़ी तलक गवा ही रहा कि एक दूसर
लरिकि देखेस अउर जउन मनई हुवाँ रहेन, ओनसे
बोली, "इ मनई नासरत क ईसू क संग रहा।"

72एक दाई फिन पतरस इन्कार करेस अउर सपथ
खात भवा कहेस, "मइँ उ मनई क नाहीं जानत हउँ।"

73तनिक देर पाछे हुवाँ खड़ा लोग पतरस क लगे
गएन अउर ओसे बोलेन, "तोहार बोलइ क लहजा स
साफ लागत ह कि तू असिल मँ ओनही मँ स एक अहा।"
74तब पतरस आपन क धिक्कारइ लाग अउर सपथ
खाएस, "मइँ उ व्यक्ति क नाहीं जानत हउँ!" तबहिं मुर्गा
बाँग दिहस। 75तब्बइ पतरस क उ याद होइ आवा जउन
ईसू ओसे कहे रहा, "मुर्गा कबाँग देइ स पहिले तू तीन
दाईं मोका नकार देब्या।" तब पतरस बाहेर चला गवा
अउ फूट फूट क रोवइ लाग।

ईसू क पीलातुस क अगवा पेसी

(मरकुस 15:1; लूका 23:1-2; यूहन्ना 18:28-32)

27 दूसर दिन बड़े भिन्सारे सबइ ही मुख्ययाजकन
अउर बुजुर्ग यहूदी नेतन ईसू क मरवाइ डावइ
क एक चाल चलेन। 2फिन उ पचे ओका बाँधि के लइ
गएन अउर राज्यपाल पिलातुस क सौंप दिहन।

यहूदा क आत्महत्या

(प्रेरितन क काम 1:18-19)

3ईसू क धरवावइ वाला यहूदा जब देखेस कि ईसू क
दोखी ठहराइ दीन्ह ग अहइ, तउ उ बहोत पछतान। अउर
उ याजकन तथा यहूदी नेतन क चाँदी क तीस रूपया
लउटाइ दिहस।
4उ कहेस, "मइँ एक बे अपराधी क मार डावइ बरे
धरवाइ क पाप कीन्ह ह।"
एँह प मनई कहेन, "हम पचेन क का! इ तोहार
आपन मामिला अहइ।"
5एँह प यहूदा चाँदी क ओन रूपयन क मंदिर क
भितरे लोकाइके चला गवा अउर फिन बाहेर जाइके
आपन क फाँसी लगाएस।
6मुख्ययाजकन उ सब चाँदी क सिक्कन क उठाइ
लिहन अउर कहेन, "हमरे व्यवस्था क मुताबिक इ धन
क मंदिर क खजाना मँ धरब नीक नाहीं काहेकि एँकर
प्रयोग कउनो क मार डावइ बरे कीन्ह ग रहा।" 7यह बरे
उ पचे उ रूपयन क यरूसलेम मँ बाहेर स आवइ वाले
मनइयन क मरि जाए प गाड़इ बरे कोहारे क खेत खरीदै
क फैसला कीन। 8यह बरे आजु ताईं इ खेत 'लहू क
खेत' क नाउँ स जाना जात ह। 9इ तरह, नबी यिर्मयाह क
कहा भवा बचन पूर होइ ग:

> "उ पचे चाँदी क तीस सिक्का बरे, उ रकम
> जेका इस्राएल क मनइयन ओकरे बरे देब
> तइ किहे रहेन। 10अउ पर्भू क जरिए मोका
> दीन्ह गवा हुकुम क मुताबिक ओसे कोंहारे
> क खेत खरीदेस।"*

"उ ... खरीदेस" यिर्म 32:6-9; जक 11:12-13

पिलातुस क सवाल ईसू स

(मरकुस 15:2-5; लूका 23:3-5; यूहन्ना 18:33-38)

11एँकरे बीच मँ ईसू राज्यपाल क समन्वा पेस भवा।
राज्यपाल ओसे पूछेस, "का तू यहूदियन क राजा अहा?"
ईसू कहेस, "हाँ, मइँ हउँ।"
12दुसरी कइँती जब मुख्ययाजकन अउर बुजुर्ग यहूदी
नेतन ओह प दोख लावत रहेन तउ उ कउनो जवाब
नाहीं दिहस।
13तब पिलातुस ओसे पुछेस, "का तू नाहीं सुनत अहा
कि उ सबइ तोह प केतॅना दोख लगावत अहइँ?"
14मुला ईसू पिलातुस क कउनो भी दोख क जवाब
नाहीं दिहस। पिलातुस क एँह प बहोत अचरज भवा।

ईसू क छोड़इ मँ पिलातुस सफल नाहीं भवा

(मरकुस 15:6-15; लूका 23:13-25; यूहन्ना 18:39-19:16)

15फसह क त्यौहार क अउसर प राज्यपाल क रीति
रही कि उ कउनो भी एक कैदी क, जेका भीड़ चाहत
रही, ओनके बरे छोड़ दीन्ह जात रहा। 16उहइ समइया
बरअब्बा नाउँ क एक बदनाम कैदी हुवाँ रहा। 17तउ
जब भीड़ आइके एकट्ठी होइ गइ तउ पिलातुस ओसे
पूछेस, "तू का चाहत बाट्या, मइँ तोहरे बरे केका छोड़ि
देउँ, बरअब्बा क या उ ईसू क, जउन मसीह कहा जात
ह?" 18पिलातुस जानत रहा कि उ पचे ओका मने मँ डाह
क कारण धरवाइ दिहेन ह।
19पिलातुस जब निआव क आसन प बइठा रहा तउ
ओकर पत्नी ओकरे लगे एक संदेसा पठएस: "उ सीधा
साँच मनई क संग कछू जिन कइ बइठ्या। मइँ ओकरे
बारे मँ एक ठु सपन देखिउँ ह जेसे मइँ आज सारा दिन
भइ बेचइन रही।"
20मुला मुख्ययाजकन अउर बुजुर्ग यहूदी नेतन भीड़े
क बगदाएन, फुसलाएन कि उ पिलातुस स बरअब्बा क
छोरि देइ क अउर ईसू क मरवाइ डावइ बरे कहेन।
21जवाबे मँ राज्यपाल ओसे पूछेस, "दुइनउँ कैदियन
मँ स कउनो एक बरे केका मोसे छुरवावइ बरे तू पचे
चाहत बाट्या?"
उ पचे जवाब दिहन, "बरअब्बा क।"
22जब पिलातुस ओसे पूछेस, "तउ मइँ, जउन मसीह
कहा जात बा उ ईसू क का करउँ?"
उ सबइ कहेन, "ओका क्रूस प चढ़ावा!"
23पिलातुस पूछेस, "काहे, उ कउन अपराध किहेस
ह?" मुला उ सबइ तउ अउर जिआदा चिचियाने, "ओका
क्रूस प चढ़ाइ द्या!"
24पिलातुस देखेस कि अब कउनो फायदा नाहीं।
मुला दंगा भड़कइ क बा। तउ उ तनिक पानी लिहस
अउर भीड़े क समन्वा आपन हाथ धोएस, उ बोला, "इ
मनई क लहू स हमार कउनो जिम्मेदारी नाहीं। यह
तोहार मामिला बा!"

25जवाबे मँ सब लोगन कहेन, “ऍकरे मउत क जवाबदेही हम अउ हमार लरिकन मान लेत हँ।”

26तब पिलातुस ओनके बरे बरअब्बा क छोरि दिहस अउर ईसू क कोड़वा स पिटवाइ क क्रूस प चढ़ावइ बरे सौंपि दिहस।

ईसू क मजाक

(मरकुस 15:16-20; यूहन्ना 19:2-3)

27फिन राज्यपाल क सिपाही ईसू क राज्यपाल निवास क भितरे लइ गएन। हुवाँ ओकरे चारिहुँ कइँती सिपाहियन क फउज ऍकट्ठी होइ गइ। **28**उ पचे ओकर ओढ़ना उतरवाइ दिहेन अउ चमचमात लाल रंगे क ओढ़ना पहिराइ क **29**काँटे स बनवा एक ताज ओकरे सिरे प ढाँपि दिहस। ओकरे दाहिन हाथ मँ ए ठु नरकट थमाइ दिहेन ओकरे समन्वा आपन घोटॅना तलक निहुरि क ओकरे हँसी करत बोलेन, “यहूदियन क राजा अमर रहइ!”

30फिन उ पचे ओकरे मुँहना पर थूकेन, डंडी छोरन अउर ओकरे मुँड़वा प सुटकइ लागेन। **31**जब उ पचे ओकर हँसी उड़ाइ चुकेन तउ ओकर पोसाक उतारेन अउर ओका ओकर आपन ओढ़ना पहिराइ क क्रूसे प चढ़ावइ बरे लइ चलेन।

ईसू क क्रूस प चढ़ाउब

(मरकुस 15:21-32; लूका 23:26-43; यूहन्ना 19:17-27)

32जब उ पचे बाहेर जात ही रहेन तउ ओनका कुरेनी क निवासी समौन नाउँ क एक मनई मिलि गवा। उ पचे ओह प जोर डाएन कि उ ईसू क क्रूस उठाइके चलइ। **33**फिन जब उ पचे गुलगुता नाउँ क जगह (जेकर अरथ अहइ “खोपड़ा क ठउर।”) पहुँचेन। **34**तउ उ पचे ईसू क अंगूर क रस मँ पित्त* नाइ क पिअइ बरे दिहेन। मुला जब ईसू ओका चखेस तउ पिअइ स मना किहस। **35**तउ उ सबइ ओका क्रूसे प चढ़ाइ दिहन अउर ओकरे ओढ़ना क आपुस मँ बाँटइ बरे पाँसा खेलिके आपन हींसा लिहन। **36**ऍकरे पाछे हुवाँ बइठिके ओह प पहरा देइ लागेन। **37**उ पचे ओकर जुर्म पत्तर लिखिके ओकरे मूँड़े पर लटकाइ दिहेन, “इ यहूदियन क राजा ईसू अहइ।” **38**इहइ समइ ओकरे संग दुइ डाकू भी क्रूसे प चढ़ाइ जात रहेन एक ठु ओकरे दाहिन अउर दूसर ओकरे बाईं कइँती। **39**नगिचे स होइ क जात मनइयन आपन मूँड़ी झमकावत ओका बेज्जत करत रहेन। **40**उ पचे कहत रहेन, “अरे मंदिर क गिराइके तीन दिना ओका फिन स बनवइया, आपन क तउ बचावा। जदि तू परमेस्सर क पूत अहा तउ क्रूसे स तरखाले उतरि आवा!”

41अइसे ही मुख्ययाजकन, धरम सास्तिरियन अउर बुजुर्ग यहूदी नेतन क संग ओकर इ कहिके हँसउआ करत रहेन: **42**“दूसर क उद्धार करइया इ आपन उद्धार नाहीं कइ सकत। इ इस्राएल क राजा अहइ। इ क्रूसे स अबहीं तरखाले उतरइ तउ ऍका मान लेइ। **43**इ परमेस्सर मँ बिसवास करत ह। तउ जदि परमेस्सर अब ऍका बचाइ लेइ। आखिर इ तउ कहत भी रहा ‘मइँ परमेस्सर क पूत हउँ।’” **44**उ सबइ लुटेरन भी जउन ओकरे संग क्रूसे प चढ़ाइ गएन रहा, ओकर अइसा ही हँसउआ भवा।

ईसू क मउत

(मरकुस 15:33-41; लूका 23:44-49; यूहन्ना 19:28-30)

45फिन समूची धरती प दुपहर स तीन बजे तलक अँधियारा छावा रहा। **46**कउनो तीन बजे क लगभग ईसू ऊँच अवाजे मँ चिल्लान, “एली, एली, लमा सबक्तनी” अरथ, “मोरे परमेस्सर, हे मोरे परमेस्सर, तू मोका काहे बिसार दिहा ह?”

47हुवाँ खड़ा भवा मनइयन मँ स कछू इ सुनिके कहइ लागेन, “यह एलिय्याह क पुकारत अहइ।”

48फिन फउरन ओनमाँ स एक मनई धावत सिरका मँ बोरा भवा स्पंज एक डंडी प लटकाइ क लइ आवा अउर ओका ईसू क चूसइ बेर दिहस। **49**मुला दूसर लोग कहत रहेन, “छोड़ द्या, देखित ह कि एलिय्याह ऍका बचावइ आवत ह कि नाहीं।”

50ईसू फिन एक दाईं ऊँच सुरे मँ चिल्लाइ क प्राण तजि दिहस।

51उहइ समइया मंदिरे क परदा ऊपर स तरखाले तलक फाटिके दुइ टुकड़न मँ बँटि गवा। धरती डोल उठी। चट्टानन फाट पड़िन। **52**हियाँ तलक कब्रन खुलि गइन अउर परमेस्सर क मरा भएन भक्तन क बहोतन सरीर जी उठेन। **53**उ पचे कब्रन स निकरि आएन अउर ईसू क जी जाइ क पाछे पवित्तर नगर मँ जाइके बहोतन क देखाईं दिहेन। **54**रोम क फऊजी नायक अउर ईसू क पहरुअन भूँइडोल अउर वइसी ही दुसर घटना क लखिके डेराअ गएन। उ पचे बोलेन, “ईसू असिल मँ परमेस्सर क पूत रहा!”

55हुवाँ ढेरि के स्त्रियन खड़ी रहिन जउन दूरे स लखत रहिन। उ पचे ईसू क देखभाल बरे गलील स ओकरे पाछे पाछे आवत रहिन। **56**ओनमाँ स मरियम मगदलीनी, याकूब अउर योसेस क महतारी मरियम तथा जब्दी क बेटवन की महतारी रही।

ईसू क दफन

(मरकुस 15:42-47; लूका 23:50-56; यूहन्ना 19:38-42)

57सांझ क समइ अरिमतियाह सहर स यूसुफ नाउँ क एक धनवान आवा उ खुद ही ईसू क चेला होइ गवा।

पित्त एक अइसी चीज अहय जेका अंगूर क रस मँ मिला कर पिअब स पीढ़ा कम होय जात हय।

यूसुफ़ पिलातुस क लगे गवा अउर ईसू क सव माँगेस।
58तबहिं पिलातुस हुकुम दिहस कि सव ओका दइ दीन्ह
जाइ। 59यूसुफ़ ल्हास लइ लिहस अउर ओका एक नई
चदरे मँ लपेटिके 60आपन खुद क नई कब्र मँ धइ
दिहस। जेका उ चट्टाने मँ काटि के बनवाए रहा। फिन
उ चट्टाने क दरवाजे प एक बड़का सा पाथर लुढ़काएस
अउर चला गवा। 61मरियम मगदलीनी अउर दूसर स्त्री
मरियम हुवाँ कब्रे क समन्वा बइठी रहिन।

ईसू क कब्रे प पहरा

62अगले दिन जब सुक्रवार बीत गवा तउ मुख्ययाजकन
अउर फरीसियन पिलातुस स मिलइ गएन। 63उ पचे
कहेन, "महासय हमका याद बा कि इ छलिया, जब उ
जिअत रहा, कहे रहा, 'तिसरे दिन मइँ फिन जी उठब।'
64तउ हुकुम द्या कि तिसरे दिना तलक कब्रे प चौकसी
कीन्ह जाइ। जेसे अइसा न होइ कि ओकर चेलन आइके
ओकर ल्हास चोरॉइ लइ जाइँ अउर मनइयन स कहइँ,
उ मरे भवा मँ स जी गवा। इ दूसर छल पहिले छल स
जिआदा बुरा होई।" 65पिलातुस ओसे कहेस, "तू पहरा
बरे सिपाही लइ जाइ सकत ह। जा जइसी चौकसी कइ
सकत ह, करा।" 66तब उ पचे चला गएन अउर उ
पाथर प मोहर लगाइके अउर पहरुअन क हुवाँ बइठाइ
के कब्र क हिफाजत करइ लागेन।

ईसू क फिन स जी उठब

(मरकुस 16:1-8; लूका 24:1-12; यूहन्ना 20:1-10)

28 सबित क बाद जब रविवार क भिन्सारे पउ
फाटत रही, मरियम मगदलीनी अउर दूसर स्त्री
मरियम कब्र क जाँच करइ आइन।
2काहेकि सरगे स पर्भू क एक दूत हुवाँ उतरा रहा,
यह बरे उ समइ बहोत बड़का भुइँडोल आवा। सरगदूत
हुवाँ आइके पाथर क लुढ़काएस अउर ओह पर बइठ
गवा। 3ओकर रूप अकासे क बिजरी क नाई चमचमात
रहा अउर ओकर ओढ़ना बरफ जइसे उज्जर रहेन। 4उ
सिपाहियन जउन कब्रे प पहरा देत रहेन, डर क कारण
डेरानेन अउर अइसा होइ गएन जइसे मरि गवा होइँ।
5तब सरगदूत बोला अउर उ ओन स्त्रियन स कहेस,
"डेराअ जिन, मइँ जानत हउँ कि तू ईसू क खोजति अहा
जेका, क्रूस प चढ़ाइ दीन्ह गवा रहा। 6हियाँ नाहीं बा।
जइसा कि उ कहेस, उ मउत क पाछे फिन जिआइ दीन्ह
जाई। आवा, उ ठउरे क लखा, जहाँ उ ओतरा रहा।
7अउ फिन तुरंत जा अउर ओकरे चेलन स कहा, 'उ
मरे हुअन मँ स जिआइ दीन्ह जाई अउर अब उ तोहसे
पहिले गलील क जात अहइ। तू ओका हुवाँ देखब्या।'
इहइ मइँ तोहका बतावइ आवा हउँ, ओका याद राखा।'"
8उ स्त्रियन फउरन ही कब्र क तजि दिहन। उ पचे
डर अउर आनंद स खुस होइ गइन। फिन ईसू क चेलन
क इ बतावइ उ पचे धाएन। 9एकाएक ईसू ओनसे भेंटेस
अउर बोला, "अरे तू!" उ पचे ओकरे लगे आइन, उ पचे
ओकर गोड़वा धइ लिहन अउर ओकर आराधना करेन।
10तब ईसू ओनसे कहेस, "डेराअ जिन, मोरे भाइयन क
लगे जा, अउर ओनसे कहा कि उ पचे गलील बरे रवाना
होइ जाइँ, हुवँइ उ सबइ मोका देखिहइँ।"

यहूदी नेतन क घटना क बारे मँ बताएन

11अबहीं उ स्त्रियन आपन राहे मँ ही रहिन कि कछू
सिपाही जउन पहरुअन मँ रहेन, सहर मँ गएन अउर
जउन कछू भवा, उ सब क खबर मुख्ययाजकन क
जाइके सुनाएन। 12तउ उ सबइ बुजुर्ग यहूदी नेतन स
मिलिके एक चाल चलेन। उ पचे सिपाहियन क बहोतइ
धन दइके। 13कहेन कि उ पचे मनइयन स कहइँ, "ईसू
क चेलन राति क आएन अउ जब हम सबइ सोवत रहेन
ओकरे सव क चुराइ लइ गएन। 14जदि तोहार इ बात
राज्यपाल तक पहुँचत ह तउ हम ओका समझाइ लेब
अउर तोहरे प कउनो आँच न आवइ पाई।" 15पहरुअन
धन लइके वइसा ही करेन, जइसा ओनका बतावा ग
रहा। अउ इ कहानी यहूदियन मँ आज तलक इहइ रूप
मँ सँचर गइ अहइ।

ईसू क आपन चेलन स बातचीत

(मरकुस 16:14-18; लूका 24:36-49; यूहन्ना 20:19-23; प्रेरितन क काम 1:6-8)

16फिन ग्यारहु चेलन गलील मँ उ पहाड़ी प पहुँचेन
जहाँ बरे ईसू कहे रहा। 17जब उ पचे ईसू के निहारेन
तउ ओकर आराधना करेन। जदपि कछूक मनवा मँ
सक रहा। 18फिन ईसू ओनके लगे जाइके कहेस, "सरगे
मँ अउ धरती प सबइ हक मोका दइ दीन्ह गवा अहइँ।
19तउ, जा अउर सब देसन क मनइयन क मोर चेलन
बनावा। तोहका इ काम परमपिता क नाउँ मँ, पूत क
नाउँ मँ अउर पवित्तर आतिमा क नाउँ मँ ओनका
बपतिस्मा दइके पूर करब अहइ। 20उ सबइ हुकुम जउन
मइँ तोहका दियो हउँ, ओनका ओन प चलब सिखावा।
अउर याद राखा इ सृस्टि क अंत ताईं मइँ हमेसा तोहरे
संग रहब।"

मरकुस रचित सुसमाचार

ईसू क आवइ क तइयारी

(मत्ती 3:1-12; लूका 3:1-9, 15-17; यूहन्ना 1:19-28)

1 परमेस्सर क पूत ईसू मसीह क सुसमाचार* क
सुरुआत। 2जइसा अगवा होई, यसायाह नबी* क
किताब मँ लिखा अहइ: उ कहेस,

> "सुन ल्या! मइँ (परमेस्सर) अपने सहायक* क
> तोसे पहिले पठवत अही। उ तोहरे बरे रस्ता
> बनाई।"
>
> *मलाकी 3:1*

> 3 "एक ठु मनई के चिल्लाय क अवाज उसरे मँ
> सुनि लीन्ह: 'पर्भू क बरे रस्ता बनवा अउर
> सोझ रस्ता तइयार करा।'"
>
> *यसायाह 40:3*

4यूहन्ना उसरे मँ बपतिस्मा देत आइ। उ लोगन स
बपतिस्मा* लेने क कहेस कि उ आपन मनफिराव क
दिखा सके अउर ओनके पापन्क छमा हो। 5यरूसलेम
अउ यहूदिया देस क सब जने ओकरे निअरे गएन।
जइसे उ सब आपुन्हि पापन्क कबूलेन्ह, उ सब यरदन
नदिया मँ ओसे बपतिस्मा पाएन। 6यूहन्ना ऊँटन्क बारेन्स
बनवा बस्तर पहिरत रहा, अउर करिहाउँ प खालि क
पेटी बाँधत रहा। उ टिड्डन्क अउर जंगली सहद खात
रहा।
7उ इ बात क प्रचार करत रहा: "मोरे पाछे मोसे
जिआदा एक ठु बरिआर मनई आई। मइँ एँतना जोग्य
नाहीं कि ओकरे सोझे खड़ा होइके अउर निहुरिके ओकरे
बधियउरी क फीता तलक खोलि सकी। 8मइँ तू पचन्क
पानी स बपतिस्मा देत अही मुला उ तू पचन्क पवित्तर
आतिमा* स बपतिस्मा देई।"

ईसू बपतिस्मा लिहस

(मत्ती 3:13-17; लूका 3:21-22)

9उ समइ ईसू नासरत स गलील आवा। हुँवा यूहन्ना
रहा। ईसू ओसे यरदन नदिया मँ बपतिस्मा लिहस। 10जइसे
ही पानी स बाहेर आवत रहा, उ खुला भवा अकास
देखेस। अउर पवित्तर आतिमा कबूतरे क नाईं ओह प
उतरी। 11फिन अकासबानी भइ: "तू मोर पूत, जेहका मइँ
पियार करत हउँ । मइँ तोहसे बहोत खुस हउँ ।"

ईसू क परीच्छा लीन्ह गइ

(मत्ती 4:1-11; लूका 4:1-13)

12तब तुरंतहिं आतिमा ईसू क उसरे मँ पठएस। 13अउ
उ उसरे मँ चालीस दिन तइँ रहा। उहइ समइया मँ सइतान
ओका भरमावत रहा। हुँवा ईसू जंगली जनावर क संग
रहा। जहाँ सरगदूतन आइ क ओकर सेवा किहेन।

ईसू कछू चेलन क चुनेस

(मत्ती 4:12-22; लूका 4:14-15; 5:1-11)

14ओकरे बाद यूहन्ना जेली मँ धांध दीन्ह गवा। फिन
ईसू गलील मँ गवा अउर परमेस्सर क सुसमाचार क
प्रचार करत रहा। 15उ कहेस, "समइ पूरा होइ गवा
परमेस्सर क राज्य नगिचे अहइ। सब जने मनफिराव
अउर सुसमाचार मँ बिसवास करा।"
16जब ईसू गलील झील क निअरे घूमत रहा। उ
समौन* अउर समौन क भाई अन्द्रियास क निहारेस। उ
दुइनउँ मछुआरा रहेन, यह बरे उ सब जलिया क झीले मँ
डारत रहेन। 17ईसू ओनसे कहेस, "आवा, अउर मोरे
पाछे आवा। मइँ तू पचन क कइसे मनई बटोरा जात हीं-इ
बात सिखाउब।" 18तबहिं फउरन उ सब आपनि जालिन्ह
क छाँड़ि दिहन अउर ओकरे पाछे आएन। 19तबहिं ईसू
तनिक आगे झिलिया क तीरे चलत-चलत जब्दी क

सुसमाचार परमेस्सर लोगन्क बरे रस्ता तइयार करेस ह कि ओनके पापन्क छमा कइ दीन्ह जाइ अउ उ सब परमेस्सर क संग रहइ लागइँ।

नबी उ जउन परमेस्सर क बरे मँ बताएस, अउ अगवा क होइ ओकरे बरे मँ भी कहेस।

सहायक सुसमाचार क लइ जाइवाला।

बपतिस्मा एक यूनानी सब्द अहइ। जेकर अरथ अहइ पानी मँ बुड़की या गोता लगाउब।

पवित्तर आतिमा परमेस्सर क आतिमा, ईसू क आतिमा सहायक। परमेस्सर अउर ईसू स जुरी भइ जउन मनइयन मँ परमेस्सर क काम करत ह।

समौन समौन क दूसर नाउँ पतरस रहा।

बेटवा याकूब अउर ओकर भाई यूहन्ना क निहारेस। उ
सबइ आपन आपन नाउ मँ आपन जालि क मरम्मत
करत रहेन। 20उ तबहिं फउरन उ सबन्क बोलॉएस। यह
बरे कि उ सबइ नाउ मँ आपन बाप जब्दी क छाँड़ि कइ
ओके संग ओकरे पाछे आएन।

ईसू मनई क चंगा करेस जेह पर दुस्ट आतिमा सवार रही

(लूका 4:31-37)

21ओकरे बाद उ पचे कफरनहूम गएन। ईसू आवइवाला
सबित क दिन* आराधनालय*मँ जाइके लोगन्क सिच्छा
देइ लाग। 22सिरिफ धरम सास्तिरियन क जानइवाला क
तरह नाहीं मुला एक ठु मुड्ढ क नाईं सिच्छा देत रहा।
यह बरे उ सब मनइयन ओकरे सिच्छा स अचरजे मँ पड़ि
गएन। 23एकदम्मइँ आराधनालय मँ एक ठु मनई क दुस्ट
आतिमा धरे रही। उ मनई चिचिआन अउर कहेस, 24"मोसे
तू का चाहत बाट्या, नासरत क ईसू? का हम पचन्क
बरिबाद करइ क आइ बाट्या? मइँ जानत हउँ तू का
अहा, तू अहा परमेस्सर क पवित्तर मनई!"

25मुला ए पइ ईसू फटकारेस, "खामोस रह, ओहका
छाँड़िके चला आव।" 26तबहिं दुस्ट आतिमा उ मनई क
हिलाइस अउर खूब जोर स चिचिआन। फिन ओहमाँ स
बाहेर आइ गइ।

27एँहसे हर मनई अचरज मँ पड़ि गवा। सब मनइयन
आपुस मँ पूछइ पछोरे लागेन, "हिआँ इ कावा? इ मनई
एक ठु नई सिच्छा देत बाटइ। उ मुड्ढ गियान स सिखवत
अहइ। उ दुस्ट आतिमन क हुकुम देत हय अउर उ पचे
ओहका मानत हीं।" 28यह बरे गलील अउ ओह के
चारिउँ कइँती ईसू क नाउँ तुरंतइ फइल गइ।

ईसू ढेर मिला क चंगा कीहेस

(मत्ती 8:14-17; लूका 4:38-41)

29ईसू अउर ओकर चेलन आराधनालय तजि दिहन
अउर सोझे याकूब अउ यूहन्ना क संग समौन अउर
अन्द्रियास क घरे गएन। 30समौन क सास बोखॉरे स
बिछउना प पहुड़ी रही। तउ उ सब तुरंतहिं ईसू क ओकरे
बारे मँ बताएँन। 31तइसे उ ओकरे नगिचे गवा। ओकर
हथवा पकरि के ओका उठाएस। बोखॉर ओहका छाँड़ि
दिहस अउर उ सबन्क सेवॅकाई करइ लाग।

32सूरज बूड़े क बाद सांझ होइ जाए प उ सब लोग ढेर
बेरमियन्क अउर जेनका दुस्ट आतिमन बियाधत रहा,
ईसू क नगीचे लिवाइ लाएँन। 33अउर समूचा सहर दुआरे
प जम गवा। 34जउन तरह तरह क रोग स बेरमिया रहेन
ओन सबन्क बेमारी स जरटुट किहेस अउर बहोत स
दुस्ट आतिमन भगाय दिहस। उ दुस्ट आतिमन बोलइ
दिहस नाहीं, यह बरे कि उ सब ओहका जान गएन।

ईसू सुसमाचार सुनावइ क तइयारी करेस

(लूका 4:42-44)

35बड़े भिन्सारे जब मुँह ॲधियर रहा, ईसू जागि गवा।
ओकरे बाद घरवा स बाहेर अकेल्ले मँ अउर उजाड़े मँ
गवा, हुवाँ उ पराथना करेस। 36पाछे समौन अउ ओकर
साथी ईसू क हेरत-हेरत बाहेर गएन। 37उ पचे ओहका
हेरि के ओसे कहेन, "हर मनई तोहका हेरत अहइ!"

38फिन ईसू ओनसे कहेस, "हमका आसपास क नगरन
मँ जाइ चाही। तबहिं उ सबन ठउरन मँ मइँ उपदेस दइ
सकत हउँ। एही बरे मइँ आइ हउँ।" 39अइसे उ गलील क
सब ठउरन मँ ओनके आराधनालयन मँ उपदेस देत
अउर संग संग दुस्ट आतिमा क भगावत रहा।

ईसू कोढ़ी क चंगा कीहेस

(मत्ती 8:1-4; लूका 5:12-16)

40फिन एक ठु कोढ़ी ओकरे निअरे आवा अउर उ
निहुरि के ईसू स बिनती किहेस, "जउ तू चाहा, तू मोका
चंगा कइ सकत ह।"

41ओकर जिअरा द्या स भरि गवा। फिन उ आपन
हथवा फइलावत ओका छुइके कहेस, "मइँ चाहत हउँ, तू
नीक हवा।" 42तबहिं फउरन ओकर कोढ़ जरटुट होइ ग
अउर उ नीक होइ ग।

43ईसू ओका जाइक बरे कहेस मुला ओका एक कर्री
चिताउनी दिहेस, 44"देखा, तू एँकरे बारे मँ कउनो स
कछुहि जिन कह्या। फिन जा, आपन्क याजक क देखाउँ।
परमेस्सर क भेंट द्या जेह बरे तू नीक होइ गया। अउर
जइसा मूसा क व्यवस्था बताएस,* वइसा आपन नीक
होइ क भेंट दया। जइसे इ एक सनद रहइ।" 45फिन उ
मनई चला गवा, अउर बेधड़क बतावइ लाग अउर खबरिया
क प्रचार करइ लाग। एँहसे ईसू अजादी स कस्बन मँ जाइ
न सका। आखिर उ अकेल्ले मँ अउर उजड़े ठउरन मँ
टिकइ लाग। सब मिला ठउर ठउर सा ओकरे नगिचे
आवत रहेन।

ईसू लकुआ क मरीज चंगा कीहेस

(मत्ती 9:1-8; लूका 5:17-26)

2 कछू दिन पाछे ईसू कफ़रनहूम फिन आइ गवा। इ
खबर फैलि गइ कि उ घरे मँ बा। 2एँतना ढेर क
मजमा ओका सुनइ बरे जमा भवा कि ओकर घरवा
भरि गवा। हुआँ तिल धरइ क ठउर नाहीं रहा अउर

सबित क दिन यहूदी हफता क सतवाँ दिन। इ यहूदियन क खास दिन धरम बरे अहइ।

आराधनालय हुवाँ यहूदि लोग इकट्ठा होइके आपन धरम सास्तर बाँटत रहेन अउ पराथना करत रहेन।

मूसा क व्यवस्था बताएस लैव्य. 14:1-32.

दुआरे क बाहेर भी नाहीं रहा। उ मनइयन क उपदेस देत
रहा। 3कछू लोग लकुआ क रोगी क ईसू क निअरे
लाएन। लकवा क रोगी का चार मनई लाद कर लावत
रहेन। 4पर उ लोग उ मनई का ईसू के पास न लाइ
पायन-काहेकि घरवा लोगन स भरा रहा। यह बरे जहाँ
ईसू रहा, ओकरे ऊपर क छत्तिया प गएन अउर छत्तिया
क खोदि के एक ठो धोंधका बनाएन। तबहिं उ पचे
बिछउना क तरखाले कइ दिहन, जेह प लकुआ क
बेरमिया ओलरा रहा। 5जब ईसू देखेस कि उ सब केतॅना
गहरा बिसवास रखत हीं, उ लकवा क रोगी स कहेस,
"बेटवा! तोहार पापन्क छमा कर दीन्ह।"

6हुवाँ कछू धरम सास्तिरियन बइठा रहेन। उ पचे
आपन आपन मनवा मँ गूँथत मथत रहेन। 7"काहे इ
मनई अइसे कहत बाटइ? उ परमेस्सर क दुरिआवत
बाटइ। सिरिफ परमेस्सर क छाँड़ि क कउन पापन क
छमा करी?" 8ईसू आपन आतिमा मँ फउरन जानि गवा
कि इ धरम सास्तिरियन ओकरे बारे मँ का बिचारत
अहइँ। तउ ईसू ओनसे कहेस, "तू सब आपन जिअरा मँ
इ सब काहे बिचारत अहा? 9जिआदा असान का अहइ–इ
लकुआ क बेरमिया क कहब, 'तोहार पापन्क छमा दइ
दीन्ह,' की कहब, 'उठा। आपन बिछउना उठावा, अउर
चला'? 10मुला मइँ तोहका प्रमान देब कि मनई क पूत क
भुइयाँ प पापन्क छमा करइ क हक अहइ।" फिन ईसू
लकुआ क बेरमिया स कहेस, 11"मइँ तोहका कहत
अही, उठा। आप बिछउना उठावा अउर घरे जा।" 12ये
पइ उ उठि गवा अउर आपन बिछउना हालि हालि उठाएस
अउ मनइयन क देखतइ देखत उ बइठका स चल दिहस।
यह बरे, उ सब अचरजे मँ पड़ि गएन अउर परमेस्सर क
प्रसंसा किहेन फिन कहेन, "हम पचे अस जइसा कबहुँ न
देखा।" 13एक दाईं ईसू फिन उ झिलिया क तीरे गवा,
हुवाँ ढेर मिला ओकरे नगिचे गएन। ईसू ओनका उपदेस
दिहस। 14जइसे उ झिलिया क किनारे जात रहा, चुंगी क
उगहिया हलफई क बेटवा लेवी क निहारेस। उ चुंगी घरे
मँ बइठा रहा। ईसू लेवी स कहेस, "मोरे पाछे आवा।" तउ
उ उठि खड़ा भवा अउर ओकरे पाछे गवा।

15उ दिना क बाद ईसू आपन चेलन क लइ के ढेर
चुंगी क उगहियन अउर पापियन क संग राति क खइया
खात रहा। जेहमाँ ओकर चेलन ढेर जने रहेन। 16जब
फरीसियन*क कछू धरम सास्तिरियन देखेन कि ईसू
चुंगी क उगहियन अउर पापीयन क संग जेंवत रहा। उ
पचे ईसू क चेलन स पूछेन, "उ काहे चुंगी क उगहियन
अउर पापियन क संग जेंवत अहइ?"

17ईसू अनकेस अउर ओनसे कहेस, "जउन हिट्ठ
पुट्ठ मनई अहइँ, का ओनका बैद्य चाही? मुला जउन
बेरमिया अहइँ, ओनका बैद्य चाही। मइँ धर्मी बरे नाहीं
मुला पापियन लोगन्क बोलॉवइ आइ हउँ।"

ईसू दूसर धार्मिक नेतन स निराला

(मत्ती 9:14-17; लूका 5:33-39)

18यूहन्ना क चेलन अउर फरीसियन लोग उपास*
करत रहेन। कछू मनइयन ईसू क लगे आइके पूछेन,
"काहे बरे यूहन्ना क चेलन अउर फरीसियन क चेलन
उपास धांस करत हीं; मुला तोहार चेलन काहे उपास
नाहीं करतेन?"

19ईसू जवाब दिहस, "जब बियाह मँ बराती जब तलक
दुल्हा क संग रहत ही, तब तलक उ दुखी नाहीं रहतेन।
जब तलक दुल्हा संग रहत हीं तब तलक उ पचे उपास
नाहीं करतेन। 20लेकिन समइ आई जबहिं दुल्हा ओनसे
अलगाइ दीन्ह जाई अउर बराती दुखी रहि हीं। तबइ उ
सब उपास रखिहीं।

21"केउ कउनो पुरान कपरा प बेसिकुरा नवा कपरा
क पइबंद नाहीं लगावत। यदि उ अइसा करत ह, उ नवा
कपरा क पइबंद पुरान कपरा क लई बइठत ह। अइसे
फटा कपरा क खोंच अउर बढ़ जाई। 22मनई कबहुँ
पुरान मसकन मँ नई दाखरस भरतेन नाहीं। काहे? नई
दाखरस पुरान मसकन क फोरि देई। अउर एँहसे नई
दाखरस अउर मसकन बरिबाद होइ जइहीं। यह बरे मनई
नई दाखरस क नई मसकन मँ धरत ह।"

कछू यहूदियन ईसू क नुकताचीनी किहेन

(मत्ती 12:1-8; लूका 6:1-5)

23अइसा भवा कि ईसू सबित क दिन अनाजे क
खेतन्से जात रहा। अउर ओकर चेलन संग संग जात
रहेन। ओकर चेलन जात जात अनाजे क बलिया खाइ
बरे नोचेन। 24फरीसियन देखेन अउर ईसू स कहेन,
"देखा सबित क दिन ओ पचे काहे अइसा करत अहइँ।
अइसा करब इ दिन क व्यवस्था क माफिक नाहीं।"

25एह पइ ईसू ओनसे कहेस, "तू सबइ दाऊद* क
बारे मँ पढ़्या ह कि उ का करेस ह। जब उ अउर
ओकर साथी संगी क भूख लाग अउर ओनका खइया
क जरूरत भइ? 26का तू पढ़्या नाहीं कि जब अबियातार
एक महायाजक रहा, तब दाऊद कइसे परमेस्सर क
मंदिर मँ गवा अउर चढ़ावा मँ चढ़ी रोटी खाएस जउन
परमेस्सर क चढ़ाई गइ रही। जउन मूसा क व्यवस्था क
माफिक कउनो क बरे नाहीं मुला याजकन क खाइ क
बरे रहीं। दाऊद सबन्क कछू रोटिन्क दिहस जउन ओकरे
संग रहेन?"

फरीसियन एक यहूदी धार्मिक समूह, जउन मूसा क व्यवस्था अउ रीति रिवाज क कट्टर होइके मानत रहा।

उपास आराधना अउ पराथना क खास समइ प बिन खाए पिए रहब या रोअइ क समइ प।

दाऊद इस्राएल क राजा, मसीह क 1000 बरिस पहिले।

27ईसू ओनसे कहेस, "सबित क दिन मनई बरे बनवा ग रहा, मुला मनई सबित क दिन बरे नाहीं। 28यह बरे मनई क पूत* सबित क पर्भू भी।"

ईसू सुखंडी हाथ क बेरमिया क चंगा किहेस

(मत्ती 12:9-14; लूका 6:6-11)

3 एक दाई फिन ईसू आराधनालय मँ गवा। हुवाँ एक ठो मनई रहा जेकर हाथ सुखंडी होइ गवा रहा।
2कछू यहूदी अँखिया गड़ाइ के ईसू क निहारत रहेन कि का उ रोगी क सबित क दिन नीक करी। जदि गलती भए प ओका दोखी कहइँ।
3ईसू सुखंडी हाथे क मनई स कहेस, "हिआँ खरा होइ जा जइसे सब जने तोहका निहारि सकइँ।"

4तब ईसू ओनसे कहेस, "सबित क दिन का करइ क नीक बाटइ? की भलाई करब या बुराई? का ई नीक बाटइ जीउ क बचाउब की मारब?" जवाबे मँ ईसू स उ पचे कछू नाहीं कहेन।

5उ गुस्सा मँ ओन पचन क देखेस। ओनके मन क कठोर भए स उ दुखी भवा। फिन उ मनई स कहेस, "आपन हथवा आगे कइँती फइलाव।" उ मनई हथवा ईसू कइँती फइलाएस अउर पहिले जइसा नीक होइ ग।
6तबहिं सबहिं फरीसियन हुवाँ स चल दिहन, अउर तुरंतहि हेरोदियन स मिलि के ओकरे खिलाफ जाल बिछावइ लागेन कि कइसे ओका जान स मारि सकिहीं।

बहोत लोग ईसू क पाछे चलेत लागें

7ईसू आपन चेलन क संग गलील झील गवा। गलील क बहुत स लोग ओके पाछे होइ लिहेन।
8बहुत स लोग यहूदिया, यरूसलेम, इदूमिया अउर यरदन नदिया क पार क पहँटा सूर अउर सैदा स आएन। ई मनइयन यह बरे आएन कि ओकरे काम क बारे मँ सुनि लिहन जउन उ करत रहा।

9भिड़िया क मारे उ आपन चेलन स कहेस–ऍक छोटॅकी नाउ तइयार करा, जेह बरे भीड़ ओका कुचर न डावइ।
10उ बहोतन क नीक कीहेस इ नाते उ सब जेनका बेरामी रही, ईसू क छुवइ क बरे भिड़िया क धाकियावत भए रस्ता बनवत चला आवत रहेन।
11कछू मनई आपन भीतर दुस्ट आतिमन धरे रहेन। जब कबहुँ दुस्ट आतिमन ओका निहारत रहीं, उ सबइ ओकरे सोझे दण्डवत करेन अउर चिचिआनिन, "तू परमेस्सर क पूत अहा!"

12मुला उ दुस्ट आतिमन क कर्री चिताउनी देत रहा, अइसा न बतावइ क उ कउन अहइ।

ईसू बारह प्रेरितन क चुनेस

(मत्ती 10:1-4; लूका 6:12-16)

13फिन ईसू पहाड़ी प गवा अउर उ ओनही मनइयन क बोलाएस जेका उ चाहत रहा। उ सब ओकरे लगे गएन।
14जेहमाँ स उ बारहु क चुनेस अउर ओनका प्रेरितन*क ओहदा दिहेस। उ ओनका यह बरे चुनेस कि उ सब ओकरे संग रहइँ अउर उपदेस प्रचार बरे बाहेर पठइ सकइ।
15अउर उ पचे दुस्ट आतिमन क खदेरइ क हक रक्खइँ।
16एहि तरह बारहु मनइयन क उ चुनेस। समौन (जेका उ पतरस क नाउँ दिहेस),
17जब्दी क बेटवा याकूब अउर यूहन्ना (जेकर नाउँ उ बूअनरगिस दिहेस, जेकर अरथ अहइ "गर्जन क बेटवा");
18अन्द्रियास, फिलिप्पुस, बरतुल्मै मत्ती, थोमा, हलफई क बेटवा याकूब, तद्दै समौन कनानी*
19अउर यहूदा इस्करियोती जउन पाछे ओका धोखा दिहेस।

यहूदियन कहेन कि ईसू मँ सइतान बाटइ

(मत्ती 12:22-32; लूका 11:14-23,12:10)

20तब ईसू घरे गवा। एक दाईं फिन एक भारी भीर घेर लिहस। अइसा भवा कि ईसू अउर ओकर चेलन खइया के नाहीं खाए पाएन।
21जबहिं ओकरे परिवारे क निअम्बर ऍकरे बारे मँ सुनि लिहन तबहिं उ सब ओका लेवॉवइ चलेन। इ सोचिके सब मनइयन कहत बाटेन कि ओकर मन ठेकाने नाहीं।

22यरूसलेम स आइ भएन धरम सास्तिरियन कहेन, "ओहमाँ बालजबूल (सइतान) घुसि ग अहइ। दुस्ट आतिमन क सरदार क ताकत स उ दुस्ट आतिमन क मनई स भगावत अहइ।"

23ईसू ओन पचे क एकट्ठइ बोलाएस अउर दिस्टान्त दइ के कहइ लाग, "कइसे सइतान मनई स सइतान क भगाइ देई?
24जदि एक ठु राज्य मँ आपन खिलाफ फूट परि जाइ तउन उ राज्य टिक सकत नाहीं।
25जदि एक परिवार आपस मँ बँटि जाइ तउ उ बचि सकत नाहीं।
26जदि सइतान खुद आपन खिलाफ होइ जाइ अउर फूट डारी तउ उ बचि पावत नाहीं। आखिर मँ उ बरिबाद होइ जाई।
27जदि कउनो बरिआर मनई क घरे मँ घुसिके ओकर सब असबाब ढोइ सकत नाहीं; जब तलक पहिले सब ते बरिआर मनई बाँध न देइ। तब इ उ घरवा क लूटि लेइ।
28मइँ तोसे सच सच कहत अही। लोगन्क हर किसिम क पापन अउ कच्ची पक्की बात जउन उ सब एक दूसर क बोलेन ह, उ सबन्क छमा कीन्ह जाई सकत ह।
29मुला जउन पवित्तर आतिमा क बेज्जती करी ओका छमा कबहुँ न होई। एकरे बजाय न खतम होइवाला पाप का उ भागी होई।"

मनई क पूत ईसू। ईसू परमेस्सर क पूत रहा। दानि. 7:13-14 मँ इ मसीह क नाउँ अहइ जेका परमेस्सर मनइयन क उद्धार करइ बरे चुने रहा।

प्रेरितन धरम संदेस पठवइ मँ सहायक।

कनानी यहूदी क राजनीति दल क निअम्बर।

30यह बरे ईसू कहत रहा कि धरम सास्तिरियन कहत
रहेन कि ओहमाँ दुस्ट आतिमा सवार अहइ।

ईसू क चेलन ओकर सच्चा परिवार

(मत्ती 12:46-50; लूका 8:19-21)

31तबहिं ईसू क महतारी अउर ओकर भाइयन आएन।
उ सब बाहेर खरा भएन अउर कउनो एक क ओकरे
निअरे बाहेर आइ क पठएन। 32ओकरे चारिहुँ कइँती
भरि बइठी रही। उ ओसे कहेस, "देखा! तोहार महतारी,
भाइयन तोहका पूछत अहइँ।"

33जवाबे मँ ईसू ओनसे कहेस, "कउन मोर महतारी
अउ कउन मोर भाइयन अहीं?"

34ईसू आपन क चारिहुँ कइँती बइठे मनइयन प देखिके
कहेस, "ई अबहिं मोर महतारी अउर मोर भाइयन। 35जउन
परमेस्सर क इच्छा पूरी करइ उ मोर भाई, बहिन अउर
महतारी अहइँ।"

बिया बोवइ क दिस्टान्त

(मत्ती 13:1-9; लूका 8:4-8)

4 फिन ईसू झील क तीरे उपदेस देइ लाग। ओकरे
चारिहुँ ओर भारी भीर जमा होइ गइ। एँसे उ झील
मँ डारी भई नाउ प जाइके बइठा। सभई लोग झील क
तीरे धरती प ठाड़ रहा। 2उ ओनका ढेर कइ बतिया
दिस्टान्त क संग सिखाएस। आपन उपदेस मँ कहेस, 3"सुन
ल्या! एक ठु किसान आपन बिया बोवइ गवा। 4जब उ
बिया बोवत रहा कछू बिया राह क किनारे गिर गवा।
चिरियन आइन अउर चुन लिहन। 5कछू बिया पथरही
भुइयाँ प गिरा, जहँ थोड़ माटी रही। हाली स अँखुवाइ गवा
काहेकि माटी गहरी नाहीं रही। 6जब सूरज निकरा, उ
सबइ पउधन झुराइ गएन। एँही कारण जरिया न होइ
बिना कुम्हिलाइ गएन। 7अउर कछू काँटन मँ जाइ गिरेन।
कँटही झाड़ी बाढ़ी अउर ओनका दहबोच लिहन। एँहमाँ
दाना नाहीं पइदा भवा। 8कछू बिया बढ़िया खेतन मँ बिखराइ
गएन। इ बढ़िया खेतनमँ जामेन, बाढ़ेन अउर दाना पइदा
करेन। इ बिया तीस गुना, साठ गुना अउर हिआँ तलक
कि सउ गुना फसल भइ।"

9तबइ उ कहेस, "तोहरे पास जेकरे कान होइ तउ उ
सुन लेइ।"

ईसू कहत ह उ काहे दिस्टान्त बइपरत ह

(मत्ती 13:10-17; लूका 8:9-10)

10फिन जब अकेल्लॉ रहा, तउ बारहु प्रेरितन अउर
दूसर मनइयन ओकरे चारिहुँ ठई रहेन, उ सबइ ओसे
दिस्टान्त क बारे मँ पूछेन।

11उ ओनसे कहेस, "तू सबन्क परमेस्सर क राज्य
भेद बताइ दीन्ह। मुला ओनके बरे जउन बाहेर क अहइँ
सब बातन दिस्टान्त दीन्ह गइ अहइँ। 12यह बरे:

'उ सब देखइँ अउर देखॅतइ रहइँ मुला कछू
सूझइ नाहीं; सुनि लेइँ अउर सुनतइ रहइँ, मुला
कछू बूझइ नाहीं। नाहीं तउ, उ सब घूमि जाइँ
अउर छमा कइ दीन्ह जाइ।'"

यसायाह 6:9-10

बिया बोवइ क दिस्टान्त क समझाउब

(मत्ती 13:18-23; लूका 8:11-15)

13उ ओनसे कहेस, "का तू इ दिस्टान्त क समझ
पउत्या नाहीं तउ अउ कउनो दिस्टान्त क कइसे समझ
पउब्या?

14"बिया क बोवइया जउन बोवत ह, उ परमेस्सर क
उपदेस अहइ। 15कछू जने राहे क उ सब बिया क तरह
अहइँ, जहाँ उपदेस बोइ गवा रहा। जब उ सुनत हीं,
सइतान तुरंतहि आवत ह उ उपदेस क लइ जात ह, जउन
बिया बोवा रहा। 16कछू जने उ बिया क तरह अहइँ
जउन पथरही धरती मँ बोवा ग रहेन। जब उ उपदेस
सुनत हीं, उ पचे फउरन उपदेस खुसी स अपनाइ लेत हीं।
17लेकिन उ सब आपन मँ जर नाहीं धरतेन, उ सब
तनिक समइया मँ रह पावत हीं। पाछे जब उपदेस क
कारण बिपत आवत ह अउर खूबइ सतावा जात हीं, उ
पचे फउरन बिसवास खोइ देत ही। 18अउर दूसर मिला
कँटही झाड़ी मँ बिया क बोवइ क तरह अहइँ। ई मनइयन
उपदेस क सुनत हीं। 19मुला जिन्नगी क चिन्ता धन,
लालच अउर दूसर चीजन्क इच्छा ओनके मनवा मँ
आवत ही उपदेस क दबोच लेत हीं। फिन ओन प फर
लागत नाहीं। 20दूसर उ बिया क तरह अहइँ जउन बढ़िया
भुइँया प बोइ ग अहइँ। ई पचे उ अहीं जउन बचन सुनत
हीं अउर अंगीकार करत हीं। ओन प फर लागत ह-कहुँ
तीस कहुँ साठ अउर कहुँ सउ गुना या जिआदा।"

जउन तोहरे पास अहइ ओका बइपरा

(लूका 8:16-18)

21फिन ईसू ओनसे कहेस, "का कहुँ दिया यह बरे
लियाइ जात ह कि एक खोरा या बिछउना क नीचे धरा
जाइ? का एँका डिबटे प धरइ बरे नाहीं लिआइ जात?
22अइसे अइसा कछू नाहीं गुप्त है जेका छिपाइ क धरा
जाइ अइसा कउनो रहस्य नाहीं जउन खुलि न सकइ।
हर छिपाइ गइ बात खुलि के समन्नवा आई। 23तोहरे पास
जेकरे कान होइ तउ उ सुनि लेइ।

24"धिआन द्या जउन तू सुनत अहा। जउन नपना तू
दूसर बरे बइपरत अहा, तउन नपना स तू नापा जाब्या।
लेकिन तोहरे बरे कछू अउ जोरि दीन्ह जाइ। 25जेकरे
पास अहइ ओका अउर दीन्ह जाई अउर जे धरे नाहीं,
जउनहुँ कछू धरे होइ ओसे उहइ लइ लीन्ह जाई।"

बिया क दिस्टान्त

26फिन ईसू कहेस, "परमेस्सर क राज्य अइसा अहइ-कउनो मनई खेतवा मँ बिया छितरावइ। 27रतिया मँ सोवइ अउर दिनवा मँ जागइ। बिया अँखुवाइ, इ सबइ बाढ़इँ। उ जानत नाहीं, इ कइसे होत अहइ। 28भुइँया खुदइ दाना उपजाइ देत ह। पहिले अँखुवा, तब बाले फिन बाले मँ समुचइ दाना। 29जब दनवा पकि जात ह, तबहिं फउरन हसुआ काटइ बरे धरत ह। यह बरे कि फसल काटइ क अहइ।"

रइया क दनवा क दिस्टान्त

(मत्ती 13:31-32, 34-35; लूका 13:18-19)

30फिन ईसू कहेस, "मइँ कउने तरह बताई कि परमेस्सर क राज्य अइसे अहइ? मइँ ओका समझावइ क बरे कउन स दिस्टान्त बइपरी? 31उ सरसों क दाना क नाईं अहइ। इ सबते छोट अहइ जब तू भुइँया मँ बोवत ह। 32जबहिं तू एँका रोपि देत ह, इ बाढ़ छोड़िके बगिया क पउधन मँ सब ते बड़वार होइ जात ह। एँहमाँ बड़ी-बड़ी डारि आवत हीं। एँसे चिरिया आपन घोंसला छाया मँ बइठइ बरे बनावत हीं।"

33एँकरी तरह ढेर ठु दिस्टान्त स उ उपदेस दिहेस, जेतना उ पचे समझि सकत रहेन। 34ईसू उनसे बगइर दिस्टान्त क कछू नाहीं कहेस। मुला जब उ अकेल्ला मँ आपन चेलन क संग अकेल्ला होत, उ सब बातन ओनसे खोलिके समुझाएस।

ईसू बौंड़र क रोक देत ह

(मत्ती 8:23-27; लूका 8:22-25)

35उ दिन जब सांझ भइ, ईसू ओनसे कहेस, "मोरे साथ झिलिया क ओह पार आवा।" 36जइसेन ईसू अउर ओकर चेलन भिरिया क छोड़ि दिहन अउर जउनी हालत मँ ईसू रहा, वइसेन ओहका चेलन नाउ मँ लइ चलेन। हुवाँ दूसर नाउन ओकरे संग रहीं। 37एक ठु भारी बौंड़र आवा अउर लहरन नाउन क धकियावत अउर नाउ क भीतर आवत रहीं। एँसे ओहमाँ पानी भरि जाइवाला रहा। 38लेकिन ईसू नाउ क पाछे भाग मँ तकिया लगाइ क सोवत रहा। चेलन ओका जगाइन अउर ओसे कहेन, "हे गुरु, का तोहका धियान नाहीं बा कि हम पचे बूड़त अही।"

39तबहिं ईसू जागा अउर हवा क फटकारेस अउर लहरन स कहेस, "सान्त! थमि जा!" तइसे बौंड़र पटाइ गवा अउर खूबइ सान्ति आइ गइ।

40फिन ईसू ओनसे कहेस, "तू काहे डेरात बाट्या? अब तलक तोहका बिसवास नाहीं भवा?"

41मुला उ पचे डराइ गएन अउर उ पचे आपस मँ कहइ लागेन, "आखिर इ कउन बा कि आँधि अउर पानी ओकर हुकुम मानत हीं?"

ईसू मनई क दुस्ट आतिमा स छोड़ॉवत ह

(मत्ती 8:28-34; लूका 8:26-39)

5 फिन उ सब झिलिया क ओह पार गिरासेनियान क देसे मँ पहुँच गएन। 2जब ईसू नाउ स बाहेर आवा, तबहिं एक मनई जेहमाँ दुस्ट आतिमा रही, कब्रे मँ स ईसू स फउरन भेंटइ आइ। 3इ मनई कब्रन मँ रहत रहा। अउर कउनो ओका बाँधि सकत नाहीं रहा, हियाँ तलक जंजीरउ नाहीं बाँधि सकेस। 4जबहिं ओकर गोड़वा बेड़ी अउर जंजीर स बाँधा जात, उ जंजीरिया क तोरि डारत अउ बेड़ियन्क चकनाचूर। कउनो ओका काबू मँ नाहीं लिआइ पावा। 5कब्रन मँ अउर पहाड़ियन्प एँकदम्मइ दिन-रात हर समइ उ चीखत चिचिआत रहा अउर आपन क पाथर स पीटत रहा। 6जब उ ईसू क दूर स देखेस, ओके निअरे धावा अउर ओकरे समन्वा दण्डवत करेस। 7–8फिन बड़े जोर स चिचिआन अउर कहेस, "तू मोसे का चाहत ह, सबन ते ईसू, सर्वोच्च परमेस्सर क पूत? मोर बिनती अहइ तोहका परमेस्सर क सपथ कि तू मोका दंड न देइ।" ईसू ओसे कहत रहा, "अरी दुस्ट आतिमा, तू इ मनई स बाहेर आव।"

9तब ईसू ओसे पूछेस, "तोहार का नाउँ अहइ?"

फिन उ ईसू स कहेस, "मोर नाउँ सेना अहइ, काहेकि हम बहोत स अही।" 10उ मनई बार बार ओसे बिनती करेस कि उ पचेनक उ पहँटा स जिन निकारा!

11हुवाँ पहाड़िया के पास सुअरन क झुंड चरत रहा। 12दुस्ट आतिमन ईसू स कहत कहत बिनती करेन, "हमका सुअरिअन मँ पठइ द्या, जेसे हम ओहमाँ घुसि जाई।" 13तब उ ओनका हुकुम दिहेस। तबइ दुस्ट आतिमन मनई स बाहेर आइके सुअरिअन मँ गइँन। अउर उ झुंड जेहमाँ करीब दुइ हजार सुअर रहेन, झील क ढालू तरि कइँती दउड़ेन अउर सब झील मँ बूड़ गएन।

14जउन लोग सुअरिअन क रच्छा करत रहेन, पराय गएन उ पचे सहर अउर गाउँ मँ इ खबर फइलायन। अउर सब मनइयन देखइ आएन कि का भवा। 15उ सब ईसू क नगिचे पहुँचेन। उ सब दुस्ट आतिमन क सवार भइ मनई प देखेन। उ कपरा पहिरे रहा अउर दिमागे स नीक होइ गवा। इ उहई मनई रहा जेहमाँ बहुत स दुस्ट आतिमन क सवारी रही अउर उ सब डेराइ गएन। 16जउन इ घटना क देखे रहेन उ मनइयन क नीके स समझाइन कि जेहमाँ दुस्ट आतिमन क सवारी रही, अउर सुअरन क का भवा। 17तब मनइयन ईसू स बिनती करइ लागेन कि उ ओनके पहँटा स चला जाइ। 18जइसे उ नाउ मँ चढ़इ लाग, तबहिं जउने मनई मँ दुस्ट आतिमन आइ रहीं, ईसू स बिनती संग जाइ बरे किहेस।

19ईसू आपन संग जाइ बरे हुकुम नाहीं दिहस, लेकिन कहेस, "आपन लोगन्क बीच घरे जा अउर ओनका इ सब बतावा जउन पर्भू तोहरे बरे किहेस ह। अउर ओनका इ ही बतावा कि दया कइसे पर्भू करेस ह।" 20तउ उ

मनई चला गवा अउर दिकापुलिस* क मनइयन क
कहइ लाग कि केतना ढेरि क ईसू ओकरे बरे किहस ह।
एसे सब मनई अचरजे मँ पड़ि गएन।

एक ठु मरी लरिकी अउर बेरमिया स्त्री क जिन्नगी अउर चंगा करब

(मत्ती 9:18-26; लूका 8:40-56)

21ईसू अब फिन झिलिया क उ पार गवा। ओकरे
चारिहुँ कइँती बहोत भारी भीर जमा होइ गइ। उ झिलिया
क तीरे रहा। 22तबहिं आराधनालय क अधिकारी जेकर
याईर नाउँ रहा, हुवाँ आइ अउर ईसू क देखेस फिन
ओकरे गोड़वा पर गिरि गवा। 23वॅइसे चिरउरी बिनती
करत कहेस, "मोर छोट बिटिया मरइ क अहइ। मोर
बिनती अहइ कि तू मोरे संग आवा आपन हथवा ओकरे
मूँड़े प धइ द्या। एॅसे उ नीक होइ जाइ अउर जी जाई।"
24तउ ईसू ओकरे साथे गवा। बहोत भारी भीर ओका
पछुआवत रही, जेसे उ दबा जात रहा।

25हुवाँ एक ठु स्त्री रही, जेकर बारह बरिस स लहू
जारी रहा। 26उ बैद्ययन स दवाई करवावत करवावत
बहोतइ तकलीफ उठाइस। उ सब कछू खरिच कइ डाइस
जउन उ धरे रही। मुला उ तनिकउ जिआदा नीक नाहीं
होत रही; ओकर हालित जिआदा बिगड़त जात रही।
27जइसे उ ईसू क बारे मँ सुनेस, वॅइसे उ पाछे भिरिया मँ
आइ अउर ओकर ओढ़ना छुइ लिहस।

28आपन मनवा मँ उ सोचत रही, "जदि मइँ ओकर
ओढ़ना छुइ पाई तउ मइँ नीक होइ जाब।" 29अउर तुरंतहि
खुनवा बहइ क जगह सुखाइ गइ। आपन तन मँ अइसा
जानेस कि ओकर दिकदारी नीक होइ ग। 30अउर ईसू
फउरन महसूस करेस कि ओसे सक्ति निकर गइ। उ
भिरिया कइँती घूमेस अउर पूछेस, "कउन मोर ओढ़ना
छुएस?"

31ओकर चेलन ओका बताएन, "तू देखत अहा कि
भिरिया तोहका घेरित अहइ। यह पइ तू पूछत अहा,
'कउन मोका छुएस?'"

32उ चारिहुँ कइँती निहारत रहा कि कउन अइसा
करेस ह। 33तब्बइँ एक ठु स्त्री इ जानत भइ कि ओहका
का भवा ह, डर स काँपत आइ अउर ओकरे समन्वा
गोड़वा प गिर पड़ी अउ उ सबइ सच सच कबूलेस।
34तबहिं ईसू ओसे कहेस, "बिटिया! तोहार बिसवास तोका
बचाएस। चइन स रहा, अउर दिकदारी स बची रहा।"

35जब उ बोलतई रहा याईर, आराधनालय क अधिकारी
क घरे स कछू लोग आएन अउर ओसे कहेन, "तोहार
बिटिया मरि गइ। अब गुरु (ईसू) क बेफजूल काहे क
तकलीफ देत अहा?"

36ईसू अनकेस कि उ पचे का कहेन अउर
आराधनालय क अधिकारी स कहेस, "डरा जिन, मुला
बिसवास करा।"

37-38फिन ईसू सबन्क छाँड़िके सिरिफ पतरस, याकूब
अउर याकूब क भाई यूहन्ना क संग लइके आराधनालय
क अधिकारी क घरे गवा। उ निहारेस कि हुवाँ खलबली
मची बाटइ। उ मनइयन क जोर स चिचिआब पुपुआब
अउर रोवत देखेस। 39उ भीतर गवा अउर ओनसे बोला,
"काहे का इ सब खलबली अउर रोउब पीटब? बचनी
मरी नाहीं बा, उ सोवति अहइ।" 40उ सब ओहपइ हँसेन।
ईसू सबन्क बाहेर खदेरेस। बिटिया क बाप, महतारी अउर
जउन ओकरे संग रहेन, सिरिफ ओनका आपन संग
रखेस। 41उ बिटिया क हथवा पकड़ेस फिन ओसे कहे,
"तलीता कूमी" (अरथ अहइ "छोट बिटिया मइँ तोहसे
उठइ क कहत हउँ।") 42छोटवार बिटिया फउरन उठि
गइ अउर एॅहर ओहॅर टहरइ लाग। (उ बिटिया बारह
बरिस क रही।) सगतइ आलिम अचरज मँ पूरी तरह
आइ गवा। 43ईसू ओनका कर्रा हुकुम दिहेस कि कउनो
एॅकरे बारे मँ पता न चलय। फिन उ बोलेस कि उ
बिटिया क कछू खइया क द्या।

ईसू क आपन सहर मँ जाब

(मत्ती 13:53-58; लूका 4:16-30)

6 फिन ईसू उ जगहिया छाँड़ि के आपन सहर मँ आइ
गवा। पाछे ओकर चेलन भी गएन। 2जइसे सबित क
दिन आवा, उ आराधनालय मँ उपदेस देइ लाग। जइसे उ
पचे ओका सुनेन। ढेर क मिला अचरज मँ पड़ि गएन। उ
सब कहेन, "इ मनई क कहँ ते इ सब बातन मिलि गइन।
इ कइसी बुद्धि अहइ जउन एॅका दीन्ह गइ अहइ। इ
अइसा अद्भुत कारजन आपन हथवा स कइसे करत ह?
3का इ उहई बढ़ई नाहीं, जउन मरियम क बेटवा अहइ
अउर का इ याकूब, योसेस, यहूदा अउर समौन का भाई
नाहीं? का जउन हमरे हमरे संग हिआ बाटइँ, उ ओकर
बहिनियन नाहीं?" एहि तरह ओनका ईसू क मानइ मँ
असमंजस होत रहा।

4ईसू तब ओनसे कहेस, "आपन जनम भूमि, आपन
नातेदार अउर आपन परिवारे क छोड़ि के, एक नबी
कतहुँ बेइज्जत होत नाहीं।" 5हुवाँ ईसू कउनो अद्भुत
कारजन करेस नाहीं; बजाय एॅके उ कछू बेरमियाँ प
हथवा धइके ओनका चंगा कइ दिहेस। 6ओनके बिसवास
न भए प ओका अचरज भवा।

तउ ईसू गाउँ गाउँ मँ उपदेस देत घूमत रहा। 7उ बारहु
चेलन आपन निअरे बोलाएस, अउर दुइ दुइ एॅकउट के
पठवइ लाग अउर ओनका दुस्ट आतिमन प कब्जियावइ
क कहेस। 8उ ओनका सुझाएस कि उ पचे जात्रा मँ
लठिया छोड़िक कछू न लेइँ; रोटी नाहीं, झोरा नाहीं
अउर आपन बटुआ मँ पइसा हू नाहीं। 9उ सबइ बधियउरी

दिकापलिस यूनानी भाखा क सब्द जेकर अरथ
अहइ दस नगर।

पहिन सकत हीं मुला एक ठु जियादा ते बंडी भी नाहीं।
[10]फिन उ ओनसे कहेस, "जउने घर मँ तू जा, हुँवा तब
तलक जगहिया न छोड़ा जब तलक तू रुका रहा। [11]अगर
कउनो जगह तोहार सुआगत न होइ अउर हुवाँ क मनई
तोहका न सुनइँ तउ हुवाँ स तू चल द्या। आपन गोड़वा
क धूरि झाड़ द्या, जेसे ओनके खिलाफ सनद रहइ।"
[12]फिन उ पचे हुवाँ स बाहेर गएन। उ सबइ उपदेस
दिहन कि उ पचे, मनफिरावइँ। [13]उ सबइ ढेर दुस्ट
आतिमन क भगाइ दिहन अउर ढेर बेरमियन क जैतून
क तेले स मालिस करत नीक किहेन।

हेरोदेस क बिचार ईसू यूहन्ना अहइ

(मत्ती 14:1-12; लूका 9:7-9)

[14]राजा हेरोदेस* एँकरे बारे मँ सुनेस कि ईसू क नाउँ
का जस हर कइँती बिआपि गवा। कछू लोग कहत रहेन,
"बपतिस्मा देइवाला यूहन्ना मउत स जी गवा, अउर इहि
कारण अद्भुत कारजन सक्ति काज करति अहइँ।"
[15]अउर लोग कहत रहेन, "उ ईसू एलिय्याह* अहइ।"
अउर मनई कहत रहेन, "इ नबी अहइ की ईसू पुराने
जमाने क नबियन क नाईं एक ठु नबी अहइ।"
[16]जब हेरोदेस इ सुनेस, उ कहेस, "यूहन्ना जेकर मइँ
गटइया कटवाएउँ ह, उ मउत स उठि गवा।"

बपतिस्मा देइवाला यूहन्ना क कतल

[17]हेरोदेस अपुनहि यूहन्ना क जेलिया मँ बंद होइ क
अउर ओका गिरफ्तार होइ क हुकुम दिहेसि। आपन
भाई फिलिप्पुस क पत्नी हेरोदियास क कारन जेसे उ
बियाह करेस, उ अइसा कइ डाएस। [18]यूहन्ना हेरोदेस स
कहत रहा कि इ तोहका सोहत नाहीं कि तू आपन भाई
क पत्नी स बियाह किहा। [19]हेरोदियास यूहन्ना क खिलाफ
मनवा मँ डाह राखत रही अउर ओका मारइ चाहत रही,
मुला ओका मार सकी नाहीं। [20]अइसे हेरोदेस यूहन्ना स
डेरात रहा अउर ओका मालूम रहा कि यूहन्ना सही
अउर पवित्तर क मनई अहइ। यह बरे उ रच्छा करत
रहा। हेरोदेस जब यूहन्ना क बारे मँ सुनत रहा तउ उ
जिआदा अकुलाइ जात रहा। तउने प ही ओका यूहन्ना
क बारे मँ बातन सुनइ क सोहॉत रहा।
[21]तबहिं संजोग स बढ़िया अउसर आवा। हेरोदेस आपन
जन्मदिन पइ बड़वार अधिकारी, आपन सेना क नायक
अउर गलील क बड़े लोगन क भोज दिहस। [22]अउर जब
हेरोदियास क बिटिया भितरे आइके नाचेस। ओसे उ
हेरोदेस अउर भोज मँ आएन मेहमनवन क रिझाइ लिहेस।
यह पइ राजा हेरोदेस लरकीवा स कहेस, "जउन तू
चाहा तउन माँग ल्या। मइँ तोका जरूर देब।" [23]राजा
ओका अकेलॅली सपथ खाइके कहेस, "जउन तू माँगा मइँ
तोहका जरूर देब। हियाँ तक आपन राज्य क आधा
हींसा।"
[24]इ सुनि के उ आपन महतारी के निअरे गइ अउर
कहेस, "मोका का माँगे चाही?"
तउने प महतारी कहेस, "बपतिस्मा देइवाला यूहन्ना
क मूँड़ी माँगा।"
[25]अउर उ लरिकी फउरन राजा क नगिचे भीतर गइ
अउर पूछेस, "मोका चाही कि तू ताबड़तोर बपतिस्मा
देइवाला यूहन्ना क मूँड़ टाठी मँ धइ द्या।"
[26]एँसे राजा क बहोत दुख भवा। मुला यह बरे ओकर
सपथ अउर भोजे प मेहमनवन क कारण उ ओका मना
करब नाहीं चाहेस। [27]तब राजा झटपट एक ठु जल्लाद
ओकर मूँड़ काटि लिआवइ क पठएस। उ गवा अउर
जेल मँ ओकर मूँड़ काटि लिहस। [28]फिन ओकर मुँड़वा
काट कइ टाठी मँ लइ आइ अउर बिटिया क दिहस। उ
एँका आपन महतारी क दिहस।
[29]जब यूहन्ना क चेलन एँकरे बारे मँ सुनेन तउ उ
पचे आएँन अउर ओकर ल्हास उठाएन अउ कब्र मँ धइ
दिहन।

ईसू पाँच हजार स जिआदा मनई क खियाएस

(मत्ती 14:13-21; लूका 9:10-17; यूहन्ना 6:1-14)

[30]ईसू क चारिहुँ कइँती सुसमाचार क प्रचार करइवाले
प्रेरितन ईसू क पास जमा भएन। जउन उ पचे किहन
अउर सिखाएन–सब कछू बताएन। [31]तब ईसू ओनसे
कहेस, "तू पचे खुदइ मोरे संग एकांत जगहिया मँ आवा
अउर तनिक आराम करा।" फिन हुवाँ बहोत मनई क
आउब जाब लाग रहा। एँसे उ सब खाइ क समइ नाहीं
पाएन।
[32]यह बरे उ सब मिलिके खुदइ नाउ स एकांत जगहिया
मँ गएन। [33]मुला बहोत जने ओनका जात भवा देखेन
अउर पहिचानेन कि उ सब कउन रहेन। इ कारन उ
लोग सबहिं सहरन स हुवाँ धरतिया प धावत गएन अउर
उ पचे ओनसे पहिले पहुँचेन। [34]जबहिं ईसू नाउ स उतरा,
उ एक भारी भीर देखेस। तबहिं उ ओनके बरे दुखी
भवा, इ कारण कि उ सबइ बिना गड़रिया क भेड़ नाहीं
रहेन। अइसे उ बहोत बातन सिखावइ लाग।
[35]तब तलक साँझ होइ गइ। यह बरे ओकर चेलन
ओकरे नगिचे आएन अउर बोलेन, "इ एकांत जगह
अहइ अउर दिनवा ढरि ग अहइ। [36]मनइयन क पठवा,
जइसे उ पचे नगिचे खेतन अउ गाउँन मँ जाइ सकइँ अउ
आपन बरे कछू खाइके बेसहि लेइँ।"
[37]मुला जवाबे मँ ईसू ओनसे कहेस, "तू ओनका कछू
खाइके द्या।"

हेरोदेस अरथ अहइ हेरोद अंतिपस, गलील अउ पेरकि क सासक अउ महान हेरोद क बेटवा।

एलिय्याह मनई जउन ई.पू. 850 भवा रहा अउर परमेस्सर क बारे मँ लोगन्क बताएस।

उ सब ओसे कहेन, "का हम पचे जाई अउर दुई सौ
दीनार*क बराबर रोटी बेसही अउर ओनके खाइ क
बाँटी?"

38ईसू ओनसे कहेस, "केतॅनी रोटी तोहरे पास अहइ?
जा अउर देखा।"

जब उ पचे पता पाएन, उ पचे कहेन, "हमरे पाँच ठु
रोटी अउर दुइ मछरी अहइँ।"

39फिन ईसू चेलन क हुकुम दिहेस, "हर एक क
हरिअर घसिया प पंगत मँ बइठइ बरे कहा।" 40तबहिं उ
सब सउ सउ अउर पचास पचास क पंगत मँ बइठ गएन।
41तइसेन ईसू पाँच रोटिन्यक अउर दुइ मछरिन्क उठाइ
के सरग क ओर निहारत भवा धन्यबाद दिहस अउर
रोटिन्यक तोड़ेस। उ आपन चेलन क ओनका बाँटइ बरे
दिहस। 42उ सबइ भरपेट खाएन अउर उ सबइ अघाइ
गएन। 43ओकरे बाद उ सब रोटी अउर मछरी क बचा
भवा बारह टुकरन क झउआ मँ उठाएन। 44पुरुसन क
गनती जउन खइया क खाएन पाँच हजार रही।

ईसू क पानी प चलब

(मत्ती 14:22-33; यूहन्ना 6:15-21)

45फिन तुरंत ईसू आपन चेलन नाउ मँ बइठाएस, जेसे
उ सबइ जब भिरिया क बिदाई स पहिले झील क ओह
पार बैतसैदा चला जाइँ। 46ईसू भीर क बिदाई क बाद
पहाड़ी प पराथना बरे गवा।

47जब सांझ भइ, नाउ झिलिया क मँझदार मँ रही
अउर उ भुइयाँ प अकेल्ले रहा। 48उ ओनका नाउ
खेवत क मुसीबते मँ देखेस, काहेकि हवा ओनके खिलाफ
बहत रही। लगभग तीन स छ बजे क समइ भिंसारे उ
ओनके निअरे झिलिया प चलत आवा। जइसे हि ओनके
निअरे स जाइ क भवा, 49उ पचे ओका पानी प चलत
भवा निहारेन। उ सब अंजाद लगाएन कि कउनो बड़वार
दुस्ट आतिमा अहइ। एँसे उ पचे डेरात भए चिचिआनेन।
50मुला उ पचे ओका निहारेन अउर उ सब ससाइ गएन।
तुरंतहि उ ओनसे बोला, "हिम्मत रखा। इ मइँ हउँ जिन
डेराआ।" 51फिन उ ओनके संग नाउ प चढ़ि गवा, तब
आँधी पटाइ गइ। एँसे उ सबइ अचरज मँ पड़ि गएन। 52उ
पचे रोटियन क अदभुत कारज क बारे मँ समझ पाएन
नाहीं। ओनके दिमागे कठोर होइ गवा।

53जब उ सब झील पार कइ लिहन तब गन्नेसरत क
घाटे प आएन अउर नाउ क बांध लिहन। 54जबहिं उ
पचे नाउ क छाँड़ि कइ उतर आएन, मनइयन ईसू क
पहिचान लिहन। 55उ पचे समूचे पहँटा मँ भागत फिरेन
अउर बरेमियन क बिछउना प जहाँ कहूँ उ पचे सुनेन
कि ईसू हुवाँ बा, लादि क लइ जाइ लागेन। 56जहाँ कहूँ उ
गाउँ मँ कस्बन मँ या खेतन मँ जात रहा, उ पचे आपन
बेरमियन क हाटन मँ बइठाइ देतेन अउर उ पचे ईसू स
बिनती करतेन कि उ आपन ओढ़ना क एक हींसा छुअइ
दे। अउर सबइ जउन एँका छुएन नीक होइ गएन।

सौ दीनार एक ठु दिन की मजूरी क बराबर पइसा।

परमेस्सर क व्यवस्था मनई क नियम ते बड़ा अहइ

(मत्ती 15:1-20)

7 तबहिं कछू फरीसियन अउर कछू धरम सास्तिरियन
जउन यरूसलेम स आएन ओनके चारिहुँ कइँती
एँकट्ठा भएन। 2अउर उ सबइ ओकरे कछू चेलन बिना
साफ किए हथवा स खात देखेन। ("बिना साफ किया" स
मतलब इ अहइ कि उ पचन फरीसियन क बताए भए
तरीके स हथवा नाहीं धोक्त रहेन) 3फरीसियन अउर
दूसर यहूदियन खाइके नाहीं खातेन जब तलक उ सबइ
आपन हथवा क पूर्वजन क रीति स न धोइ लेइँ। 4इहइ
तरह उ सब बजारे स खाइ क बरे लावा भवा कोउ चीज
तब तक नय खातेन, जब तलक ओहका खास तरीके स
न धोइ लेइँ। इहइ तरह अउ बहोत स रितियन अहइँ,
जेका उ सबइ करत आवत हइँ-जइसे खोरा, गगरी, ताँबा
क बासन अउर गद्देदार कुर्सी क धोउब।)

5यह बरे फरीसियन अउर धरम सास्तिरियन ओसे
पूछेन, "काहे तोहार चेलन पूर्वजन क रीतिन्क करतेन
नाहीं, मुला आपन मइले हाथन स खइया क खात हीं?"

6ईसू ओनसे कहेस, "यसायाह तू जइसे कपटिन क
बारे मँ पहिले भविस्सबाणी कइ दिहस, जइसा कि लिखा
बाटइ:

'इ मनइयन ओंठवा स मोर इज्जत करत हीं मुला
ओनके मनवा मोसे दूर अहइँ
7 इ आराधना हमार करत हीं, मुला उ बेकार
अहइँ इ जो सिखावत हीं, उ मनई क बनवा
नियम अहइ।'

यसायाह 29:13

8तू पचे परमेस्सर क आदेस न उठाइ के एक कइँती धइ
दिहा अउर मनई क रीतिन्क सहारा लइके चलावत
अहा।"

9ईसू ओनसे कहेस, "तू अपन पचन क बहोत चलाक
समझत अहा। तू परमेस्सर क आदेस न ऐहि बरे टालइ
चाहत ह, जेहसे आपन रीतन्क चलाइ सका। 10जइसे मूसा
कहेस, 'आपन महतारी बाप क इज्जत द्या।'* अउर
'जउन मनई महतारी बाप क बुरा भला कहइ ओका मार
डावा।'* 11तू पचन सिखावत ह, 'जदि केउ मनई महतारी
बाप स कहत ह कि मोरे जेहि चीज स तोहका फायदा
मिल सकत ह, उ परमेस्सर क दइ दीन्ह।' 12तउ तू

'आपन ... द्या' निर्ग. 20:12; व्यवस्था 5:16.

'जउन ... डावा' निर्ग. 21:17.

ओनकर महतारी बाप बरे कछू करइ क मना करत ह।
13इ नाईं तू आपन रीति रिवाज स परमेस्सर क बचन क
बेकार बनइ देत ह, अउर अइसी बहोत स बातन तू करत
ह।"

14ईसू फिन भिरिया क बोलाएस अउर ओनसे कहेस,
"हर मनई मोरउ सुना अउर समझा। 15अइसी कउनो
चीज नाहीं जउन मनई क बाहेर स आवइ अउर ओका
भीतर जाइके असुद्ध करइ। मुला जउन चीज मनई क
भीतर स आवत हीं, उ ही ओका असुद्ध करत हीं।" 16*

17फिन ईसू भीर क छोड़ि कइ घर गवा तउ ओकर
चेलन ओसे इ दिस्टान्त क बारे मँ सवाल करेन। 18तब
ईसू ओनसे कहेस, "का तू पचे कछू नाहीं समुझ पाया?
कउनो बात जउन बाहेर ते मनई क भीतर आवत ही,
का उ ओका असुद्ध कइ सकी? 19यह बरे उ सोझई
मनई क हिरदइ मँ जात नाहीं। उ पेटवा मँ जात ह अउर
इ गुह मँ होइ क निकर जात ही।" (अइसा कहत उ सबइ
खइया क चीजन्क सुद्ध किहस।)

20अउर ईसू कहेस, "इ उही अहइ जउन मनई क
हिरदइ स आवत ह अउर ओका असुद्ध करत ह। 21मनई
क हिरदस स बुरा बिचार आवत हीं अउर अनैतिक
करम, चोराउब, कतल करब, 22व्यभिचार, लालच,
दुस्टता, चाल चपेट, बेहूदगी, जलन, चुगुलखोरी, घमण्ड
अउर बेवकूफी 23ई सब बुरी चीज भीतर स आवत हीं
अउ मनई क असुद्ध बनइ देत हीं।"

ईसू गैर यहूदी स्त्री क मदद करत ह

(मत्ती 15:21-28)

24ईसू उ जगहिया छोड़ि दिहस अउ सूर (सहर क
नाउँ अहइ) क आसपास क पहँटा मँ गवा। हुवाँ उ एक
घरवा मँ गवा अउर नाहीं चाहेस कि कउनो ओकरे
आवइ क बारे मँ जानइ। मुला उ आपन क नाहीं छुपाए
पाएस। 25असिल मँ एक ठु स्त्री जेके बिटिया क दुस्ट
आतिमा घेरि लिहे रही, ईसू क बारे मँ सुनिके फउरन
ओकरे पास आई, अउ गोड़वा प गिर पड़ी। 26इ यूनानी
क स्त्री रही अउर सुरुफिनीकी मँ पइदा भइ रही। उ
आपन बिटिया स दुस्ट आतिमा भगावइ क ईसू स बिनती
करेस। 27ईसू ओसे कहेस, "पहिले बचवन क अघाइ जाइ
द्या। इ नीक नाहीं कि बचवन क रोटी छीन लेइ अउर
कुकुरन क फेंकि देइ।"

28तब उ ओका जवाब दिहस, "पर्भू! कुकुरन हु मेजिया
क तरखाले गिरा खइया क चूर चराबा खात हीं।"

29तब ईसू ओसे कहेस, "इ जवाबे क कारण तू आपन
घर चइन स जाइ सकत ह। दुस्ट आतिमा तोहरे बिटिया
क छोड़ि दिहस।"

30एँह पइ उ घर गइ अउर आपन बिटिया क बिछउना
प लोटा पाइस तब तलक दुस्ट आतिमा ओसे निकर गइ।

ईसू गूँगा अउर बहिरा क चंगा किहेस

31तब ईसू सूर क चारिहुँ कइँती स लौटि आइ अउर
दिकापुलिस माने दस नगर क डगर स सिदोन जात भवा
गलील झील आइ गवा। 32हुवाँ कछू लोग ईसू क नगिचे
एक मनई क लइ आएन जउन बहिरा रहा अउर मुस्किल
स बोल पावत रहा। अउर उ पचे ईसू स ओह पइ हथवा
धरइ क बिनती करेन।

33ईसू भिरिया स दूर एक कइँती लइ गवा। ईसू आपन
अँगुरिया मनई क कनवा मँ डाइस। फिन उ कनवा मँ
थूक कइ, ओकर जिभिया छुइस। 34उ सरग क निहारेस,
गहरी संसिया भरेस अउर ओसे कहेस, "इप्फत्तह।" (अरथ
अहइ "खुलि जा।") 35अउर ओकर कनवन खुलि गएन
अउर जिभिया क गंठिया खुलि गइ। फिन उ साफ साफ
बोलइ लाग।

36ईसू ओनका हुकुम दिहेस कि कउनहुँ क न बतावइँ।
जेतना जिआदा उ ओनका हुकुम दिहेस उ पचे ओतनइ
जिआदा बताइन। 37उ सबइ लोग पूरपूर अचरज मँ पड़ि
गएन अउर कहेन, "ईसू हर काम नीक करत ह। उ
हियाँ तलक बहिरन क सुनइ क सक्ति देत ह अउर
गूँगन क बोलावत ह।"

चार हजार स जिआदा मनई क ईसू खियाएस

(मत्ती 15:32-39)

8 ओनही दिनन मँ दूसर अउसर प भारी भीर जमा
होइ गइ अउर ओनके पास खाइ क कछू नाहीं रहा।
उ आपन चेलन क निअरे बोलाएस अउर ओनसे कहेस,
2"मोका इन मनइयन प तरिस आवत ह, अइसे कि उ
पचे मोरे साथ पहिले क तीन दिनन स अहइँ। ओनके
लगे खाइ क कछू नाहीं। 3उ जदि मइँ ओनका घरे भूखा
पठवत हउँ, उ सबइ राहे मँ मर बिलाय जइहीं। ओहमाँ स
कछू तु ढेर दूरी स आइ अहइँ।"

4अउर ओकर चेलन जवाब दिहन, "इ जंगल मँ कतहूँ
का कउनो खूब खाइ क पाइ सकत ह, जेसे एनका
खियाइ दीन्ह जाइ?"

5उ ओनसे पूछेस, "तोहरे पास केतॅनी रोटी अहइँ?"

"सात ठु", उ पचे जवाब दिहेन।

6तब ईसू हुकुम दिहेस–भीर मइदान मँ बैठि जाइ। उ
सात रोटी लिहस, फिन परमेस्सर क धन्यबाद दिहस। उ
ओनका तोड़ेस। ओकरे बाद आपन चेलन क बाँटइ बरे
दिहस। अउर उ पचे भीर क बाँटिन। 7ओनके लगे नान्ह
नान्ह थोड़ी स मछरी भी रही। अउर उ धन्यबाद दइके
ओनका बाँटइ बरे कहेस। 8मनइयन अघाइ गएन अउर
बचा खुचा रोटी क टुकड़न स सात झउआ उ पचे एकट्ठा
करेन। 9हुवाँ करीब चार हजार पुरुसन रहेन। तब उ

पद 16 कछू यूनानी प्रतियन मँ पद 16 जोड़ा गवा
अहइ: "जदि कउनो क कनवा होय तउ उ सुन लेय!"

ओनका बिदा करेस। 10अउर तुरंतहिं उ चेलन्क लइ क नाउ मँ बइठि के दलमनूता पहँटा मँ गवा।

फरीसी ईसू क परिच्छा लेइ क कोसिस किहेन

(मत्ती 16:1-4)

11फिन फरीसियन आएन अउर ओसे सवाल करइ लागेन। उ सब ओसे एक ठु अद्‌भुत कारज बरे कहेन। उ पचे ओका परखइ बरे अइसा किहन। 12आपन मनवा मँ गहरी सांस भरत ईसू कहेस, "काहे ई पीढ़ी क मनई अद्‌भुत चीन्ह चाहत हीं? मइँ तोहका सच सच कहत हउँ। कउनो अद्‌भुत चीन्ह क पीढ़ी क न दीन्ह जाई।" 13तबहिं उ ओनका छोड़ि दिहस। फिन नाउ मँ बइठ गवा, अउर झील क उ पार गवा।

यहूदी नेतन क खिलाफ ईसू क चितावनी

(मत्ती 16:5-12)

14ईसू क चेलन खइया क जिआदा लइ आउब बिसर गएन। ओनके लगे एक ठु रोटी क बजाय कछू नाहीं रहा। 15ईसू ओनका चितावनी देत कहेस, "हुसियार! फरीसियन अउर हेरोदेस क खमीर* स बचा रहा।"

16 "हमरे लगे एक ठु रोटी नाहीं" इस प उ पचे आपुस मँ छानबीन करइ लागेन।

17उ सबइ का कहत अहइँ इ जानत भवा, ईसू ओनसे कहेस, "रोटी नाहीं होइ क कारण तू सबइ काहे सोचत बिचारत अहा? का तू अबहूँ समझत बूझत नाहीं बाट्या? का तोहार बुद्धि जड़ अहइ? 18तोहरे आँखिन अहइँ, का तू देखि सक्त्या नाहीं? तोहरे कान अहइँ, का तू सुन सकत्या नाहीं? ता तोहका याद नाहीं? 19जबहिं मइँ पाँच रोटिन्क पाँच हजार मनइयन मँ तोड़िउँ। केतना झउआ रोटी क टुकड़न स भरा भवा तू बटोर्‌या?"

उ पचे कहेन, "बारह।"

20"अउर जबहिं मइँ सात रोटिन्क क चार हजार बरे तोड़यों। कइ झउआ रोटिन्क टुकड़न क तू बटोर्‌या?"

उ सबई कहेन, "सात।"

21तबहिं उ ओनसे पूछेस, "का तू पचे अबहुँ नाहीं बूझया?"

ईसू आँधर मनई क चंगा किहेस

22उ पचे बैतसैदा गएन। हुवाँ कछू लोग ओकरे पास एक ठो आँधर पकड़ि ले आइन अउर उ सबइ ईसू स ओका छुअइ क बिनती करेन। 23उ आँधर मनई क हथवा पकड़ेस अउर ओका गाउँ क बाहेर लइ गवा। ईसू आँधर क आँखिन प थूकेस, "का तू कउनो चीज निहारत ह?"

24आँधर मनई निहारेस अउर कहेस, "मइँ मनइयन क देखत हउँ; उ सबई बिरवा क नाईं आसि पासि चलत देखत अहइँ।"

25तबहिं ईसू आपन हथवा मनई क आँखिन प पुनि धरेस। फिन उ आपनि आँखिन पूरी पूरी खोलि दिहेस। ओका आँखिन क जोती मिलि गइ। अउर उ सबहुँ क नीक-नीक निहारइ लाग। 26तब ईसू ओका घरे पठइ दिहस, इ कहत कहत, "गाउँ मँ जिन जा।"

पतरस कहत ह ईसू अहइ मसीह

(मत्ती 16:13-20; लूका 9:18-21)

27अउर ईसू अउर ओकर चेलन कैसरिया फिलिप्पी क पड़ोसी गाउँन मँ चलेन। ईसू राहे मँ चेलन स पूछेस, "लोग का कहत हीं कि मइँ कउन हउँ?"

28अउर उ सबई जवाब दिहेन, "बपतिस्मा देइवाला यूहन्ना। मुला दूसर कछू लोग एलिय्याह अउर दूसर कछू तोहका नबियन मँ एक नबी कहत हीं।"

29फिन उ ओनसे पूछेस, "तू का कहत ह मइँ कउन हउँ?"

पतरस ओसे जवाब दिहेस, "तू मसीह अहा।"

30तबहिं ईसू ओन चेलन क चितावनी दिहेस, कि ओकरे बारे मँ कउनो स जिन कहा।

31अउर उ ओनका समझाउब सुरु करेस, "मनई क पूत क बहोत दुख झेलइ पड़त ह अउर बुजुर्ग यहूदी नेतन, मुख्ययाजकन अउर धरम सास्तिरियन स धकियाइ दीन्ह जाइ। अउर उ निहचइ ही मारि डावा जाइ अउर फिन उ तिसरे दिन जी उठी।" 32ईसू ओनका इ बात सच सच बताइ दिहस। फिन पतरस ओका एक कइँती लइ गवा अउर फटकारइ लाग। 33मुला ईसू पाछे घूमि के आपन चेलन निहारेस अउर पतरस क फटकारि के कहेस, "सइतान! मोसे पाछे जा। परमेस्सर क बातन स तोहका कउनो मतलब नाहीं; मुला मनई क बातन्स तोहका मतलब अहइ।"

34तब उ भीर क चेलन संग निअरे बोलाएस अउर उ ओनका कहेस, "जदि कउनो मोरे पाछे आवा चाहत ह तउ उ आपन सब कछू तजि दे। ओका आपन क्रूस उठाइ लेइ चाही अउर ओका मोरे पाछे होइ चाही। 35मुला जउन आपन जिन्नगी क बचावा चाहत ह, उ एका खोइ देइ। अउर जउन आपन जिन्नगी मोका अउर सुसमाचार बरे खोई, उ एका बचावा चाही। 36अगर कउनो मनई आपन आतिमा खोइ के समूची दुनिया लइ लेत ह, तउ ओसे का फाइदा? 37अइसे कउनो मनई कउनो ठो चीज क बदले आतिमा नाहीं पाइ सकत। 38जदि कउनो व्यभिचार अउर पापी पीढ़ी मँ मोर नाउँ अउर उपदेस क कारण सर्मात ह तउ मनई क पूत जब पवित्तर सरगदूतन क संग आपन परमपिता क महिमा लइ के आई तउ उहउ सर्माइ जाई।"

खमीर खमीर सब्द क अरथ अहइ बुरा असर क रूप मँ।

9 अउर ईसू ओनसे कहेस, “मइँ सबन क सच सच
बताउब, जउन हियाँ खड़ा अहइँ, ओहमाँ स कछू
परमेस्सर क राज्य सक्ति क संग आवइ स पहिले देखिहीं
अउर मरइ क अंजाद न करिहीं।”

मूसा अउर एलिय्याह क संग ईसू क दरसन देब

(मत्ती 17:1-13; लूका 9:28-36)

2छ: दिना पाछे ईसू सिरिफ पतरस, याकूब अउर
यूहन्ना सबक संग लइके एक ऊँच पर्वत प खुद गवा।
हुवाँ उ ओनके समन्वा आपन भेस बदल लिहस। 3ओकर
ओढ़ना चमचमाइ लागेन एकदम्मइ उजिअर। धरती प
कउनो रंगसाज ओतना उजिअर ओसे जिआदा नाहीं धोइ
सकत रहा। 4एलिय्याह अउर मूसा भी ओनके संग परगट
भएन। अउर उ सबइ ईसू स बतियात रहेन।
5तब पतरस ईसू स कहेस, “गुरु, इ भल भवा कि हम
हियाँ अही। हमका तीन तम्बू लगाई द्या, एक तोहरे बरे,
एक मूसा बरे अउर एक ठु एलिय्याह बरे।” 6पतरस इ
यह बरे कहेस जइसे उ जानत नाहीं रहा कि का बोली। इ
तरह उ पचे डेराइ गएन।
7एक बादर आवा अउर ओनका आपन छाया स
ढाँकि लिहस। बदरा स एक अवाज कहत भइ होइ गइ,
“इ मोर पियारा पूत अहइ। ओका सुना!”
8अउर फउरन उ पचे चारिहुँ कइँती निहारेन। सिरिफ
ईसू क छाँड़िके उ पचे कउनो क देखेन नाहीं।
9जइसे उ सब पहाड़ स तरखाले उतरत रहेन, ईसू
ओनका हुकुम दिहस कि कउनो क न बतावइँ जउन उ
सब निहारेन ह, जब तलक मनई क पूत मरि गए लोगन्स
जी न जाइ।
10अउर उ सबइ इ बतिया क आपन जिअरा मँ
छिपाइ रहेन मुला उ सबइ आपुस मँ सोचत बिचारत रहेन
कि “मरिके जी उठब” क अरथ का बाटइ। 11फिन उ
पचे ईसू स पूछेन, “धरम सास्तिरियन काहे कहत हीं कि
एलिय्याह सबस पहिले आई?”*
12ईसू ओनसे कहेस, “हाँ! सब बातन क ठीक करइ
बरे एलिय्याह सबन्स पहिले आवत ह। मुला इ काहे मनई
क पूत क बारे मँ पवित्तर सास्तर अहइ कि उ बहोत स
दुःख भुगुती अउर उ घिना स दुत्कार जाई। 13मुला मइँ तू
सबन क बतावत अही, एलिय्याह आइ चुका अहइ। जउन
जउन उ पचे चाहेन, ओकरे साथ उ पचे वइसे किहन;
जइसा ओकरे बारे मँ पवित्तर सास्तरन मँ बाटइ।”

ईसू बेरमिया लरिका क चंगा किहेस

(मत्ती 17:14-20; लूका 9:37-43)

14अउर जबहिं उ सबइ दूसर चेलन क लगे आएन
तउ उ पचे एक भारी भीर क जमघट ओनके चारिहुँ
कइँती देखेन कि धरम सास्तिरियन ओनसे तहत्तुक करत
रहेन। 15जइसे ही सब मनइयन ओका निहारेन, उ पचे
विस्मय मँ पड़ि गएन अउर ओका भेंटइ बरे ओकरे
कइँती उ सबइ भागेन।
16उ ओनसे पूछेस, “तू सबइ ओनसे काहे क बारे मँ
विवाद करत ह?”
17एँह पइ एक मनई भिरिया स जवाब दिहस, “गुरु,
मइँ आपन बेटवा तोहरे लगे लिआइ अही। ओह पइ एक
ठु दुस्ट आतिमा सवारि अहइ, जउन ओका बोलइ देत
नाहीं। 18जब दुस्ट आतिमा एँका पकरि लेत ह, उ एँका
फेंकि देत ह अउर एँकरे मुँहना स झागि निकारइ लगत
ह। ओकरे बाद उ दँतवन क पीसत ह अउर उ अकड़ि
जात ह। मइँ तोहरे चेलन स कह्यों कि ओका भगावा;
मुला उ सबइ करि सकेन नाहीं।”
19तबहिं ईसू जवाबे मँ ओनसे कहेस, “अरे! बिसवास
न करइवाले मनइयो! कब तलक मइँ तोहरे लगे रइहउँ?
कब ताईं तोहरे लगे सहब? लरिकवा क मोरे लगे लिआवा
फिन उ सबइ लरिकवा क ओकरे लगे लेवाइ लिआएन।”
20जबहिं दुस्ट आतिमा ईसू क देखेस। फउरन उ
लरिकवा क अइँठ दिहस। लरिकवा भुइँया प गिरि गवा
अउर मुँहे स झाग निकारत चारिहुँ ओर लोटइ पोटइ
लाग। 21तब्बइ ईसू लरिका क बाप स पूछेस, “इ अइसा
कब स लरिकवा क होत अहइ?”
तब बाप कहेस, “अइसा बचपन स होत आवत अहइ।
22दुस्ट आतिमा एँका कइउ दाईं आगी मँ अउर कबहुँ
पानी मँ मारइ खातिर नाइ देत ही। लेकिन का तू कछू
कइ सकत ह? हम पइ दया करा अउर हमार मदद
करा।”
23ईसू ओसे कहेस, “तू कह्या जदि तू कछू कइ
सका? जउन बिसवास करी, ओका बरे सब कछू होइ
जाई।”
24तुरंतहीं लरिका क बाप चिचिआन अउर कहेस,
“मइँ जरूर बिसवास करत हउँ। तू हमार अबिसवास
हटावा।”
25जब ईसू देखेस कि भारी भीर ओकरे लगे निचकात
अहइ, उ दुस्ट आतिमा क ललकारेस अउर एँका कहेस,
“ओ दुस्ट आतिमा! तू इ बचवा क गूँगा बहिरा करइवाली
मइँ तोका हुकुम देत अही। ओसे बाहेर आव, ओहमाँ
फिन स घुस जिन।”
26तब उ दुस्ट आतिमा चिचिआन अउर लरिकवा क
सपटिके अँइठेसि अउर ओसे बाहेर गइ। अइसन लगा
कि लरिकवा मर गवा अहइ। बहुत स लोग कहेत, “उ
मर गवा!” 27फिन ईसू ओकर हाथ पकरि क उठाएस
अउर ओका गोड़वन प खड़ा करेस अउ लरिका खड़ा
होइ ग। 28ओकरे पाछे उ घर मँ गवा अउर ओकर
चेलन अकेल्ले मँ पूछेन, “काहे क हम दुस्ट आतिमा क
भगाइ नाहीं सकेन?”

एलिय्याह सबसे पहले आई मलाकी 4:5-6.

29एँह पइ ईसू जवाब दिहेस, “इ तरह दुस्ट आतिमा
बगैर पराथना क बाहेर नाहीं आवत।”

आपन मउत क बारे मँ ईसू क कहब

(मत्ती 17:22-23; लूका 9:43-45)

30उ सबइ हुवाँ छोड़ि चलेन अउर गलील होइ क जात
रहेन अउ ईसू नाहीं चाहत रहा कि कउनो एका जानइ
कि उ सब कहाँ बाटेन? 31यह बरे उ आपन चेलन क
सिच्छा देत रहा। उ ओनसे कहेस, “मनई क पूत मनइयन
क हाथन स पकड़वाइ जाई अउर उ सबइ ओका मारि
डइहीं। मारि डाए क तीन दिना क पाछे उ जिन्दा होइ
जाइ।” 32मुला चेलन इ न समझेन कि ईसू का मतलब
अहइ अउर उ ओसे एँकरे बारे मँ पूछइ क डेरात रहेन।

ईसू कहत ह कि सबते बड़कवा कउन अहइ

(मत्ती 18:1-5; लूका 9:46-48)

33ईसू चेलन क साथ कफरनहूम आएन। उ सबइ
एक घरे मँ गएन। उ ओनसे पूछेस, “राहे मँ तू सबइ का
बतियात रह्या?” 34मुला उ सबइ खमोस होइ गएन। यह
बरे उ सबइ राहे मँ एक दुसरे स सोचेन बिचारेन कि
कउन सबस बड़कवा अहइ। 35तउ उ बैठि गवा। उ
बारहु प्रेरितन आपन नगिचे बोलाएस अउर ओनसे कहेस,
“जदि कउनो सब स बड़का होइ चाहत ह, तउ ओका सब
स छोट होइ क परी अउर उ सबन क नउकर होइ।”
36अउर एक बचवा क लइके सब क समन्वा खड़ा
किहेस। ओका आपन कोरा मँ लेत भवा ईसू ओनसे
कहेस, 37“जउन एकउ इन बचवन मँ एकउ क मोरे
नाउँ स अपनावत ह, उ हमार सुआगत करत अहइ। उ
न सिरिफ मोका अपनावत ह, मुला उहउ क अपनावत
ह, जउन मोका पठएस ह।”

जउन हमार बिरोधी नाहीं, उ हमार आटइ

(लूका 9:49-50)

38यूहन्ना ईसू स कहेस, “गुरु, हम तोहरे नाउँ स
कउनो क दुस्ट आतिमन क बाहेर निकारत देखेन ह।
हम ओका रोकब चाहा, मुला उ हम पचन मँ नाहीं
रहा।”
39फिन ईसू कहेस, “ओका रोका जिन। इ नाते जउनहुँ
मोरे नाउँ स अद्भुत कारजन चाहत बाटइ, उ फउरन
मोरे बरे भद्दी बात न कहि पाई। 40जउन मोरे खिलाफ
नाहीं, उ हमरे कइँती अहइ। 41जउनहुँ तोहका एक लोटा
पानी भरि के देइ कि तू मसीह क बाट्या, मइँ तोहका
सच सच बतावत हउँ, उ जरूर सुफल होइ जाए बिना न
रही।
42“जउन इन नान्ह बचवन मँ स कउनो क जउन
मोरे मँ बिसवास करत हीं, ओनसे पाप करावत हीं, तउ
ओकरे बरे इ नीक होइ कि ओकरे गटइया मँ चकिया
क पाट बाँधिके ओका समुद्दर मँ झोंकि देई। 43जदि
तोहार हाथ तोसे पाप करवावत ह, तू एँका काट द्या।
हथ कटा होइ क अनन्त जीवन मँ प्रवेस करना नीक
अहइ। बजाए एँहके कि दुइ हाथ धरइ अउर नरक मँ
नाइ दीन्ह जाइ, जहाँ अगिया कबहुँ न बुझत। 44* 45जदि
तोहार गोड़ तोसे पाप करावत ह, ओका काट द्या। लँगड़ा
होइ क अनन्त जीवन मँ प्रवेस करना जिआदा नीक होइ,
बजाय एँकरे कि दुइनउँ गोड़वा धइ क नरके मँ नाइ
दीन्ह जाइ। 46* 47जदि तोहार आँख तोसे पाप करावत ह,
ओका निकारि डावा। काना होइके परमेस्सर क राज्य
मँ घुसब जिआदा नीक अहइ, बजाय कि दुइ आँखिन
वाला होइके नरक मँ नाइ दीन्ह जाइ। 48जहाँ क किरवा
मरतेन नाहीं। हुवाँ आगी कबहुँ बुझत नाहीं। 49हर मनई
क आगी प नोनखार कीन्ह जाय।
50“नोन नीक होत ह जदि नोन आपन सेवाद तजि देइ,
तउ एँका नोनखार फिन कइसे बनउब्या? आपन मँ नोन
राखा। एक दूसर क संग सांति स रहा।”

तलाक क बारे मँ ईसू क उपदेस

(मत्ती 19:1-12)

10 फिन ईसू उ जगह छोड़ि दिहस अउर यहूदिया क
पहँटा अउर यरदन नदी क पार गवा। फिन भीर
प भीर ओकरे नगिचे आवइ लाग। जइसे ओकर रीति
रही, ईसू ओनका उपदेस देइ लाग।
2अउर कछू फरीसियन ओकरे लगे आएन अउर उ
सबइ ओसे पूछेन, “का इ कनून पुरुस क लिये नीक
बाटइ कि उ आपन पत्नी क तलाक देइ दे?” उ सबइ
ओसे ओका जाँचइ बरे पूछेन।
3ईसू ओनका जवाब दिहेस, “मूसा तोहका का आदेस
दिए बाटेन?”
4उ सबइ कहेन, “मूसा पुरुस क एक ठु तलाक क
त्याग पत्र लिखिवाइ आपन पत्नी क तलाक बरे हुकुम
दिहेस।”
5ईसू ओनसे कहेस, “मूसा इ आदेस यह बरे लिखेस
कि तू सबइ नासमुझ अहा। 6सृस्टि क सुरुआत स, ‘परमेस्सर
पुरुस अउर स्त्री बनाएस।’* 7‘यह बरे पुरुस आपन महतारी
बाप क छोड़ि देइ अउर आपन पत्नी क संग रही।’*
8दुइनउँ एक तन होइ जइहीं। तइसे उ दुइनउँ अलग नाहीं;
मुला एक ठु अहइँ। 9यह बरे जेकर परमेस्सर जोरि दिहे
अहइँ, ओहका मनई क अलग नाहीं करइ चाही।”

पद 44 मरकुस की कछू यूनानी प्रतियन मँ पद 44 जोड़ा गवा अहइ, ई भाग पद 48 क समान अहइ।

पद 46 मरकुस की कछू यूनानी प्रतियन मँ पद 46 जोड़ा गवा अहइ, ई भाग पद 48 क समान अहइ।

‘परमेस्सर ... बनाएस’ उत्पत्ति 1:27.

‘यह ... रही’ उत्पत्ति 2:24.

10जब उ सबइ घरवा मँ फिन स आएन, तउ चेलन
एॅकरे बारे मँ ओसे पूछेन। 11अउर ईसू ओनसे पूछेस,
“जउन आपन पत्नी क तलाक दइ देत ह, अउर दूसर
स्त्री स बियाह करत ह, उ ओकरे खिलाफ व्यभिचार
करत ह। 12अगर स्त्री आपन पति क तजि देत ह अउर
दूसर पुरूस स बियाह करत ह, तो उ व्यभिचारी ह।”

ईसू बचवन क आसीर्बाद बरे

(मत्ती 19:13-15; लूका 18:15-17)

13फिन मनइयन गदेलन क ओकरे लगे लइ आवइ
लागेन, इ नाते कि उ ओनका छुइ लेइ अउर आसीर्बाद
देइ मुला चेलन ओनका फटकारि दिहन। 14जब ईसू इ
देखेस, उ कोहाय ग अउर उ ओनसे कहेस, “गदेलन क
मोरे निअरे आवइ द्या। ओनका जिन रोका, इ नाते
परमेस्सर क राज्य अइसन स नाता जोरत ह। 15मइँ
तोहका सच सच बतावत हउँ, जउन परमेस्सर क राज्य
क गदेलन क नाईं सुआगत न करी, उ राज्य मँ कबहुँ न
घुसी।” 16ईसू आपन कोरा मँ गदेलन क उठाएस। उ
आपन हथवा ओनके ऊपर धरेस अउर आसीर्बाद दिहेस।

ईसू स धनी मनई क सवाल

(मत्ती 19:16-30; लूका 18:18-30)

17जॅइसे उ जात्रा प जाइ क रहा, एक मनई ओकरे
लगे आइ अउर घुटुनुवा टेकि के बोला अउ ओसे पूछेस,
“उत्तम गुरु! अनन्त जीवन पावइ क हक बरे ओका का
करइ क चाही?”

18ईसू ओसे कहेस, “तू मोका उत्तम काहे कहत ह?
सिरिफ परमेस्सर क छोड़िके कउनो उत्तम नाहीं। 19तू
आदेस क जानत ह। ‘जीउ जिन मारा, व्यभिचार जिन
करा, चोरी जिन करा, झूठी गवाही जिन द्या, ठगी जिन
करा, आपन महतारी बाप क इज्जत करा।’*”

20उ मनई ओसे कहेस, “गुरु मइँ आपन लरिकइँ स
इन सब बातन पर चलत आवत हउँ।”

21ईसू ओका निहारेस। ओकरे बरे पिरेम भाउ रखेस
अउर ओसे कहेस, “तोहमाँ एॅक बात क कमी अहइ जा
अउर बेंचि आवा जउन तू धरे अहा। तब एक गरीबे क
द्या। ओकरे बाद तू सरगे मँ खजाना रखब्या। तब्बई तू
आवा अउर मोरे पाछे चला।”

22अइसे बयान पर ओकर मुँह उतर गवा अउर निरास
होइ के चला गवा। इ नाते कि उ धनवान रहा। 23ईसू
चारिहुँ कइँती देखेस अउर आपन चेलन स कहेस, “केतना
मुस्किल बाटइ ओनके बरे जउन धनी होइके परमेस्सर
क राज्य मँ घुसइ चाहत अहइँ!”

24चेलन इ बचनन प अचरजि मँ परि गएन। तउ
फिन ईसू ओनसे कहेस, “मोर गदेलन! परमेस्सर क
राज्य मँ घुसब केतना मुस्किल अहइ। 25ऊँट क सुई क
नोंके स घुसरब असान अहइ, बजाय एक धनी मनई क
परमेस्सर क राज्य मँ जाब!”

26ओनका अउ जिआदा अचरज भवा, अउर आपुस
मँ एक दुसरे स बतियाइ लागेन, “तब कउने क उद्धार
होई?” 27ओनका लखत, ईसू कहेस, “मनई अइसा कबहुँ
नाहीं कइ सकत, मुला इ परमेस्सर बरे अइसा नाहीं।”

28पतरस ओसे कहइ लाग, “देखा, हम सब कछू तजि
दिहन अउर तोहरे पाछे होइ गएन!”

29ईसू कहेस, “मइँ तोसे सच सच कहत हउँ, कउनो
अइसा नाहीं जउन मोरे बरे अउर सुसमाचार बरे घर-दुआर,
भाइयन, बहिनियन, महतारी, बाप, गदेलन, खेत अउर
क तजि देइ, 30जउन इ जुगे मँ घरन भाइयन, बहिनियन,
महतारियन, गदेलन अउर खेतन क संग सताव सउ गुना
जिआदा न पाइ, अउर आवइवाला जुग मँ अनन्त जीवन।
31मुला बहोत जने जउन आज सबते पाछे अहइँ, उ सबते
पहिले होइहीं। जउन सब ते पहिले अहइँ, उ सबइ पाछे
होइहीं।”

ईसू आपन मउत क भविस्सबाणी किहेस

(मत्ती 20:17-19; लूका 18:31-34)

32फिन उ सबइ यरूसलेम जात जात रस्ता मँ रहेन,
ओनमें ईसू सबते आगे चलत जात रहा। उ सबइ खुबइ
अचिरजे मँ डेरानेन। जउन पाछे रहेन, उ पचे ससान
रहेन। ईसू बारहु प्रेरितन क एक कइँती लइ गवा अउर
ओनका बतावइ लाग कि ओकरे संग का घटइवाला
अहइ। 33“सुन, हम पचे यरूसलेम जात अही, अउर मनई
क पूत क दुराव स मुख्ययाजकन अउर धरम सास्तिरियन
पकड़वाइ के दइ देइहीं। अउर उ सबइ ओका मउत क
सजा देकर गैर यहूदी क दइ देइहीं। 34जउन ओकर हँसी
करिहीं अउर उ पचे ओह पइ थुकिहीं। उ सबइ ओका
कोड़ा स पिटहीं अउर मारि डइहीं। तीन दिना क पाछे उ
जी जाई।”

याकूब अउर यूहन्ना क ईसू स हठ

(मत्ती 20:20-28)

35फिन जब्दी क बेटवन याकूब अउर यूहन्ना ओकरे
लगे आएन अउर ओसे कहेन, “गुरु, हम चाहित ही कि
हम जउन तोसे करइ क कही, ओका तू हमरे बरे कइ
द्या।”

36ईसू ओनसे कहेस, “तू मोसे आपन बरे का करवावइ
क चाहत ह?”

37उ सबइ ओसे कहेन, “तू आपन महिमा मँ हम
पचेन क बइठइ क अधिकार द्या। हम पचेन मँ एक ठु
तोहरे दाएँ अउर एक ठु तोहरे बाएँ बइठइ।”

38ईसू ओनसे कहेस, “तू जानत ह नाहीं कि तू सबइ
का कहत ह। जउन लुटिया मइँ पिअइ जात हउँ, का तू

‘जीउ … करा’ निर्ग. 20:12-16; व्यवस्था 5:16-20.

पी सकत ह? का जउन बपतिस्मा मइँ लेवइ क हउँ, का तू पचे उ बपतिस्मा क लइ सकत ह?"

[39]उ पचे ओसे कहेन, "हम वइसा करि सकित ह!" फिन ईसू ओनसे कहेस, "का तू सबइ लुटिया भरि के पीब्या जउन मइँ करि सकत हउँ। जउन बपतिस्मा मइँ लेइ का हउँ, का तू सबइ लइ सकत ह। [40]मुला मोरे दाएँ अउर बाएँ बइठइ का जगहिया देब मोर अधिकार नाहीं अहइ। इ जगहियन ओनही मनइयन क बरे अहइँ, जेनके बरे उ सबइ तइयार कीन्ह ग अहइँ।"

[41]जब बाकि दसहु एँकरे बारे मँ सुनेन तउ उ पचे याकूब अउर यूहन्ना प गुस्सा करेन। [42]फिन ईसू आपन लगे ओनका बोलाएस अउर ओनसे कहेस, "तू जानत ह कि जउन गैर यहूदियन प राज करत हीं, उ हुकुम ओन पइ चलावत हीं अउर ओनका अउर ओनके मुख्य नेतन क ओन प प्रभाव बाटइ। [43]मुला तोहरे संग अइसा नाहीं बाटइ। तू सबन मँ जउन बड़वार होइ चाहत ह, उ तोहार नउकर बनइ। [44]अउर तू पचन मँ जउन मुखिया बना चाहइ उ तोहार गुलाम बनइ। [45]मनई क पूत हु सेवा करावइ नाहीं आइ अहइ मुला उ सेवा करइ आइ अहइ अउर आपन जीउ क बहोतन क छुटकारा बरे आइ अहइ।"

आँधर क आँखिन

(मत्ती 20:29-34; लूका 18:35-43)

[46]फिन उ सबइ यरीहो आएन अउर जब ईसू एक भारी भीर क संग आपन चेलन क लइके यरीहो जात रहा तउ तिमाई क बेटवा बरतिमाई नाउँ क एक ठो आँधर भिखमंगा सरक क किनारे बइठा रहा। [47]जब उ सुनेस कि नासरत क ईसू अहइ, उ चिचिआइ क कहइ लाग, "ईसू, दाऊद क पूत! मो पर द्या कर!"

[48]अउर बहोत मिला ओका डाटेन अउर ओका चुप रहइ क कहेन। तब ओकर अवाज ऊँच स ऊँच होत गइ, "दाऊद क पूत! मो प द्या कर!"

[49]तउ ईसू रोकेस अउर कहेस, "ओका बोलॉवा।"

यह पइ उ सबइ आँधर क बोलाँएन अउर ओसे कहेन, "मनवा क मजबूत कर। खरा ह्वा। ईसू तोहका बोलावत ह।"

[50]उ आँधर आपन लबादा फेंकि दिहस अउर उछरि पड़ा अउर फिन ईसू क लगे गवा।

[51]तब ईसू ओसे कहेस, "तू मोसे आपन बरे का करवावइ चाहत ह?"

आँधर ओसे कहेस, "हे गुरु, मइँ पुनि देखइ चाहत हउँ।"

[52]तउ ईसू ओनसे कहेस, "जा। तोहरे बिसवास स तोहार उद्धार भवा।" अउर उ फउरन देखइ लायक होइ सका। फिन उ ईसू का पाछे सरक प किहेस।

ईसू यरूसलेम मँ राजा क नाईं घुसत ह

(मत्ती 21:1-11; लूका 19:28-40; यूहन्ना 12:12-19)

11 फिन जइसे यरूसलेम क नगिचे जैतून क पहाड़ी प बैतफगे अउर बैतनिय्याह पहुँचेन, उ आपन चेलन मँ दुइ क पठएस। [2]अउर ओसे कहेस, "जा गाउँ मँ जइसे तू हुआँ घुसब्या, तू एक ठु गदही क बच्चा बाँधा भवा पउब्या, जेह प पहिले कबहुँ नाहीं कउनो चढ़ा होई। ओका खोल द्या अउर हियाँ लिआवा। [3]जदि तोसे कउनो पूछइ कि तू अइसे काहे करत अहा, तउ तू कह्या, 'पर्भू क एँकर जरूरत अहइ, फिन उ एँका फउरन पठइ देइ।'"

[4]तउ उ पचे चलि पड़ेन। उ गदही क बच्चा क बँधा भवा दुआर क नगिचे खुली गली मँ पाएन। उ पचे ओका छोरि दिहन। [5]कछू मनई जउन हुवाँ खरा रहेन ओनसे पूछेन, "उ गदहिया क बच्चा क काहे तू पचे छोरिके का करत बाट्या?" [6]उ पचे ओनका बताएन जउन ईसू कहेस। तउ उ सबइ ओनका जाइ दिहेन। [7]उ पचे गदहिया का बच्चा क ईसू क लगे लइ आएन। अउर उ पचे आपन ओढ़ना ओह प डारि दिहन। फिन ईसू ओह प बइठा। [8]बहोत मिला आपन लबादा क सरकिया प डारि दिहन अउर दूसर खेते स टहनियन क काटि लिहन अउर हुवाँ बिछाइ दिहन। [9]उ मनइयन जउन ईसू क अगवा अउर पाछे चलत रहेन, उ पचे पुकार रहेन:

"'होसन्ना!* धन्य अहइ उ जउन पर्भू क नाउँ
प आवत ह।'
भजन संहिता 118:25-26

10 धन्य अहइ हमार पिता दाऊद क राज्य क
अवाई जउन आवत अहइ, होसन्ना सरग
मँ।"

[11]तब ईसू यरूसलेम घुसा अउर मंदिर मँ घुसा। उ हर चीज क चारिहुँ कइँती निहारेस। यह बरे दिन ओनवत देर होइ गइ। उ बारहु प्रेरितन क संग बैतनिय्याह चला गवा। [12]दुसरे दिन जब उ सबइ बैतनिय्याह स निकसत रहेन, ओका भूखि लाग। [13]तनिक दूरी प ओका एक ठु हरिअर अंजीर क पेड़ देखान। उ देखइ गवा कि ओका कछू खाइके ओह प मिल जाइ। जब उ पेडे के लगे आवा, उ पातिन छोड़िके कछू नाहीं पाएस, काहेकि इ रितु अंजीर क नाहीं रही। [14]तबहिं उ बिरवा स कहेस, "अब तोसे कबहुँ कउनो तोहार फल फिन न चखी।" ओकर चेलन इ सुनेन।

होसन्ना इब्रानी सब्द परमेस्सर क साहायता बरे पराथना कीन्ह जात अहइ। इस समइ परमेस्सर या मसीह बरे प्रसंसा अउ आनन्द अहइ।

ईसू क मंदिर जाब

(मत्ती 21:12-17; लूका 19:45-48; यूहन्ना 2:13-22)

15तबहिं उ सबई यरूसलेम गएन अउर उ पचे मंदिर
मँ घुसेन तउ ईसू ओनका निकारइ लाग जउन मंदिर मँ
बेसहत अउर खरीदत रहेन। उ पइसे क लेब देब करइया
महाजनन क चउकियन क पलट दिहस अउर कबूतरे
क बेचवइयाँ क बिंचिया पलटेस 16उ मंदिर मँ स कउनो
क तनिकउ कछू नाहीं लइ जाइ दिहस। 17तबहिं उ
ओनका उपदेस देइ लाग। फिन उ ओनसे कहेस, "का इ
पवित्तर सास्तरन मँ लिखा नाहीं बाटइ कि, 'मोर घर
पराथना घर कहा जाई?'* मुला तू पचे ऍका 'चोरन क
अड्डा' बनइ दिहा।"* 18जबहिं मुख्ययाजकन अउर धरम
सास्तिरियन इ बात सुनेन, उ सबइ ओका मारि डारइ क
तरकीब सोचइ लागेन। अइसे उ पचे डेरानेन, काहेकि
ईसू क उपदेस स सब मनइयन अचरजि मँ पड़ि गएन।
19फिन जब सांझ भइ तउ उ सबइ सहर स बाहेर गएन।

बिसवास क सक्ति

(मत्ती 21:20-22)

20दुसरे दिन भिंसारे जबहिं ईसू आपन चेलन क संग
जात रहा तबइ उ पचे उ अंजीर क बिरवा क जड़े स
झुराइ गवा देखेन। 21तइसे पतरस याद कइके ईसू स
कहेस, "हे गुरु, जउने अंजीर क बिरवा क तू सराप्या ह,
उ झुराइ गवा ह।"

22ईसू ओनका जवाब दिहेस, "परमेस्सर मँ बिसवास
राखा। 23मइँ तोसे सच सच कहत हउँ: जदि कउनो इ
पहाड़े स कही 'तू उठि जा अउर समुद्दर मँ फाट पड़ा।'
अउर ओकरे मनवा मँ रचिकउ संदेह नाहीं रही मुला
बिसवास होई कि जइसा उ कहेस ह, वइसा होइ जाइ तउ
ओकरे बरे वइसा होई। 24यह बरे मइँ तोहका बतावत
अही कि तू पराथना मँ जउन मंगब्या बिसवास करा उ
तोहका मिलि गवा ह अउर उ तोहरा होइ ग अहइ।
25अउर जब कबहुँ तू पराथना करत खड़ा होइ जा तउ
कउनो क खिलाफ तोहका सिकाइत होई तउ ओका तू
छमा कइ द्या जेसे सरगे मँ स्थित तोहार परमपिता तोहरे
पापन्क छमा कइ देई।" 26*

यहूदी नेतन क ईसू क अधिकारे प संदेह

(मत्ती 21:23-27; लूका 20:1-8)

27फिन उ पचे यरूसलेम लउट आएन। ईसू जब मंदिर
मँ टहरत रहा तउ मुख्ययाजकन, धरम सास्तिरियन,
बुजुर्ग यहूदी नेतन ईसू क लगे आएन। 28उ पचे ईसू स
कहेन, "हमका बतावा! तू इ कामन क कउने अधिकार
स करत बाट्या? कउन तोहका अधिकार दिहेस ह?"

29ईसू ओनसे कहेस, "मइँ तोहसे एक सवाल पूछत
हउँ। तू मोरे सवाल क जवाब द्या? तउ मइँ तोहका
बताउब कि कउने अधिकारे स मइँ इ काम करत हउँ।
30मोका बतावा: यूहन्ना जउन बपतिस्मा देत रहा, का
ओहका सोझे सरगे स या मनई स मिला रहा?"

31ईसू क सवाले प उ सब बिचारत बिचारत आपुस मँ
कहइ लागेन कि, "जदि हम पचे इ कहित ह, 'ओका इ
सरगे स मिला रहा', तउ ईसू कही, 'फिन तू पचे ओह प
बिसवास काहे नाहीं करत्या?' 32अउर जदि हम पचे इ
कही, 'उ मनई स पाए रहा' तउ सब मनई हम प रिसियाइ
जइहीं।" (ई नेतन लोग मनइयन स डेरात रहेन। सब
मनइयन क बिसवास रहा कि यूहन्ना नबी अहइ।)

33यह बरे यहूदी नेतन ईसू स कहेन, "हम पचे जानित
नाहीं।"

यह पइ ईसू ओनसे कहेस, "तउ फिन मइँ तोहका
नाहीं बतावत अही कि इ काज मइँ कउने अधिकारे स
करत हउँ।"

परमेस्सर आपन पूत क पठएस

(मत्ती 21:33-46; लूका 20:9-19)

12 ईसू दिस्टान्त कथा खोलि के समझावत ओनसे
कहइ लाग: "एक मनई अंगूरे क बाग लगाएस
अउर ओकरे चारिहुँ कइँती चहरदेवार बनएस। फिन उ
अंगूरे क रस धरइ बरे एक गड़हा खोदेस अउर ओकरे
बाद एक ठु बुर्ज खड़ा करेस। फिन उ कछू किसानन क
लगाने प दिहस अउ जात्रा प चला गवा। 2फिन अंगूर
पकइ क रितु मँ उ एक ठु नउकर पठएस जेसे उ
किसानन स जउन अँगूर पक गवा अहइँ, ओहमाँ स
ओकर हींसा लइ आवइ। 3उ मुला उ सबइ नउकर क
पकरिके पीटेन, ओका खालि हाथे भगाइ दिहन। 4उ एक
ठु अउ नउकर हुवाँ पठएस। उ किसानन ओकर मुड़वा
फोड़त ओका बेज्जत करेन। 5उ फिन एक ठु अउ नउकर
पठएस, जेकर उ सब कतल कइ दिहन। उ इ तरह कई
ठु नउकरन क पठएस, जेनका उ सब मारेन पीटेन
अउर केतनन क मारि डारेन।

6 "अब ओकरे लगे पठवइ क आपन पियारा बेटवा
ही बचा रहि गवा। आखिर उ ओनके लगे इ कहत
पठएस, 'उ पचे मोरे बेटवा क मान सम्मान जरूर करिहीं।'

7"उ किसानन एक दुसरे स कहेन, 'इ तउ ओकर
वारिस अहइ। आवा, ऍका मारि डाई। अइसे हम पचे
एकर वारिस होई जाब।' 8उ सबइ ओका पकरि के मारि
डाएन अउर ओका अंगूर क बागे स बाहेर फेंकि दिहन।

9"यह पइ अंगूर क बगिया क मालिक का करी? उ
आइके किसानन क मारि डाई अउर बगिया क दुसरे क

'मोर ... जाई' यसा. 56:7.

'चारेन ... दिहा' यिर्म. 7:11.

पद 26 कछू यूनानी प्रतियन मँ पद 26 जोड़ा गवा अहइ: "मुला जदि तू पचे छमा नाहीं करत्या तउ तोहार सरगे मँ परमपिता तोहरे पापन्क छमा न करी।"

दइ देई। 10का तू पचे पवित्तर सास्तर का बचन नाहीं
बांच्या:

> ‘उ पाथर जेका राजगीर बेकाम क समझेन
> उहइ कोने क पाथर बनि गवा।
> 11 इ पर्भू करेस, जउन हमरे निगाहे मँ अजूबा
> बाटइ।’”

भजन संहिता 118:22-23

12उ सबइ जान गएन कि उ जउन दिस्टान्त उ दिहेस
ह उ ओकरे खिलाफ रहा। तउ उ पचे ओका गिरफ्तार
करइ के कउनो कुचाल खोजइ लागेन, मुला उ पचे
मनइयन स डेरात रहेन। यह बरे ओका तजि के गएन।

यहूदी नेतन क ईसू क छलइ क चाल

(मत्ती 22:15-22; लूका 20:20-26)

13तब यहूदी नेतन ईसू क बातन मँ फँसावइ क बरे
कछू फरीसियन अउर हेरोदियन क ओकरे नगिचे पठएन।
14जउन ओकरे निअरे फरीसियन अउर हेरोदियन रहेन
उ सबइ कहेन, “गुरु, हम पचे जानित ह कि तू बहोतइ
ईमानदार मनई अहा अउर तू इ बात क रचिकउ फिकिर
करत्या नाहीं कि दूसर मनई का सोचत हीं। तू मनई क
हैसियत या ओकर रुतबा क ध्यान न देत परमेस्सर क
राहे क सीख देत ह। तउ बतावा न कि कैसर क कर देब
ठीक बाटइ की नाहीं। हम ओका कर अदा कइ देइ कि
नाहीं?”

15ईसू ओनकइ चाल चपेट जानि गवा। उ ओनसे
कहेस, “तू मोका काहे परखत ह? एक ठु दीनार लिआवा
काहेकि ओका मइँ लखि सकउँ।” 16तउ उ पचे एक ठु
दीनार लइ आएन। फिन ईसू ओनसे पूछेस, “यह पइ
केकर चेहरा अउर नाउँ लिखा बाटइ?” उ पचे कहेन,
“कैसर क।” 17तब ईसू ओनका समझाएस, “जउन कैसर
क अहइ, ओका कैसर क द्या अउर जउन परमेस्सर
क अहइ ओका परमेस्सर क द्या।” तउ उ पचे अचरजि
मँ पड़ि गएन।

सदूकियन क चाल

(मत्ती 22:23-33; लूका 20:27-40)

18फिन कछू सदूकियन, पुनरुत्थान क नाहीं मनतेन,
ओकरे नगिचे आएन अउर उ पचे ओसे पूछेन, 19“गुरु,
मूसा हमरे बरे लिखेस कि जदि कउनो क भाई मरि जाए
अउर ओकरे पत्नी क कउनो लरिका न होइ तउ ओकरे
भाई क चाही कि उ ओसे बियाह करइ अउर फिन
आपन भाई क बंस क चलावई। 20एक दाई क बात
अहइ कि सात ठु भाई रहेन। सबते बड़का भाई बियाह
करेस अउर निपूत होइके मरि गवा। 21फिन दूसर भाई
उ स्त्री स बियाह करेस, पर उहउ निपूत होइके मरि
गवा। तिसरका भाई भी वइसे करेस। 22सातहु भाइयन मँ
कउनो क कउनो संतान नाहीं भइ। आखिर उ स्त्री भी
मरि गइ। 23मउत क बाद जबहिं उ पचे जी उठिहीं, तउ
बतावा उ स्त्री केकर पत्नी होई? काहेकि उ सातहु
ओका आपन पत्नी क तरह राखे रहेन।”

24ईसू ओनसे कहेस, “तू पचे न तउ पवित्तर सास्तरन
क जानत ह अउर न परमेस्सर क ताकत क। का इ
कारण नाहीं जेसे तू पचे भटक गवा बाट्या? 25काहेकि उ
सबइ जबहीं मरे भए स जी उठिहीं, तउ ओनकइ बियाह
न होई मुला सबइ सरग मँ दूतन क तरह रइहीं। 26मरे
भए स जी उठइ क बातन मँ का तू पचे नाहीं बाँच्या
जउन मूसा क कितबिया मँ झाड़ी क बाबत* लिखा
बाटइ? हुवाँ परमेस्सर मूसा स कहेस, ‘मइँ इब्राहीम क
परमेस्सर, इसहाक क परमेस्सर अउर याकूब क परमेस्सर
हउँ।’* 27उ मरे भए क परमेस्सर नाहीं मुला जउन
जिअत अहइँ ओनकइ परमेस्सर अहइ। तू पचे बहोतइ
भारी भूलि पड़ि गवा ह।”

सबते बड़ा हुकुम

(मत्ती 22:34-40; लूका 10:25-28)

28फिन एक ठु धरम सास्तरी आइ अउर ईसू ओनका
चरिचा करत सुनेस। जबहिं उ सास्तरी देखेस कि ईसू
ओनका कउने बढ़िया तरकीबे स जवाब दिहेस, उ ईसू स
पूछेस, “कउन हुकुम सबते जिआदा बड़कई क अहइ?”

29ईसू जवाब दिहेस, “सबते बड़कई क हुकुम इ अहइ:
‘ओ इस्राएली सुना, सिरिफ हमार पर्भू परमेस्सर एक ठु
पर्भू अहइ। 30तू आपन पूर मन स समूचइ जिन्नगी स,
समूचइ बुद्धि स अउर आपन पूरी ताकत स तोहका
आपन परमेस्सर पर्भू स पिरेम करइ चाही।’* 31दूसर
हुकुम इ अहइ ‘आपन पड़ोसी स वइसइ ही पिरेम करा
जइसे तू आपन स करत ह!’* इ सब हुकुमन ते बड़ा
अउर कउनो हुकुम नाहीं।”

32यह पइ धरम सास्तरी ओसे कहेस, “गुरु तू नीक
कह्या। तोहार इ कहब नीक कि परमेस्सर एक अहइ,
ओकरे बजाय अउर दूसर कउनो नाहीं। 33आपन पूरा
मन स, समूचइ समझि–बूझि स, पूरी ताकत स परमेस्सर
स पिरेम करब अउर आपन भाई आपन पड़ोसी स पिरेम
करब सबइ बलि समर्पित भेंट अउर भेंटेन जेकरे बारे मँ
कहा अहइ, ओसे जिआदा बड़कइ अहइ।”

34जबहिं ईसू देखेस कि उ मनई समझि के जवाब देत
बाटइ तउ ईसू मनई स कहेस, “तू परमेस्सर क राज्य स

झाड़ी क बाबत निर्ग. 3:1-12.

‘मइँ ... हउँ’ निर्ग. 3:6.

‘ ओ इस्राएली ... चाही’ व्यवस्था 6:4-5.

‘ आपन ... करत ह’ लैव्य. 19:18.

दूर नाहीं बाट्या।” ओकरे बाद कउनो दूसर मनई ओसे
कउनो अउर सवाल पूछइ क हिम्मत नाहीं किहेस।
35फिन ईसू मंदिर मँ उपदेस देत भवा कहेस, “कइसे
धरम सास्तिरियन कहत बाटेन कि मसीह दाऊद क पूत
अहइ? 36दाऊद खुद पवित्तर आतिमा स प्रेरित होइके
कहेस:

‘पर्भू (परमेस्सर) मोर पर्भू (मसीह) कहेस: मोरे
दाहिन कइँती बइठा जब तलक मइँ तोहरे दुस्मनन
क तोरे गोड़वा तरे न कइ देउँ।’

भजन संहिता 110:1

37दाऊद खुदइ ओका ‘पर्भू’ कहत बाटइ। फिन मसीह
दाऊद क पूत कइसे होइ सकत ह?” भारी भीड़ ओका
खुस होत होत सुनत रही। 38उ आपन उपदेस मँ कहेस,
“धरम सास्तरी लोगन्स होसियार रहा। उ पचे आपन लंबा
लंबा लबादा पहिरि क एँहर ओहँर फिरब पंसद करत हीं।
ओनका हाटन मँ आपन्क पैलगी कराउब सोहात ह।
39अउर आराधनालयन मँ बड़कवा क आसन पर बइठब
चाहतहीं। उ पचे भोजे मँ बड़कवा क आसन पावइ क
इच्छा रखत हीं। 40उ पचे विधवन क मिल्कियत हड़प
लेत हीं। उ पचे देखावइ बरे लंबी लंबी पराथना बोलत हीं।
इ पचन क कर्री स कर्री सजा मिली।”

सच्चा दान

(लूका 21:1-4)

41ईसू दानपात्र क समन्वा बइठा बइठा देखत रहा कि
मनई कउने तरह दानपात्र मँ पइसा नावत हीं। बहोतन
धनी मनइयन बहोत धन नाइ दिहन। 42फिन हुवाँ एक ठु
गरीब विधवा आइ अउर उ ओहमाँ दुइ दमड़ी नाएस
जउन उ एक पइसा क बराबर भी नाहीं रहा।
43फिन उ आपन चेलन क नगिचे बोलाएस अउर
कहन, “मइँ तोसे सच सच कहत हउँ, धनी लोगन स इ
दाने पात्रे मँ नावा एक ढेर क नावा दान स जिआदा
बड़कवा दान इ गरीब अउर बेसुहागिन विधवा क अहइ।
44काहेकि उ पचे जउन धन फालतू धरे रहेन उ सब
एँहमा नाइ दिहन, मुला इ आपन गरीबी मँ स जउन एँकरे
लगे रहा, उ सब नाइ दिहस। एँकरे लगे एँतना ही धन
जुरा रहा जउन एँकरे जिन्नगी क सहारा रहा।”

बिनासे क भविस्सबाणी

(मत्ती 24:1-44; लूका 21:5-33)

13 जब उ मंदिर स जात रहा, ओकर एक ठु चेला
ओसे कहेस, “गुरु, देखा इ सबइ पाथर अउर
इमारतन केतँना अजूबा अहइँ।”
2तउ ईसू ओनसे कहेस, “तू इन भारी इमारत क
देखत बाट्या? हियाँ एक पाथर प दूसर पाथर टिकाइ कइ
रखा बाटइ। एक एक ठु पाथर ढकेल दीन्ह जाई।”
3जबहिं उ मंदिर क समन्वा जैतून क पर्वत प बइठा
रहा तउ पतरस, याकूब, यूहन्ना अउर अन्द्रियास अकेल्ले
मँ पूछेन, 4“हमका बतावा, इ सब कछू कब घटी? जब इ
सब कछू पूरा होइ जाई तउ कउन निसान देखाँइ देई?”
5यह पइ ईसू कहइ लाग, “होसियार! कउनो तोहका
न छली। 6मोरे नाउँ स बहोत लोग अइहीं अउर इ दावा
करिहीं, ‘मइँ उहइ हउँ।’ उ पचे बहोतन क छलिहीं। 7जब
तू जुद्ध अउर जुद्धन क अफवाह क बारे मँ सुन्या तउ
घबराया जी अइसा तु होइहइ मुला अबहिं अंत नाहीं
बाटइ। 8एक रास्ट दूसर रास्ट क खिलाफ अउर एक ठु
राज्य दूसर राज्य क खिलाफ खड़ा होइहीं। बहोतन स
ठउरइ प भूइँडोल अइहीं अउर अकाल पड़ी। ई उ पीरा
क सुरुआत होइ जव कोउ नवा पइदा होत हय।
9“आपन बारे मँ होसियार रहा। उ पचे तोहका अदालत
मँ पेस करिहीं अउर फिन तोहका आराधनालयन मँ
पीटा जाई अउर मोरे कारण तोहका सासक राजा लोगन
क समन्वा खड़ा होइ क होई जेसे ओनका प्रमाण मिलि
जाइ। 10लेकिन इ जरूरी अहइ कि पहिले स हि सबन्क
क सुसमाचार सुनाइ दीन्ह जाइ। 11जब कबहुँ तोहका
पकरि के तोहरे प मुकदमा चलइहीं तउ पहिले स इ
फिकिर जिन कर्‌या कि तोहका का कहइ क अहइ। उ
समइ प जउन कछू तोहका बतावा जाइ, उहइ बोल्या
काहेकि इ सबइ तू पचे नाहीं जउन तू बोलत ह, मुला
बोलइवाला पवित्तर आतिमा अहइ।
12“भाई, भाई क धोखा दइके पकड़ावावत मरवाइ
देइ। बाप, बेटवा क धोखा दइ के पकड़वाई अउर बाल-बच्चे
आपन महतारी अउर बाप के खिलाफत मँ खड़ा होइके
मरवइहीं। 13मोरे कारण सब जने तोसे घिना करिहीं मुला
जउन अंत समइ तलक धीरज धरी, ओकर उद्धार होई।
14“जब तू पचे ‘घृनित खउफनाक अउर बिनास
करइवाली चीजन्क,’ जहाँ उ सबन क न होइ चाही, हुवाँ
खड़ा देख्या।” (पढ़वइया खुद समझि लेई कि एँकर का
अरथ अहइ।) “तब जउन लोग यहूदिया मँ होइहीं, ओनका
पर्वत प पराय जाइ चाही।
15अउर जउन लोग आपन घरवा क छतवा प होइहीं,
उ पचे घरवा मँ घुसुरि के कछू भी लइ आवइ क
तरखाले न उतरइ। 16अउर जउन बाहेर मैदान मँ होइँ, उ
पचे पाछे घूमि के आपन ओढ़ना तलक न लेइँ। 17उ
स्त्रियन बरे जेकर पैर भारी होइ अउर जेकर दूध पिअइया
बचवन गोदी मँ होइहीं, उ दिनन बहोतई खउफनाक
होइहीं। 18पराथना करा कि इ सब कछू सर्दी क रितु मँ
न होइ।
19उ दिनन अइसी बिपत आई जइसी आजु तक नाहीं
इ जबहिं ते परमेस्सर इ संसार क रचि दिहन ह, आजु
तक नाहीं आइ अउ कबहुँ अगवा न आई। 20अउर जदि
परमेस्सर उ दिनन क कमती कइ न दिहेस होत तउ
कउनो न बच पावत। मुला उ खास रूप स चुना गवा

मनइयन क कारण जेनका उ चुनेस, उ उ समइ क कम कइ दिहस ह। 21उ दिनन मँ जदि कउनो तोसे कहइ कि 'देखा, इ रहा मसीह!' या 'उ अहइ मसीह।' तू ओकर बिसवास न कर्‌या। 22काहेकि झूठे मसीहन अउर झूठे नबियन देखॉइ देइहीं अउर उ सबइ अइसा अद्‌भुत चीन्हन देखइहीं अउर अचरज कारजन करिहीं कि जदि होइ जाए तउ उ पचे चुना गएन मनइयन क भी अड़पेंचे मँ डाइ देइहीं।

23यह बरे तू सब होसियार रहा। मइँ समइ स पहिले ही तो पचनक सब कछू बताइ दीन्ह।

24 "उ दिनन मँ दारुन कस्ट क समइ क पाछे,
'सूरज करिया पड़ि जाई चंदा स ओकर चाँदनी
न निकसी
25 अकास स तारे टूटइ लगिहीं अउर अकासे मँ
बड़वार सक्ती झकाझोरि दीन्ह जइहीं।'
यसायाह 13:10; 34:4

26"तब्बइ मनइयन मनई क पूत क महासक्ती अउर महिमा क संग बदरवन मँ निहरिहीं। 27फिन उ आपन दूतन क पठइके चारहु दिसा मँ धरती क छोरे स दूसर छोरे तक सब कइँती स आपन चुना भवा मनइयन क जमा करी।

28"अंजीरे क बिरवा स उपदेस ल्या कि जबहिं ओकर टहनियन नरम अउर हरिअर होइ जात हीं तउ ओह प कोंपर फूटइ लागत हीं। तउ तू पचे जान लेत ह्या कि गर्मी क रितु आवइ क अहइ।

29अइसे ही जबहिं तू पचे इ सब कछू होत लख्या तउ समझ लिहा कि उ समइ नगिचे आइ ग अहइ, मुला ठीस स दरवज्जे प। 30मइँ तोसे सच-सच कहत हउँ कि इ सब घटना इत मनइयन क जिअते जी होइहीं। 31धरती अउर अकास बरबाद होइ जइहीं लेकिन मोर बचन कबहुँ न टारे टरी।

32"उ दिन या उ घड़ी क बारे मँ कउनो कछू गियान नाहीं, न सरग क दूतन अउर न अबहीं मनई क पूत क, सिरिफ परमपिता जानत बाटइ। 33होसियार! जागत रहा काहेकि तू नाहीं जनत्या कि उ समइया कब आइ जाई। 34ई अइसे अहई कि जइसे कउनो मनई कउनो जात्रा प जात जात आपन नउकरन प आपन घरवा छोड़ि जाए अउर हर मनई क ओकर आपन आपन काम बाँटि दे अउर चौकीदार क हुकुम दइ जाए कि तू जागत रहा। 35यह बरे जू जागत रहा काहेकि घरे क मालिक न जानी कब आइ जाए। चाहे सांझ होई, की आधी रात की मुर्गन क बाँग क समइ की फिन दिन निकरि आवइ। 36जदि उ अचानक आइ जाइ तउ अइसा करा कि जेसे उ तोहका सोवत त पावइ। 37जउन मइँ तोसे कहत हउँ, उहइ सबते कहत हउँ: 'जागत रहा!'"

ईसू क जान स मारि डावइ क चाल

(मत्ती 26:1-5; लूका 22:1-2; यूहन्ना 11:45-53)

14 फसह क त्यौहार* अउर बे खमीरे क रोटी क त्यौहार * स दुइ दिन पहिले की बात अहइ कि मुख्ययाजकन अउर धरम सास्तिरियन कउनो अइसा कुचाल चलत रहेन कि जउने चलाकी स ओका गिरफ्तार कइ लेइँ अउर जान स मारि डावइँ। 2उ सबइ इ कहत रहेन, "मुला हम पचेन क त्यौहार क दिन अइसा नाहीं करइ चाही, नाहीं तउ मनइयन दंगा कइ लेइहीं।"

ईसू प इतर क उड़ेलब

(मत्ती 26:6-13; यूहन्ना 12:1-8)

3जब बैतनिय्याह मँ ईसू समौन कोढ़ी क घरे खाना खाइके बइठा, तबहिं एक ठु स्त्री उज्जर अउर चीकन स्फटिक मनि क बासन मँ सुद्ध बाल छड़े क इतर लइ आइ। उ स्त्री बासने क तोड़ेस अउर ओसे निकसत इतरे क ईसू क मुँड़वा प उड़ेरेस।

4एँसे हुवाँ कछू चेलन बिगड़ के आपुस मँ कहइ लागेन, "इतरे क अइसी बर्बादी काहे कीन्ह गइ अहइ? 5इ इतर तउ तीन सउ दीनारे स जिआदा मँ बेंच जाइ सकत ह अउर फिन उ धने क कंगालन मँ बाँटि जाइ सकत रहा।" उ पचे उ स्त्री क निन्दा करेन।

6तब ईसू कहेस, "काहे क ओका तंग करत ह? ओका छोड़ा। उ मोरे बरे एक बढ़िया काज करेस ह। 7काहेकि कंगालन तू हमेसा तोहरे लगे रइहीं अउर तउ तू जब चाहा ओनकइ मदद कइ सकत ह, मुला मइँ तोहरे साथे हमेसा न रइहउँ। 8इ स्त्री उहइ केरसि जउन उ कइ सकत रही। उ समइ स पहिले मोरे दफनावइ बरे, मोरे बदन पइ इतर छिरकि के ओका तइयार किहेस ह। 9मइँ तोसे सच–सच कहत हउँ समूचे संसारे मँ जहाँ कहूँ भी इ सुसमाचार क प्रचार कीन्ह जाई, हुवँई एँकरे यादे मँ जउन कछू इ स्त्री करेस ह, ओकर चर्चा होई।"

10तब यहूदा इस्करियोती, जउन एँकरे बारहु प्रेरितन मँ एक ठु रहा, मुख्ययाजकन क नगिचे ईसू क धोखा दइ के पकड़वावइ बरे गवा। 11उ पचे ओकर बतियन सुनिके बहोत खुस भएन अउर उ पचे ओका धन देइ क वादा करेन। यह बरे फिन यहूदा ईसू क धोखा दइ क पकड़वावइ क तलास मँ रहइ लाग। 12बे खमीरे क रोटी क त्यौहार स एक दिन पहिले, जब फसह मेमना क बलिदान दीन्ह जात रही। ओकरे चेलन ओसे पूछेन, "तू का चाहत

फसह क त्यौहार फसह क त्यौहार मनावइ क पुरानी रीति क एक हीसा जेहमाँ भेड क मेमनन क बलि परमेस्सर बाटे चढ़ावत रहेन।

बे खमीर क रोटी क त्यौहार ई यहूदियन क बड़कवा त्यौहार बाटइ। ई दिन ई रोटी क साथ खास खइया क खात हीं।

बाट्या कि हम पचे कहाँ जाइके तोहरे खइया बरे फसह
क भोज तैयारी करी?"
13तब उ आपन दुइ ठो चेलन क इ कहिके पठएस,
"सहर मँ जा, जहाँ तोहका एक ठु मनई पानी क गगरी
धरे भेंटइ, तउ ओकरे पाछे होइ जा। 14फिन जहाँ कहूँ
भी उ भीतर जाइ, उ घरे क मालिक स कह्या, 'गुरु
पूछेस ह, भोजन क उ बैठका कहाँ बाटइ, जहाँ मइँ
आपन चेलन क संग फसह क भोज खाइ सकउँ।' 15फिन
उ तोहका ऊपर एक बड़का सजा भवा बैठका देखाई,
हुवँइ हमरे बरे तैयारी करा।"
16तब ओकर चेलन हुवाँ स सहर क चलेन जहाँ उ
पचे हर बात वइसी निहारेन जइसी ईसू ओनका बताएस।
तबहिं उ पचे फसह क भोज तैयार करेन।
17दिन ओनवत के आपन बारहु प्रेरितन क संग ईसू
हुवाँ पहुँच गवा। 18जब उ पचे बइठके खइया के खात
रहेन, तबहिं ईसू कहेस, "मइँ सच कहत हउँ, तोहरे मँ स
एक ठु जउन मोरे संग खइया क खात अहइ, उहइ मोका
धोका दइके पकड़वाई।" 19एँसे उ पचे दुखी होइ के एक
दुसरे स कहइ लागेन, "सचमुच उ मइँ नाहीं हउँ!"
20तब ईसू ओनसे कहेस, "उ बारहु मँ स उहइ एक
बाटइ, जउन मोरे संग एकहि थारी मँ खात अहइ। 21मनई
क पूत क तउ जाइ क अहइ, जइसा कि ओकरे बारे मँ
लिखा बाटइ। मुला उ मनई क धिक्कार अहइ, जउनेसे
मनई क पूत पकड़वावइ जाइ। केतना नीक इ होत कि उ
मनई पइदा न भवा होत।"

पर्भू क भोज

(मत्ती 26:26-30; लूका 22:15-20; 1 करिंथकरांस 11:23-25)

22जब उ पचे खइया क खात रहेन, ईसू रोटी लिहस,
धन्यबाद दिहस, रोटी क तोड़ेस अउर ओका उ पचनक
देत देत कहेस, "ल्या, इ मोर बदन अहइ।"
23फिन उ कटोरा क उठाएस, धन्यबाद दिहस अउर
ओनका दिहस अउर उ सबन ओहमाँ स पियेन।
24तबहिं ईसू बोल पड़ा, "इ मोर लहू (मउत) बाटइ
जउन एक नवा करार क सुरुआत अहइ यह बहुतन क
बरे बहावा जात अहइ। 25मइँ तू पचन स सच सच कहत
हउँ कि मइँ उ दिना तक दाखरस पिअब जब तलक
परमेस्सर क राज्य मँ नवा दाखरस न पिअउँ।" 26तबहिं
उ सब एक स्तुति गाना गाइके जैतून क पर्वत प गएन।

ईसू क सब चेलन ओका तजि देइहीं

(मत्ती 26:31-35; लूका 22:31-34; यूहन्ना 13:36-38)

27ईसू ओनसे कहेस, "तोहार पचे क बिसवास खोइ
जाइ। काहेकि लिखा बाटई:

> 'मइँ गड़रियवा क मारब अउ भेड़न छिटकाइ
> जइहीं।' *जकर्याह 13:7*

28मुला फिन स जी उठे क पाछे मइँ तोसे पहिले ही गलील
चला जाब।"
29जब पतरस बोलि उठा, "चाहे सब मिला आपन
बिसवास खोइ दें, मुला मइँ न खोउब।"
30यह पइ ईसू ओसे कहेस, "मइँ तोसे सच कहत हउँ।
आजु, इहइ राते मँ मुर्गा क दुइ बार बाँग देइ स पहिले तू
तीन दाईं मोका नकार चुका होब्या।"
31यह पइ पतरस अउर जोर देत भवा कहेस, "जदि
मोका तोर संग मरइ पड़इ तबहुँ मइँ तोहका कबहुँ न
नकारब!" तबहिं अउ बाकी चेलन भी अइसा ही कहेन।

ईसू क एकांत मँ पराथना

(मत्ती 26:36-46; लूका 22:39-46)

32फिन उ पचे एक अइसे ठउरे प आएन जेका
गतसमनी कहा जात रहा। हुवाँ ईसू आपन चेलन स
कहेस, "जब तलक मइँ पराथना करत हउँ, तू पचे हियँइ
बइठा।" 33अउर पतरस, याकूब अउर यूहन्ना क उ
आपन संग लइ गवा। उ बहोतइ दुखी अउर बियाकुल
होत रहा। 34उ ओनसे कहेस, "मोर मन दुखी बाटइ, जेसे
मोर प्रान निकरि जइहीं। तू हियँईं ठहर अउर होसिआर
रहा।"
35फिन रचिके अगवा बढ़ि के उ धरती प निहुरि के
पराथना करइ लाग कि जदि होइ सकइ तउ घड़ी मोसे
टरि जाइ। 36फिन उ कहेस, "हे अब्बा परमपिता! तोहरे
बरे सब कछू संभव अहइ। इ कटोरा क मोसे दूर करा।
फिन जउन कछू मइँ चाहत हउँ, उ नाहीं मुला जउन तू
चाहत ह, उहइ करा।"
37फिन उ लौटा तउ आपन चेलन क सोवत भवा
निहारि के पतरस स कहेस, "समौन क तू सोवत अहा?
का तू एक घड़ी भी जाग नाहीं सक्या? 38जागत रहा
अउर पराथना करा जेसे तू अउनो परिच्छा मँ न फँसा।
आतिमा तउ चाहत ह मुला सरीर निर्बल अहइ।"
39उ फिन चला गवा अउर वइसे ही बचन बोलत
बोलत उ पराथना किहेस। 40जब उ दुबारा लौटा तउ उ
फिन ओका सोवत पाएस। ओकरी आँखिन मँ नींद चाँपे
रही। ओका कछू सूझत नाहीं रहा कि उ का जवाब देइ।
41उ तिसरी दाईं फिन लौटा अउर ओसे बोला, "का तू
अबहुँ अरामे स सोवत अहा? अच्छा, तउ सोवत रहा। उ
घड़ी आइ गइ अहइ जब मनई क पूत धोखा स पकड़वाइ
जाइ के पापी मनइयन क हथवा मँ दइ दीन्ह जात अहइ।
42खड़ा होइ जा! आवा चली। देखा, इ आवत अहइ, मोका
धोखा दइ के पकड़वइया मनई।"

ईसू क गिरफ्तार कीन्ह जाब

(मत्ती 26:47-56; लूका 22:47-53; यूहन्ना 18:3-12)

43ईसू बोलत रहा कि ओकरे बारहु प्रेरितन मँ स एक
यहूदा हुवाँ दिखाइ दिहस। ओकरे लगे लठियन अउर

तरवारन क लिहे भीड़ रही, जेका मुख्ययाजकन, धरम
सास्तिरियन अउर बुजुर्ग यहूदी नेतन पठएन।
44धोखा दइ के पकड़वइया ओनका ई इसारा बताइ
के राखे रहा, "जेका मइँ चूम लेउँ, उहइ उ अहइ। ओका
हिरासत मँ लइ ल्या अउर पकड़ि के सुरच्छित स लइ
जा।" 45तउ जइसे ही यहूदा हुआँ आवा, उ ईसू क नगिचे
जाइ के कहेस, "गुरु!" अउर ओका चूमि लिहेस। 46फिन
तुरंतहि उ पचे ओकर हाथ पकड़ि के हिरासते मँ लइ
लिहन। 47ओकॅर चेला जउन नगिचे खड़ा रहा, आपन
तरवार खींचेस अउर महायाजक क एक ठु नउकरे प
मारि दिहस, जेसे ओकर कान कटि गवा।
48फिन ईसू ओनसे कहेस, "का मइँ कउनो अपराधी
हउँ जेका पकड़इ तू सबइ लाठी अउर तरवार लइके
आइ अहा? 49रोज मंदिर मँ उपदेस देत मइँ तोहरे साथे
रहा मुला तू पचे मोका नाहीं पकड़या। अब इ भवा जेसे
सास्तरन क बचन पूरा होइ जाइ।" 50फिन ओकर सब
चेलन ओका अकेला तजि के पराय गएन। 51आपन
उघार देहे प केवल चदरिया लपेटि के एक ठु नउजवान
पाछे पाछे आवत रहा। उ पचे ओका पकड़इ चाहेन।
52मुला उ आपन चदरिया छोड़ि के नंगा पराय गवा।

ईसू क पेसी

(मत्ती 26:57-68; लूका 22:54-55, 63-71;
यूहन्ना 18:13-14,19-24)

53उ सबइ ईसू क महायाजक क नगिचे लइ गएन।
फिन सबइ मुख्ययाजकन, बुजुर्ग यहूदी नेतन अउर धरम
सास्तिरियन जमा भएन। 54पतरस ओसे दूरइ दूर रहत
भवा ओकरे पाछे पाछे महायाजक क अंगना मँ भीतर
तर चला गवा अउर हुवाँ क पहरेदारन क साथ बइठके
आगी तावइ लाग।
55समूची यहूदी महासभा अउर मुख्ययाजकन ईसू क
मउत की सजा देइ बरे ओकरे खिलाफत मँ प्रमान खोजइ
क जतन करत रहेन मुला ढूँढ़ नाही पाएन। 56बहोतन
ओकरे खिलाफत मँ झूठी साच्छी दिहन, मुला उ सबइ
साच्छी आपुस मँ एक दूसरे क खिलाफ रहीं।
57फिन कछू मिला ठाड़ भएन अउर ओकरे खिलाफ
झूठी साच्छी देत भए कहइ लागेन, 58"हम पचे ऍका इ
कहत सुनेन ह, 'मनइयन क हथवा स बना भवा इ मंदिर
क मइँ ढहाइ देइहउँ अउर फिन तीन दिना क भीतर
दूसर बनाइ देइहउँ, जउन हाथन स बना न होइ।'" 59लेकिन
इन सबन मँ ओ पचेन क साच्छियन एक नाईं नाहीं रहीं।
60तब ओनके समन्वा महायाजक ठाड़ होइके ईसू स
पूछेस, "इ सब लोग, तोहरे खिलाफत मँ इ कउन साच्छियन
देत बाटेन? का जवाबे मँ तोहका कछू नाहीं कहइके?"
61यह पइ ईसू चुप्पी साधेस। उ कउनो जवाब नाहीं दिहस।
महायाजक फिन ओसे पूछेस, "का तू धन्य (परमेस्सर)
का पूत मसीह अहा?"

62ईसू बोला, "हाँ, मइँ परमेस्सर क पूत हउँ। अउर तू
सब मनई क पूत क उ सर्वसक्तिमान क दाईं ठाउँ बइठा
अउर सरगे क बदरवन मँ आवत देखब्या।"
63महायाजक आपन ओढ़ना क फाड़त भवा कहेस,
"हमका अउ साच्छियन क अब का जरूरत अहइ! 64तू
इ सब बेज्जत बातन क कहत सुन्या, अब तोहार का
विचार अहइ?"
उ सबइ ओका अपराधी ठहराइके कहेन, "ऍका मउत
क सजा मिलइ चाही।" 65तब कछू मिला ओह पइ थूकत
मुँहना क ढकत, घूँसा मारत अउर कछू ओकर हँसी
दिल्लगी करत कहइ लागेन, "भविस्सबाणी करा!" अउ
फिर पहरेदरवन ओका पीटेन।

पतरस डेरान कि उ ईसू क जानत ह

(मत्ती 26:69-75; लूका 22:56-62; यूहन्ना 18:15-18, 25-27)

66पतरस अबहीं नीचे अँगने मँ बइठा रहा कि महायाजक
क एक ठु नउकरानी आइ। 67जबहिं उ पतरस क आगी
तापत देखेस तउ बड़े धियान स बोली, "तुहउँ तउ ईसू
नासरी क संग रह्या।"
68मुला पतरस मुकरि गवा अउर कहइ लाग, "मइँ
नाहीं जानित या मोरी समझ मँ नाहीं आवत अहइ कि तू
का कहति अहा।" इ कहत उ ड्योढ़ी तक चला गवा।
तबहिं मुर्गा बाँग दिहस।*
69उ नउकरानी जब ओका दोबॉरा देखेस तउ हुवाँ
खड़े मनइयन स फिन कहइ लाग, "इ मनई भी ओनमाँ स
एक अहइ।"
70पतरस फिन मुकर गवा, अउ फिन थोड़ी देर मँ
उहाँ खडेन्ह लोगन्ह पतरस स कहेन, "निस्चय ही तू
ओनमे स एक अहा, काहेकि तोहू गलील का अहा।"
71तब पतरस आपन क धिक्कारइ अउर सपथ खाइ
लाग। "जेकरे बारे मँ तू बात करत अहा, उ मनई क मइँ
नाहीं जानित!"
72फउरन मुर्गा दूसर बाँग दिहस। पतरस क उहइ
समइया उ सब्दन याद होइ आएन जउन ओहमाँ स ईसू
कहे रहा, "एसे पहिले कि मुर्गा दुइ दाईं बाँग देइ, तू मोका
तीन दाईं नकरब्या।" तब पतरस जइसे टूटि गवा होइ। वह
फूट फूट कइ रोवइ लाग।

ईसू क पीलातूस क समन्वा पेसी

(मत्ती 27:1-2, 11-14; लूका 23:1-5; यूहन्ना 18:28-38)

15 जइसे ही भिंसार भवा, मुख्ययाजकन, धरम
सास्तिरियन, बुजुर्ग यहूदी नेतन अउर समूची
यहूदी महासभा एक ठु खाका बनाएन। उ पचे ईसू क
बाँधि के लइ गएन अउर ओका पिलातुस क सौंप दिहेन।

पद 68 कछू यूनानी प्रतियन मँ यह भाग जोड़ी गइ
अहइ: "तबहिं मुर्गा बाँग दिहस।"

2पिलातुस ओसे पूछेस, "का तू यहूदियन क राजा अहा?"

ईसू जवाब दिहेस, "अइसा ही अहइ। तू खुदइ कहत अहा।"

3फिन मुख्ययाजकन ओह पइ बहोत स दोख मढ़ेस। 4पिलातुस ओसे फिन पूछेस, "का तोहका जवाब नाहीं देइ क अहइ? देखा, उ पचे केतॅनी बातन क दोख तोह पइ लगावत अहइँ।"

5मुला ईसू अबहुँ कउनो जवाब नाहीं दिहस। यह पइ पिलातुस क बहोतइ अचरज भवा।

पिलातुस ईसू क छोड़ देइ मँ सफल नाहीं भवा

(मत्ती 27:15-31; लूका 23:13-25; यूहन्ना 18:39-19:16)

6फसह क त्यौहार क मउके प पिलातुस कउनो एक बंदी क, जेका मनइयन चाहत रहेन, ओनके छोड़ देत रहा। 7बरअब्बा नाउँ क एक बन्दी उ विद्रोह करवइयन क संग जेले मँ रहा जउन दंगा मँ कतल करेन। 8मनइयन आएन अउर पिलातुस स कहइ लागेन कि उ जइसा हमेसा स करत आइ ह, वइसा ही करा।

9पिलातुस ओनसे पूछेस, "का तू पचे चाहत बाट्या कि मइँ तोहरे बरे यहूदियन क राजा क अजाद कइ देउँ?" 10पिलातुस इ यह बरे कहेस कि उ जानत ह कि मुख्ययाजकन जलन क कारण ओका पकड़वाएन ह। 11मुला मुख्ययाजकन भीड़े क उसकाएन कि उ ओकरे बजाय ओनके बरे बरअब्बा क छोड़ि देइ।

12मुला पिलातुस ओनसे फिन पूछेस, "जेका तू यहूदियन क राजा कहत बाट्या ओकर मइँ का करउँ बतावा तू का चाहत बाट्या?"

13जवाबे मँ उ पचे चिल्लानन, "ओका क्रूस प चढ़ावा!"

14तब पिलातुस ओसे पूछेस, "काहे, उ कउन अइसा अपराध किहेस ह?"

मुला उ पचे अउर जोर स चिचिआइ के कहेन, "ओका क्रूस प चढ़ावा।"

15पिलातुस भीड़ क खुस करइ चाहत रहा, यह बरे उ ओनका बरे बरअब्बा क छोड़ेस अउर ईसू क कोड़वा स पिटवाइ के क्रूस पर चढ़ावइ के सौंप दिहस।

16फिन सिपाही ओका रोम क राजपाल क निवास मँ लइ गएन। उ पचे सिपाही क पूरी पलटन बोलॉइ लिहन। 17फिन उ सबइ ईसू क बैगनी रंगे क ओढ़ना पहिराएन अउर कॉंटन क ताज बनाइ के ओकरे मुँड़वा प धरेन। 18फिन ओका सलामी देइ लागेन, "यहूदियन क राजा क सुआगत अहइ!"

19उ सबइ ओकरे मुँड़वा प नरकटे स मारत जात रहेन। उ पचे ओह पइ थूकत जात रहेन अउर घुटनवन प निहुरिके ओकरे अगवा दण्डवत करत रहेन। 20इ तरह जब उ सबइ ओकर मसखरी उड़ाइ चुकेन तउ उ सबइ बैगनी ओढ़ना उतारेन अउर ओका आपन ओढ़ना पहिराइ दिहन अउर फिन ओका क्रूस प चढ़ावइ बरे, बाहेर लइ आएन।

ईसू क क्रूस पर चढ़ाउब जाब

(मत्ती 27:32-44; लूका 23:26-43; यूहन्ना 19:17-27)

21उ पचेन क कुरेनी क रहवइया समौन नाउँ क एक मनई, राहे मँ भेंटेस। उ गाउँ स आवत रहा। उ सिकन्दर अउर रूफुस क बाप रहा। सिपहियन ओह पइ दबाव डारेन कि ईसू क क्रूस उठाइ क चलइँ। 22फिन उ पचे ईसू क गुलगुता नाउँ क ठाउँ प लइ गएन (जेकर अरथ अहइ "खोपड़ी ठाउँ"।) 23फिन उ पचे ओका लोहबान नाइ के दाखरस पिअइ क दिहेन। मुला उ ओका नाहीं लिहेस। 24फिन ओका क्रूसे पइ चढ़ाइ दीन्ह गवा। ओकर ओढ़ना उ पचे बाँटि लिहेन अउर इ देखइ क बरे कि कउनो का लेइ, उ पचे पासा फेंकेन।

25दिना क नउ बजेन, जब उ पचे ओका क्रूस प चढ़ाएन। 26ओकरे खिलाफ एक लिखा भवा मुकदमा क पत्तर ओह पइ लगावा रहा, "यहूदियन क राजा।" 27ओकरे संग दुइ ठु डाकू भी क्रूस प चढ़ाइ गएन। एक ठु ओकरे दाईं अउर दूसर बाईं कइँती। 28*

29ओकरे लगे स निकरि के जात मनइयन ओका निन्दा करत रहेन। आपन मूँड़ी झमकाइ झमकाइ के उ पचे कहत रहेन, "अरे, वाह! तू उहइ अहइ जउन मंदिर क ढहाइ के तीन दिना मँ फिन बनावइवाला रहा। 30अब क्रूस स तरखाले आइके अउर खुदइ आपन क तउ बचाव!"

31इ तरह मुख्ययाजकन अउर धरम सास्तिरियन भी ईसू क मसखरी उड़ाएन। उ पचे आपुस मँ कहइ लागेन, "इ अउरन क बचावत अहइ, मुला खुद आपन क नाहीं बचाइ सकत। 32अब इ मसीह अउर इस्राएल क राजा क, क्रूस प स तरखाले उतरइ दे जेसे हम पचे इ देखि के ओहमाँ बिसवास करि सकी।" अउर उ दुइनउँ भी, जउन ओकरे साथ क्रूसे प चढ़ाइ गवा रहेन, ओकर बेज्जती करेन।

ईसू क मउत

(मत्ती 27:45-56; लूका 23:44-49; यूहन्ना 19:28-30)

33फिन समूची धरती पइ दुपहरे तक अँधियार छावा रहा। इ अँधियारा दोपहर तीन बजे तक रहा। 34दिना क तीन बजे ईसू ऊँची आवाज मँ चिल्लाइके कहेस, "इलोई, इलोई, लमा सबकतनी!" अरथ अहइ "मोरे परमेस्सर, मोरे परमेस्सर, तू मोका काहे बिसारि दिहा?"*

पद 28 कछू यूनानी प्रतियन मँ पद 28 जोड़ा गवा अहइ: "तब पवित्तर सास्तर कहत ह, 'उ डाकुअन क संग गना गवा।'"

"मोरे … दिहा" भजन. 22:1.

35जउन नगिचे ठाड़ रहेन, ओनमाँ स कछू जब इ
सुनेन तउ उ पचे बोलेन, "सुना! इ एलिय्याह क पुकारत
अहइ।"
36तब एक मनई दौड़ि के सिरका मँ बौरि के एक ठु
मोटा कपरा क भीजि के डंडा प धइ के ईसू क पिअइ
बरे दिहस अउ कहेस, "ठहरि जा, हम पचे निहारत अही
कि एँका नीचे उतारइ क बरे एलिय्याह आवत ह कि
नाहीं।" 37फिन ईसू ऊँची अवाज मँ चिल्लाइके प्राण तजि
दिहस। 38तबहिं मंदिरे क पट ऊपरि स तरखाले तक
फाटिके दुइ टुकरन मँ बँटि गवा। 39सेना क एक ठु
अधिकारी जउन ईसू क समन्वा ठाड़ रहा, ओका प्रान
तजत देखेस। उ कहेस, "इ मनई असल मँ परमेस्सर क
पूत रहा!" 40कछू स्त्रियन हुवाँ दूर ते ठाड़े भइ निहारत
रहीं, जेहमाँ मरियम मगदलीनी, छोटका याकूब अउर
योसेस क महतारी मरियम अउर सलोमी रहीं। 41जब ईसू
गलील मँ रहा तउ इ स्त्रियन ओकर चेलन रहीं अउर
ओकर सेवा करत रही। हुवाँ अउर भी बहोत स स्त्रियन
रहीं जउन ओकरे साथ यरूसलेम तक आइ रहीं।

ईसू क दफनाइ जाब

(मत्ती 27:57-61; लूका 23:50-56; यूहन्ना 19:38-42)

42साँझ होइ गइ अउर सबित क पहिले क, उ तैयारी
क दिन रहा। 43यह बरे अरिमतिया क यूसुफ आइ। उ
यहूदी महासभा क सम्मानित सदस्य रहा अउर परमेस्सर
क राज्य आवइ क बाट जोहत रहा। हिम्मत क साथ उ
पिलातुस क नगिचे गवा अउर ओसे ईसू क सरीर माँगेस।
44पिलातुस क भारी अचरज भवा कि उ एँतनी हाली
कइसे मरि गवा। उ सेना क अधिकारी क बोलाएस
अउर ओसे पूछेस, का ओका मरे भए ढेर देर होइ ग
अहइ? 45फिन जब उ सेना क अधिकारी स बयान सुनि
लिहस तउ यूसुफ क सरीर दइ दिहस। 46फिन यूसुफ सने
मलमल क थोड़ा स कपरा बेसहेस, ईसू क क्रूस स
तरखाले उतारेस, ओकरे सरीरे क कपरा मँ लपेटेस
अउर ओका कब्र मँ रख दिहेस जेका चट्टाने क काटि
क बनावा गवा रहा। अउर फिन कब्रे क मुँहे प एक
बड़वार पाथर ढकेलिके टिकइ दिहेस। 47मरियम मगदलीनी
अउर योसेस क महतारी निहारत रहीं कि ईसू क कहाँ
रखा ग अहइ।

ईसू क फिन स जी जाब

(मत्ती 28:1-8; लूका 24:1-12; यूहन्ना 20:1-10)

16 सबित क दिन बीत गए प मरियम मगदलीनी,
सलोमी अउर याकूब क महतारी मरियम क
सरीरे पर लगावइ बरे सुगन्धि खरीदेस। 2हफता क पहिले
दिन भिंसारे सूरज निकर ही उ पचे कब्र प गइन। 3उ पचे
आपुस मँ कहत रहीं, "हमरे बरे कब्र क दुआरे स कउन
पथरवा क सरकाइ?" 4फिन जब उ पचे अँखियाँ खोलि
के निहारेन कि उ बहोतइ बड़वार पाथर हुवाँ स टरि
गवा अहइ। तब उ देखिन कि पाथर हुआँ स दूर लुढ़क
गवा। 5फिन जब उ पचे कब्र क भीतर गइन तो निहारेन
कि उज्जर कपरा पहिरे एक नउजवान दाहिन कइँती
बइठा अहइ। वे पचे डेराइ गइन। 6फिन नउजवान ओनसे
कहेस, "जिन डेरा, तू सबइ जउन नासरी क ईसू खोजति
अहा, जेका क्रूस प चढ़ाइ गवा अहइ, उ जी उठा बाटइ।
उ हियाँ नाहीं बाटइ। इ ठउर क लखा जहाँ उ पचे ओका
धरेन ह। 7अब तू जा अउर ओनके चेलन क अउर
पतरस स कहा, 'उ तोसे पहिले गलील जात बाटइ। जइसा
कि उ तोसे कहे रहा, उ तोहका हुवँइ मिली।'"
8तब डर अउर अचरजि मँ आइके उ पचे कब्र स
बाहेर निकरिके पराय गइन। उ सबइ कउनो क कछू
नाहीं बताएन काहेकि उ पचे बहोतई घबराइ गइ रहिन।*

कछू चेलन क ईसू क दरसन

(मत्ती 28:9-10; यूहन्ना 20:11-18; लूका 24:13-35)

9हफ्ता क पहिले दिन भिंसारे जी उठइ क पाछे उ
सबन त पहिले मरियम मगदलीनी क समन्वा परगट भवा
जेका उ सात दुस्ट आतिमन स छोड़वाएस। 10उ ईसू क
संगिन जउन सोक मँ बूड़ा रहेन, खूबइ रोवत रहेन,
जाइके बताएस। 11जब उ पचे सुनेन कि ईसू जीवित अहइ
अउर उ ओका देखेस ह तउ पचे बिसवास नाहीं किहेन।
12एँकरे पाछे ओनमाँ स दुइनउँ क समन्वा जब उ पचे
खेतन मँ जात जात राहे मँ रहेन, एक ठु दूसर रूप धइके
परगट भवा। 13उ पचे लौटि के दूसर चेलन क भी एँकर
खबर दिहन मुला उ सबइ ओकर बिसवास नाहीं किहेन।

प्रेरितन स ईसू क बातचीत

(मत्ती 28:16-20; लूका 24:36-49; यूहन्ना 20:19-23;
प्रेरितन क काम 1:6-8)

14पाछे, जब ओकर गियारह प्रेरितन खाना खात रहेन,
उ ओनके समन्वा परगट भवा अउर उ ओनके बिसवास
न करइ के अउर मनवा क जर होइ जाइ के डाटेस
फटकारेस काहेकि इ पचे ओकर बिसवास नाहीं किएन
जउन ओका जी उठइ के बाद लखेन।
15फिन उ ओनसे कहेस, "जा अउर समूची दुनिया क
मनइयन क सुसमाचार क उपदेस दया। 16जउन कउनो
बिसवास करत ह अउर बपतिस्मा लेत ह, ओकर बचावा
होई अउर जउन बिसवास न करी, उ दोखी माना जाइ।
17जउन मोरे मँ बिसवास करिहीं, ओनमाँ इ चीन्हा होइहीं:
उ मोरे नाउँ प दुस्ट आतिमन क बाहेर खदेरिहीं उ सबइ
नई नई भाखा बोलिहीं। 18उ पचेन आपन हाथन स सांपन
क पकरि लेइहीं अउर जदि उ पचे बिख पी जइहीं तउ

पद 8 मरकुस किताबे क कछू यूनानी प्रतियन मँ अठइ क पाछे गनती नाहीं बा।

ओनका नसकान न होई, उ पचे रोगिन्प आपन हाथ धरिहीं अउर उ पचे चंगा होइ जइहीं।"

[19]इ तरह जब पर्भू ईसू ओनसे बात कइ चुकेस तउ ओका सरगे मँ उठा लीन्ह गवा। उ परमेस्सर क दाहिन कइँती बइठ गवा। [20]ओकर चेलन बाहेर जाइके सब ठउरन मँ सुसमाचार दिहन कि ओनके संग पर्भू काम करत रहा। पर्भू बचन क अद्भुत कारजन करइ क सक्ति क संग लइके सच साबित किहेस।

लूका रचित सुसमाचार

भूमिका

1 बहोत स मनई हमरे बीच होइजाइ वाली घटना क
ब्यौरा लिखइ क कोसिस करेन ह। 2उहइ बातन
हमका उ सबइ मनइयन क जरिये जान पड़िन जउन उ
पचे सुरुआत स देखेन अउर जउन सुसमाचार क प्रचार
करत रहेन। 3हे मान्यवर थियुफिलुस! काहेकि मइँ
सुरुआत स सब कछू होसियारी स पढ़ेउँ ह। यह बरे
मोका इ नीक जान पड़त ह कि तोहरे बरे एक ठु एक
क बाद एक एक घटना क लिखेउँ। 4जेसे तू सब इन
बातन क बेफिकिर होइके जान ल्या जउन तोहका
सिखाइ ग अहइँ।

जकरयाह अउर इलीसिबा

5उ समइया मँ जब यहूदिया प हेरोदेस क राज्य रहा।
हुवाँ जकरयाह नाउँ क एक याजक रहत रहा। जउन
याजकन क अबिय्याह दल* क रहा अउर ओकर
पत्नी इलीसिबा हारून बंस क रही। 6उ दुइनउँ परमेस्सर
क निगाह मँ धर्मी रहेन। उ पचे बिना केउ दोख क पर्भू
क सबइ हुकुमन अउर बिधानन क पालन करत रहेन।
7मुला ओनके कउनो संतान नाहीं रही, काहेकि इलीसिबा
बाँझ रही अउर उ दुइनउँ बहोत बुढ़वा होइ ग रहेन।

8जब जकरयाह क आपन दले क मंदिर मँ याजक
क काम खातिर बारी आइ, अउर उ परमेस्सर क
समन्वा आराधना बरे हाजिर भवा। 9तउ याजकन मँ
चली भइ रीति रिवाजे क तरह पर्ची डाइके ओका चुना
गवा कि उ पर्भू क मंदिर मँ जाइके धूप जरावइ। 10जब
धूप जरावइ क समइ आइ तउ बाहेर एँकट्ठा भवा मनई
पराथना करत रहेन। 11उहइ समइया जकरयाह क समन्वा
एक ठु पर्भू का दूत परगट भवा। उ दूत धूप क वेदी क
दाहिन कइँती खड़ा रहा। 12जकरयाह जइसे उ दूत क
निहारेस तउ उ घबराइ गवा अउर डर जइसे ओका
जकड़ि लिहस। 13फिन सरगदूत ओसे कहेस, "जकरयाह
जिन डेराअ, तोहार पराथना सुनि लीन्ह गइ अहइ। यह
बरे तोहार पत्नी इलीसिबा एक बेटवा क जनम देई,
अउर तू ओकर नाउँ यूहन्ना धर्‌या। 14उ तोहका आनंद
अउर खुसी देइ, साथे ओकरे जनम स अउर भी बहोत
स मनइयन क खुसी होई। 15काहेकि उ पर्भू क निगाहे
मँ महान होई। उ कबहुँ कउनो दाखरस या कउनो
मदिरा क न पिई। आपन जन्म स पवित्तर आतिमा स
भरपूर होई। 16उ इस्राएल क बहोतन मनइयन क ओनकइ
पर्भू परमेस्सर कइँती लौटइ बरे फेरी। 17उ एलिय्याह क
आतिमा अउर सामर्थ मँ होइके पर्भू क अगवा अगवा
चली। उ बापन क हिरदय ओनके संताने कइँती मोड़ देइ
अउर आज्ञा न मानइवालन क मने क बदल देइ जेहसे
उ पचे धर्मी मनइयन क नाईं सोचइ लागइ। इ सबइ, उ
मनइयन क पर्भू बरे तइयार करइ क करी।"

18तबहीं जकरयाह दूत स कहेस, "मइँ इ कइसे जान
लेउँ कि इ सच अहइ? काहेकि मइँ एक बुढ़वा हउँ
अउर मोर पत्नी बुढ़िया होइ ग अहइ।"

19तबहिं सरगदूत जवाब देत ओसे कहेस, "मइँ जिब्राईल
हउँ। मइँ उहइ हउँ जउन परमेस्सर क अगवा खड़ा रहत
हउँ। मोका तोसे बात करइ अउर इ सुसमाचार क
बतावइ बरे पठवा ग अहइ। 20मुला देखा, काहेकि तू
मोरे सब्दन प, जउन निस्चित समइ क आइ प सच
सिद्ध होइहीं, बिसवास नाहीं किहा, यह बरे तू गूँगा होइ
जाब्या अउर उ दिना तलक नाहीं बोल पउब्या जबहिं
ताईं इ घटित न होइ जाइ।"

21ओहर बाहेर मनई जकरयाह क इंतजार करत
रहेन। ओनका अचरज भवा कि उ एँतनी देर मंदिर मँ
काहे ठहर गवा अहइ। 22फिन जब उ बाहेर आवा तउ
उ ओनसे बोल नाहीं पावत रहा। ओनका इ लाग कि
जइसे मंदिर क भीतर कउनो दर्सन होइ गवा अहइ। उ
गूँगा होइ ग अउर सिरिफ इसारा करत रहा। 23अउर
फिन अइसा भवा कि जब ओकर आराधना क काम
होइ गवा तउ जकरयाह वापस आपन घर लौटि गवा।

24थोड़े दिना बाद ओकरे पत्नी इलीसिबा गर्भवती
भइ। पाँच महीना तलक उ सबन स अलगइ रही। उ
कहेस, 25"अब आखिर मँ जाइके इ तरह पर्भू मोर मदद
करेस ह। मनइयन क बीच मोर लाज राखइ बरे उ मोर
सुधि लिहस ह।"

कुँवारी मरियम

26-27 इलीसिबा क छठा महीना चलत रहा, गलील
क एक सहर नासरत मँ परमेस्सर क दूत जिब्राईल क
एक कुँवारी कन्या क लगे पठएस जेकर यूसुफ नाउँ क

अबिय्याह क दल यहूदी याजकन 24 दलन मँ बँटा रहा। देखा 1इति. 24

एक मनई स गोदी भरि दीन्ह गइ। उ दाऊद क बंस मँ
जनमा रहा अउर उ कुँवारी कन्या क नाउँ मरियम
रहा।

28जिब्राईल ओकरे लगे आइ अउर कहेस, "तोह
पइ अनुग्रह भइ अहइ, तोहार जय होइ। पर्भू तोहरे संग
बा।"

29इ बचन सुनिके उ बहोत घबरान, उ सोच मँ पड़ि
गइ, "एकर का अरथ होइ सकत ह?"

30तब सरगदूत ओसे कहेस, "मरियम तू जिन डेराअ,
तोसे परमेस्सर खुस अहइ। 31सुना! तू गोड़वा स भारी
होब्या अउर एक पूत क जनम देबू अउर ओकर नाउँ
ईसू रखबिउ। 32उ महान होई अउर उ सबन त सर्वोच्च
(परमेस्सर) क पूत कहवावा जाई। पर्भू परमेस्सर ओका
ओकरे बाप दाऊद क सिंहासन दइ देई। 33उ अनन्त
समइया ताईं याकूब क घराने प राज करी। ओकर
राज्य क नास कबहुँ न होई।"

34यह पइ मरियम सरगदूत स कहेस, "इ सच कइसे
होइ सकत ह? काहेकि मइँ तउ अबहूँ कुँवारी हउँ।"

35जवाबे मँ सरगदूत ओसे कहेस, "तोहरे लगे पवित्तर
आतिमा आई अउर सर्वोच्च (परमेस्सर) क सक्ती तोहका
आपन परिछाहीं मँ लइ लेई। इ तरह उ जनम लेइवाला
पवित्तर पूत परमेस्सर क पूत कहवावा जाई। 36अउर इ
भी सुनि ल्या कि तोहरे कुनबा क इलीसिबा क कुनबे मँ
बुढ़ौती क गरभ मँ एक बेटवा अहइ अउर ओकरे
कोखी क इ छठा महीना चलत बा। लोग कहत रहेन कि
उ बाँझ बा! 37मुला परमेस्सर बरे कछू न होइ सकइ,
अइसा नाहीं!"

38मरियम कहेस, "मइँ पर्भू क दासी हउँ जइसा तू
मोरे बरे कह्या ह, वइसा ही होइ!" अउर तब उ सरगदूत
ओकरे लगे स चला गवा।

मरियम क इलीसिबा अउर जकरयाह क लगे जाब

39उहइ समइया मरियम तइयार होइके यहूदिया क
पहाड़ी पहँटा मँ बसा एक ठु सहर क फउरन चली गइ।
40फिन उ जकरयाह क घरे गइ अउर उ इलीसिबा क
अभिवादन किहेस। 41इ भवा कि जबइ इलीसिबा मरियम
क अभिवादन सुनेस तउ जउन बचवा ओकरे पेटवा मँ
रहा, उछरि गवा अउर इलीसिबा पवित्तर आतिमा स
सराबोर होइ गइ।

42ऊँची आवाजे मँ चिल्लात भइ उ कहेस, "तू स्त्रियन
मँ सबते जिआदा बड़भागी अहा अउर जउने बचवा क तू
जनम देबू उ धन्य बा। 43मुला इ एँतनी बड़ी बात मोरे संग
काहे घटि गई कि मोरे पर्भू क महतारी मोरे नियरे
आइ। 44काहेकि तोहरे पैलगी क सब्द जइसेन मोरे कनवा
मँ आइ, मोरे पेटवा मँ बचवा खुसी स उछरि गवा। 45तू
धन्य अहा जउन इ बिसवास किहेस कि पर्भू जउन कछू
कहेस उ होइके रही।"

मरियम क परमेस्सर क स्तुति

46तबहीं मरियम कहेस,

47 "मोर प्रान पर्भू (परमेस्सर) क स्तुति करत ह;
मोर आतिमा मोरे उद्धारकर्ता परमेस्सर मँ
खुस भइ।
48 उ आपन दीन दास की बिटिया क सुधि
लिहेस अउर अब हाँ आजु क बाद सबहीं
मोका धन्य कइहीं।
49 काहेकि उ सक्तीवाला मोरे बरे बड़कवा
कारज किहेस ह। ओकर नाउँ पवित्तर अहइ।
50 जउन ओसे डेरात हीं उ ओन पइ पीढ़ी दर
पीढ़ी दाया करत ह।
51 उ आपन बाँहन क सक्ती देखॉइस। उ
घमंडी मनइयन क ओनके डींग हाँकइवालन
क बिचारन क छितराइ दिहेस।
52 उ राजन क सिंहासने स तरखाले उतार दिहस।
दीनन क ऊँचा उठाएस
53 उ भुखान मनइयन क नीक चीजे स भरपूर
कइ देई अउर धनी लोगन क निकारि देई।
54 उ आपन नउकरन इस्राएलियन क दाया करइ
आवा अउर हमरे पूर्वजन क बचन क
मुताबिक।
55 ओका इब्राहीम अउर ओकर संताने प सदा
दाया देखॉवइ क याद रही।"

56मरियम तीन महीने ताईं इलीसिबा क संग ठहरी
रही अउर फिन आपन घरवा लौटि आइ।

यूहन्ना क जनम

57फिन इलीसिबा क बचवा पइदा करइ क समइ
आइ अउर ओकरे एक बेटवा पइदा भवा। 58जब ओकर
पड़ोसी अउर ओकर नातेदार सुनेन कि पर्भू ओह प
दाया देखाइस ह तउ सबइ साथे मिलिके खुसी मनाएन।

59अउर फिन अइसा भवा कि अठवें दिन बचवा क
खतना खातिर मनइयन हुवाँ आएन। उ पचे ओकरे बाप
क नाउँ क मुताबिक ओकर नाउँ जकरयाह धरइ जात
रहेन, 60तबहीं ओकर महतारी बोल पड़ी, "नाहीं! एकर
नाउँ तउ यूहन्ना धरे चाही।"

61तब उ पचे ओसे बोलेन, "तोहरे कउनो भी नातेदार
का इ नाउँ नाहीं बा।" 62अउर फिन उ पचे इसारन मँ
ओकरे बाप स पूछेन, "उ ओका का नाउँ देइ चाहत ह?"

63एह प जकरयाह ओनसे एक ठु तख्ती माँगेस
अउर लिखेस, "एकर नाउँ अहइ यूहन्ना।" एह पइ उ
सबइ अचरजे मँ पड़ि गएन। 64तबहीं फउरन ओकर मुँह
खुलि गवा अउर ओकर बाका फूटि गवा। उ बोलइ लाग
अउर परमेस्सर क स्तुति करइ लाग। 65एँसे सबइ पड़ोसी
डेराइ गएन अउर यहूदिया क समूचइ पहाड़ी पहँटा मँ

मनइयन एँकरे बारे मँ बतियाई लागेन। 66जउन कउनो
भी इ बात सुनेस, अचरजे मँ पड़िके कहइ लागेन, “इ
गदेला का बनी?” काहेकि पर्भू क हाथ ओह प अहइ।

जकरयाह क स्तुति

67तब ओकर बाप जकरयाह पवित्तर आतिमा स
सराबोर होइ गवा अउर उ भविस्सबाणी किहेस:

68“इस्राएल क पर्भू परमेस्सर क आसीस होइ
काहेकि उ आपन मनइयन क मदद बरे
आवा अउर ओनका आजाद कराएस।
69 उ हमरे बरे आपन सेवक दाऊद क परिवार
स एक उद्धारकर्त्ता दिहस।
70 जइसा कि उ बहोत पहिले आपन पवित्तर
नबी स बचन देवॅाएस।
71 उ हमका हमार दुस्मनन स अउर ओन सब
क हथवन स, जउन हम स घिना करत
रहेन, हमका छोड़ावइ क बचन दिहस।
72 हमरे पूर्वजन प दाया देखावइ क अउर आपन
पवित्तर बचन क याद रखइ क।
73 ओकर बचन रहा एक उ सपथ जउन हमरे
पूर्वजन इब्राहीम क संग लीन्ह गइ रहिन,
74 कि हमार दुस्मनन क हथवन स हमार
छुटकारा अउर बेडर क पर्भू क सेवा करइ
क हुकुम दीन।
75 अउर आपन जिन्नगी भर हर रोज ओकरे
समन्वा हम पचे पवित्तर अउर धर्मी रहि
सकी।
76“हे बालक! अब तू सर्वोच्च (परमेस्सर) क
बड़ा नबी कहा जाइ काहेकि तू पर्भू क अगवा
अगवा चलिके ओकरे बरे राह तइयार करी।
77 अउर ओकरे मनइयन स कही कि ओनके
पापन क छमा स उ ओनके लोगन क उद्धार
का गियान देबा।
78 हमरे परमेस्सर क नरम अनुग्रह स एक
नवा दिन क भोर हम पइ ऊपर स उतरी।
79 ओन प चमकइ बरे जउन मउत क गहरी
छाया मँ जिअत अहइँ काहेकि हमरे गोड़वन
सांति क राहे प सीधा जाइँ।”

80इ तरह उ लरिका बाढ़इ लाग अउर ओकर आतिमा
मजबूत स मजबूत होइ लाग। उ मनइयन मँ परगट होइ स
पहिले निर्जन जगहिया मँ रहत रहा।

ईसू क जनम

(मत्ती 1:18-25)

2 उ दिना औगुस्तुस कैसर कइँती स एक हुकुम निकरा
कि समूचइ रोम क राज्य मँ जनगणना दर्ज कीन्ह
जाइ। 2इ पहली जनगणना रही। जब सीरिया क राज्यपाल
क्विरिनियुस रहा। 3एह बरे जनगणना खातिर हर कउनो
आपन सहर आवा।

4यूसुफ भी, गलील क नासरत सहर स यहूदिया मँ
दाऊद क सहर बैतलहम क आवा काहेकि उ दाऊद क
परिवार अउर बंस क सदस्य रहा। 5उ हुवाँ आपन
होइवाली स्त्री मरियम क संग, जउन गर्भवती रही, आपन
नाउँ लिखावावइ ग रहा। 6अबहिं जब उ पचे हुवाँ रहेन,
मरियम क बचवा पइदा करइ क समइ आइ गवा।
7अउर उ आपन पहिलौटी पूत (ईसू) क जनम दिहस।
काहेकि हुवाँ सराय क भीतरे उ पचन क कउनो ठउर
नाहीं मिल पावा। एँह बरे उ ओका ओढ़ना मँ लपेटिके
चरही मँ लोटाएस।

ईसू क जनम क खबर

8तबहीं हुवाँ उ पहँटा मँ बाहेर खेत मँ कछू गड़रियन
रहेन जउन राति क समइ आपन आपन झुंड क रखवारी
करत रहेन। 9उहइ समइया पर्भू क एक दूत परगट भवा
अउर ओनकइ चारिहुँ कइँती पर्भू क तेज फूटइ लाग।
उ सबइ सहमि गएन। 10तबहीं सरगदूत ओनसे कहेस,
“डेराअ जिन, मइँ सुसमाचार लइ आवा हउँ, जेसे सबइ
मनइयन क महान आनंद होई। 11काहेकि आज दाऊद
क सहर मँ तोहार उद्धारकर्ता मसीह पर्भू क जनम भ
अहइ। 12तोहका ओका पहिचानइ क चीन्हा होइ कि तू
एक ठु बचवा क ओढ़ना मँ लपेटा भवा, चरही मँ
ओलरा पउब्या।”

13उहइ समइया एकाएक उ सरगदूते क संग ढेरि क
अउर सरगदूतन हुवाँ हाजिर भएन। उ पचे इ कहत भवा
परमेस्सर क गुन गावत रहेन:

14“सरगे मँ परमेस्सर क महिमा होइ अउर धरती
प ओन मनइयन क सांति मिलइ जेसे उ खुस
होइ।”

15अउर जब सरगदूतन ओनका तजिके सरग लौटि
गएन तउ उ सबइ गड़रियन आपुस मँ कहइ लागेन
“आवा हम बैतलहम चली अउर जउन घटना भइ अहइ
अउर जेका पर्भू हमका बताएन ह, ओका देखी।”

16तउ उ पचे जल्दी गयेन अउर हुवाँ मरियम अउर
यूसुफ क पाएन अउर निहारेन कि बचवा चरही मँ
लोटा बा। 17गड़रियन जब ओका निहारेन तउ इ बचवा
क बारे मँ जउन संदेसा ओनका दीन्ह ग रहा, उ पचे
ओनका सबइ क बताइ दिहन। 18जउन कउनो भी ओनका
सुनेन, उ पचे गड़रियन क कही बातन प अचरज करइ
लागेन। 19मुला मरियम इ सबइ बातन क आपन मनवा
मँ राखि लिहेस अउर उ ओन प सोचइ बिचारइ लाग।
20अउर ओहर उ सबइ गड़रियन जउन कछू सुनेन
अउर देखे रहेन, ओके बरे परमेस्सर क स्तुति अउर

धन्यबाद देत अपने घरन क लौटि गएन। इ सब अइसेन
घटा जइसेन कि ओनका बतावा गवा रहा।
21अउर जब बचवा क खतना खातिर अठवाँ दिन
आइ तउ ओकर नाउँ ईसू रखेन। ओका इ नाउँ ओकरे
गरभ मँ आवइ स पहिले सरगदूत दइ दिहन।

ईसू क मंदिर मँ लइ जाब

22अउर जब मूसा क व्यवस्था क मुताबिक पइदा
भए बचवा क सूतक क दिन पूरा होइ गवा अउर सुद्ध
होइ क समइ आइ तउ उ पचे ईसू क पर्भू क अरपन
करइ बरे यरूसलेम लइ गएन। 23पर्भू क लिखे भइ
व्यवस्था क मुताबिक, "हर पहिलौटी क बेटवा पर्भू क
बरे बिसेस मानी जाई।"'* 24अउर पर्भू क व्यवस्था
कहत ह, "एक जोड़ी कबूतर या पड़ुँकी क दुइ नवा
बचवा क बलिदान देइ चाही।"* तउ उ पचे पर्भू क
व्यवस्था क मुताबिक बलि चढ़ावइ लइ गएन।

समौन क ईसू क दर्सन

25यरूसलेम मँ समौन नाउँ क एक धर्मी अउर
भगत रहा। उ इस्राएल क सुख चइन क बाट जोहत
रहा। पवित्तर आतिमा ओकरे साथ रही। 26पवित्तर
आतिमा ओका परगट किए रही कि जब तलक उ पर्भू
क मसीह क दर्सन नाहीं कइ लेइ, मरी नाहीं। 27उ
पवित्तर आतिमा क साथ मंदिर मँ आवा अउर जब
व्यवस्था क मुताबिक कारज बरे बालक ईसू क ओकर
महतारी बाप मंदिर मँ लइ आएन। 28तउ समौन ईसू क
आपन गोदी मँ उठाइके परमेस्सर क स्तुति करत बोला:

29"पर्भू, अब तू आपन बचन क मुताबिक मोका
आपन दास क सांति क साथ मुक्ती द्या
30 काहेकि मइँ आपन आँखिन स तोहरे उ उद्धार
क दर्सन कइ लीन्ह ह।
31 जेका तू सबहीं मनइयन क उपस्थिति मँ
तइयार किए अहा।
32 इ बचवा गैर यहूदियन बरे तोहरे राहे का
देखावय बरे ज्योति क सोता अहइ अउर
तोहरे इस्राएल क मनइयन बरे इ महिमा
अहइ।"

33ओकर महतारी बाप ईसू क बारे मँ कही गइ इ
बातन स अचरजे मँ पड़ि गएन। 34फिन समौन ओनका
आसीर्बाद दिहस अउर ओकर महतारी मरियम स कहेस,
"इ बचवा इस्राएल मँ बहोतन क गिरावइ या उठावइ क
कारण बनइ अउर एक अइसा चीन्हा ठहरावा जाइ बरे
तय कीन्ह ग अहइ जेकर खिलाफत कीन्ह जाइ। 35अउर
मनइयन जेका गूढ़ समझिहीं, उ लोगन क पता लगि जाई
जेहसे तोहरे हिरदय क दुख होइ।"

हन्नाह ईसू क देखत ह

36हुवँइ हन्नाह नाउँ क एक ठु नबिया रही। उ
असेर कबीले क फनूएल क बिटिया रही। उ बहोत
बुढ़िया रही। आपन बियाहे क सिरिफ सात बरिस पाछे
तलक उ आपन भतारे क साथे रही। 37अउर फिन
चौरासी बरिस तलक उ बिधवा रही। उ मंदिर कबहुँ
नाहीं तजेस। उपवास अउर पराथना करत भइ उ रात-दिन
आराधना करत रही। 38उहइ समइ उ उहाँ खड़ी ही। उ
परमेस्सर क धन्यबाद दिहस अउर जउन मनइयन
यरूसलेम क छुटकारा क बाट जोहत रहेन, उ ओन
सबन्क छोड़ावइ क बारे मँ बताएस।

यूसुफ अउर मरियम क घर लौटब

39अउर जब उ पचे पर्भू क व्यवस्था क मुताबिक
सब कछू पूरा कइ लिहेन तउ उ सबइ गलील मँ आपन
सहर नासरत लौटि आएन। 40अउर उ बालक बाढ़इ
लाग अउर हिट्ठ पुट्ठ होइ लाग। उ बहोत बुद्धिमान रहा
अउर ओह प परमेस्सर क अनुग्रह रही।

बालक ईसू

41फसह क त्यौहार प हर बरिस ओकर महतारी
बाप यरूसलेम जात रहेन। 42जब उ बारह बरिस क रहा
तउ सदा क नाईं उ पचे त्यौहार प गएन। 43जब त्यौहार
खतम भवा अउर उ सबइ घरवा लौटत रहेन तउ बालक
ईसू यरूसलेम मँ रुकि गवा मुला महतारी बाप क एँकर
जानकारी नाहीं होइ पाइ। 44इ बिचारत भए कि उ दले मँ
कहूँ होई, उ सबइ दिन भर जात्रा करत रहेन। फिन उ
सबइ ओका आपन नातेदारन अउर नजदीकी मीतन मँ
हेरइ लागेन। 45अउर जब उ ओनका नाहीं मिल पावा
तउ उ सबइ हेरत हेरत उ पचे यरूसलेम लौटि आएन।
46अउर फिन भवा ई कि तीन दिना बाद उ ओहका
मंदिर मँ पाएन। उ उपदेस देइ वालेन क साथ बइठ के
ओनका सुनत रहा अउर ओनसे सवाल पूछत रहा। 47उ
सबहिं जउन ओसे सुने रहेन, ओकर समझ बूझ अउर
ओकरे सवाले क जवाब स अचरजे मँ पड़ि गएन। 48जब
ओकर महतारी बाप ओका निहारेन तउ दंग रहि गएन।
ओकर महतारी ओसे पूछेस, "बेटवा, तू हमरे साथ अइसा
काहे किहा? तोहार बाप अउर मइँ तोहका हेरत हेरत
बहोतइ फिकिर मँ रहेन।"
49तब ईसू ओनसे कहेस, "तू मोका काहे हेरत रह्या?
का तू नाहीं जनत्या कि मोका मोरे बाप क चीजन मँ
सामिल होइ चाही?" 50मुला ईसू ओनका जउन जवाब
दिहस, उ पचे ओकरे बचन क ना समझ सकेन।

"हर ... जाई" निर्ग 13:2

"एक ... चाही" लैव्य 12:8

51फिन उ ओनके संग नासरत लौटि आवा अउर
ओनकइ हुकुम क मानत रहा। ओकर महतारी इ सब
बतियन क आपन मने मँ राखत जात रही।
52ओह कइँती ईसू बुद्धि मँ, डील डौल मँ अउर
परमेस्सर अउर मनइयन क पिरेम मँ बाढ़इ लाग।

यूहन्ना क प्रचार

(मत्ती 3:1-12, मरकुस 1:1-8; यूहन्ना 1:19-28)

3 तिबिरियुस कैसर क राज्य क पन्द्रहवाँ बरिस मँ जब
यहूदिया क राज्यपाल पुन्तियुस पीलातुस रहा अउर
उ पहँटा क चउथाई भाग क राजन मँ हेरोदेस गलील
क, ओकर भइया फिलिप्पुस इतूरैया अउर त्रखोनीतिस
क, अउर लिसानियास अबिलेने क मातहत राजा रहा।
2हन्ना अउर काइफा महायाजक रहेन, तबहीं
परमेस्सर क बचन जकरयाह क बेटवा यूहन्ना क लगे
रेगिस्तान मँ पहुँचा। 3तउ यरदन नदी क नगिचे क
समूचे पहँटा मँ गवा, उ पापन क छमा बरे मनफिराय क
खातिर बपतिस्मा क प्रचार करइ लाग। 4नबी यसायाह
क बचन क किताबे मँ जइसा लिखा बा :

> "कउनो क रेगिस्तान मँ चिल्लात भवा सब्द:
> 'पर्भू क बरे रस्ता तइयार करा अउर ओकरे
> बरे रस्ता सोझ बनवा।
> 5 हर घाटी भरि दीन्ह जाई अउर हर पहाड़
> अउर पहाड़ी सपाट होइ जइहीं टेढ़ मेंढ़ स्थान
> सीधे अउर ऊबड़ खाबड़ रस्ता चौरस कइ
> दीन्ह जाई।
> 6 अउर सबइ मनई परमेस्सर क उद्धार क
> दर्सन करिहीं।' "
>
> *यसायाह 40:3-5*

7यूहन्ना बपतिस्मा लेइ आएन मनइयन क भीड़ स
कहत रहा, "अरे सँपोला, तू पचन क कउन चेताएस ह
कि तू आवइवाले किरोध स बच जा? 8फल क जरिये
तोहका प्रमाण देइ क होई कि असल मँ तोहका अपने
पापन क पछतावा अहइ। अउर आपुस मँ इ कहब जिन
सुरू करा, 'इब्राहीम हमार बाप अहइ।' मइँ तोहसे कहत
हउँ कि परमेस्सर इब्राहीम बरे इन पाथरन स भी बचवन
पइदा कइ सकत ह। 9बृच्छन क जड़े प कुल्हाड़ा धरा
गवा अहइ अउर हर उ बृच्छ जउन नीक फर नाहीं
पइदा करत, काटिके गिराइ दीन्ह जाई अउर फिन ओका
आगी मँ झोंकि दीन्ह जाई।"
10तब भीड़ ओसे पूछेस, "तउ हमका का करइ
चाही?" 11जवाबे मँ उ ओनसे कहेस, "जउन कउनो क
लगे दुइ कुरता होइ, उ ओनका जेकरे लगे न होइ,
ओनके संग बाँटि लेइँ। अउर जेकरे लगे खइया क होइ,
उ भी अइसा ही करइ।"
12कछू चुंगी (टिक्स) त उगहिया ओकरे लगे बपतिस्मा
बरे आएन अउर फिन उ पचे ओसे पूछेन, "गुरु, हमका
का करइ क चाही?"
13एँह पइ उ ओनसे कहेस, "जेतँना चाही ओसे जिआदा
जिन वसूला।" 14कछू सिपाही ओसे पूछेन, "अउर हमका
का करइ चाही?"
तउ उ ओनका समझाएस, "जोर अउर दबाव स
कउनो स धन जिन ल्या। कउनो प झूठ दोख जिन
लगावा। आपन पगार स संतोख करा।"
15लोग बड़की आसा स बाट जोहत रहेन अउर
यूहन्ना क बारे मँ आपन मने मँ इ बिचारत रहेन कि
कहूँ, "इ तउ मसीह नाहीं बा।"
16तबहीं यूहन्ना इ कहत भवा उ सबन क उत्तर
दिहस, "मइँ तउ तोहका जले स बपतिस्मा देत हउँ मुला
उ जउन मोसे जिआदा बरियार बा, आवत अहइ। मइँ
ओकरे पनही क फीता तलक खोलइ क जोग्ग नाहीं
हउँ। उ तोहका पवित्तर आतिमा अउर आगी स बपतिस्मा
देइ। 17ओकरे हाथ मँ ओसावइ क पाँचा अहइ, जेसे उ
दाना क भूसा अलगाइ क आपन खरिहाने मँ उठाइके
धरत ह। मुला उ भूसा क अइसी आगी मँ झोंकी जउन
कबहुँ नाहीं बुताइवाली अहइ।" 18इ तरह अइसे ही अउर
बहोत स सब्दन स उ ओनका समझावत भवा सुसमाचार
सुनावत रहत रहा।

कइसे यूहन्ना क कारज क खतम भवा

19(पाछे यूहन्ना उ चौथाई पहँटा क मातहत राजा
हेरोदेस क ओकर भाई क पत्नी हेरोदियास क संग
ओकर गलत संबंध अउर ओकर दूसर कुकरम बरे
डाटेस फटकारेस। 20एह पइ हेरोदेस यूहन्ना क बंदी
बनाइके, जउन कछू कुकरम उ किहे रहा, ओहमाँ एक
अउर जोर दिहस।)

यूहन्ना क जरिए ईसू क बपतिस्मा

(मत्ती 3:13-17, मरकुस 1:9-11)

21अइसा भवा कि जब सब लोग बपतिस्मा लेत रहेन
तउ ईसू भी बपतिस्मा लिहेस। अउर जब ईसू पराथना
करत रहा, तबहीं अकास खुलि गवा 22अउर पवित्तर
आतिमा एक ठु कबूतरे क देह धइके ओह प तरखाले
ओतरा। अउर अकासबाणी भइ, "तू मोर पियारा पूत
अहा, मइँ तोहसे बहोत खुस हउँ।"

यूसुफ क बंसज बृच्छ

(मत्ती 1:1-17)

23ईसू जब आपन सेवा सुरु किहेस तउ उ खुद
लगभग तीस बरिस क रहा। अइसा बिचारा गवा कि उ
यूसुफ क बेटवा था। एली क बेटवा यूसुफ। 24मत्तात क
बेटवा एली। लेवी क बेटवा मत्तात। मलकी क बेटवा

लेवी। यन्ना क बेटवा मलकी। यूसुफ क बेटवा यन्ना।
25मत्तित्याह क बेटवा यूसुफ। आमोस क बेटवा मत्तित्याह।
नहूम क बेटवा आमोस। असल्याह क बेटवा नहूम।
नोगह क बेटवा असल्याह। 26मात क बेटवा नोगह।
मत्तित्याह क बेटवा मात। सिमी क बेटवा मत्तित्याह।
योसेख क बेटवा सिमी। योदाह क बेटवा योसेख।

27योनान क बेटवा योदाह। रेसा क बेटवा योनान।
जरुब्बाबिल क बेटवा रेसा। सालतियेल क बेटवा
जरुब्बाबिल। नेरी क बेटवा सालतियेल। 28मलकी क
बेटवा नेरी। अद्दी क बेटवा मलकी। कोसाम क बेटवा
अद्दी। इलमोदाम क बेटवा कोसाम। एर क बेटवा
इलमोदाम। 29येसु क बेटवा एर। एलीएजेर क बेटवा
येसु। योरीम क बेटवा एलीएजेर। मत्तात क बेटवा योरीम।
लेवी क बेटवा मत्तात।

30समौन क बेटवा लेवी। यहूदाह क बेटवा समौन।
यूसुफ क बेटवा यहूदाह। योनान क बेटवा यूसुफ।
एलियाकीम क बेटवा योनान। 31मलेआह क बेटवा
एलियाकीम। मिन्नाह क बेटवा मलेआह। मत्तता क
बेटवा मिन्नाह। नातान क बेटवा मत्तता। दाऊद क
बेटवा नातान । 32यिसै क बेटवा दाऊद। ओबेद क
बेटवा यिसै। बोअज क बेटवा ओबेद। सलमोन क बेटवा
बोअज। नहसोन क बेटवा सलमोन।

33अम्मीनादाब क बेटवा नहसोन। आदमीन क बेटवा
अम्मीनादाब। अरनी क बेटवा आदमीन। हिस्रोन क
बेटवा अरनी। फिरिस क बेटवा हिस्रोन। यहूदाह क
बेटवा फिरिस। 34याकूब क बेटवा यहूदाह। इसहाक क
बेटवा याकूब। इब्राहीम क बेटवा इसहाक। तिरह क
बेटवा इब्राहीम। नाहोर क बेटवा तिरह। 35सरूग क
बेटवा नाहोर। रऊ क बेटवा सरूग। फिलिग क बेटवा
रऊ। एबिर क बेटवा फिलिग। सेलाह क बेटवा एबिर।

36केनान क बेटवा सेलाह। अरफक्षद क बेटवा
केनान। सेम क बेटवा अरफक्षद। नूह क बेटवा सेम।
लिमिक क बेटवा नूह। 37मथूसिलह क बेटवा लिमिक।
हनोक क बेटवा मथूसिलह। यिरिद क बेटवा हनोक।
महललेल क बेटवा यिरिद। केनान क बेटवा महललेल।
38एनोस क बेटवा केनान। सेत क बेटवा एनोस। आदम
क बेटवा सेत। अउर परमेस्सर क पूत आदम था।

ईसू क परीच्छा

(मत्ती 4:1-11, मरकुस 1:12-13)

4 पवित्तर आतिमा स भरा भवा ईसू यरदन नदी स
लौटि आवा। आतिमा ओका ऊसरे मँ राह देखॉवत
रही। 2हुवाँ सइतान चालीस दिना ताईं ओकर परीच्छा
लिहस। ओ दिनन मँ ईसू बे खइया क खाए रहा। फिन
जब समइ पूर भवा तउ ईसू भुखान।

3यह बरे सइतान ओसे कहेस, "जदि तू परमेस्सर क
पूत अहा तउ इ पथरे स रोटी बनइ बरे कहा।"

4एँह पइ ईसू जवाब दिहस, "पवित्तर सास्तरन मँ
लिखा बा:

'मनई सिरिफ रोटी प नाहीं जिअत।'"

व्यवस्था विवरण 8:3

5फिन सइतान ओका बहोत ऊँच लइ गवा अउर
छिन भर मँ समूचे संसार क राज्य ओका देखॉवत बोला,
6अउर सइतान ने ओसे कहेस, "मइँ इन राज्यन क
तोहक हुकूमत अउर धन दौलत दइ देइहउँ अउर मइँ
जेका चाहउँ ओका दइ सकत हउँ। 7यह बरे यदि तू मोर
आराधना करब्या तउ इ सब तोहार होइ जाई।"

8ईसू ओका जवाब देत भवा बोला, "पवित्तर सास्तरन
मँ लिखा बा:

'तोहका सिरिफ आपन पर्भू परमेस्सर क ही
आराधना चाही। तोहका सिरिफ उहइ क सेवा
करइ चाही!'"

व्यवस्था विवरण 6:13

9तब उ ओका यरूसलेम लइ गवा अउर हुवाँ मंदिर
क सबते ऊँची चोटी प लइ जाइके खड़ा कइ दिहस।
अउर उ ओसे बोला, "जदि तू परमेस्सर क पूत अहा तउ
हिआँ स अपने आपक तरखाले गिरावा। 10पवित्तर
सास्तर मँ लिखा अहइ :

'उ आपन सरगदूतन क तोहरे बारे मँ हुकुम देई
कि उ पचे तोहार रच्छा करइँ।'

भजन संहिता 91:11

11अउर लिखा अहइ :

'उ पचे तोहका आपन बाँहे मँ अइसे उठइहीं कि
तोहार गोड़ कउनो पाथर स न टकराई।'"

भजन संहिता 91:12

12ईसू जवाब देत भवा कहेस, "पवित्तर सास्तरन मँ
इ भी लिखा बा:

'तोहका आपन पर्भू परमेस्सर क परीच्छा मँ
नाहीं नावइ चाही।'"

व्यवस्था विवरण 6:16

13तउ जब सइतान ओकर सबइ तरह क परीच्छा लइके
हारि गवा तउ दूसरइ समइ तलक ओका तजिके चल
दिहस।

ईसू का लोगन क उपदेस

(मत्ती 4:12-17, मरकुस 1:14-15)

14फिन ईसू आतिमा क समर्थ स भरा भवा गलील
लौटि आवा अउर उ समूचे पहँटा मँ ओकर चर्चा फैलि
गइ। 15उ ओनके आराधनालय मँ उपदेस दिहेस। सबइ
ओकर प्रसंसा करत रहेन।

16फिन उ नासरत आवा जहाँ उ पला अउर बड़ा
भवा। आपन आदत क मुताबिक सबित क दिन उ
आराधनालय मँ गवा। जबहिं उ पाठ बाँचइ खड़ा भवा।
17तउ यसायाह नबी क किताब ओका दीन्ह गई। जब उ
किताब खोलेस तउ ओका उ जगह मिला जहाँ लिखा
रहा कि:

> 18"पर्भू क आतिमा मोरे मँ समाइ गइ अहइ
> काहेकि किहेस ह उ मोर अभिसेक कि
> दुइनउँ क सुसमाचार सुनाउब मइँ, उ मोका
> पठएस ह बंदीयन क इ बतावइ कि उ पचे
> अजाद अहइँ। आँधर क आँखिन मँ जोति
> सरसावइ, अउर दलितन क छुटकारा देवाँवइ;
> 19 पर्भू क अनुग्रह क समइ बतावइ क भेजा
> अहइ!"
>
> *यसायाह 61:1-2*

20फिन उ किताब क बंद कइके परिचारक क
हथवा मँ दइ दिहस अउर बैठ गवा। आराधनालय मँ
सबइ क आँखिन ओका निहारत रहिन। 21तब उ ओनसे
कहब सुरु किहेस, "आज इ बचन तोहरे काने मँ पूर
भवा!"

22हर कउनो ओकरे बारे मँ अच्छी बातन कहत
रहेन। ओकरे मुँहना स जउन सुन्दर बचन निकरत
रहेन, ओन प सबन क अचरज भवा। उ पचे कहेन,
"का इ यूसुफ क बेटवा नाहीं अहइ?"

23फिन ईसू ओनसे कहेस, "तू पचे जरूर मोका इ
कहावत सुनउब्या, 'अरे बैद्य खुद आपन इलाज करा।'
कफरनहूम मँ तोहरे जउन काजे क बारे मँ हम पचे
सुना ह, उ काजे क हिआँ आपन खुद क सहर मँ भी
कइ डावा!'" 24ईसू तब ओनसे कहेस, "मइँ तोहसे सच
कहत हउँ कि आपन सहर मँ कउनो नबी क स्वागत
नाहीं होत। 25मइँ तोहसे सच कहत हउँ इस्राएल मँ एलिय्याह
क समइ मँ जब अकास जइसे मुँद गवा रहा अउर साढ़े
तीन बरिस तलक पूरी धरती मँ खौफनाक अकाल पड़ि
गवा, तउ हुवाँ बहुत विधवन रहेन। 26मुला सैदा पहँटा के
सारपत सहर क एक विधवा क तजिके एलिय्याह क
कउनो अउर क लगे नाहीं पठवा गवा रहा। 27अउर
नबी एलीसा क समइया मँ इस्राएल मँ ढ़ेर कोढ़ी रहेन
मुला ओहमाँ स सीरिया क बसइया नामान क तजिके
अउर कउनो क सुद्ध नाहीं कीन्ह गवा रहा।"

28तउ जबहिं आराधनालय मँ मनइयन इ सुनेन तउ
सबहिं बहोत क्रोध स भर गएन। 29तउ उ पचे खड़ा
भएन अउर ओका सहर स बाहेर ढकेल दिहेन। उ सबइ
ओका पहाड़े क उ चोटी प लइ गएन जेह प ओकर
सहर बसा रहा जेसे उ पचे हुवाँ तरखाले झोंकि देइँ।
30मुला उ ओनके बीच स निकरिके कहूँ आपन राहे प
चला गवा।

ईसू का एक मनई क दुस्ट आतिमा स छुटकारा

(मत्ती 1:21-28)

31फिन उ गलील क एक सहर कफरनहूम गवा
अउर सबित क दिन मनइयन क उपदेस देइ लाग।
32मनई ओकरे उपदेस स अचरज मँ पड़ि गएन काहेकि
ओकर संदेस मुड्ढ विद्वान क तरह रहा। 33हुवँई एक ठु
मनई आराधनालय मँ रहा जेहमाँ एक दुस्ट आतिमा क
सवारी रही। उ जोर स चिल्लान, 34"हे नासरत क ईसू!
तू हमसे का चाहत बाट्या? का तू हमार नास करइ आइ
अहा? मइँ जानत हउँ तू कउन अहा-तू परमेस्सर क
पवित्तर मनई अहा!" 35ईसू झिड़कत भवा ओसे कहेस,
"चुप रह। एहमाँ स बाहेर निकरि आवा!" एँह पइ दुस्ट
आतिमा उ मनई क लोगन्क समन्वा दइ मारेस अउर
ओका बे नसकान किए ओसे बाहेर निकरि गइ।

36सबइ कोउ अचरजे मँ पड़ि गएन। उ सबइ एक
दूसर स बतियात कहेन, "इ कइसा सन्देस बा? हक
अउर सक्ती क संग इ दुस्ट आतिमन क हुकुम देत ह
अउर उ सबइ बाहेर निकरि जात हीं।"

37उ पहँटा मँ लगे हर ठउरे प ओकरे बारे मँ खबर
सँचर गइ।

रोगी स्त्री क चंगा कीन्ह जाब

(मत्ती 8:14-17, मरकुस 1:29-34)

38तब ईसू आराधनालय स समौन क घर चला
गवा। समौन क सासे क बहोत बोखार चढ़ा रहा। उ पचे
ईसू स मदद बरे बिनती किहेन। 39ईसू ओकरे सिरहाने
खड़ा भवा अउर बोखारे क डाटेस। बोखार ओहका
छोड़ि दिहस। उ फउरन खड़ी होइ गइ अउर ओनकर
सेवा करइ लाग।

ईसू बहोतन क चंगा किहेस

40जब सूरज ओनवबत रहा तउ जेकरे हिआँ किसिम
किसिम क बेमारी स पीड़ित रहेन, उ सबइ ओनका
ओकरे लगे लइ आएन। अउर उ आपन हथवा ओहमाँ
स हर एक पर रखत भए ओनका चंगा किहेस। 41ओहमाँ
बहोतन मँ दुस्ट आतिमन चिचियात भइ इ कहत बाहेर
निकरि आइन, "तू परमेस्सर क पूत अहा।" मुला उ
ओनका डाँटेस अउर बोलइ नाहीं दिहस, काहेकि उ
सबइ जानत रहिन कि उ मसीह अहइ।

ईसू क दूसर सहरन क जात्रा

(मरकुस 1:35-39)

[42]जब भिनसार भवा तउ हुवाँ स उ कउनो एकांत ठउर चला गवा। मुला भीड़ ओका हेरत हेरत हुवँइ जाइके पहोंच गइ जहाँ उ रहा। उ पचे ओका ओनका छोड़िके जाइ स रोकेन।

[43]मुला उ ओनसे कहेस, "परमेस्सर क राज्य क बारे मँ सुसमाचार मोका दूसर सहरन मँ भी पठवइ क बा काहेकि मोका यह बरे पठवा ग अहइ।"

[44]अउर इ तरह उ यहूदिया क आराधनालय मँ लगातार उपदेस देत रहा।

ईसू क पहिले चेलन

(मत्ती 4:18-22, मरकुस 1:16-20)

5 अइसा भवा कि भीड़ मँ मनइयन ईसू क चारिहुँ कइँती स घेरिके जब परमेस्सर क बचन सुनत रहेन अउर उ गन्नेसरत नाउँ क झिलिया क किनारे खड़ा रहा। [2]तबहीं उ झीले क किनारे दुइ नाउ देखेस। मछुआरा ओहमाँ स निकरिके आपन जाल साफ करत रहेन।

[3]ईसू ओहमाँ स एक नाउ प जउन समौन क रही, चढ़ि गवा अउर उ नाउ क किनारे स हटावइ बरे कहेस। फिन उ नाउ प बइठि गवा अउर हुवँई नाउ प स मनइयन क भीड़े क उपदेस देइ लाग।

[4]जब उ उपदेस देब बंद किहेस तउ उ समौन स कहेस, "गहिर पानी कइँती बढ़ा अउर मछरी धरइ क आपन जालि डावा।"

[5]समौन कहेस, "स्वामी हम सारी राति बहोत मेहनत कीन्ह ह, मुला हमका कछू नाहीं मिला। तउ भी तू कहत बाट्या, यह बरे मइँ जालि नाइ देत हउँ।" [6]जब उ पचे जलिया डारि दिहन तउ ढेर मछरी धरी गइन। ओनकइ जालि जइसे फाटत रहिन। [7]तउ उ पचे दूसर नाउन मँ बइठन आपन साथी संगी क इसारा कइके मदद बरे बोलाएन। उ सबइ आइ गएन अउर उ सबइ दुइनउँ नाउन प एँतनी ढेरि क मछरी लादि दिहन कि माना उ पचे बूड़इ लागेन।

[8-9] जब समौन पतरस इ निहारेस तउ उ ईसू क गोड़वा मँ गिरिके बोला, "मोसे दूर रहा, काहेकि हे पर्भू मइँ एक पापी मनई हउँ।" उ इ यह बरे कहेस कि एँतनी मछरी बटोर पावइ क कारण ओका अउर ओकँरे सबहीं साथी क बहोत अचरज होत रहा। [10]जब्दी क बेटवा याकूब अउर यूहन्ना क भी, जउन समौन क साथी रहेन, इ तरह बहोत अचरज भवा।

तउ ईसू समौन स कहेस, "डेराअ जिन, काहेकि अबहिं स तू मनइयन क बटोरब्या।"

[11]फिन उ पचे आपन नाउन क किनारे लइ आएन अउर सब कछू तजिके ईसू क पाछे होइ गएन।

कोढ़ी क सुद्ध कीन्ह जाब

(मत्ती 8:1-4, मरकुस 1:40-45)

[12]तउ अइसा भवा कि जब ईसू एक सहर मँ रहा तबहीं हुवाँ कोढ़ स बिआपा एक ठु मनई रहा। उ जइसेन ईसू क निहारेस तउ दण्डवत प्रणाम कइके ओसे बिनती किहेस, "पर्भू, जदि तू चाहा तउ मोका चंगा कइ सकत ह।"

[13]एँह पइ ईसू आपन हाथ बढ़ाइके कोढ़ी क इ कहत भवा छुएस, "मइँ चाहत हउँ, चंगा होइ जा!" अउर फउरन ओकर कोढ जात रहा। [14]फिन ईसू ओका हुकुम दिहेस, "एँकरे बारे मँ उ कउनो स कछू न कहइ। मुला याजक क लगे जा अउर अपने सुद्ध होइ बरे मूसा क हुकुम क मुताबिक भेंट चढ़ाइ द्या जेसे मनइयन क तोहरे चंगा होइ क प्रमाण मिलइ।" [15]मुला ईसू क बारे मँ खबर अउर जिआदा रफ्तार स संचरइ लाग। अउर मनइयन क झुंड क झुंड एँकट्ठा होइके ओका सुनइ अउर आपन बेरामी स जरटुट होइ बरे ओकरे नगिचे आवत रहेन। [16]मुला ईसू अक्सर कहूँ एकान्त जंगल मँ चला जात रहा अउर उहाँ पराथना करत रहा।

लकवा क रोगी क चंगा करब

(मत्ती 9:1-8, मरकुस 2:1-12)

[17]अइसा भवा कि एक दिना जब उ उपदेस देत रहा तउ हुवाँ फरीसियन अउर धरम सास्तिरियन भी बइठा रहेन। उ सबइ गलील अउर यहूदिया क हर सहर अउर यरूसलेम स आए रहेन। मनइयन क चंगा करइ क पर्भू क सक्ती ओकरे साथे रही। [18]तबहीं कछू मनई खटिया प लकवा क एक बेरमिया क ओकरे लगे लइ आएन। उ पचे ओका भितरे लइ आइके ईसू क समन्वा धरइ क जतन करत रहेन। [19]मुला भीड़ क कारण भीतर जाइके रस्ता न मिल पावइ स उ सबइ छत प चढ़ि गएन अउर उ पचे ओका बिछउना क साथ छत क बीचोबीचे स खपरैल टारिके मोर के बीच मँ ईसू क समन्वा उतार दिहन। [20]ओनके बिसवास क लखत भवा ईसू कहेस, "अरे तोहार, पाप छमा होइ गएन।"

[21]तब धरम सास्तिरियन अउर फरीसियन आपन मँ सोचइ लागेन, "इ कउन बा जउन परमेस्सर बरे अइसे बेज्जती स बोलत ह? परमेस्सर क तजिके दूसर कउन अहइ जउन पाप छमा कइ सकत ह?"

[22]मुला ईसू ओनकइ सोचब बिचारब क ताड़ लिहस। फिन जवाबे मँ उ ओनसे कहेस, "तू पचे आपन मने मँ अइसा काहे सोचत अहा? [23]जिआदा असान का बाटइ? इ कहब, 'तोहार पाप छमा हुआ' या इ कहब, 'उठा अउर चला'? [24]मुला यह बरे कि तू जान ल्या कि मनई क पूत क धरती प छमा करइ क हक अहइ।" उ लकवा क बेरमिआ स कहेस, "मइँ तोहसे कहत हउँ, खड़ा हवा! आपन बिछउना उठावा अउर घरे जा।"

25तउ उ तुरंतहि खड़ा भवा अउर ओनके लखत लखत जउने बिछउना प उ ओलरा रहा, ओका उठाइके परमेस्सर क स्तुति करत भवा आपन घर चला गवा। 26उ पचे जउन हुवाँ रहेन सब चकित होइके परमेस्सर क बड़कई करइ लागेन। उ पचे स्रद्धा अउर अचरज स भरि गएन अउर बोलेन, "आजु हम पचे कछू अजूवा निहारा ह!"

लेवी क ईसू क बोलॉवा

(मत्ती 9:9-13, मरकुस 2:13-17)

27एकरे पाछे ईसू चला गवा। तबहीं उ चुंगी (टिक्स) क चौकी पइ बइठा लेवी नाउँ क चुंगी उगहिया* क लखेस। उ ओसे कहेस, "मोरे पाछे चला आवा!" 28तउ उ खड़ा भवा अउर सब कछू तजिके ओकरे पाछे होइ गएन।

29फिन लेवी आपन घरे प ईसू क मान बरे एक ठु स्वागत जेवनार दिहस। हुवाँ चुंगी क उगहिया अउर दूसर मनइयन क बड़का जमघट मिलिके ओकरे संग जेवंत रहा। 30तब फरीसियन अउर धरम सास्तिरियन लोग ओकरे चेलन स इ कहत भए सिकाइत किहन, "तू चुंगी उगहिया अउर पापी मनइयन क संग काहे खात पिअत ह?"

31जवाबे मँ ईसू ओनसे कहेस, "हिट्ठ पुट्ठ क नाहीं, मुला बेरमियन क बैद्य (डाक्टर) क जरूरत होत ह। 32मइ मनफिराव बरे धर्मी लोगन क नाहीं मुला पापी मनइयन क बोलावइ आवा हउँ!"

उपास प ईसू क मत

(मत्ती 9:14-17, मरकुस 2:18-22)

33उ पचे ईसू स कहेन, "यूहन्ना क चेलन अक्सर उपास राखत हीं अउर पराथना करत हीं। अउर अइसा ही फरीसियन क मनवइयन भी करत ही मुला तोहार मनवइयन तउ खात पिअत रहत हीं।"

34ईसू ओनसे पूछेस, "का दुल्हा क संग मेहमान जब तलक दुल्हा क लगे रहत हीं, उपास करत हीं? 35मुला उ सबइ दिनन अबहीं जबहिं दुल्हा ओनसे छीन लीन्ह जइहीं। फिन उ दिनन मँ उ पचे उपास करिहीं।"

36उ ओनसे एक दिस्टान्त कथा अउर कहेस, "कउनो भी नवा पोसाके स टुकड़ा फाड़िके ओका पुरान पोसाके प नाहीं लगावत अउर जदि कउनो अइसा करत ह तउ ओकर नवा पोसाक तउ फाटि जाई, ओकरे संग उ नवा पइबंद भी पुरान क साथ मेल न खाई। 37कउनो भी पुरान मसकन मँ नई दाखरस नाहीं भरत अउर जदि भरि देत ह तउ नई दाखरस पुरान मसकन क फोरि देई, उ फैलि जाई अउर मसकन क फोरि देई। 38मनई हमेसा नई दाखरस नई मसकन मँ ही धरत ह। 39पुरान दाखरस पीके कउनो भी नई का नाहीं चाहत काहेकि उ कहत ह, 'पुरान उत्तिम अहइ।'"

सबित क पर्भू ईसू

(मत्ती 12:1-8, मरकुस 2:23-28)

6 अब अइसा भवा कि सबित क एक दिन ईसू जब अनाजे क खेतन्स जात रहा तउ ओनकर चेलन अनाजे क बलिया तोड़तेन, हथेली प रगड़ितेन अउर ओनका चबात जात रहेन। 2तबहीं कछू फरीसियन कहेन, "जेका सबित क दिन कीन्ह जाब नीक नाहीं बा, ओका तू पचे काहे करत अहा?"

3जवाब देत भवा ईसू ओनसे पूछेस, "का तू पचे नाहीं पढ़्या जब दाऊद अउर ओकर साथी भुखान रहेन, तब दाऊद का किहेस? 4का तू नाहीं बँच्या कि उ परमेस्सर क घरे मँ घुसिके, परमेस्सर क चढ़ाई गइ रोटिन क उठाइके खाइ लिहस अउर ओनका भी दिहेस जउन ओकरे संग रहेन? जब कि याजकन क तजिके ओकर खाब कउनो बरे नीक नाहीं।"

5उ अगवा फिन कहेस, "मनई क पूत सबित क दिन क भी पर्भू अहइ।"

ईसू सबित क दिन रोगी क चंगा किहेस

(मत्ती 12:9-14, मरकुस 3:1-6)

6दूसर सबित क दिना अइसा भवा कि उ आराधनालय मँ जाइके उपदेस देइ लाग। हुवँई एक अइसा मनई रहा जेकर दाहिन हाथ सुखंडी होइ गवा रहा। 7हुवँई धरम सास्तिरियन अउर फरीसियन इ ताक मँ रहेन कि उ सबित क दिन कउनो क चंगा किहे होइ तो ओह प दोख लगावइ क कउनो कारण पाइ जाइँ। 8उ ओनके बिचारन क जानत रहा। यह बरे उ सुखंडी हथवावाले मनई स कहेस, "उठा अउर सबन क समन्वा खड़ा होइ जा।" उ उठि गवा अउर हुवाँ खड़ा होइ गवा। 9तब ईसू मनइयन स कहेस, "मइँ तोहसे पूछत हउँ−सबित क दिन कउनो क भला करब चंगा अहइ या कउनो क नोसकान करब, कउनो क जिन्नगी बचाउब नीक बा या कउनो क जिन्नगी क नास करब।"

10ईसू चारिहुँ कइँती ओन सबन क निहारेस अउर फिन ओसे कहेस, "आपन हथवा सोझ फइलावा।" उ वइसा ही किहेस अउर ओकर हाथ फिन स चंगा होइ ग।

11मुला एँह पइ उ पचे आपुस मँ तहत्तुक करत कोहाइ गएन अउर बिचारइ लागेन, "ईसू क का कीन्ह जाइ?"

चुंगी (टिक्स) उगहिया मनइयन स चुंगी उगहिया बरे यहूदियन क पगारे प रखा जात रहा। इ चुंगी क उगहिया मनइयन क ठगत रहेन। यह बरे मनई एनका इज्जत स नाहीं देखत रहेन।

ईसू बारह प्रेरितन क चुनेस

(मत्ती 10:1-4, मरकुस 3:13-19)

12उ दिनन मँ अइसा भवा कि ईसू पराथना करइ
बरे एक पहाड़े प गवा अउर सारी राति परमेस्सर क
पराथना करइ मँ बिताएस। 13फिन भोर भवा तउ उ
आपन मनवइयन क लगे बोलॉएस। ओहमाँ स उ बारहु
क चुनेस, जेनका उ "प्रेरितन" क नाउँ दिहस। 14समौन
जेका उ पतरस का नाउँ दिहेस, अउर ओकर भइया
अन्द्रियास, याकूब अउर यूहन्ना, फिलिप्पुस, बरतुलमै,
15मत्ती, थोमा, हलफई क बेटवा याकूब अउर समौन
कनानी,*16याकूब क बेटवा यहूदा अउर यहूदा
इस्करियोती जउन दगाबाज होइ गवा।

ईसू क मनइयन क उपदेस अउर चंगा करब

(मत्ती 4:23-25, 5:1-12)

17फिन ईसू ओनके संग पहाड़ी स तरखाले उतरिके
समथर भुइयाँ प खड़ा भवा। हुवँई ओकरे चेलन क
भारी जमघट रहा। एकरे साथ समूचइ यहूदिया, यरूसलेम,
सूर अउर सैदा क समुद्दर किनारे स अनगिनत आलम
हुवाँ आइके एँकट्टा भवा। 18उ पचे ओका सुनइ अउर
बेरामी स छुटकारा पावइ हुवाँ आए रहेन। जउन दुस्ट
आतिमा स सतावा रहेन, उ पचे भी हुवाँ आइके चंगा
भएन। 19समूची भीड़ ओका छुइ भरि लेइ क जतन मँ
रही काहेकि ओहमाँ स सक्ती निकरत रही अउर ओन
सबन क बेरामी स दूर करत रही।

20फिन उ आपन चेलन क निहारत भवा बोला,

"धन्य अहा तू दीन जनन काहेकि परमेस्सर
क राज्य तोहार अहइ।
21 धन्य अहा तू, जउन अबहीं भूखा अहा काहेकि
तृप्ति तउ होइ तोहार, धन्य अहा तू, जउन
आजु आँसू बहावत अहा, काहेकि तू आगे
हँसब्या।

22"धन्य अहा तू, जब मनई क पूत क कारण लोग
तोहसे घिना करइँ, अउर तोहका निकारि देइँ; अउर
करइँ तोहार बुराई, नाउँ तलक क दुस्ट कहिके, काटि
देइँ उ पचे। 23तब उहइ दिन तू मगन होइके खुसी मँ
उछर्‌या काहेकि सरग मँ तोहार प्रतिफल महान अहइ।
काहेकि ओनके पूर्वजन भी नबियन क संग अइसा ही
किहन ह।

24"हाय! धिक्कार अहइ तोहका ओ धनी मनइयो।
काहेकि तोहका मिल गवा सुख चइन भरभूर।
25 अहइ तोहका धिक्कार, जउन भरपेट अहा
अब काहेकि तू भूखा रहब्या। अहइ तोहका
धिक्कार, जउन अबहिन हँसत अहा, काहेकि
तू आँसू बहउब्या अउर सोक करब्या।

26"बा धिक्कार तोहका, जब सबन दुआरा तोहार
बड़कई होइ काहेकि ओनके पूर्वजन भी इही ब्यौहार
झूठे नबियन क संग किहे रहेन।

आपन बैरी स पिरेम करा

(मत्ती 5:38-48; 7:12)

27"ओ सुनवइया लोगो, मइँ तोहसे कहत हउँ आपन
बैरी स भी पिरेम करा। जउन तोहसे घिना करत हीं
ओनके संग भलाई करा। 28ओनका भी आसीर्बाद द्‌या
जउन तोहका सरापत हीं। ओनके बरे पराथना करा
जउन तोहरे संग नीक ब्यौहार नाहीं करतेन। 29जदि
कउनो तोहरे एक गाले प थप्पड़ियावइ तउ तू दूसर गाल
भी ओकरे अगवा कइ द्‌या. जदि कउनो तोहार कोट
तोसे लइ लेइ तउ ओहका कुर्ता भी लइ लेइ द्‌या। 30जदि
कउनो तोसे माँगइ, ओका द्‌या। जदि कउनो तोहार कछू
राखि लेइ तउ ओसे ओका वापस जिन माँगा। 31तू आपन
बरे जइसा ब्यौहार दूसरन स चाहत बाट्‌या, तोहका वइसा
ही दूसर क संग ब्यौहार करइ चाही। 32जदि तू बस
ओनही क पिआर करत ह, जउन तोहका पिआर करत
हीं, तउ एँहमा तोहार कउन बड़कई? काहेकि आपन स
पिरेम करइवालन स पिरेम तउ पापी मनई तलक करत
हीं। 33जदि तू बस ओनहीं क भला करत ह, जउन
तोहार भला करत हीं, तउ तोहार कउन बड़कई? अइसा
तउ पापी तलक करत हीं।

34जदि तू सिरिफ ओनही क उधार देत ह, जेनसे
तोहका वापस मिल जाइ क आसा बा, तउ तोहार कउन
बड़कई? अइसे तउ पापी भी पापी मनइयन क देत हीं
कि ओनका ओनकी पूरी रकम वापस मिलि जाइ।
35मुला आपन दुस्मन स भी पिआर करा, ओनके संग
भलाई करा। कछू भी वापस मिलि जाइके आसा तजिके
उधार द्‌या। इ तरह तोहार फल महान होइ जाई अउर तू
सर्वोच्च (परमेस्सर) क संतान बनब्या काहेकि परमेस्सर
एहसाने क मानइवालन अउर दुस्ट मनइयन प भी दाया
करत ह। 36जइसे तोहार परमपिता दयालु बा, वइसे ही तू
दयालु बना।

आपन क पहिचाना

(मत्ती 7:1-5)

37"कओ क दोखी जिन कहा तउ तोहका भी दोखी
नाहीं कहा जाइ। कओ क नोक्ताचीनी जिन करा तउ
तोहार भी नोक्ताचीनी नाहीं कीन्ह जाइ। छमा करा,
तोहका छमा मिली। 38द्‌या, तोहका भी दीन्ह जाइ। उ पचे

कनानी एक ठु कट्टर पंथी राजनीति दल क नाउँ रहा,
जेकर उ निअंबर होत रहा।

तोहरे झोरी मँ पूरा नाप दबाइ दबाइ के, हलाइके बाहेर निकसत भइ उड़ेरिहीं काहेकि जउने नापे स तू दूसरन क नापत ह, उहइ स तोहका नापा जाइ।"

39उ ओनसे एक ठु दिस्टान्त कथा अउर कहेस: "का कउनो आँधर कउने दूसरे आँधर क राह देखाइ सकत ह? का उ सबइ दुइनउँ ही कउनो गड़हा मँ नाहीं भहरइहीं?

40कउनो भी पढ़वइया आपन पढ़ावइवालन स बड़वार नाहीं होइ सकत, मुला जबहिं कउनो मनई पूरी तरह हुसियार होइ जात ह तउ उ आपन गुरु क नाईं होइ जात ह।

41"तू आपन भाई क आँखी मँ कउनो ढेंढ़ा काहे लखत ह? अउर आपन आँखी क लट्ठा भी तोहका नाहीं चोंधरात। 42तउ आपन भाई स तू कइसे कहि सकत ह 'भाई तू आपन आँखी क तिनका मोका निकारइ द्या।' जब तू आपन आँखी क लट्ठा क नाहीं निहरत्या। अरे कपटी, पहिले आपन आँखी क लट्ठा दूर करा, तब तोबका आपन भाई क आँखी क ढढ़े बाहेर निकारइ बरे देखाँइ पड़ी।

दुइ किसिम क फर

(मत्ती 7:17-20; 12:34-35)

43"कउनो भी अइसा उत्तिम बृच्छ नाहीं अहइ जेह पइ बुरा फर लागत होइ। न ही कउनो अइसा बुरा बृच्छ बाटइ, जेह पइ उत्तिम फर आवति होइ। 44हर बृच्छ आपन फर स पहिचाना जात ह। मनइयन कँटेहरी झारी स अंजीर नाहीं बटोरतेन। न ही कउनो झरबेली स मनई अंगूर बटोरत हीं।

45एक नीक मनई क मन मँ अच्छाइ क भंडार बाटइ। अउर एक खोटा मनई, जउ ओकरे मने मँ बुराई बाटइ, उहइ स बुराई पइदा करत ह। काहेकि एक मनई मुँहना स उहइ बोलत ह, जउन ओकरे हिरदइ मँ उफनाइ के बाहेर आवत ह।

आपन क पहिचाना

(मत्ती 7:24-27)

46"तू मोका, 'पर्भू पर्भू' काहे पुकारत ह अउर जउन मइँ कहत हउँ, ओह प नाहीं चलत्या। 47हर कउनो जउन मोरे लगे आवत ह अउर मोर उपदेस सुनि लेत ह अउर ओह पर आचरण करत ह, उ कउने तरह क होत ह, मइँ तोहका बताउब। 48उ उहइ मनई क नाईं अहइ जउन मकान बनावत बाटइ। उ गहिर खुदाई किहेस अउर चट्टानें प नेंव डाएस। फिन जब बाढ़ आइ अउर नदी मकाने प टकरान तउ ओका हलाइ नाहीं पाएस, काहेकि उ बहोत अच्छी तरह स बना रहा। 49मुला जउन मोर उपदेस सुनत ह अउर ओहँ प चलत नाहीं, उ ओ मनई क नाईं अहइ जउन बे नेंव धरे धरती प मकान बनाएस। नदी ओसे टकरान अउर उ फउरन ढहाइ गवा अउर पूरी तरह बरबाद होइ गवा।"

बिसवास क सक्ती

(मत्ती 8:5-13; यूहन्ना 4:43-54)

7 ईसू मनइयन क जउन सुनावा चाहत रहा, ओका
कहि चुकइ क पाछे उ कफरनहूम चला गवा।
2हुवाँ एक फऊजी नायक रहा जेकर नउकर एँतना
बेरमिया रहा कि मरइ के नगीचे रहा। उ नउकर ओकर
बहोत पियारा रहा। 3फऊजी नायक जब ईसू क बारे मँ
सुनेस तउ उ कछू बुजुर्ग यहूदी नेतन क इ बिनती करइ
क ओकरे लगे पठएस कि उ आइके ओकरे नउकर
क प्राण बचाइ लेइ। 4जब उ पचे ईसू क नगीचे पहुँच
गएन तउ उ सबइ सच्चे मने स बिनती करत भए कहेन,
"उ इ जोग्ग अहइ कि तू ओकरे बरे अइसा करा।
5काहेकि उ हमरे मनइयन स पिरेम करत ह। उ हमरे
बरे आराधनालय क बनवाएस ह।"
6एँह पर ईसू ओनके संग चल दिहेस। अबहीं जब उ
घरे स जिआदा दूर नाहीं रहा, उ फऊजी नायक ओकरे
लगे आपन मीतन क इ कहइ बरे पठएस, "पर्भू, आपन
क कस्ट जिन द्या काहेकि मइँ एँतना नीक मनई नाहीं
कि तू मोरे घरवा आवा। 7यह बरे मइँ तोहरे लगे आवइ
तलक नाहीं सोचेउँ। मुला तू बस कहि भर द्या, मोर
नउकर नीक होइ जाई।
8मइँ खुद कउनो अधिकारी क मातहत काम करत
हउँ अउर मोरे मातहत भी कछू सिपाही अहइँ। मइँ जब
कउनो स कहत हउँ, 'जा' तउ उ चला जात ह। अउर
जब मइँ आपन नउकर स कहत हउँ, 'आवा' तउ उ
आइ जात ह अउर जब मइँ आपन नउकर स कहत
हउँ, 'इकरा' तउ उ ओका करत ह।"
9ईसू जब इ सुनेस तउ ओका ओह प बहोत अचरज
भवा। जउन भारी मनइयन क भीड़ ओकरे पाछे चली
आवत रही, ओनके कइँती मुड़िके ईसू कहेस, "मइँ
तोहका बतावत हउँ अइसा बिसवास मोका इस्राएल मँ भी
कहूँ नाहीं मिला।"
10फिन पठए भए उ पचे जब वापस घरे पहुँचेन तउ
उ सबइ उ नउकरे क बेरामी स जरटुट पाएन।

मुर्दा क जिन्नगी देब

11फिन अइसा भवा कि ईसू नाइन नाउँ क एक
सहर चला गवा। ओकर चेलन अउर भारी आलम ओकरे
संग रहा। 12उ जइसे ही सहर दुआरे क नगिचे आवा तउ
हुवाँ स एक मुर्दा क लइ जात रहेन। उ आपन विधवा
महतारी क इकलौता बेटवा रहा। तउ सहर क अनगिनत
मनइयन क भीड़ ओकरे संग रही। 13जइसे पर्भू ओका
निहारेस तउ ओकार हिरदय दया स भर गवा। उ उससे
बोला, "जिन रोवा।" 14फिन उ अगवा बढ़ा अउर उ

ताबूत क छुइ लिहस उ पचे जउन ताबूते क लइ जात
रहेन, हुवँइ ठहर गएन। ईसू कहेस, “नउ जवान! मइँ
तोहसे कहत हउँ खड़ा ह्वा!” 15तउ उ मुर्दा मनई बइठ
गवा अउर बोलइ लाग। ईसू ओका ओकरी महतारी क
वापस लौटाएस। 16अउर फिन उ सबइ स्रद्धा अउर
अचरज मँ पड़ि गएन! अउर इ कहन भएन परमेस्सर
क महिमा बखानइ लागेन, “हमरे बीच एक महान नबी
परगट भवा अहइ!” अउर कहइ लागेन, “परमेस्सर
आपन मनइयन क मदद करइ बरे आइ ग अहइ।”
17ईसू क समाचार यहूदिया अउर आस-पास क देसन मँ
सब कहूँ कइँती फैलि गइ।

यूहन्ना क सवाल

(मत्ती 11:2-19)

18इ सबइ बातन क बारे मँ यूहन्ना क मनवइयन
ओका सब कछू बताइ दिहन। तउ यूहन्ना आपन दुइ
चेलन क बोलाइ के 19ओनका पर्भू स इ पूछइ बरे
पठएस, “का तू उहइ अहा, जउन आवइवाला अहइ या
हम पचे कउनो अउर क बाट जोही?”

20फिन उ मनइयन ईसू क लगे पहुँचेन तउ उ पचे
कहेन, “बपतिस्मा क देवइया यूहन्ना हमका तोहसे इ
पूछइ पठएस ह, ‘का तू उहइ अहा जउन आवइवाला
अहइ या हम सबइ कउनो अउर क बाट जोही।’”

21उहइ समइ उ बहोत स बेरमिया क नीक किहेन
अउर ओनका करुण दुख अउर दुस्ट आतिमन स छुटकारा
दियाएस। अउर बहोत स आँधर न क आँखिन दिहेस।
22फिन उ ओनका जवाब दिहस, “जा अउर यूहन्ना स
जउन तू निहार्‍या ह अउर सुन्या ह, ओका बतावा कि
आँधर फिन स लखत अहइँ, लँगड़ा लूला चलत फिरत
अहइँ अउर कोढ़ी सुद्ध होइ ग अहइँ। बहिरन सुनि
पावत हीं अउर मुरदा फिन जिआवा जात अहइँ। गरीब
मनइयन क सुसमाचार सुनाई जात अहइ। 23उ मनई
धन्य अहइ जेका मोरे क स्वीकार करइ मँ कउनो
हिचक नाहीं।”

24जब यूहन्ना क संदेस लइ आवइवालन चला गएन
तउ ईसू भीड़े मँ मनइयन क यूहन्ना क बारे मँ बताउब
सुरु किहेस: “तू पचे बियाबान जंगल मँ का लखइ गवा
रह्या? का हवा मँ झूलत कउनो सरपत लखे गवा
रइया? नाहीं? 25फिन तू का लखइ गवा रह्या? का
कउनो पुरुस क मँहगा ओढ़ना पहिरे क लखइ गवा
रह्या? नाहीं, उ पचे जउन उत्तिम ओढ़ना पहिरत हीं
अउर जउन भोग बिलास क जिन्नगी मँ जिअत हीं, उ
सबइ तउ रजवाड़ा मँ पाइ जात हीं। 26मुला बतावा तू का
देखइ गवा रह्या? का कउनो नबी? हाँ, मइँ तोहका
बतावत हउँ कि तू जेका लख्या ह, उ कउनो नबी स
कहीं जिआदा बा। 27इ उहइ अहइ जेकरे बारे मँ लिखा
अहइ:

‘देखा! तोहसे पहिले मइँ आपन दूत पठवत अही,
उ तोहसे पहिले ही राह तइयार करी।’

मलाकी 3:1

28मइँ तोहका बतावत हउँ कि कउनो स्त्रियन स पइदा
भएन मँ यूहन्ना स महान कउनो नाहीं अहइ। मुला फिन
भी परमेस्सर क राज्य क छोटा स छोटा मनई भी ओस
बड़का बा।” 29(तबहीं हर कउनो, हियाँ तलक कि चुंगी
(टिक्स) उगहिया भी यूहन्ना क सुनिके ओकर बपतिस्मा
लइके इ मान लिहेन कि परमेस्सर क रस्ता सच्चा
अहइ। 30मुला फरीसियन अउर धरम सास्तिरियन ओकर
बपतिस्मा न लइके ओनके बारे मँ परमेस्सर क इच्छा
क टारि दिहन।)

31“तउ फिन इ पीढ़ी क मनइयन क उपमा मइँ
कउने स करउँ कि उ पचे कइसे बाटेन? 32उ पचे
बजारे मँ बइठेन ओन बचवन क नाईं अहइँ जउन एक
दूसर क पुकारिके कहत हीं:

‘हम तोहरे बरे बाँसुरी बजावा मुला तू नाच्या
नाहीं। हम तोहरे बरे सोक गवनिया गावा मुला
तू रोया नाहीं।’

33काहेकि बपतिस्मा क देवइया यूहन्ना आवा जउन न
तउ रोटी खात रहा अउर न ही दाखरस पिअत रहा
अउर तू कहत ह, ‘ओहमाँ दुस्ट आतिमा समाइ गइ
अहइ।’ 34फिन खात पिअत भवा मनई क पूत आवा,
मुला तू कहत अहा, ‘देखा, इ पेटार अहइ! पियक्कड़
अहइ, चुंगी उगहियन अउर पापी मनइयन क मीत अहइ!’
35बुद्धि क उत्तिम होब ओकरे फल स सिद्ध होत ह।”

फरीसी समौन

36फरीसियन मँ एक ठु फरीसी आपन संग खइया प
ओका न्योत दिहस। तउ उ फरीसी क घर गवा अउर
ओकरे हियाँ भोजन करइ बइठा। 37हुवँई सहर मँ एक
पापी स्त्री रही, ओक जब इ पता चलि गवा कि उ एक
फरीसी क घर भोजन करत अहइ तउ उ स्फटिक क
एक पथरी मँ इतर लइके आइ। 38उ ओकरे पाछे ओकरे
गोड़वा क लगे खड़ी रही। उ रोवत रही। आपन आँसुअन
स उ ओकर गोड़ भिजवइ लाग। फिन उ गोड़वा क
आपन बाले स पोंछेस अउर गोड़वा क चूमिके ओन प
इतर उड़ेरेस। 39उ फरीसी जउन ईसू क आपन घर
बोलाएस, इ लखिके मनवा मँ सोचेस, “जदि इ मनई नबी
होत तउ जान लेत कि ओका छुवइवाली स्त्री कउन
अहइ अउर कइसी अहइ? उ जान लेत कि इ तउ पापिन
अहइ।” 40जवाबे मँ ईसू ओसे कहेस, “समौन मोका
तोहसे कछू कहइ क अहइ।”

उ बोला, “हे गुरु, कहा।”

41ईसू कहेस, “कउनो साहूकारे क दुइ करजदार
रहेन। एक प ओकरे पाँचसौ चानी क सिक्का निकरत
रहेन अउर दूसर प पचास। 42काहेकि उ दुइनउँ करजा
नाहीं पाट पाएन। यह बरे उ दाया कइके दुइनउँ क
करजा माफ कइ दिहस। अब बतावा दुइनउँ मँ स ओका
जिआदा पिरेम कउन स करी?”

43समौन जवाब दिहस, “मोर बिचार बा, उहइ जेका
उ जिआदा करजा छोड़ दिहस।”

ईसू कहेस, “तू नीक सोच्या ह।” 44फिन उ स्त्री
कइँती मुड़िके उ समौन स कहेस, “तू इ स्त्री क लखत
अहा? मइँ तोहरे घरवा आवा अही, तू मोड़े गोड़वा धोवइ
क पानी नाहीं दिहा मुला इ मेरे गोड़वा क अँसुअन स
धोइ दिहस अउर फिन आपन बरवा स पोंछेस। 45तू
स्वागत मँ मोका नाहीं चूम्या मुला इ जब तलक मइँ
भितरे गवा हउँ, मोरे गोड़वा क लगातार चूमत बाटइ।
46तू मोरे मूँड़े प तेल नाहीं मल्या, मुला इ मोरे गोड़वा प
इतर छिड़केस। 47यह बरे मइँ तोहका बतावत हउँ कि
एॅकर अगाध पिरेम दर्सित करत हय कि एॅकर पाप छमा
कइ दीन्ह ग अहइँ। मुला उ जेका तनिक पापन क छमा
मिली, उ थोड़का पिरेम करत ह।”

48तब ईसू उ स्त्री स कहेस, “तोहार पाप छमा कइ
दीन्ह ग अहइँ।”

49फिन जउन ओकरे संग जेंवत रहेन, उ सबइ मने
मँ सोचइ लागेन, “इ कउन अहइ, जउन पापन क छमा
कइ देत ह?”

50तब उ स्त्री स ईसू कहेस, “तोहार बिसवास तोहार
रच्छा किहेस ह। सांति स जा।”

ईसू आपन चेलन क संग

8 एॅकरे बाद अइसा भवा कि ईसू परमेस्सर क राज्य
क सुसमाचार मनइयन क सुनावत भवा सहर–सहर
अउर गाउँ गाउँ घूमइ लाग। ओकर बारहु प्रेरितन भी
ओकरे संग होत रहेन। 2ओकरे संग कछू स्त्रियन भी
होत रहीं जेनका उ बेरामी अउर दुस्ट आतिमन स
छुटकारा दियावत रहा। एनमाँ मरियम मगदलीनी नाउँ
क एक स्त्री रही जेका सात दुस्ट आतिमन स छुटकारा
मिला रहा। 3हेरोदेस क सरंजाम अफसर खोजा क पत्नी
योअन्ना भी एनहीं मँ रहिन। साथ ही सूसन्नाह अउर ढेर
क स्त्रियन भी रहिन। इ स्त्रियन आपन जतन स ईसू
अउर ओकरे प्रेरितन क सेवा क सरंजाम करत रहिन।

बिआ बोवइ क दिस्टान्त कथा

(मत्ती 13:1-17, मरकुस 4:1-12)

4जब सहर-सहर स आइके मनइयन क बड़ी भीड़
एॅकट्ठा होत रही, तउ उ ओनसे एक दिस्टान्त कथा
कहेस: 5“एक किसान आपन बिआ बोवइ निकरा। जब
उ बिआ बोएस कछू बिआ राह क किनारे जाइके गिरेन
अउर गोड़े तरे रौंद गएन। अउर चिड़ियाँ ओनका चुग
लिहेन। 6कछू बिआ पथरही धरती प गिरेन, उ सबइ जब
उगेन तउ ओद न होइ स मुरझाइ गएन। 7कछू बिआ
कॅटेहरी झड़िन मँ गिरेन। काँटन क बाढ़इ क संग संग
उ भी बाढ़ेन अउर कँटवन ओनका दबोच लिहन। 8अउर
कछू बिआ धरती प गिरेन। उ उगेन अउर उ सबइ सउ
गुना फसल दिहेन।”

इ बातन क बतावत भवा उ पुकारिके कहेस, “जेकरे
लगे कान अहइँ, उ सबइ सुनि लेइँ।”

9ओकर चेलन ओसे पूछेन, “इ दिस्टान्त कथा क
अरथ का अहइ?”

10तउ उ बताएस, “परमेस्सर क राज्य क भेद जानइ
क सुविधा तोहका दीन्ह गइ अहइ मुला दूसर क इ भेद
दिस्टान्त कथा स दीन्ह ग अहइँ जेहसे:

> ‘वे देखते भी न देख पावइँ अउर सुनते हुए भी न
> समझ पावइँ।’
>
> *यसायाह 6:9*

11“इ दिस्टान्त कथा क अरथ इ अहइ: बिआ परमेस्सर
क उपदेस अहइ। 12उ बिआ जउन राह क किनारे गिरा
रहेन, उ मनइयन उपदेस जउन अब उपदेस सुनत हीं,
सइतान आवत ह अउर उपदेस क ओनके मने स निकार
लइ जात ह जेहसे उ सबइ पतिआय न पावइँ अउर
ओनकइ उद्धार न होइ सकइ। 13उ बिआ जउन पथरही
भुइयाँ प गिरा रहेन ओनकइ अरथ अहइ ओन मनइयन
स जउन उपदेस सुनत हीं तउ ओका खुसी स तउ अपनावत
हीं। मुला बिआ ओनके भितरे जम नाहीं पावत उ सबइ
कछू समइ बरे बिसवास करत हीं मुला परीच्छा क घड़ी
मँ डुग जात हीं। 14अउर जउन बिआ काँटन मँ गिरेन
ओकर अरथ अहइ, ओन मनइयन स जउन उपदेस
सुनत हीं, मुला जब उ पचे आपन राहे प चलइ लागत
हीं। तउ फिकिर, धन दौलत अउर जिन्नगी क भोग
बिलास ओका दहबोचि लेत हीं, जेहसे ओन प कबहुँ
फसल पाकत नाहीं। 15अउर बढ़िया भुइयाँ प गिरा भवा
बिआ क अरथ अहइ ओन मनइयन स जउन अच्छा
अउर सच्चा मन स जब उपदेस क सुनत हीं तउ ओका
धारण भी करत हीं। फिन आपन धीरज क संग उ पचे
उत्तिम फल देत हीं।

आपन सच्चाई क बैपरा

(मत्ती 4:21-25)

16“कउनो दीया ढकना स ढाकइ बरे नाहीं जलावत।
या ओका बिछउना तरे नाहीं धरत। मुला उ ओका डीबट
प धरत ह काहेकि जउन भीतर आवइँ, रोसनी देखि
सकइँ। 17काहेकि कछू भी अइसा छुपा नाहीं अहइ
जउन उजागर न होई अउर कछू भी अइसा छुपा नाहीं

बा जउन जाना न जाई अउर परगट न होई। [18]यह बरे धियान स सुना काहेकि जेकरे लगे बा ओका भी दीन्ह जाई अउर जेकरे लगे नाहीं अहइ, ओसे भी ओकरे नगिचे देखात ह, उ भी लइ लीन्ह जाई।"

ईसू क मनवइयन ही ओकर सच्चा परिवार

(मत्ती 12:46-50, मरकुस 3:31-35)

[19]तबहीं ईसू क महतारी अउर ओकर भाइयन ओकरे लगे आएन मुला उ पचे भीड़ क कारण ओकरे नगिचे नाहीं जाइ सकेन। [20]यह बरे ईसू स इ कहा गवा, "तोहार महतारी अउर तोहार भाइयन बाहेर खड़ा अहइँ। उ पचे तोसे भेंटइ चाहत हीं।"

[21]मुला ईसू ओनका जवाब दिहस, "मोर महतारी अउर मोर भाइयन तउ इ सबइ अहइँ जउन परमेस्सर क उपदेस सुनत हीं अउर ओह प चलत हीं।"

चेलन क ईसू क सक्ति क दर्सन

(मत्ती 8:23-27, मरकुस 4:35-41)

[22]तब्बइ एक दिन अइसा भवा कि उ आपन चेलन क संग एक नाउ प चढ़ा अउर ओनसे बोला, "आवा, झिलिया क उ पार चली।" तउ उ पचे पाल खोलि दिहन। [23]उ पचे जब नाउ खेवत रहेन, ईसू सोइ गवा। झिलिया प आन्धी अउर तूफान उतर आवा। ओनके नाउ मँ पानी भरइ लाग। उ पचे खतरा मँ रहेन। [24]ऍहसे उ सबइ ओकरे लगे आएन अउर ओका जगाइके कहइ लागेन, "स्वामी! स्वामी! हम बूड़त अही!"

फिन उ खड़ा भवा अउर उ आन्धी, अउर लहरन क फटकारेस। उ सबइ थम गइन अउर हुवाँ सान्ति होइ गइ। [25]फिन उ ओनसे पूछेस, "तोहार बिसवास कहाँ गवा?"

मुला उ पचे डेरान रहेन अउर अचरज मँ पड़ा रहेन। उ पचे आपुस मँ एक दूसरे स कहेन, "आखिर इ अहइ कउन जउन हवा अउर पानी दुइनउँ क हुकुम देत ह अउर उ सबइ ओका मानत हीं!"

दुस्ट आतिमन स छुटकारा

(मत्ती 8:28-34, मरकुस 5:1-20)

[26]फिन उ पचे गिरासेनियन लोगन क पहँटा मँ पहुँचेन जउन गलील झीले क समन्वा रहा। [27]जइसेन ही उ किनारे प उतरा, सहर क एक मनई ओका मिला। ओहमा दुस्ट आतिमन क सवारी रहिन। बहोत दिना स उ न तउ ओढ़ना पहिरत रहा, न ही उ घरे मँ रहत रहा, मुला उ मकबरे मँ रहत रहा। [28]उ जब ईसू क लखेस तउ चिचियात भवा ओकरे समन्वा गिरिके ऊँची अवाज मँ बोला, "हे सर्वोच्च परमेस्सर क पूत ईसू, तू मोसे का चाहत ह? मइँ बिनती करत हउँ मोका पीरा जिन द्या।" [29]उ उ दुस्ट आतिमा क उ मनई मँ स बाहेर निकरइ क हुकुम दिहेस, काहेकि उ दुस्ट आतिमा उ मनई क बहोत दाईं पकड़े रही। अइसेन अवसरन प ओका हथकड़ी बेड़ी स बाँधि के पहरुअन क बीच राखि जात रहा। मुला उ हमेसा जंजीरे क तोरि डावत अउर दुस्ट आतिमा ओका वीरान जगहन मँ भगावत रहत!"

[30]तउ ईसू ओसे पूछेस, "तोहार नाउँ का अहइ?"

उ कहेस, "सेना।" (काहेकि बहोत स दुस्ट आतिमन ओहमा समाई रहिन।) [31]उ सबइ ईसू स बहस मोबहसा क संग बिनती करत रहिन कि ओनका गहिर गड़हा मँ जाइके हुकुम न देइँ। [32]अब देखा, तबहीं हुआँ पहाड़ी प सुअरन क झुण्ड चरत रहा। दुस्ट आतिमन ओसे बिनती किहेन कि उ ओनका सुअरिअन मँ जाइ देइँ। तउ उ ओनका जाइके हुकुम दिहेस। [33]ऍह प उ सबइ दुस्ट आतिमन उ मनई मँ स बाहेर निकरीं अउर ओन सुअरिअन मँ घुस गइन। अउर सुअरिअन क झुंड तरखाले उ ढालू तट स लुढ़कत पुढ़कत अउर दउड़त भवा झीले मँ जाइके गिरि गवा अउर बूड़ गवा।

[34]सुअरिअन क झुंड क बहोरइया, जउन कछू भवा रहा, ओका निहारिके हुवाँ स परानेन। अउर ऍकर खबर उ पचे सहर अउर दिहात मँ सुनाएन। [35]फिन हुवाँ क मनइयन जउन कछू मँ रहा ओका लखइ बाहेर आएन। उ सबइ ईसू स भेंटेन। अउर उ पचे उ मनई क जेहमाँ स दुस्ट आतिमन निकरी रहिन, ईसू क गोड़वा प पाएन। उ मनई ओढ़ना पहिरे रहा अउर ओकर दिमाग एकदम सही रहा। ऍहसे उ सबहिं डेराइ गएन। [36]जउन निहारेन, उ पचे बताएन कि दुस्ट आतिमन क सवारीवाला मनई कइसे नीक भवा। [37]गिरासेन पहँटा के सबहीं बसइया ओसे बिनती किहेन कि उ हुवाँ स चला जाइ काहेकि सबहीं बहोत डेरान रहेन। तउ ईसू नाउ मँ आवा अउर लौटि गवा। [38]मुला जउने मनई स दुस्ट आतिमन निकरी रहिन, उ ईसू स आपन क संग लइ जाइके बिनती करत रहा। ऍह पइ ईसू ओका इ कहत भवा लौटाइ दिहस , [39]"घर जा अउर जउन कछू परमेस्सर तोहरे बरे किए अहइ ओका बतावा।"

तउ उ लौटिके ईसू ओकरे बरे जउन कछू किहस ह, ओका सारे सहर मँ कहत फिरा।

मरी लरकी क जिन्नगी देब अउर बेरमिया स्त्री क चंगा होब

(मत्ती 9:18-26, मरकुस 5:21-43)

[40]जब ईसू लौटा तउ मनइयन क भीड़ ओकर अगवानी किहेस, काहेकि उ सबइ ओका जोहत रहेन। [41]तबहीं याईर नाउँ क एक मनई हुवाँ आइ। उ हुवाँ क आराधनालय क मुखिया रहा। उ ईसू क गोड़वा मँ गिरि गवा अउर ओसे आपन घरे जाइके बिनती करइ लाग। [42]काहेकि ओकर बारह बरिस क एक इकलौती बिटिया रही, उ मरइ क रही।

तउ ईसू जब जात रहा तउ भीड़ ओका कुचरि देत
रही। 43हुवाँ एक स्त्री रही जेकर बारह बरिस स खून
बहत रहा। जउन कछू ओकरे लगे रहा, उ बैद्य (डाक्टर)
पर खरिच कइ दिहस, मुला उ कउनो स नीक नाहीं होइ
पाइ। 44उ ओकरे पाछे आइ अउर ओकरे चोंगा क
मोहरी छुएस अउर तुरंतहि ओकर लहू बहब रुकि गवा।
45तब ईसू पूछेस, "उ कउन अहइ जउन मोका छुएस
ह?"

जब सबहीं मुकरइ लागेन कि उ पचे ईसू क नाहीं
छुएन तउ पतरस कहेस, "स्वामी तोहका भिड़िया घेरे
अहइ अउर तोहका दबावति अहइ।"

46मुला ईसू कहेस, "कउनो मोका छुएस ह काहेकि
मोका लागत अहइ कि मोसे सक्ती निकरी गइ होइ।"
47जब उ स्त्री देखेस कि मइँ छुप नाहीं सकित तउ उ
काँपत काँपत आइ अउर ईसू क समन्वा गिरि गइ। हुवाँ
सबहीं मनइयन क समन्वा उ बताएस कि मइँ तोहका
कउने कारण स छुए हउँ अउर कइसे फउरन नीक होइ
गइ। 48एँह प ईसू ओसे कहेस, "बिटिया तोहरे पतियाये स
तोहार उद्धार भवा ह। चइन स जा।"

49उ अबहीं बोलत रहा कि आराधनालय क मुखिया
क घरे स कउनो आवा अउर बोला, "तोहार बिटिया
मरि गइ अहइ। तउ गुरु क अब अउर कस्ट जिन द्या।"

50ईसू इ सुनि लिहस। तउ उ ओसे बोला, "डेराअ
जिन! बिसवास राखा। उ बचि जाई।"

51जब ईसू उ घरे मँ आवा उ आपन संगे पतरस,
यूहन्ना, याकूब अउर बिटिया क महतारी बाप क तजिके
कउनो अउर क आपन संग भितरे नाहीं लइ गवा।
52सबहीं मनइयन उ लरकी बरे रोवत रहेन अउर बिलाप
करत रहेन। ईसू कहेस, "रोउब बंद कइ द्या। इ मरी
नाहीं बा, मुला सोवति अहइ।"

53एँह पइ मनइयन ओकर हँसी उड़ाएन। काहेकि उ
जानत रहेन कि लरकी मरि चुकी बा। 54मुला ईसू
ओकर हथवा पकड़ेस अउर चिल्लाइके कहेस, "बच्ची,
खड़ी होइ जा!" 55ओकर आतिमा लौटि आइ, अउर उ
फउरन उठि गइ। ईसू हुकुम दिहेस, "एँका कछू खइया
क दीन्ह जाइ।" 56एँह पइ लरकी क महतारी बाप क
बहोत अचरज भवा मुला ईसू ओनका हुकुम दिहेस कि
जउन भवा अहइ, ओका उ पचे कउनो क न बतावइँ।

ईसू बारहु प्रेरितन क पठएस

(मत्ती 10:5-15, मरकुस 6:7-13)

9 फिन ईसू बारहु प्रेरितन क एक साथे बोलॉएस।
अउर ओनका दुस्ट आतिमन स छुटकारा दियावइ
क सामर्थ अउर हक दिहेस। उ ओनका बेरामी दूर
करइके सामर्थ दिहेस। 2फिन उ ओनका परमेस्सर क
राज्य क सुसमाचार का घोसना किहेस अउर बेरमियन
क नीक करइ बाहेर पठएस। 3उ ओनसे कहेस, "आपन
जात्रा बरे कछू संग न लेइँ, न लाठी, न झोरा, न रोटी,
चाँदी अउर न कउनो अउर ओढ़ना। 4तू जउन कउनो
घरे क भितरे जा, हुवँइ ठहरा। अउर जब तलक बिदा न
ह्वा, हुवइँ ठहरा रहा। 5अउर जहाँ कहूँ मनई तोहार
अगवानी न करइँ तउ जब तू उ सहर क तजि द्या
अउर ओनके खिलाफ सनद क रूप मँ गोड़वा क धूरि
झाड़ि द्या।"

6तउ हुवाँ स चलिके उ सबइ हर कतहूँ सुसमाचार
क उपदेस देतेन अउर मनइयन क चंगा करत सबहीं
गाउँन स फिरत भए जात्रा करइ लागेन।

हेरोदेस क भरम

(मत्ती 14:1-12, मरकुस 6:14-29)

7अब जबहिं एक चउथाई देस क राजा हेरोदेस,
जउन कछू भवा रहा, ओकरे बारे मँ सुनेस तउ उ भरम
मँ पड़ि गवा काहेकि कछू मनइयन इ कहत रहेन,
"यूहन्ना क मरे हुअन मँ स जिआइ दीन्ह ग अहइ।"
8दूसर कहत रहेन, "एलिय्याह परगट भ अहा।" कछू
अउर कहत रहेन, "पुरान जुग क कउनो नबी जी उठा
बा।" 9मुला हेरोदेस कहेस, "मइँ तउ यूहन्ना क गटइ
कटवाइ दिहे रहेउँ। फिन इ अहइ कउन जेकरे बारे मँ
मइ अइसी बात सुनत रहत हउँ?" तउ हेरोदेस ओका
देखइ क जतन करइ लाग।

पाँच हजार स जिआदा क भोज

(मत्ती 14:13-21, मरकुस 2:30-44; यूहन्ना 6:1-14)

10फिन जब प्रेरितन लौटिके आएन तउ उ पचे
जउन कछू किहे रहेन, सब ईसू क बताएन। तउ उ
ओनका हुवाँ स आपन संग लइके चुप्पे बैतसैदा नाउँ क
सहर चला गवा। 11मुला भीड़ क पता लग गवा तउ उ
भी ओनके पाछे होइ गइ। ईसू ओनकइ सुआगत किहेस
अउ परमेस्सर क राज्य क बारे मँ ओनका बताएस।
अउर जेनका दवाई क जरूरत रही ओनका नीक किहेस।

12जब दिन ओनवइ लाग तउ उ पचे बारहु ओकरे
लगे आएन अउर बोलेन, "भीड़ क बिदाई दइ द्या जैसे
उ सबइ नगिचे क गाउँन अउर खेतन मँ जाइके ठहरइ
क ठिकाना अउर खइया क पाइ सकइँ काहेकि हम
हिआँ बहोत दूर सुनसान जगह मँ अही।"

13मुला उ ओनसे कहेस, "तू ही एँनका खइया क
द्या।"

उ पचे बोलेन, "हमरे लगे बस पाँच रोटी अउर दुइ
मछरी क छोड़िके अउर कछू भी नाहीं अहइ। या तू इ
तउ नाहीं चाहत अहा कि हम पचे जाई अउर इ सबन
बरे खइया के मोल क लइ आई।" 14 (हुवाँ करीब पाँच
हजार पुरुसन रहेन।)

मुला ईसू आपन चेलन स कहेस, "ओनका पचास
पचास क दल मँ बइठाइ द्या।"

15तउ उ पचे वइसा ही किहेन अउर हर कउनो क बइठाइ दिहन। 16फिन ईसू पाँच रोटी अउर दुइ मछरी क लइके सरगे कइँती लखत भवा ओनके बरे धन्यबाद दिहेस अउर फिन ओनके टुकड़न मँ तोरत भवा ओनका आपन चेलन क दिहस कि उ पचे मनइयन क परोस देइँ। 17मनइयन खूब जिअरा भरिके खाएन अउर बचा भवा टुकड़न स ओकर चेलन बारह झउआ भरेन।

ईसू ही मसीह अहइ

(मत्ती 16:13-19, मरकुस 8:27-29)

18इ भवा कि ईसू जब अकेल्ले मँ पराथना करत रहा तउ ओकर चेलन भी ओकरे संग रहेन। तउ ईसू ओनसे पूछेस, "मनइयन का कहत हीं कि मइँ कउन हउँ?"

19उ पचे जवाब दिहन, "बपतिस्मा देवइया यूहन्ना कछू कहत हीं एलिय्याह मुला कछू दूसर कहत हीं पुरान जुग क कउनो नबी उठि खड़ा भवा बा।"

20ईसू ओनसे कहेस, "अउर तू का कहत ह कि मइँ कउन हउँ?"

पतरस जवाब दिहस, "परमेस्सर क मसीह।"

21मुला इ बारे मँ कउनो क भी न बतावइ क चिताउनी देत भवा। ईसू ओनसे कहेस, 22"इ तइ अहइ कि मनई क पूत ढेरि क कस्ट उठाई अउर उ बुजुर्ग यहूदी नेतन, मुख्ययाजकन अउर धरम सास्तिरियन क मना कइ दिहे स मारि डावा जाई फिन तिसरे दिन जी जाई।"

23फिन उ ओन सबन स कहेस, "जदि कउनो मोरे साथ चलत चाहत ह तउ ओका खुद आपन क नकारइ क होई। अउर हर दिन ओका आपन क्रूस (यातना) उठावइ क होई। अउर मोर अनुसरन करइ क होइ। 24काहेकि जउन कउनो आपन जिन्नगी बचाउब चाहत ह, उ ओका खोइ बइठी मुला जउन कउनो मोरे बरे आपन जिन्नगी क तजि देइ, उहइ ओका बचाई। 25काहेकि एँहम कउनो मनई का का लाभ अहइ कि उ समूचे संसार क लइ लेइ मुला खुद आपन क नास कइ देइ या खोइ देइ। 26जउन कउनो भी मोरे या मोरे सब्दन बरे लजात ह, ओकरे बरे मनई क पूत भी जब आपन महिमा मँ, आपन परमपिता अउर पवित्तर सरगदूतन क महिमा मँ परगट होई तउ ओकरे बरे लजाइ जाई। 27मुला मइँ तोसे सच कहत हउँ, हिआँ कछू खड़ा अहइँ, जउन जब तलक मउत क सेवाद नाहीं लेइहीं, जब ताईं परमेस्सर क राज्य क ना लखि लेइँ।"

मूसा अउर एलिय्याह क संग ईसू

(मत्ती 17:1-8, मरकुस 9:2-8)

28इ सब्दन के कहइ क लगभग आठ दिना बाद उ पतरस, यूहन्ना अउर याकूब क संग लइके पराथना बरे पहाड़े प गवा। 29फिन अइसा भवा कि पराथना करत भए ओकरे मुँहना क रूप तनिक अलग होइ गवा अउर ओकर ओढ़ना चमचमात सफेद होइ गएन। 30हुवँई ओसे बतियात दुइ मनई परगट भएन। उ सबइ मूसा अउर एलिय्याह रहेन। 31जउन आपन महिमा क संग परगट भ रहेन अउर ईसू क मउत क बारे मँ बात करत रहेन जेका ओका यरूसलेम मँ पूरा करइ क रहा। 32मुला पतरस अउर जउन ओनके संग रहेन ओनका नींद आइ गइ। तउ जब उ पचे जागेन उ पचे ईसू क महिमा क लखेन अउर उ सबइ उ दुइ मनइयन क लखेन जउन ओकरे संग खड़ा रहेन। 33अउर फिन भवा अइसा कि जइसे ही उ पचे ईसू स बिदाई लेत रहेन, पतरस ईसू स कहेस, "स्वामी अच्छा बा कि हम हिआँ अही, हमका तीन माँड़व बनवइ क अहइँ एक तोहरे बरे, एक मूसा बरे अउर एक एलिय्याह बरे।" (उ नाहीं जानत रहा, उ का कहत अहइ।) 34उ इ कहत रहा कि एक बादर उमड़ा अउर उ ओनका आपन छाया मँ घेरि लिहस। जइसे ही ओन प बादर छावा, उ पचइ घबराइ गएन। 35तबहीं बदरे स अकासबाणी भइ, "इ मोर पूत अहइ, एँका मइँ चुन्यों ह, एकर सुना।"

36जब अकासबाणी होइ गइ तउ उ पचे उहाँ ईसू क अकेल्लन पाएन। उ पचे एँकरे बारे मँ चुप रहेन। उ सबइ जउन कछू लखेन, ओकरे बारे मँ उ समइ कउनो स कछू नाहीं कहेन।

लरिका क दुस्ट आतिमा स छुटकारा

(मत्ती 17:14-18, मरकुस 9:14-27)

37अगवा दिन अइसा भवा कि जब उ पचे पहाड़ी स तरखाले उतरेन तउ ओनका एक बड़ी भीड़ मिलि गइ। 38तबहिं भीड़ मँ स एक मनई चिचियान, "गुरु, मइँ पराथना करत हउँ कि मोरे बेटवा प दया दृस्टि करा। उ मोर इकलौती संतान अहइ। 39एकदम्मई एक दुस्ट आतिमा ओका जकरि लेत ह अउर चिचिआत ह। ओका दुस्ट आतिमा अइसे अइँठत ह कि ओकरे मुँहे स झाग निकरइ लागत ह। उ ओका बराबर सतावत रहत ह अउर कउनो तरह नाहीं छोड़त। 40मइँ तोहरे चेलन स पराथना किहा ह कि ओका बाहेर खदेर देइँ मुला उ पचे अइसा नाहीं कइ सकेन।"

41तब ईसू जवाब दिहेस, "अरे अबिसवासियो अउर भटक गवा मनइयो, मइँ अउर केतॅना दिन तोहरे संग रहब अउर कब ताईं तोहार सहत रहब?" आपन बेटवा क हिआँ लिआवा।"

42अबहीं उ लरिका अउतइ रहा कि दुस्ट आतिमा ओका पटकनी दिहस अउर अइँठेसि। मुला ईसू दुस्ट आतिमा क फटकारेस अउर लरिका क रोग स जरटूट कइके बाप क सौंपि दिहस। 43उ सबइ परमेस्सर क इ बड़कई स अचरजे मँ पड़ि गएन।

ईसू क जरिये आपन मउत क कहब

(मत्ती 17:22-23, मरकुस 9:30-32)

ईसू जउन कछू करत रहा ओखा लखिके मनइयन जब अचरज करत रहेन तबहीं ईसू आपन चेलन स कहेस, 44"अब मइँ जउन तोहसे कहत हउँ, ओन बातन प धियान द्या। मनई क पूत मनइयन क हाथे स धरावइ जाइवाला अहइ।"

45मुला उ पचे इ बात क नाहीं समुझ सकेन। इ ओनसे छुपी रही। तउ उ सबइ ओका पहिचान नाहीं पाएन। अउर उ पचे उ बात क बारे मँ ओसे पूछइ स ससान रहेन।

सब स बड़कवा कउन

(मत्ती 18:1-5, मरकुस 9:33-37)

46एक दाईं ईसू क चेलन क बीच इ बाते प झगड़ा भवा कि ओनमाँ स सब स बड़कबा कउन बाटइ? 47ईसू जानि गवा कि ओनके मने मँ का बिचार अहइँ। तउ उ गदेला क लिहस अउर ओका अपने लगे ठाड़ कइके 48ओनसे बोला, "जउन कउनो इ गदेला क मोरे नाउँ मँ ग्रहण करत ह, उ माना मोर ग्रहण करत बाटइ। अउर जउन कउनो मोर ग्रहण करत ह, उ ओकर (परमेस्सर) ही ग्रहण करत बाटइ जउन मोका पठएस ह। यह बरे जउन तू सबन मँ सब स नान्ह बाटइ, उहइ सबइ त बड़कवा अहइ।"

जउन तोहार बिरोधी नाहीं, उ तोहार ही अहइ

(मरकुस 9:38-40)

49यूहन्ना आपन प्रतिक्रिया परगट करत भवा कहेस, "स्वामी, हम पचे तोहरे नाउँ प एक ठु मनई क दुस्ट आतिमन क निकारत लखा ह। हम सबइ ओखा रोकइ थामइ क जतन कीन्ह ह काहेकि उ हम पचन मँ स कउनो नाहीं अहइ, जउन तोहरे पाछे पाछे चलत हीं।"

50एँह पइ ईसू यूहन्ना स कहेस, "ओका जिन रोका काहेकि जउन तोहरे बिरोध मँ नाहीं अहइ, उ तोहरे पच्छ मँ ही बाटइ।"

एकसामरी सहर

51अब अइसा भवा कि जब ओका ऊपर सरगे मँ
लइ जाइके समइ आइ तउ उ यरूसलेम जाइके मन
पक्का कइके चला गवा। 52उ आपन दूतन क पहिले ही
पठइ दिहस। उ पचे चलेन अउर ओकरे बरे तइयारी
करइ क सामरी लोगन क गाउँ मँ पहुँचेन। 53मुला
सामरी मनइयन हुवाँ ओकर सुआगत मान नाहीं किहेन
काहेकि उ यरूसलेम जात रहा। 54जब ओकर चेलन
याकूब अउर यूहन्ना इ देखेन तउ उ पचे बोलेन, "पर्भू
का तू चाहत ह कि हम हुकुम देई कि अकासे स आगी
बरिसइ अउर ओनका भसम कइ देइ?"
55एँह प उ ओनकी कइँती मुड़ा अउर ओनका
डाटेस फटकारेस।* 56फिन उ सबइ दूसर गाउँ चला
गएन।

ईसू क पाछे चलब

(मत्ती 8:19-22)

57जब उ सबइ सड़क पा जात रहेन कउनो ओसे
कहेस, "तू कतहूँ भी जा मइँ तोहरे पाछे चलब।"
58ईसू ओसे कहेस, "लोखरिन क लगे बिल होत ही
अउर अकासे क चिरइयन क घोंसला होत हीं मुला
मनई क पूत क मूँड़ धरइ क कउनो ठउर नाहीं।"
59उ दूसर स कहेस, "मोरे पाछे होइ जा।"
मुला उ मनई बोला, "पर्भू, पहिले मोका जाइ द्या
काहेकि मइँ आपन बाप क दफनियाइ आवउँ।"
60तब ईसू ओसे कहेस, "मरे भवा लोगन क आपन
मुर्दा गाड़इ द्या, तू जा अउर परमेस्सर क राज्य क
एँलान करा।"
61फिन कउनो अउर भी कहेस, "हे पर्भू, मइँ तोहरे
पाछे चलब मुला पहिले मोका आपन घरे क मनइयन स
बिदाइ कइ देइ द्या।"
62एँह प ईसू ओसे कहेस, "अइसा कउनो भी जउन
हरे प हाथ धरे क बाद पाछे देखत ह, परमेस्सर क राज्य
क जोग्ग नाहीं।"

ईसू बहत्तर चेलन क पठएस

10 इ सबइ घटि जाइके पाछे पर्भू बहत्तर* अउर
मनइयन क तय किहन अउर फिन जउन जउन
सहरन अउर ठिकानन प ओका खुद जाइके रहा, दुइ
दुइ कइके उ ओनका उ आपन स अगवा पठएस। 2उ
ओनसे बोला, "फसल खूब जिआदा बा, मुला काम क
करइया मजूर कम अहइँ। यह बरे फसल क पर्भू स
बिनती करा कि उ आपन फसल मँ मजूर पठवइ। 3जा
अउर सुमिरत रहा, मइँ तोहका बिगवन क बीच भेड़ क
मेमनन क नाईं पठवत अहउँ। 4कउनो बटुआ आपन
संग जिन ल्या, न थैला अउर न ही पनही। राहे मँ
कउनो स पैलगी तलक जिन करा। 5जउनो घरवा मँ जा,
सब ते पहिले कहा, 'इ घरवा क सान्ति मिलइ।' 6जदि
हुवाँ कउनो सान्ति क मनई होई तउ तोहार सान्ति ओका
मिली। मुला जदि उ मनई सान्ति क न होई तउ तोहार
सान्ति लौटि आई। 7जउन कछू उ पचे तोहका देइँ।

पद 55 कछू यूनानी प्रतियन मँ इ भाग जोड़ा गवा अहइ: "अउ ईसू कहेस, 'का तू नाहीं जानत्या कि तू कइसी आतिमा स रिस्ता रखत ह। 56 मनई क पूत मनइयन क आतिमन क नासय नाहीं मुला ओनकइ उद्धार करइ आवा अहइ।'"

बहत्तर लूका क कछू यूनानी प्रतियन मँ इ गिनती सत्तर भी मिलत ह।

ओका खात पिअत उहइ घरवा मँ ठहरा। काहेकि मजूरी
प मजूर क हक अहइ। घर घर जिन फिरा। [8]अउर जब
कबहूँ तू कउनो सहर मँ जा अउर उ सहर क मनई
तोहार सुआगत करइँ तउ जउन कछू तोहका परसई,
बस उहइ खा। [9]उ सहर क बेरमियन क बीमार स
जरटुट करा अउर ओनसे कहा, 'परमेस्सर क राज्य
तोहरे नगिचे आइ पहुँचा बा!' [10]अउर जब कबहूँ तू
कउनो अइसे सहर मँ जा जहाँ क मनई तोहार मानसम्मान
न करइँ, तउ हुवाँ क गलियन मँ जाइके कहा, [11]'इ
सहर क उ धूरि तलक जउन हमरे गोड़े मँ चिपकी रही,
हम तोहरे खिलाफ हिआँ झार देत अही। फिन भी इ
धियान रहइ कि परमेस्सर क राज्य नगिचे आइ गवा
बा।' [12]मइँ तोहसे कहत हउँ कि उ दिन उ सहर क
लोगन स सदोम क लोगन क दसा कहूँ नीक होइ।

बिसवास न करइवालन क चिताउनी

(मत्ती 11:20-24)

[13]"अरे खुराजीन, अरे बैतसैदा, तोहका धिक्कार
अहइ काहेकि जउन अद्भुत कारजन तोहमाँ कीन्ह
गएन, जदि ओनका सूर अउर सैदा मँ कीन्ह जात तउ न
जानी कबहूँ उ टाट क कपरा पहिरि के राखि प बइठिके
मनफिराव कइ लेतेन। [14]कछू भी होइ निआन क दिन
सूर अउर सैदा क हालत तोहसे कहूँ नीक होई। [15]अरे
कफरनहूम का तू सरग क ऊँचाई क तरह ऊँचा उठब्या?
तू तउ तरखाले नरक मँ जाब्या।

[16]"जउन कउनो तोहका सुनत ह, मोका सुनत ह,
अउर जउन कउनो तोहका दुरियावत ह, उ मोका
दुरियावत ह जउन मोका पठएस ह। अउर जउन मोका
नकारत अह उ उसे नकारत अह जउन मोका पठएस
ह।"

सइतान गिरत ह

[17]फिन उ सबइ बहत्तर आनन्द होइके वापस लउटेन
अउर बोलेन, "हे पर्भू, दुस्ट आतिमन तलक तोहरे नाउँ
मँ हमार हुकुम मानत हीं!" [18]एँह पइ ईसू ओनसे कहेस,
"मइँ सइतान क अकास स बिजरी क नाईं गिरत लखा
हउँ। [19]सुना, कीरा अउर बीछी क गोड़े तरे रौंदब अउर
सइतान क समूची सक्ती प हावी होइ क सामर्थ मइँ
तोहका दिहे अही। तोहका कउनो नसकान नाहीं पहुँचाइ
पाई। [20]मुला इ बात प खुस जिन ह्वा कि आतिमन तोहरे
बसे मँ अहइँ बल्कि एह पइ खुस होइ जा कि तोहार नाउँ
सरगे मँ लिखा बाटइ।"

ईसू क परमपिता स पराथना

(मत्ती 11:25-27; 13:16-17)

[21]उहइ छिन उ पवित्तर आतिमा मँ रहिके आनंद मँ
रहा अउर बोला, "हे परमपिता! हे सरग अउर धरती क
पर्भू! मइँ तोहार स्तुति करत हउँ कि तू इ बातन क
चतुर अउर बुद्धिमान मनइयन स छुपाइ के राखत भवा
भी गदेलन बरे ओनका परगट कइ दिहा ह। हे परमपिता!
सचमुच ही तू अइसा ही करब चाहत रह्या।

[22]"मोका मोरे परमपिता क जरिये सब कछू दीन्ह ग
अहइ अउर परमपिता क अलावा कउनो नाहीं जानत
कि पूत कउन अहइ अउर पूत क अलावा कउनो नाहीं
जानत कि परमपिता कउन अहइ या ओकरे अलावा
जेका पूत एँका परगट करइ चाहत ह।"

[23]फिन चेलन कइँती मुड़िके ईसू चुप्पे स कहेस,
"धन्य अहइँ उ आँखिन जउन तू देखत अहा, ओका
देखत हीं। [24]काहेकि मइँ तोहका बतावत हउँ कि उन
बातन क बहोत स नबी अउर राजा देखइ चाहत रहिन।
जेनका तू देखत रह्या, मुला देखि नाहीं सक्या। जउन
बातन क तू सुनत रहत ह, उ सबइ ओनका सुनइ चाहत
रहेन, मुला उ पचे सुन नाहीं पाएन।"

नीक सामरी क कथा

[25]तब एक धरम सास्तरी खड़ा भवा अउर ईसू क
परीच्छा लेइ बरे ओसे पूछेस, "गुरु, अनन्त जीवन पावइ
बरे मइँ का करउँ?"

[26]एँह पइ ईसू ओनसे कहेस, "व्यवस्था मँ का लिखा
बाटइ? तू हुवाँ का पढ़त ह?"

[27]धरम सास्तरी उत्तर दिहस, "'तू आपन समूचा
मन, सारी आतिमा, सारी सक्ती अउर सारी बुद्धि क
संग आपन पर्भू स पिरेम करा।'* अउर 'आपन पड़ोसी
स भी वइसे ही पिआर करा, जइसे तू आपन खुद स
करत ह।'*"

[28]तब ईसू ओसे कहेस, "तू ठीक जवाब दिहा ह। तउ
तू अइसा ही करा अउर एँहसे तू जीवित रहब्या।"

[29]मुला उ आपन ताईं निआव स जुरा भवा ठहरावइ
क इच्छा करत भवा ईसू स कहेस, "अउर मोर परोसी
कउन अहइ?"

[30]ईसू जवाबे मँ कहेस, "देखा, एक मनई यरूसलेम
स यरीहो जात रहा कि उ डाकुअन स घिरि गवा। उ पचे
सब कछू मुच्छ कइ ओका नंगा कइ दिहन अउर मार
पीटिके ओका अधमरा छोड़ि के उ पचे चल दिहन।
[31]अब संजोग स उहइ रस्ता स एक यहूदी याजक जात
रहा। जब उ एका निहारेस तउ दूसर कइँती चला गवा।
[32]उहइ रस्ता स गुजरत भवा, एक लेवी* भी हुवाँ आवा।
उ ओका देखेस अउर उ भी दुसरी कइँती चला गवा।
[33]मुला एक सामरी भी जात भवा हुवँई आइ गवा जहाँ उ

'तू ... करा' व्यवस्था 6:5

'आपन ... ह' लैव्य 19:18

लेवी लेवी परिवार समूह क एक मनई। इ परिवार समूह मंदिर मँ याजक क मदद करत रहा।

ओलार दीन्ह ग रहा। उ जब उ मनई क देखेस तउ ओकरे बरे ओकरे मन मँ करुना आइ। 34तउ उ ओकरे नगिचे आवा ओकरे घाउन प तेल अउर दाखरस डाइके पट्टी बाँधेस। फिन उ ओका आपन पसु प लदिके एक ठु सराय मँ लइ गवा अउर ओका देखइ भालइ लाग। 35दुसरे दिन उ दुइ दीनार निकारेस अउर ओनका भटियारा क देत भवा कहेस, 'एँकर धियान रख्या अउर एँसे जिआदा जउन कछू खरच होइ, जब मइँ लौटिहउँ, तोहका चुकाइ देबूँ।'

36"बतावा तोहरे बिचार स डाकुअन क बीच घिरे भए मनई क पड़ोसी इ तीनउँ मँ स कउन भवा?"

37धरम सास्तरी कहेस, "उहइ जउन ओहॅ प दाया किहेस।"

एँह पइ ईसू ओनसे कहेस, "जा अउर वइसा ही करा जइसा उ किहेस ह।"

मरियम अउर मार्था

38जब ईसू अउर ओकर चेलन आपन राहे प जात रहेन तउ ईसू एक गाउँ मँ पहुँचा। एक स्त्री, जेकर नाउँ मार्था रहा, दिल खोलिके ईसू क अगवानी अउर सम्मान किहेस। 39मार्था क बहिन मरियम नाउँ क रही जउन ईसू क गोड़वा मँ बैठि गई अउर जउन कछू उ कहत रहा, ओका सुनत रही। 40ओहॅर तरह तरह क तइयारी मँ लाग मार्था बियाकुल होइके आई अउर बोली, "पर्भू, का तोहका चिंता नाहीं कि मोर बहिन सारा काम बस मोहे प डाइ दिहे अहइ? यह बरे ओसे मोर मदद करइ क कहा?" 41पर्भू ओका जवाब दिहेस, "मार्था अरी मार्था! तू बहोत स बातन क बरे चिंता मँ बूड़ी अउर बियाकुल रहत ह। 42मुला बस एक ही बात जरूरी अहइ। मरियम आपन बरे उहइ उत्तिम हींसा क चुने बाटइ, तउ उ ओसे छीना नाहीं जाई।"

पराथना क बारे मँ ईसू क उपदेस

(मत्ती 6:9-15, मरकुस 7:7-11)

11 अब अइसा भवा कि ईसू कहूँ पराथना करत रहा। जब उ पराथना खतम कइ चुका तउ ओकर एक चेला ओसे कहेस, "पर्भू हमका सिखावा कि हम पराथना कइसे करी। जइसा कि यूहन्ना आपन चेलन क सिखाए रहा।"

2एँह पइ उ ओसे कहेस, "तू पराथना करा, तउ कहा:

'परमपिता, तोहार नाउँ पवित्तर होइ, आवइ तोहार राज्य
3 हर दिन क बरे जरूरी रोटी हमका द्या;
4 हमार अपराध छमा करा, काहेकि हमहूँ छमा कीन्ह ह आपन अपराधी क, कठिन परीच्छा मँ हमें जिन डावा।'"

माँगत रहा

5-6फिन ईसू कहेस, "मान ल्या तोहमाँ स कउनो क एक मीत अहइ, तउ तू आधीरात ओकरे लगे आइके कहत ह, 'मीत, मोका तीन रोटी दया। काहेकि एक मीत अबहीं अबहीं जात्रा प मोरे लगे आवा ह अउर मोरे लगे ओकरे समन्वा परसइ क कछू भी नाहीं बा।' 7अउर मान ल्या उ मनई भितरे स जवाब दिहस, 'मोका तंग जिन करा, दुआर बंद होइ चुका अहइ बिछउना प मोरे साथ गदेलन अहइँ, यह बरे तोहका कछू देइ मँ खड़ा नाहीं होइ सकित।' 8मइँ तोहका बतावत हउँ उ अगर न उठी अउर तोहका कछू न देई, मुला फिन भी काहेकि उ तोहार मीत बा, तउ तोहरे लगातार, बे सरमाये क माँगत रहइ स उ खड़ा होई अउर तोहार जरूरत भर तोहका देई। 9अउर यह बरे मइँ तोहसे कहत हउँ माँगा, तोहका दीन्ह जाई। ढूँढ़ा तू पउब्या खटखटावा, तोहरे बरे दुआर खोलि दीन्ह जाई। 10काहेकि हर कउनो जउन माँगत ह, पावत ह। जउन ढूँढ़त ह, ओका मिलत ह। अउर जउन खटखटावत ह, ओकरे खातिर दुआर खोलि दीन्ह जात ह। 11तोहरे मँ अइसा बाप कउन होई जउन जदि ओकर बेटवा मछरी माँगइ, तउ मछरी क जगह प ओका कीरा थमाइ दीन्ह जाइ। 12अउर जदि उ अण्डा माँगइ तउ ओका बीछी दइ देइ। 13तउ बुरा होत भवा जब तू जानत ह कि आपन गदेलन क उत्तिम भेंट कइसे दीन्ह जात हीं, तउ स्वर्गीय पिता जउन ओसे माँगत हीं, ओनका पवित्तर आतिमा केतॅना ढेरि क देई।"

ईसू की सक्ती परमेस्सर स मिली

(मत्ती 12:22-30, मरकुस 3:20-27)

14फिन ईसू जब एक गूँगा बनइ डावइवाली दुस्ट आतिमा क निकारत रहा तउ अइसा भवा कि जइसा ही दुस्ट आतिमा बाहेर निकरी, तउ उ गूँगा बोलइ लाग। भीड़ क मनई एँसे बहोतइ अचरजे मँ पड़ि गएन। 15मुला ओहमाँ स कछू कहेन, "इ सइतान क सासक बालजबूल क मदद स दुस्ट आतिमन क खदेरत ह।"

16मुला अउर मनइयन ओका परखइ बरे कउनो सरग क चीन्हा क माँग किहेन। 17लेकिन ईसू जानत रहा कि ओनके मनवा मँ का बाटइ? उ ओनसे कहेस, "उ राज्य जेहमाँ आपन भीतर ही फूट परि जाइ, ओकर नास होइ जात ह अउर अइसे ही कउनो घरे क फूट परे प नास होइ जात ह। 18जदि सइतान आपन खिलाफ होइ जाइ तउ ओकर राज्य कइसे टिक सकित ह? इ मइँ तोहसे यह बरे पूछत हउँ काहेकि तू कहत ह कि मइँ बालजबूल क मदद स दुस्ट आतिमन क निकारत हउँ। 19मुला जदि मइँ बालजबूल क मदद स दुस्ट आतिमन क निकारत हउँ तउ तोहार मनवइयन ओनका केकरी मदद स निकारत हीं? तउ तोहार आपन मनई ही तोहका गलत बतइहीं। 20मुला जदि मइँ परमेस्सर क

सक्ती स बुरी आतिमा को निकारत हउँ तउ इ साफ बा कि परमेस्सर क राज्य तू ताईं आइ गवा अहइ!

21"जब एक सकत क मनई पूरी तरह हथियार टेइके आपन घरे क रच्छा करत ह तउ ओकरे धन दौलत क रच्छा होत ह। 22मुला जब कबहूँ कउनो ओसे जिआदा बरिआर ओह प हमला कइके ओका हराइ देत ह तउ उ ओकरे सबहीं हथियारन क, जउने प ओका भरोसा रहा, ओसे छीन लेत ह अउर लूट क माल क उ पचे अपने दोस्तन मँ बाँट लेत हीं।

23"जउन मोर संग नाहीं अहइँ, मोर खिलाफत मँ बाटेन। उ जउन मोरे संग बटोरत नाहीं अहइ, छितरइहीं।

बे कामकाजी मनई

(मत्ती 12:43-45)

24"जब कउनो दुस्ट आतिमा कउनो मनई स बाहेर निकरत ह तउ अराम क ढूँढ़त सूखे ठउरन मँ स होत जात ह अउर जब ओका अराम नाहीं मिलत तउ उ कहत ह, 'मइँ आपन उहइ जगह लौटब जहाँ स गइ हउँ।' 25अउर वापस जाइके उ ओका साफ सूथर अउर तरकीबे मँ बसी पावत ह। 26फिन उ जाइके आपन स भी जिआदा दुस्ट दूसर सात जिआदा दुस्ट आतिमन क हुवाँ लइ आवत ह। फिन उ सबइ ओहमाँ जाइके रहइ लागत हीं। इ तरह उ मनई क पाछे क दसा पहिले स जिआदा खराब होइ जात ह।"

उ पचे धन्य अहइँ

27फिन अइसा भवा कि जइसे ही ईसू इ बातन कहेस, भिरिया मँ स एक स्त्री उठी चिल्लाइके बोली, "उ गरभ धन्य अहइ, जउन तोहका धारण किहेस ह। अउर उ चूची धन्य अहइ, जेका तू चूस्या ह।"

28ऐंह प उ कहेस, "धन्य तउ मुला उ पचे बाटेन जउन परमेस्सर क बचन सुनत हीं अउर ओह प चलत हीं!"

प्रमान क माँग

(मत्ती 12:38-42; मरकुस 8:12)

29जइसे जइसे भिरिया बढ़त रही, उ कहइ लाग, "इ एक दुस्ट पीढ़ी अहइ। इ कउनो अद्भुत चीन्हा लखइ चाहत ह। मुला ऐंका योना क चीन्हा क अलावा अउर कउनो चीन्हा नाहीं दीन्ह जाइ। 30काहेकि जइसे निनवे क मनइयन बरे योना चीन्हा बन गवा, वइसे ही इ पीढ़ी बरे मनई क पूत भी चीन्हा बनी। 31दक्खिन क रानी*निआव क दिन परगट होइके इ पीढ़ी क मनइयन क दोखी ठहराई, काहेकि उ धरती दूसर कोने स सुलैमान क गियान सुनइ बरे आइ अउर अब लखा हिआँ तउ कउनो सुलैमान स भी बड़कवा अहइ। 32नीनवे क मनइयन निआव क दिना इ पीढ़ी क मनइयन क खिलाफ खड़ा होइके ओन पइ दोख लगइहीं काहेकि उ पचे योना क उपदेस क सुनिके मनफिराव करि लिहन ह। अउर देखा अब तउ योना स भी महान कउनो हिआँ नाहीं बा!

संसार क ज्योति बना

(मत्ती 5:15; 6-22:23)

33"दिया बारिके कउनो भी ओका कउनो छुपा ठउर या कउनो भाँड़ी क भीतर नाहीं राखत, मुला ओका डीबट प धरत ह जेहसे जउन भितरे आवइँ, ज्योति लखि सकइँ। 34तोहरे देह क दिया तोहार आँखिन अहइँ, तउ जदि आँखी नीक अहइँ तउ समूची देह ज्योति स भरि गइ बाटइ मुला, जदि इ सबइ खराब अहइँ तउ तोहार देह अँधियार होइ जात ह। 35तउ धियान राखा! कि तोहरे भीतर ज्योति अहइ, अँधियारा नाहीं। 36यह बरे जदि तोहार समूची देह ज्योति स भरिपूर अहइ अउर ऐंकर कउनो भी अंग अँधियारा नाहीं तउ उ पूरी तरह अइसे चमकी मान ल्या कउनो दिया तोह पइ आपन किरण स प्रकासित होत ह।"

ईसू फरीसियन क नुक्ता चीनी करत ह

(मत्ती 23:1-36, मरकुस 12:38-40; लूका 20:45-47)

37ईसू जब आपन बात पूरी किहस तउ एक फरीसी ओसे अपने साथ खाइ बरे हठ किहेस। तउ उ भितरे जाइके खइया क खाइ बैठि गवा। 38मुला उ फरीसी जब इ देखेस कि खइया स पहिले उ आपन हाथ नाहीं धोएस तउ ओका बड़ा अचरज भवा।

39ऐंह पइ पर्भू ओनसे कहेस, "अब लखा तू फरीसियन टाठी अउर खोरा क बस बाहेर स तउ माँजत ह मुला तोहरे भीतर लालच अउर दुस्टता भरी अहइ। 40अरे मूढ़ मनइयो! का जउन बाहरी अंग क बनाएस ह, उ भीतरी अंग क नाहीं बनाएस। 41यह बरे जउन कछू भितरे अहइ, ओका दीनन क दइ द्या। फिन तोहरे बरे सब कछू पवित्तर होइ जाइ। 42अरे फरीसियन! तोहका धिक्कार अहइ काहेकि तू आपन पुदीना अउर सुदाब बूटी अउर हर कउनो जरी बूटी क दसवाँ हींसा तउ चढ़ाइ देत ह मुला परमेस्सर बरे पिरेम अउर निआव क टारि देत ह। मुला इ बातन क तोहका उ बातन क बगैर टारि देइ क करइ चाही। 43अरे फरीसियन! तोहका धिक्कार अहइ! काहेकि तू सबइ आराधनालय मँ बहोत ही प्रमुख आसन चाहत बाट्या अउर बजारन मँ मान मर्जादा क संग पैलगी तोहका सोहात ह। 44तोहका धिक्कार अहइ काहेकि तू पचे बिना कउनो चीन्हा क कब्र क नाईं अहा जेहँ प मनई चलत हीं मुला उ सबइ नाहीं जानत हीं।"

दक्खिन क रानी अर्थात् सीना हजार मील चलिके सुलैमान स परमेस्सर क गियान सीखइ आइ रही। 1राजा 10:1-3

यहूदी धरम सास्तिरियन स ईसू क बतियाब

45तब एक धरम सास्तिरि ईसू स कहेस, "गुरु, जब
तू अइसी बातन कहत ह तउ हम भी बेज्जत होइत ह।"
46एँह प ईसू कहेस, "अरे धरम सास्तिरियो! तोहका
धिक्कार अहइ। काहेकि तू सबइ मनइयन प अइसा
बोझा लादे बाट्या जेका उठाउब मुस्किल अहइ। अउर
तू खुद ओन बोझन क एक ठु अँगुरी भर स छुअइ नाहीं
चाहत ह। 47तोहका धिक्कार अहइ काहेकि तू नबियन
बरे मकबरा क बनवत ह, जेनकइ कतल कीन्ह गवा
अउर ओनकर कतल करइया तोहार पूर्वजन रहेन।
48एँसे तू सबइ इ देखॉवत ह कि तू आपन पूर्वजन क उ
कामे क अँगीकार करत ह। काहेकि उ पचे तउ ओनका
मारेन ह अउर तू पचे ओनकइ मकबरा क बनाया ह।
49यह बरे परमेस्सर क गियान भी कहेस, 'मइँ नबियन
अउर प्रेरितन क भी ओनके लगे पठउब। फिन कछू क
तो उ पचे मारि डइहीं अउर कछू क सजा देइहीं।' 50यह
बरे संसार क सुरुआत स जेतॅना भी नबियन क लहू
बहाइ दीन्ह ग अहइ, ओनकइ हिसाब इ पीढ़ी क मनइयन
स चुकाइ जाइ। 51हाबिल क कतल स लइके जकरयाह
क कतल तलक क हिसाब जउन परमेस्सर क मंदिर
अउर वेदी क बीच कीन्ह गवा रहा। हाँ, मइँ तोहसे
कहत हउँ इ पीढ़ी क मनइयन क एँकरे बरे लेखा जोखा
देइ क होइ।

52"ओ धरम सास्तिरियो! तोहका धिक्कार अहइ,
काहेकि तू सबइ गियान क कुंजी तउ लइ लिहा ह। मुला
ओहमाँ न तउ खुद घुसि पाया अउर न घुसइ क कउनो
जतन करत रह्या। ओनका भी तू अड़ंगा डाया जे अइसा
करइ चाहेन।"

53अउर फिन जब ईसू हुवाँ स चला गवा तउ उ
सबइ धरम सास्तिरियन अउर फरीसियन ओसे घोर
दुस्मनी राखइ लागेन। बहोत स बातन क बारे मँ ओसे
सोझ सवाल करइ लागेन।

54काहेकि उ सबइ ओका ओकर कही कउनो बात
स घात करइ बरे टोहत रहेन।

फरीसियन जइसा जिन बना

12 अउर फिन जब हजारन मनइयन क भारी भीड़
जुटि गइ तउ एक दुसरे क रौंदे जात रही तब ईसू
पहिले आपन चेलन स कहइ लाग, "फरीसियन क खमीरे
स, जउन ओनकइ कपट बा, बचा रहा। 2कछू छुपा नाहीं
अहइ जउन परगट नाहीं कइ दीन्ह जाइ। अइसा कछू
अनजाना नाहीं अहइ जेका बतावा नाहीं दीन्ह जाइ। 3यह
बरे हर उ बात जेका तू अँधियारे मँ कह्या ह, उजिआरे
मँ सुनी जाइ। अउर एकांत खोली मँ जउन कछू भी तू
चुप्पे स कउनो क काने मँ कह्या ह, घरे क छते स
एँलान कइ दीन्ह जाइ।"

परमेस्सर स डेराअ

(मत्ती 10:28-31)

4"मुला मोर मीतो, मइँ तोहसे कहत हउँ ओनसे जिन
डेराअ जउन तोहरे तन क मारि डाइ सकत हीं अउर
ओकरे पाछे अइसा कछू नाहीं अहइ जउन ओनके बस
मँ होइ। 5मइँ तोहका देखाउब कि तोहका कउनो स
डेराइ चाही। ओसे (परमेस्सर) डेराअ जउन तोहका मारिके
नरक मँ नावइ क सक्ती राखत ह। हाँ, मइँ तोहका
बतावत हउँ, बस उहइ स डेराअ।

6"का दुइ पइसा मँ पाँच ठु चिरइयन नाहीं बिकतिन?
फिन भी परमेस्सर ओहमाँ स एक क भी नाहीं बिसरत।
7अउर लखा तोहरे मूँड़े प क एक एक बारि तलक गना
भवा अहइँ। डेराअ जिन तू बहोत सी चिरइयन स कहूँ
जिआदा कीमत क अहा।"

ईसू क नाउँ प जिन सर्मा

(मत्ती 10:32-33; 12:32; 10:19-20)

8"मुला मइँ तोहसे कहत हउँ जउन कउनो मनई
सबहीं क समन्वा मोका मानत ह, मनई क पूत भी उ
मनई क परमेस्सर क दूतन क समन्वा मानी। 9मुला ज
जउन मोका दुसरे क समन्वा न मानी, ओका परमेस्सर
क दूतन क समन्वा इन्कार कइ दीन्ह जाइ।

10"अउर हर उ मनई क तो छमा कइ दीन्ह जाइ
जउन मनई क पूत क खिलाफ कउनो सब्द बोलत ह,
मुला जउन पवित्तर आतिमा क बुराई करत ह, ओका
छमा नाहीं कीन्ह जाइ।

11"तउ जब उ पचे तोहका आराधनालय मँ, राज्य
क करइवालन अउर अधिकारियन क समन्वा लइ जाइँ
तउ फिकिर जिन कर्‌या काहे तू आपन क कइसे
बचउब्या या तोहका का कछू कहे होइ। 12चिंता जिन
करा काहेकि पवित्तर आतिमा तोहका सिखाइ कि उ
समइया तोहका का बोलइ चाही।"

सुआरथ क खिलाफ चिताउनी

13फिन भीड़ मँ स ओसे कउनो कहेस, "गुरु, मोरे
भइया स मोरे बाप क धन दौलत क हींसा बाँटइ बरे
कहि द्या।" 14एँह प ईसू ओसे कहेस, "अरे भले मनई,
मोका तोहरे बरे निआववाला या पंच कउन बनएस ह?"
15तउ ईसू ओनसे कहेस, "होसियारी क संग आपन क
लालच स दूर राखा। काहेकि जरूरत स जिआदा
धन-दौलत होइ प जिन्नगी क आधार ओकर संग्रह
नाहीं होत।"

16फिन उ ओनका एक दिस्टान्त कथा सुनाएस:
"कउनो धनी मनई क धरती प खूब पैदावार भइ। 17उ
आपन मनवा मँ सोचत भवा कहइ लाग, 'मइँ का करूँ,
मोरे लगे फसिल क रखइ बरे ठउर तउ अहइ नाहीं।'
18फिन उ बोला, 'ठीक अहइ मइँ इ करब कि आपन

अनाज क कोठिला गिराइके बड़का कोठा बनवाउब अउर आपन समूचा अनाज क अउर सामान हुवाँ रखब।
[19]फिन आपन आतिमा स कहब, अरे मोर आतिमा अब बहोत स उत्तिम बस्तु, बहोत स बरिस बरे तोहरे लगे ऍकट्ठी अहइँ। घबरा जिन, खावा, पिआ अउर मउज उड़ावा!' [20]मुला परमेस्सर ओसे बोला, 'अरे मूर्ख! इहइ राति मँ तोहार आतिमा तोहसे लइ लीन्ह जाइ। जउन कछू तू तइयार किहे अहा, ओका कउन लेइ?'

[21]"लखा, उ मनई क संग भी कछू अइसा ही भवा ह, उ अपने बरे बटोरत ह मुला परमेस्सर क निगाह मँ उ धनी नाहीं।"

परमेस्सर क राज क महत्ता

(मत्ती 6:25-34; 19:21)

[22]तब उ आपन चेलन स कहेस, "यह बरे मइँ तोहसे कहत हउँ, आपन जिन्नगी क फिकिर जिन करा कि तू का पहिन्ब्या? [23]काहेकि जिन्नगी खइया स अउर तन ओढ़ना स जिआदा जरूरी अहइ। [24]कउअन क लखा, न उ पचइ बोवत हीं, न ही उ पचे काटत हीं। न ओनके लगे भण्डारा बा अउर न आजु अन्न क कोठिला, फिन भी परमेस्सर ओनका भोजन देत ह। तू तउ चिरइयन स केतॅना जिआदा कीमती अहा। [25]चिन्ता कइके, तू पचन मँ स कउन अइसा अहइ, जउन आपन उमिर मँ एक घड़ी भी अउर जोर सकत ह? [26]काहेकि तू जदि छोटका काम क भी नाहीं कइ सकत्या तउ बाकी बरे काहे फिकिर करत ह? [27]कोका बेली क लखा, उ कइसे उगत हीं? न उ सबइ मेहनत करत हीं, न कताई, फिन भी मइँ तोहसे कहत हउँ कि सुलैमान आपन समूचे धन दौलत क संग ओहमाँ स कउनो एक क नाईं नाहीं सज पाएस। [28]यह बरे जब मैदान क घास क, जउन आज हिआँ बा अउर भियान ही ओका भार मँ झोंक दीन्ह जाइ, परमेस्सर अइसे ओढ़नन स सजावत ह तउ अरे ओ कम बिसवास करइया मनइयो! तोहका तउ उ केतॅना अउर जिआदा ओढ़ना पहिराइ। [29]अउर फिकिर जिन करा कि तू का खाब्या अउर का पीब्या। ऍनके बरे जिन सोचा।

[30]काहेकि संसार क अउर सबहीं मनई इ चीजन्क क पाछे धावत अहइँ मुला तोहार परमपिता तउ जानत ही आहइ कि तोहका इ चीजन्क जरूरत अहइ। [31]मुला तू तउ परमेस्सर क राज्य क चिन्ता करा। इ चीजन तउ तोहका दइ दीन्ह जइहीं।

धने प भरोसा जिन करा

[32]"हे भोली भेड़ी क झुण्ड! जिन डेराअ, काहेकि तोहार परमपिता तोहका राज्य देइ क तइयार अहइ।
[33]तउ आपन धन दौलत बेंचिके धन गरीबन मँ बाँटि द्या। आपन लगे अइसी झोरी राखा जउन पुरान न होइँ अरथ बा कबहुँ न टूटइवाला सरगे मँ खजाना जहाँ ओह तलक कउनो चोर क पहुँच न होइ। अउर न ओका न किरवा नास कइ पावइँ।

[34]काहेकि जहाँ तोहार खजाना अहइ, हुवँई तोहार मनवा भी रही।

सदा तइयार रहा

(मत्ती 24:45-51)

[35]"काम करइ क सदा तइयार रहा। अउर आपन दिया बारे रहा। [36]अउर ओ मनइयन जइसा बना जउन बियाह क भोज स लौटिके आवत आपन स्वामी क जोहत होइँ जेहसे उ जब आवइ अउर दुआर खटखटावइ तउ उ पचे फउरन खोलि सकइँ। [37]उ नउकर धन्य अहइँ जेका स्वामी वापस आइके जागत अउर तइयार पइहीं। मइँ तोहसे सच कहत हउँ कि उ भी ओनकर सेवा बरे करिहाउँ बाँधि लेइ अउर ओनका खइया क पीढ़ा प जेवंइ बरे बइठाई। उ आई अउर ओनका जेवांइ।
[38]उ चाहे आधी राति स पहिले आवइ अउर चाहे आधी राति क पाछे जदि उ ओनका तइयार पावत ह तउ उ सबइ धन्य अहइँ। [39]इ बात बरे निस्चित रहा कि जदि घरे क स्वामी क इ पता होइ कि चोर कउनो घड़ी आवत अहइ, तउ उ ओका आपन घरे मँ सेंध नाहीं लगावइ देइ। [40]तउ तू भी तइयार रहा काहेकि मनई क पूत अइसी घड़ी मँ आई जेका तू सोच नाहीं सकत्या।"

बिसवास क जोग्ग सेवक कउन?

[41]तब पतरस पूछेस, "पर्भू, इ दिस्टान्त कथा तू हमरे बरे कहत अहा या सब बरे?"

[42]ऍह प पर्भू कहेस, "तउ फिन अइसा बिसवास क जोग्ग, बुद्धिमान सरंजाम अधिकारी कउन होइ जेका पर्भू आपन नउकरन क ठीक समइ प खइया क चीज देइ बरे ठहराइ? [43]उ नउकर धन्य अहइ जेका ओकर स्वामी जब आवइ तउ ओका वइसा ही करत पावइ।
[44]मइँ सच कहत हउँ कि उ ओका आपन सबहीं धन दौलत क अधिकारी ठहराइ। [45]मुला उ नउकर आपन मनवा मँ सोचइ कि मोर स्वामी तउ आवइ मँ देर करत अहइ अउर उ दूसर पुरुस अउर स्त्री नउकरन क मारब पीटब सुरु कइ देइ अउर खाइ पिअइ अउर नसा मँ चूर होइ। [46]तउ उ नउकर क स्वामी अइसे दिन आइ जाइ जेका उ सोचत नाहीं। एक ठु अइसी घरी जेकरे बारे मँ निसाखातिर अहइ। फिन भी ओकर टुकरा टुकरा कइ डाइ अउर ओका न बिसवास करइयन क बीच ठउर देइ।

[47]"उ नउकर जउन आपन स्वामी क इच्छा जानत ह अउर ओकरे बरे तइयार नाहीं होत या जइसा ओकर स्वामी चाहत ह, वइसहु नाहीं करत, तउ नउकर प जमिके मार परी। [48]मुला उ जेका आपन स्वामी क

इच्छा क ज्ञान नाहीं अउर कउनो अइसा काम कइ डावइ जउन मार खाइ काबिल होइ तउ उ नउकर प हल्की मार परी। काहेकि उ हर मनई स जेका बहोत जिआदा दीन्ह ग अहइ, जिआदा माँगा जाइ। उ मनई जेका ढेर सौंपा ग अहइ ओसे जिआदा ही माँगा जाइ।"

मनइयन क मत ईसू स मेल नाहीं खात

(मत्ती 10:34-36)

49"मइँ धरती प एक आगी बारइ आवा हउँ। मोर केतॅनी इच्छा अहइ कि उ साइद अबहुँ ताईं बरि जात। 50मोरे लगे एक बपतिस्मा अहइ जउन मोका लेब बा जब ताईं उ पूर नाहीं होइ जात, मइँ केतॅना बियाकुल हउँ। 51तू का सोचत बाट्या कि मइँ इ धरती प सान्ति लइ आवइ क बरे आवा हउँ? नाहीं, मइँ तोहका बतावत हउँ, मइँ अलगावइ आवा हउँ। 52काहेकि अब स आगे एक घरे क पाँच आदमी एक दूसर क खिलाफ बँटि जइहीं। तीन दुइ क बिरोध मँ अउर दुइ तीन क बिरोध मँ होइ जइहीं।

> 53 बाप बेटवा क बिरोध मँ, अउर बेटवा बाप
> क बिरोध मँ। महतारी बिटिया क बिरोध मँ,
> अउर बिटिया महतारी क बिरोध मँ, सास
> दुलहिन क बिरोध मँ अउर दुलहिन सास क
> बिरोध मँ होइ जइहीं।"

समइ क पहिचान

(मत्ती 16:2-3)

54फिन उ भीड़ स बोला, "जब तू पच्छूँ कइँती कउनो बदरे क उठत भइ लखत ह तउ कहि देत ह, 'बरखा आवति अहइ।' अउर फिन अइसा ही होत ह। 55अउर फिन जब दखिनी हवा चलत ह, तू कहत ह, 'गरमी पड़ी' अउर अइसा ही होत ह। 56अरे कपटी मनइयो! तू धरती अउर अकासे क रूपे क समझाउब तउ जानत बाट्या, फिन अइसा काहेकि इ जुग क बारे मँ समझाउत्या नाहीं?"

आपन समसिया हल करा

(मत्ती 5:25-26)

57"जउन नीक अहइ, ओकर फैसला करइवाला तू खुद काहे नाहीं बनत्या? 58जब तू आपन बैरी क संग न्यायाधीस क लगे जात रहब्या तउ रास्ता मँ ही ओकरे संग समझौता करइ क जतन करया। नाहीं तउ कहूँ अइसा न होइ कि उ तोहका न्यायाधीस क लगे खैंच लइ जाइँ अउर न्यायाधीस एक अधिकारी क सौंपि देइ। अउर अधिकारी तोहका जेलि मँ धाँध देइ। 59मइँ तोहका बतावत हउँ, तू हुवाँ स तब ताईं छूटि नाहीं पउब्या जब तलक आखिरी दमड़ी तक न चुकाइ द्या।"

मनफिरावा

13 उ समइया हुवाँ हाजिर कछू मनइयन ईसू क ओन गलीलियन क बारे मँ बताएस जेनकइ लहू पिलातुस ओनके बलिदान क संग मिलाइ दिहे रहा। 2तउ ईसू ओनसे कहेस, "तू का सोचत ह कि सबइ गलीलियन दूसर सबइ गलीलियन स जिआदा पापी रहेन काहेकि ओनका इ सबइ बातन भीजे पड़ी? 3नाहीं! मइँ तोहका बतावत हउँ, जदि तू भी मनफिरावा नाहीं करब्या तउ तू भी वइसी ही मउत स मरब्या जइसी उ सबइ मरे रहेन! 4या ओन अट्ठारह मनइयन क बारे मँ तू का सोचत ह जेनके ऊपर सीलोह क बुर्ज गिरिके ओनका मारि डाएस। का सोचत ह, उ सबइ यरूसलेम मँ बसइया दूसर सबइ ही मनइयन स जिआदा अपराधी रहेन? 5नाहीं! मइँ तोहका बतावत हउँ कि जदि तू मनवा न फिरउब्या तउ तू भी वइसे ही मरब्या!"

बँझउ बृच्छ

6फिन उ इ दिस्टान्त कथा कहेस: "कउनो मनई आपन अँगूरे क बारी मँ एक ठु अंजीरे क बृच्छ रोपे रहा। तउ उ ओह पइ फल ढूँढ़इ आवा पर ओका कछू नाहीं मिल पावा। 7एँह पइ उ माली स कहेस, 'अब लखा मइँ तीन बरिस स अँजीरे क बृच्छ प फल टटोरत आवत हउँ मुला मोका एक ठु भी नाहीं मिलि पावा। यह बरे ऍका काटि डावा। इ धरती क अइसी ही बृथा काहे करत रहइ?' 8माली ओका जवाब दिहेस, 'स्वामी ऍका इ बरिस तब ताईं तजि द्या, जब तलक मइँ ऍकरे चारिहुँ कइँती खनिके एहमाँ पाँस नउबउँ। 9फिन जदि उ अगवा बरिस फल देइ तउ नीक बा अउर जदि नाहीं देत तउ तू ऍका काटि डाइ सकत ह।'"

सबित क दिन स्त्री क चंगा करब

10कउनो आराधनालय मँ सबित क दिन ईसू जब उपदेस देत रहा। 11तउ हुवँई एक अइसी स्त्री रही जेहॅमा दुस्ट आतिमा समाइ ग रही। जउन ओका अट्ठारह बरिस स पंगु बनाइ दिहे रही। उ निहुरिके कुबड़ी होइ गइ अउर तनिकउ सोझ नाहीं होइ सकत रही। 12ईसू ओका जब निहारेस तउ आपन लगे बोलाएस अउर,"हे स्त्री, तोहका आपन बेरामी स छुटकारा मिलि गवा!" इ कहत भवा 13ओह पइ आपन हाथ रखेस। अउर उ फउरन सीध होइ गइ। उ परमेस्सर क गुन गावइ लाग।

14ईसू काहेकि सबित क दिन ओका बेरामी स जरटुट किहेस, यह बरे आराधनालय क नेता किरोध मँ आइके मनइयन स कहेस, "काम करइ क बरे छ: दिन होत हीं तउ ओनही दिनम मँ आवा अउर आपन बेरामी क दूर करावा पर सबित क दिन नीरोग होइ बरे जिन आवा।"

15पर्भू जवाब देत भवा ओसे कहेस, "अरे कपटियो! का तोहमाँ स हर कउनो सबित क दिन आपन बर्धा

अउर गदहा क बारा स निकारिके कहूँ पानी पिआवइ नाहीं लइ जात ह? 16अब इ स्त्री जउन इब्राहीम क बिटिया अहइ अउर जेका सइतान अट्ठारह बरिस स जकरिके राखे बा, का ऍका सबित क दिन ऍका बंधन स छुटकारा नाहीं देइ का चाही?" 17जब उ इ कहेस तउ ओकर खिलाफत करइवालन सबइ सर्माइ गएन। ओह कइँती समूची भीड़ ओकरे अचरजे स भरे कामन स जेनका उ किहे रहा, खुस होइ ग।"

सरग क राज्य कइसा अहइ

(मत्ती 13:31-33, मरकुस 4:30-32)

18तउ ईसू कहेस, "परमेस्सर क राज्य का अहइ अउर मइँ ऍकर तुलना कइसे करउँ? 19उ सरसई क दाना क नाईं अहइ, जेका कउनो लइके आपन बगिया मँ बोएस। उ बड़ा भवा अउर एक बृच्छ होइ गवा। फिन अकासे क चिरइयन ओकर डारी प घोंसला बनाइ लिहन।"

20उ फिन ईसू कहेस, "परमेस्सर क राज्य क बरोबरी मइँ कइसे करउँ? 21इ उ खमीरे क नाईं अहइ जेका एक स्त्री तीन हींसा पिसान मँ सान दिहेस अउर उ समूचा पिसान खमीरे स भरि गवा।"

साँकर दुआर

(मत्ती 7:13-14; 21:23)

22ईसू जब सहरन अउर गाउँन स होत भवा उपदेस देत भवा यरूसलेम जात रहा। 23तबहीं ओसे कउनो पूछेस, "पर्भू क केवल कछू मनइयन क ही उद्धार होइ?"

ईसू कहेस, 24"साँकर दुआरे स घुसइ क होइ सकइवाला जतन करा, काहेकि मइँ तोहका बतावत हउँ कि भीतर जाइ क जतन बहोत स करिहीं प जाइ न पइहीं। 25जब एक दाईं घरे क स्वामी उठिके दुआर बंद कइ देत ह, तउ तू बाहेर ही खड़ा दुआर खटखटावत कहब्या, 'महासय, हमरे बरे खोलि द्या!' मुला उ तोहका जवाब देइ, 'मइँ नाहीं जानत तू कहाँ ले आवा बाट्या?' 26तब तू कहइ लगब्या, 'हम तोहर संग खावा ह, तोहर संग पिआ ह, तू हमरी गलियन मँ हमका सीख दिहा ह।' 27पर उ तोसे कही, 'मइँ नाहीं जानत तू कहाँ स आवा अहा? अरे कुकर्मी मनइयो! मोरे लगे स पराइ जा!' 28जब तू इब्राहीम, इसहाक, याकूब अउर दूसर सबहीं नबियन क परमेस्सरे क राज्य मँ निहरब्या मुला तोहका बाहेर ढकेल दीन्ह जाइ। तउ हुवाँ बस रोउब अउर दाँत पीसब होई। 29फिन पूरब अउर पच्छूँ, उत्तर अउर दक्खिन स मनइयन परमेस्सर क राज्य मँ आइ आइके खइया क चउकी प आपन आसन ग्रहण करिहीं। 30धियान रहइ कि हुवाँ जउन आखिरी अहइ पहिले होइ जइहीं अउर जउन पहिले अहइँ उ पचे आखिरी होइ जइहीं।"

ईसू क मउत यरूसलेम मँ

(मत्ती 23:27-39)

31उहइ समइ ईसू क लगे कछू फरीसियन आएन अउर ओसे बोलेन, "हेरोदेस तोहका मारि डावइ चाहत ह, यह बरे हुवाँ स कहूँ अउर चला जा।"

32तब उ ओनसे कहेस, "जा अउर उ लोखरी* स कहा, 'मइँ मनइयन मँ स दुस्ट आतिमन क निकारब, मइँ आज ही चंगा करब अउर भियान भी। फिन तीसर दिन मइँ आपन काम पूरा करब।' 33फिन भी मोका आजु, भियान अउर परउँ चलत ही रहइ क अहइ। काहेकि कउनो नबियन बरे इ नीक नाहीं कि उ यरूसलेम स बाहेर प्रान तजि देइ।

34"यरूसलेम अरे ओ यरूसलेम! तू नबियन क कतल करत ह अउर परमेस्सर जेका तोहरे लगे पठएस ह, ओन प पाथर बरिसावत ह। मइँ केतॅनी दाईं तोहरे मनइयन क वइसे ही आपुस मँ बटोरइ चाहा ह जइसे एक ठु मुर्गी आपन बचवन क आपन पखना तरे बटोरत ह। मुला तू नाहीं चाह्या। 35लखा तोहरे बरे तोहार घर तोहरे लिये उजरा पड़ा अहइ। मइँ तोहका बतावत हउँ तू मोका उ समइया तलक फिन नाहीं देखब्या। जब ताईं उ समइ न आइ जाइ जब तू कहब्या, 'धन्य अहइ उ, पर्भू क नाउँ प जउन आवत बा।'*"

का सबित क दिन चंगा करब उचित बा?

14 एक दाईं सबित क दिन मुख्य फरीसियन मँ स कउनो क घर ईसू खइया बरे गवा। ओहर उ पचे नगिचे स आँखि गड़ाइके लखत रहेन। 2हुवाँ ओकरे समन्वा जलंधर स दुखी एक ठु मनई रहा। 3ईसू धरम सास्तिरियन अउर फरीसियन स पूछेस, "सबित क दिन कउनो क चंगा करब उचित अहइ या नाहीं?" 4मुला उ पचे खमोस रहेन। तउ ईसू उ मनई क लइके चंगा कइ दिहस अउर फिन ओका कहूँ पठइ दिहस। 5फिन उ ओनसे पूछेस, "जदि तोहमाँ स कउनो क लगे आपन बेटवा अहइ या बर्धा अहइ, उ कुआँ मँ गिरि पड़त ह तउ सबित क दिन भी तू ओका फउरन नाहीं निकरिब्या?" 6उ पचे ऍह पइ ओकर बात नाहीं काटि सकेन।

आपन क मान जिन द्या

7काहेकि ईसू इ लखेस कि मेहमान आपन बरे बइठइ क कउनो खास ठउर ढूँढ़त रहेन, तउ उ ओनका एक दिस्टान्त कथा सुनाएस। उ बोला: 8"जब तोहका कउनो बियाहे क भोज प बोलावइ तउ हुवाँ कउनो

लोखरी लोखरी चलाक होत ह, यह बरे ईसू हेरोदेस क लोखरी क रूप मँ कहिके ओखा धूर्त कहइ चाहत रहा।

'धन्य ... बा' भजन 118:26

सम्मान क ठउर प जिन बइठा। काहेकि होइ सकत ह हुवाँ कउनो तोहसे जिआदा बड़कवा मनई क उ बोलॉए होइ। 9फिन तू दुइनउँ क बोलॉवइवाला तोहरे लगे आइके तोसे कही, 'आपन इ जगह इ मनई क दइ द्या।' अउर फिन लजाइके तोहका सबन क तले क ठउरे प बइठइ क होइ। 10तउ जब तोहका बोलॉवा जात ह तउ जाइके सबन त तले क जगह ग्रहण कइ ल्या जइसे जब तोहका न्यौता देइवाला आवइ तउ तोहसे कही, 'मीत उठा, ऊपर बइठा।' फिन उ सबन क समन्वा, जउन तोहरे लगे हुवाँ मेहमान होइहीं, तोहार मान बाढ़ी। 11काहेकि हर कउनो जउन आपन क उठाई ओका निहुराइ दीन्ह जाई अउर जउन आपन क निहुराई, ओका ऊँचा कीन्ह जाई।"

बदले कफल

12फिन जउन ओका बोलाए रहा, ओसे उ बोला, "जब कबहुँ तू कउनो दिन या राति क भोज द्या तउ आपन धनी पड़ोसियन क जिन बोलॉवा काहेकि ऍकरे बदले मँ तोहका बोलइहीं अउर इ तरह तोहका ओकर फल मिलि जाई। 13मुला जब तू कउनो भोज द्या तउ दीन दुखियन, अपाहिजन, लंगड़न अउर अँधरन क बोलॉवा। 14फिन काहेकि ओनके लगे वापस लउटावइ कछू नाहीं अहइ, तउ इ तोहरे बरे आसीर्बाद बनि जाई। ऍकर बदले क फल तोहका धर्मी मनई क जी उठइ प दीन्ह जाई।"

बड़वार भोज क दिस्टान्त कथा

(मत्ती 22:1-10)

15फिन ओकरे संग खइया क खात रहेन मनइयन मँ स एक इ सुनिके ईसू स कहेस, "हर उ मनई धन्य अहइ, जउन परमेस्सर क राज्य मँ जेंवत ह!"

16तब ईसू ओसे कहेस, "एक मनई कउनो बड़के भोज क तइयारी करत रहा, उ बहोत स मनइयन क न्यौत दिहस। 17फिन दावत क समइ जेनका न्यौता दिहस, नउकरे क पठइके इ कहवाएस 'आवा! काहेकि भोजन तइयार अहइ!' 18उ सबइ एक तरह आनाकानी करइ लागेन। पहिला ओसे कहेस, 'मइँ एक खेत बेसहे अहउँ, मोका जाइके ओका देखब अहइ, कृपा कइके मोका छमा करइँ।' 19फिन दूसर कहेस, 'मइँ पाँच जोड़ी बर्धा मोल लिहे अहउँ, मइँ तउ सिरिफ ओनका परखइ जात हउँ, कृपा कइके मोका छमा करइँ।' 20एक अउर भी बोला, 'मइँ अबहीं बियाह किए हउँ। इ कारण स नाहीं आइ सकत हउँ।' 21तउ जब उ नउकर लौटिके आवा तउ उ आपन स्वामी क इ बातन बताइ दिहस, ऍह पइ उ घरे क स्वामी बहोत कोहाइ गवा अउर आपन नउकरे स कहेस, 'हाली ही! सहर क गली कूचा मँ जा अउर गरीब गुरबा, अपाहिज, आँधर अउर लँगड़न क हिआँ लइ आवा।' 22उ नउकर स कहेस, 'स्वामी तोहार हुकुम पूरी कइ दीन्ह गइ अहइ मुला अबहिं भी ठउर बाकी अहइ।' 23फिन स्वामी नउकरे स कहेस, 'सड़कन प अउर खेतन क मेंड़े ताईं जा अउर हुवाँ स मनइयन स चिरौरी कइके हिआँ बुलाइ लिआवा जेसे मोर घर भरि जाइ। 24अउर मइँ तोहसे कहत हउँ जउन पहिले बोलाइ गवा रहेन ओहमाँ स एक भी भोज न चिखइ!'"

चेला बनइ का कीमत

(मत्ती 10:37-38)

25ईसू क संग भारी भीड़ जात रही। उ ओनके कइँती मुड़ि गवा अउर बोला, 26"जदि मोरे लगे कउनो आवत ह अउर आपन बाप महतारी, पत्नी अउर बचवा, आपन भाइयन अउर बहिनियन अउर हिआँ ताईं कि आपन जिन्नगी तलक स मोसे जिआदा पिरेम राखत ह, उ मोर चेला नाहीं होइ सकत। 27जउन आपन क्रूस (यातना) उठाइके मोरे पाछे नाहीं चलत ह, उ मोर चेला नाहीं होइ सकत। 28जदि तोहमाँ स कउनो बुर्ज बनावइ चाहइ तउ का उ पहिले स बइठिके ओकरे दामे क, इ लखइ बरे कि ओका पूरा करइके ओकरे लगे काफी कछू बा कि नाहीं, हिसाब उसाब न लगाई? 29नाहीं तउ उ नेंव तउ खनि देइ अउर ओका पूरा न कइ पावइ स, जउन ओका सुरु होत लखेन ह, सबहिं ओकर मसखरी उड़इहीं अउर कइहीं, 30'अरे लखा इ मनई बनाउब तउ सुरु किहेस ह मुला इ ओका पूर नाहीं कइ सका!'

31"या कउनो राजा अइसा होइ जउन कउनो दूसर राजा क खिलाफ जुद्ध छेड़इ जाइ अउर पहिले बैठिके इ न बिचारइ कि आपन दस हजार सैनिकन क संग का उ बीस हजार सैनिकन आपन बैरी क मुकाबला कइ भी सकी कि नाहीं? 32अउर जदि उ समर्थ नाहीं होत तउ ओकर बैरी अबहीं राहे मँ होइहीं तबहीं उ आपन प्रतिनिधि मडंल क पठइके सांति मिलाप क सुझाई। 33तउ फिन इहइ तरह तोहमाँ स कउनो भी जउन आपन सबहिं धन दौलत क तजि नाहीं देत, मोर चेला नाहीं होइ सकत।

आपन सुभाव जिन तजा

(मत्ती 5:13; मरकुस 9:50)

34"नोन उत्तिम अहइ मुला जदि ओकर स्वाद बिगर जाइ तउ ओका फिन स नमकीन नाहीं बनावा जाइ सकता। 35न तउ उ माटी क लायक रही अउर न पाँस क कूड़ा क। मनई सिरिफ ओका यूँ ही बहाइ देइहीं। जेकरे लगे सुनइ क कान अहइँ, ओका सुनइ द्या!"

सरगे मँ खुसी

(मत्ती 18:12-14)

15 अब चुंगी (टिकॅस) क उगहिया अउर पापी सबहिं ओका सुनइ बरे ओकरे लगे आवइ लाग रहेन। 2तउ फरिसियन अउर धरम सास्तिरियन बड़बड़ करत

भए कहइ लागेन, “इ मनई तउ पापी मनइयन क अगवानी करत ह अउर ओनके संग जेवंत ह।” [3]एँह पइ ईसू ओनका इ दिस्टान्त कथा सुनाएस: [4]“मान ल्या तोहमाँ स कउनो क लगे 100 भेड़ अहइँ अउर ओहमाँ स कउनो एक हेराइ जाइ तउ उ का 99 क खुली जगह मँ तजिके हेरान भेड़ क पाछे न धाई जब ताईं उ ओका पाइ न जाइ। [5]फिन जब ओका भेड़ मिलि जात ह तउ उ ओका खुसी क साथ आपन काँधे प उठावत ह। [6]अउर जब घर लौटत ह तउ आपन मीतन अउर पड़ोसियन क नगिचे बोलॉइके कहत ह, ‘मोर संग खुसी मनावा काहेकि मोका हेरान भेड़ मिलि गइ अहइ।’ [7]मइँ तोहसे कहत हउँ, इहइ तरह कउनो एक क मनफिरावइवाला पापी बरे, ओन 99 धर्मी मनइयन स, जेनका मनफिराव करइ क जरूरत नाहीं, सरगे मँ कहूँ जिआदा खुसी मनाइ जाइ।

[8]“या सोचि ल्या कउनो स्त्री अहइ जेकरे लगे दस चाँदी क सिक्का बाटेन अउर ओकर एक ठु सिक्का हेराइ जात ह तउ का उ दिया बारिके घरे क तब ताईं न बहारी अउर होसियारी स नाहीं ढूँढ़त रही जब तलक उ ओका न मिलि जाइ? [9]अउर जब उ जब ओका पाइ जात ह तउ आपन मीतन अउर पड़ोसियन क लगे बोलॉइके कहत ह, ‘मोरे संग खुसी मनावा काहेकि मोर सिक्का जउन हेराइ ग रहा, मिलि गवा।’ [10]मइँ तोहसे कहत हउँ इ तरह एक पापी बरे जउन मनफिराव ह, परमेस्सर क दूतन क हाजरी मँ हुआँ खुसी मनाइ जाइ।”

भटक गवा बेटवा क पावइ क दिस्टान्त कथा

[11]फिन ईसू कहेस, “एक मनई क दुइ बेटवा रहेन। [12]तउ छोटका बेटवा आपन बाप स कहेस, ‘पिताजी, जउन धन दौलत मोरे हींसा मँ आवइ, ओका मोका दइ द्या!’ तउ बाप उन दुइनउँ क आपन धन बाँट दिहेस। [13]अबहीं कउनो जिआदा समइ नाहीं बीता रहा, कि छोटका बेटवा आपन समूचा धन दौलत बटोरेस अउर कउनो दूर देस क चला गवा। अउर हुवाँ जंगली क तरह रहत भवा आपन सारा धन बर्बाद कइ डाएस। [14]जबहिं ओकर समूचा धन खतम होइ गवा तबहीं उ देस मँ सबहिं कइँती एक ठु भयानक अकाल पड़ि गवा अउर ओका जरूरत क चीजन क कमती पड़इ लाग। [15]यह बरे उ देस क कउनो मनई क हिआँ जाइके उ मजूरी करइ लाग। उ ओका आपन खेते मँ सुअर चरावइ पठइ दिहेस। [16]हुवाँ उ सोचत साइद कैरब क फरी पेट भरइ बरे मिलि जाइँ जेका सुअरन खात रहेन मुला कउनो ओका एक फरी नाहीं दिहेस। [17]फिन जब ओकर होस ठिकाना मँ आइ गवा तउ उ बोला, ‘मोरे बाप क लगे केतॅना ही अइसे मजूर अहइँ जेनके लगे खाइ क पाछे भी भोजन बचा रहत ह। अउर मइँ हियाँ भूख स मरत हउँ। [18]तउ मइँ हियाँ स उठिके आपन बाप क लगे जाब अउर ओनसे कहब: पिताजी, मइँ परमेस्सर अउर तोहरे खिलाफ पाप किहे हउँ। [19]अब अगवा स तोहार बेटवा कहवावइ क जोग्ग नाहीं अहउँ। मोका आपन रोजिन्दा क मजूर क नाईं बनइ ल्या।’ [20]तउ उ उठिके आपन बाप क लगे चला गवा।

“अबहीं उ जिआदा दूरी प ही रहा कि ओकर बाप ओका निहारेस अउर ओकरे बाप क दाया आइ। तउ दौड़िके उ ओका आपन बाँहे मँ गहियाइ लिहस अउर चूमेस। [21]बेटवा बाप स कहेस, ‘पिताजी, मइँ तोहरी निगाहे मँ अउर परमेस्सर क खिलाफ पाप किहे हउँ, मइँ अब अउर जिआदा तोहार बेटवा कहवावइ क जोग्ग नाहीं हउँ।’ [22]मुला बाप आपन नउकरन स कहेस, ‘हाली! उत्तिम ओढ़ना निकारि लइ आवा अउर ओनका एॅका पहिरावा। एॅकरे हाथे मँ अँगूठी अउर गोड़वा मँ जूतियाँ पहिरावा। [23]कउनो मोट बछवा लइ आइके मारि डावा अउर आवा ओका हम पचे खाइके खुसी मनाईं। [24]काहेकि मोर इ बेटवा जउन मरि गवा रहा अब जइसे फिन स जिउ उठा बा। इ हेरॉइ गवा रहा, मुला अब इ मिलि गवा अहइ।’ तउ उ पचे खुसी मनावइ लागेन।

[25]“अब ओकर बड़का बेटवा जउन खेते मँ रहा, जब आवा अउर घरे क लगे पहुँच गवा तउ उ गावइ नाचइ क सुर सुनेस। [26]उ आपन एक ठु नउकर क बोलॉइके पूछेस, ‘इ सब का होत अहइ?’ [27]नउकर ओसे कहेस, ‘तोर भाई आइ गवा अहइ अउर तोर बाप ओका हिफाजत मँ अउर मोटमर्दी पाइके एक ठु मोट बछवा कटवाएस ह!’ [28]बड़का भाई कोहाइ गवा, उ भितरे जाइ तलक नाहीं चाहत रहा। तउ ओकर बाप बाहेर आइके ओका समझाएस बुझाएस। [29]मुला उ बाप क जवाब दिहस, ‘देखा बरिसन स तोहार सेवा मइँ करत रहेउँ। मइँ तोहरे कउनो हुकुम क खिलाफत नाहीं किहेउँ, मुला तू मोका तउ कबहूँ एक बकरी तलक नाहीं दिहा कि मइँ आपन मीतन क संग कउनो खुसी मनाइ सकित। [30]मुला जब तोहार इ बेटवा आवा जउन वेस्यन मँ तोहार धन फूँकेस, ओकरे बरे तू मोट बछवा कटवाया।’ [31]बाप ओसे कहेस, ‘मोर बेटवा, तू हमेसा ही मोरे लगे अहा अउर जउन कछू मोरे लगे बा, सब तोहार अहइ। [32]मुला हमका खुस होइ चाही अउर जलसा मनावइ चाही काहेकि इ भाई, जउन मरि ग रहा, अब फिन जिन्ना होइ ग अहइ। इ हेराइ ग रहा, अब मिलि गवा बा।’”

साँच धन

16 फिन ईसू आपन चेलन स कहेस, “एक धनी मनई रहा। ओकर एक प्रबन्धक रहा। उ प्रबन्धक प लांछन लगाइ गवा कि उ ओकर धन दौलत क नासत रहा। [2]तउ उ ओका बोलाएस अउर कहेस, ‘तोहरे बारे मँ इ मइँ का सुनत रहत हउँ? आपन संरजाम क हिसाब किताब द्या काहेकि अब अगवा तू प्रबन्धक नाहीं रहि

सक्त्या।’ 3एँह पइ प्रबन्धक मन ही मन मँ कहेस, ‘मोर स्वामी मोसे मोर प्रबन्धक क नउकरी छीनत अहा, तउ अब मइँ का करउँ? मोहमाँ अब एँतनी ताकत भी नाहीं बा कि मइँ खेते खोदाई अउर गोंड़ाई क काम तलक कइ सकउँ। अउर माँगइ मँ तउ मोका लाज आवति बाटइ। 4ठीक, मोरी समझ मँ आइ गवा कि मोका का करइ चाही जेहँसे जब मइँ प्रबन्धक क ओहदा स हटाइ दीन्ह जाउँ तउ मनई आपन घरे मँ मोर सुआगत करइँ।’ 5तउ उ स्वामी क हर देनदार क बोलाएस। पहिले मनई स उ पूछेस, ‘तोहका मोरे स्वामी क केतँना देब अहइ?’ 6उ कहेस, ‘3,000 लीटर जैतून क तेल।’ एँह पइ उ ओसे बोला, ‘इ ल्या आपन बही खाता अउर बैठिके हाली 1,500 लीटर कइ द्या।’ 7फिन उ दूसर स कहेस, ‘अउर तोह प केतनी देनदारी अहइ?’ उ बताएस, ‘270 क्विंटल गोहूँ।’ उ ओसे बोला, ‘इ ल्या आपन बही अउर 225 क्विंटल कइ द्या।’

8“एँह प ओकर स्वामी उ बेइमान प्रबन्धक क सराहेस काहेकि उ होसियारी स काम लिहे रहा। संसारे मँ रहइवाला मनई आपन जइसे मनइयन स ब्यौहार करइ मँ परमेस्सर क जोति वाला स जिआदा चालाक अहइ।

9“मइँ तोहसे कहत हउँ संसारे क धन दौलत स आपन बरे मीत बनावा। काहेकि जब उ धन दौलत खतम होइ जाइ, उ पचे अनंत निवासे मँ तोहार सुआगत करिहीं। 10उ सबइ जेनँ पइ तनिक बरे बिसवास कीन्ह जाइ सकत ह, ओन पइ जिआदा बरे भी बिसवास कीन्ह जाइ अउर इहइ तरह जउन तनिक बरे बेइमान होइ सकत हीं उ जिआदा बरे बेइमान होइहीं। 11इ तरह जदि तू संसारे क धन दौलत बरे तू बिसवासनीय नाहीं रह्या तउ साँच धने क बारे मँ तोह पइ कउन भरोसा करी? 12जदि जउन कउनो दूसर क अहइ, तू ओकरे बरे बिसवास क जोग्ग नाहीं, बाट्या, तउ जउन तोहार अहइ, ओका तोहरा कउन देइ? 13“कउनो भी नउकर दुइ मालिक क सेवा नाहीं कइ सकत। उ या तो एक स घिना करी अउर दूसर स पिरेम या उ एक क बरे न्यौछावर करी अउर दूसर क दुरियाई। तू धने अउर परमेस्सर दुइनउँ क सेवा एक संग नाहीं कई सकत्या।”

परमेस्सर क व्यवस्था अटल बा

(मत्ती 11:12-13)

14अब फरीसियन जउन धन क लोभी रहेन, जब इ सब सुनेन तउ उ पचे ईसू क बहोत बुराई किहेन। 15एँह पइ उ ओनसे कहेस, “तू पचे उ सबइ अहा जउन मनइयन क इ जताइ देइ चाहत ह कि तू बहोत नीक अहा मुला परमेस्सर तोहरे मन क जानत ह। मनई जेका बहोत कीमती समझत हीं, परमेस्सर बरे उ तुच्छ अहइ।

16“यूहन्ना तलक व्यवस्था अउर नबियन क समइ रहा। ओकरे पाछे परमेस्सर क राज्य क सुसमाचार क प्रचार होत रहा अउर हर कउनो बड़ी तेजी स एँकर कइँती हइँचा आवत रहा। 17फिन सरग अउर धरती क डुग जाब तउ सहल बा मुला व्यवस्था क एक एक बिन्दु का अमान्य होब नाहीं।

तलाक अउर दुहेजा बियाह

18“उ हर कउनो जउन आपन पत्नी क तजत ह अउर दूसर स्त्री क बियाहत ह, व्यभिचार करत ह। अइसे ही आपन पति स तलाकी गइ, कउनो मनई स बियाहत ह, उ भी व्यभिचार करत ह।”

धनी मनई अउर लाजर

19“अब देखा एक मनई रहा जउन बहोत धनी रहा। उ बैंजनी रंग क ओढ़ना पहिरत रहा अउर हर रोज अमीरी ठाट बाट स रहत आनन्द लेत रहा। 20हुँवई लाजर नाउँ क दीन दुखिया ओकरे दुआरे ओलरा रहत रहा। ओकर देह घाउन स भरि गइ रही। 21उ धनी मनई क जूठे स ही उ आपन पेटवा भरइ क तरसत रहा। हिआँ तलक कि कूकुर भी अउतेन अउर ओकरे घाउ क चाट जातेन। 22अउर फिन अइसा भवा कि उ दीन हीन मनई मरि गवा। तउ सरगदूतन लइ जाइके ओका इब्राहीम क गोदी मँ बइठाइ दिहन। फिन उ धनी मनई भी मरि गवा अउर ओका दफनियावा गवा। 23नरके मँ तड़पत भवा उ जब आँखी खोलिके लखेस तउ इब्राहीम ओका बहोत दूर देखाइ गवा मुला लाजर उ ओकरी गोदी मँ लखेस। 24उ तब्बइ पुकारके कहेस, ‘बाप इब्राहीम, मोहे प दाया करा अउर लाजर क पठवा कि उ पानी मँ अगुँरि क नोक बोरिके मोर जीभ ठंढी कइ देइ, काहेकि मइँ इ आगी मँ तड़पत हउँ!’ 25मुला इब्राहीम बोला, ‘मोर बेटहना, याद राखा, तू आपन जिन्नगी मँ आपन नीक चीजन्क पाइ गया मुला लाजर क बुरी चीज मिलि पाइँ। तउ अब हिआँ उ आनन्द भोगत बा अउर तू दारुण दुःख। 26अउर इ सब क अलावा हमरे अउर तोहरे बीच एक बड़की खाई डाइ दीन्ह ग अहइ काहेकि हिआँ स जदि कउनो तोहरे लगे जाइ चाहइ, उ जाइ नाहीं सकत अउर हुवाँ स कउनो हिआँ आइ न सकइँ।’ 27उ धनी मनई कहेस, ‘अइ बाप! मइँ तोहसे पराथना करत हउँ कि तू लाजर क मोरे बाप क घर पठइ द्या 28काहेकि मोरे पाँच भाइयन अहइँ। उ ओनका चिताउनी देइ ताकि ओनका इ दारुण दुःख क ठउर मँ न आवइ क होइ।’ 29मुला इब्राहीम कहेस, ‘ओनके लगे मूसा क व्यवस्था अहइ अउर नबियन क लिखा अहइँ। ओ पचेन क ओनका सुनइ द्या!’ 30धनी मनई कहेस, ‘नाहीं बाप इब्राहीम, जदि कउनो मरे हुअन मँ स ओनके लगे जाइ तउ उ पचे मनफिराव करिहीं।’ 31इब्राहीम ओसे कहेस, ‘जदि उ सबइ मूसा अउर नबियन क नाहीं अनकतेन तउ, जदि कउनो मरे हुअन मँ स उठिके ओनके लगे

आवइ तउ भी कोउ काम क ना होई, काहेकि उ
ओनका भी न सुनिहीं।'"

17 ईसू आपन चेलन स कहेस, "जेनॅसे मनइयन
भटकत हीं, अइसी बातन तउ होइहीं ही मुला
धिक्कार उ मनई क अहइ जेकरे जरिये उ सबइ होइँ।
2ओकरे बरे जिआदा नीक इ होत कि बजाय ऍकरे कि
उ इन छोटकन मँ स कउनो क पाप करइ क हुस्कारि
देइ, ओकरे गटइया मँ चकरी क पाट टाँगिके ओका
समुद्दर मँ ढकेल दीन्ह जात। 3होसियार रहा!

"जदि तोहार भाई पाप करइ तउ ओका डाटा अउर
जदि उ आपन किहे प पछताइ तउ ओका छमा कइ
द्या। 4अगर हर दिना उ सात दाईं पाप करइ अउर
सातहु दाईं लौटिके तोहसे कहइ कि मोका पछतावा
अहइ तो तू ओका छमा कइ द्या।"

तोहार बिसवास केतॅना बड़वार अहइ

5ऍह पइ प्रेरितन पर्भू स कहेन, "हमरे बिसवास क
बढ़ोतरी करा!" 6पर्भू कहेस, "जदि तोहमाँ सरसों क
दाना क तरह बिसवास होत तो तू इ सहतूत क बृच्छ स
कहि सकत ह 'उखड़ि जा अउर उ समुद्दर मँ जाइके
लगा।' अउर उ तोहार बात मान लेत।

उत्तिम सेवकन बनि जा

7"मान ल्या तोहमाँ स कउनो क लगे एक दास
अहइ जउन हर जोतत या भेड़न क चरावत ह। उ जब
खेते स लौटिके आवइ तउ का ओकर स्वामी ओसे
कही, 'तुरन्त आवा अउर खइया क खाइ बैठि जा?'
8मुला बजाय ऍकरे का उ ओसे न कही, 'मोर भोजन
तइयार करा, आपन ओढ़ना पहिरा अउर मोर खात
पिअत क खइया परसा, तबहि ऍकरे पाछे तू भी खाइ पी
सकत ह।' 9का उ आपन हुकुम पूरा करइ प का उ
सेवक क बिसेस धन्यबाद देत ह? नाहीं। 10तोहरे संग भी
अइसा ही अहइ। जउन कछू करइ क तोहसे कहा ग
अहइ, ओका कइ डाए क पाछे तोहका कहइ चाही, 'हम
नालायक दास अही हमका कउन बड़कई न चाही। हम
तउ आपन कर्तब कीन्ह ह।'"

आभारी रहा

11फिन जब ईसू यरूसलेम जात रहा तउ उ सामरिया
अउर गलील क बीच क चउहद्दी क लगे स निकरा।
12उ जब एक गाउँ मँ जात रहा तबहीं दस कोढ़ी ओका
मिलने। उ सबइ कछू दूरी प खड़ा रहेन। 13उ पचे ऊँच
आवाज मँ बोलेन, "हे ईसू! हे स्वामी! हम प दाया करा!"

14फिन जब उ ओनका लखेस तउ उ बोला, "जा
अउर आपन खुद क याजकन क देखावा।"

उ सबइ जात ही रहेन कि कोढ़ स छुटकारा पाएन।
15मुला ओहमाँ स एक जब इ देखेस कि उ चंगा होइ ग
अहइ, तउ उ वापस लौटा अउर ऊँच आवाज मँ परमेस्सर
क गुन गावइ लाग। 16उ मुँहना धइके ईसू क गोड़वा पर
गिरि गवा अउर ओकर ऍहसान मानेस। (उ एक सामरी
रहा।) 17ईसू ओसे पूछेस, "का सबहिं दस क दसउ कोढ़
स छुटकारा नाहीं पाएन? फिन उ सबइ नौ कहाँ बाटेन?
18का केवल सामरी क तजिके ओहमाँ स कउनो भी
परमेस्सर क स्तुति करइ वापस नाहीं लौटा?" 19फिन
ईसू ओसे कहेस, "खड़ा हवा अउर चला जा, तोहार
बिसवास तोहका चंगा किहेस ह।"

परमेस्सर क राज्य तोहरे भीतर बा

(मत्ती 24:23-28, 37:41)

20एक दाईं जब फरीसियन ईसू स पूछेन, "परमेस्सर
क राज्य कब आई?" तउ उ ओनका जवाब दिहस,
"परमेस्सर क राज्य अइसे परगट होइके नाहीं आवत।
21मनइयन इ न कइहीं, 'उ हिआँ अहइ!' या 'उ हुवाँ
अहइ!' काहेकि परमेस्सर क राज्य तउ तोहरे भीतर ही
अहइ।"

22मुला चेलन उ बोलाएस, "अइसा समइ आइ जब
तू मनई क पूत क दिनन मँ स एक दिन क भी तरसब्या
मुला, ओका नलख पउब्या। 23अउर मनइयन तोहसे
कइहीं, 'देखा, हिआँ!' या 'देखा, हुवाँ!' तू हुवाँ जिन जा या
ओकर पाछे जिन जा।

जब ईसू लौटी

24"वइसे ही जइसे बिजुरी चमकिके एक छोर स
दूसर छोर मँ चमकत ह, वइसे ही मनई क पूत भी
आपन दिन मँ परगट होइ। 25मुला ओका पहिले बहोत स
दारुण दुःख झेलइ क होइ अउर इ पीढ़ी क जरिए उ
जरूर ही न मान्न होइ। 26वइसे ही जइसे नूह क दिनन मँ
भवा रहा, मनई क पूत क दिनन मँ भी होइ। 27उ दिना
तलक जब नूह नाउ मँ बइठा, मनई खात पिअत रहेन,
बियाह करत रहेन, अउर बियाह मँ दीन्ह जात रहेन।
फिन जल परलइ आइ अउर उ सबन क नास कइ
दिहस। 28इहइ तरह होइ जइसे लूत क दिना मँ भी भवा
रहा। मनइयन खात पिअत रहेन, बेसहत रहेन, बेचत
रहेन अउर खेती अउर घर बनवत रहेन। 29मुला उ
दिन जब लूत सदोम स बाहेर निकरा तउ अकास स
आगी अउर गंधक बरसइ लाग अउर उ सबइ बर्बाद होइ
गएन। 30उ दिना भी जब मनई क पूत परगट होइ, ठीक
अइसे ही होइ।

31"उ दिन जदि कउनो मनई छते प होइ अउर
ओकर सामान घरे क भीतर होइ तउ ओका उठावइ
बरे तरखाले न उतरइ। इहइ तरह जदि कउनो मनई
खेते मँ होइ तउ उ पाछे न लौटइ। 32लूत क पत्नी क
याद करा, 33जउन कउनो आपन जिन्नगी बचावइ क
जतन करी, उ ओका खोइ देइ अउर जउन आपन

जिन्नगी खोइ, उ ओका बचाइ लेइ। 34मइँ तोहका बतावत हउँ, उ राति एक खटिया प जउन दुइ मनई होइहीं, ओहमाँ स एक उठाइ लीन्ह जाइ अउर दूसर छोर दीन्ह जाइ। 35दुइ स्त्रियन एक संग चकरी चलावत होइहीं, ओहमाँ स एक उठाइ लीन्ह जाइ अउर दूसर स्त्री छोर दीन्ह आइ।" 36*

37फिन ईसू क चेलन ओसे पूछेन, "हे पर्भू, अइसा कहाँ होइ?"

उ ओनसे कहेस, "जहाँ ल्हास पड़ी होइ, गिद्ध भी हुवँइ एकट्ठा होइहीं।"

परमेस्सर आपन मनइयन क जरूर सुनी

18 फिन ईसू चेलन क इ बतावइ बरे एक दिस्टान्त कथा सुनाएस कि उ पचे लगातार पराथना करत रहइँ अउर निरास न होइँ। उ इ दिस्टान्त कथा कहेस: 2"कउनो सहर मँ एक न्यायाधीस होत रहा। उ न तो परमेस्सर स डेरात रहा अउर न ही मनइयन क परवाह करत रहा। 3उहइ सहर मँ, अब लखा एक ठु विधवा भी रहत रही। अउर उ ओनके लगे बार बार आवत अउर कहत, 'देखा, मोरे बरे कीन्ह गवा अनिआउ क खिलाफ निआउ मिलइ चाही!' 4तउ एक लम्बा समइ तलक तउ उ न्यायाधीस नाहीं चाहत रहा मुल आखिर मँ उ आपन मने मँ सोचेस, 'चाहे मइँ परमेस्सर स न डेरात हउँ अउर न मनइयन क परवाह करत हउँ। 5तउ भी काहेकि इ विधवा स मोर कान पक ग अहइँ तउ मइँ देखिहउँ कि ओका निआउ मिलि जाइ जेहसे इ मोरे लगे कइउ दाइँ आइके कहूँ मोरे नाक मँ दम करि देइ!'"

6फिन पर्भू कहेस, "देखा! उ दुस्ट न्यायाधीस का कहे रहा। 7तउ का परमेस्सर आपन चुना भए मनइयन प धियान न देइ कि ओनका, जउन ओका राति दिन टेरत हीं, निआव मिलइ? का उ ओनकइ मदद करइ मँ देर लगाई? 8मइँ तोहसे कहत हउँ कि उ ओनका जल्दी निआव देई। फिन भी जब मनई क पूत आइ तउ का उ धरती प बिसवास पाई?"

दीन होइके परमेस्सर क आराधना

9फिन ईसू ओन मनइयन बरे जउन आपन क नेक तउ मानत रहेन, अउर कउनो क कछू नाहीं समझतेन, इ दिस्टान्त कथा सुनाएस। 10"मंदिर मँ दुइ मनई पराथना करत रहेन, एक फरीसी रहा अउर दूसर चुंगी (टिक्स) क उगहिया। 11उ फरीसी अलग खड़ा होइके इ पराथना करइ लाग, 'हे परमेस्सर मइँ तोहार धन्यबाद करत हउँ कि मइँ दूसर मनइयन जउन डाकू, ठग अउर व्यभिचार नाहीं हउँ अउर न ही इ चुंगी उगहिया जइसा हउँ। 12मइँ हफ्ता मँ दुइ दाईं उपास राखत हउँ अउर आपन समूची आमदनी क दसवाँ हींसा दान मँ दइ देत हउँ।'

13"मुला उ चुंगी उगहिया जउन दूर खड़ा रहा अउर हिआँ तलक कि सरगे कइँती आपन आँखिन उठाइके नाहीं लखत रहा, आपन छतिया पीटत भवा बोला, 'हे परमेस्सर, मोहे पापी प द्या कर!' 14मइँ तोहका बतावत हउँ, इहइ मनई धर्मी कहवाइके आपन घरे लौट गवा, न कि उ दूसर। काहेकि हर उ मनई जउन आपन खुद क बड़का समझी, ओका छोटका बनइ दीन्ह जाइ अउर जउन दीन मानी, ओका बड़का बनइ दीन्ह जाइ।"

गदेलन परमेस्सर क सच्चा हकदार अहइँ

(मत्ती 19:13-15 मरकुस 10:13-16)

15मनई आपन गदेलन तलक ईसू क लगे लइ आवत रहेन कि उ ओनका छू भरि देइ। मुला जब ओकर चेलन इ लखेन तउ ओनका झड़पेन। 16मुला ईसू गदेलन क लगे बोलाएस अउर चेलन स कहेस, "इ नान्ह गदेलन क मोरे लगे आवइ द्या, ऍनका जिन रोका, काहेकि परमेस्सर क राज्य अइसन क अहइ। 17मइँ सच कहत हउँ कि जउन परमेस्सर क राज्य इ गदेलन क नाईं ग्रहण नाहीं करत ह, ओहमाँ कबहुँ घुसि न पाई!"

एक धनी मनई क ईसू स सवाल

(मत्ती 19:16-30 मरकुस 10:17-31)

18फिन कउनो यहूदी नेता ईसू स पूछेस, "उत्तिम गुरु, अनन्त जीवन क हक पावइ बरे मोका का करइ चाही?" 19ईसू ओसे कहेस, "तू मोका उत्तिम काहे कहत अहा? सिरिफ परमेस्सर क तजिके अउर कउनो भी उत्तिम नाहीं अहइ। 20तू परमेस्सर क हुकुम क तो जानत अहा: 'व्यभिचार जिन करा, कतल जिन करा, चोरी जिन करा, झूठी साच्छी जिन द्या, आपन बाप अउर महतारी क आदर करा।'*"

21उ यहूदी नेता बोला, "मइँ इन बातन क आपन लरिकाईं स मानत आवा हउँ!"

22ईसू जब इ सुनेस तउ उ ओसे बोला, "अबहीं एक बात अहइ जेकर तोहमाँ कमी अहइ। तोहरे लगे जउन कछू अहइ, सब कछू क बेंचि डावा अउर फिन जउन मिलइ, ओका गरीबन मँ बाँटा। ऍहसे तोहका सरगे मँ भण्डारा मिली। फिन आवा अउर मोरे पाछे होइ जा।" 23तउ जब यहूदी नेता सुनेस तउ उ बहोत दुःखी भवा, काहेकि उ बहुत अमीर रहा।

24ईसू जब ई देखेस कि उ बहोत दुःखी अहइ तउ उ कहेस, "ओन मनइयन बरे जेनके लगे धन वा, परमेस्सर क राज्य मँ घुसि पाउब केतॅना मुस्किल अहइ! 25हाँ,

---

पद 36 कछू यूनानी प्रतियन मँ पद 36 जोड़ा गया अहइ: "दुइ ठु पुरुसन जउन खेतवा मँ होइहीं, ओहमाँ स एक उठाइ लीन्ह जाइ अउ दूसर छोड़ दीन्ह जाइ।"

'व्यभिचार ... करा' निर्ग 20:12-16; व्यवस्था 5:16-20

कउनो ऊँट बरे सुई क नोंक स निकरि जाब तउ सहज
बा मुला कउनो धनी मनई क परमेस्सर क राज्य मँ घुस
पाउब सहल नाहीं अहइ!"

केकर उद्धार होइ?

26उ मनइयन जउन इ सुनेन, बोलेन, "फिन भला
उद्धार केकर होइ?"
27ईसू कहेस, "उ बातन जउन मनइयन बरे नाहीं
होइ सकतीं, परमेस्सर बरे होइ सकत हीं!"
28फिन पतरस कहेस, "देखा, तोहरे पाछे चलइ बरे
हम उ सब कछू तजि दीन्ह ह जउन हमरे पास रहा!"
29तब ईसू ओनसे बोला, "मइँ तोहसे सच कहत हउँ,
अइसा कउनो नाहीं जउन परमेस्सर क राज्य बरे घर-बार,
पत्नी या भाइयन या महतारी बाप या संतान क तजि दिहे
होइ, 30अउर ओका इहइ जुग मँ कइउ कइउ गुना
जिआदा न मिलइ अउर आवइवाला समइ मँ उ अनन्त
जीवन क न पाइ जाइ।"

ईसू मरिके जी उठी

(मत्ती 20:17-19; मरकुस 10:32-34)

31फिन ईसू ओन बारहु क एक कइँती लइ जाइके
ओनसे बोला, "सुना, हम यरूसलेम जात अही। मनई क
पूत क बारे मँ नबियन क जरिये जउन कछू लिखा गवा
अहइ, उ पूर होइ। 32हाँ, उ गैर यहूदियन क सौंप दीन्ह
जाइ, ओकर मसखरी उड़ाइ जाइ, उ कोसा जाइ अउर
ओह पइ थूक दीन्ह जाइ। 33फिन उ सबइ ओका पिटिहीं
अउर मारि डइहीं अउर तीसर दिन फिन जी जाई।"
34एहमाँ स कउनो भी बात उ सबइ नाहीं समुझ सकेन।
इ कहब ओनसे छुपा ही रहि गवा कि उ कउने बारे मँ
बतावत रहा।

आँधर क आँखिन

(मत्ती 20:29-34; मरकुस 10:46-52)

35ईसू जब यरीहो क लगे पहुँचा रहा तउ भीख
माँगत भवा एक आँधर, हुवँई राह किनारे बइठा रहा।
36आँधर जब मनइयन क जाइ क आवाज सुनेस तउ उ
पूछेस, "का होत अहइ?"
37तउ मनइयन ओसे कहेन, "नासरत क ईसू हिआँ
स जात अहइ।"
38तउ आँधर इ कहत भवा पुकार उठा, "दाऊद क
पूत, ईसू! मोहे प द्या करा!"
39उ जउन अगवा चलत रहेन उ पचे ओसे खमोस
रहइ क कहेन, मुला उ अउर जिआदा पुकारइ लाग,
"दाऊद क पूत मोहे प द्या करा!"
40ईसू थम गवा अउर उ हुकुम दिहेस कि आँधर क
ओकरे लगे लइ आवा जाइ! तउ जब उ नगिचे आवा तउ
ईसू ओसे पूछेस, 41"तू का चाहत ह? मइँ तोहरे बरे का
करउँ?" उ कहेस, "पर्भू, मइँ फिन स देखइ चाहत हउँ।"
42एँह पइ ईसू कहेस, "तोहका जोति मिलइ, तोहार बिसवास
स तोहार उद्धार भवा ह।"
43अउर फउरन ही ओका आँखिन मिल गइन। उ
परमेस्सर क महिमा क बखान करत भवा ईसू क पाछे
होइ गवा। जब सब मनइयन इ देखेन तउ उ पचे परमेस्सर
क स्तुति करइ लागेन।

जक्कई

19 फिन ईसू यरीहो मँ घुसिके जब हुवाँ स जात रहा।
2तो हुवाँ जक्कई नाउँ क एक मनई भी हाजिर
रहा। उ चुंगी (टिक्स) उगहियन मुखिया रहा। तउ उ
बहोत धनी रहा। 3उ इ देखइ क जतन करत रहा कि
ईसू कउन अहइ, मुला भिड़िया क कारण उ देख नाहीं
पावत रहा काहेकि ओकर कद छोटवार रहा। 4तउ उ
सबन क अगवा धावत भवा एक ठु गुलरी क बृच्छ प
जाइ चढ़ा जेहसे, उ ओका निहारि सकइ काहेकि ईसू क
उहइ रास्ता स होइके निकरइ क रहा। 5फिन जब ईसू
उ ठउरे प आवा तउ उ ऊपर लखत भवा जक्कई स
कहेस, "जक्कई, हाली स नीचे उतरि आवा काहेकि
मोका आजु तोहरे ही घरे प रुकइ चाही।"
6तउ उ तड़फड़ नीचे उतरिके खुसी क संग ओकर
अगवानी किहेस। 7जब सबहिं मनइयन इ लखेन तउ उ
पचे बड़बड़ाइ लागेन अउर बोलेन, "अरे इ एक पापी क
घर मेहमान बनइ जात अहइ।"
8मुला जक्कई खड़ा भवा अउर पर्भू स बोला, "हे
पर्भू, देखा, मइँ आपन सारी धन दौलत क आधा हींसा
गरीब गुरबन क दइ देब अउर जदि मइँ कउनो क छल
कइके कछू भी छीना ह तउ ओका चौगुना कइके
लौटाइ देब!"
9ईसू ओसे कहेस, "इ घरे प आज उद्धार आइ गवा
ह, काहेकि इ मनई भी इब्राहीम क ही संतान अहइ!
10काहेकि मनई क पूत भी जउन कउनो हेराइ गवा
अहइ, ओका ढूँढ़इ अउर ओकर उद्धार करइ आवा
ह।"

परमेस्सर जउन देत ह ओका बैपरा

(मत्ती 25:14-30)

11जब उ मनइयन इ बातन क सुनत रहेन तउ ईसू
ओनका एक दिस्टान्त कथा सुनाएस काहेकि ईसू यरूसलेम
क नगिचे रहा अउर उ पचे सोचत रहेन कि परमेस्सर
क राज्य तुरंत ही परगट होइ जात अहइ। 12तउ ईसू
कहेस, "एक ऊँच कुल क मनई राजा क पद पावइ बरे
कउनो परदेस मँ गवा। 13तउ उ आपन दस नउकरन क
बोलाएस अउर ओनमाँ स हर एक क एक एक थैली
दिहस अउर ओनसे कहेस, 'जब ताईं मइँ लौटउँ, एँसे
कउनो बियापार करा।' 14मुला सहर क दूसर मनई

ओसे घिना करत रहेन, यह बरे उ पचे ओकर पाछे इ कहइ क एक प्रतिनिधि मण्डत पठएस, 'हम नाहीं चाहित कि इ मनई हम पइ राज करइ!'

[15]"मुला उ राजा क पदवी पाइ गवा। फिन जब उ वापस लौटा तउ जउन नउकरन क उ धन दिहे रहा ओनका इ जानइ बरे कि उ सबइ कउन लाभ कमाइ लिहन ह, उ बोलॉवा पठएस। [16]पहिला आइ अउर बोला, 'स्वामी, तोहार थैलियन स मइँ दस अउर थैली कमाउँ ह!' [17]एँह पइ ओकर स्वामी ओसे कहेस, 'उत्तिम नउकर तू नीक किहा ह। काहेकि तू इ छोटकी सी बात प बिसवास क जोग्ग रहा। तू दस सहरन क अधिकारी होब्या!' [18]फिन दूसर नउकर आवा अउर बोला, 'स्वामी तोर थैलियन स मइँ पाँच अउर थैली कमायउँ ह!' [19]फिन उ एँसे कहेस, 'तू पाँच सहरन क ऊपर राज करब्य!' [20]फिन एक दूसर नउकर आवा अउर बोला, 'स्वामी इ रही तोहार थैली जेका मइँ अँगौछा मँ बाँधिके कहूँ रख दिहे रहेउँ। [21]मइँ तोहसे डेरात रहत हउँ, काहेकि तू, एक कठोर मनई अहा। तू जउन रख्या नाहीं ह तू ओका भी लइ लेत ह अउर जउन तू बोया नाहीं ओका काटत ह!' [22]मालिक ओसे कहेस, 'अरे दुस्ट नउकर! मइँ तोहरे आपन सब्दन क ऊपर तोहार निआव करब। तू तो जानत ही ह कि मइँ जउन राखत नाहीं हउँ, ओका भी लइ लेइवाला अउर जउन बोवत नाहीं ओका भी काटइवाला कठोर मनई हउँ? [23]तउ फिन तू मोर धन बियाज प काहे नाहीं लगाया ताकि मइँ अबहुँ वापस आवत होतउँ तउ बियाज क साथ ओका लइ लेतउँ।' [24]फिन लगे खड़ा मनइयन स उ कहेस, 'एँकर थैली एँसे लइ ल्या अउर जेकरे लगे दस थैली अहइँ ओका दइ द्या।' [25]एँह पइ उ सबइ ओसे बोलेन, 'मालिक, ओकरे लगे तउ दस थैली अहइँ!' [26]मालिक कहेस, 'मइँ तोहसे कहत हउँ हर एक उ मनई क जेकरे लगे अहइ अउर जिआदा दीन्ह जाइ अउर जेकरे पास नाहीं अहइ, ओसे जउन ओकरे लगे अहइ, उ भी छीन लीन्ह जाइ। [27]मुला मोर उ बैरी जउन नाहीं चाहतेन कि मइँ ओन पइ हुकूमत करउँ जेनका हिआँ मोरे समन्वा लावा अउर मारि डावा।'"

ईसू क यरूसलेम मँ घुसब

(मत्ती 21:1-11; मरकुस 11:1-11; यूहन्ना 12:12-19)

[28]इ बातन कहि चुके क पाछे ईसू अगवा चलत भवा यरूसलेम कइँती बढ़इ लाग। [29]अउर फिन जब उ बैतफगे अउर बैतनिय्याह मँ उ पहाड़ी क नगिचे पहुँचा जउन जैतून क पर्वतन कही जात रहीं तउ उ आपन दुइ चेलन क इ कहिके पठएस कि [30]"इ जउन गाउँ तोहरे समन्वा अहइ, हुवाँ जा। जइसे ही तू हुवाँ घुसब्या, तोहका गदही क बच्चा हुवाँ बाँधा भवा मिली। जेहँ पइ कउनो कबहूँ सवारी नाहीं किहे होइ, ओका खोलिके हिआँ लिआवा। [31]अउर जदि कउनो तोहसे पूछइ तू एँका काहे खोलत अहा, तो तोहका ओसे इ कहब अहइ, 'पर्भू क चाही।'" [32]फिन जेनका पठवा ग रहा, उ पचे गएन अउर ईसू जइसा ओनका बताए रहा, ओनका बइसा ही मिला। [33]तउ जब उ सबइ बचवा क खोलत ही रहेन, ओकर मालिक लोगन ओनसे पूछेन, "तू इ बचवा क काहे खोलत बाट्या?" [34]उ पचे कहेन, "इ पर्भू क चाही।" [35]फिन उ पचे ओका ईसू क लगे लइ आएन। उ पचे आपन ओढ़ना उ बच्चा प ओढ़ाइ दिहेन अउर ईसू क ओह पइ बइठाइ दिहन। [36]ईसू जब जात रहा तउ मनइयन आपन ओढ़ना सड़क पइ बिछावत जात रहेन।

[37]अउर फिन जब उ जैतून क पर्वतन स तलहटी क लगे आवा तउ चेलन क समूची भीड़ ओन सबहिं अजूबा कामे बरे, जउन उ पचे लखे रहेन, ऊँच आवाज मँ खुसी स परमेस्सर क स्तुति करइ लागेन। उ पचे पुकारेन:

[38] "'राजा उ धन्य अहइ, आवत ह जउन नाउँ मँ
पर्भू (परमेस्सर) क!
भजन संहिता 118:26

सरगे मँ सान्ति होइ, अउर अकास मँ महिमा
होइ परमेस्सर क!"

[39]भिड़िया मँ खड़ा भएन कछू फरीसियन ओसे कहेन, "गुरु, चेलन क मना करा!"

[40]तउ उ जवाब दिहस, "मइँ तोहसे कहत हउँ जदि इ सबइ खमोस होइ जाइँ तउ इ सबइ पाथर चिचियइहीं।"

[41]जब उ नगिचे आइके सहर क लखेस तउ उ ओह प रोइ पड़ा। [42]अउर बोला, "जदि तू बस आजु इहइ जानत होत्या कि कउन तोहका सान्ति देइ मुला अब उ तोहरी आँखी स ओझर होइ गवा बा। [43]उ दिनन तोहे प अइहीं जब तोहरे बैरी चारिहुँ कइँती अड़चन खड़ी कइ देइहीं। उ सबइ तोहका घेरि लेइहीं अउर सब कइँती स तोह पइ दबाव डइहीं। [44]उ सबइ तोहका धूरी मँ मिलइहीं। तोहका अउर तोहरे दीवार क भीतर रहइवालन गदेलन क। तोहरी चहरदीवारे क भीतर उ सबइ तोहरे मकाने क एक पथरा भी ना छोड़िहइँ। काहेकि जब परमेस्सर तोहरे लगे आइ, तू उ घड़ी क नाहीं पहिचान्या।"

ईसू मंदिर मँ

(मत्ती 21:12-17; मरकुस 11:15-19 यूहन्ना 2:13-22)

[45]फिन ईसू मंदिर मँ घुसा अउर जउन हुवाँ दुकानदारी करत रहेन ओनका बाहेर निकारइ लाग। [46]उ ओनसे कहेस, "पवित्तर सास्तर मँ लिखा ग अहइ , 'मोर घर पराथना घर होइ।'* मुला तू पचे एँका 'डाकुअन क

'मोर ... होइ' यसा 56:7

अड्डा’* बनए अहा।” 47अब तो हर दिन मंदिर मँ
उपदेस देइ लाग। मुख्ययाजकन, धरम सास्तिरियन अउर
मुखिया मनइयन ओका मार डावइ क ताकि मँ रहइ
लागेन। 48मुला ओनका अइसा कइ डावइ क कउनो
अउसर न मिल पावा काहेकि मनइयन ओकरे बचन
क बहोत मान्नता देत रहेन।

ईसू स यहूदियन क सवाल

(मत्ती 21:23-27; मरकुस 11:27-33)

20 एक दिन जब ईसू मंदिर मँ मनइयन क उपदेस
देत भवा सुसमाचार सुनावत रहा तउ
मुख्ययाजकन अउर धरम सास्तिरियन, बुजुर्ग यहूदी नेतन
क संग ओकरे लगे आएन। 2उ पचे ओसे पूछेन, “हमका
बतावा तू इ काम कउनो अधिकार स करत अहा? उ
कउन अहइ जउन तोहका इ अधिकार दिहे अहइ?”

3ईसू ओनका जवाब दिहस, “मइँ भी तोहसे एक
सवाल पूछत हउँ, तू मोका बतावा 4यूहन्ना क बपतिस्मा
देइ क अधिकार सरग स मिला रहा या मनई स?”

5एँह पइ आपुस मँ बिचार क चर्चा करत भवा उ
पचे बोलेन, “जदि हम कहित ह, ‘सरग स’ तउ इ कही,
‘तउ तू ओह प बिसवास काहे नाहीं किहा?’ 6अउर
अगर हम कही, ‘मनई स’ तउ सबहीं मनई हम पइ
पाथर फेंकिहीं। काहेकि उ सबइ इ मानत हीं कि यूहन्ना
एक नबी रहा।” 7तउ उ सबइ जवाब दिहेन कि उ पचे
नाहीं जानतेन कि उ अधिकार कहाँ स मिला। 8फिन
ईसू ओनसे कहेस, “तउ मइँ भी तोहका नाहीं बताउब
कि इ चीज मइँ कउनो अधिकारे स करत हउँ!”

परमेस्सर आपन पूत क पठवत ह

(मत्ती 21:33-46; मरकुस 12:1-12)

9फिन ईसू मनइयन स आपन दिस्टांत कथा कहइ
लाग: “कउनो मनई अंगूरे क बगिया लगाइके ओका
कछू किसानन क लगाने प दिहस अउर उ बहोत दिना
तक कहूँ चला गवा। 10जब फसल काटइ क समइ आइ,
तउ उ एक नउकर क किसानन क लगे पठएस ताकि
उ पचे ओका अंगूरे क बगिया क कछू फल दइ देइँ।
मुला किसानन ओका मार पीटिके खाली हाथ लौटाइ
दिहन। 11उ तब एक नउकर हुवाँ पठएस। मुला उ पचे
ओकर ठोंकाइ कइ डाएन। उ सबइ ओकरे संग बहोत
बुरा ब्यौहार किहेन। अउर ओका भी खाली हाथे लौटाइ
दिहन। 12एँह पइ उ एक तिसरा नउकर पठएस मुला उ
पचे एक भी घायल कइके बाहेर ढकेल दिहन। 13तब
तउ बगिया क मालिक कहइ लाग, ‘मोका का करइ
चाही? मइँ आपन पियारे बेटवा क पठउब साइद वे
ओकर इज्जत करिहइँ!’

14मुला किसानन जब ओकरे बेटवा का लखेन तउ
आपुस मँ सोच बिचारि करत भए बोलेन, ‘इ तउ वारिस
अहइ, आवा एँका मारि डाइ जेहसे वारिस हमार होइ
जाइ!’ 15अउर उ पचे ओका बगिया स बाहेर खदेरके
मारि डाएन।

“तउ फिन बगिया क मालिक ओनके संग का करी?
16उ आइ अउर ओन किसानन क मारि डाई अउर
अंगूरे क बगिया अउरन क सौंपि देइ।” उ पचे जब इ
सुनेन तउ उ सबइ बोलेन, “अइसा कबहूँ न होइ चाही!”

17तब ईसू ओनकइ कइँती निहारत भवा कहेस,
“तउ फिन इ जउन लिखा अहइ ओकर अरथ का
अहइ:

> ‘जउने पाथर क राजगीर बेकार समझ लिहे
> रहेन उहइ कोनवा क प्रमुख पाथर बन गवा’?
>
> *भजन संहिता 118:22*

18हर कउनो जउन उ पाथर प गिरी चूर चूर होइ जाइ
अउर जेहँ पइ उ गिरी चकनाचूर होइ जाइ!”

19धरम सास्तिरियन अउर मुख्ययाजकन कउनो
रस्ता ढूँढिके ओका पकड़ि लेइ चाहत रहेन काहेकि उ
ताड़ ग रहेन कि उ इ दिस्टान्त कथा ओनके खिलाफ
कहेस ह। मुला उ पचे मनइयन स डेरात रहेन।

यहूदी नेतन क चाल

(मत्ती 22:15-22; मरकुस 12:13-17)

20तउ उ पचे होसियारी स ओह प निगाह राखइ
लागेन। उ पचे अइसे खुफिया पठएन जउन ईमानदार
होइ क सुआंग रचत रहेन। (ताकि उ सबइ ओकर कही
भइ कउनो बातन मँ फँसाइके राज्यपाल क सक्ती अ
अधिकारे क मातहत कर देइँ।) 21तउ उ पचे ओसे
पूछत भए कहेन, “गुरु, हम जानित ह कि जउन नीक
अहइ अउर उहइ क तू कहत अउर उपदेस देत अहा
अउर न ही कउनो क पच्छ लेत ह। मुला तू सचाई स
परमेस्सर क रास्ता क उपदेस देत अहा। 22तउ बतावा
कैसर क हमका चुंगी (टिक्स) देब नीक बा या नाहीं
चुकाउब?”

23ईसू ओनकइ चाल क ताड़ गवा रहा। तउ उ
ओनसे कहेस, 24“मोका एक दीनार देखावा, एँह पइ
मूरति अउर लिखाइ केकर अहइ?”

उ सबइ कहेन, “कैसर क।”

25एँह पइ उ ओनसे बोला, “तउ फिन जउन कैसर
क अहइ, ओका कैसर क द्या। अउर जउन परमेस्सर
क अहइ ओका परमेस्सर क।”

26उ पचे ओकरे जवाबे प चकित होइके चुप रहि
गएन अउर उ मनइयन क समन्वा जउन कछू कहे रहा,
ओह पइ ओका पकड़ नाहीं पाएन।

‘डाकुअन ... अड्डा’ यिर्म 7:11

ईसू क धरइ बरे सदूकियन क चाल

(मत्ती 22:23-33; मरकुस 12:18-27)

27अब देखा कछू सदूकियन ओकरे लगे आएन। (इ सबइ सदूकियन उ रहेन जउन फिन स जी उठब का नाहीं मनतेन।) उ पचे ओसे पूछत भए कहेन, 28"गुरु, मूसा हमरे बरे लिखा बा कि जदि कउनो क भाई मरि जाइ अउर ओकरे कउनो बचवा न होइ अउर ओकर पत्नी होइ तउ ओकर भाई विधवा स बियाहिके आपन मरे भए भाई बरे, ओसे संतान पइदा करइ। 29अब देखा, सात भाइयन रहेन। पहिला भाइ कउनो स्त्री स बियाह किहेस अउर उ बे संतान क ही मरि गवा। 30फिन दूसर भाई ओसे बियाहा, 31अउर अइसे ही तीसर भाई ओसे बियाहा। सबन क संग एक जइसा ही भवा। उपचे बे संताने क मर गएन। 32पाछे उ स्त्री भी मरि गइ। 33अब बतावा, फिन स जी उठे प उ केकर पत्नी होइ काहेकि ओसे तउ सातहु ही बियाहे रहेन?" 34तब ईसू ओसे कहेस, "इ जुग क मनई बियाह करत हीं अउर बियाह कइके बिदा होत हीं। 35मुला उ मनइयन जउन मरे भएन मँ स जी जाइ बरे अउर आवइवाले जुग मँ भाग लेइ क जोग्य ठहराइ दीन्ह ग अहइँ, उ पचे न तउ बियाह करिहीं अउर न ही बियाह कइके बिदा कीन्ह जइहीं। 36अउर उ फिन कबहुँ मरिहीं भी नाहीं, काहेकि उ पचे सरगदूतन क नाईं अहइँ, उ पचे परमेस्सर क संतान अहइँ काहेकि उ पचे पुनरुत्थान क पूत अहइँ। 37मुला तलक झाड़ी स जुड़ा भवा अनुच्छेद मँ देखाएस ह कि उ पचे मरे भएन मँ स जिआवा ग अहइँ, जबकि उ कहेस पर्भू, 'इब्राहीम क परमेस्सर, इसहाक क परमेस्सर अउर याकूब क परमेस्सर' अहइ।* 38उ मरे भएन क नाहीं, मुला जिअत क परमेस्सर अहइ। उ सबइ मनइयन जउन ओकर अहइँ, जिआ अहइँ।"

39कछू धरम सास्तिरियन कहेन, "गुरु, नीक कह्या।" 40काहेकि फिन ओसे कउनो अउर सवाल पूछइ क हिम्मत नाहीं कइ सकेन।

मसीह का दाऊद क पूत अहइ?

(मत्ती 22:41-46; मरकुस 12:35-37)

41ईसू ओसे कहेस, "उ पचे कहत हीं कि मसीह दाऊद क पूत अहइ। इ कइसे होइ सकत ह? 42काहेकि भजन संहिता क किताब मँ दाऊद खुद कहत ह:

> 'पर्भू (परमेस्सर) मोरे पर्भू (मसीह) स कहेस:
> मोरे दाहिन हाथ बइठा,
> 43 जब तलक कि मइँ तोहरे बैरियन क तोहरे
> गोड़ धरइ क चउकी न बनाइ देउँ।
> *भजन संहिता 110:1*

44इ तरह जब दाऊद मसीह क 'पर्भू' कहत ह तउ मसीह दाऊद क पूत कइसे होइ सकत ह?"

धरम सास्तिरियन क खिलाफ ईसू क चिताउनी

(मत्ती 23:1-36; मरकुस 12:38-40 लूका 11:37-54)

45सबहीं मनइयन क सुनत उ आपन मनवइयन स कहेस, 46"धरम सास्तिरियन स होसियार रहा। उ लम्बा चोगा पहिरिके इज्जत क संग बाजारन मँ सुआगत सम्मान पावइ चाहत हीं। अउर आराधनालय मँ ओनका सबस जिआदा प्रमुख आसन क ललक रहत ह। दाउतन मँ उ सबइ इज्जत स भरा आसन चाहत हीं। 47उ पचे विधवन क अकसर धोखा देत हीं अउर ओनकर मकान लइ लेत हीं। देखॉवा बरे उ पचे बड़ी बड़ी पराथना करत हीं। इन मनइयन क कड़ी स कड़ी सजा भुगुतइ पड़ी।"

सच्चा दान

(मत्ती 12:41-44)

21 ईसू आपन अँखिया उठाइके देखेस कि धनी लोग दान पात्र मँ आपन आपन भेंट चढ़ावत अहइँ। 2तबहीं उ एक गरीब विधवा क ओहमाँ ताँबे क दुइ नान्ह सिक्का नावत भइ लखेस। 3उ कहेस, "मइँ तोहसे सच कहत हूँ कि दूसर सबहीं मनइयन स इ विधवा जिआदा दान दिहेस ह। 4इ मइँ ह बरे कहत हउँ काहेकि इ सबहीं मनइयन आपन उ धने मँ स जेकर ओनका जरूरत नाहीं रही, दान दिहे रहेन मुला इ विधवा गरीब होत भइ जिन्ना रहइ बरे जउन कछू ओकरे लगे रहा, सब कछू दइ डाएस।"

मंदिर क बिनास

(मत्ती 24:1-14; मरकुस 13:1-13)

5कछू चेलन मंदिर क बारे मँ बतियात रहेन कि उ मंदिर सुन्नर पथरन अउर परमेस्सर की दीन्ह गइ मनौती क भेंट स कइसे सजाना ग बा!

6तबहीं ईसू कहेस, "अइसा समइ आइ जब, इ जउन कछू तू देखत अहा, ओहमाँ एक पाथर दूसर पाथर टिक न रह पाइ। उ सबइ ढहाइ दीन्ह जइहीं!"

7उ पचे ओसे पूछत भए बोलेन, "गुरु, इ बातन कब होइहीं? अउर इ बातन जउन होइवाली अहइँ, ओकर कउन चीन्हा होइहीं?"

8ईसू कहेस, "होसियार रहा, कहूँ कउनो तोहका छल न लेइ। काहेकि मोरे नाउँ स बहोत मनइयन अइहीं अउर कइहीं, 'मइँ मसीह अहउँ' अउर 'समइ आइ पहुँचा अहइ!' ओनके पाछे जिन जा। 9परन्तु जब तू जुद्ध अउर दंगा क बात सुना तउ जिन डेराअ काहेकि इ बातन तउ पहिले घटि जइहीं। अउर ओनकइ अंत फउरन न होइ।" 10उ ओनसे फिन कहेस, "एक जाति दूसर जाति क खिलाफ खड़ी होइ अउर एक राज्य दूसर राज्य

'इब्राहीम ... अहइ' निर्ग 3:6

क खिलाफ। [11]बड़ा-बड़ा भुइँडोल अइहीं अउर अनेक जगहन प अकाल पड़िहीं अउर महामारी आइ। अकासे मँ खौफनाक घटना घटिहीं अउर भारी चीन्हा परगट होइहीं।

[12]"मुला इ सबन घटना स पहिले तोहका बंदी बनइ डइहीं अउर तोहका दारुण दुःख देइहीं। उ सबइ तोह प जुर्म लगावइ बरे तोहका आराधनालय क सौपिहीं अउर फिन तोहका जेल पठइ दीन्ह जाइ। अउर फिन मोरे नाउँ क कारण उ पचे तोहका राजा लोग अउर राज्यपाल क समन्वा लइ जइहीं। [13]एँसे तोहका मोरे बारे मँ साच्छी देइ क अउसर मिली। [14]यह बरे पहिले स ही ऍंकर फिकिर न करइ कि आपन बचाव कइसे करब्या। [15]काहेकि अइसी बुद्धि अउर सब्द तोहका मइँ देब कि तोहार कउनो भी बैरी तोहार सामना अउर तोहार खण्डन नाहीं कइ सकी।

[16]मुला तोहार महतारी–बाप, भाई, बन्धु, नातेदार अउर मीत भी तोहका धोखा स पकड़वइहीं अउर तोहमाँ स कछू क तउ मरवाइ ही डइहीं। [17]मोरे कारण सब तोसे बैर रखिहीं। [18]मुला तोहरे मूँड़े क एक बार बाँका नाहीं होइ। [19]तोहार सहइ क सक्ती, तोहरे प्रान क रच्छा करी।

यरूसलेम क नास

(मत्ती 24:15-21; मरकुस 13:14-19)

[20]"अब लखा जब यरूसलेम क तू फऊज स घिरा देखब्या तउ समुझ लिहा कि ओकर तहस नहस होइ जाब नगिचे अहइ। [21]तब तउ जउन यहूदिया मँ होइँ, ओनका चाही कि उ पचे पहाड़न प पराइ जाइँ अउर उ सबइ जउन सहर क भीतर होइँ, बाहेर निकर आवइँ अउर उ पचे जउन गाउँ मँ होइँ ओनका सहर मँ नाहीं जाइ चाही।

[22]काहेकि उ दिनन सजा क होइहीं। एँहसे जउन लिखा ग बाटइ, उ सबहीं पूर होइँ। [23]उ स्त्रियन बरे, जउन पेटवा स भारी होइहीं अउर ओनके बरे जउन दूध पिआवत होइहीं, उ दिनन केतॅना खौफनाक होइहीं। काहेकि उ दिनन धरती प बहोत बड़की बिपत आइ इ मनइयन प परमेस्सर कोहाइ जाइ। [24]उ सबइ तरवारे क धार स गिरा दीन्ह जइहीं अउर कैदी बनाइके सब देसन मँ पहुँचाइ दीन्ह जइहीं। अउर यरूसलेम बे यहूदियन क गोड़वा तरे तब तलक रौंद जाइ जब तलक गैर यहूदियन क समइ पूर नाहीं होइ जात।

डेराअ जिन

(मत्ती 24:29-31; मरकुस 13:24-27)

[25]"सूरज, चाँद अउर तारन मँ चीन्हा परगट होइहीं अउर धरती प क सबहीं रासट्रन प बिपत आई अउर उ सबइ समुद्दर क आवाज अउर उथर–पुथर स घबराइ उठिहीं। [26]मनइयन डर अउर संसार प आवइ वाली बिपत क भय से बेहोस होइ जइहीं काहेकि आकास क सक्ती हलोर दीन्ह जाइ। [27]अउर तबहीं उ पचे मनई क पूत क आपन सक्ती अउर महान महिमा क एक बादर आवत भवा देखिहीं। [28]अब देखा, इ बातन जब घटइ लागइँ तउ खड़ा होइके तू आपन मूँड़ ऊपर उठाइ ल्या। काहेकि तोहार छुटकारा नगिचे आइ रही होइ!"

मोर बचन अमर बा

(मत्ती 24:32-35; मरकुस 13:28-31)

[29]फिन एक ठु दिस्टान्त कथा कहेस: "अउर सबहीं बृच्छन अउर अंजीरे क बिरवा लखा। [30]ओहमाँ स जइसे ही कोंपर फूटत हीं, तू आपन आप जान जात ह कि गर्मी क रितु बस आइ ग अहइ। [31]वइसे ही तू जब इ बातन क घटतइ देख्या तउ जान लिहा कि परमेस्सर क राज्य नगिचे अहइ।

[32]"मइँ तोहसे सच कहत हउँ कि जब तलक इ सब बातन घटि नाहीं जातिन, इ पीढ़ी क अंत नाहीं होइ! [33]धरती अउर अकास बरिबाद होइ जइहीं, पर मोर बचन हमेसा अटल रही!

हमेसा तइयार रहा

[34]"आपन धियान राखा जेहसे तोहार मन कहूँ पीने पिआवइ अउर संसारे क फिकिर स पाथर न होइ जाइ। अउर उ दिन एक फंदा क तरह तोह प एकाएक न आइ पड़इ। [35]सचमुच ही उ इ सारी धरती क बसइयन पइ अइसे ही आइ गिरी। [36]हर छिन होसियार रहा, अउर पराथना करा कि तोहक इ सब बातन स, जउन घटइवाली अहइँ, बचइ क ताकत मिलइ अउर तू मनई क पूत क समन्वा खड़ा होइ सका।"

[37]हर रोज मंदिर मँ उपदेस देत रहा मुला, राति बीति जाइ प हर साँझ जैतून पर्वत प चला जात रहा। [38]सबहीं मनई भिन्सारे क तड़के उठत रहेन अउर मंदिर मँ ओकरे लगे जाइके, ओका सुनत रहेन।

ईसू क मार डावइ क कुचाल

(मत्ती 26:1-5, 14:16; मरकुस 14:1-2, 10-11; यूहन्ना 11:45-53)

22 अब फसइ नाउँ क बे खमीरे क रोटी क त्यौहार आवइ क रहा। [2]ओहॅर मुख्ययाजकन अउर धरम सास्तिरियन काहेकि मनइयन स डेरात रहेन। यह बरे कउनो अइसे चाल क ताक मँ रहेन जेहसे उ ईसू क मारि डावइँ।

यहूदा क कुचाल

[3]फिन इस्करियोती कहावइवाला उ यहूदा मँ, जउन उन बारहु मँ एक रहा, सइतान समाइ गवा। [4]उ

मुख्ययाजकन अउर सैनिकन क लगे गवा अउर ओनसे
ईसू क कइसे पकड़वाइ सकत ह, इ बारे मँ बातचीत
किहेस। [5]उ सबइ बहोत खुस भएन अउर ओका एँकरे
बरे धन देइ क राजी होइ गएन। [6]उ भी राजी होइ गवा
अउर उ अइसे अउसरे क ताड़ मँ रहइ लाग जब भीड़-बड़ि
न होइ अउर उ ईसू का ओकरे हथवा मँ धराइ देइ।

फसह क तइयारी

(मत्ती 26:17-25; मरकुस 14:12-21; यूहन्ना 13:21-30)

[7]फिन बे खमीर क रोटी क उ दिन आवा जब
फसह क मेमने क बलि दीन्ह जात ह। [8]तउ उ इ कहत
भवा पतरस अउर यूहन्ना क पठएस, "जा अउर हमरे
बरे फसह क भोज तइयार करा जेसे हम पचे ओका
खाइ सकी।"

[9]उ सबइ ओसे पूछेन, "तू हम पचन स ओकर
तइयारी कहाँ करावइ चाहत ह?" उ ओनसे कहेस,
[10]"तू जइसे ही सहर मँ घुसब्या तोहका पानी क गगरी
लइ जात भवा एक मनई मिली, ओकरे पाछे होइ जाया
अउप जउन घरे मँ उ जाइ तू भी पाछे चला जाया।
[11]अउर घरे क स्वामी स कह्या 'गुरु, तोहसे पूछेस ह
कि उ मेहमान क कमरा कहाँ बा जहाँ मइ आपन
चेलन क संग फसह क भोज क खइया क खाइ सकउँ।'
[12]फिन उ मनई सिढ़ियन क ऊपर तोहका सजा सजावा
एक बड़ा कमरा देखॉई, हुवँई तइयारी कर्या।"

[13]उ पचे चल पड़ेन अउर वइसा ही पाएन जइसा उ
ओनका बताए रहे। फिन उ पचे फसह क भोज क
तइयार किहेन।

पर्भू भोज

(मत्ती 26:26-30; मरकुस 14:22-26;
1 कुरिन्थियन 11:23-25)

[14]फिन उ घड़ी आइ तब ईसू खाइ बरे बइठा अउर
प्रेरितन ओनके साथ बइठेन। [15]उ ओनसे कहेस, "यातना
झेलइ स पहिले इ फसह क भोज संग करइ क मोर
प्रबत इच्छा रही। [16]काहेकि मइँ तोहसे कहत हउँ कि
जब तलक परमेस्सर क राज्य मँ फसह क भोज का
पूरा मतलब न समझ लिया तब तलक मइँ एँका दूसरी
दाईं न खाब।"

[17]फिन उ खोरा उठाइके धन्यबाद दिहेस अउर कहेस,
"ल्या एँका आपुस मँ बाँटि ल्या। [18]काहेकि मइँ तोहसे
कहत हउँ आजु क पाछे जब ताईं परमेस्सर क राज्य
नाहीं आइ जात मइँ कइसी भी दाखरस कबहुँ न पिअब।"

[19]फिन उ तनिक रोटी लिहस अउर धन्यबाद दिहस।
उ रोटी का तोड़ेस अउर ओनका देत भवा कहेस, "इ
मोर देह अहइ जउन तोहरे बरे दीन्ह ग अहइ। मोरे याद
मँ अइसा ही कर्या।" [20]अइसे ही जब उ पचे भोजन कइ
चुकेन तउ उ खोरा उठाएस अउर कहेस, "इ दाखरस
मोरे उ लहू क रूप मँ एक नवा करार क प्रतीक अहइ
जउन तोहरे बरे उड़ेला गवा अहइ।"

ईसू क बैरी कउन

[21]"मुला देखा, मोका जउन धोखा स पकड़वाइ, ओकर
हाथ हिअँइ मेजे प मोर संग अहइ। [22]काहेकि मनई क
पूत तउ मारा ही जाइ जइसा कि तइ अहइ मुला धिक्कार
उ मनई क अहइ जेकरे जरिए उ पकड़वाइ जाइ।"

[23]एँह पइ उ आपुस मँ एक दुसरे स सवाल करइ
लागेन, "ओहमाँ स उ कउन होइ सकत ह जउन अइसा
करइ जात अहइ?"

सेवक बना

[24]फिन ओहमाँ इ बात भी उठी कि ओहमाँ स सब
स बड़कवा केका समुझा जावइ [25]मुला ईसू ओनसे कहेस,
"गैर यहूदियन क राजा ओन प रुतवा राखत हीं अउर
उ सबइ जउन ओन प हुकुम चलावत हीं, खुद मनइयन
क 'उपकारी' कहवावत हीं। [26]मुला तू वइसे नाहीं अहा
तउ भी तोहमाँ स सब स बड़कवा सब ते छोटकवा जइसा
होइ चाही अउर जो राज करत ह ओका चाकर क नाईं
होइ चाही। [27]काहेकि बड़कवा कउन अहइ: उ जउन
खाइ क मेज प बइठा अहइ या उ जउन परसत ह? का
उहइ नाहीं जउन मेज प अहइँ मुला तोहरे बीच मइँ
वइसा हउँ जउन परोसत ह! [28]मुला तू उ सबइ अहा
जउन मोरी परीच्छा मँ मोर साथ दिहा ह। [29]अउर मइँ
तोहका वइसे ही एक राज्य देत अही जइसे मोर परमपिता
एँका मोका दिहे रहेन। [30]काहेकि मोरे राज्य मँ तू मोरे
मेज प खा अउर पिआ अउर इस्राएल क बारहु जनजातिन
क निआव करत भवा सिंहासने प बइठा।

बिसवास बनाइ राखा

(मत्ती 26:31-35; मरकुस 14:27-31; यूहन्ना 13:36-38)

[31]"समौन, ओ समौन! सुना, तू सबन क गोहूँ क
तरह फटकइ बरे सइतान चुन लिहे बा। [32]मुला मइँ
तोहरे बरे पराथना कीन्ह ह कि जेसे की परमेस्सर पर
तोहार बिसवास खतम न होइ अउर जब तू वापस आवा
तउ तोहरे भाइयन क ताकत बढ़इ।"

[33]मुला समौन ओसे कहेस, "पर्भू, मइँ तोहरे संग जेल
जाइ अउर मरइ तलक तइयार अहउँ!"

[34]फिन ईसू कहेस, "पतरस मइँ तोहसे बतावत हउँ
कि आजु तब तलक मुर्गा बाँग न देइ जब ताईं तू तीन
दाईं मना नाहीं कइ लेब्या कि तू मोका जानत ह!"

दारुण दुख झेलइ क तइयार रहा

[35]फिन ईसू आपन चेलन स कहेस, "मइँ तोहका
जब बे बटुआ, बे थैली या बे चप्पल क पठए रहे तउ का
तोहका कउनो चीजे क कमी रही?"

उ पचे कहेन, "कउनो चीजे क नाहीं।"
36उ ओनसे कहेस, "मुला अब जउन कउनो क
लगे भी कउनो बटुआ अहइ, उ ओका लइ लेइ अउर उ
थैला भी लइ लेइ अउर उ थैला क भी लइके चलइ।
जेकरे लगे तरवार न होइ, उ आपन चोगा तलक बेंचिके
ओका बेसहि लेइ। 37काहेकि मइँ तोहका बतावत हउँ
कि पवित्तर सास्तर क इ लिखा मोह प सचमुच ही पूरा
होइ जाइ:

'उ एक अपराधी माना गवा।'

यसायाह 53:12

हाँ मोरे बारे मँ लिखी गइ इ बात पूरा होइ जाइ प आवति
अहइ।"
38उ सबइ कहेन, "पर्भू, देखा, हिआँ दुइ तरवार
अहइँ!"
एँह प ओनसे कहेस, "बस बहोत अहइ।"

प्रेरितन क पराथना क हुकुम

(मत्ती 26:36-46; मरकुस 14:32-42)

39-40फिन उ हुवाँ स उठिके रोज क तरह जैतून
पर्वत प चला गवा। अउर ओकर चेलन भी ओकरे पाछे
पाछे होइ गएन। उ जब उ ठउरे प पहुँचा तउ उ ओनसे
कहेस, "पराथना करा कि तोहका परीच्छा मँ न पड़इ
क होइ।"
41फिन उ ओनसे पाथर फेंकई क तरह पूरी दूरी
तक चला गवा। फिन उ घुटना क सहारे निहुरा अउर
पराथना करइ लाग, 42"हे परमपिता, अगर तोहार इच्छा
होइ इ यातना क कटोरा मोहसे दूर हटावा मुला फिन भी
नाहीं, बल्कि तोहार इच्छा पूर होइ।" 43तबहीं एक सरगदूत
हुवाँ परगट भवा अउर ओका सक्ती देइ लाग। 44ओहर
ईसू ब्याकुल होय कर बड़े आग्रह पूर्वक पराथना करइ
लाग। ओकर पसीना लोहू क बूँदे क नाई धरती पइ
गिरत रहा। 45अउर जब उ पराथना स उठिके आपन
चेलन क लगे आवा तउ उ ओनका दुखे मँ थकि के
सोवत पावा। 46तउ उ ओनसे कहेस, "तू पचे सोवत काहे
अहा? उठा अउर पराथना करा कि तू कउनो परीच्छा
मँ न पड़ा।"

ईसू क बंदी बनाउब

(मत्ती 26:47-56; मरकुस 14:43-50; यूहन्ना 18:3-11)

47उ अबहीं बोलत ही रहा कि एक भीड़ जमा होइ
गइ। यहूदा नाउँ क एक मनई जउन बारहु मँ स एक
रहा, ओनकइ अगुवई करत रहा। उ ईसू क चुम्मा लेइ
ओकरे लगे आवा।
48मुला ईसू ओनसे कहेस, "अरे यहूदा, का तू एक
चुम्मा स मनई क पूत क धोखा दइके पकड़वावइ जात
अहा?" 49जउन घटइ जात रहा, ओका लखिके ओकरे
नगिचे क मनइयन कहेन, "पर्भू, का हम पचे तरवारि
क वार करी?" 50अउर ओहमाँ स एक तउ महायाजक
क नउकर प वारि कइके ओकर दाहिन कान काट
डाएस। 51मुला ईसू फउरन कहेस, "ओनका इ भी करइ
द्या।" फिन ईसू ओकर कनवा छुइके चंगा किहेस।
52फिन ईसू ओह प चढ़ाई करइ आएन मुख्ययाजकन,
मंदिर क सैनिकन अउर बुजुर्ग यहूदी नेतन स कहेस,
"का तू तरवारि अउर लाठिन लइके कउनो डाकू क
मुकाबला करइ निकरा अहा? 53मंदिर मँ मइँ हर दिन
तोहरे ही संग रहेउँ, मुला तू मोह पइ हाथ नाहीं राख्या।
मुला इ समइ तोहार अहइ-अँधियारे (पाप) क हुकुम क
काल।"

पतरस क इन्कार

(मत्ती 26:57-58; मरकुस 14:53-54, 66-72;
यूहन्ना 18:12-18, 25-27)

54उ पचे ओका कैदी बनाइ लिहन अउर हुवाँ स
लइ गएन। फिन उ सबइ ओका महायाजक क घर लइ
गएन। पतरस कछू दूरी प ओकरे पाछे पाछे आवत रहा।
55अँगने क बीच उ पचे आगी सुलगाएन अउर एक साथे
खाले बैठि गएन। पतरस भी हुवँई ओनही मँ बइठा रहा।
56आगी क रोसनी मँ एक नउकरानी ओका हुवाँ बइठे
लखेस। उ ओह पइ आँखी गड़ावत भइ कहेस, "इ मनई
तउ ओकरे साथे भी रहा।"
57मुला पतरस इन्कार करत भवा कहेस, "हे स्त्री,
मइँ ओका नाहीं जानत हउँ।" 58तनिक दरे पाछे एक ठु
दूसर मनई ओका लखेस अउर कहेस, "तू भी ओनही मँ
स एक अहइ।" मुला पतरस बोला, "भल मनई, मइँ उ
नाहीं हउँ।"
59कउनो लगभग एक घड़ी बीत भइ होइ कि कउनो
अउर भी जोर स कहइ लाग, "सचमुच ही इ मनई
ओकरे संग भी रहा! काहेकि लखा उ गलील वासी भी
अहइ।"
60मुला पतरस बोला, "भल मनई, मइँ नाहीं जानत
हउँ तू केकरे बारे मँ बतियात अहा!"
उहइ घड़ी, उ अबहीं बातन करत ही रहा कि एक
ठु मुर्गा बाँग दिहस। 61अउर पर्भू मुड़िके पतरस मँ आँखी
गड़ाएस। तबहिं पतरस क पर्भू क उ बचन याद आवा
जउन उ ओसे कहे रहा: "आजु मुर्गा क बाँग देइ स
पहिले मोका तीन दाईं मुकरि जाब्या।" 62तब उ बाहेर
चला गवा अउर फूटि फूटि को रोवइ लाग।

ईसू क मसखरी

(मत्ती 26:67-68; मरकुस 14:65)

63-64जउन मनइयन ईसू क धइ राखे रहेन उ पचे
ओकर मसखरी अउर ओका ठोंकइ लागेन। ओकरे

आँखी प पट्टी बाँधि दिहन अउर ओसे इ कहत भए
पूछइ लागेन, “भविस्सबाणी करा! उ कउन अहइ जउन
तोहका मारेस!” 65उ सबइ ओका बेज्जत करइ बरे ओसे
अउर भी बातन कहेन।

ईसू यहूदी नेतन क समन्वा

(मत्ती 26:59-66; मरकुस 14:55-64; यूहन्ना 18:19-24)

66जबहिं दिन भवा कि मुख्ययाजकन अउर धरम
सास्तिरियन संग मनइयन क बुजुर्ग नेतन क एक सभा
भइ। फिन उ पचे ओका आपन महा सभा मँ लइ गएन।
67उ सबइ पूछेन, “हमका बतावा का तू मसीह अहा?”

ईसू ओनसे कहेस, “जदि मइँ तोहसे कहउँ तउ तू
मोर बिसवास नाहीं करब्या। 68अउर जदि मइँ पूछउँ तउ
तू जवाब नाहीं देब्या। 69मुला अब स मनई क पूत सबन
स सक्तीवाला परमेस्सर क दाहिन कइँती बइठाइ जाइ।”

70उ पचे बोलेन, “तब तउ का तू परमेस्सर क पूत
अहा?” उ कहेस, “हाँ, मइँ हउँ।”

71फिन उ पचे कहेन, “अब हमका कउनो अउर
प्रमाण क जरूरत नाहीं अहइ? हम पचे खुद एकरे
आपन मुँहना स इ सुन तउ लिहा ह!”

पिलातुस ईसू स पूछताछ किहेस

(मत्ती 27:1-2, 11-14; मरकुस 15:1-5; यूहन्ना 18:28-38)

23 फिन सारा जमघट खड़ा होइ गवा अउर ओका
पिलातुस क समन्वा लइ गवा 2अउर उ पचे
ओह पइ इ दोख लगावइ लागेन। उ सबइ कहेन, “हम
पचे इ मनई का हमरे मनइयन क बहकावत भए धरा
ह। इ कैसर क चुंगी (टिक्स) चुकावइ बरे खिलाफत
करत ह अउर कहत ह इ खुद मसीह अहइ, एक
राजा।” 3एँह पइ पिलातुस ओहसे पूछेस, “का तू यहूदियन
क राजा अहा?”

ईसू ओका जवाब दिहस, “तू ठीक कहत रह्या कि
मइँ उहइ हउँ।”

4एँह पइ पिलातुस मुख्ययाजकन अउर भीड़ स कहेस,
“मोका इ मनई प कउनो दोख लगावइ क कउनो प्रमाण
नाहीं देखाँइ देत।”

5मुला उ पचे इ कहत भए दबाव डावत रहेन, “इ
समूचइ यहूदिया मँ मनइयन क आपन उपदेस स भड़काएस
ह। इ एँका गलील मँ सुरू किहे रहा अउर समूचइ रस्ता
पार कइके हिआँ तलक आइ पहुँचा अहइ!”

ईसू क हेरोदेस क लगे पठउब

6पिलातुस इ सुनिके पूछेस, “का इ मनई गलील क
अहइ?” 7फिन जब ओका इ पता लाग कि उ हेरोदेस क
अधिकार पहँटा क मातहत अहइ तउ उ ओका हेरोदेस
क लगे पठएस जउन उ समइ यरूसलेम मँ ही रहा। 8तउ
हेरोदेस जब ईसू क निहारेस तउ उ बहोत खुस भवा
काहेकि बरिसन स ओका लखइ चाहत रहा। काहेकि उ
ओकरे बारे सुनि चुका रहा अउर ओका कउनो अद्भुत
कारज करत भवा लखइ क आसा करत रहा। 9उ ईसू
स ढेर सवाल किहेस मुला ईसू ओका कउनो जवाब
नाहीं दिहेस। 10मुख्ययाजकन अउर धरम सास्तिरियन
हुवँइ खड़ा रहेन अउर उ सबइ ओह प बुरी तरह स जुर्म
लगावत रहेन। 11हेरोदेस भी आपन सैनिकन क संग
ओकर बेज्जत ब्यौहार किहेस अउर ओकर मसखरी
उड़ाएस। फिन उ सबइ ओका एक उत्तिम चोगा पहिराइ
के पिलातुस क लगे वापस पठइ दिहेस। 12उ दिन हेरोदेस
अउर पिलातुस एक दूसर क मीत होइ गएन। एँसे पहिले
तउ एक दूसर क बैरी रहेन।

ईसू क मरब रहा

(मत्ती 27:15-26; मरकुस 15:6-15; यूहन्ना 18:39, 19:16)

13फिन पिलातुस मुख्ययाजकन, यहूदी नेतन अउर
मनइयन क एक संग बोलाएस। 14उ ओनसे कहेस, “तू इ
मनइयन क बहकावइ वाला मनई क रुप मँ हिआँ मोरे
लगे लइ आए अहा। अउर मइँ हिआँ अब तोहरे समन्वा
ही एँकर जाँच पड़ताल कइ लीन्ह ह अउर तू एँह पइ
जउन दोख लगाया ह ओकर न तउ कउनो ठोस सबूत
मिलि पावा ह। 15नाहीं हेरोदेस ने काहेकि उ एँका वापस
हमरे लगे पठइ दिहा ह। जइसा कि तू लखत अहा कि इ
अइसा कछू नाहीं किहे अहइ कि इ मउत क काबिल
अहइ। 16यह बरे मइँ एँका कोड़ा स पिटवाइ क छोड़
देबूँ।” 17*

18मुला उ सबइ एक संग चिल्लायन, “इ मनई क
लइ जा। हमरे बरे बरअब्बा क तजि द्या।” 19(बरअब्बा
क सहर मँ मार धाड़ अउर कतल बरे जेल मँ धाँधा गवा
रहा।)

20पिलातुस ईसू क तजि देइ चाहत रहा, तउ उ
ओनका समझाएस। 21मुला उ पचे नारा लगावत रहेन
“एँका क्रूस प चढ़ाइ द्या, एँका क्रूस प चढ़ाइ द्या!”

22पिलातुस ओनसे तिसरी दाईं पूछेस, “मुला इ मनई
जुर्म का किहे अहइ? मोका एँकरे खिलाफ कछू नाहीं
मिला बाटइ जउन एँका मउत क सजा दीन्ह जाइ। यह
बरे मइँ कोड़वा लगावाइ के एँका छोड़ि देइहउँ।”

23मुला उ सबइ ऊँच आवाज मँ नारा लगाइके माँग
करत रहेन कि ओका क्रूसे प चढ़ाइ दीन्ह जाइ। अउर
ओकइ नारा क कुलाहल एँतना बाढ़ि गवा कि 24पिलातुस
फैसला किहेस कि ओनकइ माँग मान लीन्ह जाइ।
25पिलातुस उ मनई क छोड़ दिहस जेकाँ मार धाड़ अउर
कतल बरे जेलि मँ धाँधा ग रहा (इ उहइ रहा जेकरे

पद 17 लूका क कछू यूनानी प्रतियन मँ पद 17 जोड़ा गवा
अहइ: “हर बरिस फसह क त्यौहार प पिलातुस क जनता बरे
एक कैदी क छोड़ देइ पड़त रहा।”

तजि देइ क उ पचे माँग करत रहेन।) अउर ईसू क
ओकरे हाथन मँ सौंपि दिहन कि उ सबइ जइसा चाहइँ,
करइँ।

ईसू क क्रूस प चढ़ावा जाब

(मत्ती 27:32-44; मरकुस 15:21-32; यूहन्ना 19:17-27)

[26]जब उ सबइ ईसू क लइ जात रहेन तउ उ पचे
कुरेनी क बसइया समौन नाउँ क एक मनई क, जउन
आपन खेते स आवत रहा, धइ लिहन, अउर ओह पइ
क्रूस लादिके ओका ईसू क पाछे पाछे चलइ क मजबूर
कइ दिहन।

[27]मनइयन एक भारी भीड़ ओकरे पाछे चलत रही।
एहमाँ कछू स्त्रियन भी रहिन जउन ओकरे बरे रोवत
रहिन अउर बिलापत रहिन। [28]ईसू ओनके कइँती मुड़ि
गवा अउर बोला, "यरूसलेम क स्त्रियो, मोरे बरे जिन
बिलापा बल्कि तू पचे आपन बरे अउर आपन बचवन
बरे बिलाप कर। [29]काहेकि अइसे दिनन आवत अहइँ
जब मनइयन कइहीं, 'उ सबइ स्त्रियन धन्य अहइँ, जउन
बाँझ बाटिन अउर धन्य अहइँ, उ सबइ कोख जउन
कउनो क कबहूँ जनम ही नाहीं दिहन। उ सबइ चूची
धन्य अहइँ कबहूँ दूध नाहीं पियाएन।' [30]फिन उ पचे
पहाड़न स कइहीं, 'हम पइ फाटि पड़ा!' अउर पहाड़ियन
स कइहीं, 'हमका ढ़ाँकि ल्या!'* [31]काहेकि मनइयन
जब बृच्छ हरियर बाटइ, ओकरे संग तब अइसा करत हीं
तउ जब पेड़ झुराइ जाइ तब का होइ?"

[32]दुइ अउर मनई, जउन दुइनउँ ही अपराधी रहेन,
ओकर संग मउत क सजा दिये बरे लइ जावा जात रहेन।
[33]फिन जब उ पचे उ ठउरे प आएन जउन खोपड़ी
कहवावत ह तउ उ पचे ओन दुइनउँ अपराधियन क
संग ओका क्रूस प चढ़ाइ दिहन। एक अपराधी क ओकरे
दाहिन कइँती अउर, दूसर क बाईं कइँती।

[34]एँह पइ ईसू बोला, "हे परमपिता, एँनका छमा
कर्‍या काहेकि इ पचे नाहीं जानतेन कि इ सबइ का
करत अहइँ।"

फिन उ सबइ पाँसा फेंकि के ओकरे ओढ़ना क
बाँटि लिहन। [35]हुवाँ खड़ा भएन मनइयन लखत रहेन।
यहूदी नेतन ओकर मसखरी करत भएन बोलेन, "इ
दूसरन क उद्धार किहे अहइ। अगर उ परमेस्सरे क
चुना भवा मसीह अहइ तउ एँका आपन खुद क रच्छा
करइ द्या।"

[36]सैनिकन भी आइके ओकर मसखरी उड़ाएन। उ
पचे ओका दाखरस पिअइ क दिहेन [37]अउर कहेन,
"जदि तू यहूदियन क राजा अहा तउ आपन खुद क
बचाइ ल्या।" [38](ओकरे ऊपर इ खबर छापी गइ "इ
अहइ यहूदियन क राजा।")

'उ पचे ... ढ़ाँकि ल्या!' होसे 10:8

[39]हुवाँ लटकावा भवा अपराधियन मँ स एक ओका
बेज्जत करत भवा कहेस, "का तू मसीह नाहीं अहइ?
हमका अउर आपन खुद क बचाइ ल्या!"

[40]मुला दूसर उ पहिले अपराधी क फटकारत भवा
कहेस, "का तू परमेस्सर स नाहीं डेरात्या? तोहका भी
उहइ सजा मिलति अहइ [41]मुला हमार सजा तउ उचित
निआव स भरी अहइ काहेकि हम जउन कछू कीन्ह,
ओकरे बरे जउन हमका मिलइ चाही रहा, उहइ मिलत
बा मुला इ मनई तउ कछू भी बुरा नाहीं किहेस!" [42]फिन
उ बोला, "ईसू, जब तू आपन राज्य मँ आवा तउ मोका
याद राख्या!"

[43]ईसू ओसे कहेस, "मइँ तोहसे सच कहत हउँ, आज
ही तू सरगलोक मँ मोरे संग होब्या!"

ईसू क मउत

(मत्ती 27:45-56; मरकुस 15:33-41; यूहन्ना 19:28-30)

[44]उ समइ दिना क बारह बजा होइ तबहीं तीन बजे
तलक समूची धरती प गहिर अँधियारा छाइ गवा। [45]सूरज
भी नाहीं चमकत रहा। ओहर मंदिर मँ परदे क फटे क
दुइ टूका होइ गएन। [46]ईसू ऊँच आवाज मँ पुकारेस, "हे
परमपिता, मइँ आपन आतिमा तोहरे हाथे मँ सौंपत हउँ।"
इ कहिके उ आखिरी साँस लिहेस।

[47]जब रोम क फऊजी नायक, जउन कछू घटि गवा
रहा, उ लखेस तउ परमेस्सर क गुन गावत भवा उ
कहेस, "इ सचमुच ही एक नीक मनई रहा!"

[48]जब हुवाँ देखइ आएन एकट्ठा मनइयन, जउन
कछू भवा रहा, ओका देखेन तउ आपन छाती पीटत
लौटि गएन। [49]मुला उ सबइ जउन ओका जानत रहेन,
ओन स्त्रियन संग, जउन गलील स पाछे पाछे आवत
रहिन, इ बातन क लखइ कछू दूरी प खड़ा रहेन।

अरिमतियाह क यूसुफ

(मत्ती 27:57-61; मरकुस 15:42-47; यूहन्ना 19:38-42)

[50-51]अब हुवँई यूसुफ नाउँ क मनई रहा जउन
यहूदी महासभा क निअम्बर रहा। उ एक नीक धर्मी
पुरुस रहा। उ ओनके फैसला अउर ओका काम मँ
लावइ बरे राजी नाहीं रहा। उ यहूदियन क एक सहर
अरमत्तिया क बसइया रहा। उ परमेस्सर क राज्य क
बाट जोहत रहा। [52]उ मनई पिलातुस क लगे गवा अउर
ईसू क ल्हास माँगेस। [53]उ ल्हास क क्रूस पइ स नीचे
उतरा अउर सने क उत्तिम रेसा क बना कपड़ा मँ
ओका लपेट दिहस। फिन उ ओका चट्टान मँ काटी गइ
एक कब्र मँ धइ दिहस, जेहमाँ पहिले कबहुँ कउनो क
भी नाहीं राखा गवा रहा। [54]उ सुकरवार क दिन रहा,
अउर सबित सुरू होइ क रहा। [55]उ सबइ स्त्रियन जउन
गलील स ईसू क साथे आइ रहिन, यूसुफ क पाछे होइ
चलिन. उ पचे उ कब्र देखिन अउर लखेन कि ओकर

ल्हास कब्र मँ कइसे धरी गइ। 56फिन उ पचे घर लौटिके
खुसबूदार सामग्री अउर लेप तइयार किहेन।
सबित क दिन व्यवस्था क मुताबिक उ पचे आराम
किहेन।

ईसू क फिन जी उठब

(मत्ती 28:1-10; मरकुस 16:1-8; यूहन्ना 20:1-10)

24 हफ्ता क पहिले दिन बहोत भिन्सारे उ सबइ
स्त्रियन कब्र पइ खुसबूदार सामग्री क, जेका उ
पचे तइयार किहेन, लइके आइन। 2ओनका कब्र पइ स
लुढ़कि गवा पाथर मिला। 3तउ उ पचे भीतर चली गइन
मला हुवाँ पर्भू ईसू क ल्हास नाहीं मिली। 4उ सबइ एँह
पइ अबहीं असमंजस मँ ही पड़ी रहिन कि, ओनके लगे
चमचमात ओढ़ना पहिरे दुइ मनई (सरगदूतन) खड़ा
भएन। 5डर स उ पचे धरती कइँती मुँहना लटकाए
रहिन। उ दुइ मनइयन ओनसे कहेन, "जउन जिअत
अहइ, ओका तू मुर्दवन क बीच काहे हेरति अहा? 6उ
हिआँ नाहीं अहइ। उ जिउ उठा बा। याद कर जब उ
अबहीं गलील मँ रहा, उ तोहसे का कहे रहा। 7उ कहे
रहा कि मनई क पूत क पापी मनइयन क हाथ सौंप
दीन्ह जाब तय अहइ। फिन उ क्रूस पइ चढ़ाइ दीन्ह जाइ
अउर तिसरे दिन ओका फिन स जीवित कइ देब तय
अहइ।" 8तब ओन स्त्रियन क ओकर सब्द याद होइ
गएन। 9उ पचे कब्र स लौटि आइन अउर उ सबइ सब
बातन ओन ग्यारहु चेलन अउर दूसर सबन क बताएन।
10इ पचे स्त्रियन रहिन, मरियम मगदलीनी, योअन्ना
अउर याकूब क महतारी मरियम। उ सबइ अउर ओनके
साथे क दूसर स्त्रियन इ बातन क प्रेरितन स कहत
रहिन। 11मुला ओनके सब्द प्रेरितन क बृथा जानि पड़ेन।
तउ उ सबइ ओनका बिसवास नाहीं किहेन। 12मुला
पतरस खड़ा भवा अउर कब्र कइँती पराइ गवा। उ खाले
निहुरिके लखेस मुला ओका सन क उत्तिम रेसन स
बना कफन क अलावा कछू नाहीं देखाँइ दिहे रहा।
फिन आपन मन ही जउन कछू भ रहा, ओहँ प अचरज
करत भवा उ चला गवा।

इम्माऊस क रस्ते प

(मरकुस 16:12-13)

13उहइ दिना ओकर चेलन मँ स दुइ, यरूसलेम स
कउनो सात मीत दूर बसा भवा इम्माऊस नाउँ क गाउँ
क जात रहेन। 14जउन घटना घटी रहिन, ओन सब प उ
सबइ आपुस मँ बतियात रहेन। 15जबहिं उ सबइ ओन
बातन प बातचीत अउर सोच विचार करत रहेन तबहीं
खुद ईसू हुवाँ हाजिर भवा अउर साथे साथे चलइ लाग।
16(मुला ओनका ओका पहिचानइ स टोका गवा।) 17ईसू
ओनसे कहेस, "चलत चलत एक दुसरे स तू कउनो
बातन प बतियात रह्या?"
उ पचे चलत चलत थम गएन। उ पचे दुख्खी देखाँइ
देत रहेन. 18ओहमाँ स क्लियोपास नाउँ क एक मनई
ओसे कहेस, "यरूसलेम मँ रहइवाला अकेल्ला तू ही
अइसा मनई होब्या जउन पिछले दिनन जउन बातन घटी
अहइँ, ओका नाहीं जानत्या।"
19ईसू ओनसे पूछेस, "कउन सी बातन?"
उ पचे ओसे कहेन, "सब नासरत क ईसू क बारे मँ
अहइँ। इ एक अइसा मनई रहा जे जउन किहेस अउर
कहेस ओहसे परमेस्सर अउर सबहीं मनइयन क समन्वा
इ देखाँइ दिहस कि उ एक महान नबी रहा।
20अउर हम इ बारे मँ बातन करत रहेन कि हमरे
मुख्ययाजकन अउर नेतन ओका कइसे मउत क सजा
देइ बरे सौंपि दिहेन। अउर उ पचे ओका क्रूस प चढ़ाइ
दिहन। 21हमार आसा रही कि इहइ रहा उ जउन इस्राएल
क अजाद करावत। अउर इ सब कछू क अलावा इ
घटना क भए आजु तीसर दिन अहइ 22अउर हमरी
टोली क कछू स्त्रियन हमका अचरजे मँ डाइ दिहन ह।
आजु भोर मँ भिन्सारे उ पचे कब्र प गइन। 23मुला
ओनका ल्हास नाहीं मिली। उ सबइ लौटि आइन अउर
हमका बताएन कि उ पचे सरगदूतन क दर्सन पाइ गइन
ह जउन कहे रहेन कि उ जीवित अहइ। 24फिन हम
पचन मँ स कछू कब्र प गएन अउर जइसा स्त्रियन बताए
रहिन, उ पचे हुवाँ वइसा ही पाएन उ सबइ ओका नाहीं
देखेन।"
25तब ईसू ओनसे कहेस, "तू पचे केतॅना मूरख अहा
अउर नबियन जउन कछू कहेन, ओह प बिसवास करइ
मँ केतॅना धीमे अहा। 26का मसीह बरे इ जरूरी नाहीं
रहा कि उ इ दारुण दु:खन क झेलइ अउर इ तरह
आपन महिमा मँ घुसि जाइ?" 27अउर इ तरह मूसा स
सुरु कइके सबहिं नबियन तलक अउर पवित्तर सास्तरन
मँ ओकरे बारे मँ जउन कहा गवा रहा, उ ओका
खोलिके ओनका समझाएस।
28उ पचे जब उ गाउँ क लगे आएन, जहाँ जात
रहेन, ईसू अइसा बर्ताव किहेस, जइसे ओका अगवा
जाइके होइ। 29मुला उ पचे ओसे जबरदस्ती हठ करत
भए कहेन, "हमरे साथ ठहर जा काहेकि करीब करीब
साँझ होइ गइ अहइ अउर अब दिन ओनवइ क रहा।"
तउ उ ओकरे संग ठहरइ भीतर आइ गवा।
30जब ओनके संग उ खइया क मेजे प रहा तबहीं उ
रोटी उठाएस अउर धन्यबाद दिहस। फिन ओका तोड़िके
जब उ ओनका देत रहा 31तबहीं ओनकइ आँखी खोलि
दीन्ह गइ अउर उ पचे ओका पहिचान लिहन। मुला उ
ओनके समन्वा स अन्तर्धान होइ गवा। 32फिन उ आपुस
मँ बोलेन, "रास्ता मँ जब उ हमसे बात करत रहा अउर
हमका पवित्तर सास्तरन क समझावत रहा तउ का
हमरे हिरदइ क भीतर आगी भी नाहीं भड़क गइ?"
33फिन उ तुरंत खड़ा भएन अउर वापस यरूसलेम क

चल दिहेन। हुवाँ ओनका ग्यारहवाँ प्रेरित अउर दूसर ओनके संग एँकट्ठा मिलेन, [34]जउन कहत रहेन, "पर्भू असल मँ जिउ उठा अहइ। उ समौन (पतरस) क दर्सन दिहेस ह।" [35]फिन उ दुइनउँ राह मँ जउन भवा रहा, ओकर ब्यौरा दिहन अउर बताएन कि जब उ रोटी क कउर लिहेस, तब उ सबइ ईसू क पहिचान लिहन।

ईसू क आपन चेलन क समन्वा परगट होब

(मत्ती 28:16-20; मरकुस 16:14-18; यूहन्ना 20:19-23; प्रेरितन क काम 1:6-8)

[36]अबहीं उ पचे ओनका इ बातन बताइ ही रहत रहेन कि उ खुद ओनके बीच आइ खड़ा भवा अउर ओनसे बोला, "तोहका सान्ति मिलइ।"

[37]मुला उ पचे चौंकि के सहम गएन। उ पचे सोचेन जइसे उ सबइ कउनो भूत लखत होइँ। [38]मुला उ ओनसे बोला, "तू अइसे घबरान काहे अहा? तोहरे मनवा मँ सन्देह काहे उठति अहइ? [39]मोरे हाथन अउर मोरे गोड़े क लखा। तू देख सकत ह कि इ सच मँ मइँ अहउँ। मोका छुआ, अउर लखा कि कउनो भूत क माँस अउर हाड़ नाहीं होती अउर जइसा कि तू लखत अहा कि, मोर उ सबइ अहइँ।"

[40]इ कहत भवा उ हाथ अउर गोड़ ओनका देखाएस। [41]मुला आपन आनन्द क कारण उ पचे अब भी ओह पइ बिसवास नाहीं कइ सकेन। उ पचे भउचक्का रहेन। तउ ईसू ओनसे कहेस, "हिआँ तोहरे पास कछू खाइ क अहइ।" [42]उ पचे पकाइ गइ मछरी क एक टुकड़ा ओका दिहेन। [43]अउर उ ओका लइके समन्वा खाएस।

[44]फिन उ ओनसे कहेस, "इ बातन उ सबइ अहइँ जउन मइँ तोहसे तब कहे रहेउँ, जब मइँ अबहीं तोहरे संग हउँ। हर उ बात जउन मोरे बारे मँ मूसा क व्यवस्था मँ, नबियन क किताबन अउर भजन संहिता मँ लिखी अहइ, पूरी होब ही अहइ।" [45]फिन पवित्तर सास्तरन क समझइ बरे उ ओनकइ बुद्धि क दुआर खोल दिहस।

[46]अउर उ ओनसे कहेस, "इ उहइ अहइ, जउन लिखा अहइ कि मसीह दारुण दुख भोगी अउर तिसरे दिन मरे हुअन मँ स जी उठी। [47]अउर पापे क छमा बरे मनफिराव क इ संदेस यरूसलेम स सुरू होइके सब देसन मँ प्रचार कीन्ह जाइ। [48]तू इ बातन क साच्छी अहा। [49]अउर अब मोरे परमपिता मोसे जउन सपथ किहेस ह, ओका मइँ तोहरे बरे पटउब। मुला तोहका इ सहर मँ उ समइ तलक ठहरे रहइ क होइ जब तक तू सरगे क सक्ती स जुरा न ह्वा।"

ईसू क सरग क वापसी

(मरकुस 16:19-20; प्रेरितन क काम 1:9-11)

[50]ईसू फिन ओनका बैतनिय्याह तलक बाहेर लइ गवा अउर उ हथवा उठाइके आसीर्बाद दिहेस। [51]ओनका आसीर्वाद देत देत उ ओनका तजि दिहेस अउर फिन ओका सरगे मँ उठाइ लीन्ह गवा। [52]तब उ पचे ओकर आराधना किहेन अउर असीम आनन्द लइके यरूसलेम लौटि आएन। [53]अउर मंदिर मँ परमेस्सर क स्तुति करत भएन उ पचे आपन दिन काटइ लागेन।

यूहन्ना रचित सुसमाचार

मसीह क आउब

1 जब दुनिया क सुरुआत भइ, तब ओह समइ बचन* पहिलेन स रहा। उहइ बचन परमेस्सर क साथ रहा। उहइ बचन परमेस्सर रहा। 2उहइ बचन एकदम सुरुआत मँ परमेस्सर क साथ रहा। 3समूची दुनिया क सब चीज उहइ स पइदा भइ। ओकरे बिना कउनो चीज बनाई नाहीं गइ। 4उहइ बचन मँ जिन्नगी रही अउर उहइ जिन्नगी पूरी दुनिया क सब मनई क बदे ज्योति (गियान, भलाई) क नाई रहा। 5ज्योति अँधियारे मँ चमकत ह अउर अँधियारा ओका जीत न पावा।

6परमेस्सर क पठवा एक मनई आवा जेकर नाउँ यूहन्ना रहा। 7उ एक साच्छी क नाई आवा जइसे कि उ सब मनई क ज्योति क बारे मँ अपने बचन मँ बताइ सकइ। अउर जउन उ बतावइ ओहमाँ सब मनई बिसवास कर सकइँ। 8उ खुदइ ज्योति नाहीं रहा मुला उ सब मनई क ज्योति क साच्छी देइ आइ रहा। 9उ इ बतावइ आइ रहा कि इ ज्योति बिल्कुल सच्ची अहइ, अउर उ इ हर एक मनई क प्रकासित करी। उ इ बतावइ आइ रहा कि सच्चा ज्योति इ दुनिया मँ आवइवाला अहइ।

10उ तउ इहइ दुनिया मँ रहा अउर इ दुनिया क उहइ पइदा किहेस मुला दुनिया ओका पहिचान नाहीं पाएस। 11उ अपने संसार मँ आवा रहा, मुला ओकर आपन मनई ओका नाहीं अपनाएन। 12मुला जउन मनई ओका अपनाइ लिहेन्ह, ओनका सबका उ परमेस्सर क संतान होइ क अधिकार दिहेस। 13परमेस्सर क औलाद क नाई उ कुदरती तौर प न तउ लहू स पइदा भवा, न तउ कउनो तने क इच्छा स, अउर न तउ महतारी–बाप क योजना स। मुला उ परमेस्सर स पइदा भवा।

14उहइ बचन देह अपनाइ क हमरे सबके बीच मँ रहइ लाग। हम सब परमपिता क एकइ पूत क नाई ओकरी महिमा क दर्सन कीन्ह। उ बचन अनुग्रह अउर सच्चाई स भरा रहा। 15यूहन्ना ओकर साच्छी दिहेस अउर सबका सुनाइ क जोर स कहेस, "इ उहइ अहइ जेकरे बारे मँ मइँ बताए रहेउँ, 'उ जउन मोरे बाद आवइवाला अहइ, उ मोसे महान अहइ, मोसे आगे अहइ, यह बदे कि उ मोहूँ स पहले मौजूद रहा।'"

16ओकरी अनुग्रह अउर सच्चाई क पूर्णता स हमका सबेन्ह का तमाम अनुग्रह पर अनुग्रह मिला। 17हमका सबेन्ह का जउन व्यवस्था मिली अहइ, उ तउ मूसा क दीन्ह अहइ, मुला जउन अनुग्रह अउर सच्चाई इ दुनिया मँ अहइ, उ ईसू मसीह क दीन्ह अहइ। 18परमेस्सर क कबहुँ कउनो आज तलक नाहीं देखे अहइ, मुला परमेस्सर क जउन एकइ पूत अहइ, अउर जउन हमेसा परमपिता क संग रहत ह, ओका हमरे सबके सामने परगट किहेस।

यूहन्ना क ईसू क बारे मँ साच्छी

(मत्ती 3:1-12; मरकुस 1:2-8; लूका 3:15-17)

19जउ यरूसलेम क यहूदियन याजकन अउर लेवियन क यूहन्ना क पास इ पूछइ क बदे भेजेन्ह, "तू क अह्या?"

20तउ उ इ साच्छी दिहेस अउर बिना कउनो हिचकिचाहट क इ मानेस, "मइँ मसीह * न अहउँ।"

21तउ उ पचे यूहन्ना स पूछेन्ह, "तू फिन क अह्या, का तू एलिय्याह *अह्या?" यूहन्ना इ जवाब दिहेस, "नाहीं, मइँ उहइ न अहउँ।" यहूदियन पूछेस, "तउ तू का कउनो नबी*अह्या?" उ फिन इन्कार कइ दिहेस, "नाहीं।"

22फिन उ पचे ओसे पूछेन्ह, "तउ तू क अह्या? हमका बतावा जइसे कि हम ओनका जवाब दई देई, जे हमका पचे क हियाँ भेजेन्ह! तू अपने बारे मँ का कहत अहा?"

23यूहन्ना कहेस:

'मइँ आवाज अहउँ, जउन रेगिस्तान मँ पुकारत
अहइ: 'पर्भू क बदे सोझ सोझ रस्ता बनावा।'"
यसायाह 40:3

बचन मूल मँ यूनानी भाखा बचन बाटइ। "लोगोस" जेकर अरथ अहइ संदेस। एकर अनुवाद "सुसमाचार" भी कीन्ह जाइ सकत ह। हिआँ एकर अरथ अहइ ईसू। ईसू एक ठु रस्ता बाटइ जेकरे जरिए खुद परमेस्सर आपन बारे मँ मनइयन क बताएस ह।

मसीह "अभिसेक कीन्ह गवा" (मसीह) या परमेस्सर स चुना भवा।

एलिय्याह नबी जउन 850 ई.पू. भवा रहा। यहूदी एलिय्याह स उम्मीद किहेन कि उ मसीह क अवाई स पहिले आई। मलाकी 4:5-6

नबी साइद एकर अरथ रहा जेका परमेस्सर मूसा क बताएस कि उ पठइ (व्यवस्था 18:15-19)

[24]इन सबन क फरीसियन* भेजे रहेन्ह। [25]उ लोग ओसे पूछेन, "जउ तू न तउ मसीह अह्या, न एलिय्याह अह्या, अउर न तउ नबी अह्या, फिन काहे बदे तू सब लोगन क बपतिस्मा देत अहा?"

[26]यूहन्ना ओन पचे क जवाब दिहेस, "मइँ ओन सबेन्ह का पानी स बपतिस्मा देत अहउँ। तोहरे सबन क बीच मँ एक ठु मनई अहइ, ओका तू पचे नाहीं जानत अहा। [27]मोरे बाद आवइवाला उहइ अहइ। मइँ तउ ओकरे पनहीं क फीता खोलइ लायक नाहीं अहउँ।"

[28]इ सब घटना यरदन क पार बैतनिय्याह मँ घटिन ह जहाँ प यूहन्ना बपतिस्मा देत रहा। [29]ओकरे दूसरे दिन यूहन्ना ईसू क अपने लगे आवत देखेस तउ कहेस, "परमेस्सर क मेमना क देखा जउन दुनिया क सब पाप हर लेत ह। [30]इ उहइ अहइ जेकरे बावत मइँ बताए रहेउँ, 'एक मनई मोरे बाद आवइवाला अहइ, जउन मोसे भी महान अहइ, उ मोसे भी आगे अहइ, उ मोसे पहले स मौजूद रहा।' [31]पहले मइँ खुद ओका नाहीं जानत रहेउँ, मुला मइँ इही बदे बपतिस्मा देत चला आवत अहउँ, जइसे कि इस्राएल क सब मनई ओका जान लेइँ।"

[32–33]फिन यूहन्ना आपन इ साच्छी दिहेस, "मइँ देखेउँ कि कबूतरे की नाईं सरग स नीचे उतरत आतिमा उहइ प आइके टिक गइ। मइँ खुदइ नाहीं जान पाएउँ, कि उ कौन रहा मुला जउन मोका पानी स बपतिस्मा देइ क बदे पठए रहा, उ मोसे कहेस, 'तू आतिमा क उतरत अउर कउनो क ऊपर ठहरत देखब्या, इ उहइ मनई अहइ जउन पवित्तर आतिमा*स बपतिस्मा देत ह।' [34]मइँ ओका देखे अहउँ अउर मइँ साच्छी देत अहउँ कि उहइ परमेस्सर क पूत अहइ।"

ईसू क पहला चेलन

[35]दूसरे दिन यूहन्ना अपने दुइ चेलन क साथ फिन उहइ जगह प मौजूद रहा। [36]जब ईसू क उ अपने पास देखेस तउ कहेस, "देखा! इ इहइ परमेस्सर क मेमना!"

[37]जब उ दुइनउँ चेलन ओनका इ कहत सुनेन तउ उ दुइनउँ ईसू क पाछे चल पड़ेन्ह। [38]ईसू ओन पचे क जबहिं अपने पाछे आवत देखेस तउ ओसे पूछेस, "तोहका का चाही?"

उ पचे जवाब दिहेन, "रब्बी, तू कउन जगह प रहत ह?" ("रब्बी" अर्थात "गुरु")

[39]ईसू ओनका जवाब दिहेस, "आवा अउर देखा।" ओकरे बाद उ दुइनउँ चेलन ओनके पाछे चल दिहेन। उ पचे फिन ओकर रहइ क जगह देखेन। ओह दिन उ दुइनउँ चेलन ओनके साथ ठहरेन्ह, काहेकि साँझ क करीब चार बज चुका रहा।

[40]जउन दुइनउँ चेलन यूहन्ना क बात सुने रहेन्ह अउर ईसू क पाछे चला गएन, ओनमा स एक समौन पतरस क भाई अन्द्रियास रहा। [41]उ पहले अपने भाई समौन क देखके ओसे कहेस, "हमका मसीह मिल गवा अहइ।"

[42]फिन अन्द्रियास समौन पतरस क ईसू क लगे लियाइ गवा। ओनका देखके ईसू कहेस, "तू यूहन्ना क बेटवा समौन अह्या। तोहका लोग कैफा (अर्थात् पतरस) कहिहइँ।"

[43]दूसरे दिन ईसू गलील जाइके बदे ठान लिहेस। फिन फिलिप्पुस क देखके ईसू ओसे कहेस, "मोरे पाछे चला आवा।" [44]फिलिप्पुस अन्द्रियास अउर पतरस क नगर बैतसैदा क रहइवाला रहा। [45]फिलिप्पुस क नतनएल मिला अउर उ ओसे कहेस, "हम पचन्क उ मिल गवा अहइ जेकरे बारे मँ व्यवस्था मँ मूसा अउर तमाम नबियन लिखे अहइँ। उहइ यूसुफ क बेटवा, नासरत क ईसू अहइ।" [46]फिन नतनएल ओसे पूछेस, "का नासरतउ स कउनो अच्छी चीज पैदा होइ सकत ह?"

फिलिप्पुस जवाब दिहेस, "जाइके खुदइ देखि ल्या।"

[47]ईसू नतनएल क अपनी कइँती आवत देखेस अउर ओकरे बारे मँ कहेस, "इ एक सच्चा इस्राएली अहइ जेहमाँ कउनो खोट नाहीं बा।"

[48]नतनएल पूछेस, "तू मोका कइसे जानत अहा?"

ईसू जवाब दिहेस, "फिलिप्पुस क बोलावइ क पहिले मइँ तोहका अंजीर क पेड़ क नीचे खड़ा देखे रहेउँ।"

[49]नतनएल जवाब दिहेस, "रब्बी (गुरु) तू परमेस्सर क पूत अह्या, तू इस्राएल क राजा अह्या।"

[50]एकरे जवाब मँ ईसू कहेस, "तू इ बदे बिसवास करत अहा, काहेकि मइँ कहत अहउँ कि तोहका अंजीर क पेड़ क खाले देखे रहेउँ। तू अगवा (बाद मँ) अउर बड़ी बड़ी बात देखब्या।" [51]उ ओसे (नतनएल स) फिन कहेस, "मइँ तोहका सही सही बतावत अहउँ कि तू सरग क खुलत अउर परमेस्सर क दूतन क मनई क पूत* प उतरत चढ़त* देखब्या।"

काना मँ बियाह

2 गलील क काना मँ तीसरे दिन कउनो क घरे मँ बियाह रहा। ईसू क महतारी हुवाँ मौजूद रही। [2]बियाहे मँ ईसू क अउर ओनके चेलन क बोलउवा आइ रहा।

फरीसियन फरीसी यहूदी धर्म गुट क लोग रहेन जउन सबइ यहूदी नेम अउ परिपाटी प धियान दइके चलत रहेन।

पवित्तर आतिमा परमेस्सर क आतिमा, ईसू क आतिमा अउ सहायक। परमेस्सर अउ ईसू स जुरी भइ जउन मनइयन मँ परमेस्सर क काम करत ह।

मनई क पूत ईसू। दानि 7:13-14 मँ इ मसीह क नाउँ बाटइ जेका परमेस्सर मनइयन क उद्धार करइ बरे चुने रहा।

परमेस्सर ... चढ़त उत्पत्ति 28:12

3हुवाँ जब दाखरस खतम होइ गवा तउ ईसू क महतारी
कहेस, “ओनके पास अब दाखरस नाहीं अहइ, सब
खतम होइ ग।”
4ईसू ओसे कहेस, “इ तू मोसे काहे बतावत अहा?
अबहीं मोर समइ नाहीं आवा अहइ।”
5फिन ओकर महतारी नउकरन स कहेस, “तू पचे
उहइ करा जउन इ तोहसे करइ बरे कहइ।”
6हुवाँ पानी भरइ बरे पथरे क छ: मटका धरा रहेन।
इ मटकन क यहूदियन पवित्तर स्नान क बदे इस्तेमाल
करत रहेन। हर मटका मँ लगभग बीस स तीस गैलन
पानी आवत रहा।
7ईसू नउकरन स कहेस, “मटकन क पानी स भर
द्या।” नउकरन मटकन क लबालब भरि दिहेन।
8फिन उ ओनसे कहेस, “अब थोड़ा पानी बाहेर
निकाला, अउर दावत क इन्तजाम करइवाला मुखिया
क पास लइ जा।” अउर उ पचे थोर क पानी मुखिया क
पास लइ गएन। 9फिन दावत क इन्तजाम करइवाला
मुखिया उ पानी क थोरा स चखेस तउ उ पाएस कि इ
पानी तउ दाखरस बनि गवा रहा। उ जानि नाहीं पाएस
कि दाखरस कहाँ स आइ गवा। मुला ओन नउकरन क
तउ पता रहा, जउन पानी निकारे रहेन। 10फिन दावत
क मुखिया दुल्हा क बोलाएस अउर ओसे कहेस, “सब
मनई पहिले अच्छी अच्छी दाखरस परोसत हीं अउर जब
मेहमानन क मन भरि जात ह तउ घटिया दाखरस देइ
लागत हीं। मुला तउ सबसे बढ़िया वाली दाखरस अबहीं
तक बचाए रखे अहा।”
11ईसू गलील क काना मँ आपन पहिला अद्भुत
कारज कइके आपन महिमा परगट किहेस। जेहसे ओकर
चेलन ओहमाँ बिसवास करेन्ह।

ईसू मंदिर मँ

(मत्ती 21:12-13; मरकुस 11:15-17; लूका 19:45-46)

12ओकरे पाछे फिन ईसू आपन महतारी, भाइयन
अउर चेलन क साथे कफ़रनहूम चला गवा, जहाँ प उ
पचे कछू दिन ठहरेन्ह। 13यहूदियन क फ़सह क त्यौहार*
निचके रहा। इ कारण ईसू यरूसलेम चला गवा। 14हुवाँ
मंदिर मँ ईसू देखेस कि तमाम मनई मवेसियन, भेड़न
अउर कबूतरन क बेचत रहेन अउर सिक्का बदलइवाले
बयपारी अपनी गद्दी प बइठा रहेन। 15इ बदे उ रस्सी क
एक ठु कोड़ा बनाएस अउर ओन सबका मवेसियन
अउर भेड़न समेत बाहर खदेर दिहेस। सिक्का बदलइवाले
बयपारियन क सिक्का बिखराइ दिहेस अउर ओनके
चौकियन क बिखराइ दिहेस। 16कबूतरन क बेचइवालेन
स कहेस, “एनका सबका हियाँ स बाहेर लइ जा! मोरे
परमपिता क घर क बजार जिन बनावा!”
17इ सब देखिके ओकरे चेलन क याद आइ गवा
कि पवित्तर सास्तर मँ लिखा अहइ:

“तोहरे घर क बदे मोर लगन मोका खाइ
जाई।” *भजन संहिता 69:9*

18एकरे जवाब मँ यहूदियन ईसू स कहेन, “तू हमका
सबेन्ह क कउन अद्भुत चीन्ह क तौर पइ देखाइ सकत
ह्या, जइसे इ साबित होइ जाइ कि जउन तू करत अहा,
ओकर तू अधिकारी अहा?”
19ईसू ओनका जवाब दिहेस, “इ मंदिर क तू पचे
गिराइ द्या अउर मइँ एका तीन दिन क अन्दर फिन
बनाइ देव।”
20इ सुनिके यहूदियन बोलेन, “इ मंदिर क बनावइ
मँ छियालिस बरिस लगा रहेन, अउर तू कहत अहा कि
ऍका मइँ तीन दिन मँ बनाइ देब?”
21 (मूला ईसू जउने मंदिर क बात करत रहा, उ
ओकर आपन देह रही। 22बाद मँ जब मउत क बाद ईसू
फिन जी उठा तउ ओकरे चेलन क याद आवा कि ईसू
ऍका कहे रहा, अब तउ उ पचे पवित्तर सास्तर प अउर
ईसू क बात पर बिसवास करइ लागेन।)
23फसह क त्यौहार क दिनन जउ ईसू यरूसलेम मँ
रहा, तउ तमाम मनई ओकर अद्भुत कारजन अउर
चीन्हन देखिके ओहमाँ बिसवास करइ लागेन। 24मुला
ईसू अपने आपका ओनके सहारे नाहीं छोड़ेस, काहे स
कि उ सबका बखूबी जानत रहा। 25ओका इ बात क
कउनो जरूरत नाहीं रही कि केहू आइके ओका लोगन
क बारे मँ बतावइ, यह बदे कि उ अच्छी तरह जानत
रहा कि लोगन क मन मँ का अहइ।

ईसू अउर नीकुदेमुस

3 हुआँ फरीसियन क एक ठु मनई रहा, जेकर नाउँ
रहा नीकुदेमुस। उ यहूदियन क नेता रहा। 2उ ईसू
क लगे रात मँ आवा अउर ओसे बोला, “गुरु, हम जानत
अही कि तू गुरु अह्या अउर परमेस्सर तोहका भेजेस,
इहइ कारण अहइ कि तू अइसे अइसे अद्भुत कारजन
करत अहा। इ सब कारज परमेस्सर क सहायता क
बिना कउनो नाहीं करि सकत।”
3एकरे जवाब मँ ईसू ओनसे कहेस, “मइँ तोहका
एकदम सच सच बतावत अहउँ कि अगर कउनो मनई
एकदम स नवा जनम न लेइ तउ उ परमेस्सर क राज्य
नाहीं देख सकत।”
4नीकुदेमुस ओसे कहेस, “कउनो मनई बुढ़वा होय
क बाद फिन जनम कइसे लइ सकत ह? कउनो अपनी

फसह क त्यौहार यहूदियन क पवित्तर महत्व क दिन। परमेस्सर मूसा क समइ मँ ओनका मिस्र मँ गुलामी स अजाद किहेस। एका सुमिरइ बरे उ पचे हर बरिस इ दिन मँ खास भोजन करत रहेन।

महतारी क कोख मँ फिन घुसि क जनम कइसे लइ
सकत ह!”
5ईसू जवाब दिहेस, “मइँ तोहका सच बतावत अहउँ।
अगर कउनो मनई पानी अउर आतिमा स जनम नाहीं
लेत तउ उ परमेस्सर क राज्य मँ घुसइ नाहीं पावत।
6जउन सरीर स पइदा होइ सकत ह, उहइ सरीर अहइ
जउन आतिमा स पइदा होत ह, उहइ आतिमा अहइ।
7मइँ तोहसे जउन बताए अहउँ, ओहमाँ कउनो अचरज
करइ क जरूरत नाहीं अहइ, ‘तोहका फिन स जनम
लेइ क होई।’ 8हवा जउने तरफ चाहत ह, उहइ तरफ
बहत ह। तू ओकर आवाज तउ सुनि सकत ह, मुला तू इ
नाहीं जानि सकत ह कि उ कहाँ स आवत अहइ अउर
कहाँ जात अहइ। आतिमा स पइदा भवा हर एक मनई
इहइ तरह अहइ।”
9एकरे जवाब मँ नीकुदेमुस ओसे कहेस, “इ कइसे
होइ सकत ह?”
10ईसू ओका जवाब दिहेस, “तू तउ इस्राएलियन क
गुरु अह्या मुला तू इ बात नाहीं जानत रह्या? 11सच्ची
बात मइँ बतावत अहउँ, हम पचे जउन जानत अही,
उहइ बतावत अही, जउन हम देखत अही मुला तू पचे
हमरी बात मँ कम बिसवास करत अहा। 12मइँ तोहका
धरती क बात बतावत अहउँ, अउर तू ओका नाहीं
मानत अहा, अबहीं जब मइँ तोहका पचे क सरग क
बात बतावउँ तउ तू ओका कइसे मान लेब्या? 13सरग मँ
कबहुँ कउनो नाहीं गवा, केवल ओका छोड़ कर, जउन
सरग स उतरके आवा ह—उहइ मनई क पूत।
14“जइसे मूसा रेगिस्तान मँ सरप क उठाइ लिहे रहा
वइसे मनई क पूत क ऊपर उठाइ लीन्ह जाई। 15जइसे
कि ओहमाँ बिसवास करइवाले सब मनई अनन्त जीवन
पाइ सकइँ।”
16परमेस्सर इ दुनिया स इतना पिरेम करत ह कि
अपने एकलौता पूत क दइ दिहेस, जइसे कि ओहमाँ मँ
बिसवास करइवाला कउनो मनई क नास न होइ, ओका
अनन्त जीवन मिल जाइ। 17परमेस्सर आपन पूत इ बदे
नाहीं पठएस कि उ दुनिया क अपराधी साबित करइ, उ
तउ इ बदे भेजेस अइसे कि समूची दुनिया क उद्धार
होइ जाइ। 18जउन मनई परमेस्सर क पूत मँ बिसवास
करत हीं, ओनका दोसी न ठहरावा जाइ, मुला जे ओनके
मँ बिसवास नाहीं करतेन, ओका तउ दोसी ठहरावा जाइ
चुका अहइ, काहेकि उ परमेस्सर क एकलौता पूत मँ
बिसवास नाहीं करत ह। 19इ निरनय क आधार इ बाटइ
कि ज्योति इ दुनिया मँ आइ गइ अहइ, मुला कछू मनई
अइसे अहइँ कि ज्योति क न देखिके अँधियारे क जियादा
महत्व देत अहइँ काहेकि ओनके सब करम बुरा अहइँ।
20पाप करइवाला मनई हमेसा ज्योति स घृणा करत ह
अउर ओकरे पास कबहूँ नाहीं आवत, यह बदे कि
ओकरे पाप क उजागिर होइ क डर बना रहत ह।
21मुला जउन मनई सच्चाई क रस्ता प चलत ह उ
परमेस्सर क द्वारा ज्योति क किरन क लगे अइहीं
जइसे इ उजागिर होइ जाइ कि ओके सब कारज परमेस्सर
करावत अहइ।

यूहन्ना ईसू क बपतिस्मा दिहेस

22ओकरे बाद ईसू अपने चेलन क साथ यहूदिया क
इलाका मँ चला गवा। हुवाँ ओनके साथ ठहरिके उ सब
लोगन्ह क बपतिस्मा देइ लाग। 23हुवाँ प सालेम क
नजदीक ऐनोन मँ यूहन्ना भी बपतिस्मा देत रहा, यह बदे
की हुवाँ इफरात मँ पानी रहा। तमाम मनई हुवाँ आवत
रहेन अउर बपतिस्मा लेत रहेन। 24(अब तक यूहन्ना
क बंदी नाहीं बनावा ग रहा।)
25अब यूहन्ना क कछू चेलन अउर एक ठु यहूदी
क बीच स्वच्छताकरण क लइके बहस होइ लाग। 26यह
बदे उ सब यूहन्ना क लगे आएन अउर कहेन, “गुरु,
जउन मनई यरदन क ओहँ पार तोहरे साथ रहा अउर
जेकरे बारे मँ तू बताए रह्या, उ लोगन्ह क बपतिस्मा देत
अहइ, अउर सब मनई ओकरे पास जात अहइँ।”
27एकरे जवाब मँ यूहन्ना कहेस, “कउनो मनई क
तब तक कछू नाहीं मिल सकत जब तक की ओका
परमेस्सर स न दीन्ह ग होइ। 28तू पचे इ बात क साच्छी
अहा की मइँ कहे रहेउँ, ‘मइँ मसीह न अहउँ मोका तउ
ओकरे बरे रस्ता बनाइ बरे पठवा गवा अहइ।’ 29दूल्हा
तउ उहइ बा, जेका दुलहिन मिलइ। मुला दूल्हा क दोस्त
जउन ओकरे अगुवाई मँ खड़ा रहत ह जब दूल्हा क
आवाज सुनत ह, तउ बहुत खुस होत ह। इहइ मोर खुसी
अहइ जउन अब पूरी भइ। 30अब इ जरूरी अहइ कि
ओकर महिमा बढ़इ अउर मोर कम होइ।

उ जउन सरग स उतरा

31“जउन ऊपर स आवत ह, उ सबसे महान अहइ।
उ जउन धरती स बाटइ, धरती स जुड़ा अहइ। यह बदे उ
धरती क चीजन क बारे मँ बात करत ह। जउन सरग स
उतरा अहइ, सबके ऊपर अहइ, 32उ जउन कछू देखे
अहइ, अउर सुने अहइ, उ ओकर साच्छी देत ह अउर
ओकर साच्छी क कउनो मानइ नाहीं चाहत। 33जउन
ओकरी साच्छी क मानत ह, उ प्रमाणित करत ह कि
परमेस्सर सच्चा अहइ। 34काहे बदे कि जेका परमेस्सर
पठए अहइ, परमेस्सर क बातन करत ह। परमेस्सर
ओका आतिमा क अनन्त दान दिहे अहइ। 35परमपिता
अपने पूत स पिरेम करत ह अउर ओकरे हाथे मँ उ
सब कछू का अधिकार सौंप दिहेस। 36यह बदे जउन
ओकरे पूत मँ बिसवास करत ह, अनन्त जीवन पइहइ
मुला जे परमेस्सर क पूत क बात नाहीं मानत ओका इ
जीवन न मिली। एकरे बजाय उ परमेस्सर क कोप का
भाजन बनी।”

ईसू अउर सामरी स्त्री

4 अउर जउ ईसू क पता चला कि फरीसियन इ सुने अहइँ कि ईसू यूहन्ना स जियादा लोगन क बपतिस्मा देत अहइ अउर ओनका आपन चेलन बनावत अहइ। 2(वइसे ईसू खुदइ बपतिस्मा नाहीं देत रहा, बल्कि ओकर चेलन इ कारज करत रहेन्ह।) 3उ तउ यहूदिया छोड़िके एक बार फिन गलील लौट ग रहा। 4इ दाईं ओका सामरिया होइके जाइका पड़ा।

5यह बदे उ सामरिया क एक नगर सूखार मँ आवा। इ नगर उहइ भुइँया क पास रहा जउने क याकूब अपने बेटवा यूसुफ क दिहे रहा। 6हुवाँ याकूब क कुआँ रहा। ईसू यात्रा क बाद एकदम थक ग रहा, यह बदे उ कुआँ क पास बइठ गवा। उ समइ करीब करीब दुपहरिया रही। 7एक ठु सामरी* स्त्री पानी भरइ क वास्ते आइ। ईसू ओसे कहेस, "मोका पियइ क पानी दइ द्या।" 8(उ समइ सब चेलन खाना बेसहइ क बदे सहर चला ग रहेन।) 9सामरी स्त्री ओसे कहेस, "तू यहूदी होइके मोसे पानी काहे माँगत अहा, मइँ तउ सामरी स्त्री अहउँ?" (यहूदी तउ सामरियन स कउनो मतलब नाहीं रखत रहेन)

10ओकरे जवाब मँ ईसू ओसे कहेस, "जउ तू एँतना जनतेउ कि परमेस्सर का दिहेस अउर उ कउन अहइ जउन तोहसे कहत अहइ कि 'मोका पानी द्या' तउ तू ओसे खुदइ मँगतिउ, अउर उ तोहका जीवन जल दइ देत।"

11उ स्त्री ओसे कहेस, "महासय, तोहरे लगे तउ कउनो बरतन तक नाहीं बाटइ अउर कुआँ बहुत गहिर अहइ फिन तोहरे पास जीवन जल कइसे होइ सकत ह? 12जरूर तू हमरे पूर्वज याकूब स बड़ा अहा जे हमका कुआँ दिहेन अउर अपने लड़िकन्ह अउर जानवरन्ह क साथ खुदइ एकर पानी पिए रहेन्ह।"

13ईसू एकरे जवाब मँ कहेस, "जउन मनई इ कुआँ क पानी पिअत ह, ओका फिन पियास लगी 14मुला जउन मनई उ पानी क पी लेई, जउन पानी मइँ देब, ओका फिन कबहूँ ओका पियास न लगी। मोर दीन्ह पानी ओकरे दिल मँ एक पानी क झरना क नाईं बन जाई, जउन घुमड़ घुमड़ क ओका अनन्त जीवन देई।"

15तब उ स्त्री ओसे कहेस, "हे महासय, मोका उहइ पानी दइ द्या जेहसे कि मइँ कबहूँ पियासी न रही अउर मोका फिन पानी खँइचे क बदे न आवइ क पड़इ।"

16इ सुनके ईसू ओसे कहेस, "जा अपने पति क बोलावा अउर हियाँ आवा।"

17एकरे जवाब मँ स्त्री कहेस, "मोर कउनो पति नाहीं बाटइ।"

ईसू ओसे कहेस, "जउ तू कहति अहा कि तोहार कउनो पति नाहीं बाटइ, तउ तू ठीक कहति अहा। 18तोहरे पाँच पति रहेन्ह अउर जउने पुरुस क साथ तू रहति अहा, उ तोहार पति न अहइ, यह बदे जउन तू कहति अहा उ ठीक अहइ।"

19इ सुनके उ स्त्री ओसे कहेस, "महासय, मोका तउ जानत अहइ कि तू कउनो नबी अहा। 20हमरे पूर्वजन इ पर्वत प आराधना किए रहेन्ह मुला तू कहत अहा कि यरूसलेम आराधना क स्थान अहइ।"

21ईसू ओसे कहेस, "हे स्त्री मोरी बात मँ बिसवास करा। उ समइ आवइवाला अहइ जब तू परमपिता क आराधना न तउ एहि पर्वत प करइ पउबू अउर न तउ यरूसलेम मँ। 22तू सामरी लोगन्ह ओका नाहीं जानत अहइँ जेकर आराधना करति अहा मुला हम यहूदी ओका जानित ह जेकर आराधना करति अहा। सबन क उद्धार यहूदियन स मिली। 23मुला उहइ समइ आवत अहइ 'अउर आइ ग' बाटइ जब सच्चे आराधक परमपिता क आराधना, आतिमा अउर सच्चाई मँ करिहीं। परमपिता अइसे आराधक चाहत ह। 24परमेस्सर आतिमा अहइ अउर यह बदे जउन ओके आराधना करी ओका आतिमा अउर सच्चाइन मँ आराधना करइ क पड़ी।"

25फिन स्त्री ओसे कहेस, "मइँ जानत अहउँ कि मसीह (यानि ख्रीष्ट) आवइवाला अहइ। जब उ आई तउ हम पचन क सब कछू बताई।"

26ईसू ओसे कहेस, "मइँ जउन तोहसे बतियात अहउँ मइँ उहइ अहउँ।"

27उहइ समइ सब चेलन लौट आएन। अउर ओनका इ देखिके बहुत अचरज भवा कि उ एक ठु स्त्री स बात करत अहइ। मुला कउनो ओसे इ नाहीं कहेस, "तोहका इ स्त्री स का मतलब अहइ" अउर या "इ स्त्री स तू काहे बदे बतियात अहा।"

28उ स्त्री आपन पानी भरइवाली गगरी छोड़िके सहर चली गइ अउर मनइयन स कहेस, 29"आवत जा अउर देखा, एक ठु अइसा मनई अहइ, जउन मोर कीन्ह सच मोका बताइ दिहेस। का तू इ नाहीं सोचत अहा कि उ मसीह अहइ?" 30इ सुनिके सब लोगन्ह सहर छोड़िके ईसू क लगे जाइ पहुँचेन।

31उहइ समइ ईसू क चेलन ओसे बिनती करत रहेन्ह, "गुरु कछू खाइ ल्या!"

32मुला ईसू ओनसे कहेस, "मोरे पास खाइ बरे, अइसा खाना अहइ जेकरे बारे मँ तू पचे कछू नाहीं जानत अहा।"

33इ सुनिके सब चेलन आपस मँ एक दूसरे स पूछइ लागेन, "का ओकरे बदे कउनो खाइ बरे कछू लाइ रहा?"

34ईसू ओनसे कहेस, "मोर खाना ओकर (परमेस्सर) इच्छा क पूरी करत अहइ जउन मोका पठएस ह। जउन

सामरी सामरिया स आए भएन। सामरी कछू यहूदी रहेन, मुला यहूदी ओनका सुद्ध यहूदी नाहीं मानत रहेन।

कारज मोका सौंपा गवा बाटइ, ओका मोका पूरा करइ
क अहइ। 35तू पचे अक्सर कहत ह, 'चार महीना बाकी
अहइ तब जाइके फसल आई' मुला मइँ तोहका पचे क
बतावत अही कि आपन आपन आँखी खोला अउर
खेतन क तरफ देखा उ सब काटइ क बरे तइयार होइ
गवा अहइँ। उ जउन कटाई करत अहइ आपन मजूरी
पावत अहइ। 36अउर अनन्त जीवन क बदे फसल इकट्ठा
करत बा, यह बदे कि फसल बोवइवाला अउर ओका
काटइवाला दुइनउँ साथे साथे खुस्स रहइँ। 37इ हमार
बात एकदम स सच्ची निकरी, 'एक मनई बोवत ह
अउर दूसर मनई ओका काटत ह।' 38मइँ तोहका इ
फसल काटइ क बदे भेजे अही जेहि पइ तोहार मेहनत
नाहीं लगी बाटइ। जेहि पइ दूसरे क मेहनत लगी अहइ
अउर ओकरी मेहनत क फल तोहका मिला अहइ।"
39उ सहर क तमाम मनइयन ईसू मँ बिसवास किहेन,
यह बदे की उ स्त्री क बात क साच्छी मान लिहेन जउन
कहेस, "मइँ जउन कछू करे रहेउँ, उ मोका ओकरे
बारे मँ सब बताइ दिहेस।" 40जब सामरी ओकरे पास
आएन तउ ओन सबे ओसे ठहरइ क बदे चिरौरी करेन्ह।
एँकरे बाद उ दुइ दिन हुवाँ ठहर गवा। 41ओकरी बात स
प्रभावित होइके तमाम जने ओहमाँ बिसवास करइ लागेन।
42ओन सब उ स्त्री स कहेन, "अब हम तोहरी
साच्छी क नाईं बिसवास नाहीं करत अही, अब तउ हम
सब खुदइ सुनि अउर देख लीन्ह। अब हम पचे जान
लीन्ह कि सचमुच उहइ मनई संसार का उद्धार करइवाला
बाटइ।"

राजकर्मचारी क बेटवा क जीवन दान

(मत्ती 8:5-13; लूका 7:1-10)

43दुइ दिन क बाद उ हुवाँ स गलील क चल दिहेस।
44(यह बदे की ईसू खुदइ कहे रहा कि कउनो नबी
अपनेन देस मँ कबहुँ आदर नाहीं पावत।) 45इ तरह जब
उ गलील आवा तउ गलील क रहइवाले ओकर स्वागत
करेन्ह काहे बदे कि उ सब देखे रहेन्ह जउन कछू फसह
क त्यौहार यरूसलेम मँ उ किहे रहा। काहेकि उ पचे
सबहिं त्यौहार मँ सामिल रहेन।
46ईसू एक बार फिन गलील मँ काना गवा जहाँ उ
पानी क दाखरस बनाइ दिहे रहा। अब की दाईं कफ़रनहूम
मँ एक ठु राजकर्मचारी रहा जेकर बेटवा बीमार रहा।
47जब राजकर्मचारी सुनेस कि यहूदिया स ईसू गलील
आवा अहइ तउ उ ओकरे पास आवा अउर इ विनती
किहेस कि उ कफ़रनहूम जाइके ओकरे बेटवा क चंगा
कइ दे। ओकर बेटवा एकदम मरइ क किनारे आइ
गवा रहा। 48ईसू ओसे कहेस, "अद्भुत कारजन अउर
अचरजे कारजन क देखे बिना तू पचे बिसवास न करब्या।"
49राजकर्मचारी ओसे कहेस, "महासय, एकरे पहले
कि मोर बेटवा मरि जाइ, तू मोरे साथ घरे चला।"
50ईसू जवाब दिहेस, "जा तोहार बेटवा जिअत रही।"
ईसू जउन कहे रहा, उ ओह पइ बिसवास किहेस
अउर घर चला गवा। 51उ घर लौटत ही रास्ते मँ रहा
कि ओकर नउकर मिल गएन अउर इ समाचार सुनाएन,
"तोहार बेटवा चंगा होइ गवा।"
52उ पूछेस, "ओकर हालत कब स ठीक होइ लाग
ह?"
उ जवाब दिहेस, "कल दुपहरिया मँ एक बजे ओकर
बुखार उतर गवा।"
53उ लरिका क बाप क इ याद आइ गवा कि इहइ
ठीक समइ रहा जब ईसू ओसे कहेस, "तोहार बेटवा
जिअत रही।" यह तरीके स ओकर पूरा परिवार ईसू मँ
बिसवास करइ लाग।
54इ दूसरा अद्भुत कारज रहा जउन ईसू यहूदियन
क गलील आए क बाद देखॉएस।

पोखरे प लाइलाज मरीज क ठीक होब

5 एकरे बाद ईसू यहूदियन क एक उत्सव मँ यरूसलेम
गवा। 2यरूसलेम मँ भेड़ दरवाजा क पास एक ठु
पोखरा अहइ, जेहिका इब्रानी भाखा मँ 'बैतहसदा' कहा
जात ह। एकरे किनारे पाँच ठु बरामदा बना अहइँ।
3जउने मँ अँधा, लूला, अउर लकवा का मरीज क भीड़
पड़ी रहत ह।"*
5एँनही मरीजन मँ एक अइसा मरीज रहा जउन
अड़तीस बरिस स बीमार रहा। 6जब ईसू ओका हुवाँ लेटा
देखेस अउर इ जानेस की उ एँतने लम्बे समइ बीमार
अहइ तउ ईसू ओसे कहेस, "का तू चंगा होइ चाहत
अहा?"
7रोगी जवाब देहेस, "महासय, मोरे पास केहू नाहीं
अहइ जउन पानी क हिलइ प मोका पोखरा मँ उतार
देइ। जउ मइँ पोखरा मँ जावा चाहित ह, तउ हमेसा
कउनो दूसर मनई मोसे पहिले ओहमाँ उतर जात ह।"
8ईसू ओसे कहेस, "खड़ा होइ जा, आपन बिस्तरा
उठावा अउर उ चलइ लागा।"
9उ मनई तुरतंहि चंगा होइ गवा। उ आपन बिस्तरा
उठाएस अउर चल दिहेस।
उ दिन सबित क दिन रहा। 10इ देखके यहूदियन उ
मनई जउन चंगा होइ गवा रहा स कहब सुरु किहेन,
"आज सबित क दिन अहइ अउर इ हमरे नियम क
खिलाफ अहइ कि तू आपन बिस्तरा उठावा।"

पद 3 कछू यूनानी प्रतियन मँ इ भाग जोड़ा गवा अहइ: "अउ उ पचे पानी ह हलइ बरे जोहेन।" कछू पाछे क प्रतियन मँ पद 4 जोरा गवा अहइ: "कबहूँ पर्भू क दूत पोखरे प आबत रहा अउ पानी क हलावत रहा। सगरदूत क इ करइ क पाछे जउन पहिला मनई पोखरे मँ घुसत रहा उ बेरामी स नीक होइ जात रहा।"

11इ सुनिके उ जवाब दिहेस, “जउन मोका चंगा
किहे बाटइ उ मोसे कहेस, ‘आपन बिस्तर उठावा अउर
चल द्या।’”
12उ पचे ओसे पूछेन्ह, “उ कउन मनई अहइ जउन
तोहसे कहेस कि आपन बिस्तरा उठावा अउर चला?”
13मुला उ मनई जउन चंगा होइ गवा रहा, नाहीं
जानत रहा कि उ कउन अहइ, काहेकि हुवाँ बहुत भीड़
रही अउर ईसू चुपचाप हुवाँ स चला गवा।
14ऍकरे बाद ईसू उ मनई क मंदिर मँ देखेस अउर
ओसे कहेस, “देखा, अब तू नीक होइ गवा अहा, यह बदे
अब तू पाप करब बन्द कइ द्या, नाहीं तउ कउनो अउर
बड़ा कस्ट तोहरे ऊपर आइ सकत ह!”
15फिन उ मनई चला गवा। हुवाँ स चलिके उ यहूदियन
स आइ क कहेस की ओका चंगा करइवाला ईसू रहा।
16यहूदियन ईसू क सताउब सुरु कइ दिहेन्ह, यह बदे
की उ अइसे काम सबित क दिन किहे रहा। 17ईसू
ओनका जवाब देत कहेस, “मोर परमपिता कबहुँ काम
करब नाहीं छोड़त, यह बदे मइँ काम करित हउँ।”
18यहूदियन ओका मार डावइ क इन्तजाम करइ
लागेन्ह। केवल इहइ बदे नाहीं की उ सबित क तोड़त
रहा, मुला इहइ बदे की उ परमेस्सर क आपन परमपिता
कहत रहा। इहइ तरीके स उ अपने क परमेस्सर क
बराबर देखॉवत रहा।

ईसू क साच्छी

19जवाब देत ईसू ओनसे कहेस, “मइँ तू सब पचन
क सच्ची बात बतावत अहउँ कि पूत अपने आप कछू
नाहीं कइ सकत। उ तउ केवल उहइ करत ह जउन
करत अपने परमपिता क देखत ह। परमपिता जउन
कछू करत ह, पूत उहइ करत ह। 20परमपिता अपने पूत
स पिरेम करत ह अउर उ सब कछू देखाइ देत ह जउन
उ करत ह। ओन सब कामन स बड़ी-बड़ी बातन क उ
ओका देखाई। तउ तू पचे अचरज करब्या। 21जइसे
परमपिता मरा पूत क उठाइके ओनका नवा जीवन देत
ह। वइसे ही भी उन लोगन का जीवन देत ह, जेनका
चाहत ह। 22परमपिता केहू क निआव नाहीं करत मुला
उ निआव करइके अधिकार अपने पूत क दइ दिहे
अहइ। 23जेहसे कि सबहीं मनई क पूत क मान सम्मान
करइँ जेहसे कि परमपिता क सबहीं आदर करत हीं।
जउन पूत क आदर नाहीं करत उ परमपिता उ क
आदर नाहीं करत जउन ओका पठए अहइ।
24“मइँ तोहका सच-सच बतावत हउँ जउन मोर
बात सुनत ह अउर ओहपइ बिसवास करत ह जउन
ओका भेजे अहइ, तउ उ अनन्त जीवन पावत ह। निआव
क दंड ओकरे ऊपर नाहीं पड़त। उ मनई मृत्यु स जीवन
मँ प्रवेस पाइ जात ह। 25मइँ तू पचन क बतावत अहउँ
कि उ समइ आवइवाला अहइ, हियाँ तक कि आइ चुका
अहइ जबहीं कि जउन मरि चुका अहइँ, परमेस्सर क
पूत क बचन सुनिहइँ अउर जे ओका सुनि लेहीं उ पचे
जी उठिहीं। 26काहेकि जेहसे परमपिता जीवन क स्रोत
अहइ, वइसे अपने पूतन क जीवन क स्रोत बनाए बाटइ।
27अउर उ ओका निआव क अधिकार दिहे अहइ। यह
बदे कि उ मनई क पूत अहइ। 28इ बात प अचरज करइ
क जरूरत नाहीं अहइ कि उ समइ आवइवाला अहइ
कि सब जउन अपनी अपनी कब्र मँ अहइँ, ओकर
बचन सुनिहइँ 29अउर बाहर आइ जइहइँ। जउन मनई
नीक कारज किहे अहइँ उ सबइ पुनरुत्थान पाइ जइहइँ।
मुला जउन खराब कारज किहे अहइँ ओनका पुनरुत्थान
क बाद दंड दीन्ह जाई।”

ईसू क यहूदियन स कहब

30“मइँ खुदइ अपने आप स कछू नाहीं कइ सकित।
मइँ परमेस्सर स जउन सुनित ह उहइ क आधार प
निआव करित ह अउर मोर निआव ठीक अहइ काहेकि
मइँ अपने मन स कउनो कारज नाहीं करित मुला मइँ
ओकरी इच्छा स कारज करित ह जउन मोका पठएस।
31“जदि मइँ अपनी तरफ स साच्छी देउँ तउ मोर
साच्छी सच नाहीं अहइ। 32मोर तई साच्छी देइवाला एक
ठु अउर अहइ। अउर मइँ जानित ह कि मोरी तई जउन
साच्छी देत अहइ, उ सच्ची अहइ।
33“तू पचे लोगन क यूहन्ना क पास पठए रह्या
अउर उ सच्चाई क साच्छी दिहेस। 34मइँ मनई क साच्छी
प भरोसा नाहीं करित मुला मइँ इ बदे कहत हउँ जइसे
कि तू पचन क उद्धार होइ जाइ। 35यूहन्ना उ दीपक क
नाईं रहा जउन जलत भइ रोसनी देत ह। अउर कछू
समइ तक तू पचे उ रोसनी स फायदा लेइ चाहत रह्या।
36“मुला मोर साच्छी यूहन्ना क साच्छी स बड़ी बाटइ,
यह बदे की परमपिता जउन कारज पूरा करइ क बदे
मोका जिम्मेवारी सौंपी अहइ, मइँ उहइ कारज करत
अहउँ अउर मोर कीन्ह कारज अपने आपइ इ बात क
साच्छी अहइ कि परमपिता मोका पठए अहइ। 37जउन
परमपिता मोका पठए अहइ, उ खुदइ मोर साच्छी दिहे
अहइ। तू पचे ओकर कउनो बचन नाहीं सुन्या अउर न
तउ ओकर रूप लखे अहा। 38अउर न तउ अपने
अन्दर ओकर संदेस धारन करे अहा, काहेकि तू पचे
जेका परमपिता भेजे अहइ, ओकरे मँ बिसवास नाहीं
करत अहा। 39तू पचे पवित्तर सास्तरन क धियान स
पढ़त ह काहेकि तोहार इ विचार अहइ कि तोहका उहइ
स अनन्त जीवन मिल जाई। मुला इ सब पवित्तर सास्तर
मोर साच्छी देत हीं। 40एतना होत भए भी तू पचे मोरे पास
नाहीं आवा चाहत अहा।
41“मँइ मनइयन क कीन्ह प्रसंसा प भरोसा नाहीं
करित। 42मुला मँइ जानित ह कि तोहरे भीतर परमेस्सर
क पिरेम नाहीं अहइ। 43मइँ अपने परमपिता क नाउँ स

आइ अहउँ तबहूँ तू पचे स्वीकार नाहीं करत अहा,
अउर अगर कउनो दूसरे नाउँ स केहू आइ जाइ तउ तू
ओका स्वीकार करब्या। 44तू मोहे मँ बिसवास कइसे
करि सकत ह, काहे बदे कि तू पचे एक दूसरे क प्रसंसा
करत ह। तू पचे उ प्रसंसा कइँती देखबउ नाहीं करत
अहा जउन केवल परमेस्सर क तरफ स आवत अहइ।
45तू पचे इ तनिकउ न सोचा कि मइँ तोहका परमपिता
क सामने दोखी ठहराऊब। जउन तोहका पचे क दोखी
ठहराई, उ मूसा होई जेकरे ऊपर तू पचे आपन आसरा
लगाए अहा। 46जउ तू सबइ मूसा मँ बिसवास करत्या तउ
तू मोहे मँ बिसवास करत्या काहेकि उ मोरे बारे मँ लिखे
अहइ। 47जबहीं तू ओकरे लिखे मँ बिसवास नाहीं करत
अहा, तउ तू मोरे बात मँ बिसवास कइसे करब्या?"

पांच हजार स जियादा मनइयन क भोजन

(मत्ती 14:13-21; मरकुस 6:30-44; लूका 9:10-17)

6 ओकरे बाद ईसू गलील क झील यानी कि तिबिरियास
क दूसरे पार चला गवा। 2अउर ओकरे पाछे पाछे
बहुत बड़ी भीड़ चल दिहेस, काहे बदे की उ सब तमाम
मरीजन क नीक होत समइ तमाम अचरज भरा चीन्हन
देखे रहेन्ह। 3ईसू पहाड़ प चला गवा अउर हुवाँ अपने
चेलन क साथ बइठ गवा। 4यहूदियन क फसह क
त्यौहार नजदीक रहा।

5जबहीं ईसू आँख उठाइके देखेस की एक बहुत बड़ी
भीड़ ओकरी तरफ चली आवत अहइ तउ उ फिलिप्पुस
स पूछेस, "इ सब लोगन्ह क खइया खियावइ क बदे रोटी
कहाँ स खरीदी जाइ सकतह?" 6(ईसू इ बात ओकर
परीच्छा लेइ क बदे पूछेस, उ तउ जानत रहा कि उ का
करइ जात अहइ।

7फिलिप्पुस जवाब दिहेस, "दुइ सौ चाँदी क सिक्कन
स एँतनी रोटी न मिली कि सब मनई क एक टुकड़े स
तनिकउ जियादा मिल सकइ।"

8ईसू क एक दूसर चेला समौन पतरस क भाई
अन्द्रियास कहेस, 9"हियाँ एक नान्ह क लरिका क पास
पाँच ठु जौ क रोटी अउर दुइ ठू मछरी अहइँ, मुला
खाइवाले तउ बहुत जियादा मनई अहइँ ओनके लिए इ
बहुत कम अहइ।"

10ईसू जवाब दिहेस, "सब लोगन्ह क बैठावा" (उ
जगह प अच्छी खासी घास रही) सब मनई हुवाँ बइठ
गएन। उ सब कुल मिलाइके करीब पांच हजार मनई
रहेन्ह)

11फिन ईसू रोटी लिहेस, अउर हुवाँ बइठे भए मनइयन
क आवस्यकतानुसार सुक्रिया दइके रोटी परोस दिहेस।
इहइ तरह जेतना उ सब जेतना चाहत रहेन, ओतनी
मछलियन ओनका दइ दिहेस।

12जब ओनके सबके पेट भरि गएन तउ ईसू अपने
चेलन स कहेस, "जउन टुकड़ा बचा अहइँ, ओनका
बटोरा ल्या जइसे उ बेकार बरबाद न होइँ।" 13फिन
चेलन लोगन को परोसी गइ जौ क पांच रोटियन क बचे
भएन टुकड़न स बारह टोकरी भरि दिहन।

14ईसू क एतना अद्भुत कारज क देखिके सब
मनइयन कहइ लागेन, "जरूर इ मनई उहइ नबी अहइ
जेका इ दुनियाँ मँ आवइ क रहा।"

15ईसू जब इ जानेस कि लोग आवइवाला अहइँ
अउर ओनका लइ जाइके राजा बनावा चाहत अहइँ,
तउ उ अकेलेन पहाड़ प चला गवा।

ईसू क पानी प चलब

(मत्ती 14:22-27; मरकुस 6:45-52)

16जब साँझ क बेला भइ अउर ओनके सब चेलन
झील प चला गएन 17अउर एक ठु नाव प बइठके वापस
झील क पार कफरनहूम क तरफ चला गएन। मजे क
अँधेरा होइ ग रहा, मुला ईसू अबहीं तक लौटिके ओनके
सबन क पास नाहीं आवा रहा। 18तूफानी हवा बहत रही
जेकरे कारण झील मँ लहर खूब तेज होत रहिन्ह। 19जब
उ पचे करीब पांच–छ: किलोमीटर आगे चला गएन तउ
देखेन कि ईसू झील प चलत अहइ अउर नाव क पास
आवत रहा। इ देखिके उ पचे डेराइ गएन। 20मुला ईसू
ओन सबसे कहेस, "इ मइँ अहउँ, डेरा जिन।" 21फिन उ
पचे ओका जल्दी स नाव प चढ़ाइ लिएन्ह अउर नाव
जल्दी स हुवाँ पहुँच गइ जहाँ ओका जाइ क रहा।

ईसू क खोज

22दूसरे दिन सब मनइयन क भीड़ जउन झील क
पार बच गइ रही, इ देखेस कि हुवाँ एक ठु नाव अकेले
रही अउर अपने चेलन क साथ ईसू उ नाव प नाहीं
चढ़ा रहा, केवल ओकर चेलन ओह पइ चढ़ा रहेन।
23तिबिरियास क कई ठु नाव उ जगह प आइके रुकिन
जउने जगहा प उ पचे पर्भू क धन्यबाद दिहे क बाद रोटी
खाए रहेन। 24इ तरह स जब उ भीड़ देखेस कि न तउ
हुवाँ ईसू अहइ अउर न तउ ओनकइ चेलन अहइँ, तउ
उ पचे नाव प चढ़िके अउर ईसू क ढूँढ़त कफ़रनहूम
क तरफ चल पड़ेन।

ईसू, जीवन क रोटी

25जब उ पचे ईसू क झील क दूसरे पार पाएन तउ
ओसे कहेन, "हे गुरु, तू हियाँ कब आया?"

26एँकरे जवाब मँ ईसू ओनसे कहेस, "मइँ तोहका
सच्ची बात बतावत अहउँ, तू पचे मोका इ बदे नाहीं
खोजत अहा कि तू सब अद्भुत कारजन देखे अहा, मुला
तू पचे इ बदे मोका ढूँढ़त अहा, काहेकि तू सब पेट
भरिके रोटी खाए अहा। 27उ खाना क बरे मेहनत न
करइ चाही जउन खराब होइ जाइ मुला ओकरे बदे
जतन करइ चाही जउन हमेसा उत्तिम बना रहत ह अउर

अनन्त जीवन देत ह, जउन तोहका सबका मनई क पूत
देई। काहेकि परमपिता परमेस्सर ओका मानके आपन
मोहर ओह पइ लगाइ दिहे अहइ।"
28मनइयन ईसू स पूछेन, "परमेस्सर क कारज क
बदे हम सब का करी?"
29ईसू ओनका इ जवाब दिहेस, "जउन परमेस्सर
चाहत ह कारज इ अहइ कि तू पचे ओह पइ बिसवास
करा जेहिका उ भेजे अहइ।"
30तउ उ पचे ओसे कहेन, "फिन तू कउन स अद्भुत
कारज देखॉवत अहा जेहिका देखिके हम तोह पर बिसवास
करी? तू कउन स कारज देखॉवत अहा? 31हमार पूर्वजन
रेगिस्तान मँ मन्ना* खाएन, जइसे कि पवित्तर सास्तरन
मँ लिखा बा, 'परमेस्सर ओनका खाइ क बदे सरग स
रोटी दिएन्ह।'*"
32ईसू ओनसे कहेस, "मइँ तोहका सच बतावत अहउँ
कि मूसा नाहीं, मुला मोर परमपिता तोहका सरग स
सच्ची रोटी देत ह। 33उ रोटी जउन परमेस्सर देत ह, उ
सरग स उतरी अहइ, अउर इ संसार क जीवन देत ह।"
34तउ उ पचे ओसे कहेन, "हे पर्भू, अब हम पचे क
उ रोटी द्या अउर हमेसा देत रहा।"
35ईसू ओनसे कहेस, "मइँ उ रोटी अहउँ जउन
जीवन देत ह। जउन मनई मोरे पास आवत ह, उ कबहूँ
भूखा नाहीं रहत अउर जउन मोरे मँ बिसवास करत ह,
उ कबहूँ पियासा नाहीं रहत। 36मइँ तोह सबन क पहले
स बताइ चुका अहउँ कि तू मोका देख लिए अहा, तबहूँ
मोहमाँ बिसवास नाहीं करत अहा। 37एक एक मनई
जेहिका परमपिता मोका सौंपे अहइ, मोरे पास आई
जउन मोरे पास आवत ह, मइँ ओका कबहूँ न लौटाउब।
38मइँ सरग स अपनी मर्जी स काम करइ नाहीं आइ
अहउँ, मइँ तउ ओकर मरजी क पूरा करइ आइ बाटेउँ,
जउन मोका हिआँ भेजे अहइ। 39अउर उ भेजइवाले क
इच्छा इ बाटइ कि जेका जेका उ मोका सौंपे अहइ,
ओहमाँ स एकउ क न खोइ देउँ अउर आखिरी दिन
ओनका सबका जिन्दा कइ देउँ। 40इहइ मोरे परमपिता
क इच्छा अहइ कि हर एक मनई जउन पूत क देखत ह
अउर ओहमाँ बिसवास करत ह, अनन्त जीवन पाई
अउर आखिरी दिन मइँ ओका जियाइ देइ।" 41इ सुनिके
यहूदियन ईसू प बड़बड़ाय लागेन, काहेकि उ कहत रहा,
"मइँ उ रोटी अहउँ जउन सरग स उतरी अहउँ।" 42अउर
उ पचे कहेन, "का इ यूसुफ़ क पूत ईसू न अहइ का हम
एनके महतारी बाप क नाहीं जानित? फिन इ कइसे
कहत बा कि 'मइँ सरग स उतरा हउँ?'"
43एकरे जवाब मँ ईसू ओनसे कहेस, "एक दूसरे प
वड़वड़ाब छोड़ द्या, 44मोरे लगे तब तक कउनो नाहीं
आइ सकत जब तक मोका भेजइवाला परमपिता ओका
मोरे तरफ न खींचइ। मइँ आखिरी दिन ओका फिन
जियाइ देब। 45नबियन लिखे अहइँ, 'अउर उ सब परमेस्सर
दवारा सिखावा जइहीं।'* 46जउन मनई परमपिता क
सुनत ह, अउर ओसे सिखत ह, मोरे पास आवत ह।
मुला सच-सच जेहिका परमपिता भेजे अहइ, ओका छाँड़िके
कउनो नाहीं लखे अहइ। 47मइँ तोहसे सच-सच कहत
बाटेउँ कि जउन मनई बिसवास करत ह उहइ अनन्त
जीवन पावत ह। 48मइँ उ रोटी अहउँ जउन जीवन देत
हउँ। 49तोहार पचे क पूर्वजन रेगिस्तान मँ मन्ना खाए
रहेन्ह तबहूँ उ पचे मरि गएन।
50इ उ रोटी अहइ जउन सरग स उतरत ह जउने
कि मनई ओहमाँ स खात ह उ न मरी। 51जीवन क रोटी
जउन सरग स उतरी अहइ, उ मइँ अहउँ। जउन मनई इ
रोटी खाई, उ हमेसा जीवित रही अउर जउन रोटी मइँ
दुनिया क जिन्नगी क बदे देब, उ मोर माँस अहइ। इहइ
स संसार जिअत रही।"
52इ सुनिके यहूदियन आपस मँ झगड़ा करइ लागेन
कि "कइसे इ मनई मोका पचे क आपन माँस खाइ क
बदे देत ह?" 53ईसू ओनसे कहेस, "मइँ तोहसे सच-सच
कहत अहउँ, जब तक तू पचे मनई क पूत क माँस न
खाब्या अउर ओकर लहू न पीब्या, तब तक तोहरे मँ
असली जीवन नाहीं आई। 54जउन मोर माँस खात ह
अउर हमार लहू पियत ह, अनन्त जीवन उहइ पावत ह
अउर आखिरी दिन ओका मइँ फिन जीवित करि देब।
55काहे बदे कि मोर माँस सच खाइवाली चीज अहइ
अउर मोर लहू सच-सच पियइवाली चीज अहइ।56जउन
मोर माँस खात ह अउर मोर लहू पियत ह, उ मोरे मँ
रहत ह अउर मइँ ओहमाँ समाइ जाइत हउँ। 57इ बात
बिल्कुल उहइ तरह अहइ कि जइसे जिअत–पिता मोका
भेजे अहइ, अउर उहइ परमपिता क कारण मइँ जीवित
अहउँ ठीक उहइ तरह जउन मनई खात रही, उ मोरे
कारण जीवित रही। 58इ उहइ रोटी अहइ जउन सरग स
उतरी अहइ। इ रोटी वइसे नाहीं अहइ जइसे मोर पचे क
पूर्वजन खाए रहेन। अउर बाद मँ उ सब मरि गएन।
जउन मनई इ रोटी क खात रही, उ हमेसा जिन्दा रही।"
59ईसू इ सब बात कफरनहूम क आराधनालय मँ सिच्छा
देत कहे रहा।

अनन्त जीवन क उपदेस

60जब ईसू क चेलन क इ बात पता चली तउ उ
कहेन्ह, "इ सिच्छा बहुतइ कठिन अहइ, एका कउन
सुनि सकत ह?"

मन्ना एक प्रकार का स्वर्गिक खाना जिसे परमेस्सर मूसा क समइ यहूदियन क बनवास क दिनन मँ रेगिस्तान मँ दिहे रहा।

'पमेस्सर ... दिएन्ह' भजन 78:24

'अउ ... जइहीं' यसा 54:13

61ईसू क खुदइ पता चलि गवा रहा कि ओनके
चेलन क उपदेस क बारे मँ सिकायत रही। इ बदे उ
ओनसे कहेस, "का इ उपदेस तोहका ठेस पहुँचावत ह?
62अइसी बात अहइ कि तउ तोहका अगर मनई क पूत
क जहाँ उ पहिले रहा, हुवाँ फिन लौटत देखइ क पड़इ
तउ का होई? 63आतिमा उहइ अहइ जउन जीवन देत ह।
सरीर क कउनो उपयोग नाहीं बाटइ। जउन बात मइँ
तोहसे कहे बाटेउँ, उहइ आतिमा आहइ अउर उहइ
जीवन देत ह। 64मुला तोहरे पचे क बीच मँ कछू मनई
अइसे अहइँ, जउन ओहमा बिसवास नाहीं करतेन।"
(ईसू तउ सुरु सुरु मँ इ जानत रहा कि उ पचे कउन
मनई अहइँ, जउन बिसवास नाहीं करत अहइँ अउर उ
मनई कउन बा जउन ओका धोखा देइ।) 65ईसू फिन
कहेस, "यही बदे मइँ तोहसे कहे अहउँ, 'मोरे पास तब
तक कउनो नाहीं आइ सकत जब तक कि परमपिता
ओका मोरे पास आवइ क इजाजत न देइ।'"

66इहइ कारण रहा कि ईसू क ढेर चेलन लौट
गएन। अउर फिन कबहूँ ओकरे पाछे नाहीं चलेन।

67फिन ईसू अपने बारहु प्रेरितन स कहेस, "का तू
पचे भी जाइ चाहत अहा?"

68समौन पतरस जवाब दिहेस, "पर्भू, हम पचे केहिके
लगे जाइ? उ सब्दन तउ तोहरे लगे अहइँ जउन अनन्त
जीवन देत हीं। 69अब हम पचे तोह पर बिसवास करित
ह अउर हम जानित ह कि तू सबसे पवित्तर अहा
जेहिका परमेस्सर भेजे अहइ।"

70ईसू ओनका इ जवाब दिहेस, "का तोहका बारहु
प्रेरितन का मइँ नाहीं चुने अहउँ। मुला तोहरे बीचे मँ
एक ठु सइतान अहइ।"

71उ समौन इस्करियोती क बेटवा यहूदा क बारे मँ
कहत रहा, जउन ईसू का धोखा देइवाला रहा। बारह
प्रेरितन मँ उहइ एक रहा।

ईसू अउर ओकर भाइयन

7 ओकरे बाद ईसू गलील चला गवा। उसने यहूदिया मँ
जात्रा न करइ का निस्चय किहेस। काहेकि यहूदी
ओका मारि डावा चाहत रहेन। 2यहूदियन क कुटिर क
त्यौहार * आवइवाला रहा। 3इ बदे ईसू क भाइयन ओसे
कहेन, "तोहका इ जगहा छोड़िके यहूदिया चला जाइ
चाही। जइसे कि तोहार चेलन तोहार अद्भुत कारजन
देख पावइँ। 4कउनो मनई जउन सब मनइयन क बीच मँ
मसहूर होइ चाहत ह, आपन कारज छिपाइ क नाहीं
करत। तू तउ अद्भुत कारजन करत ह, इ बदे समूचे
संसार मँ अपुना क परगट करा।" 5(ईसू क भाइयन
ओहमाँ बिसवास नाहीं करत रहेन।) 6ईसू ओनसे कहेस,
"मोरे बदे अबहीं तक नीक समइ नाहीं आवा बाटइ।
मुला तोहरे बदे सबइ समइ नीक अहइ। 7इ दुनिया तोहसे
घिना नाहीं कइ सकत मोसे तउ घिना करत ह। मोसे
घिना करइ क कारण इ बाटइ कि मइँ सब क कहत
फिरित हउँ, कि तोहार इ कारज बुरा अहइ, 8इ त्यौहार
मँ तू पचे जा मइँ एहि बार न जाब, मोर नीक समइ
अबहीं नाहीं आइ बाटइ।" 9इ कहिके ईसू गलील मँ
रुक गवा।

10तब ओकर सब भाई त्यौहार मँ चला गएन तब
उहउ चला गवा। उ खुलेआम नाहीं गवा मुला छुप छुपके
उहइ हुवाँ पहुँच गवा। 11यहूदी ओका त्यौहार मँ खोजत
फिरत रहेन, "उ मनई कहाँ अहइ?"

12ईसू क बारे मँ उ भीड़ मँ छिप छिप क तरह तरह
क बातन होत रहिन। कछू मनई कहत रहेन, "उ नीक
मनई बाटइ" मुला दूसर कछू मनई कहत रहेन, "नाहीं,
उ तउ सबका भटकावत अहइ।" 13ओकरे बारे मँ कउनो
भी खुलके नाहीं बतियात रहा, काहेकि उ पचे यहूदी क
नेता स डेरात रहेन।

यरूसलेम मँ ईसू क उपदेस

14जब उ त्यौहार करीब करीब आधा बीत गवा तब
ईसू मंदिर मँ गवा अउर उपदेस देब सुरु कइ दिहेस।
15यहूदी क नेता क बहुत अचरज भवा अउर उ पचे
कहेन, "इ मनई आज तक कउनो पाठसाला मँ पढ़इ क
बरे नाहीं गवा, इ कइसे एँतनी गियान क बात करत
बाटइ?"

16ऍकरे जवाब मँ ईसू ओनसे कहेस, "जउन सिच्छा
देत अहउँ, उ मोर आपन नाहीं अहइ, इ हुवाँ स आवत
अहइ, जउन मोका भेजेस ह। 17अगर मनई उ करा
चाहत ह, जउन परमेस्सर क इच्छा अहइ तउ उ जान
जाइ कि जउन सिच्छा मइँ देत अहउँ, उ ओकर अहइ
या मइँ अपनी ओर स देत अहउँ 18जउन अपनी ओर स
बोलत ह, उ अपने बदे प्रसिद्धि पावा चाहत ह, मुला सच्चा
उ मनई अहइ जउन खुदइ प्रसिद्धि न लइके ओका देइ
क कोसिस करत ह, जउन ओका भेजे अहइ। ओहमाँ
फिन कउनो तरह क खोट नाहीं रहत। 19का तू पचन
क मूसा व्यवस्था क नाहीं दिहे अहइ? मुला तोहरे मँ स
कउनो ओकर पालन नाहीं करत। तू मोका मार डावइ
क कोसिस काहे बदे करत अहा?"

20उ लोग इ जवाब दिहेन, "तोहरे ऊपर दुस्ट आतिमा
चढ़ी अहइ जउन तोहका मार डावइ क कोसिस करत
बाटइ।"

21एकरे जवाब मँ ईसू कहेस, "मइँ एक चमत्कार
करम करेउँ अउर तू पचे चकराइ गया। 22इहइ कारण
रहा कि मूसा तू पचन क, खतना क नियम दिहे रहा (इ

कुटीर क त्यौहार इ त्यौहार हर बरिस हफता भर मनावा जात रहा, जब यहूदियन तम्बू मँ रहत भए ओन दिनन क सुमिरत रहेन जब मूसा क जमाने मँ ओनकइ पूर्वजन चालीस बरिस तलक रेगिस्तान मँ भटकत रहेन।

नियम मूसा का नाहीं बरन, इ तउ तोहरे पूर्वजन स चला आवत रहा) अउर तू सबित क दिन लरिकन क खतना करत ह। 23अगर सबित क दिन कउनो क खतना इ बदे करा जाइ कि मूसा क विधान बचा रहइ, उ टूटइ न पावइ तउ तू पचे मोरे ऊपर काहे गुस्सा करत अहा कि मइँ सबित क दिन एक मनई क एकदम ठीक कइ दीन्ह? 24जउन बात जइसे देखात अहइ, उहइ तरह ओहपइ निआव न करइ चाही, जउन एकदम ठीक बात होइ उहइ क आधार प निआव होय चाही।"

का ईसू ही मसीह अहइ?

25फिन यरूसलेम मँ रहइवाले लोगन मँ स कछू कहेन, "का इहइ तउ उ मनई नाहीं अहइ जेहिका उ लोग मार डावा चाहत अहइँ? 26मुला देखा; उ तउ सब मनइयन क बीच मँ बोलत अहइ अउर कउनो ओसे कछू नाहीं कहत अहइँ। का इ बात नाहीं होइ सकत कि यहूदी नेता क पता होइ ग होइ कि इहइ मसीह अहइ। 27खैर हम सबका तउ पता होइ ग अहइ कि इ कहाँ स आइ बाटइ। जब असली मसीह आइ जाइ तउ कउनो न जान पाइ कि उ कहाँ स आवा।"

28ईसू जब मंदिर मँ उपदेस देत रहा तउ बड़े जोर स कहेस, "तू पचे मोका जानत अहा अउर इहउ जानत अहा कि मइँ कहाँ स आएउँ। मइँ अपनी कइँती नाहीं आइ अहउँ। मइँ ओकरे पास स आएउँ ह जउन मोका भेजे अहइ, उहइ सच्चा अहइ, तू पचे ओका नाहीं जानत अहा। 29मुला मइँ ओका जानत अहउँ, काहेकि मोका उहइ पठएस।"

30फिन उ पचे ओका बन्दी बनाइ क जतन करइ लागेन मुला कउनो ओह पइ हाथ नाहीं डारि पाएस, यह बदे कि ओकर समइ अबहीं पूरा नाहीं भवा रहा। 31तमाम मनई ओकरे मँ बिसवास करइ लागेन अउर कहइ लागेन, "जब मसीह आई तउ उ जेतना अद्भुत कारजन इ करत बा ओसे जियादा उ थोड़ो कइ पाई। का उ अइसा करी?"

यहूदियन का ईसू क बन्दी बनावइ क कोसिस

32फरीसियन इ सुनेन कि भीड़ मँ तमाम मनई चुप्पे चुप्पे ईसू क बारे में कहत रहेन्ह अउर मुख्ययाजक अउर फरीसियन मंदिर क सिपाहियन क ईसू क गिरफ्तार बरे भेजेन। 33फिन ईसू बोला, "मइँ तू पचे क साथ कछू समइ तलक अउ रहब, फिन ओकरे पास वापिस लौट जाब, जउन मोका हियाँ भेजे अहइ। 34तू पचे मोका ढूँढ़िब्या मुला ढूँढ़ि न पउब्या। यहि बदे कि तू पचे हुवाँ तलक न जाइ पउब्या जहाँ मइँ रहब।"

35एँकरे बाद यहूदी आपस मँ बतियाइ लागेन, "इ कहाँ जाइवाला अहइ, जहाँ हम पचे एँका न ढूँढ़ि पाऊब। साइत इ हुवाँ तउ नाहीं जात अहइ जहाँ हमार मनइयन यूनानी नगरन मँ तितर बितर होइके रहत हीं। का इ यूनानियन मँ उपदेस देई? 36जउन इ कहत अहइ, 'ओकर का मतलब अहइ?' जउन इ कहत अहइ, 'तू मोका ढूँढ़ि न पउब्या अउर जहाँ मइँ रहब, हुवाँ तू पचे पहुँच नाहीं सकत ह।'"

ईसू पवित्तर आतिमा का उपदेस दिहेस

37त्यौहार क आखिरी अउर जरूरी दिन ईसू ठाढ़ भवा अउर ऊँची आवाज मँ कहेस, "अगर कउनो पियासा अहइ तउ मोरे पास आवइ अउर पियइ। 38जउन मनई मोरे मँ बिसवास करत ह, जइसा कि पवित्तर सास्तर मँ लिखा अहइ, ओकरे पवित्तर आतिमा स जीवन जल क नदियन फूट पड़िहइँ।" 39ईसू इ पवित्तर आतिमा क बारे मँ बताए रहा। जेहिका उ पचे पइहीं जउन ओहमा बिसवास करत हीं, उ पवित्तर आतिमा अबहीं तलक नाहीं दीन्ह गइ अहइ, काहेकि ईसू अबहीं तलक महिमावान नाहीं भवा अहइ।

ईसू क बारे मँ लोगन क बातचीत

40भीड़ क कछू मनई जउन इ सुनेन तउ कहइ लागेन, "इ मनई सच मँ नबी अहइ।"

41कछू अउर मनई कहत रहेन, "इहइ मनई मसीह अहइ।" कछू अउर मनई कहत रहेन, "मसीह गलील स न आई। का इ होइ सकत ह? 42का पवित्तर सास्तर मँ नाहीं लिखा अहइ कि मसीह दाऊद क लरिका होई अउर बैतलहम स आई जउने सहर मँ दाऊद रहत रहा।" 43एँह तरह स ईसू क मनइयन मँ सब मनइयन क बीच मँ फूट पड़ि गइ। 44कछू लोग ओका बन्दी बनावा चाहत रहेन मुला कउनो ओकरे प हाथ नाहीं डाएस।

यहूदी नेतन क अबिसवास

45इ बदे मंदिर क सिपाही मुख्ययाजक अउर फरीसियन क पास लौट आएन। एहि पइ ओनसे पूछा गवा, "तू ओका पकरिके काहे नाहीं लाया?"

46सिपाहियन क जवाब रहा, "कउनो मनई आज तक अइसे नाहीं बोला, जइसे उ बोलत ह!"

47एँहि पइ फरीसियन ओनसे कहेन, "का तू पचे भरमाइ ग अहा? 48कउनो यहूदी नेता या फरीसियन ओकरे मँ कबहुँ बिसवास नाहीं करे अहइँ। 49मुला जउन मनइयन क व्यवस्था क जानकारी नाहीं अहइ, परमेस्सर ओनका सराप देत ह।"

50नीकुदेमुस ओनसे कहेस इ उहइ रहा जउन पहिले ईसू क पास गवा रहा, इ ओन फरीसियन मँ स एक ठु अहइ,

51"हमार व्यवस्था क तब तलक कउनो क दोखी नाहीं ठहरावत जब तलक ओका सुनि नाहीं लेत अउर इ पता नाहीं लगाइ लेत कि उ कउन करम करे अहइ।"

52एॅकरे जवाब मँ उ पचे ओसे कहेन, “का तू भी
गलील क अह्या? सास्तर क पढ़े स पता चलत ह कि
गलील स कउनो नबी कबहूँ नाहीं आई।”

---

*[कछू यूनानी प्रतियन मँ यूहन्ना 7:53-8:11 पद
नाहीं अहइँ।]*

दुराचारी स्त्री क छमा

53फिन उ पचे हुवाँ स अपने घर चला गएन।
8 अउर ईसू जैतून पर्वत प चला गवा। 2एकदम सबेरे
उ फिन मंदिर मँ गवा। सब मनई ओकरे पास आएन।
ईसू बइठके ओनका सबेन्हका उपदेस देइ लाग। 3तबहीं
धरम सास्तरी अउर फरीसी लोग व्यभिचार क अपराध
मँ एक ठु स्त्री क पकरि लइ आएन। अउर ओका
सबके सामने ठाढ़ करि दिहेन्ह।

4अउर ईसू स कहेन्न, “हे गुरु, इ स्त्री व्यभिचार
करत रंगे हाथ पकड़ी गइ अहइ। 5मूसा क व्यवस्था
हमका पचेन्ह क आदेस देत ह कि अइसी स्त्री क पाथर
मारइ चाही। अब बतावा तोहार का कहब अहइ?”

6ईसू क अजमावइ क बदे उ सबेन्ह पूछत रहेन्ह
जइसे कि ओनका सबका ओकरे खिलाफ कउनो
अभियोग लगावा जाइ सकइ। मुला ईसू नीचे झुका अउर
अपनी अंगुरी स जमीन प लिखइ लाग। 7यहूदी नेता
पूछत जात रहेन्ह, इ बदे ईसू सोझ सोझ तनि क ठाढ़ि
होइ गवा अउर ओनसे कहेस, “तोहरे सब मँ स जउन
मनई पापी न होइ, सबसे पहिले उहइ इ स्त्री क पाथर
मारइ।” 8अउर फिन उ झुक कर जमीन प लिखइ
लाग।

9जब सब मनई इ सुनेन्ह तउ सबसे पहिले बुढ़वा
मनइयन अउर फिन एक एक कइके हुवाँ स खिसकइ
लागेन अउर हुवाँ अकेले ईसू बचा रहा। ईसू क सामने
उ स्त्री अबहीं तलक ठाढ़ि रही। 10ईसू खड़ा भवा अउर
उ स्त्री स कहेस, “ऐ स्त्री, उ पचे कहाँ चला गएन। का
तोका कउनो दोखी नाहीं ठहराएस?”

11उ स्त्री बोली, “नाहीं, महासय! कउनो नाहीं।”

ईसू कहेस, “मइँ भी तोहका दण्ड न देब। जा अउर
अब फिन कबहूँ पाप न करिउ।”

दुनिया क ज्योति ईसू

12फिन हुवाँ मौजूद मनइयन स ईसू कहेस, “मइँ
दुनिया क ज्योति अहउँ, जउन मोरे पाछे चलत ह, उ
कबहूँ अंधेरे मँ नाहीं रहत। ओका तउ उ ज्योति मिली
जउन जीवन देत ह।”

13इ सुनिके फरीसियन ओनसे कहेन, “तू आपन
साच्छी खुदइ देत अहा, ई बदे तोहार साच्छी न मानी
जाई।”

14एकरे जवाब मँ ईसू ओनसे कहेस, “जदि मइँ
आपन साच्छी अपनी कइँती स आप देत अहउँ, तबहूँ
मोर साच्छी सही अहइ, काहेकि मइँ इ जाना चाहित ह,
कि मइँ कहाँ स आवा अहउँ अउर कहाँ जात अहउँ।
मुला तू पचे इ नाहीं जानत अहा कि मइँ कहाँ स आवा
अहउँ अउर कहाँ जात अहउँ। 15तू पचे मनइयन क
बनाए नेमॅन प निआव करत ह, मइँ कउनो क निआव
नाहीं करत अहउँ। 16जदि मइँ निआव करी तउ मोर
निआव उचित होइ। काहेकि मइँ अकेले नाहीं अहउँ
बल्कि परमपिता जउन मोका हियाँ भेजे अहइ, दुइनउँ
मिलके निआव करित ह। 17तोहरे व्यवस्था मँ लिखा
अहइ कि दुइ मनइयन क साच्छी सच्ची होत ह। 18मइँ
आपन साच्छी खुदइ देत अहउँ अउ परमपिता, जउन
मोका भेजे अहइ, मोरी ओर स साच्छी देत ह।”

19इ सुनिके उ सब मनइयन ओसे कहेन, “तोहार
परमपिता कहाँ अहइ?” ईसू जवाब दिहेस, “न तउ तू पचे
मोका जानत अहा अउर न तउ मोरे परमपिता क। जदि
तू मोका जानत होत्या, तउ मोरे परमपिता क जानि
लेत्या।” 20मंदिर मँ उपदेस देत भए जउन मनई भेंट
पात्रन क पास रहेन, ओनसे इ बात ईसू कहेस। मुला
कउनो ओका बन्दी नाहीं बनाएस, काहेकि ओकर समइ
अबहीं नाहीं आवा रहा।

यहूदियन क ईसू क बारे मँ अगियान

21ईसू ओसे एक बार फिन कहेस, “मइँ चला जाब
अउर तू पचे मोका खोजब्या। मुला तू पचे अपने पापन
क कारण मरि जाब्या। जहाँ मइँ जात अही तू पचे हुवाँ
नाहीं आइ सकत ह।”

22फिन यहूदी कहइ लागेन, “का तू इ सोचत अहा
कि उ खुदकुसी करइवाला अहइ? काहेकि उ कहेस, ‘तू
पचे हुवाँ नाहीं आइ सकत ह जहाँ मइँ जात अहउँ।’”

23इ सुनिके ईसू ओनसे कहेस, “तू पचे नीचे क
अह्या अउ मइँ ऊपर स आइ बाटेउँ, तू पचे संसारिक
अहा अउर मइँ इ दुनिया क न अहउँ। 24इ बदे मइँ तू
सबन स कहत हउँ तू पचे अपने पाप मँ मरि जाब्या।
जउ तू बिसवास नाहीं करत अहा कि उ मइँ अहउँ। तउ
तू अपने पाप मँ मरि जाब्या।”

25उ पचे ईसू स फिन पूछेन, “तू कउन अह्या?”

ईसू ओनका जवाब दिहेस, “मइँ उहइ अहउँ, जइसे
कि सुरुआत मँ मइँ तोहका बताए रहेउँ। 26तू पचेन्क
बतावइ क बदे अउर तू पचन क निआव करइ क मोरे
पास बहुत कछू अहइ। मुला सच्ची बात इ अहइ कि सत्य
उहइ अहइ जउन मोका भेजेस। मइँ उहइ बतावत अही
जउन मइँ ओसे सुने अहउँ।”

27उ पचे इ नाहीं जान पाएन्ह कि ईसू ओनका
परमपिता क बाबत बतावत अहइ। 28फिन ईसू ओसे
कहेस, “जब तू मनई क पूत क ऊँचा उठाय लेब्या तू

जान लेब्या कि उ मइँ अहउँ। मइँ अपनी ओर स कछू नाहीं करत अहउँ। मइँ जउन करत अहउँ, इ उहइ अहइ जउन मोका परमपिता सिखाए अहइ। 29अउर उ जउन मोका इहाँ भेजेस, उ मोरे साथ अहइ। उ कबहूँ मोका अकेले नाहीं छोड़ेस, इ बदे कि मइँ उहइ कारज करित ह जइसा उ चाहत ह।" 30ईसू जब इ बात बातवत रहा, तउ बहुत मनई ओकर बिसवासी होइ गएन।

पाप स छुटकारा पावइ क उपदेस

31ईसू ओन यदूदियन क बतावइ लाग, जउन ओहमाँ बिसवास करत रहेन, "जब तू पचे मोरे उपदेस प चलब्या तउ तू मोर सच्चा चेलन बन जाब्या। 32अउर सच्चाई क जान लेब्या। अउर सच्चाई तोहका मुक्ति दइ देइ।"

33इ सुनिके उ सबेन्ह ईसू स पूछेन, "हम सब इब्राहीम क खानदान क अही अउर हम सबे आज तक केहू क गुलामी नाहीं कीन्ह। फिन तू कइसे कहत अहा कि तू पचे छुटकारा पाइ जाब्या?"

34ईसू ओनका इ जवाब दिहेस, "मइँ तोहसे सच्चाई का बखान करत अहउँ। जउन मनई पाप करत रहत ह, पाप क दास अहइ। 35अउर कउनो दास परिवार के साथे नाहीं रहि सकत। केवल पूत हमेसा परिवार क साथे रहत ह। 36इ बदे अगर पूत तोह सबन क छुटकारा देइ सकत ह, तउ तू पचे जरूर छुटकारा पाय जाब्या। मइँ जानत अहउँ तू इब्राहीम क खानदान क अह्या। 37मुला तू पचे मोका मारि डावइ क कोसिस करत अहा। काहेकि तू पचे मोर उपदेस नाहीं मनत्या। 38मइँ उहइ बतावत अहउँ, जउन मोर परमपिता मोका देखॉएस अउर तू उहइ करत अहा जउन तोहार पिता तोहका करइ क बताएस ह।"

39इ सुनिके उ पचे ईसू का जवाब दिहेन, "हमरे पिता इब्राहीम अहीं।"

ईसू कहेस, "जउ तू इब्राहीम क सन्तान होत्या, तउ तू उहइ कारज करत्या जउन कारज इब्राहीम करत रहा। 40मुला तू पचे तउ मोर जइसे मनई का जउन परमेस्सर स सुनि सच्चाई का बतावत अहइ मारि डावा चाहत अहा। इब्राहीम तउ अइसा कबहूँ नाहीं किहेस। 41तू पचे अपने पिता क काम करत अहा।"

फिन उ सबेन्ह ईसू स कहेन, "हम सबन उ सबइ गदेलन क तरह नाहीं जउन आपन बाप क नाहीं जानत अहइँ। हमार केवल एक पिता अहइ, उ अहइ परमेस्सर।"

42ईसू ओनका जवाब दिहेस, "जब परमेस्सर तोहार पिता होतइ तउ तू पचे मोका पियार करत्या, काहेकि मइँ ही परमेस्सर क पास स आइ अहउँ। अउर अबहीं मइँ हियाँ अहउँ। मइँ अपने आप हियाँ नाहीं आइ बाटी, मोका परमेस्सर भेजेस। 43जउन कछू मइँ बतावत अहउँ ओका तू सबेन्ह काहे नाहीं समझत अहा? एकर कारण इ अहइ कि तू मोर उपदेस नाहीं स्वीकार करत अहा। 44तू सबेन्ह अपने पिता सइतान क संतान अह्या अउर तू सबेन्ह अपने पिता क इच्छा प चलइ चाहत अहा। उ सुरुआतइ स एक हत्यारा रहा अउर सच्चाई क तरफदारी कबहूँ नाहीं करेस। काहेकि ओहमाँ सच्चाई क कउनो हिस्सा नाहीं रहा। जब उ झूठ बोलत ह तउ बड़ी सच्चाई स झूठ बोलत ह, काहेकि उ झूठा अहइ अउर तमाम झूठ क पइदा करत ह। 45मुला मइँ सच्ची बात कहत अहा, तू सबेन्ह इ बदे मोहमाँ बिसवास नाहीं करत अहउँ। 46तोहरे मँ स कउन अइसा मनई अहइ जउन मोरे ऊपर लगावा पाप सिद्ध कइ सकत ह। जदि मइँ सत्य कहत अहउँ तउ तू मोर बिसवास काहे बदे नाहीं करत अहा? 47जउन मनई परमेस्सर क अहइ, परमेस्सर क बात क सुनत ह। तू सबेन्ह मोर बात नाहीं सुनत अहा, इ बदे कि तू सबेन्ह परमेस्सर क नाहीं अह्या।"

ईसू अपने बाबत अउर इब्राहीम क बाबत बताएस

48ईसू क बात क जवाब मँ यहूदियन ईसू स कहेन, "का हमार सबेन्ह क इ बात सच्ची न अहइ कि तू सामरी अह्या अउर तोहरे ऊपर कउनो दुस्ट आतिमा सवार अहइ?"

49ईसू जवाब दिहेस, "मोरे ऊपर कउनो दुस्ट आतिमा सवार नाहीं अहइ। मइँ तउ अपने परमपिता क आदर करित ह, मुला तू पचे मोर अपमान करत अहा। 50मइँ आपन महिमा नाहीं चाहत अहउँ मुला एक ठु अइसा अहइ जउन मोर महिमा चाहत ह अउर निआव करत ह। 51मइँ तोहका सच्ची बात कहत अहउँ कि जउन मनई मोरे उपदेस क अनुसरण करी उ मउत क कबहूँ न देखी।"

52इ सुनिके यहूदियन ओसे कहेन, "अब हम पचे जानि गए कि तोहरे अन्दर कउनो दुस्ट आतिमा समाइ गइ अहइ। हियाँ तक कि इब्राहीम अउर नबी दुइनउँ मरि गएन मुला तू कहत अहा कि जउन मनई तोहार उपदेस प चली ओकर कबहूँ मउत न होई। 53एहमाँ कउनो सक नाहीं अहइ कि तू मोरे पिता इब्राहीम स बड़ा नाहीं अहा जउन कि मर गवा। अउ नबियन क मउत होइ गइ। मुला तू पता नाहीं का सोचत अहा? तू अह्या के?"

54ईसू जवाब दिहेस, "जदि मइँ अपनी महिमा क बखान करी, तउ ऊ मोर महिमा कछू न अहइ। जउन मोका महिमा देत ह, उ मोर परमपिता अहइ। जेकरे बारे मँ तू दावा करत अहा कि उ तोहार परमेस्सर अहइ। 55तू पचे ओका नहीं जनत्या। मुला मइँ ओका जानत अहउँ जउ मइँ कहउँ कि मइँ भी ओका नाहीं जानत अहउँ तउ तोहरे सबेन्ह क तरह मइँ भी झूठा होइ जाब। मइँ ओका अच्छी तरह स जानित ही अउर जउन उ कहत ह ओका पालन करित ही। 56तोहार पिता इब्राहीम इ जानिके कि उ अइसा दिन देखी जब मइँ आउब, तउ

उ आनन्द स भरि गवा रहा। उ एका देखेस अउर बहुत खुस भवा।"

57फिन यहूदियन ओसे कहेन, "तू अबहीं पचासउ साल क नाहीं अहा अउर तू इब्राहीम क कइसे देख लिहा!"

58ईसू एकरे जवाब मँ कहेस, "मइँ तोहका सत्य बतावत अहउँ कि इब्राहीम स पहले भी रह्यौं, मइँ अहउँ।"
59इ सुनिके उ सबेन्ह ईसू क मारइ क बदे बड़ा बड़ा पाथर उठाइ लिहन मुला ईसू लुकत छिपत मंदिर स चला गवा।

पैदाइसी आँधर क आँखी देब

9 जउ उ सबेन्ह जात रहेन तउ उ एक ठु पैदाइसी आँधर मनई क देखेस।
2इ देखिके ईसू क चेलन ओसे पूछेन, "गुरु, इ मनई आँधर पैदा भवा ह मुला केकरे पाप क कारण उ आँधर भवा ह अपने पाप या अपने महतारी बाप क?"

3ईसू जवाब दिहेस, "न तउ इ कउनो पाप करे अहइ अउर न एकर महतारी बाप कउनो पाप करे अहइँ। इ यह बदे आँधर पैदा भवा अहइ जइसे कि एँका नीक कइके परमेस्सर क ताकत देखाई जा सकइ।
4ओकर काम जउन मोका भेजे अहइ, दिन रहतइ कइ लेइ चाही, यह बदे की जउ रात होइ जाइ तउ कउनो काम नाहीं होइ पावत।
5जब तलक मइँ इ दुनियाँ मँ अहउँ तब तलक मइँ दुनिया क ज्योति अहउँ।"

6एँतना कहिके ईसू जमीन प थूकेस अउर ओसे थोरि क माटी सानेस ओका आँधर मनई क आँखी प मल दिहेस।

7अउर ओसे कहेस, "जा अउर सीलोह क पोखरा मँ धोइ आवा।" (सीलोह क मतलब अहइ "भेजा भवा।") अउर फिन उ आँधर जाइके आपन आँखी धोइ आवा। जब उ लौटा तउ ओका देखाँइ देइ लाग।"

8फिन ओकर पड़ोसी अउर उ लोग जउन ओका भीख माँगत देखत रहेन, कहेन, "का इ उहइ मनई अहइ जउन बइठे-बइठे भीख माँगत रहा?"

9कछू लोग कहेन, "इ उहइ अहइ।" दूसर लोग कहेन, "नाहीं, इ उ मनई न अहइ, उहइ क तरह देखाँत अहइ।"

इ सुनिके आँधर मनई कहेस, "मइँ उहइ अहउँ।"

10इ देखिके उ सबेन्ह ओसे पूछेन, "तोहका आँखी क प्रकास कइसन मिली?"

11उ जवाब दिहेस, "ईसू नाउँ क एक मनई माटी सानके मोरी आँखी प मलेस अउ मोसे कहेस, जा अउर सीलोह मँ धोइ आवा अउर मइँ जाइके धोइ आएउँ। मोका उहइ वजह स आँखन क प्रकास मिल गवा।"

12फिन उ सबेन्ह ओसे पूछेन, "उ कहाँ अहइ?"

उ जवाब दिहेस, "मोका पता नाहीं अहइ।"

आँखी क दान क बावत फरीसियन मँ आपसी झगड़ा

13उ मनई जउन पहिले आँधर रहा, उ सबेन्ह ओका फरीसियन क पास लइ गएन।
14जउने दिन ईसू माटी सानके अँधरे क आँखी क प्रकास दिहे रहा, उ सबित क दिन रहा।
15एँह तरह फरीसियन ओसे एक बार फिन पूछइ लागेन, "उ अपने आँखिन क प्रकास कइसे पाएस?"

उ बताएस, "उ मोरी आँखी प गीली माटी लेपेस अउर मोसे कहेस, 'जा धोइ ल्या', मइँ धोइ लीन्ह अउर अब देख सकित हउँ।"

16कछू फरीसी कहइ लागेन, "इ मनई परमेस्सर क तरफ स न अहइ, यह बदे कि इ सबित क पालन नाहीं करत।"

एका सुनि के दूसर मनई बोलेन, "कउनो पापी मनई भला एँतना अद्भुत कारजन कइसे कइ सकत ह?" इ तरह स ओनके बीच मँ आपस मँ मतभेद होइ लाग।

17फिन यहूदी नेतन उ आँधर मनई स बोलेन, "ओकरे बावत तू का कहत अहा? यह बदे कि तू जानत अहा कि उ तोका आँखी दिहे अहइ।"

तब उ कहेस, "उ नबी अहइ।"

18यहूदी नेतन ओह समइ तक ओकरे ऊपर बिसवास नाहीं करत रहेन, कि उ मनई आँधर रहा अउर ओकरे आँखिन का प्रकास मिल गवा। जब तक ओकरे महतारी बाप क बोलाइके
19उ पचे इ नाहीं पूछ लिहेन कि, "का इ तोहार बेटवा अहइ जेकरे बारे मँ तू कहत अहा कि वह आँधर रहा। फिन इ कइसे होइ सकत ह कि अब उ देख सकत ह?"
20इ सुनिके ओकर महतारी बाप जवाब देत कहेन, "हम जानित ह कि हमार बेटवा अहइ अउर हमार बेटवा पैदाइसी आँधर रहा।
21मुला हम इ नाहीं जानित कि अब उ कइसे देख सकत ह? अउर न तउ हम इ जानित थी कि एका आँखिन मँ प्रकास के दिहेस। अब इहइ स पूछा, इ काफी बड़ा होइ गवा अहइ। अपने बावत इ खुदइ बताय सकत ह।"
22ओकर महतारी बाप इ बात इ बदे कहे रहेन कि उ यहूदी नेतन स डेरात रहेन। काहेकि उ पहिले स निस्चय कइ चुका रहेन कि जउन मनई ईसू क मसीह मानी तउ ओका आराधनालय स निकार दीन्ह जाई।
23इ बदे ओकर महतारी बाप कहेन, "उ काफी बड़ा होइ गवा अहइ, उहइ स पूछा।"

24यहूदी नेतन उ मनई क जउन आँधर रहा दूसरी बार बोलाएन, अउर कहेन, "सही सही बोल, अउर जउन तू नीक होइ ग अहा ओकर महिमा परमेस्सर क द्या। हमका पता अहइ कि इ मनई पापी अहइ।"

25इ सुनिके उ जवाब दिहेस, "मइँ इ नहीं जानित कि उ पापी अहइ कि नाहीं, मइँ तउ इहइ जानित ह कि मइँ आँधर रहेउँ अउर अब मइँ देख सकित ह।"

26इ सुनिके उ सबइ ओसे पूछेन, "उ तोहका का किहेस? उ तोहका कइसे आँखी दिहेस?"

27उ मनई ओन सबेन्ह का जवाब दिहेस, "मइँ तउ तोहका बताय चुका अहउँ मुला तू मोर बात सुनतइ नाहीं अहा। तू फिन स काहे उहइ बात सुना चाहत अहा? का तू ओकर चेलन बना चाहत अहा?"

28इहइ बात प उ पचे ओकर बेइज्जती करेन अउर कहेन, "तू ओकर चेला अहा अउर हम सबेन्ह मूसा क चेलन अही। 29हम सब जानित ही कि परमेस्सर मूसा स बतियात रहा, मुला हम सबेन्ह इ नाहीं जानित कि इ मनई कहाँ स आइ बाटइ?"

30एकर जवाब देत उ मनई ओनसे कहेस, "बड़ी अचरज की बात अहइ कि तू सबेन्ह इ नाहीं जानत अहा कि उ कहाँ स आइ बाटइ? मुला मोका आँखिन क प्रकास उहइ दिहेस। 31हम पचे जानित ह कि परमेस्सर पापियन क नाहीं सुनत, उ तउ ओनकइ सुनत ह जउन समर्पित अहइ अउर उहइ परमेस्सर क जउन इच्छा रहत ह, उहइ करत ह। 32आज तलक इ कबहूँ सुना नाहीं ग रहा कि कउनो आँधरे मनई क केहू आँखी क प्रकास दिहे रहा होइ। 33जब इ मनई परमेस्सर क तरफ स नाहीं आइ अहइ तउ उ इ सब कछू नाहीं कइ सकत।"

34एँकरे जवाब मँ उ सबइ कहेन, "तू हमेसा स पापी रह्या, जब स तोहार जनम भवा। अउर आज तू हम सबका सिखावइ चला अहा?" इ कहिके यहूदी नेतन ओका धकियाइके बाहेर निकार दिहेन।

आतिमा क आँधर होब

35ईसू इ सुनेस कि यहूदी नेतन ओका धकियाइ के बाहर निकार दिहेन तउ ओसे मिलके उ कहेस, "का तू मनई क पूत मँ बिसवास करत ह?"

36एकरे जवाब मँ उ मनई बोला, "हे पर्भू, इ बतावा कि मनई क पूत कउन अहइ? इ बदे कि मइँ ओकरे मँ बिसवास करइ लागउँ!"

37ईसू ओसे कहेस, "तू ओका देख चुका अहा अउर उ उहइ मनई अहइ जेसे तू इ समइ बतियात अहा।"

38फिन उ कहेस, "पर्भू, मइँ बिसवास करित हउँ!" अउर उ फिन ओकरे सामने ओनके गोड़वा पर गिर गवा।

39ईसू कहेस, "मइँ इ दुनिया मँ निआव करइ क बदे आइ अहउँ, जइसे कि जउन देखि नहीं सकत अहइँ, उ देखइ लागइँ अउर जउन देखत अहइँ, उ सबइ आँधर होइ जाइँ।"

40कछू फरीसी जउन ईसू क साथे रहेन, इ सुनिके ईसू स कहेन, "हम सब जरूर आँधर नाहीं अही। का हम पचे आँधर अही?"

41ईसू ओनसे कहेस, "जदि तू आँधर होत्या तउ तू पापी न होत्या मुला जइसे तू सबेन्ह कहत अहा कि देखी सकत अहा, इ बदे तू सबेन्ह जरूर पापी अहा।"

चरवाहा अउर ओकर भेड़ी

10 ईसू कहेस "मइँ तोहसे सच्ची बात बतावत अहउँ कि जउन मनई भेड़िन क बाड़े मँ दरवाजा स न घुसिके कउनो अउर रस्ते स घुसत ह तउ, उ चोर अहइ, लुटेरा अहइ। 2मुला जउन मनई दरवाजे स घुसत ह, उ भेड़िन क चरवाहा अहइ। 3दरवाजे क रखवाला ओकरे बदे दरवाजा खोल देत ह, अउर भेड़न क ओकर आवाज सुनात ह। अपनी भेड़िन क नाउँ लेइ लेइ पुकारत ह अउर ओनका बाड़े स बाहर निकारत ह। 4जब उ आपन सब भेड़ निकार लेत ह तउ ओनके आगे–आगे चलत ह अउर भेड़िन सब ओका पिछुआय लेति हीं, काहेकि ओकर आवाज पहिचानात हीं। 5भेड़ कबहूँ कउनो अजनबी मनई क नाहीं पिछुआय लेतिन। ओसे उ दूर भागत हीं, काहेकि उ अजनबी क आवाज नाहीं पहिचनतिन।" 6ईसू नजीर दइके ओनका सबका समझावा चाहत रहा, मुला ओन सबकी समझ मँ इ बात नाहीं आइ कि ईसू ओनका का बतावत अहइ।

ईसू नीक चरवाहा

7तब ईसू ओनसे फिन कहेस, "मइँ तोहका सच्ची सच्ची बात वतावत अहउँ, कि भेड़िन क बदे दरवाजा मइँ अहउँ। 8उ सबेन्ह जउन मोसे पहिले आइ रहेन, चोर अउर लुटेरा अहइँ। मुला भेड़िन ओनके बात नाहीं सुनिन। 9मइँ दरवाजा अहउँ। जदि कउनो मोसे होइके भीतर घुसइ चाहत ह, तउ ओकर बचाव होई, उ अन्दर जाइ सकत ह अउर बाहर जाइ सकत ह अउर ओका चारागाह मिल जाई। 10चोर केवल चोरी करइ क बदे, कतल करइ क बदे अउर सत्यानास करइ क बदे आवत ह। मुला मइँ इ बदे आइ अहउँ कि सब मनई भरपूर जिन्नगी पाइ सकइँ। 11मइँ अच्छा चरवाहा अहउँ। नीक चरवाहा भेड़िन क बदे आपन जान तक देइ देत ह। 12मुला जउन केराए क मजदूर होत ह, उ चरवाहा न होइ क कारण, भेड़िया क आवत देखिके भेड़िन क छाँड़िके भाग जात ह, काहेकि उ भेड़ ओकर तउ रहत नाहीं। भेड़िया ओनके ऊपर हमला कइके ओनका छितराय देत ह 13इ बदे भाग जात ह, काहेकि उ रोजमर्रा की मजूरी पर काम करत ह अउर ओका भेड़िन क ज्ञान क कउनो परवाह नाहीं रहत।

14-15 "मइँ नीक चरवाहा अहउँ। आपन भेड़िन क मइँ जानित ह अउर मोर भेड़िन मोका वइसे जानत हीं, जइसे परमपिता मोका जानत ह अउ मइँ परमपिता क जानित ह। अपनी भेड़िन क बदे मइँ आपन जान दइ देइत ह। 16मोर अउर भेड़िन अहइँ जउन इ बाड़ा क न अहीं। मोका ओनहूँ क लियावइ क अहइ। ओनहूँ मोर आवाज सुनिहइँ अउर इही बाड़ा मँ आइके एकट्ठी होइ जइहीं। फिन एक भेड़िन क समूह क एक चरवाहा रही। 17परमपिता मोसे हइइ बदे पिरेम करत ह। काहेकि मइँ

आपन जान दइ देइत ह। मइँ आपन जिन्नगी इ बदे दइ
देइत ह जइसे मइँ एका फिन पाइ जाई। कउनो हमसे
एँका लइ नाहीं लेत। 18मइँ खुदइ अपनी इच्छा स एँका
दइ देइत ह। मोका एँका फिन वापस लेइ क अधिकार
भी अहइ। इ आदेस मोका परमपिता स मिला अहइ।"

19इ सब्द सुनिके यहूदियन मँ फिन स फूट पैदा होइ
गइ। 20बहुत इ कहइ लागेन, "इ तउ पगलाइ गवा अहइ।
एकरे ऊपर कउनो बुरी दुस्ट आतिमा सवार अहइ। तू
सबेन्ह काहे बदे एका सुनत अहा।"

21दूसर कछू मनई कहइ लागेन, "इ सब्द अइसे
मनई क नाहीं होइ सकत जेकरे ऊपर दुस्ट आतिमा
सवार होइ। कउनो दुस्ट आतिमा कबहूँ कउनो आँधर
क आँखी नाहीं दइ सकत।"

यहूदियन ईसू क विरोध करत हीं

22फिन यरूसलेम मँ समर्पण क त्यौहार* आइ गवा।
जाड़ा का दिन रहा। 23ईसू मंदिर मँ सुलैमान क दलान मँ
ठहरत रहा। 24उहइ समइ यहूदियन ओका घेर लिहेन
अउर कहेन, "तू हमका सबेन्ह का कब तलक परेसान
करत रहब्या? जदि तू मसीह अह्या तउ साफ साफ
बतावा।"

25ईसू जवाब दिहेस, "मइँ तोहका बताइ चुका अहउँ
अउर तू बिसवास नाहीं करत अहा। उ सबइ काम जउन
मइँ पिता क नाउँ प करत अहउँ, खुदइ मोर साच्छी
अहइँ। 26मुला तू सबेन्ह बिसवास नाहीं करत अहा, काहेकि
तू पचे मोरी भेड़िन मँ स न अह्या। 27मोर भेड़ मोर
आवाज पहिचानत हीं अउर मइँ ओनका जानित अहउँ।
उ सबइ मोरे पीछे पीछे चलत हीं अउर मइँ ओनका
पहिचानित ह। 28उ सबइ मोरे पीछे पीछे चलत थीं अउर
मइँ ओनका अनन्त जीवन देइत ह। ओनकइ कबहूँ नास
नाहीं होतइ, अउर न तउ केहू ओनका मोसे छीन पाई।
29मोर परमपिता ओन सबन क दिहे अहइ, जउन सबसे
महान अहइ। ओनका मोरे परमपिता स कउनो भी नाहीं
छीन सकत। 30मोर परमपिता अउर मइँ दुइनउँ एक
अही।"

31फिन यहूदियन ईसू क मारइ क बदे पाथर उठाइ
लिएन्ह। 32ईसू ओनसे कहेस, "अपने परमपिता क तरफ
स मइँ तू पचे क बहुत नीक नीक कारज देखाएउँ।
ओहमाँ स कउने काम क एवज मँ तू सबेन्ह मोका
पत्थर मारइ चाहत अहा?"

33यहूदियन जवाब दिहेन, "हम पचे तोहरे ओन सभी
नीक काम प पाथर नाहीं मारत अही, मुला इ बदे अइसा
करत अही कि तू परमेस्सर क अपमान करे अहा
अउर मनई होत भए खुदइ क परमेस्सर कहत अहा।"

34ईसू जवाब दिहेस, "का इ तोहरे व्यवस्था मँ नाहीं
लिखा अहइ, 'मइँ कहेउँ कि तू सब जने परमेस्सर
अह्या?'* 35का हियाँ परमेस्सर ओनका नहीं कहा ग
अहइ जेनका परमेस्सर क संदेस मिल चुका बाटइ?
(अउर पवित्तर सास्तर क बात काटी नाहीं जाइ सकत)
36का तू परमेस्सर क अपमान करत अहा ओकरे बदे
कहत अहा, जेका परमपिता इ दुनिया मँ अर्पण कइके
भेजे अहइ, केवल इ बदे की मइँ इ कहेउँ, 'मइँ परमेस्सर
क पूत अहउँ?' 37जदि मइँ अपने परमपिता क कारज
नाहीं करत अहउँ तउ मोर बिसवास जिन करा, 38मुला
जदि मइँ अपने परमपिता क कारज करत अहउँ, अउर
तू मोर बिसवास नाहीं करत अहा, तउ मोरे कारण
बिसवास करा जइसे कि तू इ जानि सका कि पिता मोरे
अन्दर अहइ अउर मइँ पिता मँ अहउँ।"

39इ सुनि क यहूदी एक बार फिन ओका बंदी बनावइ
क कोसिस किहेन मुला ईसू ओनके हाथ स निकरि
गवा।

40ईसू फिन हुआँ स हट कर यरदन क दूसरे पार उ
जगह चला गवा जहाँ प यूहन्ना बपतिस्मा देत रहा। ईसू
हुवाँ ठहरा, 41तमाम मनई ओकरे पास आएन अउर
कहइ लागेन, "यूहन्ना कउनो अद्भुत कारज नाहीं करेस
मुला इ मनई क बारे मँ जउन कछू कहे रहा, उ
बिल्कुल सही निकरा।" 42फिन हुवाँ तमाम मनई ईसू मँ
बिसवास करइ लागेन।

लाजर क मउत

11 बैतनिय्याह क लाजर नाउँ क एक ठु मनई बीमार
रहा। इ उहइ सहर रहा जहाँ प मरियम अउर
ओकर बहिन मार्था रहत रहिन। 2(मरियम उ स्त्री रही
जउन पर्भू क ऊपर इतर डाए रही अउर अपने मुँड़े क
बारे स ओकर गोड़ पोंछे रही। लाजर नाउँ क रोगी
ओकर भाई रहा।) 3इ बहिनियन ईसू क लगे समाचार
भेजे रहिन, "पर्भू, जेहिका तू मया करत अहा उ बीमार
अहइ।"

4ईसू जब इ सुनेस तउ उ बोला, "इ बीमारी जान लेवा
नाहीं अहइ। इ तउ परमेस्सर क महिमा परगट करइ क
बदे अहइ। इहइ स परमेस्सर क पूत क महिमा मिली।"
5(ईसू मार्था ओकर बहिन अउर लाजर क पियार करत
रहा।) 6इ बदे जब उ सुनेस कि लाजर बीमार होइ गवा
अहइ, तब जहाँ उ ठहरा रहा, हुवाँ दुइ दिन अउर रुक
गवा। 7फिन ईसू अपने चेलन स कहेस, "आवत जा हम
सब यहूदिया लौटि चली।"

8इ सुनिके ओकर चेलन कहेन, "गुरु, कछू दिन
पहेल यहूदी नेता तोहरे ऊपर पथराव करइ क कोसिस
करे रहेन अउर तू फिन हुवाँ जात अहा?"

समर्पण क त्यौहार समर्पण क त्यौहार दिसम्बर क एक
ठु खास हफ्ता जेका यहूदी मानत हीं।

'मइँ ... अह्या' भजन 82:6

9ईसू जवाब दिहेस, "का एक दिन मँ बारह घंटा नाही होतेन। जउ कउनो मनई दिन क रोसनी मँ चलत ह तउ उ ठोकर नाहीं खात, काहेकि उ इ दुनिया क रोसनी क देखत ह। 10मुला जदि कउनो रात मँ चलत ह तउ ठोकर खाइ क गिर जात ह, काहेकि रोसनी नाहीं रहत।"

11उ फिन इ कहेस अउर ओनसे बोला, "हमार मीत लाजर अबहीं सोवत अहइ मुला मइँ ओका जगावइ जात अहउँ।" 12फिन ओकर चेलन ओसे कहेन, "पर्भू, जदि ओका नींद आइ ग अहइ तउ उ नीक होइ जाई।"

13ईसू लाजर क मउत क बाबत बतावत रहा मुला ओकर चेलन सोचेन कि उ प्राकृतिक नींद क बारे मँ कहत बाटइ। 14इ बदे ईसू ओनसे साफ साफ कहेस, "लाजर मरि गवा अहइ। 15मइँ तोहरे बदे खुस अहउँ कि मइँ हुवाँ नाहीं रहेउँ। इ बदे कि अब तू पचे मोरे मँ बिसवास करि सकत ह। आवा अब हम ओकरे पास चली।" 16फिन थोमा, जेका लोग दिदुमुस कहत रहेन, दूसरे चेलन स कहेस, "आवा हमहूँ सबइ पर्भू क पास चली जइसे कि हमहूँ सबे उहइ क साथे मर सकी।"

बैतनिय्याह मँ ईसू

17इ तरह स ईसू चला गवा अउर हुवाँ जाइके उ पाएस कि लाजर क कब्र मँ रखे चार दिन होइ चुका रहेन। 18(बैतनिय्याह यरूसलेम स करीब तीन किलोमीटर दूर रहा) 19भाई क मउत पर मार्था अउर मरियम क तसल्ली दियावइ क बदे अउर तमाम यहूदी आवा रहेन।

20जब मार्था सुनेस कि ईसू आवा अहइ तउ उ ओसे मिलइ क बास्ते गइ। मरियम घरे मँ रुकी रही, 21हुआँ जाइके तब मार्था ईसू स कहेस, "पर्भू, जदि तू हियाँ होत्या तउ मोर भाई न मरत। 22मुला मइँ जानत अहउँ कि तू अबहूँ अगर परमेस्सर स जउन कछू मँगब्या, उ तोहका देई।"

23ईसू ओसे कहेस, "तोहार भाई जी उठी।"

24मार्था ओसे कहेस, "मइँ जानित ह कि पुनरुत्थान क आखिरी दिन लोग जिवावा जइहीं।"

25ईसू ओसे कहेस, "मइँ पुनरुत्थान अहउँ अउर मइँ जीवन अहउँ जउन मनई मोहमाँ बिसवास करत ह, जी उठी। 26अउर उ मनई जउन जियत ह अउर मोहमाँ बिसवास करत ह, कबहूँ न मरी। का तू एँहमा बिसवास करति अहा?"

27उ ईसू स बोली, "हाँ पर्भू, मइँ बिसवास करित ह कि तू मसीह अह्या, उहइ परमेस्सर क पूत, जउन इ दुनिया मँ आवइवाला रहा।"

ईसू रोय दिहेस

28फिन एँतना कहि क उ हुवाँ स चली गइ अउर अपने बहन क अकेले मँ बोलाइके बोली, "गुरु हियाँ अहइ, अउर तोहका बोलावत अहइ।" 29जब मरियम इ सुनेस तउ उ तुरन्त उठिके ओसे मिलइ क चलि दिहेस। 30ईसू अबहुँ तलक गाँव मँ नाहीं आवा रहा। अबहीं उ उहइ जगह रहा जहाँ मार्था ओसे मिली रही। 31फिन जउन यहूदी घरे प ओका तसल्ली देत रहेन, जब मरियम क झटपट उठिके जात देखेन तउ इ सोचेन कि उ कब्र प रोवइ क बदे जात अहइ, इ बदे उ पचे ओकरे पीछे चल दिहेन। 32मरियम जब हुवाँ पहुँची, जहाँ ईसू रहा तउ ईसू क देखिके ओकरे गोड़े प गिर पड़ी अउर बोली, "पर्भू, जउ तू हियाँ होत्या तउ मोर भाई न मरत।"

33ईसू जउ ओका अउर ओकरे साथ आए रहेन यहूदियन क रोअत चिल्लात देखेस तउ ओकर आतिमा तड़पइ अउर उ बहुत ब्याकुल होइ लाग। उ बहुत घबराइ गवा। 34अउर बोला, "तू ओका कहाँ रखे अहा?" उ पचे ओसे बोलेन्ह, "पर्भू आवा अउर देखा।" 35ईसू क फूटि फूटिके रोवइ लाग।

36इ देखिके यहूदी कहइ लागेन, "देखा! इ लाजर क बहोत पियार करत ह!"

37 मुला ओहमाँ स कछू कहेन, "इ मनई जउन आँधरे का आँखी दिहेस, का लाजर क मरइ स बचाइ नाहीं सकत?"

ईसू लाजर क फिन जिआइ दिहेस

38तउ ईसू अपने मन मँ एक दाईं फिन विचलित होइ गवा अउर कब्र कइँती गवा। उ एक गुफा रही अउर ओकर दरवाजा एक ठु चट्टान स ढका रहा। 39ईसू कहेस, "इ चट्टान क हटावा।"

जउन मनई मरा रहा, ओकर बहिन मार्था कहेस, "पर्भू अब तलक तउ हुवाँ स गन्ध आवइ लाग, काहेकि ओका दफनाए चार दिन होइ गएन।"

40ईसू ओसे कहेस, "का मइँ तोह स कहे नाहीं कि जउ तू बिसवास करबू तउ परमेस्सर क महिमा का दर्सन पउबू।"

41तउ उ पचे उ चट्टान क हटाय दिहेन। अउर ईसू आपन आँखी ऊपर उठाइके कहेस, "परमपिता, मइँ तोहार धन्यबाद करत अहउँ, इ बदे कि तू मोर सुनि लिहा।

42मइँ जानित ह कि तू हमेसा मोर बात सुनि लेत ह मुला मइँ हियाँ चारिउँ तरफ इकट्ठा भीड़ स कहे अही जइसे लोग बिसवास कर लेइँ कि मोका तू भेजे अहा।" 43इ कहिके उ बड़े जोर की आवाज़ दइके बोलाएस, "लाजर बाहर आइ जा!"

44उ मनई जउन मरि ग रहा, बाहर आइ गवा। ओकर हाथ गोड़ अबहुँ तक कफन स बंधा रहेन। ओकर मुँह कपरा स लिपटा रहा।

ईसू ओन लोगन स कहेस, "एका खोल द्या अउर जाइ द्या।"

यहूदी नेतन क ईसू क मारि डाइ क साजिस

(मत्ती 26:1-5; मरकुस 14:1-2; लूका 22:1-2)

45एकरे बाद मरियम क साथ आए यहूदियन मँ स
तमाम ईसू क इ काम देखिके ओह प बिसवास करइ
लागेन। 46मुला ओहमाँ स कछू फरीसियन क लगे गएन
अउर जउन कछू ईसू करे रहा, ओनका बताएन। 47फिन
मुख्ययाजकन अउर फरीसियन यहूदी महासभा क बैठक
बोलाएन अउर कहेन, "हमका सबेन्ह क अब का करइ
चाही? इ मनई बहुत अद्‌भुत कारजन देखॉवत अहइ।
48अगर हम पचे एका अइसे करइ देब तउ ओकरे
ऊपर सब बिसवास करइ लगिहइँ अउर इ तरह स रोमी
लोग हियाँ आइ जइहीं अउर हमरे मंदिर क अउर हमरे
देस क बरबाद कइ देई।" 49मुला उ साल क
मुख्ययाजक काइफा ओनसे कहेस, "तू पचे कछू नाहीं
जानत अहा। 50अउर तोहका सबेन्ह क इहउ समझ
नाहीं अहइ कि इहइ करइ मँ तोहार फायदा अहइ,
अपनी सारी जात क बचावइ क बदे सबके फायदे क
बदे एक मनई क मारइ क होई।"

51इ बात उ अपनी तरफ स नाहीं कहे रहा, मुला उ
साल क मुख्ययाजक होइ क नाते इ भविस्सबाणी किहे
रहा कि ईसू यहूदी राष्ट क बदे मरइ जात अहइ, 52केवल
यहूदी राष्ट क बदे नाहीं बल्कि परमेस्सर क संतान क
बदे जउन तितर–बितर अहइ ओनका इकट्‌ठा करइ क
बदे।53इ तरह स उही दिन स उ पचे ईसू क मारइ क
साजिस करइ लागेन। 54ईसू फिन यहूदियन क बीच मँ
खुलके नाहीं आवा अउर यरूसलेम छोड़के उ निरजन
रेगिस्तान क लगे इफ्राईम सहर जाइके अपने चेलन क
साथे रहइ लाग। 55यहूदियन क फसह क त्यौहार
आवइवाला रहा। तमाम मनई अपने अपने गाँव स यरूसलेम
चला गएन, जइसे कि फ़सह क त्यौहार क पहले खुद क
पवित्तर कइ लेइँ। 56उ पचे ईसू क खोजत रहेन। इ बदे
जउ उ सबेन्ह मंदिर मँ खड़ा रहेन तउ आपस मँ एक
दूसरे स पूछब, सुरु करेन्ह, "तू सबेन्ह का सोचत अहा,
का उ इ त्यौहार मँ ना आई?" 57फिन मुख्ययाजकन
अउर फरिसियन इ आदेस दिहेन कि एकइ पता लगावा
जाइ कि का कउनो जानत ह कि ईसू कहाँ अहइ, तो उ
बताइ देइ, जेहसे कि उ ओका बन्दी बनाइ सकइँ।

ईसू बैतनिय्याह मँ अपने दोस्तन क साथ

(मत्ती 26:6-13; मरकुस 14:3-9)

12 फसह क त्यौहार क छ: दिन पहले ईसू बैतनिय्याह
कइँती चल दिहेस। हुवाँ लाजर रहत रहा जेहिका
ईसू मरे स जिआइ दिहे रहा। 2हुवाँ ईसू क बदे उ पचे
खाना बनवाएन। मार्था ओका खाना परोसेस। ईसू क
साथे खाना खाइवालेन मँ लाजर सामिल रहा। 3मरियम
जटामॉसी स बनावा आधा आधा लीटर मँहगा इतर ईसू
क पैर मँ लगाएस अउर अपने बालन स ओकर पैर
पोछेस। समूचा घर महकइ लाग। 4ओकरे चेलन मँ एक
यहूदा इस्करियोती रहा, जउन ओका धोखा देइवाला
रहा, उ कहेस, 5"इ इतर क 300 चाँदी क सिक्कन मँ
बेच के गरीबन क पइसा काहे नाहीं दीन्ह गवा?" 6ओका
गरीबन क कउनो चिन्ता नाहीं रही, इ बदे उ अइसी बात
नाहीं कहेस मुला उ खुदइ चोर रहा अउर रुपियन क
थैली हमेसा ओकरे पास रहत रही। ओहमाँ जउन रुपिया
डावा जात रहा, उ उहइ मँ स चोराइ लेत रहा। 7तउ ईसू
कहेस, "रहइ द्या। ओका छाँड़ि द्या। उ आज इ सब
मोका गाड़े जाइ क तैयारी क वास्ते करेस। 8गरीब लोग
तउ हमेसा तोहरे साथे रहिहीं मुला मइँ तोहरे साथे हमेसा
न रहब।"

लाजर क खिलाफ साजिस

9फसह क त्यौहार प आए यहूदियन क तमाम भीड़
क जब पता चला कि ईसू बैतनिय्याह मँ अहइ तउ ओसे
मिलइ चल दिहेस। उ भीड़ केवल ईसू स मिलइ क बदे
नाहीं आइ रही, मुला लाजर क देखइ क बदे आइ रही।
लाजर क मरइ क बाद ईसू फिन जीवित कइ दिहेस
रहा। 10इही बदे मुख्ययाजकन लाजर क भी मारइ क
तरकीब सोचइ लागेन। 11काहेकि ओहि क कारण तमाम
यहूदी जनता अपने अपने नेता क छोड़िके ईसू मँ बिसवास
करइ लाग।

ईसू क यरूसलेम मँ जाब:

(मत्ती 21:1-11; मरकुस 11:1-11; लूका 19:28-40)

12दूसरे दिन फ़सह क त्यौहार प आई भीड़ जब इ
सुनेस कि ईसू यरूसलेम आवत अहइ तउ 13लोग खजूर
क टहनी लइके ओसे मिलइ चल पड़ेन। उ पचे गोहरावत
रहेन,

> "होसन्ना! * धन्य अहइ उ जउन पर्भू क नाउँ
> स आवत ह,उ जउन इस्राएल क राजा अहइ।"
> *भजन संहिता 118:25-26*

14तब ईसू क एक गदहा मिला अउर उ ओकरे
ऊपर चढ़ि लिहेस। जइसा कि पवित्तर सास्तर मँ लिखा
अहइ:

> 15"सिय्योन क पुत्री,* डेराअ जिन!देखा! तोहार
> राजा गदहे क बच्चा प बइठके आवत अहइ।"
> *जकर्याह 9:9*

होसन्ना होसन्ना यूनानी सब्द परमेस्सर स मदद बरे। इ समइ साइद इ आनन्द क जोरदार अवाज परमेस्सर क स्तुति या ओकरे मसीह बरे रही।

सिय्योन क पुत्री यानी यरूसलेम।

16पहिले तउ ओकर चेलन ओकरे व्यवहार क
नाहीं समझ पाएन्ह लेकिन जब ईसू क महिमा परगट भइ
तउ समझ पाएन कि सास्तर मँ ओकरे बारे मँ सब बात
लिखी रहिन अउर तमाम मनई क ओकरे बारे मँ
अइसा बरताब रहा।

ईसू क बावत लोगन क बतिआब

17ओकरे साथ जउन भीड़ रही, उ इ साच्छी दिहेस
कि उ लाज़र क कब्र स बोलाइके मरे स फिन जिआइ
दिहेस। 18तमाम लोग ओसे मिलइ क बदे इहइ बरे आइ
रहेन काहेकि उ पचे सुने रहेन कि इ अद्भुत कारज
करइवाला उहइ आहइ। 19तउ फरीसी आपस मँ कहइ
लागेन, "सोचा तू सबेन्ह कछू नाहीं कइ पावत अहा
अउर देखा पूरी दुनिया ओकरे पीछे पड़ गइ अहइ।"

मउत क बावत ईसू क बताउब

20फसह क त्यौहार प यरूसलेम मँ आराधना
करइवालेन मँ कछू यूनानी रहेन। 21उ सबेन्ह गलील मँ
बैतसैदा क रहइवाले फिलिप्पुस क लगे गएन अउर
ओसे कहइ लागेन, "महासय, हम पचे ईसू क दर्सन करा
चाहत अही।" तउ फिलिप्पुस आइके अन्द्रियास स बताएस।
22फिन अन्द्रियास अउर फिलिप्पुस ईसू क पास आइके
कहेन। 23ईसू ओनका जवाब दिहेस, "मनई क पूत क
महिमावान होइ क समइ आइ ग बाटइ। 24मइँ तोहसे
सही सही बतावत अहउँ कि जब तलक गेहूँ क एक
दाना जमीन प गिरके मर नाहीं जात, तब तक उ एकइ
रहत ह, मुला जउ उ मरि जात ह तउ अनगिनत दानन
क पइदा करि देत ह। 25जेका आपन जिन्नगी पियारी
अहइ, उ ओका खोइ देइ, मुला जेका इ दुनिया मँ अपनी
जिन्नगी स पिरेम नाहीं अहइ, उ एँका अनन्त जीवन क
वास्ते रखे रही। 26जउ कउनो मोर सेवा करत ह हउ उ
जरूर मोर पाछा करत ह अउर जहाँ मइँ अही, हुवाँ मोर
सेवक भी रही। जउ कउनो मोर सेवा करत ह तउ
परमपिता ओकर सम्मान करी।

ईसू अपनी मउत क तरफ इसारा किहेस

27"अब मोर जिअरा घबरात अहइ। मइँ का कहउँ,
'हे परमपिता, मोका दुःख क इ घड़ी स बचावा?' मुला
इहइ समइ क बदे तउ मइँ आइ अहउँ। 28हे परमपिता,
अपने नाम क महिमा द्या!"

तउ आकासवाणी भइ, "मइँ एकर महिमा किए अहउँ
अउर मइँ फिन एँकर महिमा करब।"

29तउ हुवाँ मौजूद भीड़, जउन एक सुने रहेन, कहइ
लाग कि कउनो बादर गरजा बाटइ। दूसर इ कहइ लगेन,
"कउनो सरगदूत ओसे बतिआन ह।"

30एँकरे जवाब मँ ईसू कहेस, "इ आकासबाणी मोरे
बदे नाहीं भइ, इ तोहरे बदे भइ रही। 31अब इ दुनिया क
निआव क समइ आइ ग बाटइ। अब इ दुनिया क
सासक (हियाँ प मतलब अहइ सइतान) क निकारँ दीन्ह
जाई। 32अउर जउ मइँ धरती क ऊपर उठाइ लीन्ह
जाबइ तउ फिन सब लोगन क अपनी ओर खींचब।"
33उ इ बतावइ क बदे अइसा कहत रहा कि उ कइसी
मउत मरइ जात अहइ।

34इ सुनिके भीड़ ओका जवाब दिहेस, "हम पचे
व्यवस्था क इ बात सुने अही कि मसीह हमेसा रही। इ
बदे तू कइसे कहत अहा, 'मनई क पूत क जहर स
ऊपर उठाइ लीन्ह जाई'? इ 'मनई क पूत' कउन अहइ?"
35तउ ईसू ओनसे कहेस, "तोहरे बीच मँ ज्योति अबे
कछू समइ अउर रही। जब तक ज्योति अहइ, चलत
रहा, जइसे कि अँधियारा (पाप) तोहका घेर न लेइ,
काहेकि जउन मनई अँधेरे मँ चलत ह, उ इ नाहीं जानत
कि कहाँ जात अहइ। 36जउ तक ज्योति तोहरे लगे
अहइ, ओहमाँ बिसवास बनाए रखा जइसे कि तू पचे
ज्योति क सन्तान होइ सका।" ईसू इ कहिके कहूँ चला
गवा अउर ओनसे छिप गवा।

यहूदी क ईसू मँ बिसवास न करब

37ईसू ओनके सबके सामने तमाम अद्भुत कारजन
परगट किहेस मुला उ पचे ओकरे मँ बिसवास नाहीं
किएन्ह 38जइसे कि नबी यसायाह क कहब सही होइ
सकइ,

> "पर्भू, मोरे संदेस प कउन बिसवास किहे
> अहइ?" काहेकि ऊपर पर्भू क ताकत केह
> पइ परगट भइ अहइ?"
>
> *यसायाह 53:1*

39इहइ बदे उ सब बिसवास नाहीं कइ सकेन। काहेकि
यसायाह फिन कहे रहा,

> 40"उ ओनकइ आँखी आँधर अउर ओनकइ
> हिरदय कठोर बनाएस जइसे, उ पचे अपनी
> आँखी स देख न सकइँ अउर बुद्धि स समझ
> न पावइँ अउर मोरी कइँती न मुड़इँ, जइसे
> कि मइँ ओनका चंगा न कइ पाई।"
>
> *यसायाह 6:10*

41यसायाह अइसा इ बदे कहे रहा, काहेकि उ ओकर
महिमा देखे रहा अउर ओकरे बारे मँ बतियान भी रहा।

42तबहूँ तमाम लोग अइसे रहेन, जेहिमाँ तमाम यहूदी
नेतन रहेन जे ओहमाँ बिसवास किएन्ह। मुला फरीसियन
क डर क मारे अपने बिसवास क खुलासा नाहीं किएन्ह,
नाहीं तउ ओनका सबेन्ह क पराथना क जगह स निकारि
देइ क डर रहा। 43ओनका सबेन्ह क मनई क दीन्ह

सम्मान परमेस्सर क दीन्ह सम्मान स जियादा अच्छा लागत रहा।

ईसू क उपदेस प मनई क निआव होई

44ईसू बोलॉइके जोर स कहेस, "उ जउन मोरे मँ बिसवास करत ह, उ मोरे मँ नाहीं, बल्कि ओकरे मँ बिसवास करत ह जउन मोका भेजेस। 45अउर जउन मनई मोका देखत ह, उ ओका देखत ह जउन मोका भेजेस। 46मइँ दुनिया क रोसनी क तरीके स आवा जइसे कि जउन मनई मोरे मँ बिसवास करत ह, उ अँधेरे मँ न रहइ।

47"जदि कउने मनई मोर बात सुनिके ओका नाहीं मानत तबहूँ मइँ ओका अपराधी नाहीं मानित, इ बदे कि मइँ दुनिया क अपराधी ठहरावइ क बदे नाहीं आइ अही, मइँ तउ दुनिया क उद्धार क वास्ते आइ अही। 48जउन मनई मोका नाहीं मानत अउर हमरी बातन क नाहीं मानत, ओकरे बदे एकइ अहइ जउन ओकर निआव करी। उ उहइ अहइ, अपनी बातन स जेहिका मइँ उपदेस दीन्ह। आखिरी दिन उहइ ओकर निआव करी। 49काहेकि मइँ अपनी तरफ स कछू नाहीं कहे अही, मइँ परमपिता (परमेस्सर) क आदेस क पालन करत अही, जउन मोका भेजेस, उ मोका बताए अहइ कि मइँ का उपदेस देइ। 50अउर मइँ जानित ह कि ओकरे आदेस क मतलब अहइ अनन्त जीवन। इ बदे जउन मइँ बोलित ह, उहइ क ठीक उहइ अहइ जउन परमपिता मोसे कहे अहइ।"

ईसू अपने चेलन क गोड़ धोएस

13 फसह क त्यौहार क पहले ईसू देखेस कि इ दुनिया क छोड़इ अउर परमपिता क पास जाइ क ओकर समइ आइ गवा अहइ तउ इ दुनिया मँ जउन आपन रहेन अउर जेका उ पिरेम करत रहा, ओनके ऊपर उ बहुत जियादा पिरेम देखॉएस।

2संझा क खाना खावा जात रहा। सइतान अब तलक समौन क बेटवा यहूदा इस्करियोती क मन मँ इ डाइ चुका रहा कि उ ईसू क धोखे स पकड़वाइ देइ। 3ईसू इ जानत रहा कि परमपिता सब चीज ओकरे हाथन मँ सौंप दिहे अहइ अउर परमेस्सर स आवा बाटइ, अउर परमेस्सर क पास वापस जात अहइ। 4इ बदे उ खाना छोड़के ठाढ़ होइ गवा। उ आपन ऊपर क सब कपरा उतार दिहेस अउर एक ठु अँगौछा अपने चारों तरफ लपेट लिहेस। 5फिन एक ठु घड़ा मँ पानी भरेस अउर अपने चेलन क पाँव धोअइ लाग अउर जउन अँगौछा लपेटे रहा, उहइ स सबकइ पाँव पोंछइ लाग।

6फिन जउ उ समौन पतरस क लगे पहुँचा तउ पतरस ओसे कहेस, "पर्भू, का तू मोर इ पाँव धोअइ आवत अहा?"

7एँकरे जवाब मँ ईसू कहेस, "अबहीं तू नाहीं जानत अहा कि मइँ का करत अही, बाद मँ तू जान जाब्या।"

8पतरस ओसे कहेस, "तू मोर पाँव कबहूँ नाहीं धोउब्या।" ईसू जवाब दिहेस, "जउ तोहार पाँव मइँ न धोउब तउ तू मोरे लगे जगह नाहीं पाइ सकत्या।"

9समौन पतरस ओसे कहेस, "पर्भू, तू मोर पाँव नाहीं मोर हाथ अउर मँड़उ क धोइ द्या।"

10ईसू ओसे कहेस, "जे नहाइ चुका अहइ, ओका पैर धोअइ क अलावा अउर कउनो चीज धोअइ क जरूरत नाहीं अहइ। उ तउ पूरी तरह साफ सुथरा होत ह। तू पचे साफ अहा, मुला सब जने नाहीं।" 11उ ओका जानत रहा जउन ओका धोखे स पकड़वावा चाहत रहा। इ बदे उ कहे रहा, "तोहरे मँ स सब पवित्तर नाहीं अहइँ।"

12जब उ सबक पाँव (गोड़) धोइ लिहेस तउ फिन स आपन बाहरी कपड़ा पहिर लिहेस अउ, अपनी जगह प आइके बइठ गवा। अउर ओनसे बोला, "का तोहका मालूम अहइ कि मइँ तोहरे बदे का किहेउँ? 13तू पचे मोका 'गुरु' अउर 'पर्भू' कहत ह, अउर ठीक कहत ह, काहेकि मइँ उहइ अही। 14इ बदे जउ मइँ पर्भू अउर गुरु होइके तोहार पचे का पाँव धोवा तउ तोहका सबेन्ह क एक दूसरे क पाँव धोवइ चाही। मइँ तोहरे सामने एक उदाहरनण पेस करत अही। 15तू पचे दूसरे क साथ वइसे करा जइसे मइँ तोहरे साथ करत अही। 16मइँ तोहका सच्ची बात बतावत अही कि दास मालिक स बड़ा नाहीं होत अउर संदेस देइवाला ओसे बड़ा नाहीं होत जउन ओका भेजेस। 17जउ तू पचे इ बात जानत अहा अउ ओकर पालन करब्या तउ तू पचे सुखी रहब्या।

18"मइँ तोहरे सबेन्ह क बारे मँ नाहीं कहत अहउँ। मइँ ओनका जानित ही जेनका मइँ चुने अहउँ। अउर इहउ कि यहूदा बिसवासघाती अहइ मुला मइँ इ बदे चुने अही जइसे कि पवित्तर सास्तर क बचन सही उतरइ, 'उहइ जउन मोरे साथ रोटी खाएस, मोरे विरोध मँ होइ गवा।' 19इ सब घट जाइ क पहले मइँ इ बदे बतावत अहउँ जइसे कि जउ इ घटित होइ जाइ तउ तू पचे बिसवास करा कि उ मइँ अहउँ। 20मइँ तोहका सही सही बतावत अहउँ कि उ जउन मोरे भेजा गवा क लइ लेत ह, उ मोका स्वीकार कर लेत ह, अउर जउन मोका स्वीकार कर लेत ह, ओका स्वीकार कर लेत ह, जे मोका भेजेस।"

ईसू क कहब: मरवावइ क बदे ओका कउन पकड़वाई

(मत्ती 26:20-25; मरकुस 14:17-21; लूका 22:21-23)

21इ कहे क बाद ईसू बहुत घबड़ाइ गवा अउर इ साच्छी दिहेस, "मइँ तोहसे सच्ची बात कहत अहउँ तोहरे मँ स एक ठु मनई धोखा दइके मोका पकड़वाई।"

22तब ओकर चेलन एक दूसरे क देखइ लागेन। उ
पचे इ तय नहीं कइ पावत रहेन कि उ केहिके बारे मँ
बतावत अहइ।
23ओकर एक चेला ईसू क लगे बइठा रहा। ईसू
ओका बहुत चाहत रहा। 24तउ समौन पतरस ओका
इसारा कइके पूछइ क बदे कहेस कि ईसू केकरे बारे मँ
बतावत अहइ।
25ईसू क चहेता चेला ओकरी छाती प झुकके ओसे
पूछेस, "पर्भू उ कउन अहइ?"
26ईसू जवाब दिहेस, "रोटी क टुकड़ा कटोरा मँ बोर
के जेका मइँ देब, उहइ उ अहइ।" फिन ईसू रोटी क
टुकड़ा कटोरा मँ बोर के ओका उठाइके समौन क
बेटवा यहूदा इस्करियोती क दिहेस। 27जइसे यहूदा रोटी
क टुकड़ा लिहेस ओहमा सइतान समाइ गवा। फिन ईसू
ओसे कहेस, "जउन तू करइ जात अहा, ओका जल्दी स
कइ ल्या!"
28मुला हुवाँ बइठे लोगन मँ स केहू नहीं समझ पाएस
कि ईसू ओसे अइसी बात काहे करत अहइ। 29कछू
सोचेन कि रुपियन क थैली यहूदा क लगे रहत ह, इ बदे
ईसू ओसे कहत अहइ कि 'त्यौहार' क बदे जरूरी सामान
खरीद ल्या या इ कहत अहइ कि गरीबन क कछू दइ
द्या। 30इ बदे यहूदा रोटी क टुकड़ा लइ लिहेस अउर
तुरन्त चला गवा। इ रात क समइ रहा।

अपनी मउत क बावत ईसू क बात

31ओकरे चला जाइ क बाद ईसू कहेस, "मनई क
पूत अब महिमावान भवा अहइ। अउर ओसे परमेस्सर
क महिमा भइ अहइ। 32जदि ओसे परमेस्सर क महिमा
भइ अहइ तउ परमेस्सर खुदइ स ओका महिमावान
बनाई। अउर उ ओका जल्दी महिमा देइ।
33"ऐ मोर चहेते बच्चो! मइँ तनिक देर अउर तोहरे
साथ अहउँ। तू पचे मोका ढूँढ़िब्या अउर जइसे कि मइँ
यहूदियन स कहे अहउँ, तू सबेन्ह हुवाँ नाहीं जाइ सकत्या,
जहाँ मइँ जात अहउँ, वइसे मइँ तोहसे अब कहत अहउँ।
34"मइँ तोहका सबेन्ह क एक नवा आदेस देत अहउँ
कि तू सबेन्ह एक दूसरे स पिरेम करा। जइसे मइँ तोहसे
सबेन्ह स पिरेम करेउँ ह, वइसे तू पचे एक दूसरे स
पिरेम करा। 35जउ तू पचे एक दूसरे स पिरेम करब्या,
तबहीं सब जानि पइहीं कि तू सबेन्ह मोर चेलन अह्या।"

ईसू क बताउब पतरस ओका पहिचानइ स मना कइ देई

(मत्ती 26:31-35; मरकुस 14:27-31; लूका 22:31-34)

36समौन पतरस ओसे पूछेस, "पर्भू, तू कहाँ जात
अहा?" ईसू जवाब दिहेस, "जहाँ मइँ जात हउँ, अब तू
मोरे पाछे नाहीं आइ सकत्या, मुला तू बाद मँ मोरे पाछे
अउब्या।"
37पतरस ओसे पूछेस, "पर्भू, मइँ तोहरे पाछे काहे बदे
नाहीं आइ सकत? मइँ तउ तोहरे बदे आपन जान तक
दइ देब!" 38ईसू जवाब दिहेस, "तू मोरे लिए आपन जान
देब्या? मइँ तोहसे सच्ची बात कहत अहउँ कि जब तलक
तू तीन दाईं इन्कार न कइ देब्या तब तक एक मुर्गा बाँग
न देई।"

ईसू क चेलन क समझाऊब

14 ईसू कहेस, "तू सबनक परेसान न होइ चाही।
परमेस्सर मँ बिसवास करा अउर मोरे मँ बिसवास
बनाए रखा। 2मोरे पिता क घरे मँ तमाम कमरा अहइँ।
जदि अइसा न होत तउ मइँ तोहसे कहि देइत) मइँ तोहरे
सबेन्ह क बदे जगह बनावइ जात अहउँ। 3अउर जदि मइँ
हुवाँ जाई अउर तोहरे बदे जगह बनाई तउ मइँ फिन
हिआँ अउबइ अउर अपने साथ तोहका सबेन्ह क हुवाँ
लइ चलब जइसे कि तू पचे हुवाँ रहा, जहाँ मइँ रहब।
4अउर जहाँ मइँ जात अहउँ हुवाँ क रास्ता तोहका पता
अहइ।"
5थोमा ओसे कहेस, "पर्भू, हम नाहीं जानत अही कि
तू कहाँ जात अहा। फिन हुवाँ क रास्ता कइसे जान
सकित ह?"
6ईसू ओसे कहेस, "मइँ रास्ता अहउँ, सच्चाई अहउँ
अउर जीवन अहउँ। मोरे बगैर कउनो परमपिता क लगे
नाहीं आइ सकत। 7जदि तू मोका जान लेत्या तउ तू
परमपिता क जान लेत्या। अउर तू ओका जानत अहा
अउर ओका देखिउ चुका अहा।"
8फिलिप्पुस ओसे कहेस, "पर्भू, हमका परमपिता क
दर्सन कराइ द्या। हमका संदोख होइ जाई।"
9ईसू ओसे कहेस, "फिलिप्पुस मइँ एँतने जियादा
समइ स तोहरे साथ अहउँ अउर तू तबहूँ मोका नाहीं
जानत अहा? जे मोका देख लिहेस, उ परमपिता क देख
लिहेस। फिन तू कइसे कहत अहा, 'हमका परमपिता क
दर्सन कराइ द्या।' 10का तोहका इ बिसवास नाहीं अहइ
कि मइँ पिता अही अउर परमपिता मोरे मँ अहइ? जउन
बात मइँ तोहसे कहत अहउँ, अपनी तरफ स नाहीं कहत
अहउँ। पिता जउन मोरे मँ रहत ह, आपन काम करत
ह। 11जदि मइँ कहत अहउँ कि मइँ परमपिता मँ अहउँ
अउर परमपिता मोरे मँ अहइ, तउ मोर बिसवास करा
अउर जदि नाहीं तउ उ अद्भुत कारजन क कारण
बिसवास करा जउन मइँ किहेउँ ह। 12मइँ तोहसे सच्ची
बात कहत अही, जउन मोरे मँ बिसवास करत ह, उहइ
वइसे काम करत ह जइसे मइँ करित ह। उ तउ इ सब
कामन स बड़ा काम करी। काहेकि मइँ परमपिता क
पास जात अहउँ। 13अउर मइँ उ सब कारज करबइ
जउन तू पचे मोरे नाउँ स मँगब्या, जइसे कि पूत परमपिता
क महिमा करइ। 14जउ तू हमसे मोरे नाउँ स कछू
मँगब्या, ओका मइँ करबइ।

पवित्तर आतिमा क कसम

15“जउ तू मोसे पिरेम करत होब्या, तउ हमरी आग्या क पालन करब्या। 16मइँ परमपिता स पराथना करबइ अउर उ तोहका सबेन्ह का एक दूसर सहायक* देइ जउन तोहरे साथे हमेसा रही। 17एकर मतलब अहइ ‘सच्चाई क आतिमा’* जेहिका दुनिया लेइ नाहीं पावत, काहेकि उ न तउ देखत ह अउर न तउ जानत ह। तू सबेन्ह ओका जानत ह, काहेकि उ आज तोहरे साथ रहत ह। अउर आगे तोहरेन साथे रही।

18“मइँ तोहका सबेन्ह क अनाथ न छोड़ब। मइँ तोहरे पास आवत अहउँ। 19कछू देर क बाद दुनिया मोका अउर न देखी मुला तू पचे मोका देखब्या काहेकि मइँ जिअत अही अउर तू सबेन्ह जिअत रहब्या। 20उहइ दिन तू सबेन्ह जानि पउब्या कि मइँ परमपिता मँ अहउँ, तू मोरे अन्दर अहा अउर मइँ तोहरे अन्दर। 21जउन मनई मोर आदेसन क जानत हइ अउर ओनकइ पालन करत ह, मोसे पिरेम करत ह। जे मोका पिरेम करत ह ओका परमपिता पिरेम करी। मइँ उहइ क पिरेम करब अउर खुदइ क ओकरे ऊपर परगट करबइ।”

22यहूदा (यहूदा इस्करियोती नाहीं) ओसे कहेस, “पर्भू, काहे बदे तू खुदइ क हमरे ऊपर परगट करा चाहत ह अउर दुनिया प नाहीं?”

23एँकरे जवाब मँ ईसू ओसे कहेस, “जउन मनई मोरे मँ पिरेम करत ह, उ मोरी बातन क मानत ह, अउर ओसे परमपिता पिरेम करी। मइँ अउर मोर परमपिता ओकरे पास आउब अउर उहइ क साथ रहबइ। 24जउन मनई मोसे पिरेम नहीं करत, उ मोर उपदेस क नाहीं मानत। मइँ जउन उपदेस तोहका देत अही, उ मोर न अहइ उ पिता क उपदेस अहइ, जउन मोका भेजेस।

25“इ सब बात मइँ तोहसे सबेन्ह स तबहीं बताए रहेउँ जब मइँ तोहरे साथ रहेउँ। 26मुला उ सहायक (अर्थात् पवित्तर आतिमा) जेहिका परमपिता मोरे नाउँ स भेजी, तोहका सब कछू बताई। अउर जउन कछू मइँ तोहका बताए अहउँ, ओका तोह पचे का याद कराई।

27“मइँ तोहरे बदे आपन सांति छोड़त अहउँ। मइँ तोहका खुदइ आपन सांति देत अही। मुला मइँ एँका वइसे नाहीं देत अहउँ, जइसे दुनिया देत ह। तोहरे मन क घबराइ क जरूरत नाहीं अहइ अउर न तउ ओका डेराइ चाही। 28तू मोका कहत सुने अहा, ‘मइँ जात अहउँ अउर तोहरे लगे फिन आउब।’ जदि तू मोसे पिरेम करे होत्या तउ तू खुस होई जात्या, काहेकि मइँ परमपिता क लगे जात अहउँ। काहेकि परमपिता मोसे बड़ा अहइ। 29अउर अबहीं इ सब घटित होइ क पहले मइँ तोहका बताइ दिहे अही, जइसे कि जउ इ घटित होइ जाइ तउ तू पचे बिसवास कइ सका। 30अउर जियादा समइ अब मइँ तोहरे साथ बात न करिब इ बदे कि जगत क सासक आवत अहइ। मोरे ऊपर ओकर बस नाहीं चलत। 31मुला इ सब बात इ बदे होत अहइँ जइसे कि दुनिया जान जाइ कि मइँ परमपिता स पिरेम करित ह। अउर परमपिता जइसी आज्ञा हमका दिहे अहइ, मइँ बइसे करत अही।

“अबहीं उठा हम सबेन्ह हिआँ स चल देइ।”

ईसू सच्ची दाखलता

15 ईसू कहेस, “मइँ दाखलता अहउँ अउर मोर परमपिता देख रेख करइवाला माली अहइ। 2मोरी उ साखा क पिता काट देत ह जउने मँ फर नाहीं लागत। जउने साखा मँ फर लागत ह, ओका उ छाँट लेत ह, जइसे कि ओहपे अउर जियादा फर लागइँ। 3तू पचे मोरे उपदेस क सुने अहा, इ बदे पहिले स सुद्ध अहा। 4तू मोरे मँ रहा अउर मइँ तोहरे मँ रहब। वइसेन जइसेन कि कउनो साखा जब तलक दाखलता मँ बनी नाहीं रहत, तउ तलक अपने आप फरि नाहीं सकत, वइसेन तू पचे तउ तलक सफल नाहीं होइ सकत्या जब तलक मोरे मँ न रहब्या।

5“उ दाखलता मइँ अहउँ अउर तू ओकर साखा अह्या। जे मोरे मँ रहत ह, अउर जेहमा मइँ रहित ह, उ बहुत फरत ह, काहेकि बिना मोरे तू कछू नाहीं कर सकत्या। 6जउ कउनो मोरे मँ नाहीं रहत तउ उ टूटी साखा क तरह फेंक दीन्ह जात ह अउर सूख जात ह। फिन उ सूखी लकड़ियन क आगी मँ झोंक दीन्ह जात ह अउर ओनका जलाय दीन्ह जात ह।

7“जउ तू मोरे मँ रहब्या, अउर मोर उपदेस तोहरे मँ रही, तउ जउन कछू तू चाहत ह, ओका माँगा अउर उ तोहका मिल जाई। 8इ मोरे परमपिता क महिमा होत ह कि तू बहुत सफल होइ जा अउर मोर चेलन बना जा। 9जइसे परमपिता मोसे पिरेम करे बाटइ, मइँ भी तोहसे बइसे पिरेम करे अही। मोरे पिरेम मँ बना रहा। 10जउ तू मोरे आदेस क पालन करब्या तउ तू मोरे पिरेम मँ बना रहब्या। वइसे जइसे कि मइँ अपने पिता क आदेसन क पालन करत ओकरे पिरेम मँ बना रहित ह। 11मइँ इ सब बात तू पचे स इ बदे बतावत अही जइसे कि मोर आनन्द तोहरे मँ बना रहइ अउर तोहार आनन्द पूरा होइ जाइ। इ मोर आदेस अहइ। 12कि तू आपस मँ पिरेम करा, जइसे मइँ तू पचे स पिरेम करे अही। 13बड़वार स बड़वार पिरेम जउन कउनो मनई कइ सकत ह, उ अहइ अपने मीतन क बदे आपन प्रान निछावर कइ देब। 14जउन आदेस तोहका मइँ देत अही, जउ तू ओन

सहायक या सुखे क देवइया (सुखदाता)। यहाँ ईसू पवित्तर आतिमा क विषय मँ बतावत रहा।

सच्चाई क आतिमा पवित्तर आतिमा। एँका परमेस्सर क आतिमा अउ सुखदाता भी कहा गवा ह। इ मसीह स जुरा अहइ। इ संसार मँ मनइयन क बीच काम करत ह। यूहन्ना 16:13

पइ चलत रहब्या तउ तू मोर मीत अह्या। 15अबहि स
मइँ तू पचे क ‘दास’ न कहब, काहेकि कउनो दास इ
नाहीं जानत कि ओकर मालिक का करत अहइ, मइँ
तउ तोहका “मीत’ कहत अही। मइँ तू पचे क उ सब
बात बताइ दीन्ह जउन मइँ अपने परमपिता स सुने रहेउँ।
16तू मोका नाहीं चुने रह्या, मइँ खुदइ तोहका चुने रहेउँ
अउर इ निस्चय करे अही कि तू जा अउर सफल होइ
जा। मइँ चाहित ह कि तोहका सफलता मिलइ, अउर
मोरे नाउँ स जउन कछू तू चाहा परमपिता तोहका दई
देइ। 17मइँ तोहका इ आदेस देत अही कि तू एक दूसरे स
पिरेम करा।

ईसू क चेतावनी

18“जदि दुनिया तोहसे दुस्मनी करत ह तउ इ बात तू
याद कइ ल्या कि तोहसे पहले उ हमसे दुस्मनी करत ह।
19जदि तू दुनिया क होत्या तउ इ दुनिया तोहसे अपने क
नाईं पिरेम करत मुला तू पचे दुनिया क न अह्या अउर
इ बदे दुनिया तोहसे दुस्मनी करत ह। 20मोर बात याद
रखा कि एक दास अपने मालिक स बड़ा नाहीं होत। इ
बदे जउ उ सबेन्ह मोका कस्ट पहुँचाए अहइँ अउर
सतावत अहइँ तउ उ पचे तोहका भी सतइहीं। अउर जउ
उ मोर बातन मनिहइँ तउ तोहार बातन भी मनिहइँ।
21मुला उ सबेन्ह मोरे कारण तोहरे सबेन्ह क साथ उ
सब कछू करिहइँ, काहेकि उ ओका नाहीं जानत अहइँ
जे मोका भेजेस। 22जउ मइँ न आइत अउर ओसे बात न
करित, तउ उ सबेन्ह पाप क दोखी होतेन। मुला अब
ओनके पास अपने पाप स बचइ क कउनो बहाना नाहीं
अहइ। 23जउन मनई हमसे दुस्मनी ठान लेत ह, उ
परमपिता स दुस्मनी करत ह। 24जउ मइँ ओनके बीच मँ
काम न करित, जउन कि कबहूँ कउनो मनई नाहीं
करे रहा, तउ उ सबेन्ह पाप क दोखी न रहतेन, मुला
अब जदि उ पचे देख चुका अहइँ, तबहूँ मोसे अउर
परमपिता स दुस्मनी रखे अहइ। 25मुला इ यह बदे भवा
कि ओनके व्यवस्था मँ जउन लिखा अहइ, उ खरा
उतरइ। ‘उ पचे बेकार मँ हमसे बैर करेन्ह।’*

26“जउ उ सहायक जउन सत्य क आतिमा बाटइ
अउर पिता क तरफ स आइ बा, तोहरे पास आई, जेका
मइँ परमपिता क तरफ स भेजब, उ हमरी तरफ स
साच्छी देई। 27अउर तूहूँ साच्छी देब्या, काहेकि तू सुरुआतइ
स मोरे साथ अहा।

16 “इ सब बात मइँ तोहसे इ बदे बतावत अही कि
तोहार बिसवास डगमगाय न जाइ। 2उ पचे तोहका
आराधनालय स निकार देइहीं सही-सही तउ उ समइ
आवइवाला अहइ जब तोहरे मँ स कउनो क मारके हर
एक इहइ सोची कि उ परमेस्सर क सेवा करत अहइ।
3उ सबेन्ह अइसा इ बदे करिहइँ, काहेकि उ न तउ
परमपिता क जानत हीं अउर न तउ मोका। 4मुला मइँ
तोहसे इ सब इ बदे कहत अही जइसे कि जब ओनकइ
समइ आइ जाइ तउ तोहका इ याद रहइ कि मइँ ओनके
बाबत तोहका बताए रहे जब मइँ तोहरे साथ रहेउँ।

पवित्तर आतिमा क कारज

“सुरुआत मँ इ सब बात मइँ तोहका नाहीं बताए
रहेउँ, काहेकि मइँ तोहरे साथ रहेउँ। 5मुला अब मइँ
ओकरे पास जात अही, जे मोका भेजेस अउर तोहरे
बीच स कउनो मोसे इ न पूछी, ‘तू कहाँ जात अहा?’
6काहेकि मइँ इ बात बताइ दिहे अही, तोहार दिल दु:खी
होइ गवा अहइ। 7मुला मइँ तोहसे सच्ची सच्ची कहत अही
कि एहमाँ तोहरा भलाई अहइ कि मइँ जात अही। काहेकि
जदि मइँ न जाउँ तउ सहायक तोहरे पास न आई। जदि
मइँ हियाँ स चला जाब तउ मइँ ओका तोहरे पास भेजब।
8अउर जब उ आइ तउ पाप, धार्मिकता अउर निआव
क बावत दुनिया क सक दूर करी। 9पाप क बावत इ
बदे कि उ पचे मोरे मँ बिसवास नाहीं करतेन। 10धार्मिकता
क बावत इ बदे कि अब मइँ परमपिता क पास जात
अही। अउर तू सबेन्ह अब अउर जियादा समइ तक
मोका न देखब्या। 11निआव क बावत, इ बदे कि इ
जगत क सासक क अपराधी ठहरावा ग अहइ।

12“मोका तोहसे अबहिं तमाम बात बतावइ क अहइ,
मुला तू सबेन्ह ओका सह न पउब्या। 13मुला जउ सच्चाई
क आतिमा आई तउ उ तोहका पूरी सच्चाई क राह
देखाई काहेकि उ अपनी तरफ स कछू न कही। उ
जउन कछू सुनी उहइ बताई। अउर जउन कछू होइवाला
अहइ, ओका उजागर करी। 14उ मोर महिमा करी,
काहेकि जउन मोर अहइ, ओका लइके उ तोहका
बताई। 15हर चीज जउन चीज परमपिता क अहइ उ
मोर अहइ। इहइ बदे मइँ बताए अहउँ, जउन कछू मोर
अहइ, ओका उ लइ लेई अउर तोहका बताई।

दु:ख खुसी मँ बदल जाई

16“थोड़े समइ क बाद तू पचे मोका अउर नाहीं देख
पउब्या। अउर कछू समइ क बाद तू सबेन्ह मोका फिन
देखब्या।”

17तउ ओके चेलन आपस मँ कहेन, “इ कावा जउन
उ मोका बतावत अहइ, ‘तनिक देर क बाद मोका न
देख पउब्या अउर तनिक देर क बाद तू पचे फिन मोका
देखब्या’? अउर ‘मइँ परमपिता क पास जात अहउँ।’?”
18फिन उ पचे कहइ लागेन, “इ ‘तनिक देर क बाद’ का
मतलब अहइ, जेकरे बावत उ बतावत अहइ? उ का
कहत अहइ, हम समझ नाहीं पावत अही।”

19ईसू इ समझ गवा कि उ पचे कछू पूछा चाहत
अहइँ। उ बदे ईसू ओसे कहेस, “का तू पचे जउन मइँ
कहेउँ उहइ पर सोच विचार करत अहा, ‘थोड़े समइ क

‘उ … करेन्ह’ भजन 35:19 या 69:4

पाछे तू मोका अउर जियादा न देख पउब्या अउर फिन
थोड़े समइ क बाद तू मोका देखब्या?’ 20मइँ तोहका सही
बतावत अहउँ, तू सबइ रोउब्या अउर सोक पउब्या मुला
इ दुनिया खुस होई। तोहका दुःख होई मुला तोहार दुःख
आनन्द मँ बदल जाई। 21जब कउनो स्त्री बच्चा पइदा
करत ह तउ ओका बड़ी तकलीफ होत ह, काहेकि उ
दरद क समइ रहत ह। मुला जब उ बच्चा पइदा कइ
चुकत ह तउ उ इतना आनन्द होत ह कि एक ठु इन्सान
इ दुनिया मँ पइदा भवा अहइ अउर आपन सब दुःख भूल
जात ह। 22इ बदे तू पचे इ समइ वइसे दुःखी अहा, मुला
जब मइँ तोहसे फिन मिलबइ तउ तोहार दिल मँ आनन्द
होई। अउर तोहार आनन्द तोहसे कउनो भी छीन न
पाई। 23उ दिन तू पचे हमसे कउनो चीज न पूछ्या। मइँ
तोहसे सच्ची बात बतावत अही, मोरे नाम स परमपिता स
जउन कछू तू पचे मँगब्या, उ ओका तोहका दइ देई।
24अब तक मोरे नाउँ स तू पचे कछू नाहीं मांगे अहा।
मांगा, तोहका जरूर मिली। ताकि तोहका भरपूर आनन्द
मिलइ।

दुनिया प जीत

25“इ सब बातिन क मइँ उदाहरण दइके बताए अहेउँ
अब उ समइ आवत अहइ जब मइँ तोहसे उदाहरण दइके
बात न कर पाउब मुला परमपिता क बावत खुलके
तोहसे बतियाब। 26उ दिन तू मोरे नाउँ स मँगब्या अउर
मइँ तोहसे इ नाहीं कहत अहउँ कि मइँ तोहरे तरफ स
परमपिता स पराथना करब। 27परमपिता खुदइ तोहसे
पिरेम करत ह, काहेकि तू मोसे पिरेम करत ह। अउर
यह मान लिह कि मइँ परमेस्सर स आवा अहउँ। 28मइँ
परमपिता स परगट भयेउँ अउर इ दुनिया मँ आएउँ।
अउर अब मइँ इ दुनिया क छोड़के परमपिता क पास
जात अही।” 29ओकर चेलन कहेन, “देखा अब तू हम
पचन क बिना कउनो दिस्टान्त क खोलके बतावत
अहा। जउन कठिन सब्द अहइँ ओनका तू नाहीं बइपरत
अहा। 30अब हम पचे समझ ग अही की तू सब कछू
जानत अहा। अब तू नाहीं चाहत अहा कि केहू कउनो
प्रस्न पूछइ एसे हमका सबन्ह क बिसवास होइ ग अहइ
कि तू परमेस्सर स परगट भवा अहा।”

31ईसू ओनसे कहेस, “का तोहका अब इ बिसवास
भवा अहइ? 32सुना, अब समइ आवत अहइ, हिआँ तक
कि आइ ग अहइ, जबहिं तू पचे सब तितर बितर होइ
जाब्या अउर तोहरे मँ स सब कउनो अपने अपने घरे
चला जाब्या अउर मोका अकेले छोड़ देब्या, मुला मइँ
अकेले नाहीं अही, काहेकि परमपिता मोरे साथ अहइ।

33“इ सब बातन मइँ तोहसे इ बदे बतावत कहेउँ
जइसे कि मइँ तोहका सान्ति दइ सकउँ। इ दुनिया तोहका
कस्ट देत ह, सतावत ह, मुला हिम्मत रखा, मइँ दुनिया
जीत लिहे अही!”

अपने चेलन क बदे ईसू क पराथना

17 इ सब बातन कहिके ईसू अकास कइँती निहारेस
अउर बोला, “हे परमपिता, उ घड़ी आइ पहुँची
अहइ, अपने पूत क महिमा द्या ताकि तोहार पूत तोहार
महिमा करि सकइ। 2तू ओका समूची मानव जाति प
अधिकार दिहे अहा कि उ सबका हर एक मनई क
जेका तू ओका दिहे अहा, अनन्त जीवन देइ। 3अनन्त
जीवन इ अहइ कि उ सबेन्ह तोहमँ एक ही सच्चा परमेस्सर
अउर ईसू मसीह, जेका तू भेजे अहा, जानि सकइँ।
4जउन काम तू मोका सौंपे रह्या, ओनका पूरा कइके
दुनिया मँ मइँ तोहका महिमावान करे अही। 5इ बदे अब
तू अपने साथ मोहूँ क महिमावान करा। हे परमपिता,
उहइ महिमा मोका द्या जउन दुनिया स पहले तोहरे
साथ मोका मिली रही।

6“दुनिया स जउन मनइयन क तू मोका दिए अहा,
मइँ ओनका तोहरे नाउँ क बोध कराएउँ। उ पचे तोहार
रहेन, मुला तू ओनका मोका दिहा अउर उ सबेन्ह
तोहरी आग्या क मानेन। 7अब उ पचे जानत अहइँ कि
उ चीज जउन तू मोका दिए अहा, उ तुहिन स पइदा होत
ह। 8मइँ ओनका उहइ उपदेस दिए अही जउन तू मोका
दिए रह्या अउर उ सबेन्ह ओका स्वीकार कइ लिहेन्ह।
उ सबेन्ह अच्छी तरह बिसवास करत हीं कि तू मोका
पठए अहा। 9मइँ ओनके बदे पराथना करत अही। मइँ
दुनिया क बदे पराथना नाहीं करत अही, मइँ तउ ओनही
क बदे पराथना करत अही, जेका तू मोका दिए अहइ,
काहेकि उ सबइ तोहार अहइँ। 10सब चीज जउन कछू
मोरी अहइँ, उ तोहार अहइँ, अउर जउन तोहार अहइँ,
उ मोर अहइँ। अउर मइँ ओनही स महिमा पाए अही।
11मइँ अउर जियादा समइ तलक दुनिया मँ न रहब मुला
उ पचे दुनिया मँ अहइँ, अउर मइँ तोहरे पास आवत
अही। हे पवित्तर परमपिता अपने उ नाउँ क ताकत स
ओनकइ रच्छा करा, जउन तू मोका दिए अहा ताकि
मइँ अउर तू एक अहीं, वइसे ओनहू पचे एक होइ जाइँ।
12जब मइँ ओनके साथ रहेउँ मइँ तोहरे नाउँ क ताकत
स ओनकइ रच्छा कीन्ह, जउन तू मोका दिए रह्या। मइँ
रच्छा कीन्ह अउर ओनके मँ स कउनो क नास नाहीं
भवा, ओका छोड़के जउने क बिनास क पूत रहा, ताकि
पवित्तर सास्तर क बात सच होइ सकइ।

13“अब मइँ तोहरे लगे आवत अही, मुला इ सब बात
मइँ दुनिया मँ रहि क कहत अही जइसे कि उ सबेन्ह
अपने दिलन मँ मोर पूरा आनन्द पाइ सकइँ। 14मइँ
तोहार बात ओनसे बताइ दिए अही, मुला दुनिया ओनसे
नफरत करेस काहेकि उ पचे संसारिक नाहीं अहइँ।
वइसेन जइसेन कि मइँ दुनिया क न अही। 15मइँ इ
पराथना नाहीं करत अही कि तू ओनका दुनिया स
निकार द्या, मुला इ बदे कि तू दुस्ट आतिमा स ओनकर
रच्छा करा। 16उ पचे दुनिया क न अहीं जइसे कि मइँ

दुनिया क न अही। 17सच्चाई क जरिए तू ओनका सबेन्हक
अपने सेवा मँ लगाइ द्या। तोहार बचन सच्चा अहइ।
18जइसेन तू मोका दुनिया मँ भेजे अहा, वइसेन मइँ
ओनका इ दुनिया मँ भेजे अही। 19मइँ ओनके बदे खुदइ
क तोहरी सेवा मँ लगावत अही, जइसे कि ओनहू पचे
सच्चाई क जरिए खुद क तोहरी सेवा मँ लगाइ सकइँ।
20"मुला मइँ केवल ओनही क बदे पराथना नाहीं
करत अही, मुला ओनके बदे पराथना करत अही जउन
एनके उपदेस स मोरे मँ बिसवास करिहीं। 21उ सबेन्ह
एक होइ जाइँ। वइसे जइसे हे परमपिता तू मोरे मँ अहा
अउर मइँ तोहरे मँ अही। उ पचे मोरे सबके साथ एक
होइ जाइँ। जइसे दुनिया बिसवास कर सकइ कि मोका तू
भेजे अहा। 22उ महिमा जउन तू मोका दिए अहा, मइँ
ओनका दिए अही, जइसे ओनहू पचे एक होइ सकइँ,
जइसे तू अउर मइँ एक अही। 23मइँ ओनके मँ रही
अउर तू मोरे मँ रहब्या, जइसे कि उ पचे पूरी तरह एक
होइ जाइँ अउर इ दुनिया जान जाइ कि मोका तू भेजे
अहा अउर तू ओनका ओतनइ पिरेम करे अहा जेतना
तू मोसे पिरेम करत ह।
24"हे परमपिता, जेनका तू मोका सौंपे अहा, मइँ
चाहित ही कि जहाँ मइँ रहउँ, मोरे साथ ओनहू रहइँ
जइसे कि ओनहू पचे मोर उ महिमा देख सकइँ जउन तू
मोका दिहे अहा। इ दुनिया क रचना क पहलेन स तू
मोका पिरेम करे अहा। 25हे धार्मिक परमपिता, इ दुनिया
तोहका नाहीं जानत मुला मइँ तोहका जानित ही अउर
मोर चेलन जानत हीं कि मोका तू भेजे अहा। 26मइँ
ओनका तोहरे नाउँ अकेले क जानकारी नाहीं दिए
अही, मइँ इ बात क जानकारी देत रहब जइसे कि जउन
पिरेम तू मोसे करत ह ओनहू स करा। अउर मइँ खुदइ
ओनही मँ स एक रहउँ।"

ईसू क बन्दी बनावा जाब

(मत्ती 26:47-56; मरकुस 14:43-50; लूका 22:47-53)

18 इ कहिके ईसू अपने चेलन क साथ छोटी नदी
किद्रोन क पास जहाँ एक बगीचा रहा, हुवँइ चला
गवा।
2धोखे स ओका पकड़वावइवाला यहूदा उ जगह क
जानत रहा, काहेकि ईसू जियादातर उहइ जगह प अपने
चेलन स मिलत रहा। 3इ बदे यहूदा रोमी सिपाहिअन क
एक टुकड़ी अउर मुख्ययाजकन अउर फरीसियन क
पठए। मनइयन अउर मंदिर क पहरेदारन क साथ
लइके, मसाल, दिया अउर हथिआर लइके, हुवाँ पहुँच
गवा।
4फिन ईसू जउन सब कछू जानत रहा कि ओकरे
साथ का होइ जात अहइ, आगे आवा अउर ओनसे
कहेस, "तू पचे केका खोजत अहा?"
5उ पचे जवाब दिहेन, "ईसू नासरी क।"
ईसू ओनसे कहेस, "उ तउ मइँ अही।" (उ धोखे प
धोसे स पकड़वावइवाला यहूदा हुवइँ ओनही के साथ
खड़ा रहा।) 6जब उ कहेस, "उ मइँ अहउँ।" तउ उ
सबेन्ह पाछे हटेन अउर भुँइया गिर पड़ेन।
7इ देखके ईसू फिन एक बार पूछेस, "तू सबेन्ह
केका खोजत अहा?" उ बोलेन, "ईसू नासरी क।"
8ईसू जवाब दिहेस, "मइँ तोहसे कहउँ, उ मइँ ही
अहउँ। जदि तू मोका ढूँढ़त अहा तउ एनका सबेन्ह क
जाइ द्या।" 9अइसा ईसू इ बदे कहेस, जइसे कि ओकर
कही बात सच होइ सकइ, "मइँ ओहमाँ स कउनो क
नाहीं खोवा, जेका तू मोका सौंपे रह्या।"
10फिन समौन पतरस जेकरे हाथे मँ तरवार रही,
आपन तरवार निकारेस अउर मुख्ययाजक क दास क
दाहिना कान काटिके ओका घायल कइ दिहेस (उ दास
क नाउँ मलखुस रहा) 11फिन ईसू पतरस स कहेस,
"आपन तरवार मिआन मँ धइ ल्या। का मइँ यातना क
कटोरा न पी लेई जउन परमपिता मोका दिहे अहइ?"

ईसू क हन्ना क सामने लिआवा जाब

(मत्ती 26:57-58; मरकुस 14:53-54; लूका 22:54)

12फिन रोमी टुकड़ी क सिपाहियन अउर ओनके
सूबेदारन, अउर यहूदियन क मंदिर क पहरेदार सब
मिलके ईसू क बन्दी बनाइ लिहेन्ह। 13अउर ओका
बांधके पहिले हन्ना क पास लइ गएन, जउन कि उ
बरिस क मुख्ययाजक काइफा क ससुर रहा। 14इ काइफा
उहइ मनई अहइ जउन यहूदी क सलाह दिहे रहा कि
लोगन क भलाई क बदे एक क मर जाब ठीक अहइ।

पतरस क ईसू क पहिचाने स मना कइ देब

(मत्ती 26:69-70; मरकुस 14:66-68; लूका 22:55-57)

15समौन पतरस अउर एक ठु चेलन ईसू क पीछे
चल दिहेन्ह। मुख्ययाजक इ चेलन क अच्छी तरह जानत
रहा, इ बदे उ ईसू क साथ मुख्ययाजक क अंगने मँ घुस
गवा। 16मुला पतरस बाहेर क दरवाजा क लगे रुक
गवा। फिन मुख्ययाजक क जान पहचानवाला दूसर चेला
बाहेर गवा अउर द्वारपालिन स कहिके पतरस क अन्दर
लइ आवा। 17उ द्वारपालिन दासी पतरस स कहेस, "होइ
सकत ह कि तूहूँ ईसू क चेला होआ?"
पतरस जवाब दिहेस, "नाहीं, नाहीं, मइँ न अही!"
18काहेकि सर्दी बहुत जिआदा रही अउर मंदिर क
पहरेदार आग जलाइ के हुआँ खड़ा तापत रहेन। पतरस
उ हुवाँ खड़ा तापत रहा।

महायाजक क ईसू स पूछताछ

(मत्ती 26:59-66; मरकुस 14:55-64; लूका 22:66-71)

19फिन महायाजक ईसू स ओकरे चेलन अउर ओकरे
उपदेस क बाबत पूछेस। 20ईसू ओका जवाब दिहेस, "मइँ

हमेसा सब मनइयन स खुलके बातचीत कीन्ह। मइँ हमेसा आराधनालय मँ अउर मंदिर मँ जहाँ सब यहूदियन इकट्ठा होतहीं, उपदेस दीन्ह। मइँ कबहूँ लुकाइ क छिपाइ क कउनो बात नाहीं कहेउँ। 21फिन तू मोसे काहे पूछत अहा? मइँ का कहेउँ, ओनसे पूछा जे मोर बात सुने अहइँ। मइँ जउन कछू कहेउँ, उ सब जानत हीं।"

22जब उ इ कहेस तउ मंदिर क एक पहरेदार जउन हुवाँ खड़ा रहा, ईसू क झापड़ मारेस अउर बोलेस, "महायाजक क सामने जवाब देइ क इ तरीका नाहीं अहइ?"

23ईसू ओका जवाब दिहेस, "जउ मइँ कउनो झूठ कहे होउँ तउ तू ओका साबित करा अउर इ बतावा कि ओहमाँ कउनो बुराई रही, अउर जउ मइँ ठीक कहे अहउँ तउ तू काहे मारत अहा?"

24फिन हन्ना ओका बंधे भए महायाजक काइफा क लगे भेज दिहेस।

पतरस क ईसू क पहिचानइ स मना करब

(मत्ती 26:71-75; मरकुस 14:69-72; लूका 22:58-62)

25जब समौन पतरस खड़ा होइके आगी तापत रहा तउ ओसे पूछा गवा, "का इ होइ सकत ह कि तू भी एकर चेला अहा?" उ तुरन्ततइ मना कइ दिहेस अउर कहेस, "नाहीं मइँ नाहीं अही।"

26महायाजक क एक ठु नउकर जउन ओकर रिस्तेदार रहा जेकर पतरस कान काटे रहा, कहेस, "बतावा, का मइँ तोहका ओकरे साथे बगिया मँ नाहीं देखे रहे?" 27इ सुनिके पतरस एक दाईं फिन इन्कार किहेस। अउर उहइ समइ मुर्गा बाँग दिहेस।

ईसू क पिलातुस क समन्वा लइ जाब

(मत्ती 27:1-2, 11-31; मरकुस 15:1-20; लूका 23:1-25)

28फिन उ पचे ईसू क काइफा क घरे स रोम क राज्यपाल क महल मँ लइ गएन। ओह समइ सबेर होइ ग रहा। यहूदियन राज्यपाल क भवन मँ खुदइ नाहीं जावा चाहत रहेन, कहूँ उ पचे असुद्ध* न होइ जाइँ। अउर फिन फसह क भोज न खाइ पावइँ। 29तउ पिलातुस ओनके पास बाहेर आवा अउर बोला, "एकरे ऊपर तू सबेन्ह कउन दोख लगावत अहा?"

30जवाब मँ उ पचे ओसे कहेस, "जदि इ अपराधी न होता तउ हम ऍका तोहका न सौंपित।"

31एकरे जवाब मँ पिलातुस ओनसे कहेस, "ऍका तू लइ जा अउर अपने व्यवस्था क हिसाब स एकर निआव करा।"

यहूदियन ओसे कहेन, "हमका सबेन्ह क मउत क सजा देइ क कउनो अधिकार नाहीं अहइ।" 32अइसा इ बदे भवा, जइसे कि ईसू क उ बात सच्ची होइ जाइ जउन उ कहे रहा, कइसी मउत मिली।

33तब पिलातुस राज्यपाल क महल मँ वापस चला गवा। अउर ईसू क बोलाइ क ओसे पूछेस, "का तू यहूदियन क राजा अह्या?"

34ईसू जवाब दिहेस, "इ बात तू खुदइ कहत अहा या मोरे बावत दूसर लोग तोहसे कहेन?"

35पिलातुस जवाब दिहेस, "का तू सोचत अहा कि मइँ यहूदी अहउँ? तोहार लोग अउर मुख्ययाजक तोहका मोरे हवाले करे अहइँ। तू का किहे अहा?"

36ईसू जवाब दिहेस, "मोर राज्य इ दुनिया क नाहीं बाटइ। जदि मोर राज्य इ दुनिया क होत तउ मोर प्रजा मोका यहूदियन क सौंपा जाइ स बचावइ क बदे लड़ाई करत। मुला मोर राज्य हिआँ क नाहीं बाटइ।"

37अइसा सुनिके पिलातुस ओसे कहेस, "तू तउ राजा अह्या?"

ईसू जवाब दिहेस, "तू कहत अहा कि मइँ राजा अही। मइँ इ बदे दुनिया मँ पइदा भवा हउँ अउर आएउँ अउर इहइ प्रयोजन स आएउँ जइसे कि सच्चाई क साच्छी दइ सकउँ। जउन मनई सच्चाई क तरफदारी करत ह उ मोरी बात सुनत ह।"

38पिलातुस ओसे पूछेस, "सच्चाई का अहइ?" अइसा कहिके फिन उ यहूदी क पास बाहेर गवा अउर ओनसे बोला, "मइँ ओकरे मँ कउनो दोख नाहीं पाएउँ। 39अउ तोहार सबन्क रिवाज अहइ कि फसह क त्यौहार प तोहरे सबके बदे एक मनई क छोड़ देइ। तउ का तू पचे चाहत अहा कि इ 'यहूदी क राजा' क तोहरे बदे छोड़ देईं?" 40एक दाईं फिन उ पचे चिल्लाएन, "ऍका नाहीं, मुला बरअब्बा (एक ठु बागी रहा) क छोड़ द्या!"

ईसू क मउत क सजा

19 तब पिलातुस ईसू क पकड़वाइके कोड़ा लगवाएस। 2फिन सिपाहियन कँटेदार टहनी क मोड़के मुकुट बनाएन अउर ओकरे मूँड़े प रख दिहेन। अउर ओका बैंजनी रंग क कपड़ा पहिराएन। 3अउर ओकरे पास आइ आइ क कहइ लागेन, "यहूदियन क राजा जिअत रहा!" अउर ओका झापड़ मारइ लागेन।

4पिलातुस एक बार फिन बाहेर आवा अउर ओनसे कहेस, "देखा! मइँ तोहरे पास ओका फिन बाहर लियावत अही जइसे कि तू जान सका कि मइँ ओहमाँ कउनो खोट नाहीं पावा।" 5फिन ईसू बाहेर आवा। उ कँटेन क मुकुट अउर बैंजनी रंग क चोगा पहिरे रहा। तब पिलातुस कहेस, "इहइ अहइ उ मनई!"

6जब उ पचे ओका देखेन तउ मुख्ययाजकन अउर मंदिर क पहरेदारन चिल्लाइ क कहेन, "ऍका क्रूस पर

असुद्ध यहूदियन इ मानत रहेन कि कउनो गैर यहूदियन क घरे मँ जाइ स ओनकर फर्छइ घटि जात ह। (यूहन्ना 11:55)

चढ़ाइ द्या! एका क्रूस प चढ़ाइ द्या!" पिलातुस ओनसे कहेस, "तू ऍका लइ जा अउर क्रूस प चढ़ाइ द्या, मइँ एहमाँ कउनो खोट नाहीं पाएउँ?"

[7]यहूदियन जवाब दिहेन, "हमार व्यवस्था कहत ह कि एका मरइ क पड़ी काहेकि अपने क परमेस्सर क पूत होइ क दावा किहे अहइ।"

[8]अब जब पिलातुस ओका इ कहत सुनेस तउ बहुत डेराइ गवा। [9]अउर फिन राज्यपाल क महल क अन्दर जाइके ईसू स कहेस, "तू कहाँ स आइ अहा?" मुला ईसू कउनो जवाब नाहीं दिहेस।

[10]फिन पिलातुस ओसे कहेस, "का तू हमसे बात नाहीं कराइ चाहत अहा? का तोहका पता नाहीं अहइ कि इ मोरे अधिकार मँ अहइ कि तोहका मइँ छोड़ देउँ अउर तोहका क्रूस प चढ़ावइ क अधिकार मोका मिला अहइ।"

[11]ईसू ओका जवाब दिहेस, "तोहार मोरे ऊपर अधिकार तब तक नाहीं होइ सकत जब तलक परमेस्सर तोहका उ अधिकार नाहीं देत। इ बदे जउन मनई तोहका मोरे हवाले किहे अहइ, उ तोहसे भी बड़ा पापी अहइ।"

[12]इ सुनिके पिलातुस ओका छोड़इ क कउनो उपाय सोचइ लाग। मुला यहूदियन चिल्लाय लागेन, "जदि तू एका छोड़ देब्या तउ तू कैसर क दोस्त न अह्या कउनो मनई जउन खुदइ क राजा कहइ उ कैसर क विरोधी अहइ।"

[13]जब पिलातुस इ सब्दन क सुनेस तउ उ ईसू क बाहेर उ जगह लइ गवा जउने क "पाथर क चउतरा" कहा जात रहा। (इब्रानी भाखा मँ ऍका "गब्बता" कहा गवा ह) अउर हुवाँ निआव क आसन प बइठ गवा। [14]इ दिन फसह क त्यौहार क तैयारी क दिन* रहा। दुपहरिया होइवाली रही। पिलातुस यहूदियन स कहेस, "इ रहा तोहार राजा।"

[15]उ सबेन्ह चिल्लाएन, "ऍका लइ जा! ऍका लइ जा! ऍका क्रूस प चढ़ाय द्या!" पिलातुस ओनसे कहेस, "का तू पचे चाहत अहा कि तोहरे राजा क मइँ क्रूस प चढ़ाउँ?" इ सुनिके मुख्ययाजकन जवाब दिहेन, "कैसर क छोड़के हमार कउनो दूसर राजा नाहीं अहइ।"

[16]फिन पिलातुस ओका क्रूस प चढ़ाइ क बदे ओनका सौंपि दिहेस।

ईसू क क्रूस प चढ़ावा जाब

(मत्ती 27:32-44; मरकुस 15:21-32; लूका 23:26-43)

इ तरीके स ईसू क हिरासत मँ लइ लीन्ह गवा। [17]आपन क्रूस उठाइके उ अइसी जगह प गवा जेका "खोपड़ी क जगह" कहा जात ह। (इब्रानी भाखा मँ ऍका "गुलगुता" कहा जात ह।) [18]हुवाँ स उ सबेन्ह ओका दुइ जने क साथे क्रूस प चढ़ाइ दिहेन। एक इ तरफ, दूसर दूसरी तरफ अउर बीच मँ ईसू रहा। [19]पिलातुस दोखपत्र क्रूस प लगाइ दिहस। जेहमाँ लिखा रहा, "ईसू नासरी, यहूदी क राजा।" [20]तमाम यहूदियन उ दोखपत्र क पढ़ेन्ह, काहेकि जहाँ ईसू क क्रूस प चढ़ावा ग रहा, उ जगह सहर क लगे रही। अउर उ ऐलान इब्रानी, यूनानी अउर लातीनी भाखा मँ लिखा रहा।

[21]तब मुख्य यहूदी याजकन पिलातुस स कहेन, "'यहूदी क राजा' न लिखा, मुला इ लिखा, 'इ मनई कहे रहा यहूदी क राजा मँ अहउँ।'"

[22]पिलातुस जवाब दिहेस, "मइँ जउन कछू लिख दीन्ह, तउ लिख दीन्ह।"

[23]जब सिपाही ईसू क क्रूस प चढ़ाइ चुकेन तउ उ सबेन्ह ओकर कपरा लिहेन, अउर ओका चार टुकड़ा मँ बाँट दिहेन। ओकर एक-एक टुकड़ा एक एक सिपाही लइ लिहेस। उ पचे कुरतउ उतरवाइ लिहेन। इ बदे कि उ कुरता ऊपर स नीचे तक बुना रहा, ओकर सिलाई नाहीं भइ रही। [24]इ बदे उ पचे आपस मँ कहेन, "ऍका न फाड़ा जाइ, ऍका कउन पावइ, एकरे बदे परची डाली जाइ।" जइसे कि पवित्तर सास्तर क इ बात पूरी होइ जाइ,

> "उ पचे मोर कपरा आपस मँ बाट लिहेनअउर
> मोरे अंगिया क बदे परची डाएन।"
> *भजन संहिता 22:18*

इ बदे सिपाहियन वइसेन करेन।

[25]ईसू क क्रूस क लगे ओकर महतारी, मउसी क्लोपास क पत्नी मरियम, अउर मरियम मगदलीनी ठाढ़ रहिन। [26]ईसू जब अपनी महतारी अउर अपने पियारा चेला क पास खड़ा लखेस तउ अपनी महतारी स कहेस "पिआरी अम्माँ, इ रहा तोहार बेटवा।" [27]फिन उ अपने चेला स कहेस, "इ अहइ तोहार महतारी।" अउर फिन उहइ समइ उ चेला ओका अपने घरे लइ गवा।

ईसू क मउत

(मत्ती 27:45-56; मरकुस 15:33-41; लूका 23:44-49)

[28]ऍकरे बाद ईसू जान लिहेस कि सब कछू पूरा होइ चुका अहइ। फिन इ बदे कि पवित्तर सास्तर क बात सही उतरइ, उ कहेस, "मइँ पियासा अहउँ।" [29]हुवाँ सिरका स भरा एक ठु वासन धरा रहा। इ बदे उ सबेन्ह एक स्पंज क सिरका मँ पूरी तरह डुबोइके हिसप (कंटिजर क पेड़) क टहनी प रखेन अउर ऊपर उठाइ क ओकरे मुँह स लगाएन। [30]फिन जब ईसू सिरका लइ लिहेस तउ उ बोलेस, "पूरा होइ गवा।" तउ उ आपन सिर झुकाइ दिहेस अउर परान छोड़ दिहेस।

तैयारी क दिन सुक्करवार जब यहूदी फसह क तैयारी करत रहेन।

31अगला दिन फसह क तैयारी क दिन रहा। सबित
क दिन ओनकइ लास क्रूस प न लटका रहइ काहेकि
सबित क दिन बहुत महत्व क दिन होत ह, ऍंकरे बदे
यहूदियन पिलातुस स कहेन कि उ आज्ञा देइ कि ओकर
टाँग तोड़ दीन्ह जाइँ अउर ओकर लास हुवाँ स हटाइ
दीन्ह जाइ। 32तउ सिपाही आएन अउर सबसे पहले एक
मनई क अउर फिन दूसरे क जउने क साथे साथे क्रूस
प चढ़ावा ग रहा, टाँग तोड़ डाएन। 33मुला जउ उ ईसू क
लगे आएन, तउ लखेन कि उ तउ पहिलेन मर चुका
अहइ। इ बदे ओकर टाँग नाहीं तोड़ेन। 34मुला ओहमाँ स
एक सिपाही ईसू क पंजरे मँ आपन भाला भोंक दिहेस,
जउने मँ स तुरन्त लहू अउर पानी निकरइ लाग। 35(जउन
एका देखे रहा उ साच्छी दिहेस अउर ओकर साच्छी
सच्ची अहइ, उ जानत ह कि उ सच्ची बात कहत अहइ
ताकि तू सबेन्ह बिसवास करा।) 36इ यह बदे भवा कि
पवित्तर सास्तर क बात पूरी होइ सकइ, "ओकर कउनो
हड्डी तोड़ी न जाई।" 37अउर पवित्तर सास्तर मँ लिखा
अहइ कि, "जे ओकरे भाला भोंकेस उ पचे ओकरी
तरफ तकिहीं।"

ईसू क आखिरी किरिया करम

(मत्ती 27:57-61; मरकुस 15:42-47; लूका 23:50-56)

38ऍंकरे बाद अरमतियाह क यूसुफ़ (जउन ईसू क
चेला रहा, मुला यहूदियन क डर क मारे खुद क छिपाए
रहत रहा) पिलातुस स पराथना करेस कि ओका ईसू क
ल्हास लइ जाइ क इजाजत दइ देइ। इ बदे उ ओकर
ल्हास लइ गवा। 39निकोदेमुस, जउन ईसू क लगे रात क
पहले आइ रहा, हुवाँ लगभग तीस किलो मिला जुला
गंधरस अउर एलवा (जइसे कि ल्हास मँ सड़न न आवइ
पावइ) लइके आवा। फिन उ पचे ईसू क ल्हास क लइ
गएन।

40अउर यहूदियन क ल्हास गाड़इ क व्यवस्था क
अनुसार ओका महकइवाली तमाम चीज क साथ कफन
मँ लपेट दिहेन। 41जहाँ प ईसू क क्रूस प चढ़ावा ग रहा,
हुवाँ एक ठु बगीचा रहा। अउर उ बगीचा मँ एक ठु नई
कब्र रही जउने मँ अब तक केहूँ क नाहीं रखा ग रहा।
42उ दिन सबित क तैयारी क दिन सुक्रवार रहा, अउर
उ कब्र बहोतई लगे रही, इ बदे उ सबेन्ह ईसू क उहइ मँ
रख दिहेन।

ईसू क कब्र खाली

(मत्ती 28:1-10; मरकुस 16:1-8; लूका 24:1-12)

20 सप्ताह क पहिले दिन धुर सबेरे जउ थोरि क
अँधेरा बचा रहा तउ मरियम मगदलीनी कब्र प
आइ। अउर उ देखेस कि कब्र क पाथर हटा अहइ।
2फिन उ दौड़ क समौन पतरस अउर ईसू क पियारा
चेलन क लगे पहुँची। अउर ओनसे बोली, "उ पचे पर्भू
क कब्र स निकालके लइ गएन। अउर हमका पचे क
इ पता नाहीं अहइ कि उ सबेन्ह ओका कहाँ रखे अहइँ।"

3फिन पतरस अउर उ दूसर चेला हुवाँ स कब्र क
तरफ चल पड़ेन्ह। 4उ दुइनउँ साथे साथे दउरत रहेन
मुला दूसर चेला पतरस स आगे चला गवा अउर कब्र प
पहिले पहुँच गवा। 5उ नीचे निहुरिके देखेस कि हुवाँ
कब्र क कपरा परा अहइ, मुला उ भीतर नाहीं गवा।
6उहइ समइ समौन पतरस जउन ओकरे पाछे पाछे आवत
रहा, उहउ आइ पहुँचा अउर कब्र क अन्दर चला गवा।
उ देखेस कि हुवाँ कफन क कपरन परा अहइँ। 7अउर
उ कपरा जउन गाड़त क समइ ओकरे मूँड़े कइँती रहा,
उ कफन क साथ नाहीं अहइ, उ अलग स दूसरी जगह
प रखा रहा। 8फिन दूसर चेला जउन कब्र प पहिले
पहुँचा रहा, उहउ भीतर घुसा। उ देखेस अउर बिसवास
करेस। 9(उ पचे अबहुँ तलक पवित्तर सास्तर क इ
बचन नाहीं समझे रहेन कि ओका मरा मनइयन स जी
उठब एकदम पक्का अहइ।)

मरियम मगदलीनी क ईसू दर्सन दिहेस

(मरकुस 16:9-11)

10फिन उ दुइनउँ चेलन अपने अपने घरे चला
गएन। 11मरियम रोवत चिल्लात कब्र क बाहेर खड़ी
रहि गइ। रोवत चिल्लात उ कब्र मँ अन्दर झाँकि के
बदे नीचे झुकी। 12जउने जगह ईसू क सव रखा रह, हुवाँ
उ सफेद कपरा पहिरे दुइ ठु सरगदूत बइठा रहेन, ओहमाँ
स एक ठु सिरहाने प बइठा रहा अउर दूसर पइताने प
बइठा रहा।

13उ पचे ओसे पूछेन, "ऐ स्त्री तू काहे क रोअति
अहा?" उ जवाब दिहेस, "उ पचे मोरे पर्भू क उठाइ लइ
गवा अहइँ अउर मोका इ पता नाहीं बाटइ कि ओका
कहाँ रखे अहइँ?" 14ऍंतना कहिके उ मुड़ी अउर देखेस
कि ईसू खड़ा अहइ। मुला उ जानि नाहीं पाएस कि उ ईसू
रहा।

15ईसू ओसे कहेस, "ऐ स्त्री तू काहे रोअति अहा? तू
केका खोजति अहा?"

उ इ जानेस कि पूछइवाला माली अहइ, उ ओसे
कहेस, "महासय, जउ तू कबहूँ ओका उठाए होया तउ
मोका बतावा कि तू ओका कहाँ रखे अहा? मइँ ओका
लइ जाबइ।"

16ईसू ओसे कहेस, "मरियम!"

उ पाछे मुड़ी अउर इब्रानी मँ कहेस, "रब्बूनी" (मतलब
"हे गुरु।")

17ईसू ओसे कहेस, "मोका जिन छुआ काहेकि मइँ
अबहिं तलक परमपिता क पास ऊपर नाहीं पहुँचा अही।
तू मोरे भाइयन क लगे जाइके बतावा, 'मइँ अपने परमपिता
अउर तोहरे परमपिता तथा अपने परमेस्सर अउर तोहरे
परमेस्सर क पास ऊपर जात अही।'"

[18]मरियम मगदलीनी आइके चेलन क समन्वा बताएस, “मइँ पर्भू क देखेउँ!” अउर उ मोका इ बात बताएस।

चेलन क दर्सन देब

(मत्ती 28:16-20; मरकुस 16:14-18; लूका 24:36-49)

[19]उहइ दिन संझा क, उ हफ्ता क पहिला दिन रहा ओकर चेलन यहूदियन क डरके मारे आपन आपन दरवाजा बन्द करे रहेन। उहइ समइ प ईसू आइके ओनके बीच मँ खड़ा होइ गवा अउर ओनसे कहेस, “तोहका सबका सान्ति मिलइ।” [20]एँतना कहिके उ ओनका सबेन्ह क आपन हाथ अउर आपन बगल देखॉएस। सब चेलन अपने पर्भू क देखके बहुत आनन्द मँ आइ गएन।

[21]तउ ईसू ओनसे फिन कहेस, “तोहका सबका सांति मिलइ। वइसेन जइसेन परमपिता मोका भेजेस, मइँ तू पचे क भेजत अही।” [22]इ कहिके उ ओनके सबके ऊपर फूँक मारेस अउर ओनसे कहेस, “पवित्तर आतिमा क अपनाइ ल्या। [23]जउने मनई क पाप क तू छमा करत ह, ओनका छमा मिलत ह अउर जउन मनई क पापन क तू छमा नाहीं करत्या, उ सब बिना छमा पाए रहत हीं।”

ईसू थोमा क दर्सन दिहेस

[24]थोमा जउन बारह मँ स एक रहा अउर दिदुमुस कहवावा जात रहा, जब ईसू आवा रहा तउ ओकरे साथे नाहीं रहा। [25]दूसर चेलन ओसे कहत रहेन, “हम पर्भू क देखे” मुला उ ओनसे कहेस, “जब उ तलक मइँ ओकरे हाथन मँ कील क निसानी न देख लेब अउर ओहमाँ आपन अंगुरी न डाइ लेब, तथा ओकरे पंजरे मँ आपन हाथ न डाइ लेब तब तक मइँ बिसवास न करब।”

[26]आठ दिन क बाद ओकर चेलन फिन एक दाईं घरे क भीतर रहेन। अउर थोमा ओनके साथे रहा। दरवाजा प ताला लगा रहा, मुला ईसू आवा अउर ओनके बीचे मँ खड़ा होइके बोला, “तोहका सबन क सान्ति मिलइ!” [27]फिन उ थोमा स कहेस, “हाँ आपन अंगुरी अब अउर मोर हाथ देख, आपन हाथ फैलाइके मोरे पंजरे मँ डावा। सन्देह करब छोड़ द्या अउर बिसवास करा।”

[28]एकर जवाब देत थोमा बोला, “मोर पर्भू, हे मोर परमेस्सर!”

[29]ईसू थोमा स कहेस, “तू मोका देखिके बिसवास करे अहा। मुला उ पचे धन्य अहइँ जउन बिना देखे बिसवास करत हीं।”

इ किताब यूहन्ना काहे लिखेस

[30]ईसू अउर तमाम चमत्कार चिन्ह अपने चेलन क देखाएस जउन इ किताब मँ नाहीं लिखी अहइँ। [31]अउर जउन बात हिआँ लिखी अहइँ। उ इ बदे लिखी अहइँ कि तू बिसवास करा कि ईसू ही परमेस्सर क पूत मसीह अहइ। अउर इही बदे कि बिसवास करत ओकरे नाउँ स तोहका सबन क अनन्त जीवन मिलइ।

ईसू झील प परगट भवा

21 एकरे बाद झील तिबिरियास प ईसू अपने चेलन क समन्वा फिन खुदइ क परगट किहेस। उ खुदइ क इ तरीके परगट किहेस। [2]समौन पतरस, थोमा (जउन जुड़ौधा कहवावा जात रहा) गलील क काना क नतनएल, जब्दी क बेटवन अउर ईसू क दुइ ठु चेलन हुवाँ इकट्ठा रहेन। [3]समौन पतरस ओनसे कहेस, “मइँ मछरी पकड़इ जात अही।”

उ पचे ओसे बोलेन, “हमहूँ पचे तोहरे साथे चलत अही।” उ सबेन्ह ओकरे साथे चल दिहेन अउर नाउ प बइठ गएन। मुला उ रात उ पचे कछू नाहीं पकड़ पाएन।

[4]अब तलक सबेर होइ गवा रहा। मुला चेलन क पता नाहीं चल पावा कि हुवाँ ईसू अहइ। [5]फिन ईसू ओनसे कहेस, “लड़को, तोहरे लगे कउनो मछरी अहइ?”

उ पचे जवाब दिहेन, “नाहीं।”

[6]फिन उ कहेस, “नइया क दहिनी तरफ जाल फेंका तउ तोहका कछू मिली।” तउ उ पचे जाल फेंकेन मुला एँतना जियादा मछरी रहिन कि फिन जाल क वापस नाहीं खींच पाएन।

[7]फिन ईसू क पियारा चेला पतरस स कहेस, “इ तउ पर्भू अहइ।” जब समौन इ सुनेस कि उ पर्भू अहइ तउ उ आपन बाहेर पहिनइवाला कपरा कस लिहेस (काहेकि उ नंगा रहा) अउर पानी मँ कूद पड़ा। [8]मुला दूसर चेलन मछलिअन स भरा जाल खींचत भए नाउ स किनारे आएन (काहेकि उ धरती स जियादा दूर नाहीं रहेन, ओनकइ दूरी करीब सौ मीटर क रही।) [9]जब उ पचे किनारे आएन तउ हुवाँ जरत कोयलन क आग देखेन। ओकरे ऊपर मछरी अउर रोटी पकावइ क बदे रखी रही। [10]ईसू ओसे कहेस, “तू पचे जउन मछरी पकरे अहा, ओहमाँ स कछू लइ आवा।”

[11]फिन समौन पतरस नाउ प गवा अउर एक सौ तिरपन बड़ी मछरिअन स भरा जाल किनारे प खींच लिहेस। जाल मँ एँतनी अधिक मछरी रहिन मुला जाल फटा नाहीं।

[12]ईसू ओनसे कहेस, “हियाँ आवा अउर खाना खा।” ओकरे चेलन मँ स कउनो क हिम्मत नाहीं परी कि ओसे पूछ सकइँ कि, “तू कउन मनई अह्या?” काहेकि उ जान ग रहेन कि उ पर्भू अहीं। [13]ईसू आगे गवा। उ रोटी लिहेस अउर ओनका दइ दिहेस अउर इहइ तरह स मछरियन क दइ दिहेस।

[14]अबइ तीसरी बार रहा जब कि मरे क बाद जी उठिके उ आपने चेलन क समन्वा परगट भवा।

ईसू क पतरस स बातचीत

[15]जब पचे उ खाना खाइ चुकेन तउ ईसू समौन पतरस स कहेस, "यूहन्ना क बेटवा समौन, जेतॅना पिरेम इ मोसे करत ह, तू मोसे ओसे जियादा पिरेम करत ह?"

पतरस ईसू स कहेस, "हाँ पर्भू, तू जानत ह कि मइँ तोहसे केतॅना पिरेम करित ह।"

ईसू पतरस स कहेस, "मोरे मेमनन क रखवाली करा।"

[16]उ ओसे दुसरी बार बोला, "यूहन्ना क बेटवा समौन, का तू मोसे पिरेम करत ह?"

पतरस ईसू स कहेस, "हाँ पर्भू, तू जानत अहा कि मइँ तोहसे पिरेम करित ह।" ईसू पतरस स कहेस, "मोरी भेड़न* क देखभाल कर।"

[17]ईसू फिन तीसरी बार पतरस स कहेस, "यूहन्ना क बेटवा समौन, का तू हमसे पिरेम करत ह?"

पतरस दुखी होइ गवा कि ईसू ओसे तीसरी बार पूछेस, "का तू मोसे पिरेम करत ह?" इ बदे पतरस ईसू स कहेस, "पर्भू तू सब कछू जानत ह, तू जानत अहा कि मइँ तोहसे पिरेम करित ह!"

ईसू ओसे कहेस, "मोरी भेड़न क चरावा। [18]मइँ तोहसे सत्य कहत अहउँ, जब तू जवान रह्या, तउ तू अपनी कमर प फेंटा कस क जहाँ चाहत रह्या, चला जात रह्या। मुला जउ तू बुढ़ाइ जाब्या, तउ हाथ पसरब्या अउर कउनो दूसर तोहका बांधके जहाँ तू नाहीं जाइ चहब्या, हुवाँ लइ जाई।" [19](उ इ दरसावइ क बदे अइसा कहेस कि उ कउने तरह क मउत स परमेस्सर क महिमा करी।) ऍतना कहिके उ ओसे कहेस, "मोरे पाछे चला आवा!"

[20]पतरस पाछे मुड़ा अउर देखेस कि उ चेलन जेसे ईसू पिरेम करत रहा, ओनके पाछे आवत अहइ। (इ उहइ रहा जउन भोजन करत ओकरी छाती प झुकके पूछे रहा, "पर्भू, उ कउन अहइ, जउन तोहका धोखे स पकड़वाई?") [21]जब पतरस ओका देखेस तउ उ ईसू स बोला, "पर्भू, एकर का होई?"

[22]ईसू ओसे कहेस, "जदि मइँ इ चाही कि जब तलक मइँ आई, इ हिआँ रहइ, तउ तोहसे का मतलब? तू मोरे पाछे चला आवा!"

[23]इ तरह स इ बात भाइयन (मनवइयन) मँ हिआँ तलक फइल गइ कि उ चेला जेका ईसू पियार करत ह न मरी। ईसू इ नाहीं कहे रहा कि उ न मरी, बल्कि उ तउ ऍतना कहे रहा, "जदि मइँ चाही कि जब तलक मइँ आई, इ हिआँ रहइ तउ तोहसे का मतलब?"

[24]इहइ उ चेला अहइ जउन एकइ सबके साच्छी देत ह कि जउन इ सब बात लिखे अहेउँ सब सही अहइँ।

[25]ईसू इहइ तरीके बहुत काम करेस। जदि एक एक कइके ओन सबका लिखा जात तउ मइँ सोचित ह कि जउन किताब लिखी जातिन, उ ऍतना जियादा होतिन कि पूरी धरती प न अमातिन।

भेड़न ईसू इ सब्दन क आपन मनइयन बरे बइपरत रहा।

प्रेरितन क काम

लूका क लिखी भइ दूसर किताबे क जानकारी

1 हे थियुफिलुस, मइँ आपन पहिली किताबे मँ ओन
सबइ कामे क बारे मँ लिखेउँ ह जेका सुरु स ईसू
किहेस ह अउर 2उ दिना तलक उ प्रेरितन* क जेनका
उ चुनेस जब ताईं उ पवित्तर आतिमा क आदेस क
अनुसार उ सरगे मँ ऊपर नाहीं उठाइ लीन्ह गवा। 3आपन
मउत क पाछे उ आपन क ठोस प्रमाण लइ के ओनके
समन्वा परगट भवा कि उ जिअत बा। उ चालीस दिना
तलक ओनके अगवा परगट होत रहा अउर परमेस्सर
क राज्य क बारे मँ ओनका बतावत रहा। 4फिन एक
दाईं ओनके संग खइया क खात रहा तउ उ ओनका
हुकुम दिहेस, "यरूसलेम क जिन तजा अउर मुला जेकरे
बारे मँ तोसे कह्यों कि, परमपिता क सपथ पूरा होइ
तलक जोहत रहा। 5काहेकि यूहन्ना तउ पानी स बपतिस्मा
दिहेस, मुला अब तनिक दिना क पाछे पवित्तर आतिमा
स बपतिस्मा दीन्ह जाइ।"

ईसू क सरगे मँ लइ जावा जाब

6तउ जब उ प्रेरितन आपुस मँ भेंटेन, उ पचे पूछेन,
"पर्भू! का तू इहइ समइ प इस्राएल क राज्य क फिन स
लिआइ देब्या?"

7उ ओनसे कहेस, "उ बेलन या तिथियन का जानब
तोहार काम नाहीं, जेका परमपिता खुद आपन अधिकार
स तय किहे अहइ। 8मुला जब पवित्तर आतिमा तोह प
आइ, तोहका सक्ती मिलि जाइ। अउर यरूसलेम मँ,
समूचइ यहूदिया अउर सामरिया मँ अउर धरती क छोर
तलक तू पचे मोर साच्छी होब्या।"

9एँतना कहे क पाछे ओनकइ लखत लखत ओका
सरगे मँ ऊपर उठाइ लीन्ह गवा। अउर फिन एक बादर
ओका आँखी स ओझल कइ दिहेस। 10जब उ जात रहा
तउ पचे आँखी पसारि के ओका निहारत रहेन। तबहिं
फउरन सफेद कपड़ा पहिरिके दुइ मनई ओकरे समन्वा
आइके ठाड़ भएन।

11अउर बोलेन, "अरे गलीली मनइयो। तू पचे हुवाँ
ठाड़ भवा टकटकी काहे लगाए बाट्या? इ ईसू तोहरे
बीच स सरगे मँ ऊपर उठाइ लीन्ह गवा, जइसे तू ओका
सरगे मँ जात देख्या, वइसे ही उ फिन वापिस लौटि
आई।"

एक नवा प्रेरित क चुनाव

12फिन उ प्रेरितन जैतून नाउँ क पर्वत स, यरूसलेम
लौटि आएन जउन यरूसलेम स कउनो एक किलोमीटर
दूर रहा। 13अउर हुवाँ पहुँचिके ऊपर क उ कमरा मँ
गएन जहाँ उ पचे ठहरा रहेन। इ पचे रहेन–पतरस,
यूहन्ना, याकूब, अन्द्रियास, फिलिप्पुस, थोमा, बरतुलमै
अउर मत्ती, हलफई क बेटवा याकूब, समौन जेलोतेस
अउर याकूब क बेटवा यहूदा।

14एँनके संग कछू स्त्रियन, ईसू क महतारी मरियम
अउर ईसू क भाई भी रहेन। इ सबइ आपन क एक संग
पराथना मँ चित लगाए राखत रहेन।

15फिन इ दिनन मँ पतरस भाई–बंद क बीच खड़ा
होइके, जेकर गनती कउनो एक सउ बीस रही, कहेस,

16"मोरे भाइयो, ईसू क गिरफतार करावइ वाले
मनइयन क अगुआ यहूदा क बारे मँ, पवित्तर सास्तर
क उ लेख जेका दाऊद आपन मुँहे स पवित्तर आतिमा
बहोत पहिले ही कहे रही, ओकर पूर होब जरुरी रहा।
17उ हम पचन मँ गना गवा रहा अउर इ सेवा मँ ओकर
हाथ रहा।"

18इ मनई जउन धन ओका ओकरे नीचपना क
कामे बरे मिला रहा, उ धने स एक ठु खेत मोल लिहेस
मुला उ पहिले तउ मूँड़े क बल भहरान अउर फिन बदन
फाटि गवा अउर ओकर अँतड़ी बाहेर निकरि आइ।
19अउर सबइ यरूसलेम क बसइयन क एकर पता लग
गवा। यह बरे ओनकइ भाखा मँ उ खेत क हक्लदमा
कहा गवा जेकर अरथ अहइ "लहू क खेत।" 20पतरस
कहेस, "काहेकि भजन संहिता मँ इ लिखा बा,

> 'ओकर घर उजरि जाइ अउर ओहमाँ रहइ क
> कउनो मँ बचइ।'
>
> *भजन संहिता 69:25*

अउर,

> 'ओकर मुखियई कउनो दूसर मनई लइ लेइ।'
>
> *भजन संहिता 109:8*

प्रेरितन चेलन जेनका ईसू आपन खास मदद करइया
चुनेस।

21–22यह बरे इ जरूरी अहइ कि जब पर्भू ईसू हमरे
बीच रहा तउ जउन मनइयन हमरे संग सदा रहेन, ओहमाँ
स कउनो एक क चुना जाए। कहइ क मतलब उ समइ
स लइके जब स यूहन्ना मनइयन क बपतिस्मा देब सुरु
किहेस अउर जब तलक ईसू क हमरे बीच स उठाइ
लीन्ह गवा रहा। इ मनइयन मँ स कउनो एक क ओकरे
फिन स जी उठइ क हमरे संग साच्छी होइ चाही।"
23यह बरे उ पचे दुइ मनई क नाउँ दिहेन। एक
यूसुफ जेका बरसबा कहा जात रहा (यूसतुस नाउँ स
जाना जात रहा) अउर दूसर मत्तियाह। 24फिन उ पचे इ
कहत भवा पराथना करइ लागेन, "पर्भू! तू सबहि क
मनवा क जानत ह, हमका बतावा कि इ दुइनउँ मँ स तू
केका चुन्या ह 25जउन एक प्रेरित क तरह सेवा करइ
बरे इ ओहदा क लइ लेई जेका आपन ठउर पर जाइ बरे
ओहदा छोड़िके चला गवा रहा!" 26फिन उ पचे एकरे
बरे पर्ची नाएन अउर पर्ची मत्तियाह क नाउँ क निकरी।
इ तरह गियारह प्रेरितन क दल मँ गना गवा।

पवित्तर आतिमा क अवाई

2 जब पिन्तेकुस्त क दिन आवा तउ उ पचे एक ठउर
प बटुरा रहेन। 2तब्बइ हुवाँ एकाएक अकासे स
खउफनाक आँधी क सब्द आवा। अउर जउन घरे मँ उ
पचे बइठा रहेन, ओहमाँ समाइ गवा। 3अउर आगी क
उठत लपट जइसी जीभ हुवाँ समन्वा देखॉइ देइ लाग।
अउर ओनका आगी क उठत लपट जइसी जिभिया
देखॉइ लागिन। उ सबइ बँटी भइ जीभ एक क ऊपर आइ
ठहरिन। 4उ पचे पवित्तर आतिमा स भावित भएन।
अउर आतिमा स दीन्ह गए सामर्थ क अनुसार उ सबइ
दूसर भाखन मँ बोलइ लागेन।
5हुवाँ यरूसलेम मँ अकास क तरे सबहिं देसन स
आवा भएन यहूदी भगत रहत रहेन। 6जबहिं इ सब्द क
अवाज सुनि गई तैसहिं एक भीड़ बटुर गइ। उ पचे
अचरज मँ पड़ा रहेन काहेकि हर कउनो ओनका आपन
भाखा मँ बोलत सुनेस।
7उ पचे अचम्भा मँ घबड़ियाइके बोलेन, "इ सबइ
बोलवइया मनइयन गलीली नाहीं अहइँ! 8फिन हम पचन
मँ स हर कउनो ओनका आपन मातृभाखा मँ बोलत
भवा कइसे सुनत अहइ? 9हुवाँ पारथी, मेदी अउर एलामी,
मेसोपोटामिया क बसइया, यहूदिया अउर कप्पूदूकिया,
पुन्तुस अउर एसिया 10फ्रूगिया अउर पंफलिया मिस्र अउर
कूरेने सहर क निअरे लिबिया क कछू पहँटा क मनइयन,
रोम स आवा भएन सैलानी,11जेहमाँ जन्मा भवा यहूदी
अउर यहूदी धरम क मनइयन, क्रेती अउर अरबी लोग
हम सबइ परमेस्सर क अचरज कारजन क आपन
आपन भाखा मँ सुनत अहइँ।"12उ पचे सबइ अचम्भा मँ
पड़िके भउचक्का होइके आपुस मँ पूछइ लागेन, "इ का
होत अहइ?" 13मुला दूसर मनइयन प्रेरितन क मसखरी
करत भए बोलेन, "इ सबइ कछू जिआदा दाखरस पिए
बाटेन।"

पतरस क गोहराउब

1814फिन गियारह प्रेरितन क संग पतरस खड़ा भवा
अउर ऊँची अवाज मँ मनइयन क गोहराइ क कहइ
लाग, "यहूदी भाइयो अउर यरूसलेम क सबहिं बासिंदा,
ऍकर अरथ मोका बतावइ द्या। मोरे बचन क धियान स
सुना। 15इ पचे पिए नाहीं अहइँ, जइसा की तू पचे बूझत
अहा। काहेकि अबहिं तउ भिन्सारे क नौ बजा अहइ।
16मुला इ बात अहइ जेकरे बारे मँ योएल नबी कहे रहा:

17'परमेस्सर कहत ह: आखिरी दिना मँ अइसा
होइ कि मइँ सबहिं मनइयन प आपन आतिमा
उडेल देब फिन तोहार पूत अउर बिटिया
भविस्सबाणी करइ लगिहीं। अउर तोहार जवान
मनई दर्सन पइहीं अउर तोहार बुढ़वा लोग
सपना देखिहीं।
18 हाँ, उ दिना मइँ आपन नउकर अउर नउकराती
प आपन आतिमा उडेर देब अउर उ पचे
भविस्सबाणी करिहीं।
19 मइँ ऊपर अकासे मँ अचरज कारजन अउर
तरखाले भुइयाँ प चीन्हा देखाउब खून, आगी
अउर धुआँ क बादर।
20 सूरज अँधियारा मँ अउर चंदा रकत मँ बदल
जाइ, अउर तब पर्भू का दिव्य अउर महान
दिन आइ।
21 अउर तब हर उ कउनो क बचाव होइ जउन
पर्भू क नाउँ पुकारी।'

योएल 2:28-32

22"ओ इस्राएलियो! इ बचन क सुना: नासरी ईसू एक
ठु अइसा मनई रहा जेका परमेस्सर तोहरे समन्वा अद्भुत
कारज, अचरज कारजन अउर अद्भुत चीन्हन क साथ
जेका परमेस्सर आपन खुद किहे रहा तोहरे बीच ओका
परगट किहेस। जइसा कि तू खुद जानत ह। 23ई मनई
तोहका कउनो तय कीन्ह भइ योजना अउर पहिले क
गियान क अनुसार तोहरे हवाले कीन्ह गवा रहा अउर तू
पचे ओका अधर्मियन क हाथे पकड़वाइके क्रूस प चढ़वाया
अउर खीला ठोंकवाइके मरवाइ दिहा। 24मुला परमेस्सर
मउत क दु:खे स अजाद कराइके फिन जिआइ दिहेस।
काहेकि ओकरे बरे इ होइवाला नाहीं रहा कि मउत
ओका राखि पावत। 25जइसा कि दाऊद ओकरे बारे मँ
कहेस ह:

'मइँ हमेसा पर्भू क आपन समन्वा देखेउँ ह। उ
मोरे दाहिन कइँती बिराजत अहइ, काहेकि
मइँ डुग न पावउँ।

26 एँहसे मोर हिरदय खुस अहइ अउर मोर बाणी
आनंद मँ बा; मोर देह भी आसा मँ जिई।
27 तू मोर आतिमा क अधोलोक मँ न छोड़ब्या।
तू आपन पवित्तर जन क नास क अनुभव न
होइ देब्या।
28 तू ही मोरी जिन्नगी क राह क गियान कराइ
दिहा ह। अउर तू ही आपन हाजिरी स मोका
आनन्द स पूरा कइ देब्या।'

भजन संहिता 16:8-11

29"मोरे भाइयन, मइँ पतिआइके आदि मनई दाऊद
क बारे मँ तू पचन्स कहि सकत हउँ कि ओकर मउत
होइ गइ अउर ओका माटी दइ दीन्ह गइ। अउर ओकर
कब्र हमरे हियाँ आजु तलक मौजूद बा। 30मुला काहेकि
उ एक नबी रहा अउर जानत रहा परमेस्सर सपथ
खाइके ओका बचन दिहेस ह कि उ ओकरे वंस मँ स
कउनो एक क सिंहासने प बइठाई। 31यह बरे अगवा
जउन होइ क बाटइ, ओका दाऊद लखत भए उ जब इ
कहे रहा कि:

'ओका अधोलोक मँ नाहीं छोरा गवा अउर न
ही ओकरे देह स सड़ब गलब क अंजाद लगाएस।'

तउ उ मसीह क पुनरुत्थान क बारे मँ ही कहे रहा।
32इहइ ईसू क परमेस्सर पुनरुत्थान कइ दिहेस। इ सच्चाई
क हम पचे साच्छी अही। 33परमेस्सर क दाहिन हाथे
कइँती सबन ते उँचका ओहदा पाइके ईसू पिता स सपथ
क अनुसार पवित्तर आतिमा पाएस अउर फिन उ इ
आतिमा क उड़ेरेस जेका अब तू लखत बाट्या अउर
सुनत बाट्या। 34दाऊद सरगे मँ नाहीं गवा तउ उ खुद
कहत ह:

'पर्भू (परमेस्सर) मोर पर्भू स कहेस: मोरे दाहिने
बइठा, जब ताईं मइँ
35 तोहरे बैरिन क तोहरे गोड़वा तरे गोड़ धरइ
क चउकी न बनइ देइ।'

भजन संहिता 110:1

36"यह बरे इस्राएल क समूचइ मनइयन ठीक तरह
स समुझ लेइ कि परमेस्सर इ ईसू क जेका तू पचे क्रूस प
चढ़ाइ दिहे रहा, पर्भू अउर मसीह दुइनउँ ठहरावा ग
रहेन!"

37मनइयन जब इ सुनेन तउ उ पचे घबराइ गएन
अउर पतरस अउर दूसर प्रेरितन स कहेन, "तउ भाई,
हम सबन क का करइ चाही?"

38पतरस ओनसे कहेस, "मनफिराओ अउर आपन
पापे क छमा पावइ बरे तू पचन मँ स हर एक क ईसू
मसीह क नाउँ स बपतिस्मा लेइ चाही। फिन तू पवित्तर
आतिमा क उपहार मँ पउब्या। 39काहेकि इ सपथ तोहरे
बरे, तोहरे संतान बरे अउर ओन सब कामे बरे अहइ
जउन बहोत दूर बाटेन। इ सपथ ओन सब बरे अहइ
जेनका हमार पर्भू परमेस्सर आपन लगे बोलावत ह।"

40अउर बहोत स बचन स उ ओनका चिताउनी
दिहेस अउर समझाय के ओनसे कहेस, "इ कुमार्गी पीढ़ी
स आपन खुद क बचावा!" 41तउ जउन ओकरे संदेसा
क अंगीकार किहेन, ओनका बपतिस्मा दीन्ह गवा। इ
तरह उ दिना उ बिसवासियन क झुण्ड मँ कउनो तीन
हजार मनई अउर जुड़ गएन। 42उ पचे प्रेरितन क उपदेस,
संगत, रोटी क तोड़इ अउर पराथना करइ मँ जिअरा
लगाइ दिहन।

बिसवासी क मिली जुली जिन्नगी

43हर मनई प भय रहा अउर प्रेरितन क जरिये
बहुत अचरज कारजन अउर अद्भुत चीन्हन परगट
कीन्ह जात रहेन। 44सबहिं बिसवासी एक संग बटुरत
रहेन अउर ओनके लगे जउन कछू रहा, उ पचे आपुस
मँ बाँट लेत रहेन। 45उ पचे आपन सबहिं चीजन अउर
धन–दौलत बेंचेन अउर ओन सब चिजन्क आपुस मँ
बाँटि लिहन, जइसे जेका जरूरत रही। 46अउर उ पचे
हर दिन मंदिर मँ ऐक उदेस्स स मिलि जात रहेन। उ पचे
घरे मँ रोटी तोड़ लेतेन अउर आनंद अउर निर्मल मन स
खात रहेन। 47उ पचे सब मनइयन क नीक बिचार क
आनंद लेत भए पर्भू क स्तुति गावत रहेन। अउर हर
दिन परमेस्सर, जेनकइ उद्धार करत, ओनकइ दल मँ
अउर जोरि दीन्ह जात।

लँगड़ा भिखारी क चंगा कीन्ह जाब

3 दुपहरिया क बाद तीन बजे पराथना क समइ पतरस
अउर यूहन्ना मंदिर जात रहेन। 2तबहिं एक ठु
अइसा मनई जउन जनम स ही लँगड़ा रहा, लइ जावा
जात रहा। उ पचे हर दिना ओका मंदिर क सुन्नर नाउँ
क फाटक प बइठाइ देत रहेन। काहेकि उ मंदिर मँ
जाइवाला मनइयन स पइसा माँग सकइ। 3ई मनई ने जब
देखा यूहन्ना अउर पतरस मंदिर मँ प्रवेस करयवाला
अहइँ तउ ओनसे पइसा मागेंस। 4यूहन्ना क संग पतरस
ओकरी कइँती लखत भए बोलेन, "हमरी कइँती लखा।"
5तउ उ ओनसे कछू मिल जाइ क आसा करत भवा
ओनकर कइँती लखेस। 6मुला पतरस कहेस, "मोरे लगे
सोना या चाँदी तउ अहइ नाहीं मुला जउन कछू अहइ,
मइँ तोहका देत हउँ। नासरी ईसू मसीह क नाउँ स ठाड़
ह्वा अउर चला।" 7फिन ओकर दाहिन हथवा धइके
ओका उठाएस. फउरन ओकरे गोड़वा अउर अखनी मँ
जान आइ गइ। 8अउर उ फिन आपन गोड़वा क बल
उछरा अउर चल दिहस। उ उछरत कूदत चलत अउर

परमेस्सर क स्तुति गावत ओनकइ संग मंदिर मँ घुसा।
[9]सबहिं मनइयन ओका चलत अउर परमेस्सर क स्तुति
गावत लखेन। [10]पहिचानेन कि इ उहइ अहइ जउन
मंदिर क सुन्नर दुआरे प बइठा भीख माँगत रहा। ओकरे
संग जउन कछू भवा रहा ओह पइ उ पचे अचरज स
भरि अउर चकित होइ गएन।

पतरस क प्रबचन

[11]उ मनई अबहिं पतरस अउर यूहन्ना क संग रहा।
तउ सबहिं मनई अचम्भा मँ पड़िके उ ठउर प ओकरे
लगे दउड़त दउड़त आएन जउन सुलैमान क ड्यौढ़ी
कहवावत रहा। [12]पतरस जब इ लखेस तउ उ मनइयन
स बोला, "हे इस्राएल क मनइयन, तू पचे इ बाते प
चकित काहे होत बाट्या? अइसे घूरि घूरिके हमका
काहे लखत बाट्या, जइसे मान ल्या हम ही आपन सक्ती
या बल प इ मनई क चलइ फिरइ जोग्ग बनइ दीन्हह।
[13]इब्राहीम, इसहाक अउर याकूब क परमेस्सर, हमरे
पूर्वजन कपरमेस्सर आपन सेवक ईसू क महिमा स
बखानेस। अउर तू पचे ओका मरवावइ बरे धरवाइ
दिहा। अउर फिन पिलातुस क जरिए ओका छोर दिहे
जाए क जिअरा मँ ठान लेइ स पिलातुस क समन्वा तू
पचे ओका मानइ स इनकार कइ दिहा। [14]ईसू पवित्तर
अउर भोला रहा मुला तू ओका मान्या नाहीं अउर माँग्या
कि एक हत्तियारा क तोहरे बरे छोर दीन्ह जाइ। [15]जो
मनइयन क जिन्नगी देत रहा ओका तू मारि डाया मुला
परमेस्सर मरा भवा मँ स ओका पुनर्जीवन दिहस। हम
ऍकर साच्छी अही।

[16]इ ईसू क सक्ती रही जउन इ लँगड़ा क चंगा
किहेस। इ भवा काहेकि हम ईसू क सक्ती मँ पतिआइत
ह। तू पचे इ मनई क लख सकत ह अउर तू सबइ ओका
जानत ह। उ पूरी तरह स चंगा होइ गवा काहेकि उ ईसू
मँ ओकर बिसवास रहा। तू पचे निहार्‌या कि इ सब कछू
भवा।

[17]"हे भाइयो, अब मइँ जानत हउँ कि जइसे अग्याने
मँ तू सबइ वइसा ही किहा, वइसा ही तोहार ही नेतन
किहन। [18]परमेस्सर आपन सबहिं नबियन क मुँहना स
बकरवाइ दिहेस कि ओकरे मसीह क दुःख भोगे पड़ी। उ
इ तरह पूरा किहेस। [19]यह बरे तू आपन मनफिरावा
अउर परमेस्सर कइँती फिरि आवा काहेकि तोहार पाप
धोइ दीन्ह जाँइ। [20]जेसे पर्भू क हाजिर होइ क समइ
आतिमा क सान्ति क समइ आइ जाइ अउर पर्भू तोहरे
बरे मसीह क पठवइ जेका उ तोहरे बरे चुन लिहे बा,
कहइ क अरथ ईसू मसीह। [21]मसीह क उ समइ तलक
सरग मँ रहइ क होइ जब ताईं सबहिं बातन पहिले जइसी
न होंइ जेनके बारे मँ बहोत पहिले ही परमेस्सर पवित्तर
नबियन क मुँहना स बताइ दिहे रहा। [22]मूसा कहे रहा,
'पर्भू परमेस्सर तोहरे बरे, तोहरे आपन लोगन मँ स ही
एक मोरे जइसा नबी खड़ा करी। उ तू पचन स जउन
कछू कहइ, तू पचे उहइ प चल्या। [23]अउर जउन मनई
उ, इ नबी क बात न सुनी, मनइयन मँ स ओका परमेस्सर
क मनइयन स अलग कर दीन्ह जाई।'* [24]समूएल अउर
ओकरे पाछे आए भए सबहिं नबियन जब कबहुँ कछू
कहेन तउ एनही दिनन क एलान किहेन। [25]अउ तू सबइ
तउ ओन नबियन अउर उ करार क उत्तराधिकारी
अहा जेका परमेस्सर तोहरे पूर्वजन क संग किहे रहा। उ
इब्राहीम स कहे रहा, 'तोहरे सन्ताने स धरती क सभी
राष्ट क मनइयन आसीर्बाद पइहीं।'* [26]परमेस्सर जब
आपन सेवक क पुनर्जीवित किहेस तउ पहिले पहिले उ
तोहरे लगे पठएस काहेकि तू पचन्क तोहरे बुरे राहे स
दूर कइके आसीर्बाद देइ।"

पतरस अउर यूहन्ना यहूदी सभा क समन्वा

4 अबहिं पतरस अउर यूहन्ना मनइयन स बतियात
रहेन कि याजक, मंदिर क सिपाहियन क मुखिया
अउर कछू सदूकीयन ओनकइ लगे आएन। [2]उ पचे
ओनसे इ बाते प भिनका रहेन कि पतरस अउर यूहन्ना
उपदेस देत भए ईसू क मरे हुएन मँ स जी उठइ क जरिए
पुनरुत्थान क प्रचार करत रहेन। [3]तउ उ पचे ओका
बंदी बनइ लिहेन अउर काहेकि उ समइ साँझ होइ ग
रही, यह बरे दूसर दिना हौलात मँ राखेन। [4]मुला उ पचे
उ संदेसा सुनेन कि ओनमाँ स बहोतन ओह प बिसवास
अउर इ तरह ओनकइ गनती पाँच हजार ताईं पहोंच गइ।

[5]दूसरे दिन यहूदी नेतन बुजुर्ग यहूदी नेतन अउर
धरम सास्तिरियन यरूसलेम मँ बटुरेन। [6]महायाजक हन्ना,
काइफा, यूहन्ना, सिकन्दर अउर महायाजक क परिवारे
क सबहिं मनई भी हुवाँ हाजिर रहेन। [7]उ सबइ इ प्रेरितन
क आपन समन्वा खड़ा कइके पूछइ लागेन, "तू पचे
कउने सक्ती या अधिकार स इ काम किहे ह?"

[8]फिन पवित्तर आतिमा* क सवार होए स पतरस
ओनसे कहेस, "हे मनइयन क नेतन अउर बुजुर्ग नेतन।
[9]जदि आजु हमसे एक बीमार मनई क संग कीन्ह भलाई
क बारे मँ इ पूछब पछोरब होत अहइ कि उ नीक कइसे
होइ गवा [10]तउ तू सबन्क अउर इस्राएल क मनइयन क
इ पता होइ जाइ चाही कि इ काम नासरी ईसू मसीह क
नाउँ स भवा ह जेका तू पचे क्रूस प चढ़ाइ दिहा ह जेका
परमेस्सर मरि जाए प पुनर्जीवित कइ दिहस ह। उहइ क
जरिए पूरी तरह स नीक भवा इ मनई तोहरे समन्वा ठाड़
बा। [11]इ ईसू उहइ

'पर्भू ... जाई' व्यवस्था 18:15,19

'तोहरे ... पइहीं' उत्पत्ति 22:18; 26:24

पवित्तर आतिमा परमेस्सर क आतिमा, मसीह क आतिमा अउ सहायक। परमेस्सर अउ ईसू क मिलि जाए स उ मनइयन मँ परमेस्सर क काम करत ह।

'पाथर अहइ जेका तू सबइ राजमिस्तरी लोग
तुच्छ जान्या रहा, उहइ बहोत खास पाथर बन
गवा अहइ।'

भजन संहिता 118:22

12कउनो दूसर स उद्धार नाहीं अहइ, संसारे मँ
अउर दूसर नाउँ नाहीं अहइ जेहसे मानव जाति बचाई
जाय सकइ। हम सब ईसू स ही उद्धार पाउब!"
13उ पचे जब पतरस अउर यूहन्ना क निडर होब
निहारेन अउर इ समुझेन कि पतरस अउर यूहन्ना अनपढ़
अउर साधारण मनइ रहेन तउ ओनका बहोत अचरज
भवा। फिन उ पचे जान गएन कि इ सबइ ईसू क संग
रहि चुका बाटेन। 14अउर काहेकि उ पचे उ मनई क
जउन चंगा भ रहा, ओनकइ संग खड़ा भवा लखत रहेन।
तउ ओनकइ लगे तनिकउ बोलइ क कछू नाहीं रहा।
15उ पचे ओनसे यहूदी महासभा स निकर जाइ क कहेन
अउर फिन उ सबइ इ कहत भए आपुस मँ बिचार करइ
लागेन कि 16"इ पचन्क संग कइसा बिवहार कीन्ह जाइ?
काहेकि यरूसलेम मँ बसइया हर कउनो जानत ह कि
ऍनके जरिये एक ठु अचरज क काम कीन्ह गवा ह
अउर हम ओका मना नाहीं कइ सकित। 17मुला हम
ऍनका चिताउनी दइ देइ कि उ सबइ इ नाउँ क बात
कउनो अउर मनई स जिन करइँ काहेकि मनइयन मँ इ
बात क संचरइ क अउर फैलि जाइ स रोक जाइ सकइ।"
18तउ पचे ओनका भीतर बोलाएन अउर हुकुम
दिहेन कि उ पचे ईसू क नाउँ प न तउ कउनो स कछू
बात करइँ अउर न ही उपदेस देइँ। 19मुला पतरस अउर
यूहन्ना ओनका जवाब दिहेन, "तू पचे ही फरियावा, का
परमेस्सर क समन्वा हमरे बरे इ नीक होइ कि परमेस्सर
न सुनिके हम तोहार सुनी? 20हम, जउन कछू हम पचे
लखा ह अउर सुना ह, ओका कहे क आलावा अउर
कछू नाहिं कर सकित।" 21-22फिन उ पचे ओनका
धमकाए क पाछे छोड़ दिहन। ओनका सजा देइ क
कउनो रस्ता नाहीं मिलि सका काहेकि जउन कछू भवा
रहा, ओकरे बरे सबहिं मनइयन परमेस्सर क स्तुति
करत रहेन। जउने मनई क नीक करइ क इ काम
कीन्ह गवा रहा, ओकर उमिर चालीस बरिस स जिआदा
रही।

पतरस अउर यूहन्ना क लउटब

23जब ओनका छोड़ दीन्ह गवा तउ आपन ही मनइयन
क लगे आइ गएन अउर ओनसे जउन कछू मुख्ययाजक
अउर बुजुर्ग यहूदी नेतन कहेन, उ सब ओनका कहिके
सुनावा गवा। 24जब उ पचे इ सुनेन तउ मिलिके उँची
अवाज मँ परमेस्सर क गोहरावत भवा बोलेन, "स्वामी,
तू ही अकास, धरती, समुद्दर अउर ओकरे अंदर जउन
कछू अहइ, ओका बनाया ह। 25तू ही पवित्तर आतिमा
क जरिये आपन सेवक, हमरे पूर्वज दाऊद क मुँहना स
कहे रहा:

'देखाएन इ जातिन आपन अहंकार काहे?
मनइयन वृथा ही कुचाल काहे किहेन?
26 इ धरती क राजा लोग आपन क तइयार
किहेन ओनके खिलाफ जुद्ध बरे। अउर
राजा बटुर गएन पर्भू अउर ओकरे मसीह क
खिलाफत मँ।'

भजन संहिता 2:1-2

27हाँ, हेरोदेस अउर पुन्तियुस पिलातुस भी इ सहर मँ गैर
यहूदियन अउर इस्राएलियन क संग मिलिके तोहरे पवित्तर
सेवक ईसू क खिलाफ, जेकर तू मसीह रूप मँ अभिसेक
किहे ह, सचमुच उ पचे एक अउट ग रहेन। 28उ पचे
बटुर गएन काहेकि तोहार सक्ती अउर इच्छा क अनुसार
जउन कछू पहिले ही तय होइ चुका रहा, उ पूरा होइ।
29अउर अबहिं हे पर्भू, ओनकइ धमकिन प धियान द्या
अउर आपन सेवक लोगन क निडर होइके 'तोहार
बचन' सुनावइ क सक्ती द्या 30जब कि चंगा किहे क
पाछे आपन हाथ बढ़ाया अउर अद्भुत चीन्हन अउर
अद्भुत कारजन तोहरे पवित्तर सेवकन क जरिये ईसू
क नाउँ प कीन्ह जात रहत हीं।"
31जब उ पचे पराथना कइ चुकेन तउ जउने ठउरे
प उ सबइ बटुरा रहेन, उ हल गवा अउर ओन सब मँ
'पवित्तर आतिमा' समाइ गवा। अउर उ पचे निडर होइके
परमेस्सर क बचन बोलइ लागेन।

बिसवासी क मेल जोल क जिन्नगी

32बिसवासियन क इ समूचा दल एक मन अउर एक
तन स साथ रहा। कउनो भी इ नाहीं कहत रहा कि
ओकर कउनो भी चीज ओकर आपन अहइ। ओनकइ
लगे जउन कछू होत, उ पचे सब कछू क आपुस मँ बाँट
लेतेन। 33अउर प्रेरितन पूरी सक्ती क संग पर्भू ईसू क
पुनरुत्थान क बारे मँ साच्छी देत रहेन। परमेस्सर क
महान बरदान ओन पइ बना रहत।
34दले मँ कउनो क कउनो चीज क कमी नाहीं
रहत रही। काहेकि जउन कउनो क लगे खेत या घर
होत, उ पचे ओका बेच देत रहेन अउर ओसे जउन धन
मिलत, 35ओका लिआइके प्रेरितन क गोड़वा प धइ
देतेन। अउर जेका जेतॅनी जरुरत होत, ओका ओतॅना
धन दइ दीन्ह जात।
36उदाहरण बरे यूसुफ नाउँ क, साइप्रस मँ पइदा भवा,
एक लेवी रहा, जेका प्रेरितन बरनाबास (अर्थात् "सान्ति
क पूत") भी कहा करत रहेन। 37उ एक ठु खेत बेंच
दिहेस जेकर उ मालिक रहा अउर उ धन लाइके प्रेरितन
क गोड़वा प धइ दिहस।

हनन्याह अउर सफीरा

5 हनन्याह नाउँ क एक मनई अउर ओकर पतनी
सफीरा मिलिके आपन दौलत क एक हींसा बेंच
दिहेन। 2अउ आपन पतनी क जानकारी मँ एहमाँ स
कछू धन जुरय लिहेन। अउर कछू धन प्रेरितन क
गोड़वा प धइ दिहन। 3एँह पइ पतरस कहेस, "अरे हनन्याह,
सइतान क तू आपन मन मँ इ बात नाइ देइ दिहा कि तू
पवित्तर आतिमा स झूठ बोल्या अउर धरती क बेंचे स
मिला धन मँ स तनिक बचाइके धइ लिहा? 4ओका बेंचइ
स पहिले का उ तोहार ही नाहीं रही? अउर जब तू
ओका बेंच दिहा तउ उ धन का तोहरे कब्जा मँ नाहीं
रहा? तू इ बात क काहे सोच्या? तू मनइयन स नाहीं,
परमेस्सर स झूठ बोल्या ह।" 5हनन्याह जबहिं इ सब्दन
क सुनेस तउ उ चकराइके गिरि गवा अउर दम तोड़
दिहस। जउन कउनो भी इ बारे मँ सुनेस, सबन प गहिर
भय छाइ गवा। 6फिन जवान पुरुसन उठिके ओका कफन
मँ लपेटेन अउर बाहेर लइ जाइके गाड़ दिहेन।

7कउनो तीन घण्टा पाछे, जउन कछू भवा रहा,
ओका न जानत भइ ओकर पतनी भितरे आइ। 8पतरस
ओसे कहेस, "बतावा, तू आपन खेत क एँतने मँ ही बेच्या
ह?"

तउ उ कहेस, "हाँ, एँतना मँ ही।"

9तबहिं पतरस ओसे कहेस, "तू पचे दुइनउँ पर्भू क
आतिमा क परीच्छा बरे काहे मान लिहा? लखा तोहरे
भतारे क दफनावइवालन क गोड़ दुआरे ताईं आइ ग
अहइ अउर उ पचे तोहका भी ढोइ लइ जइहीं।" 10तब उ
ओकरे गोड़े प गिरि पड़ी अउर मरि गइ। फिन जवान
पुरुसन भितरे आएन अउर ओका मरा पाएन। तउ उ
पचे ओका ढोइके ओकरे पति क लगे ओका गाड़
दिहन। 11तउ समूचइ कलीसिया अउर जउन कउनो इ
बात क सुनेस, ओन सब प गहिरा भय छाइ गवा।

प्रमाण

12प्रेरितन क जरिये मनइयन क बीच बहोत स अद्भुत
कारजन परगट होत रहेन अउर अचरज कारजन कीन्ह
जात रहेन। उ पचे सबहिं सुलैमान क ओसारे मँ बटुरा
रहेन। 13मुला ओनमाँ स कउनो क हिम्मत प्रेरितन मँ
मिलइ बरे नाहीं होत रही। मुला मनइयन ओनकइ गुन
खूब गावत रहेन। 14ओहर पर्भू प बिसवास करइवालन
स्त्रियन अउर पुरुसन जिआदा स जिआदा बाढ़त जात
रहेन। 15एँकरे कारण मनइयन आपन कछू बीमार लोगन
क लाइके खटिया अउर बिछौना प गलियन मँ ओलारइ
लागेन काहेकि तबहिं पतरस ओहर स निकरा तउ ओनमाँ
स कछू प कमती स कमती छाया पड़ि सकइ। 16यरूसलेम
क आसपास क नगर स लोग आपन बेरमियन अउर
दुस्ट आतिमा स सतावा गएन मनइयन क लइके आवइ
लागेन। अउर सबहिं चंगा होइ जात रहेन।

यहूदियन क प्रेरितन क रोकइ क जतन

17फिन महयाजक अउर ओकर संगी यानी सदूकियन
क दल, ओनकइ खिलाफ खड़ा होइ गएन। उ पचे मने मँ
कुढ़त रहेन। 18यह बरे उ पचे प्रेरितन क बंदी बनाइ
लिहन अउर ओनका कैदखाना मँ बन्द कइ दिहेन।
19मुला राति क समइ पर्भू क एक दूत कैद क फाटक
खोल दिहस। उ ओनका बाहेर लइ जाइके कहेस, 20"जा,
मंदिर मँ ठाड़ होइ जा अउर इ नई जिन्नगी क बारे मँ
मनइयन क सब कछू बतावा।" 21जबहिं उ पचे इ सुनेन
तउ भोरहिं तड़के मंदिर मँ घुसि गएन अउर उपदेस देइ
लागेन।

फिन जब महायाजक अउर ओकर संगी हुवाँ पहोंचेन
तउ उ पचे यहूदी संघ अउर इस्राइल क बुजुर्ग क पूरी
सभा न्योतेन। उ पचे कैदखाना स प्रेरितन क बोलवावइ
पठएन। 22किन्तु जब अधिकारी कैदखाना मँ पहुँचेन तउ
उ पचे प्रेरितन क हुवाँ नाहीं पाएन। उ पचे लौटिके एँका
बताएन अउर 23कहेन, "हम पचे कैदखाना मँ सुरच्छा
क लगा भवा ताला अउर दुआरे प तैनात सुरच्छाकारियन
क पावा। मुला जब हम दरवाजा खोला तउ हमका भितरे
कउनो नाहीं मिला।" 24जइसेन मंदिर क सुरच्छाकारी
अउर मुख्ययाजकन इ सब्दन क सुनेन तउ उ पचे
चकराइ गएन अउर सोचइ लागेन, "अब का होई।"
25एँतने मँ कउनो दूसर मनई आवा अउर ओनका बताएस,
"जेनका तू पचे जेल मँ धाँध दिहा ह, उ पचे मंदिर मँ
खड़ा होइके उपदेस देत बाटेन।" 26तउ सुरच्छाकारी आपन
अधिकारी क संग हुवाँ गवा अउर बिना ताकत क प्रयोग
किए ओनका वापस धइ लिआवा काहेकि उ पचे डेरात
रहेन कि कहूँ मनई ओनका (मंदिर क सुरच्छा कर्मी)
पाथर स न मारइँ।

27उ पचे ओनका भितरे लइ आएन अउर सबन त
ऊँचकी यहूदी सभा क समन्वा खड़ा कइ दिहन। फिन
महायाजक ओनसे फरियावत भवा पूछेस, 28"हम इ नाउँ
स उपदेस न देइ बरे तोहका कर्रा हुकुम दिहे रहे। अउर
तू पचे फिन भी समूचइ यरूसलेम क आपन उपदेस स
भरि दिहा ह। अउर तू पचे इ मनई क मउत क अपराध
हम पचे पइ लादइ चाहत बाट्या।"

29पतरस अउर दूसर प्रेरितन जवाब दिहेन, "हमका
मनइयन क बनिस्बद परमेस्सर क आग्या मानइ चाही।
30उ ईसू क हमरे पूर्वजन क परमेस्सर मउत स फिन
जीवित कइके खड़ा कइ दिहेस ह जेका एक सूली प
टाँगिके तू पचे मार डाया 31ओका ही प्रमुख अउर
उद्धारकर्ता क रूप मँ बड़कइ देत भवा परमेस्सर आपन
दाहिन हाथे कइँती बइठाएस काहेकि इस्राएलियन क
मनफिराव अउर पाप क छमा दीन्ह जाइ सकइ। 32एँन
सबन बातन क हम साच्छी अही अउर वइसे ही पवित्तर
आतिमा भी बा उहइ परमेस्सर ओनका दिहेस ह जउन
ओकरे आज्ञा क मानत हीं।"

33जब उ पचे इ सुनेन तउ उ पचे कोहाइ गएन
अउर ओनका मारि डावइ चाहेन। 34मुला महासभा मँ स
एक गमलिएल नाउँ क फरीसियन जउन धरमसास्तिरी
अध्यापक रहा अउर जेकर सब लोग मान सम्मान करत
रहेन, ठाड़ भवा अउर हुकुम दिहेस कि ऍनका तनिक
देरी बरे बाहेर कइ दीन्ह जाइ। 35फिन उ ओनसे कहेस,
“इस्राएल क पुरुसो, तू पचे इ मनइयन क संग जउन कछू
करइ प उतारु अहा, ओका सोच बिचारिके किहा। 36कछू
समइ पहिले आपन क बड़कवा एलान करत भवा थियूदास
परगट भवा। ओर कउनो चार सौ मनई ओकरे पाछे भी
होइ गएन, मुला उ मार डावा गवा अउर ओकर सबहिं
मनवइयन एहर ओहर छिटक गएन। ओकर फल कछू
नाहीं निकरा।

37ओकरे पाछे जनगणना क समइ गलीली क बसइया
यहूदा परगट भवा। उ भी कछू मनइयन क आपन पाछे
कइँती हैंच लिहेस। उ भी मारि डावा गवा। ओकर भी
सबहिं एहर ओहर होइ गएन। 38यह बरे अबहिं मइँ तू
पचन्स कहत हउँ, इ मनइयन स अलग रहा, ऍनका
अइसे ही अकेल्ले छोरि द्या काहेकि ऍनकइ इ चाल या
काम मनई कइँती स अहइ तउ खुद नास होइ जाइ।
39मुला जदि उ परमेस्सर स अहइ तउ तू पचे ओनका
रोक न पउब्या। अउर तब होइ सकत ह तू आपन खुद
क ही परमेस्सर क खिलाफ लड़त भिड़त पउब्या!”

उ पचे जइसा गेमलिएल कहेस मान लिहेन। 40अउर
प्रेरितन क भितरे बोलाइके उ पचे कोड़ा लगवाएन अउर
इ आज्ञा दइके कि उ पचे ईसू क नाउँ क कउनो चर्चा
न करइँ, ओनका जाइ दिहेन। 41तउ उ पचे प्रेरितन इ
बात क मजा मारत भए कि ओनका ओकरे नाउँ बरे
बेज्जत रहइ क जोग्ग गना गवा ह, यहूदी महासभा स
बाहिर चला गएन।

42फिन मंदिर अउर घर-घर मँ हर रोज इ सुसमाचार
कि ईसू मसीह अहइ उपदेस देब अउर प्रचार करब उ
पचे कबहुँ नाहीं तजेन।

खास काम बरे सात मनइयन क चुना जाब

6 उ दिनन जबहिं चेलन क गनती बाढ़त रही, तउ
यूनानी बोलवइया अउर इब्रानी बोलवइया यहूदियन
मँ एक झगड़ा होइ गवा काहेकि रोजाना विधवावन क
चीज बाँटइ मँ ओनकइ सुधि नाहीं लीन्ह जात।

2तउ बारहु प्रेरितन क समूची मण्ड़ली क एक साथे
बोलाइके कहेन, “हम सबइ बरे परमेस्सर क बचन क
सेवकइ तजिके खिलाने क इन्तजाम करब नीक नाहीं
अहइ। 3भाइयन, आपन मँ स सात नामी मनइयन क
पवित्तर आतिमा अउर सूझबूझ स भरा भवा सात मनइयन
क चुनि ल्या। हम ओनका इ कामे क हकदार बनइ
देइ। 4अउर आपन आपका पराथना अउर बचन क
सेवा क कामे मँ जिअरा लगाइ क राखब।”

5इ सुझावे स समूचइ मण्डली बहोत खुस भइ। तउ उ
पचे बिसवास अउर पवित्तर आतिमा स भरा भवा स्तिफनुस
नाउँ क मनई क अउर फिलिप्पुस, प्रखुरुस, नीकानोर,
तिमोन, परमिनास अउर अन्ताकिया क निकुलाऊस क
यहूदी धरम क कबूले रहा, चुन लिहेस। 6अउर इ मनइयन
क फिन उ पचे प्रेरितन क समन्वा हाजिर कइ दिहन।
प्रेरितन पराथना किहेन अउर ओन पइ हाथ धरेन।

7इ तरह परमेस्सर क बचन संचरइ लाग अउर
यरूसलेम मँ चेलन क गनती बहोत बाढ़इ लाग। याजकन
क एक बहोत बड़ा गुट भी इ मत क मानइ लाग।

यहूदी स्तिफनुस क खिलाफ

8स्तिफनुस एक अइसा मनई रहा जउन अनुग्रह
अउर सामर्थ स भरपूर रहा। उ मनइयन क बीच बड़ा
बड़ा अद्‌भुत कारजन अउर अद्‌भुत चीन्हन परगट करत
रहा। 9मुला अजाद कीन्ह भवा अइसा कहवावत मनइयन
मँ स कछू लोग जउन कुरेनी अउर सिकन्दरिया, अउर
किलिकिया अउर एसिया स आवा भएन यहूदी रहेन, उ
पचे ओनकइ खिलाफ बहस करइ लागेन। 10मुला उ
जउन बुद्धिमानी अउर आतिमा स बोलत रहा, उ पचे
ओकरे समन्वा नाहीं टिक पाएन। 11फिन उ पचे कछू
क लालच दइके कहवाएन, “हम पचे मूसा अउर परमेस्सर
क खिलाफ ऍंका बेज्जत स भरा सबद कहत सुना ह।”
12इ तरह उ पचे जनता क बुजुर्ग यहूदी नेतन क, अउर
धरम सास्तिरियन लोगन्क हुस्काइ दिहेन। फिन उ पचे
ओका आइके धइ लिहेन अउर सबन स सर्वोच्च यहूदी
महासभा क समन्वा लइ आएन। 13उ पचे उ सब लबार
गवाह हाजिर किहेन जउन कहेन, “इ मनई इ पवित्तर
ठउर अउर व्यवस्था क खिलाफ बोलत बालत कबहुँ
रुकत नाहीं बा। 14हम ऍका कहत सुना ह कि इ नासरी
ईसू इ जगह क नास कइ देइ अउर मूसा जउन रीति-रिवाज
क हमका दिहे अहइ ओका बदल देइ।” 15फिन सबन स
सर्वोच्च यहूदी महासभा मँ बइठा भए सबहिं मनइयन मँ
ओका धियान स लखा तउ पावा कि ओकर मुहँना
कउनो सरगदूत क नाई देखाई देत रहा।

स्तिफनुस क भाखन

7 फिन महायाजक कहेस, “का इ बात अइसे ही अहइ?”
2उ जवाब दिहस, “भाइयो, अउर बाप क समान
बुजुर्गन, मोर बात सुना। हारान मँ बसइ स पहिले अबहिं
जब हमार बाप इब्राहीम मेसोपोटामिया मँ रहा, तउ महिमा
वाला परमेस्सर ओका दर्सन दिहेस 3अउर कहेस, ‘आपन
देस अउर आपन रिस्तेदारन क तजिके तू उ धरती प
चला जा, जेका तोहँका मइँ देखॉउब।’* 4तउ उ कसदियन
क धरती क तजिके हारान मँ बसि गवा जहाँ ते ओकरे

‘आपन ... देखॉउब’ उत्पत्ति 12:1

पिता क मउत क पाछे परमेस्सर ओका इ देस मँ आवइ
क न्योतेस जहाँ तू पचे अबहिं रहत बाट्या। 5परमेस्सर
हियाँ ओका हेबानामा मँ कछू नाहीं दिहस, डग भइ धरती
भी नाहीं। तउ भी ओकरे कउनो पूत नाहीं रहा फिन
परमेस्सर ओसे प्रतिज्ञा किहेस इ देस उ ओका अउर
ओकरे बंसज क ओकरी दौलत क तरह देइ। 6परमेस्सर
ओसे इ भी कहेस, 'तोहार बंसज कहूँ विदेस मँ परदेसी
होइके रइहीं अउर चार सौ बरिस ताईं ओका नउकर
बनइके, ओनके संग बहोत बुरा बर्ताव कीन्ह जाइ।'
7परमेस्सर कहेस, 'दास बनइवइवाली उ राष्ट्र क मइँ
सजा देब अउर एँकरे पाछे उ पचे देस स बाहेर आइ
जइहीं अउर इ स्थान प मोर सेवा करिहीं।'* 8परमेस्सर
इब्राहीम क खतना क चीन्हा स करार किहेस। अउर उ
इ तरह इसहाक क पिता बना। ओकरे जनम क पाछे
अठएँ दिन उ ओकर खतना किहेस। फिन इसहाक स
याकूब अउर याकूब स बारहु कुल क पहिला मनई पइदा
भएन।

9"उ पचे पहिलउ मनइयन यूसुफ स जलन राखत
रहेन। तउ उ पचे ओका मिस्र मँ दास बनवइ बरे बेंच
दिहेन। मुला परमेस्सर ओनके संग रहा। 10अउर उ
ओका सबहिं मुसीबतन स बचाएस। परमेस्सर यूसुफ क
गियान दिहेस अउर ओका इ जोग्ग बनएस जेसे उ मिस्र
क राजा फिरौन क अनुग्रह पात्र बन जाइ। फिरौन
ओका मिस्र क राज्यपाल अउर आपन घर-बार क
अधिकारी तैनात किहेस। 11फिन समूचइ मिस्र अउर
कनान देस मँ अकाल पड़ा अउर बड़ा संकट छाइ गवा।
हमार पूर्वजन खाइ क कछू नाहीं पाइ सकेन। 12जब
याकूब सुनेस कि मिस्र मँ अनाज अहइ, तउ उ हमरे
पूर्वजन क हुवाँ पठएस इ पहिला मौका रहा। 13ओनकइ
दूसर जात्रा क मौका पइ यूसुफ आपन भाइयन क बारे मँ
बताएस अउर तब्बइ फिरौन क भी यूसुफ क परिवार
क जानकारी मिली। 14तउ यूसुफ आपन पिता याकूब
अउर परिवार क सबहि लोगन्क, जउन कुल मिलाइके
पचहत्तर रहेन, बोलवाइ पठएस। 15तब याकूब मिस्र आइ
गवा अउर उ हुवाँ वइसे ही प्राण तजेस जइसेन हमार
पूर्वजन हुवाँ प्राण तजे रहेन। 16ओनकइ ल्हास हुवाँ स
सेकम लइ जावा गएन जहाँ ओनका मकबरा मँ दफनाइ
दीन्ह गवा। इ उहइ मकबरा रहा जेका इब्राहीम हमोर क
बेटहनन स कछू चान्दी दइके खरीदे रहा।

17"जब परमेस्सर क इब्राहीम क जउन बचन दिहे
रहा, ओका पूरा होइ क समइ नगिचे आवा तउ मिस्र मँ
हमरे मनइयन क गनती बहोत जिआदा होइ गइ। 18आखिर
मँ मिस्र प एक अइसे राजा क राज्य भवा जउन यूसुफ
क नाहीं जानत रहा। 19उ हमरे मनइयन क छलेस अउर
उ हमरे पूर्वजन क निर्दय होइके मजबूर किहेस कि उ
पचे आपन गदेलन क बाहेर मरइ क छोरि देइँ जेहसे उ
सबइ जिन्दा न रहि पावइँ। 20उहइ समइ मूसा क जन्म
भवा। उ बहोत सुन्नर लरिका रहा। उ तीन महीना भर
आपन पिता क घर मँ पलत भवा बाढ़त रहा। 21फिन
जब ओका बाहेर छोरि दीन्ह गवा तउ फिरौन क बिटिया
ओका आपन बेटवा बनइके उठाइ लइ गइ। उ आपन
बेटवा क नाईं ओका पालेस पोसेस। 22मूसा क पूरंपूर
मिस्रियन क ग्यान क सिच्छा दीन्ह गइ। ओकर सामर्थ
बोलइ अउर कामे मँ दुइनउँ मँ रहा।

23"जब उ चालीस बरिस क भवा तउ उ इस्राएल क
बंसज, आपन भाइयन क निअरे जाइके ठान लिहेस।
24तउ जब उ एक दाईं लखेस कि ओनमाँ स कउनो एक
क संग बुरा व्यवहार कीन्ह जात अहइ तउ उ ओका
बचाएस अउर मिस्री मनई क मारिके उ दलित मनई क
कसर लिहेस। 25उ सोचेस कि ओकर भाई बंधु जान
जइहीं कि ओनका छोड़ावइ बरे परमेस्सर ओका बइपरत
अहइ। मुला उ पचे ओका नाहीं समझ पाएन। 26दुसरे
दिना ओहमाँ स (ओकरे आपन मनइयन मँ स) जब कछू
मनई झगड़त रहेन तउ उ ओनकइ निअरे पहोंचा अउर
इ कहत भवा ओनमाँ बीच–बचाव करइ लाग, 'तू पचे
आपुस मँ भाई–भाई अहा! एक दूसर क संग बुरा बर्ताव
काहे करत अहा?' 27मुला उ मनई जउन आपन पड़ोसी
क संग झगड़त रहा, मूसा क धकियावत भवा कहेस,
'तोहका हमार राजा अउर न्यायाधीस के बनएस? 28जइसे
काल्ह तू उ मिस्रि क हत्या कइ दिहे रहा, का तू वइसे ही
मोका मारि डावा चाहत ह?'* 29मूसा जब इ सुनेस तउ
उ हुवाँ स चला गवा अउर मिदयान मँ एक पड़ोसी क
रूप मँ रहइ लाग। हुवाँ ओकरे दुइ बेटवा भएन। 30"चालीस
बरिस बीते क पाछे सिनाई पहाड़े क लगे रेगिस्तान मँ
एक बरत भइ झाड़ी क लपट क बीच ओकरे समन्वा
एक सरगदूत परगट भवा। 31मूसा जब इ लखेस तउ
ओका अचरज भवा। जब अउर जिआदा नगिचे स लखइ
बरे उ ओकरे लगे गवा तउ ओका पर्भू क बाणी सुनाई
पड़ी। 32'मइँ तोहरे पूर्वजन क परमेस्सर हउँ इब्राहीम,
इसहाक अउर याकूब क परमेस्सर हउँ।'* डर स
कँपकँपात भवा मूसा कछू निहारइ क हिम्मत नाहीं कइ
पावत रहा। 33तबहि पर्भू ओसे कहेस, 'आपन गोड़वा क
पनही उतार द्या काहेकि जउने ठउर प तू खड़ा अहा,
उ पवित्तर भुइँया अहइ। 34मइँ मिस्र मँ आपन मनइयन
क संग दुर्दसा क लखेउँ ह, परखेउँ ह। मइँ ओनका जोर
स विलाप करत भवा सुनेउँ ह। ओनका अजाद करइ
बरे नीचे उतरेउँ ह। आवा, अब मइँ तोहका मिस्र पठउब।'*

'तोहार … करिहीं' उत्पत्ति 15:13-14; निर्ग 3:12

'तोहका … ह' निर्ग 2:14

'मइँ … हउँ' निर्ग 3:6

'आपन … पठउब' निर्ग 3:5-10

35“इ उहइ मूसा अहइ जेका उ पचे इ कहत भवा
नकारेन, ‘तोहका राजा अउर न्यायकर्ता कउन बनाएस
ह?’ इ उहइ अहइ जेका परमेस्सर उ सरगदूत क जरिये,
जउन ओकरे बरे झाड़ी मँ परगट भवा रहा, राजा अउर
मुक्ति देइवाला होइ बरे पठएस। 36उ ओनका मिस्र क
भुइँया अउर लाल सागर अउर रेगिस्ताने मँ चालीस
बरिस ताईं बहुत अचरज कारजन करत भवा अउर
अद्भुत चीन्हन दखॉवत भवा, बाहेर निकारि लइ आवा।
37इ उहइ मूसा अहइ जउन इस्राएल क लोगन स कहे
रहा, ‘तोहरे भाइयन मँ स ही तोहरे बरे परमेस्सर एक
मोरे जइसा नबी पठइ।’* 38इ उहइ अहइ जउन वीरान
जगह मँ सभा क बीच हमार पूर्वजन अउर उ सरगदूत
क साथे मौजूद रहा जउन सीनै पहाड़े प ओसे बात
किहेस। मूसा परमेस्सर स जीवित बचन पाएस जउन
हमका जिन्नगी देत हीं।

39“मुला हमार पूर्वजन ओका मानइ स इनकार कइ
दिहेन। एँतना ही नाहीं, उ पचे ओका नकार दिहन अउर
आपन मने मँ फिन उ पचे मिस्र लौटि गएन। 40उ पचे
हारून स कहे रहेन, ‘हमरे बरे अइसे देवतन क बनावा
जउन हम पचन्क राह सोझॉवइ। इ मूसा क बारे मँ जउन
मिस्र स बाहेर निकारा गवा रहा, हम नाहीं जानित कि
ओकरे संग का कछू घटा।’* 41ओनही दिनन मँ उ पचे
बछवा क तरह एक ठु मूरत गढ़ेन। उ मूरत प उ सबइ
बलि चढ़ाएन। अउर जेका उ पचे आपन हाथे स चढ़ाएन,
ओह पइ आनन्द मनावइ लागेन। 42मुला परमेस्सर ओनसे
मुँहना मोड़ि लिहस। उ सबन्क अकासे क ग्रह-नछत्र क
आराधना करइ बरे छोड़ दीन्ह गवा। जइसा कि नबियन
क किताबे मँ लिखा अहइ:

‘ओ इस्राएल क परिवारे क लोगो, का तू पसु
बलि अउर दूसर बलि वीरान मँ मोका नाहीं
चढ़ावत रह्या? चालीस बरिस तलक।
43 तू पचे मोलेक क तम्बू अउर आपन देवता
रिफान क तारा भी आपन संग लइ गवा रहे।
ओन मूरत क भी लइ गवा रहे जेनका तू पचे
आराधना करइ बरे बनए रह्या। यह बरे मइँ
तोहका बेबिलान स भी परे पठउब।’

आमोस 5:25-27

44“पवित्तर क तम्बू भी उ वीरान मँ हमरे पूर्वजन
क संग रहा। इ तम्बू उहइ नमूने प भी बनवा ग रहा
जइसा कि मूसा लखे रहा अउर जइसा कि मूसा स बात
करवइया बनावइ बनावइ बरे ओसे कहे रहा। 45हमार
पूर्वजन ओका पाइके तबहिं हुवाँ स आए रहेन जब यहोसू
क अगुअइ मँ उ पचे उ राष्ट्रन स धरती लइ लिहे रहेन
जेनका हमरे पूर्वजन क समन्वा परमेस्सर निकारिके
खदेरे रहा। दाऊद क समइ तलक हुवाँ उ रहा। 46दाऊद
परमेस्सर क अनुग्रह क आनन्द उठाएस। उ चाहत रहा
कि उ याकूब क परमेस्सर बरे एक ठु मंदिर बनवाइ
सकइ। 47मुला उ सुलेमान ही रहा जउन ओकरे बरे
मंदिर बनवाएस।

48“कछू भी होइ परम परमेस्सर हथवा स बना भवन
मँ निवास नाहीं करत। जइसा कि नबी कहे अहइ:

‘प्रभू कहेस, सरग मोर सिंहासन अहइ
49 धरती गोड़वा क चौकी बनी अहइ। कउने
तरह क तू बनउब्या मोर घर? अहइ कहूँ
अइसी जगह, जहाँ अराम पावउँ?
50 का सबहिं कछू इ, मोर बनवा नाहीं रहा हाथे
का?’”

यसायाह 66:1-2

51“अरे हठीले लोग बिना खतना क मन अउर कान
वाले जिद्दी मनइयन, तू पचे सदा पवित्तर आतिमा क
खिलाफत किहे ह। तू सबइ आपन पूर्वजन जइसा ही
अहा! 52का कउनो भी अइसा नबी रहा, जेका तोहार
पूर्वजन नाहीं सताएन? उ पचे तउ ओनका मारि डाए
रह्या। जउन बहोत पहिले स ही उ धर्मी (मसीह) क
अवाई क एलान कइ दिहे रहेन, जेका अब तू धोखा
दइके पकड़वाइ दिहा अउर मरवाइ डाया। 53तू सबइ
उहइ अहा जउन सरगदूतन क जरिये दीन्ह गवा व्यवस्था
क तउ पाइ लिहा मुला ओह पइ चल्या नाहीं!”

स्तिफनुस क कतल

54जब उ सबइ इ सुनेन तउ उ पचे किरोध स पगलाइ
गएन अउर स्तिफनुस पर दाँत पीसइ लागेन। 55मुला
पवित्तर आतिमा स भरा स्तिफनुस सरगे कइँती लखत
रहा। उ निहारेस परमेस्सर क महिमा क अउर परमेस्सर
क दाहिन कइँती खड़ा भवा ईसू क। 56तउ उ कहेस,
“लखा! मइँ लखत हउँ कि सरग खुला भवा अहइ अउर
मनई क पूत परमेस्सर क दाहिन कइँती खड़ा बा!”

57एह पइ उ पचे चिचिआत भवा आपन कान ढाँपि
लिहेन अउर फिन उ सबइ एक संग टूट पड़ेन। 58उ
सबइ ओका घेरॉवत भए सहर स बाहेर लइ गएन अउर
ओहॅ पइ पाथर बरसावइ लागेन। तबहिं गवाह लोग आपन
ओढ़ना उतारि के साउल नाउँ क एक ठु जवान क गोड़े
प धइ दिहेन।

59स्तिफनुस प जब स उ पचे पाथर बरसाउब सुरु
किहेन, उ इ कहत भवा पराथना करत रहा, “पर्भू ईसू,
मोर आतिमा क ग्रहण करा।” 60फिन उ घुटना क बल
भहराइ गवाँ अउर ऊँची अवाजे मँ चिल्लान, “पर्भू, इ

‘तोहरे ... पठइ’ व्यवस्था 18:15

‘हमरे ... घटा’ निर्ग 32:1

पाप क ओनकइ खिलाफ जिन ल्या!" एँतना कहिके उ
हमेसा क नींद मँ सोइ गवा।

8 साउल स्तिफनुस क कतल क ठीक बताएस। उहइ
दिना स यरूसलेम क कलीसिया प घोर अत्याचार
होब सुरु भवा। प्रेरितन क तजिके उ पते सबहिं मनइयन
यहूदिया अउर सामरिया क गाउँ मँ तितराइ-बितराइके
फैलि गएन।

बिसवासियन प अत्याचार

2-3 कछू भगत लोग स्तिफनुस क गाड़ दिहन अउर
ओकरे बरे बहोत दुःख मनाएन। साऊल कलीसिया क
बरबाद करब सुरु कइ दिहेस। उ घर-घर जाइके स्त्रियन
अउर पुरुसन क घेर्रावत भवा जेल मँ धाँधइ लाग।
4ओहर तितराए बितराए मनई हर ठउरे प जाइके नीक
खबर क सुसमाचार देइ लागेन।

सामरिया मँ फिलिप्पुस क उपदेस

5फिलिप्पुस सामरिया नगर क चला गवा अउर हुवाँ
मनइयन मँ मसीह क बारे मँ प्रचार करइ लाग। 6फिलिप्पुस
क मनइयन जब सुनेन अउर जउन अद्भुत चीन्हन क
उ परगट करत रहा, लखेस, तउ जउन बातन क उ
बतावा करत रहा, ओन पइ उ पचे एक चित्त लाइके
धियान दिहेन। 7बहोत स मनइयन मँ स, जेनमाँ दुस्ट
आतिमा समाई रहिन, उ सबई ऊँच अवाजे मँ चिल्लात
भइ बाहेर निकरि आइन। बहोत स सुखाड़ी क बेरिमिया
अउर अंग भंग नीक होत रहेन। 8उ सहर मँ खुसी छाइ
रही।

9हुवँइ समौन नाउँ क मनई रहत रहा। फिलिप्पुस क
अवाई स पहिले उ ढेर समइ स उ सहर मँ जादू टोटका
करत रहा। अउर सामरिया क मनइयन क अचरज मँ
डाइ देत रहा। उ महा पुरुख होइ क दावा करत रहा।
10नान्ह स लइके बड़वारे तलक सबहिं मनइयन ओकरे
बात प धियान देतेन अउर कहत रहतेन, "इ मिला परमेस्सर
क उहइ सक्ती बा जउन 'महान सक्ती' कहवावत ह!"
11काहेकि उ ढेर दिनन स ओन पचन्क आपन चमत्कारन
क घनचक्कर मँ नाइ देत रहा, यह बरे उ पचे ओह पइ
धियान देत रहेन। 12मुला उ पचे जब फिलिप्पुस प पतिमानेन
काहेकि उ ओनका परमेस्सर क राज्य क सुसमाचार
अउर ईसू मसीह क नाउँ बाँचत रहा, तउ उ पचे स्त्रियन
अउर पुरुसन दुइनउँ ही बपतिस्मा लेइ लागेन। 13अउर
खुद समौन ही ओन पइ पतियाइ लाग। अउर बपतिस्मा
लेइ क पाछे फिलिप्पुस क संग उ बड़े निचके स बसइ
लाग। उ अद्भुत कारजन अउर अद्भुत चीन्हन क जब
उ लखेस, तब दंग रहि गवा।

14जब यरूसलेम मँ प्रेरितन इ सुनेन कि सामरिया क
मनइयन परमेस्सर क बचन क मान लिहे अहइँ तउ उ
पचे पतरस अउर यूहन्ना क ओनके लगे पठएन। 15जबहिं
उ पचे आएन, तब उ दुइनउँ सामरियन बरे पराथना
किहेन कि ओनका पवित्तर आतिमा मिलि जाइ।
16काहेकि अबहुँ तलक पवित्तर आतिमा कउनो प नाहीं
ओतरी, ओनका फिन पर्भू ईसू क नाउँ प बपतिस्मा हि
दीन्ह गवा रहा 17तउ पतरस अउर यूहन्ना ओन पइ
आपन हाथ धरेस अउर ओनका पवित्तर आतिमा मिलि
गइ।

18जब समौन लखेस कि प्रेरितन क हाथ धरे भइ स
पवित्तर आतिमा मिलि गइ तउ ओनके समन्वा धन
धरत भवा कहेस, 19"इ सक्ती मोका दइ द्या काहेकि
जेह पइ मइँ हाथ धरउँ, ओका पवित्तर आतिमा मिलि
जाइ।"

20पतरस ओसे कहेस, "तोहार अउर तोहरे धने क
सतियानास होइ! काहेकि तू इ बिचार्‌या ह कि तू धने स
परमेस्सर क बरदान क मोल लइ सकत ह। 21इ बारे मँ
तोहार हमार मेल नाहीं खात काहेकि परमेस्सर क समन्वा
तोहार हिरदय सही नाहीं बा। 22यह बरे आपन इ दुस्टता
बरे मनफिराव अउर आपन कुकरम प पछतावा करा
अउर पर्भू स पराथना करा। इ होइ सकत ह कि इ
बिचार बरे तोहका छमा कइ दीन्ह जाइ जउन तोहरे मने
मँ रहा। 23मइँ लखत हउँ कि तू परिहँसे स भरा अहा
अउर पाप क पंजा मँ फँसा बाट्या।"

24यह पइ समौन जवाब दिहेस, "तू पर्भू स मोरे बरे
पराथना करा काहेकि तू जउन कहया ह, ओहमाँ स
कउनो भी बात मोह प न आइ जाइ!"

25फिन प्रेरितन साच्छी दइके अउर पर्भू क बचन
सुनाइके, राहे मँ टेर क सामरी गाँवन मँ सुसमाचार क
उपदेस देत भएन यरूसलेम लौटि गएन।

इथियोपिया स आवा भएन मनइयन क फिलिप्पुस क उपदेस

26पर्भू क एक सरगदूत फिलिप्पुस क कहत भवा
बताएस, "तइयार होइ जा, अउर सरक प दक्खिन कइँती
जा, जउन सरक यरूसलेम स गाजा क जात ह। इ एक
निर्जन राह अहइ।" 27तउ उ तइयार भवा अउर निकरि
गवा। सरक पइ इथियोपिया क मनई क लखेस। उ नामर्द
रहा। इथियोपियन क रानी कंदाके क एक अधिकारी
रहा जउन ओकरे सारा खजाना क खजांची रहा। उ
आराधना करइ यरूसलेम गवा रहा। 28लउटत भवा उ
आपन रथे मँ बैठिके नबी यसायाह क पोथी बाँचत रहा।
29तबहिं उ आतिमा फिलिप्पुस स कहेस, "उ रथे क
निचके जा अउर हुवँइ ठहर जा।" 30फिलिप्पुस जब उ
रथे क निचके दौड़िके गवा तउ उ ओका यसायाह क
पढ़त भवा लखेस। तउ उ कहेस, "का तू जेका बाँचत
अहा, ओका बूझत भी बाट्या?"

31उ कहेस, "मइँ भला कहाँ तलक समुझ बूझ सकत
हउँ? जब तलक कउनो मोका एकर अरथ न बतावइ?"

फिन उ फिलिप्पुस क रथे प आपन संग बइठाएस।
32पवित्तर सास्तर क जउन हींसा क उ बाँचत रहा, उ
रहा:

“उ भेंड़ क नाईं जप कइ दीन्ह बरे लइ जावा
जात रहा उ ओ मेम्ना क नाईं चुप रहा जउन
आपन उन क कतरइवाला क समन्वा चुप
रहत ह। ठीक वइसे ही उ आपन मुँह खोलेस
नाहीं।

33 अब अइसी दीन दसा मँ ओका निआव स
दुरिआवा गवा।
ओकरी पीढ़ी क कबहँ गाथा कउन गाई?
काहेकि धरती स तउओकर जिन्नगी लइ लीन्ह
गइ।”

यसायाह 53:7-8

34उ अधिकारी फिलिप्पुस स कहेस, “अनुग्रह कइके
बतावा कि इ नबी केकर बारे मँ कहत बाटइ? इ आपन
बारे मँ या कउनो अउर क बारे मँ?” 35फिन फिलिप्पुस
कहब सुरु किहेस अउर इ सास्तर स लइके ईसू क
सुसमाचार तलक सब कछू ओका कहिके सुनाएस।

36रस्ता मँ आगे बढ़त भए उ सबइ पानी क निचके
पहुँचेन। फिन उ अधिकारी कहेस, “लखा! हिआँ पानी
बाटइ। अब मोका बपतिस्मा लेइ मँ का बियाधा अहइ?”

37* 38तब उ रथे क रोकइ बरे आज्ञा दिहेस। फिन
फिलिप्पुस अउर उ अधिकारी दुइनउँ ही पानी मँ उतरि
गएन अउर फिलिप्पुस ओका बपतिस्मा दिहेस। 39अउर
फिन जब उ पचे पानी स बाहेर निकसेन तउ फिलिप्पुस
क पर्भू क आतिमा छीन लइ गवा। अउर उ अधिकारी
फिन ओका कबहुँ नाहीं लखेस। ओहर उ अधिकारी
खुसी मनावत आपन राहे प चला गवा। 40ओह कइँती
फिलिप्पुस खुद क असदोद मँ पाएस अउर कैसरिया
पहोंच तलक उ सब नगरन मँ सुसमाचार प्रचार करत
रहा।

साउल क हिरदय बदलब

9 साउल अबहुँ पर्भू क चेलन क मारि डावइ क
धमकी देत रहा। उ महायाजक क लगे गवा 2अउर
उ दमिस्क क आराधनालय क नाउँ इ मंसा क चिट्ठी
लिहेस कि जेहसे ओका हुवाँ अगर कउनो इ पंथ क
चेलन मिलइ, फिन चाहे उ स्त्रियन होइ, चाहे पुरुसन,
तउ उ ओका बंदी बनाइ सकइ अउर फिन वापिस
यरूसलेम लइ आवइ।

3तउ जब चलत चलत उ दमिस्क क निचके पहोंचा,
तउ एकाएक ओकरे चारिहुँ कइँती अकासे स रोसनी
कउँधी 4अउर उ भुइँया प जाइ गिरा। उ एक अवाज
अनकेस जउन ओसे कहत रही, “साउल, अरे ओ साउल!
तू मोका काहे सतावत अहा?”

5साउल कहेस, “पर्भू, तू कउन अहा?”

उ कहेस, “मइँ ईसू अहउँ जेका तू सतावत बाट्या।
6मुला अब तू खड़ा ह्वा अउर नगर मँ जा। हुवाँ तोहका
बताइ दीन्ह जाइ कि तोहका का करइ चाही।”

7जउन मनई ओकरे संग जात्रा करत रहेन, उ पचे
चुपचाप रहि गएन। उ पचे अवाज तउ अनकेन मुला
कउनो क लखेन नाहीं। 8फिन साउल भुइँया पइ स खड़ा
भवा। मुला जब उ आपन आँखी खोलेस तउ उ कछू भी
नाहीं निहारि सका। यह बरे उ पचे ओकर हाथ धइके
दमिस्क लइ गएन। 9तीन दिना तलक उ न तउ कछू
निहारि पाएस, अउर न ही कछू खाएस या पीएस।

10दमिस्क मँ हनन्याह नाउँ क ईसू क एक चेला
रहा। पर्भू दर्सन दइके ओसे कहेस, “हनन्याह!”

तउ उ बोला, “पर्भू, मइँ इ हउँ।”

11पर्भू ओसे कहेस, “खड़ा ह्वा अउर उ गली मँ
जेका सोझ कहवावइ वाली गली कहा जात ह। अउर
हुवाँ यहूदी क घरे मँ जाइके तारसी क बसइया साउल
नाउँ क एक मनई क बारे मँ पूछताछ करा काहेकि उ
पराथना करत बाटइ। 12उ एक दर्सन मँ लखेस ह कि
हनन्याह नाउँ क एक मनई घरे मँ आइके ओह प हाथ
रखेस ह ताकि उ फिन लखि सकइ।”

13हनन्याह जवाब दिहेस, “पर्भू, मइँ इ मनई क बारे
मँ बहोतन स सुना ह। यरूसलेम मँ तोहरे संत लोगन क
संग इ जउन बुरा काम किहेस ह, उ सब मइँ सुनेउँ ह।
14अउर हियाँ भी इ मुख्ययाजक स तोहरे नाउँ मँ सबहिं
बिसवासी मनइयन क बंदी बनावइ क हुकुम लइ आवा
ह।”

15मुला पर्भू ओसे कहेस, “तू जा काहेकि इ मनई क
विधर्मी मनइयन, राजा लोगन अउर इस्राएल क मनइयन
क समन्वा मोर नाउँ लेइ बरे, एक जरिया क रूप मँ मइँ
चुनेउँ ह। 16मइँ खुद ओका उ सब कछू बताउब, जउन
ओका मोरे नाउँ बरे सहइ क होइ।”

17तउ हनन्याह चला गवा अउर उ घरे क भितरे
पहोंचा अउर साउल प आपन हाथ रखि दिहेस अउर
कहेस, “भाइ साउल! पर्भू ईसू मोका पठएस ह जउन
तोहरे राह मँ तोहरे समन्वा परगट भ रहा जेहसे तू फिन
स लखि सका अउर पवित्तर आतिमा स भरि उठा।”
18फिन तुरतहि बोकला जइसी कउनो चीज ओकरी
आँखिन स टेघरी अउर ओका फिन देखाँइ देइ लाग। उ
खड़ा भवा अउर उ बपतिस्मा लिहेस। 19ओकरे पाछे
फिन तनिक खइया खाए क बाद आपन ताकत पाइ
गवा।

पद 37 ‘प्रेरितन क काम’ की कछू बाद की प्रतियन मँ पद 37 मिलत ह: “फिलिप्पुस जवाब दिहेस, ‘जदि तू आपन पूरंपूर हिरदय स बिसवास करत ह तउ लइ सकत ह।’ अधिकारी कहेस, ‘हाँ! मइँ पतियात हउँ कि ईसू मसीह परमेस्सर क पूत अहइ।’”

साउल क दमिस्क मँ प्रचार काम

उ दमिस्क मँ चेलन क संग कछू समइ ठहरा।
20फिन इ सोझइ यहूदी आराधनालय मँ पहोंचा अउर ईसू
क प्रचार करइ लाग। उ कहेस, “इ ईसू परमेस्सर क पूत
अहइ।” 21जउन कउनो भी ओका सुनेन, चकित रहि
गएन अउर बोलेन, “का इ उहइ नाहीं अहइ, जउन
यरूसलेम मँ ईसू क नाउँ मँ बिसवास करइया मनइयन
क नास करइ क जतन नाहीं किहेस। अउर का इ
ओनका धरवावइ अउर मुख्ययाजक क समन्वा लइ
जाइ नाहीं आवा रहा?” 22मुला साउल जिआदा स जिआदा
सक्तीसाली होत गवा अउर दमिस्क मँ बसइया यहूदियन
क इ सिद्ध करत भवा कि इ ईसू ही मसीह अहइ,
हरावइ लाग।

साउल क यहूदियन स बच निकरब

23बहोत दिन बीति जाए क पाछे यहूदियन ओका
मारि डावइ क षडयन्त्र किहेन। 24मुला ओनकइ चाल
क पता साउल क होइ गवा। उ पचे सहर क दुआरन प
घात लगाए रहत रहेन जेहसे ओका मारि डावइँ। 25मुला
ओकर चेलन ओका राति मँ उठाइ लइ गएन अउर
झउआ मँ बइठाइके सहर क चहरदीवार के छेदे स
ओका खाले उतारि दिहेन।

यरूसलेम मँ साउल क पहुँचब

26फिन जब उ यरूसलेम पहोंचा तउ उ चेलन क
संग मिलइ क जतन करइ लाग। मुला उ पचे तउ ओसे
ससान रहेन। ओनका इ बिसवास नाहीं रहा कि उ भी
ईसू का एक चेलन अहइ। 27मुला बरनाबास ओका आपन
संग प्रेरितन क लगे लइ गवा अउर उ ओनका बताएस
कि साउल पर्भू क राहे मँ कउने तरह लखेस अउर पर्भू
ओसे कइसे बतियान ह। अउर दमिस्क मँ कउने तरह उ
बेडर होइके ईसू क नाउँ क प्रचार करइ लाग।

28फिन साउल ओनके संग यरूसलेम मँ अजादी स
आवइ जाइ लाग। उ बेडर होइके पर्भू क नाउँ क प्रबचन
करत रहा। 29उ यूनानी भाखा क बोलवइया क साथ
तहत्तुक अउर धरम चर्चा करत रहा मुला उ सबइ तउ
ओका मारि डावा चाहत रहेन। 30मुला जब भाई लोगन्क
इ बात क पता लाग तउ उ पचे ओका कैसरिया लइ
गएन अउर फुव ओका तरसुस पहोंचाइ दिहेन।

31इ तरह समूचइ यहूदिया, गलील अउर सामरिया क
कलीसिया क उ समइ सांति स बीति गवा। उ कलीसिया
अउर जिआदा सक्तीसाली होइ लाग। काहेकि उ पर्भू स
डेराइके आपन जिन्नगी काटत रही, अउर पवित्तर
आतिमा ओका अउर जिआदा हिम्मत देत रही तउ ओकर
गनती बाढ़इ लाग।

32फिन उ समूचइ पहँटा मँ टहरत घूमत पतरस लुद्दा
क संत लोगन स भेंटइ पहोंचा। 33हुवाँ ओका एनियास
नाउँ क एक मनई मिला जउन आठ बरिस स बिछउना
प ओलरा रहा। ओका लकुआ मारि गवा रहा। 34पतरस
ओसे कहेस, “एनियास, ईसू मसीह तोहका चंगा करत ह।
खड़ा ह्वा अउर आपन बिछउना सोझ करा!” तउ उ
तुरंत खड़ा होइ गवा। 35फिन लूद्दा अउर सारोन मँ बसइया
सब मनइयन ओका लखेन अउर उ पचे पर्भू कइँती घूमि
गएन।

पतरस याफा मँ

36याफा मँ तबीता नाउँ क एक चेली रहत रही
(जेकर यूनानी अनुवाद अहइ दोरकास अरथ अहइ
“हिरनी”।) हमेसा नीक नीक काम करत अउर गरीबन
क दान देत। 37ओनही दिनाँ उ बीमार भइ अउर मरि
गइ। उ पचे ओकरे ल्हासे क नहवाइके सीढ़ी क ऊपर
खोली मँ धइ दिहेन। 38लुद्दा याफा क लगे रहा, तउ
चेलन जबहिं इ सुनेन कि पतरस लुद्दा मँ बाटइ तउ उ
पचे ओकरे लगे दुइ मनई पठएन कि उ सबइ ओसे
बिनती करइँ, “अनुग्रह कइके हाली स हाली हमरे लगे
आइ जा!” 39तउ पतरस तइयार होइके ओनके संग चला
गवा। जब पतरस हुवाँ पहोंचा तउ उ पचे ओका सीढ़ी क
ऊपर खोली मँ लइ गएन। हुवाँ सबहिं विधवावन छाती
पीटिके रोवत भइन अउर उ सबइ कुर्ती अउर ओढ़ना
क, जेनका दोरकास बनाए रहा; जबहिं उ पचे ओकरे
संग रहिन देखॉवत भइन खड़ी होइ गइन। 40पतरस हर
कउनो क बाहेर पठएस अउर घुटना क बल निहुरिके
ओसे पराथना किहेस। फिन ल्हास कइँती घूमत भवा
बोला, “तबीता–खड़ी होइजा!” उ आपन आँखिन उघारेस
अउर पतरस क लखतन भइ उठिके बइठी। 41ओका
आपन हाथ दइके पतरस खड़ा किहेस अउर फिन संत
अउर विधवावन क बोलवाइ के ओनका ओका जिन्दा
सौंप दिहेस। 42समूचइ याफा मँ हर कउनो क इ बात क
पता लग गवा अउर बहोत स मनइयन पर्भू मँ बिसवास
किहेन। 43फिन याफा मँ समौन नाउँ क एक चमार क
हियाँ पतरस बहोत दिनाँ तक रुका रहा।

पतरस अउर कुरनेलियुस

10 कुरनेलियुस नाउँ क एक मनई कैसरिया मँ
रहा। उ फउज क उ दले क नायक रहा जेका
इतालवी कहा जात रहा। 2उ परमेस्सर स डेरॉइवाला
भगत रहा अउर वइसा ही ओकर परिवार भी रहा। उ
गरीबन क मदद करइ बरे दिल खोलिके दान देत रहा
अउर हमेसा ही परमेस्सर क पराथना करत रहत रहा।
3दिन क नवे* पहर क नगिचे उ एक दर्सन मँ साफ
साफ लखेस कि परमेस्सर क एक सरगदूत ओकरे लगे
आवा ह अउर ओसे कहत ह, “कुरनेलियुस।”

नवे दिन क तीन बजे।

4तउ कुरनेलियुस डेरात भवा सरगदूत कइँती लखत
भवा बोला, "हे पर्भू, इ का अहइ?"
सरगदूत ओसे कहेस, "तोहार पराथना अउर गरीब
गुरबा क दिया भवा तोहार दान एक यादगार क रूप मँ
तोहार याद दियावइ बरे परमेस्सर क लगे पहोंचा अहइँ।
5तउ कछू मनइयन क याफा पठवा अउर समौन नाउँ
क एक मनई क, जउन पतरस कहा जात ह, हिआँ
बोलॉइ ल्या। 6उ समौन नाउँ क एक चमार क हिआँ
रहत ह। ओकर घर समुद्दर क किनारे बा।" 7उ सरगदूत
जउन ओसे बात करत रहा, जब चला गवा तउ उ आपन
दुइ नउकरन अउर आपन खुद क सहायक लोगन मँ स
एक भक्त सिपाही क बोलाएस 8अउर जउन कछू भवा
रहा, ओनका सब कछू बताइके याफा पठइ दिहेस।
9अगले दिन जब उ पचे चलतइ चलत सहर क
निचके पहोंचइ क ही रहेन, पतरस दुपहरिया मँ पराथना
करइ छत्ते प चढ़ा। 10ओका भूख लाग, तउ उ कछू
खाइ चाहत रहा। उ पचे जब खइयाके तइयार करत
रहेन तउ ओकर समाधि लग गइ। 11अउर उ लखेस कि
अकास खुलि गवा अहइ अउर एक बड़वार चद्दर
जइसी चीज तरखाले उतरत बा। ओका चारिहुँ कइँती स
धइके धरती प उतारा जात बा। 12ओह प हर तरह क
पसु, धरती प रेंगइ वाला जीव-जंतु अउर अकासे क
पंछी रहेन। 13फिन एक अवाज ओसे कहेस, "पतरस
उठ, मार अउर खा।"
14पतरस कहेस, "पर्भू, फुरइ तउ नाहीं, काहेकि
मइँ कबहुँ भी अपवित्तर या असुद्ध चीज क नाहीं
खाएउँ ह।"15ऍह पइ ओनका दूसरी बार फिन अकासबाणी
सुनाई दिहेस, "कउनो भी चीज क जेका परमेस्सर पवित्तर
बनाए अहइ, ओनका तू 'अपवित्तर' न कहा!" 16तीन
दाईं अइसा ही भवा अउर उ पूरी वस्तु फिन अकास मँ
वापिस उठाइ लीन्ह गइ।
17पतरस जउने दर्सन जेका लखे रहा क अरथ क
बारे मँ दुबिधा करत रहा, कुरनेलियुस क पठए भए लोग
दुआरे प ठाड़ भवा पूछत रहेन, "समौन क घर कहाँ
बा?" 18उ सबइ बाहेर गोहरावत भए पूछेन, "का पतरस
कहा जाइवाला समौन मेहमान क रूप मँ हियँइ रुका
अहइ?"
19पतरस अबहिं उ दर्सन क बारे मँ सोचत ही रहा
कि आतिमा ओसे कहेस, "सुना! तोहका तीन मनई
तोहका हेरत अहइँ। 20तउ खड़ा ह्वा, अउर तरखाले
उतरिके बेझिझके चला जा, काहेकि ओनका मइँ ही
पठएउँ ह।" 21इ तरह पतरस तरखाले उतरि आवा अउर
ओन मनइयन स बोला, "मइँ उहइ अहउँ, जेका तू हेरत
बाट्या। तू काहे आया ह?"
22उ पचे बोलेन, "हम सबनक फऊजीनायक
कुरनेलियुस पठएस ह। उ अच्छा मनई अहइ अउर सच्चे
परमेस्सर क आराधना करत ह। यहूदी मनइयन मँ
ओकर बहोत सम्मान अहइ। पवित्तर सरगदूत ओसे तोहका
आपन घरे नेउतइ बरे कहे अहइ अउर जउन कछू
कहइ ओका सुनइ बरे कहे अहइ।" 23ऍह पइ पतरस
ओका भितरे बोलाइ लिहस अउर ठहरइ क जगह दिहेस।
फिन दूसर दिन तइयार होइके उ ओनके संग चला
गवा। अउर याफा क निवासी कछू अउर बंधु भी ओकरे
संग होइ गएन। 24दूसर दिन उ कैसरिया पहोंच गवा। हुवाँ
आपन खास मित्र अउर नातेदार क बोलाइके कुरनेलियुस
ओनका जोहत रहा।
25पतरस अब भीतर पहोंचा तउ कुरनेलियुस स ओसे
भेंटइ आवा। कुरनेलियुस श्रद्धा स ओकरे गोड़वा प गिरत
भवा ओका प्रणाम किहेस। 26मुला ओका उठावत भवा
पतरस बोला, "ठाड़ ह्वा! मइँ तउ खुद सिरिफ एक मनई
हउँ।"
27फिन ओकरे संग बात करत करत उ भितरे चला
गवा। अउर हुवाँ उ बहोत स मनइयन क बटोरेस।
28उ ओनसे कहेस, "तू सबइ जानत ह कि एक
यहूदी बरे गैर यहूदी जाति क मनई क संग कउनो
सम्बंध रखब या ओकरे हियाँ जाब विधान क खिलाफ
अहइ मुला तउ भी परमेस्सर मोका देखाएस ह कि मइँ
कउनो भी मनई क 'असुद्ध' या 'अपवित्तर' न कहउँ।
29यह बरे मोका जब बोलावा गवा तउ मइँ बिना कउनो
एतराज क आइ गएउँ। यह बरे मइँ तोहसे पूछत हउँ कि
तू मोका काहे बरे बोलाया ह।"
30ऍह पइ कुरेलियुस कहेस, "चार दिना पहिले इहइ
समइ दिन क नवें पहर (तीन बजे) मइँ आपन घरे मँ
पराथना करत रहेउँ। एकाएक चमचमात ओढ़ना मँ एक
मनई मोरे समन्वा आइके खड़ा भवा। 31अउर बोला,
'कुरनेलियुस! तोहार बिनती सुनि लीन्ह गइ अहइ अउर
गरीब गुरबन क दीन्ह भवा तोहार दान परमेस्सर क
समन्वा याद कीन्ह ग अहइँ। 32यह बरे याफा पठइके
पतरस कहावावइवाला समौन क बोलवाइके पठवा। उ
समुद्दर क किनारे चमार समौन क घरे रुका बा।'
33यह बरे मइँ तुरंतहि तोहका बोलवावइ पठवा ह अउर
हिआँ आवइ क कृपा कइके बहोत नीक किहा ह तउ
अब पर्भू जउन कछू आज्ञा तोहका दिए अहइँ, उ सब
कछू सुनइ बरे हम पचे हिआँ परमेस्सर क अगवा हाजिर
अही।"

करनेलियुस क घरे पतरस क प्रबचन

34फिन पतरस बोतइ लाग अउर कहेस, "फुरइ अब
मइँ समुझ गवा हउँ कि परमेस्सर कउनो भेद-भाव
नाहीं राखत 35बल्कि हर जाति क कउनो मनई जउन
ओसे डेरात ह अउर नीक काम करत ह, उ ओका
अपनावत ह। 36इहइ अहइ उ संदेसा जेका उ ईसू मसीह
स सांति क सुसमाचार क उपदेस देत भवा इस्राएल क
मनइयन क दिहे रहा। उ सबहिं का पर्भू अहइ। 37तू पचे

उ बड़की घटना क जानत ह, जउन समूचइ यहूदिया मँ
भइ रही। गलील स सुरु होइके यूहन्ना क जरिए बपतिस्मा
दीन्ह जाए क पाछे जेकर प्रचार कीन्ह गवा रहा। 38तू
सबइ नासरी ईसू क बारे मँ जानत ह कि परमेस्सर
पवित्तर आतिमा स अउर सक्ती स ओकर अभिसेक
कइसे किहे रहा अउर उत्तिम कारज करत भवा अउर
ओन सब क जउन सइतान क बस मँ रहेन, नीक करत
भवा चारिहुँ कइँती उ कइसे घूमत रहा। काहेकि परमेस्सर
ओकरे संग रहा। 39अउर हम पचे ओन सब बातन क
साच्छी अही जेनका उ यहूदियन क पहँटा अउर यरूसलेम
मँ किहे रहा। उ पचे ओका ही एक ठु लकड़ी के सलीब
प टाँगिके मारि डाएन। 40मुला परमेस्सर तीसरे दिना
ओका फिन स जिन्दा कइ दिहेस अउर ओका परगट
कराएस। 41सब मनइयन क समन्वा नाहीं मुला ओन
साच्छियन क अगवा जउन परमेस्सर क हीला स पहिले
ही चुन लीन्ह गएन। अरथ अहइ हमरे समन्वा जउन मर
भएन मँ स जी जाए क पाछे ओकरे संग खाएन अउर
पीएन। 42उहइ हमका हुकुम दिहे अहइ कि हम लोगन
क उपदेस देइँ अउर सिद्ध करइँ कि इ उहइ, अहइ
जउन परमेस्सर क हीला स जिन्दा भएन अउर मरे भएन
मँ स निआव करइवाला मुकर्रर कीन्ह गवा अहइ। 43सब
नबी लोग ओकरे बारे मँ साच्छी दिहे अहइँ कि ओहमा
बिसवास करइवाला हर मनई ओकरे नाउँ क हीला स
पापन्क छमा पावत ह।"

गैर यहूदियन प पवित्तर आतिमा क उतरब

44पतरस अबहिं इ बातन क करत ही रहा कि ओन
सब प पवित्तर आतिमा उ तरि आइ जउन सुसमाचार
सुने रहेन। 45काहेकि पवित्तर आतिमा क बरदान गैर
यहूदी प उड़ेरा जात रहा, तउ पतरस क संग आए भए
यहूदी अचरज मँ पड़ि गएन। 46उ पचे किसिम किसिम
क भाखा बोलत रहेन अउर परमेस्सर क स्तुति करत
भए अनकत रहेन। तब पतरस बोला, 47"का कउनो इ
मनइयन क बपतिस्मा देइ बरे, जल आसानी स देइ बरे
मना कइ सकत ह? एँनका भी वइसे ही पवित्तर आतिमा
मिलि गवा ह, जइसेन हम पचन क।" 48इ तरह उ ईसू
मसीह क नाउँ मँ ओनका बपतिस्मा देइ क हुकुम दिहेस।
फिन पतरस स उ पचे पराथना किहेन कि कछू दिन
ओनकइ संग ठहरइ।

पतरस क यरूसलेम लौटब

11 समूचइ यहूदिया मँ भाइयन अउर प्रेरितन सुनेन
कि परमेस्सर क बचन गैर यहूदी भी मान लिहे
अहइँ। 2तउ जब पतरस यरूसलेम पहोंचा तउ उ पचे
जउन खतना क चाहत रहेन, ओकर नुक्तचीनी किहेन।
3उ सबइ कहेन, "तू खतना क बिना मनइयन क घरे
गवा अहा अउर तू ओनकइ संग खइया क खाया ह!"

4एँह पइ पतरस सच जउन भवा रहा, ओका सुनावइ
समुझावइ लाग। 5"मइँ याफा सहर मँ पराथना करत भवा
समाधि मँ एक दर्सन कीन्ह। मइँ निहारेउँ कि एक बड़की
चद्दर जइसी कउनो चीज खाले उतरत बा, ओका चारिहुँ
कोना स धइके अकासे स धरती प उतारा जात अहइ।
फिन उ उतरिके मोरे लगे आइ गइ। 6मइँ ओका धियान
स लखेउँ कि ओहमाँ धरती क चौपाया जीव-जतुं, जंगली
पसु रेंगइ वाला जीव अउर अकासे क पंछी रहेन। 7फिन
मइँ एक अवाज सुनेउँ, जउन मोसे कहत रही, 'पतरस
उठा, मारा अउर खाइ ल्या।' 8मुला मइँ कहेउँ, 'पर्भू,
निहचय रूप स तउ नाहीं, काहेकि मइँ कबहुँ भी कउनो
तुच्छ या समइ क अनुसार कउनो बे पवित्तर अहार क
नाहीं खाएउँ ह।' 9अकास स दूसर दाईं उ अवाज फिन
कहेस, 'जेका परमेस्सर पवित्तर बनएस ह, ओका तू
अपवित्तर जिन समुझा।' 10तीन दाईं अइसा ही भवा।
फिन उ सब अकास मँ वापिस उठाइ लीन्ह गवा। 11उहइ
समइ जहाँ मइँ ठहरा रहेउँ, उ घरे मँ तीन मनई आइ
गएन। उ पचे मोरे लगे कैसरिया स पठवा ग रहेन।
12आतिमा मोका ओनकइ संग बेझिझके चला जाइ बरे
कहेस। इ छः भाई भी मोरे संग गएन। अउर हम पचे उ
मनई क घरे मँ चला गए। 13उ हमका बताएस कि एक
सरगदूत क आपन घरे मँ ठाड़ उ कइसे लखेस। जउन
कहत रहा, 'याफा पठइके पतरस कहावावइवाला समौन
क बोलवाइ ल्या। 14उ तोहका बचन सुनाई जेहँसे तोहार
परिवार क उद्धार होइ।' 15जब मइँ प्रबचन सुरु कीन्ह
तब पवित्तर आतिमा ओन पइ उतरि आइ। ठीक वइसेन
जइसे सुरु मँ हम पइ उतरी रही। 16फिन मोका पर्भू क
कहा भवा बचन याद होइ गवा, 'यूहन्ना पानी स बपतिस्मा
देत रहा मुला तोहका पवित्तर आतिमा स बपतिस्मा दीन्ह
जाइ।' 17इ तरह जदि परमेस्सर ओनका ही उहइ बरदान
दिहेस जेका उ जब हम पचे पर्भू ईसू मसीह मँ बिसवास
कीन्ह, तब्बइ हमका दिहे रहा, तउ खिलाफत करइवाला
मइँ कउन होत हउँ?"

18बिसवासी मनइयन जब इ सुनेन तउ उ पचे प्रस्न
करब बंद कइ दिहेन। उ पचे परमेस्सर क महिमा करत
भए कहइ लागेन, "अच्छा, तउ परमेस्सर गैर यहूदी
मनइयन तलक क मनफिराव वइ बरे उ औसर दिहेस
ह, जउन जिन्नगी कइँती लइ जात ह।"

अन्ताकिया मँ सुसमाचार क अवाई

19उ पचे जउन स्तिफनुस क समइ मँ दीन्ह जात
सबइ यातना क कारण तितराइ बितराइ ग रहेन, दूर-दूर
तलक फीनीक साइप्रस अउर अन्ताकिया तलक चला ग
रहेन। इ पचे यहूदियन क तजिके कउनो अउर क
सुसमाचार नाहीं सुनावत रहेन। 20एनही बिसवासी मनइयन
मँ स कछू साइप्रस क अउर कुरेनी क रहेन। तउ जब उ
पचे अन्ताकिया आएन तउ यूनानियन क भी प्रबचन देत

भए पर्भू ईसू क सुसमाचार सुनावइ लागेन। 21पर्भू क सक्ती ओनकइ संग रही। तउ एक बड़ा मनइयन क मजमा बिसवास धइके पर्भू कइँती मुड़ि गवा।

22ऍंकर खबर जब यरूसलेम मँ कलीसिया क काने तलक पहुँची तउ उ पचे बरनाबास क अन्ताकिया जाइके पठएन। 23जब बरनाबास हुँवा पहोंचिके परमेस्सर क अनुग्रह क सकारथ होत लखेस तउ उ बहोत खुस भवा अउर उ ओन सबहिं क पर्भू बरे भक्ति भरा हिरदय स बिसवासी बनइ बरे हिम्मत देवॉएस। 24काहेकि उ पवित्तर आतिमा अउर बिसवास स भरा भवा एक भरपूर उत्तिम मनई रहा। फिन पर्भू क संग एक बड़वार मनइयन क मजमा जुड़ गवा।

25बरनाबास साउल क हेरइ तरसुस क चला गवा। 26फिन उ ओका हेरिके अन्ताकिया लइ आवा। पूरे साल भइ उ पचे कलीसिया स मिलत जुलत अउर बड़का मनइयन क मजमा क उपदेस देत रहेन। अन्ताकिया मँ सबन त पहिले ऍनही चेलन क "मसीही" कहा गवा।

27इहइ समइ यरूसलेम स कछू नबी अन्ताकिया आएन। 28ओनमाँ स अगबुस नाउँ क एक नबी खड़ा होइके पवित्तर आतिमा क जरिया इ भविस्सबाणी किहेस कि सारी दुनिया मँ एक खउफनाक अकाल पड़ी (क्लौदियुस क समइ इ अकाल पड़ा रहा) 29तब हर चेलन आपन ताकत देखिके यहूदिया क बसइयन बंधु क मदद बरे कछू पठवइ क ठान लिहेन। 30तउ उ पचे अइसा ही किहेन अउर उ पचे बरनाबास अउर साउल क हाथ स यहूदिया मँ आपन बुजुर्गन क लगे उपहार पठएन।

हेरोदस क कलीसिया प जुल्म

12 उहइ समइया क लगभग राजा हेरोदेस कलीसिया क कछू निअंबर क सताउब सुरु किहेस। 2उ यूहन्ना क भाई याकूब क तरवार स कतल कराइ दिहेस। 3उ जब इ लखेस कि इ बात स यहूदी खुस होत हीं तउ उ पतरस क भी गिरफतार करइ बरे सोचेस (इ बे खमीरे क रोटी क उत्सव क दिनन क बात अहइ) 4हेरोदेस पतरस क धइके जेलि मँ धाँध दिहेस। ओका चार चार सिपाहियन क कतार क पहरा लगाइ दीन्ह गवा। मतलब इ रहा कि ओह प मुकदमा चलावइ बरे फसह क त्यौहार पाछे ओका मनइयन क समन्वा बाहेर लइ आवा जाइ। 5तउ पतरस क जेल मँ रोक दीन्ह गवा। ओहर कलीसिया हिरदय स ओकरे बरे परमेस्सर स पराथना करत रही।

जेल स पतरस क छूटब

6जब हेरोदेस मुकदमा चलावइ बरे ओका बाहेर लोगन क सामने लइ आवइ क रहा, उ रात पतरस दुइ सिपाहियन क बीच सोवा रहा। उ दुइ जंजीरे स बँधा रहा अउर दुआर प पहरुआ जेल क रखवारी करत रहेन। 7एकाएक पर्भू क सरगदूत हुँवा आइके खड़ा भवा, जेल क खोली रोसनी स जगमगाइ उठी। उ पतरस क बगली थपथपाएस अउर ओका जगावत भवा कहेस, "हाली, खड़ा ह्वा!" जंजीर ओकरे हाथ मँ खुलके गिरि गइ। 8तबहिं सरगदूत ओका कहेस, "तइयार ह्वा अउर आपन चप्पल पहिरा।" तउ पतरस वइसा ही किहेस। सरगदूत ओका फिन कहेस, "आपन चोगा पहिरा अउर मोरे पाछे चला आवा।"

9फिन ओकरे पाछे–पाछे पतरस बाहेर निकरि आवा। उ समुझ नाहीं पाएस कि सरगदूत जउन कछू करत रहा, उ फुरइ रहा। उ बिचारेस कि उ कउनो दर्सन लखत अहइ।

10पहिले अउर दूसर ब्लाक क छोड़िके आगे बढ़त भवा उ पचे लोहा क उ फाटक प आइ गएन जउन सहर कइँती जात रहा। उ फाटक ओनकइ बरे खुद ही खुलि गवा। अउर उ पचे बाहेर निकरि गएन। उ पचे अबहिं गली क पार किहेन कि उ सरगदूत एकाएक ओका छोड़ि गवा।

11फिन पतरस क जइसे होस आवा, उ बोला, "अब मोरी समझ मँ आवा ह कि असल मँ फुरइ अहइ कि पर्भू आपन सरगदूत क पठइके हेरोदेस क पंजा स मोका छुटकारा दियाएस ह। यहूदी लोग मोह प जउन कछू बुरा होइ क सोचत रहेन, ओहसे उहइ मोका बचाएस ह।"

12जब उ इ समझ गवा तउ उ यूहन्ना क महतारी मरियम क घर चला गवा। (यूहन्ना जउन मरकुस भी कहवावत ह।) हुँवा ढेर मिला बटुरा रहेन अउर पराथना करत रहेन।

13पतरस दुआरे क बाहेर स खटखटाएस। ओका लखइ रुदे नाउँ क एक दासी हुँवा आइ। 14पतरस क अवाज क पहिचान के खुसी क मारे ओकरे बरे फाटक बगैर खोले भए उ उलटिके भीतर दउड़ आइ अउर उ बताएस कि पतरस दुआरे प खड़ा अहइ। 15उ पचे ओसे बोलेन, "तू पागल होइ गइ अहा।" मुला उ जोर दइके कहतइ रही कि इ अइसा ही अहइ। ऍंह पॅइ उ पचे कहेन, "उ ओकर सरगदूत होइ।"

16ओहर पतरस दुआर खटखटावत ही रहा। फिन उ पचे जब दुआर खोलेन तउ उ पचे अचरज मँ पड़ि गएन। 17ओनकइ हाथे स चुप रहइ क इसारा करत भए उ खोलिके बताएस कि पर्भू ओका जेलि स कइसे बाहेर निकारेस ह। उ कहेस, "याकूब अउर दूसर भइयन क इ बारे मँ बताइ दिहा।" अउर तब उ ठहर क तजिके कउनो दूसर स्थान प चला गवा।

18जब भोर भवा तउ पहरुअन मँ बड़ी खलबली मचि गइ। उ पचे अचरज मँ पड़ा सोचत रहेन कि पतरस क संग का भवा होइ। 19ऍंकरे पाछे हेरोदेस जब ओकर छानबीन कइ चुका अउर उ ओका नाहीं मिला तउ उ आपन पहरुअन स पूछताछ किहेस अउर ओनका मारि डावइ क हुकुम दिहेस।

हेरोदेस क मउत

हेरोदेस फिन यहूदिया स जाइके कैसरिया मँ रहइ
लाग। हुँवा उ कछू समइ बिताएस। 20उ सूर अउर सैदा
क मनइयन स बहोत कोहान रहत रहा। उ पचे एक
झुण्ड बनइके ओसे भेंटइ आइ रहेन। राजा क खुद क
सेवक बलास्तुस क मान मनउवल कइके उ पचे हेरोदेस
स सांति क पराथना किहेन काहेकि ओनकइ देस क
राजा क देस स खाइक मिलत रहा।

21एक निहचत दिन हेरोदेस आपन राजसी वेस-भूसा
पहिरिके आपन सिंहासन प बइठा अउर मनइयन क
बियाख्यान देइ लाग। 22लोग चिचियाने, "इ तउ कउनो
देवता क बानी अहइ, मनई क नाहीं।" 23काहेकि हेरोदेस
परमेस्सर क महिमा नाहीं दिहेस, यह बरे फउरन पर्भू क
एक दूत ओका बीमार कइ दिहेस। अउर ओहमाँ किरवा
परि गएन जउन खाइ लागेन अउर उ मरि गवा।

24मुला परमेस्सर क बचन क प्रचार होत रहा अउर
उ फइलत जात रहा अउर बिसवासियन की संख्या बढ़त
जात रही।

25बरनाबास अउर साउल आपन काम पूरा कइके
मरकुस कहवावइवाला यूहन्ना क भी संग लइके
अन्ताकिया लौटि आएन।

बरनाबास अउर साउल क चुना जाब

13 अन्ताकिया क कलीसिया मँ कछू नबी अउर
बरनाबास, समौन (नीगर) कहा जाइवाला समौन
कुरेनी क लूकियुस, देस क चउथाई हींसा क राजा
हेरोदेस क संग पालितयोसित मनाहेम अउर साउल जइसे
कछू सिच्छक रहेन। 2उ पचे जब उपवास करत भए पर्भू
क आराधना मँ लगा रहेन, तबहिं पवित्तर आतिमा
कहेस, "बरनाबास अउर साउल क जउने काम बरे मइँ
बोलाएउँ ह, ओका करइ बरे मोरे निस्बत, ओनका
अलगाइ द्या।"

3तउ जब सिच्छक अउर नबी आपन उपवास अउर
पराथना पूरी कइ चुकेन तउ उ पचे बरनाबास अउर
साउल प आपन हाथ धरेन अउर ओनका बिदा कइ
दिहेन।

बरनाबास अउर साउल क साइप्रस जात्रा

4पवित्तर आतिमा क जरिए पठए भए उ सबइ
सिलूकिया गएन जहाँ स जहाज मँ बइठिके उ पचे साइप्रस
पहोंचेन। 5फिन जब उ पचे सलमीस पहोंचेन तउ उ पचे
यहूदियन क आराधनालय मँ परमेस्सर क बचन क
प्रचार किहेन यूहन्ना सहायक क रूप मँ ओनकइ संग
रहा।

6उ समूचइ द्वीप क जात्रा करत करत उ पचे पाफुस
ताईं जाइ पहोंचेन। हुवाँ ओनका एक जादूगर मिला, उ
झूठा नबी रहा। उ यहूदी क नाउँ रहा बार-ईसू। 7उ एक
बहोत बुद्धिमान पुरुस राज्यपाल सिरगियुस पौलुस क
दोस्त रहा जउन फिन परमेस्सर क बचन सुनइ बरे
बरनाबास अउर साउल क बोलवाएस। 8मुला इलीमास
जादूगर ओनकइ खिलाफत किहेस (इ बार-ईसू क
अनुवाद क नाउँ बा।) उ नगर-पति क बिसवास डुगावइ
क जतन किहेस। 9फिन साउल जेका पौलुस भी कहा
जात रहा, पवित्तर आतिमा स भरपूर होइके इलीमास प
पैनी निगाह डारत भवा कहेस, 10"सबहिं तरह क छल
अउर धूर्तताई स भरा, अरे सइतान क बेटहना, तू हर
नेकी क दुस्मन अहा। का तू पर्भू क सोझ सच्चे राह क
तोड़ब मरोड़ब न तजब्या? 11अब लखा पर्भू क हाथन
तोह प आइ पड़ा बा। तू आँधर होइ जाब्या अउर कछू
समइ बरे सूरज तक भी नाहीं लख पउब्या।"

तुरंतहि एक धूँध अउर अँधियारा ओह पइ छाइ गवा
अउर एहर-ओहर टोवइ लाग कि कउनो हथवा धइके
ओका चलावइ। 12तउ राज्यपाल, जउन कछू भवा रहा,
जब ओखा लखेस तउ उ बिसवास धरेस। उ पर्भू क
बाबत उपदेसन स बहोत चकित होइ गवा।

पौलुस अउर बरनाबास क साइप्रस स जाब

13फिन पौलुस अउर ओकर संगी पाफुस स नाउ क
जरिया पंफूलिया क पिरगा मँ आइ गएन। मुला यूहन्ना
ओनका हुँवइ छोड़िके यरूसलेम लौटि आवा। 14ओहर उ
पचे आपन जात्रा प बढ़त भए पिरगा स पिसिदिया क
नजदीक नगर अन्ताकिया मँ आइ गएन। फिन सबित क
दिना यहूदी आराधनालय मँ जाइके बइठि गएन। 15मूसा
क व्यवस्था क मुताबिक अउर नबियन क पोथी क
पाठ कइ चुके क पाछे यहूदी आराधनालय क
अधिकारियन ओनकइ लगे इ संदेसा कहवाइ पठएन,
"भाइयो, मनइयन क उपदेसन देइ बरे तोहरे लगे कहइ
क प्रोत्साहन क कउनो अउर बचन अहइ जउन ओका
सुनावा।"

16एँह पइ पौलुस खड़ा भवा अउर आपन हाथ हिलावत
भवा बोलइ लाग, "हे इस्राएल क मनइयो अउर परमेस्सर
स डेराइवाले गैर यहूदियो, सुना: 17इ इस्राएल क मनइयन
क परमेस्सर हमरे पूर्वजन क चुने रहा अउर जब हमार
लोग मिस्र मँ ठहरा रहेन, उ ओनका महान बनाए रहा
अउर आपन महान सक्ती स उ ओनका उ धरती स
बाहेर निकारि लइ आवा रहा। 18अउर लगभग चालीस
बरिस तलक उ जंगल मँ ओनकइ मदद करत रहा।
19अउर कनान देस क सात जातियन क नास कइके उ
धरती इस्राएल क मनइयन क वसीयत क रूप मँ दइ
दिहेस। 20इ सब कछू मँ लगभग साढ़े चार सौ बरिस
लगेन।

"एँकरे पाछे समूएल नबी क समइ तलक उ ओनका
अनेक निआव क न्यायकर्ता दिहेस। 21फिन उ पचे एक
राजा क निवेदन किहेन, तउ परमेस्सर बिन्यामीन क

गोत क एक मनई कीस क बेटवा साउल क चालीस
बरिस बरे ओनका दइ दिहेस। 22फिन साउल क हटाइके
उ ओनकइ राजा दाऊद क बनाएस जेकरे बारे मँ उ इ
साच्छी दिहेस, 'मइँ यिसै क बेटवा दाऊद क एक अइसे
मनई क रूप मँ मिला ह, जउन मोरे मन क मुताबिक
अहइ। जउन कछू मइँ ओसे करावइ चाहत हउँ, उ उ
सब कछू क करी।' 23इ ही मनई क एक बंसज क
आपन प्रण क मुताबिक इस्राएल मँ उद्धार करइया ईसू
क रूप मँ लाइ चुका अहइ। 24ओकरे आवइ स पहिले
यूहन्ना इस्राएल क सबहिं मनइयन मँ मनफिराव स
बपतिस्मा क प्रचार करत अहइ। 25यूहन्ना जब आपन
काम क पूरा करइ क रहा, तउ उ कहेस रहा, 'तू मोका
जउन समुझत ह, मइँ उ नाहीं हउँ। मुला एक अइसा
अहइ जउन मोरे पाछे आवत अहइ। मइँ जेकर पनही क
फीता खोलइ लायक भी नाहीं अहउँ।'

26"भाइयो, इब्राहीम क सन्तानो अउर सच्चे परमेस्सर
क आराधक गैर यहूदियो, उद्धार क इ सुसमाचार हमरे
बरे ही पठवा ग अहइ। 27यरूसलेम मँ बसइयन अउर
ओनकइ राजा लोगन ईसू क नाहीं पहिचानेन। अउर
ओका दोखा ठहराइ दिहेन। इ तरह उ पचे नबी लोगन
क उ बचन क पूरा किहन जेनकइ सबित क दिन पाठ
कीन्ह जात ह। 28अउर जदि अपि ओनका ओकरे मउत
क राजा क कउनो सबूत नाहीं मिला, तउ भी उ पचे
पिलातुस स ओका मरवाइ डावइ क माँग किहेन। 29ओकरे
बारे मँ जउन कछू लिखा रहा, जब उ पचे उ सब कछू
क पूरा कइ चुकेन ओका क्रूस प स खाले उतारेन
अउर एक कब्र मँ धइ दिहन। 30मुला परमेस्सर ओका
मरइ क पाछे फिन जीवित कइ दिहस। 31अउर फिन
जउन लोग गलील स यरूसलेम तलक ओकरे संग गएन,
उ ओनकइ अगवा कइउ दिना ताईं परगट होत रहा। इ
सबइ अब मनइयन बरे ओकर साच्छी अहइँ। 32हम
तोहका उ प्रण क बारे मँ सुसमाचार सुनावत अही जउन
हमरे पूर्वजन क संग कीन्ह गइ रही। 33ईसू क, मरि जाए
क पाछे फिन जीवित कइके, ओनकइ संताने क बरे
परमेस्सर उहइ सपथ क हमरे बरे पूरा किहेस ह।
जइसा कि दूसर भजन संहिता मँ लिखा भी अहइ:

> 'तू मोर पूत अहा, मइँ तोहका आजु ही जनम
> दिहेउँ ह।' *भजन संहिता 2:7*

34अउर उ ओका मरे भएन मँ जिआइ के उठाएस जेहँसे
नास होइ स पहिले ओका फिन स लौटब न होइ। उ इ
तरह कहे रहा:

> 'मइँ तोहका उ सबइ पवित्तर अउर न टरइ क
> असीस देब जेनका देइ क बचन मइँ दाऊद क
> दिहेउँ।'
>
> *यसायाह 55:3*

35 इ तरह एक दूसर भजन मँ उ कहत ह:

> 'तू आपन पवित्तर जने क नास क अनुभव
> नाहीं होइ दिहा।'
>
> *भजन संहिता 16:10*

36फिन दाऊद आपन जुग मँ परमेस्सर क प्रयोजन क
मुताबिक आपन सेवा-काम पूरा कइके मर गवा, ओका
ओकरे पूर्वजन क संग दफनाइ दीन्ह गवा अउर ओकर
छय भवा। 37मुला जेका परमेस्सर मरे भएन क बीच स
जीवित कइके उठाएस, ओकर छय नाहीं भवा। 38-39तउ
भाइयो, तू सबन्क जान जाइ चाही कि ईसू क जरिए ही
पाप क छमा क उपदेस तोहका दीन्ह गवा ह। अउर इहइ
क जरिए हर कउनो जउन बिसवासी अहइ, ओन पापन्स
छुटकारा पाइ सकत ह, जेनसे मूसा क व्यवस्था छुटकारा
नाहीं दियाइ सकत रही। 40तउ होसियार रहा, कहूँ नबियन
जउन कछू कहे बाटेन, तू सबन प न घटइ:

> 41 'निन्दा करइया लोगो, लखा, होइके भउचक्का
> मरि जाब्या, काहेकि तोहरे जुग मँ एक कारज
> अइसा करत हउँ, जेकर चर्चा तलक प
> तोहका कबहुँ न बिसवास होई।'"
>
> *हबक्कूक 1:5*

42पौलुस अउर बरनाबास जब हुवाँ स जात रहेन
मनइयन ओनसे अगले सबित क दिन अइसी ही अउर
बातन बतावइ बरे पराथना किहेन। 43जब सभा खतम
भइ तउ बहोत स यहूदियन अउर बहुत गैर यहूदी भक्तन
पौलुस अउर बरनाबास क पाछा किहेन। पौलुस अउर
बरनाबास ओनसे बातचीत करत भए बिनती किहेन कि
उ सबइ परमेस्सर क अनुग्रह मँ बना रहइँ।

44अगले सबित क दिन तउ लगभग समूचा सहर ही
पर्भू क बचन सुनइ बरे उमड़ि आवा। 45इ बड़का मनइयन
क मजमा क जब यहूदियन लखेन तउ उ पचे बहोत जरि
भुनि गएन अउर भद्दा सब्द क बइपरत भए पौलुस
जउन कछू कहे रहा, ओकर खिलाफत करइ लागेन।
46मुला पौलुस अउर बरनाबास निडर होइके कहेन, "इ
जरूरी रहा कि परमेस्सर क बचन पहिले तोहका पढ़ावा
जात मुला काहेकि तू पचे ओका नकारत अहा अउर तू
सबइ आपन खुद क अनन्त जिन्नगी क जोग्ग नाहीं
ठहरउत्या, तउ हम पचे अब गैर यहूदी लोग कइँती मुड़ि
जात अही। 47काहेकि पर्भू हमका अइसी ही आग्या दिहे
अहइ:

> 'मइँ जोति बनाएउँ तोहका, ओनकइ बरे जउन
> नाहीं यहूदी, ताकि संसार के सब लोगन का
> उद्धार करइँ।'"
>
> *यसायाह 49:6*

[48]गैर यहूदियन जब इ सुनेन तउ उ पचे बहोत खुस भएन अउर उ पचे पर्भू क बचन क सम्मान किहेन। फिन उ सबइ, जेनका अनन्त जिन्नगी पावइ बरे ठहरावा ग रहा, बिसवास धारण कइ लिहेन।

[49]इ तरह समूचइ पहँटा मँ पर्भू क बचन क प्रचार होत रहा।

[50]ओहर यहूदी लोग ऊँच कुले क धार्मिक स्त्रियन अउर सहर क मुड्ढ मनइयन क उसकाएन अउर पौलुस अउर बरनाबास क खिलाफ अत्याचार करब सुरु कइ दिहेन अउर दबाव डाइके ओनका आपन पहँटा स बाहेर निकरिवाइ दिहेन। [51] फिन पौलुस अउर बरनाबास ओनकइ खिलाफ आपन गोड़े क धूरि झारिके इकुनियुम क चला गएन। [52]मुला अतीक मँ ओनकइ चेलन आनंद अउर पवित्तर आतिमा स भरपूर होत रहेन।

इकुनियुम मँ पौलुस अउर बरनाबास

14 इहइ तरह पौलुस अउर बरनाबास इकुनियुम मँ यहूदी आराधनालय मँ गएन। हुवाँ उ पचे इ तरीका स बियाख्यान दिहेन कि यहूदियन क एक बड़का मनइयन क मजमा बिसवास कइ लिहेस। [2]मुला उ यहूदियन जउन नाहीं पातियानेन, गैर यहूदियन क उसकाएन अउर भाई बहनन क खिलाफ दुस्मनी पइदा कइ दिहेन। [3]तउ पौलुस अउर बरनाबास हुवाँ बहोत दिनाँ तलक ठहरा रहेन अउर पर्भू क बारे मँ बेडर होइके प्रबचन देत रहेन। ओनकइ हीला स पर्भू अद्‌भुत कारजन अउर अचरज कारजन करवावत भव आपन द्‌या क संदेसा क मान करावत रहा। [4]ओहर सहर क मनइयन मँ फूट पड़ि गइ। कछू मिला प्रेरितन कइँती अउर कछू मिला यहूदियन कइँती होइ गएन।

[5]फिन जब गैर यहूदी लोग अउर यहूदी लोग आपन आपन नेता स मिलिके ओनक संग बुरा बेवहार करइ लागेन (गरियाव) अउर ओन प पाथर लोकावइ क बात चली, [6]तउ पौलुस अउर बरनाबास क एँकर पता लग गवा अउर पचे लुकाउनिया अउर लुस्त्रा अउर दिरबे जइसे सहरन अउर आसपास क पहँटा मँ परानेन। [7]उ पचे हुवाँ भी सुसमाचार क प्रचार करत रहेन।

लुस्त्रा अउर दिरबे मँ पौलुस

[8]लुस्त्रा मँ एक मनई बइठा भवा रहा। उ आपन गोड़वा स अंपग रहा। उ जन्मत ही लँगड़ा रहा, चल फिन तउ कबहुँ नाहीं पाएस। [9]इ मनई पौलुस क बोलत भए सुने रहा। पौलुस ओह पइ निगाह गड़ाएस अउर लखेस कि चंगा होइ क बिसवास ओहमाँ बा। [10]तउ पौलुस ऊँची अवाज मँ कहेस, “अपने गोड़वा प सोझ खड़ा ह्वा।” तउ उ ऊपर उछरा अउर चलइ-फिरइ लाग। [11] पौलुस जउन कछू किहे रहा, जब भिड़िया ओका लखेस तउ मनइयन लुकाउनिया क भाखा मँ गोहार लगाइके कहइ लागेन, “हमरे बीच मनई क रूप धइके, देवता उतरि आवा अहइँ।” [12]उ पचे बरनाबास क “जेअस”* अउर पौलुस क “हिरमेस”* कहइ लागेन। (पौलुस क हिरमेस यह बरे कहा गवा काहेकि उ प्रमुख बोलवइया रहा।) [13]सहर क सोझइ बाहेर बना ज़ेअस क यहूदियन क मंदिर क पूजारी सहर क दुआरे साँड़ अउर माल लइके आइ पहोंचा। उ भीड़ क संग पौलुस अउर बरनाबास बरे बलि चढ़ावइ चाहत रहा।

[14]मुला जब प्रेरितन बरनाबास अउर पौलुस इ सुनेन तउ उ पचे आपन ओढ़ना फाड़ि डाएन अउर उ पचे ऊँची अवाज मँ इ कहत भए भीड़ मँ घुसि गएन, [15]“अरे मनइयन, तू पचे इ काहे करत बाट्या? हम पचे भी वइसे मनई अही, जइसे तू पचे अहा। हिआँ हम सबइ तू सबन्क सुसमाचार सुनावइ आइ अही ताकि तू पचे बेकार क बातन स मुँह मोड़िके उ सजीव परमेस्सर कइँती लउटा जउन अकास धरती, समुद्‌दर अउर एनमाँ स जउन कछू अहइ, ओकर रचना किहेस ह। [16]बीत गए काल मँ उ सबहिं जातियन क आपन आपन राहे प चलइ दिहेस। [17]मुला तोहका उ खुद आपन साच्छी दिए बगैर नाहीं तजेस। काहेकि उ तोहरे संग भलाई किहेस। उ तू पचन्क अकास स बर्खा दिहेस अउर रितु क मुताबिक फसल दिहेस। उहइ तोहका खइया क देत ह अउर तोहरे मन क आनंद स भरि देत ह।” [18]इ बचन क पाछे भी उ पचे भिड़िया क ओनकइ बरे बलि चढ़ावइ स अक्सर नाहीं रोक सकेन। [19]फिन अन्ताकिया अउर इकुनियुस स आए भए यहूदी लोग भीड़ क अपने पच्छ मँ कइके पौलुस प पाथेर लोकाएन अउर ओका मरा जानिके सहर क बाहेर घेर्राइ लइ गएन। [20]फिन जब ओकर चेलन ओकरे चारिहुँ कइँती बटुरेन, तउ उ उठा अउर सहर मँ चला आवा अउर फिन अगले दिन बरनाबास क संग उ दिरबे बरे चल पड़ा।

सीरिया क अन्ताकिया क लउटब

[21]उ सहर मँ उ पचे सुसमाचार क प्रचार कइके बहोत स चेलन बनएन। उ सबइ लुस्त्रा, इकुनियुम अउर अन्ताकिया लउटि आएन। [22]अउर मनवइयन क आतिमन क स्थिर कइके बिसवास मँ रहइ बरे ओनका कहि क हिम्मत बढ़ाएन, “हमका बड़ा घोर दुख झेलिके परमेस्सर क राज्य मँ घुसइ क अहइ।” [23]हर कलीसिया मँ उ पचे ओनका नियुक्त किहेन उ पर्भू क सौंप दिहेन जेहमाँ उ पचे बिसवास करत रहेन।

जेअस यूनानी बहोत देवता मँ बिसवास करत हीं। ज़ेअस ओनकइ एक बहोत महत्व क देवता रहा।

हिरमेस एक अउर दूसर यूनानी देवता। यूनानियन क बिसवास क मुताबिक हिरमेस दूसर देवता क हरकारा (संदेसा लइ जाइवाला)।

24एकरे पाछे पिसिदिया स होत भए उ पचे पंफूलिया
आइ गएन। 25अउर पिरगा मँ जब सुसमाचार सुनाइ
चुकेन तउ इटली मँ आइ गएन। 26हुवाँ स उ पचे अन्ताकिया
क जहाज स गएन जहाँ जउने काम क अबहिं उ पचे
पूरा किहेन। उ काम बरे उ सबइ परमेस्सर क अनुग्रह
प न्यौछावर होइ गएन।

27अइसे जब उ पचे पहोंचेन तउ उ पचे कलीसिया
क मनइयन क बटोरेन अउर परमेस्सर ओनके द्वारा
जउन कछू किहेस, ओकर वृत्तांत कहिके सुनाएन।
अउर उ पचे एलान किहेन कि परमेस्सर दूसरे देसन क
मनइयन बरे बिसवास क दुआर खोले अहइ। 28फिन
चेलन क संग हुवा बहोत दिनाँ तलक ठहरेन।

यरूसलेम मँ एक सभा

15 फिन कछू लोग यहूदिया स आएन अउर भाई
लोगन क सिच्छा देइ लागेन, "जदि मूसा क
व्यवस्था क मुताबिक तोहार खतना नाहीं भवा अहइ तउ
तोहार उद्धार नाहीं होइ सकत।" 2पौलुस अउर बरनाबास
क बिचार मेल नाहीं खात रहा, तउ ओनमाँ एक बड़ा
मत भेद पइदा होइ गवा। यह बरे पौलुस अउर बरनाबास
अउर ओनके कछू अउर संगी इ समस्या क हल निकारइ
बरे प्रेरितन अउर मुखियन क लगे यरूसलेम पठवइ क
ठान लिहेन। 3उ पचे कलीसियन क जरिए पठवा गएन
अउर फीनीके अउर सामरिया होत भए अधर्मियन क
हिरदय बदलत भए भाई बहिनियन क समाचार सुनाइके
खुस करत रहेन। 4 फिन जब उ पचे यरूसलेम पहोंचेन
तउ कलीसिया, प्रेरितन अउर बुजुर्ग लोगन अगवानी
किहेन। अउर उ पचे ओनके संग परमेस्सर जउन किहे
रहा, उ सब कछू ओनका कहिके सुनाएन। 5एँह पइ
फरीसियन क दल क कछू बिसवासी खड़ा भएन अउर
बोलेन, "ओनकइ खतना जरुर कीन्ह जाइ चाही अउर
ओनका हुकुम देइ चाही कि उ पचे मूसा क व्यवस्था क
पालन करइँ।"

6तउ इ सवाल प बिचार करइ बरे प्रेरितन अउर
बुजुर्गन आपुस मँ बटुर गएन। 7एक लम्बी चौड़ी तहत्तुक
क पाछे पतरस खड़ा भवा अउर ओनसे बोला, "भाइयो,
तू पचे जानत ह कि बहोत दिना पहिले तोहमाँ स परमेस्सर
एक चुनाव किहे रहा कि मोरे हीला स गैर यहूदियन
लोग सुसमाचार क संदेसा सुनइहीं अउर बिसवास करिहीं।
8अउर अन्तर्यामी परमेस्सर हमरे ही तरह ओनका भी
पवित्तर आतिमा क बरदान दइके, ओकरे बारे मँ आपन
समर्थन देखाए रहा। 9बिसवास क जरिए ओनकइ हिरदय
क पवित्तर कइके हमरे अउर ओनके बेच उ कउनो
भेद–भाव नाहीं किहेस। 10तउ अब चेलन क गटइया प
एक अइसा जुआ लादिके जेका न हम उठाइ सकित
अही अउर न हमार पूर्वज तू पचे परमेस्सर क गुस्सा
करावइ चाहत ह?
11मुला हमार तउ इ बिसवास अहइ कि पर्भू ईसू क
अनुग्रह स जइसे हमार उद्धार भवा ह, वइसे ही हमका
भरोसा अहइ कि ओनकइ भी बचाव जाई।"

12एँह पइ समूचा दल सन्न मारि गवा अउर बरनाबास
अउर पौलुस क बोलब सुनई लागेन। उ पचे, गैर यहूदियन
क बीच परमेस्सर ओनकइ हीला स दुइ अद्भुत कारजन
परगट किहे रहा, अउर अचरज कारजन किहे रहा,
ओकरे बाबत बतावत रहेन। 13उ पचे जब बोल चुकेन
तउ याकूब कहइ लाग, "भाइयो, मोरउ सुना।

14समौन बताए रहा कि परमेस्सर गैर यहूदियन मँ स
कछू लोगन्क आपन नाउँ बरे चुनिके सबन ते पहिले
कइसे पिरेम परगट किहे रहा। 15नबी लोगन्क बचन भी
इ बात क समर्थन करत हीं। जइसा कि लिखा बाटइ:

16' अउरबइ मइँ एकरे पाछे, खड़ा करब फिन स
मइँ दाऊद क उ घरे क जउन गिर चुका
फिन स सँवारब ओकर खण्डहर क करब
फिन स पुराने क उद्धार।
17 काहेकि जउन बचा अहइँ उ सबइ गैर यहूदी
सबहिं जउन अब मोर कहवावत हीं, पर्भू क
हेरइँ।
18 कहत ह उहइ पर्भू इ बात, जुग जुग स, परगट
करत रहा जउन इ बातन क।'

आमोस 9:11-12

19"इ तरह मोर इ निर्णय अहइ कि हमका ओन
मनइयन क, जउन गैर यहूदी होत भए परमेस्सर कइँती
घूमा अहइँ, सतावइ नाहीं चाही। 20मुला हमका तउ ओनके
लगे लिखिके पठवइ चाही। हमका ओनका इ बातन क
बतावइ चाही:

मूरत क चढ़ावा भवा खइया क जिन खा (एँहसे
खइया क अपवित्तर होत ह।) कउनो तरह क
व्यभिचार जिन करा लहू क कबहुँ जिन चखा।
गटइ घोटिके मारा गवा गोरु क मांस जिन खा।

21ओन पचन्क क इ बात न करइ चाही, काहेकि
हर सहर मँ मनइयन (यहूदी) बाटेन जउन मूसा क
व्यवस्था सिखावत हीं। हर सबित क दिन मूसा क व्यवस्था
क तरीका स पाठ आराधनालय मँ बरिसन स होत
आवत ह।"

गैर यहूदी बिसवासियन क नाउँ चिट्ठी

22फिन प्रेरितन अउर बुजुर्गन समूचइ कलीसिया क
संग इ निहचय किहेन कि ओनमाँ स कछू मिला क
चुनिके पौलुस अउर बरनाबास क संग अन्ताकिया पठवा
जाइ। तउ उ पचे बरसब्बा कहा जाइवाला यहूदा अउर

सीलास क चुन लिहेन। उ सबइ भाइयन मँ यरूसलेम मँ
मान्य रहेन। [23]पचे ओनकइ हाथे स इ चिट्ठी पठएन:

तोहरे बंधु, बुजुर्ग अउर प्रेरितन कइँती स अन्ताकिया, सीरिया अउर किलिकिया क गैर यहूदी भाइयन क नमस्ते पहुँचइ

मोरे भाइयन,
[24] हम पचे जब त इ सुना ह कि हम स कउनो
आदेस पाए बिना ही, हम पचन मँ स कछू मनइयन
जाइके आपन सब्दन स तोहार जिअर दुखी किहेन
हे, अउर तोहरे मन क नाहीं थिरइ दिहेन। [25]हम
पचे आपुस मँ एक अउरटके इ निहचय कीन्ह ह
हम सबइ आपन मँ स कछू मनई चुनी अउर
आपन पिआरा बरनाबास अउर पौलुस क संग
ओनका तोहरे लगे पठई। [26]इ सबइ उ पचे ही लोग
अहइँ जउन हमरे पर्भू ईसू मसीह क नाउँ बरे
आपन प्राण क बाजी लगाइ दिहे रहे। [27]हम पचे
यहूदा अउर सीलास क पठवा त अही। उ सबइ
तोहका आपन मुँह स इ सब बातन क बतइहीं।
[28]पवित्तर आतिमा क अउर हमका इ नीक जान
पड़ा कि तू सबन प इ जरूरी बात क अलावा क
अउर कउनो बात क बोझा न डावा जाइ:

[29] मूरतिन प चढ़ावा गवा भोजन तोहका नाहीं ग्रहण करइ चाही। खून, गटइ घोटिके बधा गवा पसु अउर व्यभिचार स बचा रहा।

जदि तू आपन आप क इ बातन स बचाए रखब्या तउ तोहार कल्यान होइ।
अच्छा बिदा।

[30]इ तरह ओनका बिदा कइ दीन्ह गवा अउर उ
सबइ अन्ताकिया पहोंचेन। हुवाँ उ पचे बिसवासियन क
धरम सभा क बोलाएन अउर ओनका उ चिट्ठी दइ
दिहेन। [31]चिट्ठी बाँचिके जउन उछाह ओनका मिला
ओह पइ उ पचे आनंद मनाएन। [32]यहूदा अउर सीलास,
जउन खुद ही दुइनउँ नबी रहेन, आइयन क समन्वा
ओनकइ हिम्मत बँधावत भए अउर मजबूती देत भए,
एक लम्बा प्रबचन दिहेन। [33]हुवाँ कछू समइ बिताए क
पाछे, भाई लोग ओनका सांति क साथ ओनही क लगे
लौटि जाइ बरे बिदा किहेन जउन ओनका पठए रहेन।
[34]*

[35]पौलुस अउर बरनाबास अन्ताकिया मँ कछू समइ
बिताएन। बहोत स दूसर मनइयन क संग उ पचे पर्भू क
बचन क उपदेस देत भए मनइयन मँ सुसमाचार क
प्रचार किहेन।

पौलुस अउर बरनाबास क अलग होव

[36]कछू दिनन क बाद बरनाबास स पौलुस कहेस,
"आवा, जउन जउन नगरन मँ हम पचे पर्भू क बचन क
प्रचार कीन्ह ह, हुवाँ आपन भाई लोगन क लगे बापिस
लौटिके इ लखी कि उ पचे का कछू करत बाटेन।"
[37]बरनाबास चाहत रहा कि मरकुस कहवावइवाला यूहन्ना
क भी उ पचे संग लइ चलइँ। [38]मुला पौलुस इहइ ठीक
समझेस कि उ पचे ओका आपन संग न लेइँ जउन
पंफूलिया मँ ओनकइ संग छोड़ दिहे रहा अउर (पर्भू क)
काम मँ जउन ओनकइ साथ नाहीं दिहस। [39]एँह पइ उ
दुइनउँ मँ घोर खिलाफत जन्मी। नतीजा इ भवा कि उ
पचे आपुस मँ एक दूसर स अलगाइ गएन। बरनाबास
मरकुस क लइके पानी क जहाजे स साइप्रस गवा।
[40]पौलुस सीलास क चुनिके हुवाँ स चला गवा अउर
भाइयन ओका पर्भू क छत्रछाया मँ सौंपेन। [41]तउ पौलुस
सीरिया अउर किलिकिया क जात्रा करत भवा हुवाँ क
कलीसियन क मजबूत करत रहा।

तीमुथियुस क पौलुस अउर सीलास क संग जाब

16 पौलुस दिरबे अउर लुस्त्रा मँ भी आवा। हुवँइ
तीमुथियुस नाउँ क एक चेला रहा। उ कउनो
बिसवासी यहूदी स्त्री क बेटवा रहा मुला ओकर बाप
यूनानी रहा। [2]लुस्त्रा अउर इकुनियुम क सहर क भाइयन
क संग ओकर अच्छा उठब बैठब रहा। [3]पौलुस तीमुथियुस
क जात्रा प लइ जावा चाहत रहा। तउ उ ओका आपन
संग लइ लिहेस अउर स्थानन प बसइया यहूदियन क
कारण ओकर खतना किहेस; काहेकि उ पचे सबहिं
जानत रहेन कि ओकर बाप एक यूनानी रहा। [4]सहरन
स जात्रा करत भवा उ पचे हुवाँ क मनइयन क ओन
नियम क बारे मँ बताएन जेनका यरूसलेम मँ प्रेरितन
अउर बुजुर्गन तय कइ दिहे रहेन। [5]इ तरह हुवाँ क
कलीसिया क बिसवास अउर मजबूत होत गवा अउर
रोज हर रोज ओनकइ गनती बाढ़त गइ।

पौलुस क एसिया स बाहेर बोलावा जाब

[6]तउ उ पचे फ्रूगिया अउर गलातिया क पहँटा स
होइके निकरेन काहेकि पवित्तर आतिमा ओनका एसिया
मँ पवित्तर बचन क प्रचार क मना कइ दिहे रही।
[7]फिन उ पचे जब मूसिया क सरहदे प पहोंचन तउ उ
पचे बितूनिया मँ प्रवेस किहेन। मुला ईसू क आतिमा
ओनका हुवाँ भी जाइ नाहीं दिहेस। [8]तउ उ पचे मूसिया
होत भए त्रोआस पहोंचेन। [9]राति क समइ पौलुस दिब्य
दर्सन मँ निहारेस कि मैसीडोनिया क मनई ओसे पराथना
करत भवा कहत अहइ, "मैसीडोनिया मँ आवा अउर

पद 34 कछू यूनानी प्रतियन मँ पद 34 जोड़ी गइ अहइ: "मुला सिलास हुवँइ ठहरइ क निस्चय किहेस।"

हमार मदद करा!" 10इ दिब्य दर्सन क लखे क पाछे
तुरंतहि इ नतीजा निकारत भए कि परमेस्सर ओन मनइयन
क बीच सुसमाचार क प्रचार करइ हमका बोलाए अहइ,
हम पचे मैसीडोनिया जाइ बरे ठान लीन्ह।

लुदिया क हिरदय बदलाव

11इ तरह हम त्रोआस स जल मार्ग क जरिए जाइ बरे
आपन नाउ खोलि दीन्ह अउर सोझइ समोथ्राके जाइ
पहोंचेन। फिन अगले दिन नियापुलिस चला गएन। 12हुवाँ
स हम पचे एक रोमी उपनिवेस फिलिप्पी पहुँचेन जउ
मैसीडोनिया क उ पहँटा क एक प्रमुख सहर रहा। इ
सहर मँ हम कछू दिन बितावा।

13फिन सबित क दिन इ बिचारत भए कि पराथना
करइ बरे हुवाँ कउनो स्थान होइ हम सहर-दुआरे नदी
क तीरे गए। हम पचे हुवाँ बइठे अउर बटुरी भइ स्त्रियन
स बातचीत करइ लागे। 14हुवँई लुदिया नाउँ क एक स्त्री
रही। उ बैगनी रंग क ओढ़ना क बिक्री करत रही। उ
परमेस्सर क आराधिका रही। उ बड़ा धियान स हमार
बातन क सुनत रही। पर्भू ओकरे हिरदय क दुआर खोल
दिहस ताकि, जउन कछू पौलुस कहत रहा, उ ओन
बातन प धियान देइ सकइ। 15आपन समूचइ परिवार क
संग बपतिस्मा लेए क पाछे उ हम सबन स इ कहत भए
बिनती किहेस, "जदि तू पचे मोका पर्भू ईसू क सच्चा
भगत मानत ह तउ मोरे घरे आवा।" तउ उ हम पचन क
जाइ बरे तइयार किहेस।

पौलुस अउर सीलास क बंदी बनावा जाब

16फिन अइसा भवा कि जब हम पचे पराथना ठउर
कइँती जात रहे, हम पचन क एक दासी मिली जेहमाँ
एक सगुन बतावइ वाली आतिमा क सवारी रही। उ
मनइयन क भाग्ग बताइके आपन मालिकन क ढेर धन
कमाइके देत रही। 17उ हमरे अउर पौलुस क पाछे इ
चिचियात भइ होइ गइ "इ पचे परम परमेस्सर क सेवक
अहइँ। इ पचे तोहका मुक्ति क रस्ता क संदेसा सुनावत
अहइँ।" 18उ बहोत दिनाँ तलक अइसा ही करत रही तउ
पौलुस परेसान होइ गवा। उ मुड़िके उ आतिमा स कहेस,
"मइँ ईसू मसीह क नाउँ प तोहका आदेस देत हउँ, 'इ
बिटिया मँ स बाहेर निकरि आवा।'" तउ उ फउरन
ओहमाँ स बाहेर निकरि गइ।

19फिन ओकर स्वामी लोगन जब लखेन कि ओनकइ
कमाई क आसा स मन टूटि गवा अहइ तउ उ पचे पौलुस
अउर सीलास क धइ दहबोचेन अउर ओनका घेर्रावत
भए बजार क बीच नगर क अधिकारियन क समन्वा
लइ गएन। 20फिन न्यायकर्ता क लगे ओनका लइ जाइके
बोलेन, "इ सबइ यहूदियन अहइँ अउर हमरे सहर मँ
गड़बड़ी फइलावत बाटेन। 21इ पचे अइसी रीति रिवाज
क दोहाई देत हीं जेनका अपनाउब या जेन पइ चलब हम
रोमी मनइयन बरे निआव क मुताबिक नाहीं बा।" 22भीड़
भी खिलाफत मँ मनइयन क संग होइके हमला करइ
आइ। दण्डनायक भी ओनकइ ओढ़ना फाड़िके उतरवाइ
दिहेन अउर आग्या दिहेन कि ओनकइ कुटुम्मस होइ।
23ओन पइ बहोत मारि पड़ चुकइ क पाछे उ पचे ओनका
जेल मँ डाइ दिहेन अउर जेल क अधिकारि क आदेस
दिहेन कि ओनके बरे कर्रा पहरा बइठाइ दीन्ह जाइ।
24अइसा आदेस पाइके उ ओनका जेल क भितरी खोली
मँ धाँध दिहेन। उ ओनकइ गोड़वा मँ कठघरा जड़
दिहेन।

25लगभग आधी राति बीते प पौलुस अउर सीलास
परमेस्सर क भजन गावत भएन पराथना करत रहेन
अउर दूसर कैदी ओनका अनकत रहेन। 26तब्बइ हुवाँ
अचानक एक अइसा खौफनाक भूचाल आवा कि जेल
क नींव हल गइ। अउर फउरन जेल क फटक्का खुल
गवा। हर कउनो क बेड़ी ढ़ीली होइके फिसल गइ।
27जेलि क अधिकारी जागिके जब लखेस कि जेलि क
फटक्का खुलि गवा अहइँ तउ उ आपन तरवार हींच
लिहेस अउर इ सोचत भए कैदी पराइ गएन बाटेन। उ
खुद क मार डावइ वाला रहा तबहिं 28पौलुस ऊँची अवाज
मँ चिल्लाइके कहेस, "आपन क नस्कान जिन पहोंचावा
काहेकि हम सब हियँइ अही।"

29एँह पइ जेल क अधिकारी मसाल मँगवाएस अउर
हल्बुली मँ भितरे गवा। अउर डर स काँपत भवा पौलुस
अउर सीलास क समन्वा भहराइ पड़ा 30फिन उ ओनका
बाहेर लइ जाइके बोला, "साहेब लोगो, उद्धार पावइ बरे
मोका का करइ चाही?"

31उ पचे जवाब दिहेन, "पर्भू ईसू प बिसवास करा।
एँहसे तोहार उद्धार होइ-तोहार अउर तोहरे परिवार
क।" 32फिन ओकरे सारे परिवार क संग उ सबइ ओका
पर्भू क बचन सुनाएन। 33ओकरे पाछे जेल क अधिकारी
उहइ रात अउर उहइ घड़ी ओनका हुवाँ स लइ गवा। उ
ओकर घाव धोएस अउर आपन सारे परिवार क संग
बपतिस्मा लिहेस। 34फिन उ पौलुस अउर सीलास क
आपन घर लइ गवा अउर ओनका खइया क खिलाएस।
परमेस्सर मँ बिसवास क कारण उ आपन समूचइ परिवार
क संग आनन्द मनाएस।

35जब भोर भवा तउ हाकिम इ कहइ बरे पिआदा
क हुवाँ पठएन कि ओन पचन क छोड़ दीन्ह जाइ।

36फिन जेलि क अधिकारी इ बतियाँ पौलुस क
बखानेस, "दण्डाधिकारी तू पचन क छोड़ि देइ क कहवाइ
पठएन ह। यह बरे अब तू बाहेर आवा अउर सांति क
साथ चला जा।"

37मुला पौलुस ओन सिपाहियन स कहेस, "जदि अपि
हम रोमी नागरिक अही, मुला उ पचे हमका बिना
अपराधी होए बिना सब मनइयन क समन्वा मारेन पीटेन
ह अउर जेलि मँ धाँध दिहन। अउर अब चुप्पे चुप्पे उ

पचे हमका बाहेर पठइ देत चाहत हीं, निहचय ही अइसी
नाहीं होइ। होइ तउ इ चाही कि उ पचे खुद ही आइके
हम पचन बाहेर खदेरइँ।"
38सिपाही लोग न्यायाधीस क इ सब्द जाइके सुनाएन।
न्यायाधीस क जब इ पता लाग कि पौलुस अउर सीलास
रोमी अहइँ तउ उ सबइ बहोत ससाइ गएन। 39तउ उ पचे
हुवाँ आएन अउर ओनसे छमा माँगिके ओनका बाहेर
लइ गएन अउर ओनसे सहर क तजि देइ क कहेन।
40पौलुस अउर सीलास जेल स बाहेर निकरिके लुदिया
क घर पहोंचेन। धर्म बंधुअन स मिलत भए उ पचे
ओनकइ हौसला बढ़ाएन अउर फिन हुवाँ स चलि दिहेन।

पौलुस अउर सीलास थिस्सलुनीके मँ

17 फिर अम्फिपुलिस अउर अपुल्लोनिया क सफर
पूरा कइके उ पचे थिस्सलुनीके पहोंच गएन।
हुवाँ यहूदियन क एक आराधनालय रहा। 2आपन साधारण
सुभाव क अनुसार पौलुस ओनके लगे गवा अउर तीन
सबित क दिन तलक ओनकइ संग सास्तरन प बिचार
क लेन-देन करत रहा। 3अउर सास्तरन स लइके
ओनका समझावत भवा इ सिद्ध करत रहा कि मसीह
क यातनाइँ झेलइ क रहा अउर फिन ओका मरा
भवन मँ स जी उठब रहा। उ कहत, "इ ईसू ही, जेकर
मइँ तोहरे बीच प्रचार करत हउँ, मसीह अहइ।" 4ओहमाँ
स कछू जउन ओकरे मते स मेल खाएन, पौलुस अउर
सीलास क मत मँ सामिल होइ गएन। परमेस्सर स
डेराइवालन अगिनती यूनानी भी ओहमाँ मिलि गहन।
एहमाँ ढेर खास खास स्त्रियन भी मिलि गइन।
5मुला यहूदी तउ डाह मँ जरत भूँजत रहेन। उ पचे
कछू बाजारु गुण्डन क बटोरेन अउर एक मजमा बनइके
सहर मँ दंगा कराइ दिहेन। उ पचे यासोन क घर मँ धावा
बोल दिहेन। अउर इ जतन करइ लागेन कि कउनो
तरह पौलुस अउर सीलास क मनइयन क समन्वा लइ
आवइँ। 6मुला जब उ पचे ओनका नाहीं पाइ सकेन तउ
यासोन क अउर कछू दूसर भाइयन क सहर क अधिकारी
क समन्वा घेर्राइ के लइ आएन। उ पचे चिचियानेन, "इ
मनइयन जउन सारी दुनिया मँ उथर पुथर मचाए बाटेन
अब उ पचे हियाँ आइ अहइँ। 7अउर यासोन सम्मान क
संग ओनका आपन घरवा मँ ठहराए बा। अउर उ पचे
सबहिं कैसर क आदेसन क खिलाफ काम करत बाटेन।
अउर कहत हीं एक राजा अउर अहइ जेकर नाउँ अहइ
ईसू।" 8जब भीड़ अउर सहर क अधिकारी इ सुनेन तउ
उ पचे भड़केन। 9अउर इ तरह उ पचे यासोन अउर
दूसर मनइयन क जमानती मुचलका लइके छोड़ दिहेन।

पौलुस अउर सीलास बिरीया मँ

10फिन तुरंतहि रातउ रात पौलुस अउर सीलास क
बिरीया पठइ दिहेन। हुवाँ पहुँचिके उ सबइ यहूदी,
आराधनालय मँ गएन। 11इ पचे थिस्सलुनीके क मनइयन
स जिआदा नीक रहेन। इ मनइयन पूरा चित्त लगाइके
बचन क सुनेन अउर हर दिन सास्तरन क उलटत
पलटत भएन जाँच करत रहेन कि पौलुस जउन बातन
क बताएस ह, का उ बातन फुर अहइँ। 12एकरे कारण
बहोत स यहूदी लोग अउर खास खास यूनानी स्त्री-पुरुसन
भी बिसवास धरेन। 13मुला जब थिस्सलुनीके क यहूदियन
क इ पता लाग कि पौलुस बिरीया मँ भी परमेस्सर क
बचन क प्रचार करत बाटइ तउ उ पचे हुवँई आइ
धमकेन। अउर हुवाँ भी गल्बा करइ अउर मनइयन क
हुस्कावइ सुरु कइ दिहन। 14यह बरे तबहिं भाइयन तुरंत
पौलुस क समुद्दर क किनारे जाइ क पठएन। मुला
सीलास अउर तीमुथियुस हुवइँ ठहरा रहेन। 15पौलुस क
लइ जाइवालन मनइयन ओका एथेंस पहुँचाइ दिहेन अउर
सीलास अउर तीमुथियुस बरे इ हुकुम दइके कि उ पते
हाली स ओकरे लगे आइ जाइँ, हुवाँ स चल दिहेन।

पौलुस एथेंस मँ

16पौलुस एथेंस मँ तीमुथियुस अउर सीलास क जोहत
भए सहर क मूरत स भरा भवा लखिके मन ही मने मँ
तिलमिलात रहा। 17यह बरे हर रोज आराधनालय मँ
यहूदियन अउर यूनानी भगतन जउन असली भगवान
का पूजत रहेन स बहस-मुबाहसा करत रहा। हुवाँ
बजार-हाट मँ जउन कउनो होत उ ओहसे भी हर रोज
तर्क करत रहत। 18कछू इपीकूरी अउर स्तोईकी दर्सन
क ज्ञानी भी ओसे सास्तार्थ करइ लागेन।
ओहमाँ स कछू कहेन, "इ अंटसंट बोलवइया कहब
क चाहत ह?" दूसर लोग कहेन, "इ तउ बिदेसी देवतन
क प्रचारक जान पड़त ह।" उ पचे इ यह बरे कहे रहेन
कि उ ईसू क बारे मँ उपदेस देत रहा अउर ओकरे फिन
स जी उठइ क प्रचार करत रहा। 19उ पचे ओका धइके
अरियुपगुस क सभा मँ आपन संग लइ गएन अउर
बोलेन, "का हम जान सक्ति ह कि तू जउन मनइयन क
समन्वा रखत बाट्या, उ नई सिच्छा का अहइ? 20तू कछू
अजूबी बात हमरे काने मँ डावत अहा, तउ हम पचे
जानइ चाहित ह कि इ बातन का अरथ का अहइ?"
21हुवाँ रहत भए एथेंस क सबहिं मनइयन अउर परदेसी
सिरिफ बिल्कुल नवा सुनइ या ओनही बातन क चर्चा
क अलावा कउनो भी अउर बातन मँ आपन समइ न
लागावत रहेन।
22तब पौलुस अरियुपगुस क समन्वा खड़ा होइके
कहेस, "हे एथेंस क मनइयन, मइँ लखत हउँ कि तू पचे
हर तरह स धार्मिक अहा। 23टहरत फिरत तोहार आराधना
क चीजन क लखिके मोका एक अइसी वेदी भी मिली
जेह पइ लिखा रहा, 'अनबूझ परमेस्सर बरे' तउ तू पचे
बेजानिके जेकर आराधना करत बाट्या मइँ तोहका
उहइ बचन क सुनावत हउँ। 24परमेस्सर, जउन इ जगत

क अउर इ जगत क भितरे जउन कछू बा, ओकर रचना किहेस, उहइ धरती अउर अकास क पर्भू अहइ। उ हथवा स बनावा गवा मंदिर मँ नाही रहत। [25]ओकरे लगे कउनो चीजे क कमी नाहीं बा। एँहसे मनई क हथवा स ओकर सेवा नाहीं होइ सकत। उहइ सबन क जिन्नगी, साँस अउर दूसर सब कछू देत रहत ह। [26]एक ही मनई स उ मनई क सबहिं जातिन क बनएस ताकि उ पचे समूचइ धरती प बसि जाइँ अउर उहइ मनइयन क समइ निस्चय कइ दिहेस अउर उ ठउर क जहाँ उ पचे रहइँ, चउहद्दी बाँधि दिहेस। [27]ओकर मतलब इ रहा कि मनई परमेस्सर क हेरइँ। होइ सकत ह कि उ पचे ओका ओकरे ताईं पहोंचिके पाइ सकइँ। एँतना होए प भी हम सबन मँ कउनो स भी उ दूर नाहीं बा:

28 'काहेकि उहइ मँ हम पचे रहित ह, उहइ मँ
हमार चलब फिरब बा अउर उहइ मँ हमार
थिर रहब बा!'

इहइ तरह खुद तोहरे ही कछू लिखवइया भी कहेन ह:
'काहेकि हम पचे ओकर बचवा अही।'

[29]अउर काहेकि हम परमेस्सर क संतान अही। यह बरे हमका इ कबहुँ नाहीं सोचइ चाही कि उ देउता सोना या चाँदी या पाथर क बनी भइ मानुस कल्पना या कारीगरी स बनी भइ कउनो मूरत जइसी अहइ। [30]अइसे अगियान क जुग क परमेस्सर धियान नाहीं दिहेस अउर अब हर कतहुँ क मनई क मनफिराव क आदेस देत बाटइ। [31]उ एक दिन तय किहेस ह जब उ आपन एक मनई क जरिए जेका उ मुकईर किहेस ह निआव स दुनिया क निआव करी। मरे भएन मँ स ओका जिआइके उ हर कउनो क इ बात क परमान दिहेस ह!"

[32]जब उ पचे मरे भएन मँ स जी उठइ का बात सुनेन तउ ओहमाँ स कछू तउ ओकर हँसी हसारत करइ लागेन मुला कछू कहेन, "हम सबइ इ विसय प फिन कबहुँ तोहर प्रबचन सुनब।" [33]तब पौलुस ओनका तजिके चल दिहेस। [34]कछू मनइयन बिसवास कइ लिहेन अउर ओकरे संग होइ गएन। एहमाँ अरियुपगुस* क निअम्बर दियुनुसियुस अउर दमरिस नाउँ क स्त्री अउर ओकरे संगे क अउर मिला भी रहेन।

पौलुस कुरिन्थुस मँ

18 एकरे पाछे पौलुस एथेंस तजिके कुरिन्थुस चला गवा। [2]हुवाँ उ जउ पुन्तुस मा पइदा भवा रहा अक्विला नाउँ क एक यहूदी स मिला। जउन हाल मँ ही आपन पत्नी प्रिस्किला क संग इटली स आवा रहा उ पचे इटली यह बरे तजेन कि क्लौदियुस सबहिं यहूदियन क रोम स निकरि जाइ क हुकुम दिहे रहा तउ पौलुस ओनसे भेंटइ आवा। [3]अउर काहेकि ओनकइ धन्धा एक ही रहा तउ उ ओनही क संग ठहरा अउर काम करइ लाग। बइपार स उ पचे तम्बू बनावइवाला रहेन। [4]हर सबित क दिन उ आराधनालय मँ बाद बिवाद कइके यहूदियन अउर यूनानियन क समुझावइ बुझावइ क जतन करत।

[5]जब उ सबइ मैसीडोनिया स सीलास अउर तीमुथियुस आएन तब पौलुस आपन सारा समइ बचन क प्रचार करइ मँ लाए रहा। उ यहूदियन क इ परमान देइ चाहत रहा कि ईसू ही मसीह अहइ। [6]तउ जब्बहिं उ पचे ओकर खिलाफत किहेन अउर ओसे फूहर पातर कहेन तउ उ ओनकइ खिलाफ ओढ़ना झारत भवा ओनसे कहेस, "तोहार रकत तोहरे मूँड़े प पड़इ। ओकर मोसे कउनो मतलब नाहीं बा। अबहिं स अगवा मइँ गैर यहूदियन क लगे चला जाब।"

[7]इ तरह पौलुस हुवाँ स चला गवा अउर तीतुस यूस्तुस नाउँ क एक मनई क घरे गवा। उ परमेस्सर क आराधक रहा। ओकर घर आराधनालय स सटा रहा। [8]क्रिसपुस, जउन आराधनालय क प्रधान रहा, आपन समूचइ घराना क संग सत्य पर्भू मँ बिसवास धारण किहेस। साथ ही बहोत स कुरिन्थुस जउन पौलुस क प्रबचन सुने रहेन, बिसवास ग्रहण कइके बपतिस्मा लिहेस।

[9]एक राति सपना मँ पर्भू पौलुस स कहेस, "डेरा जिन, बोलत रहा अउर चुप जिन हवा। [10]काहेकि मइँ तोहरे संग हउँ। तउ तोहरे प हमला कइके कउनो भी तोहका नस्कान नाहीं पहुँचाइ काहेकि इ सहर मँ मोर ढेर मिला बाटइँ।"

[11]तउ पौलुस, हुवाँ डेढ़ बरिस तलक परमेस्सर क बचन क ओनकइ बीच मँ सिच्छा देत भवा, ठहरा रहा।

पौलुस गल्लियन क समन्वा लइ आवा जाब

[12]जब अखाया क राज्यपाल गल्लियो रहा तबहिं यहूदी लोग एक एक अउरटिके पौलुस प धावा बोलि दिहेन अउर ओका धइके कचहरी लइ आएन [13]अउर बोलेन, "इ मनई परमेस्सर क आराधना अइसे तरीका स करइ बरे हुस्कावत अहइ जउन व्यवस्था क विधान क खिलाफ बा!"

[14]पौलुस अबहिं आपन मुँहना खोलइ क ही रहा कि गल्लियन यहूदियन स कहेन, "अरे यहूदियो, जदि इ कछू कउनो अनिआव या गहिर अपराध क होत तउ तोहार बात सुनब मोरे बरे निआव क मुताबिक होत [15]मुला काहेकि इ विसय सब्दन, नाउँ अउर तोहार आपन व्यवस्था क सवाल स जुड़ा अहइ, यह बरे एँका तू सबइ खुद ही सुलझावा। अइसी बातन क बारे मँ मइँ न्यायाधीस नाहीं

अरियुपगी एथेंस क खास खास मनइयन क दल। ये पचे न्यायाधीस क लाई होत रहेन।

बनइ चाहत हउँ।” 16अउर फिन उ ओनका कचहरी स
बाहेर निकाल दिहिस।
17तउ उ पचे आराधनालय क नेता सोस्थिनेस क
धइ दहबोचेन अउर उदालत क समन्वा ही ओका पीटइ
लागेन। मुला गल्लियन इ बातन प तनिकउ भी धियान
नाहीं दिहेन।

अन्ताकिया क पौलुस क वापसी

18बहोत दिनाँ तलक पौलुस हुवाँ ठहरा रहा। फिन
भाइयन स बिदा होइके उ नाउ क मारग स सीरिया क
चला गवा। ओकरे संग प्रिस्किल्ला अउर अक्विला भी
रहेन। पौलुस किंखिया मँ आपन बार कटवाएस काहेकि
उ एक ठु मन्नत माने रहा। 19फिन उ पचे इफिसुस
पहोंचेन अउर पौलुस प्रिस्किल्ला अउर अक्विला क
हुवँइ छोर दिहेन। अउर खुद आराधनालय मँ जाइके
यहूदियन क संग बहस करइ लाग। 20जब हुवाँ क मनइयन
ओसे कछू दिन अउर रुक जाइके निवेदन किहेन तउ उ
इन्कार कइ दिहेस। 21मुला जात भए समइ मँ उ कहेस,
“अगर परमेस्सर क इच्छा भइ तउ मइँ तोहरे लगे फिन
अउबइ।” फिन उ इफिसुस स नइया स जात्रा किहेस।
22फिन कैसरिया पहोंचिके उ यरूसलेम गवा अउर
हुवाँ कलीसिया क मनइयन स भेंटेस। फिन उ अन्ताकिया
कइँती चला गवा। 23हुवाँ कछू समइ बिताए क पाछे उ
बिदाई लिहेस अउर गलातिया अउर फ्रूगिया क पहँटा मँ
एक ठउर स दूसर ठउर क जात्रा करत भवा सबहि
चेलन क बिसवास बढ़ावइ लाग।

इफिसुस अउर आखाया मँ अपुल्लोस

24हुवँइ अपुल्लोस नाउँ क यहूदी रहत रहा। उ
सिकुन्दरिया मँ पइदा भवा रहा। उ बिद्वान बोलवइया रहा।
उ इफिसुस मँ आवा। सास्तर क ओका पूरा पूरा ग्यान
रहा। 25ओका पर्भू क मारग क दीच्छा भी मिली रही। उ
हिरदय मँ उमंग भरिके प्रबचन करत अउर ईसू क बारे
मँ बड़ी हुसियारी स उपदेस देत रहा। तउ भी ओका
यूहन्ना क बपतिस्मा क गियान रहा। 26आराधनालय मँ
उ निडर होइके बोलइ लाग। जब प्रिस्किल्ला अउर
अक्विला ओका बोलत सुनेन तउ उ पचे ओका एक
कइँती लइ गएन अउर जिआदा बारीकी स ओका परमेस्सर
क मारग क बियाख्या समझाएन। 27तउ जब उ अखाया
क जाइ चाहेस तउ भाइयन ओकर हिम्मत बढ़ाएन अउर
हुवाँ क चेलन क ओकर सुआगत करइ बरे लिखिके
पठएन। जब उ हुवाँ पहोंचा तउ ओनकइ बरे बड़कवा
सहायक सिद्ध होइ गवा जउन परमेस्सर क अनुग्रह स
बिसवास ग्रहण किहेन। 28काहेकि सास्तरन स इ परमान
देत भए कि ईसू ही मसीह अहइ, उ यहूदी लोगन क
मजमा मँ जोरदार सब्दन स ललकारत भवा सास्तरन मँ
पछारे रहा।

पौलुस इफिसुस मँ

19 अइसा भवा कि जब अपुल्लोस कुरिन्थुस मँ रहा
तबहि पौलुस भीतर क पहँटा स जात्रा करत भवा
इफिसुस मँ आइ पहोंचा। हुवाँ ओका कछू चेलन मिलेन।
2अउर उ ओनसे कहेस, “का जब तू पचे बिसवास धारण
किहे रहा तब पवित्तर आतिमा क ग्रहण किहे रहा?”
उ सबइ जवाब दिहेन, “हम पचे तउ सुना तलक
नाहीं कि कउनो पवित्तर आतिमा बाटइ भी!” 3तउ उ
कहेस, “तउ तू पचे कइसा बपतिस्मा लिहे अहा?”
उ सबइ कहेन, “यूहन्ना क बपतिस्मा।”
4फिन पौलुस कहेस, “यूहन्ना क बपतिस्मा तउ
मनफिरावइ क बपतिस्मा रहा। उ मनइयन स कहे रहा
कि जउन मोरे पाछे आवत अहइ, ओह पइ अरथ अहइ
ईसू प बिसवास धरा।”
5इ सुनिके उ पचे पर्भू ईसू क नाउँ क बपतिस्मा लइ
लिहेन। 6फिन जब पौलुस ओन प हाथ धरेस तउ ओन
पइ पवित्तर आतिमा उतरि आइ। अउर उ सबइ अलग
अलग भाखा बोलइ अउर भविस्सबाणी करइ लागेन।
7कुल जोरिके उ पचे कउनो बारह मनई रहेन।
8फिन पौलुस यहूदी आराधनालय मँ चला गवा अउर
तीन महीना निडर होइके बोलत रहा। उ यहूदी लोगन क
साथ बहस करत भवा ओनका परमेस्सर क राज्य क
बारे मँ समझावत रहत रहा। 9मुला ओहमाँ स कछू लोग
बहोत जिद्दी रहेन। उ पचे बिसवास ग्रहण करइ स इन्कार
कइ दिहेन अउर मनइयन क समन्वा भला बुरा कहत
रहेन। तउ उ आपन चेलन क संग लइके ओनका तजिके
चला गवा। अउर तरन्नुस क पाठसाला मँ हर रोज
बिचार करत रहा। 10दुइ बरिस तलक अइसा ही होत
रहा। एकर नतीजा इ भवा कि सबइ एसिया क बसइया
अउर यहूदियन अउर गैर यहूदियन पर्भू क बचन सुनि
लिहेन।

स्किबा क बेटवन

11परमेस्सर पौलुस क हथवा चमत्कार करम करावत
रहा। 12हिआँ तलक की ओकर छुआ रुमाल अउर
अँगरखा क बेरामियन क लगे लइ जावा जात तउ ओनकइ
बेरामी जरटुट होइ जातिन अउर दुस्ट आतिमा ओहमाँ स
पराइ जातिन। 13-14कछू यहूदी लोग, जउन दुस्ट आतिमा
क उतारत भए एहर ओहर टहरत डोलत रहेन, जिन
मनइयन मँ दुस्ट आतिमन क सवारी होतिन, ओन पइ
पर्भू ईसू क नाउँ क बइपरइ क जतन करतेन अउर
कहतेन, “मइँ तोहका उ ईसू क नाउँ प जेकर प्रचार
पौलुस करत वा, आदेस देत हउँ!” एक स्किबा नाउँ क
यहूदी महा याजक क सात ठु बेटवन जब अइसा करत
रहेन। 15तउ दुस्ट आतिमा (एक दाँई) ओनसे कहेस,
“मइँ ईसू क पहिचानत हउँ अउर पौलुस क बारे मँ भी
जानत हउँ, मुला तू पचे कउन अहा?”

16फिन उ मनई जेह पइ दुस्ट आतिमा सवार रही,
ओन प कूदि पड़ी। उ ओन पइ काबू पाइके अउर
ओनकर कपरा फाड़ दिहेस। उ ओनका खूबइ पीटेस
अउर ओनकइ ओढ़ना फाड़ि डाएस। एहसे उ पचे बेबस्तर
होइके अउर चोटाइके परानेन। 17इफिसुस मँ बसइया
लोग सबहिं यहूदियन अउर यूनानी लोगन क इ बाते क
पता लग गवा। उ सबइ लोग बहोतइ डेराइ गएन। इ तरह
पर्भू ईसू क नाउँ क आदर अउर जिआदा बाढ़त गवा।
18ओहमाँ स बहोत स जउन बिसवास ग्रहण किहे रहेन,
आपन स कीन्ह गवा कुकरम क सबन क समन्वा
कबूलत भए हुवाँ आएन। 19जादूगर अउर टोनहन मँ स
बहोतन आपन आपन पोथी लइके हुवाँ बटोरि दिहेन
अउर सब मनइयन क अगवा बारि दिहेन। ओन पोथिन
क कीमत 50,000 चाँदी क सिक्का क बराबर कूता
गवा। 20इ तरइ पर्भू क बचन जिआदा असरदार होत
भवा दूर दूर ताईं फइल गवा।

पौलुस क जात्रा योजना

21इ सब घटित होए क पाछे पौलुस आपन मने मँ
मैसीडोनिया अउर अखाया होत भवा यरूसलेम जाइ क
निहचय किहेस। उ कहेस, "हुवाँ जाए क पाछे मोका रोम
भी लखइ चाही।" 22तउ उ आपन तीमुथियुस अउर
इरास्तुस नाउँ क दुइ सहायक लोगन क मैसीडोनिया
पठएस अउर खुद एसिया मँ तनिक समइ अउर बिताएस।

इफिसुस मँ उपद्रव

23उ दिनन मँ परमेस्सर के रस्ता का लइके हुवाँ
खुब उपद्रव भवा। 24हुवाँ देमेत्रियुस नाउँ क एक ठु चाँदी
क बनवइया सोनार रहा। उ चाँदी क मन्दिर मूरति देवी
अरतिमिस* क बनवत रहा। जेहसे कारीगर लोगन क
रोजी मिलत रही। 25उ ओनका इ धंधा मँ लगा भएन
दूसर कारीगरन क बटोरेस अउर कहेस, "लखा मनइयो,
तू पचे जानत ह कि काम स हमका एक बढ़िया आमदनी
होत ह। 26तू सब लखि सकत ह अउर सुनि सकत ह कि
इ पौलुस न सिरिफ इफिसुस मँ मुला करीब करीब एसिया
क समूचइ पहँटा मँ मनइयन क अपनी सिच्छा क
जरिये बदल दिहे बा। उ कहत बा कि मनई क हथवा क
बनावा सच देवता नाहीं अहइँ। 27एहसे न सिरिफ इ बात
क डर अहइ कि हमार बइपार क नामूसी होइ मुला
महान देवी अरतिमिस क मंदिर क इज्जत खोइ जाइ क
भी डर बाटइ। अउर जउन देवी क आराधना समूचइ
एसिया अउर दुनिया स कीन्ह जात बाटइ, ओकर गरिमा
छीन लइ जाइ डर अहइ।" 28जब उ पचे इ सुनेन तउ उ
पचे बहोत कोहाइ गएन अउर चिचिआइ चिचिआइ क
कहइ लागेन, "इफिसियो क देवी अरतिमिस महान बा!"
29ओहर सारे सहर मँ गड़बड़ी फैलि गइ। तउ मनइयन
मैसीडोनिया स आएन अउर पौलुस क संग जात्रा करत
भएन गयुस अउर अरिस्तरखुस क धइ दहबोचेन अउर
रंग साला मँ लइ भागेन। 30पौलुस मनइयन क समन्वा
जाब चाहत रहा मुला चेलन ओका नाहीं जाइ दिहन।
31कछू प्रांत क अधिकारी जउन ओकर मीत रहेन,
ओसे कहवाइ पठएन कि उ हुवाँ रंगसाला मँ आवइ क
दुस्साहस जिन करइ। 32लोगन मँ स कछू चिचियात बा,
अउर कउनो कछू, काहेकि समूचइ सभा मँ हल्बुली
फइली बाटइ। ओहमाँ स जिआदा स जिआदा इ नाहीं
जानत रहेन कि उ पचे हुवाँ बटुरा काहे बाटेन। 33यहूदियन
सिकन्दर क जेकर नाउँ भीड़ मँ स उ पचे सुझाए रहेन,
अगवा ठाड़ कइ रखे रहेन। सिकन्दर आपन हथवा क
हिलाइ हिलाइके मनइयन क समन्वा सफाई क बयान
देत रहा। 34मुला जब ओनका इ पता लाग कि उ एक
यहूदी अहइ तउ उ सबइ एक अउटके कछू दुइ घण्टा
तलक एक सुर मँ चिचियात भवा कहत रहेन, "इफिसियन
क देवी अरतिमिस महान बा।"

35फिन सहर क बाबू भीड़ क सान्त करत भवा
कहेस, "हे इफिसुस क मनइयो, का दुनिया मँ अइसा
कउनो मनई बा जउन इ नाहीं जानत कि इफिसियन
सहर महान देवी अरतिमिस अउर सरग स गिरी भइ
पवित्तर सिला क रखवारा अहइ? 36काहेकि इ बातन
स इन्कार नाहीं होइ सकत। यह बरे तोहका सान्त रहइ
चाही। 37तू पचे इ मनइयन क धइके हियाँ लाया ह जदि
अपि उ सबइ न तउ कउनो मंदिर क लूटेन ह अउर न
ही हमरी देवी क बेज्जत किहेन ह। 38अगर देमेत्रियुस
अउर संगी कारीगरन क कउनो क खिलाफ कउनो
सिकाइत अहइ तउ अदालत खुली बाटइँ अउर हुवाँ
निरनायकन अहइँ। हुवाँ आपुस मँ एक दूसर प नालिस
करइँ। 39मुला जदि तू एहसे कछू जिआदा जानइ चाहत ह
तउ ओकर फैसला नेम स चलइवाली सभा मँ कीन्ह
जाइ। 40जउन कछू अहइ ओकरे मुताबिक हमका इ
बाते क डर हइ कि आज क दंगा क कारण हम प दोख
न लगावा जाइ। इ दंगा बरे हमरे लगे कउनो भी कारण
नाहीं बाटइ जेहसे हम सबइ एँका ठीक ठहराइ सकी।"
41एँतना कहे क पाछे उ सभा क विसर्जित कइ दिहस।

पौलुस क मैसीडोनिया अउर यूनान जाब

20 फिन जब हुल्लड क सांत होइ गवा, एकरे पाछे
पौलुस ईसू क चेलन क बोलाएस अउर ओनकइ
हिम्मत बढ़ाइ दिहे क पाछे ओनसे बिदा लिहेस अउर
मैसीडोनिया क चला गवा। 2उ पहँटा स होइके उ जात्रा
किहेस अउर हुवाँ क मनइयन क उछाह क बचन
बोलेस। फिन उ यूनान आइ गवा। 3उ हुवाँ तीन महीना
रुका अउर काहेकि यहूदी लोग ओकरे खिलाफ एक

अरतिमिस यूनानी देवी जेकर आराधना एसिया माइनर क निवासी करत रहेन।

षडयन्त्र रचे रहेन जब उ पानी क मारग स सीरिया क
जाइवाला रहा कि उ निस्चय किहेस कि उ मैसीडोनिया
क लौटि जाइ। 4बिरीया क पुर्रुस क बेटवा, थिस्सलूनीकिया
क बसइया लोग अरिस्तर्खुस अउर सिकुन्दुस, दिरबे क
निवासी गयूस अउर तीमुथियुस अउर एसिया क पहँटा
क तुखिकुस अउर त्रुफिमुस ओकरे साथ रहेन। 5इ पचे
पहिले चला ग रहेन अउर त्रोआस मँ हमका जोहत
रहेन। 6बे खमीर क रोटी क दिनन क पाछे हम पचे
फिलिप्पी स नाउ स चेलन अउर पाँच दिना क पाछे
त्रोआस मँ ओनसे जाइ भेंटेन। हुवाँ हम सात दिना तक
ठहरेन।

त्रोआस क पौलुस क आखिरी जात्रा

7हफ्ता क पहिले दिना जब हम पचे रोटी क तोड़इ
बरे आपुस मँ बटुरेन तउ पौलुस ओनसइ बतियाइ लाग।
ओका भियान ही चला जाइ क रहा तउ उ आधी राति
तलक बातचीत करत रहा। 8सीढ़ी क ऊपर क खोली मँ
जहाँ हम पचे बटुरा रहेन, हुवाँ ढेर क दिया धरा रहेन।
9हुवँइ यूतुखुस नाउँ क एक नौजवान खिड़की प बइठा
रहा। ओका गहिर नींद चँपे रही। काहेकि पौलुस ढेर
बेला स बोलतइ चला जात रहा तउ ओका गहिर नींद
आइ गइ। एँहसे उ तीसरी मंजिल स तरखाले भहराइ पड़ा
अउर जब ओका उठावा गवा तउ उ गुजर चुका रहा।
10पौलुस तरखाले उतरा अउर ओह पइ निहुरा। ओका
आपन कोरा मँ लइके उ कहेस, "जिन घबराअ काहेकि
ओकर प्राण उहइ मँ बा।"

11फिन उ ऊपर चला गवा अउर उ रोटी क तोरिके
बाँटेस अउर खाएस। उ ओनकइ ढेर देर तलक, भिन्सारे
ताईं बतियात रहा। फिन उ ओनसे बिदा लिहेस। 12उ
जिअत मनई क उ पचे घरे लइ आएन। एँहसे ओनका
बहोत चइन मिला।

त्रोस स मिलेतुस क जात्रा

13हम जहाजे प पहिले पहोंचेन अउर अस्सुस कइँती
चल दिहेन। हुवाँ पौलुस क हम पचेन क जहाज प
बइठावइ क रहा। उ अइसी ही योजना बनए रहा। उ खुन
पैदर आवइ चाहत रहा। 14उ जब अस्सुस मँ हम पचन स
भेंटा तउ हम पचे ओका जहाजे प बइठावा अउर हम
सबइ मितुलेने कइँती चल पड़ेन। 15दूसर दिन हम हुवाँ स
चलिके खियुस क समन्वा जाइ पहोंचेन अउर दूसर दिन
ओह पार सामोस आइ गएन। फिन ओकरे एक दिन पाछे
हम मिलेतुस आइ पहोंचेन।

16काहेकि पौलुस जहाँ तलक होइ सका पिन्तेकुस्त
क दिन तलक यरूसलेम पहुँच जाइ क हाली करत रहा,
तउ उ ठान लिहेस कि उ इफिसुस मँ बे रुके भए अगवा
चला जाइ जेहँसे ओका एसिया मँ समइ जिआदा न बितावइ
पड़इ।

पौलुस क इफिसुस क पूर्वजन स बात-चीत

17उ मिलेतुस स इफिसुस क बुजुर्ग अउर कलीसिया
क संदेसा पठइके आपन लगे बोलाएस। 18ओनकइ आए
प पौलुस ओनसे कहेस, "इ तू सबइ जानत ह कि एसिया
पहुँचइ क बाद पहिले दिन स ही हर समइ मइँ तोहरे संग
कइसे रहत हउँ 19अउर बड़ा दीन होइके आँसू टपकाइ
टपकाइके यहूदी लोगन्क कुचाल क कारण मोह प
कइउ परीच्छा मँ भी मइँ दीनता पूर्वक पर्भू क सेवा
करत रहेउँ। 20तू पचे जानत बाट्या कि मइँ तोहका
तोहरे भलाई क कउनो बाते स बतावइ मँ कबहुँ
हिचकिचाएउँ नाहीं। अउर मैं तोहका ओन बातन क
सबहिं मनइयन क बीच अउर घरे घरे जाइके उपदेस देइ
मँ कबहुँ नाहीं झिझक्यो। 21यहूदियन अउर यूनानियन
क मइँ बराबर क भाव स मनफिराव बरे, परमेस्सर
कइँती मोड़इ बरे मँ कहत रहेउँ ह अउर हमार पर्भू ईसू
मँ बिसवास बरे ओनका चिताउनी दिहेउँ ह। 22अउर
अब पवित्तर आतिमा क अधीन मँ मइँ यरूसलेम जात
अहउँ मइँ नाहीं जानत हउँ हुआँ मोरे संग का कछू घटी।
23मइँ तउ सिरिफ एँतना जानत हउँ कि हर सहर मँ
पवित्तर आतिमा इ कहत भइ मोका चउकन्ना करत
रहत ही कि जेल अउर घोर संकट मोका जोहत बाटेन।
24मुला मोरे बरे प्राण क कउनो कीमत नाहीं बा। मइँ तउ
बस उ दौड़ धूप अउर उ सेवा क पूरा करइ चाहत हउँ
जेका मइँ पर्भू ईसू स ग्रहण करेउँ ह—परमेस्सर क अनुग्रह
क सुसमाचार क साच्छी देब।

25"अउर अब मइँ जानत हउँ कि तोहमाँ स कउनो
भी, जेनकइ बिच मँ मइँ परमेस्सर क राज्य क प्रचार
करत घूमेउँ ह, मोर मुँह अगवा कबहुँ न लखि पाइ।
26यह बरे आजु मइँ तोहरे समन्वा गोहराइ के कहत हउँ
कि तू सबन मँ स कउनो मँ स कोइ खोवाय जाइ त
ओकर दोखी मइँ नाहीं अहउँ। 27 काहेकि मइँ परमेस्सर
क पूरी इच्छा क तोहका बतावइ क मँ मइ कबहुँ
हिचकिचाएउँ नाहीं। 28आपन अउर आपन जात बिरादरी
क देख भाल करत रहा। पवित्तर आतिमा ओहमाँ स
तोहका ओन प चउकसी करइ बरे बनएस ह जेहसे तू
परमेस्सर क कलीसिया क धियान राखा जेहसे उ आपन
रकत क बदले बेसहे रहा। 29मइँ जानत हउँ कि मोरे
बिदा होइ जाए क पाछे सिकारी बिगवा तोहरे बीच अइहीं
अउर उ पचे इ भोला भाला झुंड क न छोरिहीं। 30हिआँ
तलक कि तोहरे आपन बीच मँ स ही अइसेन मनई भी
उठि जइहीं, जउन चेलन क पाछे लगाइ लेइ बरे बात क
घुमाइ फिराइ क कइहीं। 31यह बरे होसियार रह्या। याद
राखा कि मइँ तीन बरिस तलक एक एक क दिन रात
रोइ रोइके चिताउनी देब नाहीं तज्यों रहे।

32"अब मइँ तोहका परमेस्सर अउर ओकर सुसमाचार
क अनुग्रह क हाथे अर्पण करत हउँ। उहइ तोहका बनइ
सकत ह अउर ओन मनइयन क संग जेनका पवित्तर

कीन्ह गवा अहइ, तोहका बारिस बनइ सकत ह। 33मइँ
कबहुँ कउनो क सोना-चाँदी या ओढ़ना क नाहीं ललचाएउँ
ह। 34तू सबइ ही जानत ह मोर इ हथवन ही मोर अउर
मोरे संगिन की जरूरत क पूरा किहेस ह। 35मइँ आपन
हर करम स तोहका इ देखॅावा ह कि कर्री मेहनत करत
भए हमका निर्बल क मदद कउने तरह करइ चाही
अउर हमका पर्भू ईसू क बचन याद रखइ चाही जेहसे उ
खुद कहे रहा, 'लेइ स देइ मँ जिआदा सुख बा।'"

36इ कहि चुके क पाछे ओन सबन क संग उ घुटना
क बल निहुरा अउर उ पराथना किहेस। 37हर कउनो
भोंकारा मारिके रोवत रहा। मिलना मिलत भए उ पचे
ओका चूमत रहेन। 38उ जउन इ कहे रहा कि पचे
ओकर मुँहना फिन कबहुँ न लखिहीं, एँहसे मनई जिआदा
दु:खी रहेन। फिन उ पचे ओकर रच्छा करत भए जहाजे
तलक पहोंचाइ दिहेन।

पौलुस क यरूसलेम जाब

21 फिन ओनसे बिदाइ लइके समुद्दर मँ हम पचे
आपन नइया खेइ दीन्ह अउर सोझ राहे स कास
पहोंच गएन अउर भियान रोदुस। फिन हुवाँ स हम पतरा
चला गएन। 2हुवाँ हम एक ठु जहाज लीन्ह जउन फिनीके
जात रहा। 3जब साइप्रस लखइ क आइ गवा तउ हम पचे
ओका बाईं कइँती छोड़िके सीरिया कइँती मुड़ि गएन
काहेकि जहाज क सूर मँ माल उतारइ क रहा तउ हम
पचे भी हुवँई उतरि गएन। 4हुवाँ हम पचन क अनुयायी
मिलेन जेनके संग हम सात दिनाँ ताईं ठहरेन। उ पचे
आतिमा क असर स पौलुस क यरूसलेम जाइ स रोक
दिहेन। 5फिन हुवाँ ठहरइ क आपन समइ बिताइके हम
पचे बिदा भएन आपन जात्रा पर निकरि गएन। आपन
स्त्रियन अउर बचवन क संग उ पचे सहर क बाहेर
तलक हमरे संग आएन। फिन हुवाँ समुद्दर क किनारे
हम पचे घुटना क बल निहुरिके पराथना कीन्ह। 6अउर
एक दूसर स बिदा होइके हम पचे जहाजे प चढ़ि गएन।
अउर उ पचे आपन-आपन घरन क लौटि आएन।

7सूर स पानी क रस्ता क जरिए जात्रा करत भए हम
पतुलिमयिस मँ उतरेन। हुवाँ भाई लोगन क सुआगत
सत्कार करत भए हम पचे ओनकइ संग एक दिन
ठहरेन। 8दूसर दिन ओनका छोरिके हम कैसरिया आइ
गएन। अउर सुसमाचार क प्रचारक फिलिप्पुस, जउन
चुना भवा सात सेवकन मँ एक रहा, घर जाइके ओनके
संग ठहरेन। 9ओकरे चार ठु कुँवारी बिटिया रहिन जउन
भविस्सबाणी करत रहिन। 10हुवाँ हमरे कछू दिनन ठहरे
रहइ क पाछे यहूदिया स अगबुस नाउँ क एक नबी
आवा। 11हमरे निअरे आवत भवा उ पौलुस क करिहाउँ
बाँधिके उठाइके ओसे अपनइ ही गोड़ अउर हाथ बँधवाइ
लिहेस अउर बोला, "इ अहइ जउन पवित्तर आतिमा
कहत बा, 'यानी यरूसलेम मँ यहूदियन, जेकर इ कमर
बँध अहइ, ओका अइसे ही बाँधिके गैर यहूदियन क
हाथे सैंपि देइहीं।'"

12हम पचे जब इ सुनेन तउ हम हुवाँ क मनइयन
ओसे यरूसलेम न आवइ क पराथना किहेन। 13यह पइ
पौलुस जवाब दिहेस, "इ तरह रोइ रोइके मोर हिरदय
तोड़त भए इ तू पचे का करत बाट्या? मइँ तउ यरूसलेम
मँ न सिरिफ बाँधा जाइ बरे बल्कि पर्भू ईसू मसीह क
नाउँ प मरइ तलक सन्नध अही!"

14काहेकि हम ओका मना नाहीं कइ पाएन। तउ
बस एँतना कहिके चुप्पी साधि गएन "जइसी पर्भू क
इच्छा।"

15इ दिनन क पाछे फिन हम तइयारी कइके यरूसलेम
चला गएन। 16कैसरिया स कछू चेलन भी हमरे संग होइ
गएन। उ पचे हमका साइप्रस क मनासोन नाउँ क एक
मनई क हियाँ लइ गएन जउन ईसू का पहिला चेला रहा।
हमका उहइ क संग ठहरइ क रहा।

पौलुस क याकूब स भेंट

17यरूसलेम पहुँचे प भाई लोगन बड़ा उछाइ स हमार
सुआगत सत्कार किहेन। 18दूसर दिन पौलुस हमरे संग
याकूब स भेंटइ गवा। हुवाँ सबहिं कलीसिया क अगुआ
हाजिर रहेन। 19पौलुस ओनकइ सुआगत सत्कार किहेस
अउर ओन सब कामे क बारे मँ जउन परमेस्सर ओकरे
हीला स गैर यहूदियन क बीच करवाए रहा, एक एक
कइके कहि सुनाएस। 20तउ उ पचे परमेस्सर क स्तुति
करत भए बोलेन, "बंधु तू पचे तउ लखत ही अहा हियाँ
केतॅना ही हजार यहूदी अइसा अहइँ जउन बिसवास ग्रहण
लिहे बाटेन। मुला उ पचे सोचत ही मूसा का व्यवस्था क
मानब बहुत जरूरी अहइ। 21तोहरे बारे मँ ओनसे कहा
गवा बाटइ कि तू पचे गैर यहूदियन क बीच रहइवाला
सबहिं यहूदी लोगन क मूसा क सिच्छा क तजइ क सीख
देत बाट्या। अउर ओनसे कहत ह कि उ पचे न तउ
आपन गदेलन क खतना करावइँ अउर न ही यहूदी
रीति रिवाजे प चलइँ।

22तउ का कीन्ह जाइ? उ पचे इ तउ जरुरी ही
सुनिहीं कि तू आवा अहा। 23यह बरे तू उहइ करा जउन
तोहसे हम कहत अही। हमरे संग चार ठु अइसे मनई
बाटेन जउन कउनो मन्नत मानेन ह। 24इ मनइयन क
लइ जा अउर ओनकइ संग सुद्ध होइ क जलसा मँ
सामिल होइ जा। ओनकइ खर्जा दइ द्या उ पचे आपन
मूँड़ मुड़वाइ लइ लेइँ। एँहसे सब लोग जान लेइहीं कि उ
पचे तोहरे बारे मँ जउन सुने अहइँ, ओहमाँ स कउनो
सच नाहीं बाटइ मुला तू तउ खुद ही हमरे व्यवस्था क
मुताबिक जिन्नगी देत ह।

25हियाँ तलक बिसवास ग्रहण करइवाले गैर यहूदियन
क सवाल बा, हम पचे ओनका एक ठु चिट्ठी मँ लिखिके
पठएन ह:

'उ पचे मूरतिन प चढ़ावा प्रसाद, रकत क भोजन,
गटई घोंटि के मारे भएन गोरुअन अउर
व्यभिचार स आपने को खुद क दूर राखइँ।'"

26इ तरह पौलुस ओन मनइयन क आपन संगे लिहस अउर ओन मनइयन क संग आपन खुद क अगले दिन सुद्ध कइ दिहस। फिन उ मंदिर मँ गवा जहाँ उ गोहराइके कहेस कि सुद्ध होइके दिन कब पूर होइहीं अउर हम पचन मँ स हर एक बरे चढ़ावा कब चढ़ाइ जाइ।

27जब उ सात दिना पूर होइवाला रहा, एसिया स आए कछू यहूदी लोग ओका मंदिर मँ लखेन। उ पचे भीड़ मँ सबहिं मनइयन क हुस्काइ दिहेन अउर पौलुस क धइ लिहन। 28फिन उ पचे नरियाइके बोलेन, "इस्राएल क मनइयो मदद करा। इ अहइ मनई अहइ जउन हर कहूँ हमार जनता क, मूसा क व्यवस्था क खिलाफ मनइयन क सिखावत बहकावत बा। अउर अब तउ इ गैर यहूदियन क मंदिर मँ लइ आवा अहइ। अउर इ इ तरह इ पवित्तर स्थान क भरभण्ड कइ दिहे अहइ।" 29उ पचे अइसा यह बरे कहे रहेन कि त्रुफिमुस नाउँ क एक इफिसी क सहर मँ उ पचे ओकर संग लखिके अइसा सोचेन कि पौलुस ओका मंदिर मँ लइ गवा अहइ।

30तउ सारा सहर खिलाफ उठि खड़ा भवा। मनई भागि भागिके चढ़ बइठेन अउर पौलुस क धइ लिहेन। फिन उ पचे ओका घेर्रावत भए मंदिर स बाहेर लइ गएन अउर फउरन फाटक बन्द कइ दिहेन। 31उ पचे ओका मारइ क जतन करत ही रहेन कि रोमी फऊज क टुकड़ी क नायक क लगे इ सूचना पहोंची कि समूचइ यरूसलेम मँ खलबली मची बा। 32उ सेनानायक कछू सिपाहियन अउर फउज क अधिकारी क आपन संग लिहेस अउर पौलुस प हमला करइवाले यहूदियन कइँती बढ़ा। यहूदियन जब सेना नायक अउर सिपाही लोगन क लखेन तउ उ पचे पौलुस क पीटब बंद किहेन। 33तब उ सेना नायक पौलुस क लगे गवा अउर ओका बंदी बनाइ लिहेस। उ ओका दुइ जंजीरे मँ बाँध लेइ क आदेस दिहेस। फिन उ पूछेस, "उ कउन अहइ अउर उ का किहेस ह?"

34भिड़िया मँ स कछू मनइयन एक बात कहेन तउ दूसर लोग दूसर बात। इ हो-हल्लड़ मँ काहेकि उ इ नाहीं जान पाएस कि सच्चाई का अहइ, यह बरे उ हुकुम दिहेस कि ओका छावनी मँ लइ चला जाइ। 35-36पौलुस जब सीढ़िन क लगे पहोंचा तउ भिड़िया मँ फइली हिंसा स सिपाहियन क ओका आपन सुरच्छा मँ लइ जाइ पड़ा। काहेकि ओकरे पाछे मनइयन क एक भारी भीड़ इ चिचियात भइ चलत रही, "एँका मारि डावा!"

37जब उ छावनी क भीतर लइ जावा जाइवाला रहा कि पौलुस सेनानायक स कहेस, "का मइँ तोहसे कछू कहि सकत हउँ?"

सेनानायक बोला, "का तू यूनानी बोलत अहा? 38तउ तू उ मिस्र क मनई तउ नाहीं अहा न जउन पहिले दंगा सुरु कराए रहा अउर जउन हियाँ रेगिस्तान मँ चार हजार आतंकवादी लोगन क अगुअई करत रहा?"

39पौलुस कहेस, "मइँ किलिकिया क तरसुस सहर क एक यहूदी मनई हउँ। अउर एक मसहूर सहर क नागरिक हउँ। मइँ तोहसे चाहत हउँ कि तू मोका इ मनइयन क बीच बोलइ द्या।"

40ओसे आग्या पाइके पौलुस सीढ़ी प खड़ा होइके मनइयन कइँती हाथ हिलावत भवा ओनका सांत होइ क कहेस। जब सब सांत होइ गवा तउ पौलुस इब्रानी भाखा मँ मनइयन स कहइ लाग।

पौलुस क भासण

22 पौलुस कहेस, "भाई लोगन अउर बाप क नाईं भले मनइयन, मोका आपन बचाव मँ अब जउन कछू कहइ क बाटइ, ओका सुना।" 2उ पचे जब ओका इब्रानी भाखा मँ बोलत भए सुनेन तउ उ पचे जिआदा सांत होइ गएन। फिन पौलुस बोला, 3"मइँ एक यहूदी मनई हउँ। सिलिकिया क तरसुस सहर मँ जनम भवा रहा अउर मइँ इहइ सहर मँ पाला पोसा जाइके बाढ़ गएउँ ह। गमलिएल* क गोड़वा प बइठिके हमरे पूर्वजन क व्यवस्था क मुताबिक बड़ी कड़ाई स मोर सिच्छा भइ। परमेस्सर बरे मइँ जिआदा धुन लगावत रहेंउँ। फुरे वइसे ही जइसे आज तू पचे अहा। 4इ ईसू के पंथ क मनइयन क मइँ एँतना सताएँउ ह कि ओनकइ परान तलक उड़ि गएन। मइँ पुरुसन अउर स्त्रियन क बंदी बनएउँ ह अउर जेलिया मँ धाँध दिहेउँ ह। 5खुद महायाजक अउ बुजुर्ग यहूदी नेतन क समूचइ सभा एँका सिद्ध कइ सकत ह। मइँ दमिस्क मँ एँनकइ भाइयन क नाउँ चिट्ठी भी लिहेउँ ह अउर इ पंथ क हुवाँ रहइ वालन क धइके बंदी क रूप मँ यरूसलेम लइ आवइ बरे मइँ गवा भी रहे रहा ताकि ओनका सजा दीन्ह जाइ सकइ।

पौलुस क मन कइसे बदल गवा

6"फिन अइसा भवा कि मइँ जब जात्रा करत करत दमिस्क क लगे पहोंचा तउ लग भग दुपहरिया क समइ अकास स एकाएक एक जोर क प्रकास चारिहुँ कइँती फइला। 7मइँ भुइयाँ प भहराइ गवा। तबहिं मइँ एक अवाज सुनेउँ जउन मोसे कहत रही 'साउल, ओ साउल! तू मोका काहे सतावत अहा?' 8तब मइँ जवाबे मँ कहेउँ, 'पर्भू, तू कउन अहा?' उ मोसे कहेस, 'मइँ उहइ नासरी ईसू अहउँ जेका तू सतावत बाट्या।' 9जउन मोरे संग रहेन, उ सबइ भी उ प्रकास निहारेन मुला उ बाणी क

गमलिएल यहूदी लोगन्क एक धरम क खास फरीसी लोगन्क एक ठु खास धरम-गुरु। (प्रेरित 5:34)

जउन मोका गोहराए रहा, उ पचे समुझि नाहीं पाएन।
10मइँ पूछेउँ, 'पर्भू, मइँ का करउँ?' एह पइ पर्भू मोसे
कहेस, 'खड़ाहुवा, अउर दमिस्क क चला जा। हुवाँ तोहका
सब कछू बताइ दीन्ह जाइ, जेका करइ बरे तोहका मुकर्रर
कीन्ह गवा बा।' 11काहेकि मइँ उ जोरदार प्रकास स
कछू लखि नाहीं पाएउँ रहा, तउ मोर संगी मोर हथवा
धइके मोका लइ चलेन अउर मइँ दमिस्क पहोंचि गएउँ।

12"हुवाँ हनन्याह नाउँ क एक मनई रहा। उ व्यवस्था
क पालन करइवाला भगत रहा। हुवाँ क बसइया सबहिं
यहूदियन क संग ओकर मेलजोल रहा। 13उ मोरे लगे
आवा अउर मोरे नगिचे खड़ा होइके बोला, 'भाई साउल,
फिन स लखइ लगा!' अउर उहइ छिन मइँ ओका लखइ
क जोग्य होइ गवा। 14उ कहेस, 'हमरे पूर्वजन क परमेस्सर
तोहका चुनि लिहे अहइ कि तू ओकर इच्छा क परखा,
ओकरे धरम क सरूप क लखा अउर ओकर बाणी
सुना। 15काहेकि तू जउन लख्या ह अउर जउन सुन्या ह,
ओकरे बरे सबहिं मनइयन क समन्वा तू ओकर साच्छी
होब्या। 16यह बरे अब तू केकर बाट जोहत बाट्या, खड़ा
होइ जा बपतिस्मा ग्रहण करा अउर ओकर नाउँ क
गोहरावत भए आपन पाप क धोइ डावा।'

17"फिन अइसा भवा कि जब मइँ यरूसलेम लौटिके
मंदिर मँ पराथना करत रहेउँ तबहिं मोर समाधि लग गइ
18अउर मइँ लखेउँ कि ईसू मोसे कहत अहइ, 'हाली!
करा अउर फउरन यरूसलेम स बाहेर जा काहेकि मोरे
बारे मँ उ पचे तोहार साच्छी न मनिहीं।' 19तउ मइँ
कहेउँ, 'पर्भू इ लोग तउ जानत हीं, कि तोह प बिसवास
करइया मनइयन क बंदी बनवत भए अउर पीटत भए
मइँ यहूदी आराधनालय मँ टहरत फिरा हउँ। 20अउर
तउ अउर जब तोहार साच्छी स्तिफनुस क रकत बहावा
जात रहा, तब भी मइँ आपन समर्थन देत भए हुवँइ खड़ा
रहेउँ। जउन ओकर कतल किहे रहेन, गइँ ओनकइ
ओढ़ना क रखवाली करत रहेउँ।' 21फिन उ मोसे बोला,
'तू जा, काहेकि गैर यहूदियन क बीच दूर-दूर ताईं
पठउब।'"

22इ बात तलक उ पचे सुनत रहेन फिन ऊँच अवाजे
मँ चिल्लाइ उठेन, "अइसे मनइयन क धरती स अजाद
करा। इ जिअइ क जोग्ग नाहीं बा।" 23उ पचे जब चिचियात
रहेन अउर आपन ओढ़ना क उतारि उतारिके लोकावत
रहेन अउर अकासे मँ धूरि उछारत रहेन, 24तबहिं
सेनानायक आदेस दिहेस कि पौलुस क जेले मँ लइ जावा
जाइ। उ कहेस कि कोड़ा स मारि मारिके ओसे बकरवावा
जाइ ताकि मनइयन क पता लागइ कि ओह पइ मनइयन
क चिचियाइ क कारण का बाटइ। 25मुला जब उ पचे
ओका कोड़ा मारइ बरे बाँधत रहेन तबहिं हुवा खड़ा
भवा फऊजीनायक स पौलुस कहेस, "कउनो रोमी
नागरिक क, जउन अपराधी न पावा गवा होइ, कोड़ा
लगाउब का ओका नीक बा?"

26फऊजीनायक इ सुनिके सेनानायक क निअरे
गवा अउर बोला, "इ आप का करत अहइँ? काहेकि इ
तउ रोमी नागरिक अहइ!"

27एँह पइ सेनानायक ओकरे लगे आइके पूछेस,
"मोका बतावा, का तू रोमी नागरिक अहा?"

पौलुस जवाब दिहेस, "हाँ।"

28एँह पइ सेनानायक जवाब दिहेस, "इ नागरिकता
पावइ बरे मोका तउ ढेर का धन खर्च करइ पड़ा रहा।"

पौलुस कहेस, "मुला मइँ तउ जनम स रोमी नागरिक
हउँ।" 29तउ उ पचे जउन ओसे पूछताछ करत रहेन,
तुरंत पाछे हटि गएन अउर सेनापति भी इ समुझिके कि
उ एक रोमी नागरिक अहइ अउर उ ओका बंदी बनाए
अहइ, बहोत डेराइ गवा।

यहूदी नेता क समन्वा पौलुस क भासण

30काहेकि उ सेनानायक इ बात क ठीकठीक पता
लगावइ चाहत रहा कि यहूदियन पौलुस प जुर्म काहे
लगाएन, यह बरे उ दूसर दिन बंधन खोल दिहेस। फिन
मुख्ययाजक अउर सबन त सर्वोच्च यहूदी महासभा क
बोलाइ पठएन अउर पौलुस क ओनकइ समन्वा लाइके
खड़ा कइ दिहेस। पौलुस यहूदी महासभा प टकटकी
लगाइके निहारत

23 भवा कहेस, "मोर भाइयो, मइँ परमेस्सर क
समन्वा आजु तलक अन्त: मन स जिन्नगी बिताएउँ
ह।" 2एह पँइ महायाजक हनन्याह पौलुस क निअरे खड़ा
भए मनइयन क आदेस दिहेस कि उ पचे ओकरे मुँहे प
थप्पड़ मारइँ। 3तब पौलुस ओसे कहेस, "हे सफेदी स पोती
भइ दीवार! परमेस्सर क मार तोह पइ पड़ी। तू हिआँ
व्यवस्था क मुताबिक कइसा निआब करइ बइठा अहा
कि तू व्यवस्था क खिलाफ मोका थप्पड़ मारइ आदेस
देत अहा।"

4पौलुस क लगे खड़ा भए मनइयन कहेन, "परमेस्सर
क महायाजक क बेज्जत करइ क हिम्मत तोहका भवा
कइसे!"

5पौलुस जवाब दिहेस, "मोका तउ पता नाहीं कि इ
महायाजक अहइ। काहेकि लिखा अहइ, 'तोहका आपन
प्रजा क राजा बरे कुभाख बोल बोलइ नाहीं चाही।' *"

6फिन जब पौलुस क पता चला कि ओहमाँ स आधा
मनई सदूकी अहइँ अउर आधा फरीसी तउ महासभा क
बीच उँच अवाज मँ कहेस, "भाइ लोगो, मइँ फरीसी हउँ
एक फरीसी क बेटवा हउँ। मरइ क पाछे फिन स जी
उठइ बरे मोरी मान्नता क कारण मोह प मुकदमा चलावा
जात अहइ!" 7ओकरे अइसा कहइ प फरीसियन अउर
सदूकियन मँ एक तहत्तुक उठा अउर सभा क बीच
फूटि पड़ गइ। 8सदूकियन क कहब अहइ कि पुनरुत्थान

'तोहका ... चाही' निर्ग 22:28

नाहीं होत न सरगदूत होत हीं अउर न ही आतिमा। मुला
फरीसियन क एँनके होइ मँ बिसवास करत हीं। 9हुवाँ
बहोत सोरगुल भवा। फरीसियन क दल मँ स कछू धरम
सास्तरी उठेन अउर खरी बहस करत भए कहइ लागेन,
"इ मनई मँ हम पचे कउनो खोट नाही पावत अही। जदि
कउनो आतिमा या कउनो सरगदूत एँहसे बात किहेन ह
तउ एँहसे का?"
10काहेकि इ तहत्तुक हिंसा क रूप लइ चुका रहा,
एँहसे उ सेनानायक डेराइ गवा कि कहूँ उ पचे पौलुस क
बोटी बोटी न कइ डावइँ। तउ उ सिपहियन क आदेस
दिहेस कि उ पचे खाले जाइके पौलुस क ओनसे अलगाइके
छावनी मँ लइ जाइँ।
11अगली राति पर्भू पौलुस क नगिचे खड़ा होइके,
ओसे कहेस, "हिम्मत राखा काहेकि तू जइसे मजबूती क
संग यरूसलेम मँ मोर साच्छी दिहा ह, वइसे ही रोम मँ
तोहका मोर साच्छी देइ क अहइ!"
12फिन दिन निकरा। यहूदी लोगन एक कुचाल चलेन।
उ पचे किरिया खाएन कि जब तलक उ पचे पौलुस क
मार नाहीं डइहीं, न कछू खइहीं, न पिइहीं। 13ओनमाँ स
चालीस स भी जियादा मनइयन इ कुचाल चलेन 14उ पचे
मुख्ययाजकन अउर बुजुर्गन क लगे गएन अउर बोलेन,
"हम पचे किरिया खावा ह कि हम पचे जब तलक पौलुस
क मारि नाहीं डाइत, तब तलक न हम कछू खाब न
पिअब। 15तउ अब तू अउर यहूदी महासभा, सेनानायक
स बिनती करइ चाहत ह कि उ ओका तोहरे लगे लइ
आवइ इ बहाना बनावत भए कि तू ओकरे बारे मँ
अउर बारीकी स छानबीन करइ चाहत बाट्या। एँहसे
पहिले कि उ हिआँ पहुँचइ, हम पचे ओका मारि डावइ
क तइयार अही।"
16मुला पौलुस क भैने क इ कुचाल क भनक लग
गइ तउ उ छावनी मँ जाइ पहोंचा अउर पौलुस क सब
कछू बताइ दिहस। 17एँह पइ पौलुस कउनो एक
फऊजीनायक क बोलाइके ओसे कहेस, "इ जवान क
सेनानायक क लगे लइ आवा काहेकि एँहसे कछू कहइ
क अहइ।" 18तउ उ ओका सेनानायक क लगे लइ गवा
अउर बोला, "बंदी पौलुस मोका बोलाएस अउर मोसे उ
जवान क तोहरे लगे पहोंचावइ क कहेस काहेकि इ
तोहसे कछू कहइ चाहत ह।"
19सेनानायक ओकर हथवा धरेस अउर ओका एक
कइँती लइ जाइके पूछेस, "बतावा तू मोसे का चाहत
बाट्या?"
20जवान बोला, "यहूदी इ बात प एक अउट ग अहइँ
कि उ पचे पौलुस स अउर बारीकी स पूछताछ करइ क
बहाना महासभा मँ ओका लइ जाइ बरे तोहसे पराथना
करइँ। 21यह बरे ओनकइ जिन सुन्या। काहेकि चालीस
स भी जियादा लोग घात लगाइके ओका जोहत अहइँ। उ
पचे इ किरिया खाए अहइँ कि जब तलक उ पचे ओका
मारि न डावइँ, ओनका न कछू खाब अहइ, न पिअब।
बस अब तोहरे आदेस क जोहत उ पचे तइयार बइठा
अहइँ।"
22फिन सेनानायक जवान क इ आदेस दइके पठएस,
"तू इ कउनो क जिन बतावा कि तू मोका एकर खबर
दइ दिहे अहा।"

पौलुस क कैसरिया पठवा जाब

23फिन सेनानायक आपन दुइ फऊजीनायकन क
बोलवाइ क कहेस, "दुइ सौ सिपाही, सत्तर घुड़सवार दुइ
सौ भालावालन क कैसरिया जाइके तइयार राखा। राति
क नउ बजे चलइ बरे तइयार रहा। 24पौलुस क सवारी
बरे घोड़न क बन्दोबस्त राखा अउर ओका सुरच्छा स
राज्यपाल फेलिक्स क लगे लइ जा।" 25उ एक ठु चिट्ठी
लिखेस जेकर विसय रहा:

26महामहिम राज्यपाल फेलिक्स क क्लौदियुस
लूसियास क नमस्ते पहोंचइ।
27इ मनई क यहूदी लोगन धइ लिहेन अउर उ पचे
एँकर कतल करइ क रहेन कि मइँ इ जानिके कि
इ एक रोमी नागरिक अहइ, आपन सिपाहियन क
संग जाइके एका बचाइ लिहेउँ। 28मइँ काहेकि उ
कारण क जानइ चाहत रहेउँ जेहँसे उ पचे ओह
पइ दोख लगावत रहेन, ओका ओनकइ महा
आराधनालय मँ लइ जावा गवा। 29मोका पता लाग
कि ओनकइ व्यवस्था स जुड़ा भए सवाल क कारण
ओह पइ दोख लगावा ग रहा। मुला ओह प कउनो
अइसा जुर्म नाहीं रहा जउन ओका मउत क सजा
क जोग्ग या बंदी बनावइ जोग्ग साबित होइ। 30फिन
जब मोका इत्तला मिली कि हुवाँ इ मनई क खिलाफ
कउनो षडयन्त्र रचा गवा अहइ तउ मइँ एका तुरंतहि
तोहरे लगे पठइ दीन्ह ह। अउर एँह प जुर्म लगावाइ
वालन क इ आदेस दइ दीन्ह ग ह कि एकरे
खिलाफ लगावा गवा जुर्म तोहरे अगवा धरइँ।

31तउ सिपाहिन इ आग्या क पूरा किहेन अउर उ
पचे राति मँ ही पौलुस क अन्तिपत्रिस क लगे लइ गएन।
32फिन अगले दिना घुड़-सवारन क ओकरे संग अगवा
जाइ बरे छोड़िके उ पचे छावनी लौटि आएन। 33जब उ
पचे कैसरिया पहुँचेन तउ उ पचे राज्यपाल क उ चिट्ठी
देत भए पौलुस क ओका सौंपि दिहेन। 34राज्यपाल चिट्ठी
बाँचेस अउर पौलुस स पूछेस कि उ कउने पहँटा क
रहवइया बा। जबहिं ओका पता लाग कि उ किलकिया
क बसइया अहइ 35तउ उ ओसे कहेस, "तोह पइ जुर्म
लगावइ वालन जब आइ जइहीं, मइँ तबहिं तोर सुनवाइ
करब।" उ आग्या दिहेस कि पौलुस क पहरा क भीतर
हेरोदेस क महल मँ रख दीन्ह जाइ।

यहूदियन क जरिए पौलुस प मुकदमा

24 पाँच दिना पाछे महायाजक हनन्याह कछू बुजुर्ग यहूदी नेतन अउर तिरतुल्लुस नाउँ क एक वकील क संग लइके कैसरिया आवा। उ पचे राज्यपाल क समन्वा पौलुस प जर्मु सिद्ध करइ आइ रहेन। 2फेलिक्स क समन्वा पौलुस क पेसी होए पइ मुकदमा क सुनवाई सुरु करत भवा तिरतुल्लुस बोला, "महासय, तोहरे कारण हम सांति स रहत अही तोहार दूरंदेस होइ स देस मँ बहोत जिआदा सुधार भएन ह। 3हे महामहिम फेलिक्स। हम बड़े एहसान क साथ ऍका हर तरह स हर कहूँ अंगीकार करित ह। 4तोहार अउर जिआदा समइ न लेत भए, मोर पराथना अहइ कि कृपा कइके आप थोड़े मँ हमका सुन लेइँ। 5बात इ अहइ कि इ मनई क हम एक उत्पाती क रूप मँ पाएउँ ह। सारी दुनिया क यहूदियन मँ इ दंगा भड़काएस ह। इ नासरी लोगन क पंथ क नेता अहइ। 6-8इ मंदिर क अपवित्तर करइ क जतन किहेस ह। हम पचे ऍका यह बरे धरा ह। हम यह पइ जउन आरोप लगावत अही, ओन सबन क आप खुद ऍसे पूछि पछोरिके जान सकत ह।"* 9इ जुर्म मँ यहूदी भी सामिल होइ गएन। उ पचे जोर दइके कहत रहेन कि इ सब तथ्य फुरि अहइँ!" 10फिन राज्यपाल जब पौलुस क बोलइ क इसारा किहेस तउ उ जवाब देत भवा कहेस, "तू बहोत दिना स इ देस क न्यायाधीस अहा। इ जानत भए मइँ खुसी क साथ आपन बचाव रखत अहउँ। 11तू खुद इ जान सकत ह कि अबहिं आराधना बरे मोका यरूसलेम गए भए बस बारह दिन बीता बाटेन। 12हुवाँ मंदिर मँ मोका न तउ कउनो क संग बहस करत भए पावा गवा अहइ अउर न ही आराधनालय या सहर मँ कतहूँ अउर मनइयन क दंगा बरे भड़कावत भवा 13अउर तोहरे समन्वा जउन जुर्म क इ सबइ मोह प लगावत अहइ ओनका सिद्ध नाहीं कइ सकत बाटेन। 14मुला मइँ तोहरे समन्वा इ बात क अंगीकार करत हउँ कि मइँ आपन पूर्वजन क परमेस्सर क आराधना ईसू के पंथ क मुताबिक करत हउँ, जेका इ पचे एक पंथ कहत हीं। मइँ हर उ बात मँ बिसवास करत हउँ जेका व्यवस्था बतावत ह अउर जउन नबी लोगन क किताबे मँ लिखी बाटइ।

15अउर मइँ परमेस्सर मँ वइसेन ही भरोसा राखत हउँ जइसे खुद ई लोग धरत हीं कि धर्मी अउर विधर्मी दुइनउँ क ही फिन उत्थान होइ। 16यह बरे मइँ भी परमेस्सर अउर मनइयन क समन्वा हमेसा आपन अन्तरात्मा क सुद्ध बनाए भए बरे जतन करत रहत हउँ।

17"कइउ बरिस तलक यरूसलेम स दूर रहे क पाछे मइँ आपन रास्ट्र बरे उपहार लइके अपने मंदिर पर भेंट चढावइ बरे आएउँ ह। 18जब मइँ इ करत ही रहेउँ रहा उ पचे मोका मंदिर मँ पाएन, तब मँ बिधि क मुताबिक सुद्ध रहेउँ रहा न तउ हुवाँ भीड़ रही अउर न कउनो असांति। 19एसिया स आए कछू यहूदी हुवाँ मौजूद रहेन। अगर मोरे खिलाफ ओनके लगे कछू अहइ तउ उ पचे तोहरे समन्वा हाजिर होइके मोह प जुर्म लगावइ चाही। 20या इ लोग जउन हियाँ अहइँ उ सबइ बतावइँ कि जब मइँ यहूदी महासभा क समन्वा खड़ा रहा, तब उ पचे मोहे मँ का खोट पाएन 21सिवाय ऍकरे कि जब मइँ ओनकइ बीच मँ खड़ा रहा तब मइँ ऊँची अवाज मँ कहे रहा, 'मरे भएन मँ स जी जाइ क बारे मँ आजु तोहरे जरिए मोर निआव कीन्ह जात अहइ।'"

22फिन फेलिक्स, जउन इ ईसू के पंथ क पूरी जानकारी रखत रहा, मुकदमा क सुनवाई क आगे टारत भवा बोला, "जब सेनानायक लुसियास आइ, मइँ तबहिं तोहरे इ मुकदमे प आपन फैसला देब।" 23फिन उ फऊजीनायक क आदेस दिहेस कि तनिक छूट दइके पौलुस क पहरा क भीतर धरा जाइ अउर ओकरे मीतन क ओकर जरूरत पूरा करइ स न रोका जाइ।

पौलुस क फेलिक्स अउर ओकर स्त्रियन स बातचीत

24कछू दिना पाछे फेलिक्स आपन पतनी द्रुसिल्ला क संग हुवाँ आवा। उ एक यहूदी स्त्री रही। फेलिक्स पौलुस क बोलवावइ पठएस अउर मसीह ईसू मँ बिसवास क बारे मँ ओसे सुनेस।

25मुला जब पौलुस नेकी, खुद क संयम मँ राखइ अउर आवइवाला निआव क बारे मँ बोलत रहा तउ फेलिक्स डेराइ गवा अउर बाला, "इ समइ तू चला जा, मौका मिले प मइँ तोहका फिन बोलवाउब।" 26अहइ समइया ओका इ आसा भी रही कि पौलुस ओका कछू धन देइ। यह बरे फेलिक्स पौलुस क बातचीत बरे अक्सर बोलवावइ बरे पठवत रहा।

27दुइ बरिस अइसे ही बीति जाए क पाछे फेलिक्स क जगह पुरखिउस फेस्तुस ग्रहण कइ लिहस। अउर काहेकि, फेलिक्स यहूदियन क खुस रखइ चाहत रहा, यह बरे उ पौलुस क जेल मँ ही रहइ दिहेस।

पौलुस कैसर स निआव चाहत ह

25 फेस्तुस जब उ प्रदेस मॅ राज्यपाल होइ गवा अउर तीन दिना पाछे उ कैसरिया स यरूसलेम क रवाना होइ गवा। 2हुवाँ मुख्ययाजकन अउर यहूदियन क मुखिया लोग पौलुस क खिलाफ लगावा गवा जुर्म ओकरे समन्वा रखेन अउर ओसे पराथना किहेन 3कि उ पौलुस क यरूसलेम पठवाइके ओनकइ पच्छ लेइ। (उ पचे रस्त मँ ही ओका मारि डावइ क कुचाल बनाए रहेन।) 4फेस्तुस

पद 6-8 कछू यूनानी प्रतियन पद छः क आखिरी भाग मँ 7 अउ 8 क सुरु क भाग भी जोड़ा गवा अहइ: "हम आपन व्यवस्था क मुताबिक ऍंकर निआव करा चाहित ही। 7 मुला सेनानायक लिसिआस जबरन ओका हमसे झपट लिहेस 8 अउ आपन मनइयन क हुकुम दिहेस कि उ सबइ ऍंह पर जुर्म लगावइ बरे तोहरे समन्वा लइ आवइँ।"

जवाब दिहेस कि "पौलुस कैसरिया मँ बंदी अहइ अउर उ जल्दी ही हुवाँ पहोंचइवाला बाटइ।" उ कहेस, [5]"तू आपन कछू मुखिया लोगन क मोरे संग पठइ द्या अउर जदि उ मनई अपराध किहे बा तउ उ पचे हुवाँ मोह प जुर्म लगावइ।"

[6]ओनके संग कछू आठ दस दिन बिताइके फेस्तुस कैसरिया चला गवा। अगले ही दिन अदालत मँ निआव क आसन प बैठिके उ आदेस दिहेस कि पौलुस क पेस कीन्ह जाइ। [7]जब उ पेस भवा तउ यरूसलेम स आए भएन यहूदी लोग ओका घेरिके खड़ा होइ गएन। उ पचे ओह प बहुतेरे भारी दोख लगाएन मुला उ पचे ओका सिद्ध नाहीं कइ सकेन। [8]पौलुस खुद आपन बचाव करत भवा कहेस, "मइँ न तउ यहूदियन क व्यवस्था क खिलाफ कउनो करम किहेउँ ह, न ही मंदिर क खिलाफ अउर न ही कैसर क खिलाफ।"

[9]मुला काहेकि फेस्तुस यहूदी लोगन क खुस करइ चाहत रहा, जवाब मँ उ पौलुस स कहेस, "तउ का तू यरूसलेम जाइ चाहत ह ताकि मइँ हुवाँ तोह पइ लगावा गवा जुर्म क निआव कइ सकउँ?"

[10]पौलुस कहेस, "इ समइ मइँ कैसर क अदालत क समन्वा खड़ा हउँ। मोर निआव हिअँइ कीन्ह जाइ चाही। मइँ यहूदियन क संग कछू बुराई नाहीं किहे अही, एँका तू भी बहोत अच्छी तरह जानत ह। [11]यदि मइँ कउनो अपराधे क दोखी अहउँ अउर मइँ कछू अइसा किहे हउँ, जेकर सजा मउत अहइ, तउ मइँ मरइ स बचब न चाहब, मुला जउन लोग मोह प जउन जुर्म लगावत अहइँ, ओहमाँ स कउनो सच नाहीं बा। तउ मोका कउनो भी एँनका नाहीं सौंपि सकत। इहइ कैसर स मोर पराथना अहइ।"

[12]आपन परिसद स राय लिहे क पाछे फेस्तुस ओका जवाब दिहेस, "तू कैसर स फिन बिचार बरे पराथना किहा ह, यह बरे तोहका कैसर क समन्वा ही लइ लीन्ह जाइ।"

पौलुस क हेरोदेस अग्रिप्पा क समन्वा पेसी

[13]कछू दिन पाछे राजा अग्रिप्पा अउर बिरनीके फेस्तुस क सुआगत करइ कैसरिया आएन। [14]जब उ पचे हुवाँ कई दिन बिताइ चुकेन तउ फेस्तुस राजा क समन्वा मुकदमा क इ तरह समझाएस, "हिआँ एक अइसा मनई अहइ जेका फेलिक्स बंदी क रूप मँ छोड़ गवा रहा। [15]जब मइँ यरूसलेम मँ रहेउँ, मुख्ययाजकन अउर बुजुर्ग यहूदी नेतन ओकरे खिलाफ मुकदमा दर्ज किहेन अउर माँग किहे रहेन कि ओका सजा दीन्ह जाइ। [16]मइँ ओनसे कहे रहेउँ, 'रोमी मनइयन मँ अइसी रीति नाहीं कि कउनो मनइ क, जब तलक वादी प्रतिवादी क आमना समन्वा न कइ दीन्ह जाइ अउर ओह प लगावा भएन जुर्म स ओका बचावइ क मौका न दइ दीन्ह जाइ, ओका सजा बरे, सौंपा जाइ।' [17]तउ उ सबइ मनइयन जब मोरे संग हिआँ आएन तउ मइँ बिना देर लगाए भए अगले दिना निआव क आसन प बइठिके उ मनई क पेस कीन्ह जाइके हुकुम दिहेस। [18]जब ओह पइ दोख लगावइ वालन बोलइ खड़ा भएन तउ उ पचे ओह पइ अइसा कउनो दोख नाहीं लगाएन जइसा कि मइँ सोचत रहेउँ। [19]बल्कि ओनकइ आपन धरम क कछू बातन पर भी अउर ईसू नाउँ क एक मनई प जउन मर चुका बा, ओनमाँ कछू बिचार मँ अलगौझा रहा। तउ भी पौलुस क दावा अहइ कि उ जिअत अहइ। [20]मइँ समुझ नाहीं पावत हउँ कि इ बिसयन क छानबीन कइसे कीन्ह जाइ, यह बरे मइँ ओसे पूछेउँ कि का उ आपन इ जुर्मन क निआव करावइ बरे यरूसलेम जाइ क तइयार अहइ? [21]मुला पौलुस जब पराथना किहेस कि ओका सम्राट क बरे ही हुवाँ रखा जाइ, तउ मइँ हुकुम दिहेउँ, कि मइँ जब तलक ओका कैसर क लगे न पठइ देउँ, ओका हिअँइ रखा जाइ।"

[22]एँह पइ अग्रिप्पा फेस्तुस स कहेस, "इ मनई क सुनवाई मइँ खुद करइ चाहत हउँ।"

फेस्तुस कहेस, "तू ओका भियान सुन लिहा!"

[23]तउ भियान भए प राजा अग्रिप्पा अउर बिरनीके बड़ा सजधज क साथ आएन अउर उ पचे फऊजीनायकन अउर सहर क प्रमुख मनइयन क संग सभाभवन मँ घुसा। फेस्तुस हुकुम दिहेस अउर पौलुस क हुवाँ लइ आवा गया। [24]फिन फेस्तुस बोला, "महाराजा अग्रिप्पा अउर सज्जन लोगो जउन हिआँ अहा! तू पचे इ मनई क निहारत अहा जेकरे बारे मँ समूचा यहूदी समाज, यरूसलेम मँ अउर हिआँ, मोसे चिचिआइ चिचिआइके माँग करत अहइ कि एँका अब अउर जिन्दा नाहीं रहइ देइ चाही। [25]मुला मइँ जाँच लिहेउँ ह कि इ अइसा कछू नाहीं किहेस ह कि एँका मउत क सजा दीन्ह जाइ अउर काहेकि इ खुद सम्राट कैसर स फिन बिचार करइके पराथना किहेस ह कि यह बरे मइँ एँका हुवाँ पठवइ क निर्णय लिहेउँ ह। [26]मुला एँकरे बारे मँ सम्राट कैसर क लगे लिखिके पठवइ क मोरे लगे कउनो तय कीन्ह भइ बात नाहीं अहइ। मइँ एँका यह बरे आप सबन क समन्वा, अउर खास रूप स हे महाराजा अग्रिप्पा, तोहरे समन्वा लइ आएउँ ह ताकि इ जाँच पड़ताल क पाछे लिखइ क मोरे लगे कछू होइ। [27]कछू भी होइ मोका कउनो बंदी क ओकर अभियाग पत्र बगैर तइयार किए हुआँ पठउब संगत नाहीं जान पड़त।"

पौलुस राजा अग्रिप्पा क समन्वा

26 अग्रिप्पा पौलुस स कहेस, "तोहका खुद आपन कइँती स बोलइ क अनुमति बाटइ।" एँह पइ पौलुस आपन हाथ उठाएस अउर आपन बचाव मँ बोलब सुरु किहेस, [2]"हे राजा अग्रिप्पा, मइँ आपन क भाग्यवान

समुझत हउँ कि यहूदियन मोह पइ जउन जुर्म लगाए बाटेन, ओन सब बातन क बचाउ मँ, तोहरे अगवा बोलइ जात हउँ। [3]खास तरह स इ यह बरे सच अहइ कि तोहका सबहिं यहूदी रीति रिवाज अउर ओनके विवाद क गियान अहइ। यह बरे मइँ तोहसे पराथना करत हउँ कि धीरज क साथ मोर बात सुनी जाइ।

[4]"सबहिं यहूदी जानत हीं कि सुरु स ही खुद आपन देस मँ अउर यरूसलेम मँ भी बचपन स ही मइँ कइसा जिन्नगी जिए अहइ। [5]उ पचे मोका बहोत समइ स जानत हीं अउर जदि उ पचे चाहइँ तउ इ बात क साच्छी दइ सकत हीं मइँ आपन धरम क एक सबसे जिआदा कट्टर पंथ क मुताबिक एक फरीसी क रूप मँ जिन्नगी बिताएउँ ह। [6]अउर अब इ मुकदमा क सफाई क हालत मँ खड़ा भए मोका उ बचन क भरोसा अहइ जउन परमेस्सर हमरे पूर्वजन क दिहे रहा। [7]इ उहइ बचन अहइ जेका हमार बारहु जातिन रात दिन मन लगाइके परमेस्सर क सेवा करत भए, पावइ क भरोसा रखत हीं हे राजन! इहइ भरोसा क कारण मोह प यहूदियन क जरिए जुर्म लगावा जात अहइ। [8]तू पचन मँ स कउनो क भी इ बात बिसवास क जोग्ग काहे नाहीं लागत बा कि परमेस्सर मरे भए क जिआइ देत ह।

[9]"मइँ भी सोचत रहेउँ नासरी ईसू क नाउँ क खिलाफत करइ क लिए जउन भी बन पड़इ, उ बहोत कछू करुँ। [10]अउर अइसा ही मइँ यरूसलेम मँ किहेउँ भी। मइँ परमेस्सर क बहोत स भगतन क जेलि मँ धाँध दिहेउँ काहेकि मुख्ययाजक लोगन स एँकरे बरे मोका हक मिला रहा। अउर जब ओनका मारा गवा तउ मइँ आपन मत ओनकइ खिलाफ दिहेंउँ। [11]आराधनालय मँ स मइँ ओनका अक्सर सजा देत रहेउँ अउर ईसू क निन्दा करइ बरे ओन पइ दबाव डावइ क जतन करत रहेउँ। ओनकइ बरे मोर किरोध एँतना जिआदा रहा कि ओनका सतावइ बरे मइँ बाहेर क सहर तलक गएउँ।

पौलुस क जरिए ईसू क दर्सन क बारे मँ बताउब

[12]"अइसी ही एक जात्रा क मौके प जब मइँ मुख्ययाजक स आग्या पाइके दमिस्क जात रहेउँ, [13]तबहिं दुपहरिया क जब मइँ अबहिं राहे मँ रहेउँ ही कि मइँ हे राजन, सरग स एक प्रकास उतरत भवा लखेउँ। ओकर तेज सूरज स भी जिआदा रहा। उ मोरे अउर मोरे संग क मनइयन क चारिहुँ कइँती चमचमान। [14]हम पचे धरती प भहराइ गएन, फिन मोका एक बानी सुनाइ दिहेस। उ इब्रानी भाखा मँ मोसे कहत रही, 'साउल, अरे ओ साउल, तू मोपर अत्याचार करत अहा? इ तू अहा जो मोरे विरुद्ध लड़ कर मोका सतावत अहा। धार क नोंक प लात मारब तेरे बस क बात नाहीं अहइ।' [15]फिन मँइ पूछेउँ, 'हे पर्भू, तू कउन अहा?' पर्भू जवाब दिहेस, 'मइँ ईसू हउँ जेका तू यातना देत बाट्या। [16]मुला अब तू उठा अउर आपन गोड़े प खड़ा ह्वा। मइँ तोहरे अगवा यह बरे परगट भएउँ ह कि तोहका एक सेवक क रूप भर्ती करउँ अउर जउन कछू मइँ तोहका देखाउब, ओकर तू साच्छी रह्या। [17]मइँ जउन यहूदियन अउर गैर यहूदियन क लगे [18]ओकर आँखी खोलइ, ओनका अँधियारा स प्रकास कइँती लावइ अउर सइतान क सक्ती स परमेस्सर कइँती मोड़इ बरे, तोहका पठवत हउँ, ओनसे तोहार रच्छा करत रहब। एँहसे उ पचे पापन स छमा पइहीं अउर ओन मनइयन क बीच ठउर पइहीं जउन मोहे मँ बिसवास धरइ क कारण पवित्तर भएन ह।'

पौलुस क कारज

[19]"हे राजन् अग्रिप्पा, यह बरे तबहिं स उ दर्सन क आग्या क कबहुँ भी न उल्लंघन किए भए [20]बल्कि ओकरे खिलाफ मइँ पहिले ओनका दमिस्क मँ, फिन यरूसलेम मँ अउर यहूदिया क समूचइ पहँटा मँ उपदेस देत रहा। अउर गैर यहूदियन क मनफिराव बरे, परमेस्सर कइँती मोड़इ अउर मनफिराव क मुताबिक करम करइ बरे कहत रहा। [21]इहइ कारण जब मइँ हिआँ मंदिर मँ रहा, यहूदी लोग मोका धइ लिहेन अउर मोर कतल क जतन किहेन। [22]मुला आजु तलक मोका परमेस्सर क मदद मिलत रही ह अउर यह बरे मइँ हिआँ छोट अउर बड़कवा सबहिं लोगन क समन्वा साच्छी देइ बरे खड़ा हउँ। मइँ बस ओन बातन क तजिके अउर कछू नवा नाहीं कहत जउन नबियन अउर मूसा क मुताबिक होइ क रही [23]कि मसीह क यातना भोगइ क होइ अउर उहइ मरे भएन मँ पहिला जी जाइवाला होइ अउर उ यहूदियन अउर गैर यहूदियन क जोति क संदेसा देइ।"

पौलुस क जरिए अग्रिप्पा क भरम दूर करइ क जतन

[24]उ आपन बचाउ मँ जब इ बातन क कहत ही रहाकि फेस्तुस चिल्लाईके कहेस, "पौलुस तोहार दिमाग खराब होइ ग अहइ। तोहार जिआदा पढ़ाई तोहका पगलाइ देति अहइ।" [25]पौलुस कहेस, "हे परमगुनी फेस्तुस, मइँ पागल नाहीं अहउँ बल्कि जउन बातन क मइँ कहत रहेउँ ह उ सच अहइँ अउर संगत भी अहइँ। [26]खुद राजा इ बातन क जानत बा अउर मइँ अजादी क मन स ओसे कहि सकत हउँ। मोर निस्चय अहइ कि एनमाँ स कउनो बात ओकरी आँखिन स, ओझल नाहीं बाटइ। मइँ अइसा यह बरे कहत हउँ कि इ बात कउनो कोने मँ नाहीं कही गइ। [27]हे राजन् अग्रिप्पा, नबियन जउन लिखे अहइँ का तू ओहमाँ बिसवास रखत ह? मइँ जानत हउँ कि तोहार बिसवास अहइ!" [28]एँह पइ अग्रिप्पा पौलुस स कहेस, "का तू इ सोचत ह कि एँतनी असानी स तू मोका मसीही बनवइ क मनाइ लेब्या?"

[29]पौलुस जवाब दिहेस, "तनिक समइ मँ, चाहे जिआदा समइ मँ, परमेस्सर स मोर पराथना अहइ कि न सिरिफ

तू बल्कि उ पचे भी, जउन आजु मोका सुनत बाटेन,
वइसा ही होइ जाइँ, जइसा मइँ हउँ, सिवाय इ जंजीरन
क।”
30फिन राजा खड़ा होइ गवा अउर ओकरे संग ही
राज्यपाल बिरनिके अउर साथ मँ बइठा भए लोग भी
उठिके खड़ा होइ गएन। 31हुवाँ स बाहेर निकरिके उ
पचे आपुस मँ बात करत भए कहइ लागेन, “इ मनई तउ
अइसा कछू नाहीं किहे बा, जेहसे ऍंका मउत क सजा या
जेल मिल सकइ।” 32 अग्रिप्पा फेस्तुस स कहेस, “जदि इ
कैसर क समन्वा फिन स बिचार क पराथना न होत,
तउ इ मनई क छोड़ जाइ सकत रहा।”

पौलुस क रोम पठउब

27 जब इ तय होइ गवा कि हमका जहाज स इटली
जाइ क अहइ तउ पौलुस अउर कछू दूसर बंदी
मनइयन क सम्राट क फउज क यूलियुस नाउँ क एक
फऊजीनायक क सौंपि दीन्ह गवा। 2अद्रमुत्तियुम स हम
पचे एक जहाजे प सवार भए जउन एसिया क तट क
पहँटा स होइके जाइवाला रहा अउर समुद्दर क जात्रा प
निकरेन। थिस्सलुनीके बसइया एक मैसीडोनि, जेकर
नाउँ अरिस्तर्खुस रहा, भी हमरे संग रहा। 3अगले दिन
हम सैदा मँ उतरे। हुवाँ यूलियुस पौलुस क संग नीक
विउहार किहेस अउर मोका ओकरे मीतन स मिलन
बरे क अनुमति दइ दीन्ह गइ जेहसे उ ओकर देखभाल
कर सकइ। 4हुवाँ स हम समुद्दर-रस्ता स फिन चल
पड़ेन। हम पचे साइप्रस क ओटे ओटे चलत रहे काहेकि
हवा हमरे खिलाफ बहत रही। 5फिन हम पचे किलिकिया
अउर पंफूलिया क समुद्दर क पार करत भए लूसिया
क मूरा पहोंचेन 6हुवाँ फऊजीनायक क सिकन्दरिया क
इटली जाइवाला एक ठु जहाज मिला। हम पचे ओह पइ
सवार भएन।
7कइउ दिन तलक हम पचे धीमे धीमे आगे बढ़त
भए बड़ी तकलीफे स कनिदुस क समन्वा पहोंचेन मुला
काहेकि हवा आपन राहे प नहीं रहइ देइ चाहत रही,
तउ हम सबइ सलमौने क समन्वा क्रीत क ओट मँ
आपन नाउ बढ़ावइ लागे। 8क्रीत क किनारे-किनारे
बड़ी तकलीफ स नाउ क अगवा अगवा खेवत भए एक
अइसे ठउर प पहोंचेन जेकर नाउ रहा सुरच्छित बंदरगाह।
हिआँ स लसया नगर लगे ही रहा।
9समइ बहोत बीति चुका रहा अउर नाउ क आगे
बढ़ाउब भी संकट स भरा रहा काहेकि तब तलक उपवास
क दिन* बीत चुका रहा। यह बरे पौलुस चिताउनी देत
भए ओनसे कहेस, 10“अरे मनइयो, मोका लगत ह कि
हमार इ सागर जात्रा नास कइ देइ, न सिरिफ माल
असबाब अउर जहाजे बरे बल्कि हमरे परान बरे भी।”
11मुला पौलुस जउन कहे रहा ओका सुनइ क सिवाय उ
फऊजीनायक, जहाज क मालिक अउर कप्तान क
बातन प जिआदा बिसवास करत रहा। 12अउर काहेकि
उ बन्दरगाह सीत रितु बरे चउचक नाहीं रहा, यह बरे
जिआदातर मनइयन, जदि होइ सकइ तउ फीनिक्स पहोंचइ
क जतन करने क ही ठान लिहेन। अउर जाड़ा हुवँइ
काटइ क निस्चय किहेन। फीनिक्स क्रीत क अइसा
बन्दरगाह अहइ जेकर मुँह दक्खिन पच्छिम अउर उत्तर
पच्छिम दुइनउँ क समन्वा पड़त ह।

तूफान

13जब तनिक तनिक दक्खिनी हवा बहइ लाग तउ
उ पचे सोचेन कि जइसा उ पचे चाहे रहेन, वइसा ही
ओनका मिलि गवा अहइ। तउ उ पचे लंगर उठाइ लिहन
अउर क्रीत क किनारे किनारे जहाज अगवा खेवइ
लागेन। 14मुला अबहिं कउनो जिआदा समइ नाहीं बीता
रहा कि द्वीप क एक कइँती स एक भयानक आँधी उठी
अउर आरपार लपेटत चली गइ। इ “उत्तर पूरब” क
आँधी कही जात रही। 15जहाज तूफान मँ घिरि गवा। उ
आँधी क फाड़िके अगवा नाहीं बढ़ सकत रहा तउ हम
पचे ओका यों ही छोड़िके हवा क रुख चलइ दीन्ह।
16हम क्लोदा नाउँ क एक छोटा स द्वीप क ओटे मँ
बहत भए बड़ी तकलीफे स रच्छा नाउ क पाइ सकेन।
17फिन जीवन रच्छा-नाउ क उठाए क पाछे जहाज क
रस्सा क लपेटि के बाँध दीन्ह गवा अउर कहीं सुरतिस
क ऊथल पानी मँ धँस न जाइ, इ डर स उ पचे जहाज क
पाल उतारेन अउर जहाज क बहइ दिहेन। 18दूसरे दिन
तूफान क घातक थपेड़ा खात भए उ पचे जहाज स
माल-असबाब लोकावइ लागेन। 19अउर तीसर दिन उ
पचे आपन ही हाथन स जहाजे प धरा औजार फेंक
दिहेन। 20फिन बहोत दिना तलक जब न सूरज देखान, न
तारा अउर तूफान आपन घातक थपेड़ा मारत ही रहा
तउ हमरे बच पावइ क आसा पूरी तरह खतम होइ गइ।
21बहोत दिना स कउनो कछू खाएउ नाहीं रहा। तब
पौलुस ओनकइ बीच खड़ा होइके कहेस, “अरे मनइयो,
अगर क्रीत स रवाना न होइके मोर सलाह मान लिहे
होत्या तउ तू पचे इ बिनास अउर हानि स बच जात्या।
22मुला मइँ तोहसे अबहुँ तोहसे हठ करत हउँ कि आपन
हिम्मत बाँधे रहा। काहेकि तू सबन मँ स कउनो क प्राण
नाहीं खोवइ क अहइ। हाँ, बस इ जहाज क नास होइ
जाइ 23काहेकि पिछली रात उ परमेस्सर क एक सरगदूत,
जेकर मइँ अहउँ अउर जेकर सेवा करत हउँ, मोरे लगे
आइके खड़ा भवा। 24अउर बोला, ‘पौलुस, जिन डेराअ।
मोका निहचय ही कैसर क समन्वा खड़ा होइ क बाटइ
अउर ओन सबन क जउन तोहरे संग जात्रा करत अहइँ,

उपवास क दिन हिआँ उपवासे क दिन स मतलब परिसोधन क उपवास क दिन स अहइ। बरिस क आखिर मँ इ यहूदियन क एक खास पवित्तर दिन होत रहा। जाड़ा क इ दिना मँ समुद्दर मँ खौफनाक तूफान क अंदेसा रहत रहा।

परमेस्सर तोहका दइ दिहे अहइ।' 25तउ मनइयन, आपन
हिम्मत बनाइ राखा काहेकि परमेस्सर मँ मोर बिसवास
अहइ, यह बरे जइसा मोका बतावा ग अहइ ठीक वइसेन
घटी। 26किन्तु हम कउनो टापू क ऊथल पानी मँ जरूर
जाइ धँसब।"

27फिन जब चउदहवीं रात आइ हम अद्रिया क
समुद्दर मँ थपेड़ा खात रहे रहेन तबहिं आधी रातिक
लगे जहाज क चालकन क लाग जइसे कउनो किनारा
नगिचे अहइ। 28उ पचे सुद्दर क गहिराइ नंपेन तउ
पाएन कि हुवाँ कउनो अस्सी हाथ गहिराई रही। तनिक
बेर क पाछे उ पचे गहराई क फिन टोहेन अउर पाएन
कि अब गहिराई साठ हाथ रहि गइ रही। 29इ डर स कि
उ पचे कतँहु कउनो चट्टानी ऊथल किनारा मँ न फँसि
जाइँ, उ सबइ जहाज क पिछले हींसा स चार ठु लंगर
बहाएन अउर पराथना करइ लागेन कि कउनो तरह
दिन निकरि आवइ। 30ओहर जहाज क चलावइ वाला
जहाज स पराइ क जतन करत रहेन। उ पचे इ हीला
बनावत भए कि उ पचे जहाज क अगले हींसा स कछू
लंगर बहावइ जात अहइँ, जीवन रच्छा नाउ क समुद्दर
मँ उतारि दिहेन। 31तबहिं फऊजीनायक स पौलुस कहेस,
"जदि इ सबइ जहाज प नाहीं थामेन तउ तू पचे भी नाहीं
बच पउब्या।" 32तउ सिपाहियन रस्सा क काटिके जीवन
रच्छा नाउ तरखाले गिराइ दिहेन। 33भोर होइ स तनिक
पहिले पौलुस इ कहत भए सब मनइयन स तनिक खइया
खाइके हठ किहेस, "चौदह दिन बीति चुका अहइँ अउर
तू पचे लगातर फिकिर क कारण भूखा बाट्या। तू पचे
कछू भी नाहीं खाए बाट्या। 34मइँ तोहसे कछू खाइके यह
बरे हठ करत अही कि तोहरे जिअइ बरे इ जरुरी अहइ।
काहेकि तू पचन मँ स कउनो क मूँड़े क एक बार
तलक बाँका नाहीं होइ क बा।" 35एँतना कहि चुके क
पाछे उ तनिक रोटी लिहेस अउर सबन क समन्वा
परमेस्सर क धन्यबाद दिहेस। फिन रोटी क तोरेस अउर
खाइ लाग। 36एँहसे ओन सबन क हिम्मत बाढ़ी अउर उ
सबइ भी थोड़ा स खाना क खाएन। 37जहाज प कुल
बटोरिके हम सबइ दुइ सौ छिहत्तर मनई रहेन। 38पूरा
खाना खइ चुकइ क पाछे उ पचे समुद्दर मँ अनाज
बहाइके जहाज क हल्का कइ दिहेन।

जहाज क टूटब

39जबहिं दिन क प्रकास भवा तउ उ पचे धरती क
पहिचान नाहीं पाएन मुला ओनका लाग कि जइसे हुवाँ
कउनो किनारा बाली खाड़ी बाटइ। उ पचे तय किहेन
कि अगर होइ सकइ तउ जहाज क ठहराइ देइँ। 40तउ उ
पचे लंगर काटिके ढील दइ दिहेन अउर ओ सबन क
समुद्दर मँ तरखाले भहराइ दिहेन। उहइ समइ उ पचे
पतवारे स बाँधा रस्सा क ढीला कइ दिहेन; फिन जहाज
क अगला पतवार चढ़ाइके किनारे कइँती बढ़इ लागेन।
41अउर ओनकइ जहाज रेत मँ टकराइ गवा। जहाज क
अगला हींसा ओहमाँ फँसिके जाम होइ गवा। अउर
सक्तीवाली लहरन क थपेड़न स जहाज क पछिला हींसा
टूटइ फाटइ लाग।

42तब्बहिं सिपाही लोग कैदियन क मारि डावइ क
कुचाल रचेन ताकि ओहमाँ स कउनो भी तैरके बच न
पावइ। 43मुला फऊजीनायक पौलुस क बचावा चाहत
रहा, यह बरे उ ओनका ओनकइ कुचाल क पूर होइ स
रोक दिहेस। उ हुकुम दिहेस कि जउन भी तैर सकत हीं,
उ पचे पहिले ही किनारे पहोंच जाइँ 44अउर बाकी मनई
तख्तम या जहाजे क दूसर टुकड़न क सहारे चला जाइँ।
इ तरह हर एक सुरच्छा स किनारे आइ पहोंचा।

माल्टा द्वीप प पौलुस

28 इ सब कछू स सुरच्छा क साथ बच निकरे क
पाछे हम सबन क पता लाग कि उ द्वीप क
नाउँ माल्टा रहा। 2हुवाँ क मूल-निवासियन हमरे संग
असाधारण रूप स नीक बियूहार किहेन। काहेकि जाड़ा
रहा अउर बरखा होइ लाग, यह बरे उ पचे आगी बारेन
अउर हम सबन क सुआगत किहेन। 3पौलुस लकड़ी क
गठरा बनाएस अउर जब उ आगी प लकड़ियन क धरत
रहा तबहिं गर्मी लागे स एक बिख स भरा नाग बाहेर
निकरा अउर उ ओकरे हाथ क डस लिहेस। 4हुवाँ क
निवासी जब उ जंतु क ओकरे हाथ स लटकत भवा
निहारेन तउ उ पचे आपुस मँ कहइ लागेन, "सचमुच ही
इ मनई हत्तियारा अहइ। जदि अपि इ सागर स बचिके
निकरा अहइ मुला दिब्ब निआव* एँका जिअइ देत नाहीं
बा।" 5मुला पौलुस उ नाग क आगी मँ ही पटकेस। पौलुस
क कउने तरह क हानि नाहीं भइ। 6मनइयन सोचत
रहेन कि उ या तउ सूजि जाइ या फिन बरबस धरती प
भहराइ के मरि जाइ। मुला बहोत देर तलक जोहे क पाछे
अउर लखिके ओका असाधारण रूप स कछू नाहीं भवा
अहइ, उ पचे आपन बिचार बदल दिहेन अउर बोलेन,
"इ तउ कउनो देवता अहइ!"

7उ ठउर क नगिचे ही उ द्वीप क प्रधान मनई
पुबलियुस की खेत रहा। उ आपन घरे लइ जाइके हमार
सुआगत-सत्कार किहेस। बड़ा खुला मन स तीन दिना
तलक उ हमार मेहमानदारी करत रहा। 8पुबलियुस क
बाप बिस्तरा प ओलरा रहा। ओका बोखार अउर पेचिस
होत रही। पौलुस ओसे भेंटइ भितरे गवा। फिन पराथना
करइ क पाछे उ ओह पार आपन हाथ धरेस अउर उ
नीक होइ गवा। 9इ घटना क बाद उ द्वीप क बाकी सबहिं
बेरमियन हुवाँ आएन अउर उ पचे नीक होइ गएन।
10कहइ उपहार स हमार मान बढ़ाएन अउर जब हम

निआव मनई सोचत रहेन कि निआव नाउँ क एक
देवता होत रहा जउन खोट मनइयन क सजा देत रहा।

हुवाँ स नाउ प आगे चलेन तउ उ पचे सब जरुरी चीज क लइ आइके हमका दइ दिहेन।

पौलुस क रोम जाब

[11]तीन महीना पाछे सिकन्दरिया क एक जहाज स
हम चल पड़ेन। इ द्वीप प जहाज जाड़ा भरे क बरे रुका
जहाज क आगे क हींसा मँ जुड़वा भाइयन क चीन्हा*
बना रहा। [12]फिन हम पचे सरकुसा जाइ पहोंचेन जहाँ
हम तीन दिना तलक ठहरेन। [13]हुवाँ स जहाज स हम
सबइ रेगियुम पहोंचेन अउर फिन अगले ही दिन दखिनाई
हवा चली। तउ अगले दिन हम पुतियुली पहोंचेन। [14]हुवाँ
हमका कछू बंधु मिलेन अउर उ पचे हमका हुवाँ सात
दिना ठहरइ क कहेन अउर इ तरह हम रोम पहोंचि
आएन। [15]जब हुवाँ क भाइ लोगन क हमार सूचना मिली
तउ उ पचे अप्पियुस क बजार अउर तीन सराय'*
तलक हम पचन स भेंटइ आएन। पौलुस जब ओनका
लखेस तु परमेस्सर क धन्यबाद दइके आपना ढ़ाढ़स
बढ़ाएस।

पौलुस क रोम आउब

[16]जब हम सबइ रोम पहोंचेन तउ एक ठु सिपाही क
देखरेख मँ पौलुस क अपने आप अलग रहइ क अनुमति
दीन्ह गइ। [17]तीन बरिस पाछे पौलुस यहूदी नेतन क
बोलाएस अउर ओनकइ बटुर जाए प उ ओनसे बोला,
"भाइयो, चाहे मइँ आपन रास्ट्र या आपन पूर्वजन क
व्यवस्था क खिलाफ कछू भी नाहीं किहेउँ ह, तउ भी
यरूसलेम मँ मोका बंदी क रूप मँ रोमी लोगन क हवाले
कइ दीन्ह गवा रहा। [18]उ पचे मोर जाँच पड़ताल किहेन
अउर मोका छोड़इ चाहेन काहेकि अइसा कछू मइँ किहेउँ
ही नाहीं रहा जउन मउत क सजा क काबिल होत
[19]मुला जब यहूदी लोगन एतराज किहेन तउ मइँ कैसर
स फिन बिचार करइ क पराथना करइ क बेबस होइ
गएउँ। यह बरे कि नाहीं कि मइँ आपन ही लोगन प
कउनो दोख लगावइ चाहत रहेउँ। [20]इहइ कारण अहइ
जेहसे मइँ तोहसे मिलइ अउर बातचीत करइ चाहत
रहेउँ काहेकि इस्राएल क उ भरोसा ही बाटइ जेकरे
कारण मइँ जंजीर मँ बँधा अहउँ।"
[21]यहूदी नेतन पौलुस स कहेन, "तोहरे बारे मँ यहूदिया
स न तउ कउनो चिट्ठी ही मिली बाटइ, अउर न ही हुवाँ
स आवइवाला कउनो भी भाई तोहार कउनो खबर दिहेस
अउर तोहरे बारे मँ कउनो बुरी बात कहेस। [22]मुला
तोहार का बिचार अहइँ, इ हम तोहसे सुनइ चाहित ह
काहेकि हम जानित ह कि लोग सब कछू पंथ क खिलाफ
बोलत रहत हीं।"
[23]तउ उ पचे ओकरे साथ एक दिन ठहराएन। अउर
फिन जहाँ उ ठहरा रहा, बड़ी गनती मँ ओइके उ लोग
बटुर गएन। मूसा क व्यवस्था अउर नबी लोगन क
किताबन स ईसू क बारे मँ ओनका समझावइ क जतन
करत भए उ परमेस्सर क राज्य क बारे मँ आपन
साच्छी दिहेस अउर समुझाएस। [24]उ जउन कछू कहे
रहा, ओहसे कछू मिला तउ बात मान गएन मुला कछू
बिसवास नाहीं किहेन।
[25]फिन आपुस मँ एक दूसर स असहमत होत भएन
उ पचे हुवाँ स जाइ लागेन। तब पौलुस एक बात अउर
कहेस, "यसायाह नबी क जरिया पवित्तर आतिमा तोहरे
पूर्वजन स केतॅना ठीक कहे रहा,

[26] 'जाइके इन लोगन स कहि द्या: तू पचे सुनब्या,
पर न बुझब्या कबहुँ। लखत ही लखत बस तू
रहब्या पर न बूझब्या कबहुँ भी!
[27] काहेकि ऍनकइ हिरदय मूर्खपन स गवा भरि
कान ऍनकइ मुस्किल स सुनत हीं अउर
कइ लिहन मूँद आँखी आपन इ सबइ, काहेकि
अइसा न होइ जाइ कि इ सबइ आँखिन स
लखइँ, सुनइँ अउर कान स आपन अउर
समुझइँ हिरदय मँ, लौटइँ साइद अउर करइ
पड़ब मोका चंगा ओनका।'

यसायाह 6:9-10

[28]"यह बरे तोहका जान लेइ चाही कि परमेस्सर क
इ उद्धार बिधर्मियन क लगे पठइ दीन्ह ग अहइ। उ पचे
ऍका सुनिहीं।" [29]*
[30]हुआँ किराये क आपन मकान मँ पौलुस पूरा दुइ
बरिस तलक ठहरा। जउन कउनो भी ओसे मिलइ आवत,
उ ओकर सुआगत करत। [31]उ परमेस्सर क राज्य क
प्रचार करत रहत अउर पर्भू ईसू मसीह क बारे मँ
उपदेस देत। उ इ कारज क पूरा बेडर होइके अउर बगेरे
कउनो बाधा क मानत भवा करत रहत रहा।

जुड़वा भाइयन यूनान क पुराण क देवता यानी केस्टर अउ पौलकस क मूरत।

तीन सराय दुइनउँ रोम क नगिचे क कस्बन क नाउँ अहइँ। पहिला रोम स 27 मील प अउ दूसर 30 मील प रहा।

पद 29 कछू यूनानी प्रतियन मँ पद 29 मिलत हय: "जब पौलुस इ बातन कहि चुका तउ आपुस मँ चर्चा परिचर्चा करत भए यहूदी हुवाँ स चला गएन।"

रोमियन क पत्र

1 पौलुस जउन मसीह ईसू क दास अहइ, जेका परमेस्सर प्रेरित होइ बरे बोलाएस, अउर उहइ क परमेस्सर क सुसमाचार लोगन क सुनावइ बरे चुना गवा।

2इ बात क घोसना नबियन दुआरा पवित्तर सास्तरन मँ पहिलेन स करि दीन्ह ग रही। 3-4इ सुसमाचार परमेस्सर क पूत ईसू मसीह क अहइ। जउन तने स दाऊद का बंसज अहइ। अउर उहइ हमारा पर्भू अहइ। सरीर स तो उ दाऊद क बंस मँ जनम लिहे रहा मगर पवित्तर आतिमा स तो उ परमेस्सर क पूत रहा। ओका परमेस्सर क पूत इहइ बदे माना जात रहा जउन ओकरे भीतर मरि क फिन जी उठइ क समरथ रहा। 5इहइ क जरिये मोका अनुग्रह अउर प्रेरित होइ क मिला बा जेहसे सबहिं यहूदियन मँ, ओकरे नाउँ स, उ आस्था जउन बिसवास स जनम लेत ह ओहमाँ पइदा कीन्ह जाइ सकइ। 6परमेस्सर क जरिये ईसू मसीह क होइ बरे तू पचे बोलावा ग अहा।

7उ पत्र मइँ, तू सबन बरे, जउन रोम मँ अहइँ अउर परमेस्सर क पियारा अहा, जउन परमेस्सर क पवित्तर जन होइ बरे बोलावा ग अहा, लिखत अहउँ।

अब हम इ चाहित ह कि तू लोगन का परमेस्सर अउर हमरे पर्भू ईसू मसीह क अनुग्रह अउर सान्ति मिलइ।

धन्यबाद बरे पराथना

8सबसे पहिले तो मइँ ईसू मसीह क जरिये परमेस्सर का धन्यबाद करइ चाहित ह। इ सब तोहरे सब क बरे अहइ काहेकि दुनिया क सब मनई तोहरे सब के बिसवास क बारे मँ बतियात हीं। 9पर्भू जेकरे सेवा मइँ जी जान स करित हउँ काहेकि मइँ ओकरे पूत क सुसमाचार का लोगन का सुनावत हउँ। पर्भू मेरा साच्छी दिहा जउन मइँ तोहका हर दम याद करत अहउँ। 10अपने पराथना मँ इ मइँ हर दम मनाइत हउँ कि परमेस्सर की चाह स मोर तोहरे लगे आवइ क यात्रा पूरी होइ। 11मइँ बहुत दिल स इ चाहित ह कि तू लोगन स मिली अउर तोहका कछू आत्मिक उपहार देइ जइसे तू पचे खूब सक्तिसाली होइ जा। 12या मोका कहइ चाही कि जब मइँ तोहरे बीच मँ होब तउ एक दूसर क बिसवास स आपुस मँ प्रोत्साहित होब। 13भाइयो अउर बहिनियो! मइँ इ चाहित हउँ कि तू पचे क इ तउ मालूम होइ जाइ कि मइँ तोहरे लगे बार-बार आवइ क योजना बनाइत हउँ। एकर इ कारन इ अहइ कि गैर यहूदियन मँ जइसा जउन फल मोका मिला ह उहइ तू लोगन स भी मिलइ। लेकिन अब तलक-न-कउनो बाधा पड़त रही।

14अब इ जान ल्या कि जे यूनानियन अहइँ उनके अउर जे गैर यूनानियन अहइँ ओनहूँ क, जे होसियार अहइँ उनके अउर जे बेउकूफ अहइँ ओनहूँ क सबइ क हमरे ऊपर सेवा करइ क रिन अहइ। 15यही बदे तू लोगन का जे रोम मँ रहत ह्या ओनका मइँ इ सुसमाचार सुनावइ क तैयार हउँ।

16इ सुसमाचार क सुनावइ क मइँ सरमाइत नाहीं काहेकि जउन भी ओहमाँ बिसवास रखत अहइँ ओनके उद्धार बरे परमेस्सर क सामर्थ्य अहइ। ओहमाँ पहिले यहूदियन अउर फिन गैर यहूदियन क 17काहेकि सुसमाचार मँ इ बतावा ग बाटइ कि परमेस्सर मनइयन क अपने ठेकाने कइसे लगावत ह। इ सब कुल बिसवास प अहइ, सास्तरन मँ इ लिखा अहइ, "धर्मी मनई स सदैव जिअत अहइँ।"*

सबहिं तउ पाप किहे अहइँ

18सरग स परमेस्सर का कोप लोगन क न कहइवालन अउर अधार्मिक काम पइ परगट होत ह जे सत्य का अधरम स दबावत हीं अउर जे बुरे करम करत हीं। 19इ बात नाहीं अहइ कि केउ ऐका जानत नाहीं परमेस्सर का सबइ जानत ह काहेकि परमेस्सर सबका जनाइ देत ह। 20इ संसार जब स देखाइ पड़ा तबइ स परमेस्सर क अनन्त सक्ति परमेस्सर क साफ देखात ह उहउ क ऍक एहसे जाना जाइ सकत ह जेका परमेस्सर खुदइ बनाइस ह। एहसे लोगन क पास कउनो बहाना नहीं बाटइ उ बुरा काम बरे जेका उ करत ह। 21अगर इ सबइ परमेस्सर क जानत हीं तबउ उ पचे परमेस्सर महिमा क इज्जत नाहीं करत हीं। उनके विचार गलत कामन मँ लग गएन अउर मन मँ अँधियारा छाइ गवा। 22उ पचे अपने क बहुत बुद्धिवाला समझत रहेन मुला सब क सब बज्र मूरख रहेन। 23अउ इ जउन परमेस्सर अहइ उ कबहुँ मर नाहीं सकत मुला इ सबइ ओका मरइवाले लोगन चिरिया, गोरु, अउर साँप क मूरत मँ देखेन अउर समझइ लागेन।

"धर्मी ... अहइँ" हबक 2:4

24एह बरे परमेस्सर ओनन्ह क बदनियती क हाथे सौंप दिहेस अउर उ पचे दुराचार मँ पड़ि क एक दूसरे क सरीर क साथ खिलवाड़ करइ लागेन। 25उ लोगन झूठ क साथे परमेस्सर क सत्य क सौदा किहन अउर वे सृस्टि क बनावइवाले को तजिके अउरन क आराधना करइ लागेन। परमेस्सर धन्य अहइ। आमीन!

26इहइ बरे परमेस्सर ओनन्ह का नीच वासना क हाथे सौंप दिहेस। ओनन्ह क स्त्रियन सहज यौनाचार क बजाय अप्राकृतिक यौन करइ लागिन। 27एहइ तरह पुरुसन भी सहज सम्भोग छोड़ि क समलैंगिकता क चक्कर मँ पड़ि गएन। अउर पुरुस परस्पर एक दूसरे क साथ बुरे करम करइ लागेन। अउर इ सब कुकरमन क फल भी मिलब सुरु होइ गवा। 28कारन इ रहा कि ओन्हन परमेस्सर का पहिचानब बन्द कइ दिहेन तो परमेस्सर ओन्हन का कुबुद्धि क हाथ सौंप दिहेस। अउर उ सब ओनन्ह क करइ सुरु कर दिहेन जउन ना करइक चाही। 29लोग कुल अधरम दुस्टता, लालच अउर द्वेस स तथा सारी ईर्स्या, हत्या, झगड़े, छल, अउर डाह स भर गएन। वे बकवादी, अउर कहानियन क गढ़त रहेन।

30उ सबइ निन्दक अहइँ। परमेस्सर स घिना करत रहत उदण्ड अउर घमण्डी अहइँ, बढ़-बढ़ क बोलत हीं। कुलिन्ह बुराइन का जनम दाता अहइँ। अपने महतारी बाप क कहब नहीं मानत रहेन। 31उ पचे मूरख, वचन तोरइ वाले निरदयी अउर वगैर पिरेम क बाटेन। 32उ सब परमेस्सर क व्यवस्था क जानत हीं कि इ सब बातन स मउत क जोग्ग अहइँ तउनो पइ ओ सबइ न सिरफ इ सब कुकरम करत हीं वरन अइसा करइवालेन क समर्थन भी करत हीं।

तूहू सबइ पापी अहा

2 अरे वो, सुना ह, मोर मित्र तू सब निआव करत अहा मुला तूह उहइ करत अहा जउन बरे दूसरन का सजा देत अहा तू का कउनो बहाना नाहीं चल सकत अहा। उहइ स तू अपने आपको भी अपराधी सिद्ध करत अहा काहेकि तू जिन करमन क निआव करत अहा ओनका आप खुद भी करत अहा। 2अब हम पचे इ सब जानइ लागिन कि जे अइसन काम करत ह ओनका परमेस्सर उचित निरनय देत ह। 3मुला मोर दोस्त तू सुना, तू का सोचत ह कि जउने बरे तू दूसरन पर निरनय देत अहा अउर अपनउ उहइ काम करत ह तउ तू का समझत अहा कि तू परमेस्सर क निआव स बच सकत ह। 4या तू ओकरे अनुग्रह व सहनसीलता अउर धीरज का हीन समझत बाट्या तू लोगन इ बात क अपेक्षा करत अहा कि परमेस्सर क अनुग्रह तोहार मनफिराव करत अहइ।

5मुला तू पचे जान ल्या कि अपने कठोरता अउर कबहुँ न पछताइवाले मन क कारण तू परमेस्सर क गुस्सा का बहोत दिना बरे बटोरत अहा जब परमेस्सर क सचमुच निआव परगट होइ। 6परमेस्सर सबन का ओकरे करतब क कारण फल चखाई। 7जे अच्छा काम करत बा, परमेस्सर क महिमा आदर अउर अमरता का खोजत बा, उ सब तो अनन्त जीवन पइहीं। 8मुला जे अपने स्वारथ स सत्य पर नहीं चलिके बस अधरम करत बाटेन ओन्हन का ओकरे बदले मँ क्रोध व प्रकोप मिली। 9उ सब मनइयन पै दु:ख अउर संकट आई जे अधरम पर चलत अहइँ। पहले यहूदियन फिन उ लोग जे गैर यहूदियन अहइँ। 10इहइ तरह जे कोइ अच्छाई प चलइ ओका महिमा स आदर अउर सान्ति मिली, पहले यहूदियन क फिन गैर यहूदियन अहइँ। 11काहेकि परमेस्सर केहू क साथे भेदभाव नाहीं करत।

12जे व्यवस्था क पाए बगैर पाप किहेन उ सब व्यवस्था क बाहेर ही उ छिन्न होइ जइहीं अउर जे व्यवस्था मँ रहिके पाप किहेन ओनकइ निपटारा व्यवस्था क अन्दरइ दण्ड दीन्ह जाई। 13काहेकि जे कोई सिरफ व्यवस्था क कथा सुनत ह परमेस्सर की दृष्टि मँ धर्मी नाहीं अहइ बल्कि जे व्यवस्था पर चलत अहइँ उही धरमी कहरावा जइहीं। 14सो जब गैर यहूदियन जेनके लगे व्यवस्था नाहीं बा, सुभाव स व्यवस्था क बातन पर चलत ह, तउ चाहे ओनके पास व्यवस्था न भी होइ तउ भी उ आपन व्यवस्था खुद ही अहइँ। 15उ लोगन अपने मन प लिखे व्यवस्था क करमन का देखावत बाटेन। ओनके विवेक ओनकइ साच्छी अहइँ। ओनके मानसिक संघर्ष ओनका अपराधी व निरदोस कहत अहइ। 16इ सब बातन उ दिना होइहीं जउने दिना परमेस्सर मनइयन क छुपी बातन क, जउने क मइँ उपदेस देइत हउँ इ उ सुसमाचार क मुताबिक मसीह ईसू निआव करी।

यहूदियन अउर व्यवस्था

17काहेकि जदि तू सब अपने क यहूदी कहत ह अउर व्यवस्था मँ तोहार बिसवास अहइ अउ अपने परमेस्सर प तोहका घमण्ड बाटइ 18अउर तू परमेस्सर क इच्छा का जानत आहा अउर उत्तिम बातन का ग्रहण कर सकत ह काहेकि परमेस्सर तोहका इ सब सिखाइस ह 19तू इ तउ मानत ह कि तू आंधरे क अगुआ अहा, जे अंधेरे मँ भटकत अहइँ, ओनकइ बरे तू उजियारा अहा, 20अबोधन क तू सिखावइवाला अहा, लरिकन क तू उपदेस देइवाला अहा काहेकि व्यवस्था मँ तोहका साच्छात गियान अउर सत्य ठोस रूप स पाइ ग अहा। 21जउन तू पचे दुसरन का सिखावत ह ओका आपन क काहे नही सिखउत्या। तू इ उपदेस देत अहा कि चोरी न करा, मुला खुद चोरावत अहा। 22तू इ कहत अहा कि व्यभिचार नाहीं करइ क चाही मुला अपुना काहे करत ह। मूरतिइन स तू घिना करत अहा मुला मंदिरन मँ धन काहे छीनत ह?

23तू लोग व्यवस्था प गरब करत ह, मुला व्यवस्था
का तोरि क परमेस्सर क निरादार काहे करत ह?
24अउर इहइ बात पवित्तर सास्तरन मँ लिखी बा, "तू
सबन क वजह स परमेस्सर क नाउँ क ओनमा अपमान
होत ह जे गैर यहूदियन अहइँ।"*

25जउ तू लोगन व्यवस्था क मानत अहा अउर
ओका पालन करत ह तउ तो खतना क महत्व बाटइ।
मुला जदि व्यवस्था क तोड़त अहा तो ओकर मतलब
वगैर खतना क बराबर अहइ। 26मान ल्या केहू क
खतना नाहीं भवा बा अउर उ व्यवस्था क पालन करत
ह पवित्तर नियमन प चलत ह, तउ का ओकर खतना
न करावइ क बावजूद ओका खतना मँ सामिल न कीन्ह
जाइ? 27उ मनई जेकर सरीर स खतना नाहीं भवा बा
मुला व्यवस्था क पालन करत ह उ तू लोगन का अपराधी
सिद्ध कइ देई। वोका जेकरे पास लिखा पढ़ी मँ परमेस्सर
क विधान बाटइ अउर जेकर खतना भवा बा अउर जे
व्यवस्था क नाहीं मानत।

28जे बाहेर स यहूदी अहइँ, उ वास्तव मँ यहूदी नाहीं
अहइ। सरीर क खतना असली मँ खतना नाहीं बाटइ।
29सच्चा यहूदी उ अहइ जे भीतर स यहूदी होइ, सच्चा
खतना तउ आतिमा क जरिये मन क खतना अहइ। नबी
न कि लिखी व्यवस्था क। अइसे व्यक्ति क प्रसंसा मनई
नाहीं बल्कि परमेस्सर कइँती स कीन्ह जात अहइ।

3 अब यहूदियन होइ क लाभ या अउर खतना क
महत्ता केंतनी बा? 2यहूदियन होइ क बड़ी महत्ता
अहइ, काहेकि सबसे पहिला इ कि परमेस्सर क उपदेस
ओनहिन का सौंपा गवा रहा। 3ओन्हन मँ स कछू एक
धोखाबाज होइ, अहइ तउ का अहइ? ओन्हन धोखाबाजेन
क वजह स परमेस्सर क बिसवास तो नाहीं कम होइ
जात? 4बिल्कुल नाहीं, सबइ झूठे होइ जाइँ तबउ परमेस्सर
सच्चा रही, इ बात पवित्तर सास्तरन मँ लिखी बाटइ:

"जब तू बोलब्या तउ तोहका सबइ पतियइहइँ जब
तोहार न्याय होई, तउ तू जितब्या।"
भजन संहिता 51:4

5अगर मनई क अधार्मिकता मँ परमेस्सर की
धार्मिकता सिद्ध करत ह, अइसन मँ हमका का करइ क
चाही? का परमेस्सर हम पइ कुपित होइ क मनइयन क
दण्ड देत ह? (मइँ मनई क नाईं आपन बात कहत हउँ)
6बिलकुल नाहीं, नाहीं तो परमेस्सर जगत क निआव
कइसे करी?

7मुला तू इ कहि सकत ह "मोरे झूठ बोलइ स
परमेस्सर क सच उजागिर होत ह तउ एहसे ओकर
महिमा ही होत ह; फिन मोका दोखी (पापी) काहे का
बनावत ह?" 8इ कहइ क वइसे होई काहे, "अगर हम
बुरा काम करी तउ भलाई उजागिर होइ।" अइसेन आरोप
हम पचन क ऊपर लोग लगावत हीं। इ सबइ लोग जे इ
कहत हीं कि हम पचे ओनका पढ़ाइत ह। अइसे लोग
दोखी कहा जाइ लायक अहइँ ओनका सजा देइ चाही।

सबहिं लोग दोखी अहउँ

9फिन का भवा? यहूदी अउ गैर यहूदियन मँ कउनो
भेद नाहीं बा, जइसेन कि पहले बतावा गवा बा कि चाहे
यहूदियन होइँ या गैर यहूदियन सबहीं पाप क बस मँ
अहइँ। 10पवित्तर सास्तरन कहत हीं:

"कउनो धर्मी नाहीं अहइ, एक ठु भी नाहीं
11 एकउ भी समझदार नाहीं, एकउ क उ
अइसा नाहीं उहइ जे परमेस्सर क वास्तव मँ
खोजत ह।
12 इहाँ प सबइ परमेस्सर स विमुख होइके भटकत
अहइँ, सबन खोटे अहइँ। एकउ नाहीं अहइ
जे अच्छा काम करत ह एकउ नाहीं!"
भजन संहिता 14:1-3

13"ओनकर मुँह खुली कब्र अहइ, अउर वे अपनी
जीभ स धोखा देत अहइँ।"
भजन संहिता 5:9

"नाग क बिख क तरह ओनकर ओंठ अहइँ,"
भजनसंहिता 140:3

14"मुँह पइ सराप व कटुता भरी रहत ह।"
भजन संहिता 10:7

15"जान मारइ का तउ हरदम उतावला रहत हीं।
16 जहाँ कहूँ जात हीं उ पचे नास ही करत हीं,
अउर संताप ही देत हीं।
17 सान्ति का मारग इ नाहीं जनतेन।"
यसायाह 59:7-8

18 "ओनके आँखिन मँ पर्भू क भय नाहीं बा।"
भजन संहिता 36:1

19अब हम पचे इ जानित ही कि व्यवस्था मँ जउन
कछू कहा गवा बाटइ उ सब ओनके बरे अहइ जे
व्यवस्था क अधीन अहइँ। एँहसे इ होइ कि सबइ
का मुँह तोप दीन्ह जाइ अउर परमेस्सर क दण्ड सबइ क
मिलइ। 20व्यवस्था मँ कउनो काम किहे स कउनो धर्मी
न सिद्ध होइ जाइ। केवल व्यवस्था पाप क बोध करावत
अहइ।

"तू सबन … अहइँ" यसा 52:5

परमेस्सर मनइयन का धर्मी कइसे बनावत ह

[21]मुला अब इ देखइ क अहइ कि परमेस्सर एक नए तरीके स मनइयन क व्यवस्था क बगैर कइसे सोझ मारग प लावत ह। व्यवस्था व नबियन इ नए तरीके क साच्छी दिहे बाटेन। [22]जे केउ परमेस्सर क उ धार्मिकता जउन ईसू मसीह मँ बिसवास कद्वारा इ बिसवास करइवालन क बरे अहइ। एहमाँ कउनो भेदभाव नाहीं बा। [23]काहेकि सबइ तउ पाप किहे बाटेन अउर सबइ तउ परमेस्सर क महिमा स विहीन बाटेन। [24]मुला ईसू मसीह का विसेख महिमा क अनुग्रह स उ पचे सेत मेंत मँ उपहार पाइके धर्मी ठहरावा गवा अहइँ। [25]परमेस्सर ईसू मसीह क इ मारे लोगन क दिहेस कि लोग ओहमाँ बिसवास करइँ अउर अपने पापन स मुक्ति पाइ जाइँ। उ इ काम उ ईसू मसीह क बलिदान द्वारा करवाएस। अइसा इ प्रमाणित करइ क बरे कीन्ह गवा कि परमेस्सर बहुत सहनसील अहइ। काहेकि उ पहिले ओनका बिना दण्ड दिहे छोड़ दिए रहा। [26]आजउ परमेस्सर ईसू को दिहेस हमका इ सिद्ध करइ बरे कि परमेस्सर जउन करत ह उहइ सही बा। परमेस्सर इ किया कि यह देखावइ बरे कि वह सही निरनय लेत ह, अउर उही समइ वह कउनो मनई क ठीक बनाइ सकत ह, जेनकर ईसू मसीह मँ बिसवास अहइ। [27]घमण्ड तउ एक दम्मै खतम अहइ। उ अइसेन कि व्यवस्था क मुताबिक करम किहे स नाहीं बहोतउ विधी क अपनाये स जेसे बिसवास कीन्ह गवा अहइ। [28]मनई व्यवस्था क मुताबिक काम कइके नाहीं मुला बिसवास स धर्मी बनत ह।

[29]का परमेस्सर सिरिफ यहूदियन क अहइ? का उ ओन्हन क ना होइ जे गैर यहूदियन अहइँ? हाँ उ ओन्हून क अहइ जे गैर यहूदियन होइँ। [30]चूंकि केवल एक ही परमेस्सर अहइ। उ यहूदियन, का ओनकर बिसवास क द्वारा सही बनवाई, अउर उ गैर यहूदियन क भी ओनकर बिसवास क द्वारा सही बनवाई। जे ओहमाँ बिसवास करी उहइ धर्मी कहा जाई। [31]तउ का मइँ बिसवास क द्वारा व्यवस्था क विफल करत अही? ना बिल्कुलै नाहीं बल्कि हम पचे तउ व्यवस्था का अउर सक्तीवाला बनवत अही।

इब्राहीम क उदाहरण

4 त फिन हम का कही कि हमरे सरीर क पिता इब्राहीम क एहमाँ का मिला? [2]काहेकि अगर इब्राहीम क ओकरे कामे क कारण धर्मी ठहरावा जात ह त ओका गरब करइ क बात रही। परन्तु परमेस्सर क सामने उ सही मँ गरब नाहीं कइ सकत। [3]पवित्तर सास्तर का कहत ह, "इब्राहीम तउ परमेस्सर मँ बिसवास किहेस अउर उ ओकर धार्मिकता गना गवा।"*

"इब्राहीम ... गवा" उत्पत्ति 15:6

[4]काम करइवालन क मजदूरी देब कउनउ दान नाहीं बा, उ तउ ओनकर अधिकार अहइ। [5]परन्तु अगर केउ काम करइके बजाय उ परमेस्सर मँ बिसवास करत ह, जउन पापी क केउ छोड़ देत, तउ ओकरे बिसवास ओनकर धार्मिकता क कारण बन जात ह। [6]अइसे ही दाऊद उ मनई क धन्य मानत ह जेका करमन क आधार क बिना परमेस्सर धर्मी मानत ह। उ जब कहत ह:

[7] "उ धन्य अहइँ जेनके व्यवस्था रहित कामन
क छमा मिली अउ जेनके पापन क मूँद दीन्ह
गवा
[8] उ मनई धन्य अहइँ जेनके पापन क परमेस्सर
गिनेस नाहीं!"

भजन संहिता 32:1-2

[9]तब का इ धन्यपन केवल ओनहीं क बरे बा जेनकर खतना भवा बा, य ओनके बरे उ सबइ जेनकर खतना नाहीं भवा। (हाँ, इ ओनपइ उ लागू होत ह जेनकर खतना नाहीं भवा बा।) काहेकि हम सबइ तउ कहे अही इब्राहीम क बिसवास इ ओकर धार्मिकता गिना गवा। [10]तउ इ कब गिना गवा जब ओकर खतना होइ चुका रहा। या जब उ बगैर खतना क रहा नाहीं खतना होइके पाछे नाहीं बल्कि खतना होइके स्थिति स पहिले। [11]अउ फिन एक चिन्ह क रूप मँ उ खतना ग्रहण किहेस। जउन उ बिसवास क परिणाम सरूप धार्मिकता क एक छाप रही जउन उ ओह समइ दरसाए रहा जब ओकर खतना नाहीं भवा रहा। इही बरे उ ओन्ही सबन क पिता रहा जउन यद्यपि बिना खतना क रहेन परन्तु बिसवासी अहइँ। (इही बरे उ सबइ धर्मी गिना जइहीं) [12]अउर उ ओनकर भी पिता अहइ जेनकर खतना भवा बा परन्तु जउन हमार लोगन पूर्वज इब्राहीम क बिसवास क ही मारग क जेका उ खतना होइ स परगट किहे रहेन, अनुसरण करत हीं।

बिसवास अउर परमेस्सर क बचन

[13]इब्राहीम या ओकर बंसजन क इ बचन कि उ पचे संसार क उत्तराधिकारी होइहीं, व्यवस्था स नाहीं मिला रहा बल्कि उ धार्मिकता स मिला रहा जउन बिसवास क जरिये पैदा होत ह। [14]अगर जे व्यवस्था क मानत हीं, उ जगत क उत्तराधिकारी अहइँ तउ बिसवास क कउनउ मतलब नाहीं रहत ह अउर परमेस्सर की प्रतिग्या बेकार होइ जात ह। [15]लोगन के जरिये व्यवस्था क पालन न किहे जाइसे परमेस्सर क किरोध उपजत ह परन्तु जहाँ व्यवस्था इ नाहीं बा उहाँ व्यवस्था क तोड़बइ का?

[16]इही बरे सिद्ध अहइ कि परमेस्सर क प्रतिग्या बिसवास क फल अहइ (अउर यह सेंतमेत मँ ही मिलत

बाटइ) सो ओकर प्रतिग्या इब्राहीम क सबहिं बंसजन क
बरे सुनिस्चित बा, न केवल ओनके बरे जे व्यवस्था पर
बिसवास करत हीं बल्कि ओन सबक बेरे भी जउन
इब्राहीम क समान बिसवास रखत हीं। उ हम सबका
पिता अहइ। 17पवित्तर सास्तरन बतावत ह, "मइँ तोहका
(इब्राहीम) कइयउ राष्ट्र क पिता बनाएउँ।"* उ परमेस्सर
क दिस्टी मँ उ इब्राहीम हमार पिता अहइ जेह पर ओकर
बिसवास बा। परमेस्सर जउन मरे हुवन क जीवन देत ह,
अउर जो वस्तुअन अहइँ ही नहीं, ओनकर नाम अइसे
लेत है जइसे मानों उ अहइँ।

18सभन मनइयन क आसा क विरुद्ध अपने मने मँ
आसा सँजोंए भए इब्राहीम ओहमें बिसवास किहेस इही
बरे उ कहा गवा क अनुसार कइयउ राष्ट्र क पिता
बना। "तोहार अनगिनत बंसज होइहीं।"* 19इब्राहीम
लगभग 100 बरिस क होइ गवा रहा, अउर ओकर
सरीर बच्चा पइदा करे जोग्ग नाहीं रहा। सारा भी बच्चा
पइदा नाहीं कइ सकत रही। एह बारे सोचेस, लेकिन
ओकर बिसवास डगमागात नाहीं। 20परमेस्सर क बचन
मँ बिसवास बनाए रखेस एतना ही नाहीं बिसवास क
अउर मज़बूत करत भवा परमेस्सर क महिमा दिहेस।
21ओका पूरा भरोसा रहा कि परमेस्सर ओका जउन
बचन दइ दिहेस ओका पूरा करइ मँ पूरे तरह समरथ
बा। 22इही बरे, "इ बिसवास ओकर धार्मिकता गिना
गवा।"* 23पवित्तर सास्तर क इ बचन कि बिसवास
ओकर धार्मिकता गिना गवा, केवल ओनके बरे बा
24बल्कि हमरे बरे भी बा परमेस्सर हमका, जउन ओहमाँ
बिसवास रखत हीं, धार्मिकता स्वीकार करी। काहेकि
हम बिसवास करत ह कि उ हमार पर्भू ईसू मसीह क
फिन स जिन्दा किहेस। 25ईसू, जेका हमरे पापन क बरे
मारा जाइ क सौंपा गवा अउर हमका धर्मी बनावइ क
बरे, मरा हुवन मँ स फिन स जिन्दा कीन्ह गवा।

परमेस्सर क पिरेम

5 काहेकि हम अपने बिसवास क कारण परमेस्सर
बरे धर्मी होइ ग अही, तउ अपने पर्भू ईसू मसीह क
जरिये हमार परमेस्सर स मेल होइ गवा बा। 2उही क
जरिये बिसवास क कारण ओकरे जउन अनुग्रह मँ
हमार स्थिति बा, ओह तलक हमार पहुँच होइ गइ रही।
अउर हम परमेस्सर क महिमा क कउनउ आसा पावइ
क आनन्द लेइत ह। 3एँतनइ नाहीं हम आपन विपत्तियन
मँ आनन्द लेइत ह। काहेकि हम जानित ह कि विपत्ति
धीरज क जनम देत ह। 4अउर धीरज स खरा चरित्र
निकरत ह। खरा चरित्र स आसा क जनम होत ह।
5अउर आसा हमका निरास नाहीं होइ देत ह काहेकि
पवित्तर आतिमा क जरिये, जउन हमका दीन्ह गवा बा,
परमेस्सर क पिरेम हमरे हिरदय मँ उड़ेर दीन्ह गवा बा।

6काहेकि हम जब अबहीं कमजोर ही रहेन ठीक
समइ पर हम भक्तहीनन बरे मसीह तउ आपन बलिदान
दिहेस। 7अब देखा केहू धर्मी मनइयन क बरे उ केउ
कठिनाइ स मरत ह। केहू धर्मी मनई क बरे आपन
परान तियागइ क साहस तउ केउ कई सकत ह। 8मुला
परमेस्सर तउ हमपे आपन पिरेम देखायेस। जबकि हम
तउ पापी ही रहे; परन्तु ईसू त हमरे बरे परान तजि
दिहेस। 9काहेकि अब जब हम ओकरे लहू क कारण
धर्मी होइ ग अही तउ अब ओकरे जरिये परमेस्सर क
किरोध स जरूर इ बचावा जइहीं। 10काहेकि जब हम
ओकर बैरी रहे उ अपने मऊत क जरिये परमेस्सर स
हमार मेलमिलाप करायेस तउ अब तउ जब ते हमार
मेलमिलाप होइ चुका बा ओकरे जीवन स हमार अउ
केतॅनी जियादा रच्छा होइ। 11एँतनइ नाहीं बा हम अपने
पर्भू ईसू मसीह क जरिये परमेस्सर क भक्ति पाइ क
अब ओहमाँ आनन्द लेइत ह।

आदम अउर मसीह

12इही बरे एक मनई (आदम) जरिये जइसेन धरती
पे पाप आवा अउर पाप स मउत अउ एह तरह मउत
सब जने क बरे आइ काहेकि सबहिं पाप किहे रहेन।
13अब देखा व्यवस्था क आवइ स पहिले जगत मँ पाप
रहा परन्तु जब तक कउनउ व्यवस्था नाहीं होत कउनो
क पाप नाहीं गिना जात 14मुला आदम स लइके मूसा क
समइ तक मउत सब पर राज करत रही। मउत ओन
सबहिं प वइसे ही हावी रही जउन लोग पाप नाहीं किहे
रहेन जइसे आदम प।

आदम भी वइसा ही रहा जइसा उ जउन (मसीह) क
अवाई रही। 15परन्तु परमेस्सर क बरदान आदम क
अपराध जइसेन नाहीं रहा काहेकि अगर उ एक मनइ
क अपराध क कारण सभन लोगन क मउत भइ तउ
एक मनई ईसू मसीह क करुणा क कारण परमेस्सर क
अनुग्रह अउ बरदान सभन लोगन क भलाई बरे केतॅना
कछू अउर जियादा मिला बा। 16अउर इ बरदान उ पापी
क जरिये लियावा गवा परिणाम क समान नाहीं बा
काहेकि सजा क बरे नियाउ क आगमन एक अपराध
क पाछे भवा रहा। परन्तु इ बरदान, जउन दोसमुक्ति
कइँती लइ जात ह, कइयउ अपराधन क पाछे आइ रहा।
17अउर अगर एक मनई क उ अपराध क कारण
मउत क सासन होइ गवा। तउ जउन परमेस्सर क अनुग्रह
अउर ओकरे बरदान क जियादा क-जेहमें धर्मी क
निवास बा उपभोग करत बाटेन उ तउ जीवन मँ उहइ
एक मनई ईसू मसीह क जरिये अउर जियादा सासन
करिहीं।

"मइँ … बनाएउँ" उत्पत्ति 17:5

"तोहार … होइहीं" उत्पत्ति 15:5

"इ … गवा" उत्पत्ति 15:6

18तउ जइसेन एक अपराध क कारण सभन
लोग दोसी ठहरावा गएन ओइसन ही ईसू क एक धरम
क काम क जरिये सबके बरे परिणाम मँ अनन्त जीवन
बरदान करइवाली धार्मिकता मिली। 19अउर जइसेन उ
एक मनई क अपराध क कारण सब जने पापी बनाइ
दीन्ह गएन वोइसहीनइ उ एक मनई क आग्या मानइ क
कारण सब जने धर्मी उ बनाइ दीन्ह जइहीं। 20व्यवस्था
क आगमन इही बरे भवा कि अपराध बढ़ी पावइँ। परन्तु
जहाँ पाप बढ़ा, उहाँ परमेस्सर क अनुग्रह अउर भी
जियादा बाढ़इ। 21ताकि जइसेन मउत क जरिये पाप
राज्य किहेस ठीक वइसेन ही हमरे पर्भू ईसू मसीह क
जरिये अनन्त जीवन क लियावइ बरे परमेस्सर क अनुग्रह
धार्मिकता क जरिये राज्य करइ।

पाप क बरे मरा भवा मसीह मँ जीवित

6 तउ फिन हम का कही? का हम पापइ करत रही
ताकि परमेस्सर क अनुग्रह बढ़त रहइ? 2निस्चय
ही नाहीं। हम जउन पाप क बरे मर चुका अही पाप मँ ह
कइसेन जियब? 3या का तू नाहीं जातन अहा कि हम, जे
मसीह ईसू मँ बपतिस्मा लिहे अही, ओकरी मउत क ही
बपतिस्मा लिहे अही। 4तउ ओकरी मउत मँ बपतिस्मा
लेइ स ही हम हू ओनके साथे गाड़ दीन्ह गवा रहे। ताकि
जइसेन परमपिता क महिमामय सक्ति के जरिये मसीह
क मरा हुवन मँ स जियाइ दीन्ह गवा रहा, वइसन ही
हमहू एक नवा जीवन पावाह।

5काहेकि जब हम ओनके मउत मँ ओकरे साथे
रहे अही तउ ओकरे जइसेन फिन स उत्थान मँ उ
ओकरे साथे रहब। 6हम इ जानित ह कि हमार पुराना
जीवन मसीह क साथे ही क्रूस प चढ़ाइ दीन्ह गवा रहा
ताकि पापमय आतिमा नस्ट होइ जाइ। अउर हम आगे
क बरे पाप क दास न बना रही। 7काहेकि जउन मर
गवा उ पाप क बन्धन स छुटकारा पाइ गवा।

8अउर काहेकि हम मसीह क साथे मर गए, तउ
हमार बिसवास बा कि हम उही क साथे जियब। 9हम
जानित ह कि मसीह जेका मरा हुआ मँ स जिन्दा कीहेन
रहा गवा अउर फिन नाहीं मर सकत, अमर अहइ।
ओह पर मउत क बस कभउँ न चली। 10जउन मउत स
उ मरा बा, उ एक बार अउर सदा बरे पाप क बरे मरा
बा परन्तु जउन जीवन उ जिअत ह, उ जीवन, परमेस्सर
क बरे बाटइ। 11इही तरह तू अपने बरेऊ सोचा कि तू
पाप क बरे मर चुका अहा परन्तु मसीह ईसू मँ परमेस्सर
क बरे जिअत अहा।

12इही बरे तोहर नास होइवाला सरीरन क उप्पर
पाप क बस न चलइ। ताकि तू उन चीजन का गुलाम न
बना जेका तोहार पातकी अहम चाहत ह। 13अपने सरीर
क अंगन क अधर्म क सेवा क बरे पाप क हवाले न
करा बल्कि मरा हुवन मँ स जी उठइवालन क समान
परमेस्सर क हवाले कइ द्या। अउ अपने सरीर क
अंगन क धार्मिकता क सेवा क साधन क रूप मँ
परमेस्सर क हवाले कइ द्या। 14तोह पे पाप क सासन न
होइ काहेकि तू व्यवस्था क सहारे नाहीं जिअत अहा
बल्कि परमेस्सर क अनुग्रह क सहारे जिअत अहा।

धार्मिकता क सेवक

15तउ हम का करी? का हम पाप करी? काहेकि
हम व्यवस्था क अधीन नाहीं, बल्कि परमेस्सर क अनुग्रह
क अधीन जिअत अही। निस्चय ही नाहीं। 16का तू नाहीं
जानत अहा कि जब तू कीहीउ क आज्ञा मानइ क बरे
अपने आप क दास क रूप मँ ओका सँउपि देत ह तउ तू
दास अहा। उ मनई जेकर आज्ञा मानत अहा तोहार
स्वामी अहइ! या परमेस्सर क आज्ञा भावा। पाप स
आध्यात्मिक मउत होत ह। मुला परमेस्सर क हुकुम
मानइ स नेकी कइँती लइ जात ह। फिन चाहे तू पाप क
दास बना। 17परन्तु पर्भू क धन्यवाद बा कि यद्यपि तू पाप
क दास रह्या, तू अपने मन स ओन्हन उपदेसन क रीति
क मान्या जउन तोहे सौंपा गवा रहेन। 18तोहे पाप स
छुटकारा मिलि गवा अउ तू धार्मिकता क सेवक बन
गया। 19(मइँ एक ठु मानवीय उदाहरण देइत ह जेका
सभन लोग समाझि सकइँ काहेकि ओका समझब तू
लोगन क बरे कठिन बा।) काहेकि तू अपने सरीर क
अंगन क अपवित्तर अउ व्यवस्थाहीनता क आगे ओनके
दास क रूप मँ सौंप दिहे रह्या जेसे व्यवस्थाहीनता पैदा
भई, अब तू लोग ठीक वइसेन ही अपने सरीर क अंगन
क दास क रूप मँ धार्मिकतइ क हाथन मँ सौंप द्या
ताकि कुल समर्पण पैदा होइ।

20काहेकि तू जब पाप क दास रह्या तउ धार्मिकता
कइँती स तोहे प कउनउ बन्धन नाहीं रहा। 21अउर
देखा ओह समइ तोहे कइसेन फल मिला? जेकरे बरे
आजु तू सर्मिन्दा अहा। जेकर अन्तिम परिणाम मउत
बा। 22परन्तु अब तोहे पाप स छुटकारा मिलि चुका बा
अउ परमेस्सर क दास बनाइ दीन्ह अहा गवा अहा तउ
जउन खेती तू काटत अहा, तोहे परमेस्सर क बरे कुल
समर्पण मँ लइ जाइ। जेकर अन्तिम परिणाम बा अनन्त
जीवन। 23काहेकि पाप क मूल्य तो बस मृत्यु ही अहइ।
जबकि हमार पर्भू मसीह ईसू मँ अनन्त जीवन, परमेस्सर
क सेंतमेत क बरदान बाटइ।

विवाह क दिस्टान्त

7 भाइयो तथा बहिनियो, का तू नाहीं जानत अहा (मइँ
ओन्हन सबन स कहत अही जउन व्यवस्था क
जानत हीं) कि व्यवस्था क सासन कीहीउ मनई पे
तबहिं तलक बा जब तलक उ जिअत ह? 2उदाहरण क
बरे एक विवाहिता स्त्री अपने पति क साथे व्यवस्था क
अनुसार तबहिं तलक बंधी बा जब तलक उ जिन्दा बा

परन्तु अगर ओकर पति मरि जात ह तउ उ बियाह सम्बन्धी व्यवस्था स छूट जात ह। [3]पति क जिअत ही अगर कीहीउ दुसरे पुरुस स सम्बन्ध जोड़त ह ओका व्यभिचारिणी कहा जात ह परन्तु अगर ओकर पुरुस मरि जात ह तउ बियाह सम्बन्धी नियम ओह पे नाहीं लागत अउ इहीं बरे अगर उ दुसरे मनई क होइ जात ह तउ उ व्यभिचारिणी नाहीं बा।

[4]मोरे भाइयो तथा बहिनियो, अइसन ही इ मसीह क देह क जरिये व्यवस्था के बरे तुहउँ मरि चुका अहा। इही बरे अब तुहउँ कीहीउ दुसरे स नाता जोड़ि सकत ह। ओसे जेका मरा हुवन मँ स पुनर्जीवित कीन्ह गवा अहइ। ताकि हम परमेस्सर क बरे करमन क अच्छी खेती कइ सकित ह। [5]काहेकि जब हम मानुस सुभाव क अनुसार जिअत रहे, हमार पाप-पूर्ण वासना जउन व्यवस्था क जरिये आइ रहीं, हमरे अंगन पर हावी रही। ताकि हम करमन क अइसेन खेती करी जेकर अन्त आध्यात्मिक मउत मँ होत ह। [6]परन्तु अब हमका व्यवस्था स छुटकारा दइ दीन्ह गवा बाटइ काहेकि जउने व्यवस्था क अधीन हमका बन्दी बनावा ग रहा, हम ओकरे बरे मरि चुका आही। अउ अब पुरान लिखित व्यवस्था स नाहीं, बल्कि आतिमा क नई रीति स प्रेरित होइके हम अपने परमेस्सर क सेवा करित ह।

पाप स लड़ाई

[7]त फिन हम का कही? का हम कही कि व्यवस्था पाप अहइ? निस्चय ही नाहीं। जउन भी होइ, अगर व्यवस्था नाहीं होत तउ मइँ पहिचान नहीं पाइत कि पाप का अहइ? अगर व्यवस्था न बतावत, "जउन उचित नाहीं बा लालच जिन करा तउ निस्चय ही मइँ पहचान नाहीं पाइत कि जउन उचित इच्छा नाहीं अहइ का बा।"* [8]परन्तु पाप मौका पावत ही व्यवस्था का लाभ उठावत भवा मोहमाँ गलत सबइ इच्छा कभर दिहेस जउन अनुचित बरे रहिन। [9]एकसमइ मइँ बिना व्यवस्था क ही जिन्दा रहेउँ, परन्तु जब व्यवस्था क आदेस आवा तउ पाप जीवन मँ उभरिके आवा। [10]अउर मइँ मर गएउँ। उहइ व्यवस्था क आदेस जउन जीवन देइ बरे रहा, मोरे बरे मउत लइ आवा।

[11]काहेकि पाप क अउस मिलि गवा अउर उ उहइ व्यवस्था क आदेस क जरिये मोका छलेस अउर उहइ जरिये मोका मार डाएस।

[12]इही तरह व्यवस्था पवित्तर बा अउर उ आदेस पवित्तर, धर्मी अउर उत्तिम बा। [13]तउ फिन का एकर मतलब इ बाटइ कि जउन उत्तिम बा, उहइ मेरी मउत क कारण बन गवा? निस्चय ही नाहीं। बल्कि पाप उ उत्तिम क जरिये मोरे बरे मउत क कारण एह बरे बना कि पे क पाहिचाना जाइ सकइ। अउर व्यवस्था क जरिये ओकर खौफनाक पाप क पूर्णता देखाँइ दीन्ह जाइ।

मानसिक द्वन्द्व

[14]काहेकि हम जानित ह कि व्यवस्था तउ आत्मिक अहई अउर मइँ हाड़ माँस क बना भवा भौतिक मनई अहउँ जउन पाप क दासता बरे बिका भआ हउँ। [15]मइँ नाहीं जानित मइँ का करत हउँ काहेकि मइँ जउन करइ चाहित हउँ नाहीं करत हउँ, बल्कि मोका उ करे पड़त ह, जेसे मइँ घिना करत हउँ। [16]अउ अगर मइँ उहइ करत हउँ जउन मइँ नाहीं करइ चाहित ह तउ मइँ अंगीकार करत हउँ कि व्यवस्था उत्तम बा। [17]परन्तु सही मँ उ मइँ नाहीं हउँ जउन इ सब कछू करत बा, बल्कि उ पाप मोरे भितरे बसा पाप बा। [18]हाँ, मइँ जानित अहउँ कि मोरे मँ भौतिक मानुस सरीर मँ कउनउ अच्छी चीजे क बास नाहीं अहइ। नेकी करइ क इच्छा तउ मोहमाँ अहइ पर नेक काम मोसे नाहीं होत। [19]काहेकि जउन अच्छा काम मइँ करइ चाहित ह, मइँ नाहीं करित अहउँ बल्कि जउन मइँ नाहीं करइ चाहित, उहइ सबइ मइँ खराब काम करइ नाहीं चाहित ह मइँ नाहीं करित बल्कि जउन मइँ नाहीं करइ चाहित, उहई सब खराब काम मइँ करित हउँ। [20]अउर अगर मइँ उहइ काम करित ह जेका करइ नाहीं चाहित ह तउ सही मँ ओकर कर्त्ता जउन ओन्हे करत ह, मइँ नाहीं हउँ, बल्कि उ पाप अहइ जउन बसा बा।

[21]इही बरे मइँ अपने मँ इ नियम पाइत ह कि मइँ जब अच्छा करइ चाहित ह, तउ अपने मँ बुराई क ही पाइत ह। [22]आपन अन्तरात्मा मँ मइँ परमेस्सर क व्यवस्था क खुसी स मानित ह। [23]पर अपने सरीर मँ मइँ एक दुसरे ही व्यवस्था क काम करित देखित ह इ मोरे चिन्तन पे सासन करइवाली व्यवस्था स युद्ध करत ह अउर मोका पाप क व्यवस्था क बन्दी बनाइ लेत ह। इ व्यवस्था मोरे सरीर मँ क्रिया करत रहत ह। [24]मइँ एक अभागा इंसान हउँ। मोका एह सरीर स, जउन मउत क निवाला बा, ओसे छुटकारा कउन देवाई? [25]परमेस्सर मोका बचइहीं। अपने पर्भू ईसू मसीह क जरिये मइँ परमेस्सर क धन्यबाद करित हउँ।

तउ अपने हाड़ माँस क सरीर स मइँ पाप क व्यवस्था क गुलाम होत भए उ आपन बुद्धि स परमेस्सर क व्यवस्था क सेवक अहउँ।

आतिमा स जीवन

8 एह तरह अब ओनके बरे जउन मसीह ईसू मँ स्थित बाटेन ओनके बरे, कउनउ दण्ड नाहीं बा। [2]काहेकि आतिमा क व्यवस्था त जउन मसीह ईसू मँ जीवन देत ह, मोका पाप क व्यवस्था स जउन मउत क तरफ लइ

"जउन ... बा" निर्ग 20:17; व्यवस्था 5:21

जात ह, स्वतन्त्र कई दीन्ह बा। 3जेका मूसा क उ व्यवस्था जउन मनई क भौतिक सुभाऊ क कारण कमजोर बनाइ दीन्ह गइ रही, नाहीं कई सकी ओका परमेस्सर अपने पूत क हमरेन जइसे सरीर मँ पठइ क जेहसे हम पाप करित ह-ओकर भौतिक देह क पापवाली बनाइ क पाप क खतम कइके पूरा किहेस। 4जेहसे कि हमरे जरिये, देहे क भौतिक पातकी अहम स नाहीं, बल्कि आतिमा क विधि स जिअत हीं व्यवस्था क जरूरत पूरी कई जाइ सकइ।

5काहेकि उ सबइ जउन अपने भौतिक मनई सुभाउ क अनुसार जिअत हीं, ओनकर भौतिक मनई सुभाउ क इच्छन पर टिकी रहत ह परन्तु उ जउन आतिमा क अनुसार जिअत हीं, ओनकर बुद्धि जउन आतिमा चाहत ह ओनहिन इच्छा मँ लगी रहत ह। 6भौतिक मनई सुभाउ क बस मँ रहइवाला मने क अन्त मउत अहइ, परन्तु आतिमा क बस मँ रहइवाली बुद्धि क परिणाम अहइ जीवन अउ सान्ति। 7इही तरह भौतिक मनई सुभाउ स अनुसासित मन परमेस्सर क विरोधी अहइ। काहेकि उ न तउ परमेस्सर क व्यवस्था क अधीन बा अउ न होइ सकत ह। 8अउर उ जउन भौतिक मनई सुभाउ क अनुसार जिअत हीं परमेस्सर क खुस नाहीं कइ सकत हीं।

9परन्तु तू पचे भौतिक मनई सुभाउ क अधीन नाहीं अहा, बल्कि आतिमा क अधीन अहा अगर सही मँ तोहमे परमेस्सर क आतिमा क निवास बा। परन्तु अगर कउनो मँ ईसू मसीह क आतिमा नाहीं बा त उ मसीह क नाहीं बा। 10दूसरे कइँती अगर तोहमाँ मसीह अहइ तउ चाहे तोहरे देह पाप क बरे मरि चुकी होइ बा पवित्तर आतिमा परमेस्सर क साथे तोहे धार्मिक ठहराइ क खुद तोहरे बरे जीवन बन जात ह। 11अउर अगर उ आतिमा जे ईसू क मरे हुवन मँ स जियाए रही, तोहरे भित्तर बास करत ह, तउ उ परमेस्सर जे ईसू क मरे हुवन मँ स जियाए रहा, तोहरे नासमान सरीरन क आपन आतिमा स जउन तोहरे ही भित्तर बसत ह, जीवन देई।

12इही बरे भाइयो तथा बहिनियो, हम पे एह भौतिक मनइ सुभाउ तउ अहइ परन्तु अइसेन नाहीं कि हम एकरे अनुसार जिई। 13काहेकि अगर तू भौतिक मनइ सुभाउ क अनुसार जीब्या तब मरब्या। अगर तू आतिमा क जरिये सरीर क व्यवहारन क अन्त कइ देब्या तउ तू जी जाब्या। 14जउन परमेस्सर क आतिमा क अनुसार चलत हीं, उ सबइ परमेस्सर क संतान अहइँ। 15काहेकि उ आतिमा जउन तोहे मिली बा, तोहे फिन स दास बनिके डेराइ बरे नाहीं बा, बल्कि उ आतिमा जउन तू पाए अहा तोहे परमेस्सर क संपालित सन्तान बनावत ह। जेसे हम पुकार उठित ह, "हे अब्बा, हे परमपिता।" 16उ पवित्तर आतिमा खुद हमरे आतिमा क साथे मिलिके साच्छी देत ह कि हम परमेस्सर क सन्तान अही। 17अउ काहेकि हम ओकर सन्तान अही, हमहूँ उत्तराधिकारी अही, परमेस्सर क उत्तराधिकारी अउर मसीह क साथे हम उत्तराधिकारी अगर सही मँ ओकरे साथे दुख उठावत अहीं तउ हमका ओकरे साथे महिमा मिली ही।

हमका महिमा मिले

18काहेकि मोरे बिचार मँ एह समइ क हमार सबइ यातना क परगट होइवाली भावी महिमा क आगे कछूउ नाहीं बा। 19काहेकि इ सिस्टी बड़ी आसा स ओह समइ क इन्तजार करत बाटइ जब परमेस्सर क संतान क परगट कीन्ह जाई। 20इ सिस्टी नि:सार रही अपने इच्छा स नाहीं, बल्कि ओकरी इच्छा स जे एका एह परिवर्तन क अधीन किहेस 21कि इहउ कभउँ आपन बिनासमान होइ स छुटकारा पाइ क परमेस्सर क सन्तान क सानदार स्वतन्त्रता कआनन्द लेई। 22काहेकि हम जानित ह कि आजु तलक समूची सिस्टी प्रसव पीड़ा मँ कराहत अउ तड़पत रही बाटइ। 23न केवल इ सिस्टी बल्कि हमहूँ जेका आतिमा क पहिला फल मिला बा, अपने भितर कराहत रहे बाटेन। काहेकि हमका ओकरे जरिये पूरी तरह अपनावा जाइ क इन्तजार अहइ कि हमार देह मुक्त होइ जाइ। 24हमार उद्धार भवा बा। इही स हमरे मने मँ आसा बा परन्तु जब हम जेकर आसा करित ह ओका देखि लेइत ह तउ उ आसा नाहीं रहत। जउन देखात बाटइ ओकर आसा कउन कई सकत ह। 25परन्तु अगर जेका हम देखत नाहीं अही ओकर आसा करित ह तउ धीरज अउर सहनसीलता क साथे ओकर रस्ता जोहित ह।

26अइसन ही जइसेन हम कराहत अही, आतिमा हमरे दुर्बलता मँ हमार सहायता करइ आवत ह काहेकि हम नाहीं जानित ह कि हम केकरे बरे पराथना करी! परन्तु आतिमा खुद अइसेन आह भरिके जेकर सबदन मँ जाहिर नाहीं कीन्ह जाइ सकत हमरे बरे बिनती करत ह। 27परन्तु उ जउन लोगन क दिल क देख सकत ह वह जानत ह कि आतिमा क मन्सा का अहइ। काहेकि परमेस्सर क इच्छा स ही उ परमेस्सर क पवित्तर लोग क बरे बीच बिचाऊ करत ह।

28अउर हम जानित ह कि हर परिस्थिति मँ उ आतिमा परमेस्सर क भक्तन क साथे मिलिके उ काम करत ह जउन भलाइ ही लियावत हीं ओन्हन सबके बरे जेका ओकरे प्रयोजन क अनुसार इ बोलावा गवा बा। 29जेका उ पहिले ही चुनेस ओनका पहिलौटी क पूत क रूप मँ ठहराएस ताकि बहुत स भाइयो तथा बहिनियो! मँ उ पहलौठी बनि सकइ। 30जेनका उ पहिले स निस्चित किहेस उहूँ क उ बोलाएस अउर जेनका उ बोलाएस, ओनका उ धर्मी ठहराएस। अउर जेका उ धर्मी ठहराएस, ओनका महिमा प्रदान किहेस।

परमेस्सर क पिरेम

[31]तउ एका देखत हम का कही? अगर परमेस्सर हमरे पच्छ मँ बा हमरे विरोध मँ कउन होइ सकत ह? [32]उ जे अपने पूत तलक क नाहीं छोड़ेस बल्कि ओका हम सबके बरे मरइ क सउँप दिहेस। उ भला हमका ओकरे साथ अउर सब कछू काहे न देई? [33]परमेस्सर क चुना भआ लोगन पे अइसेन कउन बा जउन दोस लगावइ? उ परमेस्सर ही अहइ जउन ओनका धर्मी ठहरावता ह। [34]अइसेन कउन अहइ जउन ओका दोसी ठहरावइ? मसीह ईसू उ अहइ जउन मरि गवा अउर (अउर इहीउँ स जियादा जरूरी इ बा कि) ओका फिन जियावा गवा। जउन परमेस्सर क दहिनी कइँती बइठा अहइ अउर हमरे कइँती स बिनती भी करत ह [35]कउन अहइ जउन हमका मसीह क पियार स अलग करी? यातना या कठिनाइ या अत्याचार या अकाल या नंगापन या जोख़िम या तलवार? [36]जइसेन कि सास्तर कहत ह:

> "तोहरे (मसीह) बरे सारा दिन हमका मउत क
> सौंपा जात ह। हम काटी जाइवाली भेड़ जइसेन
> समझा जाइत ह।"
>
> *भजन संहिता 44:22*

[37]तबउ ओकरे जरिये जउन हमसे पिरेम करत ह एन्हन सब बातन मँ हम एक सानदार विजय पावत अही। [38]काहेकि मइँ मान चुका हउँ कि न मउत अउर न जीवन, न सरगदूतन अउर न सासन करइवाली आतिमन न वर्तमान क कउनउ चीज अउर न भविस्स क कउनउ चीज, न आत्मिक सक्ति, [39]न कउनउ हमरे उप्पर क, न अउर न हमसे नीचे क, न सिस्टी क कउनउ अउर चीज हमका पर्भू क ओह पिरेम स, जउन हमरे भीतर पर्भू मसीह ईसू बरे बाटइ, हमका अलग कइ सकइ।

परमेस्सर अउर यहूदियन

9 मसीह मँ मइँ सही कहत हउँ। मइँ झूठ नाहीं कहित अउर मोर चेतना जउन पवित्तर आतिमा क जरिये प्रकासित बा, मोरे साथ मोरे साच्छी देत ह [2]कि मोका गहिर दुख बा अउर मोरे मने मँ मइँ पीड़ा बा। [3]कास मइँ चाहि सकित कि आपन भाइ−बन्धुवन अउर दुनियाबी सम्बन्धन क बरे मइँ मसीह क साप अपने ऊप्पर लइ लेइत अउर ओसे अलग होइ जाइत। [4]जउन इस्राएली बाटेन अउर जेनका परमेस्सर संपालित संतान होइ क अधिकार बा, जउन परमेस्सर क महिमा क दरसन कइ चुका बाटेन, जउन परमेस्सर क करार क भागीदार अहइँ। जेनका मूसा क व्यवस्था, सच्ची आराधना अउर बचन प्रदान कीन्ह गवा बा। [5]पूर्वजन उहीं स सम्बन्ध रखत ह अउर मनई सरीर क दिस्टी स मसीह उहीं मँ पइदा भवा जउन सबक परमेस्सर अहइ अउर हमेसा धन्य बा। आमीन!

[6]अइसेन नाहीं बा कि परमेस्सर आपन बचन पूरा नाहीं किहे बा काहेकि जउन इस्राएल क बंसज बाटेन उ सभन इस्राएली नाहीं अहइँ। [7]अउर न तउ इब्राहीम क बंसज होइ क कारण उ सब सच्चइ-मुच्चइ इब्राहीम क संतान अहइँ। बल्कि (जइसेन परमेस्सर कहेस) "तोहर बंसज इसहाक क द्वारा आपन परम्परा बढ़ावइँ।"* [8]मतलब इ नाहीं अहइ कि प्राकृतिक तउर पे सरीर स पैदा होइवाला बच्चा परमेस्सर क बंसज अहइ, बल्कि परमेस्सर क बचन स प्रेरित होइवाले ओनकर बंसज माना जात हीं।

[9]बचन एह तरह कहा गवा रहा: "निस्चित समइ पे मइँ लउटब अउर सारा पुत्रवती होई।"*

[10]एँतनइ नाहीं जब रिबका भी एक मनई, हमार पहिले क पिता इसहाक स गर्भवती भइ [11-12]त बेटवन क पैदा होइ स पहिले अउर ओकरे कछू भला बुरा करइ स पहिले कहा गवा रहा जेहसे परमेस्सर क उ प्रयोजन सिद्ध होइ जउन चुनाव स सिद्ध होइ। अउर जउन मनई क करमन पे नाहीं टिका बल्कि उ परमेस्सर पे टिका बा जउन बोलावइवाला अहइ। रिबका स कहा गवा बा, "बड़का बेटवा छोटे बेटवा क सेवा करी।"* [13]पवित्तर सास्तर कहत ह, "मइँ याकूब क चुनउँ अउर एसाव क नकार दिहेउँ।"*

[14]तउ फिन हम का कही? का परमेस्सर अन्यायी बा? [15]निस्चय ही नाहीं। काहेकि परमेस्सर मूसा स कहे रहा, "मइँ जउन कउनो पे उ दया करइ क सोचब, दया देखाउब। अउ जउन कउनो पेउ अनुग्रह करइ चाहब, अनुग्रह करब।"* [16]इही बरे न तउ कउनउ क इच्छा अउर प्रयास बल्कि दयालु परमेस्सर पे निर्भर करत ह। [17]काहेकि सास्तर मँ परमेस्सर तउ फिरौन स कहे रहा: "मइँ तोहका इही बरे खड़ा किहे रहेउँ कि मइँ आपन सक्ति तोहमँ देखाइ सकी। अउर मोर नाउँ समूची धरती पे घोसित कीन्हा जाइ।"* [18]तउ परमेस्सर जेहका चाहत ह दया करत ह अउ जेका चाहत ह कठोर बनाइ देत ह।

[19]तउ फिन तू सायद मोसे कह्या, "अगर हमरे करमन क नियन्त्रण करइवाला परमेस्सर बा त फिन उ ओहमाँ हमार दोस काहे समझत ह?" आखिरकार ओकरी इच्छा क विरोध कउन कइ सकत ह? [20]अरे मनई तू

"तोहर .. बढ़ावइँ" उत्पत्ति 21:12

"निस्चित ... होई" उत्पत्ति 18:10,14

"बड़का ... करी' उत्पत्ति 25:23

"मइँ ... दिहेउँ" मलाकी 1:2-3

"मइँ ... करब" निर्ग 33:19

"मइँ ... जाइ" निर्ग 9:16

कउन होत अहा जे परमेस्सर क उलटि के उत्तर देइ?
का कउनउ रचना अपने रचइवालन स पूछ सकत ह
कि "तू मोका अइसेन काहे बनाया?" [21]का कीहीउ
कोहार क मिट्टी पे इ अधिकार नाहीं बा कि उ कीहीऊँ
एक लँऊदा स एक भाँड़ बिसेस प्रयोजन बरे अउ दूसर
हीन प्रयोजन बरे बनावइ?

[22]परन्तु एहमाँ का बा अगर परमेस्सर त आपन
किरोध देखॉवइ अउर आपन सक्ति जतावइ क बरे
ओन्हन भाँडन क जउन किरोध क पात्र रहेन अउर
जेकरे बिनास होइ क रहा, बड़ा धीरज क साथे सही,
[23]उ ओनकइ सहेस ताकि उ भाँडन क लाभ बरे जउन
दया क पात्र रहेन अउर जे उ आपन महिमा पावइ बरे
बनाए रहा, ओह पे आपन महिमा परगट कइ सकइ।
[24]मतलब हम जेका उ न केवल यहूदियन मँ स बोलाएस
बल्कि गैर यहूदियन मँ स भी [25]जइसेन कि होसे क
किताबे मँ लिखा बा:

"जउन लोग मोर लोग नाहीं रहे ओन्हे मइँ
आपन कहबइ। अउर उ स्त्री जउन पिआरी
नाहीं कही गइ मइँ ओका प्रिया कहबइ।"

होसे 2:23

[26]"अउर इ उहइ घटी जउने स्थान पे ओनसे
कहा गवा रहा, 'तू पचे मोर परजा नाहीं अहा।'
उहइ उ जिन्दा परमेस्सर क सन्तान कहवइहीं।"

होसे 1:10

[27]अउर यसायाह इस्राएल क बारे मँ पुकार क
कहत ह।
"यद्यपि इस्राएल क सन्तान समुद्र क बालू क कणन
क समान असंख्य अहइँ तऊँ ओहमाँ स केवल
थोड़ क ही बच पइहीं। [28]काहेकि पर्भू पृथ्वी पे
आपन निआव क पूरी तरह स अउ जल्दी ही
पूरा करी।"*

[29]अउ जइसेन कि यसायाह त भविस्सबाणी किहे रहा:

"अगर सर्वसक्तिमान पर्भू हमरे बरे बंसज न छोड़तेन
त हम सदोम जइसे अउर अमोरा जइसे ही होइ
जाइत।"*

[30]त फिन हम का कही? हम इ नतीजा पे पहुँच अही
कि गैर यहूदियन क लोग जउन धार्मिकता क खोज मँ
नाहीं रहेन, उ धार्मिकता क पाइ गएन। उ पचे जउन
बिसवास क कारण ही धार्मिक ठहरावा गएन। [31]परन्तु
इस्राएल क लोग तउ जउन जइसेन व्यवस्था पे चलइ
चाहत रहेन जउन ओनका धार्मिक ठहरावत ओकरे
अनुसार नाहीं जी सकेन। [32]काहे नाहीं? काहेकि उ पचे
एकर पालन बिसवास स नाहीं, बल्कि अपने करमन स
धर्मी बना चाहत रहेन, उ सबइ ओह चट्टान पे ठोकर
खाइ गएन, जउन ठोकर दियावत रही। [33]जइसेन कि
पवित्तर सास्तर कहत ह:

"देखा, मइँ सिय्योन मँ एक पत्थर रखत हउँ
जउन ठोकर दियावत ह अउर एक चट्टान
जउन पाप करावत ह। परन्तु उ जउन ओहमाँ
बिसवास करत ह, ओका कभउँ निरास न
होइ क होई।"

यसायाह 8:14; 28:16

10

भाइयो तथा बहिनियो, मोरे हीये क इच्छा बा
अउर मइँ परमेस्सर स ओन्हन सबके बरे पराथना
करत हउँ कि ओनकर उद्धार होइ जाइ। [2]काहेकि मइँ
साच्छी देत हउँ कि ओहमाँ परमेस्सर क धुन बा। परन्तु
उ ज्ञान पे नाहीं टिकी बा [3]काहेकि उ पचे उ धार्मिकता
क नाहीं जानत रहेन जउन परमेस्सर स मिलत अहइ।
अउर उ सबइ आपन निजी धार्मिकता क स्थापना क
जतन करत रहेन। तउ उ परमेस्सर क धार्मिकता क
नाहीं स्वीकारेन।

[4]मसीह व्यवस्था क अन्त किहेस ताकि हर कउनो
क जउन बिसवास करत ह, उ परमेस्सर बरे धार्मिक
होइ जाइ।

[5]धार्मिकता क बारे मँ जउन व्यवस्था स मिलत ह,
मूसा लिखे बाटइ, "जउन व्यवस्था पे चली, उ ओनके
कारण जिन्दा रही।"* [6]परन्तु बिसवास स मिलइवाली
धार्मिकता क बारे मँ पवित्तर सास्तर इ कहत ह, "तू
अपने स इ न पूछा, 'सरगे मँ ऊप्पर कउन जाई?'" (यानि
"मसीह क नीचे धरती पे लियावइ") [7]"या, 'नीचे अधोलोक
मँ कउन जाई?'" (यानि "मसीह क मरा हुवन मँ स
ऊपर लियावइ?") [8]पवित्तर सास्तर इ कहत ह: "बचन
तोहरे लगे बा, तोहरे ओठन पे बा अउन तोहरे मने मँ
बा।"* यानि बिसवास क वह बचन जेकर हम प्रचार
करत अही, [9]कि अगर तू अपने मुँहे स घोसित करा,
"ईसू मसीह पर्भू अहइ", अउर तू अपने मने मँ इ बिसवास
करा कि परमेस्सर तउ ओका मरा हुवन मँ स जिन्दा
किहेस तउ तोहार उद्धार होइ जाई। [10]काहेकि अपने
हृदय क बिसवास स मनई धार्मिक ठहरावा जात ह

"यद्यपि ... करी" यसा 10:22-23

"अगर ... जाइत" यसा 1:9

"जउन ... रही" लैव्य 18:5

पद 6-8 व्यवस्था 30:12-14

अउर अपने मुँहे स ओकरे बिसवास क स्वीकार करइ स ओकर उद्धार होत ह। [11]पवित्तर सास्तर कहत ह, "जउन केऊ ओहमाँ बिसवास रखत ह ओका निरास न होइ पड़ी।"* [12]इ एह बरे बा कि यहूदी अउर गैर यहूदी मँ कउनउ भेद नाहीं काहेकि सब क पर्भू तउ एक्कइ अहइ। अउर ओकर दया ओन्हन सब क बरे, देत ह जउन ओकर नाउँ लेत हीं, अपरम्पार बा। [13]पवित्तर सास्तर कहत ह, "हर केऊ जउन पर्भू क नाउँ लेत हीं, उद्धार पइहीं।"* [14]परन्तु उ सबइ जउन ओहमाँ बिसवास नाहीं करतेन, ओकर नाउँ कइसे पुकरिहीं? अउर उ पचे जउन ओकरे बारे मँ सुनेन नाहीं, ओहे मँ बिसवास कइसे कइ पइहीं? अउर फिन भला जब तलक केऊ ओनका उपदेस देइवाला न होइ, उ पचे कइसे सुन सकिहीं? [15]अउ उपदेसक तब तलक उपदेस कइसे दइ पइहीं? जब तलक ओनका भेजा न गवा होइ? जइसेन कि पवित्तर सास्तर मँ कहा बा, "सुसमाचार लियावइ वालन क चरण केतना सुन्दर बाटेन।"*

[16]परन्तु सब सुसमाचार क स्वीकार करेन नाहीं। यसायाह कहत ह, "पर्भू हमरे उपदेस क कउन स्वीकार किहेस?"* [17]तउ सुसमाचार क सुनइ स बिसवास उपजत ह अउर सुसमाचार तब सुना जात ह जब केऊँ मसीह क बारे मँ उपदेस देत ह।

[18]परन्तु मइँ कहत हउँ, "का उ पचे हमरे सुसमाचार क नाहीं सुनेन?" हाँ निस्चय ही। पवित्तर सास्तर कहत ह:

"ओनकर स्वर समूचा धरती पे फइल गवा अउर
ओनकर बचन जगत क एक छोर स दुसरे
छोर तलक पहुँचेन।"

भजन संहिता 19:4

[19]परन्तु मइँ पूछित हउँ कि, "का इस्राएली नाहीं समझत रहेन?" मूसा कहत ह:

"पहिले मइँ तू लोगन क मन मँ अइसेन लोगन
क दूवारा जउन सही मँ कउनउ जाति नाहीं
अहइ, डाह पैदा करब। मइँ उ राष्ट्र, जो समझत
नाहीं, तोहे किरोध दियाउब।"

व्यवस्था विवरण 32:21

[20]फिन यसायाह साहस क साथ कहत ह:

"मोका ओन्हन सब पाइ लिहेन जउन मोका
नाहीं खोजत रहेन। मइँ ओनके बरे परगट होइ
गएउँ। जउन मोर खोज खबर मँ नाहीं रहेन।"

यसायाह 65:1

[21]परन्तु परमेस्सर इस्राएलियन क बारे मँ कहत रहा, "मइँ सब दिना आज्ञा न मानइवालन अउर अपने बिरोधियन क आगे हाथ फइलाए रहेउँ।"*

परमेस्सर अपने लोगन क नाहीं भूला

11 तउ मइँ पूछित हउँ, "का परमेस्सर अपने ही लोगन क नकार नाहीं दिहेस?" निस्चय ही नाहीं। काहेकि मइँ भी एक इस्राएली हउँ, इब्राहीम क बंस स अउर बिन्यामीन क परिवार स हउँ। [2]परमेस्सर अपने लोगन क नाहीं नकारेस जेनका उ पहिलेन स ही चुने रहा। या अउर का तू नाहीं जानत अहा कि एलिय्याह क बारे मँ पवित्तर सास्तर का कहत ह। जब एलिय्याह परमेस्सर स इस्राएल क लोगन क विरोध मँ पराथना करत रहा? [3]"हे पर्भू, उ पचे नबियन क मार डाएन। तोहरे वेदियन क तोड़ी क गिराइ दिहेन। केवल एक नबी मइँ ही बचा हउँ अउर उ पचे मोका भी मारि डावइ क जतन करत अहइँ।"*

[4]परन्तु तब परमेस्सर ओन्हे कइसेन उत्तर दिहे रहा, "मइँ अपने बरे 7,000 लोग बचाइ रखे हउँ जउन लोग बाल क आगे माथा नाहीं टेकेन।"* [5]तउन वइसेन ही आजु काल्हिऊ कछू अइसेन लोग बचा बाटेन जउन ओनके अनुग्रह क कारण चुना भआ अहइँ। [6]अउर अगर इ परमेस्सर क अनुग्रह क परिणाम अहइ तउ लोग जउन करम करत हीं, इ ओन्हन करमन क परिणाम नाहीं बा। नाहीं तउ परमेस्सर क अनुग्रह, अनुग्रह ही नाहीं ठहरत।

[7]तउ ऐहसे का? इस्राएल क लोग जेका खोजत रहन, उ सबइ ओका नाहीं पाइ सकेन। परन्तु चुना हुवन क उ मिलि गवा। जब कि बाकी सब क जड़ बनाइ दीन्ह गवा।

[8]पवित्तर सास्तरन कहत ह:

"परमेस्सर तउ ओन्हे एक चेतना सून्य कइ दिहेस
आतिमा प्रदान किहेस।"

यसायाह 29:10

"अइसेन आँखी दिहेस जउन देखि नाहीं सकत
रहिन अउ अइसेन कान दिहेस जउन सुन

"जउन ... पड़ी" यसा 28:16

"हर ... पइही" योए 2:32

"सुसमाचार ... बाटेन" यसा 52:7

"पर्भू ... किहेस" यसा 53:1

"मइँ ... रहेउँ" यसा 65:2

"हे पर्भू ... अहइँ" 1राजा 19:10,14

"मइँ ... नाहीं टेकेन" 1राजा 19:18

नाहीं सकत रहेन। अउर इहइ दसा ठीक आजु
तलक बनी भई बा।"

व्यवस्था विवरण 29:4

[9]दाऊद कहत ह:

"अपनेन भोगन मँ फंसके उ बन्दी बन जाइँ
ओनकर पतन होइ अउ ओनका दण्ड मिलइ।
10 ओनकर आँखी धुँधली होइ जाइँ ताकि उ
पचे देख न सकइँ अउ तू ओनकर सब
पीड़ा के तले,ओनकर करिहाउँ हमेसा-हमेसा
निहुराए रखइ।"

भजन संहिता 69:22-23

[11]तउ मइँ कहत हउँ का ओ पचे इही बरे ठोकर
खाइके उ सब भहराइके नस्ट होइ जाइँ? निस्चय ही
नाहीं। बल्कि ओनकर गलती करइ स ग़ैर यहूदियन क
छुटकारा मिला ताकि यहूदियन मँ स्पर्द्धा पैदा होइ। [12]इही
तरह अगर ओनकर गलती करइ क मतलब समूचइ
संसार क बड़ा लाभ अहइ अउ अगर ओनके भटकइ स
गैर यहूदियन क लाभ अहइ तउ ओनकइ पूरी तरह स
संपूर्ण होए स बहुत कछू होइ।

[13]इ अब मइँ तोहसे कहत हउँ, जउन यहूदियन नाहीं
होइँ काहेकि मइँ विसेस रूप स गैर यहूदियन क बरे
प्रेरित हउँ, मइँ अपने काम क बरे पूरा प्रयत्नसील हउँ।
[14]एह आसा स कि मइँ अपने लोगन मँ भी स्पर्द्धा जगाइ
सकउँ अउ ओहमाँ स कछू क उद्धार करउँ। [15]काहेकि
अगर परमेस्सर क द्वारा ओनके नकार दिहे जाइ स
जगत मँ परमेस्सर क साथे मेलमिलाप पैदा होत ह तउ
फिन ओनकर अपनावा जाब का मरा हुवन मँ स जियावा
जाब न होइ?

[16]अगर हमरी भेंट का एक पहला हिस्सा पवित्तर
बा तउ का उ समूचइ पवित्तर नाहीं बा? अगर पेड़ का
जड़ पवित्तर बा तउ ओकर सबइ साखा भी पवित्तर
बाटिन।

[17]परन्तु अगर कछू साखा तोड़िके फेंक दीन्ह गइन
अउ तू जउन एक जंगली जैतून क टहनी अहा ओह पे
पेबन्द चढ़ाइ दीन्ह जाइ अउ उ जैतून क अच्छा पेड़ का
खुराक अउर आधार क हिस्सा बाँटइ लगइ। तू सबइ गैर
यहूदियन जंगली साखा क तरह अहा अउर तू पचे पहिले
पेड़ (यहूदी) क खुराक अउर जीवन बाँटत अहा। [18]तउ
तोहे ओन्हिन टहनियन क आगे, जउन तोड़ी क फेंक
दीन्ह गइन, अभिमान न करइ चाही। अउर अगर तू
अभिमान करत ह तउ इ याद रखा इ तू नाहीं अहा जे
जड़न क पालत बा, बल्कि इ तउ उ जड़ ही अहइ जउन
तोहे पालत बाटइ। [19]अब तू कहब्या, "हाँ परन्तु सबइ
साखा एह बरे तोड़ी गई कि मोर पेबन्द चढ़इ।" [20]इ सत्य
अहइ, उ सबइ अपने अबिसवास क कारण तोड़िके
फेंक गइन परन्तु तू अपने बिसवास क बल पे आपन
जगह टिका रह्या। इही बरे एकर गर्ब न करा बल्कि
डेरात रहा। [21]अगर परमेस्सर प्राकृतिक डारन नाहीं
रहइ दिहेस तउ उ तोहका भी न रहइ देइ।

[22]इही बरे तू परमेस्सर क कोमलता क देखा, अउर
ओकरे कठोरता प धियान द्या। इ कठोरता ओनके बरे
बा जउन गिर गएन परन्तु ओकर करुणा तोहरे बरे बा
अगर तू अपने पे ओकर अनुग्रह बना रहइ द्या। नाहीं
तउ पेंड़े स तुहऊँ काटिके फेंका जाब्या। [23]अउर अगर
उ पचे अपने अबिसवास मँ नाहीं रहेन तउ ओनहूँ फिन
पेड़ स जोड़ लीन्ह जाइ काहेकि परमेस्सर समर्थ अहइ
कि ओनका फिन स जोड़ देइ। [24]जब तोहे प्राकृतिक रूप
स जंगली जैतून क पेड़े स एक साखा क तरह कटके
प्रकृति क विरुद्ध एक अच्छा जैतून क पेड़े स जोड़ दीन्ह
गवा, तउ इ जउन ओह पेड़े क अपना डारिन बाटिन,
अपनेन ही पेड़ मँ आसानी स, फिन स काहे नाहीं जोड़
दीन्ह जा इहीं।

[25]भाइयो तथा बहिनियो, मइँ तोहे इ छुपा हुआ सत्य
स अंजान नाही रखइ चाहित। कि तू अपने आप क
बुद्धिमान समझइ लागा। कि इस्राएल क कछू लोग अइसेन
ही कठोर बनाइ दीन्ह गवा बाटेन। अउर अइसेनइ ही
कठोर बना रइहीं जब तलक कि काफी गैर यहूदी लोग
परमेस्सर क परिवार क अंग नाहीं बन जातेन। [26]अउर
एह तरह समूचा इस्राएल क उद्धार होइ जइसेन कि
पवित्तर सास्तरन कहत ह:

"उद्धारकर्ता सिय्योन स आइ। उ याकूब क
परिवार स सबहिंन बुराइयन क दूर करी।
27 मोर इ करार ओकरे साथे तब होइ जब मइँ
ओनके पापन के हर लेब।"

यसायाह 59:20-21; 27:9

[28]जहाँ तलक सुसमाचार क सम्बन्ध बा, उ तोहरे
हिते मँ परमेस्सर क सत्रु अहइँ। परन्तु जहाँ तलक
परमेस्सर क जरिये ओनके चुना जाइ क सम्बन्ध अहइ,
उ पचे ओनके पूर्वजन क दिए भए बचन क अनुसार
परमेस्सर क पियारा अहइँ। [29]काहेकि परमेस्सर जेका
बोलावत ह अउर जेका उ देत ह, ओकरे तरफ़ स
आपन मन कभउँ नाहीं बदलत। [30]काहेकि जइसेन तू
लोग पहिले कभउँ परमेस्सर क आज्ञा नाहीं मानत रह्या
परन्तु अब तोहे ओकर अवज्ञा क कारण परमेस्सर क
द्या मिली बा। [31]वइसेन ही अब उ पचे ओकर आज्ञा
नाहीं मानतेन काहेकि परमेस्सर क दया तोहे पे बा ताकि
अब ओन्हे भी परमेस्सर क दया मिलइ। [32]काहेकि
परमेस्सर सब जने के अवज्ञा क कारागार मँ इही बरे
डारि रखे अहइ कि उ ओन सब पर दया देखॉय सकइ।

परमेस्सर धन्य अहइ

[33]परमेस्सर क करुणा, बुद्धि अउर ज्ञान केतॅना
अपरम्पार अहइ। ओकरे निआव केतॅना गहन बा, ओकर
रस्ता केतना गूढ़ बा। [34]पवित्तर सास्तर कहत ह:

"पर्भू क मने क कउन जानत ह? अउर ओका
सलाह देइवाला कउन होइ सकत ह?"
यसायाह 40:13

[35]"परमेस्सर क केऊ का दिहे अहइ कि उ
कउनो क ओकरे बदले कछू देइ।"
अय्यूब 41:11

[36]काहेकि सब क रचनावाला उहइ बा। उही स सब
स्थिर बाटेन अउर उ उही क बरे बा। ओकर हमेसा
महिमा होइ। आमीन।

आपन जीवन पर्भू क अरपन करा

12 इही बरे भाइयो तथा बहिनियो, परमेस्सर क दया
क याद देवाइके मइँ तोहसे आग्रह करत हउँ कि
अपने जीवन क एक ठु जिन्दा बलिदान क रूप मँ
परमेस्सर को प्रसन्न करत भए अर्पित कइ दया। इ
तोहार आत्मिक आराधना अहइ जेसे तू सबन क ओका
चुकावइ क होइ। [2]अब अउर आगे इ दुनिया क रीति पे
जिन चला बल्कि अपने मने क नवा कइके अपने आप
क बदल डावा ताकि तू सबन क पता चलि जाइ कि
परमेस्सर तू पचन क बरे का चाहत ह। यानि जउन
उत्तिम बा, जे ओका भावत ह अउर जउन सम्पूर्ण बा।
[3]इही बरे ओकरे अनुग्रह क कारण जउन उपहार
उ मोका दिहे अहइ, ओका धियान मँ रखत हुए मइँ
तोहमें स हर एक स कहत हउँ, अपने क जइसेन यथा
उचित समझा मतलब जेतना बिसवास उ तोहे दिहे अहइ,
उही क अनुसार अपने को समझइ चाही। [4]काहेकि
जइसेन हम पचन मँ स हर एक क सरीर मँ बहुत स अंग
बाटेन। चाहे सब अंगन क काम एक जइसेन नाहीं बाटेन।
[5]हम अनेक अही परन्तु मसीह मँ हम एक देहे क रूप मँ
होइ जाइत ह। एह तरह हर एक अंग हर दुसरे अंग स
जुड़ जात ह। [6]तउ फिन ओकरे अनुग्रह क अनुसार
हमका जउन अलग-अलग उपहार मिला बाटेन, हम
ओनकर प्रयोग करी। अगर कउनो क भविस्सबाणी क
छमता दीन्ह गइ तो ओहका इस्तेमाल कइ देइ, ओकरे
बिसवास क आधार पर। [7]अगर कउनो क सेवा करइ
क उपहार मिला बा तउ अपने आप क सेवा क बरे
अर्पित करइ, अगर कउनो क उपदेस का उपहार मिला
बा तउ ओका उपदेस क प्रचार मँ लगावइ चाही। [8]अगर
केऊ सलाह देइ क अहइ तउ ओका सलाह देइ चाही।
अगर कउनो क दान देइ क उपहार मिला बा तउ
ओका मुक्त भाउ स दान देइ चाही। अगर कउनो क
अगुआई करइ क उपहार मिलत ह तउ लोगन क साथ
अगुआई करइ। जेका दया देखावइ क मिली बा, उ खुसी
स दया करइ।
[9]तोहार पिरेम सच्चा होइ। बदी स घिना करा। नेकी
स जुड़ा। [10]भाइचारे क साथ एक दूसरे क बरे समर्पित
रहा। आपस मँ एक दुसरे क आदर क साथे अपने स
जियादा महत्व द्या। [11]उत्साही बना, आलसी नाहीं, आतिमा
क तेज स चमका। पर्भू क सेवा करा। [12]अपने आसा मँ
खुस रहा। विपत्ति मँ धीरज धरा। निरन्तर पराथना करत
रहा। [13]परमेस्सर क जनन क जरूरतन मँ हाथ बटावा।
अतिथि सत्कार क अउसर ढूँढ़त रहा।
[14]जउन तू सबन क सतावत होइँ ओन्हे आसीर्बाद
द्या। ओन्हे साप न द्या, आसीर्बाद द्या। [15]जउन खुस
अहइँ ओनके साथे खुस रहा। जउन दुखी अहइँ, ओनके
दुखे मँ दुखी ह्वा। [16]मेल मिलाप स रहा। अभिमान न
करा बल्कि दीनन क संगत करा। अपने क बुद्धिमान न
समझा।
[17]बुराइ क बदला बुराइ स कउनो क न द्या। सभन
लोगन क आँखी मँ जउन अच्छा होइ उही क करइके
सोचा। [18]जहाँ तक तोहसे बन पड़इ सब मनइयन क साथे
सान्ति स रहा। [19]कउनो स अपने आप बदला न ल्या।
पियारे बन्धुओ, बल्कि एका परमेस्सर क किरोध पे
छोड़ द्या काहेकि सास्तर मँ लिखा बा: "पर्भू कहेस ह
बदला लेब मोर काम बा। प्रतिदान मइँ देबइ।"* [20]"बल्कि
तू अगर तोहर दुस्मन भूखा बा तउ ओका भोजन करावा,
अगर उ पियासा अहइ तउ ओका पीअइके द्या। काहेकि
अगर तू अइसेन करत ह तउ उ तोहसे सर्मिन्दा होई।"*
[21]बदी स न हारा बल्कि अपने नेकी स बदी क हराइ
द्या।

13 हर मनई क प्रधान सत्ता क अधीनता अंगीकार
करइ चाही। काहेकि सासन क अधिकार
परमेस्सर कइँती स बा। अउर जउन अधिकार मौजूद बा
ओन्हे परमेस्सर नियत किहे बा। [2]इही बरे जउन सत्ता क
विरोध करत हीं, उ परमेस्सर क आज्ञा क विरोध करत
ह अउर जउन परमेस्सर क आज्ञा क विरोध करत हीं,
उ दण्ड पइहीं। [3]अब देखा कउनउ सासक, उ मनई क,
जउन नेकी करत हीं, नाहीं डेरातेन बल्कि उही क
डेरावत हीं, जउन खराब काम करत हीं। अगर तू सासन
स नाहीं डेराइ चाहत ह, तउ भला काम करत रहा। तोहे
सत्ता क प्रसंसा मिली। [4]जउन सासन मँ अहइँ उ परमेस्सर
क सेवक अहइँ उ तोहर भला करइ बरे बा। परन्तु
अगर तू खराब करत ह तउ ओहसे डेरा काहे? काहेकि
ओकर तलवार बेकार नाहीं बाटइ। उ परमेस्सर का

"पर्भू ... देबइ" व्यवस्था 32:35

"बल्कि ... होई" नीति 25:21-22

सेवक अहइ अउर जो गलत करत ह, वह परमेस्सर क क्रोध लिआवत ह। [5]इही बरे समर्पण जरूरी बा। न केवल डर क कारण बल्कि तोहरे अपने चेतना क कारण।

[6]इही बरे त तू पचे चुंगी (टॅक्स) चुकावत ह काहेकि अधिकारी परमेस्सर क सेवक बाटेन जउन अपने कत्तर्व्यन क ही पूरा करइ मँ लगा रहत हीं। [7]जेह कउनो क तोहका देइ क बा, ओका चुकाइ द्या। जउन कर तोहका देइ क बा, ओका द्या जेकर चुंगी (टॅक्स) तोहपे निकरत ह, ओका चुंगी द्या। जेहसे तोहे डेराइ चाही, तू ओसे डेरा। जेकर आदर करइ चाही ओकर आदर करा।

पिरेम इ व्यवस्था अहइ

[8]आपसी पिरेम क अलावा कउनो क ऋण अपने उप्पर न रखा काहेकि जउन अपने साथियन स पिरेम करत ह, उ एह तरह व्यवस्था क पूरी आज्ञा क मानत ह। [9]मइँ इ एह बरे कहत हउँ काहेकि, "व्यभिचार न करा, हतिया न करा, चोरी न करा, लालच न रखा।"* अउ जउनउ दूसरी व्यवस्था होइ सकत ह, इ बचन मँ समाइ जात ह कि, "तोहे अपने साथी क अइसेन ही पियार करइ चाही, जइसेन तू अपने आप क करत ह।"*

[10]पिरेम अपने साथी क बुरा कभउँ नाहीं करत। इही बरे पिरेम करब व्यवस्था क पूरा करब बा।

[11]इ सब कछू त एह बरे करा कि जइसेन समइ मँ तू रहत ह, ओका जानत अहा। तू जानत अहा कि तोहरे बरे संकट का समइ अहइ अपने नींद स जगावइ क समइ आइ पहुँचा बा, उ समय क तुलना मँ जब हम पहले बिसवास धारण किहे रहेन तउ हमार उद्‌धार अब ओसे जियादा लगे बा।

[12]"रात" लगभग पूरी होइ चुकी बा, "दिन" लगे ही बा, इही बरे आवा हम ओन्हन करमन स छुटकारा पाइ लेइ जउन अन्धकार क अहइँ। आवा हम प्रकास क अस्त्रन क धारण करी। [13]आवा हम वइसेन ही अच्छे रीति स रही जइसेन दिन क समइ दिन रहत ह। बहुत जियादा बेमार क दावत मँ न जात भए खाइ पीइके बुत्त न होइ जा। लुच्चापना दुराचार व्यभिचार मँ न पड़ा। न झगड़ा अउर न ही डाह रखा। [14]बल्कि पर्भू ईसू मसीह क धारण करा। अउर आपन भौतिक मनई सुभाउ क सबइ इच्छा क पूरा करइ मँ ही न लगा रहा।

दुसरन मँ दोस न निकारा

14 जेकर बिसवास कमजोर बा, ओकर भी स्वागत करा परन्तु वाद विवाद करइके बरे नाहीं। [2]केउ मानत ह कि उ सब कछू खाइ सकत ह, परन्तु कउनउ कमजोर मनई बस साग-पात इ खात ह। [3]जउन हर तरह का खाना खात ह, ओका उ मनइयन क हीन न समझइ चाही जउन कछू चीज नाहीं खातेन अइसेन ही वह जो कछू वस्तुअन नाहीं खात ह, ओका सब कछू खाइवाले क बुरा नाहीं कहइ चाही। काहेकि परमेस्सर उस मनई को स्वीकार कइ लिहे बा।। [4]तू कउनो दूसरे घरे क दास प दोस लगावइ वाला कउन होत ह्या? ओकर अनुमोदन या ओका अनुचित ठहरावइ स्वामी पे उ निर्भर करत ह। उ अवलम्बित रही। काहेकि ओका पर्भू तउ अवलम्बित होइके टिका रहइ क सक्ति दिहेस।

[5]अउर फिन कउनउ कीहीउ एक दिन क सब दिना स अच्छा मानत हीं अउर दुसर ओका सब दिनन क बराबर मानत हीं तउ हर कउनो क पूरी तरह अपनी दृढ़ धारणा पर निस्चित रहइ चाही। [6]जउन कउनो उ विसेख दिन क मानत हीं उ ओका पर्भू क आदर देइ क बरे ही मानत ह। अउर जे सब कछू खात ह उहउ पर्भू क आदर देइ क बरे ही खात ह। काहेकि परमेस्सर क धन्यबाद करत ह। अउर जे कीहीउ चीजन क नाहीं खात, उहउ अइसेन इही बरे नाहीं करत ह काहेकि उहउ पर्भू क ही आदर देइ चाहत ह। उ भी परमेस्सर क ही धन्यबाद देत ह। [7]हम पचन मँ स कउनउ भी न तउ अपने बरे जिअत ह, अउर न अपने बरे मरत ह। [8]हम जिअत ह तउ पर्भू क बरे अउर अगर मरित ह तउ पर्भू क बरे। तउन चाहे हम जिई चाहे मरी, हम हई तउ पर्भू क ही।

[9]इही बरे मसीह मरा, अउर इही बरे जी उठा ताकि उ, उ जउन अब मरि चुका अहइ, अउर जउन जीवित अहइ दुइनउँ क पर्भू होइ सकइ। [10]तउन तू अपने बिसवास मँ टिका भवा अपने भाइ पे दोस काहे लगावत ह? या तू अपने बिसवास मँ कमजोर भाई क हीन काहे मानत ह? हम सभन क परमेस्सर क नियाउ क सिंहासन क आगे होइ क बा। [11]पवित्तर सास्तरन मँ लिखा बा:

> "पर्भू कहे बा, मोरे जीवन क कसम हर कीहीउ
> क मोरे सामने घुटना टेकइ होई। अउर हर
> जुबान परमेस्सर क पहिचानी।"
>
> *यसायाह 45:23*

[12]तउन हममे स हर एक क परमेस्सर क आगे आपन लेखा-जोखा देइ क होई।

पाप क बरे प्रेरित न करा

[13]तउन हम आपस मँ दोख लगाउब बन्द करी अउर इ निस्चय करी कि अपने भाई क रस्ता मँ हम कउनउ अड़चन खड़ी न करबइ अउर न ही ओका पाप क बरे उकसउबइ। [14]पर्भू ईसू मँ आस्थावान होइके कारण मइँ मानत हउँ कि अपने आप मँ कउनउ खाना अपवित्तर

"व्यभिचार … रखा" निर्ग 20:13-15,17

"तोहे … करत ह" लैव्य 19:18

नाहीं बा। उ केवल ऊही क बरे अपवित्तर बा, जे ओका अपवित्तर मानत ह। ओकरे बरे ओकर खाब अनुचित बा। 15अगर तोहर भाई क तोहरे खाना स ठेस पहुँचत ह तउ तू सहीयउ मँ पियार क व्यउहार नाहीं करत अहा। तउ तू अपने खाना स ओका ठेस न पहुँचावा काहेकि मसीह उ तलक क बरे उ आपन प्रान तजेस। 16तउन जउन तोहरे बरे अच्छा बा ओका दूसरे लोगन द्वारा निन्दनीय ना बनइ द्या। 17काहेकि परमेस्सर क राज्य बस खाब–पीयब नाहीं बा, पर धार्मिकता, सान्ति अउर पवित्तर आतिमा स मिला आनन्द मँ बा। 18जउन मसीह क एह तरह सेवा करत ह, ओसे परमेस्सर खुस रहत हीं अउर लोग ओका स्वीकार करिहीं।

19एह बरे हम पचे ओन्हन बातन मँ लगा रही जउन सान्ति क बढ़ावत ह अउर जेहसे एक दूसरे क आत्मिक बढ़ोत्तरी मँ सहायता मिलत ह। 20खाना बरे परमेस्सर क काम क न बिगाड़ा। हर तरह क भोजन पवित्तर अहइ किन्तु कउनो भी व्यक्ति क बरे कछू भी खाना ठीक नाहीं अहइ जउन कउनो अउर भाई क पाप क रास्ते पर लइ जाइ। 21मांस नाहीं खाब अच्छा बा, दाखरस नाहीं पिअब अच्छा बा अउर कछू अइसेन नाहीं करब अच्छा बा जउन तोहरे भाई को पाप मँ ढकेरत ह।

22अपने बिसवास क परमेस्सर अउर अपने बीच मँ ही रखा। उ धन्य अहइ जे जउन उही करत ह, जेका उ उचित समझत ह बिना अपने का दोसी समझत भए। 23परन्तु अगर केउ अइसेन चीजी क खात ह, जेकरे खाइ क बरे उ आस्वस्त नाहीं अहइ तउ उ दोसी ठहरत ह। काहेकि ओकर खाब ओनके बिसवास क अनुसार नाहीं बा अउर उ सब कछू जउन बिसवास पे नाहीं टिका बा, पाप अहइ।

15 हम जउन आत्मिक रूप स सक्तिसाली अही, ओन्हे ओनकर कमजोरी सहइ चाही जउन सक्तिसाली नाहीं अहइँ। हम बस अपने आपके उ खुस ना करी। 2हम पचन मँ स हर एक, दूसरे क अच्छाइयन क बरे इ भावना क साथे कि ओनके समुदाय क आत्मिक बढ़ोत्तरी होइ, ओन्हे खुस करी। 3इहाँ तक कि मसीह तउ खुद क खुस नाहीं किहे रहा। बल्कि जइसेन कि मसीह क बारे मँ पवित्तर सास्तरन कहत ह, "ओनकर अपमान जे तोहर अपमान किहे अहइँ, मोह पइ आइ पड़ा बा।"* 4सब उ बात जउन पवित्तर सास्तरन मँ पहिले लिखी गइ रहिन, हमका उपदेस देइ क बरे रहिन ताकि जउन धीरज अउ बढ़ावा सास्तरन स मिलत ह, हम ओसे आसा पाइ सकी। 5अउर समूचा धीरज अउर बढ़ावा क स्रोत परमेस्सर तोहे बरदान देइ कि तू पचे एक दूसरे क साथे ईसू मसीह क इच्छा पे चलत-चलत आपस मँ मिलि-जुलिके क रहा। 6ताकि तू सब एक साथे मँ एक सुर स हमरे पर्भू ईसू मसीह क परमपिता, परमेस्सर क महिमा प्रदान करा। 7इही बरे एक दूसरे क अपनावा जइसे तोहे मसीह अपनाएस। इ परमेस्सर क महिमा क बरे करा। 8मइँ तोहे लोगन क बतावत अही कि इ परगट करइ कि परमेस्सर बिसवासनीय बा ओकरे पूर्वजन क दीन्ह गवा परमेस्सर क बचन क मज़बूत करइ क मसीह यहूदियन क सेवक बना। 9ताकि गैर यहूदियन उ परमेस्सर क ओकरी दया बरे महिमा प्रदान करइँ। पवित्तर सास्तरन कहत ह:

> "इही बरे मइँ गैर यहूदियन क बीच तोहे
> पहिचनबइ अउर तोहरे नाउँ क स्तुति
> गाउबइ।"
>
> *भजन संहिता 18:49*

10 अउर फिन पवित्तर सास्तर इहउ कहत ह,
"गैर यहूदियन परमेस्सर क लोगन क साथे
खुस रहा।"

व्यवस्था विवरण 32:43

11 अउर फिन पवित्तर सास्तर इहउ कहत ह,
"गैर यहूदियन, तू पर्भू क स्तुति करा। अउर
सभन लोगन परमेस्सर क स्तुति करा।"

भजन संहिता 117:1

12 अउर फिन यसायाह भी कहत ह, "यिसै क
एक बंसज परगट होई जउन गैर यहूदियन क
सासक क रूप मँ उभरी! गैर यहूदी ओहपे
आपन आसा लगइहीं।"

यसायाह 11:10

13सभन आसा का दाता परमेस्सर, तोहे पूरा आनन्द अउर सान्ति स भरि देइ। जइसेन कि ओहमे तोहार बिसवास बा। ताकि पवित्तर आतिमा क सक्ति स तू आसा स भरपूर होइ जा।

पौलुस द्वारा अपने पत्र अउर कारज क चर्चा

14मोरे भाइयो तथा बहिनियो, मोका खुदइ तोह पे भरोसा बा कि तू नेकी स भरा अहा अउर ज्ञान स परिपूर्ण अहा। तू एक दूसरे क उपदेस दइ सकत ह। 15परन्तु तोहे फिन स याद देवावइ क बरे मइँ कछू विषय क बारे मँ साफ साफ लिखे हउँ। मइँ परमेस्सर क जउन अनुग्रह पाएउँ ह, ओकरे कारण इ किहेउँ ह। 16काहेकि मइँ गैर यहूदियन क बरे मसीह ईसू क सेवक बनिके परमेस्सर क सुसमाचार क उपदेस क याजक क रूप मँ काम करउँ ताकि गैर यहूदियन परमेस्सर क आगे स्वीकार करइ योग्य भेंट बन सकइँ अउर पवित्तर

"ओनकर ... पड़ा बा" भजन 69:9

आतिमा क द्वारा परमेस्सर क बरे पूरी तरह पवित्तर
बनइँ।
17तउन मसीह ईसू मँ एक मनई क रूप मँ परमेस्सर
क बरे आपन सेवा क मोका गर्व बा। 18काहेकि मइँ बस
ओन्हीन बातन क कहइ क साहस रखित ह जेका मसीह
तउ गैर यहूदियन क परमेस्सर क आज्ञा मानइ क रस्ता
देखावइ क काम मोर बचनन, मोर कामन, 19अचरज
अउ अद्भुत कारजन क सक्ति अउर परमेस्सर क
आतिमा क सामर्थ स, मोरे जरिये पूरा कीन्ह गवा। तउन
यरूसलेम स लइके इल्लुरिकुम क चारउ ओर मसीह
क सुसमाचार क उपदेस क काम मइँ पूरा किहेउँ।
20मोरे मने मँ हमेसा इ अभिलासा रही बा कि मइँ सुसमाचार
क उपदेस उहाँ देउँ जहाँ क लोग मसीह क नाम नाहीं
जानतेन, ताकि मइँ कउनो दूसरे मनई क नींव पे निर्माण
न करउँ।
21परन्तु पवित्तर सास्तरन कहत ह:

"जेनका ओनके बारे मँ नाहीं बतावा गवा बा, उ
पचे देखिहीं। अउर जे सुने तलक नाहीं बा, उ
पचे समझिहीं।"

यसायाह 52:15

पौलुस क रोम जाइ क योजना

22मोर इ सबइ कर्त्तव्य मोका तोहरे पास आबइ स
बार बार रोकत रहेन।
23परन्तु काहेकि अब इस प्रदेसन मँ कउनउ स्थान
नाहीं बचा बा अउ बहुत बरसन स मइँ तोहसे मिलइ का
उत्कंठित हउँ। 24तउन मइँ जब स्पेन जाब तउ आसा
करत हउँ तोहसे मिलबइ। मोका उम्मीद बा कि स्पेन
जात तोहसे भेंट होई। तोहरे साथे कछू दिन ठहरइ क
आनन्द लेइ क बाद मोका आसा बा कि उहाँ क जात्रा
क बरे मोका तोहार मदद मिली। 25परन्तु अब मइँ परमेस्सर
क पवित्तर लोगन क सेवा मँ यरुसलेम जात हउँ। 26काहेकि
मैसीडोनिया अउ अखया क कलीसिया क लोगन यरुसलेम
मँ परमेस्सर क पवित्तर लोगन मँ स जउन दरिद्र अहइँ,
ओनके बरे कछू देइ क निस्चय किहे अहइ। 27हाँ,
ओनके बरे ओनकइ कर्तव्य इ बनत ह काहेकि अगर
गैर यहूदियन यरुसलेम क यहूदियन क आत्मिक कामन
मँ हिस्सा बाँटत हीं तउ गैर यहूदियन क भी ओनके बरे
भौतिक सुख जुटावइ चाही। 28तउन आपन इ काम पूरा
कइके अउर इकट्ठा कीन्ह गवा इ धने क सुरच्छा क
साथे ओनके हाथे सौंपी क मइँ स्पेन जाब, अउर रस्ते मँ
तोहसे मिलब। 29अउर मइँ जानित ह कि जब मइँ तोहरे
लगे अउबइ तउ तोहरे बरे मसीह क पूरा आसीर्वादन
समेत अउबइ।
30भाइयो तथा बहिनियो, तोहमाँ स मइँ पर्भू ईसू मसीह
कइँती स आतिमा स जउन पिरेम हम पाइत ह, ओकर
साच्छी दइ क पराथना करित ह कि तू मोरे कइँती स
परमेस्सर क बरे सच्ची पराथना मँ मोर साथे रहब्या।
31कि मइँ यहूदिया मँ अबिसबासियन स बचा रहउँ। अउ
यरुसलेम क बरे मोरी सेवा क परमेस्सर क पवित्तर
लोग स्वीकार करइँ। 32ताकि परमेस्सर क इच्छा क
अनुसार मइँ खुसी क साथ तोहरे लगे आइके तोहरे साथे
आराम करउँ। 33पूरी सान्ति क धाम परमेस्सर तोहरे
साथे रहइ। आमीन।

रोम क मसीहियन क पौलुस क संदेस

16 मइँ किंख्रिया क कलीसिया क बिसेख सेविका
हमार बहिन फीबे क तोहसे सिफारिस करत हउँ
2कि तू ओका पर्भू मँ अइसेन रीति स ग्रहण करा जइसेन
रीति परमेस्सर क लोगन क बरे उचित बा। ओसे तोहसे
जउन कछू अपेच्छित होइ सब कछू स तू ओकर मदद
करा काहेकि उ मोरे समेत बहुतन कसहायक रही
अहइ।
3प्रिस्का अउर अक्विला क मोर नमस्कार। उ
मसीह ईसू मँ मोर सहकर्मी अहइ। 4उ पचे मोर प्रान
बचावइ बरे अपने जीवन क भी दाँव पे लगाइ दिहे
रहेन। न केवल मइँ ओनकर धन्यबाद करत हउँ बल्कि
गैर यहूदियन क सभन कलीसिया भी ओनकर धन्यबादी
अहइँ। 5उ कलीसिया क भी मोर नमस्कार जउन ओनके
घरे मँ इकठ्ठा होत ह।
मोर पिआरा दोस्त इपैनितुस क मोर नमस्कार जउन
एसिया मँ मसीह क अपनावइ वालन मँ पहिला बा।
6मरियम क, जे तोहार बहुत महत्वपूर्ण कार्यका अहइ,
नमस्कार।
7मोर कुटुम्बी अन्द्रनीकुस अउर यूनियास क, जउन
मोरे साथे कारागार मँ रहेन, अउर जउन प्रमुख
धर्मप्रचारकन अउर जउन मोसे भी पहले मसीह मँ रहेन
मोर नमस्कार। 8पर्भू मँ मोरे पिआरा दोस्त अम्पलियातुस
क नमस्कार। 9मसीह मँ मोरे कार्यकर्ता उरबानुस अउर
मोरे पिआरा दोस्त इस्तखुस क नमस्कार। 10मसीह मँ
खरे अउ सच्चा अपिल्लेस क नमस्कार। अरिस्तुबुलुस
क परिवार क नमस्कार। 11यहूदी साथी हेरोदियोन क
नमस्कार। नरकिस्सुस क परिवार क लोगन क नमस्कार
जउन पर्भू मँ अहइँ। 12त्रुफेना अउर त्रुफोसा क जउन
पर्भू मँ मेहनती कार्यकर्ता अहइँ, नमस्कार। मोर पियास
परसिस क, जे पर्भू मँ कठिन मेहनत किहे अहइ, मोर
नमस्कार। 13पर्भू क असाधारण सेवक रूफुस क अउ
ओनकी महतारी क, जउन मोर भी महतारी रही अहइ,
नमस्कार। 14असुंक्रितुस, फिलगोन, हिर्मेस, पत्रुबास,
हिर्मोस अउर ओनके साथी बन्धुवन जउन ओनके साथ
अहइँ क नमस्कार। 15फिलुलुगुस, यूलिया नेर्युस अउर
ओकर बहिन उलुम्पास अउर ओनके सभन साथी सन्तन
क नमस्कार। 16तू लोग पवित्तर चुंबन द्वारा एक दूसरे

क स्वागत करा। तोहे सभन मसीही कलीसियन कइँती
स नमस्कार।
17भाइयो तथा बहिनियो! मइँ तू पचन स पराथना
करत हउँ कि तू पचे जउन सिच्छा पाया ह, ओकरे
विपरीत तू सबन मँ जउन फूट डारत हीं अउर दूसर क
बिसवास क बिगाड़त हीं। ओनसे होसियार रहा, अउर
ओनसे दूर रहा। 18काहे कि इ लोग हमरे पर्भू ईसू मसीह
क नाहीं बल्कि अपने पेट क सेवा करत हीं। अउ
आपन खुसामद भरी चिकनी चुपड़ी बातन स भोला-भाले
लोगन क मन को छलत हीं। 19तोहार आज्ञाकरितइ क
चर्चा बाहर हर कीहीऊ तलक पहुँच चुकी बा। इही बरे
तोहसे मइँ बहुत खुस हउँ। परन्तु मइँ चाहित हउँ कि तू
नेकी के बरे बुद्धिमान बना रहा अउर बदी क बरे
अबोध रहा। 20सान्ति क स्रोत परमेस्सर जल्दी ही सइतान
क तोहरे गोड़न तले कुचर देइ। हमार पर्भू ईसू मसीह क
तोह पे अनुग्रह होइ।
21हमार साथी कार्यकर्ता तीमुथियुस अउ मोर यहूदी
साथी लूकियुस, यासोन अउर सोसिपत्रुस कइँती स तू
सबन क नमस्कार।
22इ पत्र क लेखक मोका तिरतियुस क पर्भू मँ तू
सबन क नमस्कार।
23मोर अउ समूची कलीसिया क आतिथ्य कर्ता
गयुस क तू पचन क नमस्कार। इरास्तुस जउन नगर क
ख़जांची अहइ अउ हमार बन्धु कबारतुस क तोहका
नमस्कार। 24*

परमेस्सर क महिमा

25ओकर महिमा होइ जउन तोहरे बिसवास क अनुसार
यानि ईसू मसीह क सुसमाचार क जउन सुसमाचार क
मइँ घोषित उपदेस देइत ह ओकरे अनुसार-तोहे सुदृढ़
बनावइ मँ समरथ अहइ। इ सुसमाचार उ गुप्त सत्य को
अभिव्यक्त करत ह जेहका परमेस्सर युगन स छिपाय
रखे रहा। 26परन्तु जेका अनन्त परमेस्सर क आदेस स
नबियन क लेखन द्वारा अब हमका अउ गैर यहूदियन
क परगट कइके बताइ दीन्ह गवा बा जेसे बिसवास स
पैदा होइवाली आज्ञाकारिता पैदा होइ। 27ईसू मसीह क
जरिये उ एक मात्र ज्ञानमय परमेस्सर क अनन्त काल
तलक महिमा होइ। आमीन!

पद 24 कछू यूनानी प्रतियन मँ पद 24 जोड़ी गइ अहइ:
"हमार पर्भू ईसू मसीह क अनुग्रह तू सबके साथे रहइ। आमीन!"

कुरिन्थियन क पहिली पत्र

1 हमार भाई सोस्थिनेस क साथे पौलुस क अउर जेका परमेस्सर आपन इच्छानुसार मसीह ईसू प्रेरित बनावइ बरे चुनेस।

2कुरिन्थुस मँ रही परमेस्सर क ओन्ह कलीसिया क नाउँ अहइ यानि ओन सबन का नाउँ, जउन मसीह ईसू मँ रही परमेस्सर क सेवा करइ बरे नेउछावर रहइ, जेका परमेस्सर पवित्तर मनइयन बनवइ बरे ओकरे साथेन चुनेस। जउन सब जगह पर्भू ईसू मसीह क नाउँ लेत रहत हीं।

3हमरे परमपिता कइँती स अउर हमरे पर्भू ईसू मसीह कइँती स तोहे सबन क अनुग्रह अउर सान्ति मिलइ।

पौलुस क परमेस्सर क धन्यबाद

4तोहे मसीह ईसू मँ जउन अनुग्रह कीहीं गइ बा, ओकरे बरे मइँ तोहरे कइँती स परमेस्सर क हमेसा धन्यबाद करत अहउँ। 5तोहरे पचन क ईसू मसीह मँ रहइ क कारण हर तरफ स अउर सब बानी अउर सब गियान स परपूर्ण किहा गवा बा। 6मसीह क बारे मँ हम जउन साच्छी दिहे अही उ तोहरे बीच मँ प्रमाणित भई बा। 7अउर एनही क कारण तोहरे लगे ओनके कउनउ इनाम क कमी नाहीं बा। तू हमरे पर्भू ईसू मसीह क परगट होइ बरे इन्तजार करत रहा। 8उ तोहे अन्त तक हमेसा मजबूत बनाए रही जेहसे जब ओहि दिन तोहमाँ कोई गलती न होइ, जब ईसू फिनि स आवइ। हमार पर्भू ईसू मसीह क दिनवा एकदम निहकलंक, खरा बनाए रखीन।

9परमेस्सर एकदम बिसवासी अहइ। ओनही क कारण तोहे हमरे पर्भू अउर ओकरे बेटवा ईसू मसीह क सत संगति बरे बुलावा गवा बा।

कुरिन्थियन क कलीसिया क समस्सिया

10भाइयो तथा बहिनियो, हमरे पर्भू ईसू मसीह क नाउँ मँ मोर तोह सवनस बिनती बा कि तू सभन मँ कउनउ मतभेद न होइ? तू सभे एक साथेन जुटा रहा, अउर तोहार चिन्तन अउर लच्छ एक्कई होइ। 11भाइयन तथा बहिनियन, मोका खलोए क घराने क लोगन स पता चला ह कि तोहरे पचन क बीच आपस क झगड़ा बा। 12मइँ इ कहत हउँ कि तोहमें स केऊ कहत ह, "मइँ पौलुस क हउँ" तउ केउ कहत ह, "मइँ अपुल्लोस क हउँ।" कीहीउ क मत अहइ, "उ पतरस क अहइ।" त केउ कहत ह, "उ मसीह क अहइ।" 13का मसीह बँटि गवा बाटेन? पौलुस तउ तोहरे बरे क्रूस पर नाहीं चढ़ा रह। का वो चढ़ा रहेन? तोहे पौलुस क नाउँ क बपतिस्मा तउ नाहीं दिहा गवा। बतावा का दीहा गवा? 14परमेस्सर क धन्यबाद बा कि मइँ तोहमा स क्रिसपुस अउर गयुस क छोड़िके कउनो अउर क बपतिस्मा नाहीं दिहा। 15ताकि कउनउ इ न कहि सकइ कि तू लोगन क हमरे नाउँ क बपतिस्मा दिहा गवा बा। 16(मइँ स्तिफनुस क परिवार कभी बपतिस्मा दिहे रउँ मुला जहाँ तलक बाकी क लोगन क बात बा, तउ मोका याद नाहीं कि मइँ कउनो ही अउर क कभउँ बपतिस्मा दिहे होउँ।) 17काहेकि मसीह हमका बपतिस्मा देइ क बरे नाहीं, बल्कि बानी क कउनउ तर्क–वितर्क तथा अलंकार क बिना सुसमाचार क प्रचार करइ क बरे पठए रहा ताकि मसीह क क्रूस अइसेन ही व्यर्थ न चला जाइ।

परमेस्सर क सक्ति अउर गियान-सरूप मसीह

18उ जउन भटकत हयेन, ओनके बरे क्रूस क संदेस एक निरी मूरखतइ अहइ। मुला जउन उद्धार पावत हयेन ओनके बरे उ परमेस्सर क सक्ति बा। 19पवित्तर सास्तरन मँ लिखा बा:

> "गियानियन क गियान क मइँ नस्ट कइ देबइ,
> अउर मइँ सब चतुरन क चतुरइ कुंठित करबइ।"
>
> *यसायाह 29:14*

20कहाँ अहइ गियानी मनई? कहाँ बा विद्वान? अउर एह युगे क सास्त्रार्थी कहाँ अहइ? का परमेस्सर संसारी क बुद्धिमानी क मूर्खता नाहीं सिद्ध किहेस? 21इही बरे काहेकि परमेस्सर गियान क जरिये इ संसार अपने बुद्धि बले स परमेस्सर क नाहीं पहिचान सका तउ हम सँदेस क कही भइ मूर्खता क प्रचार करत अही। 22यहूदियन लोग त अद्भुत चीन्हन क मांग करत हीं अउर गैर यहूदियन विवेक क खोज मँ अहइँ। 23मुला हम तउ बस क्रूस पर चढ़ावा गवा मसीह क ही उपदेस देइत अही। एक अइसेन उपदेस जउन यहूदियन क बरे विरोध क कारण अहइ अउर गैर यहूदियन क बरे निरी मूर्खता।

[24]मुला ओनके बरे जेनका परमेस्सर द्वारा बोलॉइ लिहा गवा बा, फिन चाहे ओ यहूदी होइँ या गैर यहूदी, इ उपदेस मसीह अहइ जउन परमेस्सर क सक्ती अहइ, अउर परमेस्सर क विवेक अहइ।

[25]काहेकि परमेस्सर क कही गइ "मूर्खता" मनइयन क गियान स कहूँ जियादा विवेकपूर्ण बा। अउर परमेस्सर क कही गइ "कमजोरी" मनइयन क सक्ती स कहूँ जियादा सच्छम बा।

[26]भाइयो तथा बहिनियो, अब तनिक सोचा कि जब परमेस्सर तउ तू बोलाये रहा तउ तोहमें स बहुत जनेन संसारिक दिस्टी स न तउ बुद्धिमान रहेन अउर न त सक्तिसाली। तोहमें स कइयउ क सामाजिकइ स्तर भी कउनउ ऊँचा नाहीं रहा। [27]बल्कि परमेस्सर तउ संसार मँ जउन कही गइ मूर्खतापूर्ण रहा, ओका चुनेस ताकि बुद्धिमान लोग लज्जित होइँ। परमेस्सर तउ संसार मँ कमजोरन क चुनेस ताकि जउन मज़बूत अहइँ, उ सबइ लज्जित होइँ।

[28]परमेस्सर संसार मँ स इन बातन क चुनेस जउन नीचे रहिन अउर जउन तुच्छ रहिन अउर जउन कछू नाहीं रहिन। परमेस्सर एनका चुनेस ताकि संसार जेका कछू समझत ह, ओका उ खराब कइ सकइ। [29]ताकि परमेस्सर क सामने कउनउ मनई अभिमान न कइ पावइ।

[30]मुला तू मसीह ईसू मँ उही क कारण स्थित ह्वा, उहइ परमेस्सर क बरदान क रूप मँ हमार बुद्धि बनिगइ अहइ। उही क जरिये हम निर्दोस ठहरावा गएन अउर हम परमेस्सर क समर्पित होइ सकी अउर हमका पापन स छुटकारा मिलि जाइ।

[31]जइसेन कि पवित्तर सास्तर मँ लिखा बा, "अगर कीहीउ क कउनउ घमण्ड करब बाटइ तउन उ पर्भू मँ घमण्ड करइ।"*

क्रूस पर चढ़ा मसीह क बारे मँ संदेस

2 भाइयो तथा बहिनियो जब मइँ तोहरे लगे आए रहेउँ तउ परमेस्सर क रहस्यपूर्ण सच क, बानी क चतुरता अउर मानुस बुद्धि क साथे उपदेस देत हुए नाहीं आइ रहेउँ [2]काहेकि मइँ इ निस्चय कइ लिहे रहेउँ कि तोहरे बीच रहत, मइँ ईसू मसीह अउर क्रूस पर भइ ओकर मउत क छोड़िके कउनउ अउर बात क जनबइ तलक नाहीं। [3]तउन मइँ दीनता क साथे भय स काँपत भवा तोहरे लगे आएउँ ह। [4]अउर मोर भासण अउर मोर घोसना मानुस बुद्धि क लुभावइवाले सब्दन स मिला नाहीं रहा, बल्कि ओहमें रहा आतिमा क सक्ति क प्रमान [5]ताकि तोहरे बिसवास मानुस बुद्धि क बजाय परमेस्सर क सक्ति पइ टिक सकइ।

"अगर ... करइ" यिर्म 9:24

परमेस्सर क गियान

[6]जे समझदार अहइँ, ओनके हम बुद्धि देत अही, काहेकि इ बुद्धि, इ जुग क बुद्धि नाहीं बा, न ही एँह जुगे क ओन्हन सासकन क बुद्धि अहइ जेका बिनास क कगार पर लइ आवा जात बा। [7]एकरे स्थान पर हम तउ परमेस्सर क ओह रहस्यपूर्ण विवेक क देत हीं जउन छुपा हुआ रहा अउर अनादि काल स परमेस्सर हमार महिमा बरे निस्चित किहे रहा। [8]अउर जेका एँह जुगे क कउनउ सासक नाहीं समझेन काहेकि अगर उ सबइ ओका समझ पाए होतेन तउ उ पचे ओह महिमावान पर्भू क क्रूस पर न चढ़उतेन। [9]मुला पवित्तर सास्तरन मँ लिखा बा:

> "जेहे नाहीं अंखिया देखेन अउर नाहीं काने स
> सुनेन तक, जहाँ मानुस क बुद्धि तक कभऊँ
> नाहीं पहुँचत ऐसी बानी ओनके बरे बनावाइस
> पर्भू जे ओनकर पिरेमी जन होइ जातेन।"
>
> *यसायाह 64:4*

[10]मुला परमेस्सर इन बातन क आतिमा क जरिये हमरे बरे परगट किहे अहइ।

काहेकि आतिमा हर कीहीउ बात क ढूंढ़ निकालत इहाँ तक कि परमेस्सर क छिपी गहराइयन तक क। [11]अइसेन के अहइ जउन दुसरे मनइयन क मन क बात जानि लेइ सिवाय ओह मनई के ओह आतिमा क जउन ओनके अपने भित्तरइ अहइ। एह तरह परमेस्सर क बिचारन केऊँ परमेस्सर क आतिमा क छोड़िके अउर कउन जान सकत ह। [12]मुला हम संसारिक आतिमा नाहीं बल्कि ऊ आतिमा पाए अही जउन परमेस्सर स मिलत ह ताकि हम उन बातन क जान सकी जेनका परमेस्सर हमका मुक्त रूप स दिहे बाटइ। [13]ओनही बातन क हम मनइयन बुद्धि क जरिये बिचारा गवा सब्दन मँ नाहीं बोलित बल्कि आतिमा द्वारा बिचारा गवा सब्दन स आतिमा क चीजन क बियाखिया करत बोलत अही। [14]एक प्राकृतिक मनई परमेस्सर क आतिमा द्वारा प्रकासित सच क ग्रहण नाहीं करत काहेकि ओकरे बरे उ बात खरी मूरखता होत ह, उ ओन्हे समझि नाहीं पावत काहेकि उ आतिमा क आधार पर ही परखी जाइ सकतहीं। [15]आत्मिक मनई सब बातन क निआव कइ सकत ह, मुला ओकर निआव केऊ नाहीं कइ सकत। काहेकि पवित्तर सास्तरन कहत हीं:

> [16]"पर्भू क मन का कउन जान सकत हय?
> ओका कउन सलाह दइ सकत ह?"
>
> *यसायाह 40:13*

मुला हमरे लगे ईसू क मन बा।

मनइयन क अनुसरण उचित नाहीं

3 मुला भाइयो तथा बहिनियो, मइँ तू लोगन स वइसेन
ही बात नाहीं कइ सकेउँ जइसे आत्मिक लोगन स
करत हउँ। मोका एकरे विपरीत तोहे लोगन स वइसेन
बात करइ पड़ी जइसे संसारिक लोगन स कइ जात ह।
यानि ओनसे जउन अबहीं मसीह मँ बच्चा अहइँ। 2मइँ
तोहे पियइ क दूध दिहेउँ, ठोस आहार नाहीं, काहेकि तू
अबहीं ओका खाइ नाहीं सकत रहेया अउर न तउ तू
एका आजउ खाइ सकत अहा 3काहेकि तू अबहिं
तलक संसारी अहा। का तू संसारी नाहीं अहा? जबकि
तोहमें आपसी इरसा अउर कलह मउजूद बा। अउर तू
संसारिक मनइयन जइसा व्यवहार करत अहा। 4जब
तोहमें स केऊ कहत ह, "मइँ पौलुस क हउँ" अउर दुसर
कहत ह, "मइँ अपुल्लोस क हउँ" तउ का तू संसारिक
मनइयन क स आचरण नाहीं करत्या?

5अच्छा त बतावा अपुल्लोस का अहइ अउर पौलुस
का अहइ? हम तउ केवल उ सेवक अही जेकरे द्वारा
तू बिसवास किहे अहा। हमरे मँ स हर एक बस उ काम
किहेस जउन पर्भू हमका सौंपे रहा। 6मइँ बीज बोएउँ,
अपुल्लौस तउ ओका सींचेस, मुला ओकर बढ़वार तउ
परमेस्सर किहेस। 7इहइ प्रकार न तउ उ जे बोएस, बड़ा
बा, अउर नाहीं उ जउन ओका सींचेस, मुला बड़ा तउ
परमेस्सर अहइ जउन एनका बड़ा किहेस। 8उ जे बोवत
ह अउर उ जउन सींचत ह, दुन्नऊ क प्रयोजन समान
बा। तउन हर एक अपने कामन क परिश्रम क अनुसारइ
फल पइहीं। 9परमेस्सर क सेवा मँ हम सब सहकर्मी
अही। तू परमेस्सर क खेत अहा।

अउर तू परमेस्सर क मंदिर अहा। 10परमेस्सर क
ओह अनुग्रह क अनुसार जउन मोका दिहा गवा रहा,
मइँ एक कुसल प्रमुख सिल्पी क रूप मँ नींव डालेउँ मुला
ओह पइ निर्माण तउ केऊ अउरइ करत ह, मुला हर
एक क सावधानी क साथे धियान रखइ चाही कि उ
ओह पर निर्माण कइसे करत बा। 11काहेकि जउन नींव
डाली गइ बा उ खुद ईसू मसीह ही अहइ अउर ओसे
अलग दूसर नींव केऊ बनाइ नाहीं सकत। 12अगर लोग
ओह नींव पर निर्माण करत ही, फिन चाहे उ पचे ओहमे
सोंना लगावइँ, चांदी लगावइँ बहुमूल्य रतन लगावइँ, लकड़ी
लगावइँ, फूस लगावइँ या तिनका क प्रयोग करइँ, 13हर
मनई क काम स्पस्ट रूप स देखॉइ देइ। काहेकि उ दिन
ओका उजागर कइ देइ। काहेकि उ दिन जुवाला क
साथे परगट होइ अउर उहइ जुवाला हर मनई क कामन
क परखी कि उ सबइ काम कइसेन बाटेन। 14अगर
ओह नींव पर कउनउ मनई क करमन क रचना
टिकाऊ होइ 15तउ उ ओकर प्रतिफल पाइ अउर अगर
कीहीउँ क काम ओह जुवाला मँ भसम होइ जाइ तउ
ओका हानि उठावइ क होइ। मुला फिन भी उ खुद
वइसेनही बचि निकरी जइसे कउनउ आगी स बरत भए
भकान स पराइके बचत ह। 16का तू नाहीं जानत अहा
कि तू पचे खुद परमेस्सर क मंदिर अहा अउर परमेस्सर
क आतिमा तोहमें निवास करत ह? 17अगर केऊ
परमेस्सर क मंदिर क हानि पहुँचावत ह तउ परमेस्सर
ओका नस्ट कइ देइ। काहेकि परमेस्सर क मंदिर तउ
पवित्तर बा। हाँ, तू ही तउ उ मंदिर अहा।

18अपने आपके जिन छला, अगर तोहमें स केउ इ
सोचत ह कि इह जुगे क मानदंड क अनुसार उहइ
बुद्धिमान बा तउ ओका बस वइसेन हीं मूर्ख बना रहइ
चाही ताकि उ सही मँ बुद्धिमान बनि जाइ, 19काहेकि
परमेस्सर क दिस्टी मँ संसारिक चतुराइ मूरखता अहइ।
पवित्तर सास्तर कहत ह, "उहइ (परमेस्सर!) फँसाइ देत
ह बुद्धिमानन क ओनकेन ही चतुराई मँ।"*20अउर
फिन, "जानत ह पर्भू बुद्धिमानन क बिचार सब केउ
काम क न अहइँ।"* 21इही बरे मनइयन पर कींहीउ
क गरब न करइ चाही काहेकि इ सब कछू तोहार तउ
अहइँ। 22फिन चाहे उ पौलुस होइ, अपुल्लोस होइ या
पतरस चाहे संसार होइ, जीवन होइ, या मउत होइ, चाहे इ
आज क बात होइ या आवइवाले भियान क। सब कछू
तोहरइ ही अहइ। 23अउर तू मसीह क अहा अउर मसीह
परमेस्सर क।

मसीह क संदेस वाहक

4 हमरे बारे मँ कीहींउ मनई क एँह तरह सोचइ चाही
कि हम लोग मसीह क सेवक अही। परमेस्सर तउ
हमका अउर रहस्यमय सत्य सौंपे अहइ। 2अउर फिन
जेका इ रहस्य सौंपे अहइ, ओन पर इ दायित्व भी बा कि
उ पचे बिसवास क जोग्ग होइँ। 3मोका एँकर तनिकउ
चिंता नाहीं बा कि तू लोग मोर निआव करा या मनइयन
क कउनउ अउर अदालत। ना मइँ खुद आपन निआव
करत हउँ। 4काहेकि मोर मन साफ बा। मुला इहइ
कारण मइँ छूट नाहीं जाइत। पर्भू उ अहइ जउन
निआव करत ह। 5इही बरे ठीक समइ आवइ स पहिले
मतलब जब तलक पर्भू न आइ जाइ, तब तलक कीहीउ
बात क निआव जिन करा। उहइ अँधियारे मँ छिपी
बातन क उजागर करी अउर उ मने क प्रेरणा क
परगट करी। ओह समइ परमेस्सर कइँती स हर कीहीउ
क उपयुक्त प्रसंसा होइ।

6भाइयो तथा बहिनियो, मइँ इन बातन क अपुल्लोस
पर अउर खुद अपने पर तू लोगन क बरे ही चरितार्थ
किहे अहउँ ताकि तू पचे हमार उदाहरण देखत भए इन
बातन क परे जिन जा जउन सास्तर न मँ लिख बा। ताकि
एक मनई क पच्छ लेत अउर दुसरे क विरोध करत भए
अंहकार मँ न भरि जा। 7कउन कहत ह कि तू कीहीउ

"उहई ... मँ" अय्यूब 5:13

"जानत ... अहइ" भजन 94:11

दुसरे स जियादा अच्छा अहा। तोहरे लगे आपन अइसेन
का बा? जउन तोहे दिहा नाहीं गवा बा? अउर जब तोहे
सब कछू कीहीउ क जरिये दीन्ह गवा बा तउ फिन एँह
रूप मँ अभिमान कउने बात क कि जइसेन तू कउने स
कछू पाए ही न अहा।

8तू लोग सोचत अहा कि जेह कउनउ चीज क तोहे
जरूरत रही, अब उ सब कछू तोहरे लगे बा। तू सोचत ह
अब तू सम्पन्न होइ गवा। तू हमरे बिना ही राजा बनि
बइठ्या। केतना अच्छा होत कि तू सही मँ राजा होत्या
ताकि तोहरे साथे हमहूँ राज्य करिंत। 9काहेकि मोर
बिचार बा कि परमेस्सर हम प्रेरितन क करम-छेत्र मँ
उन लोगन क समान सबसे अन्त मँ स्थान दिहे अहइ
जेनका मउत क सजा दीन्ह जाइ चुकी बा। काहेकि हम
पूरा संसार, सरगदूतन अउर लोगन क सामने तमासा
बना अही। 10हम मसीह क बरे मूरख बना अही मुला तू
लोग मसीह मँ बहुत बुद्धिमान अहा। हम कमजोर अही
मुला तू तउ बहोत सबल अहा। तू सम्मानित अहा अउर
हम अपमानित। 11एँह घड़ी तक हम भूखा पियासा अही।
फटा-पुरान चिथड़ा पहिने अही। हमका मारा गवा। हम
बेघरे क अही। 12आपन हाथन स काम कइके हम
मेहनत-मज़दूरी करित ह। 13गाली खाइके भी हम आसीर्बाद
देइत ह। सतावा जाइ प हम ओका सहित ह। जब हमार
बदनामी होइ जात ह, हम तब भी मीठा बोलित ह। हम
अबहूँ जइसेन एह दुनिया क मल-फेन अउर कूड़ा कचरा
बना भआ अही।

14तोहे सबन क लज्जित करइ क बरे मइँ इ नाहीं
लिखत हउँ। बल्कि आपन पिआरे बच्चन क रूप मँ तोहे
सबन क चेतावनी देत हउँ। 15काहेकि चाहे तोहरे लगे
मसीह मँ तोहरे दसउ हजार सिच्छक मौजूद अहइँ, मुला
तोहार पिता तउ अनेक नाहीं अहइ। काहेकि सुसमाचार
द्वारा मसीह ईसू मँ मइँ तोहार पिता बना हउँ। 16इही बरे
तोहसे मोर आग्रह बा, मोर अनुकरण करा। 17मइँ इही
बरे तीमुथियुस क तोहरे लगे भेजे रहेउँ। उ पर्भू मँ स्थित
मोर पिआरा अउर बिसवास करइ जोग्ग बेटवा अहइ।
मसीह ईसू मँ मोर आचरण क उ तोहे सबन क याद
देवाइ। जेका मइँ हर कहूँ, हर कलीसियन मँ उपदेस दिहे
हउँ।

18कछू लोगन अंधकारे मँ एँह तरह फूल उठा अहइँ
इ सोच कर कि मइँ न आउब। 19अगर परमेस्सर चाहेस
तउ जल्दी ही मइँ तोहरे लगे अउबइ अउर फिन अंहकार
मँ फूला ओन लोगन क मात्र वाचालता क नाहीं बल्कि
ओनकर सक्ती क देख लेबइ। 20काहेकि परमेस्सर क
राज्य वाचालता पर नाहीं, सक्ती पर टिका बा। 21तू पचे
का चाहत अहा:

हाथ मँ पिरेम अउर छड़ी थामे आउब मइँ तोहरे
लगे, कोमल आतिमा साथे मँ लइ आउब?

कलीसिया मँ दुराचार

5 सहीयउ मँ अइसेन बतावा गवा बा कि तू लोगन मँ
दुराचार फइला भआ बा। अइसेन दुराचार–व्यभिचार
तउ अधर्मियन तक मँ नाहीं मिलत। जइसेन केऊ तउ
आपन बिमाता तक क साथ सहवास करत ह। 2अउर
फिन तू लोग अभिमान मँ फूला भआ अहा। मुला का
तोहे एकरे बरे दुखी न होइ चाही? जे केऊ दुराचार
करत ह ओका तउ तू पचे अपने बीच स निकाल बाहेर
करइ चाही। 3मइँ जद्यपि सारीरिक रूप स तोहरे बीच
नाहीं अही मुला आत्मिक रूप स तउ हुवँइ हाजिर अही।
अउर माना ऊहाँ हाजिर रहत भआ जे अइसेन खराब
काम किहे अहइँ, ओकरे विरुद्ध मइँ आपन इ निर्णय दइ
चुका अही 4कि जब तू हमरे साथे हमार पर्भू ईसू क
नाउँ मँ हमार आतिमा अउर हमार पर्भू ईसू क सक्ति क
साथे इकट्ठा होब्या। 5तउ अइसेन मनई क ओकर
भौतिक मानुस सुभाउ क खराब कइ डालइ बरे सइतान
क सौंप दीन्हा जाइँ ताकि पर्भू क दिना ओनके आतिमा
क बचावा जाइ सकइ।

6तोहर इ बड़बोलापन अच्छा नाहीं बा। तू एह कहावत
क त जानतही अहा, “तनिक खमीर आटा क पूरा लउँदा
क खमीरमय कइ देत ह।” 7पुराने खमीर स छुटकारा
पावा ताकि तू आटा क नया लौंदा बनि सका। तू तउ
बिना खमीरवाली फसह क रोटी क समान ह्वा। हमका
पवित्तर करइके बरे मसीह को फसह क मेमने क रूप
मँ बलि चढ़ाइ दीन्ह गवा। 8इही बरे आवा हम आपन
फसह क त्यौहार बुराइ अउर दुस्टतइ स युक्त पुरान
खमीर क रोटी स नाहीं बल्कि निस्ठा अउर सत्य स
युक्त बिना खमीर क रोटी स मनाई। 9अपने पिछले
चिठ्ठी मँ मइँ लिखे रहेउँ कि तोहे ओन लोगन स आपन
नाता नाहीं रखइ चाही जउन व्यभिचारी अहइँ। 10मोर इ
प्रयोजन बिल्कूल नाहीं रहा कि तू एँह दुनिया क
व्यभिचारियन, लोभी लोगन, ठगन या मूर्ति पूजकन स
कउनउ सम्बन्ध ही जिन रखा। अइसेन होइ पइ तउ तोहे
सबन क इ संसार स ही निकरि जाइ क होइ। 11मुला मइँ
तोहे सबन क जउन लिखेउ ह उ इ अहइ कि कउनउ
अइसेन मनई स नाता न रखा जउन अपने आपक
मसीही बन्धु कहवाइ क भी व्यभिचारी, लोभी, मूर्तिपूजकन,
चुगलखोर, पियक्कड़ या एक ठग अहइँ। अइसेन मनई
क साथे त भोजन भी ग्रहण जिन करा। 12जउन लोग
बाहेर क बाटेन, कलीसिया क नाहीं, ओनकर निआव
करइकेभला मोर का काम। का तोहे ओन्हीन क निआव
न करइ चाही जउन कलीसिया क भित्तर क अहइँ?
13कलीसिया क बाहेरवालन क निआव तउ परमेस्सर
ही करी। पवित्तर सास्तर कहत ह, “अपने बीच से, तू
पापी क निकार बाहर करा।”*

“अपने ... करा” व्यवस्था 22:21, 24

आपसइ क विवादन क निपटारा

6 का तोहरे मँ स केउ अइसेन बा जउन अपने साथी क साथे केउ झगडा होइ पे परमेस्सर क पवित्तर मनइयन क लगे न जाइके अधर्मी लोगन क अदालत मँ जाइके साहस करत होइ? [2]या का तू पचे इ नाहीं जानत अहा कि परमेस्सर क पवित्तर मनई ही सारे संसार क निआव करिहीं? अउर जब तोहरे जरिये समूचइ संसार क निआव किन्ह जाइ क बाटइ तउ का इन छोट-छोट बातन क निआव करइ जोग्ग तू नाहीं अहा? [3]का तू नाहीं जानत अहा कि हम सरगदूतन क भी निआव करबइ? फिन इ जीवन क इन रोज़मर्रा क छोट-मोट बातन क त कहबइ ही का। [4]अगर हर दिन तोहरे बीच कउनउ न कउनउ विवाद रहतइ ही रहत ह तउ का न्यायाधीस क रूप मँ तू पचे अइसेन मनइयन क नियुक्ति करब्या जेनकर कलीसिया मँ कउनउ स्थान नाहीं बा। [5]इ मइँ तोहसे एह बरे कहत हउँ कि तोहे सबन क कछू लाज आवइ। का स्थिति एँतनी बिगड़ि चुकी बा कि तोहरे बीच केऊ अइसेन बुद्धिमान मनई अहइ नाहीं जउन अपने मसीही भाइयन क आपसी झगड़ा सुलझाइ सकइ? [6]का एक भाई कहूँ अपने दुसरे भाई स मुकद्दमा लड़त था! अउर तू तउ अबिसवासियन क सामने अइसा करत रहे रह्या।

[7]असलिमत मँ तोहर पराजय तउ इही मँ होइ चुकी कि तोहरे बीच आपस मँ एक दूसरे क खिलाफ कानूनी मुकदमा अहइँ। एकरे स्थान पर तू आपस मँ अनिआव ही काहे नाहीं सही लेत्या? अपने आप क काहे नाहीं लुटि जाइ देत्या। [8]अरे अनिआव तू तउ खुदइ करत अहा अउर अपने ही मसीही भाइयन क लूटत अहा।

[9]अउर का तू नाहीं जानत अहा कि खराब लोग परमेस्सर क राज्य क उत्तराधिकार न पइहीं? अपने आप को धोखा न द्या। व्यभिचार करइवाला, मूर्तिपूजक, व्यभिचार, गुदा-भंजन करइवाला, लौंडेबाज़, [10]लुटेरे, लालची, पियक्कड़ चुगलखोर अउर ठग परमेस्सर क राज्य क उत्तराधिकारीन होइहीं। [11]तोहमें स कछू अइसेन ही रहेन। मुला अब तोहे सबन क धोइ-मांजिके पवित्तर कइ दिहे हउँ। तोहे परमेस्सर क सेवाँ मँ अरपित कइ दीन्हा वा बा। पर्भू ईसू मसीह क नाउँ अउर हमरे परमेस्सर क आतिमा क द्वारा ओन्हे धर्मी करार दीन्हा जाइ चुका बा।

अपने सरीरी क परमेस्सर क महिमा मँ लगावा

[12]"मइँ कछू भी करइ क स्वतन्त्र हउँ" मुला हर कउनउ बात हितकर नाहीं होत। हाँ, "मइँ सब कछू करइ क स्वतन्त्र हउँ" मुला मइँ अपने पर कीहीउ क हावी न होइ देब। [13]कहा जात ह, "भोजन पेट क बरे बा, अउर पेट भोजन क बरे।" मुला परमेस्सर इन दुन्नउ क ही समाप्त कइ देई। अउर हमरे सारीरिक तउ भी व्यभिचार क बरे नाहीं बा बल्कि पर्भू क सेवा क बरे बा। अउर पर्भू हमार देह क कल्लियान क बरे बा। [14]परमेस्सर न केवल पर्भू क ही पुनर्जीवित नाहीं किहेस बल्कि आपन सक्ती स उ मउत स हम सबे कभी जियाइ उठाई। [15]का तू नाहीं जानत अहा कि तोहरे सरीर खुद ईसू मसीह का हिस्सा अहइ? तउ का मोका ओन्हे, जउन मसीह क अंग हयेन, कउनउ वेस्या क अंग बनाइ देइ चाही? [16]निस्चय ही नाहीं। अउर का तू इ नाहीं जानत अहा, कि जउन अपने आपके वेस्या स जोड़त ह, उ ओकरे साथे एक देह होइ जात ह। पवित्तर सास्तरन मँ कहा गवा बा: "काहेकि उ दुन्नऊ एक होइ जइ हीं,"*

[17]मुला उ जउन आपन लौ पर्भू स लगावत ह, उ आतिमा मँ एकाकर होइ जात ह।

[18]व्यभिचार स दूर रहा। दुसरे सभन पाप जेका एक मनई करत ह, ओकरे सरीर स बाहेर होत हीं मुला अइसेन मनई जउन व्यभिचार करत ह उ तउ अपने सरीर क विरुद्ध पाप करत ह। [19]अउर का तू नाहीं जानत अहा कि तोहार सरीर ओह पवित्तर आतिमा क मंदिर अहइ जेका तू परमेस्सर स पाए अहा अउर जेका तू आपन बनाइ क न रख सक्या। अउर उ आतिमा तोहर आपन नाहीं बा। [20]काहेकि परमेस्सर तोहे सबन क कीमत चुकाइ क खरीदे अहइ इही करे अपने सरीर क द्वारा परमेस्सर क इज्जत कर।

बियाह

7 अब इन बातन क बारे मँ जउन तू लिखे रह्या: अच्छा इ बा कि कउनउ मनई कीहीउ स्त्री स बियाह न करइ। [2]मुला यौन अनैतिकता क घटना क सम्भावनावन क कारण हर पुरुस क आपन पत्नी होइ चाही अउर हर स्त्री क आपन पति। [3]पति क चाही कि पत्नी क रूप मँ जउन कछू पत्नी क अधिकार बनत ह, ओका देइ। अउर इही तरह पत्नी क भी चाही कि पति क ओकर यथोचित प्रदान करइ। [4]अपने सरीर पर पत्नी क कउनउ अधिकार नाहीं बा, बल्कि ओकरे पति क बा। अउर इही तरह पति क ओकरे अपने सरीर पर कउनउ अधिकार नाहीं बा, बल्कि ओकरे पत्नी क अहइ। [5]अपने आप क पराथना मँ समर्पित करइ क बरे थोड़े समइ तक एक दूसरे स समागम न करइ क आपसी सहमति क छोड़िके , एक दूसरे क संभोग स वंचित जिन करा। फिन आतिमा संयम क अभाउ क कारण कहूँ सइतान तोहे कउनउ परीच्छा मँ न डालि देइ, इही बरे तू फिन समागम कइ ल्या।

[6]मइँ इ एक छूट क रूप मँ कहत रहत हउँ, आदेस क रूपें मँ नाहीं। [7]मइँ तउ चाहित हउँ सभन लोग मोरे जइसेन होतेन। मुला हर मनई क परमेस्सर स एक

"काहेकि ... जइ ही" उत्पत्ति 2:24

विशेष बरदान मिला बा। कीहीउ क जिअइ क एक ढंग
बात त दुसरे क दूसर।
8अब मोका अविवाहितन अउर विधवा क बारे मँ इ
कहब बा: अगर उ हमरे समान अकेल ही रहइँ तउ
ओकरे बरे इ अच्छा रही। 9मुला अगर उ पचे अपने
आप पर काबू न रख सकइँ तउ ओन्हे बियाह कइ लेइ
चाही, काहेकि वासना क आग मँ जलत रहइ स विआह
कइ लेब अच्छा बा।
10अब जउन विवाहित अहइँ ओनका हमार ई आदेस
बा, यद्यपि इ हमार नाहीं बा बल्कि पर्भू क आदेस बा कि
कउनउ पत्नी आपन पति क न तियागइ चाही। 11मुला
अगर उ ओका छोड़िही देइ तउ ओका फिन अनब्याहा
ही रहइ चाही या अपने पति स मेल-मिलाप कइ लेइ
चाही। अउर अइसेन ही पति क अपनी पत्नी क छोड़इ
न चाही।
12अब सेस लोगन स मोर इ कहब बा: (ई मइँ कहत
हउँ न कि पर्भू) अगर कि कउनो मसीही भाई क
कउनउ अइसी पत्नी बा जउन एँह मते मँ बिसवास नाहीं
रखत अउर ओकरे साथे रहइ क सहमत बा त ओका
तियाग देइ चाही। 13अइसेन ही अगर कउनो स्त्री क
कउनउ अइसेन पति बा जउन पथ क बिसवासी नाहीं
अहइ मुला ओकरे साथे रहइ क सहमत बा त ओह स्त्री
क भी आपन पति तियागइ न चाही। 14काहेकि उ
अबिसवासी पति बिसवासी पत्नी क लगे क सम्बन्ध क
कारण पवित्तर होइ जात ह अउर इही तरह उ अबिसवासी
पत्नी अपने बिसवासी पति क हमेसा साथ रहे स पवित्तर
होइ जात ह। नाहीं तउ तोहार सन्तान अस्वच्छ होइ जात
मुला अब तउ उ पचे पवित्तर बाटेन।
15फिन भी अगर केउ अबिसवासी अलग होइ चाहत
ह तउ उ अलग होइ सकत ह। अइसन स्थितियन मँ
कउनो मसीह भाई या बहिन पर कउनउ बंधन लागू न
होई। परमेस्सर हमका सान्ति क साथे रहइ क बोलाए
अहइ। 16हे पत्नियो, का तू पचे जानत अहा? होई सकत
ह तू अपने अबिसवासी पति क बचाइ ल्या। हे पति, का
तू जानत ह? होइ सकत ह तू अपने अबिसवासी पत्नी क
बचाइ ल्या।

जइसन अहा, वइसेइ जिआ

17पर्भू जेका जइसेन दिहे अहइ अउर जेका जेह रूप
मँ चुनें अहइ, ओका वइसेन ही जियइ चाही। सभन
कलीसियन मँ मइँ इही क आदेस देत हउँ। 18जब किहू
क परमेस्सर क द्वारा बोलावा गवा, तब अगर उ खतना
युक्त रहा तब ओका आपन खतना छिपावइ न चाही।
अउर किहू क अइसेन दसा मँ बोलावा गवा जब उ बिना
खतना क रहा तउ ओकर खतना करावइ न चाही।
19खतना तउ कछू नाहीं बाटइ, अउर न ही खतना न
होब कछू बा। बल्कि परमेस्सर क आदेसन क पालन
करब ही सब कछू अहइ। 20हरि किहू क उही स्थिति मँ
रहइ चाही, जेहमें ओका बोलावा गवा बा। 21का तोहे
सबन क दास क रूप मँ बोलावा गवा बा? तू एकर चिन्ता
जिन करा। मुला अगर तू स्वतंत्र होई सकत ह तउ आगे
बढ़ा अउर अवसर क लाभ उठावा। 22काहेकि जेका
पर्भू क दास क रूप मँ बोलावा गवा, उ तउ पर्भू क
स्वतंत्र मनई अहइ। इही तरह जेका स्वतंत्र मनई क रूप
मँ बोलावा गवा, उ मसीह क दास अहइ। 23परमेस्सर
कीमत चुकाइके तोहे सबन क खरीदे बाटइ। इही बरे
मनइयन क दास न बना। 24भाइयो, तोहे जउने स्थिति मँ
बोलावा गवा बा, परमेस्सर की सामने उही स्थिति मँ
रहा।

बियाह करइ सम्बन्धी प्रश्नन क उत्तर

25अविआहा क सम्बन्ध मँ पर्भू कइँती स मोका
कउनो आदेस नाहीं मिला बा। इही बरे मइँ पर्भू क दया
पाइके बिसवासी होइ क कारण आपन राय देत हउँ।
26मइँ सोचत हउँ कि एह वर्तमान संकट क कारण इहइ
अच्छा बा कि कउनउ मनई मोरे समान ही अकेला
रहइ। 27अगर तू विवाहित अहा तउ ओसे छुटकारा
पावइ क यत्न जिन करा। अगर तू पत्नी स मुक्त अहा
तउ ओका खोजा न। 28मुला अगर तोहार जीवन विवाहित
बा तउ तू कउनउ पाप नाहीं किहे अहा। अउर अगर
कउनउ कन्या बियाह करत ह, तउ कउनउ पाप नाहीं
करत ह मुला अइसेन लोग सरीरीक कस्ट उठइहीं जेनसे
मइँ तोहे सबन क बचावइ चाहत हउँ।
29भाइयो तथा बहिनियो, मइँ तउ इहइ कहत हउँ,
समइ बहुत कम बा। इही बरे अब आगे, जेनके लगे
पत्नियन अहइँ उ पचे अइसन ही रहइँ, माना उनके पास
पत्नियन हइयइ नाहीं हइन। 30अउर उ सबइ जउन विलखत
अहइँ उ पचे, अइसेन रहइँ, माना कबहूँ दुखही न भवा
होइ। अउर जउन आनन्दित हयेन, उ पचे अइसेन रहइँ,
माना खुसइ नाहीं भवा रहेन। अउर उ पचे जउन चीज
मोल लेत हीं, अइसेन रहइ माना ओनके लगे कछूउ न
होइ। 31अउर जउन संसारिक सुख-बिलासन क भोग
करत हयेन, उ पचे अइसेन रहइँ, माना उ पचे चीज
ओनके बरे कउनउ महत्व नाहीं रखत। काहेकि इ
संसार अपने वर्तमान सरूप मँ नासवान बा।
32मइँ चाहत हउँ आप लोग सबइ चिन्ता स मुक्त
रहा। एक अविवाहित मनई पर्भू सम्बन्धी विसयन क
चिन्तन मँ लगा रहत ह कि उ पर्भू क कइसे खुस करइ।
33मुला एक विवाहित मनई संसारिक विसयन मँ ही
लिप्त रहत ह कि उ आपन पत्नी क कइसे खुस कइ
सकत ह। 34एह तरह ओकर व्यक्तित्व बँटि जात ह।
अउर अइसेन कउनउ अविवाहित पत्नी या कुंआरी
कन्या क जेका बस पर्भू सम्बन्धी विसयन क ही चिन्ता
रहत ह। जेहसे उ अपने सरीर अउर आपन आतिमा स

पवित्तर होइ सकइ। मुला एक विवाहित स्त्री सांसारिक
विसय भोगन मँ एँह तरह लिप्त रहत ह कि उ अपने पति
क रिझावत रहि सकइ।
35इ मइँ तोहसे तोहरे भले क बरे ही कहत हउँ तोह
पर बन्धन लगावे क बरे नाहीं। बल्कि अच्छी व्यवस्था
क हित मँ अउर इही बरे कि तू चित्त क चंचलता क
बिना पर्भू क समर्पित होइ सका।
36अगर केउ सोचत ह कि उ आपन जवान होइ
चुकी कुंआरी बिटिया क बरे उचित नाहीं करत बा
अउर अगर ओकर काम भावना तेज बा, अउर दुन्नऊ
क ही आगे बढ़िके बियाह कइ लेइ क जरूरत बा, तउ
जइसन उ चाहत ह, ओका आगे बढ़िके वइसेन ही कइ
लेइ चाही उ पाप नाहीं करत बा। ओका बियाह कइ लेइ
चाही। 37मुला जउन अपने मने मँ बहुत पक्का अहइ
अउर जेह पर कउनउ दबावउ नाहीं बा, बल्कि जेकर
इच्छन पर पूरा बस बा अउर जे अपने मने मँ पूरा
निस्चय कइ लिहे बा कि अपने प्रिया स बियाह न करइ
तउ उ अच्छा ही करत बा। 38तउ उ जउन आपन प्रिया
स बियाह कइ लेत ह, अच्छा करत ह अउर जउन ओसे
बियाह नाहीं करत उ अउर भी अच्छा करत ह।
39जब तलक किहउ स्त्री क पति जिन्दा रहत ह,
तबउ तलक उ बियाह क बन्धन मँ बंधी होत ह मुला
अगर ओकरे पति क मउत होइ जात ह, तउ जेकरे साथे
चाहइ बियाह करइ, उ स्वतन्त्र बा मुला केवल पर्भू मँ।
40पर अगर जइसेन उ बा वइसेन ही रहत ह, त जियादा
खुस रही। इ मोर विचार अहइ। अउर मइँ सोचत अहउँ
कि मोहूँ मँ परमेस्सर क आतिमा क ही निवास अहइ।

चढावइ क भोजन

8 जब मूर्तियन पर चढ़ाइ गइ बलि क बारे मँ: हम इ
जानित ह, "हम सबहिं गियानी अही।" "गियान"
लोगन क अहंकार स भरि देत ह। मुला पिरेम स मनई
अधिक सक्तिसाली बनत ह। 2अगर केऊ सोचइ कि उ
कछू जानत ह तउ जेका जानइ चाही ओकरे बारे मँ तउ
ऊ अबहुँ कछू जनबइ नाहीं करत। 3अगर केउ परमेस्सर
क पिरेम करत ह त उ परमेस्सर क जरिये जाना जात
ह।
4तउन मूर्तियन पर चढ़ावा गवा भोजन क बारे मँ
हम जानत अही कि एह संसारे मँ मूरति का अस्तित्व
नाहीं बा। अउर इ कि "परमेस्सर केवल एक्कइ अहइ।"
5अउर धरती या आकास मँ जद्यपि अइसेन ही देवता
बहुत स अहइँ (बहुत स "देवता" हयेन, बहुत स "पर्भू"
हयेन) 6मुला हमरे बरे तउ एक्कइ परमेस्सर बा, हमार
पिता। उही स सब कछू आवत ही अहइ। अउर ऊही क
बरे हम जिअत अही। पर्भू केवल एक अहइ, ईसू मसीह।
उही क द्वारा सब चीजन क आस्तित्व बा अउर ऊही
क जरिये हमार जीवन बा।
7मुला इ गियान सब कीहीउ क लगे नाहीं अहइ।
कछू लोग जउन अब तलक मूर्ति पूजा क आदी अहइँ,
अइसेन चीजन खात हीं अउर सोचत हीं जइसेन माना उ
चीज मूर्ति क प्रसाद अहइ। ओनके इ करमे स ओनकर
आतिमा कमजोर होइ क कारण दूसित होइ जात ह।
8मुला उ प्रसाद तउ हमका परमेस्सर क लगे न लइ
जाइ। अगर हम ओका नहीं खाइ तउ कछू घटी नाहीं
जात अउर अगर खाई तउ कछू बढ़ नाहीं जात।
9सावधान रहा। कहूँ तोहर इ अधिकार ओकरे बरे,
जउन कमजोर बाटेन, पाप मँ गिरइ क कारण न बन
जाइ। 10काहेकि कमजोर बिसवास क कउनउ मनई
अगर तोहे जइसेन इ बिसय क जानकार क मूर्तिवाला
मंदिर मँ खात भआ देखत ह तउ ओकर दुर्बल मन का
ओह हद तलक न भटकि जाई कि उ मूर्ति पर बलि
चढ़ाइ गइ चीजन क खाइ लागेन। 11तोहरे गियान स,
कमजोर मने क मनई क तउ नास ही होइ जाइ तोहरे
उहीं बन्धु क, जेकरे बरे मसीह तउ जान दइ दिहेस।
12इही तरह अपने भाइयन अउर बहिनियन क विरुद्ध
पाप करत भए अउर ओनके कमजोर मने क चोट
पहुँचावत भए तू लोग मसीह क विरुद्ध पाप करत अहा।
13एँह बरे अगर भोजन मोरे भाई क पाप क राह पर
बढ़ावत ह तउ मइँ फिन कभउँ माँस न खाबइ ताकि
मइँ अपने भाई क बरे, पाप करइ क कारण न बनउँ।

पौलुस भी दुसरे प्रेरितन जइसा अहइ

9 का मइँ स्वतन्त्र नाहीं हउँ? का मइँ भी एक प्रेरित
नाहीं हउँ? का मइँ हमार पर्भू ईसू मसीह क दर्सन
नाहीं किहे अहउँ? का तू लोग पर्भू मँ मोर इ करम क
उदाहरण नाहीं अहा? 2चाहे दुसरन क बरे मइँ प्रेरित न
भी होउँ तबउ मइँ तोहरे बरे त प्रेरित हउँ। काहेकि तू
एक अइसेन मोहर क समान अहा जउन पर्भू मँ मोरे
प्रेरित होइ क प्रमाणित करत ह।
3उ लोग जउन मोर जाँच करइ चाहत हीं, ओनके
बरे आपन सकाई देइ मँ मोर उत्तर इ अहइ: 4का हमका
खाइ पीयइ क अधिकार नाहीं बाटइ? 5का हमका इ
अधिकार नाहीं कि कउनो बिसवासिनी पत्नी क हम
अपने साथे लइ जाइ? जइसेन कि दूसर प्रेरित, पर्भू क
बन्धु अउर पतरस किहे रहेन। 6अउर का बरनाबास
अउर मोरे लगे ही इ अधिकार बा कि आपन आजीविका
कमाइ क बरे हम कउनउ काम न करीं? 7सेना मँ
अइसेन के होइ जउन एक सिपाही क रूपे मँ अपने क
वेतन देइ। अउर के होइ जउन अंगूर क बगिया लगाइके
ओकर फल न चखी? या कउन अइसा अहइ जउन
भेड़न क खरका क देखभाल न करत होइ पर ओकर
दूध न पीअत होइ?
8का हम मानवीय चिन्तन क रूपे मँ ही अइसेन
कहत हई? आखिरकार का व्यवस्था क विधान भी

अइसेन नाहीं कहत? 9मूसा क व्यवस्था मँ लिखा बा,
"खरिहाने मँ बरधा क मुँह जिन बाँधा।"* का परमेस्सर
केवल बरधन क बारे मँ बतावत अहइ? 10(निस्चित रूप
स उ एका क हमरे बरे नाहीं बतावत अहइ? हाँ, इ)
हमरे बरे ही लिखा गवा रहा। काहेकि खेत जोतइवाला
कीहीउ आसा स ही खेत जोतइ अउर खरिहाने मँ भूसा
स अनाज अलगावइवाला फसल क कछू भाग पावइ क
आसा तउ रखी। 11फिन अगर हम तोहरे हिते क बरे
आत्मिक बिया बोए अही तउ हम तोहसे भौतिक चीजन
क फसल काटइ चाहित ह, इ का कउनउ बहुत बड़ी
बात बा? 12अगर दूसर लोग तोहसे भौतिक चीजन पावइ
क अधिकार रखत हीं तउ हमार तउ तोह पइ का अउर
भी जियादा अधिकार नाहीं बा? मुला हम इ अधिकार क
उपयोग नाहीं किहे अही। बल्कि हम तउ सब कछू सहत
रहे ताकि हम मसीह क सुसमाचार क रस्ता मँ कउनउ
बाधा न डाली देइ। 13का तू नाहीं जानत बाट्या कि जउन
लोग मंदिर मँ काम करत हीं उ पचे आपन खाना मंदिर
स ही पावत हीं। अउर जउन नियमित रूप स वेदी क
सेवा करत हीं, वेदी क चढ़ावा मँ ओनकर हिस्सा होत
ह? 14इही तरह पर्भू व्यवस्था दिहे अहइ कि सुसमाचार
क प्रचारकन क आजीविका सुसमाचार क प्रचार स ही
होइ चाही।

15मुला ओन्हन अधिकारन मँ स मइँ एक क कभउँ
प्रयोग नाहीं किहेउँ। अउर इ बात मइँ एह बरे लिखेउँ
नाहीं कि अइसेन कछू मोरे बिसय मँ कीन्हा जाई। बजाय
एकरे कि कउनउ मोसे ओह बात केउ छीन लेइ जेकर
मोका गरब बा। ऐसे तउ मइँ मरि जाब ही ठीक समझब।
16एह बरे अगर मइँ सुसमाचार क प्रचार करित ह तउ
एहमाँ मोका गरब करइके कउनउ हेतु नाहीं बा काहेकि
मोर त इ कर्तव्य बा। अउर अगर मइँ सुसमाचार क
प्रचार न करउँ तउ मोरे बरे इ केतना खराब होइ।
17फिन अगर इ मइँ अपने इच्छा स करित ह तउ मइँ
एकर पुरस्कार पावइ योग्ग हई, परन्तु अगर आपन
इच्छा स नाहीं बल्कि कउनो नियुक्ति क कारण इ काम
मोका सौंपा गवा ह। 18तउ फिन मोर पुरस्कार काहे
क? इही बरे जब मइँ सुसमाचार क प्रचार करीत हउँ
बिना कउनउ मूल लिहे ही ओका करउँ। ताकि सुसमाचार
क प्रचार मँ जउन कछू पावइ क मोर अधिकार बा, मइँ
ओकर कुल उपयोग न करउँ।

19जद्यपि मइँ किहू मनई क बन्धन मँ नाहीं हउँ,
फिन मइँ खुद क तोहरे सबन क गुलाम बनाइ लिहे हउँ।
ताकि मइँ अधिकतर लोगन क जीत सकउँ। 20यहूदियन
क बरे मइँ एक यहूदी जइसेन बनउँ, ताकि मइँ यहूदियन
क उद्धार मँ मदद करि सकउँ मइँ खुद व्यवस्था क
अधीन नाहीं अहउँ। जउन लोग व्यवस्था क अधीन
अहइँ, ओनके बरे मइँ एक अइसेन मनई बरे जउन
व्यवस्था क अधीन जइसेन बनेउँ। इ मइँ एह बरे किहे
कि मइँ व्यवस्था क अधीनन क उद्धार करवइ मँ
मदद कइ सकउँ। 21मइँ एक अइसेन मनई बने जउन
व्यवस्था क नाहीं मानत। जद्यपि मइँ परमेस्सर क व्यवस्था
स रहित नाहीं हउँ बल्कि मसीह क व्यवस्था क अधीन
हउँ। तउ कि मइँ जउन व्यवस्था क नाहीं मानत हउँ
ओन्हे जीत सकउँ। 22जउन मनइयन कमजोर अहइँ,
ओनके बरे मइँ कमजोर बनेउँ ताकि मइँ कमजोरन क
उद्धार करावइ मँ मदद कइ सकी। हर किहू क बरे मइँ
हर किहू जइसेन बनेउँ त कि हर सम्भव उपाय स
ओनकर उद्धार कइ सकउँ। 23इ सब कछू मइँ सुसमाचार
क बरे करत हउँ ताकि एकरे बरदानन मँ मोर भी कछू
भाग होइ।

24का तू लोग इ नाहीं जानत अहा कि खेल क मैदान
मँ दौड़त सबहिं धावक बाटेन मुला इनाम कउनो एक क
मिलत ह। अइसेन दउड़ा कि जीत तोहार होइ सकइ।
25कउनो खेल प्रतियोगिता मँ हर एक प्रतियोगी क हर
तरह क आतिमा संयम करब होत ह। उ एक नासमान
कीर्तिमान स सम्मानित होइ क बरे करत हीं मुला हम
तउ एक अविनासी मुकुट क पावइ बरे इ करित ह।
26एह तरह मइँ ओह मनई क समान दौड़त हउँ जेकरे
सामने एक लच्छ बा। मइँ अहइ मुक्केबाज क तरह
मुक्का मारत मारत हउँ मुला मइँ हवा मँ मुक्का नाहीं
मारत हउँ। 27बल्कि मइँ तउ आपन सरीर क कठोर
अनुसासन मँ तपाइके, ओका अपने बस मँ करत हउँ।
ताकि कहूँ अइसेन न होइ जाइ कि दुसरन क उपदेस देइ
क बाद परमेस्सर क जरिये मइँ इ बेकार ठहराइ दीन्ह
जाउँ।

यहूदियन जइसेन न बना

10 भाइयो तथा बहिनियो, मइँ चाहित हउँ कि तू इ
जान ल्या कि हमरे पूर्वजन क का भवा रहा
जउन मूसा क व्यवस्था क मानत रहेन। अउर उ सबहिं
बादल क छत्र छाया मँ सुरच्छापूर्वक लाल सागर पार कइ
ग रहेन। 2ओन्हन सब क बादल क नीचे अउर समुद्दर
मँ मूसा क अनुयायी क रूप मँ बपतिस्मा दीन्हा गवा
रहा। 3ओन सभन क समान आत्मिक भोजन खाए रहेन।
4अउर उ सबइ समान आत्मिक पेय पिए रहेन काहेकि
उ अपने साथे चलत रही उ आत्मिक चट्टान स ही जल
ग्रहण करत रहेन। अउर उ चट्टान रही मसीह। 5मुला
ओहमें स अधिकांस लोगन स परमेस्सर खुस नाहीं रहा,
इही बरे उ पचे मरुभूमि मँ मरि गएन।

6इ बातन अइसेन घटिन कि हमरे बरे उदाहरण
सिद्ध होइ गइन। एँहसे हम खराब बातन क कामना न
करी जइसेन ओन्हन किहे रहेन। 7मूर्ति पूजक न बना,
जइसेन कि ओहमाँ स कछू रहेन। पवित्तर सास्तरन

"खरिहाने ... बाँधा" व्यवस्था 25:4

कहत ह: "मनई खाइ पिअइ क बरे बइठा अउर परस्पर
आनन्द मनावइ क बरे उठा।"* [8]तउन आवा हम कभउँ
व्यभिचार न करी जइसेन ओहमें स कछू किहे रहेन।
इही नाते ओहमें स 2,300 मनई एक्कइ दिन मरि गएन।
[9]आवा हम मसीह क परीच्छा न लेइ, जइसेन कि ओहमे
स कछू जने लिहे रहेन। परिणाम उ लोग साँप द्वारा मारा
गएन। [10]सिकवा-सिकायत न करा जइसेन कि ओनमें
स कछू करत रहत रहेन अउर इही कारण विनास क
सरगदूत क जरिये मार डावा गएन।

[11]इ बात ओनके साथे अइसेन घटी कि उदाहरण
बन जाइ। अउर ओन्हे लिख दीन्हा गवा कि हमरे बरे
जेह पर युगे क अंत उतरा भवा बा, चेतावनी रहइ। [12]एह
बरे जउन इ सोचत ह कि उ मजबूती स खड़ा अहइ,
ओन्हे सावधान रहइ चाही कि उ गिर न पड़इ। [13]तू पचे
कउनो अइसेन परीच्छा मँ नाहीं पड़ा अहा जउन, मनइयन
क बरे सामान्य नाहीं बा। परमेस्सर बिसवासनीय अहइ।
उ तोहार सक्ति स ज्यादा तोहे परीच्छा मँ न पड़इ देई।
परीच्छा क साथे-साथे ओसे बचइ क रस्ता भी तोहे
सबन क देइ ताकि तू परीच्छा क उत्तीर्ण कइ सका।

[14]हमर पिआरा दोस्तन, अंत मँ मइँ कहत हउँ मूर्ति
पूजा स दूर रहा। [15]तोहे समझदार समझिके मइँ अइसेन
कहत हउँ। जउन मइँ कहत हउँ, ओका अपने आप
परखा। [16]धन्यबाद क उ पियाला जेकरे बरे हम धन्यबाद
देत हई, उ का मसीह क लहू (मृत्यु) मँ हमार साझेदारी
नाहीं बा? उ रोटी जेका हम तोड़त त हई, का ईसू देह मँ
हमार साझेदारी नाहीं बा? [17]रोटी क होब एक अइसा
तथ्य अहइ, जेकर अर्थ बा कि हम सब एक्कइ सरीर स
अही। काहेकि ओही रोटी मँ ही हम सब का साझेदारी
बाटइ।

[18]ओन्हन इस्राएलियन (यहूदियन) क बारे मँ सोचा,
जउन बलि क चीज खात हीं। का ओनकर ओह वेदी मँ
साझेदारी नाहीं अहइ? [19]इ बात क मोरे कहइ क प्रयोजन
का बा? का मइँ इ कहई चाहित ह कि मूर्तियन पर
चढ़ावा गवा भोजन कछू महत्व क बाटइ? या कि मूर्ति
कछू भी नाहीं बाटइ। [20]बल्कि मँइ इ कहत हउँ कि
अधर्मी जउन बलि चढ़ावत हीं, उ पचे परमेस्सर क बरे
नाहीं बल्कि दुस्ट आतिमन क बरे चढ़ावत हीं। मँइ नाहीं
चाहत हउँ कि तू पचे दुस्ट आतिमन क बरे चढ़ावा। मइँ
नाहीं चाहित कि तू दुस्ट आतिमन क साझेदार बना। [21]तू
पर्भू क कटोरा अउर सइतान क कटोरा मँ स एक साथ
नाहीं पी सकत्या। तू सबइ पर्भू क भोज क चौकी अउर
दुस्ट आतिमन क खाना क चौकी, दुइनउँ मँ एक साथे
हींसा नाहीं बटाइ सकत्या। [22]का हम पर्भू क चिढ़ावइ
चाहित ह? का जेतना सक्तिसाली उ अहइ, हम ओसे
जियादा सक्तिसाली हई?

आपन स्वतन्त्रता क प्रयोग परमेस्सर क महिमा क बरे करा

[23]जइसेन की कहा गवा बा कि, "हम कछू भी करइ
क बरे स्वतन्त्र हई।" पर सब कछू हितकारी तउ नाहीं
अहइँ। "हम कछू भी करइ क बरे स्वतन्त्र हई।" मुला
हर कउनो बात स बिसवास मजबूत तउ नाहीं होत।
[24]केउ क भी मात्र सुवारथ क ही चिन्ता न करइ चाही
बल्कि अउरन क भलाई क बारे मँ सोचइ चाही।

[25]बजार मँ जउन कछू बिकाइ, अपने अन्तरमने क
अनुसार उ सब कछू खा। ओकरे बारे कउनउ प्रस्न न
करा। [26]काहेकि सास्तर कहत ह, "इ धरती अउर एह
पर जउन कछू बा, सब पर्भू क अहइ।"*

[27]अगर अबिसवासियन मँ स कउनउ मनई तोहे
खाना पर बोलावइ अउर तू उहाँ जाइ चाहत अहा तउ
तोहरे सामने जउनउ परोसा गवा बा, आपने अर्न्तमने क
अनुसार सब खा। कउनउ प्रस्न न पूछा। [28]मुला अगर
केउ तोहे लोगन क इ बतावइ, "इ देवता पर चढ़ावा गवा
चढ़ावा अहइ" तउ जे तोहे इ बतावइ, ओकरे कारण
अउर अपने अर्न्तमने क कारण ओका न खा। [29]मइँ
जब अर्न्तमन कहत हउँ तउ हमार मतलब तोहरे अर्न्तमने
स नाहीं बल्कि ओह दुसरे मनई क अर्न्तमने स बा।
एकमात्र इहई कारण अहइ। काहेकि मोर स्वतन्त्रता भला
दूसरे मनई क अर्न्तमने क जरिये लीन्ह गए निर्णय स
सीमित काहे रहइ? [30]अगर मइँ धन्यबाद दइके, खाना मँ
हिस्सा लेइत ह तउ जेह चीज क बरे मइँ परमेस्सर क
धन्यबाद देइत ह, ओकरे बरे मोर आलोचना नाहीं कीन्ह
जाइ चाही।

[31]इही बरे चाहे तउ खा, चाहे पिआ, चाहे कछू अउर
करा, बस कछू परमेस्सर क महिमा क बरे करा।
[32]यहूदियन क बरे रहा या गैर यहूदियन क बरे जउन
परमेस्सर क कलीसिया क अहइँ, ओनके बरे कभउँ
बाधा न बना [33]जइसे मइँ खुद सब तरह स हर कउनो क
खुस रखइ क जतन करत अहउँ, अउर बिना इ सोचे
कि मोर सुवारथ का अहइ, परमार्थ क सोचत हउँ ताकि
ओनकर उद्धार होइ।

11 तऊन तू लोग वइसेन ही मोर अनुसरण करा
जइसेन मइँ मसीह का अनुसरण करित हउँ।

अधीन रहा

[2]मइँ तोहर प्रसंसा करत हउँ। काहेकि तू मोका हर
समइ सुमिरत करत रहत ह; अउर जउन सिच्छन मइँ
तोहे दिहे हउँ, ओनका सावधानी स पालन करत रह्या।
[3]पर मइँ चाहित ह कि तू इ जान ल्या कि स्त्री क सासक
पुरुस अहइ, पुरुस क सासक मसीह अहइ, अउर मसीह
क सासक परमेस्सर अहइ। [4]हम अइसेन मनई जउन

"मनई … उठा" निर्ग 32:6

"इ … अहइ" भजन 24:1; 50:12; 89:11

सिर ढँकिके पराथना करत ह या परमेस्सर कइँती
बोलत ह, उ आपन प्रधान क अपमान करत ह। 5पर हर
एक अइसी स्त्री जउन बिना सिर ढँकिके पराथना करत
ह या जनता मँ परमेस्सर कइँती बोलत ह, उ अपने
प्रधान क अपमानित करत ह। उ ठीक ओह स्त्री क
समान अहइ जे आपन सिर मुंडवाइ दिहे अहइ। 6अगर
कउनउ स्त्री आपन सिर नाहीं ढँाकत तउ उ अपने
बालउ काहे नाहीं मुँड़वाइ लेत। मुला अगर स्त्री क बरे
बाल मुँड़वाउब लज्जा क बात अहइ तउ ओका आपन
मूँड़ ढँकइ चाही। 7मुला पुरुस क बरे आपन मूँड़ ढकब
अच्छा नाहीं बा काहेकि उ परमेस्सर क सरूप अउर
महिमा क प्रतिबिम्ब अहइ। मुला एक स्त्री आपन पुरुस
क महिमा क प्रतिबिम्ब करत ह। 8हम अइसेन एह बरे
कहत हई काहेकि पुरुस कउनो स्त्री स नाहीं, बल्कि
स्त्री पुरुस स बनी बाटइ। 9पुरुस स्त्री क बरे नाहीं रचा
गवा बल्कि स्त्री क रचना पुरुस क बरे कीन्ह गइ बा।
10इही बरे परमेस्सर तउ ओका जउन अधिकार दिहे
अहइ, ओकर प्रतीक रूप स स्त्री क चाही कि उ आपन
मूँड़ ढाकइ। ओका सरगदूत क कारण अइसेन करइ
चाही।

11फिन भी उ पर्भू मँ न तउ स्त्री पुरुस स स्वतन्त्र
अहइँ अउर न तउ पुरुस स्त्री स। 12काहेकि जइसेन
पुरुस स स्त्री आइ, वइसेन ही स्त्री पुरुस क जनम दिहेस।
मुला सब केउँ परमेस्सर स आवत हीं।

13खुद निर्णय करा। का एक स्त्री क मूँड़ उघारे
परमेस्सर क पराथना करब अच्छा लागत ह? 14का खुद
प्रतीक तोहे नाहीं देखॉवत कि अगर केउ पुरुस आपन
बाल लम्बा बढ़इ देइ तउ इ ओकरे बरे सरम क बात
अहइ, 15अउर इ कि एक स्त्री क बरे इहइ ओकर सोभा
अहइ? सहीयउ मँ ओका ओकरे लम्बा बाल एक प्राकृतिक
ओढ़नी क रूप मँ दीन्ह गवा बा। 16अब एँह पर अगर
कउनउ बिबाद करइ चाहइ तउ हमका कहइ क होइ
कि न तऊ हमरे इहाँ कउनउ अइसेन प्रथा परमेस्सर क
कलीसिया मँ नाहीं बा।

पर्भू क भोज

17अब इ आदेस देत हउँ मइँ तोहर प्रसंसा नाहीं करत
हउँ काहेकि तोहर आपस मँ मिलब तोहार भला करइ
क बजाय तोहे हानि पहुँचावत बा। 18सबसे पहिले इ कि
मइँ सुने हउँ कि तू लोग सभा मँ जब परस्पर मिलत ह्या
त तोहरे बीच मतभेद रहत ह। कछू अंस तक मइँ एह पर
बिसवास करत हउँ। 19आखिरकार तोहरे बीच मतभेद
भी होइहीं। जेहसे कि तोहरे बीच मँ जउन अच्छा ठहरावा
गवा बा, उ सामने आइ जाइ। 20तउन जब तू आपस मँ
इकट्ठा होत ह तउ सचमुच पर्भू क भोज पावइ क बरे
नाहीं एकट्ठा होत्या, 21मुला जब तू भोज ग्रहण करत ह त
तोहमाँ स हर केऊँ आगे बढ़ि क अपनेन ही खाना पर
टूट पड़त ह। अउर बस केउ मनई तउ भूखइ ही चला
जात ह, जब कि कउनउ मनई बहुत जियादा खाइ-पी क
मस्त होइ जात ह। 22का तोहरे लगे खाइ-पीअइ क बरे
आपन घर नाहीं बा। अउर एह तरह तू परमेस्सर क
कलीसिया क अनादर नाहीं करत अहा? अउर जउन
दीन अहइँ ओनकर तिरस्कार करइ क चेस्टा नाहीं
करतेन? मइँ तोहसे का कहीं? एकरे बरे का मइँ तोहर
प्रसंसा करउँ। एह बिसय मँ तोहार प्रसंसा न करब।
23काहेकि जउन सीख मइँ तोहे सबन क दिहे हउँ, उ
हमका पर्भू स मिली रही। पर्भू ईसू त ओह रात, जब
ओका मरवाइ डालइ क बरे पकड़वावा ग रहा, एक ठु
रोटी लिहेस, 24अउर धन्यबाद देइ क बाद, उ ओका
तोड़ेस अउर कहेस, "इ मोर देह अहइ, जउन तोहरे बरे
बा। मोका याद करइ क बरे तू अइसेन ही किहा करा।"
25उ भोजन कइ चुकइ क बाद इही तरह उ कटोरा
उठाएस अउर कहेस, "इ कटोरा मोरे लहू क जरिये
कीन्ह गवा एक नवा करार अहइ। जब कभउँ तू एका
पिआय तबहिं मोका याद करइ क बरे अइसेन करा।"
26काहेकि जेतॅनी बार उ तू एँह रोटी क खात ह अउर
एह कटोरा क पिअत ह, ओतॅनी बार जब तलक उ आइ
नाहीं जात, तू पर्भू क मउत क प्रचार करत रहा।

27अत: जब केउ पर्भू क रोटी या पर्भू क कटोरा क
अनुचित रूप स खात-पिअत ह, उ पर्भू क देह अउर
ओकर लहू क बरे अपराधी होइ। 28मनई क चाहे कि
उ पहिले अपने क परखइ अउर तब इ रोटी क खाई
अउर इ कटोरा क पिअइ। 29काहेकि पर्भू क देह क
मतलब समझे बिना जउन एह रोटी क खात ह अउर एह
कटोरा क पिअत ह, उ एह तरह खाइ–पीके अपने
उप्पर सजा क बोलावत ह। 30इही बरे तउ तोहमाँ स
बहुत लोग कमजोर अहइँ बीमार अहइँ अउर बहुत स त
चिरनिद्रा मँ सोइ ग अहइँ। 31मुला अगर हम अपने आप
क अच्छे तरह स परख लिहे होइत हमका पर्भू क सजा
न भोगइ पड़ी। 32पर्भू हमका अनुसासित करइ क बरे
सजा देत थ। ताकि हमका संसार क साथे दण्डित न
कीन्ह जाइ।

33एह बरे कि हे मोर भाइयो तथा बहिनियो, जब
भोजन करइ त एकठ्ठा होत ह तउ परस्पर एक दूसरे क
इन्तजार करा। 34अगर सहीयउ मँ कउनो क बहुत भूख
लगी होइ तउ ओका घरे पर खाइ लेइ चाही ताकि तोहार
एकत्र होइ तोहरे बरे दण्ड क कारण न बनइ। अउर,
दूसर बातन क जब मइँ अउबइ तबइ सुलझाउब।

पवित्तर आतिमा क बरदान

12 भाइयो तथा बहिनियो, अब मइँ चाहत हउँ कि तू
आतिमा क बरदान क बारे मँ जाना। 2तू जानत
अहा कि जब तू विधर्मी रह्या तब तोहे गॅूगी जड़ मूर्तियन
कइँती जइसेन भटकावा जात रहा, तू वइसेन ही भटकत

रह्या। 3तउन मइँ तोहे बतावत हउँ कि परमेस्सर क
आतिमा क बोलइ वाला कउनउ इ नाहीं कहत, "ईसू क
स्राप लगइ" अउर पवित्तर आतिमा क बगैर मदद द्वारा
कहइवालन क न केउ इ कहि सकई, "ईसू पर्भू अहइ।"

4हर एक क आतिमा क अलग-अलग बरदान मिला
बा। मुला ओनका देइवाली आतिमा तउ एक्कइ बा।
5सेवा कइउ तरह क निस्चित कीन्ह गइ बाटिन मुला हम
सब जेकर सेवा करत अही उ पर्भू तउ एक ही अहइ।
6काम-काज बहुत स बतावा गवा बाटेन मुला सबहिं क
बीच सब कामन क करइवाला उ परमेस्सर तउ एक ही
अहइ। 7सब कउनो मँ आतिमा केउ न केउ रूपे मँ
परगट होत ह जउन हर एक क भलाइ क बरे होत ह।
8कउनो क आतिमा क जरिये परमेस्सर क गियान स
युक्त भइ बोलइ क योग्यता दीन्ह गइ बा। तउ केउ क
उही आतिमा क जरिये दिव्य गियान क प्रबचन क
योग्यता। 9अउर केउ क उही आतिमा द्वारा बिसवास
क बरदान दीहा गवा बा तउ केउ क चंगा करइ क
छमता ऊही आतिमा क जरिये दीन्ह गइ बा। 10अउर
केउ दूसरे मनई क अद्भुत कारजन करइ क सक्ती
दीन्ह गइ बा तउ केउ दूसरे क परमेस्सर कइँती स बोलइ
क सामर्थ्य दीन्ह गवा बा। अउर केउ क मिली बा भली
बुरी आतिमा क अन्तर क पहिचानइ क सक्ती कउनो
क अलग–अलग भाखा बोलइ क सक्ती मिली भइ बा;
तउ केउ क भाखा क बियाखिया कईके ओकर मतलब
निकालइ क सक्ती। 11मुला इ उहई एक आतिमा बा
जउन जेह-जेह क जइसेन-जइसेन ठीक समझत ह, देत
भए इन सब बातन क पूरा कइ सकत ह।

मसीह क देह

12जइसेन हममें स हर एक क सरीर तउ एक्कइ बा,
पर ओहमाँ अंग कइयउ बाटेन। अउर यद्यपि अंगन क
कइयउ रहत भए ओनसे देह एकइ बनत ह वइसेन ही
मसीह अहइ। 13काहेकि चाहे हम यहूदी रहा अही, चाहे
गैर यहूदी, सेवक होइ य स्वतन्त्र। एकइ सरीर क विभिन्न
अंग बनी जाइ क बरे हम सब क एकइ आतिमा द्वारा
बपतिस्मा दीन्ह गवा अउर पियास बुझावइ क हम सब क
एकइ आतिमा दीन्ह गइ बा।

14अब देखा, मनई सरीर कउनो एक अंग स ही
तउ बना नाहीं होत, बल्कि ओहमाँ बहुत स अंग होत हीं।
15अगर गोड़ कहई, "काहेकि मइँ हाथ नाहीं हउँ, इही
बरे मोर सरीर स कउनउ सम्बन्ध नाहीं तउ इही बरे का
उ सरीर क अंग न रही। 16इही तरह अगर कान कहइ,
"काहेकि मइँ आँख नाहीं हउँ," एह बरे मइँ सरीर क
नाहीं हउँ।" तउ का इही कारण स उ सरीर क अंग न
रही। 17अगर एक आँख ही सब सरीर होत तउ सुना
कहाँ स जात? अगर कान ही सब सरीर होत तउ सूघाँ
कहाँ स जात। 18मुला परमेस्सर जइसा ठीक समझेस उ
सही मँ सरीर मँ वइसेन ही स्थान दिहेस। 19तउ सरीर क
सब अंग एक जइसा ही होइ जात तउ सरीर ही कहाँ
होत। 20मुला स्थिति इ बा कि अंग त कइयउ होत हीं
मुला सरीर एक्कइ रहत ह।

21आँख हाथे स इ नाहीं कहि सकत, "मोका तोहार
जरूरत नाहीं बाटइ!" या अइसे ही सिर, गोड़न स इ नाहीं
कहि सकत, "हमका तोहार जरूरत नाहीं!" 22एकरे
बिलकूल उल्टा सरीर क अंगन क हम कमजोर समझित
ह, उ सबइ बहुत जरूरी होत हीं। 23अउर सरीर क जउने
अंगन क हम कम आदरणीय समझित ह, ओनकर हम
जियादा धियान रखित ह। अउर हमार गुप्त अंग अउर
जियादा सालीनता पाइ लेत हीं। 24जब कि हमरे प्रदर्सनीय
अंगन क एह तरह क उपचार क जरूरत नाहीं होत।
मुला परमेस्सर तउ हमरे सरीर क रचना एह ढंग स
किहेस ह जेहसे ओन अंगन क जउन कम सुन्दर बा
अउर जियादा आदर मिलइ। 25ताकि देहे मँ कहूँ कउनउ
फूट न पड़इ बल्कि देहे क अंग परस्पर एक दुसरे क
समान रूप स धियान रखइँ। 26अगर सरीर क कउनउ
एक अंग दुख पावत ह तउ ओकरे साथे सरीर क अउर
सभन अंग दुखी होत हीं। अगर कउनउ एक अंग क
मान बढ़वत ह त ओकर खुसी मँ सभन अंग हिस्सा
बटाव थीं।

27एह तरह तू सभन लोग मसीह क देह अहा अउर
अलग-अलग रूप मँ ओकर अंग अहा। 28एँतना ही नाहीं
परमेस्सर तउ कलीसिया मँ पहिले प्रेरितन क, दूसरे
नबियन क, तीसरे उपदेसकन क फिन अद्भुत कारजन
करइ वालन क, फिन चंगा करइ क सक्ती स युक्त
मनइयन क, फिन ओनकर जउन दुसरन क सहायता
करत हीं, स्थापित किहे अहइ, फिन अगुवाई करइवालन
क अउर फिन ओन्हन लोगन क जउन विभिन्न भाखा
बोल सकत हीं। 29का इ सब लोग प्रेरित अहइँ? का इ
सब लोग नबी अहइँ? का इ सब लोग उपदेसक अहइँ?
का इ सब लोग अचरज काम करत हीं? 30का इ सब
लोगन क लगे चंगा करइ क सक्ती बाटइ? का इ सब
लोग दूसर भाखा बोलत हीं? 31हाँ, मुला आतिमा क
अउर बड़ा बरदान पावइ क बरे यत्न करत रहा। अउर
इ सबन क बरे अच्छा रस्ता तू पचन क अब मइँ
देखउब।

पिरेम महान बा

13 अगर मइँ मनइयन अउर सरगदूतन क भाखा
बोल सकउँ मुला मोहेमाँ पिरेम न होइ, तउ मइँ
एक बाजत भआ सिरिफ घड़ियाल या झंकारत भइ झाँझ
अहउँ। 2अगर मइँ परमेस्सर कइँती स बोलइ क सक्ती
क बरदान प्राप्त करउँ अउर जदि मइँ परमेस्सर क
सबइ रहस्यन क जानत होउँ अउर समूचा दिव्य गियान
मोरे लगे होइ अउर एँतना बिसवास उ मोका होइ कि

पर्वतन क अपने स्थान स सरकाइ सकउँ, मुला मोहेमाँ
पिरेम न होइ तउ मइँ कछू नाहीं अहउँ। 3अगर मइँ
आपन सारी सम्पत्ति थोड़-थोड़ कइके जरूरत मन्द क
बरे दान कइ देउँ अउर अब चाहे अपने सरीर तक क
जलाइ डालइ क बरे सौंप देउँ मुला अगर मइँ पिरेम नाहीं
करित तउ।
4एहसे मोर भला होइवाला नाहीं बा। पिरेम धीरजपूर्ण
बा, पिरेम दयामय बा, पिरेम मँ ईर्सा नाहीं होत, पिरेम
आपन प्रसंसा आप नाहीं करत। 5उ अभिमानी नाहीं
होत। उ अनुचित व्यवहार कबहुँ नाहीं करत, उ सुवार्थी
नाहीं बा, पिरेम कबहुँ झुँझलात नाहीं, उ बुराइयन क
कउनउ लेखा-जोखा नाहीं रखत। 6बुराइ पर कबहुँ ओका
खुस नाहीं होतइ। उ तउ दुसरन क साथे सत्य पर आनंदित
होत ह। 7उ हमेसा रच्छा करत ह, उ हमेसा बिसवास
करत ह। पिरेम हमेसा आसा स भरा रहत ह। उ सहनसील
बा। 8पिरेम अमर बा। जब कि भविस्सबाणी करइ क
सामर्थ तउ समाप्त होइ जाई, दूसर भाखा क बोलइ क
छमता स जुरी भइ जीभ एक दिन चुप होइ जइहीं, दिव्य
गियान क उपहार जात रही, 9काहेकि हमार गियान तउ
अधूरा बा, हमार सब भविस्सबाणी अपूर्ण बाटिन। 10मुला
जब पूर्णता आई तउ उ अधूरापन चला जाई। 11जब मइँ
गदेला रहे तउ एक गदेला क तरह ही बोला करत रहे,
वइसेन ही सोचत रहे अउर उही तरह सोच विचार करत
रहे, मुला अब जब मइँ बाढ़िके मनई बनि गवा हउँ, तउ
उ बचपने क बात जात रही बाटइ। 12काहेकि अबहिं तउ
दरपन मँ हमका एक धुँधली सी छाया देखॉइ पड़त रही
बा मुला पूरी तरह मिलि जाए पइ हम पूरी तरह
आमने-सामने देखब। अबहिं तउ मोर गियान तनिक बा
मुला समइ आवइ पर उ पूरा होये। वइसे ही जइसे परमेस्सर
मोका पूरी तरह जानत ह। 13इही बीच बिसवास, आसा
अउर पिरेम तउ बना ही रहइँ अउर इन तीनऊ मँ सबसे
महान बाटइ पिरेम।

आत्मिक बरदानन क कलीसिया क सेवा मँ लगावा

14 पिरेम क रस्ता पर कोसिस करत रहा। अउर
आध्यात्मिक बरदानन क निष्ठा क साथे
अभिलास करआ। बिसेस रूप स परमेस्सर क तरफ स
बोलइ क।
2काहेकि जेका दुसरन क भाखा मँ बोलइ क बरदान
मिला ब, उ तउ सही मँ लोगन स नाहीं, बल्कि परमेस्सर
स बात करत बाटइ। काहेकि ओका केउ समझ नाहीं
पावत, उ त आतिमा क सक्ति स रहस्यमय होइके बानी
बोलत बा। 3मुला उ जेका परमेस्सर कइँती स बोलइ क
बरदान मिला बा, उ लोगन स ओन्हे आतिमा मँ मजबूत
प्रोत्साहन अउर चैन पहुँचावइ बरे बोलत बा। 4जेका
विभिन्न भाखन मँ बोलइ क बरदान मिला बा उ तउ बस
आपन आतिमा क ही मजबूत करत ह मुला जेका परमेस्सर
कइँती स बोलइ क सामर्थ मिला बा उ समूची कलीसिया
क आध्यात्मिक रूप स मजबूत बनावत ह।
5अब मइँ चाहत हउँ कि तू सबइ दूसर कइयउ
भाखा बोला। मुला एहसे जियादा मइँ इ चाहित हउँ कि तू
परमेस्सर कइँती स बोल सका काहेकि कलीसिया क
आध्यात्मिक मजबूती क बरे अपने कहे क बियाखिया
करइवाले क छोड़िके, दूसरी भाखा बोलइवालन स
परमेस्सर कइँती स बोलइवाला बड़ा बा।
6तउन भाइयो तथा बहिनियो, अगर दूसरी भाखन मँ
बोलत भआ मइँ तोहरे लगे आवउँ तउ एहसे तोहार का
भला होइ, जब तलक कि तोहरे बरे मइँ कउनउ रहस्य
उद्घाटन, दिव्य गियान, परमेस्सर क सन्देस या कउनउ
उपदेस न देउँ। 7इ बोलब त अइसेन ही होइ जइसे कउनो
बाँसुरी या सांरगी जइसेन निर्जीव बाजा क आवाज। अगर
कउनो बाजा क स्वरन मँ परस्पर साफ अन्तर न होइ
तउ कउनउ कइसे पता लगाइ पाई कि बाँसुरी या सांरगी
पर कउन स धुन बजाइ जात बा। 8अउर अगर बिगुल स
अस्पस्ट आवाज निकलइ लागइ तउ फिन युद्ध क बरे
तइयार के होई? 9इही तरह कउनो दूसरे क भाखा मँ
जब तक कि तू साफ-साफ न बोला, तब तलक केऊॅ
कइसेन समझ पाई कि तू का कहे रह्या। काहेकि
अइसेन मँ तू बस हवा मँ बोलइवाला ही रहि जाब्या।
10एहमाँ कउनउ संदेह नाहीं बा कि संसार मँ भाँति-भाँति
क बोली अहइँ अउर ओहमाँ स कउनउ खराब नाहीं
अहइ। 11तउन अब तलक मइँ ओह भाखा क जानकार
नाहीं हउँ, तब तलक बोलइवालन क बरे मइँ एक
अजनबी ही रहबइ। अउर उ बोलइवाला मोरे बरे एक ठु
अजनबी ही ठहरी। 12तोह पइ इ बात लागू होत ह काहेकि
तू आध्यात्मिक बरदानन क पावइ बरे उत्सुक अहा।
इही बरे ओहमाँ भरपूर होइ क प्रयास करा। जेहसे कलीसिया
क आध्यात्मिक मजबूति मिली जाइ।
13परिणामसरूप जउन दूसर भाखा मँ बोलत ह, ओका
पराथना करई चाही कि उ आपन कहे क मतलब भी
बताइ सकइ। 14काहेकि अगर मइँ कीहींउ अउर भाखा
मँ पराथना करउँ तउ मोर आतिमा त पराथना करत
रही होत ह मुला मोर बुद्धि बेकार रहत ह।
15तउ फिन का करइ चाही? मइँ आपन आतिमा स
तउ पराथना करबइ। मुला ओकरे साथ आपन बुद्धि स
भी पराथना करबइ। आपन आतिमा स त ओकर स्तुति
करबइ ही मुला आपन बुद्धि स भी ओकर स्तुति करबइ।
16काहेकि अगर तू केवल आपन आतिमा स ही कउनउ
आसीर्बाद द्या तउ हुवाँ बइठा कउनउ मनई जउन बस
सुनत अहइ, तोहरे धन्यबाद पर "आमीन" कइसे कहि
देई काहेकि तू जउन कहत अहा, ओका उ जनबइ नाहीं
करत। 17अब देखा तू तउ चाहे भली-भाँति धन्यबाद देत
अहा मुला दूसर मनई क तउ ओसे कउनउ आध्यात्मिक
मजबूति नाहीं होत।

18मइँ परमेस्सर क धन्यबाद देत हउँ कि मइँ तोसे
बढ़कर क विभिन्न भाखा बोलि सकित हउँ। 19मुला
कलीसिया सभा क बीच कउनो दूसरी भाखा मँ दसहु
हज़ार सब्द बोलइ क अपेच्छा आपन बुद्धि क उपयोग
करत हुए पाँच सब्द बोलब अच्छा समझत अहउँ ताकि
दूसरे क भी उपदेस दइ सकउँ।

20भाइयो तथा बहिनियो, अपने बिचारन मँ गदेलन
क नाई रहा बल्कि बुराइयन क बारे मँ अबोध गदेला
जइसेन बना रहा। मुला आपन चिन्तन मँ समझदार बना।
21व्यवस्था मँ लिखा बा:

> "उपयोग ओनकर करत भए अउर बोली बोलत
> जउन, ओनके ही मुँहन क, उपयोग करत भए
> जउन क पराया मइँ करबइ बात एनसे पर न इ
> हमार सुनिहीं बात तब भी ।"
>
> *यसायाह 28:11-12*

पर्भू अइसेन ही कहत ह।

22तउन दूसर भाखा बोलइ क बरदान अबिसवासियन
क बरे संकेत अहइ न कि बिसवासियन क बरे अहइ।
जब कि भविस्सबाणी करब अबिसवासियन बरे नाहीं
बल्कि बिसवासियन बरे अहइ। 23तउन अगर समूचा
कलीसिया एकट्ठ होइ अउर हर केऊ दूसर–दूसर भाखा
मँ बोलत होइ तब भी बाहर क लोग या अबिसबासी
भित्तर आइ जाइँ तउ का उ पचे तोहे पागल न कइहीं।
24मुला अगर हर केउ परमेस्सर कइँती स बोलत होइँ
अउर तब तलक कछू अबिसवासी या बाहर क आइ
जाइँ त का सब लोग ओका ओकर पाप क बोध न
कराइ देइहीं। सब लोग जे कहत हीं, ऊही पइ ओकर
निआव होई। 25जब ओकरे मने क भित्तर छिपा भेद
खुली जाइ तब तलक उ इ कहत भआ, "सचमुच तोहरे
बीच परमेस्सर अहइ" दण्डवत प्रणाम कइके परमेस्सर
क आराधना करिहीं।

तोहर सभा अउर कलीसिया

26भाइयो तथा बहिनियो! तउ फिन का करइ चाही?
तू जब एकट्ठा होत ह तोहमाँ स कउनउ भजन, कउनउ
उपदेस अउर कउनउ आध्यात्मिक रहस्य क उद्घाटन
करत ह। कउनउ केउ अउर भाखा मँ बोलत ह त
कउनउ ओकर बियाखिया करत ह। इ सब बात कलीसिया
क आध्यात्मिक मजबूती क बरे कीन्ह जाइ चाही। 27अगर
केउ अउर भाखा मँ बोलत बाटइ तउन जियादा स जियादा
दुइ या तीन क ही बोलइ चाही अउर बारी बारी, एक-एक
कइके अउर जउन कछू कहा गवा बा, एक-एक क
ओकर बियाखिया करइ चाही। 28अगर उहाँ बियाखिया
करइवाला केउ न होइ तउ बोलइवाले क चाही कि उ
सभा मँ चुपइ रहइ अउर फिन ओका अपने आप स
अउर परमेस्सर स ही बात करइ चाही। 29परमेस्सर
कइँती स ओकर दूत क रूप मँ बोलइ क जेनका बरदान
मिला बा, अइसेन दुइ या तीन नबियन क ही बोलइ चाही
अउर दूसरन क चाही कि जउन कछू उ कहे अहइ, उ
ओका परखत रहइँ। 30अगर हुवाँ केउ बइठा भआ पर
कउने क बात रहस्य उद्घाटन होत ह जउन परमेस्सर
कइँती स बोलत अहइ पहिला वक्ता क चुप होइ जाइ
चाही। 31काहेकि तू एक-एक कइके भविस्सबाणी कइ
सकत ह्या ताकि सबहिं लोग सीखइँ अउर प्रोत्साहित
होइँ।

32नबियन क आतिमन नबियन क बस मँ रहत हीं।
33काहेकि परमेस्सर अव्यवस्था नाहीं देत, उ सान्ति देत
ह। जइसेन कि सन्तन क सभन कलीसियन मँ होत ह।

34स्त्रियन क चाही कि उ कलीसियन मँ चुप रहइँ
काहेकि ओन्हे सान्त रहइ चाही, बल्कि जइसेन कि
व्यवस्था मँ कहा गवा बा, ओनका दबिके रहइ चाही।
35अगर उ कछू जानइ चाहत ह तउ ओन्हे घरे पे
आपन-आपन पति स पूछइ चाही काहेकि एक स्त्री क
बरे सर्मनाक अहइ कि उ सभा मँ बोलइ।

36का परमेस्सर क बचन तोहसे पैदा भवा बा? या उ
मात्र तोहे तलक पहुँचा? निस्चित नाहीं बा। 37अगर केउ
सोचत ह कि उ नबी अहइ अउर ओका कछू आध्यात्मिक
बरदान मिला बा तउ ओका पहिचान लेइ चाही कि मइँ
तोहे जउन कछू लिखत हउँ, उ पर्भू क आदेस बा।
38तउन अगर केउ एँका नाहीं पहिचान पावत तउ ओका
उ परमेस्सर द्वारा भी नाहीं जाना चाई।

39एह बरे मोर भाइयो तथा बहिनियो, परमेस्सर कइँती
स बोलइ क तत्पर रहा अउर दूसर भाखा मँ बोलइ
वालन क भी न रोका। 40मुला इ सभन बातन सही ढंग
स अउर व्यवस्थानुसार कइ जाइ चाही।

ईसू क सुसमाचार

15 भाइयो तथा बहिनियो, अब मइँ तोहे सबन क
ओह सुसमाचार क याद दिवावइ चाहत हउँ जेका
मइँ तोहे सुनाए हउँ अउर तूहउ सबे जेका ग्रहण किहे
रह्या अउर जेहमाँ तू हमेसा स्थित बना भवा अहा।
2अउर जेकरे जरिये तोहर उद्धार भी होत बा बसर्ते तू
ओन्हन सब्दन क जेका मइँ तोहे आदेस दिहे रहेउँ,
अपने मँ मजबूती स थामे रखा। (नाहीं तउ तोहर बिसवास
धारन करबइ ही बेकार गवा।)

3जउन सबसे पहिले बात मोका मिली भइ रही, ओका
मइँ तोहे तलक पहुँचाइ दिहेउँ कि पवित्तर सास्तरन क
अनुसार, मसीह हमरे पापन क बरे मरा 4अउर ओका
दफनाइ दीन्ह गवा। अउर पवित्तर सास्तरन क अनुसार
फिन तीसरे दिना ओका जियाइके उठाइ दीन्ह गवा।
5अउर फिन उ पतरस क सामने परगट भवा अउर
ओकरे बाद बारह प्रेरितन क उ दर्सन दिहेस।

6फिन उ पाँच सऊ स भी जियादा भाइयन क एक
साथे देखॉइ दिहेस। ओनमाँ स बहुतेरे आज तलक जिन्दा
अहइँ। जद्यपि कछू क मउत भी होइ चुकी बा। 7एकरे
बाद उ याकूब क सामने परगट भवा। अउर तब उ सभी
प्रेरितन क फिन दर्सन दिहेस। 8अउर सब स अंत मँ ओ
मोका भी केउ दर्सन दिहेस। मइँ तउ समइ स पहिले
असामान्य जन्मा सतमासा बच्चा जइसेन अहउँ।

9काहेकि मइँ तउ प्रेरितन मँ सबसे छोटका हउँ। इहाँ
तलक कि मइँ तउ प्रेरित कहवावइ क योग्य नाहीं हउँ,
काहेकि मइँ तउ परमेस्सर क कलीसिया क सतावा
करत रहेउँ। 10मुला परमेस्सर क अनुग्रह स मइँ वइसेन
बना हउँ जइसेन आज अहउँ मोहे पइ ओनकर अनुग्रह
बेकार नाहीं गवा। मइँ त ओन सबसे बढ़ी चढ़ी क मेहनत
किहे हउँ, जद्यपि उ मेहनत करइवाला मइँ नाहीं रहेउँ,
बल्कि परमेस्सर क उ अनुग्रह रहा जउन मोरे साथे
रहत रहा। 11तउन चाहे तोहे मइँ उपदेस दिहे होइ चाहे
ओ, मइँ सब इहई उपदेस देइत ह अउर इही पइ तू
बिसवास किहे अहा।

हमार पुनरुत्थान

12मुला जब कि मसीह क मरे भएन मँ स पुनरुत्थान
कीन्ह गवा तउ तोहमाँ स कछू अइसेन काहे कहत
बाटेन कि मउत क बाद फिन स जी उठब सम्भव नाहीं
बा। 13अउर अगर मउत क बाद जी उठब ही नाहीं तउ
फिन मसीह क मउत क बाद नाहीं जियावा गवा। 14जदि
मसीह नाहीं जिया तउ हमार उपदेस देब बेकार बा अउर
तोहार बिसवास भी बेकार बा। 15अउर हमहूँ फिन तउ
परमेस्सर क बारे मँ झूठा साच्छी ठहरत अही काहेकि
हम तउ परमेस्सर क सामने कसम खाइके इ साच्छी
दिहे अही कि उ मसीह क मरे भएन मँ स जियाएस। मुला
उनके कहइ क अनुसार अगर मरा भवा जियावा नाहीं
जात तउ फिन परमेस्सर मसीह क भी नाहीं जियाएस।
16काहेकि अगर मरा भवा नाहीं जियाइ जात ह तउ
मसीह क भी नाहीं जियावा गवा। 17अउर अगर मसीह
क फिन स जिन्दा नाहीं कीन्ह गवा रहा, फिन तउ तोहार
बिसवास भी बेकार बा, अउर तू अबहुँ अपने पापन मँ
फँसा भवा ह। 18हाँ, तउ फिन जे मसीह क बरे आपन
प्रान दइ दिहेन, उ सबइ अइसेन ही खतम भएन। 19अगर
हम केवल अपने भौतिक जीवन क बरे ही ईसू मसीह मँ
आपन आसा रखे रही तब तउ हम अउर सबहिं लोगन
स जियादा अभागा हई।

20मुला अब सहीमँ इ अहइ कि मसीह क मरे भएन
स जियावा गवा। उ मरे भएन क फसल क पहिला फल
अहइ। 21काहेकि जब एक ही मनई क द्वारा मउत
आइ तउ एक मनई क द्वारा ही मउत स फिन जिन्दा
होइ उठा। 22काहेकि ठीक वइसेन ही जइसेन आदम क
कर्मन क कारण हर किहू क बरे मउत आइ, वइसेन ही
मसीह क द्वारा सबक फिन स जियाइ उठावा जाई।
23मुला हर एक क ओकरे अपने करम क अनुसार
सबसे पहिले मसीह क, जउन फसल क पहिला फल
अहइ अउर फिन ओकरे पुन: आवई पर ओनकर,
जउन मसीह क अहेन। 24एकरे बाद जब मसीह सबन
सासकन, अधिकरियन, हर तरह क सक्तियन क अंत
कइके राज्य क परमपिता परमेस्सर क हाथन सौंपे देई,
तब प्रलय होइ जाई। 25मुला जब तलक परमेस्सर मसीह
क सत्रुवन क ओकरे परमेस्सर नियन्त्रण मँ न लाइ देइ
तब तलक उ अवस्य राज्य करी। 26सबसे आखिरी सत्रु
क रूपे मँ मउत क नास कीन्ह जाई। 27पवित्तर सास्तर
कहत ह, "परमेस्सर तउ हर केउ क मसीह क चरनन
क अधीन रखे बा।"*अब देखा जब सास्तर कहत ह,
"सब कछू" क ओकरे अधीन कइ दीन्ह गवा बा, तउ
जउन, सब कछू क ओकरे चरनन क अधीन कीन्हा
बाटेन, उ खुदइ एकर अपवाद बा। 28अउर जब सब
कछू मसीह क अधीन कइ दीन्ह गवा बा, तउ इहाँ
तलक कि खुद बेटवा केऊ ओह परमेस्सर क अधीन
कइ दीन्हा जाई, जे सब कछू क मसीह क अधीन कइ
दिहेस ताकि हर केउ पइ पूरी तरह परमेस्सर क सासन
होइ। 29नाहीं तउ जे अपने परान क दिहे अहइँ, ओनकइ
कारण जउन बपतिस्मा लिहे अहइँ, उ पचे का करिहीं।
अगर मरा हुआ कभउँ फिन स जिन्दा होतेन नाहीं तउ
लोगन क ओनकर बरे बपतिस्मा दीन्ह ही काहे जात
अहइ? 30अउर हमइँ सब घड़ी संकट झेलत रहित ह?
31भाइयो, तोहरे बरे मोर उ गरब जेहमाँ हमार पर्भू मसीह
ईसू मँ स्थित होइ क नाते रखत हई, ओका साछी कइके
कसम खाइके कहत हई कि मइँ हर दिन मरित हउँ।
32अगर मइँ इफिसुस मँ जंगली पसुवन क साथे मानवीय
स्तर पर ही लड़े रहे तउ ओसे मोका का मिला। अगर
मरा भवा स जिआवा नाहीं जातेन तउ, "आवा, खाई, पीई
काहेकि काल्हि तउ मरिन जाब।"*

33भटकब बन्द करा: "खराब संगत स अच्छी आदत
खतम होइ जात हीं।" 34होस मँ आवा, अच्छा जीवन
अपनावा, जइसेन कि तोहे होइ चाही। पाप करब बन्द
करा। काहेकि तोहमाँ स कछू तउ अइसेन अहइँ जउन
परमेस्सर क बारे मँ कछू भी नाहीं जानतेन। मइँ इ एह
बरे कहत हउँ कि तोहे सरम आवइ।

हमका कइसेन देह मिली?

35मुला केउ पूछ सकत ह, "मरा भवा कइसे जिआवा
जात ह? अउर उ फिन कइसेन देह धारन कइके आवत
ह?" 36तू केतना मूरख अहा। तू जउन बोअत अहा उ
जब तलक पहिले मरि नाहीं जांत जिन्दा नाहीं होत।

"परमेस्सर ... बा" भजन 8:6

"आवा ... जाब" यसा 22:13; 56:12

[37]अउर जहाँ तलक जउन तू बोवत अहा, ओकर प्रस्न बा, तउ जउन पऊधा बिकसित होइ क बा, तू ओह भरा-पूरा पऊधा क तउ धरती मँ नाहीं बोउत्या। बस केवल बीया बोवत अहा, चाहे उ गोहूँ क दाना होइ अउर चाहे कछू अउर क। [38]फिन परमेस्सर जइसेन चाहत ह, वइसेन रूप ओका देत ह। हर बीज क उ ओकर आपन सरीर प्रदान करत ह। [39]सबहिं जिन्दा मनइयन क सरीर एक जइसा नाहीं होत। मनइयन क सरीर एक तरह क होत ह जबकि पसुवन क सरीर दुसरे तरह क। चिड़ियन क देह अलग तरह क होत ह अउर मछलियन क अलग। [40]कछू देह दिव्य होत ह अउर कुछ पार्थिव मुला दिव्य देह क आभा एक तरह क होत ह अउर पार्थिव सरीर क दुसरे प्रकार क। [41]सूरज क तेज एक तरह क होत ह अउर चाँद क दुसरे तरह क। तारन मँ भी एक भिन्न तरह प्रकास रहत ह। अउर हाँ, तारन क प्रकास भी एक दुसरे स भिन्न रहत ह।

[42]तउन जब मरे भए जी उठिहीं तबऊ अइसेन ही होई। उ देह जेका धरती मँ दफनाइ क "बोवा" गवा बा, नासवान बा मुला उ देह जेकर पुनरुत्थान भवा बा, अबिसवासी बाटइ। [43]उ काया जउन धरती मँ "दफनाई" गइ बा, अनादरपूर्ण बा मुला उ काया जेकर पुनरुत्थान भवा बा, महिमा स मंडित बा। उ काया जेका धरती मँ "दफनाई" गवा बा, कमजोर बा मुला उ काया जेका फिन स जिन्दा कीन्ह गवा बा, सक्तिसाली बा। [44]जेह काया क धरती मँ "दफनावा" गवा बा, उ प्राकृतिक बा मुला जेका फिन स जिन्दा कीन्ह गवा बा, उ आध्यात्मिक देह अहइ।

अगर प्राकृतिक सरीर होत हीं, तउ आध्यात्मिक सरीरन क भी अस्तित्व बा। [45]पवित्तर सास्तरन कहत ह: "पहिला मनई (आदम) एक सजीव प्रानी बना।"* मुला अंतिम आदम (ईसू) जीवन दाता आतिमा बना। [46]आध्यात्मिक पहिले नाहीं अउतेन, बल्कि पहिले आवत हीं भौतिक अउर फिन ओकरे बाद ही आवत हीं आध्यात्मिक। [47]पहिले मनई क धरती क माँटी स बनावा गवा अउर दूसर मनई सरगे स आवा। [48]जइसेन ओह मनई क रचना माँटी स भइ, वइसेन ही सबन लोग माँटी स ही बनेन। अउर ओह दिव्य मनई क समान अउर दिव्य मनइयन भी स्वर्गीय बाटेन। [49]हम उ माटी स बने मनई क तरह बनाए गयेन ह, तउ ओह स्वर्गीय क रूप भी हम धारन करब। [50]भाइयो तथा बहिनियो, मइँ तोहे इ बतावत हउँ: लहू अउर माँस क इ पार्थिव सरीर परमेस्सर क राज्य क उत्तराधिकार नाहीं पाइ सकतेन। अउर न ही जउन बिनासमान अहइँ, उ अविनासी क उत्तराधिकारी होइ सकत हीं। [51]सुना, मइँ तोहे सबन क एक रहस्यपूर्ण सत्य बतावत हउँ: हम सबन मरबइ न, बल्कि हम सब बदल दिहा जाबइ। [52]जब अंतिम तुरही बजी तब पलक झपकत एक छन मँ ही अइसेन होइ जाई। काहेकि तुरही बजे अउर मरा हुआ अमर होइके जी उठिहीं अउर हम जउन अबहिं जिन्दा हयेन, बदलि दिहा जइहीं। [53]काहेकि इ नासवान देह क अविनासी चोला क धारन करब जरूरी बा अउर एह मरनसील काया क अमर चोला धारन कइ लेब जरूरी बा। [54]तउन जब इ नासवान देह अबिनासी चोला धारन कइ लेई अउर उ मरणसील काया अमर चोला ग्रहण कइ लेई तउ पवित्तर सास्तर क लिखा इ पूरा होइ जाई।

"विजय त मऊत क निगल लिहा।"
यसायाह 25:8

[55]"अरी ओ मऊत! तोहार बिजय अब कहाँ बा?
अरी ओ मऊत! तोहार दंस कहाँ बा?"
होसे 13:14

[56]पाप मऊत क दंस अहइ अउर पाप क सक्ती मिलत ह व्यवस्था स। [57]मुला परमेस्सर क धन्यबाद बा जउन पर्भू ईसू मसीह क जरिये हमका बिजय देवावत ह।

[58]तउन मोर पिआरा भाइयो तथा बहिनियो, अटल बना डटा रहा। पर्भू क काम क बरे अपने आपके हमेसा पूरा तरह अर्पित कइ द्या। काहेकि तू त जनतइ अहा कि पर्भू मँ कीन्ह गवा तोहार काम बेकार नाहीं बा।

दूसरे बिसवासियन क बरे भेंट

16 अब देखा! संतन क बरे दान एकट्ठा करइ क बारे मँ मइँ गलातियन क कलीसियन क जउन आदेस दिहे हउँ तुहउँ वइसेन ही करा। [2]हर रविवार क आपन आय मँ स कछू न कछू अपने घरे पर ही एकट्ठा करत रहा। ताकि जब मइँ आउँ ओह समइ दान एकट्ठा न करइ पड़इ। [3]मोरे ऊहाँ पहुँचइ पर जेह कउनो मनई क तू चाहा, मइँ ओका परिचय पत्र दइके तोहर उपहार यरूसलेम लइ जाइके बरे भेज देबइ। [4]अउर अगर मोर जाबऊ अच्छा भवा तउ उ पचे मोरे साथेन चला जइहीं।

पौलुस क सबइ योजना

[5]मइँ जब मैसीडोनिया होइके जाबइ तउ तोहरे लगे भी अउबइ काहेकि मैसीडोनिया स होत भवा जाइके कामे क मइँ निस्चित कइ चुका हउँ। [6]होइ सकत ह मइँ कछू समइ तोहरे साथे ठहराउँ या जाड़ा ही तोहरे साथे बितावउँ ताकि जहाँ कहूँ मोका जाइ क होइ, तू मोका बिदा कइ सका।

[7]मइँ इ तउ नाहीं चाहित कि उहाँ स जात-जात ही बस तोहसे मिल लेउँ बल्कि मोका तउ आसा बा कि मइँ

"पहिला ... बना" उत्पत्ति 2:7

अगर पर्भू चाही तउ कछू समइ तोहरे साथे रहबइ। 8मइँ
पिन्तेकुस्त क उत्सव तक इफिसुस स ठहरबउँ। 9काहेकि
ठोस काम करइ क सम्भावना क भी उहाँ बड़ा दुवार
खुला बा अउर फिन उहाँ मोर विरोधी भी त बहुत स
अहइँ।

10अगर तीमुथियुस आइ पहुँचइ त धियान रख्या
ओका तोहरे साथे कस्ट न होइ काहेकि मोरे समान ही
उहउ पर्भू क काम करत बा। 11इही बरे कउनउ ओका
छोट न समझइ। ओका ओकरे इ यात्रा पर सान्ति क
साथे बिदा कर्‌या ताकि उ मोरे लगे आइ पहुँचइ। मइँ
दूसरे भाइयन क साथे ओकरी अवाई क इन्तजार करत
हउँ।

12अब हमार भाइ अपुल्लोस क बात इ बा कि मइँ
ओका दूसरे भाइयन क साथे तोहरे लगे जाइ क बहुत
जियादा उत्साहित किहे अहउँ। मुला परमेस्सर क इ
इच्छा बिल्कुल नाहीं रही कि उ अबहिं तोहरे लगे आवत।
मुला अवसर पउतइ ही उ आइ जाई।

पौलुस क पत्र क समाप्ति

13सावधान रहा। मजबूती क साथे आपन बिसवास मँ
अटल बना रहा। 14साहसी बना, सक्तिसाली बना। तू
जउन कछू करा, पिरेम स करा। 15तू लोग स्तिफनास
क घरान क तउ जनबइ करत ह कि उ अखाया क
फसल क पहिला फल अहइ। उ परमेस्सर क लोगन क
सेवा क बीड़ा उठाए अहइ। तउन भाइयो तथा बहिनियो,
तोहसे मोर निवेदन बा कि 16तू लोग भी अपने आप क
अइसेन लोगन क अउर हर ओह मनई क अगुवाई मँ
सौंप द्‌या जउन एह काम स जुड़ा बा अउर पर्भू क बरे
मेहनत करत ह।

17स्तिफ़नास, फुरतूनातुस अउर अखइकुस क
उपस्थिति स मइँ खुस हउँ। काहेकि मोरे बरे जउन तू
नाहीं कइ सक्या, अउर उ पचे कइ देखाएन। 18उ पचे
मोर अउर तोहार आतिमा क आनन्दित किहे अहइँ।
इही बरे अइसेन लोगन क सम्मान करा।

19एसिया प्रान्त* क कलीसियन कइँती स तोहे पर्भू
मँ नमस्कार! अक्विला अउर प्रिस्किल्ला! ओनके घरे
पर एकट्‌ठा होइवाली कलीसिया कइँती स तोहे हार्दिक
नमस्कार।

20सबन भाइयो तथा बहिनियो, कइँती स तोहे सबन
क नमस्कार। पवित्तर चुम्मा क साथे तू आपस मँ एक
दुसरे क सत्कार करा।

21मइँ पौलुस, तोहे सबन क अपने हाथन स नमस्कार
लिखत हउँ। 22अगर केउ पर्भू मँ पिरेम नाहीं रखतेन
तउ ओनका अभिसाप मिलइ। हमार पर्भू आवा! 23पर्भू
ईसू क अनुग्रह तोहे सबन क मिलइ। 24ईसू मसीह मँ
तोहरे बरे मोर पिरेम तू सबन क साथे रहई।

एसिया प्रान्त मतलब एसिया माइनर।

कुरिन्थियन क दूसरी पत्र

1 परमेस्सर क इच्छा स मसीह ईसू क प्रेरित पौलुस
अउर हमरे भाई तीमुथियुस क कइँती स कुरिन्थुस
परमेस्सर क कलीसिया अउर अखाया क पूरे छेत्रन क
पवित्तर लोग क नाउँ:
2हमार परमपिता परमेस्सर अउर पर्भू ईसू मसीह
क कइँती से तू सबन क अनुग्रह अउर सान्ति मिलइ।

पौलुस क परमेस्सर क धन्यवाद

3हमारा पर्भू ईसू मसीह क परमपिता परमेस्सर धन्य
अहइ। उ दया क स्वामी अहइ अउर आनन्द क प्रेरणा
अहइ। 4हमार हर विपत्तिन मँ उ हमका सान्ति देत ह
ताकि हमहूँ हर प्रकार क विपत्तिन मँ पड़े लोगन क
वइसेनइ सान्ति दइ सकी। जइसेन परमेस्सर हमका दिहे
अहइ। 5काहेकि जइसेन मसीह क सबइ यातना मँ हम
सहभागी अही। वइसेनही मसीह क कारण हमार आनन्द
भी तोहरे बरे उमड़त बा। 6जदि हम कष्ट उठाइत ह तउ
उ तोहरे दिलासा अउर उद्धार क बरे बा। अउर हम
आनन्दित अही। तउ उ तोहरे दिलासा क बरे बा। ई
आनन्द ओनही यातना क जेनका हमहूँ सहत अही। तू
सबन क धीरज क साथ सहई बरे प्रेरित करत ह।
7तोहरे बिसय मँ हमका पूरी आसा बा। काहेकि हम
जानित ह कि जइसे हमरे कस्टन क तू बाँटत ह, वइसेनइ
ही हमरे आनन्द मँ तोहार भाग बा।
8भाइयो, हम चाहित ह कि तू ओन यातना क बारे मँ
जाना जउन हमका एसिया* मँ झेलइ क पड़ी रही। उहाँ
हम, हमार सहन सक्ति क सीमा स कहूँ बहुत बोझन क
तरे दबाइ गवा रहे। इहाँ तक कि हमका जिअइ क
कउनउ आसा नाहीं रही ग रही। 9हाँ अपने अपने मने मँ
हमका अइसेन लागत रहा जइसेन हमका मऊत क सजा
दीन्ह गइ रही। ताकि हम अपने ऊपर अउर जियादा
भरोसा न कइके परमेस्सर पइ भरोसा करी जउन मरे
हुए क फिन से जिआई देई। 10हमका उ भयंकर मऊत
से उहइ बचाएस अउर हमार आजु क परिस्थितियन मँ
उहइ हमका बचावत रहा। हमार आसा उहइ पर टिकी
बा। उहइ हमका आगेउ बचाइ। 11अउर तूहऊ हमरे
तरफ स पराथना कइके मदद देब्या तउ हमका बहुत
जने क पराथना क कारण परमेस्सर क अनुग्रह मिला
बा, ओकरे बरे बहुत मनइयन क हमरे तरफ स धन्यवाद
देई बरे मिली जाई।

पौलुस क योजनन मँ बदलाव

12हमका ऐकर गरब बा कि हम इ बात साफ मने स
कहि सकित ह कि हम इ जगत क साथे अउर खासकर
तू लोगन क साथे परमेस्सर क अनुग्रह क एकदम्मई
उहइ रूप क व्यवहार किहे अही। हम उ सरलपन
अउर सच्चाई क साथे बहुत खातिरदारी किहे रहेन।
जउन परमेस्सर से मिलत ह न कि दुनियावी बुद्धि स।
13हाँ! इहीं बरे हम ओका छोड़िके तू सबन क बस अउर
कछू नाहीं लिखत अही। जेसे तू मोका एकदंमई वइसेन
ही समझ लेब्या। 14जइसेन तू हमका थोड़ेन मँ समझे
अहा। तू हमरे बरे वइसेन ही गरब कई सकत ह। जब
हमार पर्भू ईसू फिन आइ।
15अउ इहीं बिसवास क कारण मइँ पहिले तोहरे
पास आवइ बरे ठाने रहेउँ। ताकि तोहका दुसरीउ बार से
आसीर्बाद क लाभ मिल सकइ। 16मइँ सोचित ह कि
मैसीडोनिया से लऊटिउँ उ फिन तोहरे पास जाउँ। अउर
फिन, तोहरे से ही यहूदिया क जाइ बदे बिदा कीन्ह
जाउँ। 17मइँ जब इ जोजना बनाए रहेउँ, तउ मोका कउनो
संदेह नाहीं रहा। का तू बिना अच्छी तरह से सोच्या ह।
मइँ जउन जोजना बनाइत ह, ओका ओ संसारी ढंग से
बनइत ह कि एक्कई समइ "हाँ, हाँ" कहत रही अउर
"न, न" कहत रही।
18यदि तू परमेस्सर मँ बिसवास कइ सकत ह तउ तू
बिसवास कइ सकत ह कि अउर उ ऍनके साछी देई कि
तोहरे बरे हमार जउन बचन बा एक साथे "हाँ" अउर
"ना" नाहीं कहत। 19काहेकि तोहरे बीचवा मँ जउन
परमेस्सर क पूत ईसू मसीह क हम यानि सिलवानुस,
तीमुथियुस अउर मइँ प्रचार किहे अही, उ "हाँ" अउर
"ना" दुइनउँ एक साथे नाहीं बल्कि ओनके कारण एक
चिरन्तन "हाँ" का घोसणा कही गइ बा। 20काहेकि
परमेस्सर जउन अनन्त प्रतिज्ञा किहे अहइ उ ईसू मँ
सबके बरे 'हाँ' बनि जात ह। इही बरे हम ओकरे द्वारा
जउन "आमीन" कहत अही उ परमेस्सर क ही महिमा
बरे होत ह। 21उ जउन तोहका मसीह क मनई क रूप मँ
हमरे साथे सुनिस्चित करत ह अउर मइँ क अभिसेक
किहे बा उ परमेस्सर ही अहइ। 22जउन हम पइ आपन

एसिया मतलब एसिया माइनर क पच्छिमी भाग।

स्वामी क मोहर लगाए अहइ अउर हमरे भीतर बयाना क नाईं उ पवित्तर आतिमा दिहेस जउन इ बात क आस्वासन बा कि जउन देइ क बचन उ हमका दिहे अहइ, ओका उ हमका देई।

23साच्छी की तरह परमेस्सर क दुहाई देत अउर अपने जीवन क सपथ लेत मइँ कहत अहउँ कि मइँ दुवारा कुरिन्तुस इही बरे नाहीं आए रहेउँ कि मइँ तोहका पीड़ा से बचावई चाहत रहेउँ। 24ऐकर मतलब इ नाहीं कि हम तोहरे बिसवासे पर काबू पावई चाहत अही। तू तउ अपने बिसवासे मँ अडिग अहा। बल्कि बाति इ अहइ कि हम तउ तोहरे खुस रहई बरे तोहार कर्मी अही।

2 इही बरे मइँ इ निस्चय कई लिहे रहेउँ कि तोहका फिन स दुख देइ तोहरे लगे न आई। 2काहेकि अगर मइँ तोहका दुखी करब तउ फिन भला अइसेन कउन होई जउन मोका सुखी करी? सिवाई तोहका जेका मइँ दुख दिहे अहउँ। 3इहइ बात त मइँ तोहका लिखे हउँ कि जब मइँ तोहरे लगे आवउँ तउ जेनसे मोका आनन्द मिलइ चाही ओनके तरफ स मोका दुख न पहुँचावा जाई।

4काहेकि तू सबन मँ मोका बिसवास रहा कि मोर खुसी मँ तू सभे खुस होब्या। काहेकि तोहे मइँ दुख भरे मन अउर बेदना क साथे आँसू बहाई-बहाई क ई लिखे अहउँ। पर तोहका दुखी करई बरे नाहीं, बल्कि इही बरे कि तोहरे लिए जउन मोर पिरेम बाटई उ केतना महान बा तू एँका जान सका।

बुरा करई वालन क छमा करा

5मुला अगर कउनो मोका कउनउ दुख पहुँचावई तउ उ मोका केवल नाहीं, बल्कि कउनो न कउनो मात्रा मँ तू सबन क पहुँचाए बा। 6अइसेन मनई क तोहार समुदाय जउन दण्ड दई दिहे अहइ, उहइ परियाप्त बा। 7इही बरे तू तउ अब ओकरे विपरीत ओका छमा कई द्या। अउर ओका प्रोत्साहित करा। ताकि उ कहूँ बढ़ाइ चढ़ाइ दुख मँ न डूबि जाई। 8इही बरे मोर तोहसे बिनती बा कि तू ओकरे बरे अपने पिरेम क बढ़ावा। 9इ मइँ तोहका इ देखई बरे लिखे अही कि तू परीच्छा मँ पूरा आज्ञाकारी ह्वा या नाहीं। 10मुला अगर तू कउनो क कउनउ बात क बरे छमा करत ह तउ ओका मइँ भी छमा करित ह अउ जउन कछू छमा किहे अही। अगर कछू मइँ छमा किहे अही तउ उ मसीह हमरे साथ रहा तोहरे बरे किहे अही। 11ताकि सइतान हमसे कछू भी न जीत सकइ।

पौलुस क असान्ति

12जब मसीह क सुसमाचार क प्रचार करई बरे मइँ त्रोआस आएउँ तउ उहाँ मोरे बरे पर्भू क दुवार खुला रहा। 13अपने भाई तितुस क उहाँ न पाइके मोर मन बहुत बियाकुल रहा। तउ ओनसे विदा लइके मइँ मैसिडोनिया क चली दीन्ह।

मसीह से विजय

14मुला परमेस्सर धन्य अहइ जउन मसीह क कारण अपने विजय अभियान मँ हमरे हमेसा राह देखॉवत ह। अउर हमरे कारण हर कहूँ अपने गियान क सुगन्धि फैइलावत ह। 15काहेकि ओनके बरे जउन अबहीं उद्धार क राह पर अहइँ अउर ओनके बरे जउन बिनास क रस्ता पर अहइँ, हम मसीह क परमेस्सर क समर्पित मधुर भीनी सुगंधित धूप अही। 16मुला ओकेने बरे जउन खोइ ग अहइँ। इ मऊत क अइसेन दुर्गन्धि अहइ। जउन मऊत कइँती लई जात ह। पर ओनके बरे जउन उद्धार क रस्ता पर बढ़त अहइँ, इ जीवन क अइसेन सुगन्ध अहइ, जउन जीवन क तरफ अग्रसर करत ह। मुला इ काम बरे सुपात्र आदमी कउन बाटेन? 17परमेस्सर क बचन क अपने लाभ बरे, ओं मइँ मिलावट कइके बेचईवाले बहुत जने से दुसरे लोगन जइसे हम नाहीं अही। न तउ! हम ते परमेस्सर क समन्वा परमेस्सर क तरफ स भेजा गवा मनइयन क समान मसीह मँ स्थित होकर, सच्चाई क साथे बोलित ह।

नवा करार

3 एहसे का अइसा लागत ह कि हम फिन स आपन प्रसंसा अपने आपइ करइ लागे अही? अउर का हमका तोहरे बरे या तोहसे पहिचान पत्र लेई क जरूरत बा? जइसेन कि कछू लोग करत हीं। निस्चय ही नाहीं 2हमार चिठ्ठी त तू खुदइ अहा जउन हमरे मने मँ लिखा बाटइ जेका सब जने जानत हीं अउर पढ़त हीं। 3अउर तूहउँ तउ अइसेन देखावत ह। जइसे तू मसीह क चिठ्ठी अहा। जउन हमरे सेवा क फल अहइ जेका स्याहीं से नाहीं बल्कि सजीव परमेस्सर क आतिमा से लिखा गवा बा। जेका पथरीली सिलान* पर नाहीं बल्कि मनइयन क हृदय पटल पर लिखा गवा बा।

4हमका मसीह क कारण परमेस्सर क समन्वा अइसेन दावा करई क भरोसा बा। 5अइसेन नाहीं ना कि हम अपने आपन मँ एतना समरथ अही जउन सोचई लगा अहइँ कि हम अपने आपइ से कछू कइ सकित ह। बल्कि हमका समरथ तउ परमेस्सर से मिलत ह। 6उहइ हमका एक नवा करार क सेवक बनवई क जोग्ग ठहराए बाटइ इ कउनउ लिखी संहिता नाहीं अहइ। बल्कि आतिमन क करार अहइ काहेकि लिखी संहिता तउ मारत ह जब कि आतिमा जीवन देत ह।

पथरीली सिलान परमेस्सर सीनै पर्वत प मूसा क जउन व्यवस्था दिहे रहा उ पाथरन प लिखा गवा रहा। (निर्ग 24:12; 25:16)

पौलुस क सेवा मूसा क सेवा स महान बा

[7]काहेकि उ सेवा जउन मऊत से जुरी रही (यानी व्यव्स्था) जउन पत्थर पर लिखा गवा बा। ओहमें एतना तेज बाटई कि इस्राएल क लोगन मूसा क ओह तेजवाला मुँह क एकटक्कई न देख सकेन। अउ ओकर उ तेज बाद मँ कम होइ गवा। [8]फिन भला आतिमा से लगी सेवा अउर जियादा तेज काहे न होइ। [9]अउर फिन जब दोसी ठहरावइ वाली सेवा मँ एॅतना तेज बा तउ सेवा मँ केतॅना जियादा तेज होई। जउन धर्मी लोगन क परमेस्सर से ठहरावइ वाली सेवा क बा। [10]काहेकि जउन पहिले तेज से भरापूरा रहा उ अब ओह तेज के आगे जउन मँ ओहसे कहूँ जियादा तेज बा, तेज स कम होइ गवा। [11]काहेकि उ सेवा जेकर तेज बिना होइ जाब निस्चित रहा। उ तेज रही त जउन अमर बा उ केतना तेज होइ।

[12]अपने इहइ आसा क कारण हम ऐतना निरभय अही। [13]हम उ मूसा क जइसेन नाहीं अही, जउन अपने मुँह पर परदा डाले रहत रहा कि कहूँ इस्राएल क लोग आपन आँख गड़ाइ क जेनकर बिनास निस्चितइ रहा ओह सेवा अन्त क न देखि लेइँ। [14]मुला ओकर बुद्धि जड़ होइ ग रही काहेकि आज तलक जब उ पुराने करार क पढ़त हीं तउ अबभी उहइ परदा ओनपर बिना हटाए पड़ा रहत रहा। काहेकि उ परदा बस मसीह क कारण ही हटावा जात ह। [15]आज तलक जब जब मूसा क ग्रन्थ पढ़ा जात रहा। तउ पढ़इवाले क मने पर परदा पड़ा रहत रहा। [16]मुला जब कउनो क हिरदइ पर्भू क तरफ मुड़त रहत ह तउ परदा हटाइ दीन्ह जात ह। [17]देखा! जउने पर्भू के ओर मइँ इसारा करत हउँ, उहइ आतिमा अहइ। हुवँइ स्वतन्त्रता अहइ। अउ जहाँ पर्भू क आतिमा बा। [18]उहाँ छूट बा। त हम सब अपने खुला मुँहे क साथे सीसा मँ पर्भू क तेज क जब धियान करित ह तउ हमका वइसेन भवा लागत ह अउ हमार तेज बहुत अधिक बढ़ा लागत ह। तेज उ पर्भू स मिलत ह, जउन आतिमा अइइ।

माटी क भांडी मँ आतिमा क धन

4 काहेकि परमेस्सर क दया स इ सेवा हम सबन का मिली बा, इही बरे हम निरास नाहीं होइत। [2]हम तउ लजाइ वाला छुपा काम क छोड़ दिहे अही। हम कपट नाहीं करित अउर न तउ हम परमेस्सर क बचन मँ मिलावट करित ह बल्कि सत्य क सरल रूपे मँ परगट कइके लोगन क चेतना मँ परमेस्सर क सामने अपने आपके प्रसंसा क जोग्ग ठहराइत ह। [3]जउन सुसमाचार क हम प्रचार करीत ह, ओह पर य कउनउ परदा पड़ा होइ तउ इ केवल ओनके बरे पड़ा बा। जउन बिनासे क रस्ता पर चलत हीं। [4]एह जुगे क सुवामी (सइतान) एह अबिसवसियन क बुद्धि क आँधर कइ दिहे अहइ। ताकि उ पचे परमेस्सर क साच्छात एकदम्मई वइसेन हीं रूप उ मसीह क महिमा क सुसमाचार स फूटत रहा प्रकास (सत्य) क न देख पावइँस।

[5]हम खुद आपन प्रचार नाहीं करित ह बल्कि पर्भू क रूपवा मँ उ मसीह ईसू क उपदेस देइत ह। अउर अपने बारे मँ त इहइ कहित ह कि हम ईसू क नाते तोहार सेवक अही। [6]काहेकि उइ परमेस्सर तउ जउन कहे रहा, "अँधियारे स ओजियारे मँ चमकइ।" उहइ हमरे हीये मँ अँजोर भवा बा। ताकि हमका ईसू मसीह क व्यक्तित्व मँ परमेस्सर क महिमा क गियान क ज्योति मिल सकइ।

[7]मुला हम जइसेन माटी क भाँडिन मँ उ सम्पतिन इही बरे रखी गइ बा, अउर इ सिद्ध होइ गवा अहइ कि उ असीमित सक्ति हममे नाहीं उहइ आवत बल्कि परमेस्सर से आवत ह। [8]हम हर समइ सब प्रकार क कठिन दबाव मँ जियत हइ, मुला हम कुचला नाहीं ग अही। हम घबरान अही मुला निरास नाहीं अही। [9]हमका यातना दीन्ह जात ह, पर हम खतम नाहीं अही हम झुकाइ दीन्ह जात अही, पर नस्ट नाहीं होइत।

[10]हम हमेसा अपने देह मँ ईसू क हतिया क सब जगहा लिहे रहित ह ताकि ईसू क जीवन उ हमरे देहन मँ स परगट होइ। [11]ईसू क कारण हम जउन जिअत अही ओनके हमेसा मऊत क हाथे सौंपा जात ह। ताकि ईसू क जीवन नासवान सरीर मँ एकदम्मई उजागर होइ सकइ। [12]इही बरे मऊत हमरे मँ अउर जीवन तोहरे मँ सक्रिय बा।

[13]सास्तरन मँ लिखा बा, "मइँ बिसवास किहे रहेउँ इही बरे मइँ बोलेउँ।"* हमहूँ मँ बिसवास क उहइ आतिमा बा अउर हम भी उही प्रकार क बिसवास करित ह इहीं बरे हमहूँ बोलित ह। [14]काहेकि हम जानित ह कि जे पर्भू ईसू क मरे रहे मँ जियाइ क उठाएस उ हमहूँ क उही तरह ईसू क साथ जिन्दा करिही। जइसेन क ईसू क जियाएस ह। अउर हमहूँ क तोहरे साथे अपने सामने खड़ा करिही।

[15]इ सब बात तोहरे बरे ही करी जात ह। ताकि जियादा से जियादा लोगन मँ फइलत जात रही परमेस्सर क अनुग्रह परमेस्सर क महिमा चमकावइ वाले जियादा स जियादा धन्यवाद देइ मँ फलि सकइँ।

बिसवास स जीवन

[16]इही बरे हम निरास नाहीं होइत! जद्यपि हमार भौतिक सरीर कमजोर होत जात बा, तबऊ हमार अन्तरात्मा रोज्जइ नवा से नवा होत जात बा। [17]हमार पल भरे क इ छोट मोट दुख एक न तुलना कीन्ह जाइवाली अनन्त महिमा पैदा करत बा। [18]जउन कछू देखा जाइ सकत ह, हमार आँखी ओह पर नाहीं टिकी बा। काहेकि

"मइँ ... बोलेउँ" भजन 116:10

जउन देखा जाइ सकत ह उ बिनासी नहीं बा, जब कि जउन नाहीं देखा जाइ सकत ह उ अस्थाई बा।

5 काहेकि हम जानित ह कि हमार इ काया मतलब इ तम्बू जेहमें हम इ धरती पर रहित ह गिराइ दीन्ह जाई तउ हमका परमेस्सर क तरफ स सरग मँ एक भवन मिलि जात ह, जउन मनइयन क हाथे बना नाहीं बा अउर यह भवन चिरस्थाई अहइ। 2तउ हम जब तलक इह आवास मँ अही, हम रोवत-धोवत रहित ह अउर इहइ चाहित रहित ह कि अपने स्वर्गीय भवन मँ जाइ बसी। 3(निस्चित हमार इ धारणा अहइ कि हम ओका पउबइ अउर फिन बिना घरे क न रहबइ।) 4हमरे मँ स उ जउन इहइ तम्बू यानि भौतिक सरीरी मँ स्थित बा, बोझ से दबा कराहत बाटेन। कारण इ अहइ कि हम कबहुँ नंगा न पावा चाहित काहेकि उम्मीद अहइ हम जब संसारिक सरीर छोड़ देब ताकि जउन कछू नासवान बा ओका अनन्त जीवन निगल लेइ। 5जे हमका इ प्रयोजन क बरे तइयार किहे अहइ, उ परमेस्सर ही अहइ। उहइ इ आस्वासन क रूपें मँ कि अपने बचन की नाहीं उ हमका देइ। बयाना क तरह हमका आतिमा दिहे बा।

6हमका पूरा बिसवास बाटइ, काहेकि हम जानित ह कि जब तक हम अपने देही मँ रहत अही, पर्भू से दूर अही। 7काहेकि हम बिसवास क सहारे जिअत अही बस आँखी देखी क सहारे नाहीं। 8हमका बिसवास बा इही बरे मइँ कहत हउँ कि हम अपने देही क तियागके , जाइके पर्भू क साथे रहइ बरे अच्छा समझित ह। 9इही बरे हमार ई अभिलास बा कि हम चाहे हियाँ अपने सरीर मँ रही अउर चाहे हुआँ पर्भू क साथ, ओका अच्छा लागत रहइ। 10हम सब आपन तन मँ स्थित रहिके भला या बुरा, जउन कछू किहे अही, ओकर फल पावई बरे मसीह क निआव आसन क समन्वा उपस्थित जरूर होइ क बा।

परोपकारी परमेस्सर क दोस्तन होत ह

11सच क स्वीकार करा, काहेकि हम जानित ह कि पर्भू स डराइक, मतलब होत ह। हमरे अउर परमेस्सर क बीच मँ कउनउ परदा नाहीं बा। अउर मोका आसा बा कि तू हमका पूरी तरह से जानत अहा।

12हम तोहरे सामने फिन स आपन कउनउ सिफारिस नाहीं करत अही। बल्कि तोह पचन क एक अवसर देत अही कि तू हम प गरब कइ सका। ताकि जउन देखाइवाली चीजन पर गरब करत हीं, तउ ओह प जउन कछू ओनके मने मँ बा, ओनका ओकर उत्तर दइ सकइ। 13काहेकि अगर हम दीवाना अही तउ परमेस्सर बरे अही अउर अगर सयान अही तउ उ तोहरे बरे अही। 14जउन नियन्ता अहइ हमार तउ मसीह क पिरेम अहइ। काहेकि हम अपने मन मँ इ धई लिहे अही कि उ एक मसीह सब मनइयन क बरे मरा रहा। मतलब सब मरि गएन। 15अउर उ सब जने बरे मरा काहेकि जउन लोग जिन्दा अहइँ, उ अब आगे बस अपनेन बरे न जिअत रहइँ। बल्कि ओनके बरे जियइँ जउन मरइ क बाद फिन जिन्दा कइ दिहा गवा।

16परिणामसरूप अबहुँ स आगे हम कउनो क मनइयन क संसारी आँखी स नाहीं देखा। जद्यपि एक समइ हम मसीह क संसारी आँखी स देखे रहे। चाहे कछू होइ, अब हम ओका इही तरह स नाहीं देखित ह। 17इही बरे अगर कउनो मसीह मँ बाटई तउ अब उ परमेस्सर क नवी ख्रिस्टी क अंग अहइ। पुरान बात जात रही अब। सब कछू नवा होइ गवा वा। 18अउ फिन उ सब बात ओह परमेस्सर का कारज अहइँ, जउन हमका मसीह क कारण अपने मँ मिलाइ लिहे बा अउर जने क परमेस्सर स मिलवाइ क काम हमका सौंपे बा। 19हमार सँदेसा बा कि परमेस्सर लोगन क पापन क अनदेखी करत मसीह क कारण ओका अपने मँ मिलावत ह। अउर उहइ मनइयन क परमेस्सर से मिलवइ क सँदेस हमका सौंपे अहइ। 20इहीं बरे हम मसीह क प्रतिनिधि रूप मँ काम करत अही। माना कि खुद परमेस्सर लोगन का बोलॉवत ह हमरे माध्यम स। मसीह क तरफ से हम तोहसे बिनती करत अही कि परमेस्सर क साथे मिलि जा। 21जउन मसीह पाप रहित रहा, परमेस्सर ओका हमरे बरे पाप ठहराएस ओका उ इही बरे पाप बली बनाएस कि ओकरे हम कारण परमेस्सर क साथे अच्छा बन जाई।

6 परमेस्सर क काम मँ साथे साथे काम करइ क नाते हम तू लोगन स आग्रह करत अही कि परमेस्सर क जउन अनुग्रह तोहे मिला बा, ओका बेकार न जाइ द्या। 2 काहेकि उ कहे बा:

> "तोहार सुन लिहा अच्छे समइ पर मइँ अउर
> उद्धार क दिना आवा मइँ तोहका सहारा देइ।"
>
> *यसायाह 49:8*

देखा! "उचित समइ" इहइ अहइ! देखा! "उद्धार क दिन" इहइ अहइ।

3हम कउनो क बरे कउनउ बहुत विरोध उपस्थित नाहीं करित ह जेसे हमरे कामे मँ कउनउ कमी आवइ। 4बल्कि परमेस्सर क सेवक क रूप मँ हम सब तरह से अपने क अच्छा सिद्ध करत रहित ह। धीरज क साथे सबकछू सहत सहत सबइ यातना क बीच, बिपत्तियन क बीच, कठिनाइन क बीच 5मार खात खात बन्दी घरे मँ रहत रहत भीड़ हमरे खिलाफ अउर हमसे झगड़त रही मेहनत करत करत रातिन रात पलकउ न झपकाइके, भूखा रहिके, 6अपने पवित्तर जीवन, गियान अउर धीरज से आपन दया स, अपने पवित्तर आतिमा स, अपने सच्चे पिरेम स 7अपने सच्चे सँदेस अउर परमेस्सर क सक्ती स

नेकी क अपने दायें बाँए हाथन मँ ढाल क रूप मँ लइके [8]हम आदर अउर निरादर क बीच अपमान अउ सम्मान मँ अपने क उपस्थित करत रहित ह। हमका ठग समझा जात ह, हम सच्चा अही [9]हमका गुमनाम समझा जातह, जब कि हम सच्चा अही हमका मरा हुआ जानत हीं, तबउ देखा हम जिन्दा अहीं। हमका दण्ड भोगईवाला जाना जात ह, तबउ देखउ हम मऊत क नाहीं सौंपा जाइत ह। [10]हमका सोक से बियाकुल समझा जात ह, जबकि हम तउ हमेसा खुस रहित ह। हम दीन हीन क नाई जाना जाइत ह, जब कि हम बहुत जने क धनी बनावत अही। लोग समझत हीं कि हमरे लगे कछू नाहीं ना, जब कि हमरे लगे तउ सब कछू बा।

[11]हे कुरिन्थियन! हम तोहसे पूरी तरह खुली क बात किहे अही। तोहरे बरे हमार मन फैला बा। [12]हमरा पिरेम तोहरे बरे कम नाहीं भवा बा। मुला तू हमसे पिरेम करई क बन्द कइ दिहे अहा। [13]तोहका आपन बच्चा समझत भए मइँ कहत हउँ कि अच्छा प्रतिदान क रूप मँ आपन मन तोहार हमरे बरे पूरी तरह फैला रहइ चाही।

गैर मसीहन क संगत क विरुद्ध चेतावनी

[14]अबिसवासियन क साथे बेमेल संगत जिनकरा काहेकि नेकी अउर बदी क भला कइसेन बराबरी? इ प्रकास अउर अँधारे मँ भाईचारा क कइसेन तालमेल? [15]अइसे मसीह का बलियाल (सइतान) स का तालमेल अउर अविसवासी क साथे बिसवासी क कइसेन साझा? [16]परमेस्सर क मंदिर क मूर्तियन स का नाता? काहेकि हम खुदइ उ सजीव परमेस्सर क मंदिर अही, जइसेन की परमेस्सर कहे रहा:

> "मइँ ओहमे अधिवास करब, चलबई फिरब
> होब ओनकर परमेस्सर अउर बनिहीं उ मोर
> लोग।"
>
> *लैव्यव्यवस्था 26:11-12*

> [17]"इहीं बरे तू ओहमें स आइ जा बाहेर, अलग
> करा ओनसे अपने क अब न कबहुँ छुआ तू
> कछूउ जउन असुद्ध अहइ तब मइँ तोहका
> अपनउबई।"
>
> *यसायाह 52:11*

> [18]"अउ तोहार पिता बनब तू होब्या मोर बेटवा,
> मोर बिटिया सर्वसक्तीमान पर्भू इ कहत हीं।"
>
> *2 समूएल 7:14; 7:8*

7 पिआरे मित्रन, काहेकि हमरे लगे इ प्रतिज्ञाँ अहइँ, इही बरे आवा परमेस्सर क बरे स्रद्धा क कारण हम अपने पवित्रता क परिपूरन करत भए अपने बाहेर अउर भीतर सबन दोसन क धोइ डालेन। हमका परिपूर्ण होइ चाही जइसे हम जिअत अही, काहेकि हम परमेस्सर क सम्मात करित ह।

पौलुस क आनन्द

[2]अपने मने मँ हमका स्थान द्या हम कउनो क कछू बिगाड़े नाहीं अही। हम कउनो क कउनउ ठेस नाहीं पहुँचाए अही। हम कउनो क साथे छल नाहीं किहे अही। [3]मइँ तोहे दोसी ठहरावइ बरे अइसेन नाहीं करत अही काहेकि मइँ तोहे बताइ चुका अही कि तू तउ हमरे मने मँ बसत। हिआँ तलक कि हम तोहरे साथे मरई क अउर जिअइ क तइयार अही। [4]मइँ तुमसे खुलकर कह रहा हूँ कि तोहपे मोका बड़ा गरब बा। मइँ सुख चैन से अहउँ। आपन सब यातना झेलत मोका आनन्द उमड़त रहत ह।

[5]जब हम मैसीडोनिया आइ रहे तबहुँ हमका आराम नाहीं मिला रहा, बल्कि हमका तउ सब तरह से दुख उठावइ पड़ा रहा बाहेर क झगड़न से अउर मन क भितर डर से। [6]मुला दीन दुखिन क खुस करइवाला परमेस्सर त तीतुस क इहाँ पहुँचाइके हमका सान्त्वना दिहे अहइ। [7]अउर उहउ केवल ओनके इहाँ पहुँचेन की नाहीं बल्कि अइसे हमका अउर जियादा सान्त्वना मिली कि तू ओका केतना सुख दिहे अहा। उ हमका बताएस कि हमसे मिलइ क तू केतना बियाकुल अहा। तोहका हमार केतॅनी चिन्ता बा। ऐसे हम अउर भी खुस भए।

[8]जद्यपि अपने चिठ्ठी स मइँ तोहका दुख पहुँचाए हउँ मुला फिन भी मोका ओके लिखई क खेद नाहीं बा। चाहे पहिले मोका एकर दुख भवा मुला अब मइँ देखत अही कि उ चिठ्ठी स तोहे बस पल भरे क दुख पहुँचाए रहेउँ। [9]तउ अब मइँ खुस हउँ। एह बरे नाहीं कि मइँ तोहका दुख पहुँचाए रहेउँ। बल्कि एह बरे कि उही दुखे क कारण से तू पछतावा किहे अहा। तोहका उ दुख भवा जेह तरह कि परमेस्सर चाहत रहा ताकि तोहका हमरे कारण कउनउ हानि न पहुँच पावइ।

[10]काहेकि उ दुख जउन परमेस्सर की इच्छा क अनुसार होत ह एक अइसेन मनफिराव क जन्म देत ह जेहके बरे पछतावई क नाहीं पड़त अउ जउन मुक्ति देवॉवत ह। मुला उ दुख जउन संसारी होत ह, ओहसे तउ बस मउत जनम लेत ह। [11]देखा! इ दुख जउन परमेस्सर दिहे अहइ, उ तोहमें केतना उत्साह जगाइ दिहे बा। अपने भोलापन क केतॅना प्रतिरच्छा, केतना विरोध केतना आकुलता, हमसे मिलइ क केतनी बेचैनी, केतना साहस, पापी क बरे निआव चुकावइ क कइसेन भावना पैदा कइ दिहे बा। तू हर बाते मँ इ देखइ दिहे अहा कि एह बारे मँ तू केतना निर्दोस रह्या।

[12]तउ इ मइँ तोहे लिखे रहे तउ उ मनई क कारण नाहीं जउन अपराधी रहा अउ न तउ ओकरे कारण

जेनके प्रति अपराध किहा गवा रहा। बल्कि एह बरे लिखा गवा रहा कि परमेस्सर क सामने हमरे कारण तोहरे चिन्ता क तोहका बोध होइ जाए। [13]ऐसे हमका प्रोत्साहन मिला बा।

हमरे इ प्रोत्साहन क अलावा तीतुस क आनन्द स हम अउर जियादा आनन्दित भए काहेकि तू सबके कारण ओनके आतिमा क चइन मिला बा। [14]तोहरे बरे मइँ ओनसे जउन बढ़ चढ़ क बात किहे रहे, ओकरे बरे मोका लजाइ क नाहीं पड़ा रहा। बल्कि हम जइसे तोहसे सबकछू सच सच कहे रहे वइसेन ही तोहरे बारे मँ हमार गरब तीतुस क सामने सच सिद्ध भवा अहइ। [15]उ जब इ याद करत हा कि तू सब कउनो तरह ओनकर आगिया माना ह अउर डर क मारे थर थर काँपत भए तू कइसे ओनका सुवागत किहा तउ तोहरे बरे ओनकर पिरेम अउ जियादा ब जात ह। [16]मइँ खुस अही कि मइँ तोहसे पूरा भरोसा रखी सकित ह।

हमार दान

8 देखा भाइयो, अब हम इ चाहित ह कि तू परमेस्सर क ओह अनुग्रह क बारे मँ जान ल्या मैसीडोनिया छेत्र क कलीसियावन पर कीन्ह गवा बा। [2]मोर मतलब इ अहइ कि जद्यपि ओनकर कठिन परीच्छा लीन्ह गइ अहइ। तबउ उ पचे खुस रहेन, अउ अपने गहन गरीबी क रहत ओनकर सब उदारता उमड़ी पड़त रही। [3]मइँ प्रमानित करत हउँ कि उ पचे जेतना दइ सकत हीं दिहेन! एतनई नाहीं बल्कि अपने समरथ से जियादा प्रोत्साहन दइ दिहेन। [4]उ पचे बड़े आग्रह क साथ परमेस्सर क लोग सहायता करइ मँ हमका सहयोग देइ क विनय करत रहेन। [5]ओनका जइसेन हमसे आसा रही, वइसेन नाहीं बल्कि पहिले अपने आप क पर्भू क समर्पित किहेन अउर फिन परमेस्सर क इच्छा क अनुकुल उ पचे हमका अर्पित होइ गएन।

[6]इहीं बरे हम तीतुस स पराथना कीन्ह कि जइसेन उ अपने काम क पूरा कइ ही दिहे बाटइ होइ। वइसेन हाँ उ अनुग्रह क काम क तोहरे बरे करी। [7]अउ जइसेन कि तू सब बाते मँ यनि बिसवासे मँ, बानी मँ, गियान मँ, अनेक प्रकार क उपकार करइ मँ अउर हम तोहका जउनो पिरेम क सिच्छा ह दीन्ह ह उ पिरेम मँ, जउन भरपूर होइ सीख्या ह वइसेन ही अनुग्रह क इ कामें मँ सम्पन्न होइ जा।

[8]इ मइँ आदेस क रूपे मँ नाहीं कहित ह बल्कि अउर मनइयन क मने मँ तोहरे बरे जउन तेजी बा, उ पिरेम क सच्चाई क परख करइ क बरे अइसेन कहत इउँ। [9]काहेकि हमार पर्भू ईसू मसीह क अनुग्रह स तू परिचित अहा। तू इ जानत अहा कि धनी होके तोहरे बरे उ निर्धन बन गवा। ताकि ओनकइ गरीबी स तू मालामाल होइ जा।

[10]इ बिसय मँ मइँ तोहे आपन सलाह देत हउँ, तोहे इ सोभा देत ह। तू पिछले साल न केवल दान देइ क इच्छा मँ सबसे आगे रह्या, बल्कि दान देइ मँ भी सबसे आगे रह्या। [11]अब दान करइ क उ तेज इच्छा क तू जउन कछू तोहरे पास बा, ओहसे पूरा करा। तू एका ओतनेन लगन से "पूरा करा।" जेतने लगन से तू एका "चाहे" रह्या। [12]काहेकि अगर दान स देइ क लगन अहइ तउ मनइयन क लगे जउन कछू बा, उहइ क अनुसार ओकर दान ग्रहण करइ क जोग्ग बनत ह। न कि ओनके अनुसार जउन ओनके पास नाहीं बा। [13]हम इ नाहीं चाहित ह कि दुसरन क तउ सुख मिलई अउर तोहे कस्टन, बल्कि हम तउ बराबरी चाहित ह। [14]हमार इच्छा बा कि ओनके इ अभाऊ क समइ मँ तोहर सम्पन्नता ओनके अभाव क दूर कइ सकइ आवस्यकता पड़े पर आगे चलिके ओनकी सम्पन्नता भी तोहरे अभाव क दूर करइ, ताकि समता स्थापित हो सकइ। [15]जइसे कि पवित्तर सास्तर मँ कहा गवा बा:

"जे बहुत बटोरेस ओकरे लगे न जियादा रहा,
अउर जे कम बटोरेस ओकरे लगे न तनिकउ
रहा।"

निर्गमन 16:18

तीतुस अउर ओनकर संघी

[16]परमेस्सर क धन्यवाद बा जे तीतुस क मने मँ तोहरे सहायता क बरे वइसेन तीव्र इच्छा भर दिहे बा, जइसेनइ हमरे मने मँ बा। [17]काहेकि उ हमार पराथना स्वीकार किहेस अउर उ ओकरे बरे विसेस रूप स आपन इच्छा भी क रखत ह। इही बरे उ खुद आपन इच्छा से ही तोहरे लगे आवई बरे बिदा होत बा। [18]हम ओकरे साथे उ भाई क भेजत अही, जेकर सुसमाचार क प्रचार की उत्सुकता सब कलीसियावन मँ सब जगह जस फइलत बा। [19]एकरे अलावा इ दयापूर्वक काम मँ कलीसियावन ओका हमरे साथे जात्रा करइ बरे नियुक्त कीन्हा गवा अहइ। इ द्या क काम जेकर प्रबन्ध हमरे कारण कीन्हा जात अहइ। खुद पर्भू क महिमा करइ बरे अउर परोपकार मँ हमार लगन क देखॉवई बरे बा।

[20]हम सावधान रहइ क चेस्टा करत अही इ बड़े भेंट की व्यवस्था करत अही, केऊ हमार बुराई न करइ। [21]काहेकि हमका आपन अच्छी साख बनबइ रखइ क चिन्ता बा। न केवल पर्भू क आगे बल्कि लोगन क बीच मँ। [22]अउ ओनके साथे हम आपन उ भाई क भेजत रहे, जेका बहुत बिसय मँ अउ बहुत मौकन पर हमका परोपकार क बरे उत्सुक मनई क रूप मँ प्रभावित किहे अहइ। अउर अब त तोहरे बरे ओहमें जउन असीम बिसवास बा, ओहसे ओहमे सहायता करइ क उत्साह अउर जियादा होइ गवा बा।

23जहाँ तलक तीतुस क विसय मँ पूछे बा, तउ
तोहरे बीच सहायता क काम मँ मोर साथी अउर साथे
साथे काम करइवाला रहा। अउर जहाँ तलक हमरे
भाइयन क सवाल बाटई, उ सबइ तउ कलीसियन क
प्रतिनिधि अउ मसीह क महिमा लावत समान बा। 24तउन
तू ओन्हे अपने पिरेम क प्रमाण देब अउर तोहरे बरे हम
एतना गरब काहे रक्खित ह, ऐका सिद्ध करब ताकि सब
कलीसिया ओका देख सकइँ।

साथियन क मदद करा

9 अब परमेस्सर क लोगन क सेवा क बारे मँ तोहे एह
तरह से लिखत चला जाब मोरे बरे जरूरी नाहीं बा।
2काहेकि सहायता क बरे तोहर लोगन क मइँ जानत
हउँ अउर ओकरे बरे मैसीडोनिया निवासियन क सामने
इ कहत मोका गरब बा कि अखाया क लोग तउ, पिछले
साल से ही तइयार अहइँ। अउ तोहरे उत्साह तउ ओनमें
से जियादातर काम बरे प्रेरणा दिहे अहइँ। 3मुला मइँ
भाइयन क तोहरे लगे इही बरे भेजत हउँ कि तोहके
लइक मइँ जउन गरब करत हउँ, उ ऐह बारे मँ खराब
सिद्ध न होई। अउर एह बरे की तू तइयार रहा, जइसेन
की मइँ कहत आएउँ ह।
4नाहीं तउ जब केउ मैसीडोनिया बासी मोरे साथे तोहरे
लगे आवइ अउर उ पचे तोहे तइयार न पावइँ तउ तोहरे
ऊपर बिसवास करइ क कारण हमार बदनामी होइ,
इहइ नाहीं काहेकि एहमे तोहार बदनामी होइ। (तू अउर
जियादा लज्जित होब्या।)
5इहीं बरे मइँ भाइयन स इ कहब जरूरी समझा कि उ
हमसे पहिले ही तोहरे लगे जाइँ अउर जेन उपहारन क
दइ क तू पहिलेन ही बचन दइ चुका अहा ओन्हे पहिलेन
से उदारतापूर्वक तइयार रखा। इही बरे इ दान स्वेच्छापूर्वक
तइयार रखा जाइ न कि दबाउ क साथे तोहसे छीनी गइ
कउनउ चीज के रूप मँ।
6एका याद रक्खा। जे छितरा बोवत हीं, उ छितरा ही
कटिहीं। अउर जेकर बुआइ सघन बा, उ सघनइ काटी।
7सब कउनो बिना कउनउ कस्ट क य बिना कउनउ
दबाउ क, उतनइ देइ जेतना उ मने मँ सोचे अहइ।
काहेकि परमेस्सर खुस मनइयन से ही पिरेम करत ह।
8अउ परमेस्सर तोहपे सब प्रकार क अच्छा बरदानन क
वर्सा कइ सकत ह जेसे तू अपने जरूरत क सब चीजन मँ
हमेसा खुस होइ सकत ह अउर सब अच्छे कामन क
बरे फिन तोहरे लगे जरूरत से जियादा रही। 9जइसेन की
पवित्तर सास्तर मँ लिखा बा:

> "मुक्त भाव से ऊ देत ह उ देत ह दीन लोगन क
> अउर बनी रहत ह ओकर हमेसा दया क
> हमेसा हमेसा बरे।"
>
> *भजन संहिता 112:9*

10उ परमेस्सर ही बोवइवाले क बीज अउर खाइवाले
क भोजन देत ह। उहइ तोहे आत्मिक बीज देई अउ
ओकर बढ़वार करी। उही से तोहरे नीक क खेती फूली
फली। 11तू सब प्रकार से सम्पन्न बनावइ जाब्या ताकि तू
हर असर पर उदार बन सका। तोहार उदारता परमेस्सर
बरे लोगन क धन्यवाद क पैदा करी। 12दान क इ
पवित्तर सेवा मँ तोहार योगदान से न केवल पवित्तर
लोगन क जरूरत पूरी होत ह। बल्कि परमेस्सर बरे
बहुत जियादा धन्यवाद क भाउ भी उपजत ह। 13काहेकि
तोहरे इ सेवा स जउन प्रेरित होकर परगट होत ह, ओसे
लोग परमेस्सर क स्तुति करिहीं। काहेकि ईसू मसीह क
सुसमाचार मँ तोहरे बिसवासे क घोसणा से पैदा भई तोहर
आग्या क कारण अउर अपने क कारण ओनके बरे
अउ अपने दयालुपन क कारण ओनके बरे अउर दुसरे
सब लोगन बरे तू दान देत ह। 14अउर पचे तोहरे बरे
पराथना करत तोहसे मिलइ क बड़ी इच्छा करिहीं।
तोहपे परमेस्सर क असीम अनुग्रह क कारण 15उ भेंट
क बरे जेकर बखान नाहीं कीन्ह सकत ह, परमेस्सर क
धन्यवाद अहइ।

पौलुस स अपने सेवा क समरथन

10 मइँ पौलुस, अपने तउर पर मसीह क कोमलता
अउर सहनसीलता क साच्छी कइके तोहसे निवेदन
करत अहउँ। लोगन क कहब अहइ कि मइँ जउन
तोहरे बीचवा मँ रहत विनम्र अहउँ। मुला उहइ मइँ जब
तोहरे बीच नाहीं अहउँ, तउ तोहरे बरे निर्भय हउँ। 2अब
मोर तोहसे बिनती बा कि जब मइँ तोहरे बीच होउँ तउ
उही बिसवास क साथे वइसेन ही निर्भरता दिखावइ क
मोहप दबाव जिन डावा जइसेन कि मोरे विचार से मोका
कछू ओन्हन लोगन क विरुद्ध देखावई होइ जउन सोचत
हीं कि हम एक संसारी जीवन जीइत ह। 3काहेकि जद्यपि
हमहूँ इही संसारे मँ रहित ह। मुला हम संसारी लोगन क
तरह नाहीं लड़ित ह। 4काहेकि जउने सास्तरन स हम
लोगन क तर्कन क अउर ऊ हर एक रूकावट जउन
परमेस्सर क गियान क विरुद्ध खड़ा अहइँ, खण्डन करत
हीं। 5सो हम कल्पना क, अउर हर एक उंची बात क,
जो परमेस्सर क पहचान क विरोध मँ उठत अहइँ,
खण्डन करित ह, अउर हर एक भावना का कैद कहके
मसीह क आग्याकारी बनाइ देत अही। 6जब तोहमे कुल
आग्या करत बाटेन तउ हम सब परोपकार क अनाज्ञा
क दण्ड देइ बरे तइयार अही।
7तोहरे सामने जउन लच्छ बा ओनहीं क देखा।
अगर केउ अपने मने मँ इ मानत ह कि उ मसीह क
अहइ, त उ अपने बारे मँ फिन स याद करइ कि उहइ
ओतनइ मसीह क अहइ जेतना कि हम अही। 8अउर
अगर अपने उ अधिकार क विसय मँ कछू अउर गरब
करइ जेका पर्भू हमे तोहरे बिनास क बरे नाहीं बल्कि

आत्मिक निर्माण क बरे दिहे बा। 9तउ एकरे बरे मइँ तोहका इ भावना नाहीं देई चाहित कि मइँ अपने पत्तरन स तोहका घबड़बाइत ह। 10मोरे विरोधीन क कहब बा, "पौलुस क चिठ्ठी तउ भारी भरकम अउर प्रभाऊपूरक अहइँ। लेकिन मोर उपस्थित रहब अहइ तउ व्यक्तित्व कमजोर अहइ अउर बानी अर्थहीन बा।"

11मुला अइसेन कहइवाले मनइयन क समझ लेइ चाही कि तोहरे बीच मँ न रहत भए, जब हम अपने चिठ्ठीन मँ कछू लिखित ह तउ ओहमें अउर तोहरे बीच रहत हम जउन करम करित ह ओहमें कउनउ अन्तर नाहीं बा।

12हम उ कछू लोगन क साथे हमका तुलना करइ क साहस नाहीं करित ह जउन अपने आपके बहुत महत्वपूर्ण मानत हीं। मुला जब अपने क एक दूसरन से नापत हीं अउर आपस मँ आपन तुलना करत हीं तउ उ इ दरसवात हीं कि उ पचे नाहीं जानत हीं कि उ पचे केतना मूरख अहइँ। 13चाहे जउन होइ, हम अच्छे उचित सीमा से बाहेर बढ़ चढ़ क बात न करब। बल्कि परमेस्सर तउ हमरे सेवा क जउन सीमा हमका सौंपे अहइ, हम उहीं मँ रहित ह, अउर सीमा तोहे तलक पहुँचत ह। 14हम अपने सीमा क उल्लंघन नाहीं करत अही, जइसेन कि अगर हम तोहरे तक नाहीं पहुँच पाइत, तउ होइ जात। मुला तोहे तक ईसू मसीह क सुसमाचार लइके हम तोहरे लगे सबसे पहले पहुँचा अही। 15अपने उचित सीमा स बाहेर जाइके कउनो अउर दुसरे मनइयन क काम पर हम गरब नाहीं करित ह मुला हमका आसा बा कि तोहार बिसवास जइसे जइसे बढ़ी तउ वइसे वइसे ही हमार गतिबिधियन क छेत्र क साथे तोहरे बीच मँ हमहूँ बियापक रूप स फइलब। 16अइसे तोहरे छेत्र क अगवा हम सुसमाचार क प्रचार कइ पाउब। कउनो अउर क जउन काम सौंपा गवा बा ओह छेत्र मँ अब तलक जउन काम होइ चुका बा हम ओकरे बरे सेखी नाहीं बघारत अही। 17जइसेन की सास्तरन मँ कहा गवा बा: "जेका गरब करइ क बा वो पर्भू जउन कछू किहे अहइ उहइ पर गरब करा।"* 18काहेकि अच्छा उहइ माना जात ह जेका पर्भू अच्छा स्वीकारत ह, न कि उ जउन अपने आपके खुद अच्छा समझत हीं।

बनावटी प्रेरित अउर पौलुस

11 कास, तू मोर थोड़क मूरखता सही लेत्या। हाँ तू ओका सहि ल्या। 2काहेकि मइँ तोहसे जलन होत ह, इ जलन उ अहइ जउन परमेस्सर से मिलत ह। मइँ तोहार मसीह से सगाई कराइ दिहे हउँ। ताकि तोहे एक पवित्तर कन्निया क समान ओका अर्पित कई सकउँ। 3मुला मइँ डेरात अहउँ कि कहूँ जइसेन उ सर्प हव्वा क अपने कपट से भ्रस्ट कइ दिहे रहा। वइसेन ही कहूँ तोहार मन उ एक निस्ठा भक्ति अउर पवित्तरता स, जउन मोका मसीह क लिए रक्खई चाही, भटकाई न दीन्ह जाई। 4काहेकि जब कउनो तोहरे लगे आइके जे ईसू क बारे मँ जउन कहे रहा, ओका छोड़ी क कउनो दूसरे ईसू क तोहका उपदेस देत ह अउर जउन आतिमा तू ग्रहण किहे अहा, ओसे अलग कउनो अउर आतिमा क तू ग्रहण करत ह अउर छुटकारा क जउने सँदेस क तू ग्रहण किहे अहा, ओसे अलग कउनो दूसरे सँदेस क उ ग्रहण करत ह।

5तउ तू बहुत खुस होत अहा। पर मइँ अपने आपके तोहरे "बड़ेन प्रेरितन" से बिलकुल छोट नाहीं मानत अहउँ। 6होइ सकत ह कि मोर बोलइ क सक्ती सीमित बा मुला मोर गियान तउ असीम बा। इ बाते क हम सबहिं बाते मँ तोहे स्पस्ट रूप से दरसाए हउँ।

7अउ फिन मइँ सेंतइ मेंतई मँ सुसमाचार क उपदेस दइके तोहे ऊँचा उठावई बरे अपने आपके झुकावत भए, का कउनउ पाप किहे अहइ? 8मइँ दूसरे कलीसियन स आपन मेहनताना लइके ओनका लूटे हउँ ताकि मइँ तोहार सेवा कइ सकउँ। 9अउर तब मइँ तोहरे साथे रहेउँ तब जरूरत पड़े प मइँ कउनो प बोझ नाहीं डालेउँ काहेकि मैसीडोनिया स आएन भाइयन मोर जरूरतन क पूरा कइ दिहे रहेन। मइँ हर बाते मँ अपने आपके तोहपे न बोझ बनई दिहे हउँ अउर न बनई देब। 10अउर काहेकि मोहमाँ मसीह क सच निवास करत ह। इही बरे अखाया क समूचे छेत्रन मँ मोका बढ़ चढ़ क बोलइ स केउ नाहीं रोक सकत ह। 11भला काहे? का इही बरे कि मइँ तोहसे पिरेम नाहीं करत हउँ? परमेस्सर जानत ह, मइँ तोहसे पिरेम करत हउँ।

12मुला जउन मइँ करत हउँ ओका तउ करतइ रहब, ताकि ओन्हन कही गइ प्रेरितन क गरब क, जउन गरब करइ क कउनउ अइसेन बहाना चाहत हीं। जेसे सबइ ओनहीं कामे मँ हमरे बराबर समझा जाई सकइँ जेनपइ ओनका गरब बा। मइँ ओनके उ गरब क खतम कइ सकउँ। 13अइसे लोग नकली प्रेरित अहइँ। ऊ पचे छली अहइँ, उ मसीह क प्रेरित होइ क ढोंग करत हीं। 14एहमँ कउनउ अचरज नाहीं बा, काहेकि सइतान त परमेस्सर क दूत क रूप धारण कइ लेत ह। 15इही बरे अगर ओकर सेवकउ नेकी क सेवकन क स रूप धइ लेइ तउ एहमाँ कउन बड़ी बात बा? मुला अन्त मँ ओनका आपन करनी क अनुसार फल तउ मिलइ क बा।

पौलुस की यातना

16मइँ फिन दोहरावत अहउँ कि मोका केउ मूरख न समझइ। मुला अगर फिन स तू अइसेन समझत ह तउ मोका मूरख बनाइके ही मंजूर करा। तब मोका स्वीकार कइ ल्या अउ मोका कछू अधिकार द्या। ताकि मइँ

"जेका ... करा" यिर्म 9:24

कछू गरब कइ सकउँ। [17]अब इ मइँ कहत अहउँ, उ
पर्भू क अनुसार नाहीं कहत ह, बल्कि एक मूरख क
रूप मँ गरबपूर्वक बिसवास क साथे कहत हउँ। [18]काहेकि
बहुत लोगन अपने संसारी जीवन पर गरब करत हीं।
[19]फिन तउ मइँ गरब करब। अउर फिन तउ तू एँतना
समझदार अहा कि मूर्खन क बात खुसी क साथे सहि
लेत ह। [20]काहेकि अगर केउ तोहका दास बनावइ,
तोहका फँसाइ देत ह, धोखा देत ह अपने क तोहसे बड़ा
बनवइ अउर तोहरे मुँहे पर थप्पड़ मारई त तू ओका
सहि लेत ह। [21]मइँ सरम क साथे कहत हउँ कि हम पचे
बहुत कमजोर रहे। अगर कउनउ मनई कउनो चीजन
पे गरब करइ क साहस करत ह त ओइसन साहस मइँ
भी करब। मइँ मूर्खतापूर्वक कहत अही।

[22]इबरानी सबइ तउ नाहीं अहइँ। जदि उ पचे इस्राएली
अहइँ, तउ उ मइँ भी अहउँ, जदि उ सबइ इब्राहीम क
बंसज अहइँ, तउ उ मइँ भी हउँ। [23]मइँ अहउँ। इस्राएली
उ सबइ तउ नाहीं अहइँ। मइँ ह भी। का उ पचे मसीह क
सेवक अहइँ? (एक सनकी की नाहीं मइँ इ कहत ह
अहउँ।) कि मइँ ओहसे बड़ा मसीह क सेवक अहउँ। मइँ
बार बार जेल गवा हउँ। मोका बार बार मारा गवा बा।
कई अवसरन पर मोका मऊत क सामना भवा बा।
[24]पाँच बार मइँ यहूदियन स एक कम चालीस चालीस
कोड़ा खाए हउँ। [25]मइँ तीन तीन बार लाठियन स पीटा
गवा हउँ। एक्क बार तउ मोहे पर पत्थराऊँ कीन्ह गवा
बा। तीन बार मोर जहाज बूड़ा। एक दिन अउर एक रात
मइँ समुंदर क गहिरे पानी मँ बितावा। [26]मइँ भयानक
नदियन, खूँखार डकइतन, खुद आपन लोगन, विधर्मियन,
नगरन, गाँवन, समुद्रन अउर देखआवटी बन्धुवन क
खतरे क बीचवा मँ कइयऊ यात्रा किहे हउँ। [27]मइँ
कड़ा मेहनत कइके थकावट से चूर होइके जीव जिए
हउँ। कई अवसरन पर मइँ सोइ तक नाहीं पाएउँ। भूखा
अउर पियासा रहेउँ। अकसर मोका खाई तक क नाहीं
मिला। बिना कपड़न क जाड़ा मँ ठिठूरत रहेउँ। [28]अउर
अब अउर जियादा का कही? रोज मेरे ऊपर जिम्मेदारी
का भार अहइ अउर मोहे पइ सब कलीसियावन की
चिन्ता बनी रहत ह। [29]कीहीऊ का कमजोरी मोका
सक्तिहीन नाहीं कई देत ह अउर केकर पापे मँ होब
मोका बैचेन नाहीं बनाई डावत ह। लेकिन मइँ अन्दर से
दुखी होइ जात हउँ यदि कउनो प्रलोभन मँ बहक जात ह।

[30]अगर मोका बढ़-चढ़ क बात करई क बा तउ मइँ
ओन्हन बातन क करब जउन हमरे कमजोरी क अहइँ।
[31]परमेस्सर अउर पर्भू ईसू क परमपिता जउन हमेसा
धन्य अहइँ, जानत हीं कि मइँ कबहुँ झूठ नाहीं बोलत
हउँ। [32]जब मइँ दमिस्क मँ रहेउँ तउ राजा अरितास क
राज्यपाल दमिस्क क चारों ओर पहरा बइठा दिहे रहा
मोका बन्दी कई लेइक जतन किहे रहा। [33]मुला मोका
नगर क चार दीवारी क छेद से टोकरी मँ बइठाइ क
नीचे उतार दीन्हा गवा अउर मइँ ओकरे हाथ स बच
निकलउँ।

पौलुस पर पर्भू क विसेस अनुग्रह

12 यदि घमण्ड करइ क होइ तउ मोरे बरे ठीक ना
होइ, तो भी करइ पड़त ह, तउ मइँ पर्भू क दीन्ह
भए दर्सन अउर पर्भू क प्रकासित चरचा करत अहउँ।

[2]मइँ मसीह मँ स्थित क अइसेन मनई क जानत
हउँ जेका चौदह साल पहिले (ओकरे सरीर मँ या सरीर
क बाहर मइँ नाहीं जानित ह परमेस्सर ही जानत ह।) देह
सहित या देह रहित तीसरे सरग मँ उठाई लीन्ह गवा रहा।
[3–4]अउर मइँ जानित ह कि ऐह मनई क (मइँ बिना
सरीर क या सरीर सहित नाहीं जानित हउँ बस परमेस्सर
ही जानत ह) सरगलोक* मँ उठाई लीन्ह गवा रहा अउर
ओ अकथनीय सब्द सुनेस जेका बोलइक अनुमति मनइयन
क नाहीं बा। [5]हाँ, अइसेन मनइयन पर गरब करबइ,
मुला खुद अपने घरे पर अपने दुर्बलतन क छोड़ क गरब
न करबइ। [6]काहेकि इ मइँ सरम करइ क सोची तउ
मइँ मूरख न बनबइ काहेकि तब मइँ सच कहबइ। होबइ!
मुला तोहका मइँ अइसेन बचाउब ताकि कउनो मोका
जइसेन करत देखत ह या कहत सुनत ह, ओसे भी
जियादा श्रेय न देइ। [7]असाधारण प्रकासित क कारण
मोका कउनउ गरब न होइ जाइ, इही बरे मोका सालत
रहइ वाला काँटउ दइ दिहे अहइ। जउन सइतान क दूत
अहइ, मोका मारत रहत ह ताकि मोका बहुत जियादा
घमण्ड न होइ जाइ। [8]काँटा क अहइ समसिया क बारे मँ
मइँ पर्भू स तीन बार बिनती किहेउँ काहेकि उ इहइ
काँटा क मोसे निकाल लेइ। [9]मुला उ मोसे कहि दिहे
अहइ, “तोहरे बरे मोरे अनुग्रह परियाप्त बा। काहेकि
निर्बलता मँ मोर सक्ती सबसे जियादा होत ह।” इही बरे
मइँ अपने कमजोरी पे खुसी क साथे गरब करत हउँ।
ताकि मसीह क सक्ती मोहमाँ रहइ। [10]इही तरह मसीह
बरे मइँ अपने कमजोरी, अपमानन, कठिनाइयन, जातनन,
अउ बाधा मँ आनन्द लेत हउँ काहेकि जब मइँ कमजोर
होत हउँ तबइ बलवान होत हउँ।

कुरिन्थियन क प्रति पौलुस क पिरेम

[11]मइँ मूरखन की तरह बतियात अहउँ मुला अइसा
करइ क बरे मोका मजबूर तू किहे अहा। तोहका तउ
मोर प्रसंसा करइ चाही, जद्यपि वइसे तउ मइँ कछू नाहीं
हउँ, पर तोहरे ओन्हन “बड़ेन प्रेरितन” स मइँ कीहीउ
तरह छोट नाही हउँ। [12]कीहीउँ क प्रेरित सिद्ध करइवाला
अद्भुत चीन्हा, अचरज कारज, अद्भुत कारज, अउर
तोहरे बीच धीरज क साथे परगट कीन्ह गवा अहइँ। [13]तू

सरगलोक यानि सरगे क लोक, जहाँ धर्मी लोग मरई क बाद
पहुँचत हीं।

दूसरे कलीसियन स कउँने दीस्टी स कम अहा? सिवाय
एकरे कि मइँ तोहपे कउनउ तरह क कवहँ भार नाहीं
बना हउँ? मोका एकरे बरे छमा करा।

14देखा तोहरे लगे आवई क अब मइँ तीसरी बार
तइयार हउँ। पर मइँ तोहपे कउनउ तरह क बोझ न
बनब। मोका तोहरे सम्पन्तिन क नाहीं तोहार चाहत
अहइ। काहे कि बच्चन क अपने मांई बाप क बरे
कउनउ बचत करइ क जरूरत नाहीं होत बल्कि अपने
बच्चन क बरे माई बाप क खुद बचत करइ क होत ह।
15जहाँ तक मोर बात अहइ, मोर लगे जउन कछू बा
तोहरे बरे खुसी क साथे खर्चा करबइ, इहाँ तक कि
अपने आपऊ क तोहरे बरे खर्च कई देबई। जदि मइँ
तोहसे जियादा पिरेम रखित ह तउ भला तू मोका कम
पिरेम कइसे करब्या। 16होइ सकत ह कि मइँ तोहपे
कउनउ बड़ा बोझ न डावा होइ। मुला तोहर कहब बा मइँ
कपटी रहेउँ मइँ तोहका अपने चालाकी स फंसाइ लिहेउँ।

17का जउने लोगन क मइँ तोहरे लगे भेजे रहेउँ
ओनके जरिये तोहे छला ग रहा? नाहीं! 18तीतुस अउर
ओनके साथे हमरे भाई क मइँ तोहरे लगे भेजे रहेउँ। का
तीतुस तोहे फँसाइ दिहेस? नाहीं का हम उहीं निस्कपट
आतिमा स नाहीं चलत रहेन? का हम उही चरनचिन्हन
पर नाहीं चलत रहेन?

19अब तू का सोचत अहा कि एक लम्बा समइ स
हम तोहरे सामने आपन पछ रक्खत अही। मुला हम त
परमेस्सर क सामने मसीह क अनुयायी क रूप मँ बोलत
अही। मोर पियारे दोस्तो! हम जउन कछू करत अही उ
तोहे आत्मिक रूप स सक्तिसाली बनवइ क बरे बा।
20काहेकि मोका भय बाटई कि कहूँ जब मइँ तोहरे लगे
आवउँ तउ तोहे वइसेन न पावउँ, जइसेन पावई चाहित ह
अउर तू भी मोका वइसेन न पावा जइसेन पावई चाहत
ह। मोका भय बा कि तोहरे बीच मोका कहूँ आपसइ मँ
झगड़ा, इरसा, गुस्सापूर्वक कहासुनी व्यक्तिगत, षड़यन्त्र,
अपमान, कानाफूसी हेकड़पन अउर अव्यवस्था न मिलइ।
21मोका डर बा कि जब मइँ फिन तोहसे मिलइ आवउँ
तउ तोहरे सामने मोर परमेस्सर कहूँ मोका लज्जित न
कइ देइ, अउर मोका ओन्हन बहुतन बरे बिलाप न
करइ क पड़ई। जे पहिले पाप किहे बाटेन अउर
अपवित्तरन, व्यभिचरियन अउर भोग विलास मँ डूबा
रहइ क बरे मनफिराव नाहीं किहे बाटेन।

अन्तिम चेतावनी अउर नमस्कार

13 इ तीसर अउसर अहइ जब मइँ तोहरे लगे आवत
हउँ सास्तरन कहत हीं: "सब बातन क पुस्टि, दूई
य तीन गवाहन क साच्छी पर कीन्ह जाइ।"* 2जब दूसरी
बार मइँ तोहरे साथे रहेउँ मइँ तोहका चेतावनी दिहे रहेउँ
अउर अब जब मइँ तोहसे दूर हउँ मइँ तोहका फिन स
चेतावनी देत हउँ कि अगर मइँ फिन तोहरे लगे आवउँ
त जे जे पाप किहे बाटेन अउर जउन पाप करत अहइँ
ओनका अउर शेस दूसरे लोगन क न छोड़ब। 3अइसेन
मइँ ऍह बरे करत हउँ कि तू इ बाते क प्रमाण चाहत
अहा कि मोहमाँ मसीह बोलत ह। उ तोहरे बरे कमजोर
नाहीं बा बल्कि समरथ बा। 4इ सच बा कि ओका
ओकरे कमजोरी क कारण क्रूस पर चढ़ावा गवा रहा।
मुला अब उ परमेस्सर क सक्ती क कारण ही जिअत
अहइ। इह सच बा कि मसीह मँ स्थित हम कमजोर अही
मुला तोहरे लाभ बरे परमेस्सर क सक्ती क कारण हम
ओकरे साथे जियब।

5इ देखई बरे अपने आप क परखई क बा तू
बिसवासपूर्वक जिअत अहा। आपन जाँच पड़ताल करा
अउर का तू नाहीं जानत ह कि उ ईसू मसीह तोहरे
भित्तरइ बा। जदि अइसना नाहींबा, तउ त इ परीच्छा मँ
पूरा न उतरब्या। 6मइँ अब आसा करत हउँ कि तू इ
जानि जा कि हम इ परीच्छा मँ कउनउ तरह स विफल
नाहीं भए।

7हम परमेस्सर से पराथना करित ह कि तू कउनउ
बुराइ न करा। एह बरे नाहीं कि हम इ परीच्छा मँ खरा
देखाई देइ। बल्कि एह बरे कि तू फिन उहइ करा जउन
अच्छा बा। चाहे हम इ परीच्छा मँ विफल भए काहे न
देखॉइ देइ।

8असलियत मँ हम सत्य क विरुद्ध कछू नाहीं कइ
सकित ह। हम जउन करित ह सच क बरे करित ह।
9हमार कमजोरी अउर हमार सबलता मोका खुश करत
ह अउर हम इही बरे पराथना करित ह की तू मजबूत स
मजबूत बना।

10इही बरे तोहसे दूर रहत मइँ इन बातन क तोहका
लिखत हउँ। ताकि जब मइँ तोहरे बीच होउँ तउ मोका
पर्भू क जरिये दीन्ह गवा अधिकार स तोहका हानि
पहुँचई बरे नाहीं बल्कि तोहरे आत्मिक बिकास बरे
तोहरे साथे कठोरता न बरतइ पड़इ।

11अब भाइयन, मइँ तोहसे विदा लेत अहउँ। आपन
आचरण ठीक रखा। वइसेह करत रहा जइसेन करइ क
मइँ कहे रहेउँ। एक जइसेन सोचा। सान्तिपूर्वक रहा। जेसे
पिरेम अउर सान्ति क स्रोत परमेस्सर तोहरे साथे रही।

12पवित्तर चुम्बन दुवारा एक दूसरे क सुवागत
करा।

13सबन पवित्तर लोगन क तोहे नमस्कार।

14तू पर्भू ईसू मसीह क अनुग्रह, परमेस्सर क पिरेम
अउर पवित्तर आतिमा स मिलइ वाला भाई-चारा रहइ।

"सब ... जाइ" व्यवस्था 19:15

गलातियन क पत्र

1 पौलुस क तरफ स, जउन एक प्रेरित अहइ, जे एक अइसेन सेवा बरत धारन किहे अहइ। जउन ओका न तउ मनइयन स मिला बा अउर न कउनो एक मनई क जरिये दीन्ह गवा रहा, बल्कि ईसू मसीह क जरिये उ परमपिता परमेस्सर स, जे ईसू मसीह मरे रहे प फिन स जियाइ दिहे रहा, दीन्ह भवा बा।

[2]अउर मोरे साथे जउन भाइ अहइँ, ओन्हे सब ओर स गलातिया* छेत्र क कलीसियवन क नाउँ:

[3]हमरे परमपिता परमेस्सर अउर पर्भू ईसू मसीह कइँती स तू सबन क अनुग्रह अउर सान्ति मिलइ। [4]जे हमरे पापन बरे अपने आपके अर्पित कइ दिहेन ताकि इ पापपुन्न संसारे स, जेहेमें हम रहत हई, उ हमका छुटकारा देवाँइ सकइ। हमरे परमपिता क इहइ इच्छा अहइ। [5]उ हमेसा महिमावान होइ। आमीन।

सच्चा सुसमाचार एक्कइ अहइ

[6]मोका अचरज बा, कि तू सभे ऍतनी जल्दी उ परमेस्सर स मुँह मोड़के, जे मसीह क अनुग्रह द्वारा तू पचन क बोलाए रहा, कउनो दुसरे सुसमाचार क तरफ जात अहा। [7]कउनउ दुसर सुसमाचार तउ सहीयउ मँ अहइ ही नाहीं ना, मुला कछू जने अइसेन अहइँ जउन तोहे भरमावत अहइँ। अउर मसीह क सुसमाचार मँ हेर-फेर क जतन करत हीं। [8]मुला चाहे हम होई अउर चाहे केऊ सरगदूत या तू सबन क हमरे कारण सुनावा गवा सुसमाचार स अलग सुसमाचार सुनावत हीं तू ओका धिक्कार बा।

[9]जइसेन की हम पहिले कहिं चुका हई, ओइसेन ही मइँ अब फिन दोहरावत अहउँ कि जदि चाहे हम होइ अउर चाहे केऊ सरगदूत, या तोहरे स स्वीकार कीन्ह गवा सुसमाचार स अलग सुसमाचार सुनावत हीं तउ ओका धिक्कार अहइ।

[10]का एहसे तू सबन क अइसेन लागत ह कि मोका मनइयन क स्वीकृति चाही? या इ अउर परमेस्सर की स्वीकृति मिलइ। अउर का मइँ मनइयन क खुस करई क जतन करत हइ? अगर मइँ मनइयन क खुस करित ह तउ मइँ ईसू मसीह क सेवक-सा न होइत।

पौलुस क सुसमाचार परमेस्सर स मिला बा

[11]भाइयो, मइँ तोहका जतावइ चाहित ह कि सुसमाचार जेकर उपदेस तू पचन क मइँ दिहे हउँ उ मनई द्वारा नाहीं बनावा गवा ह। [12]कउनउ मनई स मिला सुसमाचार नाहीं ना काहेकि न तउ मइँ एका कीहीउ मनई स पाएउँ हई अउर न तउ कउनउ मनई एकर उपदेस मोका दिहे बा। ईसू मसीह द्वारा हमरे सामने परगट भवा बा।

[13]यहूदी धरम मँ मइँ पहिले कइसे जिअत रहेउँ ओका तू सुन चुक्या ह, अउर तू इहउ जानत ह कि मइँ परमेस्सर क कलीसिया पर केतॅना अत्याचार किहे हउँ अउर ओका मिटाइ डालइ क कोसिस तक किहे अहइ। [14]यहूदी धरम क पालइ मँ मइँ अपने जुगे क समकालीन यहूदियन स आगे रहेउँ काहेकि मोर पूर्वजन स जउन परम्परा मोका मिली रहिन, ओहमँ हमार उत्साहपूरक आस्था रही।

[15]मुला परमेस्सर मोरे जनम स पहिलेन मोका चुन लिहे रहा। अउर आपन अनुग्रह व्यक्त करइ क मोका बोलाइ लिहे रहा। [16]ताकि उ मोका अपने पूत (ईसू) क गियान कराइ देइ। जेसे मइँ गैर यहूदियन क बीच ओकरे सुसमाचार क प्रचार करउँ। ओह समइ जल्दी स मइँ कउनउ मनई स कउनउ राय नाहीं लिहेउँ। [17]अउर न तउ मइँ ओन्हन क लगे यरूसलेम गएउँ जउन मोसे पहिले प्रेरितन बना रहेन। बल्कि मइँ अरब गवा रहेउँ अउर फिन उहाँ स दमिस्क लउटि आएउँ।

[18]फिन तीन साल क बाद पतरस स मिलइ बरे मइँ यरूसलम पहुँचेउँ अउर ओकरे साथे एक पखवाड़ा ठहरेउँ। [19]मुला उहाँ मइँ पर्भू क भाई याकूब क देखिके कउनो अउर दुसरे प्रेरितन स नाहीं मिलेउँ। [20]मइँ परमेस्सर क साच्छी कइके कहत हउँ कि जउन कछू मइँ लिखत हउँ ओहमाँ झूठ नाहीं बा। [21]ओकरे बाद मइँ सीरिया अउर किलिकिया क देसन मँ गएउँ।

[22]मुला यहूदियन क मसीह क मानइवाले क कलीसियन अपने रूप स मोका नाहीं जानत रहेन। [23]मुला उ लोगन स कहत सुनत रहेन, "उहइ मनई जउन पहिले हमका सतावत रहत रहा उही बिसवासे यानि उही बिसवास क प्रचार करत रहत ह जेका उ कभउँ खराब करई क

गलातिया कभउँ कभउँ उहइ छेत्र रहा होइ जहाँ आपन पहिली धार्मिक सेथ जाबा क अवसरन पर पौलुस उपदेस दिहे रहा, अउर कलीसिया क स्थापना किहे रहा। प्रेरितन क काम 13 अउर 14 देखा।

कोसिस करे रहा।" 24मोरे कारण उ पचे परमेस्सर क
स्तुति किहेन।

पौलुस क प्रेरितन क मान्यता

2 चौदह साल बाद मइँ फिन स यरूसलेम गएउँ बरनाबास
मोरे साथे रहा अउर तीतुस क मइँ अपने साथे लइ
लिहे रहेउँ। 2मइँ परमेस्सर क दर्सन क कारण उहाँ गवा
रहेउँ। मइँ गैर यहूदियन क बीच सुसमाचार क उपदेस
देत रहत हउँ, उहइ सुसमाचार क आपन निजी सभा क
बीच कलीसिया क मुखियन क सुनाएउँ। मइँ उहाँ एह
बरे गए रहेउँ कि परमेस्सर खुद मोका दर्साये रहा कि
मोका उहाँ जाइ चाही। ताकि जउन काम मइँ पिछले
दिनन किहे रहेउँ, या जेका मइँ करत हउँ, उ बेकार न
चला जाइ।

3–4परिनाम सरूप तीतुस तक क, जउन हमरे साथे
रहा, जद्यपि उ यूनानी अहइ फिन ओका खतना करावइ
बरे विवस नाहीं कीन्ह गवा रहा। मुला ओन झूठे भाइयन
क कारण जउन लुके छिपा हमरे बीच गुप्तचर क रूप
मँ मसीह ईसू मँ हमार स्वतन्त्रता क पता लगावइ बरे घुस
आइ रहेन कि हमका दास बनाइ सकइँ, इ बात उठी
5मुला हम ओनकइ गुलामी मँ एक छन बरे घुटना नाहीं
टेका ताकि उ सच चउन सुसमाचार मँ निवास करत ह,
तोहरे भित्तर बना रहइ।

6मुला जाना-माना सम्मानित लोगन स मोका कछू
नाहीं मिला। (उ कइसनेउ भी रहेन, मोका अइसेन कउनउ
अन्तर नाहीं पड़त। बिना कउनउ भेद भाऊ क सबन
मनई परमेस्सर क सामने एक जइसेन अहइँ।) मुला
ओन सम्मानित लोगन स मोका या मोरे सुसमाचार मँ
कछू जोड़ावाइ गवा कउनउ लाभ नाहीं भवा। 7मुला एन
मुखियन देखेन कि परमेस्सर मोका वइसे ही एक विसेस
काम सौंपे अहइ जइसे पतरस क परमेस्सर यहूदियन क
सुसमाचार सुनावइ क काम दिहे रहा। मुला परमेस्सर गैर
यहूदियन क सुसमाचार सुनावइ क काम मोका दिहे
रहा। 8परमेस्सर पतरस क एक प्रेरित क रूप मँ काम
करइ क सक्ती दिहे रहा। पतरस गैर यहूदियन क बरे
एक प्रेरित बा। परमेस्सर मोका भी एक प्रेरित क रूप मँ
काम करइ क सक्ती दिहे बाटइ। मुला मइँ ओन मनइयन
क प्रेरित अहउँ जउन यहूदी नाहीं अहइँ। 9इही तरह उ
पचे मोह पइ परमेस्सर क ओह अनुग्रह क समझ लिहेन
अउर कलीसिया क स्तम्भ समझइ जाइ वाला याकूब,
पतरस अउर यूहन्ना बरनाबास अउर मोसे साझेदारी क
चिन्ह क रूप मँ हाथे मिलाए रहा। अउर उ पचे सहमत
होइ गएन कि हम विधर्मियन क बीच उपदेस देत रही
अउर उ सबइ यहूदियन क बीच। 10ओ सबइ हमसे बस
ऍतनई कहेन कि हम ओनके गरीबन क धियान रखी।
अउर मइँ इही कामँ क न केवल करइ चाहत रहेउँ
बल्कि एकरे बरे लालयित रहेउँ।

पौलुस क दिस्टी मँ पतरस अनुचित

11मुला जब पतरस अन्ताकिया आवा तब मइँ खुलके
ओकर विरोध किहेउँ काहेकि उ ठीक नाहीं रहा।
12काहेकि याकूब द्वारा भेजा गवा कछू लोगन क इहाँ
पहुँचे स पहिले उ गैर यहूदियन क साथे खात पियत रहा।
मुला उन लोगन क आवइ क बाद उ गैर यहूदियन स
अलग कइ लिहेस। उ ओन्हेन क डर स अइसेन किहेस
जउन चाहत रहेन कि गैर यहूदियन क खतना होइ
चाही। 13दूसरे यहूदियन पतरस क इ देखावा मँ साथ
दिहेन। इहाँ तक की इ देखॅावइ क कारण बरनाबास
तक भटक गवा। 14मइँ जब इ देखेउँ कि सुसमाचार मँ
छिपा हुआ सच क अनुसार उ पचे सीधे रस्ता पर नाहीं
चलत रहेन तब सबक सामने पतरस स कहेन, "जब तू
यहूदी होइ क भी गैर यहूदियन क जिन्नगी जिअत अहा
तउ गैर यहूदियन क यहूदियन क रीति पर चलइ क बरे
विवस कइसे कइ सकत ह?" 15हम तउ जनम स यहूदी
अही। अउर हमार पापी गैर यहूदियन स कउनउ सम्बन्ध
नाहीं बा। 16तबऊ हम इ जानित ह कि कउनो मनई क
व्यवस्था क बिसय क पालन करइ क कारण नाहीं
बल्कि ईसू मसीह मँ बिसवास क कारण नेक ठहरावा
जात ह। मइँ इही बरे मसीह ईसू क बिसवास धारण किहे
हई, ताकि इ बिसवासे क कारण हम नेक ठहरावा जाइ,
न कि व्यवस्था क पालइ क कारण। काहेकि ओका
पालई स तउ केऊ मनई धर्मी नाहीं होत।

17मुला अगर हम जउन ईसू मसीह मँ अपने स्थित
क कारण धर्मी ठहरावा जाइ चाहित ह। हमहूँ बिधर्मीयन
क समान पापी पावा जाइ तउ एकर मतलब का इ नाहीं
ना कि मसीह पापे क बढ़ावा देत ह। निस्चय ही नाहीं।
18अगर जेकर तियाग मइँ कइ चुका हउँ उ व्यवस्था क
फिन स उपदेस देइ लागउँ, तब तउ मइँ आज्ञा क उल्लंघन
करइवाला अपराधी बन जाब। 19काहेकि व्यवस्था क
विधान स मइँ मर गएउँ ह ताकि परमेस्सर क बरे मइँ
फिन स जी जाउँ मसीह क साथे मोका क्रूस पर चढ़ाइ
दिहा गवा। 20इही स अब आगे मइँ जिन्दा नाहीं अहउँ।
मुला मसीह मोहमाँ जिन्दा अहइ। तउन एह सरीर मँ अब
मइँ जउन जिन्नगी जिअत हउँ, उ हमार जिन्नगी नाहीं
अहइ, उ तउ बिसवासे पइ टिका बा। परमेस्सर क ओह
पूत (ईसू) बरे बिसवासे पर जउन मोसे पिरेम करत ह।
अउर जे अपने आप क मोरे बरे अर्पित कइ दिहेस।
21मइँ परमेस्सर क अनुग्रह क नाहीं नकारित ह, मुला
अगर धार्मिक व्यवस्था क कारण परमेस्सर स नाता
जोड़ाइ पाउत तउ मसीह बेकारइ आपन जान काहे देत।

परमेस्सर क बरदान बिसवासे स मिलत ह

3 अरे मूरख गलातियो, तोह पर के जादू कइ दिहे
बा? तू सबन क तउ, सबन क समन्वा ईसू मसीह
क क्रूस पर कइसे चढ़ावा गवा रहा, एकर पूरा विवरण

दइ दीन्ह गवा रहा। 2मइँ तू पचन स बस एतना जानइ
चाहित ह कि तू पवित्तर आतिमा क बरदान कउन
व्यवस्था क पालइ स पाए रह्या, अउर सुसमाचार क
सुनइ अउर ओहपे बिसवास करइ स? 3काहेकि तू पचे
एँतना मूरख होइ सकत ह, जउने जीवन क तू सबइ
आतिमा स आरम्भ किहे रह्या-ओका अब हाड़-मांस
क सरीर क सक्ती स पूरा करब्या। 4तू पचे एतना कस्ट
बेकारइ सह्या? आसा बाटइ कि उ पचे बेकार नाहीं
भएन। 5परमेस्सर जउन तोह पचन क आतिमा देत ह
अउर जउन तोहरे सबन बीच अद्भुत कारजन क करत
ह, उ इ एह बरे करत ह कि तू सबइ व्यवस्था क पालत
अहा या एह बरे की तू पचे सुसमाचार क सुने अहा,
अउर ओह पर बिसवास किहे अहा।

6इ वइसेन ही बा जइसे कि इब्राहीम क बारे मँ
पवित्तर सास्तरन कहत हीं: "उ परमेस्सर मँ बिसवास
किहेस अउर इ ओकर परमेस्सर मँ धार्मिकता गिनि
गइ।"* 7तउ फिन तू पचे इ जान ल्या कि इब्राहीम सच्चा
बंसज ओह सबइ अहइँ जउन बिसवास करत हीं। 8पवित्तर
सास्तरन पहिलेन बताइ दिहे बाटेन कि परमेस्सर गैर
यहूदियन क भी ओनके बिसवास क कारण धर्मी ठहराएस।
अउर ओन सब्दन क साथे पहिलेन स ही इब्राहीम क
परमेस्सर क जरिये सुसमाचार स सास्तरन क इ सब्दन
द्वारा, "परमेस्सर तुम्हारा उपयोग करी, सबहिं राष्ट्रन का
आसीसन बरे अवगत कराइ दीन्ह गवा रहा।"* 9इही बरे
उ लोग जउन बिसवास करत हीं बिसवासी इब्राहीम क
साथ आसीस पावत हीं।

10मुला जब लोग जउन व्यवस्था क पालइ प निर्भर
रहत हीं, उ पचे कउनो अभिसाप क अधीन अहइँ।
पवित्तर सास्तरन मँ लिखा बा, "अइसेन सब मनइ स्रापित
बाटेन जउन व्यवस्था क पुस्तक मँ लिखी सब बातन क
लगन क साथे पालन नाहीं करतेन।*" 11अब इ स्पष्ट
बा क व्यवस्था क जरिये परमेस्सर क सामने कउनउ
धर्मी नाहीं ठहरत ह। काहेकि पवित्तर सास्तरन क
अनुसार, "धर्मी मनई बिसवास क सहारे अनन्त जीवन
जिई।"*

12मुला व्यवस्था तउ बिसवासे पर नाहीं टिका बल्कि
पवित्तर सास्तरन क अनुसार, "जे व्यवस्था क विधान
क अनुसार पाली, उ ऊहीं क सहारे जिई।"* 13मसीह
हमरे स्रापे क अपने ऊप्पर लइके व्यवस्था क स्राप स
हमका मुक्त कइ दिहेस। पवित्तर सास्तरन कहत हीं,
"हर केऊ जउन पेड़ पर टाँगि दीन्ह जात ह, स्रापित
बा"* 14मसीह हमका ऐह बरे मुक्त किहेस कि इब्राहीम
क दीन्ह गइ आसिस ईसू मसीह क जरिये गैर यहूदियन
क मिलि सकइ ताकि बिसवास क जरिये हम ओंह
पवित्तर आतिमा क पाइ सकी जेकर बचन दीन्ह गवा
बा।

व्यवस्था अउर बचन

15भाइयो, अब मइँ तू पचन क दैनिक जीवन स एक
उदाहरण देइ जात अहउँ: देखा, जइसेन कउनउ मनई क
जरिये कउनउ करार कइ लिहेजाइ प स्वीकृत हो जात
ह, न तउ कउनो मनई ओका रद्द कइ सकत ह अउर
न ही ओहमे स कछू घटावा जाइ सकत ह। अउर न
बढ़ावा, 16वइसेन ही इब्राहीम अउर उनके भावी बंसज
क साथे कीन्ह गइ प्रतिज्ञा क संदर्भ मँ भी बा। देखा!
परमेस्सर इ नाहीं कहत ह , "अउर ओकरे बसंजन क।"
(अगर अइसेन होत ह त बहुत लोगन क तरफ संकेत
होत। परमेस्सर वचन मँ कहत ह, "अउर तोहरे बंसजन"
जउन मसीह अहइ।) 17मोर कहइ क मतलब इ बाटई
कि जेह करार क परमेस्सर पहिलेन सुनिस्चित कइ
दिहेस ओका चार सौ तीस साल बाद आवइवाली व्यवस्था
क विधान नाहीं बदल सकत अउर न तउ ओकरे बचन
क अप्रभावित ठहरावा जाइ सकत ह। 18काहेकि अगर
उत्तराधिकार व्यवस्था पर टिका बा तउ फिन उ बचन
पर न टिकी। मुला परमेस्सर उत्तराधिकार बचन क
कारण मुक्त रूप स इब्राहीम क दिहे रहा।

19फिन भला व्यवस्था क प्रयोजन का रहा? व्यवस्था
उल्लंघन क अपराध क कारण व्यवस्था क बचन स
जोड़ दीन्ह गवा रहा ताकि जेकरे बरे बचन दीन्ह गवा
रहा, ओह बंसज क आवइ तलक उ रहइ। व्यवस्था एक
मध्यस्थ क रूप मँ रहइवाला मूसा क सहायता स सरगदूतन
स दीन्ह गवा बा। 20अब देखा, मध्यस्था क जरूरत नाहीं
अहइ, जब केवल एक मनई होत ह। मुला परमेस्सर तउ
एक्कई बा।

मूसा क व्यवस्था क प्रयोजन

21का एकर इ मतलब बा कि व्यवस्था परमेस्सर क
बचन क विरोधी अहइ? निस्चित रूप स नाहीं। काहेकि
अगर अइसेन ही व्यवस्था दीन्ह गइ होत जउन सबन मँ
जीवन क संचार कइ सकत तउ व्यवस्था परमेस्सर क
आगे धार्मिकता क सिद्ध करई क साधन बन जात।
22मुला पवित्तर सास्तरन घोसणा किहे बा कि इ समूचा
संसार पाप क सक्ती क अधीन बा। ताकि ईसू मसीह मँ
बिसवास क आधार पर जउन बचन दीन्ह गवा बा, उ
बिसवासी लोगन क भी मिलइ।

"उ परमेस्सर ... गइ" उत्पत्ति 15:6

"परमेस्सर ... रहा" उत्पत्ति 12:3

"अइसेन ... करतेन" व्यवस्था 27:26

"धर्मी ... जिई" हबक 2:4

"जे ... जीई" लैव्य 18:5

"हर ... बा" व्यवस्था 21:23

23इ बिसवास क आवई स पहिले, हमका व्यवस्था
क देखरेख मँ, इ आवइवाला बिसवास क परगट होइ
तलक, बन्दी क रूप मँ रखा गवा बा। 24एह तरह व्यवस्था
हमका मसीह तक लइ जाइ क बरे एक कठोर अभिभावक
रहा ताकि आपन बिसवास क आधार पर हम धर्मी
ठहरी। 25अब जब इ बिसवास परगट होइ चुका अहइ
तउ हम ओह कठोर अभिभावक क अधीन नाहीं अही।
26–27ईसू मसीह मँ बिसवास क कारण तू सबहिं
परमेस्सर क सन्तान अहा। काहेकि तू सबइ मसीह क
बपतिस्मा लइ लिहे अहा, मसीह मँ समाइ गवा अहा।
28तउन अब कीहीउ मँ कउनउ अन्तर नाहीं रहा अउर
न कउनउ यहूदी रहा, न गैर यहूदी, न दास रहा, न
स्वतन्त्र, न पुरुस रहा, न स्त्री रही, काहेकि मसीह ईसू मँ
तू सबहिं एक अहा। 29अउर काहेकि तू मसीह क अहा,
तउ फिन तू इब्राहीम क बंसजन क अहा। अउर परमेस्सर
जउन इब्राहीम क दिहे रहा उहइ बचन क उतराधिकारी
होइ।

4 मइँ कहत हउँ कि उत्तराधिकारी जब तलक बच्चा
बा तउ चाहे सब कछू क स्वामी उहइ होत ह, फिन
भी उ दास स जियाद कछू नाहीं रहत। 2उ संरच्छकन
अउर घरे क सेवकन क तब तक अधीन रहत ह। जब
तक ओकरे पिता द्वारा निस्चत समइ नाहीं आई जात।
3हमरउ भी अइसेही स्थिति बा। हमहुँ जब बच्चा रहेन तउ
संसारी नियमन क दास रहेन। 4मुला जब अच्छा समइ
आवा त परमेस्सर तउ अपने पूत क भेजेस जउन एक
स्त्री स जनमा रहा। 5अउर उ व्यवस्था क अधीन जिअत
रहा। ताकि उ व्यवस्था क अधीन व्यक्तियन क मुक्त
कराइ सकइ जेसे हम परमेस्सर क गोद लीन्ह भए बच्चन
बन सकी।
6अउर फिन काहेकि तू परमेस्सर क सन्तान अहा,
तउन उ सबन क हिरदय मँ पूत क आतिमा क पठए
रहा। उहइ आतिमा, "अब्बा" या "पिता" कहतइ बोलवावत
ह। 7इही बरे अब तू दास नाहीं अहा बल्कि परमेस्सर क
सन्तान अहा अउर काहेकि तू सन्तान अहा इही बरे
तोहका परमेस्सर आपन उत्तराधिकारी बनाए ह।

गलाती मसीहियन क बरे पौलुस क पिरेम

8पहिले तू सभे जब परमेस्सर क नाहीं जानत रह्या,
तउ तू सभे देवतन क दास रह्या। उ सच नाहीं अहइ
वास्तव मँ उ सबइ परमेस्सर नाहीं रहेन। 9मुला अब तू
परमेस्सर क जानत अहा, या अइसेन कहइ चाही कि
परमेस्सर क जरिये अब तू पचन क पहिचान लीन्हा गवा
बा। फिन तू ओनन्ह साररहित, कमजोर नियमन कइँती
काहे लउटत अहा। तू पचे फिन स ओनके अधीन काहे
होइ चाहत ह? 10तू पचे कउनो विशेस दिनन महीनन
ऋतुवन अउर बरिसन क मानइ लाग अहा। 11तू पचन
क बारे मँ मोका डेर लागत ह कि तू पचन क बरे जउन
काम मइँ किहे हउँ उ सबइ कहूँ खराब तउ नाहीं होइ
गवा अहइँ।
12हे भाइयो तथा बहिनियो, कृपा कइके तू सब मोरे
जइसेन बनि जा। देखा, मोहूँ तउ तू पचन जइसेन बनि
गवा हउँ, इ मोर तू पचन स बिनती बा, अइसेन नाहीं कि
तू पचे मोरे बरे कउनउ गलती किहे अहा। 13तू पचे तउ
जनबई करत ह कि आपन सरीरी क व्याधियन क
कारण मइँ पहिली दाईं तू सबन इ सुसमाचार सुनाए
रहेउँ। 14अउर तू सब हऊँ तउ, मोरी बीमारी क कारण,
जउन तोहार परीच्छा लीन्ही गइ रही, ओहसे मोका छोट
नाहीं समझया अउर न तउ मोरे निसेध किह्या। बल्कि
तू पचे परमेस्सर क सरगदूत क रूपे मँ मोर सुवागत
किहे अहा। माना कि मइँ खुदई ईसू मसीह रहेउँ। 15तउन
तू सबन क उ खुसी क का भवा? मइँ तोहरे बरे खुदइ इ
बाते क साच्छी हउँ कि अगर तू पचे समरथ होत ह्या
तउ तू पचे आपन आँखी तक निकाली क मोका दइ
देत्या। 16तउन का सच बोलइ स ही मइँ तू पचन क
दुस्मन होइ गएउँ?
17तू पचन क व्यवस्था पर चलावइ बरे चाहइवालन
तोहमाँ बड़ी गहिर रुचि लेत हीं। मुला ओनकर उद्देस्य
अच्छा नाहीं बा। उ तू सबइ पचन क मोसे अलग करइ
चाहत हीं। ताकि तू पचे ओहमाँ गहिर रुचि लइ सका।
18कउनउ कीहीउँ मँ हमेसा गहिर रुचि लेत रहइ, इ
तउ एक अच्छी बात अहइ। मुला इ कीहीउँ अच्छे क
बरे होइ चाही। अउर बस उही समइ नाहीं, जब मइँ तोहरे
साथे हउँ। 19मोर प्रिय सन्तानों, मइँ तू सबन क बरे एक
बार फिन प्रसव वेदना क झेलत हउँ। जब तलक तू पचे
मसीह जइसे नाहीं होइ जात्या। 20मइँ चाहत हउँ कि
अबहीं तू पचन के लगे आइ पहुँचउँ अउर तू सबन क
साथे अलग तरह स बात करउँ, काहेकि मइँ समझ
नाहीं पावत हउँ कि तू पचन बरे का करा जाइ।

सारा अउर हाजिरा क उदाहरण

21मूसा क व्यवस्था क आधीन रहइ चाहइवालन स
मइँ पूछत हउँ का तू पचे व्यवस्था क इ कहब नाहीं
सुन्या? 22पवित्तर सास्तरन कहत हीं कि इब्राहीम क दुइ
बेटवा रहेन। एक क जन्म एक दासी स भवा रहा अउर
दुसरे क स्वतन्त्र स्त्री स। 23दासी स पइदा भवा बेटवा
सहज नियमन मँ पैदा भवा रहा, मुला स्वतन्त्र स्त्री स
पइदा बच्चा परमेस्सर क जरिये दीन्ह गयि प्रतिज्ञा क
परिणाम अहइ।
24इन बातन क प्रतीकात्मक मतलब अहइ-इन दुन्नउ
स्त्री दुई करारन क चिन्ह अहइँ। एक करार सीनै पर्वत
स मिला रहा जे ओन सभन क जनम दिहेस जउन दासता
क बरे रहेन। इ करार हाजिरा स सम्बधित बा। 25हाजिरा
अरब मँ स्थित सीनै पर्वत क चिन्ह अहइ, उ वर्तमान
धरती क यरुसलेम क समान अहइ, काहेकि उ अपने

बेटवन क साथे दासता भोगत रही, 26मुला सरग मँ स्थित यरुसलेम स्वतन्त्र अहइ। अउर उहइ हमार माता अहइ। 27पवित्तर सास्तर कहत ह:

“बाँझ! मनावा आनन्द, जना तू न कउनो क
प्रसव वेदना भइ न तोहका, हर्स नाद कइके
अउर खिलखिला हंसी खुसी मँ काहेकि
अनगिनत संतान अहइँ छोड़ी भइ मुला नाहीं
ना ओकर ओतनी, जउन सुहागिन।”

यसायाह 54:1

28-29तउन भाइयो! अब तू इसहाक क जइसी परमेस्सर क बचन स संतान होवा। मुला जइसे ओह समइ प्राकृतिक परिस्थितियन क अधीन पैदा भइ आतिमा क सक्ति स उत्पन्न भए क सतावत रहा, वइसेन ही स्थिति आज बा। 30मुला देखा पवित्तर सास्तर का कहत ह? “इ दासी अउर ओकर बेटवा क निकाल क बाहर करा, काहेकि इ दासी क बेटवा तउ स्वतन्त्र स्त्री क बेटवा क साथे उत्तराधिकारी न होई।”* 31एह बरे भाइयन! हम ओह दासी क सन्तान नाहीं हई, बल्कि हम तउ स्वतन्त्र स्त्री क सन्तान हई।

स्वतन्त्र बना रहअ

5 मसीह तउ हमका स्वतन्त्र किहे अहइ ताकि हमउँ स्वतंत्र होइ क आनन्द लइ सकी। इही बरे अपने बिसवास क दृढ़ बनाए रखा। अउर फिन स व्यवस्था क जुआ क बोझ न उठावा। 2सुना! खुउद मइँ, पौलुस तोहसे कहत रहेउँ कि अगर खतना कराइके तू पचे फिन स व्यवस्था कइँती लउटत ह्या तउ तोहरे मसीह क कउनउ महत्व न रहइ। 3आपन खतना कराइ देइवाले हर एक मनई क, मइँ एक दाईं फिन स जताए देत हउँ कि ओका पूरा व्यवस्था पर चलब जरूरी बा। 4तू सबन मँ स जेतना जने व्यवस्था क पालइ क कारण धर्मी क रूप मँ स्वीकृत होइ चाहत हीं। उ सब मसीह स दूर होइ ग बाटेन अउर परमेस्सर क अनुग्रह क च्छेत्र स बाहेर अहइँ। 5मुला हम बिसवास क कारण परमेस्सर क सामने धर्मी स्वीकार कीन्ह जाइ क आसा करित ह। आतिमा क सहायता स हम एकर बाट जोहत रहेन ह। 6काहेकि मसीह ईसू मँ स्थिति क बरे न तउ खतना करावइ क कउनउ महत्व बा अउर न खतना नाहीं करावइ क बल्कि ओहमाँ तउ पिरेम स पइदा होइवाला बिसवास क ही महत्व बा।

7तू पचे तउ बहुत अच्छी तरह एक मसीह क जीवन जिअत रह्या। अब तू पचन क, अइसा का अहइ जउन सत्य पर चलइ स रोकत बाटइ। 8अइसी बिमति जउन तू पचन क सत्य स दूर करत बाटइ। तू सबन क बोलावइवाले परमेस्सर कइँती स नाहीं आइ बा। 9“तनिक खमीर गुंधा भवा समूचा आटा क खमीर स उठाइ लेत ह।” 10पर्भू क बरे मोर पूरा भरोसा बा कि तू पचे कउनउ दूसरे मते क न अपनउब्या मुला तू सबन क विचलित करइवाला चाहे कउनउ भी होइ, उचित दण्ड पावइ।

11भाइयो तथा बहिनियो, अगर मइँ आजभी, जइसा कि कछू जने मोहपे लांछन लगावत हीं कि मइँ खतना क प्रचार करत हउँ तउ मोका अब तलक यातना काहे दीन्ह जात अहइँ? अउर अगर मइँ अब भी खतना क जरूरत क प्रचार करत हउँ अब तउ मसीह क क्रूस क कारण पइदा भई मोर सब बाधा समाप्त होइ जाइ चाही। 12मइँ तउ चाहत हउँ कि उ सबइ जउन तू पचन क डिगावइ चाहत हीं, खतना करावइ क साथ साथ अपने आपक बधिया ही कराइ डालतेन। 13मुला भाइयो तथा बहिनियो, तू पचन क परमेस्सर तउ स्वतन्त्र रहइ क चुने अहइ। मुला ओह आजादी क अपने आप पूरे सुभाऊ क पूर्ति क साधन जिन बनइ द्या, एकरे विपरीत पिरेम क कारण परस्पर एक दूसरे क सेवा करा। 14काहेकि समूची व्यवस्था क सार संग्रह इ एक आदेस मँ ही बा: “अपने साथियन स वइसेन ही पिरेम करा, जइसेन तू अपने आप स करत ह।”* 15मुला आपस मँ काट करत भए अगर तू एक दूसरे क खात रहब्या तउ देखा। तू पचे आपस मँ ही एक दूसरे क नास कइ देब्या।

मानव प्राकृति अउर आतिमा

16मुला मइँ कहत हउँ कि आतिमा क अनुसासन क अनुसार आचरण करा अउर अपन पाप से भरा भए सुभाऊ स इच्छन क पूर्ति जिन करा। 17काहेकि तने क, भौतिक, अभिलास पवित्तर आतिमा क अभिलासन क अउर पवित्तर आतिमा क अभिलासन भौतिक अभिलासन क विपरीत होत हीं। एनकर आपस मँ विरोध बा। इही बरे तउ जउन तू पचे करइ चाहत ह, उ कइ नाहीं सकत्या। 18मुला अगर तू आतिमा क अनुशासन मँ चलत ह तउ फिन व्यवस्था क अधीन नाहीं रहत्या।

19अब देखा! हमरे भौतिक मनई सुभाउ क पापे स भरी प्रकृति क कामन क तउ सब जानत हीं। उ पचे अहइँ व्यभिचार, अपवित्तर, भोग विलास, 20मूर्ति पूजा, जादू-टोना, बैरभाऊ, लड़ाई-झगड़ा, डाह, किरोध, स्वार्थीपन, फूट, इरसा, 21नसा, लंपटपन या ओइसेही अउर बातन। अब मइँ तू सबन क एनन्ह बातन क बारे मँ वइसेन ही चेतावत हउँ जइसेन मइँ तू सबन क पहिलेन चेताई दिहे रहेउँ कि जउन लोग इन बातन मँ भाग लेइहीं, उ पचे परमेस्सर क राज्य क उतराधिकार न पइहीं।

“इ … होई” उत्पत्ति 21:10

“अपने … करत ह” लैव्य 19:18

[22]जबकि पवित्तर आतिमा पिरेम, आनन्द, सान्ति,
धीरज, दयालुता, नेकी, बिसवास [23]नम्रता अउर आत्मसंयम
उपजावत ह। इन बातन क विरोध मँ कउनउ व्यवस्था
नाहीं बाटइ।

[24]ओ सब लोग जउन मसीह ईसू क अहइँ, अपने
पाप स भरा मानुस भौतिक मनइ सुभाऊ क वासना
अउर सबइ इच्छा समेत क्रूस पर चढ़ाइ दिहे अहइँ।
[25]काहेकि जब हमरे एक नवे जीवन क स्रोत आतिमा बा
तउ आवा आतिमा क ही अनुसार चली। [26]हम अभिमानी
न बनी। एक दूसरे क न चिढ़ाई। अउर न तउ परस्पर
इरसा रखी।

एक दुसरे क सहायता करा

6 भाइयो तथा बहिनियो, तोहरे मँ स अगर कउनउ
मनई गलत काम करत पकड़ा जाय तउ आत्मिक
लोगन क चाही कि नम्रता क साथे ठीक कइ देइ, धरम
क मार्ग पर आवइ मँ सहायता करइँ। अउर खुद अपने
बरे सावधानी बरता कि कहीं तू पचे खुदउ कउनो
परीच्छा मँ न पड़ि जा। [2]परस्पर एक दूसरे क भार
उठावा। इही तरह तू मसीह क व्यवस्था क पालन करब्या।
[3]अगर केउ मनई महत्वपूर्ण न होत भवा तबउ अपने क
महत्वपूर्ण समझत ह, तउ अपने क धोखा देत थ।

[4]अपने करम क आंकलन हर कउनो क खुद
करत रहइ चाही। अइसेन करइ पर ही ओका अपने
पापे पर कउनो दुसरे क साथे तुलना किहे बिना, गरब
करइ क अवसर मिली। [5]काहेकि आपन दायित्व हर
कउनो क खुदइ उठावइ क बा।

[6]जेका परमेस्सर क बचन सुनावा गवा बा, ओका
चाही कि जउन अच्छी चीज ओकरे पास बा, ओहमाँ
अपने उपदेस क साच्छी बनवइ।

जीवन खेत-बोवइ जइसा बा

[7]अपने आपके जिन छला। परमेस्सर क केऊ बुद्धू
नाहीं बनाइ सकत, काहेकि जउन जइसेन बोई वइसे
ही काटी। [8]जे अपने भौतिक मनई क सुभाऊ बरे बोई,
उ अपने काया क बिनास क फसल काटी। मुला जउन
आतिमा क खेते मँ बीया बोई उ आतिमा स अनन्त
जीवन क फसल काटी। [9]इही बरे आवा हम भलाई
करत कभऊँ न थकी। काहेकि अगर हम भलाई करत
ही रहब तउ अच्छा समइ आए प हमका ओकर फल
मिली। [10]जइसेन ही कउन अवसर मिलई, हमका सब
क साथ भलाई करइ चाही, विसेस कर अपने बिसवासी
भाइयन क साथे।

पत्र क समापन

[11]देखा, मइँ तू पचन क खुद अपने हाथे स केतना
बड़ा बड़ा अच्छरन मँ लिखे हउँ। [12]अइसे जने जउन
सरीर क रूप स अच्छा देखॅावा करइ चाहत हीं तू पचन
प खतना करावइ क दबाउ डालत हीं। मुला उ पचे
अइसेन बस इही बरे करत हीं कि ओन्हे मसीह क क्रूस
क (सुसमाचार) कारण यातना न सहइ पड़इ। [13]काहेकि
उ सबइ खुदउ नकइ खतना होइ चुका बा, व्यवस्था क
पालन नाहीं करतेन मुला फिन भी ओ पचे चाहत हीं
कि तू पचे खतना करावा ताकि उ पचे तू सबन क
जरिये इही सरीर क प्रथा क अपनाइ जाइ पर डींग मार
सकइँ। [14]मुला जेकरे जरिये मइँ संसार क बरे अउर
संसार मोरे बरे भर गवा। पर्भू ईसू मसीह क ओह क्रूस
क छोड़िके मोका अउर कउनो प गरब न होइ। [15]काहेकि
न तउ खतना क कउनउ महत्व बा अउर न बिना
खतना क। अगर महत्व बा त उ नई सिस्टी क बा।
[16]इही बरे जउन लोग एँह विधान पर चलिहीं ओन्हन
पर। अउर परमेस्सर क इस्राएल पर सान्ति अउर दया
होत रहइ। [17]पत्र क खतम करत मइँ तू सबन स बिनती
करत हउँ कि अब मोका कउनउ अउर दुख न द्या।
काहेकि मइँ तउ पहिले स अपने सरीर मँ मसीह ईसू क
घावन क लिहे घमत रहत अहउँ।

[18]भाइयो तथा बहिनियो, हमरे पर्भू ईसू मसीह क
अनुग्रह तू पचन क आतिमन क साथे बना रहई। आमीन!

इफिसियन क पत्र

1 पौलुस कइँती स, जउन परमेस्सर क इच्छा स ईसू
मसीह क एक प्रेरित अहइ, इफिसुस क रहइवाले
संत जनन अउर ईसू मसीह मँ बिसवास रखइवालन क
नाउँ:
2तू लोगन क हमरे परमपिता परमेस्सर अउर ईसू
मसीह कइँती स अनुग्रह अउर सांति मिलइ।

मसीह मँ स्थित लोगन क आध्यात्मिक असीसन

3हमरे पर्भू ईसू मसीह क पिता अउर परमेस्सर धन्य
होइ। ओहमाँ हमका मसीह क रूप मँ सरगे क क्षेत्र मँ
हर तरह क आसीर्बाद दिहे अहइँ। 4–5संसार क रचना स
पहिले ही परमेस्सर हमका, जउन मसीह मँ स्थित बा,
अपने सामने पवित्तर अउर निर्दोस बनई क बरे चुनेस।
हमरे बरे ओकर जउन पिरेम बा उही क कारण उ ईसू
मसीह क द्वारा हमका अपने बेटवा क रूप मँ स्वीकार
कीन्ह जाइ बरे नियुक्त किहेस। इहइ ओकर इच्छा रही
अउर प्रयोजन रहा। 6उ अइसा एँह बरे किहेस परमेस्सर
अपने महिमा अउर अनुग्रह बरे प्रसंसित करइ। उ एका
हमका, जउन ओकर पिआरा बेटवा मँ स्थित बा मुक्त
भाव स दिहेस। 7हमका, ओहमाँ ओकर लहू क द्वारा
छुटकारा, अर्थात् हमरे अपराधन क छमा ओकरे अनुग्रह
क धन क अनुसार मिली ह। ओकर सम्पन्न अनुग्रह क
कारण हमका हमरे पापन क छमा मिलत ह। अपने उही
पिरेम क अनुसार जेका उ मसीह क द्वारा हम पर
परगट करइ चाहत रहा। 8उ हमका आपन इच्छा क
रहस्य क बताएस ह। 9जइसा कि मसीह क जरिये हमका
उ देखॉवइ चाहत रहा। 10परमेस्सर क इ योजना रही कि
अच्छा समइ पर सरग क अउर पृथ्वी पर क सभन
वस्तुअन क मसीह मँ एकत्र करइ।
11सब बातन योजना अउर परमेस्सर क निस्चय क
अनुसार कीन्ह जात हीं। अउर परमेस्सर अपने निजी
प्रयोजन क कारण ही हमका उही मसीह मँ संत बनवई
क बरे चुने अहइ। इ ओकरे अनुसार इ भवा जेका
परमेस्सर अनादिकाल स सुनिस्चित कइ रखे रहा।
12ताकि हम ओकरी महिमा क प्रसंसा क कारण बनि
सकी। हम यानी सबसे पहले जे लोग आपन आसा क
मसीह पर केन्द्रित कइ दिहे अहइँ। 13जब तू उ सत्य क
उपदेस सुन्या जउन तू सबन उद्धार क सुसमाचार रहा,
अउर जउने मसीह पर तू बिसवास किहे रह्या। तउ
जउने पवित्तर आतिमा क बचन दिहे रह्या। मसीह क
जरिये स ओकर छाप परमेस्सर क दुआरा तोहे जने पर
लगाय गइ।
14उ आतिमा हमरे उतराधिकार क भाग क जिम्मेदारी
क बयाना क रूप मँ ओह समइ तलक बरे हमका दीन्ह
गवा रहा। जब तलक कि उ हमका जउन ओकर आपन
अहइँ पूरी तरह उद्धार नाहीं दइ देत। एकरे कारण लोग
ओकरे गरिमा क प्रसंसा करिहीं।

इफिसियवन क बरे पौलुस क पराथना

15–16इही बरे जब स मइँ पर्भू ईसू मसीह मँ तोहरे
बिसवास अउर सभन सन्तन क बरे तू सबन क पिरेम
क विसय मँ सुने हउँ। मइँ तू पचन क बरे परमेस्सर क
धन्यबाद निरन्तर करत हउँ अउर तू पचन क अपनेन
पराथना मँ याद करत हउँ। 17मइँ पराथना करत रहत
हउँ कि हमार पर्भू ईसू मसीह महिमावान परमपिता क
परमेस्सर तू पचन क विवेक अउर दिव्य दर्सन क
अइसन आतिमा क सक्ती प्रदान करइ। जैसे तू पचे ओका
अच्छी तरह क जान सका।
18मोर बिनती बा कि तोहरे हीये (हृदय) क आँखिन
खुल जाइँ अउर तू प्रकास क दर्सन कइ सका ताकि तू
पचन क पता चल जाइ कि उ आसा का अहइ जेकरे
बरे तू पचन क उ बोलाए अहइ। अउर जेकरे उत्तराधिकार
क उ अपने सभन पवित्तर जने क देई। उ केँतना
अद्भुत अउर सम्पन्न बाटइ। 19अउर हम बिसवासियन
क बरे ओकर सक्ती बेमिसाल रूप स केँतनी महान बा।
इ सक्ती अपनी महान सक्ती क ओह प्रयोग क समान
बा। 20जेका उ मसीह मँ तब कामे मँ लिहे रहा जब मरे
हुवन मँ स ओका फिन स जियाइ क सरगे क छेत्र मँ
आपन दहिनीं कइँती बइठाइके 21सबहुँ सासकन,
अधिकारियन समरथन, अउर राजा लोगन, अउर हर
कउनो अइसेन सक्तिसालिन पदबी क उप्पर स्थापित
किहे रहा। जेका न केवल इ युगे मँ बल्कि आवइवाले
युगे मँ किहीउ क दिहा जाइ सकत ह। 22परमेस्सर सब
कछू तउ मसीह क चरन क नीचे कइ दिहेस अउर उहइ
मसीह क कलीसिया क सभी चीजन क सर्वोच्च अधिकारी
बनायेस। 23कलीसिया मसीह क तन अहइ अउर सब
बिधियन स सब कछू क ओकर पूर्णतया ही परिपूर्ण
करत ह।

मउत स जीवन कइँती

2 एक समइ रहा जब तू लोग उन पराधन अउर पापन क कारण आध्यात्मिक रूप स मरा हुआ रह्या। 2जेहमें तू पचे पहिले, संसार क खराब रस्तन पर चलत-चलत अउर वह आतिमा क अनुसरण करत-करत जिअत रह्या। जउन इह धरती क बुरी सक्तियन क स्वामी रही उहइ आतिमा अब उ मनइन मँ काम करत अहइ जउन परमेस्सर क आज्ञा क नाही मनतेन। 3एक समइ हमहूँ ओनही क बीच जिअत रहे अउर आपन पाप-पूर्ण प्राकृतिक भौतिक मनई सुभाऊ क तृप्त करत अपने हीये अउर पाप-पूर्ण इच्छन का जोउ हमार सरीर अउर मन चाहत रहा का पूरन करत भए संसार क दूसरे लोगन क समान परमेस्सर क किरोध क पात्र रहे।

4परन्तु परमेस्सर करुना क धनी बाटइ। हमरे बरे अपने महान पिरेम क कारण 5उ समइ अवज्ञा क कारण हम आध्यात्मिक रूप स अबहीं मरा ही रहे, मसीह क साथे-साथे उ हमहूँ क जीवन दिहेस (परमेस्सर ह्वक अनुग्रह स ही तोहार उद्धार भवा बा) 6अउर काहेकि हम मसीह ईसू मँ अही इही बरे परमेस्सर हमका मसीह क साथेन फिन स जी उठाएस। अउर ओकरे साथ ही सरगे क सिंहासन पर बइठाएस 7ताकि उ आवइवाले हर युगे मँ अपन अनुग्रह क अनुपम धन क देखावइ जेका उ मसीह ईसू मँ आपन दया क रूप मँ हम पर दरसाए अहइ। 8परमेस्सर क अनुग्रह दुआरा आपन बिसवास क कारण तू बचावा गया ह। इ तू सबन क तोहरी कइँती स मिली नाहीं बा, बल्कि इ तउ परमेस्सर क बरदान अहइ। 9इ हमरे किहे कर्मन क परिणाम नाही बा कि हम एकर गरब कइ सकी। 10काहेकि परमेस्सर हमार सृजनहार अहइ। उ मसीह ईसू मँ हमार सृस्टि इही बरे किहेस ह कि हम नेक काम करी। जेनका परमेस्सर हमरे बरे तइयार किहे अहइ कि हम ओनहीं क करत भए आपन जीवन बिताई।

मसीह मँ एक

11इही बरे याद रखा, उ लोग जउन अपने सरीरी मँ मानुस हाथन दुआरा कीन्ह गवा खतना क कारण अपने आप क "खतना सहित" बतावत हीं, विधर्मी क रूप मँ जनमें तोहे लोगन क "खतना रहित" कहत हीं। 12ओह समइ तू बिना मसीह क रह्या तू इस्राएल क बिरादरी स बाहेर रह्या। परमेस्सर तउ अपने भक्तन क जउन बचन दिहे रहा उ ओनपर आधारित करार स अनजाना रहा। अउर इ संसार मँ बिना परमेस्सर क बिसवास क, अउर बिना ओका जाने निराश जीवन जिअत रहा। 13परन्तु अब तोहे सबन क, जउन कभऊँ परमेस्सर स बहुत दूर रहेन, ईसू मसीह क लहू क दुअरा मसीह ईसू मँ तोहरे स्थिति क कारण, परमेस्सर क लगे लई आवा गवा रहेन।

14यहूदियन अउर गैर यहूदियन आपस मँ एक दूसरे स नफ़रत करत रहेन अउर अलग होइ ग रहेन। ठीक अइसेनई जइसे ओनके बीच मँ कउनउ देवार खड़ी होइ। परन्तु मसीह तउ खुद अपने देह क बलिदान दइके नफरत क ओह देवार क गिराइ दिहेस। उ हमरे लिये सान्ति लावा अउर हम दोउन का एक बनाएस 15उ अइसेन तब किहेस जब अपने सभन नियमन अउर व्यवस्था क विधान क खतम कई दिहेस। उ अइसेन एह बरे किहेस कि उ अपने मँ एनन्ह दुन्नऊ क एक मँ मिलाइके एक नए मनुस्य क सृस्टि कइ दिहेस। अउर एह तरह स मिलाप कराइके सान्ति लिआवा। क्रूस पर अपने मउत क द्वारा उ एह घृणा क अंत कई दिहेस। अउर उ दुन्नऊ का परमेस्सर क साथे उहइ एक सरीर मँ मिलाइ दिहेस। 16अउर क्रूस पर आपन मउत क जरिये वैरभाव क नास कइके एक्कइ देह मँ ओनन्ह दुन्नउँ क संयुक्त कइके परमेस्सर स फिन मिलाई दिहेस। 17तउन आइके उ तू सबन क, जउन परमेस्सर स बहुत दूर रहेन। अउर परमेस्सर ओनके लगे रहा, ओन्हे सान्ती क सुसमाचार सुनाएन। 18काहेकि ओन्ही क द्वारा एक्कइ आतिमा स परमपिता क लगे तलक हम दुन्नऊ क पहुँच भई। 19परिणाम सरूप जब तू पचे न अनजान रह्या अउर न ही पराया। बल्की पवित्तर लोगन क संगी साथी अउर परमेस्सर के कुटुम्ब क बन गया ह। 20तू पचे एक अइसेन भवन अहा जउन प्रेरितन अउर नबियन क नींव पर खड़ा बा। अउर खुद मसीह ईसू जेकर अधिक महत्वपूर्ण कोने क पाथर अहइ। 21उ पूरी इमारत एक साथ पर्भू ईसू मँ मिली अहइ अउर मसीह ऍका बनावत चलत ह अउ परमेस्सर मँ एक पवित्तर मंदिर बनत जात ह। 22जहाँ आतिमा क द्वारा खुद परमेस्सर निवास करत ह अउर, दूसरे लोगन क साथे तोहार निर्माण कीन्हि जात ह।

गैर यहूदियन मँ पौलुस क प्रचार-काम

3 इही बरे मइँ, पौलुस तू गैर यहूदियन क तरफ स मसीह ईसू बरे बंदी बना हउँ। 2तोहरे कल्लयान बरे परमेस्सर अनुग्रह क साथे जउन काम मोका संउपे अहइ, ओकरे बारे मँ तू जरुर ही सुने होब्या। 3कि उ रहस्यमयी योजना दिव्यदर्सन क द्वारा मोका जनाई गइ रही, जइसेन कि मइँ तू सबन क संक्षेप मँ लिख ही चुका अहउँ। 4अउर अगर तू पचे ओका पढ़ब्या तउ मसीह-बिसयक रहस्यपूर्ण सच मँ मोरी अन्तरदृस्टी क समझ तू पचन क होइ जाइ। 5इ रहस्यमय सत्य पिछली पीढ़ीक लोगन क वइसेन ही नाहीं जनावा गवा रहा जइसे जब ओकर आपन पवित्तर प्रेरितन अउर नबियन क आतिमा क द्वारा जनावा जाई चुका बा। 6इ रहस्यमय सत्य अहइ कि यहूदियन क साथे गैर यहूदियन साथ साथ उत्तराधिकारी अहइँ, एक्कइ सरीर क अंग अहइँ

अउर मसीह ईसू मँ जउन बचन हमका दीन्ह गवा बा
ओहमन सहभागी बाटेन। 7सुसमाचार क कारण मइँ ओह
सुसमाचार क प्रचार करइवाला एक सेवक बन गवा
अहउँ। जउन ओकर सक्ती क अनुसार परमेस्सर क
अनुग्रह क बरदान स्वरूप मोका दीन्ह गवा रहा। 8जद्यपि
सभन संतजनन मँ मइँ छोट स छोटकवा हउँ परन्तु मसीह
क अनन्त धन रूपी सुसमाचार क गैर यहूदियन मँ प्रचार
करइ क इ बिसेस अधिकार मोका दीन्ह गवा 9कि मइँ
सभन जने क बरे ओह रहस्यपूर्ण जोजना क स्पस्ट
करउँ जउन सब कछू क सिरजनहार परमेस्सर मँ सिस्टी
क प्रारम्भ स ही छुपी रहिन। 10ताकि उ सरगेक क्षेत्र क
सक्तियन अउर प्रसासकन क अब ओह परमेस्सर क
विधी गियान क कलीसिया क द्वारा परगट कई सकइ।
11इ ओह सनातन प्रयोजन क अनुसार सम्पन्न भवा
जउन ओ हमरे पर्भू मसीह ईसू मँ पूरा किहे रहा। 12मसीह
मँ बिसवास क कारण हम परमेस्सर तलक भरोसा अउर
निडरता क साथे पहुँच रखत अही। 13इही बरे मइँ पराथना
करत हउँ कि तोहरे बरे मइँ जउन यातना भोगत हउँ,
ओनसे आसा जिन छोड़ बइठ्या काहेकि इ यातना मँ तउ
तोहर महिमा बा।

मसीह क पिरेम

14इही बरे मइँ परमपिता क आगे निहुरत अहउँ।
15उहइ स सरगे मँ या धरती पइ क सभन वंस अपने-अपने
नाउँ ग्रहण करत हीं। 16मइँ पराथना करत हउँ कि उ
महिमा क अपने-धने क अनुसार अपने आतिमा क
दुवारा तोहरे भीतर व्यक्तित्व क सक्तिपूर्वक सुदृढ़ करइ।
17मइँ पराथना करत हउँ कि बिसवासे क दुआरा तोहरे
हीये मँ मसीह क निवास होइ। तोहरे जीवन मँ पिरेम दृढ़
अउर आधारित होइ। 18मइँ पराथना करत हउँ कि
जेहसे तोहका अउर परमेस्सर क पवित्तर लोगन क
साथे इ समझई क सक्ती मिलि जाइ कि मसीह क पिरेम
केतना व्यापक, विस्तृत, विसाल अउर गम्भीर बा। 19अउर
तू मसीह क ओह पिरेम क जान ल्या जउन सभन प्रकार
क गियायन (सोनों) स परे अहइ ताकि तू परमेस्सर क
सभन पूरापन स भरि जा। 20अब ओह परमेस्सर क बरे
जउन आपन ओह सक्ति स जउन हममें काम करत बा।
जेतना हम माँग सकीत अही या जहाँ तलक हम सोच
सकीत अही, ओहसे कहूँ अधिक कइ सकत ह। 21ओकर
कलीसिया मँ अउर ईसू मसीह मँ अनन्त पीढ़ियन तलक
हमेसा-हमेसा बरे महिमा होत रहइ। आमीन।

एक देह

4 तउन मइँ, जउन पर्भू क होई क कारण बन्दी बना
भवा हउँ। तू लोगन स पराथना करत हउँ कि तू
सबन क आपन जीवन वइसे ही जिअइ चाही जइसे न
कि सन्तन क अनुकूल होत ह। 2हमेसा नम्रता अउर
कोमलता क साथे, धीरज क साथ आचरण। अउर एक
दूसरे क पिरेम स कहत रहा। 3उ सान्ति, जउन तू पचन
क आपस मँ बाँधत ह, ओसे उत्पन्न आतिमा क एकता
क बनाए रखइ क बरे हर तरह क यत्न करत रहा।
4देह एक बा अउर पवित्तर आतिमा भी एक्कइ बा।
अइसेन ही जब तोहे बोलॉवा गवा त एक्कई आसा मँ
भगीदार होइ क बरे ही बोलावा गवा। 5एक्कई परमेस्सर
बा, एक्कइ बिसवास बा अउर बा एक्कइ बपतिस्मा।
6परमेस्सर जउन सबका परमपिता अहइ एक्कइ बा।
उहइ सब कछू क स्वामी बा, हर कउनो क द्वारा उहइ
क्रियासील बा, अउर हर मँ उहइ समावा बाटई।
7ईसू हममें स हर कउनो क एक विशेष उपहार दिहे
अहइ। हर मनई उहइ पाएस जेका ईसू ओका देइ चाहत
रहा। 8इही बरे सास्त्रन कहत हीं :

"ऊँचा चढ़ा उ अकासे मँ अपने संग बन्दी क
लिहेस अउर दिहेस लोगन क आपन आनन्द"
भजन संहिता 68:18

9अब देखा। जब उ कहत ह "ऊँचे चढ़ा" तउ एकर
अर्थ एकरे अलावा का बा? कि उ धरती क नीचे हींसा
पर उतरा रहा। 10जउन नीचे उतरा रहा, उ उहइ अहइ
जउन ऊँचे पइ चढ़ा रह एॅतना ऊँचा कि सभन अकासन
स उप्पर ताकि उ सब कउनो क अपने संग सम्पूर्ण कइ
देइ। 11उ लोगन क कछू प्रेरितन होइ क वरदान दिहेस
तउ कछू क नबियन होई क तउ कछू क सुसमाचार क
प्रचारक होइके तउ कछू क परमेस्सर क जनन क
रच्छक गड़ेरिया अउर सिच्छा क। 12मसीह तउ ओन्हे इ
बरदान परमेस्सर क पवित्तर लोगन क सेवा काम क
बरे तइयार करइ दिहेस ताकि हम जउन मसीह क देह
अही, आतिमा मँ अउर दृढ़ होइ। 13जब तलक कि हम
सभन मँ बिसवास मँ अउर परमेस्सर क बेटवा क
गियान मँ एकाकार होई क परिपक्क मनई बनई क बरे
विकास करत–करत मसीह क पूरा गौरव क ऊँचाई
अउर परिपक्वता क न छुइ लेई।
14ताकि हम अइसेन गदेलन न बना रही जउन हर
कउनो क अइसेन नई सिच्छा क हवा स उछली जाई।
हम पचे उ जहाजे क तरह मनइयन न बना रही जउन
लहर स एक कइँती स दूसरी कइँती चला जात हीं। जउन
हमरे रस्ता मँ बहत ह, लोगन क दल स भरा व्यवहार स,
अइसेन धूर्तता स, जउन ठगन स भरी सब योजना क
प्रेरित करत रही, एहर-ओहर भटकाई दीन्ह जात हीं।
15बल्कि हम पिरेम क साथे सच बोलत हर तरह स
मसीह क जइसेन बनई क बरे विकास करत जाई।
मसीह मस्तक बा अउर हम पचे ओकर देह अही। 16जेह
पर सबहिं देह निर्भर करत ह। इ देह* सबहिं का ओसे

देह मतलब कलीसिया

जोड़त ह। हर एक सहायक नस स संयुक्त होत ह अउर जब एकर हर अंग जउन काम ओका करई चाहइ, ओका पूरा करत ह। तउ पिरेम क साथे समूची देह क विकास होत ह अउर इ देह खुद मजबूत होत ह।

अइसन जिआ

17मइँ इही बरे इ कहत हउँ अउर पर्भू क साच्छी कइके तोहे चेतावनी देत हउँ कि ओन व्यर्थ क विचारन क साथे अधर्मियन क जइसेन जीवन न जीअत रहा। 18ओनकर बुद्धि अंधकार स भरी बा। उ परमेस्सर स मिलइ वाले जीवन स पूर अहईं। काहेकि उ अबोध बा अउर ओनकर मन जड़ होई गवा बा। 19सरम क भावना ओनमें स जात रही। अउर ओ अपने क इन्द्रियन क बुरे काम मँ लगाई दिहेन। बिना कउनउ बन्धन माने ओ सब तरह क अपवित्रता मँ जुटा हयेन। 20परन्तु मसीह क बारे मँ तू जउन कछू जाने अहा, उ त अइसेन नाहीं बा। 21(मोका कउनउ सन्देह नाहीं बा कि तू ओकरे बारे मँ सुने अहा, अउर उ सच जउन ईसू मँ निवास करत ह, ओकरे अनुसार तोहे ओकर चेलन क रूप मँ सिच्छित कीन्ह गवा बा।) 22जहाँ तलक तोहरे पुराने जीवन प्रकार क सम्बन्ध बा, तोहे सिच्छा दीन्ह गइ रही कि तू अपने पुराना व्यक्तित्व जउन जर्जर होइ रहा बाटइ ओका उतारके फेंका जउन ओकर भटकावइवाली इच्छान क कारण भ्रस्ट बना भआ बा। 23जेहसे बुद्धि अउर आतिमा मँ तोहे नवा कीन्ह जाइ सकई। 24अउर तू उ नवा सरूप क धारण कइ सका जउन परमेस्सर क अनुरूप सचमुच नेक अउर पवित्तर बनवइ बरे रचा गवा बा।

25तउन तू पचे झूठ बोलइ क तियाग कइ द्या। आपस मँ सब कउनो क सच बोलई चाही काहेकि हम सब एक सरीर क अंग अही। 26जब तू क्रोध करा, तब पाप करइ स बचा। तोर किरोध सूरज अस्त होय तक बना न रहइ। 27सइतान क अपने पर हावी न होइ द्या। 28जे चोरी करत आवत, उ आगे चोरी न करइ। बल्कि ओका काम करइ चाही, खुद अपने हाथे स उपयोगी काम। ताकि ओकर पास जेकर आवस्यकता बा ओकर साथे बाटइ क कछू होइ सकइ।

29तोहरे मुँहे स कउनउ अनुचित शब्द न निकलइ चाही, बल्कि लोगन क विकास क बरे जेकर अपेच्छा बा, अइसेन उतम बातई निकलई चाही, ताकि जे सुनई ओकर ओसे भला होइ। 30परमेस्सर क पवित्तर आतिमा क दु:खी न करत रहा काहेकि परमेस्सर क सम्पत्ति क रूप मँ तोह पर छुटकारा क दिना क बेर आतिमा क साथे मोहर लगाई दीन्ह गइ बा। 31पूरी कड़वाहट, झुँझलाहट, क्रोध, चीख–चिल्लाहट अउर निन्दा क तू अपने भीतर स सब तरह क बुराई क साथे निकारिके बाहर फेंका। 32परस्पर एक दूसरे क बरे दयालु अउर करुनावान बना। अउर आपस मँ एक दूसरे क अपराधन क वइसेन ही छमा करा जइसे मसीह क द्वारा तोहका परमेस्सर छमा किहे अहइ।

ज्योतिर्मय जीवन

5 पिआरे बच्चन क समान परमेस्सर क अनुकरण करा। 2पिरेम क साथे जिआ ठीक वइसेन ही जइसे मसीह हमसे पिरेम कीहे अहइ अउर अपने आप क, सुगन्धि सुलगाइके बलि भेंट क रूप मँ हमरे बरे परमेस्सर क अर्पित कइ दिहे अहइ।

3तोहरे बीच यौन अनाचार अउर हर कउनो तरह क अपवित्तरता अउर लालच क चर्चा तक न चलइ चाही। जइसेन कि परमेस्सर क पवित्तर जनन क बरे उचित बाटई। 4तू न तऊ असलील भाखा क प्रयोग होइ चाही, न मूर्खतापूर्ण बात या भद्दी हँसी ठट्टा। इ तोहरे अनुकूल नाहीं अहइ। बल्कि तोहरे बीच धन्यबाद ही दीन्ह जाइ।

5काहेकि तू निस्चय क साथे इ जानत ह कि अइसेन कउनउ भी मनई जउन दुराचारी अहइ, अपवित्तर अहइ अउर लालची अहइ (जउन एक मूर्तिपूजक होइ जइसा अहइ) मसीह क अउर परमेस्सर क, राज्य क उत्तराधिकार नाहीं पाई सकत।

6देखा। तोहे कउनउ सब्दन स केउ छल न लेइ। काहेकि बुरी बातन क कारण ही आज्ञा क उल्लंघन करइवालन पर परमेस्सर क कोप होइ क अहइ। 7इही बरे ओनकर साथी न बना। 8इ मइँ एह बरे कहत हउँ कि एक समइ रहा जब तू अंधकार स भरा रह्या परन्तु अब तू पर्भू क अनुयायी क रूप मँ ज्योति स भरापूरा अहा। इही बारे प्रकासित बेटवन क स आचरण करा। 9 हर प्रकार क उत्तम जीवन, नेकी अउर सत्य मँ ज्योति का प्रतिफल देखाइ पडत ह। 10सब तरह इ जानइ क जतन करत रहा कि परमेस्सर क का भावत ह। 11अइसेन काम जउन बुरे बाटेन, अन्धकार मँ लोग करत हीं ओन्हन बेकार क कामन मँ हिस्सा न बटावा बल्कि ओनकर भण्डा-फोड़ करा। 12काहेकि अइसेन काम जेका उ पचे गुपचुप करत हीं। ओनके बारे मँ कीन्ह गइ चर्चा तक लाज का बात बा। 13ज्योति जब प्रकासित होत ह तउ सब कछू दृस्यमान होइ जात ह कि उ का अहइ। 14अउर जउन कछू दृश्यमान प्रकास क सामने आवत ह, उ खुद ज्योति ही बनि जात ह। इही बरे हमार भजन कहत ह:

> "जाग अरे, ओ सोवइवाले मउत मँ स जी उठि
> बइठा, खुद मसीह प्रकासित होई तोहरे ही सिर
> बइठी"

15इही बरे सावधानी क साथे देखत रहा कि तू कइसा जीवन जिअत अहा। विवेकहीन क स आचरण न

करा, बल्कि बुद्धिमान क स आचरण करा। [16]जे हर समइ क अच्छा करम करइ क बरे दीन्ह भए वर्तमान मँ ओकर पूरा उपयोग करत ह, काहेकि इ दिन बुरा बा। [17]मूर्खता स न रहत रहा बल्कि इ जान ल्या कि पर्भू क इच्छा का अहइ। [18]मदिरापान कइके मतवाला जिन बना रहा काहेकि इही स कामुकता पइदा होत ह। एकरे विपरीत आतिमा स परिपूर्ण होइ जा।

[19]आपस मँ भजन, स्तुतिगयान अउर आध्यात्मिक गीतन क, परस्पर आदान-प्रदान करत रहा। अपने मने मँ पर्भू क बरे गीत गावत ओकर स्तुति करत रहा। [20]हर कीहीउँ बात क बरे हमार पर्भू ईसू मसीह क नाउँ पइ हमरे परम पिता परमेस्सर क हमेसा धन्यबाद करा।

पत्नी अउर पति

[21]मसीह क प्रति सम्मान क कारण एक दूसरे क अरपन कइ द्या।

[22]हे पतनियन, अपने-अपने पतियन क बरे अइसेन समर्पित रहा, जइसेन तू पर्भू क समर्पित होत ह। [23]काहेकि अपने पत्नी क उप्पर ओकर पति ही प्रमुख अहइ। वइसेन ही जइसे हमार कलीसिया क सिखर मसीह बा। उ खुदई इ देह क उद्धार करत ह। [24]जइसे कलीसिया मसीह क अधीन बा, वइसेन ही पत्नियन क सब बात मँ अपने-अपने पतियन क बरे समर्पित करइ चाही।

[25]हे पतियन, अपने पत्नियन स पिरेम करा। वइसेन ही जइसे मसीह कलीसिया स पिरेम किहेस अउर अपने आप क ओकरे बरे बलि कई दिहेस। [26]ताकि उ ओका पर्भू क सेवा मँ जल मँ स्नान कराइके पवित्तर कई हमार घोसना क साथे परमेस्सर क अर्पित कइ देई। [27]इही तरह उ कलीसिया क एक अइसेन चमचमात दुलहिन क रूप मँ खुद क बरे पेस कइ सकत ह, जउन कलंक अउर पापन स मुक्त होइ, झुरियन स रहित होइ, या जेहमाँ अइसेन अउर कउनउ कम न होइ। बल्कि उ पवित्तर होइ अउर हमेसा निर्दोस होइ। [28]पतियन क अपने-अपने पत्नियन स उही तरह पिरेम करइ चाही जइसे उ खुद अपने देह स करत हीं। जे अपने पत्नी स पिरेम करत ह उ खुद अपने आप स पिरेम करत ह। [29]केउ अपने देह स तब कभउँ घिरना नाहीं करत, बल्कि उ ओका पालत-पोसत ह अउर ओकर ध्यान रखत ह। वइसेन ही जइसे मसीह अपने कलीसिया क, [30]काहेकि हमउ त ओकरी काया क अंग अही। [31]पवित्तर सास्तर कहत ह, “इही बरे एक मनई अपने महतारी बाप क छोड़ि के अपने पत्नी स बंध जात ह अउर दुन्नउ एक देह होइ जात हीं।”*

[32]इ रहस्यपूर्ण सच बहुत महत्वपूर्ण बा अउर मइँ तोहे बताइत ह कि इ मसीह अउर कलीसिय पर लागू होत ह। [33]तउन कछू भी होइ, तोहमाँ स हर कीहीउँ क अपने पत्नी स वइसेन ही पिरेम करई चाही जइसे तू खुद अपने आप क करत अहा। अउर एक पत्नी क आपन पति का डेरात भए आदर करइ चाही।

बच्चे अउर महतारी-बाप

6 गदेलन, पर्भू मँ आस्था रखत महतारी-बाप क आज्ञा क पालन करा काहेकि इहइ तरीका पर्भू चाहत बा। [2]“अपने महतारी-बाप क सम्मान करा।”* इ पहली आज्ञा अहइ जउन इ परितिसिया स युक्त बा [3]कि “तोहर भला होई अउर तू धरती पर चिरायु होब्या।”*

[4]अउर हे पिता लोगो, तू पचे अपने गदेलन क गुस्सा न दिआवा बल्कि पर्भू स मिली सिच्छा अउर निर्देसन क देत ओनकर पालन-पोसन करा।

सेवक अउर स्वामी

[5]हे सेवक लोगो, तू पचे अपने संसारी स्वामियन क आज्ञा निष्कपट हिरदइ स भय अउर आदर क साथे उही तरह माना जइसे तू मसीह क आज्ञा मानत ह। [6]केवल कीहीउँ क देखत रहत ही रहा काम न करा जइसे तोहे लोगन क समर्थन क आवश्यकता होइ। बल्कि मसीह क सेवक क रूप मँ करा जउन आपन मन लगाइके परमेस्सर क इच्छा पूरी करत हीं। [7]उत्साह क साथे एक सेवक क रूप मँ अइसेन काम करा जइसे माना तू लोगन, क नाहीं पर्भू क सेवा करत अहा। [8]याद रखा, तोहमें एक हर एक चाहे उ सेवक होइ या स्वतंत्र होइ या केउ अच्छा काम करत ह, तउ पर्भू स ओका पुरस्कार मिली।

[9]स्वामियन, तू सबहुँ अपने सेवकन क साथे वइसेन ही व्यवहार करा अउर ओनका डरोवइ धमकावइ छोड़ि द्या। याद रखा, ओनकर अउर तोहर स्वामी सरगे मँ अहइ अउर उ कउनउ पच्छपात नाहीं करत।

पर्भू क अभेघ कवच धारण करा

[10]मतलब इ कि पर्भू मँ स्थित होइके ओकर असीम सक्ती क साथे अपने आपक सक्तिसाली बनावा। [11]परमेस्सर क सम्पूर्ण कवच क धारण करा। ताकि तू राच्छस (दुस्टन) क सबइ योजन क सामने टिक सका। [12]काहेकि हमार संघर्ष मनइयन स नाहीं बा, बल्कि सासकन, अधिकारियन, एक अन्धकार भरा जुग क आकास क सक्तियन अउर अम्बर क दुस्टात्मिक सक्तियन क साथे बा [13]इही बरे परमेस्सर क सम्पूर्ण कवच क धारण करा ताकि जब बुरा दिन आवइ तउ जउन कछू संभव बा ओका कइ चुकइ क बाद तू

“इही ... जात हीं” उत्पत्ति 2:24

“अपने ... करा” निर्ग 20:12; व्यवस्था 5:16

“तोहर ... होब्या” निर्ग 20:12; व्यवस्था 5:16

दृढ़तापूर्वक अडिग रहि सका। [14–15]तउ अपने करिहाउँ
पइ सत्य क फेंटा कसिके नेकी क झिलम पहिन क
अउर गोड़न मँ सान्ति क सुसमाचार सुनावइ क तत्परता
क पनही धारण कके तू लोग अटल खड़ा रहा। [16]इ
सबसे बड़ी बात इ बा कि विस्व क ढाल क रूप मँ लइ
ल्या। जेकरे द्वारा तू ओन दुस्टन (सइतान) क समस्त
अग्नि बाणन का बुझाई सका, जउन बन्दी क द्वारा
छोड़ा गवा अहइँ। [17]उद्धार क बरे क सिरस्त्राण पहिन
ल्या अउर परमेस्सर क सँदेसा रूपी आतिमा क तलवार
उठाइ ल्या।

[18]सब तरह क पराथना अउर निवेदन सहित आतिमा
क सहायता सब अवसर पर विनती करत रहा। एह लच्छ
स सभन प्रकार क यत्न करत सावधान रहा। अउर
सभन सन्तन क बरे पराथना करा।

[19]अउर मोरे बरे पराथना करा कि मइँ जब आपन
मुँह खोलउँ, मोका एक सुसंदेस मिलइ ताकि निर्भयता क
साथ सुसमाचार क रहस्य भरा सच क, परगट कइ
सकउँ। [20]इही बरे मइँ जंजीर मँ जकड़ा भआ राजदूत क
समान सेवा करत हउँ। पराथना करा कि, जेह तरह
मोका बोलइ चाही उही तरह निर्भयता क साथे सुसमाचार
क प्रबचन कइ सकउँ।

अन्तिम नमस्कार

[21]तूहउ, मइँ कइसेन हउँ अउर का करत हउँ, एका
जान जा। सो तुखिकुस तोहे सबन कछू बताइ देई। इ
हमार पिआरा बंधु अहइ अउर पर्भू मँ स्थित एक
बिसवासपूर्ण सेवक अहइ।

[22]इही बरे मइँ ओका तोहरे लगे भेजत हउँ ताकि तू
मोर समाचार जानि सका अउर इही बरे कि उ तोहरे
मने क सान्ति देइ सकइ।

[23]भाइयो, तू सबे क परमपिता परमेस्सर अउर पर्भू
ईसू मसीह कइँती स सान्ति, पिरेम अउर बिसवास मिलइ।
[24]जउन हमरे पर्भू ईसू मसीह स अमर पिरेम रखत हीं,
ओन पइ परमेस्सर क अनुग्रह होत ह।

फिलिप्पियन क पत्र

1 ईसू मसीह क सेवक पौलुस अउर तीमुथियुस कइँती
स मसीह ईसू मँ स्थित फिलिप्पी क रहइवाले बुजुर्गन
संत जनन क नाउँ जउन उहाँ निरीच्छकन अउर कलीसिया
क सेवकन क साथे निवास करत थीं:
2हमार परमपिता परमेस्सर अउर हमार पर्भू ईसू
मसीह कइँती स तू पचन क अनुग्रह अउर सान्ति मिलइ।

पौलुस क पराथना

3मइँ जब-जब तू पचन क याद करत हउँ, तब-तब
परमेस्सर क धन्यबाद दत हउँ। 4अपने हर पराथना मँ
मइँ हमेसा खुशी क साथे तोहरे बरे पराथना करत हउँ।
5काहेकि पहिले ही दिना स आज तलक तू सुसमाचार क
प्रचार मँ मोर सहयोगी रह्या ह। 6मोका इ बात क पूरा
भरोसा बाटइ कि उ परमेस्सर जे तोहरे बीच मँ अइसेन
अच्छा काम सुरु किहे अहइ, उहइ ओका उहइ दिना
तक बनाए रखी, जब ईसू मसीह फिन आइके ओका पूरा
करी। 7तू सब क बारे मँ मोरे बरे अइसेन सोचब ठीकही
बा। काहेकि तू सब मोरे मने मँ बसा भवा अहा। अउर न
केवल तब जब तक मइँ जेल मँ हउँ, बल्कि तब भी जब
मइँ सुसमाचार क सत्य क रच्छा करत भए, ओकरे
प्रतिस्ठा मँ लगा रहेउँ, तू सभे एँह अनुग्रह मँ मोर सहभागी
रह्या ह। 8परमेस्सर मोर साछी अहइ कि मइँ मसीह ईसू
द्वारा परगट पिरेम स मइँ तू सभन क बरे केतना
बियाकुल रहत हउँ।
9मइँ इहइ पराथना करत रहत हउँ:

पिरेम हमेसा बढ़इ तोहार साथे गियान क,
गहन दिस्टि क।
10 पाइके इ गुन, भला-बुरा मँ भेद कइके,
अपनाइ लेब्या हमेसा भले क। अउर एह
तरह बन जाब्या तू सुद्ध अकलुस ओह दिना
क जब मसीह आइ।
11 धारमिकता क फल स ईसू मसीह स मिलत
ही परिपूर्ण होत जा जेहसे परमेस्सर क महिमा
अउर स्तुति होत रहय।

पौलुस क विपत्तियन पर्भू क काम मँ सहायक

12भाइयो, मइँ तू सबन का जनाइ देइ चाहित हउँ कि
मोरे साथे जउन कछू भवा बा, ओसे सुसमाचार क
बढ़ावा ही मिला बाटइ। 13परिणामसरूप स संसार क पूरी
रच्छा दल अउर अन्य दुसरे सबहिं लोगन क इ पता चलि
गवा बा कि मोका मसीह क बिसवासी होई क कारण ही
बन्दी बनावा गवा बाटइ। 14एकरे अलावा पर्भू मँ स्थित
ज्यादातर भाई मोर बन्दी होइके कारण उत्साह स भरा
भवा अहइँ। अउर बहुत जियादा साहस क साथ सुसमाचार
क निडरता पूर्वक सुनावत अहइँ।
15इ सच अहइ कि ओहमाँ स कछू इरसा अउर बैर
क कारण मसीह क उपदेस देत हीं परन्तु दुसरे जने
सद्भावना स प्रेरितन होइके मसीह क उपदेस देत हीं।
16ये सब जने पिरेम क कारण अइसेन करत हीं काहेकि
इ जानत हीं कि परमेस्सर सुसमाचारे क बचाउ करइ
बरे ही मोका इहाँ रखे अहइ। 17परन्तु कछू अउर जने त
सचाई क साथे नाहीं, बल्कि सुवारथ स भरी इच्छा स
मसीह क प्रचार करत हीं काहेकि उ सोचित हीं कि
एहसे उ पचे बन्दी-घरे मँ मोरे बरे कस्ट पइदा कइ
सकिहीं।
18परन्तु ऐहसे कउनउ फरक नाहीं पड़त। जरुरी तउ
इ बा कि एक ढंग स या दुसरे ढंग स, चाहे बुरा उद्देस्य
होइ, चाहे भला प्रचार तउ मसीह क ही होत ह अउर
ऐहसे मोका आनन्द मिलत ह अउर आनन्द मिलतइ
रही। 19काहेकि मइँ जानत हउँ कि तू पचन पराथना क
द्वारा अउर ओह सहायता स जउन ईसू मसीह क आतिमा
स मिलत ह, परिणाम मँ मोका छुटकारा ही मिली। 20मोर
तेज इच्छा अउर आसा इहइ बा अउर मोका इ बिसवास
बा कि मइँ कउनो बाते स निरास नाहीं होब बल्कि सब
तरह स निडर होइके जइसे मोरे सरीर स मसीह क
महिमा हमेसा होत रही, वइसेन आगेउ होत रही; चाहे मइँ
जिअउँ अउर चाहे मरि जाउँ। 21काहेकि मोरे जीवन क
मतलब अहइ मसीह अउर मउत क मतलब अहइ एक
प्राप्ति। 22मुला अगर मइँ अपने एह सरीर स जिन्दइ रहउँ
तउ एकर मतलब इ होइ कि मइँ अपने कर्मे क परिणामे
क आनन्द लेउँ। तउन मइँ नाहीं जानित हउँ कि मइँ का
चुनउँ। 23दुन्नउ विकल्पे क बीच चुनाव मँ मोका कठिनाई
होत बा। मइँ अपने जीवन स विदा होइके मसीह क पास
जाइ चाहित ह काहेकि उ अधिक अच्छा होइ। 24दूसरी
तरफ परन्तु एह सरीर क साथे ही मोर इहाँ रहब तोहरे
बरे अधिक जरुरी बा। 25अउर काहेकि इ मइँ निस्चय
क साथे जानित हउँ कि मइँ इही रहबइ अउर तू सभन

क आध्यात्मिक उन्नति अउर बिसवास स पइदा भवा आनन्द बरे तोहरे साथे रहतइ रहब। 26ताकि तोहरे लगे मोरे लउटी आवई क परिणाम सहित तू पचन क मसीह ईसू मँ स्थित मोहे प गरब करइ क अउर अधिक आधार मिलि जाई।

27परन्तु हर तरह स अइसा करा कि तू सबन आचरण मसीह क सुसमाचार क अनुकूल रहइ। जेहसे चाहे मइँ तोहरे लगे आइके तू सबन क देखउँ अउर चाहे तू सबन स दूर रहउँ, तू सबन क बारे मँ इहइ सुनउँ कि तू पचे एक्कई आतिमा मँ मजबूती स टिका ह्वा अउर सुसमाचार स पइदा बिसवासे क बरे एक जुट होइके संघर्ष करत रहा। 28अउर मइँ इहउ सुनई चाहित हउँ कि तू पचे अपने विरोधियन स कउनउ तरह स नाहीं डेरात अहा। तू सबन क इ साहस ओनके विनाश क प्रमाण अहइ। तू पचन क मुक्ति का संकेत अहइ जउन स्वयं परमेस्सर कइँती स अइसा ही कीन्ह जाई। 29काहेकि मसीह कइँती स तू पचन क न केवल ओहमे बिसवास करइ क बल्कि ओकरे बरे यातना झेलइ क बिसेष अधिकार दीन्ह गवा बा। 30तू पचे जानत अहा कि तू उही संघर्ष मँ जुटा अहा जेहमे मइँ जुटा रहेउँ अउर जइसेन कि तू सुनत अहा आज तलक मइँ ऊहीं मँ लगा रहउँ।

एक होइके एक दुसरे क धियान रखा

2 फिन तू लोगन मँ अगर मसीह मँ कउनउ उत्साह बा, पिरेम स पैदा भई कउनउ धीरज बा, अगर आतिमा मँ केउ भागेदारी क, सिनेह क भावना अउर सहानुभूति बा 2तउ मोका पूरी तरह स खुस करा। मइँ चाहत हउँ, तू पचे एक तरह स सोचा, परस्पर एक जइसा पिरेम करा, आतिमा मँ एका रखा अउर एक जइसेन लच्छ रखा। 3ईर्सा अउर मिथ्या अभिमान स कछू न करा। बल्कि नरम बना अउर दुसरेउ क अपने स उत्तिम समझा। 4तोहमे स हर एक्के चाही कि केवल अपनई नाहीं, बल्कि दुसरेउ क हिते क धियान रखइ।

ईसू स निस्वारथ होइ सीखा

5आपन चिंतन ठीक वइसा ही रखा जइसे मसीह ईसू क रहा। 6जउन परमेस्सर क सरूप मँ होत भए भी उ परमेस्सर क साथे अपने एँह बराबरी का अधिकार की वस्तु न समझेस।

7बल्कि उ तउ आपन सब कछू तियागके एक सेवक क रूप ग्रहण कइ लिहेस अउर मनई क समान बनि गवा। अउर जब उ अपने बाहरी रूप मँ मनई जइसेन बनि गवा। 8त उ अपने आप क नवाइ लिहेस अउर परमेस्सर का एँतना आज्ञाकारी बन गवा कि आपन प्राण तक न्योछोवर कइ दिहेस अउर उहउ क्रूस पर।

9इही बरे परमेस्सर भी ओका ऊँचा स ऊँचा स्थान पर उठाएस अउर ओका उ नाम दिहेस जउन सब नामन स ऊप्पर बा 10ताकि सब केऊ जब ईसू क नाउँ क उच्चारण होत सुनइ, तउ नीचे निहुरि जाइ। चाहे उ सरगे क होइ, धरती पइ क होइ अउर चाहे धरती क नीचे क होइ। 11अउर सब जीभ परमपिता परमेस्सर क महिमा बरे मंजूर करइ कि "ईसू मसीह ही पर्भू अहइ।"

परमेस्सर क इच्छा क अनुसार बना

12एह बरे मोर पिआरे दोस्तो, तू पचे मोरे निर्देशन क जइसेन ओह समइ पालन किहा करत रह्या जब मइँ तू पचन क साथे रहेउँ, अब जब कि मइँ तू पचन क साथे नाहीं हउँ तब तू अउर अधिक लगन स ओकर पालन करा। परमेस्सर बरे पूरा आदर एवं भय क साथे अपने उद्धार क पूरा करइ बरे तू सभे काम करत जा। 13काहेकि उ परमेस्सर ही अहइ जउन उ कामना क इच्छा अउर ओन्हे पूरा करइ क करम, जउन परमेस्सर क भावत ह, तोहमें पइदा करत ह।

14बिना कउनउ सिकायत या लड़ाई-झगड़ा किहे सब काम करत रहा 15ताकि तू भोले-भोले अउर पवित्तर बनि जा। अउर इ कुटिल अउर पथभ्रस्ट पीढ़ी क लोगन क बीच परमेस्सर क निहकंलक बालक बनि जा। ओनके बीच अँधियारी दुनिया मँ तू पचे ओह समइ तारा बनिके चमका 16जब तू ओनका जीवनदायी उपदेस सुनावत ह। तू अइसा ही करत रहा ताकि मसीह क फिन स लउटइ क दिन मइँ इ देखिके कि मोरे जीवन क भाग दौड़ बेकार नाहीं भइ। तू पचन गरब कइ सकी।

17तोहार सबन क बिसवास परमेस्सर क सेवा मँ एक बलि क रूप मँ बा अउर अगर मोर लहू तोहरे बलि प दाखरस क समान उँड़ेल दीहा भी जाइ तउ मोका खुसी अहइ। तोहरे सबन क खुसी मँ हमरउ सहभाग बा। 18उही तरह तूहउ खुस रहा अउर मोरे साथे आनन्द मनावा।

तीमुथियुस अउर इपफ्रुदीतुस

19पर्भू ईसू क सहायता स मोका तीमुथियुस क तू लोगन क लगे जल्दी भेज देइ क आसा बा ताकि तोहरे समाचारन स मोर भी उत्साह बढ़ सकइ। 20काहेकि मोरे पास दुसर कउनउ तीमुथियुस अइसा मनई नाहीं बा जेकर भावना मोरी जइसी होइ अउर जउन तोहरे कल्यान क बरे सच्चे मने स चिंतित होइ। 21काहेकि अउर सभन अपने अपने कामन मँ लगा बाटेन। ईसू मसीह क कामन मँ केऊ नाहीं लाग बा। 22तू पचे ओकरे चरित्र क जानत अहा कि सुसमाचार क प्रचार मँ मोरे साथ उ वइसे ही सेवा क किहे अहइ, जइसे एक बेटवा अपने बापे क साथे करत रहत ह। 23तउ मोका जइसेन इ पता चली कि मोरे साथे का कछू होइ जात बा। मइँ ओका तू सबन क लगे भेज देइ क आसा रखत अहउँ। 24अउर मोर बिसवास बा कि पर्भू क सहायता स मइँ भी जल्दी ही

अउबइ। 25मइँ इ जरूरी समझत हउँ कि इपफ्रुदीतुस क
तोहरे लगे पठवउँ, जउन मोर भाई अहइ, अउर साथ ही
काम करइवाला बा अउर सहयोगी कर्म-वीर अहइ अउर
मोका जरूरत पड़इ पइ मोर सहायता बरे तोहार प्रतिनिधि
रहा, 26काहेकि उ तोहे सबन क बरे बियाकुल रहा
करत रहा अउर एँहसे बहुत खिन्न रहा कि तू इ सुने
रह्या कि उ बेमार पड़ि गवा रहा। 27हाँ, उ बेमार तउ
रहा अउर उहउ एँतना कि जइसे मरि ही जाई। परन्तु
परमेस्सर ओह पर अनुग्रह किहेस (न सिरिफ ओह पइ
बल्कि मोहे प भी) ताकि मोका दुखे पर दुख न मिलइ।
28इही बरे मइँ ओका अउर उ लगन स पठवत हउँ
ताकि जब तू ओका देखा तउ एक बार फिन खुस होइ
जा अउर तोहरे बारे मँ चिन्ता करब छोड़ देउँ। 29इही बरे
पर्भू मँ बड़ी खुसी क साथे ओकर सुवागत करा अउर
अइसेन लोगन क जियादा स जियादा आदर करत रहा।
30काहेकि मसीह क काम क बरे उ लगभग मरि गवा
रहा ताकि तोहरे द्वारा कीन्ह गइ मोर सेवा मँ जउन
कमी रहि गइ रही, ओका उ पूरा कइ देइ, एकरे बरे उ
अपने प्राण क बाजी लगाइ दिहेस।

मसीह सब क उप्पर बा

3 एह बरे स, मोरे भाइयो, तया बाहिनियो, पर्भू मँ
आनन्द मनावत रहा। तू सबन क सच सच ओनही
बातन क लिखत रहइ स मोका फिन कउनउ कस्ट
नाहीं अहइ अउर तोहरे बरे तउ इ तैयार होइ क मदद
करी। 2एन्हन कुकुरन स सावधान रहा जउन कुकर्मन
मँ लगा अहइँ। उ पचे बधिया कइ देइ चाहत हीं। 3काहेकि
सच्चा खतनावाला मनई तउ हम अही जउन अपने
आराधना क परमेस्सर क आतिमा द्वारा अरपण करत
अही। अउर मसीह ईसू पर हम होइ बरे गरब करत अही
अउर जउन कछू सरीरीक बा, ओह प हम भरोसा नाहीं
करत अही। 4जद्यपि मइँ खुद जउन कछू सरीरीक बा,
ओह पइ मइँ भरोसा नाहीं कइ सकत रहउँ। मुला अगर
केऊ अउर अइसेन सोचइ कि ओकरे लगे सरीरी पर
बिसवास करइ बरे बा तउ मोरे लगे तउ उ अउर जियादा
बा। 5जब मइँ आठ दिना क रहेउँ, मोर खतना कइ दीन्ह
गवा रहा। मइँ इस्राएली हउँ। मइँ बिन्यामीन क वंस क
हउँ। मइँ इब्रानी माता-पिता स पइदा भवा एक इब्रानी
हउँ। जहाँ तक व्यवस्था क विधान तलक मोरे पहुँच क
प्रस्न बा, मइँ फरीसी हउँ। 6जहाँ तलक मोरी निस्ठा क
प्रस्न बा, मइँ कलीसिया क बहुत सताये रहउँ। जहाँ
तलक ओह धार्मिकता क सवाल बा जेका व्यवस्था क
विधान सिखावत ह, मइँ निर्दोख रहेउँ। 7परन्तु तब जउन
मोर लाभ रहा, आज उही क मसीह क बरे मइँ आपन
हानि समझत अहउँ। 8इहूउँ स बड़ी बात इ बा कि मइँ
अपने पर्भू मसीह ईसू क गियान क स्रेष्ठता क कारण
आज तलक सब कछू क हीन समझत रहेउँ। उही बरे
मइँ सब कछू तियाग कइ दिहेउँ अउर मइँ सब कछू क
घिना क परन्तु समझइ लाग हउँ ताकि मसीह क पाई
सकउँ 9अउर ऊही मँ पावा जाइ सकउँ - मोर उ धरम
भाव क कारण नाहीं जउन व्यवस्था क विधान पर
टिकी रही, बल्कि ओह धरम भाव क कारण जउन
मसीह मँ बिसवासे क कारण मिलत ह। जउन परमेस्सर
स मिली बा ओकर आधार बिसवास अहइ। 10मइँ मसीह
क जानइ चाहत हउँ अउर ओह सक्ती क अनुभव
करइ चाहत हउँ जेसे ओका पुन: जागरण भवा रहा। मइँ
ओकरी यातनन क सहभागी होइ चाहत हउँ। अउर उही
रूपे क पाइ लेइ चाहत हउँ जेका उ आपन मउत क
द्वारा पाए रहा। 11एह आसा क साथे कि मइँ भी इही
तरह मरा हुआ मँ स उठि क फिन स जी पावउँ।

लच्छ पर पहुँचइ क प्रयास करत रहा

12अइसेन नाहीं अहइ कि मोका आपन प्राप्ति होइ
चुकी बा अउर मइँ पूरा सिद्ध बन चुका हउँ। परन्तु मइँ
उपलब्धि क पाइ लेइ क बरे बराबर प्रयास करत रहत
हउँ जेकरे बरे मसीह ईसू मोका आपन बँधुआ बनाए
रहा। 13भाइयो, तथा बहिनियो, मइँ इ नाहीं सोचित हउँ
कि मइँ ओका पाई चुका हउँ। पर बात इ अहइ कि बीती
क बिसराइ द्या, जउन मोरे सामने बा, ओह लच्छ तलक
पहुँचइ बरे मइँ संघर्ष करत रहउँ। 14मइँ ओह लच्छ क
बरे हमेसा प्रयास करत रहउँ कि मइँ अपने ओह इनामें
क जीत लेउँ, जेका मसीह ईसू मँ पावई क बरे परमेस्सर
तउ मोका उप्पर बोलाए अहइ।

15ताकि ओन्हन लोगन क, जउन हमरे मँ पूर्ण मनई
बन चुका बाटेन, मन का स्वरूप अइसेन रहइ। परन्तु
अगर तू कीहीउ बात क कउनउ अउर ढंग स सोचत ह
तउ तोहरे बरे ओकर जाहिर करइके परमेस्सर कइ
देई। 16जउन सच्चाई तक हम पहुँच चुका अही, हमका
उही पे चलत रहइ चाही।

17भाइयो, तथा बहिनियो, अउरन क साथे मिलि के
मोरे नकल करा जउन उदाहरण हम तोहरे सामने रखे
अही, ओकरे अनुसार जउन जिअत हीं, ओह पर धियान
द्या। 18काहेकि अइसेन ही बहुत जने अहइँ जउन मसीह
क क्रूस स दुस्मनी रखत जिअत हीं। मइँ तोहका बहुत
बार बताए हउँ अउर अब भी मइँ इ बिलखि-बिलखि क
कहत हउँ। 19ओनकर नास ओनकइ नियति अहइ।
ओनकर पेट ओनकर भगवान अहइ। अउर जेहपर
ओनका लजाई चाही, ओह पर ओ गरब करत हीं।
ओनका बस संसारी वस्तुवन क चिन्ता बा। 20परन्तु
हमार जन्मभूमि तउ सरगे मँ बा। ऊही स हम उद्धारकर्ता
पर्भू ईसू मसीह क आवइ क बाट जोहत रहित ह। 21आपन
ओह सक्ती क द्वारा जेहसे सब वस्तुवन क उ अपने
अधीन कई लेत ह, हमार कमजोर देह क बदल क
आपन दिव्य देह जइसेन बनाई देई।

फिलिप्पियन क पौलुस क निर्देस

4 हे मेरे भाइयो, तथा बहिनियो, मइँ तू सबन स पिरेम
करत हउँ, अउर तू सबन क देखइ का तरसत
हउँ। तू पचे खुसी अहा, मोर गौरव अहा। तू पचन क
जइसे मइँ बताए हउँ, पर्भू मँ तू सबइ वइसेन ही दृढ बना
रहा। 2मइँ युओदिया अउर सन्तुखे दुन्नऊ क उत्साहित
करत हउँ कि तू पचे पर्भू मँ एक जइसे बिचार बनाए
रखा। 3मोरे सच्चा साथी तोहसे सबन स मोर बिनती बा
कि इन्हन स्त्रियन क सहायता करा। इ क्लेमेन्स अउर
मोरे दुसरे सहकर्मियन सहित सुसमाचार क प्रचार मँ
मोरे साथे जुटी रहिन। एनके नाउँ जीवन क किताबें*
मँ लिख गवा अहइँ।

4पर्भू मँ हमेसा आनन्द मनावत रहा।

5एँका मइँ फिन दोहरावत हउँ आनन्द मनावत रहा।
तू पचन क सहनसील आतिमा क गियान सब जने क
होइ। पर्भू लगे ही बाटइ 6कउनउ बाते क चिन्ता न करा,
बल्कि सब परिस्थितियन मँ धन्यबाद सहित पराथना
अउर बिनय क साथे आपन याचना परमेस्सर क सामने
रखत जा। 7इही स परमेस्सर कइँती स मिलइवाली सान्ति,
जउन समझ स परे बा तोहरे हीये अउर तोहरे बुद्धि क
मसीह ईसू मँ सुरच्छित बनाए रखी।

8भाइयो, तथा बहिनियो, इन बातन क धियान करा।
जउन जरुर सत्य बा, जउन आदर योग्य बा, जउन अच्छा
बा, जउन पवित्तर बा, जउन सुन्दर बा, जउन सराहइ
योग्य बा या कउनउ अन्य गुन या कउनउ प्रसंसा 9जेका
तू मोसे सीखे अहा, पाए अहा या सुने अहा या जेका
करत मोका देखे अहा। इन बातन क अभ्यास करत
रहा। सांति क सोत परमेस्सर तोहरे साथे रही।

फिलिप्पि मसीहियन क पौलुस क धन्यवाद

10तू सबइ निस्चय ही मोरे भलाई बरे सोचत रहत ह
परन्तु तू पचन क ओका देखावइ क अवसर नाहीं मिला
रहा, परन्तु अब आखिरकार तोहमें मोरे बरे फिन स
फिकिर जागी बा। एहसे मइँ पर्भू मँ बहुत आनन्दित भवा
हउँ। 11कउनउ व्यक्तिगत जरुरत क कारण मइँ इ नाहीं
कहत हउँ। काहेकि जइसेन परिस्थिति मँ मइँ रहउँ, मइँ
उही मँ सन्तोस करइ सीख लिहे हउँ। 12मइँ अभाव क
बीच रहई क रहस्य भी जानत हउँ अउर इहउ जानत
हउँ कि सम्पन्नता मँ कइसे रहा जात ह। कइसेउ समइ
होइ अउर कइसेउ परिस्थिति, चाहे पेट भरा होइ अउर
चाहे भूखा, चाहे पास मँ बहुत कछू होइ अउर चाहे कछू
भी न होइ, मइँ ओन सबे मँ सुखी रहइ सीख लिहे हउँ।
13मसीह क जरिये मइँ सब कछू कइ सकत हउँ काहेकि
उ मोका सक्ती देत ह। 14कछू भी होइ हमरे कस्टन मँ
तू पचे मोरे कामे मँ हाथ बटाई क अच्छा ही किये अहा।

15हे फिलिप्पियन! तू पचे तउ जनतइ अहा, सुसमाचार
क प्रचार क ओन्हन सुरु क दिनवा मँ जब मइँ मैसीडोनिया
छोड़े रहेउँ, तउ लेन-देन क बारे मँ केवल मात्र तोहर
कलीसिया क छोड़िके कउनउ अउर कलीसिया तउ
मोर हाथ नाहीं बटाएस। 16मइँ जब थिस्सलुनीके मँ रहेउँ,
मोर जरूरत पूरा करइ बरे तू बार-बार मोका सहायता
भेजे रह्या। 17अइसेन नाहीं कि मइँ उपहारन क इच्छुक
हउँ, बल्कि मइँ तउ इ चाहत हउँ कि तोहरे खाता मँ
लाभ जुड़त ही चला जाइ। 18तू पचे इपफ्रुदीतुस क हाथे
जउन उपहार मधुर गंध भेट क रूप मँ मोरे लगे भेजे
रह्या, उ सबइ एक अइसेन स्वीकार करइ योग्य बलिदान
अहइँ जेहसे परमेस्सर खुस होत ह। ओन्हन उपहारन क
कारण मोरे लगे मोरे जरुरत स कहूँ ज्यादा होइ गवा बा,
मोका पूरी तरह दिहा गवा बा। बल्कि ओहसे भी जियादा
भरपूरा दिहा गवा बा। उ चीजन मधुर गंध भेंटे क रूप मँ
बाटिन, एक अइसेन स्वीकार करइ योग्य बलिदान जेहसे
परमेस्सर खुस होत ह। 19मोरे परमेस्सर भी ईसू क
महिमा स बहोत धनवान अहइ। उ अपने उस धने क
अनुसार तोहार सभन जरूरतन क पूरा करी। 20हमरे
परमेस्सर अउर परमपिता क हमेसा-हमेसा महिमा होत
रहइ। आमीन!

21मसीह ईसू क सभन सन्तन क नमस्कार। मोरे
साथे जउन भाई अहइँ, तू पचन क नमस्कार करत हीं।
22तू सभन संत अउर खासकर कैसर परिवारे क लोगन
नमस्कार करत हीं।

23तोहमँ स हर एक्क पर हमरे पर्भू ईसू मसीह क
अनुग्रह तू पचन क आतिमा क साथ रही।

किताब परमेस्सर क उ किताब जेहमाँ परमेस्सर क
चुना भआ सभन संत जनन क नाम लिखा बा।
(प्रकासित 3:5; 21:27)

कुलुस्सियन क पत्र

1 पौलुस जउन परमेस्सर क इच्छानुसार मसीह ईसू क
प्रेरित बा ओकर, अउर हमरे भाई तीमुथियुस कइँती
स।
2मसीह मँ स्थित कुलुस्से मँ रहइवालन बिसवासी
भाइयन तथा बाहिनियन अउर सन्त जनन क नाउँ:
हमरे परमपिता परमेस्सर कइँती स तोहे सबन क
अनुग्रह अउर सान्ति मिलइ।
3जब हम तोहरे बरे पराथना करित ह, हमेसा अपने
पर्भू ईसू मसीह क परमपिता परमेस्सर क धन्यबाद करित
ह। 4काहेकि हम मसीह ईसू मँ तोहरे बिसवासे अउर
सभन परमेस्सर जनन क बरे तोहरे पिरेम क बारे मँ
सुने हई। 5इ ओह आसा क कारण भवा बा जउन तोहरे
बरे सरगे मँ सुरच्छित बा अउर जेकरे बारे मँ तू
पहिलेन-सच्चा संदेस अर्थात सुसमाचार क सुनि चुका
अहा। 6सुसमाचार पूरे संसारे मँ सफलता पावत बा। इ
वइसेन ही सफल होत बा जइसे तोहरे बीच इ ओह समइ
स ही सफल होइ लगा रहा। जब स तू परमेस्सर क
अनुग्रह क बारे मँ सुने रह्या अउर सही-सही ओका
समझा जात रहा। 7हमार प्रिय साथी दास इपफ्रास स,
जउन हमरे बरे मसीह क बिसवासी सेवक अहइ, तू
सुसमाचार क सिच्छा पाये रह्या। 8पवित्तर आतिमा क
द्वारा उत्तेजित-तोहरे पिरेम क बारे मँ उहउ हमका
बताए अहइ। 9इही बरे जेह दिना स हम एनके बारे मँ सुने
हई, हमहूँ तोहरे बरे पराथना करब अउर इ बिनती
करब नही छोड़े हई कि:

परमेस्सर क इछा तोहे पूर्ण ग्यान होइ सब
तरह क समझ-बूझ जउन आतिमा देत ह,
अउर बुद्धि उ पावा करा तू
10 ताकि उ तरह जी सका, जेहसे परमेस्सर क
प्रतिस्ठा होत ह सब तरह स करा खुस हमेसा
तू पर्भू क। सदैव अच्छे फल उत्पन्न करइँ।
अउर परमेस्सर क गियान हमेसा बढ़ई तोहार।
11 अपने महिमा-भरी सक्ती स मजबूत बनवत
जाइ तोहे उ, ताकि विपत्ती क काल मँ जो
कछू रास्ते मँ आवइ खुसी स

महाधीरज स तू सब सहि ल्या। 12ओह परमपिता क
धन्यबाद करा, जेका तोहका एह योग्य बनायेस कि
परमेस्सर क उन संत जनन क साथे जउन प्रकासमय
जीवन जिअत हीं, तू उनके लोगन क उत्तराधिकार
पावइ मँ सहभागी बनि सका 13परमेस्सर तउ अँधियारे
क सक्ती स हमार उद्धार किहेस अउर अपने प्रिय
बेटवा क राज्य मँ हमार प्रवेश कराएस। 14ओह बेटवा
क जरिये ही हमका छुटकारा मिला बा आनी हमका
मिली बा हमरे पापन क छमा।

मसीह क दरसन मँ, परमेस्सर क दरसन

15उ न देखाइ देइवाला परमेस्सर क देखाइ देइवाला
रूप अहइ। उ सभन सिस्टी क ऊपर सासन करत ह।
16काहेकि जउन कछू सरगे मँ बा अउर धरती पर बा,
उही क सक्ती स पैदा भवा बा। कछूउ चाहे देखाई देइ
अउर चाहे न देखाइ देइ चाहे सिंहासन होइ चाहे साम्राज्य,
चाहे केउ सासक होइ अउर चाहे अधिकारी, सब कछू
उही क द्वारा रचा गवा बा अउर उही बरे रचा गवा बा।
17सबसे पहिले उही क मौजूदगी रही। ऊही क सक्ती स
सब बस्तु स्थिर बनी रहत हीं। 18एह देह अउर कलीसिया
क मुखिया उहइ अहई। उहइ आदि अहइ अउर मरेन
क फिन स जी उठावइ क उहइ सबसे बड़का अधिकारी
भी उहइ अहई ताकि सब बाते मँ पहिला स्थान उही क
मिलइ। 19काहेकि परमात्मा की इहइ माया कि पूरे जने
क साथे परमेस्सर उही मँ वास करइ चाहेस। 20उही क
जरिये पूरा ब्रह्माण्ड क परमेस्सर तउ अपने स फिन
जोड़इ चाहेस। सभन क जउन धरती क हयेन अउर
सरगे क हयेन। उही लहू क द्वारा परमेस्सर तउ सान्ति
कराएस जेका तउ क्रूस पर बहाए रहा।
21एक समइ रहा जब तू अपने बिचारन अउर बुरे
कामन क कारण परमेस्सर क बरे अनजान अउर
ओकर दुस्मन रहेन। 22परन्तु अब जब मसीह अपने
भौतिक देहे मँ रहा, तब मसीह क मउत क द्वारा
परमेस्सर तउ तोहे खुद अपने आपेन स जोडि लिहेस।
ताकि तोहे अपने सम्मुख पवित्तर, निहकलंक अउर
निर्दोष बनाइके पेस कीन्ह जाई। 23इ तबइ होइ सकत ह
जब तू अपने बिसवासे मँ स्थिरता क साथे अटल बना
रहा अउर इ सुसमाचार क दुवारा दीन्ह गइ ओह आसा
क परित्याग न करा, जेका तू सुने अहा। एह अकास क
नीचे हर कीहीउ परानी क ओकर उपदेस कीन्ह गवा
था। अउर मइँ पौलुस उही क सेवक बना हउँ।

कलीसिया क बरे पौलुस क काम

24अब देखा! मइँ तोहरे बरे जउन कस्ट उठाइत ह,
ओहमाँ आनन्द क अनुभव करत हउँ अउर मसीह क
देह, अउर कलीसिया क बरे मसीह क जातना मँ जउन
कछू कमी रहि गइ रही, ओका अपने सरीरी मँ पूरा
करत हउँ। 25परमेस्सर तउ जउन तोहरे सबन क लाभ
बरे मोका आदेस दिहे रहा, उही क अनुसार मइँ कलीसिया
का एक सेवक ठहरावा गवा हउँ। ताकि मइँ परमेस्सर
क उपदेस क पूरी तरह प्रचार करउँ। 26इ सुसमाचार
सन्तन का गुप्त सत्य अहइ। जउन आदिकाल स सबहिं
आपन लोगन क आँखी स ओझल रहा। परन्तु अब ऐका
परमेस्सर द्वारा लोगन प परगट कई दीन्ह गवा बा।
27परमेस्सर अपने लोगन क इ परगट कई देई चाहत ह
कि उ रहस्यपूर्ण सत्य केतना वैभवपूर्ण बा। ओकरे लगे
इ रहस्यपूर्ण सत्य सभन क बरे बा। अउर उ रहस्यपूर्ण
सत्य इ अहइ कि मसीह तोहरे भित्तरई रहत ह अउर
परमेस्सर क महिमा पावइ बरे उहइ हमार एक मात्र
आसा अहइ। 28हमका जउन गियान मिला बा ओह पूरा
क उपयोग करत भए हम हर कीहीउ क निर्देस अउर
सिच्छा प्रदान करत अही ताकि हम ओका मसीह मँ एक
पूरा व्यक्तित्व बनि के परमेस्सर क आगे हाजिर कइ
सकी। 29मइँ इही प्रयोजन स जउन मसीह मोका दिहेस,
अउर जउन हममे सक्रिय अहइ, संघर्ष करत भए मइँ
कठोर मेहनत करत अहउँ।

2 मइँ चाहत हउँ कि तोहे एह बातन क पता चलि जाइ
कि मइँ तोहरे बरे, लौदीकिया क रहइवालन क बरे
ओन्हन सबके बरे जउन निजी तरह स हमेसा कभउँ
नाहीं मिला हयेन। केतना कठोर मेहनत करत हउँ मइँ
इ एह बरे करत हउँ। 2ताकि ओनके मने क जोस मिलइ
अउर उ परस्पर पिरेम मँ बँधि जाइँ। अउर बिसवासे क
उ सब धन जउन सच्चा गियान स मिलत थ, ओन्हे मिलि
जाइ अउर परमेस्सर क रहस्य भरा सच ओन्हे मिलइ उ
रहस्य भरा सच खुद मसीह अहइ। 3मसीह मँ विवेक
अउर गियान क सब निधियन छुपी बांटिन।

4अइसेन मइँ एह बरे कहत हउँ कि केउ तोहे ओन
तर्क भरी युक्तियन स जेह देखइ मँ अच्छी मीठी देखात ह
मुला असत्य अहइँ भरमाइ न देइ। 5जद्यपि सरीर रूप स
मइँ तोहमें नाहीं हउँ। फिन भी तोहरे मँ आध्यात्मिक रूप
स हउँ। मइँ तोहरे जीवन क अनुसासन अउर मसीह मँ
तोहरे बिसवासे क मजबूती क देखिके खुश हउँ।

मसीह मँ बना रहा

6तउन तू जइसेन क ईसू मसीह अउर पर्भू क रूप मँ
ग्रहण किहे हउँ, तू ओहमे वइसेन ही बना रहा। 7तोहार
जड़ उही मँ होइँ अउर तोहार निर्माण उही पर होइ अउर
तू आपने बिसवासे मँ दृढ़ता पावत रहा जइसेन कि तोहे
सिखावा गवा बा। परमेस्सर क बरे अधिक स अधिक
आभारी बना। 8धियान रखा कि तोहे अपने उ संसारी
बिचारन अउर खोखला परपंच स केउ भरमाइ न लेइ
जउन मानुस ज्ञान स मिलत ह, इ मानव परम्परा पर
आधारित बाटइ, अउर जउन ब्रह्माण्ड क कब्जा
करइवाली सबइ आतिमा क देन अहइ। मसीह स नाहीं
आवत। ये विचार निरर्थक अहइ, अउर संसार क लोगन
स आवत ह। 9काहेकि परमेस्सर मसीह मँ आपन पूरेपने
क साथे मँ निवास करत ह। इहाँ तक कि सांसारिक
जीवन मँ भी 10अउर उही मँ रहिके तू पूरा बना अहा। उ
सब सासकन अउर आधिकारियन क सिरे क मउर
अहइ अहई।

11तोहर खतनउ तउ उही मँ भवा बा। इ खतना
मनई क हाथे स सम्पन्न नाहीं भवा, बल्कि इ खतना जब
तोहे तोहर पापपूर्ण मानऊ सुभाऊ क प्रभाव स छुटकारा
देवॉइ दीन्ह गवा रहा। तब मसीह का जरिये भवा। 12इ एह
बरे भवा कि जब तोहे बपतिस्मा मँ ओकरे साथे गाड़
दीन्ह गवा तउ जे परमेस्सर ओका मरन भएन क बीचे स
जिआइ दिहे रहा, अउर परमेस्सर क काम मँ तोहरे
बिसवासे क कारण मसीह क साथे तोहेउ फिन स जिन्दा
कइ दीन्ह गवा।

13अपने पापन अउर अपने खतना रहित सरीर क
कारण तू मरा भवा रह्या परन्तु तोहे परमेस्सर तउ
मसीह क साथे साथे जीवन प्रदान किहेस अउर हमरे सब
पापन क मुक्तरूप स छमा कइ दिहेस। 14परमेस्सर तउ
हमरे ओह उलटा करजा क जेहमन हमरे द्वारा परमेस्सर
का नियम तोड़ा गवा नियमन क सूचीबद्ध किहे रहा।
जेहका पालन करइ मँ हम असमर्थ रहेन। ओका बेकारइ
ठहराइ दिहेस अउर ओका क्रूस पर कीलन मँ गाड़िके
हमरे राह स दूर हटाइ दिहेस। 15परमेस्सर तउ क्रूस क
द्वारा आध्यात्मिक सासकन अउर अपने अधिकारियन
क साधन बिना कइ दिहेस अउर अपने मँ सार्वजनिक
तमासा क रूप मँ विजय अभियान मँ अपने पीछे पीछे
चलायेस।

मनइयन क बनावा नियमन पर न चला

16तउन खाई पिअइ क चीजियन अउर पर्व क नवा
चाँद क त्यौहार, या सबित क दिना क लइके कउनउ
तोहार आलोचना न करइ। 17इ त, जउन बात आवइवाली
अहइँ, ओनकर छाया भर बाटिन। परन्तु एह छाया क
असली काया तउ मसीह क बाटइ। 18कउनउ मनई
जउन अपने आप क प्रताड़ित करइ क करम सरगदूतन
क आराधना क कामन मँ लगा भवा होइ, ओका तू
तोहरे प्रतिफल क पावइ मँ अयोग्य न बनइ देइ चाही।
अइसेन मनई हमेसा ओन्हन दिव्य दर्सनन क डींग मारत
रहत ह जेका उ देखे अहइ अउर अपने दुनियावी सोच
क वजह स झूठा तथा निरर्थक धमण्ड स भरा रहत ह।
19उ मसीह स नाहीं जुड़त जउन कि सिर मँ अउर जेकर

ऊपर पूरे सरीर आधरित अहइ। मसीह क कारण ही
सरीर क सब भाग एक दूसर क ध्यान लखत हीं अउर
एक दूसरे क मदद करत हीं। इससे सरीर एक इकाई
होत ह, परमेस्सर क इच्छा क अनुसार मजबूत करइ
अउर आध्यात्मिक विकास मँ योगदान क बरे।

20काहेकि तू मसीह क साथे मरी चुका अहा अउर
ओन आतिमन स अजाद करावा गवा अहा जउन ब्रह्माण्ड
क सासन करत हीं एकर मतलब अहइ कि, संसार क
व्यर्थ सिच्छन स छुटकारा देवावा जाइ सकत ह त एह
तरह क आचरण काहे करत अहा जइसे तू एह दुनिया
क अहा अउर अइसेन नियमन क पालन करत अहा
जइसे: 21"एका हाथ न लगावा" "एका जिन चखा" या
"एका जिन छुआ।" 22इ सब चीजन त काम मँ आवत
आवत नस्ट होई जाइ क बरे बाटिन। अइसेन आचार
व्यवहार क अधीनता कइके तउ तू मनई क बनाए
आचार व्यवहार अउर सब सिच्छा क अनुसरण करत
अहा। 23ये नियम बुद्धिमान क तो देखात ह। ये एक ऐसे
धरम का निर्माण करत हीं जउन मानवीय इच्छा पर
आधारित अहइँ: अउर सरीर का सेवत अहइँ। लेकिन इ
नियमन पापात्मान क ओनके बुरा काम रोकइ मँ मूल्यहीन
अहइँ।

मसीह मँ नवाजीवन

3 काहेकि अगर तोहे मसीह क साथे मरा हुआ मँ स
जियाइके उठावा गवा अहइ तउ ओन्हन चीजन क
बरे कोसिस करत रहा जउन सरगे मँ हयेन जहाँ परमेस्सर
क दहिनी कइँती मसीह विराजत ह। 2सरगे क चीजन क
सम्बन्ध मँ सोचत रहा। संसारी चीजन क सम्बन्ध मँ न
सोचा। 3काहेकि तू लोगन क पुराना पापी जीव मरि
चुका बा अउर तोहर नवा जीवन मसीह क साथे साथे
परमेस्सर मँ छिपा बा। 4जब मसीह, जउन हमार जीवन
अहइ, फिन स परगट होई तउ तूहउ ओनके साथे ओनके
महिमा मँ परगट होब्या।

5इही बरे तोहमे जउन कछू संसारी बा, ओकर अन्त
कइ द्या यौन अनाचार, अपवित्तरता, वासना, बुरी इच्छा
अउर लालच जउन मूर्ति पूजा क ही एक्कई रूप अहइ,
6एनहीन बातन क कारण परमेस्सर क गुस्सा* परगट
होई जात बा। 7एक समइ रहा जब तूहउ अइसेन करम
करत इही तरह क जीवन जिया करत रह्या।

8परन्तु अब तोहे इन सब बातन क साथे साथे गुस्सा
झुँझलाहट, सत्रुता, निन्दा भाऊ, अउर अपसब्द बोलइ स
छुटकारा पाइ लेइ चाही। 9आपस मँ झूठ न बोला काहेकि
तू अपने पुरानी पापी-जीव, अउर उ तरह जीवन जउन
ओकरे साथ जाता ह ओनके उतार फेंके अहा। 10अउर
नवा जीवन क धारण कइ लिहे अहा। हमेसा नवा होत
जात बा जउन अपने रचइता क सरूप मँ स्थित होइके
परमेस्सर क सत्य गियान क निमित्त। 11परिणाम सरूप
उहाँ यहूदी अउर गैर यहूदी मँ कउनउ अन्तर नाहीं रहि
गवा बा, न कीहीउ खतना युक्त अउर खतना रहित मँ,
न केउ सुसभ्य अउर बर्बर मँ, न दास अउर एक स्वतन्त्र
मनई मँ कउनउ अन्तर बा। मसीह सर्वेसर्वा अहइ अउर
सब बिसवासियन मँ उही क निवास बाटई।

12काहेकि तू परमेस्सर क चुना भवा पवित्तर अउर
प्रिय जने अहा इही बरे सहानुभूति, दया, नम्रता, कोमलता
अउर धीरज क धारण करा। 13तोहे आपस मँ जब
कभउँ कीहीउ स कउनउ कस्ट होइ तउ एक दुसरे स
सहि ल्या अउर परस्पर एक दुसरे क मुक्त भाऊ स
छमा कई द्या। यदि केउ ने तोहरे साथ गलत किया
अहइ तोहे आपस मँ एक दुसरे क अइसेन ही छमा कइ
देइ चाही जइसेन परमेस्सर तोहे मुक्त भाऊ स छमा कई
दिहेस। 14इन बातन क अलावा सबसे महत्वपूर्ण अहइ
कि तू पिरेम क धारण करा। पिरेम इ सबके आपस मँ
बाँधत अउर पूरा करत ह। 15तोहरे मने पर मसीह स
मिलइवाली सान्ति क सासन होई। इही बरे तोहे उही
एक्क देहए* मँ बोलावा गवा ह। हमेसा धन्यबाद करत
रहा। 16अपने सम्पन्नता क साथे मसीह क संदेसा तोहमें
वास करइ। ग्यान स एक दूसरे क सिच्छा अउर चेतावनी
द्या। भजन, स्तुतियन अउर आतमिक गीतन क गावत
भए अपने हिरदय मँ परमेस्सर का धन्यबाद द्या। परमेस्सर
क मने-मने धन्यबाद देत इहइ गावत रहा। 17अउर तू
जउन कछू भी करा या कहा, उ सब पर्भू ईसू क नाउँ प
करा। उही क द्वारा तू हर समइ परमपिता परमेस्सर क
धन्यबाद देत रहा।

नवा जीवन क नियम

18हे पत्नियन, अपने पतियन क बरे ओह तरह स
समर्पित रहा जइसे पर्भू क अनुयायियन क इ सोभा देत
ह। 19हे पतियन, अपने पत्नियन स पिरेम करा , ओनके
बरे कठोर न बना।

20बचवन सब बातन मँ अपने माता-पिता क आज्ञा
क पालन करा। काहेकि पर्भू क अनुयायिन क एह
व्यवहारे स परमेस्सर खुश होत ह।

21हे बाप, अपने बचवन क हतोउत्साह स न भरा।
कहूँ अइसेन न होइ कि उ जतन करबई छोड़ देइ।

22हे सेवकन, अपने संसारी स्वामियन क सब बातन
क पालन करा। केवल लोगन क खुस भर करइ क बरे
ऊही समइ नाहीं जब उ देखत रहइ, बल्कि सच्चे मने स
ओनका माना। काहेकि तू पर्भू क आदर करत ह। 23तू

पद 6 कछू यूनानी प्रतियन मँ इ भाग जोड़ा गवा बा, "ओन्ह पर जउन आज्ञा क नाहीं मनतेन।"

देहए साब्दिक सिथियन इ लोग बड़ा जंगली अउर असभ्य समझी जात हीं।

जउन कछू करा अपने पूरे मने स करा। माना कि जउन करा इ मान करा तू ओका लोगन क बरे नाहीं बल्कि पर्भू क बरे करत अहा। [24]याद रखा कि तोहे पर्भू स उत्तराधिकार क फल–मिलइ। अपने स्वामी मसीह क सेवा करत रहा। [25]काहेकि जे बुरा करम करइ, ओका ओकर फल मिलइ अउर उहाँ कउनउ पच्छपात नाहीं बा।

4 हे स्वामियन! तू अपने सेवकन क जउन ओनकर बनत ह अउर उचित बा, द्या। याद रखा सरगे मँ तोहार कउनउ स्वामी बा।

पौलुस क मसीहियन क बरे सलाह

[2]पराथना मँ हमेसा लगा रहा। अउर जब तू पराथना करा त हमेसा परमेस्सर क धन्यबाद करत रहा। [3]साथ ही साथे हमरे बरे आपन संदेस क प्रचार क अउर मसीह स सम्बन्धित सत्य क प्रबचन क अवसर प्रदान करइ काहेकि एकरे कारण ही मइँ बंदीघरे मँ हउँ। [4]पराथना करा कि मइँ सच्चाई क लगन मँ स्पस्ट कइ देइ जइसेन मोका बतावइ चाही।

[5]बाहर क लोगन क साथे विवेकपून व्यवहार करा। सब अवसरन क पूरा–पूरा उपयोग करा। [6]तोहर बोली हमेसा मीठी रहइ द्या अउर ओसे बुद्धि क छटा बिखरइ ताकि तोहका एक दूसर का उत्तर कइसे देइ चाही इ जानइ चाही।

पौलुस क साथियन क समाचार

[7]हमार प्यारा बन्धु तुखिकुस जउन एक बिसवासी सेवक अउर पर्भू मँ स्थित साथी दास बा, तोहे मोरे सभन समाचार बताइ देई। [8]मइँ ओका तोहरे लगे एह बरे भेजत हउँ कि तोहे ओसे हमार हालचाल क पता चलि जाई उ तोहरे हीये क जोस स भरि देइ। [9]मइँ अपने बिसवासी अउर प्रिय बन्धु उनेसिमुस क भी ओकरे साथे भेजत हउँ जउन तोहरे मँ स एक बा। उ पचे, इहाँ जउन कछू घटत बा, ओका तोहे बतइहीं।

[10]अरिस्तर्खुस क जउन बंदीघरे मँ मोरे साथे रहा बा अउर बरनाबास क बन्धु मरकुस क तोहे नमस्कार, (ओकरे बारे मँ तू निर्देस पाई चुका अहा कि अगर उ तोहरे लगे आवइ तउ ओकर सुवागत करा,) [11]यूस्तुस कहवावइ वाले ईसू क तोहे नमस्कार पहुँचइ। यहूदी बिसवासी मँ बस इहइ अब परमेस्सर क राज्य क बरे मोरे साथे काम करत अहइँ। इ मोरे बरे आनन्द क कारण रहा बा।

[12]इपफ्रास क तोहे नमस्कार पहुँचइ। उ तोहरे मँ स एक अहइ अउर मसीह ईसू क सेवक अहइ। उ हमेसा बड़ी बेदना क साथे तोहरे बरे लगनपूर्वक पराथना करत रहत ह कि तू आध्यात्मिक रूप स पूरा बनइ क बरे विकास करत रहा। अउर बिसवास पूर्वक परमेस्सर क इच्छा चाहत अहा। [13]मइँ ऐकर साच्छी हउँ कि उ तोहरे बरे अउर लौदीकिया अउर हियरापुलिस क रहइ वालन क बरे हमेसा कड़ा मेहनत करत रहा बाटइ। [14]प्यारे चिकित्सक लूका अउर देमास तोहे नमस्कार भेजत हयेन।

[15]लौदीकिया मँ रहइवाले भाइयन क अउर नुमफास अउर ओहे कलीसिया क जउन ओकरे घरे मँ जुड़त हीं, नमस्कार पहुँचइ। [16]अउर देखा, चिट्ठी जब तोहरे सामने पढ़ी जाइ चुकइ, तब एह बात क निस्चय कइ लिहा कि एका लौदीकिया क कलीसिया मँ भी पढ़वाइ दीन्ह जाइ। अउर लौदीकिया स मोर जउन चिट्ठी तोहे लिखा मिलइ, ओका तूहँउ पढ़ी लिहा। [17]अर्खिप्पुस स कहा कि उ एह बात क धियान रखइ कि पर्भू मँ जउन सेवा ओका सँऊपी गइ बा, उ ओका निस्चय क साथे पूरा करइ। [18]मइँ पौलुस खुद आपन हाथ स इ नमस्कार लिखत हउँ। याद रखा हम कारागार मँ हउँ, परमेस्सर क अनुग्रह तोहरे साथे रहइ।

थिस्सलुनीकियन क पहिली पत्र

1 थिस्सलुनीकियन क परमपिता अउर पर्भू ईसू मसीह मँ स्थित कलीसिया क पौलुस, सिलवानुस अउर तीमुथियुस क तरफ स परमेस्सर क अनुग्रह अउर सान्ति तोहरे साथे रहइ।

थिस्सलुनीकियन क जीवन अउर बिसवास

2हम तोहे सब जने क बरे हमेसा परमेस्सर क धन्यबाद देत रहित ह अउर अपने पराथनन मँ हमका तोहर याद बनी रहत ह।

3पराथना करत भए हम हमेसा तोहरे ओह काम क याद करित ह जउन फल अहइ, बिसवास क, पिरेम स पैदा भइ तोहर कठिन मेहनत क, अउर हमरे पर्भू ईसू मसीह मँ आसा स पैदा तोहर धैर्यपूर्ण सहनशीलता क हमका हमेसा धियान बना रहत ह। 4हे परमेस्सर क प्यारा हमार भाइयो तथा बहिनियो, हम जानित ह कि तू ओनकर चुना भवा अहा।

5काहेकि हमरे सुसमाचार क प्रचार तोहरे लगे मात्र सब्दन मँ ही नाहीं पहुँचा बा बल्कि पवित्तर आतिमा समरथ अउर गहन स्रद्धा क साथे पहुँचा बा। तू जानत ह कि हम जब तोहरे साथे रहे, तोहरे लाभ क बरे कइसेन जीवन जिअत रहे।

6कठोर सब यातना क बीच तू पवित्तर आतिमा स मिलइवाली खुशी क साथे उपदेस क ग्रहण किहा अउर हमार अउर पर्भू क अनुकरण करई लाग्या।

7अउर इही बरे मैसीडोनया अउर अखाया क सभन बिसवासियन क बरे तू एक आदर्स बन गया 8काहेकि तू पर्भू क उपदेस क जउन गूँज उठा, उ न केवल मैसीडोनिया अउर अखाया मँ सुना गवा बल्कि परमेस्सर मँ तोहर बिसवास सब कहूँउ जाना माना गवा। तउन हमका कछू कहइ क अब जरूरत नाहीं बाटइ।

9–10काहेकि ओ पचे खुदइ हमरे बारे मँ बतावतत हीं कि तू हमार कइसेन सुवागत किहे रह्या अउर सजीव अउर सच्चा परमेस्सर क सेवा करइ क बरे अउर सरगेस ओकरे बेटवा क आगमन क इन्तजार करइ क बरे तू मूर्तियन क ओर स सजीव अउर सच्चे परमेस्सर कइँती कइसे मुड़ा रह्या। पूत मतलब ईसू क ओ मरे हुवन मँ स फिन स जियाइ उठाए रहा। अउर उहइ परमेस्सर क आवइवाली कोप स हमार रच्छा करत ह।

थिस्सलुनीका मँ पौलुस क काम

2 भाइयो तथा बहिनियो, तोहरे लगे हमार आवइ क सम्बन्ध क तू खुदइ जानत ह कि उ निरर्थक नाहीं बाटइ। 2तू जानत ह कि फिलिप्पी मँ सब यातना झेलइ अउर दुर्व्यवहार सहइ क बाद उ परमेस्सर क सहायता स हमका कड़ा विरोध क रहत भए परमेस्सर क सुसमाचार क सुनावइ क साहस मिला रहा। 3इ निस्चय स जब हम लोगन अपने उपदेसन बरे प्रोत्साहित करित ह एह बरे नाहीं कि हम भटका भए अही। अउर न तउ एह बरे कि हमार उद्देस्य गन्दा अहइ अउर एहबरे की नाहीं कि हम लोगन क छलई क जतन करित ह। 4हम सुसमाचार का प्रचार लोगन क खुस करइ क कोसिस नाहीं करित ह बल्कि हम त उ परमेस्सर क खुस करित ह जउन हमरे मने क भेद जानत ह। 5निस्चय ही हम कभउँ ठकुर सुहात बानी क साथे तोहरे सामने नाहीं आए। जइसेन क तू जनबइ करत ह, हमार उपदेस कउनउ लोभ क बहाना नाहीं बा। परमेस्सर साच्छी बा 6हम लोगन स कउनउ मान सम्मान नाहीं चाहा। न तोहसे अउर न कीहीउ अउर स।

7जद्यपि हम मसीह क प्रेरितन क रूप मँ आपन अधिकार जताइ सकत रहे किन्तु हम तोहरे बीच वइसेन ही नरमी क साथे रही जइसे एक महतारी अपने बचवन क पालन पोषन करत ह। 8हम तोहरे बरे वइसेन ही नरमी क अनुभव किहे अही, इही बरे परमेस्सर स मिलइ सुसमाचार क ही नाहीं, बल्कि खुद अपने आपके भी हम तोहरे साथे बाँटि लेइ चाहित ह काहेकि तू हमार प्यारा होइ ग अहा। 9भाइयो तथा बहिनियो, तू हमार कठिन मेहनत अउर कठिनाई क याद रखा जउन हम दिन–रात इही बरे किहे अही ताकि हम परमेस्सर क सुसमाचार क सुनावत तोह पर बोझ न बनी।

10तू साच्छी अहा अउर परमेस्सर भी साच्छी अहइ कि तू बिसवासियन क प्रति हम केंतनी आस्था, धार्मिकता अउर दोस रहित क साथे व्यवहार किहे रहेन। 11तू जनबइ करत ह कि जइसेन एक पिता अपने बचवन क साथे व्यवहार करत ह 12वइसेन ही हम तोहमाँ स हर एक्क क आग्रह क साथे प्रेरित कीन्ह ह अउर आराम दिहे अही। अउर ओह रीति स जाइ क आदेस दिहा ह, जेहसे परमेस्सर, जे तोहका अपना राज्य अउर महिमा मँ बोलाई भेजेस ह, खुस होत ह।

13अउर इही बरे हम परमेस्सर क धन्यबाद हमेसा
करत रहित ह काहेकि हमसे तू जब परमेस्सर क बचन
ग्रहण किहा ह तउ ओका मानवीय संदेस क रूप मँ
नाहीं, बल्कि परमेस्सर क संदेस क रूप मँ ग्रहण किहा,
जइसेन कि उ सही मँ बा। अउर तू बिसवासियन पर
जेकर प्रभाव भी बा। 14भाइयो तथा बहिनियो, तू यहूदियन
मँ रहिके मसीह ईसू मँ परमेस्सर क कलीसियावन क
अनुसरण करत रहे रह्या। तू अपने साथी देस भाइयन स
वइसेन ही यातना झेले अहा जइसे उ पचे ओन्हन यहूदियन
क हाथे झेले रहेन। 15यहूदियन पर्भू ईसू क मारि डाएन
अउर नबियन क बहरे खदेड़ दिहेन, उ परमेस्सर क
खुस नाहीं करतेन उ त सम्मइ मानवता क दुस्मन हयेन।
16उ गैर यहूदियन क सुसमाचार क उपदेस देइ मँ बाधा
खड़ी करत हीं कि कहूँ ओन्हन पचन क उद्धार न होइ
जाई। इ बातेन स उ हमेसा अपने पापन क घड़ा भरत
रहत हीं अउर अन्तत: अब त परमेस्सर क प्रकोप
ओनपर पूरी तरह स आई पड़त ह।

फिन मिलइ क इच्छा

17भाइयो तथा बहिनियो! जहाँ तलक हमार बात बा,
हम रचिके समइ क बरे तोहसे बिछुड़ ग रहे। बिचारन स
नाहीं, केवल सरीरे स। तउन हम तोहसे मिलइ क बहुत
उतावला होइ उठे। हमार इच्छा तेज होइ उठी रही। 18हाँ!
हम तोहसे मिलइ क बरे बहुत जतन करत रहे। मुझ
पौलुस कइयउ दाई कोसिस किहेस परन्तु सइतान ओहमे
बाँधा डाएस। 19भला बतावा तउ हमार आसा, हमार
उल्लास य हमार उ मुकुट जेहपर हमका गरब बा, का
अहइ? का उ तूही नाहीं अहा। हमार पर्भू ईसू मसीह क
दोबारा अवाई प जब हम ओनके सामने हाजिर होबइ
20तउ उहाँ तू हमार महिमा अउर हमारे आनन्द मँ
होब्या।

3
काहेकि हम अउर जियादा इन्तजार नाहीं कइ सकित
ह, इही बरे हम एथेन्स मँ अकेलइ रुकि जाइ क
निस्चय कइ लिन्ह। 2अउर हम हमार परमेस्सर सेवक
बन्धु अउर परमेस्सर क बरे मसीह क सुसमाचार क
प्रचार मँ अपने सहकर्मी तीमुथियुस क तोहे मजबूत बनवइ
अउर बिसवास मँ उत्साहित करइ क तोहरे लगे भेजि
दीन्ह

3ताकि एन्हन वर्तमान यातनन स केउ घबराइ न
उठइ। काहेकि तू तउ जनबई करत ह कि हम त यातना
सहइ क बरे ही निस्चित कीहा ग अही। 4सही मँ हम जब
तोहरे लगे रहे, तोहे पहिलेन स ही कहा करत रह्या कि
हमपे कस्ट आवइवाला बा, अउर इ ठीक वइसेन ही
भवा ह। तू तउ इ जनबइ करत ह। 5इहीं बरे काहेकि मइँ
अउर जियादा इन्तजार नाहीं कइ सकत रहउँ, इही बरे
मइँ तोहरे बिसवास क बारे मँ जानइ तीमुथियुस क पठइ
दिहेउँ। काहेकि मोका डर रहा कि लुभावइवाला (सइतान)
कहूँ तोहे ललचाइ क हमरे कठिन मेहनत क खराब तउ
नाहीं कइ दिहे बा।

6तोहरे लगे स तीमुथियुस अबहीं-अबहीं हमरे लगे
वापस लउटा ह। अउर उ हमका तोहरे बिसवास अउर
तोहरे पिरेम क सुभ समाचार दिहेस ह। उ हमका बताए
बाटइ कि तोहे हमार मधुर याद आवत ह अउर तू हमसे
मिलइ क बहुत अधीर अहा। वइसेन जइसे हम तोहसे
मिलइ क अधीर भ अही। 7तउन भाइयो अउ बहिनियो
हमार सबहिं पीड़ा अउर यातना मँ तोहर बिसवास क
कारण हमार उत्साह बढ़ा बा। 8हाँ जब हम फिन साँस
लइ पावत हई काहेकि हम जानि गवा अही कि पर्भू मँ तू
अटल खड़ा अहा। 9तोहरे बारे मँ तोहरे ही कारण जउन
आनन्द हम पचन क मिला बा, ओकरे बरे हम परमेस्सर
क सामने ओकर धन्यबाद कइसे करी। 10हम रात-दिन
खूब लगन स पराथना करत रहित ह कि केह तरह तोह
सबन क फिन देखि पाई अउर तोहरे बिसवास मँ जउन
कमी रहि गइ बाटइ, ओका पूरा करत भए मजबूत
करी।

11हमार परमपिता परमेस्सर अउर हमार पर्भू ईसू
तोहरे लगे लगे आवइ क हमका रस्ता देखावइँ। 12अउर
पर्भू एक दुसरे क बरे अउर सभन क बरे तोहसे जउन
पिरेम बा, ओकर बढ़ोत्तरी करइ। वइसेन ही जइसे तोहरे
बरे हमार पिरेम उमड़ पड़त ह। 13एह तरह उ तोहरे
हिरदइ क मजबूत करइ अउर ओन्हे हमार परमपिता
परमेस्सर क अगवा पर्भू ईसू क आवई पर सभन पवित्तर
लोगन क साथे पवित्तर अउर दोस रहित बनाइ देइ।

परमेस्सर क खुस करइवाला जीवन

4
भाइयो तथा बहिनियो, अब हमका तोहे कछू अउर
बात बतावइ क बा। पर्भू ईसू क नाउँ पर हम तोहसे
पराथना अउर बिनती करत हई कि तू हमसे जेह तरह
उपदेस ग्रहण किहे अहा, तोहे परमेस्सर क खुस करइ
क बरे उहीं क अनुसार चलइ चाही। जरूर तू उही तरह
चलत भी अहा। परन्तु हम तू पचन स वइसेन ही अउर
जियादा स जियादा अनुसरण करइ क अनुरोध करत
अही। 2काहेकि तू इ जानत ह कि पर्भू ईसू क अधिकार
स हम तोहे सबन क आज्ञा दिए अही। 3अउर परमेस्सर
क इहइ इच्छा बा कि तू पचे ओहका अर्पण होइ जा। यौन
दुराचार स दूर रहा। 4अपने सरीर क सबइ वासना* पर
नियन्त्रण रखइ सीखा-अइसे ढंग स जउन पवित्तर बा
अउर आदर क योग्ग बा। 5न कि ओह वासना स भरी
इच्छन स जउन परमेस्सर क नाहीं जानइवाले अधर्मियन
क जइसी अहइ। 6इहउ परमेस्सर क इच्छा बा कि एह
बारे मँ केउ अपने भाई क बारे मँ कउनउ अपराध न

वासना वासना एकर अनुवाद इ तरह स कीन्ह जाइ सकत ह
आपन ही पत्नी क संग कहसे रहा जात ह।

करइ य कउनउ अनुचित लाभ न उठावइ, काहेकि
अइसेन सभन पापन क बरे पर्भू दण्ड दइ जइसे कि हम
तोहका बताइ चुका अही अउर तोहे सावधान भी कइ
चुका हई।
7परमेस्सर तउ हमका पापन मँ रहइ क बरे नाहीं
बोलायेस पर पवित्तर जीवन बितावइ क बरे बोलायस ह।
8एह बरे जउन इ उपदेस क नकारत हीं उ कउनउ मनई
क नाहीं नकारत ह बल्कि परमेस्सर क ही नकारत ह।
ओह परमेस्सर क जउन तोहे सबन क आपन पवित्तर
आतिमा देत ह।
9अब तोहे तोहरे भाइयन तथा बहिनियन क ईसू मँ
पिरेम क बारे मँ लिखा जाइ, एकर तोहे सबन क जरूरत
नाहीं बा काहेकि परमेस्सर त खुदइ तोहका एक दुसरे
क बरे पिरेम करई क सिच्छा दिहे बाटइ। 10अउर सही
मँ तू अपने सबहिं भाइयन तथा बहिनियन क साथे
समूचा मैसीडोनिया मँ अइसेन ही पिरेम करत अहा। मुला
भाइयो तथा बहिनियो, हम तोहसे अइसन ई जियादा स
जियादा करइ क कहित ह।
11सान्ति स जीअइ क आदर क वस्तु समझा अपने
काम स काम रखा। खुद अपने हाथे स काम करा
जइसेन कि हम तोहे बताइ चका हई।
12एहसे कलीसिया मँ न बिसवास करइवाले तोहरे
जीवन क ढंग क आदर करिहीं। एहसे तोहे कउनो पर
निर्भर न रहइ क पड़ी।

पर्भू क लउटब

13भाइयो तथा बहिनियो, हम चाहित ह कि जउन
हमेसा हमेसा क नींद मँ सोवत हयेन तू ओनके बारे मँ
जाना ताकि तोहे ओन्हन अउरन क समान, जेकरे लगे
आसा नाहीं बा, सोक न करइ क पड़इ।
14काहेकि अगर हम इ बिसवास करित ह त ईसू क
मउत होइ गइ अउर उ फिन स जी उठा, त उही तरह जे
ओहमे बिसवास करत भए परान तियाग दिहे अहइँ,
ओनके साथेउ परमेस्सर वइसे ही करी। अउर ओनका
लइ के ईसू क साथे लउटि जाई।15एहि कारण हम पर्भू
क वचन क अनुसार तोहसे कहत अही कि हम जउन
जिअत अही, पर्भू क फिन स आवइ तक बचा रहब, हम
जे उ समइ तलक जिअबइ पर्भू क संग होइजाब। अउर
ओनसे अगवा न निकर पाउब जउन मरि चुका अहइँ।
16काहेकि प्रधान सरगदूत क मुखिया जब अपने ऊँचा
स्वरे स आदेस देइ फिन जब परमेस्सर क बिगुल बजी
तबहिं पर्भू खुदई सरग स उतरी। ओह समइ जे मसीह मँ
परान तियागे हयेन, उ पहिले उठिहीं। 17ओकरे बाद हम
जउन जिन्दा अही, अउर अबउ इहीं हई ओकरे साथे
हवा मँ पर्भू स मिलई क बरे बादलन क बीच उप्पर
उठाइ लीन्ह जाबइ एह तरह हम हमेसा बरे पर्भू क साथे
होइ जाब।
18अउर इ सब्दन क साथे एक दुसरे क उत्साहित
करत रहा।

पर्भू क अवाई क सुवागत बरे तइयार रहा

5 भाइयो तथा बहिनियो, समइ अउर तिथियन क बारे
मँ तोहे लिखइ क कउनउ जरूरत नाहीं बा 2काहेकि
तू खुदई बहुत अच्छी तरह जानत ह कि जइसे जोर रस्ता
स चुप्पे चला आवत ह, वइसेन ही पर्भू क फिन स
लउटइ क दिन भी आइ जइहीं। 3जब लोग कहत होइहीं
कि "सब कछू सांत अउर सुरच्छित बा" तबइ जइसे एक
गर्भवती स्त्री क अचानक प्रसव वेदना आइ घेरत ह
वइसेन ही ओह पर बिनास उत्तर आइ अउर उ कहूँ
बचिके भाग न पावइ।
4मुला भाइयो तथा बहिनियो, तू अँधियारे (पाप) क
वासी नाहीं अहा कि तोह पर उ दिन अचानक ही चोर
की नाईं आइ जाइ। 5तू सब तउ प्रकास (भलाई) स जुड़ा
अहा अउर दिन क संतान स भी। हम न तउ रात या
अँधियारा (बुराई) जुड़ा हई। 6इही बरे हमका अउरन क
नाईं सोवत रहत न चाही, बल्कि सावधानी क साथे
हमका तउ अपने प नियन्त्रण रखइ चाहीं। 7काहेकि
जउन सोवत हीं, रात मँ सोवत हीं अउर जउन नसा
करत हीं, उ रात मँ ही मदमस्त होत हीं। 8मुला हम पचे
तउ दिने (भलाई) स जुरा हई इही बरे हमका अपने प
काबू रखइ चाही। आवा बिसवास अउर पिरेम क चिलम
धारण कइ लेई अउर उद्धार पावई क आसा क सिरस्त्राण
क तरह ओढ़ि लेई। 9काहेकि परमेस्सर हमका ओनके
प्रकोपे क बरे नाहीं चुनेस ह बल्कि हमार पर्भू ईसू मसीह
द्वारा उद्धार पावई क बरे बनाए अहइ। 10ईसू तउ
हमरे बरे परान तियाग दिहेस ताकि चाहे हम सजीव
ओकरे संग होई, इ जरूरी नाहीं कि जब उ आवइ हम
जिअत या मरा रही। 11इहीं बरे एक दुसरे क सुख
पहुँचाव अउर एक दुसरे क आध्यात्मिक रूपे स मजबूत
बनावत रहा। जइसेन कि तू करत अहा।

अन्तिम निर्देस अउर अभिवादन

12भाइयो तथा बहिनियो, हमार तोहसे निवेदन बा कि
जउन लोग तोहरे बीच मेहनत करत हीं अउर पर्भू मँ
जउन तोहे राह देखावत हीं, ओनकर आदर करत रहा।
13हमार तोहसे निवेदन बा कि ओनके कामे क कारण
पिरेम क साथे ओन्हे पूरा आदर देत रहा।
परस्पर सान्ति स रहा 14अउर भाइयन, हमार तोहसे
निवेदन बा आलसियन क चेतावा, डरपोकन क प्रेरित
करा, दीनन क सहायता मँ रुचि ल्या, सबके साथे-धीरज
रखा। 15देखत रहा केउ क बुराई क बदला बुराई स न
द्या बल्कि सब जने हमेसा एक दुसरे क साथे भलाई
करई क जतन करा। 16हमेसा आनन्दित रहा। 17पराथना
करब कबहुँ न छोड़ा। 18हर परिस्थिति मँ परमेस्सर क

धन्यबाद द्या, काहेकि मसीह ईसू मँ, तोहरे बरे परमेस्सर
क इहइ इच्छा बाटइ।

19पवित्तर आतिमा क कार्य क दमन मत करत
रहा। 20नबियन क संदेसन क कभउँ छोट न जाना
21सब बातन क असलियत क परखा, जउन अच्छा बा,
ओका ग्रहण किहे रहा 22अउर हर तरह क बुराई स
बचा रहा। 23सान्ति क स्रोत परमेस्सर खुद तोहे पूरे तरह
पवित्तर करी। पूरी तरह स ओनका समर्पित होई जा
अउर तू अपने पूरा अस्तित्व अर्थात आतिमा, परान
अउर देह क हमार पर्भू ईसू मसीह क अवाई तलक सब
तरह स दोस रहित बनाए रखा।

24उ परमेस्सर जे तोहे बोलाए अहइ, बिसवास क
योग्ग बाटइ। निस्चय ही उ अइसनई करी। 25भाइयो तथा
बहिनियो, हमरे भी बरे पराथना करा। 26सब भाइयन
अउर बहिनियन क पवित्तर चुम्मा स सत्कार करा।
27तोहे पर्भू क सपथ दई क मइँ इ आग्रह करित ह कि इ
चिठ्ठी क सब भाइयन क पढ़ाई क सुनावा जाइ।

28हमार पर्भू ईसू मसीह क अनुग्रह तोहरे साथे रहइ।

थिस्सलुनीकियन क दूसरी पत्र

1 पौलुस, सिलवानुस अउर तीमुथियुस क ओर स हमरे
परमपिता परमेस्सर अउर पर्भू ईसू मसीह मँ स्थित
थिस्सलुनीकियन क कलीसिया क नाउँ,
2तू सबन क पिता परमेस्सर अउर ईसू मसीह कइँती
स अनुग्रह अउर सान्ति मिलइ।
3भाइयो तथा बहिनियो, तू पचन क बरे हमका हमेसा
परमेस्सर क धन्यबाद करइ चाही: अइसेन करब उचित
बा। काहेकि तू पचन क बिसवासे क अचरज भरा रूप
स विकास होत बा अउर तोहमाँ आपस इ मँ पिरेम बढ़त
बा। 4इही बरे परमेस्सर क कलीसियन मँ हम खुद तू
सबन प गरब करित अही। तू पचन क यातना क बीच
अउर कस्टन क सहत धैर्यपूर्वक सहन करई तू सबन
क बिसवासे क परगट करत ह।

परमेस्सर क निआव क चर्चा

5इ एह बाते क स्पस्ट प्रमाण बा कि परमेस्सर क
निआव सच्चा बा। ओकर उद्देस इहई बा कि तू पचे
परमेस्सर क राज्य मँ प्रवेस करइ योग्ग ठहरा। तू सबइ
अब उही क बरे तउ कस्ट उठावत अहा। 6निस्चय ही
परमेस्सर क दिस्टी मँ इ निआव ठीक बा कि तोहे सबन
क जउन दुखन देत अहइँ, ओनका बदले मँ दुख हीं दीन्ह
जाइ।
7अउर तू जउन कस्ट सहत अहा, ओनका हमरे
साथे ओह समइ आराम दीन्ह जाई जब पर्भू ईसू अपने
समरथ दूतन क साथे सरग स 8धधकत आगी मँ परगट
होई। अउर जउन परमेस्सर क नाहीं जनतेन अउर
हमरे पर्भू ईसू मसीह क सुसमाचार पर नाहीं चलतेन,
ओनका दण्ड दीन्ह जाई। 9ओन्हे अनंत बिनास क दण्ड
दीन्ह जाई। ओन्हे पर्भू अउर ओनकर महिमा भरी सक्ति
क सामने स हटाई दीन्ह जाई। 10उ अपने पवित्तर लोगन
क साथ महिमा प्राप्त करइ आई, अउर अपने
आस्चर्यचकित करइ क अभिव्यक्ति करी ओनके बीच
जो उन पर बिसवास करत हीं।
11इही बरे हम तोहरे बरे परमेस्सर स हमेसा पराथना
करित ह कि हमार परमेस्सर तोहे ओह जीवन क योग्ग
समझई जेका जिअइ क बरे तोहे सबन क बोलावा गवा
बा। अउर उ तोहार सब सुभ इच्छा क प्रबल रूप स पूरा
करइ अउर सब ओह कामे क उ सफल बनावइ जउन
तोहरे बिसवासे क प्रमाण अहइ। 12इही तरह हमर पर्भू
ईसू मसीह क नाउँ तोहरे द्वारा आदर पइहीं। तू पचे
ओकरे द्वारा आदर पउब्या। इ सब कछू हमरे परमेस्सर
क अउर पर्भू ईसू क अनुग्रह स होइ।

पर्भू क अवाई स पहिले दुर्घटना घटिहीं

2 भाइयो तथा बहिनियो, अब हम अपने पर्भू ईसू मसीह
क फिन स अवाई अउर ओकरे साथे आपस मँ
एकट्ठ होइ क बारे मँ निवेदन करत अही 2कि तू
अचानक अपने विवेके क कउनउ भविस्सबाणी कउनो
उपदेस अउर कउनो अइसेन चिट्ठ स न खोवा जेकॉ
हमरे द्वारा लिखा गवा समझा जात होइ अउर तथाकथित
रूप स जेहमाँ बतावा गवा होइ कि पर्भू क दिन आई
चुका अहइ, तू अपने मने मँ डावॉडोल जिन ह्वा। 3तू
पचे अपने आपके कउनो क द्वारा कउनउ प्रकार
छला न जाइ सका। मइँ अइसेन एह बरे कहत हउँ
काहेकि उ दिन ओह समइ तक न आई जब तक कि
परमेस्सर स मुँह मोड़ लेइ क समइ नाहीं आई जात,
अउर दुस्ट मनइ परगट नाहीं होइ जात। ओह दुस्ट-मनइ
क नियति तउ नरक बा।
4उ अपने क सब चीज स उप्पर कही अउर ओनकर
विरोध करी अइसेन चीजन का परमेस्सर का कही जात
हीं अउर जउन पूजनीय बा। इहाँ तक कि उ परमेस्सर
क मंदिर मँ जाइ क सिंहासन पर बइठिके इ दावा करी
कि उहइ परमेस्सर बा।
5का तोहे याद नाहीं बा कि जब मइँ तोहरे साथे रहे
तउ तोहे इ सब बतावा गवा रहा 6अउर तू तउ अबइ
जनतइ अहा कि ओका का अबहीं परगट होइ स रोके
अहइ, ताकि उ ऊचित अवसर आए पर ही परगट होइ।
7मइँ अइसेन एह बरे कहत हउँ काहेकि दुस्ट मनइ क
रहस्य भरी सक्ती जउन बे व्यवस्था क अहइ अबहुँ
आपन काम करत बा। अब केउ ऐका रोक रहा बा
अउर उ तब तक ऐका रोकत रही, जब तलक, ओका
रोके रखइवाले क रस्ता स हटाई न दीन्ह जाइ। 8तबइ उ
दुस्ट मनइ परगट होइ जब पर्भू ईसू आपन महिमा मँ
फिन परगट होई तब ओका पर्भू ईसू अपने मुँह क फूँक
स मार डाईगा अउर अपने उपस्थिति क तेज स ओका
भस्म कर देई। 9ओह दुस्ट मनइ सइतान क सक्ती स
परगट होइ अउर उ बहुत बड़ी सक्ती, झूठे चमत्कारन,
अद्भुत चिन्हन अउर अचरजे कारजन, 10अउर सब

परकार क पाप स भरा छल–परपंच स भरा होइ। उ
एनकर उपयोग मनइन क विरुद्ध करी जउन सर्वनासे
क रस्ता मँ खोवा हवा अहइँ। उ भटक गवा हयेन
काहेकि ओन्हन सत्य स पिरेम नाहीं किहे बाटेन, कहूँ
ओनकर उद्धार न होइ जाइ। 11इही बरे परमेस्सर ओहमन
एक छली सक्ती क काम मँ कई देई जेहसे उ झूठ मँ
बिसवास करइ लाग रहेन। एहसे ओनकर बिसवास जउन
झूठ बा, ओह पर होई। 12एहसे उ सभन जे सत्य पर
बिसवास नाहीं किहेन अउर झूठ मँ आनन्द लेत रहेन,
दण्ड पइहीं।

तोहे छुटकारा क बरे चुना गवा बा

13भाइयो तथा बहिनियो, पर्भू तोहका पियार करत
ह। तोहरे पचन क बरे हमका हमेसा परमेस्सर क
धन्यबाद करइ चाही काहेकि परमेस्सर तउ आतिमा क
द्वारा तोहे सबन क पवित्तर कइक अउर सत्य मँ तोहरे
बिसवास क कारण उद्धार पावइ क बरे तोहे सबन क
चुने अहइ। जेन्हन मनइन क उद्धार होइ क बा, तू ओह
सबन क पहिली फसल क एक हींसा अहा। 14अउर इही
उद्धार क बरे जेका सुसमाचार क हम तोहे सबन क
उपदेस दिहे हई ओकरे द्वारा परमेस्सर तउ तोहे पचन
क बोलाएस ताकि तू पचे हमार पर्भू ईसू मसीह क
महिमा क धारण कइ सका। 15इही बरे भाइयो तथा
बहिनियो, अटल बना रहा अउर जउन उपदेस तोहे मौखिक
रूप स या हमरे चिटिठयन क द्वारा दीन्ह गवा रहा,
ओका थामे रखा।

16–17अब हमार पर्भू खुद ईसू मसीह अउर हमार
परमपिता परमेस्सर जे हम पइ आपन पिरेम दर्साए अहइ
अउर हमका परम प्रोत्साहन प्रदान किहे अहइ अउर जे
हमका अपने अनुग्रह मँ मजबूत आसा प्रदान किहे अहइ
तोहरे सबन क हिरदइ क आनन्द देइ अउर सब अच्छी
बातन मँ जेका तू कहत ह या करत ह, तोहे प्रोत्साहित
बनावइ।

हमरे बरे पराथना करा

3 भाइयो तथा बहिनियो, तोहे पचन क कछू अउर
बात हमका बतावइ क बाटइ। हमरे करे पराथना
करा कि पर्भू क उपदेस तेजी स फइलइ अउर महिमा
पावई। जइसेन कि तोहे लोगन क बीच मँ भवा बा।
2पराथना करा कि हम बुरे अउर दुस्ट मनइन स दूर
रही। (काहेकि सभन जने क तउ पर्भू मँ बिसवास नाहीं
होत ह।) 3मुला पर्भू तउ बिसवास स भरा अहइ। उ तोहर
सक्ती बढ़ाई अउर तोहे सबन क ओह दुस्ट स बचाइ
रखी। 4हमका पर्भू मँ तोहर स्थिति क बारे मँ दृढ़ बिसवास
बा। अउर हमका पूरा निस्चय बा कि हम तोहे
जउन कछू करइ क कहे हई, तू वइसेन ही कइ चुका
रह्या अउर करत रहब्या। 5पर्भू तोहरे पचन क हिरदइ
क परमेस्सर क पिरेम अउर मसीह क धैर्य भरा मजबूती
कइँती आगे करइ।

करम क अनिवार्यता

6भाइयो तथा बहिनियो, अब तोहे सबन क हमार
पर्भू ईसू मसीह क नाउँ मँ इ हुकुम बा कि तू हर ओह
भाइयन स दूर रहा जउन अइसेन जीवन जिअत ह जउन
अनुचित चाल चलत अहइ। 7मइँ इ एह बरे कहत हउँ
काहेकि तू तउ खुदइ इ जानत बाट्या कि तोहे पचन क
हमार अनुकरण कइसे करइ चाही काहेकि तोहरे बीच
रहत भए हम कभउँ आलसी नाहीं रहे। 8हम बिना मूल
चुकाए कीहीउँ स भोजन नाहीं ग्रहण कीन्ह, बल्कि
जतन अउर मेहनत करत भए हम दिन रात काम मँ
जुटा रहे ताकि तोहमाँ स कीहीउँ पर बोझ न पड़इ।
9अइसा नाहीं अहइ कि हमका तोहसे सहायता लेइ क
कउनउ अधिकार नाहीं बाटइ, बल्कि हम एह बरे कड़ी
मेहनत करत अही ताकि तू ओकर अनुसरण कइ सका।
10इही बरे हम जब तोहरे साथे रहे, हम तोहे पचन क इ
हुकुम दिहे रहे, "अगर केउ काम न करइ चाहइ तउ उ
खाना भी न खाइ।"

11हमका अइसा बतावा गवा ह कि तोहरे बीच कछू
अइसेन भी बाटेन जउन अइसेन जीवन जिअत हीं जउन
ओनके अनुकूल नाहीं अहइ। उ कउनउ काम नाहीं
करतेन, दुसरेन क बातन मँ टाँग अड़ावत हीं एहर-ओहर
घूमत फिरत हीं। 12अइसेन लोगन क हम पर्भू ईसू मसीह
क नाउँ प समझावत समझावत हुकुम देत अही कि उ
सान्ति क साथे आपन काम करइ अउर अपने कमाई
क ही खाना खाइँ। 13मुला भाइयो अउ बहिनियो! जहाँ
तक तोहर बात बा, भलाई करत कभउँ न थका।

14इ चिट्ठी क माध्यम स दीन्ह गए हमरे हुकुमन पर
अगर केउ न चलइ त ओह मनई पर नजर रखा कि उ
कउन बाटइ अउर ओनकर संगत स दूर रहा ताकि
ओका सरम आवइ। 15मुला ओनके साथे सत्रुअन जइसा
व्यवहार न करा बल्कि भाई क समान ओका चेतावा।

चिठ्ठी समापन

16अब सान्ति क पर्भू खुद तोहे सब समइ, सब तरह
स सान्ति देइ। पर्भू तू सबके साथे रहा।

17मइँ पौलुस खुद आपन लिखाई मँ इ नमस्कार
लिखत हउँ। मइँ एह तरह सब चिट्ठी पर दसखत करत
हउँ। मोरी लिखाई क सैली इहइ अहइ।

18हमार पर्भू ईसू मसीह क अनुग्रह तोहे सभन पर
बना रहइ।

तीमुथियुस क पहिली पत्र

1 पौलुस कइँती स जउन हमार उद्धारकर्ता परमेस्सर
अउर हमार आसा मसीह ईसू क हुकुम स मसीह ईसू
क प्रेरित बना बा, 2तीमुथियुस क जउन बिसवासे मँ मोर
सच्चा बेटवा बा, परमपिता परमेस्सर अउर हमरे पर्भू ईसू
मसीह कइँती स अनुग्रह, दया अउर सान्ति मिलइ।

झूठा उपदेसन क विरोध मँ चेतावनी

3मैसीडोनिया जात समइ मइँ तोह सबन स जउन
इफिसुस मँ ठहरा रहइ क कहे रहेउँ, मइँ अबहुँ उही
आग्रह–क दोहरावत रहेउँ। ताकि तू उहाँ कछू लोगन क
झूठा उपदेस देत रहइ, 4कल्पना स भरी कहानी अउर
अनन्त वंसावलियन पर जउन लड़ाई–झगड़ा क बढ़ावा
देत हीं, अउर परमेस्सर क ओह प्रयोजन क सिद्ध नाहीं
होइ देत हीं; जउन बिसवासे पर टिका बा, धियान देइ स
रोक सकइँ। 5एह आग्रह क प्रयोजन बा उ पिरेम जउन
पवित्तर हिरदय, उत्तिम चेतना अउर छल रहित बिसवास
स पैदा होत ह।

6कछू जने तउ इन बातन स छिटक क भटक गवा
अहइँ अउर बेकार क वाद विवादन मँ जाईके फँसा
बाटेन। 7उ पचे व्यवस्था क उपदेसक तउ बनई चाहत
हीं, मुला जउन कछू उ कहत रहेन य जेन्हन बातन पइ
वो बहुत बल देत हयेन, ओन्हन तक क ओ सबइ नाहीं
समझतेन।

8हम अब इ जानित ह कि अगर केउ व्यवस्था क
ठीक ठीक तरह स प्रयोग करइ, त व्यवस्था उत्तिम
बाटइ। 9मतलब इ जानइ क बा कि व्यवस्था धर्मियन क
बरे नाहीं बल्कि अबिसवासी, पापी, अउर अपवित्तर
अधर्मियन, महतारी, बाप, क मारी डावइवालन, हतियारन,
10व्यभिचारिन समलिंग कामुकन, सोसण कर्ता लोगन,
झूठ क बोलवइयन, कसम तोड़इवालन या अइसेन हीं
अन्य कामन क बारे बा, जउन सिच्छा क विरोध मँ बा।
11उ सिच्छा परमेस्सर क महिमामय सुसमाचार क अनुसार
बा। उ सुधन्य परमेस्सर स मिलत ह। अउर उ सुसमाचार
का मोहका सँउपा गवा बा।

परमेस्सर क अनुग्रह क धन्यबाद

12मइँ, हमार पर्भू मसीह ईसू क धन्यबाद करत हउँ।
मोका उहइ सक्ती दिहेस ह। उ मोका बिसवासी समझिके
अपने सेवा मँ तैनात किहे बाटइ। 13जद्यपि पहिले मइँ
ओकर अपमान करइवाला, सतावइवाला अउर एक
बिनयरहित मनई रहेउँ। मुला मोहे पइ दया कीन्ह गइ
काहेकि एक अबिसवासी क रूपे मँ इ नाहीं जानत भए
कि मइँ का कछू करत हउँ मइँ सब कछू किहेउँ।
14अउर पर्भू क अनुग्रह मोका बहुतायत स मिला ह
अउर साथे ही उ बिसवास अउर पिरेम उ जउन मसीह
ईसू मँ बा।

15इ कथन सही बा अउर सब केउ क स्वीकार
करइ जोग्ग बा कि मसीह ईसू एह संसारे मँ पापियन क
उद्धार करइ बरे आई बाटइ। सच मइँ तउ सबसे बड़ा
पापी हउँ। 16अउर इही बरे तउ मोहे पइ दया कीन्ह गइ।
कि मसीह ईसू एक बड़इका पापी क रूपे मँ मोर उपयोग
करत आगे चलिके जउन लोग ओहमाँ बिसवास ग्रहण
करिहीं, ओनके बरे अनन्त जीवन मिलइ बरे एक उदाहरण
क रूप मँ मोका स्थापित कइके आपन असीम सहनसीलता
देखॉइ सकइ। 17अब उ अनन्त सम्राट अविनासी, अदृस्य
एक मात्र परमेस्सर क युग युगान्तर तक सम्मान अउर
महिमा होत रहइ। आमीन।

18मोर बच्चा तीमुथियुस! नबियन क बचनन क
अनुसार बहुत पहिले स ही तोहरे सम्बन्धे मँ जउन
भविस्सबाणियन कइ दीन्ह गइ रहिन, मइँ तोहका इ
हुकुम देत अही जम कइ ताकि तू ओनके अनुसार
19बिसवास अउर उत्तम चेतना स सहित होइके नेकी क
लड़ाई जम कइ लड़ सका। कछू अइसेन हयेन जेनकर
उत्तिम चेतना अउर बिसवास रूपी जहाज बूड़ गवा बा।
20हुमिनयुस अउर सिकन्दर अइसेन ही हयेन। हम ओनका
सइतान क सँउप दिहे हई ताकि ओनका परमेस्सर क
विरोध मँ परमेस्सर क निन्दा करइ स रोकई क पाठ
पढ़ावा जाइ सकइ।

स्त्री-पुरुसन बरे कछू नेम

2 सबसे पहिले मोर बिसेस रूपे स इ निवेदन बा कि
सबके बरे आवेदन, पराथना, अनुरोध अउर सब
मनइयन कइँती स धन्यबाद दिहा जाइ। 2सासकन अउर
सभन अधिकरियन क धन्यबाद दिहा जाइ। ताकि हम
चैन क साथे सांतिपूर्वक पूरे स्रद्धा अउर परमेस्सर बरे
सम्मान स भरा जीवन जी सकी। 3इ हमार उद्धारकर्ता
परमेस्सर क खुसी करईवाला अहइ। उ उत्तिम अहइ।
4उ सभन मनइयन क उद्धार चाहत ह अउर सत्य का

गियान चाहत ह। 5काहेकि परमेस्सर एक्कई बा। अउर
मानुस अउर परमेस्सर क बीच मँ मध्यस्थता एक्कई
बा। उ खुदइ एक मानुस अहइ ईसू मसीह। 6उ सबन क
बरे खुद क फिरौती क रूप मँ दइ डाए अहइ। अउर
परमेस्सर क सब लोगन क बचाबै क उदेस्स को व्यक्त
किहे अहइ। 7अउर इ साच्छी क प्रचार करइ बरे मोका
एक प्रचारक अउर प्रेरित रखा गवा (इ मइँ सचइ कहत
हउँ, झूठ नाहीं) मोका गैर यहूदियन क बरे बिसवास
अउर सत्य क उपदेसक क रूपे मँ ठहरावा गवा।

8इन्ही बरे मोर इच्छा बा कि हर कहूँ सब मनइयन
पवित्तर हाथन क उप्पर उठाइके परमेस्सर क बरे
समर्पित होइ बिना कीहीउँ गुस्सा या मन-मोटाऊ पराथना
करइँ।

9इही तरह स्त्रियन स भी मइँ इ चाहित हउँ कि उ
पचे सीधी-सादी वेस-भूसा मँ सालीनता अउर आतिम
संयम क साथे रहइँ। अपने आपे क सजावइ सँवारइ क
बरे उ बारे क बेणियन न सजावइँ अउर सोना, मोतियन
अउर बहुमूल्य वस्त्रन स सृंगार न करइँ। 10बल्कि अइसेन
स्त्रियन क जउन अपने आप क परमेस्सर क उपासिका
मानत हीं, ओनके बरे उचित इ बा कि वो खुदइ क
उत्तिम कामे स सजावइँ।

11एक स्त्री क चाही कि उ सांत भाव स सारे समर्पण
क साथे सिच्छा ग्रहण करइ। 12मइँ इ नाहीं चाहित कि
कउनउ स्त्री कउनउ मनई क सिखावइ पढ़ावइ अउर
ओह पर सासन करइ। मुला ओका तउ चुपचाप ही रहइ
चाही। 13काहेकि आदम क पहिले बनावा गवा बा अउर
तब पाछे हव्वा क। 14आदम क बहकावा नाहीं जाइ
सका मुला स्त्री क बहकाइ लिहा गवा अउर उ पापे मँ
पतित होइ गइ। 15मुला अगर उ मँ जइसन क करतब क
निभावत भए बिसवास, पिरेम, पवित्तर अउर परमेस्सर
क बरे समर्पण मँ बनी रहइ तउ स्त्रियन क उद्धार तउ
जरूर मिल जाई।

कलीसिया क निरीच्छक

3 इ एक बिसवास करइ जोग्ग कथन बा कि अगर
केउ निरीच्छक बनइ चाहत ह तउ उ एक अच्छे
कामे क इच्छा रखत ह। 2अब देखा ओका एक अइसी
जिन्नगी जिअइ चाही जेकर लोग निआव स भरी आलोचना
न कइ पावइँ। ओकर एकई पत्नी होइ चाही, ओका
आत्मसंयमी, सुसील अउर अतिथि सत्कार करइवाला
अउर सिच्छा देइ मँ निपुण होइ चाही। ओका पइसा क
पिरेमी न होइ चाही। 3ओका पियक्कड़ न होइ चाही, न
तउ ओका झगड़ालू होइ चाही। ओका तउ सज्जन अउर
सान्ति प्रेमी होइ चाही। ओका पैसे का पिरेमी न होइ
चाही।

4अपने परिवारे क उ अच्छा प्रबन्धक होइ अउर
ओनकर बच्चन ओकरे कब्जे मँ रहत रहइँ। ओकर
पूरा सम्मान करत होइँ। 5अगर केउ अपने परिवारे क
प्रबन्ध करइ नाहीं जानत तउ उ परमेस्सर क कलीसिया
क प्रबन्ध कइसे कइ पाई? 6उ एक नवा बिसवासी न
होइ चाही ताकि उ अहंकार स फूलि न जाइ। अउर
ओका सइतान क जइसा दण्ड पावइ पड़इ। 7एकरे अलावा
बाहेर क लोगन मँ भी ओकर अच्छी इज्जत होइ चाही
ताकि उ कउनउ आलोचना मँ फँसिके सइतान क
फंदा मँ न पड़ि जाइ।

कलीसिया क सेवक

8इही तरह कलीसिया क सेवकन केउ आदरणीय
होइ चाही अउ ओका अउर दु मुँहा न होइ चाही। ओकर
मदिरापान मँ रुचि न होई चाही। बुरे रस्तन स ओनका
धन कमाइ क इच्छुक न होइ चाही। 9ओनका तउ
पवित्तर मने स हमरे अभिव्यक्त सत्यन क थामे रखइ
चाहे।

10ऐन्हऊ क पहिले निरीच्छकन क समान परखा
जाइ चाही फिन अगर ओनके विरोध मँ कछू आपत्ति न
होइ तबहिं एनका कलीसिया क सेवकन क न रूप मँ
सेवा-काम करइ देइ चाही।

11इही तरह स्त्रियन क भी सम्मान क जोग्ग होइ
चाही। ओनका निंदक न होइ चाही। बल्कि सालीन
अउर सब तरह स भरोसा करइवाली होइ चाही।
12कलीसिया क सेवक क केवल एक्कई पत्नी होइ चाही
अउर ओका आपन बाल बच्चन अउर अपने घरारन क
अच्छा प्रबन्धक होइ चाही।

13काहेकि अगर क कलीसिया क अइसेन सेवक
क रूप मँ होइहीं जउन अच्छा सेवा प्रदान करत हीं, तउ
उ पचे अपने बरे सम्मान स भरा स्थान अर्जित करिहीं।
मसीह ईसू क बरे बिसवासे मँ जरूरइ ओनकइ आस्था
होई।

हमार जीवन क रहस्य

14मइँ इ आसा क साथे तोहे इ बातन क लिखत हउँ
कि जल्दी ही तोहरे लगे आउबइ। 15अगर मोका आवइ
मँ समइ लग जाइ तउ तोहे सबन क पता रहइ कि
परमेस्सर क परिवारे मँ, जउन सजीव परमेस्सर क
कलीसिया बा, कउनो क आपन व्यवहार कइसे रखइ
चाही। कलीसिया तउ सब क जड़ अउर आधार स्तम्भ
अहइ।

16बिना संदेह क हमरे भक्ति का रहस्य महान बाटइ:

उ नर-देह धरे परगट भवा आतिमा द्वारा धर्मी
प्रमाणित भवा देखेन ओका सरगदूतन हुआ
प्रचारित उ राष्ट्रन मँ, जग तउ ओहपइ बिसवास
किहेस, अउर उठावा गवा ओका महिमा मँ
उप्पर।

झूठन उपदेसकन स सचेत रहा

4 पवित्तर आतिमा तउ स्पस्ट रूपे स कहत बाटइ कि
आगे चलिके कछू लोग सच्चे बिसवास (उपदेस)
पइ बिसवास न करिहीं अउर भटकावइवालन झूठन
नबियन अउर दुस्ट आतिमन की सिच्छा पर धियान देइ
लगिहीं जउन झूठ बोलिहीं अउर धोखा देत रइहीं। 2ओन
झूठन पाखण्डी लोगन क कारण अइसे मनइयन होइहीं
जे सच अउर झूठ क विवेक न कइ सकिहीं अउर इ
जेनकइ मन माना तपत लोहे स दाग दीन्ह गवा होइ। 3उ
पचे बियाह क निसेध करिहीं। कछू चीज खाई क मना
करिहीं जेका परमेस्सर क बिसवासियन अउर जउन
सच क पहिचानत हीं, ओनके बरे धन्यबाद दइके ग्रहण
कइ लेइके बनावा गवा बा। 4काहेकि परमेस्सर क रची
सब चीज अच्छी बा अउर कउनउ चीज तियागइ जोग्ग
नाहीं बा बसर्ते ओका धन्यबाद क साथे ग्रहण कीन्ह जाइ।
5काहेकि उ परमेस्सर क बचन अउर पराथना स
पवित्तर होइ जात ह।

मसीह ईसू क अच्छा सेवक बनअ

6अगर तू भाइयन क इन बातन क धियान दियावत
रहब्या तउ मसीह ईसू क अइसेन अच्छा सेवक ठहरब्या
जेकर पालन-पोसण, बिसवासे क द्वारा अउर ओन्हीं
सिच्छा क द्वारा होत ह जेका तू ग्रहण किहे अहा।

7मनइयन क स्रद्धा विहीन कल्पित सबइ कथा स दूर
रहा अउर परमेस्सर क सेवा क बरे अपने क साधना मँ
लगाए रखा। 8काहेकि सारीरिक साधना स तउ केवल
तनिक ही लाभ होत ह जबकि परमेस्सर क सेवा सब
कइँती स मूल्यवान बा काहेकि एहमाँ आज क समइ
अउर आवइवाला जीवन क बरे दीन्ह गवा आसीर्वाद
समावा बाटइ। 9एइ कहावत पूर रूप स सच अहइ। अउर
इ पूरी तरह ग्रहण करइ जोग्ग अहइ। 10अउर हम सबहिं
इही बरे कठिन मेहनत करत जूझत रहित ह। हम आपन
आसा सबके विसेस कर बिसवासियन क, उद्धारकर्त्ता
सजीव परमेस्सर पइ टिकाइ दीन्ह ह।

11एनही बातन क हुकुम अउर उपदेस द्या। 12तू
अबहिं जवान अहा। इही स कउनउ तोहे निम्न न समझइ।
बल्कि तू आपन बातचीत, चाल-चलन, पिरेम-प्रकास,
अपने बिसवास अउर पवित्तर जीवन स बिसवासियन क
बरे एक उदाहरण बनि जा। 13जब तक मइँ आई तू
पवित्तर सास्तरन क सार्वजनिक पाठ करा, उपदेस अउर
सिच्छा देई मँ अपने आप क लगाए रखा।

14तोहका जउन बरदान मिला बा, तू ओकर उपयोग
कइके इ तोहे नबियन क भविस्सबाणी क परिणाम सरूप
बुर्जुगन क द्वारा तोहपइ हाथ रखि दीन्ह गवा बा। 15इन
बातन क कारण पइ पूरा धियान लगाए रखा। एन्ही मँ
स्थित रहा ताकि तोहार प्रगति सब लोगन क सामने
परगट होइ।

16अपने जीवन अउर उपदेस क विसेस धियान रखा।
ओनही पर टिका रहा काहेकि ओन पइ चलइ अउर
सही रूप स पालन करइ मँ विसेस बल दा। अइसेन
आचरण करत रहे स तू खुद अपने आपइ क अउर
अपने सुनइवालन क उद्धार करब्या।

व्यवहारे क कछू नेम

5 कउनउ बड़ी आयु क मनई क साथे कठोरता स न
बोला, बल्कि ओनहे बापे क रूप मँ देखत ओनके
बरे विनम्र रहा। सलाह देत समइ अपने स छोटन क साथे
भाइयन जइसा बर्ताव करा। 2बड़ी स्त्रियन क महतारी
समझा अउर जवान स्त्रियन क आपन बहिन समझिके
सब पवित्रतन क साथे बर्ताव करा।

3ओन्हन विधवन क विसेस धियान रखा जउन वास्तव
मँ अकेले अहइँ। 4मुला अगर कउनउ विधवा क
बेटवा–बिटिया अउर नाती पोता अहइँ तउ ओन्हे सबसे
पहिले अपने धरम पर चलत चलत अपने परिवार क
देखभाल करइ सीखइ चाही। ओनका चाही कि ओ पचे
अपने महतारी-बापे क पालन पोसन क बदला चुकावइँ
काहेकि एहसे परमेस्सर खुस होत ह। 5उ विधवा जउन
सही मँ विधवा बाटइ अउर जेकर धियान रखइवाला
केउ नाहीं बाटइ, अउर परमेस्सर तउ जेकर सबइ आसा
क सहारा बा उ दिन रात बिनती अउर पराथना मँ लगी
रहत हीं। 6मुला उ विधवा जे बिसय भोग क दास होइ गइ
अहइँ जीते जी मरे भएन क समान बाटिन। 7इही बरे
बिसवासी लोगन क इन बातन क (ओनके सहायता क)
आदेस द्या ताकि कउनउ भी ओनकर आलोचना न
कइ पावइ। 8मुला अगर केउ आपन रिस्तेदारन,
विसेसकर आपन परिवार क सदस्यन क सहायता नाहीं
करत, तउ उ बिसवास स फिन गवा बा अउर कउनो
अबिसवासी से भी जियादा खराब बा।

9ओन्हन विधवन क विसेस सूची मँ जउन आर्थिक
सहायता लेत बाटिन ओनही विधवा क नाउँ लिखा जाइ
जउन कम स कम साठ साल क होइ चुकी बाटिन अउर
जउन पतिब्रता रही हईन

10अउर जउन बाल बच्चन क पालत करत, अतिथि
सत्कार करत भए, परमेस्सर क लोगन क पाउँ धोवत
भए दुखियन क सहायता करत-करत, अच्छा कामन क
बरे समर्पित होइके सब तरह क अच्छा कामन क बरे
जाना-मानी जात रहिन।

11मुला सयानी-विधवन क एह सूची मँ सामिल न
करा काहेकि मसीह क बरे ओनकर समर्पण पइ जब
ओनकर बिसय वासना भरी इच्छा हावी होत ह तउ उ
फिन बियाह करइ चाहत ह। 12उ सबइ अपराधिन हइन
काहेकि ओन्हन आपन मूलभूत प्रतिज्ञा क तोड़े हइन।
13एकरे अलावा ओनका आलस क आदत पड़ि जात ह।
उ सबइ एक घरे स दुसरे घरे घूमत फिरत हीं अउर उ

सबइ न केवल आलसी होइ जात हीं, बल्कि उ बातूनी
बचिके लोगन क कामन मँ टाँग अड़ावइ लागत हीं
अउर अइसेन बात बोलइ लागत हीं जइसे ओंहे न बोलइ
चाही। [14]इही बरे मइँ चाहत हउँ कि जवान-विधवन
बियाह कइ लेइँ अउर औलाद क पइदा करत भए अपने
घर बारे क देखभाल करइँ ताकि हमरे दुस्मनन क हम
पर कटाच्छ करइ क कउनउ अवसर न मिलि पावइ।
[15]मइँ इ एह बरे बतावत हउँ कि कछू जवान विधवन क
सइतान द्वारा पहिलेन स ही बहकाई गई रहिन।

[16]अगर कउनो बिसवासी स्त्री क घरे मँ विधवा
हइन तउ ओन्हे ओकर सहायता खुद करइ चाही। अउर
कलीसिया प कउनउ भार न डावइ चाही ताकि कलीसिया
सच्ची विधवन क सहायता कइ सकइ।

[17]जउन निरीच्छक कलीसिया क अच्छी अगुआइ
करत हीं ओनका दुगना सम्मान क पात्र होइ चाही।
विसेस कर उ पचे जेनकर काम उपदेस देब अउर
पढ़ाउब बा। [18]काहेकि पवित्तर सास्तर मँ कहा गवा बा,
"बरधा जब खरिहाने मँ होइ तउ ओकर मुँह न बाँधा।"*
अउर "मजदूर क आपन मजदूरी पावइ क अधिकार
बा।"*

[19]कउनो निरीच्छन पइ लगावा गवा कउनउ लांछन
क तब तक स्वीकार न करा जब तलक दुई य तीन
साच्छी न होइँ। [20]जउन हमेसा पापे मँ लगा रहत हीं
ओनका सबके सामने डाटा-फटकारा ताकि बाकी लोग
डेराइँ।

[21]परमेस्सर, ईसू मसीह अउर चुना भवा सरगदूतन
क सामने हम सचाई क साथे आदेस देत हई कि तू बिना
कउनो पूर्वाग्रह क इन बातन क पालन करा। पच्छपात
क साथे कउनउ काम न करा।

[22]बिना विचारे केउ क कलीसिया क मुखिया बनवइ
क बरे ओह प जल्दी मँ हाथ न रखा। केउ क पापन मँ
भागीदारी न बना। अपने क हमेसा पवित्तर रखा।
[23]तीमुथियुस, केवल पानी ही न पिअत रहअ। बल्कि
अपने हाजमा अउर बार बार बीमार पड़इ स बचइ क
बरे तनिक दाखरस भी लइ लिहा करा।

[24]कछू लोगन क पापन सही रूप स परगट होइ जात
हीं अउर निआव क बरे पेस-कई दीन्ह जात ह मुला
दुसरे लोगन क पापन बाद मँ परगट होत हीं। [25]इही तरह
अच्छा काम भी सही रूप स परगट होइ जात ह मुला
जउन परगट नाहीं होतेन तउ उ पचे भी छुपा नाहीं रह
सकतेन।

6 जउन लोग अंधबिसवासी क जुए क नीचे क दास
बना अहइँ, ओन्हे अपने स्वामियन क सम्मान क
जोग्ग समझइ चाही ताकि परमेस्सर क नाउँ अउर हमरे
उपदेसन क निन्दा न होइ। [2]अउर अइसेन दासन के भी
जेनकर स्वामी बिसवासी हयेन, बस इही बरे कि उ पचे
ओनकर धरमभाई अहइँ, ओनके बरे कम सम्मान न
देखॉवइ चाही, बल्कि ओनका तउ अपने स्वामियन क
अउर अधिक सेवा करइ चाही काहेकि जेनका एकर
लाभ मिलत बा, उ पचे बिसवासी अहइँ, जेनसे उ पचे
पिरेम करत हीं।

झूठइ उपदेस अउर सच्चइ धन

इन बातन क सिखावत रहा अउर एनकर प्रचार
करत रहा। [3]अगर केउ एनमाँ स अलग बात सिखावत
ह अउर हमार पर्भू ईसू मसीह क ओन्हन सदबचनन क
नाहीं मानत ह अउर परमेस्सर क सही तरीके स सेवा
करे की सिच्छा स सहमत नाहीं होत ह [4]तउ उ अंहकार
मँ फूला बा अउर कछू भी नाहीं जानत ह। उ तउ कुतर्क
करइ अउर सब्दन क लेइके झगड़इ क रोग स घिरा
बाटइ। इन बातन स त ईर्सा, बैर, निन्दा-भाव अउर
गाली-गलौज [5]अउर ओन लोगन क बीच जेकर बुद्धि
बिगड़ गइ बा, कबहुँ न खत्म होइवाला मतभेद पैदा होत
ह अउर भ्रष्ट दिमाग क अहइ, जउन सत्य क खोइ
चुका अहइ। अइसेन लोगन क बिचार बा कि परमेस्सर
क सेवा धन कमाइ क ही एक साधन अहइ।

[6]निस्चय ही परमेस्सर क सेवा-भक्ति स ही आदमी
बहुत सम्पन्न बनत ह। पर ई ओन्हीं क बरे सत्य बा
जउन ओसे संतुस्ट होइ जात ह, जउन ओका मिलत ह।
[7]काहेकि हम संसारे मँ न तउ कछू लइके आइ रहे
अउर न ही इहाँ स कछू लइके जाइ पाउब। [8]तउन
अगर हमरे लगे रोटी अउर कपड़ा बा त हम उही मँ
सन्तुस्ट हई।

[9]मुला जउन धनवान बनइ चाहत हीं, जे प्रलोभन मँ
पड़िके जाल मँ फँसि जात हीं ओनका अइसेन ढेर मूर्खपना
अउर बिनास करइवाली इच्छन घेरि लेत हीं जउन ओनकर
पतन अउर बिनास होय जात ह। [10]काहेकि धन क
पिरेम सब तरह क बुराइ क जनम देत ह। कछू लोग
आपन इच्छन क कारण ही बिसवास स भटकि गवा
हयेन अउर अपने क पीड़ित कइके कस्टमय समस्याआ
का झेलत बाटेन।

याद रखइ जोग्ग बातन

[11]मुला हे परमेस्सर क लोग, तू इन बातन स दूर
रहा अउर नेकी, परमेस्सर क सेवा, बिसवास, पिरेम
धीरज, अउर सज्जनता मँ लगा रहा। [12]हमार बिसवास
जउन उत्तिम स्पर्धा क अपेच्छा करत ह, तू उही क बरे
संघर्ष करत रहा अउर अपने बरे अनन्त जीवन क
अर्जित कइ ल्या। तोहका उही क बरे बोलावा गवा अहा।
तू बहुत स लोगन क सामने उस परम सत्य का (ईसू
मसीह का) बहुत अच्छे तरह स अंगीकार किहे अहा।

"बरधा ... बाँधा" लूका 10:7

'मजदूर ... बा' व्यवस्था 25:4

[13]परमेस्सर क सामने, जउन सब क जीवन देत ह अउर ईसू मसीह क सामने जे पुन्तियुस पिलातुस क सामने बहुत अच्छी साच्छी दिहे रहा, मइँ तोहका इ हुकुम देत हउँ कि [14]जब तलक हमार पर्भू ईसू मसीह परगट होत ह, जब तलक तोहे जउन हुकुम दीन्ह गवा बा, तू उही पर बिना कउनउ कबहुँ छोड़े निर्दोस भाव स चलत रहा। [15]उ ओह पइ धन्य, एक छत्र, राजा लोगन क राजा अउर सम्राटन क पर्भू क उचित समइ आए पइ घटित करी।

[16]उ अगम प्रकास क निवासी अहइ। ओका न केउ देखे बा, न केउ देखि सकत ह। ओकर सम्मान अउर ओकर अनन्त सक्ती क बिस्तार होत रहइ। आमीन।

[17]वर्तमान युग क चीजन क कारण जउन लोग अमीर बने भए अहइँ, ओन्हे आज्ञा द्या कि उ पचे अभिमान न करइँ। अउर ओह धने स जउन जल्दी चला आई कउनउ आसा न रखइँ। परमेस्सर पर ही आपन आसा टिकावइँ जउन हमका हमार आनन्द क बरे सब कछू भरपूर देत ह। [18]ओनका आज्ञा देइँ कि उ पचे अच्छा अच्छा काम करइँ। अच्छा कामन स ही धनी बनइँ। उदार रहइँ अउर दूसरन क साथे आपन चीज बाँटइँ। [19]अइसेन करई स ही उ पचे एक सरगे क खजाना क संचय करिहीं जउन भविस्य क बरे मजबूत नींव सिद्ध होई। इहीं स उ सच्चा जीवन क थामे रइहीं।

[20]तीमुथियुस! तोहे जउन सँउपा गवा बा, तू ओकर रच्छा करा। बेकार क संसारी बातन स बचा रहा। अउर जउन "झूठा गियान" स सम्बन्धित बेकार क विरोधी बिसवासी हयेन, ओनसे दूर रहा काहेकि [21]कछू लोग यह दावा करत हीं कि वे इसे "गियान" क जानत अहा, पर उ वास्तव मँ बिसवासे स दूर चला जात हीं। परमेस्सर क अनुग्रह तोहरे साथे रहई।

तीमुथियुस क दूसरी पत्र

1 पौलुस कइँती स जउन परमेस्सर क इच्छा स ईसू
मसीह क प्रेरित अहइ। अउर जेका मसीह ईसू मँ
जीवन पावइ क प्रतिज्ञा क प्रचार करइ के बरे भेजा गवा
बा।
2पियारा बेटवा तीमुथियुस क नाउँ: परमपिता अउर
हमरे पर्भू मसीह ईसू कइँती स तोहे अनुग्रह दया अउर
सान्ति मिलइ।

धन्यबाद अउर उत्साह

3रात दिन आपन पराथनन मँ हमेसा तोहर याद
करत भवा, मइँ ओह परमेस्सर क धन्यबाद करत हउँ,
अउर ओकर सेवा अपने पूर्वजन क रीति क अनुसार
सुद्ध मने स करत हउँ। 4मोरे बरे तू जउन आँसू बहाए
अहा, ओकर याद कइके मइँ तोहसे मिलइ क आतुर
हउँ, ताकि आनन्द स भर उठउँ! 5मोका तोहार उ सच्चा
बिसवास भी याद बा जउन पहिले तोहार नानी लोइस
अउर तोहर महतारी यूनीके मँ रहा। मोका भरोसा बा
कि उहइ बिसवास तोहरे भी मँ बा। 6इही बरे मइँ तोहे
याद देवावत हउँ कि परमेस्सर क भेट क ओह जुवाला
क जलाइ राखा जउन तोहे सब क मिली रही जब तोह प
मइँ आपन हाथ रखे रहेउँ। 7काहेकि परमेस्सर तउ
हमका जउन आतिमा दिहे बाटइ, उ हमका कायर नाहीं
बनवत बल्कि हमका सक्ती, पिरेम, अउर आतमसंयम
स भरि देत ह।
8इही बरे तू हमरे पर्भू या मोर, जउन ओनके बरे
बन्दी बना भवा बा, साच्छी देइ स लजा जिन। बल्कि
तोहका परमेस्सर जउन सक्ती दिहे बाटइ, ओसे परमेस्सर
क सक्ती दुआरा जातना झेलइ मँ मोर साथ द्या। 9उहइ
हमका रच्छा किहेस अउर पवित्तर जीवन क बरे हमका
बोलाए अहइ–हमार आपन ओह कीन्ह कर्मन क आधार
प नाहीं, बल्कि ओकरे आपन ओह प्रयोजन अउर अनुग्रह
क अनुसार जउन परमेस्सर द्वारा मसीह ईसू मँ हमका
पहिले ही अनादिकाल स सउँप दीन्ह गवा बा। 10परन्तु
अब हमार बचावइवाले ईसू मसीह क परगट होइ क
साथे–साथे हमरे बरे प्रकासित कीन्ह गवा बा। उ मउत
क अन्त कइ दिहेस अउर जीवन अउर अमरता क
सुसमाचार क द्वारा प्रकासित किहे बाटइ। 11इही
सुसमाचार क फइलावइ क बरे मोका एक प्रचारक,
प्रेरित अउर सिच्छक क रूप मँ नियुक्त कीन्ह गवा बा।
12अउर इहइ कारण अहइ जेहसे मइँ एन बातन क
दुख उठावत अहउँ। अउर फिन भी लज्जित नाहीं हउँ
काहेकि जेह प मइँ बिसवास किहे हउँ, मइँ ओका जानत
हउँ अउर मइँ इ मानत हउँ कि उ मोका जउन सँऊपे
अहइ, उ ओकर रच्छा करइ मँ समर्थ बाटइ जब तलक
उ दिन* आवइ, 13ओह अच्छी सिच्छा क जेका तू मोसे
सुने अहा, ओका बिसवास अउर पिरेम मँ, जो मसीह ईसू
मँ अहइ ओकर आपन आदर्स सिच्छा बनाए रहा।
14हमरे भीतर निवास करइवाली पवित्तर आतिमा
क द्वारा तू उस सत्य की रच्छा करा, जउन तोहका
सँउपा गवा बा।
15जइसेन कि तू जानत ह कि उ सभन जउन एसिया
मँ रहत हीं, मोका छोड़ ग रहेन। फुगिलुस अउर हिरमुगिनेस
ओनहीं मँ स अहइँ। 16उनेसिफुरुस क परिवारे प पर्भू
दया करइ। काहेकि उ कइयउ अवसरन प मोका सुख
पहुँचाए रहा। अउर उ मोरे जेल मँ रहइ स सरमान नाहीं।
17बल्कि उ तउ जब रोम आवा रहा, जब तलक मोसे
मिल नाहीं लिहेस, जतन स मोका निरन्तर ढूँढ़त रहा।
18पर्भू करइ ओका, ओह दिन पर्भू कइँती स दया मिलइ,
ओ इफिसुस मँ मोरी तरह-तरह स जउन सेवा किहेस ह
कउनो तरह स उ सेवा किहेस ओका तू अच्छी तरह स
जानत अहा।

मसीह ईसू क सच्चा सिपाही

2 जहाँ तक तोहर बात बा, मोर बेटवा! मसीह ईसू मँ
मिलइ वाली अनुग्रह स मजबूत होइ जा, 2बहुत स
लोगन क साच्छी मँ मोसे तू जउन कछू सुने अहा, ओका
ओन बिसवास करइ जोग्ग मनइयन क सउँप द्या जउन
दुसरेउ केउ क भी सिच्छा देई मँ समर्थ होइ। 3जउन
यातना सबइ आवइँ ओनका मिलकर सामना करा।
जातना झेलई मँ मसीह ईसू क एक अच्छा सैनिक क
समान सेवा करत रहा। 4अइसे सबहिं जउन सैनिक क
समान सेवा करत हीं अपने आप क साधारण जीवन क
जंजाल मँ नाहीं फँसउतेन काहेकि उ अपने सासक
अधिकरियन क खुस करई क बरे कोसिस करत रहत

दिन अरथ अहइ उठइ दिन जब सबहीं मनइयन क निआव करइ बरे मसीह आइ अउर ओनका अपने संग रहइ बरे लइ जाइ।

हीं। 5अउर अइसेनइ अगर केउ कीहीउ दउड़इ वाली
प्रतियोगितन मँ हींसा लेत ह अउर नियमन क नमानइ,
तउ ओका विजय क मुकुट ओह समइ तलक नाहीं
मिलत, जब तलक कि उ नियमन क पालन करत करत
प्रतियोगितन मँ भाग नाहीं लेत। 6किसान जो मेहनत
करत ह इ उपज क सबसे पहिला भाग पावइ क अधिकारी
अहइ। 7मइँ जउन बताइत हउँ; ओह प बिचार करा। पर्भू
तोहे सब कछू समझइ क छमता प्रदान करी।

8मसीह ईसू क खियाल करत रहा जउन मरे हुअन
मँ स फिन स जिन्दा होइ उठा ह अउर जउन दाऊद क
बंसज अहइ। इहइ ओह सुसमाचार क सार अहइ जेकर
मइँ उपदेस देत हउँ 9इही बरे मइँ जातना झेलत अहउँ।
इहाँ तलक कि एक अपराधी क नाईं मोका जंजीरन स
जकड़ दीन्ह गवा बा। परन्तु परमेस्सर क बचन तउ
बन्धन रहित बा। 10इही कारण परमेस्सर क चुना गवा
लोगन क बरे मइँ हर दुख उठावत रहत हउँ ताकि उ
पचे भी ईसू मसीह मँ मिलइ वाली महिमामयी अउर
अनन्त उद्धार क साथे मिलि सकइँ।

11इ बचन बिसवासे क जोग्ग अहइ कि:

अगर हम ओकरे साथे मरा हई, तउ उही क
साथे जिअब,
12 अगर हम दुख स्वीकार करत अही। त ओकरे
साथे सासन भी करब। अगर हम ओका छोड़
तजबइ, तउ तजि देइ उहउ हमका,
13 हम चाहे बिसवास हीन होइ प उ बिसवासी
हमेसा-हमेसा बिसवास योग्य बना रही काहेकि
नाहीं होइ सकत उ आतिमा निसेधी मिथ्यावादी,
अपनेन ही बरे।

स्वीकृत कार्यकर्ता

14लोगन क इन बातन क धियान देवावत रहा अउर
परमेस्सर क साच्छी कइके ओन्हे सावधान करत रहा
कि उ सब्दन क लइक लड़ाई झगड़ा न करा। अइसेन
लड़ाई झगड़ा स कउनउ लाभ नाहीं होत, बल्कि एनका
जे सुनत हीं, उहउ का नस्ट कर देत ह। 15अपने आप
क परमेस्सर द्वारा ग्रहण करइ जोग्ग बनाइके एक
अइसे सेवक क रूप मँ पेस करइ क यत्न करत रहा
जेहसे कउनउ बात क बरे सरमाई क जरूरत न होइ।
अउर जउन परमेस्सर क सत्य बचन क सही ढ़ंग स
उपयोग करत ह। 16अउर अधार्मिक अउर अर्थहीन
बातन स बचा रहत ह काहेकि इ बात लोगन क परमेस्सर
स बहुत दूर लइ जात ह। 17अइसेन लोगन क सिच्छा
नासूर क तरह फइले। हुमिनयुस अउर फिलेतुस अइसेन
ही अहइँ। 18जउन सच्ची सिच्छा स भटकि गवा हयेन।
ओनकर कहब बा कि पुनरुत्थान अब तलक होइ चुका
बा। इ सबइ कछू लोगन क बिसवास क खराब करत
हयेन। 19कछू भी होइ परमेस्सर तउ जेह केतॅना ही
मजबूत नींव क डाए अहइ, उ मजबूती क साथे खड़ी बा।
ओह प अंकित बा, "पर्भू अपने भक्तन क जानत ह।"*
अउर "उ हर एक, जउन कहत ह कि उ पर्भू क अहइ
ओका दुस्टता स बचा रहइ चाही।"

20एक बड़ाके घरे मँ बस सोना-चाँदी क ही बर्तन त
नाहीं होत हीं, ओहमाँ लकड़ी अउर मिट्टी क बरतन भी
होत हीं। कछू विसेस उपयोग क बरे होत हीं अउर कछू
साधारण उपयोग क बरे। 21इही बरे अगर आदमी अपने
आपके बुराइयन स साफ कइ लेत ह तउ उ विसेस
उपयोग क बनी ह। अउर फिन पवित्तर बनिके अपने
सुवामी क बरे उपयोगी सिद्ध होई। अउर कउनउ अच्छा
कामे क बरे तइयार रही।

22जवानी क बुरी इच्छन स दूर रहा, धार्मिक जीवन,
बिसवास, पिरेम अउर सान्ति क बरे ओन्हन सब क
साथे जउन सुद्ध मने स पर्भू प बिसवास करत हीं, पुकारत
हीं, कोसिस करत रहा। 23मूर्खता स भरा, बेकार क
तर्क बितर्क स हमेसा बचा रहा। काहेकि तू जानत ह
कि एनसे लड़ाइ–झगड़ा पैदा होत ह। 24अउर पर्भू क
सेवक क तउ झगड़इ न चाही। ओका तउ सब प द्या
करइ चाही ओका सिच्छा देइ मँ जोग्ग होइ चाही। ओका
सहनसील होइ चाही।

25ओका अपने विरोधियन क भी विनम्रता क साथे
समझइ चाही। और परमेस्सर ओनका हिरदय बदल देइ
ताकि ओनका सत्य क गियान होइ जाइ 26अउर उ
सचेत होइ क सइतान क ओह फन्दा स बचि निकरइँ
जेहमाँ सइतान ओनका जकड़ी रखे बाटइ ताकि उ पचे
परमेस्सर क इच्छा क अनुसरण कइ सकइँ।

अन्तिम दिनन

3 याद रखअ अन्तिम दिना मँ हम पे बहुत खराब
समइ आइ। 2लोग अपसब्द निकारिहीं, महतारी-बाप
क अवहेलना करइवाला, निर्दय, अपवित्तर, 3पिरेम
रहित, छमा-हीन, निन्दक, असंयमी, बर्बर, जउन कछू
अच्छा बा ओकर विरोधी, 4बिसवासघाती, अविवेकी,
अहंकारी अउर परमेस्सर पिरेमी होइ क अपेक्षा सुखवादी
होइ जइहीं। 5उ धरम क देखावटी रूप क पालन तउ
करिहीं परन्तु ओनके भित्तर सक्ती क नकार देइहीं।
ओनसे हमेसा दूर रहा। 6काहेकि एनमे स कछू अइसेन
हयेन जउन घरे मँ घुस पइठि कइके पापी, दुर्बल इच्छा
सक्ती क पापसे भरा हर तरह क इच्छन स चलायमान
स्त्रियन क वस मँ कइ लेत हीं। 7इ सबइ स्त्रियन सीखइ
क जतन तउ हमेसा करत रहत हीं, परन्तु सत्य क
सभन गियान तलक उ कभउँ नाहीं पहुँच पउतिन।
8यन्नेस अउर यम्ब्रेन्स तउ जइसेन मूसा क विरोध किहे

'पर्भू ... जानत ह' गिनती 16:5

रहेन, वइसेन ही इ लोग सच क विरोधी अहइँ। इ लोगन क बुद्धि भ्रस्ट बा अउर बिसवास क अनुसरण करइ मँ ये असफल हयेन। [9]परन्तु ये अउर जियादा आगे नाहीं बढ़ पइहीं काहेकि जइसे यन्नेस अउर यम्ब्रेन्स क मूर्खता परगट होइ गइ वइसे ही एनकइ मूर्खता भी परगट होइ जाई।

अन्तिम आदेस

[10]परन्तु, कछू भी होइ मोर सिच्छा क पालन किहे अहा। मोर जीवन की राह, मोरे जीवन क उद्देस, मोर अटल बिसवास, मोर सहनसीलता, मोर पिरेम, मोर धीरज [11]मोर ओन्हन सबइ यातना अउर सबइ पीड़ा मँ मोर साथ दिहे अहा तू तउ जनबई करत ह कि अन्ताकिया, इकुनियुम अउर लुस्त्रा मँ मोक केतॅना भयानक यातना दीन्ह गइ रही जेका मइँ सहे रहेउँ। परन्तु पर्भू त ओ सबसे मोर रच्छा किहेस। [12]उ समइ परमेस्सर क इच्छा क अनुसार जउन जिअइ चाहत हीं, सतावा ही जइहीं। [13]परन्तु पापी अउर ठगन दुसरन क छलत भए अउर खुद छला जात भए खराब स खराब होत चला जइहीं।

[14]परन्तु तू जउने बातन क सीख्या ह अउर मान्या ह, ओन्हे करत जा। तू जानत ह कि ओह पर बिसवास कइ सकत ह जेनसे इ बातन क तू सीखे रह्या। [15]अउर तोहका पता बा कि तू बचपन स ही पवित्तर सास्तरन क भी जानत अहा। उ पचे तोहका ओह विवेक क दइ सकत हीं जेका मसीह ईसू बिसवास क द्वारा छुटकारा मिलि सकत ह। [16]हर एक्क पवित्तर सास्तर परमेस्सर क प्रेरणा स रचा गवा बा। उ लोगन क उचित जीवन का संदेस देत ह। उ लोग क सत्य क सिच्छा देइ ओनका सुधारइ ओन्हे ओनकर बुराइयन दर्सावइ अउर पवित्तर तथा सुद्ध जीवन क प्रसिच्छन मँ उपयोगी बा। [17]जेका परमेस्सर क हर एक सेवक सास्तरन क प्रयोग करत रहत सब तरह क अच्छा कामन क करइ क बरे समरथ अउर साधन सम्पन्न होइ।

4 परमेस्सर क साछी कइके अउर मसीह ईसू क आपन साछी बना इ क जउन सबहिं जिअत अउर जउन मरि चुका बाटेन, ओनकइ निआउ करइवाला अहइ, अउर काहेकि ओकर फिन स आगमन अउर ओकर राज्य लगे बा, मइँ तोहसे सपथ स हुकुम देत हउँ। [2]सुसमाचार क प्रचार लगातार करा। चाहे तू पचन क सुविधा होइ या असुविधा आपन कर्तव्य करत रहा। लोगन क का करइ चही, ओनका समझावा। जबहिं उ पचे बुरा काम करइँ ओनका समझावा लोगन क धीरज दइके समझावत भए ओनका प्रोत्साहित करइ चाही। यह सब धीरज और सावधानी स दी गइ सिच्छा द्वारा करा। [3]मइँ इ एह बरे बतावत हउँ कि एक समइ अइसा आई जब लोग अच्छा उपदेस क सुनब तक न चइहीं उ आपन इच्छन क कारण अपने बरे बहुत स गुरु एकठ्ठा कइ लेइहीं, जउन उहइ सुनइहीं जउन उ पचे सुनइ चाहत हीं। [4]उ पचे आपन कानन क सत्य स फेर लेइहीं अउर कल्पित सबइ कथा प धियान देइ लगिहीं। [5]परन्तु तू निस्चय स सब परिस्थितियन मँ संयमी रह्या, सबइ यातना झेला अउर सुसमाचार क प्रचार क काम करा। जउन सेवा तोहका सऊँपी गइ बा, ओका पूरा करा।

[6]जहाँ तक मोर बात बा, मइँ तउ अब अर्घ क समान उँड़ेला जाइ पर हउँ। अउर मोर तउ एह जीवन स विदा लेइ क समइ भी आइ पहुँचा अहइ। [7]मइँ उत्तम स्पर्धा मँ लगा रहा हउँ। मइँ आपन दउड़-दउड़ चुका हउँ। मइँ बिसवास क रास्ता क रच्छा किहे हउँ। [8]अब विजय मुकुट मोर प्रतिच्छा मँ बा। जउन अच्छे जीवन क बरे मिलइ क बा। ओह दिना निआउ कर्ता पर्भू मोका विजय मुकुट पहिराई। न केवल मोका, बल्कि ओन्हन सभन क जउन पिरेम क साथे ओकरे परगट होइ क बाट जोहत रहत हीं।

निजी सनेस

[9]मोसे जेतॅना जल्दी होइ सकइ, मिलइ आवइ क पूरी जतन करा। [10]काहेकि एह जगत क मोह मँ पड़िके देमास तउ मोका तियाग दिहे अहइ अउर उ थिस्सलुनीके चला गवा बा। क्रेसकेंस गलातिया क अउर तीतुस दलमतिया क चला गवा बा।

[11]केवल लूका ही मोरे लगे बा। मरकुस क लगे जाब अउर जब तू आवा, ओका अपने हाथे लइ आवा काहेकि मोर काम मँ उ मोरे बहुत सहायक होइ सकत ह। [12]तुखिकुस को मई इफिसुस भेजत अहउँ।

[13]जब तू आवा, तउ ओका कोट के, जेका मइँ त्रोआस मँ करपुस क घरे छोड़ि आइ रहेउँ, लइ आवा। मोर कितबियन, विसेस कर चमड़े क चिटिठन क लइ आवा।

[14]ताम्रकार सिकन्दर तउ मोका बहुत हानि पहुँचाए अहइ। उ जइसेन किहे अहइ, पर्भू ओकरे करमन क अनुसार ओका वइसेन फल देई, [15]तूहऊँ ओसे सचेत रहा काहेकि उ मोर उपदेस क घोर विरोध करत रहा बाटइ।

[16]सुरू मँ जब मइँ आपन बचाव पेस करइ लागउँ तउ मोर पच्छ मँ कउनो सामने नाहीं आवा। बल्कि ओन्हन तउ मोका अकेलइ छोड़ि दिहे रहेन। परमेस्सर करई ओन्हे एकर हिसाब न देइ पड़इ।

[17]मोरे पच्छ मँ त पर्भू खड़ा होइके मोका सक्ती दिहेस। ताकि मोरे द्वारा सुसमाचार क भरपूर प्रचार होइ सकइ, जेका सभन गैर यहूदियन सुनि पावइँ। सिंह क मुँह स मोका बचाइ लीन्ह गवा बा। [18]कीहींउ पाप क भारी हमला स पर्भू मोका बचाई अउर अपने सरग क राज्य मँ सुरच्छा स लइ जाई। ओकर महिमा हमेसा हमेसा होत रहइ। आमीन।

पत्र क समापन

[19]प्रिस्का, अक्विला अउर उनेसिफुरुस क परिवार
क नमस्कार कह्या। [20]इरास्तुस कुरिन्थुस मँ ठहर गवा
बा। मइँ त्रुफिमुस क ओकरी बीमारी क कारण मीलेतुस
मँ छोड़ दिहे अहउँ।

[21]जाड़ा स पहिले आवइ क जतन करा। यूबुलुस,
पुदेंस, लिनुस अउर क्लौदिया अउर सभन भाइयन क
तोहे नमस्कार पहुँचइ।

[22]पर्भू तोहरे साथे रहइ। तू सब प पर्भू क अनुग्रह
होई।

तीतुस क पत्र

1 पौलुस कइँती स जेका परमेस्सर क चुना भआ प्रेरित लोगन क ओनका बिसवास मँ सहायता देइ क बरे अउर हमरे धरम क सच्चाई क पूरा गियान क रहनुमाई क बरे भेजा गवा बा, इ सच, लोगन क परमेस्सर की सेवा क मार्ग बताइ। 2उ मइँ अइसेन एह बरे करत हउँ कि परमेस्सर क चुने हुअन क अनन्त जीवन क आस बाँधइ। परमेस्सर, जउन कभउँ झूठ नाहीं बोलत, अनादि काल स अनन्त जीवन क बचन दिहे अहइ। 3उचिते समइ पइ परमेस्सर अपने सुसमाचार क संसार क जानकारी बरे परगट किहेस। उहइ संदेस हमार उद्धारकर्ता परमेस्सर क आज्ञा स मोका सऊँपा गवा बा।

4हमार समान बिसवास मँ मोर सच्चा बेटवा तीतुस क: हमरे परमपिता परमेस्सर अउर उद्धारकर्ता मसीह ईसू कइँती स अनुग्रह अउर सान्ति मिलइ।

क्रीत मँ तीतुस क काम

5मइँ तोहे सबन क क्रीत मँ एह बरे छोड़ रहेउँ कि उहाँ कछू अधूरा रही गवा बा, तू ओका ठीकठाक कइ द्या अउर मोरे आदेस क अनुसार हर नगर मँ बुजुर्गन क नियुक्त करा। 6बुजुर्ग क नियुक्त तबहिं कीन्ह जाइ जब उ निर्दोस होइ। एक पत्नी ब्रती होइ। ओकर बचवन बिसवासी होइँ अउर अनुसासनहीनता क दोस ओनपर न लगावा जाइ सकइ। अउर उ पचे निरकुंस भी न होइँ। 7निरीच्छक क निर्दोस अउर कउनउ खराबी स अछूता होइ चाही। काहेकि जेका परमेस्सर क काम सऊँपा गवा बा, ओका अड़ियल, चिड़चिड़ा, बहुत जियादा मदिरा पियइवाला, झगड़ालू, नीच कमाई क लोलुप न होइ चाही। 8बल्कि ओका तउ अतिथियन क आवभगत करइवाला, नेकी क चाहइवाला, विवेक स भरा, धर्मी, भगत, अउर अपने प नियन्त्रण रखइवाला होइ चाही। 9ओका ओह बिसवास करइ जोग्ग संदेसा क मजबूती स धारण किहे रहइ चाही जेकर ओका सिच्छा दीन्ह गइ अहइ, ताकि उ लोगन क सदसिच्छा दइके ओन्हे प्रबोधित कइ सकइ। अउर जउन एनकर विरोधी होइँ, ओनकर खण्डन कइ सकइ।

10इ एह बरे इ बहुत जरुरी बा काहेकि उ सबइ बहुत अहइँ अउर उ पचे उपद्रवी होइके व्यर्थ क बात बनावत भए दुसरन क भटकावत हीं। मइँ विसेसरूप स गैर यहूदियन पृष्ठभूमि क लोगन क उल्लेख करत हउँ। 11ओनकर तउ मुँह बन्द कीन्ह देइ जाइ चाही। काहेकि उ पचे जउन बातन नाहीं सिखावइ क बाटिन, ओन्हे सिखावत भए घर बिगाड़त रहत हीं। खराब रस्तन स धन कमाइ क बरे ही ओ अइसेन करत हीं। 12एक क्रीत क नबियन त अपने लोगन क बारे मँ खुद कहे बाटइ: "क्रीत क निवासी हमेसा झूठ बोलत हीं, उ पचे जंगली पसु अहइँ, उ सबइ आलसी बाटेन, पेटू अहइँ।" 13इ कथन सही बा, इही बरे ओनका बलपूर्वक डाँटा-फटकारा ताकि उ सत्य बिसवास क अनुसरण कइ सकइ। 14यहूदियन क पुरान कथनन अउर ओन्हन लोगन क हुकुमन पइ, जउन सत्य स भटकि गवा हयेन, कउनउ धियान न द्या। 15पवित्तर लोगन क बरे सब कछू पवित्तर बाटइ, मुला जउन पापे स असुद्ध अहइँ अउर जेनमाँ बिसवास नाहीं बा, ओनके बरे कछू भी पवित्तर नाहीं बा। वरन ओनकर मन अउर विवेक दुइनों ही असुद्ध अहइँ। 16उ पचे परमेस्सर क जानइ क दावा करत हीं। मुला ओनकर करम दर्सावत हीं कि ओ पचे ओका जनबइ नाहीं करतेन। उ पचे घृणित अउर आज्ञा क उल्लंघन करइवाला अहइँ। अउर कउनउ अच्छा काम क करइ मँ उ असमर्थ अहइँ।

सच्ची सिच्छा क अनुसरण

2 मुला तू हमेसा अइसेन बात बोला करा जउन सदसिच्छा क अनुकूल होइँ। 2बूढ़े मनइयन क उपदेस द्या कि उ सालीन अउर अपने प नियन्त्रण रखइवाला बनइँ। उ पचे गंभीर, विवेकी, पिरेम अउर सत्य सिच्छा क अनुसरण करइवाला होइँ, अउर धीरज सहित सहनसील होइँ।

3इही तरह बुढ़िया स्त्रियन क सिखावा कि उ पचे पवित्तर जनन क जोग्ग अच्छा व्यवहारवाली बनइँ। निन्दक न बनइँ अउर बहुत जियादा मदिरा पान क लत ओनका न होइ। उ अच्छी-अच्छी बातन सिखावइवाल बनइँ जेहि का उ पचे खुद पालन किए अहइँ। 4ताकि युवतियन क अपने-अपने बचवन अउर पतियन स पिरेम करइ क सीख देइ सकइँ। 5जेहसे उ पचे संयमी, पवित्तर, अपने-अपने घरन क देखभाल करइवाली, दयालु, अपने पतियन की आज्ञा मानइवाली बनइँ। जेका परमेस्सर क बचन क निन्दा न होइ। 6इही तरह जवानन क सिखावत रहा कि उ सबइ संयमी बनइँ।

7तू अपने आप क अच्छे कामन का उदाहरण बनावा।
तोहार उपदेस सुद्ध अउर गम्भीर होइ चाही। 8अइसेन
सद्‌वानी क प्रयोग करा, जेकर आलोचना न कीन्ह जाइ
सकइ ताकि तोहार विरोधी लज्जित होइँ काहेकि ओनके
लगे तोहरे विरोध मँ खराब कहइ क कछू नाहीं होइ।
9दासन क सिखावा कि उ सब बात मँ अपने स्वामियन
क आज्ञा क पालन करइँ। ओन्हें प्रसन्न करत रहइँ।
उलट कर बात न बोलइँ। 10चोरी चालाकी न करइँ।
बल्कि सभन बिसवासनीयता क प्रदर्सन करइँ। ताकि
हमार उद्‌धारकर्ता परमेस्सर क उपदेस क सब तरह स
सोभा बढ़इ।

11काहेकि परमेस्सर क अनुग्रह सब मनइयन क
उद्‌धार करइ बरे परगट भवा बा। 12एहसे हम सीख
मिलत ह कि हम परमेस्सर विहीनता क न नकारी
अउर संसारिक इच्छन क निसेध करत-करत अइसेन
जीवन जिई। जउन विवेक स भरा नेक, भक्ति स भरपूर
अउर पवित्तर होइ। आज क एह संसार मँ 13आसा क
ओह धन्य दिन क परिपूर्ण करइ क बाट जोहत रही।
जब हमार परम परमेस्सर अउर उद्‌धारकर्ता ईसू मसीह
क महिमा परगट होई। 14उ हमरे बरे अपने आपके दइ
डाएस। ताकि उ सब तरह क दुस्टतन स हमका बचाइ
सकी अउर आपन चुने भए लोगन क रूप मँ अपने बरे
हमका सुद्ध कइ ले हमका, जउन अच्छा काम करइ क
लालायित अहइ। 15इन बातन क पूरे अधिकार क साथ
कहत अउर समझावत रहा, उत्साहित करत रहा अउर
विरोधियन क झिड़कत रहा। ताकि कोई तोहार अनसुनी
न कइ सकइ।

जीवन क उत्तिम रीति

3 लोगन क याद देवॉवत रहा कि उ पचे राजा लोग
अउर अधिकरियन क अधीन रहइँ। ओनके आज्ञा
क पालन करइँ। सब तरह क उत्तिम कामन क करइ
क बरे तइयार रहइँ। 2कीहीउ क निन्दा न करइँ।
सान्ति-पिरेम क साथ सभी लोगन स मिलकर रहइँ।
अउर सज्जन बनइँ। सब लोगन क साथे नरम व्यवहार
करइँ। 3इ मइँ एह बरे बतावत हउँ काहेकि हम हूँ, एक
समइ रहा, जब मूर्ख रहे। आज्ञा क उल्लंघन करत रहे।
भ्रम मँ पड़ा रहे। अउर सबइ वासना अउर सब तरह क
सुख-भोग क दास बना रहे। हम स लोग घिना करत
हीं। अउर हम भी परस्पर एक दूसरन स दुस्टता अउर
ईर्सा करत रहेन। हम पचन स लोग घिना करत रहेन
अउर हम पचे भी ओनसे घिना करत रहेन। 4मुला जब
हमार उद्‌धारकर्ता परमेस्सर क मानवता क बरे दया
अउर पिरेम परगट भवा 5उ हमार उद्‌धार किहेस। इ
हमार निर्दोस ठहराइ जाइके बरे हमार कीहीउ काम
द्वारा नाहीं भवा बल्कि ओकरी करुणा द्वारा भवा। उ
हमार रच्छा ओह स्नान क द्वारा किहेस जेहमाँ हम
फिन पइदा होइत ह अउर पवित्तर आतिमा क द्वारा
नवा बनावा जात अहीं। 6उ हम प पवित्तर आतिमा क
हमार उद्‌धारकर्ता ईसू मसीह क द्वारा भरपूर उँड़ेरे
बा। 7अब परमेस्सर हमका आपन करुणा क द्वारा
निर्दोस ठहराए बा ताकि जेकर हम आसा करत रहेन
ओह अनन्त जीवन क उत्तराधिकार क पाइ सकी। 8इ
कथन बिसवास करइ क जोग्ग बा अउर मइँ चाहत हउँ
कि तू पचे इन बातन पर डटा रहा ताकि उ पचे जउन
परमेस्सर मँ बिसवास करत हीं, अच्छा कामन मँ लगा
रहइँ। इ बातन लोगन बरे उत्तिम अउर हितकारी बाटिन।
9वंसावलि सबन्धी विवादन, व्यवस्था सम्बन्धी
झगड़ा-झमेलन अउर मूर्खता भरा मतभेदन स बचा
रहअ काहेकि ओनसे कउनउ लाभ नाहीं उ सबइ बेकार
अहइँ। 10जउन आदमी फूट डालत होइ, ओसे एक या दुइ
बार चेतावनी देइके अलग होइ जा। 11काहेकि तू जानत
अहा कि अइसा मनई रस्ता स भटकि गवा बा अउर
पापन क करत बाटइ। उ तउ खुद अपने क दोसी
ठहराए बाटइ।

याद रखइ क कछू बातन

12मइँ तोहरे लगे जब अरतिमास या तुखिकुस क
भेजउँ तउ मोरे लगे निकुपुलिस आवइ क भरपूर जतन
करा काहेकि हम उहइ सर्दी बितावइ क निस्चय कइ
रखेउ ह। 13वकील जेनास अउर अपुल्लोस क ओनकी
जात्रा क बरे जउन कछू आवस्यक होइ, ओकरे बरे तू
भरपूर सहायता जुटाइ द्या ताकि ओन्हे कउनउ बात क
कउनो कमी न रहइ। 14हमरे लोगन क सतकर्मन मँ
लगा रहब सीखइ चाही। ओहमें स भी जेनका बहुत
जियादा जरूरत होइ, ओका पूरा करब ताकि उ पचे
विफल न होइँ। 15जउन मोरे साथे हयेन, ओ सब क तोहे
नमस्कार। हमरे बिसवास क कारण जउन लोग हमसे
पिरेम करत हीं, ओन्हेऊ नमस्कार।

परमेस्सर क अनुग्रह तू सबके साथे रहइ।

फिलेमोन क पत्र

ईसू मसीह क बरे बन्दी बना पौलुस अउर हमार भाई तीमुथियुस कइँती स: हमार प्रिय दोस्त अउर सहकर्मी फिलेमोन,

2हमार बहिन अफफिया, हमार साथी सैनिक अर्खिप्पुस अउर तोहरे घरे पर एकट्ठा होइवाली कलीसिया क:

3उ हमार परमपिता परमेस्सर अउर पर्भू ईसू मसीह कइँती स तोहे पचन क अनुग्रह अउर सान्ति मिलइ।

फिलेमोन क पिरेम अउर बिसवास

4आपन पराथना मँ तोहार उल्लेख करत भए मइँ हमेसा अपने परमेस्सर क धन्यबाद करत हउँ। 5काहेकि मइँ संत जनन बरे तोहरे ओइॅ पिरेम अउर बिसवास क चर्चा सुनत हउँ, जो पर्भू ईसू अउर समस्त पवित्तर लोगन क प्रति अहइ।

6मोर पराथना बा कि तोहरे बिसवास स पइदा उदार सहभागिता लोगन क मार्ग दरसन करइ। जेहसे ओन्हे सभन अच्छी चीजन क गियान होइ जाइ जउन मसीह क उद्देस्स क आगे बढ़ावइ मँ हमरे बीच घटत होत रहिन बाटिन। 7हे भाई, तोहर कोसिसन स संत जनन क हीरदइ हरा-भरा होइ ग हयेन, इही बरे तोहरे पिरेम स मोका बहुत आनन्द अउर प्रोत्साहन मिला बा।

उनेसिमुस क भाई स्बीकारा

8इही बरे मइँ बिसवास करत हउँ कि मसीह मँ मोका तोहरे कर्त्तव्यन क बारे मँ हुकुम देइ क अधिकार बा 9मुला पिरेम क आधार प मइँ तोहसे निवेदन करब ही ठीक समझत हउँ। मइँ पौलुस जउन अब बूढ़ाइ होइ चला हउँ अउर मसीह ईसू क बरे अब भी बंदी बना हुआ हउँ। इही उचित अहइ कि तोहसे सबन स आग्रह करउँ।

10मइँ उ उनेसिमुस क बारे मँ निवेदन करत हउँ, कि जउन जब तब मोर धरम पुत्र बना रहा जेकर मइँ बंदी गृह मँ रहेउँ।

11एक समइ रहा जब उ तोहरे कउनउ काम क नाहीं रहा, मुला अब न केवल तोहरे बरे बल्कि मोरे बरे भी उ बहुत काम क अहइ।

12मइँ ओका फिन स तोहरे लगे भेजत हउँ (बल्कि मोका तउ कहइ चाही अपने हिरदइ क ही तोहरे लगे भेजत हउँ) 13मइँ ओका इहाँ अपने लगे ही रखइ चाहत रहेउँ, ताकि सुसमाचार क बरे मोह बन्दी क उ तोहरी तरफ स सेवा कइ सकइ। 14मुला तोहरी आज्ञा क बिना मइँ कछू भी करइ नाहीं चाहित ताकि तोहार इ भलाई दबाव स नाहीं बल्कि स्वेच्छा स ही होइ।

15होइ सकत ह कि ओका थोड़े समइ क बरे तोहसे दूर रहइ क कारण इहइ होइ कि तू ओका फिन हमेसा बरे पाइ ल्या। 16दास क रूपे मँ नाहीं, बल्कि दास स जियादा एक प्रिय बन्धु क रूपे मँ। मइँ ओसे बहुत पिरेम करत हउँ किन्तु तू ओका अउर जियादा पिरेम करब्या। केवल एक मनुष्य क रूप मँ ही नाहीं बल्कि पर्भू मँ स्थित एक बन्धु क रूपे मँ भी।

17तउ यदि तुम मोका आपन दोस्त क रूप मँ स्वीकार करत ह, तब उनेसिमुस क वापस स्वीकार कइ ल्या। ओकर ऐसा सुआगत करा, जैसा कि तुम मोर सुआगत किहा ह। 18अउर अगर उ तोहार कउनो प्रकार स हानि पहुँचाएस अथवा कउने वस्तु बरे तोहार कर्जीदार अहइ। तउ ओका हमरे खाता मँ लिख द्या। 19मइँ पौलुस खुद आपन दस्तखत स इहइ लिखत हउँ। ओकर भरपाई तोहका मइँ करबइ। (मोका इ बतावइ क जरूरत नाहीं बा कि तोर सम्पूर्ण जीवन ही मेरा ऋ़णी बा। 20हाँ भाई मोका पर्भू मँ तोहसे इ लाभ पहुंचइ कि मसीह मँ मोर हिरदय हरा भरा होइ जाइ। 21तोह पइ बिसवास रखत इ चिठ्ठी मइँ तोहका लिखत हउँ। मइँ जानत हउँ कि तोहसे मइँ जेतना कहत हउँ, तू ओसे कहूँ जियादा करब्या।

22साथ ही मँ मोरे बरे निवास का भी प्रबन्ध करा, काहेकि मोर आसा अहइ कि तोहार सब पराथना क परथनावन द्वारा मइँ तोहका सउँप दिया जाउँ। 23मसीह ईसू मँ रहई क मोर साथी बन्दी इपफ्रास क तोहे सबन क नमस्कार।

24मोर साथी कार्यकर्ता मरकुस, अरिस्तर्खुस, देमास अउर लूका क तोहे नमस्कार पहुँचइ। 25पर्भू ईसू मसीह क अनुग्रह तोहरे आतिमा क साथ रहइ।

इब्रनियन क पत्र

परमेस्सर अपने पूत क माध्यम स बोलत ह

1 परमेस्सर त अतीत मँ नबियन क जरिये कइयउ अवसरन प कउनउ तरह स हमरे पूर्वजन स बातचीत किहेस।

2मुला इन आखिरी दिने मँ उ हमसे अपने पूत क जरिये बातचीत किहेस, जेका ओ सब कछू क उतराधिकारी नियुक्त किहेस अउर जेकरे द्वारा उ समूचे ब्रह्माण्ड क रचना किहेस।

3उ पूत परमेस्सर क महिमा क प्रभा-मण्डल अहइ अउर ओकरे प्रकृति क प्रतिलिपि अहइ। उ अपने समर्थ बचन क द्वारा सब चीजन क स्थिति बनाए रखत ह। सबके पापन क धोअइ क उ सरगे मँ ओह महामहिम क दहिने हाथे बइठि गवा। 4एह तरह उ सरगदूतन स एतना ही महान बनि गवा जेतॅना कि ओनके उ किहेन। उ सबइ नाउँ स उत्तिम नाउँ बाटइ जउन उ उत्तराधिकार मँ पाए अहइ।

5काहेकि परमेस्सर तउ कउनो सरगदूतन स कभी अइसेन नाहीं कहेस:

> "पूत तू मोर, आजु तोहार बनि गवा हउँ मइँ पिता।" *भजन संहिता 2:7*

अउर न ही कउनो सरगदूत स उ इ कहेस ह,

> "पिता ओकर मइँ बनबइ, अउर होइ पूत उ मोर।" *2 समूएल 7:14*

6अउर फिन उ जब आपन पहिलौटी क लड़का अउर महत्वपूर्ण कसंसार मँ लावत ह तउ कहत ह,

> "परमेस्सर क सरगदूतन सब ओकर नमन करइँ।"
>
> *व्यवस्था विवरण 32:43*

7सरगदूतन क बारे मँ बतावत उ कहत ह,

> "सरगदूतन उ अपने सब पवन बनावइ अउर बनावइ आपन सेवक लपट आगी क।"
>
> *भजन संहिता 104:4*

8मुला अपने पूत क बारे मँ उ कहत ह:

> "हे परमेस्सर, सास्वत तोहर सिंहासन बा, तोहार राज दण्ड बाटइ नेकी;
>
> 9 नेकी ही तोहका पिआरी बा, तोहका घृणा रही पापन स तउन परमेस्सर, तोहर परमेस्सर तउ चुना बा तोहका अउर ओह महान आनन्द दिहेस। तोहका कहूउँ जियादा तोहरे साथियन स।"
>
> *भजन संहिता 45:6-7*

10उ इहउ कहत ह,

> "हे पर्भू, सृस्टि क जब होत रहा जन्म मँ तुमने सरग तथा धरती क नींव राख्या यह तोहरे हाथ का ही कारज अहइँ।
>
> 11 अउर इ सब नस्ट होइ जइहीं मुला रहेगा तू चिरन्तर पुरान कपड़ा स फटि जइहीं इ सबइ
>
> 12 अउर तू परिधान जइसेन ओनका लपेटब्या बदल उ जइहीं फिन कपड़ा जइसेन। मुला तू तउ अहसेन, जैसा की चाह्या रहब्या तोहरे समइ का कबहुँ न अन्त होई।"
>
> *भजन संहिता 102:25-27*

13परमेस्सर त कबहुँ कउनो सरगदूत स अइसेन नाहीं कहेस:

> "बइठ जा तू दहिने मोरे कि ब जब तलक मइँ न तोहरे दुस्मनन क, चरन क चौकी बनाइ देउँ चरन तल तोहरे।"
>
> *भजन संहिता 110:1*

14का सबहिं सरगदूत उद्धार पावइवालन क सेवा क बरे पठई गईन सहायक आतिमा नाहीं अहइँ।

सावधान रहइ क चेतावनी

2 एह बरे हमका अउर जियादा सावधानी क साथे, जउन कछू सुने अही, ओह प धियान देइ चाही ताकि हम भटकइ न पाइ। 2काहेकि अगर सरगदूतन द्वारा दीन्ह गवा उपदेस सत्य होत ह अउर ओकरे हर

एक उल्लंघन अउर अवज्ञा क बरे उचित सजा दीन्हा गवा तउन अगर हम अइसेन महान उद्धार क अपेच्छा कइ देत अही तउ हम दण्ड स कइसे बची। [3]एह उद्धार क पहिली घोसना पर्भू क जरिये की गइ रही। अउर फिन जे एका सुने रहेन, उ हमरे बरे एकर पुस्टि किहेस। [4]परमेस्सर तउ अचरजन, अद्भुत चिन्हन तरह-तरह क अद्भुत कारजन उ पवित्तर आतिमा क उन उपहारन द्वारा जउन ओकर इच्छा क अनुसार बाँटा गवा रहा, एका प्रमाणित किहेस।

उद्धारकर्ता मसीह क मानुस देह धारण

[5]ओह भावी संसार क, जेकर हम चरचा करत अही उ सरगदूतन क अधीन नाहीं किहेस, [6]बल्कि पवित्तर सास्तरन मँ कउनउ स्थान पर कउनो इ साच्छी दिहे अहइ:

"परमेस्सर का बा मनई जउन तू ओकर सुध
लेत अहा? का अहइ हर मनई क पूत जेकरे
बरे अहा चितिंत तू?
7 तू सरगदूतन स किंचित ओका कम कीहा
तनिक स समइ क रख दिहा ओका सिर
महिमा अउर सम्मान क राजमुकुट
8 अउर ओकरे चरनन तरे ओकरे अधीनता
मँ रख दिहा सभन कछू।"

भजन संहिता 8:4-6

सब कछू क ओकरे अधीन रखत भए परमेस्सर तउ कछू भी अइसेन नाही छोड़ेस जउन ओकरे अधीन न होइ। फिन भी आजकल हम हर एक चीज क ओकरे अधीन नाहीं देखत हई। [9]मुला हम इ देखित हई कि उ ईसू जेका तनिक समइ क बरे सरगदूतन स नीचे कइ दीन्ह गवा रहा, अब ओका महिमा अउर सम्मान क मुकुट पहिनावा गवा बा काहेकि उ मउत क यातना झेले रहा। जे परमेस्सर क अनुग्रह क कारण उ हर एक लोग क बरे मउत क अनुभव किहेस। [10]परमेस्सर एक ही बाटइ जउन सबहिं चीजन क बनएस। अउर सबहिं चीजन ओकरी महिमा बरे अहइँ। कइयउ बेटवन क महिमा प्रदान करत भवा उ परमेस्सर क बरे जेकरे द्वारा अउर जेकरे बरे सब क अस्तित्व बना भवा बा, तउ उ ईसू क पूर्ण बनाएस। ओकरे बेटवन क इ सोभा देत ह कि उ ओनके छुटकारा क विधाता क जातनन क द्वारा पूरा सिद्ध करइ।

[11]उ दुइनउँ ही-उ (ईसू) जउन मनई क पवित्तर बनावत ह अउर उ पचे जउन पवित्र बनावा जात हीं, एक्कई परिवार क अहइँ। इहीं बरे उ (ईसू) ओन्हन क भाइयन तथा बहिनियन कहइ मँ लज्जा नाहीं करत ह। [12]ईसू कहेस,

"आपन भाइयन मँ नाउँ क उद्घोस तोहरे मइँ
करबइ सभा क बीच सबके सामने प्रसंसा गीत
तोहरे गउबइ मइँ।"

भजन संहिता 22:22

[13]अउर फिन,

"मइँ ओकर बिसवास करबइ"

यसायाह 8:17

अउर फिन उ कहत ह:

"मइँ इहाँ हउँ। अउर उ पचे सन्तान जउन हइन
साथे मोरे हई दीन्ह जेनका मोरे परमेस्सर।"

यसायाह 8:18

[14]काहेकि संतान माँस अउर लहू स युक्त रही इही बरे ऊहउ ओनकइ इ मानुसता मँ सहभागी होइ गवा ताकि अपने मउत क जरिये उ ओका मतलब सइतान क खतम कइ सकइ जेकरे लगे मारइ का सक्ती बाटइ। [15]अउर ओन्हन क मुक्त कइ लेइ जेकर सम्पूर्ण जीवन मउत क बरे आपने भय क कारण दासता मँ बीता बा। [16]काहेकि उ निस्चित बा कि उ सरगदूतन नाहीं बल्कि इब्राहीम क बंसजन क सहायता भी करत अहइ। [17]इही बरे उ सब तरह स ओकरे भाइयन क जइसा बनावा गवा ताकि उ परमेस्सर क सेवा मँ दयालु अउर बिसवासी महायाजक बनि सकइ। अउर लोगन क ओनके पापन क छमा देवॉवइ क बरे बलि दइ सकइ। [18]काहेकि उॅ खुदइ ओह समइ, जब ओकर परीच्छा लीन्ह जात रही खूबइ जातना भोगे अहइ। इही बरे जेकर परीच्छा लीन्ह जात बाटइ उ ओकर सहायता करइ मँ समर्थ बा।

ईसू मूसा स महान

3 अत: सरगे क एक बोलावा मँ भागीदार हे पवित्तर भाइयो! आपन ध्यान ओह ईसू प लगाइ रखा जउन परमेस्सर क प्रतिनिधि अउर हमार घोसित बिसवास क अनुसार महायाजक अहइ। [2]जइसेन परमेस्सर क समूचा घरे मँ मूसा बिसवासी रहा वइसे ही ईसू भी जे ओका नियुक्त किहे रहा ओह परमेस्सर क बरे, बिसवास स भरा रहा। [3]जइसेन घर क निर्माण करइवाला खुद घर स जियादा आदर पावत ह, वइसेन ईसू मूसा स जियादा आदर का पात्र माना गवा अहइ। [4]काहेकि हर एक भवन क कउनउ न कउनउ बनावइ वाला होत ह, मुला परमेस्सर तउ सब चीज क सिरजनहार अहइ। [5]परमेस्सर क समूचा घराना मँ मूसा एक सेवक क समान बिसवास पात्र रहा, उ ओन्हन बातन का साच्छी रहा जउन भविस्स मँ परमेस्सर क जरिये कही जाइ क रहिन। [6]मुला परमेस्सर

क घर मँ मसीह तउ एक बेटवा क रूपे मँ निस्ठावान
योग्य अहइ अउर अगर हम अपने साहस अउर ओह
आसा मँ बिसवास क बनाए रखित तउ हम ही ओकर
घराना हई।

अबिसवासियन क विरुद्ध चेतावनी

7एह बरे पवित्तर आतिमा कहत ह:

"आज अगर ओकर सुना आवाज़,
8 जिन करा आपन हिरदय क जड़ रहेन किहे
जइसेन बगावत क दिना मँ जब तू पचे रेगिस्तान
मँ परमेस्सर क परखे रह्या
9 मोका परखेन तोहार पूर्वजन तउ, लिहेन
परीच्छा धीरज क मोर ओ सबइ अउर देखेन
काम मोर जेन्हे मइँ करत रहेउँ चालीस बरस!
10 इहइ रहा उ कारण जेसे क्रोधित मइँ ओन्हन
लोगन स रहेउँ; अउर फिन मइँ कहे रहेउँ,
'हिरदय एनकइ भटकत रहत रहेन हमेसा
ही का नाहीं इ जानतेन जउन रस्ता मोर'
11 क्रोध मँ मइँ इही स तब सपथ लइके कहे
रहेउँ 'इ कबहुँ बिस्राम मँ मोरे न सामिल
होइहीं।'"

भजन संहिता 95:7-11

12भाइयो तथा बहिनियो, देखत रहा कहूँ तोहमाँ स
कउनो क मन मँ पाप अउर अबिसवास न समाइ जाइ
जउन तोहे सजीव परमेस्सर से भी दूर भटिकाइ देइ।
13जब तलक इ "आजु" क दिना कहवावत ह, तू हर
दिन परस्पर एक दुसरे क ढाँढ़स बंधावत रहा जइसेन
तोहमाँ स कउनउ पाप क छलावा मँ पड़िके जड़ न बनि
जाए। 14अगर हम अंत तक मजबूती क साथे अपने
आरम्भ क बिसवास क थामे रहित ह तउ हम मसीह क
भागीदारि बनि जाइत ह। 15जइसेन कि कहा भी गवा बा:

"आजु अगर ओकर सुना आवाज़! न करा
आपन हिरदय क जड़ रहे किहे जइसेन कि
बगावत क दिनन मँ।"

भजन संहिता 95:7-8

16भला उ पचे कउन रहेन जइसेन उ पचे सुनेन
अउर बिद्रोह किहेन? का उ पचे उहइ सब नाहीं रहेन
जेन्हे मूसा तउ मिस्र स बचाइ क निकाले रहा? 17उ
चालीस बरसन तलक केन पइ क्रोधित रहा? का ओनहीं
प नाहीं जे पाप किहे रहेन अउर जेनकर ल्हास रेगिस्तान
मँ पड़ा रहेन? 18परमेस्सर केनके बरे सपथ उठाए रहा
कि उ पचे ओकर बिस्राम मँ प्रवेस न कर पइहीं? का उ
पचे उहइ सब नाहीं रहेन जे ओनके आज्ञा क उल्लंघन
किहे रहेन? 19एह तरह हम देखित अही कि उ पचे
अपने अबिसवासे क कारण ही उहाँ प्रवेस पावइ मँ
समर्थ नाहीं होइ सका रहेन।

4 अत: जब ओकरे बिस्राम मँ प्रवेस क प्रतिज्ञा अब
तलक बनी भइ बाटइ तउ हमका सावधान रहइ
चाही कि तोहरे मँ स कउनउ अनुपयुक्त सिद्ध न होइ।
2काहेकि हमकउ ओनही क समान सुसमाचार क उपदेस
दीन्ह गवा बा। मुला जउन उपदेस ओ पचे सुनेन ह,
उ ओनके बरे बेकार बा। काहेकि उ पचे जब ओका
सुनेन तउ एका बिसवास क साथे धारण नाहीं किहेन।
3अब देखा, हम तउ जउन बिसवासी अही ओह बिस्राम मँ
प्रवेस पाए अही। जइसेन कि परमेस्सर कहे भी बाटइ:

"क्रोध मँ मइँ इही स तब सपथ लइके कहे रहेउँ,
'इ पचे कबहुँ बिस्रामे मँ मोरे नाहीं सामिल
होइहीं।'"

भजन संहिता 95:11

जब संसार क सृस्टी करइ क बाद ओकर काम पूरा होइ
गवा रहा। 4उ सतवाँ दिना क सम्बन्ध मँ एन सब्दन मँ
कहूँ पवित्तर सास्तरन मँ कहा बाटइ "अउर फिन सतवें
दिना आपन सभन कामन स परमेस्सर तउ बिस्राम
लिहेस।"* 5अउर फिन उपरोक्त सन्दर्भ मँ भी उ कहत
ह, "उ पचे कबहुँ बिस्राम मँ मोर न सामिल होइहीं।"
6जेनका पहिले सुसमाचार सुनावा गवा रहा आपन
अनाज्ञाकारिता क कारण उ तउ बिस्राम मँ प्रवेस नाहीं
पाइ सकेन मुला अउरन क बरे बिस्राम क दुवार अबऊ
खुला बा। 7इही बरे परमेस्सर तउ फिन एक बिसेस दिन
निस्चित किहेस अउर ओका नाउँ दिहेस, "आजु" कछू
बरसन क बाद दाऊद क द्वारा परमेस्सर तउ उ दिन
क बारे मँ पवित्तर सास्तर मँ बताए रहा। जेकर उल्लेख
हम अबहीं किहे रहे:

"आज अगर ओकर सुना आवाज, न करा आपन
हिरदय क जड़।"

भजन संहिता 95:7-8

8अत: अगर यहोसु ओनका बिस्रामे मँ लइ गवा होत तउ
परमेस्सर बाद मँ कउनउ अउर दिना क बारे मँ न
बतउतइ। 9तउ खैर जउन भी होइ परमेस्सर क भक्तन
क बरे एक वइसी बिस्रान्ति रहत अहइ जइसेन बिस्रान्ति
सातवें दिना परमेस्सर क रही। 10काहेकि जउन कउनो
परमेस्सर क बिस्रान्ति मँ प्रवेस करत ह, अपने करमन
स बिस्रान्ति पाइ जात ह। वइसेन ही जइसेन परमेस्सर तउ
अपने करमन स बिस्रान्ति पाइ लिहेस। 11तउ आवा हमहूँ

"अउर ... लिहेस" उत्पत्ति 2:2

ओह बिस्रान्ति मँ प्रवेस पावइ क बरे हर एक प्रयत्न
करीं। ताकि ओकर अनाज्ञाकारिता क उदाहरण क
करत भए कउनो क पतन न होइ।
12परमेस्सर क बचन त सजीव अउर क्रियासील बा,
उ कउनो दुधारी तलवार से भी जियादा पैना बा। उ
आतिमा अउर प्राण, संधियन अउर मज्जा तलक मँ गहिरा
बेध जात ह। उ मन क वृत्तियन अउर बिचारन क परख
लेत ह। 13परमेस्सर क दिस्टी स एह समूचे सृस्टी मँ कछू
भी ओझल नाहीं बाटइ। ओकरे आँखिन क सामने जेका
हमका लेखा-जोखा देइ क बा, हर चीज बिना कउनो
आवरण क उघड़ी हुई बाटइ।

महान महायाजक ईसू

14एह बरे काहेकि परमेस्सर क पूत ईसू एक अइसेन
महान महायाजक अहइ, जउन सरगे मँ स होइके गवा
अहइ तउ हमका अपने अंगीकृत अउर घोसित बिसवास
क दृढ़ता क साथे थामे रखइ चाही। 15काहेकि हमरे लगे
जउन महायाजक अहइ, उ अइसेन नाहीं अहइ जउन
हमार कमजोरी क साथे सहनुभूति न रख सकइ। ओका
हर तरह स वइसेन ही परखा गवा बा जइसेन हमका
फिन भी हमेसा पाप रहित बा। 16त फिन आवा हम
भरोसा क साथे अनुग्रह पावइ परमेस्सर क सिंहासन
कइँती बढ़ी ताकि जरूरत पड़इ प हमार सहायता क बरे
हम दया अउर अनुग्रह क पाइ सकी।

5 हर एक महायाजक मनइयन स ही चुना जात ह।
अउर परमात्मा सम्बन्धी बिसयन मँ लोगन क
प्रतिनिधित्व करइ क बरे नियुक्ति कइ जात ह ताकि उ
पापन क बरे भेंट य बलिदान चढ़ावइ। 2काहेकि उ खुद
भी कमजोरन क अधीन अहइ, इही बरे उ ना समझन
अउर भटकन भएन क साथे कोमल व्यवहार कइ
सकत ह। 3इह बरे ओका अपने पापन क बरे अउर
वइसेन लोगन क पापन क बरे बलिदान चढ़ावइ पड़त
ह। 4एह सम्मान क कउनो अपने प नाहीं लेत। जइसेन
कि हारून क समान परमेस्सर कइँती स ठहरावा न
जात। 5इही तरह मसीह तउ महायाजक बनइ क महिमा
क खुद ग्रहण नाहीं किहेस बल्कि परमेस्सर तउ ओसे
कहेस,

> "तू अहा मोर पूत बना हउँ आजु, मइँ तोहार
> पिता।"
>
> *भजन संहिता 2:7*

6अउर एक उ स्थान प उहउ कहत ह,

> "तू अहा एक सास्वत याजक, मलिकिसिदक क
> जइसा।"
>
> *भजन संहिता 110:4*

7ईसू तउ एह धरती पे क जीवन काल मँ जउन
ओका मउत स बचाइ सकत ह, ऊँचे सुर मँ पुकारत भए
अउर रोबत भए ओसे सबइ पराथना अउर सब बिनती
किहे रहा अउर आदरपूर्ण समर्पण क कारण ओकर
सुनी गइ। 8जद्यपि उ ओकर बेटवा रहा फिन भी जातना
झेलत हुए उ आज्ञा क पालन करइ सीखेस। 9अउर एक
दाईं सम्पूर्ण बनि जाइ प उ सब क बरे जउन ओकरी
आज्ञा क पालन करत हीं उ अनन्त छुटकारा क स्रोत
बनि गवा। 10अउर परमेस्सर क जरिये मलिकिसिदक*
क परम्परा मँ ओका महायाजक बनावा गवा।

पतन क बिरुद्ध चेतावनी

11एकरे बारे मँ हमारे लगे कहइ क बहुत कछू बा,
प ओकर ब्याख्या कठिन बा काहेकि तोहार समझ बहुत
धीमी बाटइ। 12सही मँ एह समइ तलक तउ तोहे सबन
क सिच्छा देइ वाला बनि जाइ चाही रहा। परन्तु तोहे
पचन क तउ अबहिं कउनउ अइसेन मनई क जरूरत
बा जउन तोहे सबन क नवा सिरे स परमेस्सर क उपदेस
क आरम्भिक बात ही सिखावइ। तोहे सबन क तउ बस
अबहिं दूध ही चाही ठोस आहार नाहीं। 13जउन अबहीं
दुध-मुँहा बच्चा ही अहइँ ओका धरम क बचन क पहिचान
नाहीं होत
14मुला ठोस आहार तउ ओन बड़न क बरे होत ह
जे अपने आत्मिक दृस्टि क प्रसिच्छन स भला-बुरा मँ
पहिचान करब सीख लिहे अहइँ।

6 अत: आवा, मसीह सम्बन्धी आरम्भिक सिच्छा क
छोड़िके हम मजबूती कइँती बढ़ी हमका ओन बातन
कइँती अउर न बढ़इ चाही जइसेन हम सुरुआत कीन्ह
जइसेन मउत कइँती लइ जाइवाला करमन क बरे
मनफिराव, परमेस्सर मँ बिसवास, 2बपतिस्मावन* क
सिच्छा, हाथ रखइ, मरइ क बाद फिन स जी उठइ अउर
उ निआव जइसेन हमार भावी अनन्त जीवन निस्चित
होई। 3अउर अगर परमेस्सर चाहेस तउ हम अइसेन ही
करबइ।
4-6जेनका एक बार प्रकास मिली चुका अहइ, जउन
सर्गीय बरदान क अस्वादन कइ चुका होइँ, जउन पवित्तर
आतिमा क सहभागी होइ गवा अहइँ जउन परमेस्सर क
बचन क उत्तिमताई अउर आवइवाला जुग क सक्तियन
क अनुभव कइ चुका अहइँ, अगर उ भटकि जाइँ तउ
ओनका मनफिराव कइँती लउटाइ लेब असम्भव बा। उ
पचे जइसेन अपने ढंग स नवा सिरे स परमेस्सर क पूत

मलिकिसिदक इब्राहीम क समइ क एक याजक अउर बड़का
महाराजा रहा। उत्पत्ति 14:17-22

बपतिस्मावन बपतिस्मावन स हिआँ या तउ अरथ मसीही
बपतिस्मा स बाटइ या यहूदी रीति क पानी मँ बुड़की लेइ क
बपतिस्मा स।

क फिन स क्रूस पचढ़ाएन अउर ओका सबक सामने
अपमान क बिसय बनाएन।
7उ लोग अइसेन धरती क जइसेन अहइँ जउन हमेसा
होइवाली बरखा क जल क सोख लेत ह, अउर
जोतइ-बोवइवालन क बरे उपयोगी फसल प्रदान करत
ह, उ परमेस्सर क असीस पावत ह। 8मुला अगर उ
जमीन प कांटा अउर गोखरु उपजावत ह, तउ उ बेकार
कअहई। अउर ओका अभिसप्त अहइ क भय बा। अंत
मँ ओका जलाइ दीन्ह जाई।
9पिआरे दोस्तन, चाहे हम एह तरह कहित ह मुला
तोहरे बारे मँ हमका अइसेन अच्छी बातन क बिसवास
बा-बातन जउन उद्धार स सम्बन्धित बाटिन। 10तू ओनके
सब जन क सहायता कइके अउर हमेसा सहायता करत
भए जउन पिरेम दरसाए अहा ओका अउर तोहार दुसरे
कामन क परमेस्सर कबहुँ न भुलाई। उ अन्यायी नाहीं
अहइ। 11हम चाहित ह कि तोहमाँ स हर कउनो जीवन
भर अइसेन ही दिन भर मेहनत करत रहइ। अगर तू
अइसेन करत ह तउ तू निच्चित ही ओका पाइ जाब्या तू
आसा करत रहे अहा। 12हम इ नाहीं चाहित कि तू
आलसी होइ जा। बल्कि तू ओनकर अनुकरण करा
जउन बिसवास अउर धीरज क साथे ओन्हन चीजन क
पावत अहइँ जेनका परमेस्सर तउ बचन दिहे रहा।
13जब परमेस्सर इब्राहीम स प्रतिज्ञा किहे रहा, तब
काहेकि खुद ओसे बड़का कउनो अउर नाहीं रहा, जेकर
सपथ लीन्ह जाइ सकइ, इही बरे आपन सपथ लेत भवा।
14उ कहइ लाग, "निस्चित ही मइँ तोहका आसीर्वाद देबइ
अउर मइँ तोहका कइयउ बंसज भी देबइ।"* 15अउर
एह तरह इब्राहीम धीरज क साथे बाटे जोहइके बाद उ इ
पाएस जेकर उ प्रतिज्ञा कीन्ह गइ रही।
16लोग ओकर सपथ लेतहीं जउन कउनो ओसे
महान होत ह अउर उ सपथ सबहिं तर्क-बितर्कन क
अन्त कइके जउन कछू कहा जात ह, ओका पक्का
कइ देत ह। 17परमेस्सर एका ओन्हा पंचन क बरे, कुल
तरह स्पस्ट कइ देइ चाहत रहा, जेका ओन्हे पावइ क
रहा, जेका देइ क उ प्रतिज्ञा किहे रहा कि उ अपने
प्रयोजन क कबहुँ न बदलइ। इही बरे अपने बचन क
साथे उ आपन सपथ क जोड़ दिहेस। 18तउ फिन हियाँ
दुइ बात-हइन ओकर प्रतिज्ञा अउर ओकर सपथ-जउन
कबहुँ नाहीं बदल सकतिन अउर जेकरे बारे मँ परमेस्सर
कबहुँ झूठ नाहीं कहि सकत। इही बरे हम जउन परमेस्सर
क लगे सुरच्छा पावइ क आइ अहइ अउर जउन आसा
उ हमका दिहे अहइ, ओका थामे भए हई, अउर जियादा
उत्साहित अही। 19इ आसा क हम आतिमा क सुदृढ़
अउर सुनिस्चित लंगर क रूप मँ धरे अही। इ परदा क
पीछे भित्तर स भितर अन्तरतम तलक पहुँचत ह। 20जहाँ
ईसू तउ हमारे कइँती स हमसे पहिले प्रवेस किहेस। उ
मलिकिसिदक क परम्परा मँ सदा हमेसा क बरे महा
याजक बनि गवा।

याजक मलिकिसिदक

7 इ मलिकिसिदक सालेम क राजा रहा अउर सर्वोच्च
परमेस्सर क याजक रहा। जब इब्राहीम राजा लोगन
क पराजित कइके लउटत रहा त उ इब्राहीम स मिला
अउर ओका आसीर्बाद दिहेस। 2अउर इब्राहीम तउ ओका
उ सब कछू मँ स जउन उ युद्ध मँ जीते रहा ओकर
दसवाँ भाग प्रदान किहेस (ओकरे नाउँ क पहिला अर्थ
बा, "धार्मिकता क राजा" अउर फिन ओकर इ अर्थ
अहइ, "सालेम क राजा" मतलब "सान्ति क राजा।")
3ओकरे पिता या ओकरी महतारी अउर ओकरे पूर्वजन
क कउनो इतिहास नाहीं मिलत ह। ओकर जन्म अउर
मउत क कहूँ कउनउ उल्लेख नाहीं बा। परमेस्सर क
पूत क समान ही उ हमेसा-हमेसा क बरे याजक बना
रहत ह।
4तनिक सोचा, उ केतॅना महान रहा। जेका कुल
प्रमुख इब्राहीम तलक तउ अपने प्राप्ति क दसवाँ भाग
दिहे रहा। 5अब देखा व्यवस्था क अनुसार लेवी बंसज
जउन याजक बनत हीं लोगन स मतलब अपनी ही भाइयन
स दसवाँ भाग लेइँ। जद्यपि ओनकर उ सबइ भाई इब्राहीम
क बंसज अहइँ। 6फिन उ मलिकिसिदक जउन लेवी
बंसी भी नाहीं रहा, इब्राहीम स दसवाँ भाग लिहेस। अउर
उ इब्राहीम क आसीर्बाद दिहेस जेकरे लगे परमेस्सर क
प्रतिज्ञा रही। 7एहमाँ कउनउ संदेह नाहीं रहा कि जउन
आसीर्बाद देत ह उ आसीर्बाद लेइवाला स बड़ा होत ह।
8जहाँ तलक लेवियन क प्रस्न बा, ओहमाँ दसवाँ भाग
ओन्हन मनइयन द्वारा एकट्ठा कीन्ह जात ह, जउन
मरणसील हयेन मुला मलिकिसिदक क जहाँ तलुक
प्रस्न बा दसवाँ भाग ओकरे दुवारा एकत्र कीहा जात ह,
जउन पवित्तर सास्तर क अनुसार अबहुँ जिन्दा अहइँ।
9तउ फिन कउनो इहाँ तलक कहि सकत ह कि उ
लेवी जउन दसवाँ भाग एकट्ठा करत ह, उ इब्राहीम क
जरिये दसवाँ भाग प्रदान कइ दिहेस। 10काहेकि जब
मलिकिसिदक इब्राहीम स मिला रहा, तबउ लेवी अपने
पूर्वजन क सरीर मँ वर्तमान रहा।
11अगर लेवी सम्बन्धी याजकता द्वारा पूर्णता पाइ
जाइ सकत काहेकि इही क अधार प लोगन क व्यवस्था
दीन्ह गवा रहा। त कउनो दुसर याजक क आवइ क
जरूरत इ का रही? एक अइसेन याजक क जउन
मलिकिसिदक क परम्परा क होइ, न कि हारून क
परम्परा क। 12काहेकि जब याजकता भी बदलत ह,
तउ व्यवस्था मँ भी परिवर्तन होइ चाही। 13जेकरे बिषय
मँ इ सबइ बात कही गइ बाटिन, उ कउनो दुसरे गोत्र क
अहइ, अउर ओह गोत्र क कउनो मनई कबहुँ वेदी क

"निस्चित ... देबइ" उत्पत्ति 22:17

सेवक नाहीं रहा। [14]काहेकि इ तउ स्पस्ट इ बा कि
हमार पर्भू यहूदा क बंसज रहा अउर मूसा तउ ओह-गोत्र
क बरे याजकन क बारे मँ कछू नाहीं कहे रहा।

ईसू मलिकिसिदक क जइसन एक याजक हयेन

[15]अउर जउन कछू हमहूँ कहे हई अउर उ स्पस्ट
बा कि मलिकिसिदक क जइसेन एक दुसर याजक प्रकट
होत ह। [16]उ आपन वंसावली क नियम क आधार प
नाहीं बल्कि एक अनन्त जीवन क सक्ती क आधार प
याजक बना अहइ। [17]काहेकि घोसित कीन्ह गवा रहा,
"तू अहा एक याजक सास्वत मलिकिसिदक क
जइसा।"*

[18]पहिला नियम एह बरे रद्द कइ दीन्ह गवा काहेकि
उ कमजोर अउर बेकार रहा। [19]काहेकि व्यवस्था तउ
कउनो क सम्पूर्ण सिद्ध नाहीं किहेस अउर एक अच्छी
आसा क सूत्रपात कीन्ह गवा जेकरे द्वारा हम परमेस्सर
क लगे खिंचित ह।

[20]इ बात भी महत्वपूर्ण बा कि परमेस्सर तउ ईसू क
सपथ क द्वारा महायाजक बनाए रहा। जबकि अउरन
क बिना सपथ कउनो महायाजक बनावा गवा रहा।
[21]मुला ईसु तब एक सपथ स याजक बना रहा, जब
परमेस्सर तउ ओसे कहे रहा,

"पर्भू तउ लिहे अहइ सपथ अउर उ कबहुँ
नाहीं बदली निज मत 'तू अहा एक ठु याजक
सास्वत।'"

भजन संहिता 110:4

[22]इ सपथ क कारण ईसू एक अउर अच्छा करार क
जमानत बन गवा बा।

[23]अब देखा। अइसेन बहुत स याजक हुआ करत हीं
जेन्हे मउत तउ अपने गोड़े प नाहीं बनइ रहइ दिहेस।

[24]मुला काहेकि ईसू अमर अहइ, इही बरे ओकर
याजकपन भी हमेसा–हमेसा बना रहइवाला अहइ। [25]अत:
जउन लोग ओकरे द्वारा परमेस्सर तक पहुँच हीं, उ
ओनकर हमेसा क बरे उद्धार करइ मँ समर्थ अहइ,
काहेकि उ ओनकर मध्यस्थता क बरे ही हमेसा जिअत
ह। [26]अइसेन ही महायाजक हमार जरूरतन क पूरा कइ
सकत ह, जउन पवित्तर होइ, दोस रहित होइ, सुद्ध होइ,
पापियन क प्रभाऊ स दूर रहत होइ, सरग से भी जेका
ऊँचा उठावा गवा होइ। [27]जेकरे बरे दुसर याजकन क
समान इ जरूरी न अहइ कि उ दिन प्रतिदिन पहिले
अपने पापन क बरे अउर फिन लोगन क पापन क बरे
बलिदान चढ़ावइ। उ तउ हमेसा-हमेसा क बरे ओनके
पापन ओनके पापन क बरे खुद अपने आप क बलिदान
कइ दिहेस। [28]काहेकि व्यवस्था दुर्बल लोगन क याजक
क रूप मँ नियुक्त किहेस। मुला सपथ क बचन व्यवस्था
क बाद आवा, उस बचन क द्वारा परमेस्सर बेटवा क
महायाजक क रूप मँ नियुक्त किहेस जउन हमेसा हमेसा
क बरे पूरा बनि गवा।

नवा करार क महायाजक

8 जउन कछू हम कहत अही कि, ओकर मुख्य बात
इ बा: निस्चय ही हमरे लगे एक अइसा महायाजक
बा जउन सरगे मँ ओह महा महिमावान क सिंहासन क
दहिने हाथ बिराजमान अहइ। [2]उ ओह पवित्तर गर्भ गृह
मँ यानि स्वर्गिक रावटी, मँ जेका परमेस्सर तउ स्थापित
किहे रहा, न कि मनई, सेवा क काम करत ह।

[3]हर एक महायाजक क एह बरे नियुक्त कीन्ह जात
ह उ भेंटन अउर बलिदानन-दुन्नऊ क ही अर्पित करइ।
अउर इही बरे एह महायाजक क बरे भी जरूरी रहा कि
ओकरे लगे भी चढ़ावा क बरे कछू होइ। [4]अगर उ
धरती प होत तउ उ याजक नाहीं होइ पावत काहेकि
उहाँ पहिलेन स ही अइसेन मनई अहइँ जउन व्यवस्था
क अनुसार भेंट-चढ़ावत हीं। [5]पवित्तर आराधना स्थान
मँ ओनकर सेवा–आराधना सरगे क यथार्थ क एक
छाया नकल अहइ। इही बरे जब मूसा पवित्तर रावटी क
निर्माण करइवाला रहा, तबइ ओका चेतावनी दइ दीन्ह
गइ रही: "ध्यान रहइ कि तू हर चीज ठीक उही प्रतिरूप
क अनुसार बनावा जउन तोहका पर्वत प देखावा गवा
रहा।" [6]मुला जउन सेवा काम ईसू क मिला बा, उ
ओनके सेवा काम स स्रेस्ठ बा। काहेकि उ जेह करार
क मध्यस्थ अहइ उ पुरान करार स भी उत्तिम अहइ
अउर उत्तिम चीजन क सबइ प्रतिज्ञा प अधारित बा।

[7]काहेकि अगर पहिला करार मँ कउनउ खोट नाहीं
होत तउ दुसरे करार क बरे कउनउ स्थान इ नाहीं रही
जात। [8]मुला परमेस्सर क ओन्हन लोगन मँ खोट मिला।
उ कहेस:

"पर्भू घोसित करत ह, आवत अहइ उ समइ
करबइ, जब मइँ इस्राएल क घराना स यहूदा
क घराना स एक नवा करार
9 इ करार होई न वइसेन जइसेन किहे रहेउँ
मइँ ओनके पूर्वजन क साथ ओह समइ जब
मइँ ओनकर हाथ मिस्र स निकाल लइयावइ
बरे पकड़े रहेउँ काहेकि पर्भू कहत ह, उ
मोरे करार मँ बिसवास नाहीं रखत मइँ ओनसे
मुँह फेर लिहेउँ।
10 इ बा उ करार जेका मइँ इस्राएल क घराना
स करबइ। अउर फिन ओनके बाद पर्भू
घोसित करत ह ओनके मन मँ निज व्यवस्था
बसउबइ मइँ ओनके हिरदय प लिखि देबइ

"तू ... जइसा" भजन 110:4

मइँ ओनका परमेस्सर बनबइ अउर उ मोर
जन होइहीं।
11 फिन तउ कबहुँ कउनो जन अपने पड़ोसी
क, अइसेन न सिखावइ या कउनो जन न
अपने भाइयन स कबहुँ कही तू पर्भू क
पहचाना। काहेकि तब त ओ सभन छोट से
लइ के बड़न से बड़न मोका जनिहीं तलक।
12 काहेकि मइँ ओनके दुस्ट करमन क छमा
करबइ अउर कबहुँ ओनके पापन क याद
न रखबइ।”

यिर्मयाह 31:31-34

[13]एह करार क नवा कहिके उ ओनसे पहिले क
व्यवहार क अयोग्य ठहरायेस। अउर जउन पुरान पड़त
अहइ अउर व्यवहार क अयोग्य अहइ, उ त फिन जल्दी
ही लुप्त होइ जाई।

पुराने करार क आराधना

9 अब देखा पहिले करार मँ ही आराधना क नियम
रहेन। अउर एक मनई क हाथन क बना आराधना
घर भी रहा। [2]एक रावटी बनाइ गइ रही जेकरे पहिले
कच्छ मँ दीपाधार रहेन, मेज रहिन, अउर भेंट क रोटी
रही। एका पवित्तर स्थान कहा जात रहा। [3]दुसरे परदा
क पीछे एक अउर कमरा रहा जेका परम पवित्तर
कहा जात बा। [4]एहमन सुगंधित सामग्री क बरे सोना क
वेदी अउर सोना क मढ़ी करार क पेटी रही। एह पेटी मँ
सोना क बना पन्ना क एक पात्र रहा, हारून क उ छड़ी
रही जेह पर कोपल फूटी रही अउर करार क पत्थर क
पतरा रहेन। [5]पेटी क ऊपर परमेस्सर क महिमामय
उपस्थिति क प्रतीक यानि करूब बना रहेन जउन छमा
क स्थान पर छाया क करत रहेन। मुला एह समइ हम
इन बातन क बिस्तार क साथे चर्चा नाहीं कइ सकित।
[6]सब कछू क एह तरह व्यवस्थित होइ जाइ क बाद
याजक बाहरी कच्छ मँ प्रति दिन प्रवेस कइके आपन
सेवा क काम करइ लागेन। [7]मुला भीतर कच्छ मँ
केवल महायाजक ही प्रवेस करत रहा अउर उहऊ साल
मँ एक दाईं। उ बिना ओह लहू क कबहुँ प्रबेस नाहीं
करत रहा जेका उ खुद अपने द्वारा अउर लोगन क
द्वारा अनजाना मँ कीन्ह गए पापन क बरे भेंट चढ़ावत
रहेन। [8]एकरे द्वारा पवित्तर आतिमा इ दरसावा करत
रहा कि जब तलक अबहिं पहिली रावटी खड़ी भई बा,
तब तलक परम पवित्तर स्थान क रस्ता उजागर नाहीं
होइ पावत। [9]इ आजु क जुग क बरे एक प्रतीक अहइ
जउन इ दरसावत ह कि भेंट अउर बलिदान जेका अर्पित
कीन्ह जात बा, आराधना करइवालन क चेतना क सुद्ध
नाहीं कइ सकत। [10]इ सबइ तउ बस खाइपिअइ अउर
कइयउ पर्व बिसेस–स्थानन क बाहेर क नियम अहइँ
अउर नइ व्यवस्था क समइ तक क बरे ही इ लागू होत
हीं।

मसीह क लहू

[11]मुला अब मसीह इ अउर अच्छी व्यवस्था क,
जउन अब हमरे लगे बा, महायाजक बनिके आइ गवा
बा। उ ओह जियादा अच्छी अउर पूरी रावटी मँ स होइ
क प्रवेस किहेस जउन मनइयन क हाथन क बनाइ भइ
नाहीं रही। मतलब जउन सांसारिक नाहीं बा। [12]बकरन
अउर बछड़न क लहू क लइके उ प्रवेस नाहीं किहे रहा
बल्कि सदा हमेसा क बरे भेंट सरूप अपनेन ही लहू क
लइके परम पवित्तर स्थान मँ ओकर प्रवेस भवा रहा।
एह तरह उ हमरे बरे पापन स सदा काल क छुटकारा
सुनिस्चित कइ दिहे बा।
[13]बकरन अउर साँड़न क खून अउर बछिया क
भभूत क ओनपइ छिड़का जाब, असुद्धन क सुद्ध बनावत
ह ताकि उ सबइ बाहरी तउर प स्वच्छ होइ जाइँ। [14]जब
इ सच बा तउ मसीह क लहू केतॅना प्रभावसाली होइ। उ
अनन्त आतिमा क द्वारा अपने आपक एक पूरी तरह
बलि क रूप मँ परमेस्सर क समर्पित कइ दिहेस। तउन
ओनकर लहू हमरे चेतना क ओन्हन करमन स छुटकारा
देवाई जउन मउत क ओर लइ जात हीं ताकि हम सजीव
परमेस्सर क सेवा कइ सकी।
[15]इही कारण स मसीह एक नवा करार क बीचउलिया
बना ताकि जेनका बोलावा गबा बा, उ उत्तराधिकार क
अनन्त आसीर्बाद पाइ सकइँ जेनकर परमेस्सर तउ प्रतिज्ञा
किहे रहा। अब देखा, पहिले करार क अधीन कीन्ह
गएन पापन स ओन्हे छुटकारा दियावइ क बरे फिरौती
क रूप मँ उ आपन प्रान तलक दइ चुका अहइ। [16]जहाँ
तलक बसीयतनामा क प्रस्न बा, तउ ओकरे बरे जे
ओका लिखे अहइ, ओकरी मउत क प्रमाणित कीन्ह
जाब जरूरी बाटइ [17]काहेकि कउनउ बसीयतनामा केवल
तबहिं प्रभावी होत ह जब ओका लिखइवालन क मउत
होइ जात ह। जब तलक ओका लिखइवाला जिन्दा रहत
ह, उ कबहुँ प्रभावी नाहीं होत।
[18]इही बरे पहिला करार भी बिना एक मउत अउर
लहू क गिराए स काम सुरू नाहीं कीन्ह गवा। [19]मूसा जब
व्यवस्था क प्रत्येक आदेस क सब लोगन क घोसना कइ
चुका तउ उ जल क साथे बकरन अउर बछड़न क लहू
क लाल ऊन अउर हिसप क टहनियन स चर्म पत्रन
अउर सभन लोगन पे छिड़क दिहे रहा। [20]उ कहे रहा,
“इ उ करार क लहू अहइ, परमेस्सर जेकरे पालन क
आज्ञा तोहे सबन क दिहे अहइ।” [21]उ इही तरह रावटी
आराधना उत्सव मँ काम आवइवाली सब चीज प लहू
छिड़के रहा। [22]सही या व्यवस्था चाहत ह कि अक्सर हर
चीज क लहू स सुद्ध कीन्ह जाइ। अउर बिना लहू बहाए
छमा हई या नाहीं ही बाटइ।

मसीह क बलिदान पापन क धोइ डालत ह

23त फिन इ जरूरी बा कि चीजन जउन सरगे क
प्रतिकृति बाटिन, ओन्हे पसुवन क बलिदानन स सुद्ध
कीन्ह जाइ मुला सरग क चीजन त एनहूँन स अच्छी
बलिदानन स सुद्ध कीन्ह जाइ क अपेच्छा करत ह।
24मसीह तउ मनइयन क हाथन क बना परम पवित्तर
स्थान मँ, जउन सच्चा परम पवित्तर स्थान क एक
प्रतिकृति मात्र रहा, प्रवेस नाहीं किहेस। उ तउ खुदइ
सरग मँ ही प्रवेस किहेस ताकि अब उ हमरे ओर स
परमेस्सर क उपस्थिति मँ प्रकट होइ। 25अउर नाहीं तउ
आपन फिन–फिन बलिदान चढ़ावइ क बरे उ सरगे मँ
ओह तरह प्रवेस किहेस जइसेन महायाजक उ लहू क
साथे, जउन ओकर आपन नाहीं बा, परम पवित्तर स्थान
मँ हर साल प्रवेस करत ह। 26नाहीं त फिन मसीह क
सृस्टि क आदि स ही कइयउ दाईं जातना झेलइ क पड़त।
मुला अब देखा, इतिहास क चरम बिन्दु पर आपन बलिदान
क द्वारा पापन क नास करइ क बरे उ हमेसा हमेसा
क बरे एक्कइ बार प्रकट होइ गवा अहइ। 27जइसे एक
बार मरब अउर ओकरे बाद निआव क सामना करब
मनई क नियति बा 28तउन वइसेन मसीह क, एक्कइ
बार कइयउ मनइयन क पापन क हरि लेइ क बरे
बलिदान कइ दीन्ह गवा। अउर उ पापन क बहन करइ
क बरे नाहीं बल्कि जउन ओकर बाट जोहत अहइँ,
ओनके बरे उद्धार लियावइ क फिन दुसरी दाईं प्रकट
होइ।

अन्तिम बलिदान

10 व्यवस्था त आवइवाली अच्छी बातन क छाया
मात्र प्रदान करत ह। अपने आप मँ उ बात
यथार्थ नाहीं हइन। इही बरे उही बलियन क द्वारा जेन्हे
हमेसा हर बरिस अनन्त रूप स दीन्ह जात रहत ह,
आराधना क बरे लगे आवइवालन क हमेसा–हमेसा क
बरे पूरा सिद्ध नाहीं कीन्ह जाइ सकत। 2अगर अइसेन
होइ पावत तउ का ओनकर चढ़ावा जाब बन्द न होइ
जात? काहेकि फिन तउ आराधना करइवालन एक ही
इ बार मँ सदा–हमेसा क बरे पवित्तर होइ जातेन। अउर
आपने पापन क बरे फिन कबहुँ खुद क अपराधी न
समझतेन।

3मुला उ बलिदान तउ बस पापन क एक बरस भरे
क स्मृति मात्र अहइँ। 4काहेकि साँड़न अउर बकरन क
लहू पापन क दूर कइ देइ, इ सम्भव नाहीं बा। 5इही बरे
जब मसीह एह जगत मँ आइ रहा तउ उ कहे रहा:

“तू बलिदान अउर कउनउ भेंट नाहीं चाह्या,
मुला मोरे बरे एक देह तइयार किहा।
6 तू नाहीं कउनउ दग्ध भेंटन स न तउ पाप
भेंटन स खुस भया।
7 तब फिन मइँ कहे रहेउँ, ‘किताबे मँ मोर बरे
इ लिखा भी बा मइँ इहाँ अइइ। हे परमेस्सर
तोहार इच्छा पूरा करइ क आइ हउँ।’”

भजन संहिता 40:6-8

8उ पहिलेन कहे रहा, “बलिदान अउर भेंटन, दग्ध भेंटन
अउर पाप भेंटनन तउ तू चाहत अहा अउर न तउ तू
ओसे खुस होत ह।” (जद्यपि व्यवस्था इ चाहत ह कि उ
सबइ चढ़ाइ जाइँ) 9तब उ कहे रहा, “मइँ इहाँ अहउँ। मइँ
तोहार इच्छा पूरी करइ आई हउँ।” त उ दुसरे व्यवस्था
क स्थापित करइ क बरे, पहिली क रद्द कइ देत ह।
10तउन परमेस्सर क इच्छा स एक बार ही हमेसा-हमेसा
क बरे ईसू मसीह क देह क बलिदान द्वारा हम पवित्तर
कइ दीन्ह गएन।

11हर याजक एक दिना क बाद दुसरे दिन खड़ा
होइके अपने धार्मिक कारज क पूरा करत ह। उ पचे
फिन-फिन एक जइसेन ही उ बलि चढ़ावत हीं जउन
पापन क कबहुँ दूर नाहीं कइ सकतेन। 12मुला याजक
क रूप मँ मसीह तउ पापन क बरे, हमेसा क बरे
एक्कइ बलि चढ़ाइके परमेस्सर क दहिने हाथ जाइ
बइठा। 13अउर उही समइ स ओका अपने विरोधियन
क ओकरे चरण क चौकी बनाइ दीन्ह जाइ क प्रतीच्छा
बा। 14जउन पवित्तर कीन्ह जात अहइ, ओनका
हमेसा-हमेसा क बरे पूरा सिद्ध कइ दिहेस।

15एकरे बरे पवित्तर आतिमा हमका साच्छी देत ह।
पहिले उ बतावत ह:

16 ‘इ अहइ उ करार जेका मइँ ओनसे करबइ।
अउर फिन ओकरे बाद पर्भू घोसित करत
निज व्यवस्था मइँ ओनकइ हिरदइ मँ
बसबउबइ ओनके मने पर लिखी देबइ।”

यिर्मयाह 31:33

17उ इहउ कहत ह:

“ओनके पापन अउर ओनके दुस्करमन क
अब मइँ कबहुँ याद न रखब।”

यिर्मयाह 31:34

18अउर फिन जब पाप छमा कइ दीन्ह गएन त पापन क
बरे कउनो बलिदान क कउनउ जरूरत रही ही नाहीं।

परमेस्सर क लगे आवअ

19इही बरे भाइयो तथा बहिनियो, काहेकि ईसू क
लहू क द्वारा हमका ओह परम पवित्तर स्थान मँ प्रवेस
करइ क निडर भरोसा बा। 20जेका उ परदा क द्वारा,
मतलब जउन ओकर सरीरइ अहइ, एक नवा अउर

सजीव रस्ता क माध्यम स हमरे बरे खोलि दिहे अहइ।
21अउर काहेकि हमरे लगे एक अइसेन महान याजक
अहइ जउन परमेस्सर क घराना क अधिकारी अहइ।
22तउ फिन आवा, हम सच्चे हिरदइ, निस्चितपूर्ण बिसवास
आपन अपराधपूर्ण चेतना स हमका सुद्ध करइ क बरे
कीन्ह गए छिड़क भी स युक्त अपने हिरदइ क लइके
सुद्ध जल स धोवा भए अपने सरीरन क साथे परमेस्सर
क लगे पहुँचत अही। 23तउ आवअ जेह आसा क हम
अंगीकार किहे हई, हम अडिग भाउ स ओह पर डटा
रही काहेकि जे हमका बचन दिहे अहइ, उ बिसवासपूर्ण
बा।

एक दुसरे क बलवान करइ

24अउर आवा हम धियान रखी कि हम पिरेम अउर
अच्छा करमन क बरे एक दुसरे क कइसेन बढ़ावा दइ
सकित ह। 25हमरे सबइ सभा मँ आउब जिन छोड़ा।
जइसेन कि कछून क तउ उहाँ न आवइ क आदत ही
पड़ि गइ बा। बल्कि हमका तउ एक दुसरे क बलवान
करइ चाही। अउर जइसेन कि तू देखत अहा कि उ दिन
लगे आवत बा-तउन तोहे तउ इ अउर जियादा करइ
चाही।

मसीह स मुँह न फेरा

26सत्य क गियान पाइ लेइके बाद उ अगर हम
जानबूझ क पाप करित ही रहित ह फिन तउ पापन क
बरे कउनउ बलिदान बचा नाहीं रहत। 27बल्कि फिन त
निआव क भयानक प्रतीच्छा अउर भीसण आगी बाकी
रहि जात ह जउन परमेस्सर क बिरोधियन क चट कइ
जाई। 28जउन कउनउ मूसा क व्यवस्था क पालन करइ
स मना करत ह, ओका बिना दया देखाए दुइ या तीन
साच्छियन क साच्छी प मारि डावा जात ह। 29सोचा, उ
मनइयन केतना जियादा कड़ा दंड क पात्र अहइँ, जे
अपने गोड़न तले परमेस्सर क पूत क कुचलेन, जे
करार क उ लहू के, जे ओनका पवित्तर किहे रहा,
एक अपवित्तर चीज मानेन अउर अनुग्रह क आतिमा
क अपमान किहेन। 30काहेकि हम ओनका जानित ह
जे कहे रहेन, "बदला लेब काम बा मोर, मइँ हीं बदला
लेब।"* अउर फिन, "पर्भू अपने लोगन क निआव
करी।"* 31कउनो पापी क सजीव परमेस्सर क हाथन
मँ पड़ि जाब एक भयानक बात अहइ।

बिसवास बनाये रखा

32आरम्भ क उ दिनन क याद करा जब तू प्रकास
पाए रह्या, अउर ओकरे बाद जब तू कस्टन क सामना
करत भए कठोर संघर्स मँ मजबूती क साथे डटा रह्या।
33तब कबहुँ तउ सब लोगन क सामने तोहे अपमानित
कीन्ह गवा अउर सताया गवा अउर कबहुँ जेनके साथे
अइसेन बर्ताव कीन्ह जात रहा, तू ओनकर साथ दिह्या।
34तू, जउन बन्दीघरे मँ पड़ा रह्या, ओनसे सहानुभूति क
अउर अपने सम्पत्ति क जब्त कीन्ह जाब सहर्स स्वीकार
किह्या काहेकि तू इ जानत रह्या कि खुद तोहरे अपने
लगे ओनसे अच्छी अउर टिकाऊ सम्पत्तियन बाटिन।

35तउन अपने साहस बिसवास क जिन तियागा काहेकि
एकइ भरपूर प्रतिफल दीन्ह जाई।

36तोहे धीरज क जरूरत बा ताकि तू जब परमेस्सर
क इच्छा पूरी कइ चुका तउ जेकर बचन उ दिहे अहइ,
ओका तू पाइ सका। 37काहेकि बहुत जल्दी ही,

"जेका आवइ क बा, उ जल्दी ही आई, अउर
देर नाहीं करी।
38 मोर धर्मी जन जउने बिसवास स अउर अगर
उ पीछे हटी तउ मइँ ओनसे खुस न रहबइ।"
हबक्कूक 2:3-4

39मुला हम ओनसे नाहीं हई जउन पीछे हटत हीं अउर
खतम होइ जात हीं बल्कि ओनमाँ स अही जउन बिसवास
करत हीं अउर उद्धार पावत हीं।

बिसवास क महिमा

11 बिसवास क मतलब बा, जेकर हम आसा करित
ह, ओकरे बरे सुनिस्चित होब। अउर बिसवास क
मतलब बा कि हम चाहे कउनो चीज क देखत न अही
मुला ओकरे अस्तित्व क बारे मँ सुनिस्चित होब कि उ
बा। 2इही कारण पुरानन क परमेस्सर क आदर मिला
भआ रहा।

3बिसवास क आधार पर ही हम इ जानित ह कि
परमेस्सर क आदेस स जगत क रचना भइ रही। इही बरे
जउन दृस्य बा, उ दृस्य स नाहीं बना बा।

4हाबिल तउ बिसवास क कारण ही परमेस्सर क
कैन स अच्छी बलि चढ़ाए रहा। बिसवास क कारण ही
ओका एक धर्मी मनई क रूप मँ तब सम्मान मिला रहा
जब परमेस्सर त ओकरी भेंटन क प्रसंसा किहे रहा।
अउर बिसवास क कारण उ आजऊ बोल थीं जद्यपि उ
मरी चुका अहइ।

5बिसवास क कारण ही हनोक क एह जीवन स
उप्पर उठाइ लिहा गवा रहा ताकि ओका मउत क
अनुभव न होइ। परमेस्सर तउ काहेकि ओका दूर हटाइ
दिहे रहा इही बरे उ पावा नाहीं गवा। काहेकि ओका
उठावा जाइ स पहिले परमेस्सर क प्रसन्न करइवाले क
रूप मँ ओका सम्मान मिल चुका रहा। 6 बिसवास के
बिना परमेस्सर क खुस करब असम्भव रहा। काहेकि

"बदला ... लेब" व्यवस्था 32:35

"पर्भू ... करी" भजन 135:14

हरएक उ जउन ओकरे लगे आवत ह, ओकरे बरे इ जरूरी बा कि उ एह बात क बिसवास करइ कि परमेस्सर क अस्तित्व बा अउर उ जउन ओका सच्चाई क साथ खोजत ह, उ ओन्हे ओकर प्रतिफल देत ह।

[7]बिसवास क कारण ही नूह क जब ओन्हन बातन क चेतावनी दीन्ह गइ जउन उ देखे तक नाहीं रहा तउ उ पवित्तर भय स भरा आपन परिवार क बचावइ क बरे एक गऊ क निर्माण किहे रहा। अपने बिसवासे स ही उ एह संसार क दोसपूर्ण मानेस अउर ओह धार्मिकता क उतराधिकारी बना जउन बिसवास स आवत ह।

[8]बिसवास क कारण ही, जब इब्राहीम क अइसेन स्थान प जाइके बरे बोलावा गवा रहा, जेका बाद मँ उतराधिकार क रूप मँ ओका पावइ क रहा, जदि उ इ जानत तक नाहीं रहा कि उ कहाँ जात बा, फिन भी उ आज्ञा मानेस अउर उ चला गवा। [9]बिसवास क कारण ही जउने धरती क देइ क ओका बचन दीन्ह गवा रहा, ओह प उ एक अनजान परदेसी क समान आपन घरे बनाइके निवास किहेस। उ तम्बुवन मँ वइसेन रहा जइसेन इसहाक अउर याकूब रहत रहेन जउन ओकरे साथे परमेस्सर क ओह प्रतिज्ञा क उतराधिकारी रहेन। [10]उ मजबूत आधारवाली उ नगरी क बाट जोहत रहा जेकर सिल्पी अउर निर्माण कर्ता परमेस्सर अहइ।

[11]बिसवास क कारण ही, इब्राहीम जउन बूढ़ा होइ चुका रहा अउर सारा जउन खुद बाँझ रही, जे बचन दिहे रहा, ओका बिसवासनीय समझिके गर्भवती भइ अउर इब्राहीम क बाप बनाइ दिहेस। [12]अउर एह तरह इ एक्कइ मनई स जउन मरियल स रहा, अकास क तारन जेतनी असंख्य अउर सागर-तट क रेत-कणन जेतनी अनगिनत संतान भइन।

[13]बिसवास क अपने मन मँ लिए भए इ लोग मरि गएन। जिन चीजन क प्रतिज्ञा दीन्ह गइ रही, उ ओ चीजन क नाहीं पाएन।

उ पचे बस ओनका दूर स ही देखेन अउर ओनकर स्वागत किहेन अउर उ इ मानि लिहेन कि ओ पचे इ धरती प परदेसी अउर अनजान अहइँ। [14]उ लोग जउन अइसेन बात कहत हीं, उ इ देखावत हीं कि उ पचे एक अइसेन देस क खोज मँ अहइँ जउन ओनकर आपन अहइ। [15]अगर उ पचे ओह देस क बारे मँ सोचतेन जेका उ छोड़ि चुका अहइँ तउ ओनके फिन स लउटइ क अवसर रहत। [16]मुला ओन्हे तउ सरगे क एक अच्छा प्रदेस क उत्कट अभिलासा बा। इही बरे परमेस्सर क ओनकर परमेस्सर कहवावइ मँ संकोच नाहीं होत काहेकि उ तउ ओनके बरे एक नगर तइयार कइ रखे अहइ।

[17-18] बिसवास क कारण ही इब्राहीम तउ, जब परमेस्सर ओकर परीच्छा लेत रहा, इसहाक क बलिदान चढ़ाएस। उहइ जेका प्रतिज्ञा मिली भइ रही, अपने एक मात्र बेटवा क जब बलिदान देई वाला रहा। तउ जद्यपि परमेस्सर त ओसे कहे रहा, "इसहाक क द्वारा ही तोहार वंस बाढ़ी।" [19]मुला इब्राहीम तउ सोचेस कि परमेस्सर मरे भएन क भी जियाइ सकत ह अउर अगर अलंकारिक भाखा मँ कहा जाइ तउ उ इसहाक क मउत स फिन वापस पाइ लिहेस।

[20]बिसवास क कारण ही इसहाक तउ याकूब अउर एसाव क ओनके भविस्स क बारे मँ आसीर्बाद दिहेस। [21]बिसवास क कारण ही याकूब तउ जब उ मरत रहा।

[22]यूसुफ जब ओकर अंत निकट रहा हर बेटवा क आसीर्बाद दिहेस अउर लाठी क उपर सिरे झुकि के सहारा लेत परमेस्सर क आराधना किहेस। [23]बिसवास क अधार पर ही, मूसा क महतारी-बाप तउ, मूसा क जनम क बाद ओनका तीन महिना तक छुपाये रखेन काहेकि ओ देखि लिहे रहेन कि उ कउनो सामान्य बालक नाहीं रहा अउर उ राजा क आज्ञा स नाहीं डरेन।

[24]बिसवास स ही, मूसा जब बड़ा भवा तउ फिरौन क बिटिया क बेटवा कहवावइ स इन्कार कइ दिहेस। [25]उ पाप क छणिक सुख भोगन क अपेच्छा परमेस्सर क लोगन क साथे दुर्व्यवहार झेलबइ ही चुनेस। [26]उ मसीह क बरे अपमान झेलइ क मिस्र क धन भंडारन क अपेच्छा जियादा मूल्यवान मानेस काहेकि उ आपन प्रतिफल पावइ क बाट जोहत रहा। [27]बिसवास क कारण ही, राजा क क्रोध स न डरत भए उ मिस्र क परित्याग कइ दिहेस। उ डटा रहा, मान ओका अदृस्य परमेस्सर देखात अहइ। [28]बिसवास स ही, उ फसह क त्यौहार अउर लहू छिड़कइ क पालन किहेस, ताकि पहिलौठा क बिनास करइवाला इस्राएल क पहिलौठा क छू तक न पावइ। [29]बिसवास क कारण ही, लोग लाल-सागर स अइसेन पार होइ गएन जइसेन उ कउनो सूखी जमीन होइ। मुला जब मिस्र क लोगन अइसेन करइ चाहेन तउ उ पचे डूबि गएन।

[30]बिसवास क कारण ही, यरीहो क नगर-परकोट लोगन क सात दिन तलक ओकरे चारिहुँ कइँती परिक्रमा कइ लेइके बाद ढह गवा। [31]बिसवास क कारण ही, राहाब नाउँ क बेस्या आज्ञा क उल्लंघन करइवालन क साथे नाहीं मारी गइ रही काहेकि उ गुप्तचरन क स्वागत सत्कार किहे रही।

[32]अब मइँ अउर जियादा का कही। गिदोन, बाराक, सिमसोन, यिफतह, दाऊद, समूएल अउर ओन्हन नबियन क चर्चा करइ क मोरे लगे समइ नाहीं बाटइ। [33]जे बिसवास स, राज्यन क जीत लिहेस, निआवपूर्ण काम किहेस अउर परमेस्सर जउन देइ क बचन दिहे रहा, ओका पाएस। जे सिंहन क मुँह बन्द कइ दिहेस, [34]लपलपात लपटन क क्रोध क सान्त किहेस अउर तलवार क धार स बच निकलेन, जेकरे कमजोरी इ सक्ति मँ बदल गइ, अउर युद्ध मँ जउन सक्तिसाली बनेन अउर जे बिदेसी सेनन क छिन्न-भिन्न कइ डाएन। [35]स्त्रियन तउ अपने

मरन हुवन क फिन स जिन्दा पाएन। बहुतन क सतावा
गवा, मुला उ छुटकारा पावइ स मना कइ दिहेन ताकि
ओनका एक अउर अच्छा जीवन मँ पुनरुत्थान मिलि
सकइ। 36कछू क उपहासन अउर कोड़न क सामना
करइ पड़ा जबकि कछू क जंजीरन स जकड़िके बन्दी
घरे मँ डालि दीन्ह गवा। 37कछू पइ पथराऊ कीन्ह गवा।
ओनका आरा स चीरके दुइ फाँक कइ दीन्ह गवा,
ओनका तलवार स मउत क घाट उतारि दीन्ह गवा। उ
पचे गरीब रहेन, ओनका जातना दीन्ही गइ अउर ओनके
साथे बुरा व्यवहार कीन्ह गवा! उ पचे भेड़ बकरियन क
खाल ओढ़े रहेन अउर एहर ओहर भटकत रहेन। 38इ
संसार ओनके योग्य नाहीं रहा। उ पचे रेगिस्तानन अउर
पहाड़न मँ घूमत रहेन अउर सबइ गुफा अउर धरती मँ
बने भए बिलन मँ छुपत-छुपावत फिरेन।
39अपने बिसवासे क कारण ही इ लोग सब स सराहा
गएन। फिन भी परमेस्सर क जेकर महान बचन ओनका
दीन्ह गवा रहा, ओका एनमाँ स कउनो नाहीं पाइ सका।
40परमेस्सर क लगे आपन योजना क अनुसार हमरे बरे
कछू अउर जियादा अच्छा रहा जइसेन ओनहूँ बस हमरे
साथे ही पूरा सिद्ध कीन्ह जाइ।

परमेस्सर अपने बेटवन क सिधावत ह

12 काहेकि हम साच्छियन क अइसेन एतॅनी बड़ी
भीड़ स घिरी भइ अहइ, जउन हमका बिसवास
क मतलब का अहइ एकर साच्छी देत ह इही बरे आवा
बाधा पहुँचावइवाली हर एक चीज क अउर ओह पाप क
जउन सहज इ मँ हमका उलझाइ लेत ह झटकिके फेंका
अउर उ दउड़ जउन हमका दउड़इ क बा, आवअ
धीरज क साथे ओका दउड़ी। 2हमार बिसवास क अगुआ
अउर ओका पूरा सिद्ध करइवाला। ईसू पे आवा हमका
दिस्टी हटवाइ न चाही। जे अपने सामने उपस्थित आनन्द
क बरे क्रूस क जातना झेलेन, ओकरी लज्जा क कउनउ
चिंता नाहीं किहेस अउर परमेस्सर क सिंहासन क दहिने
हाथ विराजमान होइ गवा। 3ओकर धियान करा जे
पापियन क अइसेन विरोध एह बरे सहन किहेस ताकि
थकिके तोहार मन हार न मानि बइठइ।

परमेस्सर पिता जइसा

4पाप क बिरुद्ध आपन संघर्स मँ तोहे सबन क एतॅना
नाहीं अड़इ पड़ा रहा कि आपन लहू बहावइ पड़ा होइ।
5तू उ साहसपूर्ण बचन क भूलि गवा अहा। जउन तोहरे
बेटवा नाते सम्बोधित अहइ:

> “मोर बेटवा, पर्भू क अनुसासन क महत्व को
> समझइ मँ असफल न ह्वा। तिरस्कार जिन
> करा, ओकरे फटकार क बुरा कबहुँ जिन
> माना
> 6 काहेकि पर्भू ओनका अनुसासन करत ह। उ
> जेनसे पिरेम करत ह। अउर जइसेन बेटवा
> बनाइ लेत अहइ, ओनका दंड भी देत ह।”
>
> *नीतिवचन 3:11-12*

7कठिनाइ क अनुसासन क रूप मँ सहन करा।
परमेस्सर तोहरे साथे अपने बेटवा क समान व्यवहार
करत ह। अइसा बेटवा के होइ जउन अपने बाप क
द्वारा अनुसासित न भवा होइ? 8अगर तोहे अइसेन नाहीं
दण्डित कीन्ह गवा होइ जइसेन सबन क दण्ड दीन्ह जात
ह तउ तू अपने बाप स पैदा भवा बेटवा नाहीं अहा। तउ
सच्चा सन्तान नाहीं अहा। 9अउर फिन इहउ कि एन
सबन क उ बापउ जे हमरे सरीर क जन्म दिहे अहइ,
हमका सिधावत अहइ। अउर एकरे बरे हम ओन्हे मान
देइत ह तउ फिन हमका आपन आतिमन क बाप क
अनुसासन क तउ केतना जियादा अधीन रहत भए जिअत
चाही। 10हमार बाप तउ तनिक समइ मँ जइसा उ नीक
समझेस, हमका दंडित किहेस। हमका दण्ड, मुला परमेस्सर
हमका हमार भलाइ क बरे दण्डित करत ह, जइसेन हम
ओकर पवित्रता क सहभागी होइ सकी। 11लोगन क
जउने समइ सिधावा जात ह, ओह समइ सिधाउब अच्छा
नाहीं लागत, बल्कि उ दुखद लागत ह मुला कछू भी होइ,
उ जउन एकरे द्वारा सिधावा जाइ चुका बाटेन, ओनके
बरे इ आगे चलिके नेकी अउर सान्ति क सुफल प्रदान
करत ह।

चेतावनी: कइसे रहा

12इही बरे आपन कमजोर भुजा अउर कमजोर
घुटनन क सबल बनावा। 13अपने गोड़न क बरे रस्ता
बनावा तू समतल। तकि जउन लँगड़ा हयेन, उ अपंग
नाहीं, वरन चंगा हो जाइँ।
14सभन क साथे सान्ति क साथे रहइ क कोसिस
करा अउर पवित्तर होइ क बरे हर तरह स प्रयत्नसील
रहा, बिना पवित्तरता क कउनउ पर्भू क दर्सन न कइ
पाई। 15इ बात क धियान रखा कि परमेस्सर क अनुग्रह
स कउनो बिमुख न होइ जाइ अउर तोहे कस्ट पहुँचावइ
अउर बहुत जने क बिकृत करइ क बरे कड़वी जड़ न
फूटि पड़इ। 16देखा कि कउनउ व्यभिचार न करइ
अउर उ एसाव क समान परमेस्सर बिहीन न होइ जाइँ
जइसेन सबसे बड़ा बेटवा होइ क नाते उत्तराधिकार पाबइ
क अधिकारी रहा मुला जे ओन्हे बस एक जून क खाइ
भर क बरे बेचि दिहेस। 17जइसेन कि तू जनतइ अहा
बाद मँ जब उ इ आसीर्बाद क पावइ चाहेस तउ ओका
अयोग्य ठहरावा गवा। जद्यपि उ रोइ-रोइके बरदान पावइ
चाहेस मुला उ अपने किहे क अनकिहे नाहीं कइ पाएस।
18तू आगी स जलत हुआ एह पर्वत क लगे नाहीं आया
जेका छुवा जाइ सकत रहा अउर न तउ अंधकार,

बिसाद अउर बवंडर क लगे आया होइ। 19अउर न तउ
तुरही क तेज आवाज अउर कउनउ अइसेन सुर क
करीब मँ आया, अउर न बोलत बचन का सुन्या, उ
आवाज जेकरे सुने क बाद केउ क सुनइ क जरूरत
नाहीं रहत। 20काहेकि जउन आदेस दीन्ह गवा रहा, उ
पचे ओका झेली नाहीं पाएन: "अगर कउनउ पसु तलक
उ पर्वत क छुवइ तउ ओहे पे पथराऊ कीन्ह जाई।"*
21उ दृस्य एतना भयभीत कइ डावइवाला रहा कि मूसा
तउ कहेस, "मइँ भय स थर-थर काँपत हउँ।"*

22बल्कि तू सिय्योन पर्वत, सजीव परमेस्सर क नगरी,
सरगे क यरूसलेम क लगे आइ पहुँचा अहा। तू तउ
हजारन-हजार सरगदूतन क आनन्दपूर्ण सभा, 23परमेस्सर
क पहिलौटी क संतानन, जेनके नाउँ सरग मँ लिखा
बाटेन, ओनके सभा क लगे पहुँच चुका अहा। तू सबके
निआव कर्ता परमेस्सर अउर ओन्हन धर्मात्मा, पूर्ण
मनइयन क सबइ आतिमन, 24अउर एक नवा करार
क बीचवा मँ ईसू अउर छिड़का भवा उ लहू स लगे आइ
चुका अहा जउन हाबील क लहू क अपेच्छा अच्छा
बचन बोलत ह।

25धियान रहइ, कि यदि जब परमेस्सर बोलत ह
ओका सुनइ स जिन करा। जदि उ पचे ओका नकारिके
नाहीं बच पाएस जउन ओनकर धरती पे चेतावनी दिहे
रहा अगर हम ओनसे मुँह मोड़बइ जउन हमका सरग स
चेताउनी देत बा, तउ हम त दण्ड स बिलकूलही न बची
पउबइ। 26ओकर बानी ओह समइ धरती क झकझोर
दिहे रही मुला अब उ प्रतिज्ञा किहे अहइ, "एक बार
फिन न केवल धरती क ही बल्कि आकासे क भी मइँ
झकझोर देबइ।"* 27"एक बार फिन" इ सब्द उ हर
चीज क ओर इंगित करत भवा जउन हिल गवा बा, जब
स उ रचा गवा बा। उ सबइ क नास कइ दीन्ह जाई।
केवल उहइ चीजन बचिहीं जउन हिलाई न जाइ सकइँ।

28अत: काहेकि जब हमका एक अइसेन राज्य मिलत
बा, जेका झकझोरा नाहीं जाइ सकत, तउ आवा हम
धन्यवादी बनी अउर आदर मिले भए क साथे परमेस्सर
क आराधना करी। 29काहेकि हमार परमेस्सर भस्म
कइ डावइवाली एक आग अहइ।

निस्कर्स

13 भाई क समान परस्पर पिरेम करत रहा।
2अतिथियन क सत्कार करब न भूला, काहे की
अइसेन करत भए कछू लोगन तउ अनजाना मँ ही
सरगदूतन क स्वागत सत्कार किहे अहइँ। 3बंदियन क
इ रूप मँ याद करा जइसेन तूहऊँ ओनके साथी बन्दी
रहा ह्वा। जेनके साथे बुरा व्यवहार भवा बा ओनकर
एह तरह सुधि ल्या जइसेन माना तू खुद पीड़ित होत
अहा।

4बियाह क सबके आदर करइ चाही। बियाह क सेज
क पवित्तर रखा। काहेकि परमेस्सर व्यभिचारियन अउर
दुराचारियन क दण्ड देई। 5अपने जीवन क धने क
पिरेम स मुक्त रखा। जउन कछू तोहरे लगे बा, उही मँ
सन्तोस करा काहेकि परमेस्सर तउ कहे बाटइ,

> "मइँ तोहका कबहुँ न छोड़ब, अउर तोहका
> कभी न तजबइ।"
>
> *व्यवस्था विवरण 31:6*

6इही बरे हम बिसवास क साथे कहत हई,

> "पर्भू मोर सहायक, मइँ कबहुँ भयभीत न बनबइ।
> कउनउ मनइ मोर का करइ?"
>
> *भजन संहिता 118:6*

7अपने नेतन क याद रखा जे तोहे परमेस्सर क
बचन सुनाये अहइ। ओनकर जीवन विधि क परिणाम पे
बिचार करा अउर ओनके बिसवास क अनुसरण करा।
8ईसू मसीह काल्हिउ वइसेनइ ही रहा, आजउ वइसेनइ
अहइ अउर युग-युगान्तर तलक वइसेनइ ही रही। 9हर
तरह क अपरिचित उपदेस स भरमावा न जा। तोहरे मने
क बरे इ अच्छा बा कि उ अनुग्रह क द्वारा मजबूत बन
रहा न कि खाइ-पिअइ सम्बन्धी नियमन क मानइ स,
जेनसे ओनकर कबहुँ कउनउ भला न भवा होइ, जे
ओन्हे मानेन।

10हमरे लगे एक अइसेन बेदी अहइ जइसेन प स
खाइ क अधिकार ओनका न होइ जउन रावटी मँ सेवा
करत हीं। 11महायाजक परम पवित्तर स्थानन प पाप-बलि
क रूप मँ पसुवन क लहू त लइ जात हीं, मुला ओनकर
सरीर डेरा स बाहेर जलाइ दीन्ह जात हीं। 12इही बरे ईसू
तउ खुद अपने लहू स लोगन क पवित्तर करइ क बरे
नगर दुवार क बाहेर यातना झेलेस। 13तउ फिन आवा
हमहूँ इही अपमान क झेलत भए जेका उ झेले रहा,
डेरन क बाहेर ओनके लगे चली।

14काहेकि इहाँ हमार कउनो स्थायी नगर नाहीं
बा बल्कि हम तउ ओह नगर क बाट जोहत अही जउन
आवइवाला अहइ।

15अत: आवा हम ईसू क द्वारा परमेस्सर क स्तुति
रूपी बलिदान करी जउन ओन ओठन क फल अहइ जे
ओनके नाउँ क पहिचाने हयेन। 16अउर नेकी करब
अउर आपन चीजन क अउरन क साथे बाँटब न भूला।
काहेकि परमेस्सर अइसेनइ बलिदान स खुस होत ह।
17आपने नेतन क आज्ञा माना। ओनके अधीन रहा। उ

"अगर ... जाई" निर्ग 19:12−13

"मइँ भय ... हउँ" व्यवस्था 9:19

"एक बार ... देबइ" हग्गै 2:6

पचे तोहेपे अइसेन चउकसी रखत हीं जइसेन ओन्हन मनइयन प रखी जात ह जेका आपन लेखा-जोखा ओन्हे देइ क बा। ओनकर आज्ञिया मानअ, जेसे ओनकर करम आनन्द बनी जाइ। न कि एक बोझ बनइ। काहेकि ओसे त तोहर कउनउ लाभ न होये।

[18]हमरे बरे बिनती करत रहा। हमका निस्चय कि हमार भावना ठीक बा। अउर हम हर तरह स उहइ करइ चाहित ह जउन उचित बा। [19]मइँ बिसेस रूप स आग्रह करित ह कि तू पराथना करत रहा ताकि जल्दी ही मइँ तोहरे लगे आइ सकउँ।

[20-21]जे भेड़न क उ महान रखवाला हमार पर्भू ईसू क लहू द्वारा उ सनातन करार पे मोहर लगाइ क मरा भएन मँ स जियाइ उठायेस, उ सान्ति-दाता परमेस्सर आन्तरिक करार प्रभावित करे अहइ। तोहे सभन क अच्छी साधना स सम्पन्न करइ। जइसेन तू ओनकर इच्छा पूरी कइ सका। अउर ईसू मसीह क जरिये उ हमरे भित्तर उ सब कछू क सक्रिय करइ जउन ओनका भावत ह। जुग-जुगान्तर तलक ओनकर महिमा होत रहइ अउर जउन ओका अच्छा लागत रहइ। आमीन!

[22]भाइयो तथा बहिनियो मोर आग्रह बा कि तू प्रेरणा देइवाला मोरे इ बचन क धारन करा। मइँ तोहे इ पत्र बहुत संछेप मँ लिखे हउँ। [23]मइँ चाहत अहउँ कि तोहे जानकारी होइ कि हमार भाई तीमुथियुस रिहा कइ दीन्ह गवा अहइ। अगर उ जल्दी ही आइ पहुँचइ तउ मइँ उही क साथे तोहसे मिलइ अउबइ। [24]अपने सभन अग्रणियन अउर परमेस्सर क लोगन क नमस्कार कहा। इतालियावाले स आवा सभी लोगन तोहे नमस्कार भेजत अहइँ। [25]परमेस्सर क अनुग्रह तोहे सभन क साथे रहइ।

याकूब क पत्र

1 याकूब क जउन परमेस्सर अउर पर्भू ईसू मसीह क
दास अहइ, संतन क बारह कुलन क नमस्कार
पहुँचइ जउन समूचे संसार मँ फइला भवा अहइँ।

बिसवास अउर विवेक

2मोर भाइयो तथा बहिनियो, जब कबहुँ तू तरह तरह
क परीच्छन मँ पड़ा तउ एका बड़ा आनन्द क बात
समझा। 3काहेकि तू इ जानत अहा कि तोहार बिसवास
जब परीच्छा मँ सफल होत ह तउ ओसे धीरजपूर्ण सहन
सक्ती पैदा होत ह। 4अउर उ धीरजपूर्ण सहन सक्ती एक
अइसेन पूर्णता क जनम देत ह जेहसे तू अइसेन सिद्ध
अउर पूर्ण बन सकत ह जेहमाँ कउनउ कबहुँ नाहीं रहि
जात। 5तउन अगर तोहमाँ कछू विवेक क कमी अहइ
तउ ओका परमेस्सर स मांग सकत ह। उ सबहिं क
उदारता क साथे देत ह। उ सबहिं क उदार होइ क देइ मँ
खुस होत ह। 6बस बिसवास क साथे माँगा जाइ। तनिकउ
भी संदेह न होइ चाही काहेकि जेका संदेह होत ह, उ
सागर क ओह लहर क समान बा जउन हवा स उठत ह
अउर थरथरात ह। 7–8अइसेन मनई क इ नाहीं सोचइ
चाही कि ओका पर्भू स कछू भी मिल पाई। अइसेन मनई
क मन तउ दुविधा स ग्रस्त बा। उ अपने सभन करमन
मँ अस्थिर रहत ह।

सच्चा धन

9साधारण परिस्थितियन वाला भाइयन क गरब करइ
चाही कि परमेस्सर तउ ओका आतिमा क धन दिहे
अहइ। 10अउर धनी भाइ क गरब करइ चाही कि
परमेस्सर ओका आत्मिक गरीबी देखाए अहइ। काहेकि
ओका त घास प खिलइवाला फूल क नाईं झर जाइ क
बा। 11सूरज कड़कड़ात धूप लइके उगत ह अउर पउधा
क झुराइ डावत ह। ओनकर फूल पत्तियन झर जात हीं
अउर सुन्दरता समाप्त होइ जात ह। इही तरह धनी मनई
धन बरे योजना बनाने मँ ही समाप्त होइ जात ह।

परमेस्सर परीच्छा नाहीं लेत

12उ मनई धन्य अहइ जउन परीच्छा मँ अटल रहत
ह काहेकि परीच्छा मँ खरा उतरइ क बाद उ जीवन क
ओह बिजय मुकुट क धारण करी जेका परमेस्सर अपने
पिरेम करइवालन क देइ क बचन दिहे अहइ। 13परीच्छा
क घड़ी मँ कीहीउ क इ नाहीं कहइ चाही, "परमेस्सर
मोर परीच्छा लेत अहइ," काहेकि खराब बातन स परमेस्सर
क कउनउ लेब-देब नाहीं होत। उ कउनो क परीच्छा
नाहीं लेत। 14हर कउनो आपन ही खराब इच्छन स भ्रम
मँ फंसिके परीच्छा मँ पड़त ह। 15फिन जब उ इच्छा
गर्भवती होत ह तउ पाप पूरा बढ़ जात ह अउर उ मउत
क जनम देत ह।
16तऊन मोर पिआर भाइयो तथा बहिनियो, धोखा न
खा। 17हर एक उत्तिम दान अउर परिपूर्ण उपहार उप्पर
स मिलत ह। अउर उ सबइ ओह परमपिता क जरिये जे
सरगीय प्रकास (सूरज चाँद अउर तारन) क जनम दिहे
अहइ, नीचे लइ आवत ह। उ जउन सभन प्रकासन का
पिता अहइ। जो न कभउ बदलत ह अउर न छाया स
प्रभावित होत ह। 18परमेस्सर अपने इच्छा स सत्य क
बचन दुआरा हमे जनम दिहेस जेहसे हम ओकरे द्वारा
रचे गएन प्रानियन मँ सबसे महत्वपूर्ण सिद्ध होइ सकी।

सुनब अउर ओह पर चलब

19मोर पिआरे भाइयो तथा बाहिनियो, खियाल रखा,
हर कीहीउ क तत्परता क साथे सुनइ चाही, बोलइ मँ
जल्दी न करा, अउर जल्दी सा किरोध न करा कर।
20काहेकि मनई जब किरोध करत ह तब उ परमेस्सर
क द्वारा बनाए भए रस्ता का पालन नाहीं कइ पावत।
21सब घिनौना आचरण अउर चारहुँ ओर फइलत दुस्टताई
स दूर रहा। अउर नरमी क साथे तोहरे हिरदइ मँ रोपा
भवा परमेस्सर क बचन क पालन करा जउन तोहर
आतिमन क उद्धार देवाइ सकत ह। 22परमेस्सर क
उपदेस पे चलइ वाला बना, न कि केवल ओका सुनइवाला।
अगर तू केवल ओका सुनबइ भर रहत ह तउ अपने
आप क छलत अहा। 23काहेकि अगर केउँ परमेस्सर
क उपदेस क सुनत तउ बाटइ मुला ओह प चलत नाहीं,
तउ उ ओह मनई क समान बाटइ जउन अपने भौतिक
मुँहे क दरपन मँ देखतइ भर बाटइ। 24उ खुद क अच्छी
तरह देखतइ बा, पर जब उहाँ स चला जात ह तउ तुरन्त
भूल जात ह कि उ कइसेन देखॉत रहा। 25किन्तु जो

परमेस्सर क उहइ सम्पूर्ण व्यवस्था क नजदीक स देखत
ह, जेससे स्वतन्त्रता प्राप्त होत ह, अउर उही प आचरण
भी करत ह अउर सुनिके ओहका भूले बिना आपन
आचरण मँ उतार लेत ह, उही अपनेन करमन क बरे
धन्य होइ।

आराधना क सच्चा रस्ता

26अगर केऊॅ सोचत ह कि उ भक्त अहइ अउर
अपने जीभ प कसिके लगाम नाहीं लगावत त उ धोखा
मँ बा। ओकर भक्ति बेकार बा। 27परमेस्सर क सामने
सच्चे अउर सुद्ध आराधना ऊहई अहइ: जेहमाँ अनाथ
अउर विधवन क ओनके दुख दर्द मँ सुधि लीन्हि जाइ
अउर खुद क कउनउ सांसारीक कलंक न लागइ दीन्ह
जाइ।

सबसे पिरेम करा

2 मोर पिआर भाइयो तथा बहिनियो, काहेकि
महिमावान पर्भू ईसू मसीह मँ तोहार बिसवास बा, उ
लोगन क प्रति पच्छपातपूर्ण न होइ। 2कल्पना करा तोहरे
सभा मँ कउनउ मनई सोना कअगूँठी अउर भव्य कपड़ा
धारण कइके आवत ह। अउर तबहिं मइला कुचइला
कपड़ा पहिरे एक गरीब मनई आवत ह। 3अउर तू जे
भव्य कपड़ा धारण किहे अहइ, ओका बिसेस महत्व देत
भए कहत अहा, "इहाँ एह उत्तिम आसन प बइठा," जब
कि ओह गरीब मनई स कहत अहा, "उहाँ खड़ा रहा" या
"मोरे गोड़न क लगे बइठि जा।"

4अइसेन करत भए तू लोगन क बीच भेद भाऊ
नाहीं किहा अउर खराब बिचारन क साथे निआवकर्ता
नाहीं बनि गया?

5मोर पिआरे भाइयो तथा बहिनियो, सुना, का परमेस्सर
त संसार क आँखिन मँ ओन्हन गरीबन क बिसवास मँ
धनी अउर ओह राज्य क उत्तराधिकारी क रूपे मँ नाहीं
चुनेस? जेकर उ, जउन ओका पिरेम करत हीं, देइ क
बचन दिहे अहइ। 6परन्तु तू तउ ओह गरीब मनई का
अपमान किहा ह। का इ धनिक मनइयन उहइ नाहीं
हयेन, जउन तोह प नियन्त्रण करत हीं अउर तोह सबन
क कचरहिउ मँ घसीट लइ जात हीं? 7का इ उहई नाहीं
हयेन, जउन मसीह क ओह अच्छे नाउँ क निन्दा करत
हीं, जउन तोहे सबन क दीन्ह गवा बा?

8अगर तू पवित्तर सास्तरन मँ मिलइवाली एह अच्छी
व्यवस्था क सहीयउ मँ पालन करत अहा, "अपने पड़ोसी
स भी वइसेन ही पिरेम करअ, जइसे तू अपने आप स
करत अहा"* तउ तू अच्छा ही करत अहा। 9परन्तु
अगर तू पच्छपात देखॉवत अहा तउ तू पाप करत अहा।
फिन तोहका व्यवस्था क तोड़इवाला ठहरावा जाई।
10काहेकि कउनउ अगर पूरी व्यवस्था क पालन करत
ह अउर एक बात मँ चूकि जात ह तउ उ समूची व्यवस्था
क उल्लंघन क दोसी होइ जात ह। 11काहेकि जे इ कहे
रहा, "व्यभिचार न करा।"* उहइ तउ इहउ कहे रहा,
"हतिया न करा।"* तउन अगर तू व्यभिचार नाहीं करत्या
परन्तु हतिया करत अहा तउ तू व्यवस्था क तोड़इवाला
अहा। 12तू उही लोगन क समान बोला अउर ओनही क
जइसेन आचरण करा जेकर ओह व्यवस्था क अनुसार
निआव होइ जात बा, जेसे छुटकारा मिलत ह।

13जउन दयालुता नाहीं देखउतेन ओकरे बरे परमेस्सर
क निआव बिना द्या के ही होइ। किन्तु दया निआव प
बिजइ पावत ह।

बिसवास अउर सत् करम

14मोर भाइयो तथा बहिनियो, अगर केउ मनई कहत
ह कि उ बिसवासी बा त मुला कछू करम नाहीं करत
तउ अइसेन स का लाभ जब तलक कि ओकरे करम
बिसवास क अनुकूल न होइ? अइसेन बिसवास स का
ओकर उद्धार कइ सकत ह? 15अगर ईसू मँ लिप्त भाई
अउ बहिन क पास कपड़न न होइ, अउर ओनके लगे
खाइ तक क कछू भी न होइ, 16अउर तोहमाँ स ही केउ
ओनसे कहइ, "सान्ति स जियाअ, परमेस्सर तोहार कल्यान
करइ अपने क गरमावा अउर अच्छे तरह भोजन करा।"
अउर तू ओनके सरीरीक जरूरतन क चीजन ओन्हे न
द्या तउ फिन एकर का मूल्य बा? 17इहइ बात बिसवास
क समबन्ध मँ कहि जाउ सकत ह। अउर अगर बिसवास
क साथे करम नाहीं बा तउ उ अपने आप मँ बिना प्राण
क बाटइ।

18परन्तु केउ कहि सकत ह, "तोहरे लगे बिसवास
बा, जबकि मोरे लगे करम बा अब तू बिना करमन क
आपन बिसवास देखावा अउर मइँ तोहे आपन बिसवास
अपने करमन क द्वारा देखाउब।" 19का तू बिसवास
करत अहा कि परमेस्सर केवल एक बा? अद्भुत! दुस्ट
आतिमा इ बिसवास करत ह कि परमेस्सर बा अउर उ
काँपत रहत ह।

20अरे मूरख! का तोहे प्रमाण चाही कि करम रहित
बिसवास बेकार बा? 21का हमार पिता इब्राहीम अपने
करमन क आधार प ही ओह समइ परमेस्सर धर्मी नाहीं
ठहरावा गवा रहा जब उ अपने बेटवा इसहाक क वेदी प
अर्पित कइ दिहे रहा? 22तू देखा कि ओकर इ बिसवास

"अपने ... अहा" लैव्य 19:18

"व्यभिचार न करा" निर्ग 20:14; व्यवस्था 5:18

"हतिया न करा" निर्ग 20:13; व्यवस्था 5:17

ओकरे करमन क साथे ही सक्रिय होत रहा। अउर ओकर करमन स ही ओकर बिसवास परिपूर्ण कीन्ह गवा रहा। [23]एह तरह पवित्तर सास्तर क इ कहा पूरा भवा रहा, "इब्राहीम तउ परमेस्सर प बिसवास किहेस अउर बिसवासे क अधार पे ही उ परमेस्सर का धर्मी ठहरा।"* अउर इही स ही उ "परमेस्सर क दोस्त"* कहा गवा। [24]तू देखा कि केवल बिसवासी स नाहीं, बल्कि अपने करमन स ही मनई परमेस्सर का धर्मी ठहरत ह।

[25]इही तरह राहाब बैस्या भी बीका, जब उ परमेस्सर क दूतन क अपने घरे मँ स्वागत किहेस अउर फिन ओन्हे दुसरे रस्ता स कहूँ भेज दिहेस तउ ओह समइ का अपने करमन स परमेस्सर क धर्मी नाहीं ठहराई गइ।

[26]एह तरह जइसेन बिना आतिमा क सरीर भरा हुआ बा, वइसेनइ करम बिना बिसवास का निर्जीव बा।

बानी क संयम

3 मोर भाइयो तथा बहिनियो, तोहमाँ स बहुतन क सिच्छक बनइ क इच्छा न करइ चाही। तू जनतइ अहा कि हम सिच्छकन क अउर जियादा कड़ाइ क साथे निआव कीन्ह जाई। [2]काहेकि मइँ सब कइयउ बातन मँ चूक जाइत ह। सभन स बहुत स भूल होतइ रहत हीं। अगर केउ बोलइ मँ कउनउ चूक न करइ तउ उ एक सिद्ध मनई अहइ तउ फिन अउर उ पूरी देह प नियन्त्रण कइ सकत ह? [3]हम घोड़न क मुँह मँ एह बरे लगाम लगावत अही कि उ हमरे बस मँ रहइ। अउर एह तरह ओनके पूरे सरीर क हम बस मँ कई सकित ह। [4]अउर जल-यानन क बारे मँ भी इ बात सत्य अहइ। देखा, चाहे उ जहानन केतनउ बड़ा होत हीं अउर सक्तिसाली हवा क द्वारा चलावा जात हीं, परन्तु एक छोटी स पतवार स ओनका नाविक ओन्हे जहाँ कहूँ लइ जाइ चाहत ह। ओह प काबू पाइ क ओन्हे लइ जात ह। [5]इही तरह जीभ, जउन सरीर क एक छोटी स अंग अहइ, तबहुँ बड़ी बड़ी बात कहि डावइ क डींग मारत रहत ह।

अब तनिक सोचा एक जरा स लपट पूरा जंगल क जराइ सकत ह। [6]हाँ, जीभ: एक एक आग क साथ अहइ। इ बुराइ क एक पूरा संसार अहइ। इ जीभ हमरे सरीर क अंग मँ एक अइसेन अंग अहइ, जउन पूरा सरीर क नियन्त्रण मँ रखीके भ्रस्ट कइ डावत ह अउर हमार पूरा जीवन चक्र मँ ही आग लगाइ देत ह। इ जीभ नरक क आग स धधकत रहत ह। [7]देखा, हर तरह क हिंसक पसु, पंछी, रेंगइवाला जीव जंतु अउर मछरी प्राणी मनई द्वारा बस मँ कीन्ह जाइ सकत ह अउर कीन्ह भी गवा अहइँ। [8]परन्तु जीभ क केउ भी मनई बस मँ नाहीं कइ सकत। इ घातक बिस स भरा एक अइसेन बुराइ अहइ जउन कभउँ चैन स नाहीं रहत। [9]हम इही जीभ स अपने पर्भू अउर परमेस्सर क स्तुति करत अही अउर इही जीभ स लोगन क जउन परमेस्सर क समानता मँ पैदा कीन्ह गवा अहइँ, मनइयन क कोसत अही। [10]एक्कइ मुँहे स स्तुति अउर अभिसाप दुन्नऊ निकरत हीं! मोर भाइयो तथा बहिनियो, अइसेन तउ न होइ चाही। [11]सोतन क एक्कइ मुहाने स भला का मीठ अउर खारा दुन्नऊ तरह क जल निकर सकत ह। [12]मोर भाइयो तथा बहिनियो, का अंजीर क पेड़े पे जइतून क लता प कभउँ अंजीर लगत ह? निस्चय ही नाहीं। अउर न तउ खारा स्रोत स कभउँ मीठ जल निकर पावत ह।

सच्चा विवेक

[13]भला तोहमाँ, गियानी अउर समझदार कउन हयेन? जउन हयेन, ओका अपने करमन अपने अच्छे चाल चलन स उ नम्रता स प्रकट करम जउ गियान स उत्पन्न होत ह। [14]परन्तु अगर तू जउने लोगन क हिरदइ कड़वाहट, ईर्सा अउर सुवारथ भरा हुआ बा, तउन ओनके सामने अपने गियान क ढोल न पीटा। अइसेन कइके त तू सत्य प परदा डावत भए असत्य बोलत अहा। [15]अइसेन "गियान" तउ परमेस्सर स नाहीं, बल्की उ त सांसारिक अहइ। आत्मिक नाहीं अहइ। अउर सइतान क अहइ। [16]काहेकि जहाँ ईर्सा अउर सुवारथ पूर्ण महत्वपूर्ण इच्छा रहत ह, उहाँ अव्यवस्था अउर भरम अउर हर तरह क खराब बात रहत हीं। [17]परन्तु परमेस्सर स आवइवाला गियान सबसे पहिले तउ पवित्तर होत ह, फिन सान्तिपूर्ण, सहज-खुस करुना स भरा होत ह। अउर ओसे अच्छा करमन क फसल उपजत ह। उ पच्छपात रहित अउर सच्चा भी होत ह। [18]सान्ति क बरे काम करइवाले लोगन क भी धरमपूर्ण जीवन क फल मिली अगर ओका सान्तिपूर्ण तरीके मँ कीन्ह गवा अहइ।

परमेस्सर क अर्पित होइ जा

4 तोहरे बीच लड़ाइ-झगड़ा क का कारन बाटेन? का ओनकर कारण तोहरे अपने ही भित्तर का वासना नाहीं बाटइ? तोहार उ भोग बिलासपूर्ण इच्छा भी जउन तोहरे भित्तर हमेसा द्वन्द्व करत रहत हीं? [2]तू लोग चाहत अहा परन्तु तोहे मिल नाहीं पावत। तोहमाँ ईर्सा बा अउर तू दुसरे क हतिया करत हया फिन जउन चाहत अहा, पाइ नाहीं सकत्या। अउर इही बरे तू लड़त−झगड़त रहत अहा अउर युद्ध करत अहा। आपन इच्छित चीजन

"इब्राहीम ... ठहरा" उत्पत्ति 15:6

"परमेस्सर क दोस्त" 2 इति 20:7; यसा 41:8

क तू पाइ नाहीं सकत्या काहेकि तू ओन्हे परमेस्सर स
नाहीं मँगत्या। 3अउर जब मांगत भी अहा लेकिन पउत्या
नाहीं काहेकि तोहार उद्देस्स पवित्तर नाहीं होत। काहेकि
तू ओन्हे अपने भोग-बिलास मँ ही नस्ट करइ क बरे
मँगत अहा। 4अरे, बिसवास बिहीन लोगो! का तू नाहीं
जानत अहा कि संसार स पिरेम करइ का मतलब होत ह
परमेस्सर स घिना करब जइसेन ही बाटइ? जउन कउनउ
एह दुनिया स दोस्ती रखइ चाहत ह, उ अपने आपके
परमेस्सर क सत्रु बनावत ह। 5का तू अइसेन सोचत ह
कि पवित्तर सास्तर अइसेन बेकारइ मँ कहत ह, “परमेस्सर
तउ हमरे भित्तर जउन आतिमा दिहे अहइ, उ आतिमा
केवल अपने बरे ही सोचत ह।”* 6परन्तु परमेस्सर तउ
हम पे बहुत जियादा अनुग्रह दरसाए अहइ, इही बरे
पवित्तर सास्तर मँ कहा गवा बा, “परमेस्सर घमंडियन
क विरोधी अहइ जबकि विनम्र जनन पे आपन अनुग्रह
दरसावत ह।”* 7इही बरे अपने आपके परमेस्सर क
अधीन कइ द्या। सइतान क विरोध करा। उ तोहरे
सामने स भागि खड़ा होइ। 8परमेस्सर क लगे आवा,
उहउ तोहरे लगे आवइ। अरे पापियन, आपन हाथ सुद्ध
करा अउर अरे संदेह करइवालन, अपने हिरदय क
पवित्तर करा। 9सोक करा, बिलाप करा अउर रोवा।
होइ सकत ह तोहरे इ हँसी सोक मँ बदलि जाइ अउर
तोहरे इ खुसी बिसाद मँ बदलि जाइ। 10पर्भू क सामने खुद
क नवावा। उ तोहे ऊँचा उठाई।

निआवकर्ता तू नाहीं अहा

11भाइयो तथा बहिनियो, एक दुसरे क विरोध मँ बुरा
बोलब बन्द करा। जउन अपने ही भाई क विरोध मँ बुरा
बोलत हीं, अउर ओका दोसी ठहरावत हीं, उ व्यवस्था
क दोसी ठहरत ह। अउर उ व्यवस्था प दोस लगावत
अहा अउर यदि तू व्यवस्था प दोस लगावत अहा तउ
व्यवस्था क पालन करइवाला नाहीं रहत्या बरन स्वयं
ओकरे निआवकर्ता बन जात अहा। 12लेकिन व्यवस्था
क देइवाला अउर ओकर निआव करइवाला तउ बस
एक्कइ बा। अउर उहइ रच्छा कइ सकत ह अउर उहइ
खतम करत अहइ। तू फिन अपने साथी क निआव
करइवाला तू कउन होत ह्या?

आपन जीवन परमेस्सर क चलावइ द्या

13अइसेन कहइवाले सुना, “आजु या काल्हि हम एह
या ओह नगर मँ जाइके एक साल भर उहाँ व्यपार मँ
धन लगाइके बहुत स पइसा बनाइ लेबइ।” 14परन्तु तू त
एतनउ नाहीं जनत्या कि काल्हि तोहरे जीवन मँ का
होइ! देखा! तू त ओह धुंध क समान अहा जउन रचिके
देर बरे देखॉत ह अउर फिन खोइ जात ह। 15तउन एकरे
स्थान प तोहका तउ हमेसा इहइ कहइ चाही, “यदि पर्भू
की इच्छा होइ तउ हम जीवित रहबइ अउर इ या उ
काम भी करबइ।”

16परन्तु स्थिति तउ इ बा कि तू तउ अपने आडम्बर
पइ खुदइ गरब करत ह्या। अइसेन सब गरब बुरा बाटइ।
17तउ फिन इ जानत भए इ उचित बा, ओका न करब
पाप बा।

सुवार्थी धनी दण्ड क भागी होइहीं

5 धनवान लोगो सुना! जउन विपत्तियन तोह प
आवइवाली बाटिन, ओकरे बरे रोवा अउर ऊँचा
स्वरे मँ बिलाप करा। 2तोहर धन सड़ा चुका बा। तोहर
पोसाकन कीड़न द्वारा खाइ लीन्ह गइ बा। 3तोहार सोना,
चाँदी जंग लग जाइसे रंग बिगड़ गवा बा। ओह पे लगी जंग
तोहरे विरोध मँ साच्छी देई अउर तोहरे सरीर को आगी
की तरह चाट जाई। तू अन्तिम दिनन बरे आपन खजाना
बचाइके रक्खो अहा। 4सोचा, तोहरे खेतन मँ जउन
मजूदरन काम किहेन, तू ओनकर मेहनताना नाहीं दिए
अहा ओका रोकि रखे अहा। उहई मेहनताना चीख
पुकार करत बाटइ। अउर खेतन मँ काम करइवालन
क उ चीख पुकारइ सर्वसक्तिमान पर्भू क कानन तलक
जाइ पहुँची बा।

5धरती पे तू बिलासपूर्ण व्यर्थ जीवन जिए अहा अउर
अपने आपके भोग बिलासन मँ डुबोए रखे अहा। एह
तरह तू अपने आपके बध कीन्ह जाइके दिनके बरे पाल
पोसी क हिस्ट−पुस्ट कइ लिहे अहा। 6तू भोले लोगन क
दोसी ठहराइके ओनके कीहीउ प्रतिरोध क अभाव मँ ही
ओनकर हतिया कइ डाया ह।

धीरज रखा

7तउन भाइयो तथा बहिनियो, पर्भू क फिन स आवइ
तलक धीरज धरा। उ किसान क धियान धरा जउन
आपन धरती क मूल्यवान उपज क बरे बाट जोहत रहत
ह। एकरे बरे उ सुरु क बरखा स लइके बाद क बरखा
तलक हमेसा धीरज क साथे बाट जोहत रहत ह। 8तोहे
भी धीरज क साथे बाट जोहइ चाही। अपने हिरदइ क
मजबूत बनाए रखा काहेकि पर्भू क द्वारा आउब लगे
ही बा।

9भाइयो तथा बहिनियो, आपस मँ एक दुसरे क
सिकाइत न करा ताकि तोहे अपराधी न ठहरावा जाइ।
देखा, निआवकर्ता दरवाजे क ड्योढ़ी प खड़ा बा। 10भाइयो
तथा बहिनियो, ओन नबियन क याद रखा जे पर्भू क बरे

“परमेस्सर ... सोचत ह” निर्ग 20:5

“परमेस्सर ... दरसावत ह” नीति 3:34

बोलेन ह। उ हमरे बरे जातना झेलइ अउर धीरज स भरी
सहनसीलता क उदाहरण हयेन। 11धियान रखा, हम
ओनकर सहनसीलता क कारण ओनका धन्य मानित
अही। तू अय्यूब क धीरज क बारे मँ सुने ही अहा। अउर
पर्भू तउ ओका ओकर आखिर मँ कउन परिणाम प्रदान
किहेस, काहेकि तू भी जनतइ अहा कि पर्भू केतॅना
दयालु अउर करुनापूर्ण अहइ।

सोची बिचारिके बोला

12मोर भाइयो तथा बहिनियो, सबसे बड़ी बात इ बा कि सरग क अउर धरती क या कीहीउ तरह क कसम खाइ छोड़ि द्या। तोहार "हाँ", हाँ होइ चाही, अउर "ना", ना होइ चाही। ताकि तोहका दोसी न ठहरावा जाइ सकइ।

पराथना क सक्ती

13अगर तोहमाँ स कउनो विपत्ति मँ पड़ा बा तउ ओका पराथना करइ चाही अउर अगर केउ खुस बा तउ ओका स्तुति-गीत गावइ चाही।

14अगर तोहरे बीच कउनो रोगी बा तउ ओका
कलीसिया क निरीच्छकन क बोलावइ चाही कि उ
ओकरे बरे पराथना करइ अउर ओह प पर्भू क नाउँ मँ
तेल मलइ। 15बिसवास क साथे कीन्ह गइ पराथना स
रोगी निरोगी होत ह। अउर पर्भू ओका उठाइके खड़ा
कइ देत ह। अगर उ पाप किहे अहइ त पर्भू ओका छमा
कइ देइ।

16इही बरे अपने पापन क परस्पर स्वीकार अउर
एक दुसरे क बरे पराथना करा ताकि तू भला चंगा होइ
जा। अच्छा मनई क पराथना सक्तिसाली अउर प्रभावपूर्ण
होत ह। 17एलिय्याह एक मनई ही रहा ठीक हमरे जइसा।
उ तेजी क साथे पराथना किहेस कि बरखा न होइ अउर
साढ़े तीन साल छह महीना तलक धरती प बरखा नाहीं
भइ। 18उ फिन पराथना किहेस अउर अकास मँ बरखा
उमड़ि पड़ी अउर धरती आपन फसल उपजाएस।

एक आतिमा क रच्छा

19मोर भाइयो तथा बहिनियो, तोहमाँ स कउनो अगर
सत्य स भटकि जाइ अउर ओका कउनउ फिन लउटाइ
लइ आवइ तउ ओका इ पता होइ चाही कि 20जउन
कीहीउ पापी क पाप क रस्ता स लउटाइ लियावत ह उ
ओह पापी क आतिमा क अनन्त मउत स बचावत ह
अउर ओकरे कइयउ पापन क छमा कीन्ह जाइ क
कारण बनत ह।

पतरस क पहिली पत्र

1 पतरस कइँती स, जउन ईसू मसीह क प्रेरित अहइ,
परमेस्सर क उ चुने भए लोगन क नाउँ जउन
पुन्तुस, गलातिया, कप्पदुकिया, एसिया अउर बिथुनिया
क छेत्रन मँ सब कहूँ फैले अहइँ। 2तू जेनका परमपिता
परमेस्सर क पूर्व गियान क हिसाब स चुना गवा अहइ,
जउन अपनी आतिमा क पवित्तर करइ जिनका ओनकइ
आज्ञाकारी होइ खातिर अउर जेनपइ ईसू मसीह क लहू
छिड़काव स पवित्तर कीन्ह जाइ क खातिर चुना गवा
रहा तू पचन्क ऊपर परमेस्सर क अनुग्रह अउर सांति
ज्यादा स ज्यादा होत रहइ।

सजीव आसा

3हमरे पर्भू ईसू मसीह क परमपिता परमेस्सर धन्य
होइ। मरे भए मँ स ईसू मसीह फिन जिअइ क कारण स
ओकर अपार करुणा मँ स सजीव आसा पावइ खातिर
उ हमका नवा जनम दिहे अहइ। 4जेहिसे सरग मँ सुरच्छित
ढंग स रखे भए अजर–अमर अउर जेनका नस्ट नाहीं
कीन्ह जाइ सकत सरगे मँ तोहरे बरे सुरच्छित अहइ।
5जे आपन बिसवास दुआरा परमेस्सर स सुरच्छित अहइँ
ओनका उ उद्धार जउन समइ क अंतिम कोना मँ
प्रकट होइ क हइ, मिल जाइ। 6एह पइ तू बहुत प्रसन्न
अहा। मुला अब तू पचन्क तनिक बेर खातिर तरह तरह
क इम्तहान मँ पड़िके दुखी होब जरूरी अहइ।

7जेहिसे तू पचन्क जउन परखा नासवान भवा बिसवास
अहइ, जउन आगी मँ परखा नासवान सोनो स ज्यादा
कीमती अहइ, ओहका जब ईसू मसीह परगट होई,
परमेस्सर स प्रसंसा महिमा अउर आदर मिलइ चाही।

8तू पचे ईसू मसीह क देखे नाहीं अहा, मुला तू पचे
ओसे पिरेम करत अहा। चाहे तू पचे ओका दइ नाहीं
पाए रह्या ह, मुला तबउ ओहमाँ बिसवास रखत अहा
अउर एक अइसे आनन्द स भरा भवा अहा जउन कहइ
लायक नाहीं अहइ अउर महिमावान अहइ। 9अउर तू
पचे अपने बिसवास क कारण लच्छ तक पहुँच रहे
अहा जेहसे आतिमा क तउ उद्धार होइ। 10इ उद्धार
क बारे मँ उ नबियन बड़े मेहनत स पता लगाइन हइ
अउर बड़ी हुसयारी स पता खोजेन हइ, जउन तउ प
परगट होइवाले अनुग्रह क भविस्सबाणी क दिहे रहेन।
11उ नबियन मसीह क आतिमा स इ जानिन जउन
मसीह प होइवाले दुखन क बतावत रही अउर उ महिमा
जउन इ दुखन क बाद परगट होई। इ आतिमा ओनका
बतावत रही। इ बातन इ दुनिया मँ कब होइहीं अउर तब
इ दुनिया मँ का होइ। 12ओनका इ देखाइ दीन्ह गवा रहा
कि उ बातन क प्रवचन करत भए उ पचे आपन सेवा
खुदइ नाहीं करत रहेन बल्कि तोहार सबन्क करत
रहेन। उ बतियन तू सबन्क सरग स पठए गए पवित्तर
आतिमा क द्वारा तू पचन क ओन लोगन स जउन
सुसमाचार मिला जे तोहरे बरे लिआवत रहेन। अउर उ
बातन क जानइ खातिर सरगदूतन तरसत अहइँ।

पवित्तर जीवन खातिर बुलावा

13इ खातिर आपन दिमाग काम क बरे तैय्यार रखा
अउर अपने ऊपर नियंत्रण रखा। उ बरदान जउन ईसू
मसीह क परगट अहइ प तू पचन्क मिलइवाला अहइ,
पूरी आसा रखा। 14आज्ञा मानइवाले बचवन क नाईं उ
समइ क बुरी इच्छन क हिसाब स अपने क न ढाला
जउन तू पचन मँ पहिले स रहीं जब तू पचे अज्ञानी
रह्या। 15बल्कि जइसे तू सबन क उ परमेस्सर जउन
सबन्क बोलावत अहइ पवित्तर अहइ उहइ क तरह
अपने करमन मँ पवित्तर बना। 16पवित्तर सास्तरन मँ
लिखा अहइ: "पवित्तर बना, काहेकि मइँ पवित्तर
अहउँ।"*

17अउर अगर तउ प्रत्येक करमन क हिसाब स
पच्छपात रहित होइके निआव करइवाले परमेस्सर क
हे पिता! कहिके पुकारत अहा तउ उ परमेस्सर सबन
क संग बिना भेद-भाव क निआव करत ह। तउ इ
परदेसी धरती मँ अपने रहइ वाले दिनन क इज्जत अउर
परमेस्सर क डर क साथ बितावा। 18तुम इ जानत अहा
कि सोना या चाँदी जइसेन वस्तुअन स तू पचे उ व्यर्थ
जीवन स छुटकारा नाहीं पाइ सकत अहा जउन तू पचन
क तोहरे पूर्वजन स मिला बाटइ। 19बल्कि उ तउ तू
पचन के निर्दोस अउर कलंक रहित मेमने क समान
मसीह क कीमती लहू स तू सबन क मिल सकत ह।
20इ संसार क बनइ स पहिलेन ओहका चुन लीन्ह गवा
रहा मुला तू पचे खातिर अन्तिम दिनन मँ परगट कीन्ह
गवा ह। 21उ मसीह क कारण तू पचे उ परमेस्सर मँ
बिसवास करत रह्या जउन मरे भएन मँ स जियाइ

"पवित्तर ... अहउँ" लैव्य 11:44,45; 19:2; 20:7

दिहेस अउर महिमा दिहेस। इ तरह परमेस्सर मँ तोहारे आसा अउर बिसवास स्थिर अहइ।

[22]अब तू सत्य क पालन करत भए, नीक भाईचारा अउर पिरेम क प्रदर्सित करइ खातिर अपने आतिमा क पवित्तर क लिहे अहा, पवित्तर हिरदय क साथ परस्पर पिरेम क आपन लच्छ बनाइ ल्या। [23]तू नासमान बीज स फिन स जीवन प्राप्त नाहीं किहा ह बल्कि इ उ बीज क परिणाम अहइ जउन अमर हइ। तोहारे पुनर्जनम परमेस्सर क उ नीक सन्देस स भवा अहइ जउन जिअत अहइ अउर हमेसा अटल रहत ह। [24]काहेकि पवित्तर सास्तर कहत ह,

"प्रानी त सबइ घास बरोबर अहइँ, अउर ओनके
सज, धज सब घास क फूलन जइसी, घास
सूख जात ह अउर फूल उड़ जात हीं
[25] मुला टिका रहत ह परमेस्सर क इ संदेसा
सदा हीं।"

यसायाह 40:6-8

इ उहइ नीक संदेस अहइ जेहका तोहका उपदेस दीन्ह गवा ह।

सजीव पाथर अउर पवित्तर प्रजा

2 इहइ खातिर सब बुराइयन, छल-छदम पाखण्ड अउर
बैर-विरोधन अउर दुसरे क दोख मढ़इ स अलग
रहा। [2]नवजात बचवन क तरह सुद्ध आत्मिक दूध
खातिर ललचावा करा जेहिसे तोहार विकास अउर तोहका
बचावा जाइ सकइ। [3]अब देखा तू पचे तउ परमेस्सर क
अच्छाई क स्वाद तउ लइ ही लिहे अहा।

[4]ओह क लगे आवा। उ सजीव "पत्थर" अहइ।
वहिका संसारी लोगन क नकार दिहे रहा मुला उ
परमेस्सर खातिर बहुमूल्य अहइ अउर जउन ओकरे
द्वारा चुना गवा अहइ। [5]तू पचे भी सजीव पाथरन क
तरह एक आत्मिक मंदिर क रूप मँ बनाइ जात अहा।
जइसेन पवित्तर याजकन क रूप मँ सेवा कइ सका।
जेहिमा कर्तव्य अइसेन आत्मिक बलिदानन क समर्पित
करब अहइ जउन ईसू मसीह क द्वारा परमेस्सर क
ग्रहन करइ लायक होइ। [6]पवित्तर सास्तर मँ लिखा बा :

"देखउ, मइँ राखत हउँ सिय्योन मँ कोने क
पत्थर एक जउन अहइ बहुमूल्यअउर अहइ
चुना गवा ओहि पइ जउन बिसवास करी ओका
कबहुँ क लजाइ न परी।"

यसायाह 28:16

[7]एकर मूल्य तउ ओहके बरे अहइ जउन बिसवास करत हीं मुला ओनके खातिर जउन बिसवास नाहीं करत अहइँ:

"उ पाथर जेहिका सिल्पियन नकारिन बन
गवा सबसे महत्वपूर्ण कोने क पाथर।"

भजन संहिता 118:22

[8] तथा उ बन गया:

"एक पाथर जहाँ लोग ठोकर खाइ अउर अइसी
चट्टान जहाँ स मनई फिसल जाइँ।"

यसायाह 8:14

लोग ठोकर खात हीं काहेकि उ परमेस्सर क वचन क पालन नाहीं करतेन बस ओनकइ इही नीत रही बाटइ।

[9]मुला तुम तउ चुने भए लोग अहा, याजकन क
राज्य, एक पवित्तर राष्ट्र एक अइसेन मनइयन जउन
परमेस्सर क आपन अहइँ, जइसेन तउ परमेस्सर क
अचरज कारजन क घोषणा कइ सका।" उ परमेस्सर
जउन तोहका अन्धकार स अद्भुत प्रकास मँ बोलाइस
ह।

[10]एक समइ रहा जब तुम परमेस्सर क लोग नाहीं
रह्या। मुला अब तुम परमेस्सर क लोग अहा। एक
समइ रहा जब दया क पात्र नाहीं रह्या मुला अब तू
सबन प परमेस्सर दया देखाइस ह।

परमेस्सर खातिर जिआ

[11]पिआरे वन्धुयन, तू पचे इ संसार मँ अतिथि अउर
अजनबी क रूप मँ अहा एह बरे मइँ तू पचन स निवेदन
करत अहउँ कि उ सारीरिक इच्छन स दूर रहा जउन
तोहारे पचन क आतिमा स जूझत हीं।

[12]अबिसवासियन मँ आपन व्यवहार एँतना नीक
बनाए रहा कि चाहे उ अपराधियन क रूप मँ तोहार
सबन क आलोचना करइँ मुला तोहरे नीक कर्मन क
परिणाम सरूप परमेस्सर क आवइ क दिन मँ परमेस्सर
क महिमा प्रदान करा।

अधिकारी क आज्ञा माना

[13]पर्भू खातिर हर मानवीय अधिकारिक क अधीन
रहा। [14]राजा क अधीन रहा। उ सर्वोच्च अधिकारी
अहइ। सासकन क अधीन रहा। उ ओनका कुकर्मीयन
क दण्ड देइ खातिर अउर नीक काम क प्रसंसा करइ
खातिर भेजे अहइ। [15]काहेकि परमेस्सर क इहइ इच्छा
अहइ कि उ अपने नीक कर्मन स मूरखन क अगियान
भरी बातन क चुप कराइ देइ। [16]स्वतंत्र मनइयन क
तरह जिआ मुला स्वतंत्रता क बुरे कर्मन क आड़ न
बनइ द्या। परमेस्सर क सेवक बनके जिआ। [17]सबन
क सम्मान करा। अपने धरम भाइयन तथा बहिनियन
स पिरेम करा। परमेस्सर प श्रद्धा रखा। सासक क
सम्मान करा।

मसीह की यातना क दिस्टान्त

18सेवको, यथोचित आदर क साथ अपने स्वामियन
क अधीन रहा। न केवल ओनके जउन नीक बाटेन
अउर दूसरे क खातिर चिंता करत अहइँ बल्कि ओनके
बरे जउन कठोर अहइँ। 19काहेकि यदि कउनो परमेस्सर
क उपस्थिति क प्रति सचेत रहत भए यातना सहत ह
अउर अन्याय झेलत ह तउ उ प्रसंसनीय अहइ। 20मुला
अगर बुरे करम क खातिर तोहका पीटा जात ह अउर
तू ओका सहत ह तउ एहिमाँ प्रसंसा क कउन बात
अहइ, मुला अगर तोहरे कर्मन खातिर तोहका कस्ट
दीन्ह जात ह तउ परमेस्सर क सामने उ प्रसंसा क योग्य
अहइ। 21परमेस्सर तोहका इ खातिर बोलाइस ह काहेकि
मसीह हमरे बरे दुख उठाइस ह अउर इ कइके हमरे
बरे एक उदाहरण छोड़िस ह ताकि मइँ ओही क चरण
चिन्हन प चल सकउँ।

22 “उ (मसीह) कउनो पाप नाहीं किहेस अउर
न ही ओकरे मुँहे स कउनो छल की बात
निकरी।”

यसायाह 53:9

23जब उ अपमानित भवा तउ उ कउनो क अपमान
नाहीं किहेस अउर जब उ दुख झेलिस, उ कउनो क
धमकी नाहीं दिहस, बल्कि उ सच्चे निआव करइवाले
परमेस्सर क आगे अपने क अर्पित कइ दिहेस। 24उ
क्रूस अपने देह मँ हमरे पापन क ओढ़ लिहिस। जइसेन
अपने पापन क प्रति हमार मउत होई जाइ अउर जउन
कछू नेक अहइ मइँ ओकरे बरे जिई, ई उ घावन क
कारन भवा ह जेनसे तू पचे चंगे कीन्ह गए रह्या।
25काहेकि तुम भेड़न क समान भटके रह्या अउर अब
तू पचे अपने गड़रिया अउर अपनी आतिमन क बचइया
लगे लौटि आए अहा।

पत्नी अउर पति

3 इही तरह पत्नियन अपने पतियन क अधीनता
मानत रहइँ। जइसेन यदि ओनमाँ स कउनो परमेस्सर
क उपदेस क पालन नाहीं करतिन तब उ पचे कछू
तोहरे पवित्तर अउर आदरपूर्ण चाल चलन स जीत
लीन्ह जाइँ, बिना कउनो बात–चीत क उ सबइ जउने
तरह तू पचे अच्छी तरह स रहति अहा।

2तोहार पति लोग तोहार पवित्तर जीवन क देखिहीं
जउन तरह तू पचे परमेस्सर क आदर देत भए रहबिउ।
3तोहार साज सिंगार बाहरी न होइ क चाही मतलब
जउन बात क चोटी गुहइ, सोने क आभूषण पहिरइ
अउर नीक नीक कपड़ा पहिरइ स होत ह। 4बल्कि
तोहार सिंगार तउ तोहरे भीतर क व्यक्तित्व होइ चाही
जउन कोमल सान्त आतिमा क अविनासी सौन्दर्य स
युक्त होइ। परमेस्सर क दृस्टि मँ जउन मूल्यवान होइ।
5काहेकि बीते जुगा मँ उ सबइ स्त्रियन क, अपने क
सजावइ क इही ढंग रहा, जइसेन ओनकर सबइ आसा
परमेस्सर प टिकी अहइँ उ पचे अपने पति क अधीन
रहत रहिन।

6जइसेन इब्राहीम क आज्ञा मानइवाली रहइवाली
सारा जउन ओका आपन स्वामी मानत रही। तू पचे भी
अगर नीक काम करत अहा अउर डेरात नाहीं अहा
तउ सारा क बिटिया ही अहा।

7अइसेन ही तू सबइ पति लोग, अपनी पत्नियन क
साथ समझदारी स रहा, काहेकि वह सारीरिक दृस्टि स
कमजोर अहइँ। जीवन क बरदान मँ ओनका आपन
उत्तराधिकारी माना जइसेन तोहरे पराथना मँ बाधा न
पड़इ।

सत्कर्मन क खातिर दुख झेलब

8आखिर मँ तुम पचेन क सान्ति स रहइ चाही। एक
दुसरे क समझइ क कोसिस करा। एक दुसरे स भाइयन
क तरह पिरेम करा। दयालु अउर नरम बना। 9एक
बुराई क बदला दूसर बुराई स न द्या न कि गाली क
बदले गाली द्या। एकरे विपरीत आसीस द्या। काहेकि
परमेस्सर तोह पजन क आसीर्बाद देइ बरे बोलाएस ह।
इही स तू पचन्क परमेस्सर क आसीर्बाद क उत्तराधिकार
मिली 10पवित्तर सास्तर कहत ह:

“जउन जीवन क आनन्द उठावइ चाहइ जउन
समइ की सद्‌गति क देखइ चाहइ चाही ओका
कि कबहूँ बुरा न बोलइ उ अपने ओठन क
छल वाणी स रौकइ
11 बुराई स अपने क अलग रखइ। उ करइ
सदा उ नेक करमन क जउन अहइ नीक
चाही ओका कर जतन सान्ति पावइ चाही
ओका अनुसरण करइ सान्ति क
12 पर्भू की आँखिन अहइँ टिकी ओनहिन प जो
नीक अहइँ लागे कान पर्भू क ओनकी
पराथना प पर जउन करत अहइँ बुरा करम
मुँहना सदा फेरत अहइ पर्भू ओनसे।”

भजन संहिता 34:12-16

13अगर जउन उत्तम अहइ तू पचे उहइ क करइ क
लालायित रहा तउ भला कउनो तोह सबन क नुकसान
पहुँचाइ सकत ह। 14मुला अगर तोहका भले क खातिर
दुख उठावइ क पड़इ तउ तू सब धन्य अहा। “इही
खातिर कउनो क भय स भयभीत न रहा अउर न
परेसान ह्वा अउर न विचालित।”* 15अपने मन मँ

“इही ... विचालित” यसा 8:12

मसीह क पर्भू क प्रति नरम ह्वा, श्रद्धा स नत ह्वा! तू जउन बिसवास रखत अहा अगर कउनो ओकरे बारे मँ पूछइ तउ सदा उत्तर देइ क तैयार रहा।

[16]मुला विनम्रता अउर आदर क साथ अइसा करा। आपन हिरदइ सुद्ध राखा जइसेन अपने अच्छे मसीह व्यवहार स तोहरे नीक गुणन क निंदा करइवाले तोहार अपमान करत भए लजाइँ। [17]अगर परमेस्सर क इही इच्छा अहइ कि इ अच्छा बाटइ अच्छे काम करत भये दुख उठावा इ नाहीं कि बुरा काम करत भए।

[18]काहेकि ईसू मसीह भी हमरे पाप खातिर दुख उठाइस। मतलब उ निर्दोस रहइ हम सबइ पापियन खातिर एक बार मरि गवा ताकि हमका परमेस्सर क नगीचे लइ जाइ। सरीर क भाव स तउ उ मारा गवा मुला आतिमा मँ जियावा गवा। [19]आतिमा क स्थिति मँ उ जाइके जउन जेल मँ बंदी आतिमन रहिन ओन बंदी भइन आतिमन क उपदेस दिहेस। [20]जउन उ समइ परमेस्सर क आज्ञा न मानइवाली सबइ आतिमा रहिन जब नूह क नाव बनाई जात रही अउर परमेस्सर बड़े धीरज क साथ प्रतीच्छा करत रहा उ नाव मँ थोड़ेन-मतलब आठइ मनई पानी स बचावा जाय सकेन। [21]इ पानी उ बपतिस्मा क तरह अहइ जेहिसे अब तोहार उद्धार होत अहइ। बपतिस्मा सरीर क मैल क छोड़ावइ बरे नाहीं अहइ, बल्कि सुद्ध अंत:करण खातिर परमेस्सर स बिनती अहइ। अब तउ बपतिस्मा तोहका ईसू मसीह क पुनरुत्थान क द्वारा बचावत अहइ। [22]उ ईसू सरग मँ गवा अउर अब परमेस्सर क दाहिने हाथ बिराजमान अहइ अउर अब सरगदूत, अधिकारियन अउर सबइ सक्तियन ओकरे अधीन कइ दीन्ह गइ अहइँ।

बदला भवा जीवन

4 जब मसीह सारीरिक कस्ट उठाइस तउ तू पचे उहइ मानसिकता क सास्तर क तरह धारण करा काहेकि जउन सरीर स दुख उठावत ह उ पापन स छुटकारा पाइ लेत ह [2]इ बरे फिन मनइयन बुरी इच्छा क अनुसरण न करइँ। बल्कि परमेस्सर क इच्छा क हिसाब स करम करत भए अपने बाकी भौतिक जीवन क सर्मपित कइ देइँ। [3]काहेकि तुम अबहिं तक अबोध व्यक्तियन क तरह विसय भोग, सब वासना, पियक्कड़पन, उन्माद स भरे गए आमोद-प्रमोद, मधुपान उत्सवन अउर घृणा-पूर्ण मूर्ति पूजा मँ बहोतइ जियादा समइ बिताइ चुका अहा। [4]अब जब तू जंगली अउर निरर्थक रहन-सहन मँ साथ नाहीं देत अहा तउ ओनका अचरज होत ह। उ पचे तोहार निंदा करत हीं। [5]ओनका जउन मर चुका अहइँ या जिन्दा अहइँ, अपने व्यवहार क लेखा जोखा मसीह क देइ क पड़ी जउन ओनकइ निआव करइवाला अहइ। [6]इही बरे ओन बिसवासियन क जउन मर चुका बाटेन सुसमाचार क उपदेस दीन्ह गवा अहइ कि सारीरिक रूप स चाहे निआव मनइयन क स्तर पइ होइ मुला आत्मिक रूप स परमेस्सर क अनुसार रहइँ।

नीक प्रबन्धकर्ता बना

[7]उ समइ निकट अहइ जब सबइ कछू क अन्त होइ जाई। एह बरे समझदार बना अउर अपने प काबू राखा ताकि तोहका पराथना करइ मँ सहायता मिलइ [8]अउर सबसे बड़ी बात इ अहइ कि एक दूसरे क प्रति लगातार पिरेम बनाए राखा काहेकि पिरेम स अनगिनत पापन क निवारण होत ह। [9]बिना कछू कहे सुने एक दूसरे क स्वागत सत्कार करा।

[10]जउन परमेस्सर कइँती स केउ क बरदान मिला ह, ओका चाही कि परमेस्सर क नीक प्रबन्धकन क समान, एक दुसरे क सेवा खातिर ओका काम मँ लावइ। [11]जउन प्रबचन करइ, उ अइसा करइ मानो परमेस्सर स निकरे बचनन क सुने रहा होइ। जउन सेवा करइ उ इ सक्ती स करइ जेहमाँ परमेस्सर प्रदान करत ह जेहिसे सबइ बातन मँ ईसू मसीह क द्वारा परमेस्सर क महिमा होइ। महिमा अउर सामर्थ्य सदा सर्वदा उही क अहइ। आमीन।

मसीह क रूप मँ दुख उठाउब

[12]पिआरे बन्धुअन, तोहरे बीच क ई अग्नि परीच्छा क जउन तोहका परखइ खातिर होइ, ऐसे अचरज जिन करा जइसेन तोहरे साथ कउनो अनहोनी घटना घटत होइ। [13]बल्कि आनन्द मनाआ कि तू पचे ईसू मसीह क सबइ यातना मँ हिस्सा बटावत अहा। ताकि जब ओनकइ महिमा परगट तउ तुमइ आनन्दित अउर मगन रहि सका। [14]यदि मसीह क नाउँ प तू पचे अपमानित होत अहा तउ तू ओका सहा काहेकि तउ मसीह क अनुयायी अहा, तू धन्य अहा काहेकि परमेस्सर क महिमावान आतिमा तोहरे साथ बाटइ। [15]तउ तू पचेन मँ स कउनो हत्यारा चोर, कुकर्मी अथवा दूसरे क काम माँ हस्तक्षेप करइवाला बनके दुख न उठावइ। [16]मुला अगर उ मसीही क अनुयायी होइ क कारण दुख उठावत ह तउ ओका लज्जित न होइ क चाही। ओका तउ परमेस्सर इस नाउँ क बरे धन्यबाद देइ चाही। [17]काहेकि परमेस्सर क अपनेन परिवार स सुरू होइके निआव सुरू करइ क समइ आइ पहुँचा अहइ। अउर अगर इ हमहिन स सुरू होत ह तउ जउन परमेस्सर क नीक सुसमाचार क स्वीकार नाहीं कीन्ह हईं। ओनमाँ का होई। [18]अउर “यदि एक अच्छे व्यक्ति का उद्धार क पाउब कठिन अहइ तउ परमेस्सर विहीन अउर पापियन क साथे का होई।”*

“यदि ... होई” नीति 11:31

19तउ फिन जउन परमेस्सर क इच्छानुसार दुख उठावत ह, ओनका नीक काम करत भए, उ बिसवासमय, सिस्टी क रचयिता क आपन आपन आतिमा सौंप देइ क चाही।

परमेस्सर क जनसमूह

5 अब मइँ तोहरे बीच जउन बुजुर्ग अहइँ ओनसे निवेदन करित हउँ मइँ खुद एक बुजुर्ग अहउँ अउर मसीह जउन यातना झेलिस ह, ओके साच्छी हउँ, जउन ओकर भावी महिमा परगट होई ओकर सहभागी हउँ।

2राह देखावइवाले परमेस्सर क जनसमूह तोहरी देख-रेख मँ अहइ अउर निरीच्छक क रूप मँ तू ओकर सेवा करत अहा, कउनो दबाव क कारण नाहीं बल्कि परमेस्सर क इच्छानुसार अइसा करा कि अपनी इच्छा क कारण तू आपन इ काम धन क लालच मँ नाहीं बल्कि सेवा करइ क प्रति अपनी ततपरता क कारण करत अहा।

3देख-रेख क खातिर नाहीं जउन तोहका सौंपा गवा अहइ तू ओनके सासक न बना। बल्कि समूह बरे आदर्स बना।

4ताकि जब उ प प्रमुख गड़ेरिया परगट होइ तउ तोहका विजय क उ भव्य मुकुट प्राप्त होइ जेकर सोभा कबहूँ नाहीं घटतइ।

5इही तरह हे नवयुवको तू पचे अपने धर्मवृद्ध क अधीन रहा। तू पचे दुसरे क प्रति विनम्रता स सेवा करा। काहेकि,

> “करत ह परमेस्सर विरोध अभिमानी क मुला
> दीनन प, अनुग्रहसील सदा रहत ह।”
>
> *नीतिवचन 3:34*

6इ खातिर परमेस्सर क सक्तिसाली हाथन क नीचे अपने आपको नवावा। जेहिसे ठीक अवसर आवइ पै उ तोहका ऊँचा उठावइ। 7तू पचे आपन सबइ चिन्ता ओह पै छोड़ द्या काहेकि उ तोहरे खातिर चिन्तित अहइ।

8अपने प नियंत्रण राखा। सावधान रहा। तोहार सत्रु सइतान एक गरजत सेर क तरह इधर उधर घूमत रहत ह अउर इही ताक मँ रहत ह कि जउन मिलइ ओका फाड़ खावइ। 9तू ओकर विरोध करा अउर अपने बिसवास प अड़ा रहा काहेकि तू तउ जानत अहा कि सारे संसार मँ तोहरे भाई बहिन इहइ तरह क यातना झेलत अहइँ।

10मुला सम्पूर्ण अनुग्रह क स्रोत परमेस्सर जउन तोहका ईसू मसीह मँ अनन्त महिमा क सहभागी होय खातिर बोलाइस ह, तोहरे तनिक समइ सबइ यातना झेलइ क बाद खुदइ तोहका फिन स स्थापित करी, समर्थ बनाई अउर स्थिरता प्रदान करी।

11सबहिं सक्तियन अनन्त अनन्त तक ओकरे अधिकार मँ अहइँ। आमीन।

पत्र क समापन

12मइँ तोहका इ छोट स पत्र, सिलवानुस क सहयोग स, जेहका मइँ बिसवास पूर्ण भाई मानित हउँ, तोहका प्रोत्साहित करइ खातिर परमेस्सर क सच्चा अनुग्रह उही अहइ, इही बात क साच्छी देइ क खातिर लिखेउँ ह, इही प अड़े रहा।

13बेबीलोन की कलीसिया जउन तोहरे समान परमेस्सर द्वारा चुनी गइ अहइ, तोहका नमस्कार करत अहइ। मसीह मँ मोरे बेटवा मरकुस क तोहका नमस्कार।

14पिरेमपूर्ण चुम्बन स एक दूसरे क स्वागत सत्कार करा।

तू सबइ क, जउन ईसू मसीह मँ अहइँ, सान्ति मिलइ।

पतरस क दूसरी पत्र

1 ईसू मसीह क सेवक अउर प्रेरित समौन पतरस
कइँती स उ लोगन क नाउँ जेनका परमेस्सर स
हमरे जइसा बिसवास प्राप्त अहइ। काहेकि हमार परमेस्सर
अउर उद्धारकर्ता ईसू मसीह निआव क कर्ता अहइ।
2तू परमेस्सर अउर हमरे पर्भू ईसू क जान चुका
अहा इ खातिर तू सबन्क परमेस्सर क कृपा अउर
अनुग्रह बहुतइ जियादा मिली होई।

परमेस्सर हमका सब कछू दिहे बाटइ

3अपने जिन्दगी खातिर अउर परमेस्सर क सेवा खातिर
जउन कछू हमका चाही तउन सब हमका अपने दिव्य
सक्ती अउर अच्छाई द्वारा उ हमका दिहे अहइ। काहेकि
हम पचे ओका जानित ह जउन अपने धार्मिकता अउर
महिमा क कारण स हमका बोलाएस हवै।
4एनहिन क द्वारा उ हमका अइसे महान अउर अमूल्य
बरदान दिहे अहइ, जउन देइ क खातिर उ प्रतिज्ञा करे
रहा जेहिसे तू पचे परमेस्सर क दिव्य प्रकृति क साझीदार
अउर भ्रस्टाचार स बच सका, जउन लोगन क बुरी
इच्छन क कारण स इ संसार मँ बना अहइ।
5एही खातिर अपने बिसवास मँ नीक गुणन क नीक
गुणन मँ ज्ञान क, 6ज्ञान मँ आत्म-संयम क, आत्म-संयम
मँ धीरज क, धीरज मँ परमेस्सर क भक्ती क 7ईसू क
भक्ती मँ भाइयन अउर बहिनियन क, भाइयन अउर
बहिनियन मँ पिरेम क उदारता क संग बढ़ावत चला।
8काहेकि अगर इ गुण तू पचन मँ अहइँ अउर ओनकर
विकास होत बाटइ तउन उ पचे तोह सबन क कर्मसील
अउर सफल बनाइ देइहीं अउर ओनसे तू पचे क हमरे
पर्भू ईसू मसीह क पूरा ज्ञान मिल जाई। 9मुला जेहिमा, ई
गुन नाहीं बाटेन, ओहमाँ दूर-दिस्टी नाहीं बा, उ आँधर
अहइ। अउर उ ई भूल गवा अहइ कि ओकरे पाछे क
पापेन क धोइ दीन्ह गवा अहइ।
10एही बरे भाइयो तथा बहिनियो, ई दिखावइ खातिर
खूब तैयार रहा कि वास्तव मँ तू पचन्क परमेस्सर द्वारा
बोलावा गवा अहइ अउर चुना गवा अहइ काहेकि अगर
तू पचे इ बातन क करत अहा तउ न कबहूँ ठोकर
खाब्या अउर न गिरब्या
11अउर ई तरह स हमरे पर्भू अउर उद्धारकर्त्ता ईसू
मसीह क अनन्त राज मँ तू पचन्क महान प्रवेस दइके
परमेस्सर आपन उदारता देखाई। उ राज्य हमेसा हमेसा
चलत रही। 12इहइ कारण स मइँ तू पचन क, यद्यपि तू
पचे ई जानत ही अहा कि जउन सत्य तुमका मिला
अहइ, ओह पइ डटे रहा, मइँ ई बातन क सदा याद
करावत रहब। 13जब तक मइँ ई काया मँ रहबइ तू
सबन्क याद देवाइके सचेत करत इ उचित जानित हउँ।
14काहेकि मइँ ई जानित हउँ कि मोका अपने इ काया
क जल्दी ही छौड़इ क होई जइसेन हमारे पर्भू ईसू मसीह
मोका देखाएस ह। 15एही बरे मइँ आपन पूरा प्रयत्न
करबइ कि मोरे मरि जाइके बाद भी तू पचे मोरे इ बातन
क याद रख सका।

हम मसीह की महिमा क दर्सन किये हन

16जब हम आपन पर्भू ईसू मसीह क सामरथ क बारे
मँ बताए अही अउर ओकरे अवाई क बारे मँ भी कहे
अही। तउ हम चालाकी स गढ़ी भइन किस्सन क सहारा
नाहीं लीन्ह काहेकि हम तउ ओहकी महानता क खुदइ
गवाहदार अही। 17जब परमपिता परमेस्सर स उ सम्मान
अउर महिमा पाइ लिहस तउ दिव्य उपस्थिति सही विसिस्ट
वाणी परगट भइ रही, "इ मोर पिआरा बेटवा अहइ, मइँ
एहसे प्रसन्न हवउँ।" 18हम आकास स आई भइ इ वाणी
सुने रहेन। तबहिं तउ हम पवित्तर पर्वत पइ ओकरे
साथेन रहेन। 19हमहूँ क भी नबियन क बचन क पुस्टी
पइ अउर जियादा आस्था होइ गइ। इ बात प धियान
दइके तू पचे इ अच्छा करत अहा काहेकि इ तउ एक
प्रकास बाटइ जउन अँधियारे ठाँव मँ तबइ तक चमकत
रहत ह जब तलक पौ फाटत ह अउर तोह सबन क
हिरदइ मँ भोर क तारा उदय होत ह। 20मुला सबसे बड़ी
बात इ अहइ कि तू पचन्क जान लेइ चाही कि पवित्तर
सास्तरन क कउनउ भविस्सबाणी नबियन क अपने
विचारन क परिणाम न अहइ। 21काहेकि कउनउ मनई
जउन कहइ चाहत ह ओकरे अनुसार भविस्सबाणी नाहीं
होत बल्कि पवित्तर आतिमा क प्रेरणा स मनई परमेस्सर
क बानी बोलत ह।

झूठे उपदेसक लोग

2 जइसा भी रहा होइ उ संतन क बीच मँ साइत झूठे
नबियन देखाइ देइ लगत रहेन बिल्कुल उहइ तरह
झूठे उपदेसकन तू सबन्क बीच मँ भी परगट होइहइँ। उ
घातक विचारन क सुरुआत करिहइँ अउर उ स्वामी क

नकार देइहीं जउन ओनका आजादी दिआए रहा। इ
प्रकार अइसा कइके उ जल्दी बिनास क न्यौतिहइँ। 2बहुत
लोगन ओनकइ अनैतिक भोग-विलास क तरीका क
पाछे चलिहइँ ओनहिन क कारण स सत्य क मार्ग स
बदनाम होई। 3लोभ क कारण स उ बनावटी बातन स
तोहसे पैसा कमइहइँ। ओनके दंड परमेस्सर क द्वारा
बहुत पहिलेन स निर्धारित कीन्ह जाइ चुका ह। ओनकर
विनास तैयार अहइ अउर ओनकर प्रतीच्छा करत बाटइ।

4काहेकि परमेस्सर उ पाप करइवाले दूतन तक क
नाहीं छोड़ेस अउर ओनका पाताल लोक अंधेरे कोठरियन
मँ डाइ दिहिस कि उ निआव क दिन तक उहीं पइ पड़ा
रहइँ, 5उ उ पुरान संसार क भी नाहीं छोडेस मुला नूह क
उ समइ रखवारी किहेस जब अधर्मीयन क संसार प
जलप्रलय भेजी गइ रही। नूह ओन आठ मनइयन मँ रहा
जउन जलप्रलय क समइ बचा रहेन। उ जउन उचित
अहइ, ओकर उपदेस देत रहा 6सदोम अउर अमोरा ह
जइसेन नगरन क बिनास क दण्ड दइके ओनकइ राखी
बनाए दीन्न गवा रहा ताकि अधर्मियन क साथ जउन
बाते घटिहइँ, ओनके खातिर ई एक चेतावनी होइ।
7परमात्मा लूत क बचाइ लिहेस जउन एक अच्छा मनई
रहा। उद्दण्ड मनइयन क अनैतिक आचरण स दु:खी
रहत रहा। 8उ धर्मी पुरुस ओन लोगन क बीच मँ रहत
भवा रोजइ रोज जउन देखत अउर सुनत रहा ओहसे
ओनके नेक आतिमा तड़पत रही। 9एहि प्रकार पर्भू
जानत ह कि निआव करत समइ धर्मात्मा मनइयन क
कइसे बचावा जात ह अउर दुस्ट लोगन क कउने तरह
दण्ड देइ क खातिर कइसे रखा जात ह 10खासकर ओन
लोगन क बरे जउन आपन पाप स भरी भइ प्रकृति स
बुरे कामन क करत जिअत हीं। ओनकइ पापमय मन
पर्भू क सत्ता क अवेहलना करत ह।

ई पचे उद्दण्ड अउर स्वेच्छा चारी अहइँ ई महिमावान
सरगदूतन क अपमानौ करइ स नाहीं डेरात अहइँ। 11जब
कि इ सबइ सरगदूतन जउन सक्ती अउर समरथ मँ
एनसे बड़े अहइँ, पर्भू क सामने ओन पइ कउनो निन्दापूर्ण
दोख नाहीं लगावत। 12मुला ई पचे विचारहीन पसुवन क
बरब्बर अहइँ जउन अपन सहजवृती क अनुसार काम
करत हीं। जेनकइ जनम एही बरे होत ह कि उ पकड़े
जाइँ अउर मार डाए जाइँ इ पचे ओन विसयन क विरोध
मँ बोलत हीं जेनके बारे मँ इ सबइ अबोध अहइँ। जइसे
पसु मार डावा जात अहइँ, वइसेन एनहू क नस्ट कर
दीन्ह जाइ। 13एनका बुराई क बदला बुराइन स दीन्ह
जाई। दिन क प्रकास मँ भोग-विलास करब एनका भावत
ह। काहेकि उ पचे अपने छलपूर्ण कारजन क फल
भोगत हीं। इ लज्जापूर्ण धब्बे अहइँ। जब इ पचे तू पचन
क साथ उत्सव मँ सामिल होत हीं तउ 14इ कउनो
अइसेन स्त्री क ताक मँ रहत हीं जेहिके साथ व्यभिचार
कीन्ह जाइ सकइ। इ तरह स एनकइ आँखी पाप करइ
स बाज नाहीं अउतिन। इ पचे ढुलमुल लोगन क पाप
करइ क खातिर फुसलाय लेत हीं। इ लोगन क मनवा
पूरी तरफ स लालचा मँ अभ्यस्त अहइँ। इ पचे अभिसाप
क लरिका अहीं। 15सीधा-सादा मारग छाँड़िके भटक गए
बाटेन। बओर क लरिका बिलाम के मार्ग प इ पचे चलत
अहइँ बिलाम ओकर रुचि गलत रस्ता क फले मँ अहइ।
16मुला ओकरे दोखन क खातिर एक गदही जउन बोल
नाहीं पावत रही, मनई क बानी मँ बोलिके ओका डाँटिस
फटकारिस अउर उ नबियन क उन्मादी कामन क
रोकिस।

17इ झूठे उपदेसक सूखे जल क सोता अहइँ अउर
अइसे जल रहित बादल अहइँ जेनका तूफान उड़ाइ लइ
जात ह। इ पचन क खातिर गझिन अन्धेरी जगह इ काम
क बरे निस्चित कीन्ह गइ अहइ। 18इ पचे झूठे उपदेसकन
अर्थहीन डींगन स उ लोगन को प्रलोभित कइ देत हीं, जे
बस अभी ही गलत जीवन बितावइवालन लोगन स अलग
आवत हीं। 19इ झूठे उपदेसकन उनका छुटकारा क
बचन देत हीं, काहेकि कउनो व्यक्ति जउन ओका जीत
लेत ह, उ ओनहिन क दास होइ जात ह। 20एहि खातिर
अगर इ हमरे पर्भू अउर उद्धारकर्ता ईसू मसीह क जान
लेइँ अउर संसारे क खोट स बच निकरइ क पाछे अगर
ओहमाँ फिन फँस जात हीं तउ ओनकइ दसा पहिले स
भी खराब होइ जात ह। 21एहसे तउ नीक भवा होत कि इ
उचित मार्ग क जानि न पउतेन बजाए एकरे कि उ पचे इ
पवित्तर आज्ञा स मुँह फेर लेतेन। 22उ पचेन क साथे
तउ वइसेन घटना घटी जइसेन मसला अहइ, "कुकुर
अपने उल्टी क पास ही लोटत ह।"* अउर "एक नहाई
भइ सुअरी कीचड़ मँ लौटइ खातिर फिन लउट जात ह।"

ईसू फिन आई

3 पिआरे बन्धुअन, अब ई दूसर पत्र अहइ जउन मइँ
तू पचन क लिखित हउँ। इ दुइनउँ पत्रन मँ लिखिके
मइँ तू सबन क सच्चे सोच क जगावइँ क जतन कीन्ह ह।
2जेहिसे तुम उ पवित्तर नबियन द्वारा पहिले कहे गए
बचनन क याद करा अउर हमरे पर्भू अउर उद्धारकर्ता
क आदेस क जउन तू सबन क प्रेरितन द्वारा तू पचन क
दीन्ह गएन ह, ध्यान राखा।

3सबसे पहिले तू पचन क इ जान लेइ क चाही कि
आखिर दिनन मँ स्वेच्छाचारी जउन बुरी इच्छन क
अनुसरण करत हीं अउर उ पचे तोहरे लगे हँसी उड़ावत
भए अइहीं। 4अउर तू सबन स कइहीं, "का भवा ओकरे
फिन आवइ क प्रतिज्ञा का? काहेकि हमरे पूर्वजन तउ
चल बसेन। मुला जब स सृस्टि बनी ह, तइसेन हर बार
चलत आवत अहइँ।" 5मुला जब उ पचे इ आरोप करत
हीं तउ उ इ भूल जात हीं कि परमेस्सर क वचनन क

"कुकुर ... ह" नीति 26:11

द्वारा आकास जुगन स विद्यमान अहइ अउर धरती जल
प बनी बाटइ अउर जल प स्थिर बा।
6अउर इ जल क कारण स उ जुग क संसार जल
प्रलय स नस्ट होइ गवा 7मुला इ आसमान अउर पृथिवी
जउन अबइ अहइँ, उहइ आदेस स
नस्ट होइ क खातिर सुरच्छित अहइँ। एनका उ दिना
खातिर रखा जात ह जब अधर्मियन क निआव होई
अउर उ पचे नस्ट कर दीन्ह जइहीं।
8मुला पिआरे बन्धुओ, एक बात क जिन भूला, पर्भू
क बरे एक हजार साले एक दिन क समान होत ह अउर
एक दिन एक हजार बरस क बराबर होत ह। 9पर्भू
आपन प्रतिज्ञा पूरी करइ मँ देर नाहीं लगावत। जइसेन
कछू मनई सोचत हीं। बल्कि उ हमरे प्रति धीरज धरत ह
काहेकि उ कउनो मनई क नस्ट नाहीं करइ चाहत ह,
बल्कि उ तउ चाहत ह कि सभी मनई मनफिराव क
तरफ बढ़इँ।
10मुला पर्भू क दिन आई। एक दिन पर्भू चुप्पेचाप
चोर सही अहइ। उ दिन एक भयंकर गर्जना क साथे
आकास विलीन होइ जाई अउर आकास क नखत भसम
होइके नस्ट होइ जइहीं अउर इ धरती पे रहइवालेन क
करम उजागर होइ जइहीं।
11काहेकि जब इ सब चीजन इ तरह स नस्ट होइ
जइहीं तउ तू सोचा कि तू लोगन क कउनउ तरह क
जीवन जियइ क चाही। तोहे सबन्क पवित्तर जीवन जियइ
क चाही, पवित्तर जीवन जउन परमेस्सर क अर्पित
अहइ अउर सब तरह क उत्तम करम करइ क
चाही 12अउर तोहे सबन्क परमेस्सर क दिन क बाट
जोहइ क चाही, अउर ओके जल्दी आउब क बरे काम
करा। उ दिन अउतइमान आकास लपटन मँ जल क
नस्ट होइ जाई आकास क नखत ओकरे ताप सेही
पिघल उठिहइँ। 13मुला हम पचे परमेस्सर क वचन क
अनुसार एक नवा आकास अउर नवी धरती की बाट
जोह रहे हैं जहाँ धार्मिकता रहत ही बाटइ।
14इ पिआरे बन्धुओ, काहेकि तुम इन बातन क बाट
जोहत अहा, पूरा प्रयत्न करा कि पर्भू द्वारा सान्ति मँ
निर्दोख अउर कलंक रहित पावा जा।
15हमारे पर्भू क धीरज क उद्धार समझा। जइसेन
कि हमरे पिआरे बन्धु पौलुस परमेस्सर द्वारा दीन्ह गए
विवेक क अनुसार पचन्क लिखेन ह।
16अपने दूसर सभी पत्रन क समान उ पत्र मँ भी इ
सब बातन क विषय मँ कहेउँ ह। ओन पत्रन मँ कउनउ
कउनउ बात अइसी अहइ जेकर समझब मुस्किल बा।
अगियानी अउर अस्थिर लोग ओकरे अर्थ क अनर्थ
करि डावत हीं। दूसरे पवित्तर सास्तरन क साथ भी
अइसेन ही करत हीं। इ तरह उ अपनेन पैर मँ कुल्हाड़ी
मारत अहइँ। 17पिआरे बन्धुओ, काहेकि तू पचन क इ
बातन पहिलेन स पता अहइँ। इ खातिर सावधान रहा
अउर व्यवस्थाविहीन मनइयन क द्वारा भटकाए जाए पइ
अपने क सुरच्छित स्थान स न डिगवा 18बल्कि हमरे
पर्भू तथा उद्धारकर्ता ईसू मसीह क अनुग्रह अउर ज्ञान
मँ तू पचे आगेन बढ़त जा। अबइ अउर अनंत समइ तक
तुम ओकर महिमा गावत रहा।

यूहन्ना क पहिली पत्र

1 इ दुनिया क सुरुआत स रहा:

हम एका सुने अही अपनी आंखन स देखे अही
अउर बहुत धियान स निहारे, एका अपने हाथन
स खुदइ अही छुए।

हम उ बचन (मसीह) क बावत बतावत अही जउन
जीवन अहइ। 2उही जीवन क ज्ञान हमका करावा गवा।
हम ओका देखे अही। हम ओकर साच्छी अही अउर
अब हम तोहका पचे क उही अनन्त जीवन क घोषणा
करत अही जउन परमपिता क साथे रहा अउर जेकर
जानकारी हमका कराई गइ। 3हम ओका देखे अउर
सुने अही। अब तोहका उही क उपदेस देत अही जइसेन
कि तू हमार साथी रहा। हमार इ साथ परमपिता अउर
ओनकइ पूत ईसू मसीह क साथे अहइ। 4हम इ सब बात
तोहरे बदे इ कारण स लिखत अही जइसेन कि तोहार
आनन्द पूरा होइ जाइ।

परमेस्सर हमरे पापन क छमा करत ह

5हम ईसू मसीह स जउन सुसमाचार सुनो अही, उही
क हम तोहका सुनावत अही, परमेस्सर ज्योति अहइ
अउर ओहमा तनिकउ अँधेरा नाहीं अहइ। 6जदि हम
कही कि ओके सहित हमार सहभागिता अहइ, अउर
पाप क अँधियारे स भरा जीवन जिअत रही तउ हम झूठ
बोलत अही अउर सच्चाई प आचरण नाहीं करत अही।
7मुला जदि हम ज्योति मँ आगे बढ़ित अही काहेकि
ज्योति मँ परमेस्सर अहइ, अउर एक दुसरे क सहभागी
अही। अउर परमेस्सर क पूत ईसू क लहू स हमार सब
पापन क सुद्ध कइ देत ह।
8जदि हम कहित ह कि हमरे मँ कउनो पाप नाहीं
अहइ तउ हम खुदइ अपने आपका ठगत अही अउर
हमसे परमेस्सर क सत्य नाहीं अहइ। 9जदि हम आपन
पाप क मान लेइत ह तउ हमरे पापन क परमेस्सर छमा
कइ देत ह, परमेस्सर बिसवासनीय अहइ, अउर उ जउन
करत ह उ उचित अहइ। अउर उ हमरे गलत कामन
स सुद्ध कर देत ह।
10अगर हम कहित ह कि हम कउनो पाप नाहीं
करे अही तउ हम परमेस्सर क झूठा बनावत अही
अउर ओकर उपदेस हमरे मँ नाहीं अहइँ।

ईसू हमार सहायक अहइ

2 मोर पिआरे बच्चो, इ सब बात मइँ इ बदे लिखत
अहउँ जइसे तू पचे पाप न करा। मुला जउ कउनो
मनई पाप करत ह तउ परमेस्सर क सामने हमरे पाप
क बचाव करइवाला एक अहइ अउर उ बाटइ न्यायी
ईसू। 2उ एक बलिदान आटइ जउन हमरे पापन क हर
लेत ह, उ केवल हमरे पापन क नाहीं हरत उ तउ
समूची दुनिया क पाप हर लेत ह।
3जदि हम परमेस्सर क हुकुम क पालन करित ह
तउ इ उहइ रास्ता अहइ जउने स हम निस्चय करित ह
कि हम सचमुच ओका जान लिहे अही।
4जदि कउनो कहत ह, "मइँ परमेस्सर क जानित
हउँ!" अउर ओकर हुकुमन क पालन नाहीं करत तउ
उ झूठा अहइ। ओकरे मन मँ सच्चाई नाहीं अहइ। 5मुला
जउ कउनो मनई परमेस्सर क उपदेस क पालन करत
ह तउ ओहमाँ परमेस्सर क पिरेम आपन पूर्णता क
पावत ह इहइ उ रास्ता अहइ जउने स इ निस्चय होत ह
कि हम परमेस्सर मँ अही, 6जउन इ कहत ह कि उ
परमेस्सर मँ बाटइ, ओका अइसा चलइ चाही जइसन ईसू
चलत रहा।

सबसे पिरेम कर

7पिआरे बन्धुअन, मइँ तोहका कउनो नई हुकुमन
नाहीं लिखत अहउँ, इ तउ एक सनातनी हुकुम अहइ,
जउन तोहका सुरूआतइ मँ दइ दीन्ह गइ रही। इ पुरानी
हुकुम उ उपदेस अहइ जेका तू सुन चुका अहा। 8मइँ
तोहका अउर दुसर नया हुकुम लिखत अहउँ। इ बात
की सच्चाई ईसू क जीवन मँ अउर तोहरे जिन्दगी मँ
उजागर भइ अहइ, काहेकि अँधियारा खतम होत अहइ
अउर ज्योति चमकत अहइ।
9जउन मनई कहत ह, "उ ज्योति मँ स्थित अहउँ।"
अउर तबहूँ अपने भाई स नफरत करत ह, तउ उ
अबहिं भी उ अंधेरे मँ बना अहइ। 10जउन अपने भाई स
पिरेम करत ह, ज्योति मँ बना रहत ह। ओकरे जिन्दगी
मँ अइसी कउनो चीज नाहीं अहइ, जउने स उ ठोकर
खाइ। 11मुला जउन मनई अपने भाई स नफरत करत
ह, उ अंधेरे मँ अहइ। उ अंधेरे स भरा जीवन जिअत
अहइ। ओका पता नाहीं अहइ कि उ कहाँ जात अहइ,
काहेकि अंधेरा ओका आंधर बनाइ दिहे अहइ।

[12] पिआरे बच्चो, मइँ तोहका इ बदे लिखत अहउँ,
काहेकि ईसू मसीह क कारण तोहरे पापन
क छमा कइ दीन्ह गवा अहइ।
[13] पिताओ, मइँ तोहका इ बदे लिखत अहउँ,
काहेकि तू पचे, जउन अनादि काल स बना
अहइ, ओका जानत ह्या। जवानो! मइँ तोहका
इ बदे लिखत अहउँ, काहेकि तू उ दुस्ट
(सइतान) प जीत हासिल कइ लिह्या ह।
[14]बच्चो, मइँ तोहका इ बदे लिखत अहउँ,
काहेकि तू अपने बाप क पहचान लिहे अहा।
ओह बाप लोगो, मइँ तोहका इ बदे लिखत
अहउँ, काहेकि तू जउन कि संसार क
सुरुआतइ स बना अहा, ओका जान लिहे
अहा। जवानो, मइँ तोहका इ बदे लिखत अही,
काहेकि तू ताकतवर अहा। परमेस्सर क
बचन तोहरे अन्दर निवास करत हअउर उ
दुस्ट (सइतान) पइ जीत हासिल कइ लिये
अहा।

[15]दुनिया स अउर दुनिया क तमाम चीजन स पिरेम
जिन करा। जउ कउनो मनई दुनिया स पिरेम करत ह
तउ ओनके हिरदइ मँ परमेस्सर कइँती पिरेम नाहीं
रहत, [16]काहेकि इ दुनिया क हर चीज:

जउन तोहरे भौतिक मनई सुभाउ क अपनी
अउर खीचत ह, तोहरी आँखिन क सोहात
अउर इ दुनिया क हर उ चीज जउने प लोग
घमंड करत हीं।

परमपिता कइँती स नाहीं अहइ मुला उ तउ सांसारिक
अहइ। [17]इ दुनिया अपनी चाहत अउर इच्छा सहित
खतम होत जात अहइ, मुला जउन मनई परमेस्सर क
इच्छा क पालन करत ह, उ हमेसा रहत ह।

मसीह क विरोधिअन क कहा न माना

[18]मोरे पिआरे बच्चों, आखिरी घड़ी आइ गइ अहइ
जइसेन कि तू पचे सुने अहा, मसीह क विरोधी आवत
अहइ। इ बदे अब मसीह क तमाम विरोधी प्रकट होइ
गवा अहइँ इही बदे हम जानत अही कि आखिरी वक्त
आइ ग अहइ। [19]मसीह क विरोधी हमरेन सबके बीच स
निकरा अहइँ, मुला उ सबइ सही सही हमार सबन क न
अहीं, काहेकि जदि उ पचे सचमुच हमार सबन क
होतेन, तउ हमरे सबके साथे रहतेन। मुला उ पचे हम
सबक छोड़ दिहेन, जइसन कि उ दिखाइ सकइँ कि उ
हमार सबन्क न अहीं।
[20]मुला तोहार अभिसेक तो उस पवित्तर स भवा ह,
अउर तू सब जानत ह्या। [21]मइँ तोहका इ बदे नाहीं
लिखे अहउँ कि तू पचे सच्चाई क नाहीं जानत अहा,
मुला तू पचे तउ ओका जानत अहा। एका जना ल्या कि
सच्चाई स कउनो झूठ नाहीं निकर सकत।
[22]मुला जउन मनई कहत ह कि ईसू मसीह नाहीं
अहइ, उ मसीह क विरोधी अहइ। उ तउ बाप अउर
बेटवा दुइनउ क नकार देत अहइ। [23]जउन मनई बेटवा
क नाहीं मानत, ओकरे पास बापउ नाहीं अहइ, मुला
जउन मनई बेटवा क मानत ह, उ बापउ क मानत ह।
[24]जहाँ तलक तोहार बात अहइ, तु सुरुआतइ स
जउन सुने अहा, ओका अपने भीतर बनाए राखा। जउन
तू आरम्भ स सुने अहा, जउ तोहरे अन्दर बरकरार
रहत ह तउ बाप अउर बेटवा दुइनउँ तोहरे अन्दर बरकरार
रहत हीं। [25]उ हमका अनन्त जीवन देइ क वचन दिहे
अहइ।
[26]मइँ इ सब बात तोहसे ओनके बावत लिखत अहउँ,
जउन तोहका ठगइ क जतन करत अहइँ। [27]मुला जहाँ
तक तोहार बात अहइ, तोहरे मँ तउ उ परम पवित्तर स
मिला अभिसेक अहइ, इ बदे तोहका तउ तू जरूरतइ
नाहीं अहइ कि कउनो तोहका उपदेस देइ, तोहका तउ
उ आतिमा जउने स उ परम पवित्तर तोहार अभिसेक
करे अहइ, सब कछू सिखावत अहइ (अउर याद रखा
कि, उहइ सच्चाई आटइ, उ झूठ नाहीं आटइ।) उ तोहका
जइसे सिखाए अहइ, वइसेन तू मसीह मँ बना रहा।
[28]इ बदे पिआरे बच्चो, उही मँ बना रहा जइसेन कि
जब हमका ओकर जानकारी होइ तउ हम
आतिमा-बिसवास पाइ सकउँ। अउर ओकरे फिन स
आवइ क वक्त हमका लज्जित न होइ क पड़इ। [29]जदि
तू इ जानत अहा कि उ नेक अहइ तउ तू इहइ जान ल्या
कि जउन नेकी प चलत ह उ परमेस्सर क सन्तान
अहइ।

हम परमेस्सर क सन्तान अही

3 इ सोचिके देखा कि परमपिता हमका केतॅना पिरेम
करत ह जइसेन कि हम पचे बेटी-बेटवा कहवावा
जाइ सकी अउर वास्तव मँ उ हमहिं सब अही। इही बदे
दुनिया हमका नाहीं पहिचानत, काहेकि उ मसीह क
नाहीं पहिचानत। [2]पिआरे बन्धुअन, अब हम परमेस्सर
क सन्तान अही, मुला आगे चलिके हम सब का होबै,
एकर जानकारी हमका नाहीं कराई गइ अहइ। जउन
कछू होइ, हम इ जानित अही कि मसीह क फिन परगट
होइ प हम पचे उही क तरह होइ जाब, काहेकि उ
जइसेन अहइ, हम ओका उही तरह देखब। [3]जउन मनई
ओसे अइसी उम्मीद रखत अहइ, उ खुदक वइसे पवित्तर
करत ह जइसे मसीह पवित्तर अहइ।
[4]जउन मनई पाप करत ह, उ परमेस्सर क नियम
क तोड़त ह, काहेकि नियम क तोड़ब पाप आटइ। [5]तू
तउ जानत अहा कि मसीह सब मनइयन क पाप क नास
करइ क वास्ते प्रकट भवा अहइ। अउर इहउ बात

जानत अहा कि ओहमाँ कउनो पाप नाहीं अहइ। 6जउन मनई मसीह मँ रहत हीं पाप मँ नाहीं रहतेन अउर जउन मनई पाप करत हीं, उ न तउ ओकर दर्सन करे अहइ, अउर न तउ कबहूँ ओका जाने अहइ।

7पिआरे बच्चों, तू कतहूँ ठगा न जा। जउन मनई धरम क पालन करत ह ओका धरमात्मा कहा जात ह। जइसेन कि मसीह धरमात्मा अहइ। 8जउन मनई हमेसा पाप करत रहत ह, उ सइतान क अहइ काहेकि सइतान अनादिकाल स पाप करत चलत आवत अहइ। इही बदे परमेस्सर क पूत (मसीह) परगट भवा जइसेन कि उ सइतान क काम क नास कइ देइ।

9जउन मनई परमेस्सर क बेटवा बन गवा, पाप मँ नाहीं रहत, काहेकि ओकर बीज तउ उही मँ रहत ह। अब उ पाप नाहीं करत काहेकि वह परमेस्सर क बेटवा बन चुका अहइ। 10परमेस्सर क सन्तान कउन अहइँ? अउर सइतान क बेटवन कउन अहइँ? तू ओनका इ तरीके स जान सकत ह्या कि जउन मनई धरम प नाहीं चलत अउर अपने भाई स पिरेम नाहीं करत, उ परमेस्सर क बचवा न अहइ।

एक दूसरे क साथ पिरेम स रहा

11इ उपदेस तउ तू सुरुआति स सुने अहा कि हमका सबका एक दुसरे स पिरेम करइ चाही। 12हमका पचे क कैन* क तरह न बनइ चाही जउने क सम्बन्ध दुस्ट आतिमा स रहा अउर जे अपने भाई क हतिया कइ दिहे रहा। अब बतावा कि उ अपने भाई क काहे मार डाएस? उ अइसा इ बदे करेस, काहेकि ओकर करम खराब रहेन जबकि ओकरे भाई क करम अच्छा रहेन।

13भाइयो तथा बहिनियो, जदि इ दुनिया तोहसे नफरत करत ह, तउ एहमाँ अचरज करइ क बात नाहीं अहइ। 14हमका पता अहइ कि हम मउत क पार जीवन मँ आइ पहुँचा अहइ। काहेकि हम अपने भाइयन स पिरेम करित अही। जउन मनई पिरेम नाहीं करत, उ मउत मँ बरकरार रहत ह। 15जउन मनई अपने भाई स नफरत करत ह, उ हतियारा अहइ अउर तू जानत ही अहा कि जउन मनई हतियारा होत ह, उ अनन्त जीवन नाहीं रखत। 16ईसू हमरे सबके खातिर आपन जीवन त्याग दिहेस। इही बदे कि हम जानित ह कि पिरेम का होत ह? हमका अपने भाइयन क बदे आपन प्रान निछावर कइ देइ चाही। 17जेकरे लगे भौतिक सम्पति अहइ, अउर जे अपने भाइयन क दुःखी देखके ओकरे ऊपर दया नाहीं करत, ओहमा परमेस्सर क पिरेम अहइ, एका कइसे कहा जाइ सकत ह? 18पिआरे बच्चो, हमार पिरेम केवल कथन अउर बात तक न रहइ चाही, ओका करम कइके देखावइ चाही तथा पिरेम क सच्चा होइ चाही।

19–20इही स हम जान लेब कि हम सच्चाई स जुड़ा अही अउर परमेस्सर क सामने अपने दिल मँ सन्तोस कइ लेब। जिन कामन मँ हमार मन हमका दोसी ठहरावत ह काहेकि परमेस्सर हमरे मन स बड़ा अहइ अउर उ सब कछू जानत ह।

21जो पिआरे बन्धुयों, जदि बुरा काम करत समइ हमार मन हमका दोसी नाहीं ठहरावत तउ परमेस्सर क सामने हमका बिसवास बना रहत ह। 22अउर जउन कछू हम ओसे मांगित ह, ओका पाइत ह। काहेकि हम ओकरे हुकुमन क अनुसार काम करत अही अउर ओनही काम करत अही जउन ओका अच्छी लागत ह। 23ओकर इ हुकुम अहइ: हम सबे ओकरे पूत ईसू मसीह मँ बिसवास करी, जइसेन कि उ हमका पचे क हुकुम दिहे अहइ, कि हम एक दुसरे स पिरेम करी, 24जउन मनई ओकरे आदेस क पालन करत ह, उ उही मँ बरकरार रहत ह अउर ओहमाँ परमेस्सर क निवास रहत ह। इ तरह स, उ आतिमा क द्वारा जेका परमेस्सर हमका दिहे अहइ, हम जानितही कि हमरे अन्दर परमेस्सर रहत ह।

झूठा उपदेस देय बालेन स बचा रहै चाही

4 पिआरे बन्धुओ, दुनिया मँ तमाम झूठे नबी फैल ग अहइँ। हर एक आतिमा क बिसवास न करइ चाही, पहले ओनका परखिके देख लेइ चाही कि, का उ परमेस्सर क अहीं? इ मइँ तोहसे इ बदे कहत अही। 2परमेस्सर क आतिमा क तू इ तरह पहिचान सकत ह्या: जउन आतिमा इ मानत ह, “ईसू मसीह मनई क रूप धइके दुनिया मँ आइ अहइ,” उ परमेस्सर कइँती स आइ अहइ। 3अउर हर उ आतिमा जउन ईसू क नाहीं मानत, परमेस्सर कइँती स नाहीं आइ बाटइ। अइसी आतिमा मसीह क विरोधी अहइ, जेकरे बारे मँ सुने अहा कि उ आवत अहइ, मुला अब तउ उ इही दुनिया मँ अहइ।

4पिआरे बच्चों, तू पचे परमेस्सर क अह्या। इही बदे तू मसीह क विरोधी क ऊपर जीत हासिल कइ लिहे अहा। काहेकि उ परमेस्सर जउन तोहरे अन्दर अहइ, दुनिया मँ रहइवाला सइतान स बड़ा अहइ। 5मसीह क विरोध करइवाले मनइयन संसारी अहीं।

एह बरे उ पचे जउन कछू बोलत हीं, उहउ सब कछू दुनियादारी क चीज अहइ अउर दुनिया ओनकइ बात सुनत ह। 6मुला हम पचे परमेस्सर क अही, तउ जउन मनई परमेस्सर क जानत ह, उ हमार सबन क सुनत ह। मुला जउन मनई परमेस्सर क नाहीं जानत, हमार नाहीं सुनत। इ तरह हम सच्ची आतिमा तथा झूठी आतिमा क पहिचान सकित ह।

कैन कैन अउर अबेल आदम अउर हव्वा क बेटवन रहेन। कैन अबेल स जरत रहा। तउ उ ओका मारि डाएस। उत्पत्ति 4:1-16

पिरेम परमेस्सर स मिलत ह

7पिआरे बन्धुओ, हमका सबका एक दूसरे स पिरेम
करइ चाही। काहेकि पिरेम परमेस्सर स मिलत ह अउर
जउन मनई पिरेम करत ह, उ परमेस्सर क सन्तान बन
जात ह अउर परमेस्सर क जानत ह। 8जउन मनई
पिरेम नाहीं करत परमेस्सर क नाहीं जान पावत, काहेकि
परमेस्सर पिरेम अहइ। 9परमेस्सर आपन पिरेम इ तरह
स देखावत ह: उ अपने एकलौते बेटवा क इ दुनिया मँ
भेजेस जइसेन कि हम सब ओकरे द्वारा जिन्दगी पाइ
सकी। 10सच्चा पिरेम एहमाँ नाहीं अहइ कि हम परमेस्सर
स पिरेम करी, उ तउ एहमाँ अहइ कि एक अइसेन
बलिदान क रूप मँ जउन हमरे पापन क धारण कइ लेत
ह, उ अपने बेटवा क भेजके हमरी कइँती आपन पिरेम
देखाए अहइ।

11पिआरे बन्धुओ, जदि परमेस्सर इ तरह स हमरे
ऊपर आपन पिरेम देखाएस तउ हमहूँ क एक दूसरे स
पिरेम करइ चाही। 12परमेस्सर क कबहूँ कउनो नाहीं
देखेस अहइ, मुला जदि हम एक दुसरे स पिरेम करित ह
तउ परमेस्सर हमरे मँ निवास करत ह अउर हमरे
सबन क भीतर ओकर पिरेम सम्पूर्ण होइ जात ह। 13इ
तरह स हम जान सकित ह कि हम परमेस्सर मँ निवास
करित ह अउर उ हमरे भीतर रहत ह। उ अपनी
आतिमा क कछू भाग हमका दिहे अहइ। 14एका हम
देखे अही अउर हम एकर साच्छी अही, परमपिता अपने
बेटवा क दुनिया क बचाव करइ क वास्ते भेजे अहइ।
15जदि कउनो इ मानत लेत ह, "ईसू परमेस्सर क पूत
अहइ" तउ परमेस्सर ओहमाँ रहइ लागत ह। अउर उ
मनई परमेस्सर मँ रहत ह। 16इ जउ पिरेम परमेस्सर
हमसे रखत ह, ओका हम जान गएउँ अउर हमरे उपर
बिसवास किहे अहइ, जउन पिरेम परमेस्सर हमरे बदे
रखत ह।

परमेस्सर पिरेम अहइ अउर जउन मनई पिरेम मँ
बना रहत ह, उ परमेस्सर मँ बना रहत ह अउर परमेस्सर
ओहमाँ बना रहत ह। 17हमरे बावत पिरेम इही तरह स
पूर्ण अहइ जइसेन कि निआव क दिन हमरे अन्दर
बिसवास बना रहइ। हमार इ बिसवास इ बदे बना रहत
ह, काहेकि हम जउन जीवन जिअत अही, उ मसीह क
जिन्दगी जइसेन अहइ। 18पिरेम मँ कउनो भय नाहीं
रहत, हिआँ तलक कि भरपूर पिरेम सब डर भगाय देत
ह। भय क ताल्लुक दंड स अहइ। इ बदे जेहमाँ भय
अहइ, ओकरे पिरेम क पूर्णता नाहीं मिलत।

19हम पिरेम करित अही काहेकि पहले परमेस्सर
हमसे पहिले पिरेम करे अहइ। 20जउ कउनो मन मनई
कहत ह, "मइँ परमेस्सर क पिरेम करित हउँ।" अउर
अपने भाई स नफरत करत हउँ, तउ उ झूठा अहइ।
काहेकि सच मँ जदि उ अपने उ भाई स पिरेम नाहीं
करत जेका कि उ देखे अहइ, तउ उ परमेस्सर स कइसे
पिरेम कइ सकत ह, जेका उ देखे नाहीं अहइ। 21इ
आदेस मसीह हमका दिहे अहइ।

उ मनई जउन परमेस्सर क पिरेम करत ह, ओका
अपने भाई स पिरेम करइ चाही।

परमेस्सर क सन्तान क दुनिया प जीत होत ह

5 जउन मनई इ बिसवास करत ह कि ईसू मसीह
अहइ, उ परमेस्सर क सन्तान बन जात ह अउर
जदि कउनो परमपिता स पिरेम करी तउ ओकरी सन्तानौ
स पिरेम करी। 2इ तरह स जब हम परमेस्सर स पिरेम
करित ह अउर ओकरे आदेस क पालन करित अही
तउ हम जानि लेइत ह कि हम परमेस्सर क संतान स
पिरेम करित अही। 3ओकरे आदेसन क पालन करत
हम इ देखाइत ह कि हम परमेस्सर स पिरेम करित ह।
ओकरे आदेस बहुत कड़ा नाहीं अहइ। 4काहेकि जउ
कउनो परमेस्सर क सन्तान बन जात ह तउ उ दुनिया
क जीत लेत ह। अउर दुनिया प जीत हासिल करवइवाला
हमार बिसवास अहइ। 5जउन इ बिसवास करत ह कि
ईसू परमेस्सर क पूत अहइ, तउ उ दुनिया क जीत लेत ह।

परमेस्सर अपने पूत क बावत कहब

6उ ईसू मसीह अहइ जउन हमरे पास पानी अउर
लहू क साथ आवा-उ केवल पानी क साथे नाहीं, मुला
पानी अउर लहू क साथ। अउर उ आतिमा अहइ जउन
ओकर साच्छी देत ह, काहेकि आतिमा सत्य अहइ।
7साच्छी देइवाले तीन अहइँ। 8आतिमा, पानी अउर लहू
अउर इ तीनउँ साच्छी एक दूसरे स मेल खात हीं, एक
दूसरे स सहमत अहइँ। 9जउ हम मनई क दीन्ह साच्छी
क मानित ह तउ परमेस्सर क दीन्ह साच्छी अउर मूल्यवान
अहइ। परमेस्सर क दीन्ह साच्छी क सबसे बड़ा महत्व इ
बात मँ अहइ कि उ अपने पूत क बावत साच्छी दिहे
अहइ। 10जउन मनई परमेस्सर क पूत मँ बिसवास करत
ह उ अपने अन्दर साच्छी क रखत ह। परमेस्सर जउन
कहे अहइ, ओह प जउ बिसवास नाहीं करत, तउ उ
मनई परमेस्सर क झूठा साबित करत ह। काहेकि उ
परमेस्सर क अपने पूत क बावत दीन्ह साच्छी मँ बिसवास
नाहीं किहेस। 11अउर उ साच्छी आटै: कि परमेस्सर
हमका अनन्त जीवन देहे अहइ। अउर उ जीवन ओकरे
पूत (ईसू) मँ मिलतह। 12जउन मनई ओहके पूत क
धारन करतह, उ उही जीवन क धारन करतह। मुला
जेकरे पास परमेस्सर क पूत नाहीं अहइ, ओकरे पास उ
जीवनौ नाहीं अहइ।

अब अनन्त जीवन हमार अहइ

13परमेस्सर मँ बिसवास करइवालो, तोहका इ बातिन
क मइँ इ बदे लिखत अहउँ जइसेन कि तू जानि ल्या कि
अनन्त जीवन तोहरे पास अहइ। 14हमार परमेस्सर मँ

इस बिसवास अहइ कि जदि हम ओकरी इच्छा क
पालन करत ओसे पराथना करी तउ उ हमार पराथना
सुनत ह, [15]अउर जब हम जानित ह कि उ हमार सुनत
ह ओसे हम चाहे जउन माँगी-तउ हम इहौ जानित ही कि
हम जउन कछू मांगित ही, उ हमार होइ जात ह।

[16]जदि कउनो देखत ह कि ओकर भाई कउनो
अइसा पाप करत अहइ जेकर फल अनन्त मउत नाहीं
अहइ, तउ ओका अपने भाई क बावत पराथना करइ
चाही। परमेस्सर ओका जीवन देई। मइँ ओनके बरे
जीवन क बात करत अही, जउन कि अइसे पाप मँ लगा
अहइँ जउन ओनका अनन्त मउत तक न पहुँचा। अइसउ
पाप होत ह, जेकर फल मउत अहइ। मइँ तोहसे अइसे न
पाप क बदे पराथना करइ बरे नाहीं कहत अहउँ।
[17]सबइ बुरा काम पाप अहइ। मुला अइसा पाप भी होत
ह जउन अनन्त मउत क तरफ नाहीं लइ जात। [18]हम
जानित ह कि जे केहू परमेस्सर क पूत बन गवा, उ पाप
नाहीं करत। परमेस्सर क पूत ओकइ रच्छा करत ह।*
उ दुस्ट सइतान ओकर कछू बिगाड़ नाहीं सकत। [19]हम
जानित अही कि हम परमेस्सर क अही। वइसेन इ पूरी
दुनिया उ दुस्ट (सइतान) क वस मँ अहइ। [20]मुला हमका
पता अहइ कि परमेस्सर क पूत आइ गवा अहइ अउर
उ हमका अइसा ज्ञान दिहे अहइ जइसे कि हम उ
परमेस्सर क जान लेई जउन सच्चाई अहइ। हम सबे उही
मँ स्थित अही जउन सच्चाई अहइ, काहेकि हम ओकर
पूत ईसू मसीह मँ स्थित अही। परमपिता सच्चा परमेस्सर
अहइ अउर उ अनन्त जीवन भी अहइ।

[21]पिआरे बच्चो, अपने आप क झूठे देवता लोगन स
दूर राखा।

परमेस्सर ... ह मुला रहत ह सबत क अरथ, “जउन परमेस्सर स पइदा भवा ओका उ बचाए रखत ह।” या “आपने आप क बचाए राखत ह।”

यूहन्ना क दूसरी पत्र

मइँ बुजुर्ग कइँती स उ चुनी भइ स्त्री जउने क
परमेस्सर चुने अहइ, अउर ओकरे बचवन क पिरेम
करित हउँ जउन सच्चाई क भागीदार अहइँ, मइँ तुहिन
अकेले स पिरेम नाहीं करित, मुला ओन सबे तोह सबन
स पिरेम करित हीं जउन सच्चाई क जान लिहे अहइँ। 2इ
उही सच्चाई क कारण भवा बाटइ जउन हमरे मँ बना
रहत ह अउर जउन हमेसा हमरे साथे रही।
3परमपिता परमेस्सर कइँती स ओकर अनुग्रह, दया
अउर सांति हमेसा हमरे साथे रही अउर परमेस्सर क
पूत ईसू मसीह कइँती स सच्चाई अउर पिरेम मँ हमार
जगह बनी रही।
4तोहरे बचवन क उ सच्चाई क हिसाब स जीवन
जिअत देखिके मोका बहुत आनन्द भवा। काहेकि उ
हुकुम परमपिता स हमका मिला ह अउर उ सबइ, सच
प चलत हीं। 5अउर ऐ पिआरी स्त्री, मइँ तोहका कउनउ
नया आदेस नाहीं देत अहउँ, प उहइ जउन प्रारम्भ स
हमे मिला अहइ। हमका एक दूसरे क साथे पिरेम करइ
चाही। 6पिरेम क मतलब इहइ आटइ कि हम ओकरे
आदेसन क पालन करी। इ उहइ आदेस आटइ जउने क
तू सुरु स सुन्या ह कि तोहका सबन क पिरेम क साथ
जियइ चाही।
7दुनिया मँ बहोत झूठे उपदेसकन तमाम फइला पड़ा
अहइँ। वे धोखा देइवालन इ नाहीं मानतेन कि इ धरती प
मनई क रूप मँ ईसू मसीह आवा अहइ, उ ठग आटइ
अउर मसीह क विरोधी आटइ। 8अपने प्रति सावधान
रहा, अइसा न होइ कि जउन कछू कमाए अहा, ओका
गँवाइ द्या, वरन एकर प्रतिफल तू पचे प्राप्त करा।
9जउन मनई मसीह क बावत दीन्ह सच्चे उपदेस मँ
टिका नाहीं रहत, उ परमेस्सर क नाहीं पाइ सकत।
अउर जउन ओकरे उपदेस अउर क मानत ह, ओकरे
पास परमपिता अउर बेटवा दुइनउ रहत ह। 10जदि कउनउ
मनई तोहरे घरे मँ आवत ह, अउर इ उपदेस नाहीं
मानत, तउ ओका अपने घरवा मँ न आवइ द्या, अउर
न नमस्कार करा। 11काहेकि जे अइसे मनई क स्वीकार
करत ह, उ ओकरे बुरे कामन मँ हिस्सेदार होइ जात ह।
12तोहका लिखइ क वास्ते मोरे लगे बहुत सी बातन अहइँ
मुला ओन सबन क कलम दवात स मइँ लिखइ नाहीं
चाहित मुला मोका इ आसा अहइ कि तोहरे सामने
आइके आमने सामने बइठिके तोहसे बात करउँ। जेहसे
कि हमार आनन्द पूरा होइ जाइ। 13तोहरी परमेस्सर द्वारा
चुनी भइ बहन* क बचवन तोहका नमस्कार कहत
हीं।

बहन हिआँ बहन स अरथ उ ठउरे क कलीसिया स मालूम पड़त ह, जहाँ स यूहन्ना इ चिट्ठी लिखेस ह अउर 'बेटे, बिटियन, स अरथ अहइ उ कलीसिया क निअम्बर स जउन पैलगी पठवत अहइँ।

यूहन्ना क तीसरी पत्र

मइँ बुजुर्ग कइँती स: पिआरे बन्धु, गयुस क नाउँ जेसे
मइँ सत्य मँ सहभागी क रूप मँ पिरेम रखत हउँ।
2मोर पिआरे बन्धु, मइँ पराथना करत अहउँ कि तू
जइसेन आध्यात्मिक रूप स उन्नति करत अहा, वइसेन
तू सब बातन मँ उन्नति करत रहा अउर स्वस्थ रहा।
3जब कछू ईसाइ भाई आइके मोका तोहरी सच्चाई मँ
बिसवास क बावत बताएन तउ मइँ बहुत खुस भएउँ। उ
पचे मोका बताएन कि तू पचे कइसे सच्चाई क रास्ता प
चलत अहा। 4मोरे बरे एहसे बढ़कर अउर आनन्द की
बात नाहीं बाटइ कि इ सुनउँ कि मोर बचवन सच्चाई क
रास्ता प चलत अहइँ।
5मोर पियारे बन्धु, तू मोरे भाइयन बरे जउन करत
रहे अहा, ओका बिसवासयोग्यता स पूरा करत अहा
अउर विसेसकर जब उ पचे परदेसी अहइँ। 6मुला जउन
पिरेम तू ओनके ऊपर दरसाए अहा, ओकरी साच्छी उ
पचे कलीसिया क सामने दिहेन। ओनके यात्रा जारी
रखइ बरे ओनके वइसेन सहायता करत रहा, जइसेन
परमेस्सर बताए अहइ। 7मसीह क सेवा बरे उ पचे यात्रा
प निकल पड़ा अहइँ अउर उ पचे अबिसवासी लोगन स
कउनउ मदद नाहीं लिए अहइँ। 8इही बदे हम पचे क
अइसे मनइयन क सहायता करइ चाही, जइसेन कि
हमहूँ सच्चाई बरे सहकर्मी होइ सकी। 9एक ठु चिठ्ठी मइँ
कलीसिया क लिखे रहेउँ मुला दियुत्रिफेस जउन ओनकर
प्रमुख बनइ क लालसा रखत ह। उ मोरे सबक बताई
बातन क न मानी 10इहइ कारण अहइ जदि मइँ आवउँ
तउ ओकर ओन करमन कि जउन उ करत ह, याद
दियाउब। वह अनुचित रूप स मोरे खिलाफ बुरी बुरी
बात कहिके दोख लगावत ह; अउर इतने एँतने स ही उ
संतुस्ट नाहीं अहइ, उ न तउ खुद भाइयन क स्वागत
करत ह अउर जउन स्वागत करइ चाहत ह ओका मना
करत ह अउर कलीसिया स निकार देत हय। 11पिआरे
बन्धु, बुरे उदाहरण क नाहीं वरन भलाई क अनुकरण
करा। जउन मनई भलाई करत ह, उ परमेस्सर क
अहइ! उ जउन बुराई करत ह, उ परमेस्सर क नाहीं
देखेस।
12दिमेत्रियुस क बावत सब अच्छी बात कहत अहइँ।
हिआँ तक कि खुदइ सच्चाई ओकरे बारे मँ कहत ह।
हमहूँ ओनके बावत अच्छी बात कहित ह। अउर तू
जानत अहा कि जउन हम कहित अही इ सच बाटइ।
13तोहका सबन क लिखइ क वास्ते मोरे पास बहुत
बातन अहइँ, मुला मइँ कलम अउर सियाही स ओका
सब लिखइ नाहीं चाहित। 14मुला मोका तउ इ आसा
अहइ कि मइँ जल्दी तोहसे मिलबइ। तउ हम आपुस मँ
बात करब। 15सान्ति तोहरे साथे रहइ। तोहरे सब दोस्तन
हिआँ तोहका सबन क नमस्कार कहत अहइँ। उहाँ हर
मित्र क नाउँ लइके नमस्कार कह्या।

यहूदा क पत्र

ईसू मसीह क नउकर अउर याकूब क भाई यहूदा
कइँती स तोहरे ओन बोलाए भएन क नाउँ, जे परमेस्सर
क पिता मँ प्रिय अउर ईसू मसीह क बदे सुरच्छित
अहइँ।
2तोहका दया, सान्ति, अउर पिरेम बहुतायात स मिलत
रहइ।

पापी क दण्ड मिली

3पिआरे दोस्तो! मइँ बहोत चाहत रहे कि तोहका उ
उद्‌धार क बावत लिखउँ, जेकर हम सबे भागीदार अही।
मइँ तोहका लिखइ क अउर प्रोत्साहित करइ क
आवस्यकता क अनुभव किहेउँ जइसेन कि तू उ बिसवास
बरे संघर्स करत रहा जेका परमेस्सर पवित्तर मनइयन
क हमेसा हमेसा बरे दिहे अहइ। 4काहेकि हमरे सबके
बीचे मँ कछू मनई चोरी स आइ ग अहइँ। एनके अपराध
क बावत सास्तर मँ पहिलेन स आगाह कइ दीन्ह गवा
अहइ। इ सबइ परमेस्सर क विरोध मँ अहइँ। इ पचे
परमेस्सर क अनुग्रह क लुच्चापन मँ बदल डावत हीं
अहइ अउर हमार एक ही पर्भू अउर स्वामी ईसू मसीह
मँ नाहीं बिसवास करतेन।
5मइँ तोहका इ याद दियावा चाहत हउँ कि जउन
पर्भू अपने लोगन क मिस्र क धरती स बचाइ क निकार
लिहे रहा। अउर जउ उ बिसवास नाहीं करत रहेन,
ओनका कउने तरह स नस्ट कइ दिहे रहा। 6अउर याद
राखा कि जउन सरगदूतन अपने पद क स्थिर नाहीं रख
सकेन आपन अउर निज निवास क छोड़ दिहे रहेन, उ
ओनका अनन्त बन्धनन मँ जकडिके उस भीषन दिन
क निआव बरे अन्धकार मँ रखे बाटइ।
7इही तरह स मइँ तोहका इहउ याद दिआवा चाहत
अहउँ कि सदोम अउर अमोरा अउर ओनके लगे पास
क नगरन एँनही दूतन क तरह यौन अनाचार किहेन
तथा अप्राकृतिक यौन सम्बन्ध क पाछे धावत रहेन।
ओनका कबहूँ न बुझइवाली आगी मँ झोक देइ क दण्ड
दीन्ह गवा। हम सबन क अइसे उदाहरण स सीख लेइ
चाही।
8ठीक इही तरह हमरे समहू मँ घुसइवाले इ सब
मनई अपने सपना क पीछे दउड़त अपने सरीर क
असुद्ध करत अहइँ। इ सबइ पर्भू क तुच्छ जानत हीं
अउर महिमावान सरगदूतन क निन्दा करत हीं।
9प्रमुख सरगदूत मीकाईल जउ सइतान क साथ विवाद
करत भवा मूसा क ल्हास क बावत बहस करत रहा
तउ उ ओकरे खिलाफ अपमानजनक आरोप लगावइ
क हिम्मत नाहीं जुटाइ सका। उ सिरिफ एतना कहेस,
"पर्भू तोहका डाटइ अउर फटकारइ।" 10मुला इ लोग
तउ ओन बातन क निन्दा करत हीं अउर इ पचे ओनका
नाहीं समझतेन। अउर इ पचे अविवेकी जानवरन क
नाईं जउन जिन बातन स सहज रूप स परिचित अहइँ, इ
बातन उहइ बाटिन ओनही क द्वारा नास होइ जात ह।
11ओनके सबके बरे इ बहुत खराब अहइ, काहेकि उ
पचे कैन क रास्ता चुनेन्ह। धन कमाय बरे उ पचे खुद
क वइसेन गलती क हवाले कइ दिहेन जइसेन बिलाम
किहे रहा। इ बरे ओनही क नास होई जइसेन कोरह क
विद्रोह मँ भाग लेइवालेन मर-बिला ग रहेन।
12इ पचे तोहरे प्रीतिभोजन मँ छिपी समुद्र तल की
चट्‌टानन क तरह अहइँ जउन कि घातक अहइँ। इ पचे
बिना डरे तोहरे साथे खात हीं, पिअत हीं मुला ओनका
अपने स्वार्थ क फिकिर रहत ह। उ बिना पानी क बादर
अहीं। उ पचे पतझड़ क अइसेन पेड़ अहिन जउने प
फल नाहीं होत। उ दुइ दाईं मरा अहइ। ओनका उखाड़ा
जाइ चुका अहइ। 13उ पचे समुद्दर क अइसी भयानक
लहर अहइँ, जउन अपने लज्जाजनक करमन क झाग
उगलत रहत हीं। उ सब इधर उधर भटकत अइसे तारा
अहइँ जेनके बरे अनन्त घनघोर अंधेर सुनिस्चित कइ
दीन्ह ग अहइ।
14आदम स सातवी पीढ़ी क हनोक भी एनके बावत
अइसेन सब्दन मँ भविस्सबाणी किहे रहा, "देखा, उ पर्भू
अपने हजारन हजार पवित्तर सरगदूतन क साथ 15पर्भू
हर मनई क निआव करी। उ सब मनइयन क परखइ
आवत अहइ अउर जउन ओकरे खिलाफ अहइँ ओन
सबनक दण्ड देई। परमेस्सर एँन सब मनइयन क सजा
देइ जउन बरा करम किहे बाटेन। उ इ सबइ पापी लोगन
क सजा देइ जउन परमेस्सर क खिलाफ रहेन। उ ओन
बुरी बातन बरे सजा देई जउन परमेस्सर क खिलाफ
किहे बाटेन।"
16इ पचे चुगुलखोर अहीं अउर दोख ढूढइवाले अहीं।
इ सबेन्ह अपनी इच्छा क गुलाम अहीं अउर अपने मुँहे
स घमंडभरी बात बोलत हीं। अपने फायदे क बदे इ
सबेन्ह दूसरे क चापलूसी करत हीं।

जतन करत रहइ बरे चेतावनी

[17]मुला पिआरे दोस्तो, ओन सब्दन क याद करा
जउन हमार पर्भू ईसू मसीह क प्रेरितन पहिलेन कहि
चुका अहइँ। [18]उ पचे तोहसे कहत रहेन, "आखिरी
समइ मँ अइसे मनई रइहीं जउन परमेस्सर स जुड़ी बातन
क मजाक उडइहीं।" उ पचे गन्दी इच्छा क पाछे पाछे
चलिहइँ। [19]इ पचे ओनही अहीं जउन फूट डावत हीं। इ
सबइ संसारिक अउर आतिमा रहित अहइँ।

[20]मुला पिआरे दोस्तो, तू पचे एक दूसरे क बिसवास
स आध्यात्मिक रूप स अपने को पवित्तर बिसवास मँ
मजबूत करत रहा। पवित्तर आतिमा क साथ पराथना
करा।

[21]अपने आप क परमेस्सर क पिरेम मँ बनाए रखो
अउर अनन्त जीवन बरे उत्सुकता स हमरे पर्भू ईसू
मसीह की द्या क बाट जोहत रहा। [22]जे संदेह करत हय,
ओनके ऊपर द्या करा। [23]दूसर मनइयन क आगे
बढ़िके आग स निकार ल्या। अउर दूसर मनइयन क
बचावा। मुला दया देखावत सावधान रह्या लेकिन ओनके
कपरन तलक स नफरत कर्या जउने प ओनके सांसारिक
तरह स जीवन यापन पइ पाप क धब्बा लगा अहइ।

परमेस्सर क स्तुति

[24]उ (परमेस्सर) मजबूत अहइ अउर तू सबन क
ठोकर खाइ स बचाइ सकत ह। अउर अपनी महिमा क
उपस्थिति मँ तू पचन क निर्दोस अउर आनन्दित कइके
खड़ा कइ सकत ह।

[25]उ एकइ परमेस्सर बा। उ सिरिफ एक अहइ
जउन उद्धार कइ सकत ह। हमरे पर्भू ईसू मसीह क
द्वारा हमरे उद्धार करइवाले एकही परमेस्सर क महिमा,
वैभव, पराक्रम अउर अधिकार हमेसा हमेसा स अब
तलक भूतकाल मँ, अब अउर भविस्स मँ अउर जुग
जुग तक बना रहइ। आमीन।

प्रकासित वाक्य

इ किताबे क बारे मँ यहून्ना कहेस

1 इ ईसू मसीह क प्रकासित वाक्य अहइ जउन ओका
परमेस्सर स इ बदे मिला अहइ जइसे कि जउन बात
होइवाली अहइ, ओनका अपने सेवकन क दिखावा जाइ।
आपन दूत भेजके मसीह अपने सेवक यूहन्ना क इसारा
कइके बताएस। 2यूहन्ना जउन कछू देखे रहा, ओकरे
बावत बताएस। इ उ सच्चाई अहइ जेका ईसू मसीह बताए
रहा। इ उ संदेस अहइ जउन परमेस्सर क अहइ। 3उ
मनई धन्य अहइ जउन परमेस्सर क भविस्सबाणी क
नीक संदेस क पढ़त ह, अउर सुनत ह अउर उ पचे धन्य
अहइँ जउन बातन एहमाँ लिखी अहइँ, जे ओनकइ
पालन करत ह। काहेकि परिपूर्ण क समइ नजदीक
अहइ।

कलीसियन क नाउँ यूहन्ना क संदेस

4यूहन्ना कइँती स एसिया प्रान्त* मँ बरकरार सात
कलीसियन क नाउँ उ परमेस्सर कइँती स जउन अहइ,
जउन हमेसा स रहा अउर जउन आवइवाला अहइ, ओन
सात आतिमा कइँती स जउन ओकरे सिंहासन क सामने
अहइँ। 5अउर उ ईसू मसीह कइँती स जउन बिसवास
भरा साच्छी, मरा मनइयन मँ पहिला जी उठइ वाला
अउर धरती क राजन क राजा अहइ तोहका कृपा
अउर सान्ति मिलइ।

उ जउन हमसे पिरेम करत ह अउर जउन आपन
खून स हमका पचे क आपन पापन स छुटकारा देवाएस।
6उ हमका एक राज्य अउर अपने परमपिता परमेस्सर
क सेवा मँ याजक होइ क बनाएस। ओकर महिमा अउर
पराक्रम हमेसा बरकरार रहइ। आमीन!

7देखा, बादलन क साथ मसीह आवत अहइ। हर
एक आँखी ओकर दर्सन करी। एहमाँ ओनइ सामिल
अहइँ जउन ओका मारे रहेन।* धरती क सब मनई
ओकरे कारन रोइहीं। हाँ! सचमुच अइसा होइ! आमीन।

8सबसे बड़ी ताकतवाला पर्भू परमेस्सर, जउन
बरकरार अहइ, हमेसा हमेसा स रहा अउर जउन
आवइवाला अहइ, कहत अहइ, "मइँ अलफा (आदि)
अउर ओमेगा (अन्त) दुइनउँ अही।"

एसिया प्रान्त एसिया माइनर क एक प्रान्त।

मोर रहेन लखइँ यूहन्ना 19:34

9मइँ, यूहन्ना अउर ईसू मँ तोहार भाई अहउँ। हम
संग संग ईसू मँ अही अउर ईसू क कारण अत्याचार,
राज्य अउर धीरज मँ भरी सहनसीलता मँ तोहार साच्छी
अही। परमेस्सर क बचन अउर ईसू क साच्छी देइ क
कारण मइँ पतमुस* नाउँ क द्वीप मँ रहेउँ। 10पर्भू क
दिन मइँ आतिमा क वसीभूत हो उठेउँ अउर मइँ अपने
पाछे तुरही क एक तेज आवाज सुनेउँ। 11उ कहत रही,
"जउन कछू तू देखइ अहा, ओका एक किताब मँ लिख
द्या अउर फिन ओका इफिसुस, स्मुरना, पिरगमुन,
थूआतीरा, सरदीस, फिलादेलफिया अउर लौदीकिया क
सातउ कलीसियन क भेज द्या।"

12फिन इ देखइ क बदे कि इ आवाज केकर आटइ
जउन मोसे बोलत रही, मइँ मुड़ेउँ अउर जब मइँ मुड़ेउँ
तउ मइँ सोने क सात दीपाधार देखेउँ। 13अउर ओन
दीपाधारन क बीच मइँ एक आदमी क देखेउँ जउन
"मनई क पूत" क जइसा कउनउ मनई रहा। उ अपने
गोड़े तक लम्बा चोगा पहने रहा। अउर ओकरी छाती प
एक सुनहरी पटका लिपटा रहा। 14ओकर मूँड़ अउर
बाल सफेद ऊन क तरह उज्जर रहेन। ओकर आँखिन
आगी क चमचमात लपट क तरह रहिन। 15ओकै पैर
भट्ठी मँ अबहीं अबहीं तपावा गवा कांसा क नाईं दमकत
रहेन। ओकर आवाज तमाम पानी क धारा क गरज क
तरह रही। 16अउर उ अपने दहिने हाथे मँ सात तारा धरे
रहा। ओकरे मुँह स एक तेज दुधारी तलवार बाहर
निकरत रही। ओकर तस्वीर तेज दमकत सूरज क तरह
उज्जर रही।

17मइँ जब ओका देखेउँ तउ मइँ ओकरे पैर प
अइसेन गिर पड़ेउँ जइसेन मरा मनई गिरइ। फिन उ
आपन दहिना हाथ मोरे ऊपर रखेस अउर कहेस, "डेराय
न जा, मइँ पहिला अहउँ अउर मइँ आखिरी अहउँ।
18मइँ उहइ अहउँ जउन जिअत अहउँ। मइँ मरि ग रहेउँ
मुला देखा, अब मइँ हमेसा हमेसा क बदे जिन्दा अहउँ।
मोरे पास मृत्यु अउर अधोलोक* क चाभी अहइ। 19तू
जउन कछू देखे अहा, जउन कछू होत अहइ, अउर कछू
आगे होइवाला अहइ ओका लिखत जा। 20इ जउन सात

पतमुस एजिअन समुददर मँ एसिया माइनर क तट क निअरे
एक ठु छोटा सा द्वीप जउन आजुकल टर्की कहा जात ह।

अधोलोक जहाँ लोग मरइ क बाद जात हीं।

तारा अहइँ जेनका तू मोरे हाथे मँ देखत अहा अउर
जउन इ सात दीपाधार अहइँ एनकइ सबन क गुप्त
रहस्य अहइ: इ सात तारा सात कलीसियन क सरगदूतन
अहीं अउर इ सात दीपाधार सात कलीसियन अहीं।

इफिसुस की कलीसिया क मसीह क संदेस

2 "इफिसुस क कलीसिया क सरगदूत क इ लिखा:
"उ जउन अपने दहिने हाथे मँ सात तारन क धारन
करत ह अउर जउन सात दीपाधारन क बीच घूमत ह, इ
तरह कहत अहइ [2]मइँ जानत अहउँ जउन तू करत अहा
अउर, कड़ी मेहनत अउर धीरज भरी सहनसीलता क
जानित हउँ अउर मइँ इहइ जानित हउँ कि तू बुरा
मनइयन क राह नाहीं पउत्या अउर तू ओनका परखे
अहा जउन कहत अहइँ कि उ पचे प्रेरितन बाटेन मुला
सही मँ नाहीं अहइँ। तू ओनका झूठा पाए अहा। [3]मइँ
जानित हउँ कि तोहरे मँ धीरज अहइ अउर मोरे नाउँ प
तू कठिनाई झेले अहा। अउर तू थका नाहीं अहा।
[4]"मुला मोरे लगे तोहरे विरोध मँ इ अहइ: तू पिरेम
छोड़ दिहे अहा जउन सुरुआत मँ तोहरे मँ रहा। [5]इ बदे
याद करा कि तू कहाँ स गिरा अहा, आपन मनफिराव
अउर उ करा जेका तू सुरुआत मँ करत रह्या, जदि तू
पछतावा न करब्या तउ मइँ तोहरे लगे आउब अउर
तोहरे दीपाधार क ओकरी जगह स हटाइ देब। [6]मुला इ
बात तोहरे हित मँ अहइ कि तू नीकुलइयन*क काम स
नफरत करत अहा, जेनसे मइँ भी नफरत करत हउँ।
[7]"जेकरे लगे कान अहइँ, उ ओका सुनइँ जउन
आतिमा कलीसियन स कहत अहइ। जे विजय पाई मइँ
उही परमेस्सर क बगिया मँ लगा जीवन क पेड़ स फल
खाइ क अधिकार देब।

स्मुरना की कलीसिया क मसीह क संदेस

[8]"स्मुरना क कलीसिया क सरगदूत क इ लिखा:
"उ जउन पहिला अह अउर जउन आखिरी अहइ
जउन मर ग रहा अउर फिन स जी उठा। [9]उ कहेस मइँ
तोहरे साथ जउन अत्याचार भवा ओका अउर तोहरी
दीनता दुइनउँ क जानत हउँ वइसे तू धनवान अहा।
जउन खुद क यहूदी कहत अहा, अउर जउन तोहार
निन्दा करे अहइ, मइँ ओका भी जानत हउँ। यद्यपि
ओन्हन सही सही यहूदी न अहीं। बल्कि उ पचे सइतान
क आराधनालय अहइँ जउन सइतान स संबंध रखित ह।
[10]उ अत्याचार स तोहका डेराय क जरूरत नाहीं अहइ,
जउने क तोहका सहइ क अहइ। सुना, सइतान तोहरे मँ
स कछू जने क बंदीगृह मँ डाइके तोहार परीच्छा लेइ
जात अहइ। अउर तोहका हुवाँ दस दिन तक कस्ट
भोगइ क अहइ। चाहे तोहका मर जाइ क पड़इ मुला
सच्चा बना रह्या तबइ तोहका जीवन वाला मुकुट देब।
[11]"जउन सुन सकत ह, सुन लेइ कि आतिमा
कलीसियन स का करत अहइ। जउन जीत जाई ओका
दूसरी मउत स कउनउ नुकसान न उठावइ क पड़ी।

पिरगमुन की कलीसिया क मसीह क संदेस

[12]"पिरगमुन क कलीसिया क सरगदूतन क इ लिखा:
"उ जउन तेज दोधारी तलवार क धरत अहइ उ इ
तरह स कहत ह: [13]मइँ जानत हउँ कि तू कहाँ रहत
बाट्या जहाँ सइतान क सिंहासन बाटइ। अउर मइँ इहउ
जानत हउँ कि तू मोरे नाउँ प स्थिर अहा, अउर तू मोरे
बरे आपन बिसवास क कबहुँ जकार्‌या नाहीं। तोहरे उ
नगर मँ जहाँ सइतान क निवास अहइ, मेरा बिसवासपूर्ण
साच्छी अन्तिपास मार दीन्ह गवा रहा।
[14]"मुला मइँ तेरे बिरोध मँ कछू कहइ चाहत हउँ:
तोहरे हिआँ कछू अइसे लोग बाटेन जउन बिलाम क
सिच्छा क मानत हीं। उ बॉलाक क सिखावत रहा कि
इस्राएलियन क मूर्तियन क चढ़ावा खाइ अउर व्यभिचार
करइ क प्रोत्साहित करइ। [15]अइसे तोहरे हिआँ भी कछू
अइसे मनइयन अहइँ जउन नीकुलइयन क सीख प
चलत अहइँ। [16]एह बरे मनफिरावा नाहीं तउ मइँ जल्दी
ही तोहरे पास आउब अउर ओनके बिरोध मँ उस तलवार
स युद्ध करबइ जउन मोरे मुँह स निकरत बाटइ।
[17]"जउन सुन सकत ह, सुन लेइ कि आतिमा
कलीसियन स का कहत अहइ!"
"जउन बिजयी होई मइँ हर एक क गुप्त मन्ना देब।
मइँ ओका एक सफेद पाथर देब जेह पइ एक नवा नाउँ
लिखा होई। जेका ओकरे अलावा अउर कउनउ नाहीं
जानत अहइ, जेका उ दीन्ह गवा बाटइ।

थूआतीरा क कलीसिया क मसीह क संदेस

[18]"थूआतीरा क कलीसिया क सरगदूतन क नाउँ इ
लिखा:
"परमेस्सर क पूत, जेकर आँखिन धधकती आग
क समान बाटिन, अउर जेकर पैर चमकते काँसा क
जइसे अहइँ, इ कहत अहइ: [19]मइँ तोहरे कारज, पिरेम,
बिसवास, सेवा अउर धैर्य क जानत हउँ। मइँ इहउ जानत
हउँ कि तोहार वर्तमान कारज विगत कारज स अधिक
होत बाटइ। [20]मुला मइँ तेरे विरोध मँ कछू कहइ चाहत
हउँ: तू उ स्त्री इजेबेल क अपने मध्य रहइ देता अहा,
जउन अपने आपको नबीया कहत ह। मुला मोरे सेवकन
क व्यभिचार करइ अउर मूर्तियन क आगे चढ़ाई भइ
चीजन क खाइ बरे सिच्छा देत अहइ। [21]मइँ ओका
मनफिरावा क अवसर दिहे अहउँ। मुला उ अपने व्यभिचार
स मनफिरावा नाहीं चाहत। [22]अउर मइँ ओका

नीकुलइयन एसिया माइनर क धरम गुट। इ झूठ बिसवास
अउर बिचार क मनवइया रहा। एकर नाउँ क धरब कउनो
नीकुलइयन क नाउँ क मनई प कीन्ह ग होइ।

रोग-चारपाई प डाउब। अउर जे ओकरे साथ व्यभिचार
करत अहइँ तउ उ तरह क कस्ट अउर दिक्कत भोगइँ
जब तलक अपने काम क पछतावा न कइलेइँ। 23मइँ
महामारी फैलाइके ओकरे लरिकन क मारि डाउब अउर
सब कलीसियन क पता चल जाइ कि मइँ उहइ अहउँ
जउन सब मनइयन क मन अउर बुद्धि क जानत अहइ।
मइँ तोहका सबका तोहरे काम क हिसाब स फल देबइ।

24“अब मोका थूआतीरा क बाकी बचे क कछू
मनइयन स कछू कहइ क अहइ कि जे इस सीख प
नाहीं चलतेन अउर जउन सइतान क अउर ओकरे
छिपी बातन क नाहीं जानत अहइँ। मइँ तोहरे ऊपर
अउर कउनो बोझा नाहीं डावा चाहत अहउँ। 25मुला
जउन कछू तोहरे लगे अहइ, ओह प मोरे आवइ तक
चलत रहा।

26“जउन मनई जीत हासिल करी अउर जउन बातन
क मइँ आदेस दिहे अहउँ आखिरी दम तक मोर आदेस
पर टिका रही, जेहका मइँ चाहत अहउँ ओका मइँ
राष्ट्रन पर अधिकार देत हउँ।

27‘तथा उ ओनके ऊपर लोहे क डण्डे स सासन
करी। उ ओनका माटी क भाँडन क तरह
चूर चूर कइ देई।’

भजन संहिता 2:9

28इ उहइ अधिकार अहइ जेका मइँ अपने परमपिता स
पाए अहउँ। मइँ अइसे मनई क भोर क तारा देब।
29जेकरे पास कान अहइँ, उ सुन लेइँ कि आतिमा
कलीसियन स का कहत अहइ।

सरदीस की कलीसिया क मसीह क संदेस

3 “सरदीस कलीसिया क सरगदूत क इ तरह लिखा:
“अइसा उ कहत ह जेकरे लगे परमेस्सर क सात
आतिमा अउर सात तारा अहइँ मइँ तोहरे काम क जानत
अहउँ सब मनइयन क कहब अहइ कि तू जिअत अहा,
मुला तू तउ मर ग अहा। 2सावधान रहा! अउर जउन
कछू बचा अहइ, ओका विलाइ जाइ क पहले अउर
मजबूत बनावा काहे बदे कि अपने परमेस्सर क निगाह
मँ मइँ तोहरे काम क नीक नाहीं पाए अहउँ। 3इ बदे
जउने उपदेस क तू सुने अहा अउर पाए अहा, ओका
याद करा। उही प चला अउर आपन मनफिरावा। जदि
तू न जगब्या तउ चोर क तरह मइँ चला आउब। एकै
तोहका पता नाहीं होइ कि मइँ कब अउबउँ अउर तोहका
अचम्भा मँ डाइ देबूँ। 4जउनउ कछू होइ, मुला सरदीस मँ
तोहरे लगे कछू अइसे मनइयन अहइँ जउन अपने क
खराब नाहीं किहे अहइँ। उ पचे नीक मनई अही, इ बदे
मोरे साथ उज्जर उज्जर कपरा पहिनी क घूमिहइँ। 5जउन
उ जीती, उ इही तरह उज्जर कपरा पहिनी मइँ जीवन क
पुस्तक स ओकइ नाउँ न हटाउबइ, मइँ ओकरे नाउँ क
परमपिता अउर सरगदूतन क सामने मानता देबइ। 6जेकरे
लगे कान अहइँ, उ पचे सुन लेइँ कि आतिमा कलीसियन
स का कहत अहइ।

फिलादेलफिया कलीसिया क मसीह क संदेस

7“फिलादेलफिया कलीसिया क सरगदूत क इ तरह
लिखा:

“उ जउन पवित्तर अउर सच्चाई अहइ अउर जेकरे
लगे दाऊद क चाभी अहइ जउन अइसा दरवाजा खोलत
ह, जेका केहू खोल नाहीं पावत, इ तरह कहत ह; 8मइँ
तोहरे काम क जानित ह। देखा तोहरे सामने मइँ एक
दरवाजा खोल दिहे अहउँ, जेका केहू बन्द नाहीं कइ
सकत। मइँ जानत हउँ कि तोहार ताकत कम अहइ
मुला तू मोर उपदेस स क पालन किहे अहा, अउर मोर
नाउँ क खंडन नाहीं किहे अहा। 9सुना! कछू अइसे
अहइँ जे सइतान क आराधनालय अहीं अउर जउन
यहूदी न होत भए अपुना क यहूदी कहत हीं, जे एकदम
झूठा अहइँ, ओनका मइँ मजबूर कइके तोहरे पैर मँ
झुकाइ देब जइसे कि ओनका पता चल जाइ कि तू मोका
अच्छा लागत ह्या। 10तू धीरज क साथ सहनसीलता स
मोर आदेस क पालन किहे अहा। एकरे बदले मँ मइँ
इम्तिहान क घड़ी मँ तोहार रच्छा करबइ, जउन कि
धरती पर रहइवालेन क परखइ क बदे पूरे संसार मँ
आवइवाली अहइ।”

11“मइँ बहुत जल्दी आवत अहउँ। जउन कछू तोहरे
पास अहइ, ओकरे ऊपर उटा रहा जइसे कि तोहार जीत
क मुकुट कउनउ लेइ न पावइ। 12जउन मनई जीती,
ओका मइँ अपने परमेस्सर क मंदिर क खम्भा बनउबइ।
फिन उ कबहूँ मंदिर क बाहर न जाई। अउर मइँ अपने
परमेस्सर क अउर अपने परमेस्सर क नई नगरी क
नवा यरूसलेम नाउँ ओकरे ऊपर लिखबइ, उ नगरी
परमेस्सर कइँती स सरग स नीचे उतरइवाली अहइ।
ओकरे ऊपर मइँ अपनउ नये नाउँ लिखबइ। 13जे सुन
सकत ह सुन लेइ कि आतिमा कलीसियन स का कहत
अहइ।

लौदीकिया की कलीसिया क मसीह क संदेस

14“लौदीकिया क कलीसिया क सरगदूत क इ लिखा:
“जउन आमीन* अहइ बिसवास भरा अहइ, सच्ची
साच्छी अहइ, जउन परमेस्सर क रचना क एक ठु
सासक अहइ, इ तरह कहत ह: 15मइँ तोहरे काम क
जानत हउँ अउर इहउ कि न तउ इ ठंडा होत ह अउर

आमीन आमीन सबद क अरथ अहइ उ परम सत्य क तरह होइ जाब। मुला हिआँ ऍका ईसू क नाउँ क रूप मँ बइपरा ग अहइ।

न गरम। मइँ चाहत हउँ कि तू या तो ठंडा रहा या गरम।
[16]इ बदे कि तू गुनगुना अहा, न तउ गरम अहा न ठंडा,
एहि कारण मइँ तोहका अपने मुँह स उगलइ जात अहउँ।
[17]तू कहत अह कि मइँ धनी होइ गवा हउँ अउर मइँ
भाग्यसाली होइ गवा अहउँ अउर मोका कउनउ चीज
क जरूरत नाहीं अहइ, मुला तोहका पता नाहीं अहइ कि
तू अभागा अहा, दयनीय अहा, आँधर अहा अउर नंगा
अहा। [18]मइँ तोहका इ सलाह देत अहउँ कि तू मोका
आगी मँ तपावा सोना खरीदा जइसे कि तू सही सही
धनवान होइ जा। पहिनइ क वास्ते सफेद कपरा लइ ल्या
जइसे कि तोहरी बेसार्मी अउर नंगाई क तमासा न खड़ा
होइ जाइ। अपने आँखन मँ लगावइ क वास्ते तू आँजन
लइ ल्या जइसे कि तू निहार सका।

[19]"ओनका सबेन्ह क जेनका मइँ पिरेम करित हउँ,
मइँ डाटत अहउँ अउर अनुसासित करत हउँ। कठिन
जतन कइके आपन मनफिराइ ल्या। [20]सुना, मइँ दरवाजे
प खड़ा अहउँ अउर खटखटावत अहउँ। जउ केहू मोर
आवाज सुनत ह अउर दरवाजा खोल देत ह तउ मइँ
अन्दर आइ जइहउँ अउर ओकरे साथे बइठके खाना
खाबइ। अउर उ मोर साथे बइठके खाना खात ह।

[21]"जउन मनई जीती मइँ ओका अपने साथे सिंहासन
प बइठइ देब। जइसे कि जीत हासिल कइके मइँ अपने
पिता क साथे सिंहासन प बइठा अहउँ। [22]जे मनई सुनि
सकत ह सुन लेइ, कि आतिमा कलीसियन स का कहत
अहइ।"

सरग क दर्सन

4 एकरे बाद मइँ आपन निगाह उठाएउँ तउ उहाँ
सरग क खुला दरवाजा मोरे सामने रहा। अउर
उहइ आवाज जउने क मइँ पहले सुने रहेउँ, तुरही क
आवाज जइसी मँ मोसे कहत रही, "हिआँ ऊपर आइ जा।
मइँ तोहका उ देखाउब जउन आगे चलिके होइवाला
अहइ।" [2]फिन तुरन्तइ मइँ आतिमा क बस मँ होइ गएउँ।
मइँ देखेउँ कि मोर सामने सरग मँ सिंहासन अहइ अउर
ओकरे ऊपर केउ बइठा अहइ। [3]जउन ओह प बइठा
रहा ओकै चमक यसब अउर गोमेद क तरह रही।
सिहांसन क चारिहुँ कइँती एक मेघधनुस रहा जउन
पन्ना क तरह दमकत रहा। [4]उ सिंहासन क चारिहुँ
कइँती चौबीस सिंहासन अउर रहेन। ओकरे ऊपर चौबीस
बुजुर्गन* बइठा रहेन। उ पचे सफेद कपरा पहिने रहेन।
ओनके मूड़े प सोने क मुकुट रहेन। [5]सिंहासन भरा
बिजली क चकाचौंध, घड़घड़ाहट, अउर बादर गरजइ क
आवाज आवत रही। सिंहासन क समन्वा लपलपात सात
मसाल जरत रहिन। इ मसाल परमेस्सर क सात आतिमा
अहइँ। [6]सिंहासन क समन्वा पारदर्सी कांच क स्फटिक
समुद्दर जइसा फइला रहा।

सिंहासन क ठीक समन्वा अउर ओकरे दुइनउँ तरफ
चार जीवित प्रानी रहेन। ओनके आगे अउर पाछे आंखिन
रहिन। [7]पहला जीवित प्रानी सेर क तरह रहा, दूसर
जीवित प्रानी बइल जइसा रहा, तीसरे जीवित प्रानी क मुँह
मनई जइसा रहा। अउर चौथा प्रानी उड़ते हए गरुड़ क
समान रहा।

[8]इ चारउ ही प्रानीयन क छ: छ: ठू पखना रहेन।
ओकरे चारों तरफ अउर भीतर आंख आंख भरी पड़ी
रहिन। दिन रात उ पचे हमेसा कहत रहेन:

"पवित्तर, पवित्तर, पवित्तर पर्भू परमेस्सर
सर्वसक्तिमान, उहइ रहा, उहइ अहइ, अउर
उहइ आवत अहइ।"

[9]जउ उ जिअत प्रानी उ सदैव रहत क महिमा,
आदर अउर धन्यबाद करत रहेन, जउन सिंहासन प
बइठा रहा, तउ ब उ [10]चौबीसौ बुजुर्गन ओकरे पैरन मँ
गिरके हमेसा हमेसा जिअत रहइवाले क आराधना करत
हीं। उ सिहांसन क समन्वा आपन मुकुट डाय देत हीं
अउर कहत हीं:

[11]"हे हमार पर्भू अउर परमेस्सर! तू महिमा,
समादर अउर ताकत पावइ क बदे सुयोग्य
अहा, काहे बदे कि तू ही अपनी इच्छा स
सब चीजन क पइदा किहा, अउर तोहरी
इच्छा स ओनकर अस्तित्व अहइ। अउर
तोहारी इच्छा स ओनकर पैदाइस भय।"

5 फिन मइँ देखा कि जउन सिहांसन प बिराजमान
रहा, ओकरे दहिने हाथे मँ एक लपेटा चमड़ा क पत्र
मतलब एक अइसी किताब जेका लिखके लपेट दीन्ह
जात रहा। जेकरे दुइनउँ कइँती लिखावट रही। ओका
सात मोहर लगाइके छाप दीन्ह ग रहा। [2]मइँ एक सक्तिमान
सरगदूत कइँती देखेउँ जउन ऊंची आवाज मँ घोसणा
करत रहा, "इ लपटा भवा चमड़न क पत्र मोहरन क
तोड़इ अउर एका खोलइ मँ कउन मनई समर्थ अहइ।"
[3]मुला सरग मँ अथवा जमीन प या पताल लोग मँ कउनउ
अइसा नाहीं रहा जउन उ लपटा चर्मपत्र क खोलइ अउर
ओका भीतर झाँकइ ।

[4]काहेकि उ चर्मपत्र क खोलइ क ताकत राखइवाला
या अन्दर स ओका देखइ क ताकत रखइवाला कउनउ
नाहीं मिल पाए रहा। इ बदे मइँ सुबक सुबक क रोय
दीन्ह।

चौबीस बुजुर्गन साइद इ चउबीस प्राचीन मँ बारहु उ सबइ मनई रहेन जउन परमेस्सर क संत लोगन क बड़का नेता रहेन। होइ सकत ह इ सबइ यहूदियन क बारहु परिवार दल क नेता रहेन। अउर बाकी बारह ईसू क प्रेरित अहइँ।

5फिन ओन बुजुर्गन मँ स एक मोसे कहेस, "रोउब बन्द करा! सुना, यहूदा क बंसज क सेर जउन दाऊद क बंसज क अहइ जीत हासिल किहे अहइ। उ एन सात मोहरन क तोड़इ अउर इ लिपटा चर्मपत्र क खोलइ मँ समरथ अहइ।"

6फिन मइँ देखेउँ कि उ सिंहासन अउर ओन चार प्रानीयन क समन्वा अउर ओन बुजुर्गन क समन्वा एक ठु मेमना खड़ा अहइ। उ अइसे देखात रहा जइसे ओकर बलि चढ़ाई ग रही होइ। ओकरे सात सींग रहेन अउर सात आँखी रहिन, जउन परमेस्सर क सात आतिमा अहिन। जेनेका पूरी धरती प भेजा ग रहा। 7फिन उ
आवा अउर जउन सिंहासन प विराजमान रहा, ओकरे दहिने हाथे स उ लिपटा चर्मपत्र लइ लिहेस। 8जब उ
ओनसे लिपटा चर्मपत्र लइ लिहेस तउ ओन चारउ प्रानी अउर चौबीसउ बुजुर्गन उ मेमना क झुकके प्रणाम किहेन। ओनमाँ स प्रत्येक क हाथ मँ वीना अउर सोने का कटोरा रहेन। उ सब बोलत रहेन: अउर महकत सोने क धूपदान थामे रहेन जउन परमेस्सर क लोगन क
पराथना अहइ। 9उ एक नवा गाना गावत रहेन:

"तू अहा चर्मपत्र लेइ क बदे समर्थ अउर एह
प लगी मोहर क खोलइ मँ तोहार बध बलि
कीन्ह ग रहा, अउर अपने खून स तू परमेस्सर
बरे लोगन क हर जाति स, हर भाखा स सब
कुलन स, सब देसन स मोल लइ लिहा।
10 अउर बनाया तू ओनका रूप राज्य क अउर
हमरे परमेस्सर क हेतु ओनका याजकन
बनाया, ओनही धरती प राज करिहइँ।"

11तबहिं मइँ देखेउँ अउर तमाम सरगदूतन क आवाज सुनेउँ। उ पचे सिंहासन, जीवित प्रानीयन अउर बुजुर्गन क चारिहुँ कइँती खड़ा रहेन। अउर उहाँ सरगदूतन क तादाद लाखन करोड़न मँ रही 12अउर उ पचे जोर जोर
स कहत रहेन:

"जउन मेमना, मारि डाला ग रहा, उ ओका
मिलइ क जोग्ग अहइ बल, धन, विवेक समादर,
महिमा अउर स्तुति!"

13फिन मइँ सुनेउँ कि सरग क, धरती पइ क पाताल लोक क, समुद्दर मँ का, समूची दुनिया क अउर समूचे ब्रह्माण्ड हर एक प्रानी जउन इ जगह मँ रहत रहा कहत रहेन:

"जउन सिंहासन प बइठा अहइ अउर मेमना!
हमेसा हमेसा ओनका स्तुति मिलै, ओनका
आदर, महिमा मिलइ।"

14फिन उ चारिहुँ प्रानी कहेन, "आमीन!" कहेन अउर बुजुर्गन झुकिके आराधना करेन।

6 मइँ देखे कि मेमना ओहमाँ स पहली मोहर तोड़ेस अउर तबहिं ओन चार प्रानीयन मँ स एक क बादर क तरह गरजत आवाज मँ कहत सुनेउँ, "आ!" 2जउ
मइँ आपन नजर उठाएउँ तउ पाएउँ कि मोरे सामने एक ठु सफेद घोड़ा रहा। घोड़ा क सवार धनुस लिए रहा। ओका विजय मुकुट दीन्ह गवा अउर उ विजय पावइ क बदे जीत पाइ क बाहर चला गवा।

3जब मेमना दूसर मोहर तोड़ेस तउ मइँ दूसर प्रानी
क कहत सुनेउँ, "आवा!" 4एह प आगी क तरह लाल
रंग क एक अउर घोड़ा बाहेर आवा। एकरे ऊपर बइठे सवार क धरती स सान्ति छीन लेइ अउर एक दूसरे क हत्या करवावइ क बदे उकसावइ क अधिकार दीन्ह ग रहा। ओका एक ठु लम्बी तलवार दइ दीन्ह गइ।

5जब मेमना तीसरी मोहर तोड़ेस तउ मइँ एक प्रानी क कहत सुनेउँ, "आवा!" जब मइँ आपन नजर उठाएउँ तउ हुवाँ मोरे सामने एक ठु काला घोड़ा खड़ा रहा। ओह
प बइठे सवार क हाथे मँ एक तराजू रही। 6उही समइ
मइँ ओन चारउ प्रानीयन क बीच स एक आवाज आवत सुनेउँ, जउन कहत रहा, "एक दिन क मजूरी क बदले एक दिन क खाइ क गोहूँ अउर एक दिन क मजूरी क बदले तीन दिन तक खाइ क जौ। मुला जैतून क तेल अउर दाखरस क नुकसान न पहुँचावा!"

7इ फिन मेमना जब चौथी मोहर खोलेस तउ चौथे
प्रानी क कहत सुनेउँ, "आवा!" 8फिन जब मइँ नजर
उठाएउँ तउ मोरे सामने मरियल जइसा एक पीला रंग का घोड़ा खड़ा रहा। ओह प बइठके सवार क नाउँ रहा "मउत"। अउर ओकरे पाछे पाछे सटा चलत रहा अधोलोक। धरती क एक चौथाई हिस्सा प ओनका इ अधिकार दइ दीन्ह ग कि लड़ाई, अकाल, महामारी अउर धरती क हिंसक जानवर ओनका सबेन्ह क मार
डावइँ। 9फिन उ मेमना जउ पाँचवीं मोहर तोड़ेस तब मइँ
वेदी क नीचे ओन आतिमन क देखेउँ जेनके परमेस्सर क सुसंदेस कइँती आतिमा क अउर जउने साच्छी क उ पचे दिहे रहेन, ओकरे कारण हत्या कइ दीन्ह गइ।
10जोर स आवाज देत उ पचे कहेन, "हे पवित्तर अउर सच्चा पर्भू! हमार हत्या करइ क बदे धरती क मनइयन क निआव करइ क अउर ओनका दण्ड देइ क बदे तू
कब तक इन्तजार करत रहब्या?" 11ओनमाँ स सबका
एक सुफेद चोंगा दीन्ह गवा अउर ओनसे कहा गवा कि तनिक देर तक उ पचे समइ क इन्तजार करइँ जब तलक ओनके ओन साथी सेवकन अउर भाइयन क तादाद पूरी होइ जात ह जेनकइ वइसेन हत्या कीन्ह जाइवाली अहइ, जइसेन तोहार कीन्ह ग रही।

12फिन जब मेमना छठवीं मोहर तोड़ेस तउ मइँ
देखेउँ कि हुवाँ एक बहुत बड़ा भूचाल आवा भवा अहइ।

सूरज अइसे काला होइ ग रहा जइसे बालन स बना
कपड़ा होय जात ह। अउर पूरा चाँद खून क तरह लाल
होइ जात ह। 13आकास क तारा धरती प अइसा गिर ग
रहेन जइसे कउनउ तेज आंधी स झकझोर दिहे प अंजीर
क पेड़ स कच्ची अंजीर गिर जात हीं। 14आसमान फटा
पड़ा रहा अउर एक चर्मपत्र क तरह सिकुरिके लपट ग
रहा। सब पर्वत अउर द्वीप अपनी अपनी जगह स डिग ग
रहेन।

15दुनिया क सम्राट, सासक, धनी, सक्तिसाली अउर
सब लोग अउर सब मालिक अउर गुलाम अपने आपका
चट्टानन क बीच अउर गुफा मँ अपने आपका छिपाइ
लिहे रहेन 16उ पचे पर्वतन अउर चट्टानन स कहत
रहेन, "हमरे ऊपर गिर पड़ा अउर जउन मनई सिंहासन
प बइठा अहइ ओकरे अउर मेमना क गुस्सा स हम पचे
क बचाइ ल्या! 17ओनकी गुस्सा क भयंकर दिन आय ग
अहइ अइसा के अहइ जे एका झेल सकइ।"

इस्राएल क 1,44,000 मनइयन

7 एकरे बाद धरती क चारउँ कोनन प चार सरगदूतन
क मइँ खड़े देखेउँ धरती क चारउँ हवा क उ पचे
पकड़े रहेन जइसे कि धरती प, समुद्दर प अथवा पेड़न प
ओनमाँ स कउनउ हवा चलइ न पावइ। 2फिन मइँ देखेउँ
कि एक अउर सरगदूत अहइ जउन पूरब दिसा स आवत
अहइ। उ जिअत परमेस्सर क मोहर लिहे रहा। अउर उ
ओन चारउ सरगदूतन स जेनका धरती अउर आसमान
क नस्ट कइ देइ क अधिकार दीन्ह ग रहा, जोर स
पुकार क कहत रहा, 3"जब तक हमने अपने परमेस्सर
क सेवकन क माथे प मोहर नाहीं लगाइ देइतन, तब
तलक तू धरती, समुद्दर अउर पेड़न क नुकसान न
पहुँचावा।"
4फिन जउन मनइयन प मोहर लगाई ग रही, मइँ
औनकइ तादाद सुनेउँ। उ 144,000 रहेन जेनकइ ऊपर
मोहर लगाई ग रही, उ सब इस्राएल क सब परिवार
समूहन स रहेन:

5	यहूदा क परिवार समूह क	12,000
	रूबेन क परिवार समूह क	12,000
	गाद क परिवार समूह क	12,000
6	आसेर परिवार समूह क	12,000
	नप्ताली परिवार समूह क	12,000
	मनस्से परिवार समूह क	12,000
7	समौन परिवार समूह क	12,000
	लेवी परिवार समूह क	12,000
	इस्साकार परिवार समूह क	12,000
8	जबूलून परिवार समूह क	12,000
	यूसुफ परिवार समूह क	12,000
	बिन्यामीन परिवार समूह क	12,000

भयंकर भीड़

9एकरे बाद मइँ देखेउँ कि मोरे सामने एक बहुत
बड़ी भीड़ रही जेकर कउनउ गनती नाहीं कइ सकत
रहा। इ भीड़ मँ हर जाति क, हर वंस क, हर कुल
अउर हर भाखा क मनई रहेन। उ पचे उ सिंहासन
अउर उ मेमना क आगे खड़ा रहेन। उ सबेन्ह सफेद
चोगा पहिरे रहेन अउर अपने हाथे मँ खजूर क टहनी
लिहे रहेन। 10उ सबेन्ह बोलावत रहेन, "सिंहासन प बइठा
हमरे परमेस्सर क जय होइ अउर मेमना क जय होइ।"
11सभी सरगदूतन सिंहासन, बुजुर्गन अउर ओन चार
प्रानीयन क घेरे खड़ा रहेन। सिहांसन क सामने झुकिके
प्रणाम कइके ओन सरगदूतन परमेस्सर क आराधना
किहेन। 12उ पचे कहेन, "आमीन! * हमरे परमेस्सर क
स्तुति, महिमा, विवेक, धन्यवाद, समादर, पराक्रम अउर
सक्ति हमेसा हमेसा होत रहइ। आमीन!"
13तबहिं ओन बुजुर्गन मँ स कउनउ एक मोसे इ
पूछेस, "इ सफेद चोगा पहिरे कउन मनई अहइँ अउर इ
कहाँ स आए अहइँ?"
14मइँ ओनका जवाब दिहेउँ, "मोर पर्भू तू तउ जनतइ
अहा।"

इ सुनिके उ मोसे कहेस, "इ पचे उहइ मनई अहीं
जउन कठोर अत्याचार क बीच स होइके आवत अहइँ,
उ सबेन्ह आपन चोगा मेमना क खून स धोइके सफेद
अउर उज्जर करे अहइ। 15इही बदे अउर इ पचे परमेस्सर
क सिंहासन क समन्वा खड़ा अहइँ अउर ओनके मंदिर
मँ दिन रात ओकर आराधना करत हीं। जउन सिंहासन
पर बइठा बा, उ ओन पर आपन छाया करी। 16न तउ
कबहूँ ओनका भूख सतावात ह अउर न तउ कबहूँ
पियासा रहत ह। सूरज ओनकइ कछू नाहीं बिगाड़ पावत
अउर न तउ चिलचिलात धूप ओनका कबहूँ तपावत ह।
17काहेकि उ मेमना जउन सिंहासन क बीच मँ अहइ,
ओनकइ देखभाल करी। अउर ओनकर चरवाहा होइ।
उ ओनका जिन्दगी देइ वाले पानी क झरना क पास लइ
जाई अउर परमेस्सर ओनकी आंखिन क आंसू क पोंछ
देई।"

सातवीं मोहर

8 फिन मेमना जब सातवी मोहर तोड़ेस तउ सरग मँ
करीब आधा घन्टा तक सन्नाटा छावा रहा। 2फिन
मइँ सात सरगदूतन देखेउँ जउन परमेस्सर क सामने
खड़ा रहेन। ओनका सात तुरही दीन्ह गइ रहिन।
3फिन एक अउर सरगदूत आवा अउर वेदी प खड़ा
होइ गवा। ओकरे लगे सोने क एक ठु धूपदान रहा।

आमीन आमीन जब कउनो मनई आमीन कहत ह तउ एकर
अरथ होत ह कि उ पूरी तरह ओकरे संग बिचार राखत ह।

ओका परमेस्सर क पवित्तर लोगन क पराथना क साथ
सोने क उ वेदी प जउन सिंहासन क समन्वा रही चढ़ावइ
क बदे तमाम धूप दीन्ह गइन।
4फिन सरगदूत क हाथे स धूप क उ धुआँ परमेस्सर
क लोगन क पराथना क साथे परमेस्सर क समन्वा
पहुँचा।
5एकरे बाद सरगदूत उ धूपदान क उठाएस, ओका
बेदी क आग स भरेस अउर उछाल क धरती प फेंक
दिहेस। तब हुवाँ गरजना भइ, भयंकर आवाज आवइ
लाग अउर बिजली चमकइ लाग। भूकम्प आइ गवा।

सातहुँ सरगदूतन क आपन तुरही बजाउब

6फिन उ सात सरगदूतन जेकरे लगे सात तुरही
रहिन, ओनका फूकइ क बदे तय्यार होइ गएन।
7जइसेन पहिला सरगदूत तुरही मँ फूँक मारेस, वइसेन
खून, ओला, अउर आग एकइ साथे देखाइ लागेन अउर
ओनका धरती प नीचे उछालिके फेंक दीन्ह गवा। जउने
स धरती क एक तिहाई हिस्सा जलभुन क राख होइ
गवा। एक तिहाई पेड़ जलत भए राख होइ गएन अउर
संसार क पूरी घास राख होइ गइ।
8दूसरा सरगदूत जब तुरही मँ फूँक मारेस तउ अइसा
लगा जइसे आग क एक जलत विसाल पहाड़े क समान
कउनो चीज समुद्दर मँ फेक दीन्ह गइ होइ। एहसे एक
तिहाई समुद्दर खून मँ बदल गवा। 9अउर समुद्दर क एक
तिहाई जीवित प्रानी मरि गएन अउर एक तिहाई पानी क
जहाज विलाइ गएन।
10तिसरा सरगदूत जब तुरही मँ फूँक मारेस तउ
आकास स मसाल क तरह जरत भवा एक बड़का तारा
गिर पड़ा। इ तारा एक तिहाई नदियन अउर झरनन क
पानी प जाइ गिरा।
11इ तारा क नाउँ रहा "नागदौना" जउन समूचे पानी
क एक तिहाई हिस्सा नागदौना* मँ बदल गवा। अउर उ
पानी क जे पियेस ह बहुत मनई मर गएन। काहेकि
पानी बहुत तीत होइ ग रहा।
12जउ चौथा सरगदूत तुरही मँ फूँक मारेस, तउ एक
तिहाई सूरज अउर साथे मँ एक तिहाई चन्द्रमा अउर एक
तिहाई तारन प आफत आइ गइ। ओनकइ एक तिहाई
हिस्सा काला पड़ गवा। इ तरह स एक तिहाई दिन अउर
एक तिहाई रात अन्धेरे मँ बूड़ गएन।
13फिन मइँ देखेउँ कि एक गरुड़ अबइ ऊँच अकास
मँ उड़त रहा। मइँ ओका जोर स कहत सुनेउँ, "जउन
तीन सरगदूत बचा अहइँ अउर आपन तुरही बजावइवाला
अहइ, ओनके तुरही बजाए स धरती प रहइवाले प
बिपत्ति आवइ! बिपत्ति आवइ! बिपत्ति आवइ!"

9 जब पाँचवा सरगदूत आपन तुरही मँ फूँक मारेस,
तब मइँ आकास स धरती प गिरा भवा एक तारा
देखेउँ। एका उ चिमनी क कुंजी दीन्ह ग रही जउन
पाताल मँ उतरत ह। 2फिन उ तारा उ चिमनी क ताला
खोल दिहेस जउन पाताल मँ उतरत रही अउर चिमनी स
वइसेन धुआं फूट गवा जइसेन एक बड़ी भट्ठी स निकरत
ह। इ बदे चिमनी स निकरा धुँआ स सूरज अउर आसमान
काला पड़ गएन। 3तबहीं उ धुँआ स धरती प टिड्डि दल
उतर आवा। ओनके पास उहइ ताकत रही जउन धरती
प रहइवाले बिच्छुअन मँ रहत ह। 4मुला ओनसे कह
दीन्ह ग रहा कि उ धरती क घास क कउनउ नुकसान
न पहुँचावइँ अउर न तउ हरिअर पेड़ पउधा क कउनउ
नुकसान पहुँचावइँ ओनका केवल ओनही मनइयन क
नुकसान पहुँचावइँ क रहा जेकरे माथे प परमेस्सर क
मोहर नाहीं लगी रही। 5टिड्डी दल स इ भी कहा ग रहा
कि उ मनइयन क प्रान न लेइँ ओनका पाँच महीना तक
पीड़ित करत रहइँ। ओनका जउन कस्ट दीन्ह जात रहा,
उ उही तरह क रहा जइसे बिच्छू क काटइ स रहत ह।
6उ ओहि दिनन उ मनई मउत क ढूढ़िहइँ, मुला मउत
ओनका न मिलपाई उ पचे मरइ क बदे तरसिहइँ अउर
मउत ओनका चकमा दइके चली जाई।
7अउर अब देखा कि उ टिड्डी लड़ाई मँ लड़इ क बदे
तैय्यार घोड़न क तरह देखात रहिन। ओनके माथे प
चमकीला मुकुट बँधा रहेन। अउर ओनकर मुँह मनइयन
क मुँहन जइसे रहेन। 8ओनके बार स्त्रियन क बार क
तरह रहेन अउर ओनकइ दाँत सेर क दाँत क तरह
रहेन। 9ओनकइ सीना अइसा रहेन जइसे लोहा क कवच
होइँ। ओनकइ पखना क आवाज लड़ाई मँ जात बहुत
घोड़े अउर रथ क आवाज क तरह रहेन। 10ओनकी
पूँछ रहेन जइसे बीछू क डंक होइँ अउर ओहमाँ पाँच
महीना तक लोगन क दु:ख पहुँचावइ क ताकत रही।
11पाताल क अधिकारी दूत क उ पचे अपने राजा क
तरह लिहे रहेन। इब्रानी भाखा मँ ओनकइ नाउँ अहइ,
"अबद्दोन"* अउर यूनानी भाखा मँ ओका "अपुल्लयोन"
(नास करइ वाला) कहा जात रहा।
12पहली बड़ी आफत तउ बीत गइ अहइ मुला एकरे
बाद दुइ बिपत्ति बड़ी अउर पड़इवाली अहइ।
13फिन जइसेन छठवाँ सरगदूत आपन तुरही फूँकेस,
वइसेन ही मइँ परमेस्सर क समन्वा एक चमकीली वेदी
देखेउँ, ओकरी चार सींग मँ स आवाज आवत रही।
14तुरही लिहे छठवें सरगदूत स उ आवाज कहेस, "ओन
चार सरगदूतन क छोड़ द्या जउन फरात महानदी क
लगे बंधा पड़ा अहइँ।"

नागदौना मूल मँ अपसिन्तोस जउन यूनानी भाखा क सब्द अहइ अउर जेकर अग्रेजी पर्याय बाटइ वर्मवुड जेकर अरथ अहइ एक ठु बहोतइ करुवा पौधा। यह बरे ऍका बहोतइ दु:ख क चीन्हा माना जात ह।

अबद्दोन बिनासे क ठउर (अय्यूब 26:6; भजन 88:11)

15इ बदे चारउ सरगदूत क छोड़ दीन्ह गवा। उ पचे
उही समइ, उही दिन, उही महीने अउर उही साल क बदे
तय्यार रखा ग रहेन जइसेन कि एक तिहाई मनइयन क
मार डावइँ। 16ओनके पूरी तादाद केतनी रही, इ मइँ
सुनेउँ। घोड़ा प चढ़े सैनिकन क तादाद 200,000,000
रही।
17उ मोरे दर्सन मँ उ घोड़ा अउर ओनके सवार
मोका इ तरह देखॉई पड़ेन; उ सबेन्ह कवच पहिरे रहेन
जउन धधकत आग जइसे लाल लाल, गहरे नीला अउर
गन्धक जइसे पीला रहेन। घोड़न क मूँड़ सिंहन क समान
रहेन अउर ओनके मुखन स अग्नि, धुँआ तथा गन्धक
निकरत रहा। 18इ तीन महामारी स मतलब ओनके मुँहे
स निकरत आगी, धुँआ अउर गन्धक स एक तिहाई
मनइयन क मार डावा गवा। 19ऍन घोड़न क ताकत
ओनके मुँहे अउर पूँछ मँ रही, काहेकि ओनके पूँछ
मुँड़वाले साँप क तरह रही जउने स उ मनइयन क
नुकसान पहुँचावत रहेन। 20एतने क बावजूद जउन
मनई इ सत्यानास स नाहीं मारा गएन अउर जे आपन
हिरदय तथा मनफिरावा पे रहा, अउर जउन अबे तक
परेत, सोना, चांदी, कांसा, पाथर अउर लकड़ी क मूर्तियन
क पूजा नाहीं छोड़े रहेन जउन कि न देख सकत हीं न
बोल सकत हीं, न चल सकत हीं अउर न सुन सकत
हीं। 21उ पचे आपन हिरदय अउर मन नाहीं बदलेन तथा
अपने द्वारा कीन्ह हत्या, जादू टोना, यौन अनाचार अउर
चोरी चकारी क कउनउ पछतावा नाहीं रहा।”

सरगदूत अउर छोटी पोथी

10 फिन मइँ आकास स नीचे उतरत एक अउर
बलवान सरगदूत क देखेउँ उ बादर क ओढ़े रहा
अउर ओकरे मूँड़े क आस पास एक मेघधनुस रहा।
ओकर मुख मण्डल सूरज क तरह अउर टांग आग क
खंभा जइसे रहेन। 2अपने हाथे मँ उ एक छोटी स खुली
पोथी लिहे रहा। 3आपन दहिना पैर समुद्दर मँ अउर बांया
पैर धरती प रखेस। फिन उ सेर क तरह दहाड़त जोर स
चिल्लाएस। ओकरे चिल्लाए प सातउ गरजन तरजन क
आवाज सुनाई देइ लाग जउन सातउ गरजन होइ चुकेन
4अउर मइँ लिखइवाला रहेउँ, तबइ मइँ एक
अकासवाणी सुनेउँ, “सातउ गरजन जउन कछू कहे अहइ,
ओका छिपाय ल्या अउर ओका न लिखा।”
5फिन उ सरगदूत जउने क मइँ समुद्दर मँ अउर
धरती प खड़ा देखे रहेउँ, अकास मँ ऊपर दहिन हाथ
उठाएस। 6अउर जउन हमेसा स जीवित अहइ, जे अकास
क अउर अकास क सब चीजन क, धरती अउर धरती
प किहेस अउर समुद्दर अउर जउन कछू ओहमाँ अहइ,
ओनकइ सबनक रचना करे अहइ, ओकर सपथ
लइके सरगदूत कहेस, “अब अउर जियादा देर न होइ!
7मुला जउ सातवाँ सरगदूत क सुनइ क समइ आइ अर्थात
जब उ आपन तुरही बजावइवाला होइ, तबइ परमेस्सर क
उ छिपी योजना (सुसमचार) पूरी होइ जाइ जेका उ अपने
सेवक अउर नबियन क बताए रहा।”
8उ आकासबाणी जउने कि मइँ सुने रहेउँ, उ आवाज
फिन मोसे कहेस, “जा अउर उ सरगदूत स जउन समुद्दर
मँ अउर धरती प खड़ा अहइ ओकरे हाथे स खुली पोथी
क लइ ल्या।”
9इ बदे मइँ उ सरगदूत क पास गएउँ अउर मइँ ओसे
कहेउँ कि उ छोट क पोथी मोका दइ देइ। उ मोसे
कहेस, “एका ल्या अउर खाइ ल्या। एहसे तोहार पेट
कडवा होइ जाइ मुला तोहरे मुँहे मँ इ सहदउ स जिआदा
मीठा बन जाइ।” 10फिन उ सरगदूत क हाथ स मइँ उ
छोट क पोथी लइ लीन्ह अउर ओका खाइ लीन्ह। मोरे
मुँहे मँ इ सहद क तरह मीठ लाग मुला जब मइँ खाइ
चुकेउँ तब मोर पेट कड़वा होइ गवा। 11एह प उ मोसे
बोला, “तोहका तमाम मनई, देस, जातियन क भाखा
अउर राजा क बावत भविस्सबाणी करइ क पड़ी।”

दुइ साच्छी

11 एकरे बाद नापइ क बदे मोका एक सरकंडा दीन्ह
गवा जउन नापइ वाली छड़ी क तरह दिखाई पड़त
रही। मोसे कहा गवा, “उठा अउर परमेस्सर क मंदिर
क अन्दर वेदी क नाप ल्या अउर जउन मनई मंदिर क
अन्दर आराधना करत अहइ, ओनके गिनती करा।
2मुला मंदिर क बाहर आंगन क रहइ द्या, ओका न
नापा काहे बदे कि इ गैर यहूदियन क दीन्ह ग अहइ। उ
पचे बयालीस महीना तक पवित्तर नगर क अपने पैर क
नीचे रौंद देइहीं। 3मइँ अपने दुइ गवाहन क खुली छूट देब
अउर उ 1,260 दिन तक भविस्सबाणी करिहइँ उ पचे
टाट क कपरा पहिने रइहीं जेनका दुःख परगट करइ क
बदे पहिना जात ह।” 4इ दुइनउँ साच्छी उ दुइ जइतून क
पेड़ अउर उ दुइ ठु दीपादान अहइँ जउन धरती क पर्भू
क समन्वा अहइँ। 5जदि केउ ओनका नुकसान पहुँचावा
चाहत ह तउ ओकरे मुँहे स आग निकरइ लागत ह
अउर ओनके दुस्मनन क निगल लेत ह। जदि केउ
ओनका नुकसान पहुँचावइ क कोसिस करत ह तउ
ओकर मउत निस्चित तौर प होइ जात ह। 6उ पचे
अकास क बादल बाँधके रखइ क ताकत रखतहीं जेहसे
जब उ पचे भविस्सबाणी करत होइँ तउ ओ समइ पानी न
बरसी। ओनकै झरनन क पानी प अधिकार रहा जेका
उ पचे खून मँ बदल सकत रहेन। ओनमाँ अइसी ताकत
रही कि उ जेतना बार चाहतेन, ओतनी बार धरती प हर
तरह क विनास कइ सकत रहेन।
7ओनके साच्छी दइ चुकइ क बाद, उ जानवर महागर्त
स बाहर निकरी अउर ओन पइ हमला करी। उ ओनका
हराइ देइ अउर मारि डाई। 8ओनकर ल्हास महानगर
क गलियन मँ पड़ी रहिहइँ। इ सहर क प्रतीक रूप मँ

सदोम अउर मिस्र कहा जात रहा। हिआँ प ओनकर पर्भू
क क्रूस प चढ़ाइके मारा ग रहा। 9सब जातियन,
उपजातियन, भाखा अउर राष्ट्र क मनई ओनकी ल्हास
क साढ़े तीन दिन तक देखत रइहीं, अउर ओनकी ल्हास
क कब्र मँ न रखइ देइहीं। 10धरती प रहइवाले आनन्द
मनाइहींगे उ पचे त्यौहार मनई हइँ अउर एक दूसर क
तोहफा देइहइँ। इ दुइनउँ नबियन धरती प रहइवाले मनइयन
क बहुत दु:ख दिहे अहइँ।

11मुला साढ़े तीन दिन क बाद परमेस्सर कइँती स
ओनके जीवन मँ साँस आइ गइ अउर उ पचे अपने गोड़े
प खड़ा होइ गएन। जे ओनका देखे रहेन, उ पचे बहुत
डेराइ गएन। 12फिन उ दुइनउँ नबियन जोर क आवाज
मँ आकासबाणी क ओनसे कहत भए सुनेन, “हिआँ
ऊपर आइ जा!” इ बदे उ अकास क भीतर बादल मँ
ऊपर चला गएन। ओनका ऊपर जात ओनकर खिलाफत
करइवाले देखेन।

13ठीक उही समइ प हुवाँ बहुत बड़ा भूचाल आइ
गवा अउर सहर क दसवाँ हिस्सा ढह गवा। भूचाल मँ
सात हजार मनई मारा गएन अउर जउन बच ग रहेन उ
सबेन्ह बहुत डेराइ गएन अउर उ सरग क परमेस्सर क
महिमा क बखान करइ लागेन।

14इ तरह स अब दूसरउ आफत बीत गइ। मुला
सावधान! तीसरी महाविपत्ति जल्दी आवइवाली अहइ।

सातवीं तुरही

15सातवाँ सगरदूत जब आपन तुरही फूँकेस तउ सरग
स जोर क आवाजन आवइ लागिन। उ सबइ कहत
रहिन:

“अब इ दुनिया क राज हमरे पर्भू क आटइ,
अउर ओकरे मसीह क आटइ। अउर उ कई
जुग तक सासन करी।”

16अउर उही समइ परमेस्सर क समन्वा अपने अपने
सिंहासन प बइठा चौबीसउ बुजुर्गन दण्डवत प्रणाम कइके
परमेस्सर क आराधना किहेन। 17उ पचे बोलेन:

“सर्वसक्तिमान पर्भू परमेस्सर तू अहा, तू रह्या
हम तोहार धन्यवाद करत अही।” तुहिन आपन
महासक्ती क लइके अपने सासन क सुरुआत
करे रह्या।
18 जउ अउर रास्ट्रन गुस्सन स भरी रहिन मुला
तउ तोहार कोप प्रकट होइ क समइ आइ
गवा, अउर क निआव क समइ आइ ग
अहइ, अउर उ समइ आय ग अहइ जउ
तोहार सेवक फल पड़हइँ ओन नबियन अउर
उ सब पवित्तर मनई जउन तोहार आदर
करत रहेन। अउर सभी जेतना बड़े मनई
अहइँ, अउर सभी जेतने छोट मनई अहइँ।
सब अपने काम क फल पावइँ। जउन मनई
धरती क मिटावत अहइँ, ओनके मिटावइ
क समइ आइ ग अहइ।”

19फिन सरग मँ परमेस्सर क मंदिर क खोला गवा
जहाँ ओकरे मंदिर मँ करार क उ पेटी देखाई पड़ी। फिन
बिजली क चकाचौंध होइ लगी। मेघन क गरजन, तरजन,
अउर घड़घड़ाहट क आवाज, भूकम्प अउर भयानक
ओला बरसइ लागेन।

स्त्री अउर बड़ा क अजगर

12 एकरे बाद आसमान मँ एक बड़ी स निसानी
परगट भइ: एक स्त्री दिखाई पड़ी जउन सूरज क
धारन करे रही अउर चाँद ओकरे पाँव क नीचे रहा।
ओकरे माथे प मुकुट रहा, जेहमाँ बारह तारा जड़ा रहेन।
2उ गर्भवती रही। ओकर दिन निकटाइ ग रहा, इ बदे उ
पीड़ा स कराहत रही। 3सरग मँ एक निसानी प्रकट भइ।
मोरे समन्वा एक ठु इ लाल रंग क बड़ा क अजगर खड़ा
रहा। ओकरे सातउ क सिर सात मुकुट रहेन। 4ओकर
पूँछ आकास क तारन क एक तिहाई हिस्सा क सपाटा
मारिके धरती प नीचे फेंक दिहेस। उ स्त्री जउन बच्चा
पइदा करइवाली रही ओकरे समन्वा उ अजगर खड़ा
होइ गवा जइसे कि जउन बच्चा पइदा होइ, ओका उ खाइ
जाइ। 5फिन उ स्त्री एक बच्चा क जन्म दिहेस जउन कि
लरका रहा। ओका सब जातिन प लोहे क दण्ड क साथ
सासन करइ क रहा। मुला ओकर बच्चा क उठाइके
परमेस्सर अउर ओकरे सिहांसन क समन्वा लइ जावा
गवा। 6अउर उ स्त्री सूनसान जंगल मँ भाग गइ। ओका
एक अइसी जगह रखा गवा जउने क परमेस्सर उही क
बदे बनवाए रहा, जइसे कि ओका 1260 दिन तक
जीवित रखा जाइ सकइ।

7फिन सरग मँ एक लड़ाई होइ लाग। मीकाएल अउर
ओकरे सरगदूतन क उ भयंकर अजगर स लड़ाई होइ
लाग। उ अजगर भी ओकरे दूतन क साथ लड़ाई लड़ेस।
8मुला उ ओनके ऊपर भारी नाहीं पड़ा अउर उ भंयकर
अजगर अउर ओकर सरगदूतन सरग मँ आपन जगह
खोइ दिहेन। 9फुन उ अजगर सरग क नीचे ढकेल दीन्ह
गवा। इ उहइ पुरान महानाग आटइ जेका दानव अउर
सइतान कहा ग अहइ। इ पूरी दुनिया क ठगत ह हाँ,
एका फिन धरती प ढकेल दीन्ह गवा।

10फिन मइँ जोरदार आवाज मँ एक आकासबाणी क
कहत सुनेउँ, “इ हमरे परमेस्सर क जीत क घड़ी अउर
सासन आटइ। उ आपन ताकत अउर संप्रभुता क जनवाइ
देहेस। ओका मसीह आपन ताकत क देखाइ दिहेस काहेकि
हमरे भाइयन प परमेस्सर क सामने दिन रात लांछन

लगावइवाला क नीचे ढकेल दीन्ह गवा। 11उ पचे मेमना क बलिदान क खून अउर ओकरी साच्छी स ओका हराइ दिहेन। उ पचे अपने प्रानन क गवाँइ देइ तलक अपने जीवन क परवाह नाहीं किहेन। 12इ बदे हे सरग, अउर सरग मँ रहइवाले मनई खुसी मनावा! मुला हाय धरती अउर समुद्दर! तोहरे बदे केतना बुरा होई काहे बदे कि सइतान अउर हुवाँ उतरके गवा अहइ। उ गुस्सा स तमतमात अहइ। ओका पता अहइ कि अउर ओकरे पास अधिक समइ नाहीं अहइ।"

13जब उ भयंकर अजगर देखेस कि ओका धरती प गिराइ दीन्ह ग अहइ तउ उ स्त्री क पीछा करइ लाग जउन कि बचवा क जनम दिहे रही। 14मुला उ स्त्री क उकाब क दुइ ठु बड़ा बड़ा पखना दीन्ह ग रहेन जइसे कि उ रेगिस्तान मँ उड़ जाइ, जउन ओकरे बदे तइयार कीन्ह ग रहा। हुवउँ प भयंकर अजगर स दूर ओका साढ़े तीन साल तक पालन पोषण कीन्ह जाइ क रहा। 15तउ उ महानाग उ स्त्री क पाछे अपने मुँहे स नदी क तरह पानी क धारा बहाएस जइसेन कि उ ओहमा बूड़ जाइ। 16मुला धरती आपन मुँह खोलके उ स्त्री क मदद किहेस अउर उ भयंकर अजगर जउने नदी क अपने मुँहे स निकारे रहा, ओका निगल लिहेस। 17एकरे बाद तउ उ भयानक अजगर उ स्त्री क ऊपर बहुत गुस्सा करेस अउर ओकरे बचवन क साथ लड़ाई लड़इ क बदे चल पड़ा जउन कि परमेस्सर क हुकुमन क पालन करत हीं अउर ईसू क साच्छी क धारण करत हीं

18अउर समुद्दर क किनारे जाइके खड़ा होइ गवा।

दुइ जानवर

13 फिन मइँ समुद्दर मँ स एक जानवर क बाहर आवत देखेउँ। ओकरे दस सींग रहिन अउर सात मूँड़ रहेन। उ अपने सींग प दस राजसी मुकुट पहिने रहा। ओकरे मूँड़े प दुस्ट नाउँ लिखा रहेन। 2मइँ जउन जानवर देखे रहेउँ उ चीता क तरह रहा। ओकर पैर भालू क तरह रहेन अउर ओकर मुँह सेर क तरह रहा। उ भयंकर अजगर आपन ताकत, आपन सिंहासन अउर आपन ढेर अधिकार दइ दिहेस। 3मइँ देखेउँ कि ओकर एक मूँड़ अइसेन देखात रहा जइसेन ओकरे ऊपर कउनउ बड़ा प्रान घातक घाव लगा रहा होइ मुला ओकर प्रान घातक घाव भर चुका रहा। पूरी दुनिया अचरज करत उ जानवर क पीछे चलइ लाग। 4अउर उ पचे अजगर क पूजा करइ लागेन। काहे बदे कि उ आपन अधिकार उ जानवर क दइ दिहे रहा। अउर उ पचे उ जानवर क पूजा करत कहइ लागेन, "इ जानवर क तरह हिआँ कउन अहइ? अउर अइसा के अहइ जे ओसे लड़ सकइ?"

5ओका अनुमति दइ दीन्ह गइ जइसे कि उ अपने मुँह स घमंड अउर परमेस्सर क निन्दा भरी बात बोलइ। ओका बयालीस महीना तक आपन ताकत देखावइ क अधिकार दीन्ह ग रहा। 6इ बदे उ परमेस्सर क निन्दा सुरु कइ दिहेस। उ परमेस्सर क नाउँ, अउर ओनकै मंदिर अउर जउन सरग मँ रहत हीं ओनकर निन्दा करइ लाग। 7परमेस्सर क पवित्तर लोगन क साथे लड़ाई लड़इ क अउर ओनका हरावै क अनुमति ओका दइ दीन्ह गइ। ओकर अधिकार हर वंस, हर जाति, हर भाखा अउर हर राष्ट्र पर रहा। 8धरती क सभी निवासी उ जानवर क पूजा करिहइँ जेकर नाम उ मेमना क जीवन क पुस्तक मँ संसार क आरम्भ स नाहीं लिखा अहइ अउर जेकर बलिदान एकदम पक्का अहइ।

9जदि केउ क कान अहइँ तउ उ सुन लेइ:

10 बंदीघर मँ बन्दी बनइ क जेकरे तकदीर मँ
अहइ, उ जरूर बन्दी होइ। जदि केहू तलवार
स मारी तउ उहइ तलवार स मारा जाई।

वह अइसे समइ मँ परमेस्सर क पवित्तर लोगन क सहनसीलता अउर बिसवास क देखावइ चाही।

11एकरे बाद मइँ धरती स निकरत एक अउर जानवर क देखेउँ। ओकरे मेमना क सींग क तरह दुइ ठु सींग रहिन। मुला उ महानाग क तरह बोलत रहा। 12उ भयानक अजगर क समन्वा उ पहिले जानवर क सभी अधिकारन क इस्तेमाल करत रहा। उ धरती अउर धरती क निवासिन सबसे उ जानवर क पूजा कराएस जउने क भयंकर घाव भर ग रहा। 13दूसरउ जानवर बड़ा बड़ा अद्भुत कारजन करेस। हिआँ तक कि सबके सामने उ धरती प आकास स आग बरसाइ दिहेस। 14उ धरती प रहइ वालेन क ठगत रहा काहेकि ओकरे पास पहले जानवर क सामने अद्भुत कारजन दिखावइ, क ताकत रही। दूसरा जानवर धरती प रहइवालेन स पहिले जानवर क आदर देइके ओकर मूर्ति बनावइ क कहेस। जउन तलवार क मार स घायल रहा पर मरा नाहीं। 15दूसरे जानवर क इ ताकत दीन्ह ग रही कि उ पहिले जानवर क मूर्ति मँ जान फूँके देइँ जइसे कि मूर्ति पहिले जानवर क तरह बोलइ लागइ, हिआँ तक कि ओनका मारइ क आग्या दइ देइ जउन कि मूर्ति क पूजा नाहीं करतेन।

16–17दूसरा जानवर सभी लोगन का छोटा-बड़ा, धनी-गरीब, मालिक-दास, पुत्र, अउर गुलाम सबका मजबूर करेस कि अपने दहिने हाथे प या दहिने माथे प उ जानवर क नाउँ या ओकरे नाम स जुड़ी छाप क छाप लगवावइँ। 17जइसे कि बिना उ छाप क कउनउ चीज न तउ खरीदी जाय सकइ अउर न तउ बेची जाइ सकइ। 18बुद्धिमानी ऐहिमाँ अहइ जेहमा बुद्धि होइ, उ जानवर क संख्या क हिसाब लगाइ लेइ काहेकि उ संख्या क सम्बन्ध कउनउ मनई स अहइ। ओकर संख्या अहइ 666।

छुट्टा मनइयन क गाना

14 फिन मइँ देखेउँ कि मोरे समन्वा सिय्योन पर्वत प
मेमना खड़ा अहइ। ओकरे साथे 144,000 मनई
खड़ा रहेन जेकरे माथे प ओकर अउर ओकरे बाप क
नाम लिखा रहा। 2फिन मइँ एक आकासबाणी सुनेउँ
ओकर महानाद एक विसाल जल-प्रपात क तरह रहा या
भयंकर बादर क गरजइ क तरह रहा। जउन महानाद
मइँ सुनेउँ रहा, उ तमाम वीणा बादकन क बजावा वीणा
स पइदा संगीत क तरह रहा।
3उ सबेन्ह सिंहासन चारउँ प्रानीयन अउर बुजुर्गन क
सामने एक ठु नवा गाना गावत रहेन। जउने 144,000
मनइयन क धरती प फिरौती दइके बन्धन स छुड़ाइ
लीन्ह ग रहा, जउने क कउनउ मनई उ गाना क नाहीं
सिख सकत रहा। 4उ अइसेन मनई रहेन जउन कि
कउनउ स्त्री क संसर्ग स अपन का दूसित नाहीं किए
रहेन साथ जुड़ा नाहीं रहेन, उ पचे कुँवारा रहेन, जहाँ
जहाँ मेमना जात रहा ओकर पीछा करत रहेन। पूरी
मनइयन क जाति स ओनका फिरौती दइके बंधन स
छुटाकारा देय दियाइ दीन्ह ग रहा। उ पचे परमेस्सर
अउर मेमना क बदे फसल क पहिला फल रहेन। 5उ
कबहुँ झूठ नाहीं बोले रहेन, अउर निर्दोस रहेन!

तीन सरगदूत

6फिन मइँ आसमान मँ ऊँची उड़ान भरत एक अउर
सरगदूत देखेउँ। ओकरे लगे धरती प रहइ वालेन, हर
देस, जाति, भाखा अउर सभी कुल क मनइयन क बदे
अनन्त सुसमाचार क एक संदेस रहा। 7ऊचीं आवाज मँ
उ बोला, "परमेस्सर स डेराअ अउर ओकर स्तुति करा।
काहेकि ओकरे निआव क समइ आइ ग अहइ। ओकर
आराधना करा जे आसमान, धरती, समुद्दर, अउर
जल-स्त्रोत क बनाएस।"
8एकरे बाद ओकरे पाछे एक अउर सरगदूत आवा
अउर बोला, "ओकर पतन होइ चुका अहइ! महान
नगरी बाबुल क पतन होइ चुका अहइ। उ सब जातिन
क अपने पइदा अनैतिक व्यभिचार स परमेस्सर क
गुस्सा क वासना भरी दाखरस पिआएस।"
9उ दूइनउँ क बाद फिन अउर एक सरगदूत आवा
अउर जोर स बोला, "जदि केहू उ जानवर अउर जानवर
क मूर्ति क पूजा करत ह अउर अपने हाथे मँ माथे प
ओकर मोहर लगवाए रहत ह। 10अउर उ भी परमेस्सर
क गुस्सा क दाखरस पिई। अइसी सुद्ध तीखी दाखरस
जउन परमेस्सर क गुस्सा क कटोरिया मँ बनाई ग
अहइ। उ मनई क पवित्तर सरगदूतन अउर मेमनन क
सामने धधकत गंधक मँ यातना दीन्ह जाई। 11जुग जुग
तलक ओनकी यातना स धूँआ उठत हमेसा रही। अउर
जउने पे जानवर क नाउँ क छाप छपी रही अउर उ
जानवर अउ ओकर अउर ओकरी मूर्ति क पूजा
करत रही, ओनका दिन रात कबहूँ चइन न मिली।"
12इ ही क माने है कि परमेस्सर क पवित्तर लोग क
धीरज अउर सहनसीलता धरइ क जरूरत अहइ जउन
परमेस्सर क हुकुमन अउर ईसू मँ बिसवास क पालन
करत हीं।
13फिन एक अकासबाणी क मइँ इ कहत सुनेउँ,
"एका लिखा: धन्य अहइ उ सबइ मृतक जउन अबसे
पर्भू मँ मरस्थित होइके अहइँ।"
आतिमा कहत ह, "हाँ, इ ठीक अहइ। ओनका
मेहनत क कारण आराम मिली काहे बदे कि ओनकर
काम, ओनके साथे अहइ।"

धरती क फसल क कटनी

14फिन मइँ देखेउँ कि मोरे समन्वा हुवाँ एक सफेद
बादर रहा। अउर उ बदरे प एक ठु मनई बइठा रहा
जउन मनई क पूत जइसेन दीख पड़त रहा। उ अपने
माथे प एक सोने क मुकुट धारण करे रहा अउर
ओकरे हाथे मँ एक तेज हँसिया रही।
15तबहिं मंदिर मँ स एक ठु अउर सरगदूत बाहेर
निकला। उ बदरे प बइठे मनई स जोर क आवाज मँ
कहेस, "हँसिया चलावा अउर फसल एकट्ठी करा, काहे
बदे कि फसल काटइ क समइ आइ ग अहइ। धरती क
फसल पक चुकी अहइ।" 16इ बदे जउन बदरे प बइठा
रहा, उ धरती प आपन हँसिया हिलाएस अउर धरती क
फसल काट लीन्ह गइ।
17फिन सरग क मंदिर मँ स एक अउर सरगदूत
बाहेर निकला ओकरे लगे भी एक तेज हँसिया रही।
18उही समइ प वेदी स एक अउर सरगदूत आवा। उ
सरगदूत का आगी पर अधिकार रहा। उ सरगदूत स
जोर क आवाज मँ कहेस, "अपने जोरदार हंसिया क
चलावा अउर धरती क बेल स अंगूर क गुच्छा उतार
ल्या काहे बदे कि एकर अंगूर पक चुका अहइँ।" 19इ
बदे उ सरगदूत धरती प आपन हँसिया झुलाएस अउर
धरती क अंगूर उतारि लिहेस अउर ओनका परमेस्सर
क भयंकर कोप क विसाल रसकुण्ड मँ डाइ दिहेस।
20अंगूर सहर क बाहेर क धानी मँ रौंद क निचोड़ लीन्ह
गएन। धानी मँ स खून बहै लाग। खून घोड़ा क लगा क
जेतना ऊपर चढ़ि गवा अउर लगभग तीन सौ किलोमीटर
क दूरी तक फैल गवा।

आखिरी विनास क सरगदूतन

15 अकास मँ फिन मइँ एक अउर महान अचरज
भरी निसानी देखेउँ। मइँ देखेउँ कि सात सरगदूतन
अहइँ जउन सात आखिरी महाविनास लिए भए अहइँ। इ
सबइ आखिरी विनास अहीं, काहे बदे कि एकरे साथेन
परमेस्सर क गुस्सा खतम होइ जाई। 2फिन मोका आग
स मिला कांच क समुद्दर जइसा देखाई पड़ा। अउर मइँ

देखे कि उ पचे उ जानवर क मूरत प अउर ओनके
नाउँ स जुड़ी संख्या प जीत हासिल कइ लिहे अहइँ,
ओनहू कांच क समुद्दर प खड़ा अहइँ। उ पचे परमेस्सर
क दीन्ह गइ वीणा लिहे रहेन। 3उ पचे परमेस्सर क
सेवकन मूसा अउर मेमना क इ गाना गावत रहेन:

“जउन काम तू करत रहत ह्या उ सबइ महान
अहइँ। तोहार काम करइ क ताकत
अचरजभरी अउर अनन्त अहइ हे
सर्वसक्तिमन पर्भू परमेस्सर तोहार मार्ग धर्म
संगत अउर सच्चे अहइँ। तू सब जातिन क
राजा अह्या,
4 हे पर्भू, तोहसे मनई हमेसा डेरात रहिहइँ तोहार
नाउँ लइके, मनई स्तुति करिहइँ काहे बदे
कि तू अकेले पवित्तर अहा। तोहरे समन्वा
सब रास्ट्रन अहइँ अउर तोहार आराधना
करिहइँ। काहे बदे कि इ बात अउर पता
चलि ग अहइ तू जउन करत ह्या, उहइ,
निआव अहइ।”

5एकरे बदे मइँ देखेउँ कि सरग क मंदिर मतलब
करार क तम्बू क खोला गवा 6अउर उ पचे सातंउ
सरगदूतन जेनके लगे आखिरी सात महामारी रहिन,
मंदिर स बाहर आएन। उ पचे चमकीले साफ मलमल
का कपरा पहिने रहेन। अपने सीना प सोने क पटका
बांधे रहेन। 7फिन उ चार प्रानियन मँ स एक उ सातंउ
सरगदूतन क सोना क कटोरा दिहेस जउन हमेसा हमेसा
क बदे अमर परमेस्सर क गुस्सा स भरा रहेन। 8उ
मंदिर परमेस्सर क महिमा अउर ओकरे सक्ति क
धुँअन स भरा रहा जइसे कि जउ तक ओन सात सरगदूतन
क सात महामारी पूरा न होइ जाइँ, तब तलक मंदिर मँ
कउनउ घुसइ न पावइ।

परमेस्सर क गुस्सा क कटोरा

16 फिन मइँ सुनेउँ कि मंदिर मँ स एक जोर क
आवाज ओन सात सरगदूतन स कहत अहइ,
“जा अउर परमेस्सर क गुस्सा क सातउ कटोरन क
धरती प उड़ेर द्या।”

2इ बदे पहिला सरगदूत गवा अउर उ धरती प आपन
कटोरा उड़ेर दिहेस। एकइ नतीजा इ भवा कि उ मनई
जेनके ऊपर जानवर क निसानी छपी रही अउर जउन
ओकरी मूर्ति क पूजा करत रहेन, क ऊपर भयानक
पीड़ा पइदा करइ वाले छाला फूट आएन।

3एकरे बाद दूसर सरगदूत आपन कटोरा समुद्दर मँ
उड़ेर दिहेस अउर समुद्दर क पानी मरे भए मनई क खून
मँ बदल गवा अउर समुद्दर मँ रहइवाले सब जीव जन्तु
मरि गएन।

4फिन तिसरा सरगदूत नदियन अउर पानी क झरनन
प आपन कटोरा उड़ेर दिहेस अउर उ खून मँ बदल
गएन 5उही समइ प मइँ जल क सरगदूत क इ कहत
सुनेउँ:

“तू ही अहा उ, जउन पुव्यातिमा! जउन अहइ,
जउन रहा सदा-सदा स तू ही अहा जउन
अहइ एक ही पवित्तर, करत भए निआव
ओनकर,
6 ओन सबन पवित्तर लोगन अउर नबियन
क खून बहाए अहइ। तू ओनका पिअइ क
बदे केवल खून दिह्या। काहे बदे कि ओन
इही क काबिल रहेन।”

7फिन मइँ वेदी स आवत आवाज सुनेउँ:

“हाँ, सर्वसक्तिमान पर्भू परमेस्सर, तोहार निआव
सच्चा अउर उचित अहइ।”

8फिन चौथा सरगदूत आपन कटोरा सूरज क ऊपर
उड़ेर दिहेस। इ तरह ओका मनइयन क आग स जलावइ
क ताकत दइ दीन्ह गइ। 9अउर मनई भयानक गरमी स
झुलसइ लागेन। उ परमेस्सर क नाउँ क कोसइ लागेन,
काहे बदे कि इन जेका महामारीन प क अधिकार
अहइ। मुला उ पचे आपन मनफिरावा नाहीं। किहेन
अउर न जिन्दगी क बदलेन अउर परमेस्सर क महिमा
किहेन। 10एकरे बाद पँचवा सरगदूत आपन कटोरा उ
जानवर क सिंहासन प उड़ेर दिहेस अउर ओकर राज
अंधेरे मँ डूब गवा। सब मनई तकलीफ क आपन जीभ
काट लिहेन। 11आपन आपन पीड़ा अउर छालन क
कारण उ सरग क परमेस्सर क निन्दा तउ करइ लागेन
मुला आपन मनफिरावा नाहीं किहेन।

12फिन छठवां सरगदूत आपन कटोरा फरात नाउँ
क महानदी प उड़ेर दिहेस अउर ओकर पानी सूख गवा।
एहसे पूरब दिसा क राजन क बदे रास्ता तैय्यार होइ
गवा। 13फिन मइँ देखेउँ कि उ भयंकर अजगर क मुँहे
स, उ जानवर क मुँह स, अउर कपटी नबियन क मुँहसे
तीन दुस्ट आतिमन निकलिन, जउन मेढ़क क तरह
दिखाई पड़त रहिन। 14इ सब दुस्ट क आतिमन रहिन
अउर ओनके मँ अद्भुत कारजन कहइ क ताकत रही।
उ पूरी दुनिया क राजा लोगन मँ सबसे सर्वसक्तिमान
परमेस्सर क महान दिन, युद्ध करै क बदे एकट्ठा करइ
क निकल पड़िन।

15“सावधान! मइँ चोर क समान आवत हउँ! उ धन्य
अहइ जउन जागत रहत ह अउर अपने कपरन क
अपने साथे रखत ह जइसेन कि उ नंगा न घूमइ अउर
मनई ओका लज्जित होत न देइँ।”

16इ तरह स उ दुस्ट आतिमन ओन राजन क एकट्ठा
कइके उ जगह प लइ आइन जउने क इब्रानी भाखा मँ
हर मगिदोन कहा जात ह।
17एकरे बाद सातवाँ सरगदूत आपन कटोरा हवा मँ
उड़ेर दिहेस! अउर सिहांसन स पइदा भवा एक भयंकर
आवाज मंदिर मँ स इ कहत निकरी, "इ खतम होइ
गवा!" 18तबहिं बिजली कउंधइ लाग, आवाज क अउर
गरजन भवा अउर एक ठु जर्बदस्त भूचाल आइ गवा।
मनई क धरती प प्रकट होइ क बाद क इ सबसे भयानक
भूचाल रहा। 19उ बड़ा सहर तीन टुकड़न मँ बिखर गवा,
अउर अधर्मियन क राष्ट्रन क नगरन नस्ट होइ गए।
परमेस्सर महानगरी बाबुल क दण्ड देइ क बदे याद करे
रहा। आपन भयंकर प्रकोप का कटोरा मँ स ओका दइ
दिहेस। 20सब द्वीप गायब होइ गएन। कउनउ पहाड़ तक
क पता नाहीं चल पावत रहा। 21पचास पचास किलो क
ओला, आसमान स मनइयन क ऊपर बरसइ लागेन।
ओलन क भयंकर विपत्ति क कारण सब मनई परमेस्सर
क कोसत रहेन, काहे बदे कि इ भयानक आफत रही।

जानवर प बइठी स्त्री

17 एकरे बाद ओन सात सरगदूतन, जउने क लगे
कटोरा रहेन, ओहमाँ स एक ठु मोरे लगे आवा
अउर बोलास, "आवा, मइँ तोहका तमाम नदियन क
किनारे बइठी उ महान वेस्या क दीन्ह जाइवाला दण्ड
देखाई। 2धरती क राजा ओकरे साथ सम्बन्ध बनाएन।
अउर जउन मनई धरती प रहत हीं, उ पचे ओकरी
विलास मदिरा स मतवाला होइ गएन।"
3फिन मइँ आतिमा क कहे क मान कीन्ह अउर उ
सरगदूत मोका बीहड़ जंगल मँ लइ गवा जहाँ मइँ एक
स्त्री क लाल रंग क एक अइसे जानवर प बइठा देखेउँ
जउने प परमेस्सर क बरे गारी लिखी गइ रही। ओकरे
सात मूँड़ रहेन अउर दस सींग रहेन। 4उ स्त्री बइजनी
अउर लाल रंग क कपरा पहिने रही। उ सोने, बेसकीमती
रत्नन अउर मोतिअन स सजी रही। उ अपने हाथ मँ
सोने क एक कटोरा लिहे रही जउन बुरी बातन अउर
वेस्यापन क बुराई स भरा रहा। 5ओकरे माथे प एक
निसानी रही जेहकर गुप्त अरथ अहइ:

महान बाबुल क सबइ क महतारी वेस्या
अउर धरती प होइवाली सब बुराईन क
पइदा करइवाली।

6मइँ देखेउँ कि उ स्त्री परमेस्सर क पवित्तर लोगन
क खून पिए रही जउन ईसू क बदे अपने बिसवास क
साच्छी क बदे आपन प्रान छोड़ दिहेन।
ओका देखके मइँ बड़े अचरज मँ पड़ गएउँ। 7तबइ
उ सरगदूत मोसे पूछेस, "तू अचरज मँ काहे पड़ा अहा?
मइँ तोहका इ स्त्री क अउर जउने जानवर प उ बइठी
अहइ, ओकरे प्रतीक क समझावत अहउँ। सात सिर
अउर दस सींगवाला इ जानवर 8जउन तू देखे अहा,
पहिले कबहूँ जिन्दा रहा, मुला अब जिन्दा नाहीं अहइ।
फिन उ पताल स अबहीं निकरइवाला अहइ। अउर
तबहिं ओकर विनास होइ जाई। फिन धरती क उ मनई
जउने क नाउँ दुनिया क सुरुआतइ स जीवन क पुस्तक
मँ नाहीं लिखा ग अहइ, उ जानवर क देखके चकित
होइहीं काहे बदे कि उ जिन्दा रहा, मुला अउर जिन्दा
नाहीं अहइ, मुला फिन उ आवइवाला अहइ।
9"इहइ उ जगह आटइ जहाँ बुद्धिमान मनइयन क
बुद्धि क जरूरत अहइ। इ सात सिर, उ सात पर्वत अहीं
जउने प उ स्त्री बइठी अहइ। उ सात सिर, उ सात राजन
क प्रतीक अहइ। 10जउने मँ स पहिले पाँच क पतन होइ
चुका अहइ, एक ठु अबे राज करत अहइ अउर दूसर
अब तक आइ नाहीं बा। मुला जब उ आई तब उ बहुत
कम समइ तलक रुकी। 11उ जानवर जउन पहिले कबहूँ
जिन्दा रहा, मुला अउर जिन्दा नाहीं अहइ, खुदइ अठवाँ
राजा अहइ जउन ओन सातउ मँ स एक अहइ, ओकइ
बिनास होइवाला अहइ। 12जउन दस सींग तू देखे अहा, उ
दस राजा अहीं, उ पचे अबहिं तलक आपन सासन सुरु
नाहीं करे अहइँ मुला जानवर क साथे एक घण्टा क बदे
ओनका सासन करइ क अधिकार दीन्ह जाई। 13इ दसउ
राजन क एक्कइ उद्देस्य रहा कि उ आपन ताकत अउर
आपन अधिकार उ जानवर क दइ देइँ। 14उ मेमना क
खिलाफ लड़ाई लड़िहइँ मुला मेमना अपने बोलाए, अपने
स चुने अउर अपने बिसवासियन क साथ मिलके ओनका
हराइ देई। काहे बदे कि उ अउर पर्भूओं क पर्भू अउर
राजा लोगन क राजा अहइ!"
15उ सरगदूत मोसे फिन कहेस, "उ सबइ नदियन
जउने क तू देखे रह्या, जहाँ उ वेस्या बइठी रही, तमाम
खानदानन, समुदायन, जातियन, अउर भाखन क प्रतीक
अहइ। 16उ दस सींग जउने क तू देख्या, अउर उ जानवर
उ वेस्या स नफरत करिहइँ अउर ओकर सब चीज
छीनके ओका नंगी छोड़ देइहइँ। उ ओकर सरीर क
खाइ जइहइँ अउर ओका आगी मँ जलाय देइहइँ। 17आपन
प्रयोजन पूरा करइ क बदे परमेस्सर ओनके सबनके
एक राय कइके, ओनके मन मँ इ बइठाइ दिहे अहइ,
जइसे कि जब तक परमेस्सर क बचन पूरा न होइ जाइ,
तब तक सासन करइ क आपन अधिकार उ जानवर
क सौंप देइँ। 18उ स्त्री जउने क तू देखे रह्या उ महानगरी
रही, जउन धरती क राजन प सासन करत ह।"

बेबीलोन क नास

18 एकरे बदे मइँ एक अउर सरगदूत क अकास स
बड़ी भव्यता स नीचे उतरत देखेउँ। ओकरी महिमा
स समूची धरती चमकइ लाग।

[2]जउने जोरदार आवाज स पुकारत उ बोला:

"मट गइ! बेबीलोन महानगरी मट गइ! उ दुस्ट आतिमन क रहस्य क घर बन गइ रही, उ असुद्ध मनइयन क आत्मा क बसेरा बन गइ रही, अउर नफरत करइ लायक चिड़ियन क घर बन गइ रही। उ तमाम गन्दा, निन्दा करइ लायक जानवरन क बसेरा बन गइ रही।
3 काहेकि उ सबको व्यभिचार का क्रोध क मदिरा पिआए रही। जउने इ दुनिया क राजा क खुदइ जगाए रही, ओकरे साथे व्यभिचार करे रहेन सासक लोग। अउर ओनके भोगइ स इ दुनिया क धनी ब्यापारी बना रहे।"

[4]अकास स मइँ एक अउर अवाज सुनेउँ जउन कहत रही:

"अरे, मोर मनइयन? तू उ सहर स बाहर निकर जा, ओनके पापन्ह क कतहूँ तू गवाहन न बनब्या, कतहूँ अइसा न होइ, कि जउन ओके नास रहेन, तोहरेन ऊपर न गिर जाइँ
5 काहे बदे कि ओकरे पाप क गठरी आसमान तक ऊँची अहइ। परमेस्सर ओकरे बुरा काम क याद करत अहइ।
6 अरे! जइसेन कि उ तोहरे साथे करे रहा, वइसेन तू भी ओनके साथ करा उ तोहरे साथे जइसेन करे रहा, तू ओकर दुगुना ओकरे साथे करा, दूसरे क बदे उ तोहका जउने कटोरा मँ तीत दाखरस पिआए रह्या, तू ओका ओसे दुगुना तीत दाखरस पिआवा।
7 काहे बदे कि उ खुदइ क जउन महिमा अउर वैभव दिहेस, तू ओका यातना कहर अउर पीड़ा द्या। काहे बदे कि उ खुद स कहति रही ह, 'मइँ खुदै राजा क आसन प बइठी महरानी अहउँ, मइँ विधवा न करबइ, इ बदे सोक न करा।'
8 इही बदे जउन नास होइ क तय होइ ग अहइ, उ एक ही दिन मँ ओका घेर लेइहँ। महामृत्यु, महारोदन अउर उ दुर्भिक्ष भीसण अउर कइ देइहइँ ओनका जलाय क राख, काहे बदे कि परमेस्सर पर्भू बहुत ताकतवर अहइ, अउर ओनही ओकर निआव करत अहइ।"

[9]जउ धरती क राजा जउन ओकरे साथ यौन-पाप करे रहेन अउर ओकरे भोग विलास मँ हिस्सा बटाए रहेन, ओकरे जल जाइ क धुँआ जउ देखिहइँ तउ ओकरे बदे रोइहइँ अउर चिल्लहइँ। [10]उ पचे ओकरे कस्ट स डेराइके हुवाँ स बहुत दूर खड़ा रहिहइँ:

"ओ! ताकतवर नगर बेबीलोन! भयावह अउर भयानक हाय! तोहार दंड तोहका तनिक देर मँ मिल गवा।"

[11]इ धरती क व्यौपारी ओकरे कारन रोइहइँ अउर चिल्लइहइँ काहे बदे कि ओनके कउनउ चीज केउ अउर मोल न लेई, [12]न तउ केहू कउनउ चीज लेइ –सोने क, चांदी क, बेसकीमती रत्न, मोती, मलमल, बैंजनी, रेसमी अउर किरमिजी कपरा हर तरह क महकउआ लकड़ी, हाथी क दांत क बनी तमाम चीज, अनमोल लकड़ी, कांसा, लोहा अउर संगमरमर सी बनी तमाम चीज,

[13]दारचीनी, गुलमेंहदी, महकोरा धूप, रसगन्धक, लोहबान, दाखरस, जैतून क तेल, मैदा, गोहूँ मवेसी, भेड़ी, घोड़ा अउर रथ, दास अउर मनई क सरीर अउर आतिमा-क व्यापारिन कहिहइँ:

14 "अरे बेबीलोन! उ सब चीजन अच्छी स अच्छी, जउने मँ तोहार दिल रम ग रहा, तोहका छोड़के सब चली गइ अहइ। तोहार बहुमूल्य अउर बहुमूल्य वस्तुअन तोहरे हाथ स चली गइन ह।"

[15]उ व्यौपारी जउन एकइ सबकइ व्यौपार करत रहेन अउर एहसे धनी बन ग रहेन, उ दूर खड़ा रहिहइँ काहे बदे कि उ कस्ट स डेराइ ग अहइ। उ रोअत चिल्लात
[16]कहिहइँ:

"केतना डरावना अहइ अउर केतना भयानक अहइ, महानगरी इ उही क बदे अहइ। जउन नीक नीक मलमली कपरा पहनत रही, जउने रंग बैजनी अउर किरमिजी रहा! अउर जउन सोने स सजत रही, बेसकीमती रत्नन स, सजी मोतियन स
17 अउर इ सारी सम्पत्ति तनिक देर मँ मिट गइ।"

फिन जहाज क हर कप्तान या हर उ मनई जउन जहाज स चाहे जहाँ कहूँ जाइ सकत ह अउर सबइ मनई जउन समुद्र स आपन जीविका चलावत हीं, उ नगरी स दूर खड़ा रहेन

[18]अउर जउ उ पचे ओकरे जरे स उठत धुँआ क उठत भए देखेन तउ जोर स चिल्लाइ उठेन, "इ बड़ी नगरी क तरह अउर कउन नगरी अहइ?"

[19]फिन उ पचे आपने मूँड़े प धूल डावत जोर स चिल्लानेन, अउर कहेन:

"महानगरी! हाय, इ केतनी भयानक अहइ! उ रोअत अउर सोक मनावत भए कहेन: हाय हाय! महान नगरी जेकरे सम्पत्ति स सब जहाजवाले धनवान होइ गए रहेन! अब घंटा भर ही मँ उजर गई।
20 हे सरग, प्रेरितन! अउर नबीयन! ओकरे बदे खुसी मनावा, परमेस्सर क लोगन खुसी मनावा! काहेकि परमेस्सर ओका उही तरह दण्ड दइ दिहेन जइसेन दण्ड उ तोहका दिहे रहा।"

[21]फिन एक ताकतवर सरगदूत चक्की क पाट जइसी एक जबर क चट्टान उठायेस अउर ओका समुद्दर मँ फेंकत कहेस,

"महानगरी! अरी बेबीलोन महानगरी! तोहका क इही गति स बलपूर्वक फेंक दीन्ह जाई, अउर तू नस्ट होइ जाबू, फिन स मिल न पउबू।
22 अउर तुझमाँ बीणा बादकन, संगीतज्ञन बांसुरी बजावइ वालन अउर तुरही फूँकइ वालन का स्वर फिन कबहुँ सुनाई पड़ी, न कउनो कला क सिल्पी तोहरे मँ पावा जाई न तोहमाँ कउनो चक्की क आवाज सुनाइ देई
23 अउर कबहूँ फिन दिया क ज्योति न चमकी, अउर न तउ कबहूँ फिन दुल्हा दुलहिन क मीठी आवाज गूँजी। तोहरे न व्यौपारी जे दुनिया महान लोगन मँ स रहेन तोहार जादूगरी जाति भरमाई गइन रहीं।
24 इ नगरी मँ नबियन क खून बहावा पावा ग रहा, अउर परमेस्सर क पवित्तर मनइयन क लहू बहावा ग रहा, अउर उ सबहिं जेका इ धरती प बलि चढ़ाइ दीन्ह ग रहा।"

सरग मँ परमेस्सर क स्तुति

19 एकरे बाद मइँ सरग क भीड़ स उच्च स्वर मँ आवाज आवत सुने रह्यो:

"हल्लिलूय्याह! परमेस्सर क जय होइ! जय होइ! महिमा अउर समर्थ हमेसा मिलइ!
2 ओकर निआव सच्चे अउर धर्ममय अहइ। उ बड़ी वेस्या क उ निआव करेस, जउन आपन व्यभिचार स इ धरती क भ्रस्ट कइ दिहे रही, अपने दासन क मउत क बदला लइ लिहेस।"

[3]ओनन्ह फिन कहेन्ह:

"हल्लिलूय्याह! ओसे धुँआ जुग जुग तक उतरत रहा।"

[4]फिन चौबीसउँ बुजुर्गन अउर चारउ प्रानिअन सिहांसन प बइठा परमेस्सर क झुकके प्रणाम करेन अउर ओकर आराधना करत गावइ लागेन:

"आमीन, हल्लिलूय्याह!"

[5]सिंहासन स फिन एक आवाज आइ जउन कहत रही:

"ओ ओकर सेवकन! तू सबे हमरे परमेस्सर क स्तुति करा, अउर अपने सब लोगन का चाहे बड़ा होइ या छोट सबइ क इज्जत करत रहा!"

[6]फिन मानो मइँ एक विसाल जनसमूहे क अवाज सुनेउँ जउन कि भयंकर पानी क बहाव अउर बदरन क जोरदार गरजइ-तरजइ क अवाज जइसे रही। कहत रही:

"हल्लिलूय्याह! जय होइ ओकर, काहे बदे कि हमार पर्भू परमेस्सर, सर्वसक्ति स पूरा होइके राज्य क ताकतवर बनावत अहइ।
7 इ बदे आवा, आनन्द खुसी मनावा। आवा, ओका महिमा देइ। काहे बदे कि अउर मेमना क बियाह क समइ आइ गवा अहइ। ओकर दुलहिन सजी धजी तैयार होइ गइ।
8 ओका आज्ञा मिली अहइ, साफ सफेद निर्मल मलमल पहन ल्या।"

(इ मलमल परमेस्सर क पवित्तर लोगन बढ़िया कामन क प्रतीक अहइ।)

[9]फिन उ मोसे कहइ लाग, "लिखा, उ धन्य अहइ जेनका इ बियाह क भोज मँ बोलावा ग अहइ।" उ मोसे फिन कहिस, "इ परमेस्सर क सच्चा वचन अहीं।"

[10]अउर मइँ ओकर आराधना करइ क बदे ओकरे पाँव प गिर पड़ेउँ। मुला उ मोसे कहेस, "सावधान! अइसा न करा। मइँ तउ तोहरे अउर तोहरे भाइयन क साथी परमेस्सर क साथी सेवक अहउँ जउने पर ईसू क साच्छी क भविस्सबाणी की आतिमा अहइ। अउर प्रचार क जिम्मेदारी अहइ। परमेस्सर क आराधना करा, काहे बदे कि ईसू क प्रमाणित संदेस इ बात क साच्छी अहइ कि ओहमाँ एक नबी क आतिमा अहइ।"

सफेद घोड़ा क सवार

11फिन मइँ सरग क खुलत देखेउँ अउर हुवाँ मोरे
समन्वा एक सफेद घोड़ा रहा। घोड़े प जउन बइठा रहा
ओका बिसवासनीय अउर सत्य कहा जात रहा काहे बदे
कि उ निआव धार्मिकता स निर्णय करत ह। 12ओकर
आँखी अइसी रहीं जइसे आगी क लपट होइँ। ओकरे मूँड़े
पइ बहुत स मुकुट रहेन। ओकरे ऊपर एक नाउँ लिखा
रहा, जेका ओकरे अलावा अउर केहू नाहीं जानत। 13उ
अइसा कपरा पहिने रहा जउने क खून मँ डुबोवा ग रहा।
ओका नाउँ दीन्ह रहा, "परमेस्सर क वचन"। 14सफेद
घोड़न प बइठी सरग क सेना ओकरे पीछे-पीछे चलत
रहिन। उ साफ सफेद मलमल क कपरा पहिने रहा।
15रास्ट्रन क मारइ क बदे ओकरे मुँहे स एक तेज धार
क तलवार बाहेर निकरत रही। उ ओकरे ऊपर लोहे
क दण्ड स सासन करी। अउर सर्वसक्तिमान पर्भू परमेस्सर
क भयानक गुस्सा क धानी मँ अंगूर क रस निचोड़ी।
16ओकरे वस्त्र अउर जाँघ पर इ नाउँ लिख रहा:

राजन क राजा, अउर पर्भूअन क पर्भू।

17एकरे बाद मइँ देखेउँ कि सूरज क ऊपर एक
सरगदूत खड़ा अहइ। उ ऊंचे अकास मँ उड़इवाली सबहिं
चिड़ियन स जोर क अवाज स कहेस, "आवा, परमेस्सर
क महाभोज क बदे एकट्ठा होइ जा। 18जइसे कि तू
सासकन, सेनापतियन, मजदूर आदमियन, घोड़न अउर
ओनके सवारन क मांस खाइ सका। अउर सब मनई
छोट-बड़ा आदमियन अउर खास आदमियन क सरीर
खाइ सका।"

19फिन मइँ उ जानवर क अउर धरती क राजन क
देखेउँ ओनके संग ओनकइ सेना रही। उ पचे उ एक
घोड़ा क सवार अउर ओकरी सेना स युद्ध करइ एक
साथे आइके जुट गएन। 20उ जानवर क पकड़ा गवा।
ओकरे साथ उ झूठा नबी भी रहा जउन जानवर की
उपस्थिति मँ अद्भुत कारजन देखावा करत रहा अउर
ओनका ठगत रहा जउने प उ जानवर क छाप लगी रही
अउर जउन ओकरी मूर्ति क आराधना करत रहेन। उ
जानवर क अउर झूठे नबी, दुइनउँ क जलत गंधक क
भभकत झील मँ जिन्दइ डाल दीन्ह गवा। 21घोड़ा क
सवार क मुँह स जउन तलवार निकरत रही, बाकी क
सैनिक ओसे मार डावा गएन। फिन चिड़ियन मिलके
ओकर माँस खाइके अघाइ गइन।

हजार साल

20 फिन अकास स मइँ एक सरगदूत क नीचे
उतरत देखेउँ। ओकरे हाथ मँ पाताल क चाभी
अउर एक बड़ी संकरी रही। 2उ पुरान महासांप क
पकड़ लिहेस जउन कि दैत्य यानी सइतान आटइ फिन
ओका एक हजार साल क बदे संकरी मँ बांध दिहेस।
3तउ उ सरगदूत ओका अथाह कुंड मँ डाल कर बन्द
करिके परदार सांपे प मुहर लगाइ दिहेस जेहसे जब
तलक हजार साल पूरा न होइ जाइ, उ कउनउ मनई क
धोखा न दइ सकइ। हजार साल पूरा होइ जाइ क पाछे
ओका कछू समइ क बदे छोड़ा जाइ क अहइ।

4फिन मइँ कछू सिंहासन देखेउँ जउने प कछू मनई
बइठा रहेन। ओनका निआव करइ क अधिकार दीन्ह
ग रहा। अउर मइँ ओनकी आतिमा क देखेउँ जेनके
सिर, उ सच्चाई क कारण, जउन ईसू स प्रमाणित अहइँ
अउर परमेस्सर क संदेस स, काट दीन्ह ग रहेन, जे उ
जानवर या ओकरी मूर्ति क कबहूँ पूजा नाहीं करे रहेन।
जे अपने माथे प या अपने हाथे प ओकर निसानी कबहूँ
धारण नाहीं किहे रहेन। उ पचे फिन स जिन्दा होइ गएन
अउर उ मसीह क साथ एक हजार साल तक राज
करेन। 5बाकी मनई हजार साल पूरा होइ गए प फिन स
जिन्दा नाहीं भएन। इ पहिला पुनरुत्थान आटइ। 6उ धन्य
अहइ अउर पवित्तर अहइ, जउन पहले पुनरुत्थान मँ
भाग लेत अहइ। एन पइ दूसरी मृत्यु क कउनो अधिकार
नाहीं अहइ। इ आदमियन प दूसरी मउत क कउनउ
अधिकार नाहीं मिला अहइ। पर उ पचे तउ परमेस्सर
अउर मसीह क आपन याजकन होइहइँ अउर ओकरे
साथे एक हजार साल तक राज करिहइँ।

7फिन एक हजार साल पूरा होइ जाए प सइतान क
ओकरी जेल स छोड़ दीन्ह जाई। 8अउर उ समूची धरती
प फइली राष्टन क छलइ क बदे निकल पड़ी। उ गोग
अउर मागोग क छली। उ ओनका लड़ाई क बदे एकट्ठा
करी। उ ओतनइ अनगिनत होइहीं जेतना कि समुद्दर क
तट क रेतकण अहइँ।

9सइतान क सेना समूची धरती प फैल जाई अउर उ
परमेस्सर क लोगन क छावनी अउर ओनकर प्यारी
नगरी क घेर लेई। मुला आग जउन सरागे से उतरी
अउर ओनका निगल जाई, 10एकरे पाछे उ सइतान क
जउन ओनका धोखा-देत रहा ह, भभकत गंधक क
झील मँ फेंक दीन्ह जाई जहाँ उ जानवर अउर झूठा नबी
दुइनउँ डाला ग अहइँ। ओनका हमेसा हमेसा क बदे रात
दिन तड़पावा जाई।

दुनिया क मनइयन क निआव

11फिन मइँ एक जबरदस्त सफेद सिंहासन कइँती
ओह प विराजमान जे रहा, ओका देखेउँ। ओकरे सामने
स धरती अउर आकास भाग खड़ा भएन। ओनका पता
नाहीं चल पावा। 12फिन मइँ छोट अउर बड़ा मृतक
मनइयन क देखेउँ। उ पचे सिहांसन क आगे खड़ा रहेन।
कछू किताब खोली गइन। फिन एक अउर किताब खोली
गई। उ रही जीवन क किताब अउर ओन किताबन मँ
लिखी गई बातन क आधार पर मृतकन का न्याय ओनके

कामन क अनुसार कीन्ह गया। [13]जउन मृतक मनइयन
समुद्दर मँ रहेन, ओनका समुद्दर दइ दिहेस, अउर मृत्यु
लोक अउर अधोलोक आपन आपन मृतक मनइयन क
सौंप दिहेन। हर एक क निआव ओनके कर्मन क
अनुसार कीन्ह गवा। [14]एकरे बाद मउत क अउर
अधोलोक क आग क झील मँ झोंक दीन्ह गवा। इ आग
क झील दूसरी मउत आटइ। [15]जउ कउनो मनई क
नाम जीवन क पोथी मँ न मिली तउ उहू क आग क
झील मँ ढकेल दीन्ह गवा।

नवा यरूसलेम

21 फिन मइँ एक नया सरग अउर नई धरती देखेउँ।
काहे बदे पहिला सरग अउर पहली धरती खतम
होइ ग रहेन। अउर कब क समुद्दरउ नाहीं रहा। [2]मइँ
यरूसलेम क उ पवित्त नगरी नवा यरूसलेम क आकास
स बाहर निकरिके परमेस्सर कइँती स नीचे उतरत
देखेउँ। उ नगरी क अइसे सजावा ग रहा जइसे कउनो
दुलहिन क ओकरे पति स मिलइ क बरे सजावा ग होइ।
[3]तबइ मइँ आकास मँ एक जोरदार आवाज सुनेउँ। उ
कहत रही, "देखा अउर परमेस्सर क मंदिर आदमियन
क बीच मँ अहइ अउर उ ओनही क बीच मँ रही। उ
पचे ओकर लोग रइहीं अउर परमेस्सर ओनकइ परमेस्सर
होइहइ। अउर खुदइ परमेस्सर ओनकइ परमेस्सर होइहइ।
[4]ओनकी आँख क एक एक आँसू उ पोंछ डाई। अउर
हुवाँ अउर न तउ कबहूँ मउत होई न सोक इ बजह स
केहू क रोवइ धोवइ क न पड़ी। काहे बदे कि उ सब
पुरानी बात अब खतम होइ चुकी बाटिन।"
[5]एकरे ऊपर जउन सिंहासन प बइठा रहा, उ बोला,
"देखा मइँ सब कछू नवा कइ देत अहउँ।" उ फिन
कहेस, "एका लिख ल्या काहे बदे कि इ वचन बिसवास
लायक अहइ अउर इ सच्चा अहइ।"
[6]फिन उ मोसे बोला, "सब कछू पूरा होइ चुका
अहइ। मइँ अलफा अहउँ अउर मइँ ओमेगा अहउँ। मइँ
आदि अहउँ अउर मइँ अन्त अहउँ। जउन मनई जे
पिआसा अहइ, मइँ ओका जीवन-जल क झरना स सेंत-मेत
मँ खुले मन स जल पिआउब। [7]जउन विजयी होई, उ सब
चीज क मालिक बनी। मइँ ओकर परमेस्सर होब अउर
उ मोरे पूत होई, [8]मुला कायरन, अबिसवासियन, मूर्खन,
हत्यारन, व्यभिचारन, जादू-टोना करइवालेन, मूर्ति क
पूजा करइवालेन अउर झूठ बोलइ वालेन क भभकत
गंधक क जलत झील मँ आपन हिस्सा बँटावइ क होई। इ
दूसरी मउत आटइ।"
[9]फिन उ सात सरगदूतन मँ स एक, जेनके लगे सात
आखिरी विनास क कटोरा रहेन, एक ठु आगे आवा
अउर मोसे बोला, "हिआँ आवा! मइँ तोहका उ दुलहिन
देखाइ देइ जउन मेमना क दुलहिन अहइ।" [10]अबहीं मइँ
आतिमा क आवेस मँ रहे कि उ मोका एक विसाल
अउर ऊँचे पर्वत प लइ गवा। फिन उ मोका यरूसलेम
क पवित्तर नगरी क दर्सन कराएस। उ परमेस्सर क
तरफ स आकास स नीचे उतरत रही। [11]उ परमेस्सर क
महिमा स चमकत रही। उ बिल्कुल निर्मल यसब नामक
महामूल्ययवान रत्नन तरह चमकत रही। [12]नगरी क
चारिहुँ कइँती एक बड़ा क ऊँचा परकोटा रहा जेहमाँ
बाहर दरवाजा रहेन। उ बारहउ दरवाजन प बारह सरगदूत
रहेन। अउर बारहौ दरवाजा प इस्राएल क बारह कुलन
क नाउँ छपा रहेन। [13]एहमाँ स तीन दरवाजा पूरब क
तरफ रहेन, तीन दरवाजा उत्तर कइँती तीन दरवाजा
दच्छिन कइँती अउर तीन दरवाजा पच्छिम कइँती रहेन।
[14]नगर क परकोटा बारह नीव प बनावा ग रहा अउर
ओनके ऊपर मेमना क बारह प्रेरितन क नाउँ छपा
रहेन।
[15]जउन सरगदूत मोसे बतियात रहा, ओकरे लगे
सोना क बनी नापइ क एक छड़ी रही जउने स उ नगर
क फाटक अउर परकोटा क नाप सकत रहा। [16]नगर
क वर्गाकार बसावा ग रहा। इ जेतना लम्बा रहा, ओतना
चौड़उ रहा। उ सरगदूत उही छड़ी स नगर क नापेस।
ओकर लम्बाई करीब [12]हजार स्टोडिया पाई गइ। ओकर
लम्बाई, चौड़ाई अउर उँचाई एकइ तरह रही। [17]सरगदूत
फिन ओकरे परकोटे क नापेस। उ करीब 144 हाथ
रहा। ओका मनई क हाथन क लम्बाई स नापा ग रहा
जउन हाथ सरगदूतन क हाथ अहइ। [18]नगर क परकोटा
यसब नाम क रत्नन क बना रहा अउर नगर क कांच
क तरह चमकत सुद्ध सोना स बनावा ग रहा। [19]नगर क
परकोटे क नींव हर तरह क बेसकीमती रत्नन स सुसज्जित
रहिन। नींव क पहला पाथर यसाब क बना रहा, दूसरा
नीलम स, तीसर स्फटिक स, चौथा पन्ना स, [20]पाँचवा
गोमेद स, छठा मानक स, सातवाँ मणि स, आठवाँ पेरोज
स, नवाँ पुखराज स, दसवाँ लहसनिया स, ग्यारवाँ धूम्रकान्त
स, अउर बारहवाँ चन्द्रकान्ता मणि स बना रही। [21]बारहउँ
दरवाजा, बारह मोतियन स बना रहेन, हर दरवाजा एक
एक मोती स बना रहेन। नगर क गलियन साफ कांच
जइसे सुद्ध सोने क बनी रहिन।
[22]नगर मँ मइँ कउनउ मंदिर नाहीं देखाई पड़ा। काहे
बदे कि सबसे सर्वसक्तिमान पर्भू परमेस्सर अउर मेमना
ओकर मंदिर मँ रहेन। [23]उ नगर क कउनउ सूरज या
चांद क जरूरत नाहीं रही जउन ओका रोसनी देइ काहे
बदे कि उ परमेस्सर क महिमा स खुदइ प्रकासित रहा।
अउर मेमना उ नगर क दिया आटइ। [24]सब जातियन क
मनई इही दीपक क रोसनी क सहारे आगे बढ़िहइँ।
अउर इ धरती क राजा आपन सुन्दरता इ नगर मँ लइ
अइहीं। [25]दिन क समइ एकर दरवाजा कबहूँ बन्द न
होइहइँ अउर हुवाँ रात तउ कबहूँ होइ न करी। [26]जातियन
क वैभव अउर धन सम्पत्ति क उ नगर मँ लिआवा जाई।
[27]कउनो गन्दी चीज ओहमाँ घुसइ न पाई। अउर न तउ

लज्जा भरा काम करइवालेन अउर झूठ बोलइवालेन
ओहमाँ घुसइ न पइहइँ। ओहमाँ ओनहीं मनई घुसइ पइहइँ
जउने क नाउँ मेमना जीवन क पुस्तक मँ लिखा अहइ।

22 एकरे बदे उ सरगदूत मोका जीवन देइवाली
पानी क एक नदी देखाएस। उ नदी स्फटिक क
तरह चमकत रही उ परमेस्सर अउर मेमना क सिहांसन
क निकरत भइ 2नगर क गलियन स होत भइ बहत
रही। नदी क दुइनउँ किनारे प जीवन पेड़ उगा रहेन।
ओनके ऊपर हर साल बारह बार फल लगत रहेन।
एकरे हर एक पेड़ प हर महीना एक फसल लगत रही
अउर इ पेड़न क पत्तियां तमाम रास्ट्रन क रोग दूर करइ
क बदे रहिन। 3हुवाँ कउनउ तरह क कउनउ स्राप नाहीं
होई। इस नगर मँ परमेस्सर अउर मेमना क सिंहासन
हुवाँ बना रही। अउर ओकर नौकर ओनकइ आराधना
करिहइँ, 4अउर ओकर मुख देखिहीं अउर नाउँ ओकरे
माथे प होइ। 5हुवाँ कबहूँ रात न होइ। अउर न तउ सूरज
अथवा दीपक क रोसनी क कउनउ जरूरत पड़ी। काहे
बदे कि ओनके ऊपर पर्भू परमेस्सर आपन रोसनी उ
डइहइँ अउर उ हमेसा सासन करिहइँ।

6फिन सरगदूत मोसे कहेस, "इन बचनन का बिसवास
करइ लायक अउर सच्चा अहइँ। नबियन क, आतिमा
क, परमेस्सर पर्भू, परमेस्सर क सेवकन क, जउन कछू
जल्दी घटइवाला अहइ, ओका जतावइ क बदे आपन
सरगदूत भेजे अहइ।"

7"सुना! मइँ जल्दी आवइ वाला अहउँ। उ पचे धन्य
अहइँ, जउन इ किताब मँ दीन्ह उ बचनन क पालन
करत हीं जउन भविस्सबाणी अही।"

8मइँ यूहन्ना अहउँ। मइँ इ बात सुनेउँ अउर देखे
अहउँ। जब मइँ इ बात देखेउँ सुनेउँ तब उ सरगदूत क
चरनन मँ गिर क मइँ ओकर आराधना कीन्ह जउन
मोका इ बात देखावत रहा। 9उ मोसे कहेस, "सावधान, तू
अइसा न करा! काहे बदे कि मइँ तउ तोहार, तोहरे भाई
नबियन क उन लोगन जउन इ किताब मँ लिखा बचनन
क पालन करत हीं, एक साथी नउकर अहउँ। बस
परमेस्सर क आराधना करा!" 10उ मोसे फिन कहेस,
"इ किताब मँ जउन भविस्सबाणी दीन्ह गइ अहइँ, ओनका
छिपाय क न रखा, काहे बदे कि इ बातन क घटित होइ
क समइ करीबइ अहइ। 11जउन बुरा कारज करत चला
आवत अहइँ, उ बुरा करत रहइँ जे गन्दा करत अहइँ,
उ गन्दा करत रहइँ। जे धर्मी अहइँ, उ धरम का कारज
ही करत रहइँ।

12"देखा! मइँ जल्दी आवइवाला अहउँ! सबही मनइयन
क ओनके कर्मन क अनुसार देइ क प्रतिफल मोरे पास
अहइ। 13उ मइँ अलफा अहउँ अउर मइँ ओमेगा अहउँ।
मइँ पहिला अहउँ अउर मइँ आखिरी अहउँ। मइँ आदि
अहउँ अउर मइँ अन्त अहउँ।

14"उ पचे धन्य अहइँ जउन अपने कपड़न क धोइ
लेत हीं। ओनका जीवन-पेड़ क खाइ क अधिकार होई।
ओन दरवाजन स होइके नगर मँ घुसइ क अधिकारी
होइहइँ। 15 मुला 'कुत्ता', जादू-टोना करइवाले, व्यभिचारी,
मूरत क पूजइवाले, या झूठ स पिरेम अउर ओनपइ
अचरज करत अहइँ बाहेर रहिहीं।

16"खुदइ मइँ ईसू, तोहरे पचे क बदे, अउर कलीसियन
क बदे इ बातन क साच्छी देइ क बदे आपन सरगदूत
भेजेउँ। मइँ दाऊद क परिवार क बंसज अहउँ। मइँ भोर
क दमकत तारा अहउँ।"

17आतिमा अउर दुलहिन कहत ह, "आवा!" अउर
जउन व्यक्ति एका सुनत ह, उहउ कहइ, "आवा!" अउर
जउन व्यक्ति पिआसा होइ उहउ आवइ अउर जे चाहे
उहउ इ जीवन देइवाली जल क उपहार क बिना मूल्य
क ग्रहण करइ।

18मइँ सपथ खाइके ओन मनइयन क बदे चेतावनी
देइत अहउँ जउन इ किताब मँ लिखा भविस्सबाणी क
वचनन क सुनत हीं: एहमा स जब कउनउ अउर कछू
जोड़ देइ तउ इ किताब मँ लिखा महाविनास परमेस्सर
ओकरे ऊपर ढाई।

19अउर जउ नबियन क लिखी इ किताब मँ स
कउनो सब्दन मँ स घटाई तउ परमेस्सर इ किताब मँ
लिखा जीवन पेड़ अउर पवित्तर नगरी मँ स ओकर भाग
ओसे छीन लीन्ह जाई।

20ईसू जउन इ बातन क साच्छी अहइ, उ कहत ह,
"हाँ! मइँ जल्दी आवत अहउँ।"

आमीन! पर्भू ईसू आवा।

21पर्भू ईसू क अनुग्रह सबके साथ रहइ।

License Agreement for Bible Texts

World Bible Translation Center
Last Updated: September 21, 2006

Copyright © 2006 by World Bible Translation Center
All rights reserved.

These Scriptures:

- Are copyrighted by World Bible Translation Center.
- Are not public domain.
- May not be altered or modified in any form.
- May not be sold or offered for sale in any form.
- May not be used for commercial purposes (including, but not limited to, use in advertising or Web banners used for the purpose of selling online add space).
- May be distributed without modification in electronic form for non-commercial use. However, they may not be hosted on any kind of server (including a Web or ftp server) without written permission. A copy of this license (without modification) must also be included.
- May be quoted for any purpose, up to 1,000 verses, without written permission. However, the extent of quotation must not comprise a complete book nor should it amount to more than 50% of the work in which it is quoted. A copyright notice must appear on the title or copyright page using this pattern: "Taken from the HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™ © 2006 by World Bible Translation Center, Inc. and used by permission." If the text quoted is from one of WBTC's non-English versions, the printed title of the actual text quoted will be substituted for "HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™." The copyright notice must appear in English or be translated into another language. When quotations from WBTC's text are used in non-saleable media, such as church bulletins, orders of service, posters, transparencies or similar media, a complete copyright notice is not required, but the initials of the version (such as "ERV" for the Easy-to-Read Version™ in English) must appear at the end of each quotation.

Any use of these Scriptures other than those listed above is prohibited. For additional rights and permission for usage, such as the use of WBTC's text on a Web site, or for clarification of any of the above, please contact World Bible Translation Center in writing or by email at distribution@wbtc.com.

World Bible Translation Center
P.O. Box 820648
Fort Worth, Texas 76182, USA
Telephone: 1-817-595-1664
Toll-Free in US: 1-888-54-BIBLE
E-mail: info@wbtc.com

WBTC's web site – World Bible Translation Center's web site: http://www.wbtc.org

Order online – To order a copy of our texts online, go to: http://www.wbtc.org

Current license agreement – *This license is subject to change without notice. The current license can be found at:* http://www.wbtc.org/downloads/biblelicense.htm

Trouble viewing this file – If the text in this document does not display correctly, use Adobe Acrobat Reader 5.0 or higher. Download Adobe Acrobat Reader from: http://www.adobe.com/products/acrobat/readstep2.html

Viewing Chinese or Korean PDFs – To view the Chinese or Korean PDFs, it may be necessary to download the Chinese Simplified or Korean font pack from Adobe. Download the font packs from: http://www.adobe.com/products/acrobat/acrrasianfontpack.html